ANALECTA

COMICA GRAECA

SCRIPSIT

FREDERICUS H. M. BLAYDES, M.A. OXON.

HON. LL.D. DUBLIN. PHIL. D. BUDAPEST. SODALIS SOC. LITT. ATHEN. ETC.

AEDIS CHRISTI IN UNIVERSITATE OXONIENSI QUONDAM ALUMNUS.

HALIS SAXONUM,

IN ORPHANOTROPHEI LIBRARIA.

MDCCCCV.

Corrigenda.

Eccl. 942. Pro "Cf. ad 103." corr. "Cf."
Eccl. 1201. Dele "1092."
Pac. 885. Pro "Plut. com. II. 657." corr. "Plat. com. II. 657."
Pac. 981. Dele "554."
Pac. 1237. Pro *"τοι θεοί"* corr. *"τοὶ θεοί."*
Pac. 1306. Pro *"καί τινάς"* corr. *"καί τινας."*
Pac. 1307. Dele "et ad Eq. 1295."
Pl. 316. Dele *"ὕμνων — βουλεύματος."*
Pl. 323. Pro "Cf. 1357." corr. "Cf. Nub. 1357."
Pl. 524. Pro *"ποιουσῖν"* corr. *"ποιοῦσιν."*
Pl. 529. Pro *"στατοῖσι"* corr. *"στακτοῖσι."*
Ran. 1124. Dele *"Πανδιονίς."*
Alicubi in annotatione pro "Ariadne" corr. "Ariadna."

ACHARNENSES.

Pers. *Δικαιόπολις*] Cf. *ἡδύπολις* (Soph. O. R. 510.).

1. Cf. Vesp. 374. *τοῦτον — ποιήσω δακεῖν τὴν καρδίαν*. 1471. *κράτος — καρδιόδηκτον*. Aesch. Ag. 791. *δῆγμα δὲ λύπης | οὐδὲν ἐφ' ἧπαρ προσικνεῖται*. Trag. adesp. 110. *πῆμ' ἐλευθέραν δάκνον | ψυχήν*. Eur. Alc. 112. *ψυχὴ δηχθεῖσα κακοῖσιν*.

2. Cf. Ran. 748. *καὶ τοῦθ' ἥδομαι*. Hermipp. 77. *ἃ (γὰρ) τόθ' ἥσθην, ταῦτα νῦν ἀνήδομαι (ἀφήδομαι?)*. Soph. O. R. 785. *τὰ μὲν κείνοιν ἐτερπόμην*. Eur. Fr. 674. *χαίρω σὲ — ἐξολωλότα*. Fr. 757, 4. *καὶ τάδ' ἄχθονται βροτοὶ —;* Trag. adesp. 27. *τὸ μέν τι χαίρω, τὸ δέ τι καὶ λυπούμεθα*. Soph. O. R. 936. *τὸ δ' ἔπος οὑξερῶ τάχ' ἂν | ἥδοιο*. *τέτταρα*] Sic Vesp. 440. *κλάειν τέτταρα*. Antiph. 82, 4. *ἐλεφάντων τεττάρων*. 121. *σικύους τέτταρας*. 172, 3. *ὅπου | τέτταρα λήψει κρέα μίκρ' ὀβόλου*. Alex. 285, 1. *κοτύλας τέτταρας*. 432. *ἐπιχέας — κυάθους — τέτταρας*. Epigen. 5, 3. *ῥυτὰ τέτταρα*. Anaxipp. 6, 3. *κοπίδας τέτταρας*. Damox. 2, 4. *τάλαντα — τέτταρα*. Philem. 120, 1. *ἡμερῶν πλοῦν τεττάρων*. Men. 42. *τεττάρων ᾠῶν — τὸ νεοττίον*. 67, 4. *ἀνίσταμαι γοῦν τέτταρας κεφαλὰς ἔχων*. Com. adesp. IV. 652. *ἀργοὶ κάθηνταί μοι γυναῖκες τέτταρες*. Ut hic *ἡσθῆναι τέτταρα*, sic *κλάειν τέτταρα* Vesp. 440. Similiter fere *δώδεκα* pro numero finito saepe usurpatur. V. Ind. Com. in h. v.

3. *ἃ δ' ὠδυνήθην*] Cf. Soph. Phil. 1021. *σὺ μὲν γέγηθας ζῶν, ἐγὼ δ' ἀλγύνομαι | τοῦτ' αὔθ', ὅτι ζῶ κτλ.* 906. *τοῦτ' ἀνιῶμαι πάλαι*. Eur. Fr. 757, 4. *καὶ τάδ' ἄχθονται βροτοί*. Hom. Il. 5. 361. *ἄχθομαι ἕλκος*. *ψαμμ.*] Cf. Eupol. 286. *ἀριθμεῖν θεατὰς ψαμμακοσίους* (add. *ἤρξατο?*). Athen. VI. 230 C. *καλῶν τὸν οἰκέτην ἕνα ὄντα μόνον ὀνόμασι δὲ χρώμενον ψαμμακοσίοις*. Herod. I. 47. *οἶδα ψάμμου ἀριθμόν* (orac.). Trag. adesp. 442. *χρημάτων τε γάργαρα*.

4 sq. Cf. Pher. 6, 1. *φέρ' ἴδω, κιθαρῳδὸς τίς κάκιστος ἐγένετο; | Β. ὁ Πεισίου Μέλης. Α. μετὰ δὲ Μέλητα τίς; | Β. ἔχ' ἀτρέμ', ἐγᾦδα· Χαῖρις.* *φέρ' ἴδω, τί δ' ἥσθην —;*] Cf. Vesp. 563. *φέρ' ἴδω, τί γὰρ οὐκ ἔστιν —;* Soph. O. C. 332. *τέκνον, τί δ' ἦλθες;*

χαιρηδόνος] Formatum ut *ἀλγηδών* et *ἀχθηδών* (Thuc.). Similiter fere comice *ἥσθημα* pro *ἡδονὴν* posuit Eupolis 131.

5. ἐγῷδα] Cf. Th. 850. Cratin. 187, 3. Chionid. 1, 11. Stratt. 34, 2. 40, 1. Plat. com. 160, 2. ὁδὶ μὲν Ἀναγυράσιος ὀρφώς ἐστί σοι. | B. οἶδ', ᾧ φίλος Μυνίσκος ἔσθ' ὁ Χαλκιδεύς. Scribendum sic, ἐγῷδ', ἐφ' ᾧ —.

6. οἷς ἐξήμεσεν] Quidni οὓς —? Cf. Eq. 1148. ἔπειτ' ἀναγκάζω πάλιν ἐξεμεῖν ἅττ' ἂν κεκλόφωσί μου. Plaut. Curc. V. 3. 10. 'argentum propera vomere.'

7. ταῦθ' ὡς ἐγανώθην] Cf. Aesch. Eum. 968. τόδε τοι — γάνυμαι. Ran. 748. καὶ τοῦθ' ἥδομαι.

8. ἄξιον γὰρ Ἑλλάδι] Cf. 206. Nub. 473. πράγματα — ἄξια σῇ φρενί.

12. Cf. 24. Pl. 742. Nub. 881. Ran. 54. πῶς οἴει. Eccl. 399. πόσον δοκεῖς. Ararot. 13. πῶς δοκεῖς.

15. Cf. Ran. 17. ὅταν τι τούτων τῶν σοφισμάτων ἴδω, | πλεῖν ἢ 'νιαυτῷ πρεσβύτερος ἀπέρχομαι. Th. 846. ἰλλὸς γεγένημαι προσδοκῶν. 1089. Antiph. com. III. 103. ὁρῶντες ἐξέθνησκον ἐπὶ τῷ πράγματι. Menand. IV. 153. γέλωτι πρὸς τὸν Κύπριον ἐκθανούμενος. διεστράφην] Cf. Athen. VIII. 339 E. διάστροφος τοὺς ὀφθαλμούς. Eustathius, οἱ φύσει τὰς ὄψεις διεστραμμένοι λέγονται παραβλέπειν. ἰδών] Anglice, at the sight. Cf. 5.

16. Χαῖρις] Cf. Pher. II. 257. κιθαρῳδὸς τίς κάκιστος ἐγένετο; — B. ἔχ' ἀτρέμ'· ἐγῷδα· Χαῖρις. Nomen Χαῖρις occurrit etiam Anth. Pal. VII. 435. et in schol. Vesp. 1238. τὸν ὄρθιον νόμον] Cf. Aesch. Ag. 1153. μελοτυπεῖς — ὀρθίοις ἐν νόμοις. Soph. Fr. 14. ὅταν τις ᾄδῃ τὸν Βοιώτιον νόμον. Eur. Tro. 1266. ὀρθίαν ὅταν | σάλπιγγος ἠχὴν δῶσιν ἀρχηγοὶ στρατοῦ.

17. Cf. Antiph. III. 81. ἥκει, πάρεστι, ῥύπτεται, προσέρχεται.

18. κονίας] Cf. Lys. 470. et ($\breve{\iota}$ in mel.) Ran. 712. et ($\bar{\iota}$ in anap.) Aesch. Ag. 604.

19. Secundum scholiastam singulis mensibus ternae erant κύριαι aut νόμιμοι ἐκκλησίαι, sed grammatici fide dignissimi qui Aristotelem sequuntur, Pollux (VIII. 96.) et Harpocratio primas tantum cujusque πρυτανείας κυρίας appellatas fuisse docent.

20. ἑωθινῆς] Cf. Soph. Fr. 445, 1. ἑωθινὸς γὰρ — εἶδον στρατὸν etc. ἡ πνὺξ] Πνὺξ etiam πυκναία appellabatur teste Steph. Byz. p. 529, 4. Cf. Ion. trag. 65. Mane habebantur conciones. Cf. Eccl. 84. ἡκκλησία — ἐξ ἕω γενήσεται.

22. Cf. Eubul. III. 250. ἱδρὼς ἄλοκα μιλτώδη ποιεῖ.

24. εἶτα δ'] I. q. κᾆτα. De constructione cf. ad Nub. 623. Eq. 392. ὠστιοῦνται] Cf. Telecl. 1, 13. τῶν δὲ πλακούντων ὠστιζομένων περὶ τὴν γνάθον ἦν ἀλαλητός. Lucian. Lexiph. 4. μετὰ τοῦ σύρφακος βύζην ὠστιζόμενοι. Cognata vocabula videntur nostra to oust, to hustle. πῶς δοκεῖς] Cf. 12. Nub. 881. Pl. 742. Eur. Hipp. 446. Iph. A. 1590. Hec. 1160. Similiter Theophil.

com. 2. τῶν Θηρικλείων πῶς δοκεῖς κεραννύει etc. Ararot. 13. ἀναρπάσας μόναυλον εὐθὺς πῶς δοκεῖς | κούφως ἀνήλλετ'. Diph. 96, 1. δειπνεῖ τε καταδὺς πῶς δοκεῖς Λακωνικῶς. Synes. Epist. 7. πῶς δοκεῖτε δέδηγμαι τὴν καρδίαν. Ran. 54. πῶς οἴει. Eccl. 309. πόσον δοκεῖς.

25. Cf. Nicoph. Fr. 14. ἀλλᾶς μαχέσθω περὶ ἕδρας παροψίδι. πρώτου ξύλου] Cf. 32. Vesp. 90. στένει | ἢν μὴ 'πὶ τοῦ πρώτου καθέζηται ξύλου.

26. Cf. Eccl. 384. ἀνθρώπων ὄχλος — ἦλθ' ἀθρόος ἐς τὴν πύκνα. Eubul. 9, 4. δύναται καταπιεῖν ἐκ ζεόντων λοπαδίων | ἀθρους τεμαχίτας. Phalar. Epist. IX. 40. ὅπως δὲ αὐτὸς ἀπονοστήσῃς (l. -εις) ἀπαθὴς — οὐδὲν φροντίζεις. Schol. ὅταν (ὡς ὅταν?) λέγῃ, etc.

27. Cf. Vesp. 248. ὦ πάτερ πάτερ. 1403. ὦ κύον κύον. Eupol. 205, 2. ὦ πόλις πόλις, | ὡς εὐτυχὴς εἶ μᾶλλον ἢ καλῶς φρονεῖς. Neophr. Fr. 2, 12. ὦ χέρες χέρες. λαΐνων σταθμῶν] Cf. Soph. O. C. 1596. λαΐνου τάφου.

29. Rarum est in comoedia verbum νοστεῖν. Cf. Av. 1270. νοστήσεις. Pl. 610. νοστήσει. Pher. 82, 2. ἀμάχαιρος ἐπὶ βόεια νοστήσω κρέα.

30. σκοροδινῶμαι] Cf. Vesp. 642. Ran. 922. Com. adesp. 952. ἀσκοροδίνητος.

32. ἀποβλέπων εἰς τὸν ἀγρὸν] Cf. Eq. 805. Aesch. de F. L. 21. ἀποβλέπειν εἰς τὰ προπύλαια ἐκέλευον ἡμᾶς. Demetr. com. 4, 2. εἰς γὰρ τὸ κέρδος μόνον ἀποβλέπουσ' ἀεί. Theophr. Char. 2. καὶ εἰς ἐκεῖνον ἀποβλέπων τοῖς ἄλλοις λαλεῖν.

33. Schol. ὁ στίχος ἐκ τραγῳδίας.

34. Cf. Cephisod. 3, 1. πρίω (μοι) μύρον ἴρινον.

35. πρίω] Cf. Eupol. 1, 2. ἐρεῖ, πρίω μοι σελάχι'. Altera forma πρίασο est 870.

38. ὑποκρούειν] Interpellare, interrumpere. Cf. Eccl. 256. 588. 596. Henioch. 5, 4. Alex. 32. Plat. Eryx. 395 E. Bekk. Anecd. 68, 10.

41. Cf. Soph. O. C. 838. οὐκ ἠγόρευον ταῦτ' ἐγώ; Pac. 64. τοῦτ' ἐστὶ τουτὶ τὸ κακὸν αὔθ' οὑγὼ 'λεγον. Pac. Antiph. III. 303. τοῦτ' ἐκεῖν' ἐστὶν σαφῶς. Soph. El. 1116. τοῦτ' ἐκεῖν' ἤδη σαφὲς — δέρκομαι. 289. Av. 507. Ran. 318. 1341. Liv. V. 2. 'hoc illud esse quod aera militibus sint constituta.' Pacuv. Dulor. XVII R. 'hoc est illud quod fore occulte Oeax praedixerat.'

42. Cf. Dinarch. II. 13. εἰς τὴν προεδρίαν τῶν πρυτάνεων ἐκάθιζεν.

43. πάριτ' εἰς τὸ πρόσθεν] Anglice come forward —. Cf. Eccl. 129. πάριτ' εἰς τὸ πρόσθεν. Th. 645. αὖθις εἰς τὸ πρόσθεν οἴχεται. Plat. Phaed. 59 E. Herod. VIII. 89. ἐς τὸ πρόσθε παριέναι πειρώμενοι. Thuc. I. 139. καὶ παριόντες ἄλλοι τε πολλοὶ ἔλεγον etc.

46. *τίς ὤν;*] Cf. Nub. 893. *ἀπολεῖς σύ; τίς ὤν;* 895. 900. Plat. Gorg. 452 A. *σὺ δὲ τίς ὢν ταῦτα λέγεις;*

47. *ἀθάνατος*] Producta prima. Cf. Ran. 629. Alex. 159, 3. *ὁ γοῦν Τιθύμαλλος ἀθάνατος περιέρχεται.* Antiph. 86, 6. *ὁ δὲ λιμός ἐστιν ἀθανασίας φάρμακον.* Sic *ἀκάματος* (ᾱ) Nub. 285. *ἰσόθεος* (ῑ) Antiph. 147, 2. Men. 805. *ἰσοτράπεζος* (ῑ) 182, 2.

47. De anapaesto post tribrachyn cf. Eccl. 315. *καὶ θοιμάτιον· ὅτε δὴ δ' ἐκεῖνο ψηλαφῶν* etc.

48. *Κελεός*] Cf. Hom. H. Cer. 105. *τὴν δὲ ἴδον Κελεοῖο Ἐλευσινίδαο θύγατρες.* 96. *Κελεοῖο δαΐφρονος.*

55. *περιόψεσθέ με;*] Cobetus confert Hyperid. c. Euxenipp. p. 80, 2. *μὴ περιίδητε* (f. *προδῶτε*) *αὐτὸν ἐπὶ πράγματι οὐδενὸς ἀξίῳ.* Dem. p. 896. *ἐγὼ δὲ τὸν πιστεύσαντα ἐμαυτῷ τοσούτῳ ἔφην ἧττον ἂν περιιδεῖν ὅσῳ φυγὰς ὢν — ἠδικεῖτο ὑπὸ τούτου.* Cf. Vesp. 439. *ὦ Κέκροψ — περιορᾷς οὕτω μ' ὑπ' ἀνδρῶν βαρβάρων χειρούμενον;*

59. *κάθησο σῖγα* Al. — *σίγα.* Cf. 123. *σίγα, κάθιζε.* Eccl. 130. *κάθιζε.* Th. 381. *σίγα, σιώπα.* Vesp. 905. *σίγα, κάθιζε.*

61. Cf. 169. Ran. 529. *καὶ τοῖς θεοῖσιν ἐπιτρέπω. ΔΙ. ποίοις θεοῖς;*

63. Cf. Stratt. II. 774. *πολλῶν φλυάρων καὶ ταῶν ἀντάξια.*

64. Cf. Av. 61. *Ἄπολλον ἀποτρόπαιε, τοῦ χασμήματος.* Eq. 144. Vesp. 161. Plat. Euthyd. 303 A. *πύππαξ, ὦ Ἡράκλεις — καλοῦ λόγου.*

66. *δύο δραχμάς*] Cf. 90. 159. 161. Ran. 173. 176. Hinc *δίδραχμοι ὁπλῖται* Thuc. III. 17. *μισθὸν φέροντας*] Cf. Archipp. 19, 2. *ἕπτ' ὀβολοὺς μισθὸν φέρων.* Theopomp. 55, 2. *τριώβολον φέρων.* Men. 357. *τέτταρας τῆς ἡμέρας | ὀβολοὺς φέρων.* Eur. Bacch. 257. *ἐμπύρων μισθοὺς φέρειν.*

68. *καὶ δῆτ'*] Cf. Ran. 52. Dem. p. 749. *καὶ δῆτα καὶ τεθαύμακα τὴν ἀναισχυντίαν* etc.

69 sq. Cf. 73 sq. Plat. com. 208. *κᾆτ' ἐν κλίναις ἐλεφαντόποσιν καὶ στρώμασι πορφυροβάπτοις.*

70. Cf. Eq. 785. *καθίζου μαλακῶς.* Theopomp. 64. *ἐπίνομεν — κατακείμενοι μαλακώτατ' ἐπὶ τρικλινίῳ* etc. Eubul. 90, 1. *οὔκουν ὑποστορεῖτε μαλακῶς τῷ κυνί;* 108, 1. *ἐν θαλάμῳ μαλακῶς κατακείμενον.* Antiph. 187, 6. *μαλακῶς καθεύδειν.* Timocl. 16, 2. *σκληρῶς καθηῦδον.* Plut. Mor. 789 E. *καθεύδουσι μαλακώτερον.* Lucian. Lex. 2. *μαλακίζομαι ἐπ' ἀστράβης ὀχηθείς.* Contra Eq. 783. *σκληρῶς — καθήμενον.*

73. Cf. Crobyl. 5, 4. *ἧς ἐχθὲς πιεῖν | κυάθους ἕκαστον ἐβιάσω σὺ δώδεκα.* Soph. Fr. 701, 1. *τὸ πρὸς βίαν | πίνειν ἴσον πέφυκε τῷ διψῆν κακόν.* Plut. Cic. 37. *ἀπεκρίνατο πρὸς ὀργήν.*

74. *ὑαλίνων ἐκπωμάτων*] Cf. Epinic. IV. 505. *συγκυρκανήσας ἐν σκύφῳ χυτῆς λίθου.*

75. ὦ Κραναὰ πόλις] Et Aeschylus et Sophocles his verbis usi sunt teste schol. Cf. Lys. 481. Av. 123. Hom. H. Cer. 357. *Ἐλευσῖνος κραναὸν πτολίεθρον ἔχουσα.*

76. Cf. Aesch. Ag. 1264. *τί δῆτ' ἐμαυτῆς καταγέλωτ'* (l. *κατάγελων*) *ἔχω —;*

82. *ἔχεζεν — ἐπὶ χρυσῶν*] Cf. Ran. 483. *ὦ χρυσοῖ θεοί.* Eccl. 329. 1061. Demetr. de Eloc. 126. *ὥσπερ ἐπὶ Περσῶν τῆς ἀπληστίας ὑπερβαλλόμενός τις ἔφη ὅτι πεδία ἐξέχεζον ὅλα.*

83. *πόσου χρόνου*] I. e. *ἐντὸς πόσου χρόνου.* Cf. Eupol. II. 50●. *πόσου χρόνου γὰρ συγγεγένησαι Νικίᾳ;*

85. *παρετίθει*] Cf. Nub. 59. *ἐνετίθεις.* Eq. 1223. *παρετίθει.* Eubul. 14, 1. *παρατίθει.* Antiphont. trag. 1. *διετίθουν.* Clearch. IV. 563. *ἐπιτίθει.* Thuc. VI. 14. *προτίθει* (imper.). Ran. 1462. *ἀνίει* (imper.). Cratin. II. 110. *ἀνίει* (imperf.).

85. Cf. Ran. 506. *βοῦν ἀπηνθράκιζ' ὅλον.* Antiph. 172, 4. *παρὰ δ' ἡμετέροις προγόνοισιν* (?) *ὅλους ὀπτῶσιν βοῦς, ἐλάφους, ἄρνας.* III. 94. *βασιλεῖ | θερμὴν παρέθηκε κάμηλον.* Herod. I. 133. *οἱ εὐδαίμονες αὐτῶν* (*Περσῶν*) *βοῦν καὶ ὄνον καὶ ἵππον καὶ κάμηλον προτιθέαται* (*παρατιθέαται?*) *ὅλους ὀπτοὺς ἐν καμίνοις.*

87. Cf. ad Nub. 818. Eur. Bacch. 263. *τῆς δυσσεβείας.* Iph. A. 327. *ὦ θεοί, σῆς ἀναισχυντίας φρενῶν.* Hel. 672. *τοῦ πέμψαντος.*

88. *ὄρνιν τριπλάσιον Κλεωνύμου*] Cf. Eq. 718. *αὐτὸς δ' ἐκείνου τριπλάσιον κατέσπακας.* 285.

92. *ἐκκόψειέ γε —*] Cf. Men. 903. *ἐκκορηθείης σύ γε.*

95. Cf. Eupol. 282. *σκύτη βλέπει.* 557. *βλέπων ἀπιστίαν.* Timocl. 12, 7. *Ἄρη βλέπων.* Euphron. IV. 493. *γλίσχρον βλέπει.* *ναύφαρκτον*] Cf. Eur. Iph. A. 1259. *στράτευμα ναύφρακτον.* Ion. trag. 6. *καταφράκτοις ψυχαῖς.*

96. *κάμπτων*] Cf. Men. 15. *τὴν ἄκραν | κάμπτοντας ἡμᾶς εἶδον.* Thuc. V. 2. *τὴν ἄκραν κάμψασαι* (*αἱ νῆες*) *εἰς τὸν Τορωναίων λιμένα εἰσέπλευσαν.*

104. *οὐ λῆψι χρυσό, —*] Cf. Aesch. c. Ctes. § 238. *ὁ γὰρ τῶν Περσῶν βασιλεὺς οὐ πολλῷ πρότερον χρόνῳ — κατέπεμψε τῷ δήμῳ καὶ μάλα ὑβριστικὴν — ἐπιστολήν, ἐν ᾗ — ἐπὶ τελευτῆς ἐνέγραψεν, Ἐγώ, φησίν, ὑμῖν χρυσίον οὐ δώσω· μή μ' αἰτεῖτε, οὐ γὰρ λήψεσθε.* *χαυνόπρωκτ'*] Cf. Vesp. 1493. *πρωκτὸς χάσκει.* Eq. 380. 78. Anaxandr. com. III. 185. *τουδὶ | τοῦ χάσκοντος διατειναμένη | διὰ τοῦ πρωκτοῦ* etc. Barbari Graecos *Ἰάονας* appellabant. V. ad Soph. Fr. 54. Aesch. Pers. 179. *Ἰαόνων γῆν οἴχεται πέρσαι θέλων.*

107. Cf. Metag. II. 753. *ῥεῖ τευθίσιν ὀπταῖς* (*τευθιδίοισι?*) *καὶ φάγροις καὶ καράβοις.*

111. Nimirum et *λέγειν τινὶ* et *πρός τινα* dicebant. Aesch. Prom. 457. *εἰδυίαισιν ἂν ὑμῖν λέγοιμι.* Suppl. 750. *λέγω πρὸς εἰδότα.* Aesch. Ag. 857. *οὐκ αἰσχυνοῦμαι — λέξαι πρὸς ὑμᾶς.*

1402. πρὸς εἰδότας λέγω. Vesp. 44. εἶπε πρός με τραυλίσας, etc. Eupol. 159, 2. δίαιταν — πρὸς ὑμᾶς λέξομεν. 1, 3. φράσει τὸ πρὸς τὸν αἰπόλον. et Pl. 297. ἡμεῖς δέ γε ζητήσομεν — σὲ τουτονὶ — ἐκτυφλῶσαι. Men. 474, 2. τὸν (τὸν δ'?) ἐμὲ τουτονί. Eur. Fr. 934. τί δ' ἐστί; πρὸς χορὸν γὰρ οἰκείων ἐρεῖς.

112. βάμμα] Cf. Pac. 1174. 1176. Plat. Legg. XII. 956 A. Antiph. 264. μὴ βάμμασιν τὸ σῶμα λαμπρύνειν θέλε. βάμμα Σαρδιανικόν] Sardibus venibant vestimenta Persica (Vesp. 1139.). Σαρδιανικὸν] A Σαρδιανὸς, ut Λακωνικὸς a Λακὼν, Μεγαρικὸς a Μεγαρεὺς, etc. Appellativum Σαρδιανός (κόσμος) occurrit Ion. Fr. 24. Schol. Κύρνον διέχουσα (ἀπέχουσα?).

115. ἐπένευσαν]. Adnuerunt.

118. Cf. Stratt. 34, 1. οἶσθ' ᾧ προσέοικεν —;

119. ὦ θερμόβουλον —] Parodia alicujus loci tragici. Ex Aegeo hoc sumptum esse conjicit Wilamowitz, ex Peliasin Elmsleius, probante Nauckio Fr. Eur. 852. ἐξυρημένε] Dixerat forsan Euripides — ἐξωπλισμένε. Athen. XIII. 565 F. ξυρουμένους τὴν ὑπήνην καὶ τὸν ὄρρον. Cf. Pl. 415. ὦ θερμὸν ἔργον κἀνόσιον καὶ παράνομον | τολμῶντε δρᾶν —.

125. ἀγχόνη] Cf. Vesp. 686. ὃ μάλιστά μ' ἀπάγχει. Nub. 988. ὥστε μ' ἀπάγχεσθ' ὅταν etc. Aeschin. de, F. L. p. 35. τοῦτο δ' ἄρα ἦν ἀγχόνη καὶ λύπη τούτῳ. Aesch. Eum. 746. νῦν ἀγχόνης μοι τέρματ' ἢ φάος βλέπειν.

126—128. Cf. Aesch. Ag. 1285 sq. τί δῆτ' ἐγὼ κατ' οἶκον ὧδ' ἀναστένω —; | ἰοῦσ' ἀτρέστως τλήσομαι τὸ κατθανεῖν. Machon. Athen. XIII. 580 E. στραγγευόμενον (στρατ. libri) ὁρῶσα περὶ τὰς συμβολάς.

127. Cf. Eccl. 530. τῆς λεχοῦς δ' οὐ φροντίσαι | οὕτως ἐχούσης. Xen. Hell. V. 1. 14. ἥ γε μὴν θύρα ἡ ἐμὴ ἀνέῳκτο — καὶ πρόσθεν εἰσιέναι τῷ δεομένῳ τι ἐμοῦ, ἀνεῴξεται δὲ καὶ νῦν. Eur. Fr. 362, 20. τοὺς δὲ — πονηροὺς κλῇθρον εἰργέτω στέγης.

134. Σιτάλκους] Cf. 141. Thuc. II. 29. πείσειν γὰρ Σιτάλκην πέμψειν (l. πέμψαι) στρατιὰν Θρᾳκίαν Ἀθηναίοις ἱππέων τε καὶ πελταστῶν. III. 101. Σιτάλκου est Hermipp. 63, 7.

135. εἰσκηρύττεται] Cf. Soph. El. 690. εἰσεκήρυξαν.

136. Cf. Dem. de Cor. 30. βραχὺ φροντίσαντες οἱ χρηστοὶ πρέσβεις οὗτοι καθῆντο ἐν Μακεδονίᾳ τρεῖς ὅλους μῆνας, ἕως etc.

142 sq. Cf. Anaxil. 22, 24. αἳ λαλοῦσ' — ὡς ἐρῶσι καὶ φιλοῦσι καὶ σύνεισιν ἡδέως.

144. Cf. Theocr. XXIV. 46. γράψον καὶ τόδε γράμμα, τὸ σοῖς τοίχοισι χαράξω (χαραξῶ?).

145. ἐπεποιήμεθα] Passiva forma perfecti medio sensu, ut in Eq. 63. τέχνην πεποίηται. Cf. Dem. p. 173. φθόρους ἀνθρώπους — ποιεῖσθε πολίτας.

154. Cf. Soph. El. 1115. τοῦτ' ἐκεῖν' ἤδη σαφές.

158. ἀποτεθρίακε] Quasi ἀποτέθρικεν Eur. Or. 128. εἴδετε γὰρ ἄκρας ὡς ἀπέθρισεν τρίχας. Simplex θριάζειν (i. e. φυλλολογεῖν) legitur Soph. Fr. 415 a. et ἐνθρίακτος Fr. 489. Cf. v. ἀποσκολύπτειν Soph. Fr. 373.

162. ὁ θρανίτης λεώς] Cf. Eq. 224. ὅ τε πένης βδύλλει λεώς. Pac. 632. οὑργάτης λεώς. Aesch. Ag. 825. ἀσπιδηφόρος λεώς. Soph. Fr. 760. πᾶς ὁ χειρῶναξ λεώς. Thuc. II. 24. νηίτῃ στρατῷ. IV. 85. νηίτῃ — στρατῷ.

163. σωσίπολις] Cf. ῥυσίπολις Aesch. Sept. 128.

166. οὐ μὴ πρόσει —;] Cf. Ran. 607. οὐ μὴ πρόσιτον; ἐσκοροδισμένοις] Cf. Diphil. IV. 381. κάθαλα ποιήσας πάντα κἀσκοροδισμένα. Xen. Conv. IV. 9. τοὺς ἀλεκτρυόνας σκόροδα σιτίσαντες (σκοροδίσαντες probabiliter Cobet.).

167. Similis invocatio est Vesp. 438. ὦ Κέκροψ — περιορᾷς οὕτω μ' ὑπ' ἀνδρῶν βαρβάρων χειρούμενον;

169 sq. Cf. Eccl. 791 sq. Nub. 580. Thuc. V. 45.

171. ῥανὶς βέβληκέ με] Cf. Eur. Iph. T. 58. θνήσκουσι δ' οὓς ἂν χέρνιβες βάλωσ' ἐμαί. Rhes. 791. θερμὸς κρουνὸς — βάλλει με — αἵματος νέου.

176. μήπω πρὶν ἄν γε στῶ] Cf. 296. Eq. 961. Vesp. 920. Eccl. 760. 798.

177. Cf. Eur. Phoen. 1231. ἢν μή με φεύγων ἐκφύγῃς πρὸς αἰθέρα. Herod. V. 95. Ἀλκαῖος φεύγων ἐκφεύγει. Thuc. IV. 19. 2. ἕως ἀφίκοντο ἐς Ἀχαρνάς, χῶρον μέγιστον τῆς Ἀττικῆς τῶν δήμων καλουμένων.

180. στιπτοὶ γέροντες πρίνινοι] Cf. Vesp. 383. πρινώδη θυμόν. 877. τὸ λίαν στρυφνὸν καὶ πρίνινον ἦθος. Infra 667. ἀνθράκων πρινίνων. Antiph. 227, 3. μύκητας πρινίνους. Theophr. H. Pl. V. 4. 8. καὶ τὸ τῆς μυρίκης ξύλον ἰσχυρὸν ὥσπερ πρίνινον. Plin. N. H. XVI. 38. 73. 'tota ossea est ilex.'

181. ἀτεράμονες] Cf. Vesp. 730. Aristaen. Epist. II. 20. ὡς φιλόνεικος — ὡς ἀτεράμων, ὦ γῆ καὶ θεοί. Μαραθωνομάχαι] Cf. ἐνδομάχης, Pind. Ol. XII. 20. σφενδάμνινοι] Cf. Cratin. 301, 2. τράπεζαι τρισκελεῖς σφενδάμνιναι.

187. γεύματα] Anglice samples. Cf. 191. Ephipp. 18. γεύματ' οἴνων. Plut. Nic. 29. δείγματα καὶ γεύματα. Eupol. 12. τουδὲ νῦν γεῦσαι λαβών.

191. δεκέτεις] Cf. Lys. 644. δεκέτις. Alia forma est δεκαετής.

194. ἀλλὰ — τοι] Cf. Ran. 1039. ἀλλ' ἄλλους τοι πολλοὺς etc. Pac. 334. Aesch. Ag. 1304. ἀλλ' εὐκλεῶς τοι κατθανεῖν χάρις βροτῷ. Eur. Fr. 102. ἀλλ' ἡμέρα τοι —. Eur. Fr. 553. ἀλλ' ἦμαρ ἕν τοι μεταβολὰς πολλὰς ἔχει. τριακοντούτιδες] Soluta forma τριακοντοέτιδες σπονδαὶ est Herod. VII. 149.

196. ὄζουσ' ἀμβροσίας] Cf. Eq. 1332. οὐ χοιρινῶν ὄζων ἀλλὰ σπονδῶν. Lys. 943. μύρον — οὐκ ὄζον γάμων.

197. *σιτί' ἡμερῶν τριῶν*] Cf. Pac. 312. *ἔχοντας ἥκειν σιτί' ἡμερῶν τριῶν*. 716. Eq. 1079. Eubul. III. 215. Men. IV. 242. *ἡμερῶν πλοῦν τεττάρων*.

198. *ἐν τῷ στόματι*] Cf. Hermipp. 82, 7. *οὗ (οἴνου) καὶ ἀπὸ στόματος στάμνων ὑπανοιγομένάων | ὄζει ἴων*. Philem. IV. 16. *ἀπὸ στόματος ἅπαντ', ἐὰν βούλησθ', ἐρῶ*. *λέγουσι, "βαῖν' ὅποι θέλεις"*] Aesch. Sept. 646. *ὡς τὰ γράμματα | λέγει, "κατάξω —"*.

200. *χαίρειν κελεύων*] Cf. Pl. 322. 1187. Nub. 609. Eur. Fr. 342, 7. *Κύπριν δὲ τὴν Διὸς χαίρειν ἐᾶν*. Fr. 1014. *τὰς θνητῶν δ' ἐγὼ | χαίρειν κελεύω θεῶν ἄτερ προθυμίας*. Unde *χαῖρε* dicebant (ut *ἔρρωσο*), non *χαίροις* (ut *εὐδαιμονοίης, ὄλοιο*, etc.).

201. Cf. Com. adesp. 133, 1. *νῦν τῶν κατ' ἄστυ πραγμάτων ἀπαλλαγεὶς | εἰς τὸν ἀγρὸν εἶμι* etc.

202. Cf. Aeschin. I. 157. *πρῴην ἐν τοῖς κατ' ἀγροὺς Διονυσίοις κωμῳδῶν ὄντων*. *εἰσιὼν*] Sc. domum meam. Schol. *ὁ ἐπιλήναιος* (l. *ἐπὶ Ληναίῳ*) *ἀγών*. Cf. 504.

203. Cf. Trag. adesp. 71. *ἐγὼ δὲ φεύξομαί γ' ἐλεύθερος γεγώς*.

204. *τὸν ἄνδρα*] Schol. *περὶ τοῦ ἀνδρός*. *πυνθάνου τῶν ὁδοιπόρων*] Cf. Av. 1119. *ὅτου πευσόμεθα τἀκεῖ πράγματα*. Aesch. Ag. 599. *ἄνακτος αὐτοῦ πάντα πεύσομαι λόγον*.

205. Cf. Nub. 475. *πράγματα — ἄξια σῇ φρενί*. Xen. Mem. I. 1. 1. *ἔπεισαν Ἀθηναίους — ὡς ἄξιος εἴη θανάτου τῇ πόλει*.

211. *ἐφ' ἥβης*] Sic *ἐπὶ νεότητος* Vesp. 1199. *ἐπὶ γήρως*. Eq. 524.

215. *ὧδε φαύλως*] Cf. Eq. 386. *τὸ πρᾶγμ' ἦν ἄρ' οὐ φαῦλον ὧδ'*. *φαύλως*] I. q. *ῥᾳδίως* aut *ἐλαφρῶς*. Lys. 566. *φαύλως πάνυ* (*διαλύσομεν* etc.). Eq. 213. 509. Av. 961. Nub. 778. Vesp. 656.

217. *ἀπεπλίξατο*] Anglice stepped (walked) off. Cf. Stratt. 63. *τὰ θυγάτρια | περὶ τὴν λεκάνην ἅπαντα περιπεπλιγμένα*. Soph. Fr. 539. *ἀμφιπλίξ* (i. e. *περιβάδην*). Theocr. XVIII. 8. *ἐγκροτέοισαι ποσσὶ περιπλίκτοις*. Hesychius *περιπεπλίχθαι* per *διηλλαχέναι τὰ σκέλη ἀσχημόνως* explicat. *ἐλαφρῶς*] Anglice nimbly.

220. *Λακρατείδῃ*] Confer nomina *Λαχάρης* (Plut.), *Λάμαχος*. *τὸ σκέλος βαρύνεται*] Cf. Trag. adesp. 196. *οὐ βαρυσκελεῖς ποιεῖ | ὁ τῶν νεβρῶν μυελός*. 250. *βαρυσκελής*. Soph. O. R. 17. *οἱ δὲ σὺν γήρᾳ βαρεῖς*. Tyrt. Fr. 10, 19. *τοὺς δὲ παλαιοτέρους, ὧν οὐκέτι γούνατ' ἐλαφρά*, etc.

221. Cf. Vesp. 1007.

222. *μηδέ περ γέροντας ὄντας*] Cf. Aesch. Suppl. 399. *οὐδέ περ κρατῶν*.

223. *γέροντας ὄντας*] Cf. Vesp. 276. *γέροντος ὄντος*. 1192. *γέρων ὤν*. 1384. *γέρων ὤν*. Nub. 129. *γέρων ὤν*. Pac. 698. Eccl. 323. Pher. II. 284. Xenarch. III. 617. *γέροντας ὄντας*. Phryn. II. 580. *συγκύψαντες ἅπαντες*. Men. IV. 220. *γερων ἐρῶν*. Appian. B. C. I. 93. *γέροντος ὄντος*. Nicostr. IV. 280. *κατεσθίοντες ὄντες δώδεκα*.

230. Cf. Vesp. 437. *εἰ δὲ μὴ τοῦτον μεθήσεις, ἕν τί σοι παγήσεται.* Hom. Il. 4, 185. *οὐκ ἐν καιρίῳ ὀξὺ πάγη βέλος.*

235. *γῆν πρὸ γῆς*] Cf. Incert. apud Suid. in *πρὸ γῆς, Ἐγὼ δὲ φεύγω γῆν πρὸ γῆς φοβούμενος.* Incert. apud Suid. in *Ἴτω, Ἀλλ' ἴτω, χαιρέτω, γῆν πρὸ γῆς ὅποι βούλεται.* Henioch. 5, 13. *ἡμέραν ἐξ ἡμέρας.* Sic *τόπον ἐκ τόπου μεταβάλλειν* (Hesych. v. *πάππος*).

236. Cf. Vesp. 603. *ἔμπλησο λέγων.* Eur. Hipp. 664. *μισῶν οὔποτ' ἐμπλησθήσομαι | γυναῖκας.* Ion. 925. *οὔτοι σὸν βλέπων ἐμπίμπλαμαι πρόσωπον.* Eur. Fr. 688, 1. *ἐμπλήσθητί μου | πίνων κελαινὸν αἷμα.* Xen. Anab. VII. 7. 46.

238. Cf. Soph. Fr. 819. *ἄκουε σῖγα· τίς ποτ' ἐν δόμοις βοή;*

241. Oratio soluta, ut in Eq. 941. Av. 865 sq. 1661 sq. Th. 295.

242. *ἡ κανηφόρος*] Cf. 260. Av. 1551. Lys. 1194. Eccl. 732. Theocr. II. 66. *ἦνθ' ἁ τῶ Εὐβούλοιο καναφόρος ἄμμιν Ἀναξὼ | ἄλσος ἐς Ἀρτέμιδος.*

244. Cf. 253. Thuc. VI. 56. *ἀδελφὴν γὰρ αὐτοῦ κόρην ἐπαγγείλαντες ἥκειν κανοῦν οἴσουσαν ἐν πομπῇ τινι ἀπήλασαν.*

245. *ἐτνήρυσιν*] Cf. *ζωμήρυσις* (Antiph. 249, 3.).

246. *ἔτνος — ἐλατῆρος*] Cf. Calliam com. 21. *ἔτνος, πυριάτης, γογγυλίδες, ῥάφανοι, δρυπεπεῖς, ἐλατῆρες.*

247. Cf. Com. adesp. 1279. *ὦ Ζεῦ, γενέσθαι τῆσδέ μ' ἐξάντη νόσου.*

248. *κεχαρισμένως*] Grate. Cf. Pac. 386. *εἴ τε κεχαρισμένον* etc. Plat. Phaedr. 273 E. *κεχαρισμένως — πράττειν* etc.

250. *τυχηρῶς*] Cf. Th. 305. Aesch. Ag. 464.

253. Cf. Nub. 489. *ἄγε νυν ὅπως — ὑφαρπάσει. καλὴ καλῶς*] Cf. Eccl. 730. Cratin. 162. *ἄρξει γὰρ αὐτοῖς διποδίας (καλὴ) καλῶς.* Soph. Tr. 613. *θυτῆρα καινῷ καινὸν ἐν πεπλώματι.* Herod. II. 173. 3. *ἐν θρόνῳ σεμνῷ σεμνὸν θωκέοντα.*

254. *βλέπουσα θυμβροφάγον*] Sic *νᾶπυ βλέπειν, κάρδαμα, ὀρίγανον, ἀστραπὰς, δριμὺ,* etc.

255. Cf. Theocr. XXII. 161. *τάων εὐμαρὲς ὔμμιν ὀπυίειν ἅς κ' ἐθέλητε.* Lucian. Gall. 19. *ὅτε σε Περικλῆς ὤπυιεν.* Hesych. *βινεῖν· παρὰ Σόλωνι τὸ βίᾳ μίγνυσθαι, τὸ δὲ κατὰ νόμον ὀπύειν.* Scribendum suspicor *ὀπύειν* (unde fut. *ὀπύσω* Ach. 254.) potius quam *ὀπυίειν.*

257. *πρόβαινε*] Procede, incede. Cf. Vesp. 230. Pl. 759.

258. Cf. Herod. I. 82. *μηδὲ τὰς γυναῖκάς σφι χρυσοφορήσειν.*

262. *πρόβα*] Cf. Ran. 377. *ἔμβα.* Eccl. 478.

264. *νυκτοπεριπλάνητε*] Cf. Aesch. Ag. 12. 304. Ch. 522. 749.

266. *ἕκτῳ — ἔτει*] Cf. 890.

269. *πραγμάτων — ἀπαλλαγείς*] Cf. Aristoph. Fr. 373, 3. *ἀπαλλάγεντα τῶν κατ' ἀγορὰν πραγμάτων.*

272. *ὡρικὴν ὑληφόρον*] Cf. Fr. 235. *ὡρικὸν μείρακιον.*

273. Cf. Plat. Theaet. 174 A. *Θρᾷττά τις — θεραπαινίς.*

274. *μέσην λαβόντ'*] Cf. Eccl. 260. *μέση γὰρ οὐδέποτε ληφθήσομαι.*

275. *καταγιγαρτίσαι*] Cf. v. *κατασικελίζειν* Vesp. 911.

278. *εἰρήνης ῥοφήσει τρύβλιον*] Cf. Eq. 905. *μισθοῦ τρύβλιον ῥοφῆσαι.* Cratet. 9, 1. *ἔτνους — τρύβλιον.*

282. Cf. Cratet. II. 244. *παῖ' ἐκεῖνον, ἄγχ' ἐκεῖνον· ἐν Κέῳ τίς ἡμέρα;*

284. Schol. *συντριβείη* (*συντρίβειν* Mein.).

285. Cf. Ran. 511. *ὦ μιαρὰ φάρυγξ.*

287. Cf. Dem. p. 1068. *τούτων γένοιντ' ἂν ἄνθρωποι ἀναισχυντότεροι ἢ μιαρώτεροι;* p. 778. *ὁ βδελυρὸς καὶ ἀναιδής.* et ad Ran. 464.

293. *ἀλλ' ἀκούσατε*] Cf. Eupol. II. 546. *ἀλλ' ἀκούετ', ὦ θεαταί, τἀμὰ καὶ ξυνίετε | ῥήματ'.*

301. *κατατεμῶ — καττύματα*] Anglice, I will cut up into shoe-leathers. Cf. Eq. 768. *κατατμηθείην τε λέπαδνα.* Ephipp. 22, 2. *τὴν βατίδα τεμάχη κατατεμών.* Euphron. 11, 7. *ταύτην* (sc. *γογγυλίδα*) *ἔτεμε λεπτὰ καὶ μακρά.* Alex. Fr. 183. Eur. Fr. 475, 5. *τμηθεῖσα δοκοὺς — κυπάρισσος.* Herod. I. 80. *ἡ πόλις κατατέτμηται τὰς ὁδοὺς ἰθείας.* IV. 67. 4. *ἐπεὰν τὴν φιλύρην τρία* (sic F. K. M. P. *τρίχα* vulg.) *σχίσῃ.* Vesp. 63. *οὐδ' — αὖθις τὸν αὐτὸν ἄνδρα* (Cleonem) *μυττωτεύσομεν.*

307. Cf. Av. 829. *καὶ πῶς ἂν ἔτι γένοιτ' ἂν εὔτακτος πόλις —;* Eur. Suppl. 447. Tro. 961.

308. Cf. Lys. 629. Herod. VIII. 142. *ὡς βαρβάροισί ἐστι οὔτε πιστὸν οὔτε ἀληθὲς οὐδέν.*

314. Cf. Eur. Fr. 504, 1. *ἀνθρώποισιν ἔστιν οἷς βίος | ὁ μικρὸς εὔκρας ἐγένεθ'.* Thuc. II. 89. 5. *ἔστι δὲ ἃ καὶ τῇ ἀτολμίᾳ* (*ἔπεσεν*). V. 72. 3. *εὐθὺς ἐνδόντας καὶ ἔστιν οὓς καὶ καταπατηθέντας.* Thuc. VI. 88. 7. *ἔστιν ὧν πόλεων ἐπαγγελλομένων.*

315. Cf. Vesp. 426. *τοῦτο μέντοι δεινὸν ἤδη.* Eccl. 645. *τοῦτ' ἤδη δεινὸν ἀκοῦσαι.* Herod. VII. 157. *τοῦτο ἤδη δεινὸν γίνεται μὴ* etc. Eq. 600. Pl. 329. Xen. Mem. II. 1. 14. *τοῦτο μέντοι ἤδη λέγεις δεινὸν πάλαισμα.* *ταραξικάρδιον*] Cf. Bacch. 1322. *τίς σὴν ταράσσει καρδίαν —;*

318. *ἐπιξήνου*] Cf. 355. 366. Aesch. Ag. 1277.

320. *καταξαίνειν*] Cf. Aesch. Ag. 197. *πνοαὶ — τριβᾷ κατέξαινον ἄνθος Ἀργείων.*

321. *θυμάλωψ*] Cf. Apostol. IV. 23 a. *θυμάλωπες οἱ ἀπολελειμμένοι τῆς θύψεως ἄνθρακες, ἤγουν οἱ ἡμίκαυτοι.*

323. Cf. Ran. 252.

324. *ὠχαρνικοί*] Cf. Timocl. III. 594. *ὁ δ' Ἀχαρνικὸς Τηλέμαχος ἔτι δημηγορεῖ;*

325. *τεθνήξων*] Cf. Plat. Gorg. 469 D. *τεθνήξει οὗτος ὃν ἂν*

δόξῃ. Soph. Ant. 1063. Ph. 253. 415. 557. Cum τεθνήκω cf. κεκλήγω (Hes. Scut. 405. 412.), δεδοίκω (Theocr. XV. 58.). τεθνήξων ἴσθι —] Cf. Aesch. Agam. 1670. ἴσθι — δώσων. Soph. El. 298. Aj. 1174. Ant. 1065. 460.

330. ἔνδον εἴρξας] Cf. Vesp. 70. ἔνδον καθείρξας. ἦ 'πὶ τῷ θρασύνεται;] Cf. Nub. 1349. ἀλλ' ἔσθ' ὅτῳ (ἔστ' ἐφ' ᾧ?) θρασύνεται.

332. ἀνθράκων τι κήδεται] Cf. 1028. ἀλλ', εἴ τι κήδει Δερκέτου Φυλασίου. Soph. O. R. 1060. εἴπερ τι τοῦ σαυτοῦ βίου | κήδει. Nub. 1144. τάχα δ' εἴσομαι κόψας τὸ φροντιστήριον. Lys. 1114. τάχα δ' εἴσομαι 'γώ.

333. Cf. Com. adesp. 75. δρυαχαρνεῦ. Aesch. Sept. 261. λέγοις ἂν ὡς τάχιστα, καὶ τάχ' εἴσομαι.

335. ὡς —] Anglice know that. Cf. Vesp. 416. Nub. 209. Lys. 32. 499. Eur. Hec. 400. ὡς τῆσδ' ἑκοῦσα παιδὸς οὐ μεθήσομαι. κέκραχθ'] I. e. κέκραχθι. Cf. Vesp. 198. Th. 692. Elisio ut in ἄνωχθ' Aesch. Cho. 772.

339. ὅτῳ τρόπῳ σοὐστὶ φίλον] Anglice, in whatever way you please. Cf. Soph. O. C. 1205. ἔστω δ' οὖν ὅπως ὑμῖν φίλον. Plat. Lach. 189. λέγ' οὖν ὅ τι σοι φίλον.

341. ἐξεράσατε] Cf. Cratet. com. II. 237. τὴν χύτραν χρῆν ἐξερᾶν τὰ τεῦτλα. Dem. p. 965. ult. ἐξέρα τὸ ὕδωρ. p. 993, 17.

343. ἐγκάθηνται] Cf. Vesp. 1114. Th. 600. 688. Th. 184. ἐγκαθεζόμενος. Ran. 1523. Eccl. 98.

345. μή μοι πρόφασιν] Cf. Alex. com. III. 437. καὶ μὴ προφάσεις ἐνταῦθά μοι, μηδ' "οὐκ ἔχω."

347. ἐμέλλετ' ἄρα —] Cf. Lucian. Demon. 1. ἔμελλεν ἄρα μηδὲ ὁ καθ' ἡμᾶς βίος — ἄμοιρος ἔσεσθαι ἀνδρῶν — λόγου καὶ μνήμης ἀξίων. πάντως] Cf. Vesp. 603. ἔμπλησο λέγων, πάντως γάρ τοι παύσει ποτὲ etc. ἀνήσειν τῆς βοῆς] Cf. Pac. 318. ἐξολεῖτέ μ' — εἰ μὴ τῆς βοῆς ἀνήσετε. Eur. Med. 457. οὐκ ἀνίης μωρίας.

348. ὀλίγου] Cf. 381. Vesp. 829. ἐπίσχες, οὗτος· ὡς ὀλίγου μ' ἀπώλεσας. Nub. 722. Th. 935. Plat. com. 166, 2. βουλεύειν ὀλίγου 'λαχες πάνυ. Plat. Euthyd. 303 B. γελῶντε — ὀλίγου παρετάθησαν. Thuc. VIII. 35. ὀλίγου εἷλον. Sic μικροῦ Fr. 280 K.

350. τῆς μαρίλης — συχνὴν] Cf. Pac. 224. ὁρᾷς | ὅσους ἄνωθεν ἐπεφόρησε τῶν λίθων. 1225. Pl. 1051. ἐν τῷ προσώπῳ τῶν ῥυτίδων ὅσας ἔχει. 694. τῆς ἀθάρης πολλήν. Vesp. 199. Alex. III. 509. τοῦ βίου τὸν ἥμισυν. Herod. I. 24. 1. τὸν πολλὸν τοῦ χρόνου. Thuc. I. 5. τὸν πλεῖστον τοῦ βίου. τῆς μαρίλης] Cf. Hippon. 59. πρὸς τὴν μαρίλην τοὺς πόδας θερμαίνων οὐ παύεται. Hinc μαριλοκαῦται (i. e. ὀνθρακευταί) Soph. Fr. 964. Cypriis μαρίλη i. q. λιγνύς, σποδός teste Hesychio in ἀλαβή.

352. Cf. Com. adesp. 877. ὄμφακας βλέπει (i. e. αὐστηρὸν καὶ δριμύ). Plat. com. 32. καὶ τὰς ὀφρῦς σχάσασθε καὶ τὰς ὄμφακας.

Epich. Fr. 163. *Σικελὸς ὀμφακίζεται.* Aesch. Ag. 970. *ὅταν δὲ τεύχῃ Ζεὺς ἀπ' ὄμφακος πικρᾶς | οἶνον,* etc. Schol. *τὰς ὄμφακας λέγει* (*λεγομένας* Nauck. *λέγουσιν* Mein. delendum videtur).

354. *ἴσον ἴσῳ*] Cf. Cratin. 273, 2. *ἀλλ' ἴσον ἴσῳ μάλιστ' ἀκράτου δύο χόας | πίνουσ'.* II. 118. *τὸν ἴσον ἴσῳ φέροντ'* (*οἶνον*). Xenarch. III. 623. Archipp. 2. *τίς ἐκέρασε σφῷν, ὦ κακόδαιμον, ἴσον ἴσῳ;* Stratt. 22, 2. *ὃν ἕλκουσ' — ἴσον ἴσῳ κεκραμένον.* 61, 2. *οἶνος — μέλας Σκιάθιος ἴσον ἴσῳ κεκραμένος.* Philetaer. 1, 1. *ἐνέσεισε μεστὴν ἴσον ἴσῳ μετανιπτρίδα.* Aristophont. 14, 3. *ἴσον ἴσῳ κεκραμένην* (*κύλικα*) | *προσφέρων ἔδωκεν.* Timocl. 20. *πατάξω τ'* (*ἀναγκάσω γάρ σ'*?) *ἴσον ἴσω ποτηρίοις | μεγάλοις ἅπασαν τὴν ἀλήθειαν, φράσαι.* Sophil. 3. *συνεχὴς* (*συνεχὲς*?) *ἄκρατος ἐδίδοτ' ἴσον ἴσῳ.* Alex. 230, 2. *ἴσον ἴσῳ μικροῦ* (*αὐτῷ δίδου*). 244, 3. *ἀπνευστί τ' ἐκπιὼν — ἴσον ἴσῳ κεκραμένον.* Com. adesp. 106, 12. *ἂν ἴσον ἴσῳ δὲ προσφέρῃ, μανίαν ποιεῖ.* Anglice half and half. *φέρον*] Vina dicebantur aquae aliquam portionem ferre (*φέρειν*). Sic Cratinus II. 117. *ἆρ' οἴσει τρία;*

355. Cf. Vesp. 522 sq.

362. *ἦπερ*] Cf. Vesp. 1270.

366. *ἐπίξηνον*] I. q. *ἐπικόπανον* recentioris comoediae (Men. 33. *ἡγεῖταί μ' ὅλως | ἐπικόπανόν τι*).

367. *τυννουτοσί*] Cf. Eq. 1220. Nub. 878. Ran. 139. Cf. v. *τυννός* (i. e. *μικρὸς*, ut explicat Hesychius) et *τυτθός*.

373. Cf. Eq. 256. *οὓς ἐγὼ βόσκω κεκραγὼς καὶ δίκαια κἄδικα.* Nub. 97. Pl. 232 sq. Andoc. I. 135. *δεῖ τοῦτον ἐκποδὼν ἡμῖν εἶναι καὶ δικαίως καὶ ἀδίκως.* Trag. adesp. 436. *δοῦλε, δεσποτῶν ἄκουε καὶ δίκαια κἄδικα.* 437. *κρεισσόνων γὰρ καὶ δίκαια κἄδικ' ἔστ' ἀκουστέα.*

374. *λανθάνουσ' ἀπεμπολώμενοι*] Cf. Pac. 633. Soph. Ant. 1063. Ph. 579. Eur. Ion. 1371. Ph. 1228.

375. *τῶν — γερόντων*] Ex iis qui comitia frequentabant nonnisi seniores suffragia ferebant (schol. Pl. 330. *ἐδίκαζον*).

376. Cf. Vesp. 847. *τιμᾶν βλέπω.* Lys. 1232. *εὐθὺς βλέπομεν ὅ τι ταράξομεν.* Epicrat. III. 365. *τὸ καθ' ἡμέραν ὁρῶσα πίνειν κἀσθίειν | μόνον.* Alex. III. 425. *ὀρχεῖσθαι μόνον | βλέποντες.* Dionys. com. 5, 4. *ποτήρι' ἡ γραῦς, ἄλλο δ' οὐδὲ ἓν βλέπει.*

377. Cf. Vesp. 1284. *εἰσί τινες οἵ μ' ἔλεγον ὡς καταδιηλλάγην.* Eq. 715. *ἐπίσταμαι γὰρ αὐτὸν οἷς ψωμίζεται.*

380. *διέβαλλε*] Cf. Eq. 63. *τοὺς γὰρ ἔνδον ἄντικρυς | ψευδῆ διαβάλλει.* *κατεγλώττιζε*] Cf. Eq. 352.

381. Cf. Fr. 200 K. Diocl. 2. *πλυνεῖ τὰ κακὰ τῶν κακῶν ὑμᾶς.*

382. *μολυνοπραγμονούμενος*] Cf. *πολυπραγμονεῖν, ὀλισθογνωμονεῖν* (Lucian.).

383. *πρῶτον πρὶν λέγειν*] Cf. Ran. 673. *ἐβουλόμην δ' ἂν τοῦτό*

σε | πρότερον ποιῆσαι πρὶν ἐμὲ τὰς πληγὰς λαβεῖν. Thesm. 380. περίθου νυν τόνδε πρῶτον πρὶν λέγειν.

384. Cf. Eq. 978. πρεσβυτέρων τινῶν οἵων ἀργαλεωτάτων.

385. τί ταῦτα στρέφεις —;] Cf. 514. Nub. 131. τί ταῦτ' ἔχων στραγγεύομαι; Th. 473. Plat. Phaedr. 340 F. τί δῆτα ἔχων στρέφει (στρέφεις?); πορίζει τριβάς] Cf. Philem. IV. 48. καινὰ ῥήματα | πεπορισμένος γάρ ἐστι.

390. Cf. Eur. Or. 467. τίνα σκότον λάβω προσώπῳ; Phoen. 1530. ἀέριον σκότον ὄμμασι σοῖσι βαλών. σκοτοδασυπυκνότριχα] Cf. v. εὔθριξ (Cratin. II. 69. Eubul. III. 251.), οὐλόθριξ, τετανόθριξ, ὀρθόθριξ.

395. Cf. Soph. Ph. 253. ὡς μηδὲν εἰδότ' ἴσθι μ'.

396. Cf. Eq. 1119. ὁ νοῦς δέ σου | παρὼν ἀποδημεῖ. Plat. com. 166, 3. ἀτὰρ οὐ λαχὼν ὅμως ἔλαχες, ἢν νοῦν ἔχῃς. Men. IV. 226. μάταιός ἐστι καὶ φρονῶν οὐδὲν φρονεῖ. Eur. Iph. T. 1139. ὁ νοῦς νοῦν οὐκ ἔχων. Andr. 420. δυστυχῶν δ' εὐδαιμονεῖ. Tro. 625. αἴνιγμ' οὐ σαφῶς εἶπεν σαφές. Or. 902. Ἀργεῖος οὐκ Ἀργεῖος. Eur. Fr. 523, 2. ἀλλ' ἄπεισι κἂν (κῆν) παρῶσ' ὅμως. Trag. adesp. 517. ἃ δεῖ παρὼν φρόντιζε μὴ παρὼν ἀπῇς.

398. Cf. Trag. adesp. 458, 12. ἥτις γὰρ ἡμῶν καρδίαν θύραζ' ἔχει. ξυλλέγων ἐπύλλια] Cf. Ran. 849. ὦ Κρητικὰς μὲν ξυλλέγων μονῳδίας, κτλ. 1297. Pac. 830. Pac. 532. ἐπυλλίων Εὐριπίδου. Ran. 942. τὸ βάρος (Aeschyli verborum) ἀφεῖλον | ἐπυλλίοις κτλ.

399. Cf. Achill. Tat. I. ἡ παρθένος μέσοις ἐπεκάθητο τοῖς νώτοις τοῦ βοὸς οὐ περιβάδην ἀλλὰ κατὰ πλευράν. Sic διαβαίνειν cruribus divaricatis stare, Lys. 60. Arist. H. A. V. 2.

400. Euripides dicit Ran. 949. ἀλλ' ἔλεγεν ἡ γυνή τέ μοι χὠ δοῦλος οὐδὲν ἧττον κτλ.

401. Cf. Vesp. 964. ἀπόκριναι σαφῶς. Nub. 1245. ἀποκρινοῦμαί σοι σαφῶs. Ran. 1434. ὁ μὲν σοφῶς γὰρ εἶπεν, ὁ δ' ἕτερος σαφῶς. Vesp. 53. οὕτως ὑποκρινόμενον σοφῶς ὀνείρατα.

404. Cf. 475. Eur. Cycl. 265. ὦ κάλλιστον, ὦ Κυκλώπιον.

405. Cf. Lys. 878. Eccl. 515. Nub. 274. 360. Plat. Phaed. 59 E. ὁ θυρωρός, ὅσπερ εἰώθει ὑπακούειν.

407. ἀλλ' οὐ σχολή] Monometer ut in Nub. 1233. ποίους θεούς; Soph. Ant. 1281. Eur. Iph. A. 1133. Eur. Fr. 563, 1. σχολὴ μὲν οὐχί, τῷ δὲ δυστυχοῦντί πως | τερπνὸν τὸ λέξαι κτλ.

410. λέλᾱκας] Cf. Henioch. III. 562. Παύσωνι φῇς τὸ δεῖνα προσλελακέναι (προσλελακηκέναι al. et Mein. Male).

412. ῥάκι'] Anglice rags. A ῥηγνύναι (Xen. Cyr. I. 6. 15. ἱματίων ῥαγέντων). Cf. Eur. Fr. 698. πτώχ' ἀμφίβληστρα σώματος λαβὼν ῥάκη.

413. οὐκ ἐτὸς] Cf. Av. 915. Lys. 138. Th. 921. Eccl. 245. Pl. 404. 1166.

415. *τοῦ παλαιοῦ δράματος*] Cf. Herod. IV. 35. 3. *καὶ τοὺς ἄλλους τοὺς παλαιοὺς ὕμνους ἐποίησε.* Nub. 556. *ἣν τὸ κῆτος ἤσθιεν.* Fabula Telephus, quae una cum Cressis, Alcmeone, et Alcestide tetralogiam constituit, anno 438 docta est, tredecin annis ante hanc nostri fabulam.

418. *τὰ ποῖα τρύχη;*] Cf. ad Ach. 963. *ὁ ποῖος οὗτος Λάμαχος τὴν ἔγχελυν; Οἰνεὺς —*] Cf. Timocl. 6, 16. *γέρων τις ἀτυχεῖ; κατέμαθεν τὸν Οἰνέα.* Fabulae Oenei supersunt fragmenta 13.

421. *Φοίνικος*] Phoenicis fabulae supersunt fragmenta 15. *οὐ Φοίνικος, οὔ*] Cf. Ran. 1308. Nub. 1470. Menand. IV. 152. *οὐκ ἔλαττον, οὔ,* | *μὰ τὴν Ἀθηνᾶν.* Aesch. Ag. 1299. *οὐκ ἔστ' ἄλυξις, οὔ, ξένοι.* Soph. Fr. 762. *οὐ κόσμος, οὔκ, ὦ τλῆμον.* Aj. 970.

423. *λακίδας*] Cf. Antiph. 181, 2. *τέμαχος ἐν τεύτλου λακιστοῖς κρύπτεται στεγάσμασιν.*

424. Cf. Timocl. 6, 15. *χωλός τίς ἐστι; τὸν Φιλοκτήτην ὁρᾷ.* | *γέρων τις ἀτυχεῖ, κατέμαθεν τὸν Οἰνέα* (418). Philoctetae fabula supersunt fragmenta 17.

426. *δυσπινῆ — πεπλώματα*] Haec tragoediam sapiunt, utrum ex Bellerophonte an aliunde sumpta non liquet. Cf. Pac. 135. 146. Soph. O. C. 1597. *εἶτ' ἔλυσε δυσπινεῖς στολάς.* Aesch. Ag. 561.

427. Bellerophontis fabulae supersunt fragmenta 28.

428. *ἀλλὰ μὴν κἀκεῖνος ἦν —*] Cf. Poll. X. 98. *ἀλλὰ μὴν καὶ τήγανον ἔχοις ἂν εὑρεῖν* etc.

429. Cf. Men. 249, 6. *ὁ προσαιτῶν καὶ ῥυπῶν.* Eur. Fr. 324, 4. *οὐδεὶς προσαιτῶν βίοτον ἠράσθη βροτῶν.*

430. Cf. Nub. 922. *Τήλεφος εἶναι Μυσὸς φάσκων.* Metag. 13, 2. *Σάκας ὁ Μυσός.* Timocl. 6, 19. *ὁ μὲν ὢν γὰρ πένης* | *πτωχότερον αὑτοῦ καταμαθὼν τὸν Τήλεφον* | *γενόμενον ἤδη τὴν πενίαν ῥᾷον φέρει* Eur. Fr. 703, 1 N. (*οἶδ' ἄνδρα*) *Μυσὸν Τήλεφον.* et ad Av. 1461. Nub. 102. Vesp. 1507. Euripides scripserat (Fr. 703.) *οἶδ' ἄνδρα Μυσὸν Τήλεφον,* (*ξένος δ' ὅδε* supplet Nauck.) | *εἴτ' ἐστὶ Μυσὸς εἴτε κἄλλοθέν ποθεν* | (*ἐκ τοῦ*) *προσώπου Τήλεφος γνωρίζεται.* Verba Ulixis fuisse videntur. Cf. Lucian. Somn. 14. *οἶδα, τὸν σιμὸν — ὃς τὸ κεραμεοῦν τρύβλιον ὑφελόμενος ᾤχετο —.* Telephi fabulae fragmenta supersunt 32.

432. *ῥακώματα*] Max. Tyr. VII. p. 126. *ὁ Ἀγαμέμνων τὸ σκῆπτρον φέρει, — ὁ* (*δὲ*) *Τήλεφος ῥάκια καὶ θύλακον.*

433. *τῶν Θυεστείων ῥακῶν*] Schol. *ἤτοι τὰ τῶν Κρησσῶν ἢ αὐτοῦ τοῦ Θυέστου.* Fortasse igitur eadem fabula erant Cressae et Thyestes. Dramatis Thyestae supersunt fragmenta 7.

434. Cf. Av. 187. *ἐν μέσῳ δήπουθεν ἀήρ ἐστι γῆς* (sc. *καὶ οὐρανοῦ* sive *τῶν θεῶν*). Aesch. Cho. 63. Soph. O. C. 291. Apte Gallicum entre-sol contendit Clark. *Ἰνοῦς*] Cf. Vesp. 1414. Eur. Fr. 402. *εὕδουσα δ' Ἰνοῦς συμφορὰ πολὺν χρόνον* | *νῦν ὄμμ' ἐγείρει.* Fabulae Inûs supersunt fragmenta 26.

435. παντόπτα] Cf. Aesch. Fr. 192, 5. ὁ παντόπτας Ἥλιος. Etym. M. διοπτεύων: ἐποπτεύων, ἐφορῶν, ἐπισκοπῶν.

436. ἐνσκευάσασθαι] Sic Ran. 1066. ῥακίοις περιλάμενος (sc. ἑαυτόν).

440. 441. Falli scholiastam, qui Telepho haec tribuat, judicat Clark.

440. εἶναι τήμερον] Meinekius Euripidem — εἰς τὸ σήμερον scripsisse censet, quod parum credibile est. Versus aut corruptus aut, quod probabilius est, ab Aristophane mutatus est.

442. εἰδέναι μ' ὅς εἰμ' ἐγώ] Qu. εἰδέν' ὅστις εἴμ' ἐγώ. Vulgata soloeca est. Cf. Soph. O. R. 415. ἆρ' οἶσθ' ἀφ' ὧν εἶ; Schol. οὐ (l. οὔτε) τὰ ἀκόλουθα.

444. ῥηματίοις —] Cf. Nub. 943. ῥηματίοισιν καινοῖς αὐτὸν | καὶ διανοίαις κατατοξεύσω. σκιμαλίσω] Cf. Phot. p. 520, 11. σκιμαλίσαι: καταδακτυλίσαι ἀσχημόνως. Apostol. IV. 98. ἐσκιμαλίχθαί (l. — λίσθαι) σε δεῖ (com.).

445. πυκνῇ — φρενί] Cf. Eq. 1132. Av. 430. Th. 438. Eccl. 571. πυκνὴν φρένα — ἐγείρειν. Amph. 33, 5. Plat. Resp. VIII. 568 A.

446. Veram lectionem esse εὖ σοι γένοιτο ostendit sequens dativus Τηλέφῳ. Cf. Strab. XIV. p. 658. εὖ σοι εἴη, ἔφη. Euripides scripserat fortasse καλῶς ἔχοι σοι. Num ex Telepho haec sumpta sint dubitat Clark.

450. Etiam haec Euripidea esse suspicatur Nauck. p. 657.

452. λιπαρῶν τ'] Qu. λιπαρής τ' (i. e. γλίσχρος λιπαρής τ'). Sed corrigendum videtur λιπαρῶ σ' Εὐριπίδη, —. λιπαρῶν] Verbum comicis fere inusitatum. Legitur praeterea Telecl. 38. et λιπαρής Lys. 672. λιπαροῦς χειρουργίας. Machon. Athen. XIII. 581 D. λιπαρῶν δὲ καὶ προσκείμενος. Cf. Aesch. Pr. 529. μή με (μηδὲ vulg.) λιπάρει. 1004. λιπαρήσω τὸν μέγα στυγούμενον. Soph. O. R. 1435. καὶ τοῦ με χρείας ὧδε λιπαρεῖς τυχεῖν. O. C. 776. 1201.

454. Parodia versus Euripidei. Achillis haec verba esse censet Nauck. Trag. p. 460. ὦ τάλας] παρατραγῳδεῖ hic et Th. 1038. Tragicorum enim est ὦ τάλας, ut monuit Cobetus. πλέκους χρέος] Qu. χρεία πλέκους. πλέκους] I. q. πλέγματος. Schol. μέλλεις (θέλεις Valck. με λῇς Nauck. prob. Dind.). Etiam hic falli scholiastam arbitratur Clark.

458. μάλλά] Cf. Phot. p. 244, 1. μαλαν (l. μάλλά): ἀντὶ τοῦ οὐ καλά (l. οὐκ ἀλλά).

459. ἀποκεκρουμένον] Cf. Aesch. Agam. 817. χεῖλος οὐ πληρουμένῳ (qu. χεῖλος ἀποκεκρουμένῳ).

461. οἶσθ'] οἶσθα contractum ex οἴδασθα. Confer ᾔδησθα Eup. II. 570. etc.

463. Cf. Hegesipp. IV. 480. βεβυσμένος | τὴν ῥῖν'.

466. Cf. Nub. 792. ἀπὸ γὰρ ὀλοῦμαι μὴ μαθὼν γλωττοστροφεῖν. Eur. Iph. T. 1041. μὴ γὰρ αἰνουσῶν λόγον | ὄλωλα κἀγώ.

471. ἀλλ' οὐκέτ'] Cf. Thuc. VIII. 58. ἐνταῦθα δὴ οὐκέτι, ἀλλ' ἄπορα νομίσαντες etc.

472. Cf. Aesch. Ag. 549. καὶ πῶς ἀπόντων κοιράνων ἔτρεις τινάς; Eur. Fr. 343, 1. μὴ νεῖκος, ὦ γεραιὲ, κοιράνοις τίθου. Eur. Alc. 540. λυπουμένοις ὀχληρὸς, εἰ μόλοι, ξένος. Verba καὶ γὰρ εἰμ' ἄγαν ὀχληρὸς ex Telepho sumpta sunt secundum Symmachum apud schol.

475. Cf. Eq. 725. Soph. Phil. 799. Eur. Cycl. 266.

476. Cf. Lys. 235. εἰ δὲ παραβαίην, ὕδατος ἐμπλῆθ' ἡ κύλιξ. Pac. 1072. Eq. 694. Vesp. 1431. Soph. Aj. 1175. εἰ δέ τις στρατοῦ | βίᾳ σ' ἀποσπάσειε — ἄθαπτος ἐκπέσοι χθονός. Theogn. 982. ἀλλ' ἔρδων φαίνοι', εἴ τι δύναι', ἀγαθόν. Callim. Fr. 219. τεθναίην ὅτ' ἐκεῖνον ἀποπνεύσαντα πυθοίμην. Hom. Od. 1, 47. ὡς ἀπόλοιτο καὶ ἄλλος ὅ τις τοιαῦτά γε ῥέζοι.

478. Cf. Eq. 19. πῶς ἂν οὖν ποτε | εἴποιμ' ἂν αὐτὸ δῆτα κομψευριπικῶς; | ΔΗ. μή μοί γε, μή μοι, μὴ διασκανδικίσῃς. Aesch. Cho. 750. ὃν ἐξέθρεψα μητρόθεν δεδεγμένη.

479. πηκτὰ δωμάτων] Cf. Eur. Phoen. 490. πηκτῶν κλιμάκων. Eur. Fr. 991. λῦε πακτὰ (πηκτὰ recte Nauck.) δωμάτων.

480. ὦ θυμὲ] Cf. Eq. 1194. ὦ θυμέ, νυνὶ βωμολόχον ἔξευρέ τι. Eur. Med. 1057. Eur. Fr. 916. μή μοι | λεπτῶν θίγγανε μύθων, ψυχή. Neophr. 2, 1. εἶεν· τί δράσεις, θυμέ; βούλευσαι καλῶς | πρὶν ἐξαμαρτεῖν. 9. οὐ μὴ προδώσεις, θυμὲ, σαυτὸν ἐν κακοῖς; ἐμπορευτέα] Confer nostra 'to travel' et 'traveller.' Cf. Thuc. VII. 13. s. f.

483. γραμμὴ] Cf. Eur. Fr. 169. ἐπ' ἄκραν ἥκομεν γραμμὴν κακῶν. Eur. Med. 1244. ἄγ', ὦ τάλαινα χεὶρ ἐμὴ — ἕρπε πρὸς βαλβῖδα λυπηρὰν (λυπηροῦ?) βίου.

484. Cf. Plat. Lys. 204 C. ἡμῶν — ἐκκεκώφωκε τὰ ὦτα καὶ ἐμπέπληκε Λύσιδος. Vesp. 380. Lucian. Jup. trag. 1. τὸν Εὐριπίδην ὅλον καταπεπώκαμεν. οὐκ εἶ —;] Nonne ibis —? Cf. Eur. Hec. 577. ἕστηκας, ὦ κάκιστε; — οὐκ εἶ τι δώσων τῇ περίσσ' εὐκαρδίῳ —;

487. εἰποῦσ'] Lege εἰπέ θ'.

488. Cf. Cephisod. 3. ἄγαμαι Ξανθίου.

490. ἀλλ' ἴσθι νυν] Malim ἀλλ' ἴσθι γοῦν, aut ἀλλ' ἴσθι τοι, quod legitur Soph. Ant. 473. El. 298. Cf. Aesch. Ag. 1302. ἀλλ' ἴσθι τλήμων οὖσα.

491. Cf. Pind. Fr. 100, 3. ἐξ ἀδάμαντος ἢ σιδάρου κεχάλκευται μέλαιναν καρδίαν ψυχρᾷ φλογί. Lys. c. Theomn. I. § 20. ἀλλ', εἰ μὴ σιδηροῦς ἐστιν οἴομαι.

494. Cf. Eq. 265. Theocr. XXVII. καὶ μάν φασι γυναῖκας ἑοὺς τρομέειν παρακοίτας.

497. μή μοι φθονήσητ', —] Cf. Alex. III. 410.

498. *εἰ πτωχὸς ὢν ἔπειτ'* —] Cf. Eq. 1036. *ὦ τᾶν, ἀκούσας* (*ἄκουσον* al.) *εἶτα διάκρινον τόδε.* Vesp. 49. *ἄνθρωπος ὢν εἶτ' ἐγένετ' ἐξαίφνης κόραξ.*

503. Cf. Aesch. Ag. 1200. *ἀλλόθρουν πόλιν* | *κυρεῖν* (f. *κακῶς*) *λέγουσαν.* Xen. Athen. II. 18. *κωμῳδεῖν δ' αὖ καὶ κακῶς λέγειν τὸν μὲν δῆμον οὐκ ἐῶσιν κτλ.* In Equitibus publicam Atheniensium vitam coram civibus solis incusat.

504. *οὑπὶ Ληναίῳ τ' ἀγών*] Cf. 510. *οὑπὶ Ταινάρῳ θεός.* Sannyr. Fr. 3. *τὸν ἀπὸ Ληναίου νεκρόν.* Plat. Prot. 327. *οὓς πέρυσι ἐδίδαξεν ἐπὶ Ληναίων* (*Ληναίῳ* recte Mein. Com. I. 71 sq. 79.). Sic *τὸ ἐπὶ Παλλαδίῳ, Δελφινίῳ,* etc. Tribunal Athenis *τὸ ἐπὶ Λύκῳ* vocabatur. V. schol. hic et ad 378.

507. Cf. Thuc. V. 8. *τῶν γὰρ Ἀθηναίων ὅ τι περ καθαρὸν ἐξῆλθε* (ita Cobet.). Plut. Solon. 22. *Λυκούργῳ καὶ πόλιν οἰκοῦντι καθαρὰν ὄχλου ξενικοῦ καὶ χώραν κεκτημένῳ.* Lucian. Tim. 52. *οὐ καθαρῶς ἐλεύθερος οὐδ' ἀστὸς ὤν.* Diogenian. III. 13. *ἀτὰρ ἐκ καθαρῶν* | *ἀχύρων σῖτον τετρύγηκας.* Totius Atticae incolarum numerum circa quingenta millia fuisse eomputat Boeckhius (Publ. Econ. Athens I. 46—52.), quorum octoginta quinque millia puri putidi cives, quadraginta millia metoeci (Anglice, sojourners, resident aliens), reliqui (375,000) servi essent. Civium purorum et metoecorum qui adulti essent non plures fuisse quam circiter unum et viginti millia, sive sextam partem totius incolarum numeri, computatum est.

508. Cf. Act. Apost. XVII. 21. *Ἀθηναῖοι δὲ πάντες καὶ οἱ ἐπιδημοῦντες ξένοι* etc.

510. Neptunum noster *γῆς τε καὶ ἁλμυρᾶς θαλάσσης ἄγριον μοχλευτὴν* dicit Nub. 567.

511. Cf. Thuc. IV. 52. *τοῦ αὐτοῦ μηνὸς ἱσταμένου ἔσεισε.*

512. *ἐστιν ἀμπέλια κεκομμένα*] Lege *ἐστι τἀμπέλι' ἐκκεκομμένα.* Cf. Pac. 629. *κορώνεων — μου ἐξέκοψαν.*

513. *ἀτὰρ, φίλοι γὰρ* —] Cf. Vesp. 147. *ἀτὰρ, οὐ γὰρ ἐκφρήσω σε,* —. *οἱ παρόντες* —] Cf. Av. 30. *ὦνδρες οἱ παρόντες ἐν λόγῳ.* Eur. Rhes. 149. *τίς δῆτα Τρώων οἳ πάρεισιν ἐν λόγῳ —;*

514. Cf. Th. 473. *τί ταῦτ' ἔχουσαι 'κεῖνον αἰτιώμεθα;* Nub. 131. *τί ταῦτ' ἔχων στραγγεύομαι;*

517. *παρακεκομμένα*] I. e. *τοῦ πονηροῦ κόμματος,* ut loquitur Pl. 862. 957. Cf. Ran. 725 sq.

518. *παράσημα*] Cf. Aesch. Agam. 780. *δύναμιν οὐ σέβουσα πλούτου παράσημον αἴνῳ.* Demosth. p. 307, 26. *παράσημος ῥήτωρ.* Schol. Eur. Hec. 379. *παράσημον, τὸ παρακεχαραγμένον.* *παράξενα*] Anglice of alien origin. Formatum ut *παράσημα.*

519. *ἀνδράρια μοχθηρὰ*] Cf. Eq. 1304. *ἄνδρα μοχθηρὸν πολίτην.* *χλανίσκια*] Eadem forma legitur Aeschin. I. 131. *τὰ κομψὰ ταῦτα χλανίσκια.* Alciphr. I. 38. 4. Alia forma *χλανισκίδιον* est

Pac. 1002. *χλανιδίσκιον* Aristaen. I. 11. *χλανίδιον* Herod. I. 95. Eur. Or. 42. Soph. Fr. 400. Cf. Xen. Mem. II. 7. 6. *Μεγαρέων οἱ πλεῖστοι ἀπὸ ἐξωμιδοποιΐας (ἐπωμ.?) διατρέφονται.* Pac. 1002. *δούλοισι χλανισκιδίων μικρῶν.*

520. Cf. Plat. Apol. 22 B. *εἴ τινε ἴδοιέν πῃ τοὺς σφετέρους ἐπικρατοῦντας ἀνεθάρσησαν ἄν.*

521. Cf. Alciphr. III. 35. *λιβανωτοῦ χόνδρους.*

522. *αὐθημερόν*] Cf. Lys. 114. Th. 820.

524. Cf. Stratt. 26, 2. *ἥκουσιν Μεγαρόθεν* (sc. meretrices aliquae). Pro *Μεγαρικαὶ σφίγγες* (proverb.) corrigendum *Μεγαρικαὶ φύσιγγες* esse monuit Jacobi p. 1221.

525. *μεθυσοκότταβοι*] Formatum ut *ταραξιππόστρατος, κνκησίτεφρος, χαραξίποντος (ταραξ.?), ψηλαφησικότταβος* (Hesych.), *σποδησιλαύρα, ῥιγωσίβιος, μεθυσοχάρυβδις* (Com. adesp. 297 M.). Cf. Nub. 1073. *κοττάβων — πότων.*

527. Cf. Pac. 1118. *ἁρπάσομαι σφῷν αὐτά.* Eccl. 866. *τῶν εἰσφερόντων ἁρπάσομαι τὰ σιτία.* Dem. p. 570. *Κυζικηνῶν ἥρπασε πλεῖον (πλεῖν?) ἢ πέντε τάλαντα.* Aesch. c. Ctes. 94. *τὰ δέκα τάλαντα — ἔλαθον ὑμῶν ὑφελόμενοι.* Xen. An. I. 3. 14. *ὧν πολλοὺς καὶ πολλὰ χρήματα ἔχομεν ἀνηρπάκοτες.*

528. Cf. Eq. 644. *ἐξ οὗ γὰρ ἡμῖν ὁ πόλεμος κατερράγη.* Herod. I. 87. *χειμῶνά τε καταρραγῆναι.* Lucian. Ver. Hlst. II. 35. *βροντῆς μεγάλης καταρραγείσης.*

529. Cf. 536. Pher. 149, 2. *καλόν γε δῶρον ἔπτ' ἔχειν λαικαστρίας.* Supra 79. *λαικαστάς.*

530. Cf. Athen. X. 436 F. *ἧς καὶ Περικλέα τὸν Ὀλύμπιον ἐρᾶν φησι Τηλεκλείδης ἐν Ἡσιόδοις.* *ὀργῇ*] Angl. in anger. Cf. Aesch. Ag. 215. *ἐβρόντα*] Cf. Vesp. 671. *βροντήσας.* Com. adesp. IV. 677. *δεινὸν (γέ τοι) κεραυνὸν ἐν γλώττῃ φέρει* (Pericles).

532. De hoc decreto v. Thuc. I. 139. Plut. Per. 29. De Timocreonte epigramma exstat apud Athen. X. 415 F. *πολλὰ πιὼν καὶ πολλὰ φαγὼν καὶ πολλὰ κάκ' εἰπὼν | ἀνθρώπους κεῖμαι Τιμοκρέων Ῥόδιος.* In Timocreontis loco, *ὤφελες* (*ὤφελές γ'* Clark, malim *ὤφελες δ'*) — *φανήμεναι* (*φανήμεν'* Clark) — *ἐν* (*ἔστ' ἐν* recte idem) *ἀνθρώποις.*

540. Cf. Pac. 1071. *ἀλλὰ τί χρῆν ἡμᾶς* (sub. *δρᾶσαι*), *οὐ παύσασθαι πολεμοῦντας —;* Eubul. 116, 10. *ἐρεῖ τις ὡς Κλυταιμνήστρα κακή.* Si hic versus Euripidis est, excusanda erit syllaba longa ante creticum finalem propter interpunctionem. Versum corruptum habet Nauck. ad Eur. Fr. 707. Seriphos parvula et sterilis insula est prope oram Laconicam sita. Exilitas ejus proverbialis erat. Plat. Resp. I. 4. *ὃς τῷ Σεριφίῳ λοιδορουμένῳ — ἀπεκρίνατο* etc.

542. *ἀπέδοτο φῆνας*] Cf. 522. *κεἴ που σίκυον ἴδοιεν — ταῦτ' ἦν Μεγαρικὰ* (519) *κἀπέπρατ' αὐθημερόν,* Locum obscuriorem sic

explicat W. G. Clark, "Before a foreign vessel was allowed to unload her cargo or even moor alongside the quay, a custom-house officer went out in a boat (*ἐκπλεύσας σκάφει*) and examined the cargo to ascertain the amount of duty payable by the owner. If he found among the cargo any article not included in the bill of lading, he had the right to denounce it as contraband, to seize and sell it. If he exceeded his powers, the injured owner would appeal to his country for redress."

543. *καθῆσθ' ἂν* —] Cf. Eur. Bacch. 259. *καθῆσ' ἂν* —. "Ulixis, opinor, verba sicut Fr. 711. 712. 715. 717." (Nauck. Trag. p. 460.).

544. Cf. Eq. 1315. *τὰς σκάφας — καθελκύσας*. Eccl. 197. *ναῦς δεῖ καθέλκειν;*

546. Cf. Eq. 666. *οἱ δ' ἐθορύβουν περὶ τῶν ἀφύων*.

547. V. schol. h. l. Schol. V. ad Il. 1, 241. *ἐπὶ τῶν ἀκροστολίων ἦσαν ἀγάλματα καὶ εἰκόνες θεῶν*. Herod. III. 37.

548. *στεναχούσης*] Anglice roaring. Cf. Hom. Il. 16, 391.

549. Cf. Eubul. 52. *τροποῦσθαι κώπην*. Xenarch. 1, 8. *φλεβὸς τροπωτήρ*.

550. Cf. Eq. 600. *εἰσεπήδων — πριάμενοι κώθωνας, οἱ δὲ σκόροδα καὶ* (*σκόροδ', ἐλάας*,?) *κρόμμυα*. *κρομμύων ἐν δικτύοις*] Cf. Pher. 148, 2. *ἀμύγδαλα — κἀξ οἴνου βότρυς*. Nicostr. III. 278. *βολβὸν ἐν ὑποτρίμματι*.

552. *κωπέων*] Cf. Herod. V. 23. 3. *ἵνα ἴδη τε ναυπηγήσιμός ἐστι ἄφθονος καὶ πολλοὶ κωπέες*.

553. *θαλαμίων*] Sub. *ὀπῶν*. Cf. Lucian. Cat. 1. *τῶν κωπῶν ἑκάστη τετρόπωται*.

554. Connecte *αὐλῶν κελευστῶν*, et redde tibiarum celeustarum. Vix enim ipsa tibia *κελευστὴς* dici poterat. Harum tibiarum, ni fallor, memorantur *νίγλαροι* et *συρίγματα* Eurip. Hel. 1576. *κελευστοῦ φθέγμαθ' ὡς ἠκούσαμεν*. *νιγλάρων*] I. q. *τερετισμάτων*. Cf. Eupol. 110. *τοιαῦτα μέντοι νιγλαρεύων κρούματα*. Pher. 145, 27. Phryn. 69, 1. *νιγλάρους θρηνεῖν ἐν οἷσι Λάμπρος ἐναπέθνησκεν*. Hesych. *νίγλαροι· τερετίσματα, περίεργα κρούματα*.

555. *ταῦτ' — ἐδρᾶτε*] Haec non Euripidea esse monuit Nauck. Trag. p. 460. *τὸν δὲ Τήλεφον — ἔνι*] Ulixis verba secundum Nauck. Ipsius Telephi fuisse videntur, qui Ulyssis argumentis contra ipsum utitur. Cf. Aristid. Vol. II. p. 19. *τὸν δὲ Τήλεφον οὐκ οἴει τὰ αὐτὰ ταῦτα;* ubi schol. p. 376. *τὶς τῶν ποιητῶν εἰσάγει τὸν Τήλεφον ἐλέγχοντα τὸν Ὀδυσσέα ἐκ τῶν αὐτῶν λόγων οὓς πρὸς τὸν Τήλεφον εἶπε*.

556. *νοῦς ἄρ' οὐκ ἔνεστί σοι*] Euripidea haec esse putat Nauck. Cf. Lys. 1124. *ἐγὼ γυνὴ μέν εἰμι, νοῦς δ' ἔνεστί μοι*. 572. Eq. 1121. Eccl. 856. Eur. Andr. 231. *ὅσοις ἔνεστι νοῦς* Hipp. 920. *φρονεῖν διδάσκειν οἷσιν οὐκ ἔνεστι νοῦς*. Ion. trag. Fr. 26. *οἶνος*

οὐκ ἔνι | *ἐν τῷ σκύφει.* "The brevity of the quotation implies in the audience a very familiar knowledge of Telephus' speech." (W. G. Clark).

558. Cf. 311. Eq. 810. *οὔκουν δεινὸν ταυτί σε λέγειν δῆτ' ἔστ' ἐμὲ —;* Cratin. 314. *ταυτὶ καὶ (ταῦθ' ἡμᾶς?) τολμᾷς σὺ λέγειν ῥοδοδάκτυλος οὖσα;*

561. Cf. Nub. 1162. *ἐχθροῖς βλάβη.* Theogn. 872. *τοῖς δ' ἐχθροῖς ἀνίη καὶ μέγα πῆμ' ἔσομαι.*

564. *οὗτος σύ, ποῖ θεῖς;*] Cf. Av. 1199. Th. 610. Lys. 728. *αὕτη σύ, ποῖ θεῖς;* Soph. O. R. 532. *οὗτος σύ, πῶς δεῦρ' ἦλθες;* Eur. Hec. 1280. *οὗτος σύ, μαίνει —;* *ὡς*] Ang'ice, know (be assured) that.

566. *ὦ βλέπων ἀστραπάς*] Cf. Soph. Fr. 433, 2. *ἀστραπήν τιν' ὀμμάτων ἔχει.* Fr. 161. *ὀμμάτων ἄπο* | *λόγχας ἵησιν.*

567. *ὦ Γοργολόφα*] Cf. Lys. 344. *ὦ χρυσολόφα.* Eq. 1181.

568. Cf. Ran. 841. *σὺ δή με ταῦτ', ὦ —;*

569. *ταξίαρχος*] Taxiarchi deni quotannis eligebantur, ut docet Pollux VIII. 87. Praeerant cum *στρατηγοῖς* copiis pedestribus, ut *ἵππαρχοι* bini numero et *φύλαρχοι* deni equitibus.

570. *τειχομάχας ἀνήρ*] Sic Cratin. 374. *ἀγροβόας ἀνήρ.* Cf. *τεττιγοφόρας* Eq. 1331. *γοργολόφας* Ach. 567. *ἑκατογκεφάλας* Nub. 336. *ἐνδομάχας* Pind. Ol. 12, 20. *νικομάχας* Soph. Fr. 801, 1. *ἐγρεμάχης* Soph. O. C. 1054. *ὁπλομάχης* Plat. Euthyd. 290.

571. Cf. Ran. 469. *ἀλλὰ νῦν ἔχει μέσος.*

574. *σάγματος*] Cf. 1184. *καὶ Γοργόν' ἐξήγειρεν ἐκ τῆς ἀσπίδος.* Alio sensu Vesp. 1142.

575. *τῶν λόφων καὶ τῶν λόχων*] Cf. 269. *μαχῶν καὶ Λαμάχων.* 1071. 606. *κἀν Γέλᾳ κἀν Καταγέλᾳ.*

576. Cf. Eq. 1392. *οὐ γὰρ ὁ Παφλαγὼν* | *ἀπέκρυπτεν αὐτὰς ἔνδον —;*

580. Cf. Cratin. 314. *ταυτὶ καὶ (ταῦθ' ἡμᾶς?) τολμᾷς σὺ λέγειν ῥοδοδάκτυλος οὖσα;* Pher. 73. *ὦ Ζεῦ πολυτίμητ', ἆρ' ἀκούεις ἅ με λέγει* | *ὁ πανοῦργος υἱός;*

583. *ὑπτίαν*] Cf. Eur. Cycl. 326. *εὖ τέγγων τε γαστέρ' ὑπτίαν.* Thuc. VII. 82. *τὸ ἀργύριον — κατέθεσαν ἐσβαλόντες ἐς ἀσπίδας ὑπτίας.*

584 sq. Cf. Nub. 907. Cratin. 251. *μῶν βδελυγμία σ' ἔχει;* | *πτερὸν ταχέως τις καὶ λεκάνην ἐνεγκάτω.* Theopomp. II. 808.

587. Cf. Eur. Hel. 483. *πῶς φῄς; τί λέξεις;*

589. *οὐκ οἶδά πω*] Eadem verba Soph. Phil. 580.

590. *οἴμ' ὡς τεθνήξεις*] Cf. 1117. *οἴμ' ὡς ὑβρίζεις.* Vesp. 1449. *οἴμ' ὡς ἀπολῶ σ'.* Av. 1501. Th. 920. Pl. 899. Pac. 173. 1210. Lys. 462. Th. 1212.

591. Cf. Eur. Fr. 1035. *ὅστις κατ' ἰσχὺν πρῶτος ὠνομάζετο* (*ὢν ἐκλῄζετο*?) etc.

595. *πολίτης χρηστὸς*] Cf. Pac. 909. *ἢ χρηστὸς ἀνὴρ πολίτης ἐστὶν ὅστις* etc. Cf. 603. *σπουδαρχίδης*] Cf. Eupol. 234. Sic *ἐρασμονίδης* (Cratin. 10.), *συκοτραγίδης* (Archil. aut Hippon.), *ζοφοδορπίδης* (Alcaei), *ἀρχογλυπτάδης*, *κλεπτίδης* (Pher. 219.), *ἀποδρασιππίδης* (Vesp. 185.), *βουλοκοπίδης* (Bekk. Anecd. 221, 3.) etc. V. Lobeck. ad Aj. 880.

596. *στρατωνίδης*] Formatum a *Στράτων*, ut *Φειδωνίδης* a *Φείδων* (Nub. 65. 134.) et *ἀρχωνίδης*.

603. *πανουργιππαρχίδας*] Cf. *σπουδαρχίδης* (595. Eupol. 234.).

605. *Διομειαλαζόνας*] Cf. Ran. 651. *Ἡράκλεια τἀν Διομείοις*. Eupol. 235. *ἔστι δέ τις θήλεια Φιλόξενος ἐκ Διομείων*. *Γέρητο* —] Nomen proprium *Γέρης* legitur Eccl. 932.

608. *ἀμηγέπη*] Cf. Th. 429. *ἀμωσγέπως*. Plat. Prot. 331 D. *ἀμηγέπη*. Soph. 259 D. Polit. 278 D. Resp. V. 474 C. D. Legg. v. 736 E. 739 C. IX. 861 C.

616. *ἀπόνιπτρον*] Cf. Aesch. Fr. 225. *καὶ νίπτρα δὴ χρὴ θεοφόρων ποδῶν φέρειν*.

622. Cf. Aesch. Prom. 214. *πρὸς τὸ καρτέρον*. Ag. 130. *πρὸς τὸ βίαιον*. Sic *πρὸς βίαν, ὀργὴν, χάριν, ἡδονὴν*, etc.

623. Cf. Ran. 1172. *κηρύσσω πατρὶ — κλύειν, ἀκοῦσαι*.

627. *ἀποδύντες*] Sc. *τὰ ἱμάτια*. Cf. ad Vesp. 408. Pac. 729. Com. anon. IV. 609. *ἀπόδυθι ταχέως, Πάμφιλ'· ἡμέτερος ὁ πλοῦς*. Plat. Menex. 236 D. *εἴ με κελεύοις ἀποδύντα ὀρχήσασθαι*. Alex. 237, 5. *γυμνοῦθ' αὐτοὺς θᾶττον ἅπαντες*. Schol. Pac. 729. *γυμνὸν γὰρ ποιοῦσι τὸν χορὸν οἱ κωμικοὶ ἀεὶ, ἵνα ὀρχῆται*. *τοὺς ἀναπαίστους ἐπίωμεν*] Cf. Eur. Hel. 165. *τίνα μοῦσαν ἐπέλθω;*

630. *ταχυβούλοις*] Cf. v. *ταχυπειθής*, Theocr. VII. 38.

633. Cf. Pac. 918. Trag. adesp. 410, 1. *πολλοῦ σε θνητοῖς ἄξιον τίκτει πατήρ*. Dem. p. 584. *εἰμὶ δ' οὐ τούτων ὑμῖν ἄξιος*.

635. Cf. 1116. *ὦ Δῆμε — εὐπαράγωγος εἶ θωπευόμενός τε χαίρεις κἀξαπατώμενος*. Eur. Andr. 931. *κακῶν γυναικῶν εἴσοδοί μ' ἀπώλεσαν, αἵ μοι λέγουσαι τούσδ' ἐχαύνωσαν λόγους*. Eur. Suppl. 412. *ἐκχαυνῶν* (inflans) *λόγοις*. Av. 819. *χαυνοπολίτας*] Cf. *μικροπολίτης* (Eq. 817.), *διαδρασιπολίτης* (Ran. 1014.), *χαυνόπρωκτος* (Ach. 106.), *σεμνόμαντις* (Soph.), *αἰνοπάτηρ, ἀμβροτόπωλος* (Eur.), *ἀλυκτοπέδη* (Hesych.), *πλαγίαυλος, μονόλυκος*, etc.

637. *ἐπειδὴ τοῦτό τις εἴποι*] Cf. Ran. 923. *ἐπειδὴ ταῦτα ληρήσειε*.

638. *ἐπ' ἄκρων τῶν πυγιδίων ἐκάθησθε*] Cf. Plat. com. 84. *ἐνταῦθ' ἐπ' ἄκρων τῶν κροτάφων ἕξει λύχνον | δίμυξον*. Eur. Ion. 1166. *ἐπ' ἄκροισι βὰς ποσί*.

640. *ηὕρετο πᾶν ἂν*] Cf. Vesp. 348. *ὡς πᾶν ἂν ἔγωγε ποιοίην*. *διὰ τὰς λιπαρὰς*] I. e. propter epithetum *αἱ λιπαραί*. Cf. Nub. 544. *ἐκστρέψας τοὺς ἡμετέρους Ἱππέας* (i. e. fabulam nostram Equites). 30. *ἄταρ τί χρέος ἔβα με μετὰ τὸν Πασίαν* (*τὸ Πασίου*?);

Eupol. 78. *κἀκείνους τοὺς Ἱππέας | συνεποίησα τῷ φαλακρῷ τούτῳ κἀδωρησάμην.* *ἀφύων τιμὴν περιάψας*] Sc. *τῇ πόλει.* Cf. Pl. 590. *πολὺ τῆς πενίας πρᾶγμ' αἴσχιον ζητεῖς αὐτῷ περιάψαι.* Athenion. com. IV. 557. *τουτονὶ περιῆψεν ὃν νυνὶ βίον | ζῶμεν.* Plat. Apol. 35 A. *αἰσχύνην τῇ πόλει περιάπτειν.* Ep. VII. 334 B. *ὡς αἰσχύνην οὗτοι περιῆψαν τῇ πόλει.* Lucian. Somn. 13. *τιμὴν καὶ δόξαν προσάπτων.* *ἀφύων —*] Cf. Fr. 421 D. *ἅλις ἀφύης μοι, παρατέταμαι γὰρ τὰ λιπαρὰ κάπτων.*

642. *δημοκρατοῦνται*] Cf. Eccl. 940. Herod. IV. 137. 2. *βουλήσεσθαι — δημοκρατέεσθαι μᾶλλον ἢ τυραννεύεσθαι.*

643. *τοιγάρτοι*] Vox rara in poetis scenicis. Cf. Aesch. Suppl. 653. *τὸν φόρον ὑμῖν ἀπάγοντες*] Cf. ad Vesp. 707. *εἰσίν γε πόλεις χίλιαι αἳ νῦν τὸν φόρον ἡμῖν ἀπάγουσιν.*

645. Cf. Eq. 510. *τολμᾷ τε λέγειν τὰ δίκαια.* *ἐν Ἀθηναίοις*] Sc. Dionysiis magnis, quando non aderant socii vectigales.

646. *οὕτως —*] Fabula lepide ficta a poeta secundum Bergk. ad Fr. p. 45. Huc respicit Scriptor Vit. Aristoph. p. 35 D. *οὕτω δὲ γέγονεν ἡ φήμη τοῦ ποιητοῦ ὡς καὶ παρὰ Πέρσαις διήκειν* etc. Eupol. 94, 6. *οὕτως ἐκήλει* etc. Eubul. 39, 1. *οὕτω σφόδρ' ἐστὶ τοὺς τρόπους Βοιώτιος | ὥστ' —.*

647. *ὅτε καὶ*] Cf. Nub. 34. 1474.

652. Cf. 984. Eq. 796. Herod. IV. 201. *ἐς λόγους προεκαλέετο τοὺς βαρβάρους.* Thuc. VII. 18. *ἐς δίκας προκαλουμένων τῶν Λακεδαιμονίων οὐκ ἤθελον ἐπιτρέπειν.* II. 72. *ἀπεκρίναντο αὐτῷ ὅτι ἀδύνατα σφίσιν εἴη ποιεῖν ἃ προκαλεῖται.* Xen. Cyr. I. 4. 4. *οὐχ ἃ κρείσσων ᾔδει ὢν ταῦτα προυκαλεῖτο τοὺς συνόντας.*

657. *μισθοὺς*] Concionalem et judicialem. Eodem sensu *τὰ τριώβολα* Av. 1541. *ἐξαπατύλλων*] Cf. Eq. 1144. *ἐξαπατύλλειν.*

659 sq. V. Nauck. ad Eur. Fr. 911.

659. *πρὸς ταῦτα*] Igitur. Cf. O. R. 343. Aj. 1115. 1313. Aesch. Prom. 992. *πρὸς ταῦτα ῥιπτέσθω μὲν αἰθαλοῦσσα φλὸξ* etc. Eur. Phoen. 524. *πρὸς ταῦτ' ἴτω μὲν πῦρ, ἴτω δὲ φάσγανα,* etc. Her. 978. Med. 1358.

661. *τὸ — εὖ*] Cf. Eur. Fr. 287, 16. *τοῦ γὰρ εὖ τητώμενος | οὐκ οἶδεν.*

662. Cf. Eur. Fr. 910, 5. *κοὐ μή ποθ' ἁλῶ κακὰ πράσσων.*

664. Cf. v. *λακατάρατος* (Phot. 203, 5. et 204, 15.).

665. *ἔντονος*] Cf. Ran. 1306. *δεῦρο Μοῦσ' Εὐριπίδου.* Cratin. 222, 1. *ἔγειρε δὴ νῦν, Μοῦσα, Κρητικὸν μέλος* (i. e. *ἔντονον*). Eur. Hipp. 118. *σπλάγχνον ἔντονον φέρων.* Fr. 291. *νέων τι δρᾶν μὲν ἔντονοι χέρες.* *πυρὸς — μένος*] Cf. Com. adesp. IV. 605. *πυρὸς φλέξον μένος.*

666. *πρινίνων*] Cf. Ran. 859. *σὺ δ' εὐθὺς ὥσπερ πρῖνος ἐμπρησθεὶς βοᾷς.*

668. *οἷον*] Cf. Nub. 1374. Menand. 298. *φέψαλος ἀνήλατ'*] Cf. Vesp. 227. *πηδῶσι καὶ βάλλουσιν ὥσπερ φέψαλοι.*

671. *Θασίαν*] Cf. Cratin. 6, 1. *εἶδες τὴν Θασίαν ἅλμην οἶ' ἄττα βαΰζει.* Sotad. 1, 9. *ἔσται δι' ἅλμης* (qu. *δ' ἐν ἅλμῃ*) *λιπαρός.* 13. *ἅλμῃ τε λιπαρᾷ παρατίθημ' ὀρίγανον.* Diogenian. III. 93. *πρὶν τοὺς ἰχθῦς ἑλεῖν* (*πρὶν ἑλεῖν δὲ τοὺς ἰχθῦς?*) *σὺ τὴν ἅλμην κυκᾷς.* Poll. VI. 63. *καὶ Θασία ἅλμη καὶ Θάσιαι ῥαφανῖδες.* *λιπαράμπυκα*] Cf. Eq. 529. *Δωροῖ συκοπέδιλε* (quasi *χρυσοπέδιλε*). Nub. 1024. *καλλίπυργον σοφίαν.* Xenocl. 1. *ὦ τύχαι χρυσάμπυκες.* Pind. Ol. VII. 64. *χρυσάμπυκα — Λάχεσιν.* Pind. Prosod. 1, 7. *κίονες ἀδαμαντοπέδιλοι.* Pind. H. 7, 6. *τὰς χρυσάμπυκας — Ὥρας.* Aesch. Eum. 806. *λιπαροθρόνοισιν ἐσχάραις.* Eur. Phoen. 175. *λιπαροζώνου — ἁλίου.* Incert. Stob. Ecl. I. 6. 12. *λιπαροθρόνους τ' ἀδελφὰς Δίκαν καὶ — Εἰράναν.* Cf. Av. 535. *κατάχυσμα — λιπαρόν.* 1590. Schol. *ἐκ* (*ἐπὶ* aut *τὸ?*) *τῶν ἀπὸ πυρὸς ἰχθύων.*

674. *ἔντονον*] Cf. *ἐντόνως* (vehementer), i. q. *ἐντεταμένως.* *ἀγροικότερον*] Cf. Eq. 41. 808.

677. *ὧν ἐναυμαχήσαμεν*] Cf. Vesp. 558. *μόνον τούτων ὧν εἴρηκας.* 894. Eccl. 665. Vesp. 467. 414. Th. 835. Men. 485, 3. *καὶ πᾶσιν οἷς ἔσχηκεν ἄνθρωπος κακοῖς.*

679. *ἐμβαλόντες ἐς γραφὰς*] Litibus implicantes. Cf. Nub. 1460. Soph. Aj. 60. Schol. *ἀντὶ τοῦ εἰς δικαστήρια καὶ κατηγορίας.* Inter *γραφὰς* et *δίκας* distinguendum, ut docet Pollux VIII. 41. *ἐκαλοῦντο αἱ γραφαὶ καὶ δίκαι, οὐ μέντοι καὶ αἱ δίκαι γραφαί.*

681. *οἱ συνήγοροι* deni erant sorte lecti, ut docet Aristoteles.

683. *τονθορύζοντες*] Cf. Aesch. Fr. 433. *ἐτονθόρυζε ταῦρος ὡς νεοσφαγής.* *τῷ λίθῳ*] I. e. *τῷ βήματι.* Cf. Pac. 682. *ὅστις κρατεῖ νῦν τοῦ λίθου τοῦ 'ν τῇ πυκνί.*

685. *ξυνηγορεῖν*] *οἱ συνήγοροι συναγορεύειν τινὶ* dicebantur. Athen. XIII. 590 E. *ὁ δὲ Ὑπερείδης συναγορεύων τῇ Φρύνῃ* etc. *σπουδάσας ξυνηγορεῖν*] Cf. Eq. 926. *ἐς τοὺς πλουσίους | σπεύσω σ' ὅπως ἂν ἐγγραφῇς.*

687. *ἀνελκύσας*] Cf. Vesp. 568. *τὰ παιδάρι' — ἀνέλκει.* *σκανδάληθρ'*] Cf. *ἀλινδήθρα* et *ἐνουρήθρα* (Soph. Fr. 430.).

688. *ἄνδρα Τιθωνὸν*] Cf. Av. 1009. *ἄνθρωπος Θαλῆς.* *Τιθωνὸν*] Cf. Nicoph. 22. (Philonid. 15.) *νυνὶ δὲ Κρόνου καὶ Τιθωνοῦ παππεπίπαππος νενόμισται.* *ταράττων καὶ κυκῶν*] Cf. Eq. 251. 692. Pac. 320. 641. 654. Cratin. min. III. 376. Aesch. Prom. 994. *κυκάτω πάντα καὶ ταρασσέτω.* Dem. p. 785, 18. *σπαράττειν τὰς κληρωτὰς* (l. *κληρωτοὺς*) *ἀρχάς.*

691. *οὐ — πρίασθαι*] Cf. Pac. 1223. *οὐκ ἂν πριαίμην οὐδ' ἂν ἰσχάδος μιᾶς.*

692. *περὶ κλεψύδραν*] Cf. Vesp. 93. Epinic. Fr. 2, 2. *πίνειν δεήσει τήμερον πρὸς κλεψύδραν.*

693. Cf. Ran. 697. *οἳ μεθ' ὑμῶν πολλὰ δὴ — ἐναυμάχησαν.*

695. Cf. Hom. Od. 11, 528. *παρειῶν | δάκρυ' ὀμορξάμενον.*

697. Cf. Pl. 568. *περὶ τὸν δῆμον καὶ τὴν πόλιν εἰσὶ δίκαιοι.* Dem. p. 520. *ἀνδρῶν βέλτιστος περὶ ἐμὲ τότε ἐγένετο.*

698. *ὅτ' ἦμεν*] Cf. Eur. Fr. 313. *ἦσθ' εἰς θεοὺς μὲν εὐσεβὴς ὅτ' ἦσθ' ἀεὶ* etc.

700. *ἁλισκόμεθα*] I. q. *αἱρούμεθα.* Cf. ad Vesp. 1207. *εἷλον διώκων λοιδορίας.*

702. Cf. Eur. Iph. A. 1210. *οὐδεὶς πρὸς τάδ' ἀντερεῖ βροτῶν.* *Μαρψίας*] Cf. *Σωσίας, Σκηψίας, Ἐρυξίας, Πεισίας, Τισίας,* etc. Notatur Marpsias ut Calliae adulator Eupol. 166.

703. *τῷ γὰρ εἰκὸς —;*] Quo argumento. Cf. Ach. 703. Nub. 385. Th. 839. Pl. 48.

704. *συμπλακέντα —*] Cf. Eubul. 9, 1. *θεοῖσι* (*θυννείοισι?*) *συμπεπλεγμένοι.* Herod. III. 78. Demosth. IX. 51. Monost. 54. *ἀδίκοις φίλοισιν ἢ κακοῖς μὴ συμπλέκου.* Soph. Fr. 561, 2. *τῇ παντομόρφῳ Θέτιδι συμπλακείς ποτε.* Eur. Bacch. 800. *ἀπόρῳ γε συμπεπλέγμεθα ξένῳ.* Plat. Symp. 191 A. *συμπλεκόμενοι ἀλλήλοις.*

708. *ἐκεῖνος — Θουκυδίδης*] Sine articulo. Cf. Nub. 534. *Ἠλέκτραν κατ' ἐκείνην.* Eccl. 167. *δι' Ἐπίγονόν γ' ἐκεινονί.*

709. Cf. Simonid. Fr. 197, 7. *οὐδ' ἔτλη Κυβέλης ἱερὸν βρόμον ὑλονόμος θήρ.* Cratin. 383. *ἀνεξικώμη* (i. e. *ἧς οὐκ ἂν ἀνάσχοιτο ὅλη κώμη,* Hesych.).

710. Euathlus ut *ῥήτωρ συκοφάντης* notatur in schol. Vesp. 592. Fr. 411. Cratin. 75. Plat. 102.

711. Cf. Eq. 286. *καταβοήσομαι βοῶν σε.*

712. Cf. Nub. 943. *ῥηματίοισιν — αὐτὸν — κατατοξεύσω.*

715 sq. Cf. Plut. Mor. 127 F. *τὴν παροιμίαν — ὡς οἴνῳ δὴ τὸν οἶνον, κραιπάλῃ δὲ τὴν κραιπάλην, ἐξελῶντας.* Antiph. 300. Com. adesp. 494.

717. *ἐξελαύνειν —*] Cf. Plat. Theaet. 154 D. *ἀλλήλων τοὺς λόγους τοῖς λόγοις ἐκρούομεν.* Aesch. I. 184. *Σόλων τοὺς προαγωγοὺς γράφεσθαι κελεύει, κἂν ἁλῶσι, θανάτῳ ζημιῶσαι.*

722. Cf. Men. 531, 2. *ἐφ' ᾧ τε διατελεῖν.*

723. *ἀγορανόμους*] Cf. 824. Alex. 247, 1. *ἀγορανομήσας, ἂν θεοὶ θέλωσι, σύ, | ἵνα Καλλιμέδοντ' εἰς τοὔψον, εἰ φιλεῖς ἐμέ, | παύσῃς καταιγίζονται δι' ὅλης ἡμέρας.*

724. *τούσδ' ἱμάντας*] *Δεικτικῶς,* unde articuli omissio. *ἱμάντας ἐκ Λεπρῶν*] Cf. Vesp. 231. *ἦσθ' ἱμὰς κύνειος.* Theocr. V. 95. *λεπρὸν — λεπύριον.*

725. Cf. Epilyc. com. 3, 2. *παρ' Ἀπέλλω* (i. e. *παρ' Ἀπόλλωνα*) | *βάρακες πολλοὶ* etc.

726. *Φασιανός*] Cf. Trag. adesp. 392. *Φασιανὸν νάπος.* Nomen gentile erat *Φασιανός, Φασιάτης, Φασιανικός,* teste Stephano Byz. p. 661, 5.

727. *τὴν στήλην — μέτειμ'*] Cf. Eq. 605. Pac. 274.

730. *τυ*] Dorice pro *σε*. Cf. Theocr. XV. 39. *οὐκ ἀξῶ τυ, τέκνον*. *ναὶ τὸν φίλιον*] Cf. Pher. 96, 4. *νὴ τὸν φίλιον*. Diodor. com. 2, 5. *τὸ γὰρ παρασιτεῖν ηὗρεν ὁ Ζεὺς ὁ φίλιος*.

732. Cf. Vesp. 977. *ἀναβαίνετ', ὦ πονηρὰ (παιδία), καὶ* etc. Eq. 149. *ἀνάβαινε σωτὴρ τῇ πόλει καὶ νῷν φανείς*. 169. *ἀλλ' ἐπανάβηθι κἀπὶ τοὐλεὸν τοδί*.

733. *ποτέχετ' — τὰν γαστέρα*] Pro — *τὸν νοῦν*.

734. Cf. Menand. 623, 2. *πεινῆν* (*πᾶσιν* mss.) *κακῶς*.

735. Dimeter baccheus, ut in Nub. 707. *τί πάσχεις; τί κάμνεις;*

736. Cf. Eur. Ph. 603. *τίς ὧδ' ἄνους ὅστις —;* Alc. 192. Adesp. 91, 1. *τίς ὧδε μῶρος — ὅστις ἐλπίζει —;* Soph. Ant. 220. Dem. p. 100. *οὐ γὰρ οὕτω γ' εὐήθης ἐστὶν ὑμῶν οὐδεὶς ὃς ὑπολαμβάνει κτλ*.

737. Cf. Antiph. 267, 2. *τὸ προῖκ' ἀποθανεῖν ἐστι φανερὰ ζημία*. Soph. El. 966. *πημονὴν αὐτῷ σαφῆ*. Plat. Men. 91 C. *ἐπεὶ οὗτοί γε φανερά ἐστι λώβη — τῶν συγγιγνομένων*.

738. Cf. Eq. 1086. *ἀλλὰ γάρ ἐστιν ἐμοὶ χρησμὸς περὶ σοῦ πτερυγωτός*. De *γὰρ* bis repetito cf. Pl. 76 sq. Nub. 798.

742. *ἄπρατα*] Nomen *ἀπρασία* legitur Eupol. 62.

743. Cf. Plat. Symp. 191 B. *ἀπέθνησκον ὑπὸ τοῦ λιμοῦ* etc. *τᾶς λιμῶ*] Doricum esse *ἡ λιμὸς* statuunt grammatici; occurrit tamen in Hom. H. Cer. 112. et Anth. V. Lobeck. ad Phryn. p. 188.

744. Cf. Pher. 102. *ῥύγχος — ὑός*.

745. *σάκκον*] Atticas formas constanter esse *σάκον* et *σακίον* monuit Meinekius Fr. Com. IV. 102. Hic Megarensis loquitur.

751. Cf. Anaxand. 57, 2. *διαπίνω τ' ἀμβροσίαν*.

752. *ἢν αὐλὸς παρῇ*] Cf. Philetaer. 18. *καλόν γ' ἔστ' ἀποθανεῖν αὐλούμενον*. Apollod. Car. 5, 13. *ὑποπεπωκότας | αὐλουμένους*.

753. *τί — πράττεθ'*] Cf. Hermipp. 58, 2. *χαῖρ', ὦ διαπόντιον | στράτευμα, τί πράττομεν;* Calliam. com. 5. *εἶφ' ὅ τι πράσσει*. Python. trag. 1, 10. *'Ατθίδα χθόνα | τίνες τύχαι κατέχουσιν ἢ πράττουσι τί;* *οἷα δή*] Sub. *πράσσομεν*. Angl. So so! Cf. Plat. Criti. 113 E. *οἷα δὴ θεός*. Thuc. 8, 84. *οἷα δὴ ναῦται*. Menand. Fr. Genev. v. 43. *γύναι, τί πράττεις;* Plat. Resp. II. 372 C. *καὶ λάχανα οἷα δὴ ἐν ἀγροῖς ἑψήματα ἑψήσονται*. Crit. 53 D. *οἷα δὴ εἰώθασιν ἐνσκευάζεσθαι οἱ ἀποδιδράσκοντες*. Herod. I. 160. 2. *ἐπὶ μισθῷ ὅσῳ δή*. IV. 151. 5. *ὅσων δὴ μηνῶν*.

754. Cf. Soph. Fr. 789, 1. *ὅστις γὰρ ὡς τύραννον ἐμπορεύεται* etc.

755. Cf. Aesch. Ag. 1355. *φροιμιάζονται γὰρ ὡς | τυραννίδος σημεῖα πράσσοντες* (*φαίνοντες*?) *πόλει*. Thuc. III. 69. 1. *καὶ ἔπρασσον οὗτοι — ὅπως ἀποστήσωσιν* (l. *ἀποστήσουσιν*) *'Αθηναίων τὴν πόλιν*.

756. Cf. Polyzel. 3, 3. *ἢ προδόντα | τὴν ναῦν ὅπως τάχιστα τῶν κακῶν ἀπαλλαγῆναι*.

757. ὅπως] Qu. ὅπα. ἀπολοίμεθα] Lege ἀπολούμεθα.

758. Μεγαροῖ] Confer Γαργηττοῖ (Demosth.), Σφηττοῖ, Ἰσθμοῖ, Πυθοῖ, etc. πῶς] Cf. Eq. 480. Machon. Athen. XIII. 580 C. πῶς ἵστης; φράσον. | ὁ δὲ μειδιάσας, Κῦβδ', ἔφη, τριωβόλου.

759. Cf. Fr. 451 K. γυναῖκα — ἣν φασὶν εἶναι παρὰ σέ. Alex. 248. παρ' ἡμᾶς οἰκεῖ. πολυτίματος —] Cf. Antiph. III. 79. ὦ πολυτίμηται θεοί. Men. IV. 231. Menand. IV. 101. πολύτιμοι θεοί. Antiph. 147, 3. πολὺ τῶν θεῶν γάρ ἐστι τιμιωτέρα.

761. σκόροδα] Hinc proverbium Μεγαρέων δάκρυα (i. e. προσποιητά).

763. ἄγλιθας] Cognata vox fortasse est nostra clove. Cf. Vesp. 680.

773. Ἑλλάνων νόμῳ] Cf. Aesch. Suppl. 220. τοῖσιν Ἑλλήνων νόμοις.

783. Sic προσέχειν τὸν νοῦν τινι et πρός τινα (Cratin. II. 116.), ὀργὴν ἔχειν τινὶ et πρός τινα (Chaeremon. 36.), ἐγκαλεῖσθαί τινι et πρός τινα aut τι (Eur. Fr. 494, 5.), προσφέρειν τί τινι et πρός τινα (Nub. 480.), ἀντιλέγειν τινὶ et πρός τινα (Ran. 1007.), ὀνειδίζειν τινὶ et εἴς τινα (O. C. 754.), συμβάλλειν τινὶ (Eur. Fr. 759, 4.) et πρὸς τινα (Eccl. 446.), ἀνθίστασθαί τινι et πρός τινα (Soph. Fr. 234 b.), ἀντιλέγειν τινὶ et πρός τινα (Ran. 1007.), μάχεσθαί τινι et πρός τινα (Eur. Fr. 491, 5.). Sic ζευγνύναι τινὶ et πρός τινα (Eur. Fr. 906. κακὸν γυναῖκα πρὸς νέον ζεῦξαι νέαν), προσάπτειν τί τινι et πρός τι (Eur. Fr. 364, 9.), ἀνθίστασθαί τινι (Plat. Symp. 196 D.) et πρός τι aut τινα (Soph. Fr. 235.), ζυγομαχεῖν τινι (Men. IV. 126.) et πρός τινα aut τι (Men. IV. 264.), ἐμβάλλειν τινί τι (Orest. 1355.) et εἴς τι (Or. 6.), προστιθέναι τί τινι et πρός τι (Nub. 63.), προσιζάνειν τινὶ (Aesch. Sept. 696.) et πρός τινα (Prom. 276.), διαλλάττεσθαί τινι et πρός τινα, διατοξεύεσθαί τινι et πρός τινα (Theophr. Char. 27.).

785. Cf. Plat. com. 145. κέρκους (i. e. οὐράς). Ut barbara vox et Asiatica damnatur Bekk. Anecd. 103, 6. Pluries tamen legitur apud comicos. Eodem sensu οὐρὰ Soph. Fr. 974. et Latinum cauda (Hor.).

786. δελφακουμένα] Cf. Eq. 1241. ἐξανδρούμενος. Cratin. 3. Athen. IX. 375 A. τῶν συῶν τὰ μὲν ἤδη συμπεπηγότα δέλφακες, τὰ δ' ἁπαλὰ καὶ ἔνικμα χοῖροι (ex Aristophane grammatico).

790. Cf. Eur. Iph. T. 800. ὦ συγκασιγνήτη τε κἀκ ταὐτοῦ πατρός.

791. Cf. Metag. 4, 3. ἄρτι χνοαζούσας αὐλητρίδας.

793. Cf. Schol. Ran. 338. ὅτι Δήμητρι καὶ Κόρῃ θύουσι τὸ ζῷον (τὸν χοῖρον).

795. Cf. Plat. com. 28, 2. τὰ γὰρ κρέα | ἥδιστ' ἔχουσι (ὗες).

798. Cf. 276. νὴ τὸν Ποσειδῶ 'γωγε, καὶ νυνί γ' ὁρῶ. 313. 182. 183. Th. 86.

801. *τρώγοις*] Cf. Hippon. Fr. 35, 6. *σῦκα μέτρια τρώγων καὶ κρίθινον κόλλικα, δούλιον χόρτον.* *ἐρεβίνθους*] Cf. ad Ran. 545. ibique schol.

802. Cf. Eur. El. 244. *φεῦ φεῦ· τί δὴ σὺ σῷ κασιγνήτῳ δοκεῖς;*

808. *Τραγασαῖα*] Cf. 853. Poll. VI. 63. *καὶ ἅλες Τραγασαῖοι.* Cum *Τραγασαὶ* confer oppidi nomen *Παγασαί* (Hermipp. 63, 19.). Similiter in nomine *Εὐτρήσιος* ludit Eupolis Fr. 56.

812. Cf. Theophr. Char. 10. *οὔτε ἐλάαν ἢ φοίνικα τῶν χαμαὶ πεπτωκότων ἀνελέσθαι.*

815. Cf. Pac. 1261. *ἐπεὶ | τούτῳ γ' ἐγὼ τὰ δόρατα ταῦτ' ὠνήσομαι.* *ταῦτα δή*] Cf. Pac. 275. Eq. 111.

820. Cf. Thuc. I. 43. 2. *γνόντες τοῦτον ἐκεῖνον εἶναι τὸν καιρὸν ἐν ᾧ* etc.

821. Cf. Lys. 599. *σὺ δὲ δὴ τί μαθὼν οὐκ ἀποθνήσκεις;*

822. Atticum esse *σάκος*, vulgare *σάκκος* docet Moeris p. 354. Cf. 745. Lys. 1213. Eccl. 498.

826. *τί δὴ μαθὼν —;*] Cf. Vesp. 251. Lys. 599.

833. Cf. Herod. II. 39. 4. *εἴ τι μέλλοι ἢ σφίσι — κακὸν γενέσθαι, ἐς κεφαλὴν ταύτην τραπέσθαι.* Dinarch. p. 104. *ἡ — πονηρία ταῦτα εἰς τὴν κεφαλὴν αὐτῷ τέτραφε* (l. *τέτροφε*).

835. *ἐφ' ἀλὶ*] Cf. Pl. 628. *μεμυστιλημένοι — ἐπ' ὀλιγίστοις ἀλφίτοις.* Eq. 707. Fr. 528 D. Com. adesp. IV. 608. *ἐπὶ τοῖς παροῦσι διαπλέκειν δεῖ τὸν βίον* (*τὸν βίον διάπλεκε* vulg.).

841. *οἰμώζων καθεδεῖται*] Cf. Eccl. 942. Fr. 912. Bl. *οἰμώζων κάθου.* 33 Bl. Telecl. 59. *καθεδοῦμαι.*

842. *ὑποψωνῶν*] Cf. Anecd. Bekk. p. 67, 32. *Ὑπεροψωνεῖν* (*ὑποψωνεῖν* recte Cobet.) *τὸ ἀγοράζοντός τινος ὄψον ἕτερον τῇ τιμῇ ὑπερβάλλοντα ὠνεῖσθαι.* Theophr. Char. XI. *ὑποπρίασθαι φίλου* (*φίλον*?) *ἐπιλαβὼν* (*εἶτα λαβὼν* Cobet.) *ἀποδόσθαι.*

843. *ἐξομόρξεται — σοι*] Sic *προστρίβεσθαί τινί τι* Eq. 5. Dicebant etiam *ἐξομόρξασθαί τι εἴς τι.* Sic Chaeremon 14, 15. *κρόκον θ', ὃς ἡλιῶδες εἰς ὑφάσματα | πέπλων σκιᾶς εἴδωλον ἐξωμόργνυτο.*

845. *φανὴν*] Cf. Phryn. 93. *φανόν* (i. e. *λευκὸν, λαμπρόν*). Antiph. 33, 3. *φαιὸς* (*φανὸς* recte A.?) *χιτωνίσκος καλός.*

846. *κοὐ* —] Pro *οὐδὲ* —. Cf. ad Nub. 994. *Ὑπέρβολος*] Cf. Plut. Alc. 13. *ἐχρῆτο δ' αὐτῷ* (Hyperbolo) *πολλάκις ὁ δῆμος ἐπιθυμῶν προπηλακίζειν* (Ran. 730.) *τοὺς ἐν ἀξιώματι.*

847. Cf. Nub. 1022. *τῆς Ἀντιμάχου καταπυγοσύνης σ' ἀναπλήσει.* Plaut. Men. V. 5. 3. 'Qui me complevit flagitii et formidinis.'

848. *βαδίζων*] Ambulans. I. q. *περιπατῶν.* Cf. Theophr. Char. 21. *ἀναβαλόμενος δὲ θοἰμάτιον εἰς τὴν ἀγορὰν περιπατεῖν.* Phryn. II. 580. *εἶθ' ἡδυλογοῦσιν ἅπασιν ἀεὶ κατὰ τὴν ἀγορὰν περιόντες.*

849. Similiter Herod. IV. 175. 1. οἳ λόφους κείρονται. Trag. adesp. 206. δεσπότην κεκαρμένοι (ἵπποι). Tonsurae genus etiam ὄγκος erat (Anglice a bushy knot), et σάβυττος apud Hesychium (σαβύττης Photio).. μιᾷ μοχαίρᾳ] I. e. cultello, novacula. Anglice, with a rasor. Cf. Ephipp. 14, 6. εὖ μὲν μαχαίρᾳ ξύστ' ἔχων τριχώματα. Hermipp. 14. οἴμοι, τί δράσω σύμβολον κεκαρμένος;

850. V. schol. Diph. 36. ὁ περιφόρητος Ἀρτέμων. Plut. Per. 27. Anacr. 21 B. Athen. XII. 533 E. Append. Prov. IV. 32. Dithyrambicus poeta fuisse videtur Artemo concitatioris musicam indolis, qualem amabat Cinesias (de quo schol. Ran. 153. ἐν τοῖς χοροῖς πολλῇ κινήσει ἐχρήσατο), exercens. Memoria tamen ejus fere periit, ut et alius poetae dithyrambici Dicaeogenis, cujus meminit Suidas v. Δικαιογένης.

851. Cf. Cratin. 199, 1. οἶνός τοι χαρίεντι πέλει ταχὺς ἵππος ἀοιδῷ.

852. Cf. Vesp. 38. ὄζει κάκιστον τοὐνύπνιον βύρσης σαπρᾶς. Ach. 852. Duplex genitivus ut in Eccl. 524. τῆς κεφαλῆς ὄζω μύρου.

855. Λυσίστρατός] Pro οὐδὲ Λυσίστρατος. Cf. Nub. 994. ἄλλο τε μηδὲν (pro μηδὲ ἄλλο τι) αἰσχρὸν ποιεῖν. Pac. 97.

856. περιαλουργής] Anglice deep-dyed. Cf. Com. adesp. IV. 672. στρώμνας ἁλουργούς. Sed Pher. II. 296. μίτραν ἁλουργῆ. Anaxand. III. 183. στρώμαθ' ἁλουργῆ.

858. Cf. Lucian. de Paras. 15. ὁ δὲ παράσιτος τοῦ μηνὸς τὰς τριάκονθ' ἡμέρας ἱερὰς ἄγει.

860. τύλαν] Cf. Telecl. 50. (ap. schol.) τραχήλου τύλαν (τύλην?). τύλη aut τύλος (clavus) videtur appellatum fuisse os quod clavi instar in snmmo humero eminet, quod onus aliquod impositum compressurum esset.

861. Nomen Thebanum Ἰσμηνίας legitur Aristot. Rhet. II. 23.

863. τοῖς ὀστίνοις] Cf. Trag. adesp. 348. Κρητικοὺς αὐλούς, θανούσης κῶλα ποικίλης νεβροῦ. φυσῆτε τὸν πρωκτὸν κυνός] Cf. Eq. 364. ἐγὼ δὲ κινήσω (l. φυσήσω) γέ σου τὸν πρωκτὸν ἀντὶ φύσκης.

864. Cf. Vesp. 456. παῖε — τοὺς σφῆκας ἀπὸ τῆς οἰκίας.

866. Cf. Soph. Fr. 795. βομβεῖν δὲ νεκρῶν σμῆνος ἄρχεται μέλη (ita enim legerim).

867. Cf. Xen. Cyr. VIII. 2. 2. οὐδέν ἐστιν ἐπιχαριτώτερον ἢ (l. ἢ ἡ) σίτων καὶ ποτῶν μετάδοσις. Xen. Apol. 4. ἐπιχαρίτως εἰπόντας ἀπέλυσαν.

871. Cf. Plat. II. 624. τῶν — τετραπόδων οὐδὲν ἀποκτείνειν ἔδει. Stratt. 47, 4. τὸν ἀλεκτρυόνα δ' ὀρτάλιχον (ὀνομάζετε).

872. Cf. Eq. 1254. ὦ χαῖρε καλλίνικε. Nicom. IV. 588. ὦ χαῖρε χρυσόκλυστα. Aesch. Ag. 23. ὦ χαῖρε λαμπτήρ. Suppl. 602. ὦ χαῖρε πρέσβυ, φίλτατ' ἀγγέλων ἐμοί. Soph. Aj. 92. ὦ χαῖρ' Ἀθάνα. Eur. Med. 665. ὦ χαῖρε παῖ Πανδίονος | Αἰγεῦ. Sed Eq. 1333. χαῖρ',

ὦ βασιλεῦ τῶν Ἑλλήνων. κολλικοφάγε Βοιωτίδιον] Ut ὦ φίλε τέκνον, et similia. Cf. Ephipp. 1, 2. ἐκ Θετταλίας | κολλικοφάγου. III. 322. κόλλικα φαγών. Archestrat. Athen. III. 112 A. κόλλιξ Θεσσαλικός σοι ὑπαρχέτω. Nicoph. 15, 2. κόλλικας, ὀβελίαν, μελιτοῦτταν, ἐπιχύτους. Com. anon. IV. 645. ὀλισβοκόλλιξ. Hipponact. 34, 6. καὶ κρίθινον κόλλικα, δούλιον χόρτον.

873. ὅσ' ἐστὶν — ἁπλῶς] Cf. Vesp. 537. καὶ μὴν ὅσ' ἂν λέξῃ γ' ἁπλῶς μνημόσυνα γράψομαι 'γώ.

875. Clemens Alex. (Paed. IV. 1. 3.) ἀτταγᾶς Αἰγυπτίους memorat.

877. χειμὼν — ὀρνιθίας] Procella avium, i. e. aves afferens. Eustathius aliter explicat (ad Il. XII. 890.), ὃν οἱ ὄρνιθες προσημαίνουσι. Cum ὀρνιθίας cf. Στρυμονίας Βορέας (Callim. Del. 26.), στρουθίας (Com. anon. 172.). Ventum Favonium Ornithiam nonnulli vocabant teste Plinio N. H. II. 47. Cf. Aesch. Ag. 564. χειμῶνα — οἰωνοκτόνον.

879. σκάλοπας] σκάλωψ sive σκάλοψ talpa, i. q. ἀσπάλαξ.

882. Qu. — εἴπερ ἐγχέλεις φέρεις. Cf. Soph. Aj. 538. δός μοι προσειπεῖν αὐτὸν ἐμφανῆ τ' ἰδεῖν.

883. Κωπᾴδων κορᾶν] Sic Φαληρικὴ κόρη audit apua Eubul. Athen. 108 A.

884. Cf. Eur. El. 1236. τί ποτ' εἰς φανερὰν | ὄψιν βαίνουσι βροτοῖσιν; Etiam ἔκβαθι Aeschyli est. V. schol.

887. Μορύχῳ] De Morycho cf. Vesp. 506. 1142. Pac. 1008. Plat. com. 106.

888. ἐσχάρα portabilis intelligenda est. Cf. Stratt. 55.

890. ἔκτῳ — ἔτει] Cf. 266.

893. εἴσφερ' αὐτὴν] Anguillam foculo (ἐσχάρᾳ) portabili impositam intro ferri jubet.

894. ἐντετευτλιωμένης] Quasi τεύτλοις (aut μετὰ τεύτλων) ἐντετυλιγμένης. Athen. VII. 300 C. ἤσθιον τὰς ἐγχέλεις καὶ μετὰ τεύτλων ἐντυλίξαντες. Cf. Eubul. 35. νύμφα ἀπειρόγαμος τεύτλῳ περὶ σῶμα καλυπτὴ | λευκοχρὼς πάρεσται | ἔγχελυς. 64, 1. τεῦτλ' ἀμπεχομένης παρθένου Βοιωτίας. Pher. 108, 12. τεύτλοισι δ' ἐγχέλεια συγκεκαλυμμένα.

895. τοῦ μήνος ἑκάστου] Supervacaneus videtur articulus. Cf. Lys. 32, 44. θήσω — χιλίας δραχμὰς ἑκάστου ἐνιαυτοῦ.

896. τέλος] Anglice toll. Germ. zoll (a zahlen).

900. Cf. Herod. IX. 2. 1. ἐν Βοιωτοῖσι. Thuc. I. 107. 3. ἐν Βοιωτοῖς.

904. ἔξαγε] Exporta. Cf. Eq. 278. 282. Xen. Vect. 3, 2. Pher. II. 321.

907. ἀλιτρίας] Legitur etiam Soph. Fr. 42. 45. Cf. Theocr. X. 17. εὗρε θεὸς τὸν ἀλιτρόν.

909. *κακὸν ἅπαν*] Sic *πᾶν κέρδος* (purum lucrum) Eur. Med. 453.

913. Cf. Plat. com. 107. *ὃς πρῶτα μὲν Κλέωνι πόλεμον ἠράμην.* Aesch. Suppl. 439. *ἢ τοῖσιν ἢ τοῖς πόλεμον αἴρεσθαι μέγαν.* Eur. Fr. 51, 2. *πρὸς τῶν ὁμοίων (τοὺς ὁμοίους?) πόλεμον αἴρονται μέγαν.* Fr. 1037, 2. *οὐδ' ἄνδρα χρηστὸν νεῖκος αἴρεσθαι κακοῖς.* *ὀρναπετίοισι*] Qu. *τοῖς ὀρνέοισι.*

920 sq. Cf. Eur. Fr. 411, 2. *μικροῦ γὰρ ἐκ λαμπτῆρος (σπινθῆρος* Scal.) *Ἰδαῖον λέπας | πρήσειεν ἄν τις.* Simile fere commentum memoratur Zenob. IV. 92. *ὁ δὲ ἐξάψας μύρμηκος λίνον καὶ τρήσας τὸν κοχλίαν εἴασε δι' αὐτοῦ διελθεῖν.* *ἐνθεὶς — εἰς τίφην*] Sic *ἱρὰ ἐνδεδέμενα ἐν καλάμῃ πυρῶν* dicit Herodotus IV. 32—35. *τίφη καὶ ζειὰ* conjunguntur Theophr. H. Pl. VIII. 8. 3.

922. Cf. Ran. 1151. *σὺ δ' ἐπιτήρει τὸ βλάβος.*

932. Cf. Trag. adesp. 257. *οὐκ οἶσθ', ἐπεί τοι κἂν ἐκώκυες μέγα (μακρά?).*

933. *σαθρὸν*] Cf. Lucian. Paras. 4. *σκοπῶμεν μὴ καθάπερ αἱ πονηραὶ χύτραι διακρουόμεναι σαθρὸν ἀποφθέγγηται.* *πυρορραγὲς*] Anglice, cracked in the fire. Cum *πυρορραγής* confer *αἱμορραγής* Soph. Phil. 825.

937. *κρατὴρ κακῶν*] Cf. Aesch. Agam. 1397. *τοσῶνδε κρατῆρ' ἐν δόμοις κακῶν ὅδε | πλήσας ἀραίων αὐτὸς ἐκπίνει μολών.* *τριπτὴρ δικῶν*] Cf. Nub. 447. *περίτριμμα δικῶν.* 260. *τρῖμμα.*

939. *ἐγκυκᾶσθαι*] Pro *ἐγκίγνασθαι*, ut videtur. Similiter Cleon *κύκηθρον καὶ τάρακτρον* dicitur Pac. 654. *δοῖδυξ* et *τορύνη* Eq. 984.

940. Cf. Eupol. II. 569. *πεπαγοίην.*

947. *ἤδη καλῶς ἔχει σοι*] Cf. 601. Antiph. III. 90. *καλῶς ἔχει μοι.*

951. Cf. Pl. 493. *χρήσιμος εἰς ἅπαν ἔργον.*

952. Cf. Eq. 398. *ὡς δὲ πρὸς πᾶν ἀναιδεύεται.*

954. *Ἰσμήνιχε*] Confer nomen *Τυνδάριχος* (Baton. 4, 5.).

958. Cf. Isocr. Or. XV. 174. *ἀσφαλῶς ἂν ἔζων ἕνεκά γε συκοφαντῶν.* et ad Nub. 420.

959. *τί με βωστρεῖς;*] Sic *ἐπιβωστρεῖν τινα*, Theocr. XII. 35.

963. Cf. 418. *τὰ ποῖα τρύχη*, Nub. 1270. *τὰ ποῖα ταῦτα χρήμαθ';* Timocl. 12, 4. *ὁ ποῖος οὗτος Βριάρεως.*

964. *κραδαίνων*] Cf. Eur. Herc. 1003. *Παλλὰς κραδαίνουσ' ἔγχος.* Aesch. Prom. 1007.

966. Cf. Vesp. 297. Nub. 108. Pl. 924.

970. Cf. Aesch. Eum. 1006. *σφαγίων τῶνδ' ὑπὸ σεμνῶν κατὰ γᾶς σύμεναι.* Soph. El. 711. *χαλκῆς ὑπαὶ σάλπιγγος ᾖξαν.*

972. *ὦ πᾶσα πόλι*] Cf. Fr. 162. *ὦ πόλι φίλη Κέκροπος.* Eupol. 276. *πόλι.* Men. 321. *Νέμεσι.* et Eupol. II. 463. *ἅπασα γὰρ ποθοῦμεν ἡ κλεινὴ (αὐτὸν ἡ?) πόλις.*

973. *διεμπολᾶν*] Cf. Soph. Fr. 517, 7. *διεμπολώμεθα.*

974. ἐν οἰκίᾳ] Cf. ad Vesp. 827. Pher. II. 254. αὐτὰς ἔδει μοχθεῖν ἅπαντ' ἐν οἰκίᾳ. Anaxandr. 28, 1. οὐ μανικόν ἐστ' ἐν οἰκίᾳ | τρέφειν ταώς —; Vesp. 1180. τοὺς κατ' οἰκίαν (μύθους). Eur. Fr. 1051. τοῖς ἐν οἴκῳ χρήμασιν.

980. Cf. Eq. 1288 sq. Soph. Ant. 374 sq. Aesch. Fr. 296. Eur. Fr. 29, 2. Fr. 848, 3. Fr. 889, 6. Hor. Carm. III. 2. 26. παρ' ἐμοὶ] Cf. Fr. 181. παρ' ἰατρῷ.

981. ξυγκατακλινεὶς] Cf. Vesp. 1208. κατακλινείς. Nub. 694. Diodor. com. III. 544. συγκατακλιθεὶς (-νεὶς Cobet.) κοσμίως. παροίνιος] Lege παροινικός. Cf. Vesp. 1300. τῶν ξυνόντων πολὺ παροινικώτατος.

982. Cf. Men. 881. ἡμέραν τρίτην | ἐπεκώμασ' ἡμῖν.

985. τήνδε φιλοτησίαν] Cf. Eq. 568. τήνδ' ἐκόσμησαν πόλιν.

988. Cf. Calliam com. II. 739. τί — φρονεῖς οὕτω μέγα; Antiph. 40, 3. ὅστις δὲ μεῖζον ἢ κατ' ἄνθρωπον φρονεῖ. 151. ἐπὶ χρήμασιν — φρονεῖ μέγα. Diph. 86, 3. ὅς τὸν ταπεινὸν μέγα φρονεῖν ποιεῖς μόνος. Men. 538, 5. καὶ μέγα φρονούντων ἐπὶ γένει καὶ χρήμασιν. Eur. Fr. 77, 2. φρονεῖν — μέγα. Fr. 955, 2. μεῖζον ἢ χρεὼν φρονεῖν. Chaerem. Fr. 31. ὅλως τὸ κρεῖσσον οὐκ ἐᾷ φρονεῖν μέγα. Trag. adesp. 285. μικρὸν φρονεῖν. Plat. Lys. 210 D. ἐπὶ τούτοις — μέγα φρονεῖν.

989. Cf. Plat. Pol. 273 B. τὸ τῆς πάλαι ποτὲ φύσεως ξύντροφον.

990. ὡς καλὸν ἄρ' ἐλάνθανες] Cf. Pac. 819. ὡς χαλεπὸν ἐλθεῖν ἦν ἄρ' εὐθὺ τῶν θεῶν.

992. ὁ γεγραμμένος] Cf. Aesch. Eum. 50. εἶδόν ποτ' ἤδη Φινέως γεγραμμένας (sc. κόρας) | δεῖπνον φερούσας. Eubul. 41, 1. τίς ἦν ὁ γράψας πρῶτος — Ἔρωθ' ὑπόπτερον;

993. γερόντιον] Cf. Nub. 788. Eq. 42. Th. 413. Eubul. III. 258. τὰ γερόντια. Adesp. IV. 614. νύσταλον (qu. δύσκολον, ex Eq. 42.) γερόντιον. Theocr. IV. 58. νενόμικας] Cf. 300. μεμίσηκα. Eq. 54. κεχάρισται. 718. κατέσπακας. 63. πεποίηται. 300. μεμίσηκα. 714. νενόμικας. Nub. 294. πεφόβημαι. 319. πεπότηται. 388. τετάρακται. 392. πέπορδας. 1133. δέδοικα καὶ πέφρικα. 1135. νενόμισται. Vesp. 389. κεχάρησαι. 561. πεποίηκα. 616. εἰσκεκόμισμαι. 494. εἴρηκε. 591. ἐψήφισται. 673. ἤσθηνται. 764. κεχάρηκας. 1049. νενόμισται. Ran. 744. πεποίηκας. 970. πέπτωκεν. 981. κέκραγε. Lys. 291. ἐξιπώκατον. 1003. ἐπικεκύφαμες. 1234. ὑπονενοήκαμεν. Metag. 1. τετύχηκα. Eupol. 118, 1. εἴληφε. Antiph. 68, 11. νενόμικα. 129, 5. νενόμικα. 166, 3. πεπίστευκα. 184, 2. ἐσπούδακα. 191, 10. εἴρηκε. 204, 3. ἡμάρτηκεν. 204, 3. ἥρπακε. Timocl. 6, 14. κεκούφικεν. Axionic. 6, 8. νενόμικα. Cratin. jun. 8, 1. πεφύλαξο. Nicoph. 22. νενόμισται. Anaxandr. 34, 6. ἀναπέφηνεν. Alex. 257, 8. εἰσελήλυθεν. III. 391. τὰς ὀφρῦς — ἀνεσπακότας. III. 481. εἰ δὲ νέον ἢ παλαιὸν οὐ πεφρόντικεν. Philem. 79, 12. ἐσπούδακεν. 183. τεθαύμακα. Men. 718, 2. νενόηκα. 728. νενόμικα. IV. 260. πεφρόντικεν. Philem.

IV. 48. *καινὰ ῥήματα | πεπορισμένος*. Herod. I. 126. 136. *ἥγημαι*. II. 40. 69. 72. 115. I. 173. *ἓν τόδε ἴδιον νενομίκασι*. IV. 183. *νενομίκασι*. VII. 153. *νενόμικα*. Soph. Aj. 253. *πεφόβημαι*. El. 1101. *ᾤκηκεν*. Eur. Phoen. 550. *ἥγησαι*. Eur. Fr. 475 a, 19. *πεφύλαγμαι*. Fr. 496, 3. *κεκοίνωνται*. Fr. 1063, 2. *τεθυμῶσθαι*.

994. *τρία δοκῶ γ' ἂν ἔτι προσβαλεῖν*] Lege *τρία δοκῶ μ'* —. Cf. ad Av. 1256. *στύομαι τριέμβολον*. Cratin. 183, 3. *ἆρ' οἴσει τρία;*

997. *ἡμερίδος*] Confer *ἀμπελίς, συκίς, ἐλαΐς, ἀμυγδαλίς*, etc. Marcell. Inscr. in Regill. 501. *χορὸν* (*ὄρχον*?) *ἡμερίδων*.

998. Cf. Pl. 493. *ἅπαν* (⏑ in thesi) *ἅπαν* (ᾱ in arsi). Trag. adesp. 538. *τὸ νέον ἅπᾱν* (ᾱ) *ὑψηλόν ἐστι καὶ θρασύ*.

1000. Cf. Vesp. 937. *Λάβητι μάρτυρας παρεῖναι*. Eubul. 20, 3. *λαβόντας εἰς Ὑμηττὸν ἐξελθεῖν ὅπλα | καὶ σιτί' ἐπὶ μύρμηκας ἡμερῶν τριῶν*. Apollod. Car. 5, 19. *πίνειν Ἀθηναίους ἅπαντας, τοὺς μέχρι | ἐτῶν τριάκοντ' ἐξιέναι, τοὺς δ' ἱππέας | ἐπὶ κῶμον εἰς Κόρινθον ἡμέρας δέκα, — εἰς τὸ βαλανεῖον ἀπιέναι τοὺς συμμάχους, | κεραννύναι τὸν οἶνον Εὐβοᾶς*. Aesch. Eum. 1006. *σφαγίων τῶνδ' ὑπὸ σεμνῶν | κατὰ γῆς σύμεναι*.

1001. Cf. Archil. 122. *ᾄδων ὑπ' αὐλητῆρος*. Eur. Fr. 307. *στὰς ἐν μέσοισιν εἶπε κηρύκων ὕπο*. Fr. 812, 2. *μαρτύρων ὕπο*. Xen. Lac. 5, 7. *ὑπὸ φανοῦ πορεύεσθαι*. Schol. *πρὸς* (*ὑπὸ* recte, Headlam) *σάλπιγγος*.

1002. Cf. Antiph. III. 8. *τοῦτον — ἀσκὸν καλοῦσι πάντες*.

1005. *ἀναβράττετ'*] Cf. Pac. 1197. Ran. 510. 553. Fr. 271. Pher. 130, 10. *κίχλαις τ' ἀναβράστοις*. 108, 23. 183.

1006. Cf. Plat. com. II. 687. *σχοινίου πλάτος* (*στέλεχος*?) *λαβὼν | ἄνειρε τὰ κρέα*.

1008. *ζηλῶ σε τῆς εὐβουλίας*] Cf. Eq. 837. *ζηλῶ σε τῆς εὐγλωττίας*. Vesp. 1450. Th. 175.

1016. *δειπνητικῶς*] Cf. *δειπνητικὸς* et *ἀριστητικὸς* (Eupol. II. 480.).

1017. *διακονεῖται*] Cf. Soph. Ph. 287. Diog. L. VI. 2. 5.

1019. *κατὰ σεαυτόν νυν τρέπου*] Cf. Nub. 1263. Vesp. 1493. *κατὰ σαυτὸν ὅρα*.

1021. Cf. Vesp. 92. *ἢν δ' οὖν καταμύσῃ κἂν ἄχνην*, etc. 126. *ἐὰν ἀναβλέψῃς σὺ κἂν μικρὸν χρόνον*. Alex. 276, 4. *κἂν κύαθον*. Men. 342. *εἴσελθε κἂν νῦν*. Soph. El. 1483. *ἀλλά μοι πάρες | κἂν σμικρὸν εἰπεῖν*. Soph. Fr. 375, 1. *ἡδὺ κἂν* (*καὶ* libri) *βραχὺν | χρόνον λαθέσθαι τῶν παρεστώτων κακῶν*.

1026. Cf. Lucian. Jup. conf. 8. *ἐν ἅπασιν ἀγαθοῖς βιοῦμεν*. *βολίτοις*] Cf. Eq. 658. *ὅτε δὴ 'γνων τοῖς βολίτοις ἡττημένος*. Ran. 295. Cratin. 39. *βόλιτα χλωρὰ — πατεῖν*. Hinc *βολεών* (*βολιτών*?). Anglice reddas, in all kind of muck (instead of luck), ut monuit Green.

1027. Cf. Aesch. Agam. 889. *ἐν ὀψικοίτοις δ' ὄμμασιν βλάβας ἔχω | τὰς ἀμφί σοι κλάουσα λαμπτηρουχίας* —.

1028. εἴ τι κήδει] Cf. Eq. 1342. Nub. 106. 1410.

1031. ἥν πως κομίσωμαι] Cf. ad Vesp. 399. ἥν πως πρύμνην ἀνακρούσηται. 271. Ran. 175. Soph. O. C. 1770.

1040. χορδῆς] Cf. Axionic. III. 535. χορδῆς τόμον.

1042. ὀρθιασμάτων] Cf. Apoll. Rh. IV. 70. ὀξείῃ ὄρθια φωνῇ | ἤπυεν.

1047. ξανθίζετε] Anglice, brown. Cf. 1106. καλόν γε καὶ ξανθὸν τὸ τῆς φάττης κρέας. Lys. 43. Epicrat. III. 369. δελφάκων ἐγὼ κρέα | κάλλιστ' ὄπωπα πυρὸς ἀκμαῖς ἠνθισμένα (l. ἀκμῇ 'ξανθισμένα). Philem. 79, 6. οὐ πεφαρμακευμένον | τυροῖσιν οὐδ' ἄνωθεν ἐξηνθισμένον (l. ἐξανθισμένον), | ἀλλ' οἷος ἦν ζῶν κὠπτὸς ὢν τοιοῦτος ἦν. Pherecr. 108, 16. καὶ πλευρὰ δελφάκει' ἐπεξανθισμένα. et ad Antiph. 301.

1049. ταυτὶ κρέα] Cf. 585. τουτὶ πτίλον σοι. Vesp. 1132. τηνδὶ δὲ χλαῖναν ἀναβαλοῦ τριβωνικῶς. Eq. 1166. φέρω σοι τήνδε μαζίσκην. 1177. τουτὶ τέμαχός σοὔδωκεν. 1181. ἡ Γοργολόφα σ' ἐκέλευε τουτουὶ φαγεῖν | ἐλατῆρος. Ran. 170. καὶ γάρ τιν' ἐκφέρουσι τουτονὶ νεκρόν. Eccl. 1150. ἔχω δέ τοι καὶ δᾷδα ταυτηνὶ καλῶς. Aristomen. 12. ἄλίπαστα ταῦτα παρατίθημί σοι κρέα. Philem. IV. 21. τοῦτόν σοι φέρω — ἀμφιφῶντα. Sed Pac. 192. τὰ κρέα ταυτί σοι φέρω.

1050. καλῶς γε ποιῶν] Anglice, very kind of him. Cf. Eq. 1180. Herod. V. 24. εὖ γὰρ ἐποίησας ἀπικόμενος.

1052. βινοίῃ μένων] Sc. οἴκοι. Cf. Pac. 341. πλεῖν, μένειν, βινεῖν, καθεύδειν.

1053. ἀλάβαστον] Cf. Lys. 947. Cratet. 15, 6. ἔπειτ' ἀλάβαστος εὐθέως ἥξει μύρου. Alex. 62. 143. Men. 990. Herod. III. 20. μύρου ἀλάβαστρον. Theocr. XV. 114. Συρίω δὲ μύρω χρύσει' ἀλάβαστρα.

1063. τοὐξάλειπτρον] Cf. Antiph. 208, 3. λουτηρίοισιν, ἐξαλείπτροις, κυλιχνίοιν.

1064. Cf. Hermipp. 43, 1. οἶσθά νυν ὅ μοι ποίησον;

1066. Cf. Lys. 943. μύρον — οὐκ ὄζον γάμων.

1069. τὰς ὀφρῦς ἀνεσπακὼς] Cf. Eq. 631. τὰ μέτωπ' ἀνέσπασεν. Dem. p. 442, 11 τὰς ὀφρῦς ἀνέσπακε.

1072. Cf. Ran. 963. Μέμνονας κωδωνοφαλαροπώλους.

1076. Schol. τρίτῃ ἐπὶ δεκάτῃ (δέκα?).

1077. ἐνέβαλον] Cf. Pac. 700. ὅθ' οἱ Λάκωνες ἐνέβαλον. Xen. Cyr. III. 3. 22. ἐνέβαλεν εἰς τὴν πολεμίαν.

1082. Similiter Eq. 416. μαχεῖ σὺ κυνοκεφάλλῳ;

1087. Cf. ad Ran. 297. ἱερεῦ, διαφύλαξόν μ', ἵν' ὦ σοι ξυμπότης.

1088. Similis locus est Eubuli Fr. 15.

1091. Cf. Nicostr. 26, 4. τὴν δευτέραν τράπεζαν εὐτρεπῆ ποίει. | κόσμησον αὐτὴν παντοδαποῖς τραγήμασιν· | μύρον, στεφάνους, λιβανωτόν, αὐλητρίδα λαβέ.

1092. ἴτρια] Producta prima syllaba. Cf. Archipp. 9. Soph. Fr. 199. ἐγὼ δὲ πεινῶσ' αὖ πρὸς ἴτρια βλέπω. Solon. Fr. 38. τρώγουσιν οἱ μὲν ἴτρια, | οἱ δ' ἄρτον αὐτῶν. Ἴτρια erant πεμμάτια λεπτὰ διὰ σησάμου καὶ μέλιτος γινόμενα (Athen. XIV. p. 646 D.).

1095. Lege καὶ γάρ σὺ τὴν μεγάλην ἐπεγράφου Γοργόνα, aut potius καὶ γὰρ σὺ μεγάλην ἐπιγέγραψαι Γοργόνα. Lucian. 69, 16. τῶν — Κράτητα ἐπιγραφομένων.

1096. Cf. Vesp. 1257. Pher. II. 274. συσκευασάμενος δεῖπνον.

1097. γύλιον] Anglice knapsack. Cf. 138. Pac. 527. γυλίου στρατιωτικοῦ. 788. γυλιαύχενας. Philem. 35. καὶ γύλιόν τιν' ἀργυρωμάτων.

1099. οἶσε] Cf. Alex. 120, 3. οἶσε δευρό μοι. Men. 62. οἶσ' εἰσιὼν | πανόν, etc. Theocr. XXIV. 48. οἴσετε πῦρ ὅ τι θᾶσσον.

1106. ξανθὸν — κρέας] Anglice browned. Cf. 1047. ὀπτᾶτε ταυτὶ καὶ καλῶς ξανθίζετε.

1108. λεκάνιον] Aliae formae hujus vocis sunt λεκανὶς et λεκανίσκη (Fr. 637.).

1110. μίμαρκυν] V. schol. ad 1112. Pher. 221.

1111. τριχοβρῶτες] Confer σαρκοβρὼς, ὠμοβρὼς, ἀνδροβρὼς, σιδηροβρὼς, χειροβρὼς (Stesich. 4.), etc.

1112. μίμαρκυν] Cf. Pher. 221. Diph. 1, 2. χελιδόνειος ὁ δασύπους. B. γλυκεῖά γ' ἡ μίμαρκυς.

1115. Cf. Men. 183. ἐπιτρεπτέον τινὶ | ἔστιν περὶ τούτων.

1116. ἀκρίδες] Quae edebantur. V. Fr. 51. Anaxand. 41, 59. Athen. IV. 133 B.

1117. οἴμ' ὡς ὑβρίζεις] Cf. Nub. 1238. οἴμ' ὡς καταγελᾷς. Th. 920. κρίνει] Sub. νικᾶν. Cf. ad Ran. 1473. ἔκρινα νικᾶν Αἰσχύλον.

1119. ἀφελὼν] Cf. Alex. 186, 10. ἀφεῖλόν τ' ἐπιγανώσας σιλφίῳ (sc. τὸ τέμαχος). Dorion. Athen. VII. 309 F. στρέφοντα δὲ ἀλείφειν καὶ ὑποπάσσειν ἀλὶ ὀλίγῳ, ἀφελόντα δὲ ὄξει ῥᾶναι (φησι δεῖν).

1124. γοργόνωτον ἀσπίδος κύκλον] Cf. Eur. El. 1255. γοργῶφ' ὑπερτείνουσά σου κάρᾳ (l. σοῦ κάρα) κύκλον.

1125. πλακοῦς formatum a πλάττειν, ut etiam πλάθανον. τυρόνωτον —] Cf. Eur. Fr. 159. χρυσεόνωτον ἀσπίδα. Soph. Aj. 847. χρυσόνωτον ἡνίαν.

1126. Cf. Clem. Alex. Paed. II. p. 162. χλεύη δὲ καὶ γέλως πλατὺς οὐροδόχας ἀργυρᾶς — ἐπιφέρεσθαι τοὺς ἄνδρας. Theophyl. Sim. Epist. 10. πλατὺν γέλωτα καταχέω τῶν σῶν καλῶν δογμάτων.

1129. ἐνορῶ] Cf. Xen. Cyr. I. 4. 27. ταῦτ' ἄρα — καὶ ἐνεώρας μοι. δειλίας φευξούμενον] Cf. Eq. 368. διώξομαί σε δειλίας. Pl. 447. φευξούμεθα. 496. φευξεῖται. Men. 283, 1. φευξούμεθα.

1130. κατάχει τὸ μέλι] Cf. 1040.

1134. Cf. Hesych. ἀκροθώρακες· μέθυσοι (ἡμιμέθυσοι Kock).

1135. Cf. Soph. Fr. 175 N. θωχθείς (i. q. θωρηχθεὶς, μεθυσθείς).

1136. τὰ στρώματ'] Stragula, qualibus utebantur milites. Cf. Eq. 605. Diph. 46, 2. Theogn. 413. 470. 508. 842. 884. Plut. Mor. 656 C.

1137. κιστίδος] Diminutivum nominis κίστη. Cf. ad 1211.

1141. Cf. Vesp. 1496. μανικὰ πράγματα. Antiph. III. 101. πράγματα | ἐλευθέρια. Aesch. Suppl. 468. δυσπάλαιστα πράγματα. Eum. 715. ἀλλ' αἱματηρὰ πράγματ' οὐ λαχὼν σέβεις.

1145. Cf. Cratin. jun. 4. πίνειν μένοντα τὸν καλῶς εὐδαίμονα | κρεῖττον, μάχης δ' ἄλλοισι καὶ πόνου μέλοι.

1146. Cf. Eur. Rhes. 919. περῶσα γὰρ δὴ πολεμίους διὰ ῥοάς.

1150. τὸν ψακάδος] Cf. Soph. Fr. 563. ὑπὸ στέγῃ | πυκνῆς ἀκοῦσαι ψακάδος εὑδούσῃ φρενί. Sic Cleombrotus ὁ πέρδικος (Πέρδικος) υἱὸς dicitur Phryn. 53.

1156. Cf. Men. 335, 1. εἰ γὰρ ἐπίδοιμι τοῦτο, κἂν ψυχὴν (πάλιν) | λάβοιμ' ἐγώ.

1158. Cf. Magnet. 1. ταγηνίας — χλιαροὺς σίζοντας. Alex. 261, 3. τὴν τράπεζαν ἧκ' ἔχων | ἐφ' ἧς ἐπέκειτ' οὐ τυρὸς etc.

1164. ἠπιαλῶν] ἠπιαλεῖν ab ἠπίαλος deductum, ut ἐπιδημεῖν ab ἐπίδημος. Schol. ἀντὶ τοῦ ἠπιαλοῦντες καὶ βαδίζοντες (l. ἠπιαλοῦντος καὶ βαδίζοντος).

1171. ἐπᾴξειεν] Cf. Hom. Il. 19, 817. τρὶς μὲν ἐπήϊξαν.

1172. μάρμαρον] Cf. Eur. Phoen. 663. ὃν — Κάδμος ὄλεσε μαρμάρῳ κρᾶτα φόνιον κτλ.

1174. δμῶες] Cf. 887. Vox tragica.

1175. ὕδωρ ὕδωρ] Cf. Th. 241. ὕδωρ ὕδωρ, ὦ γείτονες, etc. Xenarch. III, 621. βοᾷ δέ τις, ὕδωρ ὕδωρ.

1179. Cf. Pac. 63. Lys. 364. 448. Nicom. 3, 2.

1180. Cf. Vesp. 1428. κατεάγη τῆς κεφαλῆς. Eupol. 323. οὐ γὰρ κατάξει τῆς κεφαλῆς τὰ ῥήματα (f. ῥάμματα).

1182. Cf. Soph. Fr. 1026. πτίλον κύκνειον.

1184. ὄμμα] Object of sight, object. Cf. Aesch. Cho. 238. ὦ τερπνὸν ὄμμα. πανύστατον —] Cf. Aesch. Ag. 1322. ἡλίου δ' ἐπεύχομαι | πρὸς ὕστατον φῶς etc. φάος τόδ'] Cf. Eur. Bacch. 210. ἐπεὶ σὺ φέγγος, Τειρεσία, τόδ' οὐχ ὁρᾷς,

1185. οὐκέτ' οὐδέν εἰμ' ἐγώ] Cf. Eq. 1243. οἴμοι κακοδαίμων· οὐκέτ' οὐδέν εἰμ' ἐγώ. Vesp. 997. Eur. Alc. 387. ὡς οὐκέτ' οὖσαν οὐδὲν ἂν λέγοις ἐμέ. 399. Androm. 1077. Hel. 1194. Soph. Aj. 1275. Tr. 1107.

1197. ταῖς ἐμαῖς τύχαισιν] Cf. Nub. 1264. Av. 1726.

1199. Cf. Canthar. 6. Κυδωνίοις μήλοισιν ἴσα τὰ τιτθία.

1200. Cf. Lys. 930. δεῦρό νυν, ὦ χρυσίον. et ad Vesp. 1353.

1201. Alia osculorum genera erant σύστομον, δρεπτόν, γιγγλιμωτόν, μανδαλωτόν. V. Telecl. 12. 13.

1204. *ἐξοπτᾶτε*] Cf. ad Eq. 1204. Eq. 954. *θρῖον ἐξωπτημένον*. Pher. II. 299. *τεμάχη — ἐξωπτημένα*. Telecl. II. 361. Eubul. III. 212.

1206. *ἰὴ ἰή*] Deridentis exclamatio. Cf. Vesp. 1335. Pac. 195.

1214. Cf. Eccl. 1021. *ἕλκειν — λαβομένας τοῦ παττάλου*. Antiph. 245, 3. *μου λαβόμενος τοῦ δέρματος*. Eubul. 16, 1. *τίς ἂν λάβοιτο τοῦ σκέλους κάτωθέ μοι* (*μου*?);

1219. Addo *θανατιᾶν, βεμβικιᾶν, βουβωνιᾶν, στρατηγιᾶν, ἰλιγγιᾶν*.

1222. Lege *εἰς τὰ Πιττάλου*] Cf. Vesp. 1432. *παράτρεχ' εἰς τὰ Πιττάλου*. Euthydici *ἰατρεῖον* in Piraeo erat (Aesch. I. 40.).

1227. *καλλίνικος*] Cf. Plat. Alc. II. 151 C. *βουλοίμην ἂν καλλίνικος γενέσθαι τῶν σῶν ἐραστῶν*.

1228. *τήνελλα δῆτ'*] Concise dictum pro *τήνελλα καλλίνικος δῆτα*. Cf. ad Lys. 529.

1229. *καὶ πρός γ'*] Cf. Pac. 19. *καὶ σαυτόν γε πρός*. Ran. 415. *κἀγώ γε πρός*. Plat. Resp. 328. *καὶ πρός γε παννυχίδα ποιήσουσιν*. Eur. Phoen. 610. *καὶ κατακτενῶ γε πρός*. *ἄμυστιν ἐξέλαψα*] I. e. *ἐξημύστισα*. Cf. Cratin. 291. *ἄμυστιν δεῖ πιεῖν*. Antiph. 74, 14. *ἕλκειν ἀπνευστί*. Alex. 244, 3. *ἀπνευστί τ' ἐκπιὼν —*. Pher. Fr. 93. *λεπαστὴν λαψαμένοις*. Est autem *ἐξαμυστίζειν ἐφ' ἓν πνεῦμα πιεῖν* (Anglice in one breath), ut docet Athenaeus XI. 783 D.

1232. *σὴν χάριν*] Cf. Ran. 109. *κατὰ σὴν μίμησιν*. Th. 869. *καρδίαν ἐμήν*. Cratin. II. 222. *σῇ* (*τῇ*?) *γαστρὶ δίδου χάριν*. Sed Soph. Phil. 1413. *τὴν σὴν δ' ἥκω χάριν —*.

1233. *καλλίνικον ᾄδοντες*] Cf. Eur. Med. 45. *καλλίνικον ᾄσεται*. Aesch. Ag. 174. *Ζῆνα — ἐπινίκια κλάζων*.

AVES.

Av. Pers. *Εὐελπίδης*] Cf. Thuc. VIII. 1. *ὠργίζοντο δὲ καὶ τοῖς χρησμολόγοις — καὶ ὁπόσοι τι τοτε θειάσαντες αὐτοὺς ἐπήλπισαν* (*ἔπεισαν* B. *ἐλπίσαι ἐποίησαν*?) *ὡς λήψονται Σικελίαν*. Cf. *τρυσάνωρ, ῥηξήνωρ*.

2. *κρώζει*] Crocitat. Cf. 24. 710. 1020. *πολλοὶ γάρ μίσει σφε κατακρώζουσι κολοιοί*. Euphorion Fr. 65. *ὑετόμαντις ὅτε κρώξειε κορώνη*. Athen. XI. 507 C. *δοκεῖν γὰρ ἔφη τὸν Πλάτωνα κορώνην γενόμενον — κράζειν* (*κρώζειν*?). *πάλιν*] Retro. Cf. 648.

3. *ἄνω κάτω*] Cf. Com. adesp. IV. 651. *εὐθὺς ἦν ἄνω* (l. *τἄνω*) *κάτω*.

4. Cf. Poll. VII. 32. *καὶ προσφορεῖσθαι· οὕτω γὰρ ἔλεγον οἱ Ἀττικοὶ τὸ νῦν διάζεσθαι*. Eust. 284, 37. *τὸν πέπλον διάζονται*.

8. *τῶν δακτύλων*] Cf. 26. Hermipp. 24. *ῥύζων ἅπαντας ἀπέδομαι τοὺς δακτύλους*. Alex. III. 462. *προσκατέδει τοὺς δακτύλους*. Theocr. VII. 123. *μηδὲ πόδας τρίβωμες*.

11. *Ἐξηκεστίδης*] Cf. Phryn. 20, 2. In schol. *ἔτι δὲ καὶ ἐν ἑτέ-*

ροις· Ἐξηκεστίδης Bergk. ad Arist. Fr. II. 1189., coll. schol. Eq. 129. Ibid. l. τούτου.

13. οὐκ τῶν ὀρνέων] Anglice, he of the fish-market. Cf. Nub. 1065. οὐκ τῶν λύχνων.

14. Hesych. πινακοπώλης· ὀρνιθοπώλης. τίλλοντες γὰρ αὐτὰ καὶ τιθέντες ἐπὶ πίνακος ἐπώλουν, τὰ λεπτὰ ὁρμαθίζοντες.

16. Cf. Vesp. 49. ἄνθρωπος ὢν εἶτ' ἐγένετ' ἐξαίφνης κόραξ.

18. τηνδεδὶ] Cf. Eccl. 989. et ad Eq. 1357.

19. Cf. Amph. 13. ὦ Πλάτων, | ὡς οὐδὲν οἶσθα πλὴν σκυθρωπάζειν μόνον. Eubul. 41, 3. ὡς οὐδὲν ᾔδει πλὴν χελιδόνας γράφειν. Alex. 214, 2. ὁ δὲ Διόνυσος οἶδε τὸ μεθύειν μόνον. Menand. IV. 273. ὃς — οὔτ' ἐρυθριᾶν οἶδεν οὔτε δεδιέναι. Soph. Fr. 317. ὑμεῖς μὲν οὐκ ἄρ' ἦστε τὸν Προμηθέα. Schol. Pac. 607. οὐδὲν ἢ δάκνειν βλέποντα.

22. ὁδὸς est via, ἀτραπὸς semita. Cf. ad Nub. 75.

26. βρύκουσ'] Cf. Pac. 1315. Lys. 367. Diph. IV. 395. τὰ πατρῷα βρύκει καὶ σπαθᾷ. Cratin. II. 43. Hinc βρυγμός, Eupol. II. 492. Ephipp. III. 330.

28. ἐς κόρακας ἐλθεῖν] Cf. Pac. 117.

30. Cf. Ach. 513. φίλοι γὰρ οἱ παρόντες ἐν λόγῳ.

31. τὴν ἐναντίαν Σάκᾳ] Cf. Aesch. Ag. 1638. Ὀρφεῖ δὲ γλῶσσαν τὴν ἐναντίαν ἔχεις. De Acestore Saca cf. Cratin. 85, 1. Eupol. 159, 14. νόσον νοσοῦμεν] Cf. Pl. 517. λῆρον ληρεῖς. Th. 793. μανίας μαίνεσθ'. Eur. Andr. 219. χείρον' ἀρσένων νόσον | ταύτην νοσοῦμεν. Eur. Fr. 826, 2. νοσεῖν αἰσχρὰν νόσον.

34. Cf. Eq. 60. Menand. Fr. 490. Πέρσαι δ' ἔχοντες μυιοσόβας εἱστήκεσαν. Dem. p. 1315, 20. ἀστὸν ἐξ ἀστῆς ἐγγυητῆς (Dobr.).

35. Cf. Alex. 59, 4. μετεῖχε δ' ἀμφοῖν τοῖν ῥυθμοῖν. Thuc. V. 29. 3. ἀμφοῖν τοῖν πολέοιν. ἀμφοῖν ποδοῖν] Cf. Soph. O. C. 483. ἀμφοῖν χεροῖν. Eq. 826. ἀμφοῖν χειροῖν. Sed Plat. Prot. 314 D. ἀμφοῖν τοῖν χεροῖν.

38. ἐναποπατεῖν] Cf. Polyzel. com. II. 869. λεκανίῳ — ἐναπονίψεις, ἐνεξεμεῖς, ἐνεκπλυνεῖς, ἐναποπατήσεις. Pro ἐνδιαιτᾶσθαι. Cratet. trag. 1. πάσης δὲ χέρσου καὶ πόλισμα καὶ δόμος | ἕτοιμος ἡμῖν ἐνδιαιτᾶσθαι πάρα.

40. κραδῶν] Cf. Pac. 627.

43. χύτραν] Cf. 365. 386. 391. Pl. 1197. τὰς χύτρας, αἷς τὸν θεὸν | ἱδρυσόμεθα. Th. 37. ἐξέρχεται θεράπων τις αὐτοῦ πῦρ ἔχων καὶ μυρρίνας. 44. ἀπράγμονα] Cf. Eq. 261.

46. Cf. Pers. 914. Cho. 410. Soph. El. 479. Eur. Hipp. 1119. Med. 814. Xen. An. II. 10. ὁ αὐτὸς ὑμῖν στόλος ἐστὶ καὶ ἡμῖν. Teleclidis verba apud schol. sic probabiliter restituit Herwerden, καὶ κολοιὸς μικρὸς ὢν | ἐκ τῶν πτερῶν (μόνων) ἔχει τὴν σύστασιν.

47. Cf. Aesch. Pers. 877. λέλυται γὰρ ἐμῶν γυίων ῥώμη τήνδ' ἡλικίαν ἐσιδόντ' (ἐσιδὼν?) ἀστῶν.

48. ἐπέπτετο] Cf. 1470. πολλὰ δὴ καὶ καινὰ καὶ θαυμάστ' ἐπεπτόμεσθα καὶ δεινὰ πράγματ' εἴδομεν.

51. ὡσπερεὶ δεικνύς] Cf. Nub. 1360. ὡσπερεὶ τέττιγας ἑστιῶντα. 1358. Eccl. 537. ὡσπερεὶ προκείμενον. Nub. 268. Ran. 741. Pl. 593.

54 sq. Cf. Fr. 488. ubi similis jocus est.

54. τὴν πέτραν] Pro τὴν θύραν. Cf. Ach. 403. Ran. 460.

55. Cf. Philem. 160, 2. ἀτεχνῶς διπλάσια τῆς ἀληθείας κακά.

60. βοῶν τὸν δεσπότην] Cf. Vesp. 161. Eq. 144. Pac. 238. Ach. 64. Fr. 314. Χάριτας βοᾶν.

61. Cf. Vesp. 161. Ἄπολλον ἀποτρόπαιε, τοῦ μαντεύματος. Eq. 144. ὦ Πόσειδον, τῆς τέχνης. Cratin. 186, 1. ἄναξ Ἄπολλον, τῶν ἐπῶν τῶν ῥευμάτων. et ad Ach. 64.

62. ὀρνιθοθήρα] Cf. v. λαγοθήρας (Anthol.), ταγηνοκνισοθήρας (Eupol. 173.), μετεωροθήρας (Arist.), περδικοθήρας, χλαινοθήρας, et ὀρνιθοθηρᾶν Telecl. 26.

63. Cf. Menand. Fr. Genev. v. 66. οὕτω τίς ἐστι σκληρὸς ὁ γέρων τῷ βίῳ.

65. Ὑποδεδιὼς] Quod ad nominis formam, praeter Ἐπικεχοδὼς conferri potest nomen Ἀραρώς.

66. τὰ πρὸς ποδῶν] Cf. ad Vesp. 438.

68. Ἐπικεχοδὼς] Cf. Lys. 440. ἐπιχεσεῖ πατούμενος. Th. 570. Av. 68. Eq. 69. Ran. 308. ὁδὶ δὲ δείσας ὑπερεπυρρίασέ σου. Eccl. 1061. αὐτοῦ τι δρῶντα πυρρὸν ὄψει μ' αὐτίκα | ὑπὸ τοῦ δέους.

Φασιανικός] Sic Σαρδιανικὸς a Σαρδιανὸς Ach. 112. Pac. 1174.

73. ὄρνιν] Cf. 264. 336. 512. 562. 708. etc. Accusativus ὄρνιθα est 472 721. Soph. Fr. 133.

75. ἅτ' — ὢν] Cf. Lys. 418. τὸ δακτυλίδιον μου πιέζει τὸ ζυγὸν | ἅθ' ἁπαλὸν ὄν.

76. ἀφύας Φαληρικὰς] Cf. Ach. 901. Av. 76. Fr. 422. Φαληρικὰ — ἀφύδια.

77. Cf. Fr. 285. τρέχ' ἐς τὸν οἶνον ἀμφορέα κενὸν λαβὼν | τῶν ἔνδοθεν.

78. Cf. Ran. 62. ἤδη ποτ' ἐπεθύμησας ἐξαίφνης ἔτνους; Euphron. 11, 4. ἀφύης ἐπιθυμήσαντι (Νικομήδει — παρέθηκε). τορύνης] Cf. Eq. 980. Sophron. Fr. 73. τορύναν ἔξεσεν. Anth. Pal. VI. 306. τὰν ἐτνοδόνον τορύναν.

79. τροχίλος ὄρνις] Cf. Soph. Aj. 630. ὄρνιθος ἀηδοῦς. Fr. 300, 2. ὄρνιθος — πέρδικος. Servi, ut videtur, nomen est Τροχίλος in cognomine Heniochi fabula.

82. μύρτα] Myrti baccas. Cf. 160. 1100. Antiph. 179, 4. σῦκα — μύρτα, θύμα. Eubul. 74, 5. Theophr. Char. 10. προσελθὼν πρὸς τὰ κάρυα ἢ τὰ μύρτα ἢ τὰ ἀκρόδρυα etc. Plat. Epist. XIII. p. 361 B. Resp. II. 427 E. καὶ μύρτα καὶ φηγοὺς σποδιοῦσι πρὸς τὸ πῦρ μετρίως ὑποπίνοντες. Athen. XIV. 653 F.

84. *σφῷν — εἵνεκ'*] Cf. Eur. Fr. 143, 4. *χρυσοῦ νόμιζε σαυτὸν εἵνεκ' εὐτυχεῖν.* Tro. 1129. Soph. El. 579. *τούτου θανεῖν χρῆν αὐτὸν εἵνεκ' ἐκ σέθεν.*

87. *ὦ δειλότατον σὺ θηρίον*] Cf. Pl. 439. Ran. 486. Vesp. 448.

88. *οὐκ ἄρ' ἀφῆκας;*] Cf. Eccl. 462. 672. Th. 8. et ad Nub. 1252. Soph. Aj. 1238. Phil. 106. 114. Alex. III. 410. *τέτταρας | περιστερὰς ἀφῆκεν* etc. Schol. Nub. 133. *οὓς (κόρακας) παῖδες ἀφῆκαν.* Schol. Pl. 604. *ἱεροὺς κόρακας, οὓς παῖδες ἀφῆκαν γυψώσαντες.*

93. Cf. Nub. 184. *ὦ Ἡράκλεις, ταυτί ποδαπὰ τὰ θηρία;*

94. Cf. Soph. O. R. 99. *ποίῳ καθαρμῷ; τίς ὁ τρόπος τῆς ξυμφορᾶς;*

95. Cf. Ach. 377. *ὑπὸ Κλέωνος ἄπαθον.* Nub. 1055. *ἐν ἀγορᾷ τὴν διατριβήν.* Vesp. 1434. *μέμνησ' αὐτὸς (οὗτος?) ἀπεκρίνατο.* 965. Lys. 376. *οὐκ οἶδά σ' εἰ — σταθεύσω.* 753. *ἵνα μ' εἰ καταλάβοι.* 1027. *τοῦτ' ἄρ' ἦν με τοὐπιτρῖβον.* Ran. 504. *σ' ὡς ἐπύθεθ' ἥκοντ'.* 917. *νῦν οἱ λαλοῦντες.* Pl. 338. *ἐπὶ τοῖσι κουρείοισι τῶν καθημένων.* Monost. 157. *τἀλλότρια τὸν δειπνοῦντα.* Alex. 178, 5. *αὐτὸν ὁ κεκληκώς.* Men. 3. *τὴν κόρην ὁ διεφθορώς.* Soph. Ant. 325. *ταῦτα — τοὺς δρῶντας.* O. C. 994. *εἰ πατήρ σ' ὁ καίνων.* Fr. 269. *ταῦτα τοῖς μὴ δρῶσιν.* Eur. Ion. 324. *τάλαινά σ' ἡ τεκοῦσα.* 672. *ἐκ τῶν Ἀθηνῶν μ' ἡ τεκοῦσ' εἴη γυνή.* El. 264. *μήτηρ δέ σ' ἡ τεκοῦσα* etc. Cycl. 14. *ναυστολῶ | σέθεν κατὰ ζήτησιν.* Astydam. 8, 5. *κἂν τοῦτον οἱ ζητοῦντες ὦσι μυρίοι.* Trag. adesp. 546, 1. *εἰ νοῦν εἶχέ μ' ὁ σπείρας πατήρ.* Xen. Mem. I. 6. 13. *τὴν σοφίαν τοὺς — πωλοῦντας.*

οἱ δώδεκα θεοὶ] Cf. Amph. III. 303. *ὀνόματα τῶν δώδεκα θεῶν διελήλυθας.* Aristophont. III. 361. *ὑπὸ τῶν θεῶν τῶν δώδεκ'.* Herod. II. 7. 2. *ἀπὸ τῶν δυώδεκα θεῶν τοῦ βωμοῦ.*

96. *εἴξασι*] Cf. 383. Nub. 341. 343. 383.

97. *ἦ*] Cf. Pher. 146, 3. Eubul. 31. Antidot. 2, 5.

102. *ὄρνις ἢ ταῶς*] Cf. 269. *τίς ποτ' ἐστίν (ὄρνις); οὐ δήπου ταῶς;*

106. *πτερορρυεῖ*] Cf. 284. *πτερορρύησις* ex Hierocle affertur.

ἕτερα] Sub. *πτερά.* Cf. Eq. 572. 1352. Ran. 498. Pl. 503. 1025. 1466. Av. 1006. Nub. 555. Eccl. 807.

108. Cf. Alex. 90, 1. *ἔστιν δὲ ποδαπὸς τὸ γένος οὗτος;* Aesch. II. 4. *γυναῖκα — τὸ γένος Ὀλυνθίαν.*

109. Schol. *ἀπὸ μεγάλου* (l. *ἀπὸ τοῦ μεγάλου* aut potius *μεγίστου*) *δικαστηρίου.* Cf. Schol. Vesp. 772. Suid. v. *ἡλιαία* etc.

θατέρου τρόπου] Cf. Eur. Med. 808. *μηδείς με φαύλην κἀσθενῆ νομιζέτω — ἀλλὰ θατέρου τρόπου.* Eur. Il. 948. *ἀλλ' ἔμοιγ' εἴη πόσις | μὴ παρθενωπὸς, ἀλλὰ τἀνδρείου τρόπου.*

110. *ἀπηλιαστά*] Contra *φιληλιαστής* Vesp. 88. Dicebant autem *ἀπηλιαστής*, non *ἀφηλιαστής*, ut *ἀντήλιος* (Menand. 511. Eur.

Fr. 538.), *ἔπηλις*, *Γλαύκιππος* (non *Γλαύχιππος*), *λεύκιππος*, *λευκηπατίας*, etc.

111. *σπέρμα*] Cf. Eur. Iph. A. 520. *τὸ μαντικὸν πᾶν σπέρμα φιλότιμον κακόν*. Eur. Fr. 977. *εἴθ' ἦν ἄφωνον σπέρμα δυστήνων βροτῶν*. Fr. 1001. *ἀεί ποτ' ἐστὶ σπέρμα κηρύκων λάλον*. Trag. adesp. 160. *τοίων γὰρ ἀνδρῶν σπέρμ' ἔδωκεν Ἑλλάδος* (*Ἑλλάδι?*). Dem. p. 784, 29. Athen. VI. 256 B.

118. Cf. Alex. 211, 1. *ὅστις διαπλεῖ θάλατταν*. Men. 924, 3. *διὰ θαλάττης*. Plat. Politic. 289 E. *οἱ δὲ πόλιν ἐκ πόλεως ἀλλάσσοντες κατὰ θάλαττον καὶ πεζῇ*.

122. *ἐγκατακλινῆναι*] Cf. Hyperid. c. 27. *ἐγκατακλιθῆναι* (sic) *εἰς τὸ ἱερόν*. Schol. *ἐγκατακλιθῆναι* (*ἐγκατακλινῆναι* Cobet.). *κλινθῆναι* (*κλιθῆναι* id.).

123. *τῶν Κραναῶν* (sc. *Ἀθηνῶν*). Cf. Lys. 481. *τὴν Κραναάν* (arcem). Ach. 75. Pind. Ol. VII. 151. *Κρανααῖς ἐν Ἀθάναις*.

126. *Σκελλίου*] A nom. *Σκελλίας*. Cf. ad Ran. 608.

127 sq. Cf. Nub. 1250 sq. Ran. 96 sq.

131. *παρέσει*] Cf. Lys. 1101. *ἐπὶ τί πάρεστε δεῦρο;* Eubul. III. 262. *μακροτέρας δ' οὔσης | πλεῖν ἢ δυοῖν ποδοῖν παρεῖναι τῆς σκιᾶς*. Archedic. 2, 2. *πάρεισιν οἱ κεκλημένοι*. Straton. 1, 9. *οὐδεὶς παρέσται* (sc. *ἐπὶ δεῖπνον*). Herod. I. 118. *πάρισθί* (non *πάριθι*) *μοι ἐπὶ δεῖπνον*. I. 126. 2. *δεύτερά σφι προεῖπε ἐς τὴν ὑστεραίην παρεῖναι λελουμένους*. Plat. Hipp. maj. p. 286 C. *ἀλλ' ὅπως παρέσει καὶ αὐτὸς καὶ ἄλλους ἄξεις*.

133. *καὶ μηδαμῶς ἄλλως ποιήσεις*] Pendent haec a praec. *ὅπως*. Cf. Theophr. Char. 24. *καὶ ἐπιστέλλων — γράψαι — Ὅπως ἄλλως μὴ ἔσται*. *εἰ δὲ μή*] Cf. Pac. 380 sq. Vesp. 434 sq. Ran. 629.

136. *τί δαὶ σύ;*] Cf. Lys. 136. Ach. 803. Ran. 1454.

139. *καλῶς γε —*] Cf. Pher. 149, 2. *καλόν γε δῶρον ἔπτ' ἔχειν λαικαστρίας*. Confer nomen *Στιλβίδης* Pac. 1031.

141. Cf. 979. *οὐκ ἔσει οὐ* (l. *οὐκ ἔσεαι*) *τρυγὼν, οὐ λάϊος, οὐ δρυκολάπτης*. 1133. Pl. 1114. *οὐδεὶς οὐ λιβανωτὸν, οὐ δάφνην, | οὐ ψαιστὸν, οὐχ ἱερεῖον, οὐκ ἄλλ' οὐδεὲν* etc. Ach. 34. Eccl. 452. 560 sq. 565 sq.

143. *ὦ δειλακρίων σὺ τῶν κακῶν οἵων ἐρᾷς*] Cf. Eq. 1218. *οἴμοι τῶν ἀγαθῶν ὅσων πλέα*.

145. Cf. Dem. p. 438, 19. *μόνον οὐκ ἐπὶ τὴν Ἐρυθρὰν θάλατταν πρεσβείας πέμπειν*. Scholiastae verba emendat Valck. ad Herod. IV. 80.

146. *ἀνακύψεται*] Emerget. Angl. will pop up. Cf. Ran. 1068. *περὶ τοὺς ἰχθῦς ἀνέκυψεν*. Plat. Phaed. 109 E. etc.

147. Aliae triremes in usum publicum destinatae erant *Ἀμμωνιὰς* (sive *Ἀμμωνίς*), *Δημητριὰς*, *Ἀντιγονὶς*, quae tamen ad recentiorem aetatem pertinent. Cf. Eur. Iph. A. 411. *Ἑλλὰς δὲ σὺν σοὶ κατὰ θεὸν νοσεῖ τινα*.

149. *Λέπρεον*] *Λέπρεος* oppidum Triphyliae Eliacae memoratur Paus. V. 5. 3. VI. 15. 1. Incolae ejus *Λεπρεᾶται*, Paus. V. 5. 3.

151. *Μελανθίου*] Cf. Pher. 139. Eupol. 41. 164. Plat. 132. Archipp. 28.

155. *βίος — τριβήν*] Cf. Aesch. Ag. 155. *παλιντυχεῖ τριβᾷ βίου.* Sic *τρίβειν βίον* Soph. El. 602. *δυστυχῆ τρίβει βίον.* Eur. Her. 86. Arist. Pac. 589.

157. *οὗ πρῶτα μὲν δεῖ —*] Cf. Eupol. 291. *οὗ δεῖ πρῶτον μὲν ὑπάρχειν πάντων ἰσηγορίαν.*

158. *βίου κιβδηλίαν*] Cf. Anacreont. Athen. p. 533 E. *κίβδηλον εὑρίσκων βίον.*

160. *μύρτα*] Cf. 1100. Fr. 476, 5. Theopomp. com. II. 817. *τρώγουσι μύρτα καὶ πέπονα μιμαίκυλα.* Pher. II. 338. *μῆλα καὶ μιμαίκυλα καὶ μύρτα καὶ σέλινα.* Eubul. III. 241. Antiph. III. 98. Phoenicid. IV. 509. *μήκωνα καὶ σισύμβρια*] Cf. Thucyd. IV. 26. 5. *καλωδίῳ — ἐφέλκοντες μήκωνα μεμελιτωμένην καὶ λίνου σπέρμα κεκομμένον.* Theophil. com. III. 631. *Μηκωνίδ' ἢ Σισύμβριον.* Anaxand. 41, 55. *ῥόαι, ἕρπυλλος, μήκων, ἀχράδες.* Euphron. 11, 10. *μήκωνος ἐπιπάσας ἄνω | κόκκους μελαίνης.* Append. Prov. III. 100. *ναὶ ναὶ μὰ μήκωνος χλόην.* Herod. II. 92, 4. *τὸ ἐκ μέσου τοῦ λωτοῦ, τῇ* (*τῷ* al.) *μήκωνι ἐὸν ἐμφερὲς, πτίσαντες* etc. Athen. XI. 476 F. *ἐν οἷς εἰσὶ μήκωνες λευκοὶ, πυροὶ, κριθαί.* *σισύμβρια*] Cf. Cratin. 109, 3. *καὶ μῆλα καὶ σέλινα καὶ σισύμβρια.*

161. *ὑμεῖς μὲν —*] Cf. Soph. Fr. 317. *ὑμεῖς μὲν οὐκ ἄρ' ἦστε τὸν Προμηθέα.*

162. *ὀρνίθων*] Absque articulo, ut alibi semper in hac fabula. Cf. 179. 332. 562. bis. etc.

163. Cf. Lys. 1031. *ἦ μέγ', ὦ Ζεῦ, χρῆμ' ἰδεῖν τῆς ἐμπίδος ἔνεστί σοι.*

167. Cf. Eur. Bacch. 332. *νῦν γὰρ πέτει τε καὶ φρονῶν οὐδὲν φρονεῖς.*

168. *Τελέας*] Cf. Pac. 1008. Plat. 161.

169. *ἄνθρωπος ὄρνις*] Cf. 1009. Ran. 207. *βατράχων κύκνων.* Com. anon. IV. 663. *Αἴτνη ἄνθρωπος.* 666. *ὀνόγαστρις ἄνθρωπος.* Eodem sensu Eupolis 376. *ἄνεμος καὶ ὄλεθρος ἄνθρωπος* dixit.

ἀστάθμητος] Cf. Eur. Orest. 981. *βροτῶν δ' ὁ πᾶς ἀστάθμητος αἰών.* Dem. p. 383, 2. *ὡς ὁ μὲν δῆμός ἐστιν ἀσταθμητότατον πρᾶγμα τῶν πάντων καὶ ἀσυνθετώτατον.*

170. *ἀτέκμαρτος*] Simplex *τεκμαρτὸς* est Cratin. II. 164.

οὐδέποτ' ἐν ταὐτῷ μένων] Cf. Vesp. 969. *κοὐδέποτ' ἐν ταὐτῷ μένει.* Ran. 1103. *ἀλλὰ μὴ 'ν ταὐτῷ καθῆσθον.* Soph. Fr. 93. *οὐ γὴρ ποτ' αὐτῶν οὐδὲν ἐν ταὐτῷ μένει.* Eur. Hel. 1026. *ἐν ταὐτῷ μένειν.* Tro. 350. *ἀλλ' ἔτ' ἐν ταὐτῷ μένεις.* Herod. I. 5. *οὐδαμὰ ἐν τωὐτῷ μένουσαν.*

171. Cf. Eccl. 189. *νὴ τὴν Ἀφροδίτην εὖ γε ταυταγὶ λέγεις.*
174. Cf. Eur. Suppl. 547. *σκαιόν γε τἀνάλωμα τῆς γλώσσης τόδε.*
175 sq. Cf. similes locos Eq. 162 sq. 173 sq.
177. Cf. Nub. 259. *εἶτα δὴ τί κερδανῶ;*
179. Cf. Vesp. 858. *ἡδὶ δὲ δὴ τίς ἐστιν; οὐχὶ κλεψύδρα;* Nub. 201. Pl. 261. *πόλος*] Cf. Eur. Fr. 903, 3. *βάσομαί τ' εἰς αἰθέριον πόλον ἀρθείς.* 836, 10. Aesch. Prom. 430. Timoth. Fr. 11. *πόλον οὐράνιον.* Plat. Tim. 40 B. *γῆν — εἱλλομένην περὶ τὸν διὰ παντὸς πόλον τεταμένον.* Euripides scripserat *τὸν Ἀτλάντειον τηροῦσι πόλον,* ut constat ex Clem. Alex. Strom. V. 563 D.
187. *ἐν μέσῳ — γῆς*] Cf. Xen. An. III. 1. 2. *ποταμοὶ δὲ διεῖργον ἀδιάβατοι ἐν μέσῳ τῆς οἴκαδε ὁδοῦ.* Plena constructio est Xen. Anab. V. 3. 27. *πῦρ ἐν μέσῳ ἑαυτῶν καὶ τῶν πολεμίων ποιησάμενοι.* Cf. Eur. Fr. 451. *τὸ δ' ἐν μέσῳ τοῦ τ' οὐρανοῦ τε καὶ χθονὸς | χάος μὲν ὀνομάζουσιν* (ita Valck.).
189. *Πυθῶδε*] Cf. Herod. I. 54. *πέμψας ἐς Πυθώ.* *δίοδον αἰτούμεθα*] Cf. Aeschin. p. 75, 9. *δίοδον αἰτεῖν ἐπὶ Φίλιππον.*
191. Cf. Vesp. 1099.
193. Cf. ad Vesp. 125. Thuc. VII. 32. *πέμπει ἐς τῶν Σικελῶν τοὺς τὴν δίοδον ἔχοντας — ὅπως μὴ διαφρήσουσι τοὺς πολεμίους ἀλλὰ ξυστραφέντες κωλύσουσι διελθεῖν· — Ἀκραγαντῖνοι γὰρ οὐκ ἐδίδοσαν διὰ τῆς ἑαυτῶν ὁδόν.*
194 sq. Cf. ad Lys. 917. Hom. Il. 10, 329. 14, 36 sq. Nub. 627. *μὰ τὸ Χάος, μὰ τὸν Ἀέρα* (*Αἰθέρα*?). 296. *μὰ γῆν, μὰ κρήνας, μὰ ποταμούς, μὰ νάματα.* Timocl. 38. *παγίδας*] Cf. Alex. 66. *τοῖς ἄρτοις ὅσας | ἱστᾶσι παγίδας οἱ ταλαίπωροι βροτοί.* Men. 689, 2. *κεκρυμμένη κεῖται παγὶς τοῖς πλησίον.* Charax apud Schol. Nub. 508. *ὁ δὲ παγίδας ἔστησεν, αἷς περιπεσὼν Ἀγαμήδης ἀναιρεῖται.* Cf. 527.
195. *μὴ 'γὼ 'νόησα*] Cf. Ran. 508. Eccl. 1000. Qu. *οὔπω 'νόησα.* Nub. 627. *μὰ τὴν Ἀναπνοὴν — οὐκ εἶδον οὕτως ἄνδρ' ἄγροικον οὐδένα.* *κομψότερον*] Cf. Th. 93. *κομψὸν τὸ πρᾶγμα.*
204. Cf. Aesch. Eum. 140. *ἀνίστω κἀπολακτίσασ' ὕπνον | ἰδώμεθ' εἴ τι —.* Hesiod. Op. 446. *εὖτ' ἂν γεράνου φωνὴν ἐπακούσῃς.*
205. *θεύσονται δρόμῳ*] Cf. Eq. 485. *θεύσει γὰρ ᾄξας.*
209. *σύννομε*] Cf. 1756. *φῦλα πάντα συννόμων.* Antiph. 217, 17. *ἥ τε σύννομος — σηπίας — τευθίς.* Eur. El. 1309. *ὦ σύγγονέ μοι* (*μου*?). Soph. Ant. 451. *ἡ ξύνοικος τῶν θεῶν Δίκη.* Ph. 203. *φωτὸς σύντροφος.* Eubul. 75, 2. *τηγάνων — σύντροφα μειρακύλλια.*
210 sq. Cf. 744 sq.
210. *λῦσον*] Qu. *χεῦσον.* Cf. Hom. Od. 19, 521. *θαμὰ τρωπῶσα χέει πολυηχέα φωνάν.* et versum apud Athen. 622 C. *ἁπλοῦν ῥυθμὸν χέοντες αἰόλῳ μέλει.*
212. *Ἴτυν*] Cf. Eur. Fr. 773, 26. *μέλπει δ' — ἀηδὼν ἁρμονίαν ὀρθρευομένα* (*οἰκτιζομένα*?) *γόοις Ἴτυν Ἴτυν πολύθρηνον* (*πολυθρήνοις*?).

214. *γέννος ξουθῆς*] Cf. 743. Eur. Hel. 1111. *διὰ ξουθᾶν γενύων ἐλελιζομένα* (*ἀηδών*).

215. *φυλλοκόμου*] *πολύφυλλος* dicitur Eupol. Fr. 1. *χλοήρης καλλίκαρπος* Eur. Bacch. 108. *ἀνθεςφόρος* 703. Cf. 742. Nub. 280. *ὀρέων — κορυφὰς δενδροκόμους.*

218. *ἐλεφαντόδετον φόρμιγγα*] Cf. Ovid. Met. XI. 167. "instructamque fidem gemmis et dentibus Indis | sustinet.' Cf. v. *ἀδαμαντόδετος* Aesch. Prom. 148. 426.

221. *ξύμφωνος*] Cf. 660. Soph. O. R. 421.

225. Cf. Eq. 808. *εἶθ' ἥξει σοι δριμὺς ἄγροικος κατὰ σοῦ τὴν* (*τε*?) *ψῆφον ἰχνεύων.*

229. *ὁμοπτέρων*] Cf. Stratt. 78. Eur. El. 530.

230. *εὐσπόρους — γύας*] Cf. Theocr. XXV. 30. *πυροφόροι τε γύαι.*

232. *σπερμολόγων*] Cf. Dom. XVIII. 127. et v. *κνιπολόγος* (Arist. H. A. VIII. 3. 9.).

234. *θαμά*] Cf. Th. 952. Pl. 1166. Fr. 198.

235. *λεπτὸν*] Cf. Hom. Il. 18, 570. *Λίνον δ' ὑπὸ καλὸν ἄειδε | λεπταλέῃ φωνῇ.* Eur. Fr. 773, 23. *μέλπει δ' ἐν δένδρεσι λεπτὰν ἀηδὼν ἁρμονίαν.*

238. Qu. *ὑπὸ* (pro *ἐπὶ κλάδεσι.* Cf. 615. *κλάδεσι*] Forma anomala dativi ut *κλαδὶ* Lys. 632. *νομὸν ἔχει*] Cf. Theocr. XXVII. 34. *πάντ' ἄλσεα καὶ νομὸν ἐξεῖς.* Soph. O. C. 674. *τὸν οἰνῶπα νέμουσα κισσόν* (*ἀηδών*). *νομὸν*] Pabulum. Cf. 1287.

241. *κομαροφάγα*] Cf. 620. *ἐν ταῖσιν κομάροις.* Theocr. IX. 11. *κόμαρον τρωγούσας* (*δαμάλας*). Cf. v. *κραδαφάγος*, i. e. *συκοφάγος* (Hesych.).

242. *ἀνύσατε πετόμενα*] Cf. Vesp. 1168. *ἄνυσόν ποθ' ὑποδησάμενος.* Eq. 1107. *ἀνύσατέ ποθ'* —.

244. Poetae *θηλυκῶς* vocem *αὐλὼν* usurpabant, prosae scriptores *ἀρσενικῶς.* Sic Carcinus trag. 1. *βαθεῖαν εἰς αὐλῶνα.* Trag. adesp. 159. *αὐλῶνά θ' ἣν ἄρθουσι.* Athen. V. 159 D. Sed Herod. VII. 128. *αὐλὼν στεινός.* 129. 130. II. 127. *ὀξυστόμους ἐμπίδας*] Cf. Aesch. Prom. 674. *ὀξυστόμῳ μύωπι χρισθεῖσα.* 803. *ὀξυστόμους — Γρῦπας.*

248. *ὄρνις τε πτεροποίκιλος*] Cf. 1410. *ὄρνιθες — πτεροποίκιλοι.* Theogn. 729. *φροντίδες ἀνθρώπων ἔλαχον πτερὰ ποικίλ' ἔχουσαι.*

249. *ἀτταγᾶς*] Forma recentior *ἀτταγῆν* legitur Phoenic. IV. 509.

250. *πόντιον οἶδμα θαλάσσης*] Cf. 1339. Pind. Fr. 242, 4. *ἐπ' οἶδμ' ἅλιον διαστείβων.* Eur. Hec. 446. *ἐπ' οἶδμα λίμνας.*

253. *ἀθροΐζομεν*] Cf. Archil. Fr. 102. *ἠθροΐζετο.* 62. *ἀθροΐζεται στρατός.* Eur. Alc. 886. *κεραΐζομένας.* Herod. III. 156. *καταπροΐξεται.*

255. *δριμὺς*] Cf. Eur. Cycl. 104. *δριμὺ Σισύφου γένος.* Anaxand. 15, 3. *εἶτ' ἐσχεδίασε δριμέως.*

257. *ἐγχειρητής*] Cf. Pollux II. 154. *Ἐγχειρητὴς* (Av. 257.) *δὲ καὶ ἐγχείρησις Ἀριστοφάνης.*

266. *ἐπῶζε*] Ab *ἐποίζω*, quare scribendum, ni fallor, *ἐπῷζε*. Cf. *ἀποίζειν* (i. e. *ἀπομωκᾶσθαι*, Hesych.) et *δυσοίζειν*. Alio sensu *ἐπῴζειν* (ab *ᾠὸν*) Cratin. 108. Epich. Fr. 96, 5. *οὐ τίκτει τέκνα | ζῶντ', ἀλλ' ἐπῴζει καὶ ποιεῖ ψυχὰν ἔχειν.* *χαραδριὸν*] Cf. 1141. Plat. Gorg. 494 B. *χαραδριοῦ τιν' αὖ σὺ βίον λέγεις.*

271. *τῶν ἠθάδων*] Cf. Eur. Andr. 818. *τῶν γὰρ ἠθάδων | φίλων νέοι μολόντες εὐπειθέστεροι.*

272. *φοινικιοῦς*] Tribunal erat Athenis *τὸ φοινικιοῦν* dictum (Paus. I. 28. 8.), et alterum *βατραχιοῦν*.

274. Cf. Eur. Iph. A. 855. *ὦ σέ τοι λέγω, κτλ.*

275. "Errant qui *τίς ὄρνις οὗτος* — Sophoclei dramatis initium fuisse tradunt, *ὄρνις* delendum puto; *ἀρχὴ* corruptum, fortasse ex *ἄθρει*." Nauck. ad Soph. Fr. 588. Schol. *Τυροῦς ἀρχή* (*Τυροῦς, ἧς ἡ ἀρχή*?).

276. *μουσόμαντις*] Cf. *ἰατρόμαντις*, Eum. 62.

277. Cf. Cratin. 259. *ὥσπερ ὁ Περσικὸς ὄρνις ὥραν πᾶσαν καναχῶν ὀλόφωνος ἀλέκτωρ.*

280. *ἔποψ*] Upupa est avis solitaria, duabus simul raro conspectis. Caput ejus crista ornatur ex duobus plumarum pallidi rubri coloris ordinibus nigro colore ad terminos tinctis constante. Arist. H. A. IX. 49. *μεταβάλλει δὲ καὶ ὁ ἔποψ τὸ χρῶμα καὶ τὴν ἰδέαν.* Plin. N. H. X. 86.

281. Hic Philocles Sophoclem superavit quando hic Oedipum Regem commisit. Cf. Cratin. 292. *ὅνπερ Φιλοκλέης τὸν λόγον διέφθορεν.* Tetralogiae *Πανδιονίδος* Pandionis ejusque filiarum Procnes et Philomelae Tereique mythum complexae tria tantum fragmenta supersunt apud Nauck. Schol. *Ἀλμίωνος αὐτόν* (l. *αὐτὸν υἱόν*) *φασιν.*

283. *Ἱππόνικος Καλλίου*] Sic Teleclides II. 371. *Νικίας Νικηράτου.*

284. *ὡς πτερορρυεῖ*] *πτερορρυεῖν τὸν πλοῦτον* citatur ex Philostrato.

288. *κατωφαγᾶς*] Cf. Myrtil. 4, 3. *ὡς ὁ μὲν κλέπτης, ὁ δ' ἅρπαξ, | ὁ δ' ἀνάπηρος πορνοβοσκὸς | καταφαγᾶς.* Cratin. 451. *φαγᾶς* Lobeck. Phryn. p. 437.

298. *πηνέλοψ*] *φοινικόλεγνος* dictus ab Ione trag. 68. Cf. 1302.

299. Cf. Eur. Iph. T. 346. *ἐς θουμοφυλον ἀναμετρουμένη δάκρυ.*

301. Cf. Antiph. 175, 2. *ἐν Ἡλίου μέν φασι γίγνεσθαι πόλει | φοίνικας, ἐν Ἀθήναις δὲ γλαῦκας.* Hor. Serm. I. 10. 34. 'In silvam non ligna feras insanias ac si etc.' *Ἀθήναζ'*] Cf. *Ἀφίδναζε* (Dem. p. 1348, 6.).

302. *ὑποθυμίς*] Avis aliqua quae sub thymo (*θύμῳ*) latere solet. Sic *ὑπολαΐς* quae sub lapidibus.

303. κεβλήπυρις] Anglice dicas red-poll.

307. τρέχουσι διακεκραγότες] Cf. Vesp. 226. κεκραγότες πηδῶσι καὶ βάλλουσιν etc. διακεκραγότες] Cf. Eq. 1403. πόρναισι διακεκραγέναι. Confer v. διαβοᾶσθαι (Dem. p. 806, 2.). et διασυρίζειν (Apollon. Dys. c. 10. ἰκτίνων ἐν τῇ πανηγύρει — διασυριζόντων).

311. ἀποστατῶ φίλων] Cf. Aesch. Cho. 826. ἀποστατεῖ φίλων.

316. ὠφελήσιμον] Alterum hujus adjectivi exemplum est Soph. Aj. 1022. πολλοὶ μὲν ἐχθροί, παῦρα δ' ὠφελήσιμα. Cf. ὀνήσιμος.

321. πρέμνον πράγματος] Cf. Trag. adesp. 202. πρέμνον ἑστίας (i. e. θεμέλιος οἰκίας, Hesych.). Similiter Vesp. 30. λέγε νυν ἀνύσας τὴν τρόπιν (pro τὸν τρόπον) τοῦ πράγματος.

322. ἐξ ὅτου 'τράφην] Cf. Ach. 17. ἐξ ὅτου 'γὼ ῥύπτομαι.

324. Cf. Vesp. 474. ὦ μισόδημε καὶ μοναρχίας ἐρῶν.

329. ὁμότροφά θ' ἡμῖν] Cf. Herod. II. 66. ὁμότροφα τοῖσι ἀνθρώποισι θηρία.

331. παρέβη —] Cf. Soph. Ant. 796.

333. Cf. Philippid. IV. 468. μηδὲ τῇ τύχῃ | διὰ πλειόνων αὑτὸν παραβάλλειν πραγμάτων. Herod. VII. 10. ἡμέων ἀμφοτέρων παραβαλλομένων τὰ τέκνα. Thuc. I. 133. ὡς οὐδὲν πώποτε (οὐδεπώ ποτε?) αὐτὸν ἐν ταῖς πρὸς βασιλέα διακονίαις παραβάλοιτο. V. 113. τύχῃ καὶ ἐλπίσι πλεῖστον δὴ παραβεβλημένοι καὶ πιστεύσαντες πλεῖστον καὶ σφαλήσεσθε. Lucian. de merc. cond. 30. παραβαλλόμενος ἀνδράσι τέχνην τὸ πρᾶγμα πεποιημένοις. Zenob. VI. 24. ἀπὸ τῶν — παραβαλλομένων τῷ (τινὶ?) κινδύνῳ. Similiter προσπίπτειν τινὶ et πρός τινα Eq. 31.

334. Cf. Pl. 85. ὃς οὐκ ἐλούσατ' ἐξ ὅτουπερ ἐγένετο.

335. Cf. Th. 141. πότερον ὡς ἀνὴρ τρέφει;

336. Cf. Aesch. Ag. 1666. ἀλλ' ἐγώ σ' ἐν ὑστέραισιν ἡμέραις μέτειμ' ἔτι. Eur. Iph. T. 1443. πρὸς μέν σ' ὅδ' ἡμῖν μῦθος, ὃν δ' ἀποκτενεῖν | δοκεῖς 'Ορέστην, etc.

337. τὴν δίκην] Cf. Soph. O. R. 552. Eur. Her. 1025. Xen. Hell. II. 3. 9. III. 3. 11. etc.

338. ὡς ἀπωλόμεσθ' ἄρα] Cf. Ach. 333. ὡς ἀπωλόμεσθ'.

340. ἐπὶ τί] Quamobrem, quare. Cf. Lys. 1101. ἐπὶ τί πάρεστε δεῦρο; 481. Nub. 256. Eur. Or. 151.

342. τὠφθαλμὼ 'κκοπῇς] Cf. Nub. 24. εἶθ' ἐξεκόπην πρότερον τὸν ὀφθαλμὸν λίθῳ.

344. ἐπίφερε — ὁρμάν] Cf. Eq. 837. εἰ γὰρ ὧδ' ἐποίσεις, etc. Sic αἰτίαν ἐπιφέρειν τινὶ Herod. I. 68.

348. Parodia ex Andromeda Euripidis. Schol. τὰ μηδέπω διδαχθείσης τῆς (dele τῆς, aut τὰ τῆς μηδέπω —) τραγῳδίας.

353. Cf. Eq. 243.

354. τοῦτ' ἐκεῖνο] Cf. Ran. 1341. τοῦτ' ἐκεῖν'. ποῖ φύγω —;] Cf. Pl. 438. ποῖ τις φύγῃ; Soph. Aj. 403. ποῖ τις οὖν φύγῃ;

358. Cf. Xen. Hell. IV. 5. 4. *πέμπει — δέκα φέροντας πῦρ ἐν χύτραις.*

361. *προσθοῦ*] Cf. Ran. 483. *ἰδοὺ λαβὲ, προσθοῦ (τὴν σπογγιάν).*

362. Cf. 820. Eq. 421. *ὦ δεξιώτατον κρέας, σοφῶς γε προυνοήσω.* 1402. *αὐτὸ*] Lege *τοῦτο.*

363. *ὑπερακοντίζεις*] Cf. Eq. 659. Av. 825. Pl. 666. Diph. IV. 407. Schol: Pl. 178. *χαλεπὸς — Βούσιριν ὑπερηκοντικώς.*

364. Cf. Achaeum Fr. 35, 4. (apud Suid. in *ἐλελελεῦ*), *ὥρα βοηθεῖν ἐστ'· ἐγὼ δ' ἡγήσομαι. | προσβαλλέτω τις χεῖρα φασγάνου λαβῇ, | σάλπιγγι δ' ἄλλος ὡς τάχος σημαινέτω. | ὥρα ταχύνειν, ἐλελελεῦ.* *οὐ μέλλειν ἐχρῆν*] Cf. Fr. 110 D. Pl. 606.

365. *ἕλκε — παῖε — κόπτε*] A re fullonia haec petita sunt, ut videtur. Cf. Hippocr. de victu san. 1, 8. *οἱ γναφεῖς λακτίζουσι (μαστιγοῦσι?), παίουσι, κόπτουσιν, ἕλκουσι.* Cratin. ap. schol. (361.) *σφάττε, δεῖρε, κόπτε.*

366. *εἰπέ μοι*] Ad plures dictum, ut in Ach. 319. 328. Vesp. 403. Pac. 383. 1142. *τί μέλλετ' —;*] Cf. Soph. Aj. 540. *τί δῆτα μέλλει μὴ οὐ παρουσίαν ἔχειν;* Aesch. Prom. 628. *τί δῆτα μέλλεις μὴ οὐ γεγωνίσκειν τὸ πᾶν;*

371. Cf. Soph. El. 1023. Fr. 840. *γνώμην δ' ἔχοντά μ' ἡ φύσις βιάζεται.* Theocr. 22, 160. *κόρα — οὔτε φυῆς ἐπιδευέες οὔτε νόοιο.*

383. *τῆς ὀργῆς χαλᾶν*] Cf. Vesp. 727. *τὴν ὀργὴν (τῆς ὀργῆς?) χαλάσας.* Eur. Fr. 724, 2. *φρονήματος χάλα.* Aesch. Prom. 256. *οὐδαμῇ χαλᾷ κακῶν.* 1057. *τί χαλᾷ μανιῶν;* Trag. adesp. 341. *μικρὸν δὲ ποδὸς χαλάσαι μεγάλῃ | κύματος ἀλκῇ.* Vesp. 574. *τῆς ὀργῆς ὀλίγον τὸν κόλλοπ' ἀνεῖμεν.* Ran. 700. *τῆς ὀργῆς ἀνέντες.*

ἄναγ' ἐπὶ σκέλος] Cf. 400. 1720. Athen. XIV. 622 C. *ἀνάγετ' ἀνάγετε πάντες, εὐρυχωρίαν | τῷ θεῷ ποιεῖτε.* Xen. Cyr. I. 4. 24. *ἀνῆγεν ὁ Ἀστυάγης.* Eur. Phoen. 1400. *ἐπὶ σκέλος πάλιν | χωρεῖ.* In schol. *ἐπὶ πόδα* Headlam.

387. *τὴν χύτραν — καθίει*] Cf. Xen. An. VI. 5. 27. *μετὰ ταῦτα ἠλάλαζον καὶ ἅμα τὰ δόρατα καθίεσαν.* *καθίει*] Cf. Vesp. 387. Sic *ἀνίει* Ran. 1462. *ἀφίει* Ran. 1005.

390. *τῶν ὅπλων ἐντὸς*] Cf. Thuc. I. 111. *ὅσα μὴ προϊόντες πολὺ ἐκ τῶν ὅπλων.* Xen. Lac. XII. 2. *φυλακὰς — πρὸς τὰ ὅπλα εἴσω βλεπούσας.* 396. *δημοσίᾳ*] Sic *ἰδίᾳ, κοινῇ.*

400. *ἀνάγ'*] Recede. Cf. ad 383.

401. *τὸν θυμὸν κατάθου*] Cf. Vesp. 567. *ἵνα — τὸν θυμὸν κατάθωμαι.* Theogn. 983. *φίλον καταθώμεθα θυμόν.* Herod. IX. 52. *ἔθεντο πρὸ τοῦ ἱροῦ τὰ ὅπλα.* Thuc. II. 2. *θέμενοι ἐς τὴν ἀγορὰν τὰ ὅπλα.*

406. Cf. Th. 1145. *δῆμός τοί σε καλεῖ γυναικῶν.*

412. Cf. Eur. Fr. 775, 39. *ἐμὲ καὶ τὸ δίκαιον ἄγει καὶ ἔρως ὑμνεῖν.* Deleatur nota in editione mea.

416. Cf. Th. 705. *ταῦτα δῆτ' οὐ δεινὰ πράγματ' ἐστὶ καὶ περαιτέρω.* Soph. Fr. 195. *ὦ πᾶν σὺ τολμήσασα καὶ πέρα γύναι.* Eur. El. 1185. *ἄλαστα μελέα καὶ πέρα παθοῦσά γε.* Dem. p. 1123, 20. *οὔκουν δεινὸν — καὶ πέρα δεινοῦ τούτους περιορᾶν —;*

417. Cf. Aesch. Eum. 991. *μέγα κέρδος ὁρῶ τοῖσδε πολίταις.*

419. Cf. Xen. Mem. IV. 5. 10. *καὶ φίλοις καὶ πόλει ὠφέλιμος γένοιτο καὶ ἐχθροὺς κρατήσειεν.*

424. Cf. Soph. Tr. 929. *τὸ κεῖσε δεῦρό τ'.* Eur. Andr. 619. *ἐκεῖσε δεῦρό τ'.* Ph. 266. *κἀκεῖσε καὶ τὸ δεῦρο.* 320. *ἐκεῖσε καὶ τὸ δεῦρο περιχορεύουσα.* Eur. Phoen. 266. *κἀκεῖσε καὶ τὸ δεῦρο, μὴ δόλος τις ᾖ.* 314. *πολυέλικτον ἁδονὰν ἐκεῖσε καὶ τὸ δεῦρο περιχορεύουσα.* Dem. p. 786. *ᾄττων δεῦρο κἀκεῖσε.* *προσβιβᾷ λέγων*] Ostendet argumentis. Cf. Eq. 35. Aeschin. c. Ctes. c. 28. *τῷ λόγῳ προσβιβάζων ὑμᾶς.* Xen. Mem. I. 2. 17. *πάντας τοὺς διδάσκοντας ὁρῶ τῷ λόγῳ προσβιβάζοντας.* *προσβιβᾷ*] Cf. Amips. 30. *ἀναβιβῶμαι.* Xen. An. V. 7. 8. *ἐμβιβῶ.* Herod. I. 97. *δικᾶν* (fut.).

427. *ἄφατον ὡς φρόνιμος*] Cf. Lys. 198. 1148. Vesp. 1279. *ὑποκριτὴν — ἀργαλέον ὡς συφόν.* Herod. VII. 190. *χρύσεα ἄφατα χρήματα.*

429. *πυκνότατον κίναδος*] Cf. Critiam trag. 1, 12. *πυκνός τις (ἤδη) καὶ σοφὸς γνώμην ἀνήρ.*

430. *παιπάλημ'*] Cf. Aesch. II. 40. *ὅ τι ἦν πόθ' ὁ κέρκωψ ἢ τὸ καλούμενον παιπάλημα ἢ τὸ παλίμβολον ἢ τὰ τοιαῦτα ῥήματα οὐκ ᾔδη πρότερον.* Lucian. Pseud. 32. *ὦ παιπάλημα καὶ κίναδος.* Anth. P. III. 10. 4. *λόγων τι παιπάλημα καὶ κακὴ γλῶσσα | ἔγραψεν οἷ' ἔγραψεν.* Cf. *παλημάτιον* Fr. 548.

433. *ἀνεπτέρωμαι*] Cf. 1443. 1445. Cratin. 384. *ἀνεπτερῶσθαι τὴν ψυχήν.* Eupol. II. 554. *ὁ λέγων φεύγωμεν ἀναπτεροῖ.* Herodot. II. 115. *ἀναπτερώσας αὐτὴν οἴχεαι ἔχων ἐκκλέψας.* Aesch. Cho. 292. Eur. Or. 874. Suppl. 89. Xen. Hell. III. 4. 2.

435. *τὐχἀγαθῇ*] Cf. 675. Th. 283. Eccl. 131. Pl. 788. Nicostr. com. III. 285.

436. Schol. *ὡς παρὰ* (*ὥσπερ ἐν* Lobeck. Aglaoph. p. 971.) *ταῖς καμίνοις.*

437. Cf. Lys. 834. *ἴθ' ὀρθὴν ἥνπερ ἔρχει τὴν ὁδόν.*

440. Cf. Phryn. 20, 1. *μεγάλους πιθήκους οἶδ' ἑτέρους τινὰς λέγειν, | Λυκέαν, Τελέαν, Πείσανδρον, Ἐξηκεστίδην.* Aeschines *αὐτοτραγικὸς πίθηκος* dicitur Dem. de Cor. § 242.

441. Schol. (*τὴν ὄψιν ἦν, συνεχῶς δὲ?*) *πλησ.* (*διαμαχόμενος?*).

442. *ὀρχίπεδ' ἕλκειν*] Cf. Pl. 312. 955. Eq. 772. *καὶ τῇ κρεάγρᾳ τῶν ὀρχιπέδων ἑλκοίμην ἐς Κεραμεικόν.* 365. Nub. 713. *καὶ τοὺς ὄρχεις ἐξέλκουσιν.* Pac. 898. *παίειν, ὀρύττειν, πὺξ ὁμοῦ καὶ τῷ πέει.*

444. *κατόμοσον*] Cf. Ran. 305. *ταὐτά μοι.*

447. *παραβαίην*] Cf. Herod. VI. 12. *τίνα δαιμόνων παραβάντες τάδε ἀναπίμπλαμεν;*

448. *νυνμενὶ*] Cf. ad Eq. 1357. *νυνδί* (*νῦν δὲ* libri). Pl. 1033. et schol. h. l.

451. *δολερὸν*] Cf. Soph. Ph. 1112. *δολερᾶς φρενός*. El. 124. Herod. VII. 35. *δολερὸς — ποταμός* (Hellespontus). Virg. Ecl. III. 80. 'Trista lupus stabulis'. *κατὰ πάντα δὴ τρόπον*] Simpliciter *πάντα τρόπον* est Nub. 700. Ran. 618.

457. Cf. Eur. Orest. 774. *ἐς κοινὸν χρὴ λέγειν.*

461. *πρότεροι*] Cf. Vesp. 1017.

462. *ὀργῶ*] Sc. *λέγειν*. Cf. Lys. 1113. Long. Past. III. 9. *οὐδὲν ὧν ἕνεκα ὥργα ποιεῖν ἐπίσταμενος ἀνίστησιν αὐτήν*. Hesychius *ὀργῶ* per *ἐπιθυμητικῶς ἔχω* explicat. *προπεφύραται*] Cf. Th. 75. *ἔστιν κακόν μοι μέγα τι προπεφυραμένον*. Athen. IV. 140 A. *τὰ προφυράματα τῶν μαζῶν*. Hesych. *τολύπη* (l. *τολύπαι*)· *τὰ προφυράματα τῶν μαζῶν*. Eund. *βάρακες· τὰ προφυράματα τῆς μάζης*. Nub. 979. *μαλακὴν φυρασάμενος τὴν φωνήν*. Aesch. Sept. 48. *γῆν — φυράσειν φόνῳ*. Similiter Eq. 539. *μάττων ἀστειοτάτας ἐπινοίας*. Plat. Phaed. c. 45. *ἀλλά τιν' ἄλλον τρόπον αὐτὸς εἰκῇ φύρω*.

463. *οὐ κωλύει*] Suspectum. Qu. *κωλύει οὐδὲν*, aut *τί με κώλυει*, aut *ὃν κωλύει οὐδὲν διαμάττειν*. *Οὐ κωλύει* (ῡ) legitur Eq. 723. 972. *κωλύει* (ῡ) Fr. 156 D. *κωλύεις* (ῡ, in anapaestis) Lys. 607. *κωλύουσιν* (ῡ, in anap.) Pac. 499. Poll. X. 60. *οὐδὲν δὲ κωλύει καὶ* etc. *διαμάττειν*] Cf. Eq. 1105. *μαζίσκας — διαμεμαγμένας*.

464. Cf. Vesp. 1216. *ὕδωρ κατὰ χειρός*. Fr. 427. *φέρε, παῖ, ταχέως κατὰ χειρὸς ὕδωρ*. Amips. 21. *κατὰ χειρὸς ὕδωρ*. Alex. III. 502. *κατὰ χειρὸς ἐδόθη*. Arched. IV. 435. *δίδου κατὰ χειρός*.

465. *μέγα — ἔπος*] Cf. Vesp. 481. *τῶν τριχοινίκων ἐπῶν*. Cratet. II. 241. *ἔπη τριπήχη*.

466. *θραύσει ψυχήν*] Cf. Clem. Alex. I. p. 220. *σώφρονας περιτίθησι λόγους* (*τοῖς ὠσὶ τῶν παιδίων*) *ὡς μὴ δύνασθαι ἐξικνεῖσθαι εἰς* (*εἰς τὴν?*) *θραῦσιν τῆς ψυχῆς τὸ κροῦσμα τῆς πορνείας*.

469. *ἀρχαιότεροι — Κρόνου — καὶ Γῆς*] Cf. 586. Com. adesp. 895. *πρεσβύτερος Κρόνου*.

471. *πεπάτηκας*] Contrectasti (Hor. Epist. I. 20. 11.). Cf. Plat. Phaedr. 273 A. *Τισίαν πεπάτηκας*. Hinc *ἀπάτητος λόγος, ἀπάτητον πρᾶγμα*, etc.

472. *ἔφασκε λέγων*] Cf. Soph. Aj. 757. *ἔφη λέγων*. Ag. 205. *τόδ' εἶπε φωνῶν*.

474. *πεμπταῖον*] Cf. Fr. 344. *ἰχθύδια — τριταῖα*. Thuc. III. 3. 4. *τριταῖος ἐκ τῶν Ἀθηνῶν ἐς Μυτιλήνην ἀφικόμενος*. Menand. Fr. Genev. v. 50. *ὡς τριταῖον ἐγένετο* (*τὸ ἕλκος*). Theocr. X. 12. *ἔραμαι σχεδὸν ἑνδεκαταῖος*.

478. *Βασιλεία*] Ut *δυναστεία*.

480. Cf. Soph. Fr. 799 N. *ὁ σκηπτοβάμων αἰετὸς, κύων Διός*.

483. Cf. Fr. 619 K. χωρεῖ 'πὶ γραμμὴν λορδὸς ὡς εἰς ἐμβολήν.

484. Μεγαβάζου] Cf. Lucian. Tim. 22. ἀντὶ τοῦ τέως Πυρρίου — Μεγάβυζος — μετονομασθείς. Aelian. V. H. II. 2. Cratet. 33. Menand. 127. Quintil. V. 12. 21.

487. κυρβασίαν] Cf. Fr. 465. καὶ τὴν κυνῆν ἔχειν με κυρβασίαν ἐρεῖς. Herod. V. 49. ἔχοντες κυρβασίας ἐπὶ τῇσι κεφαλῇσι. VII. 64. περὶ τῇσι κεφαλῇσι κυρβασίας ἐς ὀξὺ ἀπηγμένας. Xen. Cyr. VIII. 3. 13. ἤδη αὐτὸς ἐκ τῶν πυλῶν προυφαίνετο ὁ Κῦρος ἐφ' ἅρματος ὀρθὴν ἔχων τὴν τιάραν etc. Anab. II. 5. 23. Arrian. Anab. III. 25. 5. Joseph. Ant. XX. 3. 3. τὴν τιάραν ὀρθὴν φορεῖν καὶ ἐπὶ χρυσῆς κλίνης καθεύδειν, ἅπερ μόνων ἐστὶ γέρα καὶ σημεῖα τῶν Παρθῶν βασιλέων. Senec. de Benef. VI. 31. 12. 'Petiit ille ut Sardis — curru vectus intraret rectam capite tiaram gerens: id solis datum regibus.' Poll. V. 97. ἡ δὲ τιάρα καὶ (καὶ ἡ?) κυρβασία Περσικά.

488. μέγας ἦν — καὶ πολύς] Cf. Eq. 430. 760. Herod. VII. 14. ὡς καὶ μέγας καὶ πολλὸς ἐγένεο, οὕτω καὶ ταπεινὸς ἔσεαι. VIII. 138. μέγας οὕτως ἐρρύη. Thuc. II. 102. τό τε γὰρ ῥεῦμά ἐστι μέγα καὶ πολύ, etc. IV. 22. Κλέων δὲ πολὺς ἐνέκειτο. Dem. XXV. 57. πολὺς παρ' ἡμῖν ἔπνει καὶ λαμπρός. XL. 53. πολὺς γὰρ πολὺς καὶ τολμηρός ἐστιν. Ran. 1221. τὸ ληκύθιον γὰρ τοῦτο πνευσεῖται πολύ. [Dem.] c. Neacr. § 99. ὁ γὰρ Ἀσωπὸς ποταμὸς μέγας ἐρρύη.

491. τορνευτολυρασπιδοπηγοί] Cf. ἁρματοπηγός (Theocr. 25, 247.), ἁμαξοπηγός, σοροπηγός (Nub. 846.).

492. ἐμὲ τοῦτό γ' ἐρώτα] Cf. Th. 809. οὐδ' αὐτὸς τοῦτό γε φήσεις. Pl. 499. ἐγὼ τούτου μάρτυς· μηδὲν ταύτην ἀνερώτα. Ran. 1012. μὴ τοῦτον ἐρώτα.

493. μοχθηρὸς] Miser. Cf. Soph. Phil. 254. ὦ πόλλ' ἐγὼ μοχθηρός.

494. ἐν δεκάτῃ] Cf. 922. Anaxand. 3, 1. νῦν ὅπως τὴν νύχθ' ὅλην | ἐν τῇ δεκάτῃ τοῦ παιδίου χορεύσετε. Hesych. v. δεκάτην θύομεν. ὑπέπινον] ὑποπίνειν valet parcius bibere, Angl. to tipple. Valet etiam i. q. πρῷ πίνειν. Cf. Lys. 395. Fr. 428. ὑποπεπώκαμεν (γάρ), ὦνδρες, καὶ καλῶς ἠρίσταμεν. Pher. 153, 5. ἤδη σύ; τί οὐχ ὑποπίνεις; Apollod. Car. 5, 13. ἐξὸν ἱλαροὺς παίζοντας ὑποπεπωκότας | αὐλουμένους ωδει (θ' ὁρᾶν?). Alex. 286, 1. ἐχθὲς ὑπέπινες, εἶτα νυνὶ κραιπαλᾷς. Plat. Resp. II. 372 C. μετρίως ὑποπίνοντες. 427 E. Xen. Hell. V. 4. 40. οἱ μέντοι τῶν Θηβαίων ἱππεῖς ἐῴκεσαν ὑποπεπωκόσι που ἐν μεσημβρίᾳ. Plin. N. H. XIV. 28. 143. 'Tiberio Claudio principe ante hos annos XL institutum ut jejuni biberent potusque vini antecederet cibos. — Gloriam hac virtute Parthi quaerunt, famam apud Graecos Alcibiades meruit.' De eo Eupolis II. 547. τίς δ' ἔστιν ὅστις πρῶτος ἐξηῦρεν τὸ πρῷ 'πιπίνειν (τὸ πρωῒ πίνειν?). Ὑποπίνειν per μεθύσκεσθαι explicant Pho-

tius, Suidas, Anecd. Bekk. 115, 10. Schol. τίς Suidas — *μάτηρ* Elmsl. — *ὠνόμασεν* id.

496. Cf. Pl. 682. *κἀγὼ νομίσας πολλὴν ὁσίαν* (sc. *εἶναι*) *τοῦ πράγματος* etc. Ran. 776. *κἀνόμισαν σοφώτατον*. Eq. 1338. *ἐμὲ γὰρ νομίζοις ἂν θεόν*. Nub. 1078. *νόμιζε μηδὲν αἰσχρόν*. Pac. 970. *τούτους ἀγαθοὺς ἐνόμισας;* Eur. Fr. 935. *τοῦτον νόμιζε Ζῆνα, τόνδ' ἡγοῦ θεόν*. Soph. Ant. 1167. *τοῦτον — ἔμψυχον ἡγοῦμαι νεκρόν*. *ἐχώρουν*] Ambulabam. Cf. Pac. 763. Eccl. 819. Nub. 524. *ἀνεχώρουν*. Ach. 754. *ἐμπορευόμαν*. *Ἁλιμοῦντάδε*] Thucydides historiographus *ἁλιμούσιος* fuisse traditur.

501. Cf. Nub. 408. *νὴ Δί' ἐγὼ γοῦν ἀτεχνῶς ἔπαθον τουτί*.

503. *κενὸν τὸν θύλακον οἴκαδ' ἀφεῖλκον*] Cf. Eccl. 382.

507. *κόκκυ*] Idem valet quod *ταχύ* (Etym. M.). Cf. ad Ran. 1380. Ita heri servos, festo eo terminato, *ἐπὶ τὰ ἔργα ἐκπέμποντες* incitabant. Cf. proverbium Zenob. IV. 33. *θύραζε, Κᾶρες· οὐκέτ' Ἀνθεστήρια*. Simile dictam fuisse videtur '*λύω λέσχας*', quando agricolae ad opera exituri erant. Plat. com. 223. Diogenian. VI. 32. Cf. ad Hor. Sat. I. 7. 31. 'magna compellans voce cucullum.' Scilicet vinitores putationem et culturam vitium donec cuculi vox audiretur differentes deridere solebant viatores cuculi cantum (*κόκκυ*) exprimentes.' Vide omnino Plin. H. N. XVIII. 26., qui inter alia, 'Dedecus enim habetur opprobriumque meritum falcem ab ista volucre in vite deprehendi, ut ob id petulantiae sales etiam cum primo vere ludantur.' Idem ibid. 'Putationem aequinoctio (nempe verno) peractam habeto.' *πεδίονδε*] Sic *χέρσονδε* Theobr. XVI. 61. *ἅλαδε* Av. 1395.

508. *ἦρχον — ἀρχὴν*] Cf. Vesp. 619. *ἀρχὴν ἄρχω* Av. 557. *ἀρχὴν ἄρξας*. *οὕτω σφόδρα*] Cf. Eupol. 117, 2. *οὕτω σφόδρ' ἀλγῶ* —. Antiph. 273, 3. *οὕτω σφόδρ' ἦν ἀρχαῖος*. Com. adesp. 17. *ὀκνεῖς λαλεῖν; οὕτω σφόδρ' εἶ τηθελλαδοῦς;*

511. Cf. Hom. Od. 10, 326. *θαῦμά μ' ἔχει*. Soph. El. 928.

513. *Λυσικράτης*] Cf. Eccl. 630. 736.

514. *ὃ δὲ δεινότατόν γ' —*] Cf. Vesp. 605. Xen. Oecon. VII. 42. *τὸ δὲ πάντων ἥδιστον, ἐὰν βελτίων ἐμοῦ φανῇς* etc. Isocr. p. 314. *ὃ δὲ πάντων δεινότατον, ὅταν τις* etc.

521. *ὄμνυσι — τὸν χῆν'*] Cf. Telecl. 27. *ναὶ μὰ τὰς κράμβας*. Eupol. 70. 74. Cratin. 231. *οἷς ἦν μέγιστος ὅρκος | ἅπαντι λόγῳ κύων, ἔπειτα χήν· θεοὺς δ' ἐσίγων*.

523. *Μανῆς*] Cf. 1311. 1329. Lys. 1212. Pher. II. 254. *οὐ γὰρ ἦν τότ' οὔτε Μανῆς οὔτε σηκὶς οὐδενί*.

524. *βάλλουσ' ὑμᾶς*] Cf. Ran. 778. *κοὐκ ἐβάλλετο;* Vesp. 1491.

526. *ὀρνιθευτὴς*] Cf. Plut. 157.

527. *ἵστησι — παγίδας*] Cf. Alex. III. 409. *τοῖς ἄρτοις ὅσας | ἱστᾶσι παγίδας*. Amph. III. 310. Menand. IV. 253. Herod. II. 121. *πάγας* (*παγίδας*?) — *στῆσαι*. Xen. Cyn. 9. 11. *ἵστανται δὲ καὶ*

ποδοστράβαι ταῖς ἐλάφοις. βρόχους] Cf. Theogn. 1097. *ἤδη καὶ πτερύγεσσιν ἐπαίρομαι* (leg. *ἀείρομαι*) *ὥστε πετεινὸν — βρόκχον ἀπορήξας.*

528. *ἕρκη*] I. e. *θηρευτικὰ πλέγματα* (Poll. V. 26.) sive *πλεκτά τινα ἐκ τριχῶν* (Eust. Od. p. 1572, 21.). Herod. VII. 85. *ἐν ἕρκεσι* (*ἄρκυσι* olim) *ἐμπαλασσόμενοι διαφθείρονται.*

530. *βλιμάζοντες*] Cf. Soph. Fr. 443.

533. *ἐπικνῶσιν*] Cf. 1582. 1586. Com. anon. IV. 658. *κἀπικνῆν κἀπεσθίειν. τυρὸν —*] Cf. Eccl. 1170. — *δριμυποτριμματοσιλφιοτυρομελιτοκατακεχυμενοκιχλ —.*

534. Cf. 1579 sq. Philox. 2, 31. *χναυμάτιον σεσιλφιωμένον.*

535. Cf. 1589 sq. Philonid. com. 9. *τὰ καταχύσματ'* (*τὸ γὰρ κατάχυσμ'* Kock.) *αὐτοῖσιν ὄξος οὐκ ἔχει.*

536. *κᾆτ' —*] Cf. 674. 1455. Eq. 392. Lys. 560.

539. Cf. Eur. Alc. 442. *πολὺ δὴ πολὺ δὴ γυναῖκ' ἀρίσταν.*

543. *κατέλυσαν*] Cf. Hyperid. Or. fun. fin. *τοὺς ταῖς τιμαῖς τῶν θεῶν καταλυομέναις βοηθήσαντας.*

544. Cf. Herod. III. 74. *ἐγένετο κατὰ συντυχίην τάδε.* IX. 91. *κατὰ συντυχίην, θεοῦ ποιεῦντος.* IX. 21. Theogn. 590. *συντυχίην ἀγαθήν.* Eur. Iph. A. 411. *Ἑλλὰς σὺν σοὶ κατὰ θεὸν νοσεῖ τινα.* Dem. de Cor. 303. *εἰ δὲ ἢ δαίμονός τινος ἢ τύχης ἰσχὺς — ἐλυμαίνετο τοῖς ὅλοις.* Aelian. V. H. II. 34. *πάντες γὰρ οἱ συνελθόντες κατά τινα δαίμονα ἐπὶ δυσμαῖς ἐσμέν.*

546. *ἀναθεὶς*] Cf. Av. 546. Thuc. VIII. 82. *οἱ δὲ στρατηγὸν* (*τὸν Ἀλκιβιάδην*) *εἵλοντο καὶ τὰ πράγματα πάντα ἀνετίθεσαν.* Plut. Per. 32. *τῆς πόλεως ἐκείνῳ μόνῳ ἀναθείσης ἑαυτήν.* Athen. VIII. 347. *ἡττηθεὶς ἀδίκως ποτὲ ἔφη χρόνῳ τὰς τραγῳδίας ἀνατιθέναι, εἰδὼς ὅτι κομιεῖται τὴν προσήκουσαν τιμήν.* Similiter *ἀνακεῖσθαι ἐπί τινι* infra 638. et *ἀνακεῖσθαί τινι* Eur. Bacch. 934.

548. *δίδασκε παρὼν*] Cf. Lys. 284. *ἐγὼ οὐκ ἄρα σχήσω παρὼν τολμήματος τοσούτου; ζῆν οὐκ ἄξιον ἡμῖν*] Cf. Nub. 1074. *τί σοι ζῆν ἄξιον;*

550. *καὶ δὴ τοίνυν —*] De particulis *καὶ δὴ* cf. 175. Eccl. 1014. *λέγ' αὐτὸ τί ποτε κἄστι. ΓΡ. καὶ δή σοι λέγω.* Eq. 21 sq. Nub. 778. 1097. Pac. 326 sq. Th. 214. Sed corrigendum suspicor *δεῖν δὴ —.* Cf. Thuc. VI. 29. 3. *ῥήτορας ἐνιέντες, οἳ ἔλεγον νῦν μὲν πλεῖν* (*πλεῖν δεῖν* jure requirit Herwerden) *αὐτὸν,* etc.

551. *τὸ μεταξὺ*] Cf. Soph. O. C. 290. Herod. IV. 169. *ἐν δὲ τῷ μεταξὺ τούτου χώρῳ —.*

552. Cf. Theocr. XVI. 99. *καὶ ὅπᾳ πλατὺ τεῖχος | ἀσφάλτῳ δήσασα Σεμίραμις ἐμβασίλευεν.*

555. *γνωσιμαχήσῃ*] Cf. *τειχομαχεῖν, ἀψιμαχεῖν, θυμομαχεῖν* (Act. Apost. XII. 20.), *σκιαμαχεῖν* (Cratin. II. 29.), *ὑπνομαχεῖν, ζυγομαχεῖν* (Men. IV. 126.). etc.

556. *πρωνδᾶν*] Cf. ad Ran. 369.

559. *ἐπιβάλλω*] Sc. *σφραγῖδα*. Cf. 1214. Th. 415. Theogn. 19. *ἐμοὶ σφρηγὶς ἐπικείσθω | τοῖσδ' ἔπεσιν.*
560. *ψωλὴν*] Cf. Lys. 143. 963. 979.
563. Cf. Alex. 116, 12. *τοὺς μὲν ἡ τύχη | ἡμῶν μεγάλοις προσένειμε, τοὺς δ' ἐλάττοσιν.* Athen. p. 16 B. *προσνέμονται δ' αὐτῷ* (Mercurio) *αἱ γλῶσσαι διὰ τὴν ἑρμηνείαν.* Sic Veneris sacra erat columba, Minervae draco, Apollinis corvus, Dianae sive Hecatae canis. Similiter inter pisces *κίθαρος* Apollinis sacer erat, *βόαξ* Mercurii, *κιττὸς* Dionysi.
565. *ὄρνιθι φαληρίδι*] Cf. Hom. Il. 12, 200. *ὄρνις — αἰετός.* Cratin. 114. *ὄρνιθα φοινικόπτερον.* Soph. Fr. 301 N. *ὄρνιθος — πέρδικος.* Eur. Iph. T. 1089. *ὄρνις — ἀλκυών.* Matron. *Χαιρεφόων πεινῶντι λάρῳ ὄρνιθι ἐοικώς.*
566. *καθαγίζειν*] Cf. ad Lys. 238. *φέρ' ἐγὼ καθαγίσω τήνδε.* Damoxen. com. 2, 5. *καθήγισα.* Menand. IV. 161. *ἐγὼ μὲν οὖν ὤν γε θεὸς οὐκ εἴασα τὴν | ὀσφὺν ἂν ἐπὶ τὸν βωμὸν ἐπιθεῖναί ποτε, | εἰ μὴ καθήγιζέν τις ἅμα τὴν ἔγχελυν.* Herod. II. 47. *καταγίζουσι αὐτὰ πυρί.* II. 130. *θυμιήματα παντοῖα καταγίζουσι.* I. 198. VII. 54. I. 183. 3. *καταγίζουσι λιβανωτοῦ χίλια τάλαντα.* VII. 167. *ἐπὶ πυρῆς μεγάλης σώματα ὅλα καταγίζων.* I. 86. Pausan. VIII. p. 456. *πέμματα δὲ ἐπιχώρια ἐπὶ τοῦ βωμοῦ καθήγισεν.* Athen. 149 A. *καθαγισάντων δὲ ταῦτα* (*μᾶζαν, τυρὸν* etc.) —. Cf. *ἐναγίζειν*, Herod. I. 167. II. 44.
567. *Ἡρακλέει*] Haec forma in anapaestis locum habet, in senariis *Ἡρακλεῖ* semper occurrit. Sic *Θεμιστοκλεῖ* Eq. 813. 818. *Ἀνδροκλεῖ* Vesp. 1187. V. Kock. ad Eq. 283. *Ἡρακλέει θύη — βοῦν*] Cf. Theophr. Char. 27. *κἂν που κληθῇ εἰς Ἡρακλεῖον, — τὸν βοῦν αἱρεῖσθαι* (l. *αἴρεσθαι*), *ἵνα τραχηλίσῃ.* *μελιτούττας*] Cf. v. *οἰνοῦττα* Pl. 1121.
568. Cf. Xen. An. VI. 1. 22. *δύο ἱερεῖα ἐθύετο τῷ Διὶ τῷ βασιλεῖ, ὅσπερ αὐτῷ μαντευτὸς ἦν ἐκ Δελφῶν.* Theocr. XXIV. 98. *Ζηνὶ δ' ἐπιρρέξαι καθυπερτέρῳ ἄρσενα χοῖρον* (*κριόν*?).
570. *σφαγιαζομένῳ*] Cf. Xen. Hell. IV. 2. 20. *σφαγιασάμενοι τῇ Ἀγροτέρᾳ ὥσπερ νομίζεται τὴν χίμαιραν.* *Ζάν*] Sic Pl. 555. *ὦ Δάματερ.* 872.
572. Cf. 574. *καὶ νὴ Δί' Ἔρως γε.*
574. Cf. Aristophont. 11, 8. *τὰς δὲ πτέρυγας ἃς εἶχε τῇ Νίκῃ φορεῖν | ἔδοσαν* (*οἱ θεοί*). Alex. 20, 1. *λέγεται γὰρ λόγος — μὴ πέτεσθαι τὸν θεὸν | τὸν Ἔρωτα, τοὺς δ' ἐρῶντας.* Com. adesp. 172. *ταχὺ γὰρ ἐλπίσας | Ἔρως πτεροῦται, κᾆτ' ἀπελπίσας ταχὺ | πτερορρυεῖν εἴωθεν.* Callixenum Athen. V. 197 E. *νῖκαι χρυσᾶς ἔχουσαι πτέρυγας.*
575. *τρήρωνι πελείῃ*] Cf. Pac. 1067. *κέπφοι τρήρωνες.*
576. Cf. Pl. 580. *κἀκεῖνος γὰρ* (*ὁ Ζεὺς*) *τὸν Πλοῦτον ἔχει. ΒΛ. ταύτην δ' ἡμῖν ἀποπέμπει.* *πτερόεντα κεραυνόν*] Cf. 1714.

577. τὸ μηδέν] Cf. Vesp. 674. τραγαλίζοντα τὸ μηδέν. Eur. Her. 167. γέροντος εἵνεκα | τύμβον τὸ μηδὲν ὄντος. El. 369. τὸ μηδὲν ὄντα. Tro. 412. οὐδέν τι κρείσσω τῶν τὸ μηδὲν ἦν ἄρα. 609. τὰ — τὸ μηδὲν ὄντα. Cycl. 355. τὸ μηδὲν ὤν. Eur. Fr. 332, 7. τοὺς δ' ἐκ μέγιστον ὀλβίας τυραννίδος | τὸ μηδὲν ὄντας. Fr. 536, 2. τὸ μηδὲν εἰς οὐδὲν ῥέπει. Fr. 326, 3. οἳ δ' οὐδὲν ἦσαν πρόσθεν ὄλβιοι δὲ νῦν etc. Trag. adesp. 68. ὁ γὰρ θανὼν | τὸ μηδέν ἐστι etc.

579. ἀνακάψαι] Cf. Herod. II. 93. ἀνακάπτουσι (deglutiunt, devorant).

583. ἐπὶ πείρᾳ] Cf. Menand. 118, 2. ἐπὶ πείρᾳ δοὺς τριάκονθ' ἡμέρας.

584. Schol. μισθοῦ aut ἐπὶ μισθῷ Headlam.

588. τὰς οἰνάνθας] Cf. Eur. Phoen. 238. τὸν πολύκαρπον οἰνάνθας ἱεῖσα βότρυν.

589. διπλοῦν αὐτὸν φέρομεν] Cf. Soph. O. R. 1320. κοὐδέν γε θαῦμα — διπλᾶ σε πενθεῖν καὶ διπλᾶ φέρειν κακά.

590. κνῖπες] A κνίζειν formatum. Hinc κνιπολόγος, Arist. H. A. VIII. 3. 9. Cf. θρίψ, ἴψ et ἴξ. ψῆνας] Cf. Herod. I. 193. ὁ ψὴν τὴν βάλανον ἐσδύνων· ψῆνας γὰρ φορέουσι ἐν τῷ καρπῷ οἱ ἔρσενες (τῶν φοινίκων) κατάπερ οἱ ὄλυνθοι. Eq. 523. ψηνίζων.

593. τὰ μέταλλ'] Cf. Thuc. VI. 91. 6. τὰς τοῦ Λαυρείου τῶν ἀργυρείων μετάλλων προσόδους. "Errant qui τίς ὄρνις οὗτος — Sophocleae fabulae initium fuisse arbitrantur. Potius ὄρνις delendum; ἀρχή corruptum, fortasse ex ἄθρει." (Nauck. Trag. p. 273.). Qu. ὠή· τίς οὗτος —;

597. Cf. Aesch. Eum. 540. ποινὰ γὰρ ἐπέσται. Soph. El. 1467. ἔπεστι νέμεσις. Pind. P. 1, 82. μείων ἕπεται μῶμος.

598. Cf. Theocr. V. 58. ὀκτὼ μὲν γαύλως — γάλακτος. V. 104. γαῦλος κυπαρίσσινος. Epich. Fr. 24. γαύλοισιν ἐν Φοινικικοῖς. Herod. III. 136. 1. γαυλὸν (sic libri omnes) μέγαν. 137. 5. VI. 17. VIII. 97. γαυλούς τε Φοινικηΐους. Sed γαῦλον (sic) Hesych. et Etym.

600. Caesura neglecta ut in Nub. 987. Vesp. 568. Calliam com. 5. τί γὰρ ἡ τρυφερὰ καὶ καλλιτράπεζος Ἰωνία; εἴφ' ὅ τι πράττει.

601. πλὴν εἴ τις ἄρ' ὄρνις] Cf. Nub. 361. Vesp. 351. et ad Th. 532. Eur. Fr. 325, 2. Metag. 13. πλὴν ἄρ' εἰ Σάκας (s. Bergk. et Mein.). Eur. Andr. 331. Xen. Hell. IV. 2. 21. οὐκ ἀπέθανον αὐτῶν πλὴν εἴ τις ἐν τῇ συμβολῇ. Xen. An. IV. 1. 14. οἱ δ' ἐπείθοντο πλὴν εἴ τίς τι ἔκλεψεν. V. 3. 3. οἱ δὲ ἄλλοι ἀπώλοντο πλὴν ὑπό τε τῶν πολεμίων καὶ χιόνος καὶ εἴτις νόσῳ. Hell. IV. 3. 21. οὐκ ἀπέθανον αὐτῶν πλὴν εἴ τις ὑπὸ Τεγεατῶν. Schol. ad Nub. 64. πλὴν εἰ μὴ ἄρα διὰ Κοισύραν.

603. οὖσαν παρὰ τοῖσι θεοῖσιν] Cf. Nub. 603. φέρε γὰρ ποῦ 'στιν (δίκη); | ΔΙ. παρὰ τοῖσι θεοῖς.

605. Cf. 731. Vesp. 777. Eq. 1091. Pind. Ol. V. 55. ὑγίεντα δ' εἴ τις ὄλβον ἄρδει.

607. *παιδάρι' ὄντ'*] Cf. Nub. 878. et ad Vesp. 687. Plat. Resp. VI. 474 G. *δεῖ μειράκια μὲν ὄντα καὶ παῖδας μειρακιώδη παιδείαν — μεταχειρίζεσθαι.* 467 D. *πτεροῦν χρὴ παιδία ὄντα εὐθύς.*

609. Cf. nescio cujus versum, *εἰ μὲν ζῇς ἐλάφου ταναὸν χρόνον ἠὲ κορώνης.* Hor. Od. III. 17. 13. 'annosa cornix.' IV. 14. 66. 'cornices vetulae.' *λακέρυζα*] Cf. Hesiod. Op. 747. *μή τοι ἐφεζομένη κρώζῃ λακέρυζα κορώνη.* Hesychius *λακέρυζα* per *κράκτρια, μέγα κράζουσα* explicat.

610. *πολλῷ κρείττους*] Cf. Soph. Ant. 1347. *πολλῷ — πρῶτον ὑπάρχει.*

620. *ταῖσιν κομάροις*] Cf. 241. *κομαροφάγα.* Eupol. II. 426. *πρίνου κομάρου τε πτόρθους ἁπαλούς.*

628. *ποθ' — ἔτ' ἀφείμην*] Cf. Ach. 232. Pac. 1075. *οὔποτε δειπνήσεις ἔτι τοῦ λοιποῦ 'ν πρυτανείῳ.* 1078. *ἆρα φενακίζων ποτ' Ἀθηναίους ἔτι παύσει; τῆς σῆς γνώμης — ἀφείμην*] Cf. Pac. 705. *ὥστ' οὐδέποτ', ὦ δέσποιν', ἀφησόμεσθα σου.* Soph. O. R. 1521. *τέκνων δ' ἀφοῦ. ἀφείμην*] Cf. Ran. 830. *οὐκ ἂν μεθείμην τοῦ θρόνου.* Eur. Fr. 885, 2. *προσείμαν.* Alex. 193, 3. *προσεῖτ' ἂν — ἀποθανεῖν.* Com. adesp. 479. *προσείμην.*

632. *ὁμόφρονας λόγους*] Cf. Theogn. 81. *ὁμόφρονα θυμὸν ἔχοντες.*

633. Cf. Lys. 169. Thuc. V. 18. *ἐμμενῶ ταῖς ξυνθήκαις καὶ ταῖς σπονδαῖς ταῖσδε δικαίως καὶ ἀδόλως.* V. 47. 1. *σπονδὰς ἐποιήσαντο — ἀδόλους καὶ ἀβλαβεῖς.* 10. *ἐμμενῶ τῇ ξυμμαχίᾳ — δικαίως καὶ ἀβλαβῶς καὶ ἀδόλως.*

635. *τρίψειν*] Cf. Herod. II. 37. *οὔτε τι τῶν οἰκηΐων τρίβουσι* etc.

637. *ἀνάκειται*] Cf. Antiphont. p. 130, 4. *ἅπαντα γὰρ τὰ ἐν ἀδήλῳ ἔτ' ὄντα ἐπὶ τῇ τύχῃ μᾶλλον ἀνάκειται ἢ τῇ προνοίᾳ.* Thuc. VII. 71. *πάντων ἀνακειμένων τοῖς Ἀθηναίοις ἐς τὰς ναῦς.* Herod. III. 31. *πάντα ἐς τούτους ἀνακέαται* (l. *ἀνακέεται*). I. 97. Theocr. X. 33. *χρύσεοι ἀμφότεροί κ' ἀνεκείμεθα τᾷ Ἀφροδίτᾳ.* Sic *ἀνακεῖσθαί τινι* Eur. Bacch. 934. et *ἀνατιθέναι τινί τι* Eur. El. 1296. Ion. 1384.

638 sq. Cf. Epigramma in Demosthenem apud Pseudo-Plut. Vit. X. Orat. *εἰ μὲν ἴσην γνώμῃ ῥώμην, Δημόσθενες, εἶχες, | οὔποτ' ἂν Ἑλλήνων ἦρχεν ἄρης Μακεδών.*

638. *νυστάζειν*] Legitur Dionys. III. 549. Xenarch. III. 616. *ὡς ὑπό τι νυστάζειν γε καὐτὸς ἄρχομαι.* Alex. 286, 2. *κατανύστασον.* Com. anon. IV. 669. *ὅταν — νυστάζοντά μ' ἡ λύπη λάβῃ.* Vesp. 12. *νυστάκτης ὕπνος.*

639. *μελλονικιᾶν*] Haec ad Niciae non modo in expeditione ad Pylum suscipienda sed etiam in altera ad Siciliam suscipienda cunctationem spectare suspicor. Cf. Eccl. 1153. *μέλος τι μελλοδειπνικόν.*

640. Cf. Plut. Nic. 3. *τῇ φύσει ὢν ἀθαρσὴς καὶ δύσελπις.* 6. *ὅπου δ' αὐτὸς στρατεύοιτο τῆς ἀσφαλείας ἐχόμενος καὶ τὰ πλεῖστα κατορθῶν.*

642. *κάρφη*] Cf. Herod. III. 111. Eur. Ion. 172. Aesch. Fr. 24. *κάρφει παλαιῷ.* *φρύγανα*] Cf. Pac. 1026. Herod. IV. 62. *φρυγάνων φάκελοι.* 69. *ὑποπρήσαντες τὰ φρύγανα.*

648. *τὸ δεῖνα*] Cf. Pac. 268. *τὸ δεῖνα γάρ, | ἀπόλωλ' Ἀθηναίοισιν ἀλετρίβανος.* Vesp. 524. Lys. 924. 926. 1168. *τὸ δεῖνα τοίνυν παράδοθ' ἡμῖν τουτονὶ* etc. Fr. 109.

651 sq. V. Aesop. Fab. I. Herod. II. 134. *Αἴσωπος ὁ λογοποιός.*

652. *τὴν ἀλώπεχ'*] De accusativo sic posito cf. Nub. 1356. *τὸν κριὸν ὡς ἐπέχθη.* Pl. 200.

653. *φλαύρως*] Cum damno ejus (sc. aquilae). Cf. Herod. VI. 94. *φλαύρως πρήξας τῷ στόλῳ.*

656. *οὕτω μὲν εἰσίωμεν*] Cf. 1503. Eq. 1131. *οὕτω μὲν ἂν εὖ ποιοῖς, εἰ* etc. *Ξανθία καὶ Μανόδωρε*] Cf. Eccl. 867. Eq. 243.

657. *τὰ στρώματα*] Cf. Xen. Mem. III. 13. 6. *καὶ ἀκόλουθος ἠκολούθει φέρων τά τε στρώματα καὶ τἆλλα σκεύη.* Aeschin. II. 99. *συνηκολούθουν γ' αὐτῷ ἄνθρωποι δύο στρωματόδεσμα φέροντες.* Plut. Caes. 49. *ἱμάντι συνδήσας τὸν στρωματόδεσμον.*

659. *ἀρίστισον*] Cf. Eq. 537. *ἀριστίζων.* *ἡδυμελῆ*] Cf. Soph. Fr. 227, 2. *τά τ' ἐν Ἕλλησι ξόαν' ἡδυμελῆ.* Pind. Ol. X. 13. *κόσμον — ἁδυμελῆ κελαδήσω.*

664. *νὼ θεασώμεσθα*] Cf. Pl. 958. *νὼ δ' εἰσίωμεν.*

665. Cf. Nub. 269. *ἔλθετε δῆτ', ὦ πολυτίμητοι Νεφέλαι, τῷδ' εἰς ἐπίδειξιν.* Ach. 884. Eur. El. 1236. *τί ποτ' ἐς φανερὰν ὄψιν βαίνουσι βροτοῖσιν;* *ἡ Πρόκνη*] Cf. Hor. Epist. II. 3. 190. 'aut in avem Procne vertatur, Cadmus in anguem.'

667. *ὦ Ζεῦ πολυτίμηθ', ὡς καλὸν τοὐρνίθιον*] Cf. Fr. 303. Eq. 1390. Menand. Fr. Inc. 480. *ὦ Ζεῦ πολυτίμηθ', ὡς καλαὶ νῷν αἱ γυναί.*

668. *ὡς ἁπαλόν, ὡς δὲ λευκόν*] Cf. Lys. 1061. *κρέ' ἔδεσθ' ἁπαλὰ καὶ καλά.* Cratin. 163, 3. *οἴμ' ὡς ἁπαλὸς καὶ λευκός. ἆρ' οἴσει τρία;*

669. *διαμηρίζοιμ'*] Cf. 1254. Diog. L. VII. 172. *σὺ μέντοι τοὺς διαμηρισμοὺς ἔχε* (*οἶσθα* aut *λέγε*?), *μειράκιον.* Simplex *μηρίζειν* valet *εἰς τοὺς μηροὺς τύπτειν,* ut *γαστρίζειν εἰς τὴν γαστέρα, λαγονίζειν εἰς τὰς λαγόνας.*

670. *τὸν χρυσὸν* —] Cf. Lycophronidem apud Athen. 564 B. *παρθένων τῶν χρυσοφόρων.* et ad Ach. 258.

671. Cf. Ran. 1421. *τοῦτον ἄξειν μοι δοκῶ.*

672. *ὀβελίσκοιν*] Quasi *αὐλίσκοιν.* Cf. Theogn. 241. *αὐλίσκοισι λιγυφθόγγοις.*

674. *οὕτω φιλεῖν*] Cf. 717. 1116. Pl. 321. *βουλήσομαι — μασώμενος τὸ λοιπὸν οὕτω τῷ κόπῳ ξυνεῖναι.*

675. *τὐχἀγαθῇ*] Cf. Eccl. 131.

676—800. Parabasis omnes septem partes a Polluce (IV. 111.) commemoratas continens, quales sunt Eq. 448—610. et Vesp. 1009—1121. Cf. ad Eq. 498.

678. *ξύννομε — ὕμνων*] Sic Pl. 508. *ξυνθιασῶτα τοῦ λῆρεῖν*. Eubul. III. 242. *τηγάνων — σύντροφα πειρακύλλια*. Sed Ach. 988. *ὦ Κύπριδι — ξύντροφε Διαλλαγή*.

682. *κρέκουσ' αὐλὸν*] Schol. *κρέκειν· κυρίως τὴν κιθάραν κρούειν*. Hesych. *κρέκει· κιθαρίζει*. Cf. 772. *συμμιγῆ βοὴν — κρέκοντες*. Theocr. Epigr. V. 2. *κἠγὼν πακτίδ' ἀειράμενος | ἀρξεῦμαί τι κρέκειν*. Anth. Pal. XVI. 231. 2. *ἁδυβόᾳ τῷδε κρέκεις δόνακι* (de Pane).

683. *καλλιβόαν*] Cf. Soph. Tr. 640. *ὁ καλλιβόας αὐλός*. Confer *τηλεβόας, ὀξυβόας, ἡδυβόας, κοκκυβόας*.

686. *ὀλιγοδρανέες*] Cf. Aesch. Prom. 547. *οὐδ' ἐδέρχθης ὀλιγοδρανίαν ἄκικυν*. Ion. trag. 53. *ὀλιγοδρανέων* (partic.). Plut. Mor. p. 658 C. *τὴν δὲ σελήνην ἀδρανεστέρας ἀφιέναι τὰς αὐγάς*. p. 929 A. *αὐτῆς* (*τῆς σελήνης*) — *τὸ θερμὸν ἀδρανὲς καὶ ἀμαυρόν*. Plat. com. II. 697. *αἱ πολιαὶ — ἀδρανέες*. Verbo *ὀλιγοδρανέω* utitur Homerus. Formatum ab *α* et *δρᾶνος* (i. e. *δύναμις*, Hesych.). Id. *Δρανές· δραστικόν. ὅθεν ἀδρανεῖς*. *πλάσματα πηλοῦ*] Cf. Aesch. Fr. 369. *τοῦ πηλοπλάστου σπέρματος θνητὴ γυνή*. Prometheus 'auctor vulgi fictilis' dicitur a Phaedro Fab. V. 14. 5. *σκιοειδέα*] Cf. Soph. Fr. 682. Soph. Fr. 12. *ἄνθρωπός ἐστι πνεῦμα καὶ σκιὰ μόνον*. Plat. Phaed. 81 D. *σκιοειδῆ* (al. *σκοτοειδῆ*) *φαντάσματα* (al. *φάσματα*). *ἀμενηνὰ*] Cf. Plat. Locr. 100 C. *τῷ τὰς κινάσιας ἀμενηνοτέρας γίγνεσθαι*.

687. *ταλαοὶ*] Cf. Pac. 236. *ἰὼ βροτοὶ βροτοὶ βροτοὶ πολυτλήμονες*. Eur. Fr. 196, 1. *τοιόσδε θνητῶν τῶν ταλαιπώρων βίος*. *εἰκελόνειροι*] Cf. Hom. Od. 11, 206. *σκιῇ εἴκελον ἢ καὶ ὀνείρῳ | ἔπτατο*. Eur. Fr. 25, 3. *ὀνείρων δ' ἕρπομεν μιμήματα*.

688. Cf. Nub. 575. Eq. 503. Vesp. 1015. Pher. II. 283.

692. *Προδίκῳ κλάειν εἴπητε*] Cf. Pl. 62. *κλάειν ἔγωγε σοι λέγω*. et ad Vesp. 584. Plat. com. II. 673. *ἐφθῇ κλαίειν ἀγορεύω*.

693. Cf. Schol. Nub. 627. *χάος δὲ ὁ τόπος ἐν ᾧ ὁ ἀήρ*.

694. Cf. Herod. I. 215. 4. *σιδήρῳ δὲ οὐδ' ἀργύρῳ χρέονται οὐδέν*. IV. 29. *ἡμίονοι δὲ οὐδὲ ὄνοι οὐκ* (del.?) *ἀνέχονται*. Thuc. VIII. 99. *καὶ αἱ Φοίνισσαι νῆες οὐδὲ ὁ Τισσαφέρνης τέως που* (*πω*?) *ἧκον*. Pindar. P. X. 41. *νόσοι δ' οὔτε* (l. *οὐδὲ*) *γῆρας οὐλόμενον κέκραται ἱερᾷ γενεᾷ*. Aesch. Ag. 532. Cho. 294. Soph. Phil. 771. Incert. ap. Plut. de Pyth. orac. 29. *ἀσκὸς δ' οὐδέ τις ἀμφορεὺς ἐλίννυεν ἐν δόμοις*. Sic 'more nor less to other paying' Shakespeare Measure for measure III. 2.

695. *ὑπηνέμιον*] Cf. Fr. 186 K. Plat. com. 19. Sed Araros com. III. 274. *ἀνεμιαῖον ᾠόν*. Men. IV. 99. *ἀνεμιαῖον ἐγένετο*. Plat. Theaetet. 151 E. *γόνιμον ἢ ἀνεμιαῖον τυγχάνει ὄν*. 157 D. 161 A. *ἀνεμιαῖόν τε καὶ ψεῦδος*. 210 B. *ἀνεμιαῖα — καὶ οὐκ ἄξια τροφῆς*. Arist. H. A. VI. 2. *ζεφύρια δὲ καλεῖται τὰ ὑπηνέμια ὑπό τινων*,

ὅτι ὑπὸ τὴν ἐαρινὴν ὥραν φαίνονται δεχόμεναι τὰ πνεύματα αἱ ὄρνιθες. Plin. X. 58. 'irrita (ova) ex quibus nihil gignitur.'

701. γένετ'] Cf. Eur. Fr. 472, 10. γενόμην (anap.).

703. ἐσμὲν Ἔρωτος] Cf. Ran. 531. ὡς δοῦλος ὢν καὶ θνητὸς Ἀλκμήνης ἔσει. 582.

704. πολλοῖς δῆλον] Sc. τεκμηρίοις, multis argumentis. Cf. Ran. 1484. πάρα δὲ πολλοῖσιν μαθεῖν.

705. ἀπομωμοκότας] Cf. Lys. 903. νῦν δ' ἀπομώμοκα. Eodem sensu ἀναίνεσθαι Menand. 446. πρὸς τέρμασιν ὥρας] Cf. Men. IV. 264. ἐπὶ γήρως ὁδῷ. Eur. Andr. 1082. γήρως ἐσχάτοις πρὸς τέρμασιν.

706. διεμήρισαν] Cf. 669. 1254. Eubul. 130, 2.

712. Notatur Orestes ut Calliae adulator Eupol. 166.

714. Simile fere est illud Eupolidis 278. ἔπειθ' ὁ κουρεὺς τὰς μαχαιρίδας λαβὼν | ὑπὸ τῆς ὑπήνης κατακερεῖ τὴν εἰσφοράν (i. e. publicos reditus). πόκον ἠρινόν] Cf. Photium, ἠρινοῦ πόκου: ἐπὶ (l. ἐπεὶ) ἔαρος οἱ φόροι ἐφέροντο.

715. ληδάριον] Cf. 915. Menand. 1028. λήδιον.

719. πάνθ' ὅσαπερ] Cf. Anaxil. 22, 31. οὐδὲ ἓν | ἔσθ' ἑταίρας ὅσα περ ἔστι θηρί' ἐξωλέστερον. Nicol. 1, 42. πάντα γάρ πρόσεστί μοι | ὅσαπερ ἔχειν — δεῖ.

720. φήμη] I. q. κληδών (Herod. V. 72.). Cf. O. R. 86. 475. 723. φῆμαι μαντικαί. Tr. 1150. Eur. Hipp. 1056. Hom. Od. 2, 35. 20, 100. Φῆμαι erant omnia quae a vocibus hominum capiuntur. Cic. de Div. I. 45. 102. πταρμόν] Cf. Men. 534, 9. λυπούμεθ', ἂν πτάρῃ τις. Hom. Od. 12, 545. υἱὸς ἐπέπταρε πᾶσιν ἔπεσσιν. Hymn. III. 297. Herod. VI. 107. ταῦτα διέποντι ἐπῆλθε πταρεῖν. Theocr. XVIII. 16. ἀγαθός τις ἐπέπταρεν ἐρχομένῳ τοι | ἐς Σπάρταν. ὄρνιν] Cf. Pl. 63. δέχου τὸν ἄνδρα καὶ τὸν ὄρνιν τοῦ θεοῦ.

721. ξύμβολον] A ξύμβολος. Hesychius ξυμβόλους τοὺς διὰ τῶν πταρμῶν οἰωνισμοὺς interpretatur. Cf. Soph. Fr. 161. ξυμβόλους. Xen. Mem. I. 1. 3. ὅσοι μαντικὴν νομίζοντες οἰωνοῖς τε χρῶνται καὶ φήμαις καὶ συμβόλοις καὶ θυσίαις. Apol. Socr. 13. οἰωνούς τε καὶ φήμας καὶ συμβόλους. Hesych. σύμβολος· οἰωνός. Id. σύμβολα· σημεῖα.

722. μαντεῖος Ἀπόλλων] Cf. Eur. Or. 1666. ὦ Λοξία μαντεῖε, etc.

728. Cf. Lys. 528. ἀντισιωπᾶν ὥσπερ χῆμεῖς.

733. χορούς, θαλίας] Cf. Nub. 308. Pac. 780. Eur. Med. 192. ἐπὶ μὲν θαλίαις ἐπί τ' εἰλαπίναις. Hesiod. Scut. 284. πᾶσαν δὲ πόλιν θαλίαι τε χοροί τε | ἀγλαΐαι τ' εἶχον.

744 sq. Cf. 210 sq.

745. ὥσπερ χὠ Ζεύς] Cf. Hom. Il. 1, 87. Δαναοῖσι θεοπροπίας ἀναφαίνεις. Aesch. Suppl. 829. βοὰν ἀμφαίνω.

748. ἔνθεν] Cf. Ran. 826. Lys. 625. ὡσπερεὶ μέλιττα] Cf. Cephisod. II. 884. ὡσπερεὶ θεράπαινα. μέλιττα] Cf. Vesp. 220.

750 sq. Cf. Vesp. 462. Parodia loci alicujus Phrynichei: quid tamen mutaverit Comicus non liquet. Cf. 1066. *δένδρεσί τ' ἐφεζόμενα καρπὸν ἀποβόσκεται.* Phrynichi tragici supersunt nonnisi fragmenta 22.

754. *διαπλέκειν ζῶν ἡδέως*] Cf. Alcman. Fr. (p. 2, 4.) *ὅστις εὔφρων ἀμέραν διαπλέκει.* Euphron. 5. *ὦ Ζεῦ, τί ποθ' ἡμῖν δοὺς χρόνον τοῦ ζῆν βραχὺν | πλέκειν ἀλύπως τοῦτον ἡμᾶς οὐκ ἐᾷς;* Herod. V. 92. *διαπλέξαντος τὸν βίον εὖ.* IV. 205. *οὐκ εὖ τὴν ζόην κατέπλεξε* (*διέπλεξε*?).

759. *πλῆκτρον*] Cf. 1365.

766. *Πεισίου*] Pisias ut perquam nequam notabatur. V. schol. Cratin. 174. 233. 261. Pher. 6. *φέρ' ἴδω, κιθαρῳδὸς τίς κάκιστος ἐγένετο; | Β. ὁ Πεισίου Μέλης. Α. μετὰ δὲ Μέλητα τίς; | Β. ἔχ' ἀτρέμ', ἐγῷδα, Χαῖρις* (858). Arist. Fr. 174. 233.

767. Cf. Anaxand. 38. *Ἄρεως παιδίον.* Com. adesp. 672. *τοῦ πατρὸς τὸ παιδίον.* Eupol. 99. *οὐ δεινὸν οὖν κριοὺς ἔμ' ἐκγεννᾶν τέκνα, | ὄρνεις δ' ὁμοίους τοὺς νεοττοὺς τῷ πατρί.*

768. Cf. Apollod. IV. 454. *οὐδὲν γὰρ αἰσχρόν ἐστιν αὐτοῖς ἀποτυχεῖν | πράττουσι πάντα.* Eur. Andr. 176. *ἐστιν ἐκπερδικίσαι*] Qu. *ἐστι διαπερδικίσαι.* Cf. Com. anon. IV. 634.

772. *βοὴν ὁμοῦ — κρέκοντες*] Cf. Telest. Fr. 5, 4 B. *τοὶ δ' — κρέκον Λύδιον ὕμνον.* Anth. P. V. 139. 2. *ἁδὺ κρέκεις τι μέλος.* IX. 488. 1. *εὐφόρμιγγα κρέκων — ἀοιδάν.* XVI. 231. 2. *ἀδυβόα τῷδε κρέκεις δόνακι* (de Pane). VII. 192. 4. *ἁδὺ κρέκουσα μέλος.* 195. 3. *κρέκε μοί τι ποθεινόν.* 196. 6. *Πανὶ κρέκων κέλαδον.* 213. 3. *ἔκρεκες μολπάν.* Aesch. Ch. 823. *ὁμοῦ κρεκτὸν γοητῶν νόμον μεθήσομεν.* *ἴακχον* A. V. *ἴαχον* cet. Qu. *ἔκλαγξαν* aut *ἔμελψαν.* Cf. Nicomach. trag. 1. *μέλπουσιν ἀηδόνειον κλαγγήν.*

774. Cf. Theocr. VII. 102. *Ἕβρον πὰρ ποταμόν.*

778. *κύματά τ'*] Lege *κύματα δ'.* *νήνεμος αἴθρη*] Vox rara in poetis Atticis. Cf. Hom. Il. 17, 646. Od. 6, 44. *ἀλλὰ μάλ' αἴθρη | πέπταται ἀνέφελος.* Herod. VII. 188. *ἐξ αἰθρίης τε καὶ νηνεμίης.* Th. 43. 56. Hinc *αἴθριος* et *αἰθριάζειν.* Corrigendum, ni fallor, *αἰθήρ.*

782. *Ὀλυμπιάδες — Χάριτες*] Cf. Fr. 325. *Χάριτας βοὰν ἐς χορὸν Ὀλυμπίας.*

783. *μέλος — ἐπωλόλυξαν*] Cf. Eq. 616. *νῦν ἄρ' ἄξιον πᾶσίν ἐστ' ἐπολολύξαι.*

785. *φῦσαι πτερά*] Cf. Alex. 107, 6. *μὴ φύσας πτερά.* Verbum *πτεροφυεῖν* legitur Lucian. Icar. 10.

786. *ὑπόπτερος*] Cf. 797. Th. 1100. Soph. Phil. 288. *ὑποπτέρους — πελείας.* Eubul. III. 226. *γράψας Ἔρωθ' ὑπόπτερον.* Aesch. Cho. 603. *ὅστις ὑπόπτερος φροντίσιν.* Eur. Fr. 424, 4. *ὑπόπτερος δ' ὁ πλοῦτος.* Herod. III. 107. *ὄφιες ὑπόπτεροι.* 109.

787. *χοροῖσι — τραγῳδῶν*] Cf. Pac. 807.

790. Cf. Pollux V. 91. *ὅθεν καὶ χεσᾶς Πατροκλείδης.*

795. *πτερυγίσας*] Cf. 1466. Eq. 522. Pl. 575.

798. Nomen *Διιτρέφης* (*Διειτρέφης*) occurrit Thuc. VII. 29. 1. Notatur Diitrephes in scholiis ut *ἅρπαξ, πονηρὸς, πολυπράγμων, ξένος, μαινόμενος*, et *νεόπλουτος* (Suid.). *πυτιναῖα*] A *πυτίνη* (Fr. 672.). Cratini fabulae titulus fuit *Πυτίνη*.

799. Cf. Eq. 158. *ὦ νῦν μὲν οὐδεὶς αὔριον δ' ὑπέρμεγας*. 704. *ἐκ τῆς προεδρίας ἔσχατον θεώμενον*. 1321. *τὸν Δῆμον — καλὸν ἐξ αἰσχροῦ πεποίηκα*. Com. adesp. 115, 4. *ἐκ πλουσίου | πτωχὸν γενέσθαι*. Eur. Fr. 152, 1. *ὁ μὲν ὄλβιος ἦν, τὸν δ' ἀπέκρυψεν | θεὸς ἐκ κείνων τῶν ποτε λαμπρῶν*. Moschion. trag. 10, 2. *λιτὸς ἐκ τυραννικῶν θρόνων*. Theocr. XXII. 112. *ἐκ μεγάλου δὲ | αἶψ' ὀλίγος γένετ' ἀνδρός*. Dem. Or. Phil. III. § 21. *μέγας ἐκ μικροῦ καὶ ταπεινοῦ — ηὔξηται*. *οὐδενὸς*] Cf. Eur. Andr. 700. *φρονοῦσι δήμου μεῖζον ὄντες οὐδένες*. Suppl. 425. *οὐδὲν ὢν τὸ πρίν*. Schol. *γραφέντα* (?).

800. *μεγάλα πράττει*] Cf. Eccl. 104. *πρότερον ἦν οὗτος γυνή· | νυνὶ δ', ὁρᾷς, πράττει τὰ μέγιστ' ἐν τῇ πόλει*. Pl. 633. Eur. Iph. A. 346. *πράσσοντα μεγάλα*.

801. *ἔσεσθον ἐπτερωμένω*] Sic Ran. 1113. *ἐστρατευμένοι γάρ εἰσι*.

803. *ὠκυπτέροις*] Cf. Stratt. 27, 2. *οὓς* (*ταὼς*) *βόσκεθ' ὑμεῖς ἕνεκα τῶν ὠκυπτέρων*.

804. Cf. Vesp. 1308. *εἶτ' αὐτόν, ὡς εἶδ', ᾔκασεν Λυσίστρατος, | ἔοικας, ὦ πρεσβῦτα, νεοπλούτῳ τρυγὶ | κλητῆρί τ' εἰς ἀχυρμὸν ἀποδεδρακότι. | ὁ δ' ἀνακραγὼν ἀντῄκασ' αὐτὸν πάρνοπι | τὰ θρῖα τοῦ τρίβωνος ἀποβεβληκότι* etc. Stratt. 34. *οἶσθ' ᾧ προσέοικεν, ὦ Κλέων, τὸ βρέγμα σου; | ἐγχέλυι, δίνῳ περὶ κάτω τετραμμένῳ*.

805. Cf. Ran. 404. *ἐπ' εὐτελείᾳ*. Herod. II. 92. *πρὸς εὐτέλειαν*. Thuc. VIII. 86. 5. *εἰ δὲ ἐς εὐτέλειαν ξυντέτμηται*. Antiph. 20, 2. *εἰς εὐτέλειαν*. 226, 2. *μᾶζα — πρὸς εὐτέλειαν ἐξωπλισμένη*. Eur. Bacch. 457. *λευκὴν δὲ χροιὰν εἰς παρασκευὴν ἔχεις*. Herod. II. 92. 3. *πρὸς εὐτελείην τῶν σιτίων τάδε σφι ἄλλα ἐξεύρηται*. Suidas, *τοῦτο τῶν εἰς κάλλος ἠσκημένων*. Sic *παίειν ἐς τάχος* Ach. 686.

806. *σὺ δὲ κοψίχῳ γε σκάφιον ἀποτετιλμένῳ*] Cf. Th. 838. *σκάφιον ἀποκεκαρμένην*. Lys. 151. *δέλτα παρατετιλμέναι*. Eccl. 724. *κατωνάκην τὸν χοῖρον ἀποτετιλμένας*. et ad Ach. 849. Anaxil. 22, 20. *ἡ Θεανὼ δ' οὐχὶ Σείρην ἐστὶν ἀποτετιλμένη;* Mnesim. 9, 3. *καὶ φασιανὸς ἀποτετιλμένος καλῶς*. Nicostr. 32, 2. *μειράκιον — ὑποσκαφιόκαρτον*. Anacreont. ap. Athen. p. 533. *κόμην πώγωνά τ' ἐκτετιλμένος*.

807. *ᾐκάσμεσθα*] Pro voce media habet Kock. Com. I. 31. Cf. Eq. 1076. *ἀλωπεκίοισι τοὺς στρατιώτας ᾔκασεν, | ὁτιὴ* etc. Vesp. 1308—1311.

808. Cf. Macar. III. 85. *ἐν τοῖς ἐμαυτοῦ δικτύοις ἁλώσομαι*. Ad hoc Aeschyli dictum multi respexerunt. Athen. XI. 494 B. Aristid. vol. II. p. 17. Dionys. Hal. vol. VI. p. 971. Galen. vol. V.

p. 395. Philo Jud. vol. II. p. 501. Eust. ad Il. p. 632, 35. Suidas v. *πάγας* aliique apud Nauck. ad Aesch. Fr. 135. Similiter fere Aristarchus trag. Fr. 4. *τάδ' οὐχ ὑπάρχων, ἀλλὰ τιμωρούμενος.*

810. *εἶτα τοῖς θεοῖς | θῦσαι μετὰ τοῦτο*] Cf. Ran. 1026. Sosip. com. 16. *ἐδίδασκεν ἡμᾶς πρῶτον ἀστρολογεῖν, ἔπειτα μετὰ ταῦτ' εὐθὺς ἀρχιτεκτονεῖν.* Philem. 89.

811. *συνδοκεῖ*] Cf. 1630. Lys. 167. et Platonem passim.

814 sq. Similis jocus est Cratini 110. *Σπάρτην λέγω τὴν Σπαρτιάδ', οὐ τὴν σπαρτίνην* (ita enim recte corrigit Mein.).

815. Cf. Vesp. 1159. *ἐγὼ γὰρ ἂν τλαίην ὑποδήσασθαί ποτε | — δυσμενῆ καττύματα;* Nub. 1366. *ἐγὼ γὰρ Αἰσχύλον νομίζω πρῶτον ἐν ποιηταῖς —;* Soph. Aj. 1130. *ἐγὼ γὰρ ἂν ψέξαιμι δαιμόνων νόμους; θείμην*] Sub. *ὄνομα.* Eadem ellipsis est Nub. 65.

816. Cf. Polluc. X. 35. *τῶν γὰρ ἀδοξοτέρων ἡ χαμεύνη καὶ τὸ χαμεύνιον.* Per *ταπεινὸν κλινίδιον* explicant alii. Cf. Eur. Rhes. 852. *τίς δ' ἂν χαμεύνας — Ῥήσου μολὼν ἐξηῦρεν, —;* Fr. 677, 1. *σχεδὸν χαμεύνη σύμμετρος Κορινθίας | παιδός.* Soph. Fr. 184 b. Theocr. XIII. 33. *πολλοὶ δὲ μίαν στορέσαντο χαμεύναν.* Com. incert. apud Aelian. V. H. IX. 24. *σχολῇ γ' ἂν οὗτος ἐπὶ χαμεύνης κατεκλίθη | ἢ στιβάδος.*

819. *χαῦνον*] *νοῦς χαῦνος* est Solon. 10, 8. *πραπὶς* Pind. P. II. 112. *κενεᾶν ἐλπίδων χαῦνον τέλος.* Nem. VIII. 78. *χαῦνα φράσασθαι.* Solon. 31. Plat. Polit. 282 E. Arist. Eth. IV. 3. 6.

823. Cf. Men. IV. 156. *τὰ Ταντάλου τάλαντ' ἐκεῖνα λεγόμενα.*

824. *λῷστε*] Legitur in comoedia etiam Telecl. II. 364. v. 4.

826. *λιπαρὸν τὸ χρῆμα τῆς πόλεως*] Cf. Lys. 83. *καλὸν τὸ χρῆμ' ἔχεις τῶν τιτθίων.* 1085. *ἀσκητικὸν τὸ χρῆμα τοῦ νοσήματος.* Vesp. 933. *κλέπτον τὸ χρῆμα τἀνδρός*

827. *πολιοῦχος*] Cf. Nub. 602. *πολιοῦχος Ἀθάνα.* Eq. 581. *ὦ πολιοῦχε Παλλάς.* Th. 1140.

829. Versus tragici coloris. Cf. Soph. Fr. 618 N. *οὐ γάρ ποτ' ἂν γένοιτ' ἂν ἀσφαλὴς πόλις, | ἐν ᾗ* etc. Eur. Suppl. 447.

832. Pars arcis erat *τὸ Πελασγικὸν* in inferiori ejus parte sita. V. Herod. V. 63. VI. 137. Thuc. II. 17. Strab. IX. 401. Cleidem. Siebelis p. 44. Suid. v. *Ἄπεδα.* Hesych. II. 954. ubi *τειχίον* dicitur. V. schol. et Aristot. Resp. Athen. 19. *κατακλείσας τὸν Ἱππίαν εἰς τὸ καλούμενον Πελαργικὸν* (sic) *τεῖχος.*

835. Cf. 1556. Plat. com. 104. *Ἄρεος* (l. *Ἄρεως*) *νεοττός.*

836. Cf. Aesch. Fr. 305, 3. *θρασὺν πετραῖον ὄρνιν ἐν παντευχίᾳ.*

839. Cf. Soph. Fr. 432. *καὶ πρῶτον ἄρχου πηλὸν ὀργάζειν χεροῖν.* Ibid. *θέλοιμι πηλὸν ὀργάσαι.* Incert. ap. Athen. X. 445 E. *κριθῆς ἀφλοίου χυλὸν ὀργάσας πίε.* Thuc. I. 93. *ἐντὸς δὲ οὔτε χάλιξ οὔτε πηλὸς ἦν.* Plut. Cimon. 13. etc. Lucian. Trag. 225. *ἐστρωμένη χάλιξιν ὁδός.* Cf. v. *κάχληξ.*

841. *φιλακὰς κατάστησαι*] Excubias dispone. Cf. Herod. II. 30. *φυλακαὶ κατέστασαν*. III. 89. *καταστήσας τὰς ἀρχάς*. Thuc. II. 24. *φυλακὰς κατεστήσαντο*. V. 3. *φυλακὴν καταστησάμενος τῆς Τορώνης*.

842. *κωδωνοφορῶν*] Cf. Harpocr. p. 96, 13. Aesch. Ag. 445.

843. *κήρυκα δὲ πέμψον τὸν μὲν* —] De structura cf. 131. Vesp. 452. Nub. 935. Eq. 75. Phryn. Fr. 32. *ὁ καδίσκος δέ σοι* | *ὁ μὲν ἀπολύων οὗτος, ὁ δ' ἀπολλὺς ὁδί*. Aesch. Cho. 1020. *μόχθος δ' ὁ μὲν αὐτίχ', ὁ δ' ἥξει*. Ag. 445. Nisi *κήρυκε* corrigendum.

851. *ὁμορροθῶ*] Cf. Soph. Ant. 536. Eur. Or. 429. Quid Sophocles dixerit non constat.

852. *συμπαραινέσας ἔχω* —] Cf. Ran. 687. *χρηστὰ τῇ πόλει* | *ξυμπαραινεῖν καὶ διδάσκειν*. Soph. Fr. 14.

853. *προσόδια μεγάλα*] Cf. Pac. 396. *προσόδοις — μεγάλαις*.

857. Cf. Eur. El. 879. *ἴτω ξύναυλος βοὰ χαρᾷ*. Ex Peleo Sophoclis. Cf. schol. ad 851.

858. *Χαῖρις*] De Chaeride et Melete (766) v. schol.

861. *ἐμπεφορβειωμένον*] Cf. ad Vesp. 582. Soph. Fr. 733. *φυσᾷ γὰρ οὐ σμικροῖσιν αὐλίσκοις ἔτι*, | *ἀλλ' ἀγρίαις φύσαισι φορβειᾶς ἄταρ*. Xen. Eq. 5, 1. Plut. Mor. 456 B. *φορβειᾷ τινι καὶ περιστομίοις βίᾳ τοῦ πνεύματος τὸ ῥαγδαῖον ἐγκαθεῖρξε*.

862. Cf. 315. *σὸν δ' ἐστὶν ἔργον, ὦ χύτρα, τὸν ἄνθρακ' ἐξεγείρειν*. Lys. 381. *σὸν ἔργον, ὠχελῷε*. Nub. 1494.

866. Cf. Men. 292, 3. *θεοῖς Ὀλυμπίοις εὐχώμεθα* | *Ὀλυμπίαισι* (l. *Ὀλυμπίαις τε*) *πᾶσι πάσαις*. Demosth. alicubi, [*τοῖς*] *θεοῖς εὔχομαι πᾶσι καὶ πάσαις*.

870. *ὀρτυγομήτρᾳ*] Avis quaedam. Cf. Cratin. 246. *Ἰθακησία ὀρτυγομήτρα*.

873. Metagenes ap. schol. (1.) *τίς ἡ* (*τί σοι* bene Kock) *Κολαινὶς Ἄρτεμις;* | *ἱερεὺς γὰρ ὢν τετύχηκα τῆς Κολαινίδος*. De Colaenide Diana v. Paus. I. 31. 5. Schol. *μόνῳ·* (*μόνωπα* Cobet.).

874. Schol. *καὶ* (*ὡς*?).

875. Connecte *μεγάλῃ* cum *μητρί*. Cf. ad Ach. 1105.

877. Cleocritus idem videtur esse atque ille qui ut mystarum praeco memoratur Xen. Hell. II. 4. 20. Ejusdem nominis archon fuit Ol. 91, 4. Ingentis corporis fuisse videtur. Cf. Ran. 1437. *εἴ τις πτερώσας Κλεόκριτον Κινησίᾳ*.

878. Cf. Men. 292, 3. *θεοῖς — εὐχώμεθα — διδόναι σωτηρίαν*, | *ὑγίειαν, ἀγαθὰ πολλά*.

879. Cf. Pher. 34. *Ἀθηναίαις αὐταῖς τε καὶ ταῖς ξυμμάχοις*.

881. *ἥρωσι* —] Cf. inscript. 2447. ap. Rangabé, *καὶ ἥρωας καὶ ἡρωέσσας — καὶ θεοὺς πάντας καὶ πάσας* (*ὀμνύω*).

885. *ταῶνι*] Cf. Com. anon. IV. 678. *ταῶνας*.

886. *καταράκτῃ*] Cf. Herod. V. 16. *θύρην καταπακτήν* (*καταράκτην*?).

987. Cf. Soph. Aj. 115. φείδου μηδὲν ὧνπερ ἐννοεῖς.

891. ἁλιαέτους] Cf. Eur. Fr. 636, 3. ἔα ἔα· | ὁρῶ γ' ἐπ' ἀκταῖς νομάδα κυματοφθόρον | ἁλιαίετον.

893. τὰ στέμματα] Cf. Herod. VII. 197. θύεται — στέμμασι πᾶς πυκασθείς. Theophr. Char. 10. μήτε οὐλὰς μήτε στέμματα μήτε θυλήματα (1040).

898. καλεῖν] Invitare. Cf. Fr. 559. Pherecr. com. II. 335. ἡμῶν δ' ἤν τινά τις καλέσῃ θύων ἐπὶ δεῖπνον etc.

899. ἕνα τινὰ μόνον] Cf. Eq. 140. πόθεν οὖν ἂν ἔτι γένοιτο πώλης εἷς μόνος; Alex. 239, 2. ἐκεῖ γὰρ ἄν τις ἕνα τιν' ἐπὶ δεῖπνον καλῇ (ita enim lego), | πάρεισιν ὀκτωκαίδεκ' ἄλλοι. Plat. Pol. VIII. 565 C. οὐκοῦν ἕνα τινὰ ἀεὶ ὁ δῆμος εἴωθε — προΐστασθαι ἑαυτοῦ. Theaet. 203 C. μίαν τινὰ ἰδέαν. Phaedr. 263 C. ἕν τι τῶν ὄντων. Lucian. Fug. 21. ἀδύνατον — κἂν ἕνα τινὰ προσαγαγέσθαι αὐτῶν. et ad Ran. 911.

908. μελιγλώσσων ἐπέων] Cf. Pind. Isth. V. 9. μελιφθόγγοις ἀοιδαῖς.

909. Μουσάων θεράπων] Cf. Theogn. 769. χρὴ Μουσῶν θεράποντα καὶ ἄγγελον etc. Theocr. XVII. 115. Μουσάων δ' ὑποφῆται ἀείδοντι Πτολεμαῖον.

911. Cf. Nub. 1249. 860. Pl. 79. 1148. Amph. 36. Dem. de Cor. 122. ἔπειτα τοιαῦτα ποιῶν λέγεις ἃ δεῖ —;

912. οἱ διδάσκαλοι] Dithyramborum, ut comicorum et tragicorum, διδάσκαλοι erant teste Harpocr. s. v. διδάσκαλος.

917. Cf. 963. 1023. Alibi singularis est ἡ Νεφελοκοκκυγία, 819. 821. 904. 1565. Sic ἡ Κραναὰ Ach. 75. Lys. 480., sed αἱ Κρανααὶ (sc. Ἀθῆναι) Av. 122.

921. πάλαι πάλαι δὴ —] Cf. Eur. Fr. 583. πάλαι πάλαι δή σ' ἐξερωτῆσαι θέλων | σχολή μ' ἀπεῖργε. Rhes. 396. πάλαι πάλαι χρῆν τῇδε συγκάμνειν χθονί. Med. 1116. φίλαι φίλαι (l. πάλαι πάλαι) δὴ προσμένουσα τὴν τύχην | καραδοκῶ. Soph. O. C. 1628. τήνδ' — πόλιν] Ut in sermone ornatiori. Sic Eq. 568. τήνδ' ἐκόσμησαν πόλιν.

922. θύω τὴν δεκάτην] Cf. Dem. p. 1016. ult. δεκάτην τὸν πατέρα φησὶν ὑπὲρ αὐτοῦ ἑστιᾶσαι.

926. ἀμαρυγά] Cf. Theocr. XXIII. 7. ἀμάρυγμα χείλεος.

930. Cf. Pind. P. IX. 56. δέξεται εὐκλέα νύμφαν δώμασιν ἐν χρυσέοις πρόφρων. Theocr. XXV. 3. πρόφρων μυθήσομαι ὅσσ' ἐρεείνεις.

933. σπολάδα] Cf. Soph. Fr. 16. σπολὰς Λίβυσσα, παρδαληφόρον δέρος.

941. Hic Strato alius est atque mollis ille qui memoratur Ach. 118 sq. Eq. 1374. etc.

943. ἔσθος] Cf. Lys. 1096.

946. *χιτωνίσκον*] Cf. 956. Antiph. III. 17. Apollod. IV. 453. Plat. Legg. XII. 954 B. Dem. p. 403, 3. 583, 21. 949, 3. Aeschin. p. 18, 30. Lys. p. 117, 6. Theophr. Char. 19. *χιτώνισκον παχὺν — ἀναβαλόμενος. Χιτωνίσκος* vestimentum virile, erat, ut *χιτώνιον* muliebre. V. Poll. VII. 54. Alia forma *χιτωνάριον* est Men. IV. 287.

960 sq. Cf. Plat. Resp. II. 364 C. *ἀγύρται δὲ καὶ μάντεις ἐπὶ πλουσίων θύρας ἰόντες.* Soph. O. R. 387 sq. Ant. 1055 sq.

961. *φαύλως φέρε*] Cf. Fr. 739. *φαύλως φέρει νῦν τὸ κακόν.* Eur. Iph. A. 850. *ἀλλ' ἀμελίᾳ δὸς αὐτὰ καὶ φαύλως φέρε.* 897. Contra *βαρέως φέρειν τι* Th. 385. Eccl. 174.

962. *χρησμὸς ἄντικρυς λέγων*] Cf. Eq. 128. *ὁ χρησμὸς ἄντικρυς λέγει | ὡς* etc. Th. 442.

966. *οὐδὲν οἷόν ἐστ' —*] Cf. Lys. 135.

970. Cf. Eq. 1085. *ἐς τὴν χεῖρ' ὀρθῶς ἠνίξατο τὴν Διοπείθους.* Pac. 47. *ἐς Κλέωνα τοῦτ' αἰνίττεται.*

974. *ἔνεστι*] Cf. 976. Eq. 122. *ἐν τοῖς λογίοις ἔνεστιν "Ἑτέραν ἔγχεον";*

979. Cf. Alex. III. 420. *οὐ κίτταν, οὐκ ἀηδόν' (οὐ χελιδόν'), οὐ τρυγόν', οὐ τέττιγα.* Herod. VIII. 98. *τοὺς οὔτε* (*οὔτι* Schaefer. leg. *οὐ*) *νιφετός, οὐκ ὄμβρος, οὐ καῦμα, οὐ νὺξ ἐέργει μὴ οὐ κατανύσαι* etc. *οὐ λάϊος*] Qu. *οὐκ ἀετός*

982. *ἐξεγραψάμην*] Cf. ad Soph. Trach. 1167.

984. *σπλαγχνεύειν*] Cf. *συσπλαγχνεύειν* Pac. 1115.

988. Cf. Amips. 10. *Διοπείθει τῷ παραμαινομένῳ.* Schol. *αὐτοῖς δίδοσθαι δεῖν* (*αὐτὸ δίδοασ' ᾄδειν* Dobr.).

991. Cf. 1260. Ach. 828.

992. *Μέτων*] Sc. *ὁ Λευκονοιεὺς* (tribus Leontidis), philosophus celeberrimus. De eo cf. Phryn. 21.

993. *ἰδέα βουλεύματος*] Cf. Ran. 382. *ὕμνων ἰδέαν.*

994. *τίς ἡπίνοια —;*] Cf. Pac. 127. *τίς δ' ἡπίνοιά σου 'στιν —;*

997. Sehol. *καθεῖται* (f. *καθεῖτο*).

999. *ἐνεόττευσεν γένος ἡμέτερον*] Cf. Nub. 999. *μνησικακῆσαι τὴν ἡλικίαν ἐξ ἧς ἐνεοττοτροφήθης.*

1000 sq. Cf. Nub. 98 sq.

1001. *πνιγέα*] Cf. Nub. 96. Fr. 137.

1002. *κανόν'*] Cf. 999. 1004. Ran. 799. 956. Eur. Hec. 603. *οἶδεν τό γ' αἰσχρὸν κανόνι τοῦ καλοῦ μετρῶν.* Tro. 6. *λαΐνους πύργους πέριξ | ὀρθοῖσιν ἔθεμεν κανόσιν.* Plat. Phil. 56 B. *κανόνι γὰρ — χρῆται καὶ διαβήτῃ καὶ στάθμῃ.*

1007. Schol. *λείπει τὸ ἵνα* (*ἵν' ᾖ ἵνα δ'*) *ὥσπερ ἀστέρες* Headlam.

1009. Cf. Ach. 688. *ἄνδρα Τιθωνόν.* Nub. 180. Eupol. II. 557. *ἄνθρωπος ἀποφράς.* 570. *ὄλεθρος ἄνθρωπος.* Phryn. II. 601. *ἄνθρωπος ὑδατοπότας.* Com. anon. IV. 663. *Αἴτνη ἄνθρωπος.* 666. *ὀνόγαστρος ἄνθρωπος.* Cratin. II. 190. *ἄνθρωπος λυπησίλογος.* Diogenian. III. 39. *ἄνθρωπος Εὔριπος.*

1011. *ὑπαποκίνει*] Cf. Th. 924. *ὑποποκινητέον*. Eccl. 284. *ὑπαποτρέχειν*. Thuc. III. 111. V. 9. *ὑπαπιέναι*.

1013. *ξενηλατοῦνται*] Cf. *ἀνδρηλατεῖν, βοηλατεῖν, ὀνηλατεῖν, ἱππηλατεῖν, ἀγηλατεῖν, λεηλατεῖν, διφρηλατεῖν, ῥινηλατεῖν, ἰχνηλατεῖν, δημηλατεῖν*.

1014. *πληγαὶ συχναὶ* —] Cf. Xenarch. 7, 11. *ἦσαν δὲ πληγαί*.

1018. *ἐπίκεινται*] Cf. Eq. 252. Vesp. 1285. *ἡνίκα Κλέων μ' ὑπετάραττεν ἐπικείμενος*. *αὐταιί*] Cf. 1688. *ἐς καιρὸν κατεκόπησαν οὑτοιί*. Eq. 490. 493. Nub. 1146. Ran. 160. Th. 1203.

1020. *οὐκ ἀναμετρήσει σαυτὸν —;*] Cf. Nub. 1297. *οὐκ ἀποδιώξει σαυτὸν ἀπὸ τῆς οἰκίας;* 203. *γῆν ἀναμετρεῖσθαι*.

1021. *πρόξενοι*] Cf. Eur. Andr. 1080. Ion. 553. 1039. Valck. ad Ammon. p. 153.

1022. *ἐπίσκοπος ἥκον*] De hac caesura cf. 1363. Eccl. 1027. *ἀλλ' ἔμπορος εἶναι σκήψομαι*. Av. 1226. *εἰ τῶν μὲν ἄλλων ἄρξομεν, ὑμεῖς δ' οἱ θεοί*. Lys. 731. 746. Th. 219. *τῷ κυάμῳ λαχὼν*] Cf. Herodot. VI. 109. *ὁ τῷ κυάμῳ λαχὼν Ἀθηναίων πολεμαρχέειν*.

1024. Cf. Cephisodor. 8. *κρεάδιόν τι φαῦλον ἢ ταρίχιον*. *βιβλίον Τελέου*] Cf. Phot. Bibl. 192. p. 151. *τὸ βιβλίον Τέλλιδος*.

1025. Lege *Τελέου τι. ΠΕ. βούλει δῆτα —;* Cf. Eq. 439. *τί δῆτα; βούλει τῶν ταλάντων ἓν λαβὼν σιωπᾶν;* *τὸν μισθόν*] Comitialem. Cf. 1028.

1030. Cf. Lys. 83. *μέλλουσι περί μου τήμερον | ἐκκλησιάζειν*.

1032. Cf. 1258. *οὐκ ἀποσοβήσεις;* Long. Past. III. 5. *ἀποσοβεῖν* (i. e. *ἀποτρέχειν*) *ἐγκεκυφότα*. Men. IV. 315. *ἀποσοβῶμεν*.

1033. *οὐ δεινά;*] Cf. Ach. 770.

1034. *πρὶν καὶ τεθύσθαι*] Cf. Ran. 1185. *πρὶν καὶ γεγονέναι*.

1040. Singulas tribus Dionysi *διθυραμβοποιὸν* alere consuetudinem fuisse monet schol. h. l. Cf. Amph. III. 306. *διὰ τί δ' οὐκ ἄγεις | εἰς τὸν ὄχλον αὐτὸ* (*τὸ καινὸν ἐξεύρημα*)*; Α. διότι φυλὴν περιμένω | σφόδρα φιλονεικοῦσαν λαχεῖν τιν'· οἶδα γὰρ | ὅτι ταῦτα πράγματα ἀνατριαινώσει* (*ταῦτα πάντα συντριαινώσει?*) *κρότος*.

1041. Cf. Eq. 1383. *ἀναγκάσω κυνηγετεῖν — τούτους — παυσαμένους ψηφισμάτων*. Lys. 704.

1045. Cf. 1468. Eur. Med. 399. *πικροὺς δ' ἐγώ σφι καὶ λυγροὺς θήσω γάμους, | πικρὸν δὲ κῆδος*.

1046. *καλοῦμαι — ὕβρεως*] Cf. Vesp. 1417. *προσκαλοῦμαί σ' ὕβρεως*.

1052. *γράψω σε.—*] Cf. Antiph. 277, 2. *στρεβλοῦν γράφουσι τοῦτον ὡς κατάσκοπον*.

1054. *μέμνησ'*] I. e. *μέμνησαι*. Cf. ad Vesp. 354. Philem. 74, 1. *χαλκοῦς ὀφείλειν πέντε μοι μέμνησ';* *τῆς στήλης κατετίλας*] Cf. 1117. Ran. 366. *ἢ κατατιλᾷ τῶν Ἑκατείων*. Eccl. 331.

1057. ἀπίωμεν ἡμεῖς — θύσοντες εἴσω τοῖς θεοῖσι τὸν τράγον] Cf. Pac. 1020.

1058. παντόπτᾳ] Cf. Aesch. Eum. 1045. Ζεὺς παντόπτας. Soph. O. C. 1085 ὦ παντάρχα θεῶν παντόπτα, —.

1060. Cf. Plat. Legg. X. 960. θεοὺς πείθειν θυσίαις καὶ εὐχαῖς.

1061. Cf. Hesiod. Scut. 393. ἠχέτα τέττιξ | ὄζῳ ἐφεζόμενος.

1062. εὐθαλεῖς] Producta penultima. Cf. v. ἐριθηλής, Hesiod. Theog. 30. δάφνης ἐριθηλέος ὄζον.

1065. κάλυκος] Cf. Cratin. II. 72. ἀνεμωνῶν κάλυξί τ' ἠριναῖς. Arist. Fr. 74. σταθερὰ — κάλυξ νεαρᾶς ἥβης.

1066. δένδρεσί τ' ἐφεζόμενα] Cf. Hesiod. Op. 581. τέττιξ | δενδρέῳ ἐφεζόμενος. καρπὸν ἀποβόσκεται] Cf. 750.

1069. ἑρπετά] Cf. Theocr. XV. 118. πάντ' αὐτῷ πετεηνὰ καὶ ἑρπετὰ τᾷδε πάρεντι. δάκετα] Zonaras p. 469. δάκετα per θηρία ἰοβόλα ἑρπετὰ explicat.

1070. Cf. Aesch. Ag. 447. ἐν φοναῖς — πεσόντ'. Soph. Ant. 696. ἐν φοναῖς πεπτῶτ'. Eur. El. 1207. Pind. P. XI. 37.

1072. Cf. Sext. Empir. p. 172, 18. θεοὺς γὰρ οἱ μὲν πολλοὶ φασὶν εἶναι, τινὲς δὲ οὐκ εἶναι, ὥσπερ οἱ περὶ Διαγόραν τὸν Μήλιον καὶ Θεόδωρον καὶ Κριτίαν τὸν Ἀθηναῖον.

1078. Cf. Herod. III. 127. τίς μοι Ὀροίτεα ἢ ζώοντα (adde ἂν) ἀγάγοι ἢ ἀποκτείνειε; Thuc. VIII. 5. ἢ ζῶντα ἄξειν ἢ ἀποκτεῖναι (l. ἀποκτενεῖν).

1079. συνείρων] Cf. Plat. com. 201. σχοίνους λαβὼν ἄνειρε (σύνειρε?) τὰ κρέα. Anglice, stringing. σπίνους — κίχλας] Cf. Pac. 1149. Fr. 344. Ephipp. III. 325. Soph. Fr. 382. κάτω κρέμανται σπίζ' ὅπως ἐν ἕρκεσι. Fr. 344, 7. ὄψῳ δὲ χρῆσθαι σπινιδίοις τε καὶ κίχλαις. καθ' ἑπτὰ —] Cf. Th. 811. κλέψασα — κατὰ πεντηκοντα τάλαντα. Vesp. 669. Eq. 649. Timocl. III. 604. τῶν ἀν' ὀκτὼ τοὐβολοῦ | θέρμους μαλάξας. Antiph. III. 75. τῆς πλείστης τοὐβολοῦ | μάζης. Append. prov. I. 93. δέκα τοὐβολοῦ: ἐπὶ τῶν μηδενὸς ἀξίων. Antiph. 135. Timocl. 18.

1080. In ed. mea Add. pro "Antiph. III. 330." corr. "Antiph. III. 96."

1081. Cf. Ran. 620. ἐς τὰς ῥῖνας ὄξος ἐγχέων.

1083. Schol. γλωσσηματικοὶ Headlam.

1090. ἀμπισχνοῦνται] Cf. ὑπισχνεῖσθαι Vesp. 750.

1091. πνίγους] Caloris. Cf. Aristophont. 10, 6. πνῖγος ὑπομεῖναι — | τέττιξ. θερμὴ — ἀκτὶς] Cf. Soph. Tr. 685. ἀκτῖνος — θερμῆς.

1093. ἀνθηρῶν λειμώνων — ἐν κόλποις] Cf. Ran. 351. ἀνθηρὸν ἕλειον δάπεδον. 373. χώρει νυν — εἰς τοὺς εὐανθεῖς κόλπους λειμώνων. 448. λειμὼν — ἀνθεμώδης. 440. Plat. Axioch. 371. παντοῖοι δὲ λειμῶνες ἄνθεσι ποικίλοις ἐαριζόμενοι. Aelian. N. A. VI. 19. καὶ τὰ μὲν ἀπὸ τῶν κλάδων ἐπὶ τοὺς κλάδους μεταθέοντα

ᾄδει, — τὰ δὲ ἐν τοῖς λειμῶσι κατᾴδει (λειμῶσιν αὖ ᾄδει), οἱονεὶ πανηγυρίζοντα καὶ βίον ὡς ἂν εἴποις ἀνθηρὸν καὶ ἁβρὸν διαιτώμενα.

1095. Cf. Hesiod. Op. 582. ἠχέτα τέττιξ. Long. Past. III. 16. ἀκρίδας λάλους — τέττιγας ἠχοῦντας. Pac. 1159. Eust. p. 396, 1. τὸν μὲν μέγιστον τέττιγα ἀχέταν καλοῦσιν οἱ παλαιοί, etc. Etym. M. 760, 47. (et 396, 1.) τὸν μέγιστον τέττιγα ἀχέταν καλοῦσιν οἱ παλαιοὶ κατὰ Παυσανίαν, κερκώπην (Fr. 51, 2.) δὲ τὸ ἐλάχιστον τεττίγιον — τὸ δὲ μετὰ τοῦτο τιτιγόνιον, ἴσως παρὰ τὸ τιτίζειν. Plin. N. H. XI. 92.

1096. Cf. Aesch. Sept. 427. μεσημβρινοῖσι θάλπεσιν τοῖς ἡλίου. Suppl. 746. ἐν μεσημβρίας θάλπει.

1099. ἠρινά] Pro adverbio hic est, ut in Pac. 800. Cf. Eur. Fr. 316, 3. γῆ τ' ἠρινὸν θάλλουσα.

1100. Χαρίτων κηπεύματα] Cf. Pac. 797. Χαρίτων δαμώματα καλλικόμων. Pind. N. IX. 27. ἐξαίρετον Χαρίτων νέμομαι κᾶπον.

1106. γλαῦκες] Cf. schol. Plut. Thes. 25. οὔποτ'] Cf. Eq. 1289. Multo frequentius est οὐδέποτε. ὑμᾶς — ἐπιλείψουσι] Cf. Vesp. 1445. κλητῆρες ἐπιλείψουσι τοὺς καλουμένους. Thuc. V. 103. ἐπειδὰν αὐτοὺς ἐπιλίπωσιν ἐλπίδες. Isocr. p. 4 A. ἐπιλείπει με ὁ χρόνος. Herod. VII. 21. ὕδωρ μιν ἐπέλιπε. II. 25. 174.

1108. Cf. Fr. 211. φήμη 'στὶν ἐξ ᾠοῦ βροτοὺς ἅπαντας ἐκλαπῆναι.

1110. ἀετόν] Anglice the gable (of a house), especially the pediment (of a temple, fastigium). I. q. ἀέτωμα. Cf. Eur. Fr. 764. ἰδού, πρὸς αἰθέρ' ἐξαμίλλησαι κόρας | γραπτοὺς (γλυπτούς?) τ' ἐν ἀετοῖσι πρόσβλεψον τύπους. Lys. 14, 25. ἔπινε μὲν ὑπὸ τῷ ἀετώματι κατακείμενος. Pind. Ol. XIII. 20. τίς γὰρ ἱππείοις ἐν ἔντεσσιν μέτρα | ἢ θεῶν ναοῖσιν οἰωνῶν βασιλέα δίδυμον ἐπέθηκ'; Paus. III. 17. 4. ἡ δὲ πρὸς δυσμὰς ἔχει τῶν στοῶν ἀετούς τε δύο τοὺς ὄρνιθας καὶ ἴσας ἐπ' αὐτοῖς Νίκας. Plin. H. N. XXXV. 43. 'primusque personas tegularum imbricibus imposuit (ἐπέθηκε) —.' 'Hinc et fastigia templorum orta.' Ergo ἀετὸς sive ἀέτωμα ornamentum (ἀκρωτήριον) fuit tympani apici impositum, unde postea orta sunt fastigia templorum. Tacit. alicubi, 'sustinentes fastigium aquilae'?

1111. ἀρχίδιον] Ab ἀρχή, ut δικίδιον a δίκη.

1115. Cf. Eur. Fr. 997. γλαυκῶπίς τε στρέφεται μήνη.

1116. χλανίδα λευκὴν] Cf. Fr. 494 Bl. χλανίδ' ἐχρῆν λευκὴν λαβεῖν.

1119. ἀπὸ τείχους] Sic ἐς Κεραμεικόν (Eq. 772.), ἐν ἀγορᾷ, ἐν πόλει, etc.

1121. Ἀλφειὸν πνέων] Cf. Lys. 276. Λακωνικὸν πνέων.

1126. Προξενίδης ὁ Κομπασεύς] Quasi ὁ Κονθυλεύς. Sic Ἀχραδούσιος pro Ἀχερδούσιος Eccl. 362. Similiter Hermippus 42, 3. Διαγόρου τοῦ Τερθρέως (i. e. τοῦ τερθρευομένου).

1127. Cf. Thuc. I. 93. 3. δύο γὰρ ἅμαξαι ἐναντίαι ἀλλήλαις τοὺς λίθους ἐπῆγον.

1128. Cf. Plat. com. 210. κριὸν ἀσελγόκερων, χαλκοῦν βοῦν, δούριον ἵππον (ita Kock.).

1131. Cf. Herod. IV. 191. λίμνη βάθος διόργυιος (διοργύγιος?).

1133 sq. Diversa opera quae hic et in seqq. memorantur sunt πηλὸν ἐμβάλλειν 1143—1146., πηλοφορεῖν 1142. πλινθοποιεῖν 1139—1141. πλινθοφορεῖν 1148.

1135. αὐτόχειρες] Cf. Lys. 269. Theopomp. 86. αὐτόχειρα.

1138. ἐτύκιζον] A τύκος. Herod. VII. 89. εἶχον δόρατα ναύμαχα καὶ τύκους μεγάλους. κρέκες] Cf. Herod. II. 76. ἶβις μέγαθος ὅσον κρέξ. Fortasse cognata vox est nostra crake (corncrake). Phot. κρέξ: ἀντὶ τοῦ ἀλαζών.

1140. ὕδωρ] Ad macerandum lutum.

1142. In voce ἐρωδιοὶ nonnulla videtur allusio fieri ad v. ἔρα (terra).

1147. Cf. Soph. O. R. 340. τίς γὰρ τοιαῦτ' ἂν οὐκ ἂν ὀργίζοιτ' ἔπη | κλύων; Soph. Fr. 789. πῶς ἂν οὐκ ἂν ἐν δίκῃ | θάνοιμ' ἄν; Versus ex tragoedia repetitus.

1149. ὑπαγωγέα] Inter οἰκοδόμου σκεύη memoratur ὑπαγωγεὺς Poll. X. 147. Vox nusquam alibi, ni fallor, obvia. Simplex ἀγωγεὺς (i. e. ἱμὰς) legitur Soph. Fr. 801. et (deductor) Herod. II. 175. Cf. v. ἀμολγεὺς (Theocr. VIII. 87.).

1150. Cf. Hor. Serm. II. 3. 248. 'equitare in arundine longa.' ὥσπερ παιδία] Cf. Fr. 346. λέξεις ἄρα | ὥσπερ τὰ παιδί', Ἔξεχ', ὦ φίλ' ἥλιε.

1151. πηλὸν] Lutum, limum (Virg. G. IV. 45.), quo parietes oblinuntur aut avium nidi construuntur. Anglice mortar. Cf. Plut. de Soll. anim. p. 966 D. de hirundinibus, κἂν πηλοῦ τινος ἐχεκόλλου δεομένην αἴσθωνται τὴν νεοττιάν, λίμνης ἢ θαλάττης ἐν χρῷ παραπετόμεναι ψαύουσι τοῖς πτίλοις ἐπιπολῆς ὅσον νοτεραὶ μὴ βαρεῖαι γενέσθαι τῇ ὑγρότητι, συλλαβοῦσαι δὲ κονιορτὸν ἐπαλείφουσιν οὕτως καὶ συνδοῦσι τὰ χαλῶντα. Eaedem πηλὸν φυρᾶν dicuntur ibid. p. 983 B.

1154. τέκτονες σοφώτατοι] Cf. Cratet. II. 248. ὁ — χρόνος μ' ἔκαμψε, τέκτων μὲν σοφὸς etc. Criti. trag. 1, 34. χρόνου — τέκτονος σοφοῦ.

1157. πελεκώντων] Cf. Hom. Od. 5, 244. αὐτὰρ ὁ τάμνετο δοῦρα — πελέκκησεν δ' ἄρα χαλκῷ. Ararot. com. 5. ἡ σὴ θυγάτηρ, ὅτ' ἐκεῖνος αὐτὴν ἐπελέκα.

1158. ἅπαντ' ἐκεῖνα] Cf. Fr. 460. ἦν δὲ πάνθ' 'ὄκως' | ἐκεῖνα. Pher. II. 299. Lucian. Luc. 42. πάντα ἐκεῖνα μεστὰ ἦν ἀλεύρων. πεπύλωται] θυρῶσαι (janua munire) legitur Xen. Hell. I. 4. 6.

1160. ἐφοδεύεται] Cf. Timocl. 32, 2. ἐφοδεύων. Hesych. ἐφοδεύειν· τὸ ἐπιέναι τὰς φυλακὰς τὸν ἄρχοντα.

1175. Cf. Pl. 445. Eur. Med. 1121. *ὦ δεινὸν ἔργον παράνομόν τ' εἰργασμένη.*

1177. Cf. Eupol. 341. *καὶ τοὺς περιπόλους ἀπιέν' εἰς τὰ φρούρια.*

1182. *ῥύμῃ τε — καὶ ῥοιζήμασιν*] Vulgata vix sana est. Lege *ῥύμῃ δὲ τῶν πτερῶν γε* —. Cf. Nub. 407. *ὑπὸ τοῦ ῥοίβδου* (l. *ῥοίζου*) *καὶ τῆς ῥύμης αὐτὸς ἑαυτὸν κατακάων* (*ὁ ἄνεμος*). Pac. 85. Thuc. II. 76. *ἡ δὲ ῥύμη ἐμπίπτουσα* etc. Soph. Ant. 1004. *πτερῶν γὰρ ῥοῖβδος* (l. *ῥοῖζος*) *οὐκ ἄσημος ἦν.* Eunap. Fr. 86. *ἱέραξ — ἐπειρᾶτο διαφεύγειν ἀετοῦ ῥύμην καὶ φοράν.* Trag. adesp. 458, 13. *θᾶσσον μὲν οἰστοῦ καὶ πτεροῦ χωρίζεται* (?).

1183. *αἰθὴρ δονεῖται*] Ex tragoedia. Cf. *ἀεροδόνητος* 1385.

1184. *ἐνταῦθά που*] Cf. Vesp. 234. Ran. 319. Eur. Fr. 506, 8. *ἀλλ' ἡ Δίκη | ἐνταῦθά πού 'στιν ἐγγύς, εἰ βούλεσθ' ὁρᾶν.* Lucian. Prom. 1.

1188. *πόλεμος αἴρεται* —] Cf. Ach. 913. Aesch. Suppl. 341. 439. Eur. Fr. 50, 2. *πρὸς τῶν ὁμοίων πόλεμον αἴρονται μέγαν.*

1193. *περινέφελον*] Cf. Plat. com. 65. *ἐπινέφελον* (malim *περινέφελον*).

1197. 1198. Versus tragici coloris.

1199. *αὕτη σύ,* —;] Cf. Th. 610. *αὕτη σύ, ποῖ στρέφει;*

1200. Cf. Lys. 742. Cratin. Fr. 70. *ἐπίσχες αὐτοῦ, μὴ πέρα προβῇς λόγου.*

1203 sq. Cf. Vesp. 1509. *τουτὶ τί ἦν τὸ προσέρπον; ὀξὶς ἢ φάλαγξ;* Eccl. 1071. *ἀτὰρ τί τὸ πρᾶγμ' ἔστ', ἀντιβολῶ, τουτί ποτε; | πότερον πίθηκος ἀνάπλεως ψιμυθίου | ἢ γραῦς ἀναστηκυῖα παρὰ τῶν πλειόνων;* Fr. 293 Bl. *σοὶ δ' ὄνομα δὴ τί ἐστιν;* Nicostr. III. 282. *ἡ ναῦς δὲ πότερ' εἰκόσορός ἐστιν ἢ κύκνος | ἢ κάνθαρος;* Soph. Fr. 250. *γυνὴ τίς ἥδε γυμνάς; Ἀρκὰς ἢ κυνῆ;* Schol. *τῆς Ἴριδος* (*περὶ τῆς Ἴριδος*?).

1206. *τριόρχος*] *τριόρχης* de homine lascivo Polyb. XII. 15. 2.

1210. *λῦσον*] Qu. *χεῦον.* Quae epica forma est.

1214. *σύμβολον*] Anglice, p e r m i t, l i c e n s e, p a s s. De *συμβόλῳ* concionali cf. Eccl. 297. de judiciali cf. schol. ad Pl. 277.

215. *ἐπέβαλεν*] Cf. Th. 415. *ταῖς γυναικωνίτισι | σφραγῖδας ἐπιβάλλουσιν ἤδη καὶ μοχλούς.* *παρών*] Cf. Lys. 188. *ἔπειτα πῶς οὐκ αὐτὸς ἀπολογεῖ παρών;*

1220. *τῇδε μὲν γὰρ οὔ*] Cf. ad Pl. 422.

1221. Cf. Soph. Ant. 316. *οὐκ οἶσθα καὶ νῦν ὡς ἀνιαρῶς λέγεις;* Soph. El. 583. Eur. Her. 970.

1222. Cf. Pl. 445. *δεινότατον ἔργον — ἔργων ἁπάντων.* Nub. 1132. *εἶθ' ἣν ἐγὼ μάλιστα πασῶν ἡμερῶν | δέδοικα* etc. Soph. Tr. 874. *βέβηκε — τὴν πανυστάτην | ὁδῶν ἁπασῶν.* Eur. Hel. 570. *τλημονεστάτην | πασῶν γυναικῶν.* Herod. II. 181. *ἔστι τοι οὐδεμία μηχανή μὴ οὐκ ἀπολωλέναι κάκιστα γυναικέων πασέων.*

1226. *ἄρχομιν, ἀλλ'*] Cf. Lys. 1150. *ἀδικίομες, ἀλλ'* —.

1227. *ἀκολασταινεῖτε*] Ut *σημανεῖτε* a *σημαίνειν*. Hinc *ἀκολάστασμα*, Lys. 399. *Ἀκολασταίνειν* formatum ut *δυσκολαίνειν*, *χαλεπαίνειν*, *δυσχεραίνειν*, *μωραίνειν*, *δυσμεναίνειν*, *θυμαίνειν*, etc. Mnesimach. III. 569. *ἀκολασταίνει νοῦς μειρακίων*. *ἀκροατέ'*] I. e. *ἀκροᾶσθαι δεῖ*. Sic *ἀκουστέα* Herod. III. 61. *ὡς ἀκουστέα εἴη*. et *πειστέον* Pac. 218. Eccl. 1022. Ran. 498.

1229. *τὼ πτέρυγε ποῖ ναυστολεῖς*] Stylus tragicus loquendi.

1232. Cf. Lys. 189. 196. Eur. Fr. 630. *μηλοσφαγεῖ τε δαιμόνων ἐπ' ἐσχάραις*.

1233. *κνισᾶν τ' ἀγυιάς*] Cf. Eq. 1320. Demosth. 43, 66. Lucian. Prom. 19. Bis accus. 2. *ἀκνίσωτοι* (*ἀκνίσητοι*?) *αἱ ἀγυιαί*. Aesch. Cho. 485. *ἐμπύροισι κνισωτοῖς* (*κνισητοῖς*?).

1237. *οἷς θυτέον αὐτοῖς*] Similiter fere Soph. O. R. 1374. *οἷν ἐμοὶ δυοῖν* | *ἔργ' ἐστὶ κρείσσον' ἀγχόνης εἰγασμένα*.

1238. *μὴ θεῶν*] *κίνει φρένας*] Cf. Eur. Med. 97. *μήτηρ* | *κινεῖ κραδίαν, κινεῖ δὲ χόλον*. Trag. adesp. 361. *κινοῦσα χορδὰς τάς ἀκινήτους φρενῶν*. Pher. II. 282. *κινεῖται γὰρ εὐθύς μοι χολή*. et ad Vesp. 403. Fortasse Sophoclis versus, ut fere est v. 1240. V. Nauck. p. 658.

1239. *πανώλεθρον* --] Cf. Lys. 1039. Herod. VI. 37. *πανώλεθρος ἐξαπόλλυται*.

1240. Cf. Aesch. Ag. 525. *Τροίαν κατασκάψαντα τοῦ δικηφόρου* | *Διὸς μακέλλῃ*. Soph. Fr. 767. Schol. *παρὰ τὸ Σοφόκλειον χρυσῇ μακέλλῃ* (*ἐν Χρύσῃ μακέλλῃ* Fritzsch. Nauck.). Ibid. (qu. *μὴ καὶ μακέλλῃ* —).

1241. Cf. Soph. ap. schol. *χρυσῇ μακέλλῃ Ζηνὸς ἐξαναστραφῇ*.

1242. *καταιθαλώσῃ*] Cf. 1248. 1261. Eur. Ion. 214. *τὸν δάϊον Μίμαντα πυρὶ καταιθαλοῖ*. Schol. *ὑπομνήμασι* (*ὑπομνημάτων* Dind.). Hesychius, *Λικυμνίοις βολαῖς: τῶν ἐν τῷ Εὐριπίδου Λικυμνίῳ μνημονεύοι ἂν ἴσως· κεραυνοῦται γὰρ ἡ ναῦς κατὰ τὸν ἐκεῖ λόγον, οὐχ ὡς αὐτοῦ τοῦ Λικυμνίου κατεσκημμένον*.

1243. Cf. Lys. 762. *παύσασθε τῶν τερατευμάτων*.

1244. *Φρύγα*] Cf. Tertullian. De anim. 279 b. 'Comici Phrygas timidos dicunt.'

1245. *μορμολύττεσθαι*] Cf. Cratet. 8, 1. Plat. Gorg. 473 D. Crit. 46 C. *οὐδ' ἂν — ὥσπερ παῖδας ἡμᾶς μορμολύττηται*. Ruhnk. ad Tim. 182.

1247 sq. Cf. Pl. 119 sq.

1247. Schol. *ἐξέρριπται* (*ἐνέρραπται* recte Herm.). *μονῳδίας* (*παρῳδίας* idem). *αἰετοῖς* (*ἀστραπαῖς* recte Wecklein).

1250. *παρδαλᾶς*] Cf. Anaxandr. III. 200. *ἀρκτῇ, λεοντῇ, παρδαλῇ, μοσχῇ, κυνῇ*. Adde *ἀλωπεκῇ, λυκῇ, ἀνθρωπῇ*. *ἐνημμένους*] Cf. Eccl. 80. *διφθέραν ἐνημμένος*. Fr. 249. *ἐναψάμενος δάπι-*

δας. Herod. VII. 69. *λεοντέας ἐναμμένοι.* Lucian. Tim. 6. *ἐναψάμενος διφθέραν.* *ὄρνις*] Eadem forma est 1610. Utrobique forsan corrigendum *ὄρνεις* ut *πόλεις.*

1251. *ἢ 'ξακοσίους*] De aphaeresi in *ἢ 'ξακοσίους* cf. Ran. 18. *ἢ 'τέρᾳ.* Damox. IV. 536. *ἑκκαίδεκ' ἢ 'πτακαίδεκα.*

1254. *ἀνατείνας τὼ σκέλη*] Cf. 623. *ἀνατείνοντες τὼ χεῖρ'.* Eccl. 265. *εἰθισμέναι γάρ ἐσμεν αἴρειν τὼ σκέλη.*

1256. *στύομαι τριέμβολον*] Cf. ad Ach. 994. Fr. II. 1190. *λορδὸς ὡς εἰς ἐμβολήν.* Cratin. II. 117. *οἴμ' ὡς ἁπαλὸς καὶ λευκός· ἆρ' οἴσει τρία;* et v. *δεκέμβολος* Aesch. Fr. 136.

1257. Cf. Pac. 1288. *ἀλλ' ἐξόλοιτ', ὦ παιδάριον, αὐταῖς μάχαις.*

1258. *οὐκ ἀποσοβήσεις; οὐ ταχέως;*] Cf. Soph. Aj. 369. *οὐκ ἐκτός; οὐκ ἄψορρον ἐκνεμεῖ πόδα;* *εὐρὰξ πατάξ*] Cf. nostra topsy-turvy, hurly-burly, pell-mell, harum-scarum. Schol. *χαμαιτύποι* (*χαμαιτύπαι* Mein. cf. Men. 879.). *παρὰ Μενάνδρῳ πρώην* (*Ἥρῳ* recte Mein.).

1260. Cf. 991. *οὔκουν ἑτέρωσε χρησμολογήσεις ἐκτρέχων;*

1272. *γλαφυρώτατε*] Cf. Alex. 110, 19. *σοφῶς | ταῦτ' οἰκονομήσω καὶ γλαφυρῶς.* Anaxipp. IV. 460. *ἐμβαμματίοις γλαφυροῖσι.* Dionys. com. III. 551. *τι κομψὸν ἢ σοφὸν ἢ γλαφυρὸν — τῶν πραγμάτων.* Diphil. 64, 1. *δειπνάριον — γλαφυρόν.* Astydam. trag. Fr. 4. *ὥσπερ δεῖπνον γλαφυροῦ ποικίλην εὐωχίαν.* Athen. X. 451 C. *Ἀχαιὸς — γλαφυρὸς ὢν ποιητὴς* etc.

1273. *ὦ —*] Cf. Nub. 1378. Dem. p. 232, 20. *ἀλλ', ὦ — τί ἄν σέ τις εἰπὼν ὀρθῶς προσείποι;*

1275. *οἱ πάντες λεῴ*] Cf. Pac. 298. Lys. 638. *ὦ πάντες ἀστοί.*

1281 sq. Hanc insanam morum Laconicorum apud Athenienses affectationem riserunt etiam Antiphanes (44), Plato comicus (124), Stephanus, ut videtur, in fabula *Φιλολάκωνι*, et plus semel Plato philosophus (Prot. 342 B. et alibi). Notatur eadem vel Phocionis aetate (Plut. Phoc. 10.).

1282. Cf. 1554. *ἄλουτος οὗ ψυχαγωγεῖ Σωκράτης.* Aristophont. 9, 2. *οἰόμεθα — τοὺς Πυθαγοριστὰς λεγομένους οὕτω ῥυπᾶν | ἑκόντας ἢ φορεῖν τρίβωνας ἡδέως;* Men. 249, 6. *ὁ προσαιτῶν καὶ ῥυπῶν.* Plat. Symp. 174 A.

1283. Lege *ἐσκυταλιοφόρουν.* Cf. *μιτροφορεῖν* (Th. 163.), *κροκωτοφορεῖν, θυλακοφορεῖν* (Fr. 619.), *σιδηροφορεῖν.* Schol. *αὐτοῖς* (l. *αὑτοῖς*).

1287. *νομόν*] Pabulum. Cf. 239.

1288. Cf. Men. 847. *καθιζάνει μὲν ἐνίοτ' εἰς τὰ σήσαμα.* Thuc. III. 75. 4. *καθίζουσιν ἐς τὸ Ἡραῖον ἱκέται.* Plat. Hipp. Maj. p. 95 D. *ὡς διὰ χρόνου ἡμῖν κατῆρας εἰς τὰς Ἀθήνας.* Plut. Q. R. 93. *πόρρωθέν ποθεν ἐξαπίνης καταίρουσι* (*γῦπες*).

1292. *Πέρδιξ*] Cf. Soph. Fr. 300. *ὄρνιθος ἦλθ'* (*ἦν*?) *ἐπώνυμος* | *Πέρδικος* (*Πέρδιξ τις*?) *ἐν κλεινοῖς Ἀθηναίων πάγοις.* Schol. *ὅτε* (l. *ὅτι*).

1295. *χηναλώπηξ*] Avis quaedam. Cf. Lys. 957. Herod. II. 72. *χηναλώπηξ* audiebat Lysistratus teste schol. Ach. 855.

1296. *Χαιρεφῶντι νυκτερὶς*] Cf. 1564. Fr. 486. *Χαιρεφῶντα Ἀριστοφάνης ἐν Ὥραις Νυκτὸς παῖδα καλεῖ.*

1297. De Midia v. Schol. h. l. et Schol. Lucian. p. 186. Jacob. Schol. *κλοπῆς* (*κλοπὴν* recte Schneider) *δημοσίων.* Ibid. *Ἀριστοφάνης* (*Πλάτων*?) — *ὁ αὐτὸς* (*Φρύνιχος* Mein.).

1298. Carcini filii propter exiguam staturam *ὄρτυγες* ἐκαλοῦντο (schol. Pac. 778.).

1299. *ὀρτυγοκόπου*] *ὀρτυγοκόπος* legitur Plat. com. II. 653. *ὀρτυγοκοπεῖν* Plut. 2. 34 D. *ὀρτυγοκοπία* Poll. II. 102. *ὀρτυγοκοπικὸς* Poll. IX. 107. Cf. *ὀρτυγοκόμος* Fr. 36. et *ὀρτυγοτρόφος* Plat. Euthyd. 290 D. Eupol. 250. *ἦ κόψομεν τὴν μᾶζαν ὥσπερ ὄρτυγα;*

1301. *ἐμπεποιημένη*] Cf. Dion. Hal. A. R. IV. 62. *ἐν οἷς* (*χρησμοῖς*) *εὑρίσκονταί τινες ἐμπεποιημένοι τοῖς Σιβυλλείοις.* Strab. I. p. 33. *καὶ ὅλη γε τῇ δραματουργίᾳ τοῦτο παραπέπλεκται* (*παρεμπ.*?).

1304. *ἓν δέ σοι λέγω*] Cf. Fr. 488, 2. *ἓν δέ σοι φράσω,* etc.

1309. Cf. Long. Past. II. 1. *ὁ μὲν ἐβάσταζεν ἐν ἀρρίχοις βότρυς.*

1310. *κοφίνους*] Cf. Fr. 129. *κοφίνους — λίθων.*

1314. Cf. Lys. 446. *παύσω τιν' ὑμῶν* etc. Nub. 1491.

1316. Cf. Cratin. 138. *τίνες αὖ πόντον κατέχουσ' αὖραι;* Mnesim. 4, 64. *τοιάδε δόμους ὁμίχλη κατέχει.* Soph. Aj. 142. *μεγάλοι θόρυβοι κατέχουσ' ἡμᾶς.* Eur. Fr. 360, 23. *πόλιν δὲ πολεμία κατεῖχε φλόξ.* Python. trag. 1, 9. *ἐκμαθεῖν δέ σου ποθῶ Ἀτθίδα χθόνα* | *τίνες τύχαι κατέχουσιν ἢ* (*κατέχουσι καὶ*?) *πράττουσι τί.* Athen. XV. 669 B. *θόρυβος κατεῖχε τὸ συμπόσιον.*

1321. *ἀγανόφρονος*] Cf. Cratin. 288. *ἄνδρες ἀγανόφρονες ἡδυλόγῳ σοφίᾳ βροτῶν* (*ἀγανόφρονος ἡδυλόγου σοφίας πλέῳ*?) *περισσοκαλλεῖς.* Lys. 887. *ἀγανώτερον βλέπειν.* 1111. *ἀγανήν.* 1289. *ἡσυχίας περὶ τῆς μεγαλόφρονος* (l. *ἀγανόφρονος*). Vesp. 1467.

1322. *Ἁσυχίας — πρόσωπον*] Cf. Soph. Fr. 743. *τὸ τᾶς Πειθοῦς πρόσωπον.* Eur. Iph. A. 1089. *τὸ τᾶς Αἰδοῦς ἢ τὸ τᾶς Ἀρετᾶς πρόσωπον.* Eur. Fr. 490. *Δικαιοσύνας τὸ χρύσεον πρόσωπον.*

1323. *βλακικῶς*] I. q. *κατεβλακευμένως* Pl. 325. Cf. Plat. Polit. 307 C. *δειλὰ καὶ βλακικά.* Pol. IV. 432 D. *βλακικώτερα.* Polit. IV. p. 450 D. *ἡ μὴν βλακικόν γε ἡμῶν τὸ πάθος.* Legg. I. 637 B.

1339. *γλαυκᾶς ἐπ' οἶδμα λίμνας*] Cf. Ran. 666. Hesiod. Th. 365. *βένθεα λίμνης.* Soph. Fr. 342, 2. *γλαυκᾶς — εὐανέμου λίμνας.* Eur. Hec. 446. *ἐπ' οἶδμα λίμνας.* 634. *ἅλιον ἐπ' οἶδμα.* Or. 992. *ἐς οἶδμα πόντου.* Herc. 410. *δ.' Εὔξεινον οἶδμα λίμνας.* Hipp. 744.

πορφυρέας λίμνας. Hel. 400. *ἐγὼ δ' ἐπ' οἶδμα πόντιον γλαυκῆς ἁλὸς | τλήμων ἀλῶμαι.* 1501. *γλαυκὸν ἐπ' οἶδμ' ἅλιον.*

1340. *εἶν'*] Eadem elisio est Nub. 1357. Ran. 692. Men. IV. 150.

1350. *πεπλήγῃ*] Cf. 1457. *ὠφλήκῃ.* Eq. 11. *κεκλόφωσι.* Ran. 813. *ἐσπουδάκωσι.*

1353. Huc fortasse respicit Photii glossa p. 407. *Πελαργικοὶ νόμοι: ἀντεκτρέφειν τοὺς γονεῖς. οὕτως Ἀριστοφάνης.*

1354. Cf. Cratin. 274. *πρὸς τοῦ Σόλωνος καὶ Δράκοντος οἷσι νῦν | φρύγουσιν ἤδη τὰς κάχρυς τοῖς κύρβεσιν.*

1355. *ἐκπετησίμους*] Cf. Fr. 500.

1358. Cf. Ach. 71. *σφόδρα γὰρ ἐσωζόμην ἐγὼ* etc.

1360. *οὐδέν γ'*] Cf. Nub. 694. Eur. Ion. 404. *μῶν χρόνιος ἐλθών σ' ἐξέπληξ' ὀρρωδίᾳ; | ΚΡ. οὐδέν γ', ἀφίκου δ' ἐς μέριμναν.* Similiter *εἶεν,* Aesch. Cho. 657. *εἶἕν, ἀκούω* etc.

1364. *ταυτηνδί*] Cf. 644. *τῳδεδί.* Eq. 1357. *νυνδί.*

1365. *πλῆκτρον*] Cf. 759. *εἰ μάχει*] Cf. Ran. 607. *εἶεν, καὶ μάχει;* Utrobique fortasse scribendum *μαχεῖ.*

1369. *τἀπὶ Θρᾴκης*] Cf. Vesp. 288. Thuc. VI. 63. *τά τε ἐπέκεινα τῆς Σικελίας.* Herod. VI. 33. *τὰ τείχεα τὰ ἐπὶ Θρηΐκης.* V. 57. *ἐτράποντο ἐπὶ Ἀθηνέων.* VI. 34. IX. 47. *ἐπὶ τοῦ εὐωνύμου.* VII. 193.

1370. Cf. 171. *νὴ τὸν Διόνυσον εὖ γε μωμᾷ ταυταγί.*

1372. Cf. Ran. 1352. *ὁ δ' ἀνέπτατ' ἀνέπτατ' ἐς αἰθέρα κουφοτάταις πτερύγων ἀκμαῖς.* Anacreont. 87. *ἀναπέτομαι δὴ πρὸς Ὄλυμπον πτερύγεσσι κούφαις.* Theogn. 1093. *ἤδη καὶ πτερύγεσσιν ἐπαίρομαι (ἀείρομαι?) ὥστε πετεινόν.*

1373. *ὁδὸν — μελέων*] Cf. Pind. Fr. 201. *Δωρίαν κέλευθον ὕμνων.*

1375. Schol. *δηλονότι* Headlam.

1377. *ἀσπαζόμεσθα φιλύρινον Κινησίαν*] Cf. Nub. 1145. *Στρεψιάδην ἀσπάζομαι.* Fr. 714. *ἀσπαζόμεσθ' ἐρέτμια καὶ σκαλμίδια —.* Pl. 1042. Alex. III. 460. *ἀσπάζομαι γραῦν Σφίγγα. φιλύρινον*] Cf. Herod. IV. 67. *φιλύρης φλοιῷ μαντεύονται.* Cinesiae saltandi genus tangere hic videtur, qui *ἐν τοῖς χοροῖς πολλῇ κινήσει ἐχρήσατο* (schol. Ran. 153.).

1379. *πόδα — κυκλεῖς*] Cf. Eur. El. 561. *τί δὲ κυκλεῖ πέριξ πόδα; ἀνὰ κύκλον*] Angl. in a circle (ring). Cf. Th. 941. *ἄγ' ἐς κύκλον χειρὶ σύναπτε χεῖρα.*

1381. *λιγύφθογγος*] Cf. Theogn. 241. *αὐλίσκοισι λιγυφθόγγοις.*

1382. Cf. Com. adesp. IV. 659. *παῦσαι μελῳδῶν, ἀλλὰ πεζῇ μοι φράσον.* Eur. Fr. 188, 2. *παῦσαι μελωδῶν* (*παῦσαι δ' ἐλέγχων* libri), *πολεμίων δ' εὐμουσίαν | ἄσκει.*

1383. *μετάρσιος*] Cf. Com. adesp. 378. *ἄγει δέ σ' αὐτὸ* (*τὸ χρυσίον*) *καὶ ποιεῖ μετάρσιον.*

1385. *ἀεροδονήτους — ἀναβολάς*] Cf. Eup. 245. *τί κατακροᾶσθε* (*τάδ' ἀκρ.?*) *μου τὰ μουσοδονήματα;* Theocr. XXIV. 89. *ἢ ἀνέμῳ*

δεδονημένον αὖον ἄχερδον. Cf. *πτεροδόνητος* (1390. 1402.), *οἰστροδόνητος* (Th. 324.), *γυιοδόνητος* (Phryn. trag. 2.), *ἀεροφόρητος* (Eubul. III. 251.).

1387. *κρέμαται* —] Cf. Eur. El. 950. *τὰ γὰρ τέκν' αὐτῶν Ἄρεος ἐκκρεμάννυται.*

1389. Cf. Eur. Phoen. 1534. *ἀέριον σκότον ὄμμασι σοῖσι βαλών.*

1390. *πτεροδόνητα*] Cf. 1402. et ad 1385. Phryn. trag. Fr. 2. *σῶμα — γυιοδόνητον.*

1392. *δίειμι*] Narrabo. Cf. Sosipat. 1, 44. *τί οὖν; ἔτι σοι δίειμι τὰ στρατηγικά.* Plat. com. II. 672. Amph. III. 303. Lucian. Nec. 3. *δίειμι τὴν γνώμην τὴν ἐμήν.* Herod. I. 24. *διεξελθὼν τὸν ὄρθιον.* Isocr. Panath. 269 E. *ποτέρων διεξίω πρότερον τοὺς κινδύνους;*

1393. *πετεινῶν*] Cf. Pac. 129. *πετεινῶν.* Sic *μελανάετος ὤκιστος πετεηνῶν* dicitur Hom. Il. 21, 253.

1394. Cf. Aesch. Fr. 281. *αἰθέρα θ' ἁγνὸν πόρον οἰωνῶν.*

1395. *ἄλαδε* legitur Hom. Il. 1, 308. etc. *εἰς ἄλαδε* Od. 10, 351. Confer *πόντονδε,* Aesch. Suppl. 34. *πέμψατε πόντονδε.*

1400. *αὔλακα τέμνων*] Cf. Th. 1100. *δι' αἰθέρος | τέμνων κέλευθον.*

1402. *πτεροδόνητος*] Cf. *οἰστροδόνητος* Th. 324.

1404. *περιμάχητος*] Cf. Th. 319.

1406. *Λεωτροφίδῃ*] Cf. Hermipp. 35. *θύουσιν ἤδη βοίδια | Λεωτροφίδου λεπτότερα καὶ Θουμάντιδος* (Eq. 1268.).

1407. *Κεκροπίδα φυλήν*] Cf. Eubul. III. 208. *Κεκροπιδῶν κόροι* (Eurip. v. Fr. 225.). *Κεκροπὶς φυλὴ* memoratur Poll. VIII. 109. 110. Lege *Κρεκοπίδα φυλήν.* Sic *ἐν Κλωπιδῶν* pro *ἐν Κρωπιδῶν* dixit Eq. 79. *καταγελᾷς μου, δῆλος εἶ*] Cf. Lys. 919. *ἥ τοι γυνὴ φιλεῖ με, δήλη 'στιν καλῶς.* Eq. 330.

1410. *ὄρνιθες — πτεροποίκιλοι*] Cf. 24. *ὄρνις τε πτεροποίκιλος.*

1412. *τανυσίπτερε*] Cf. Hom. H. 32, 1. *μήνην — τανυσίπτερον.*

1414. *δεῦρό τις προσέρχεται*] Cf. Lys. 65. *ἀτὰρ αἵδε καὶ δή σοι προσέρχονταί τινες.* Eq. 1196.

1423. *ὦ μακάριε τῆς τέχνης*] Cf. Pac. 715. *ὦ μακαρία βουλὴ σὺ τῆς Θεωρίας.* Vesp. 1292. 1512. Eq. 186. Nub. 166.

1424. *πραγματοδίφης*] Cf. *δικοδίφης* Lucian. Lex. 9. Nub. 192. *ἐρεβοδιφῶσιν.*

1425. *περισοβεῖν*] Cf. Dem. p. 565. *διὰ τῆς ἀγορᾶς σοβεῖ.*

1429. *ἀνθ' ἕρματος*] Pro saburra. Cf. Arist. H. A. VIII. 12. 8. IX. 40. 46. Virg. G. IV. 195. Sic fere Vesp. 1367. *ὡς ἡδέως φάγοις ἂν ἐξ ὄξους δίκην.*

1432. *τί γὰρ πάθω;*] Cf. Eccl. 860. *βαδιεῖ δὲ δειπνήσων ὅμως; ΑΝ. τί γὰρ πάθω; | τὰ δυνατὰ γὰρ δεῖ* etc. Lys. 884. Nub. 798. *ἀλλ' οὐκ ἐθέλει γὰρ μανθάνειν· τί γὰρ πάθω; σκάπτειν* —] Cf. ad Vesp. 959. et Fr. 4. Eupol. 13. *ἐπίσταμαι γὰρ αἰπολεῖν, σκάπτειν, νεᾶν, φυτεύειν.*

1434. *ἀφ' ὧν διαζῆν*] I. q. *διατρέφεσθαι*. Cf. Pl. 906. *πῶς οὖν διέζης;* Xen. Mem. II. 7. 6. *Μεγαρέων οἱ πλεῖστοι ἀπὸ ἐξωμιδοποιίας διατρέφονται.*

1435. Cf. Pl. 400. *οὐκ ἔστι πω τὰ πράγματ' ἐν τούτῳ. ΒΛ. τί φῄς; | οὐ τῷ μεταδοῦναι;* Eur. Or. 1162. *βάρος τι κἀν τῷδ' ἐστὶν, αἰνεῖσθαι λίαν.* Ph. 750. *τὸ τοῦδε κῆδος μᾶλλον εἵλετ' ἢ πατρός.*

1439. Cf. Xen. Symp. IX. 5. *πάντες ἀνεπτερωμένοι ἐθεῶντο.*

1441. Lege *τὰ μειράκια τἀν* —. Cf. Eq. 1375. *τὰ μειράκια ταυτὶ λέγω τἀν τῷ μύρῳ.* ad Soph. O. C. 1096.

1443. *λέγων*] Cf. 425. Lys. 1229. *ἢν τοὺς Ἀθηναίους ἐγὼ πείσω λέγων.*

1444. *ὁ δέ τις*] Cf. Pl. 1180.

1445. *πεποτῆσθαι τὰς φρένας*] Cf. Nub. 319. *ἡ ψυχή μου πεπότηται.* Eur. El. 175. *οὐκ ἐπ' ἀγλαΐαις — θυμὸν — πεπόταμαι.*

1446. *λόγοισι τἄρα —;*] Cf. 1542. et ad Vesp. 259.

1451. *τὸ γένος οὐ καταισχυνῶ*] Cf. Nub. 1220.

1452. *παππῷος ὁ βίος*] Cf. ad Ran. 1146. *πατρῷον τοῦτο*

1457. *ὠφλήκῃ δίκην*] Cf. Theophr. Char. 12. *δίκην ὠφληκότα ἐγγύης.*

1460. Connecte *αὐτοῦ* cum *ἁρπασόμενος*. *πάντ' ἔχεις*] Cf. Fr. 198, 7.

1462. *βέμβικα*] Sc. *λέγεις*. Cf. Vesp. 1507.

1467. Cf. Eupol. 206, 2. *οὐκ ἀπολιβάξεις εἰς ἀποικίαν τινά;* Diph. Fr. 137. *ἀπολιβάξω* (i. e. *ἀπέλθω*).

1468. *πικρὰν* —] Cf. Th. 853. *πικρὰν Ἑλένην ὄψει τάχ', εἰ μὴ κοσμίως | ἕξεις.* Eubul. 120, 6. *πικρὰν στρατείαν δ' εἶδον, οἵτινες* etc. *στρεψ.*] Redde, cunning in the perversion of justice.

1470 sq. Cf. 481. *εἴ που τοιαύτην εἶδε πόλιν ᾖ 'πέπτετο.*

1473. *δένδρον*] Cf. Eupol. 102. *ταδὶ δὲ* (l. *ταδεδὶ*) *τὰ δένδρα Λαισποδίας καὶ Δαμασίας — ἀκολουθοῦσί μοι.*

1474. *Καρδίας ἀπωτέρω*] Cf. Nub. 771. Cratin. II. 150. *ἀπωτέρω κάθηνται τῆς λύρας.* Isae. VII. 25.

1476. *ἄλλως δὲ* —] Anglice, but in other respects. Cf. Pl. 976. *πενιχρὸν μὲν, ἄλλως δ' εὐπρόσωπον καὶ καλὸν* etc. Th. 290. *ἀνδρὸς — πλουτοῦντος, ἄλλως δ' ἠλιθίου κἀβελτέρου.* Pl. 976.

1481. *φυλλορροεῖ*] Cf. Pher. II. 316. Arist. Anal. Post. II. 16. 1. Pind. Ol. XII. *καὶ τεὰ κεν — ἀκλεὴς τιμὰ κατεφυλλορόησε.* Sic *φυλλοχοεῖν* (Hesiod. Plut.).

1482 sq. 1553 sq. 1694 sq. Tres ejusdem carminis portiones (*ἀποκοπαὶ*) separatae, ut Lys. 1043 sq. 1188 sq.

1490 sq. *ἥρῳ*] *ἥρωες* aliquando vocabantur *οἱ λωποδύται*. Cf. Plat. Resp. VIII. 558 A. *οὔτε φροντίζοντος οὔτε ὁρῶντος οὐδενὸς περινοστεῖ ὥσπερ ἥρως.* Alex. III. 414. *ὅστις ἀγοράζει πτωχὸς ὢν ὄψον πολὺ — τῆς νυκτὸς οὗτος τοὺς ἀπαντῶντας ποιεῖ | γυμνοὺς ἅπαντας.*

1490. Cf. Fr. 692. Zenob. V. 60. Schol. *διό μοι δοκοῦσι καὶ* (*διὸ καί μοι δοκοῦσι*, aut *διὸ καὶ δοκ.*?) —.

1492. *γυμνὸς ἦν*] I. e. sine pallio. Cf. Alex. 78, 3. *τῆς νυκτὸς οὗτος τοὺς ἀπαντῶντας ποιεῖ | γυμνοὺς ἅπαντας*. Aesch. 9, 14. *γυμνὸς ἔρχεται εἰς τὴν ἀγοράν*. 4, 33. *γυμνὸς ἐπαγκρατίαζε*. De heroum iracundia cf. Fr. 692. Menand. 459. Com. adesp. 257.

1495. *ἔα* monosyllabum est ut in Th. 176. 64.

1501. *τί γὰρ ὁ Ζεὺς ποιεῖ;*] Cf. Vesp. 263. *φιλεῖ — ποιεῖν ὑετόν*. Theophr. Char. 3. *εἰ ποιήσειεν ὁ Ζεὺς ὕδωρ*.

1502. *ἀπαιθριάζει*] Intransitive, ut videtur. Deinde construendum *ἢ ξυννέφει τὰς νεφέλας*. Cf. Eur. El. 1078. *εἰ μὲν τὰ Τρώων εὐτυχοῖ, κεχαρμένην· | εἰ δ' ἥσσον' εἴη, συννέφουσαν ὄμματα*. Sed cf. Alex. III. 397. *πῶς ἐπινέφει τὸ πρῶτον ὁ Ζεὺς ἡσυχῇ, | ἔπειτα μᾶλλον μᾶλλον; ξυννέφει*] Cf. Fr. 349. *ὡς ἐς τὴν γῆν κύψασα κάτω καὶ ξέννενοφυῖα βαδίζει*. Eur. Fr. 332, 6. *οὕτω δὲ θνητῶν σπέρμα τῶν μὲν εὐτυχεῖ | λαμπρᾷ γαλήνῃ, τῶν δὲ συννέφει πάλιν*. Herod. I. 87. *ἐκ δὲ αἰθρίης καὶ νηνεμίης συνδραμέειν ἐξαπίνης νέφεα*. Confer v. *συσκοτάζειν* (Thuc. VII. 73.) et *συσκιάζειν*.

1503. *οὕτω μὲν —*] Cf. 655. Eq. 1131.

1504. *παῦε παῦε, μὴ βόα*] Cf. Vesp. 37. *παῦε παῦε, μὴ λέγε*. 1194. *παῦε παῦ', οὐδὲν λέγεις*. Ran. 269. *ὦ παῦε παῦε*.

1505. Cf. Ran. 298. *οὐ μὴ καλεῖς μ' — μηδὲ κατερεῖς τοὔνομα;*

1506. *ἀπὸ γὰρ ὀλεῖ μ'*] Lege *ἀπὸ γὰρ ὀλοῦμ'*.

1511. Cf. Eq. 1402. *εὖ γ' ἐπενόησας οὗπέρ ἐστιν ἄξιος*.

1514. *πηνίκ' ἄττ' —;*] Cf. Fr. 499.

1519. *Θεσμοφορίοις*] Cf. Andoc. 17, 19. *Ἡφαιστείοις*.

1521. *κεκριγότες*] Cf. Eupol. 120, 2. *ὃν χρῆν — κάεσθαι τετριγότα*. Affinis vox est Anglica to cry. Fort. *τετριγότες*.

1523. Cf. Thuc. II. 94. *λιμένων τε κλήσει* etc.

1526. *ἄνωθεν ὑμῶν*] Cf. Ach. 433. *ἄνωθεν τῶν Θυεστείων ῥακῶν*. Soph. Tr. 815. *ὀμμάτων — ἄπωθεν*. Eur. Iph. T. 108. *νεὼς ἄπωθεν*.

1529. Cf. Alex. 241, 1. *οὐδ' ἐν Τριβαλλοῖς ταῦτά γ' ἐστὶν ἔννομα*.

1530. *τοὐπιτριβείης*] Cf. Th. 557.

1531. *μάλιστα πάντων*] Cf. Eccl. 768. Soph. El. 665.

1536. Etiam Cratinus personam *Βασιλείαν* induxit teste schol

1541. *τὰ τριώβολα*] Eodem sensu *μισθοὺς* Ach. 657.

1542. *ἅπαντα τἄρ' —;*] Cf. 1446. et ad Vesp. 259.

1545. *ἀεί ποτε*] Cf. Pher. 166. *ἀεί ποθ' ἡμῖν ἐγκιλικίζουσ' οἱ θεοί*. Henioch. 4, 9. Alex. 85, 4. Eur. Or. 868. *σῷ γὰρ εὔνοιαν πατρὶ | ἀεί ποτ' εἶχον*. Ion. 1329. *προγόνοις δάμαρτες δυσμενεῖς ἀεί ποτε*. Iph. A. 638. *φιλοπάτωρ δ' ἀεί ποτ' εἶ*. 870. *κἀμὸς ἦσθ' ἀεί ποτε*. Rhes. 653. *ἀεί ποτ' εὖ φρονοῦσα τυγχάνεις πόλει*. 610. Eur. Fr. 205, 6. *τὰ πράγματα | κρείσσω νομίζω τῶν λόγων ἀεί*

ποτε. Fr. 101. ἀεί ποτ' ἐστὶ σπέρμα κηρύκων λάλον. Herod. VIII. 29. πλέον αἰεί ποτε ὑμέων ἐφερόμεθα. IX. 26. 3. αἰεί ποτε. Thuc. III. 96. κατὰ τὴν Ἀθηναίων ἀεί ποτε φιλίαν. VI. 89. τοῖς γὰρ τυράννοις ἀεί ποτε διάφοροί ἐσμεν. IV. 103. ἀεί ποτε τοῖς Ἀθηναίοις ὄντες ὕποπτοι. VI. 82. ἀεί ποτε πολέμιοι. II. 102. IV. 57. 78. etc. Hell. VI. 5. 33. ἀεί ποτε ἀλλήλοις — παρίσταντο. De collocatione particulae γὰρ cf. Pl. 146. ἅπαντα τῷ πλουτεῖν γάρ ἐσθ' ὑπήκοα. 1120. 1205. Nub. 1198. ὅπερ οἱ προτένθαι γὰρ δοκοῦσί μοι παθεῖν. Vesp. 814. Antiph. III. 89. ταῖς εὐτελείαις οἱ θεοὶ χαίρουσι γάρ.

1546. ἀπανθρακίζομεν] Cf. Ran. 506. Ἀπανθράκισμα est ap. Hesych. s. v. χναύματα.

1547. Cf. Aesch. Prom. 975.

1549. καθαρὸς Τίμων] Cf. Antiph. 9. καθαρὸς δοῦλος. Τίμων] Cf. Lys. 808. Phryn. 18. Plat. 218. et ad Ran. 130.

1551. κανηφόρῳ] Cf. Eccl. 732.

1552. Σκιάποδες] Memorantur etiam Archipp. 53.

1553. Σκιάποσιν] Reddas Umbripedibus.

1554. ἄλουτος — Σωκράτης] Cf. Lys. 279. ἓξ ἐτῶν ἄλουτος. Nub. 837. Plat. Symp. 174 A. Σωκράτη ἐντυχεῖν οἱ λελουμένον τε καὶ τὰς βλαύτας ὑποδεδεμένον, ἃ ἐκεῖνος ὀλιγάκις ἐποίει.

1555. Cf. Python. trag. 1, 5. ἐνταῦθα δὴ τῶν βαρβάρων τινὲς μάγοι | ὁρῶντες αὐτὸν παγκάκως διακείμενον | ἔπεισαν ὡς ἄξουσι τὴν ψυχὴν ἄνω | τὴν Πυθιονίκης. Phryn. Bekk. p. 3, 13. Ψυχαγωγός· — οἱ ἀρχαῖοι τοὺς τὰς ψυχὰς τῶν τεθνηκότων γοητείαις τισὶν ἄγοντας (ἀναγόντας?).

1556. Pisander, populi imperio subverso, quadringentorum dominationem instituit. De eo cf. Fr. 81 K. Hermipp. 9. Eupol. 31. 182. Phryn. 20, 2. Platonis comici fabula inscripta fuit Πείσανδρος.

1557. Cf. Plat. 68, 2. ψυχὴν δ' ἀνήκειν ὥσπερ Αἰσώπου ποτέ.

1563. θαἶμα] Cf. Lys. 205. Sic θοὐκάτειον 64. θοὔδατος 370. θοἰμάτιον Nub. 54. θαἰμάτια Eccl. 26.

1564. Cf. 1296. Fr. 486 a.

1567. ἐπ' ἀριστέρ'] Cf. Ephipp. 23, 2. ἐπαρίστερ' ἐν τῷ στόματι τὴν γλῶτταν φορεῖς. Men. 838.

1568. ἐπὶ δεξιά] Cf. Theocr. XXV. 18. τεῆς ἐπὶ δεξιὰ χειρός.

1569. Cf. Eupol. ap. schol. (102.) ταδὶ δὲ (δὲ del. Elmsl. leg. ταδεδὶ) τὰ δένδρα Λαισποδίας καὶ Δαμασίας | αὐταῖσι ταῖς κνήμαισιν ἀκολουθοῦσί μοι. Phryn. 16. Schol. αἰτίας (Anglice blemishes, faults).

1571. εἰ τουτονί γ'] Arcte cohaerunt particulae εἰ — γε, cf. ad Th. 709. Plerumque enim non τουτονί γε dicebant, sed τουτονγί.

1572. ἕξεις ἀτρέμας;] Anglice, Will you keep quiet? Cf. 1299. ἄξεις; Pac. 259. οἴσεις ἀλετρίβανον τρέχων; Nub. 633.

1573. ἑορακέναι] Cf. Th. 32. Pl. 98. 1045. Alex. III. 503.

1575 sq. De constructione cf. Nub. 1370. et ad Ran. 427.

1575. Cf. Eccl. 362. οὗτος βεβαλάνωκε τὴν θύραν, | ὅστις ποτ' ἔσθ' ἄνθρωπος ἀχραδούσιος.

1579. τυρόκνηστιν] Cf. Plat. 8. Hom. Il. 11, 639. ἐπὶ δ' αἴγειον κνῇ τυρὸν | κνήστι χαλκείῃ.

1581. Cf. Nub. 608. ἡμῖν ἐπέστειλεν φράσαι | πρῶτα μὲν χαίρειν Ἀθηναίοισι καὶ τοῖς ξυμμάχοις. Eupol. II. 556. πρῶτος γὰρ ἡμᾶς, ὦ Κλέων, | χαίρειν προσεῖπας πολλὰ λυπῶν τὴν πόλιν.

1585. ἔδοξαν ἀδικεῖν] Cf. Ran. 1485. εὖ φρονεῖν δοκήσας. Lys. XX. 16. ἐκπριάμενοι τοὺς κατηγόρους οὐδὲν ἔδοξαν ἀδικεῖν. Thuc. III. 81. 3. σφῶν αὐτῶν τοὺς ἐχθροὺς δοκοῦντας εἶναι ἐφόνευον.

1589. ἔλαιον —] Cf. Nub. 56.

1593. τέλμασιν] τέλμα valet caementum (Anglice mortar) Herod. I. 179.

1603. ἀπόχρη] I. q. ἀρκεῖ. Cf. Pl. 482. νῷν δὲ δύ' ἀποχρήσουσιν μόνω. Aesch. Ag. 1574. κτεάνων τε μέρος | βαιὸν ἐχούσῃ πᾶν ἀπόχρη μοι.

1604. γάστρις] Helluo. Cf. Th. 816. et ad Ran. 200. Antiph. III. 49. γάστριν καλοῦσι καὶ λαμυρὸν ὃς ἂν φάγῃ | ἡμῶν τι τούτων. Com. adesp. 878. ὀνόγαστρις ἄνθρωπος.

1610. ὄρνις] Cf. ad 1250.

1615. ναβαισατρεῦ] Cf. Ach. 104. Ἰαοναῦ (barb.). Latet fortasse ναί. Cf. Hesych. v. ναικισσορεύοντας.

1620. Cf. Thuc. I. 142. τοῦ δὲ πολέμου οἱ καιροὶ οὐ μενετοί.

μὴ ἀποδιδῷ] Eadem crasis est Nub. 1278. Sic μὴ ἀλλὰ Ach. 458. Av. 109. Th. 646. etc.

1636. Cf. Ran. 1136. ὁρᾷς ἃ ληρεῖς; ΔΙ. ἀλλ' ὀλίγον γέ μοι μέλει.

1638. Cf. Ran. 835. ὦ δαιμόνι' ἀνδρῶν. 1227. 1472. Ubi deum Dionysum alloquitur Euripides.

1647. Schol. ὅτι (ἐστι?) ὅμοιον.

1649. οὐδ' ἀκαρῆ] Cf. Vesp. 541. 701. Pl. 244. ἐν ἀκαρεῖ χρόνῳ (f. χρόνου). Nub. 496. ἀκαρῆ διαλιπών.

1656. νοθεῖ'] Cf. Eur. Fr. 495, 21. τύραννα σκῆπτρα — πρεσβεῖ' ἔχοντας. Strab. IX. p. 392. ὁ πατὴρ ὥρισεν ἐμοὶ μὲν ἀπελθεῖν εἰς ἀκτὰς τῆσδε γῆς πρεσβεῖα νείμας. Cum νοθεῖα cf. ἀγχιστεῖα, πρυτανεῖα.

1664. τοῖς ἐγγυτάτω γένους] Cf. Dem. p. 1099. τῆς κατὰ γένος ἀγχιστείας. Dem. p. 1100. τοῖς ἐγγύτατα (ἐγγυτάτω unus codex optimus) γένους. Sic ἀγχοτάτῳ Eur. Fr. 620, 2.

1671. αἰκίαν βλέπων] Cf. Ach. 566. ὦ βλέπων ἀστραπάς.

1678. βασιλιναῦ] Cf. Ἰαοναῦ barbare loquentis Persae Ach. 104.

1680. Cf. Aesch. Ag. 1050. *χελιδόνος δίκην | ἀγνῶτα φωνὴν βάρβαρον κεκτημένη*. Fr. 450. *χελιδονίζειν* (i. e. *βαρβαρίζειν*).

1683. *ξυμβαίνετε*] Cf. Ran. 175. *ἐὰν ξυμβῶ τί σοι.*

1688. *εἰς καιρὸν*] Cf. Alex. III. 452. *ἂν — τύχῃ — εἰς καιρὸν ἐλθών.* *κατεκόπησαν*] Cf. Antiph. III. 134. *βοῦν τοῖς ἀκλήτοις προκατακόπτειν.* Heracl. com. III. 565. *ἀλεκτρυόνα — πλανώμενον | κατέκοψεν.* Theocr. XIV. 14. *δύο μὲν κατέκοψα νεοσσούς.* *οὑτοιί*] Cf. ad 1018. *ἐπίκεινται γὰρ ἐγγὺς αὑταιί.*

1692. *ὀπτᾷς τὰ κρέα;*] Roast the meat? Subjunctivus est *ὀπτᾷς.* *εὖ γε μέντἂν διετέθην*] Cf. Men. 591, 1. *τῷ μὲν τὸ σῶμα διατεθειμένῳ κακῶς | χρεία 'στ' ἰατροῦ.* Herod. VII. 155. *ἀνηκέστως διαθεῖναί τινα.* Lys. III. 4. *ἀνοητότερον πρὸς τὸ μειράκιον διατεθείς.* Thuc. VI. 57. *ληφθεὶς οὐ ῥᾳδίως διετέθη.* et Ran. 743. *ᾤμωξε μέντἂν.*

1693. *χλανίδα δότω*] Qu. *χλανίδ' ἐκδότω.* Cf. Pl. 1194. *ἀλλ' ἐκδότω τὶς δεῦρο δᾷδας ἡμμένας.* Fr. 127.

1694. Cf. Achae. trag. 33. *Φαναῖος Ἀπόλλων.* *πρὸς τῇ κλεψύδρᾳ*] Cf. Ach. 693. *περὶ τὴν κλεψύδραν.*

1696. *ἐγγλωττογαστόρων*] *ἐγγλωττογάστωρ* formatum ut *ἐγχειρογάστωρ* (*ὁ ἀπὸ τῶν χειρῶν βιοτεύων*, Poll. VII. 7.). Cf. *κοιλογάστωρ* (Sept. 1035.), *χειρογάστωρ* (Nicoch. com.), *προγάστωρ*, *ἐγγαστριμάχαιρα.* (Hipponact. Fr. 85. *Εὐρυμεδοντιάδεα — τὴν ἐγγαστριμάχαιραν, ὃς ἐσθίει οὐ κατὰ κόσμον*), et *ἐγγλωττοτυπεῖν* (Eq. 782.).

1699. *συκάζουσι*] Cf. Com. anon. IV. 634. *Διὰ Συκασίῳ.*

1701. *Φίλιπποι*] Cf. Vesp. 421. *οἷς γ' ἀπώλεσαν Φίλιππον ἐν δίκῃ τὸν Γοργίου.*

1707. *πτηνὸν ὀρνίθων γένος*] Cf. Th. 46. *πτηνῶν γένη.*

1708—1717. "Imitatio tragoediae manifesta, sed dubitari non potest quin hic illic ab exemplari suo discesserit Aristophanes." (Nauck. p. 658.).

1713. *οὐ φατὸν λέγειν*] Cf. Aesch. Prom. 766. *οὐ γὰρ ῥητὸν* (*θεμιτὸν*?) *αὐδᾶσθαι* (*ἐξαυδᾶν*?) *τόδε.* Orph. Arg. 1731. *δεινὸς ὄφις, θνητοῖς ὀλοὸν τέρας οὐ φατὸν εἰπεῖν.* Soph. Tr. 694. *ἀξύμβλητον — μαθεῖν.* Aesch. Ch. 170. *εὐξύμβολον — δοξάσαι.*

1714. *πτεροφόρον Διὸς βέλος*] Cf. 576. *πτερόεντα κεραυνόν.*

1715 sq. Cf. Nicostr. III. 284. *ὀσμὴ δέ, τοὐπίβλημ' ἐπεὶ περιῃρέθη, | ἄνω 'βάδιζε καὶ μέλιτι μεμιγμένος | ἀτμός τις εἰς τὰς ῥῖνας.*

1716. *δ'* in fine trimetri, ut in Eccl. 351. *μ'* in Ran. 298. *τ'* in Archipp. 9.

1717. *διαψαίρουσι*] Cf. Hermipp. 6. *λεπτοὺς διαψαίρουσα* (sc. *αὔρα*) *πέπλους ἀνθέων γέμοντας.*

1718. *ὁδὶ δὲ καὐτός*] Cf. Ach. 1189. Eccl. 934. Vesp. 1360.

1719. *εὔφημον στόμα*] Cf. Aesch. Ag. 1247. *εὔφημον, ὦ τά-*

λαινα, κοίμησον στόμα. ἀνοίγειν — στόμα] Cf. Aesch. Prom. 611. οἴγειν στόμα.

1720. Cf. carmen ithyphallicum Athen. XIV. 622 D. ἀνάγετ' ἀνάγετε πάντες, εὐρυχωρίαν | τῷ θεῷ ποιεῖτε· | ἐθέλει (θέλει Mein. l. μέλλει) γὰρ ὁ θεὸς ὀρθὸς ἐσφυδωμένος | διὰ μέσου βαδίζειν.

ἄναγε — πάρεχε] Cf. Vesp. 1326. ἄνεχε (ἄναγε?), πάρεχε. ἄναγε] Angl. fall back. Cf. 383. ἄναγ' ἐπὶ σκέλος. 400. Xen. Cyr. I. 4. 24. ἀνῆγεν ὁ Ἀστυάγης. Eur. Tro. 325. πάλλε πόδ' αἰθέριον, ἄναγε χορόν. δίεχε] Stand apart, make way. πάραγε] Step aside. Cf. Alex. 173, 12. παῖδες, παράγετε. Euphron. Fr. 1, 15. εἴσω πάραγε. πάρεχε] Cf. Vesp. 949. πάρεχ' ἐκποδών.

1726. Cf. Cratin. II. 94. τίνες αὖ πόντον κατέχουσ' αὖραι; Aesch. Pers. 426. οἰμωγὴ — κατεῖχε πελαγίαν ἅλα. Python. 1, 9. Ἀτθίδα χθόνα | τίνες τύχαι κατέχουσιν —; Theogn. 604. οἷα τὰ νῦν ἱερὴν τήνδε πόλιν κατέχει. 292. ἀναιδείη δὲ καὶ ὕβρις | νικήσασα δίκην γῆν κατὰ πᾶσαν ἔχει. Pind. P. I. 96. ἐχθρὰ Φάλαριν κατέχει παντᾶ φάτις. Plut. Cic. 13. τὸ θεάτρον ἀκοσμία κατεῖχεν.

1733. ἄρχοντα θεοῖς] Cf. Eur. Or. 363. ὁ ναυτίλοισι μάντις. Eur. Fr. 271, 4. οὐκ οἶδε τὸν μέγιστον ἀνθρώποις θεόν.

1734. Cf. Ran. 453. ὃν ὄλβιαι Μοῖραι ξυνάγουσι. Eur. Fr. 623. κλύετ', ὦ Μοῖραι, Διὸς αἵτε παρὰ (αἳ παρὰ τὸν?) | θρόνον ἀγχοτάτω θεῶν ἑζόμεναι.

1736. Ὑμὴν ὦ, —] Haec in nuptiis celebrandis cantare mos erat.

1740. πάροχον] Formatum a παροχεῖσθαι.

1745. χθονίας βροντὰς] Cf. Eur. Hipp. 1201. χθόνιος ὡς βροντὴ Διός. Aesch. Pr. 994. βροντήμασι χθονίοις.

1750. βαρυαχέες] Cf. Nub. 278. Ὠκεανοῦ βαρυαχέος.

1752. διὰ σὲ —] Cf. Nub. 916.

1753. πάρεδρον — Διός] Cf. Soph. O. C. 1382. ξύνεδρος (f. πάρεδρος) Ζηνός. Lucian. Phal. I. 1. πάρεδροι τοῦ Πυθίου. Dem. p. 1399. παρέδρους — τοῖς κάτω θεοῖς. Phylarch. ap. Athen. XIII. 593 C. ἡ πάρεδρος τῆς Λαοδίκης Δανάη.

1757. πέδον Διὸς] Cf. Pl. 772. Παλλάδος κλεινὸν πέδον. Eur. Iph. T. 972. Φοίβου πέδον. Andr. 1085. τὸ κλεινὸν — Φοίβου πέδον. Aesch. Cho. 1036. μεσόμφαλόν θ' ἵδρυμα, Λοξίου πέδον. Pind. Ol. I. 42. ὕπατον εὐρυτίμου ποτὶ δῶμα Διὸς μεταβᾶσαι.

1759. ὦ μάκαιρα] Cf. Nub. 599. ἥ τ' Ἐφέσου μάκαιρα πάγχρυσον ἔχεις οἶκον.

1762. Cf. Th. 311. ταῦτ' εὔχεσθε, καὶ ὑμῖν αὐταῖς τἀγαθά. ἰὴ παιών, ἰὴ παιών. χαίρωμεν. Lys. 1291.

ECCLESIAZUSAE.

Eccl. Arg. — Lenaeis doctam fuisse hanc fabulam colligi posse videtur ex v. 18., ubi *Σκίρα* nuper a mulieribus celebrata esse dicuntur: post id festum autem proxime sequebantur *Λήναια*. Hanc fabulam imitati esse videntur Amphis et Alexis in fabulis quarum titulus fuit *Γυναικοκρατία*. *'Αθηναίων* cum Petito Dind.

1—6. Parodia loci alicujus tragici, ut videtur, in quo sol compellatur.

1. *ὄμμα*] Hoc nomine non utuntur comici nisi in melicis carminibus aut ubi *παρατραγῳδοῦσι*. *τοῦ διφρηλάτου κύκλου* dixisse tragicum poetam arbitratur R. Methner. Cf. Xenarch. III. 614. *τῆς τροχηλάτου κόρης — κύτος*. Critias Athen. I. 28 C. *τὸν δὲ τροχοῦ γαίης τε καμίνου τ' ἔκγονον ηὗρε* | *κλεινότατον κέραμον*.

4. *κεραμικῆς ῥύμης*] Cf. Sannyr. 4. *κεραμικὴν γαῖαν στρέφων*. Antiph. 52, 2. *ἢ τροχοῦ ῥύμαισι τευκτὸν κοιλοσώματον κύτος*.

7. Cf. Eur. Fr. 528, 1. *ἡ γὰρ Κύπρις πέφυκε τῷ σκότῳ φίλη*. *εἰκότως*] Cf. Lys. 640.

10. Cf. Fr. 496. *χωρεῖ 'πὶ γραμμὴν λορδὸς ὡς εἰς ἐμβολήν*. Fr. 191. *λόρδον*. Mnesim. 4, 55. *πίνει, σκιρτᾷ, λορδοῖ, κεντεῖ*.

11. *δόμων*] Vox tragica. Cf. Ach. 450. 456. Lys. 707.

13. *ἀφεύων* —] Cf. Th. 216. 236. 590. Pac. 1144. Lys. 827. *ἀπεψιλωμένον τῷ λύχνῳ* (*τὸν σάκανδρον*). *τὴν ἐπανθοῦσαν τρίχα*] Cf. Vesp. 1065. *ἐπανθοῦσι τρίχες*. Nub. 978. *χνοῦς — ἐπήνθει*.

14. *καρποῦ*] Frumenti. Cf. Nub. 1119. *τὸν καρπόν τε καὶ τὰς ἀμπέλους φυλάξομεν*. Pl. 515. *καρπὸν Δηοῦς θερίσασθαι*. *νάματος*] Cf. Theocr. XXIII. 61. *νᾶμα δ' ἐφοινίχθη*. Eur. Bacch. 415. *ἡσθεὶς τῷδε βακχίῳ ποτῷ*.

15. *ὑποιγνύσαισι*] Cf. Th. 424. *ὑποῖξαι τὴν θύραν*. *συμπαραστάτει*] Cf. Ran. 385. Aesch. Prom. 218. *Ζηνὶ συμπαραστατεῖν*. Pl. 326. *ὅπως δέ μοι — συμπαραστάται* | *ἔσεσθε καὶ σωτῆρες*.

16. *συνδρῶν*] Cf. Soph. El. 498. 1025.

17. *συνείσει* —] Cf. Eq. 184. *ξυνειδέναι τί μοι δοκεῖς σαυτῷ καλόν*. Vesp. 999. *πῶς οὖν ἐμαυτῷ τοῦτ' ἐγὼ ξυνείσομαι;* Th. 477. Soph. Phil. 1085. O. C. 641. Aesch. Suppl. 243. Eur. Phoen. 260.

20. *πρὸς ὄρθρον*] Ut *πρὸς ἕω, ἑσπέραν*, etc. Cf. Lys. 1089.

22. Nomen *Φυρόμαχος* legitur Euphron. 8, 6.

23. Cf. Apollod. IV. 454. *τὴν γὰρ αἰσχύνην πάλαι* | *πᾶσαν ἀπολωλέκασι καθ' ἑτέρας θύρας*. Eur. Cycl. 500. Ran. 1523. *ἐγκαθεδεῖται*.

26. *θαἰμάτια*] Cf. 75. 93. 275. Sic *θοἰμάτιον* Nub. 54. etc. *θοὔδατος* Lys. 370. *θοὐκάτειον* Lys. 64.

30. *ὁ κῆρυξ — δεύτερον κεκόκκυκεν*] Cf. 390.

31. *δεύτερον*] I. q. *τὸ δεύτερον* (390). Sic *τρίτον* et *τὸ τρίτον*.

Theocr. XXIV. 63. ὄρνιθες τρίτον ἄρτι τὸν ἔσχατον ὄρθρον ἄειδον. Cf. ad Ran. 369. κεκόκκυκεν] Cf. Ran. 1380. Arist. H. A. IX. 49. 50. etc. Theocr. VII. 123. ὁ δ' ὄρθριος ἄλλον ἀλέκτωρ | κοκκύσδων etc.

36. κνῦμα] A κνύειν (Th. 481.).

38 sq. Cf. Ran. 204 sq.

38. Σαλαμίνιος] Contra ἀσαλαμίνιος Ran. 204.

39. ἤλαυνέ μ'] Cf. 1091.

41. Cf. Vesp. 433. ὦ Μίδα καὶ Φρὺξ, βοήθει δεῦρο (f. βοηθεῖθ' ὧδε) etc. Κλειναρέτην] Confer nomen Φαιναρέτη Ach. 49. Σωστράτην] Idem nomen Vesp. 1397. Th. 374.

49. Γευσιστράτην] Quasi Λυσιστράτην.

51. Cf. Nub. 1465. τὸν Χαιρεφῶντα τὸν μιαρὸν καὶ Σωκράτη.

53. ὅ τι περ ὄφελος] Sic Eupol. II. 458. ὅ τι περ κεφάλαιον τῶν κάτωθεν ἤγαγες. Theocr. XIII. 18. ἀριστῆες — πασᾶν ἐκ πολίων προλελεγμένοι ὧν ὄφελός τι. Lucian. Lexiph. 34, 14. ὅ τι περ ὄφελός ἐσμεν τῆς ἀττικίσεως.

54. καὶ πάνυ] Ut καὶ μάλα, καὶ λίαν, etc.

55. παρέδυν] Huc elapsa sum. Angl. slipt forth hither.

56. Cf. Eq. 934. τῶν τευθίδων ἐμπλήμενος. Vesp. 424. 1127.

60. πρῶτον μέν γ'] Cf. Av. 612. μασχάλας] Cf. Ach. 852. Cratin. II. 198. τὴν μασχάλην αἴρωμεν ἐμπεπωκότες.

69. Cf. Thuc. VII. 4. ἐπὶ φρυγανισμὸν — ὁπότ' ἐξέλθοιεν οἱ ναῦται.

70. Cf. Ach. 1049.

74. Cf. Herod. VIII. 137. περιγράφει τῇ μαχαίρᾳ —.

76. Cf. 78. Herod. III. 137. τοῖσι σκυτάλοισι ἔπαιον τοὺς Πέρσας. Pind. Ol. IX. 43. σκύταλον τίναξε χερσίν.

77. Nomen Lamias occurrit Hor. Carm. I. 27. 8. 'Necte meo Lamiae coronam.' Cf. Hesych. Λάμιον τὸν πρίονα. ἢ Λάμιος ὁ πέλεκυς. ἤν τις Ἀθήνησιν, ὃς ἐκωμῳδεῖτο. V. schol. et Mein. Fr. Com. IV. 643.

79. Cf. Eur. Or. 796. ὡς τί δὴ τόδε; Iph. A. 1342. Phoen. 621. ὡς τί; Ion. 525. Dem. F. L. 257. ἵνα τί; ἵνα — κατηγορῶ.

80. διφθέραν ἐνημμένος] Cf. ad Nub. 72.

81. βουκολεῖν] Cf. Aesch. Ag. 669. ἐβουκολοῦμεν φροντίσιν νέον (νεῶν?) πάθος. Eum. 78. μὴ πρόκαμνε τόνδε βουκολούμενος (schol. περιέπων). Eur. Fr. 744, 2. ποιμαίνειν στρατὸν (dicitur στρατηλάτης). Soph. Fr. 399, 10. νεῶν — ποιμαντῆρσιν. τὸ δήμιον] Cf. Aesch. Suppl. 370. 699. Ag. 580. πόλει μὲν ἕλκος ἓν τὸ δήμιον τυχεῖν.

84. ἠκκλησία — ἐξ ἕωθεν.] Cf. 20. Ach. 20.

87. τῷ λίθῳ] I. e. τῷ βήματι. Cf. Ach. 683. Pac. 682. Th. 528. τῶν πρυτάνεων καταντικρύ] Cf. Eubul. 80, 1. καταντικρὺ | τῆς οἰκίας.

88. Cf. 105. τούτου γέ τοι δὴ τὴν etc.

91. Cf. Vesp. 609. ὅταν — παππίζουσ' ἅμα τῇ γλώττῃ τὸ τριώβολον ἐκκαλαμᾶται. Hermipp. II. 389. παίζων ἅμα. Alex. III. 471. τὸ δ' ἄλλο σῶμα — δειπνούντων ἅμα | ἐπὶ τοῦ ταγήνου σίζον εἰσιὼν φέρω. Philetaer. 6, 2. ἥδιστόν ἐστιν ἀποθανεῖν βινοῦνθ' ἅμα. Phoenicid. com. IV. 511. ἐδείκνυ θ' ἅμα λέγων τὰ τραύματα. Euphron. 9, 2. ἐσθίονθ' ἅμα | ἐποίησε πηδᾶν (αὐτόν). Aesch. Cho. 897. πολλὰ δὲ βρίζων ἅμα | οὔλοισιν ἐξήμελξας εὐτραφὲς γάλα. Theocr. VIII. 85. αἴ δέ τι λῇς με καὶ αὐτὸν ἅμ' αἰπολέοντα διδάξαι, etc. Thuc. III. 49. ἤσθιον ἅμα ἐλαύνοντες. Plat. Phaed. p. 60 B. καὶ τρίβων ἅμα — ἔφη etc. Xenophont. φεύγοντες ἅμα ἐτίτρωσκον. Theophr. Char. 7. ἅμα διηγούμενος κατηγορίαν παρεμβαλεῖν. Char. 11. ἑστηκὼς τραγηματίζεσθαι ἅμα τῷ πωλοῦντι προσλαλῶν. Char. 20. καὶ ἐσθίων δ' ἅμα διηγεῖσθαι ὡς etc. Char. 27. καὶ εἰς ἀγρὸν ἐφ' ἵππου ἀλλοτρίου ὀχούμενος ἅμα μελετᾶν ἱππάζεσθαι.

93. ἰδού γέ σε ξαίνουσαν] Cf. 136. ἰδού γέ σοι πίνουσι.

95. οὔκουν — γ'] Cf. ad Vesp. 823.

97. τὸν Φορμίσιον] Eodem sensu usurpatur nomen Ἱπποκλείδης. Similiter Θεόδωρος, Ἐξήκεστος, et Ἀρίστυλλος dicebatur in comoedia ὁ πρωκτὸς teste Hesychio v. Θεόδωρος.

100. καθῶμεν] Cf. Th. 841. κόμας καθεῖσαν.

104. πράττει τὰ μέγιστ'] Quam optima fortuna utitur. Cf. Av. 800. εἶτ' ἐξ οὐδενὸς | μεγάλα πράττει. Pl. 633. Eur. Suppl. 324. σκοτεινὰ πράσσουσαι πόλεις.

105. Cf. 88. ταυτί γέ τοι νὴ τὸν Δί' ἐφερόμην ἵνα etc. τὴν ἐπιοῦσαν ἡμέραν] Cf. Thuc. VII. 74. τὴν ἐπιοῦσαν ἡμέραν περιμεῖναι. Theogn. 1376. οὐδέ οἱ ἐν πόντῳ νὺξ ἐπιοῦσα μέλει. Xen. Anab. I. 7. 2. ἅμα τῇ ἐπιούσῃ ἡμέρᾳ. Cyr. VII. 2. 3. τῆς ἐπιούσης νυκτός. Plat. Crit. 44 A. τῆς ἐπιούσης ἡμέρας (ubi opponitur ἡ ἑτέρα, cras). Eur. Fr. 813, 7. οἳ τὴν ἐπιστείχουσαν ἡμέραν ἰδεῖν | ποθεῖτ'.

107. τὰ πράγματα] Cf. 175. Eq. 130. 175. 557. Pl. 919. ὥστ' εἰς ἔμ' ἥκει τῆς πόλεως τὰ πράγματα. Lys. 32. Herod. VI. 83. οἱ δοῦλοι ἔσχον τὰ πράγματα.

109. θέομεν] Cf. Eur. Hel. 1073. πόμπιμοι — πνοαὶ — καὶ νεὼς δρόμος. Schol. ὅ κ' (ὄκ' Bentl. leg. ὄκκ') ἀργύριον ᾖ.

110. γυναικῶν θηλύφρων ξυνουσία] Ex tragoedia teste schol.

112. Cf. Eq. 880. κοὐκ ἔσθ' ὅπως ἐκείνους (τοὺς βινουμένους) | οὐχὶ φθονῶν ἔπαυσας ἵνα μὴ ῥήτορες γένοιντο. Eq. 425 sq. Nub. 1018 sq. Ran. 1070.

113. σποδοῦνται] Cf. 908. 942. 1016. 939. Th. 492. Hinc σποδησιλαύρα de prostibulo Eust. p. 1921, 58. δεινοτάτους — λέγειν] Cf. Ach. 429. δεινὸς λέγειν. Nub. 243.

114. Cf. Xen. Symp. VIII. 40. τὰ μέγιστα γάρ σοι ὑπάρχει. εὐπατρίδης εἶ etc. Mem. II. 3. 4. πρὸς φιλίαν μέγα ὑπάρχει τὸ ἐκ τῶν αὐτῶν φῦναι. τοῦτο] Sc. τὸ σποδεῖσθαι.

115. *δεινὸν —*] Cf. Vesp. 834. *ὡς δεινὸν ἡ φιλοχωρία.* *ἡ μὴ 'μπειρία*] Cf. Thuc. V. 35. *κατὰ τὴν τῶν χωρίων ἀλλήλοις οὐκ ἀπόδοσιν.*

117. *ἀκεῖ*] I. e. *ἃ ἐκεῖ.* Similiter *ἀεὶ* (*ἃ ἀεὶ*) *ποιεῖ* Th. 150.

118. Cf. ad Pl. 485. Eur. Iph. T. 233. *κατάργματα | οὐκ ἂν φθάνοις ἂν εὐτρεπῆ ποιουμένη.* Alc. 678. Or. 936. 941. 1551. Tro. 456. Herod. VII. 162. *οὐκ ἂν φθάνοιτε τὴν ταχίστην ὀπίσω ἀπαλλασσόμενοι.*

123. Cf. Timocl. III. 592. *ἄκουσον, ἤν τι σοι δοκῶ λέγειν.* et ad Vesp. 1409. Ran. 175.

124. *τάλαν*] Ad feminam dictum ut alibi. Cf. Ran. 559. *μὰ Δί' οὐδὲ τὸν τυρόν γε τὸν χλωρὸν, τάλαν.* Lys. 102.

126. *ὥσπερ εἴ τις — περιδήσειεν*] Cf. Ran. 1158. *νὴ τὸν Δί' ὥσπερ γ' εἴ τις εἴποι γείτονι.* Av. 282. *σηπίαις — ἐσταθευμέναις*] Cf. Ach. 1041. *τὰς σηπίας στάθευε.*

128. *περιστίαρχος*] Pro *περιιστίαρχος*, ut *περιὼν* pro *περιιὼν* aliquando euphoniae aut metri gratia dicebant (Phryn. II. 580. Pher. II. 347. Antiph. III. 141. Plat. II. 685.). Similiter *περιήιε* pro *περιήιεε* (apud Herodotum).

129. *πάριτ' ἐς τὸ πρόσθεν*] Cf. Eq. 751. *ἀλλ' ἐς τὸ πρόσθε χρὴ παρεῖν ἐς τὴν πύκνα.* Ach. 43. Herod. VIII. 89. *ἐς τὸ πρόσθε παριέναι πειρώμενοι.*

130. Lege *κάθιζε. παριὼν τίς ἀγορεύειν βούλεται;* aut *κάθιζε, πάριτε· τίς —;*

131. *περίθου — τὸν στέφανον*] Hanc coronam, ut archontes, gestabant qui in concione loquebantur ad sacram suam et inviolabilem auctoritatem indicandam. Cf. 147. 163. 171 Lys. 533. *περίθου περὶ τὴν κεφαλὴν* (*τὸ κάλυμμα*). Th. 380. Eq. 1228. *τύχἀγαθῇ*] Cf. Av. 436. 675. Eccl. 131. et ad Th. 283.

136. Cf. 93. *ἰδού γέ σε ξαίνουσαν.*

137. *εὔζωρον*] Cf. 227. Eupol. 382. *εὔζωρον κέρασον.* Cratin. 412. Eur. Alc. 757. *πίνει μελαίνης μητρὸς εὔζωρον μέθυ.* Herod. VI. 84. *ζωρότερον πιέειν.*

142. *λοιδοροῦνται*] Ipsi se conviciantur. *ἐμπεπωκότες*] Cf. Cratin. II. 198. *τὴν μασχάλην αἴρωμεν ἐμπεπωκότες* (*ἐμπεπτ.* cod.).

144. *οὐδὲν γὰρ εἶ*] Cf. 1504. *οὐδέν ἐστ'.*

145. Cf. 477. *νὴ Δί' ἦ μοι κρεῖττον ἑκστῆναι τὸ παράπαν τοῦ πατρὸς | μᾶλλον ἢ κακοῖς τοσούτοις ναυμαχεῖν ὁσημέραι.* 209. Alc. 239, 6. *ὥστ' ἦν κράτιστον μηδὲ καλέσαι μηδένα.* *γενειᾶν*] Pro *γενέσθαι*, ut loqui solent tragici. Cf. Hom. Od. 18, 176. 269. Plat. Polit. 270 E. Theocr. XIV. 28. *εἰς ἄνδρα γενειῶν.* Aliae formae hujus verbi sunt *γενειάζειν* (Philem. IV. 7.) et *γενειάσκειν* (Plat. Xen.).

146. Cf. Eq. 534. *στέφανον μὲν ἔχων αὖον* (*ἔχων, αὖος*?) *δίψῃ δ' ἀπολωλώς*. Ran. 1089. *ἀφηυάνθην — γελῶν*. Athen. IX. 401 F. *ἵν' οὖν μὴ καὶ σὺ ζητῶν τὸν σύαγρον ἀφαυανθῇς, μάθε ὅτι* etc. Archil. 63. *πολλοὺς μὲν αὐτῶν Σείριος καταυανεῖ* (*καθ*.?).

148. *τὸ χρῆμ' ἐργάζεται*] Cf. 1164. *εἴπερ μέλλομεν τὸ χρῆμα δρᾶν*. Ran. 795. Nub. 907. *χωρεῖ τὸ κακόν*.

150. Cf. Ephipp. 14, 11. *σχῆμ' ἀξιόχρεων ἐπικαθεὶς βακτηρίᾳ*. Anaxandr. III. 180. *αὕτη δὲ καριδοῖ τὸ σῶμα* (*σῶμ' ἤ*?) *καμπύλη* | *ἀγκυρά τ' ἐστὶν ἄντικρυς τοῦ σχήματος* (*σώματος* vulg.). Eur. Tro. 150. *σκήπτρῳ Πριάμου διερειδομένα*. Hec. 65. *σκολιῷ σκίμπωνι χερὸς* (*χεροῖν*?) *διερειδομένα*.

152. Cf. Eur. Fr. 442, 1. *φεῦ φεῦ, τὸ μὴ τὰ πράγματ' ἀνθρώποις ἔχειν* | *φωνήν, ἵν' ἦσαν μηδὲν οἱ δεινοὶ λέγειν*.

153. *κατά γε τὴν ἐμήν*] Sub. *γνώμην*. Cf. Herod. IV. 59. *κατὰ γνώμην γε τὴν ἐμήν*.

154. Photius s. v. *λάκκος, Ἀθηναῖοι δὲ καὶ τῶν ἄλλων Ἑλλήνων τινὲς ὀρύγματα ὑπὸ γῆν* (l. *γῆς*) *ποιοῦντες εὐρυχωρῆ* (*εὐρύχωρα*?) *καὶ στρογγύλα καὶ τετράγωνα καὶ κονιῶντες αὐτὰ οἶνον ὑποδέχονται καὶ ἔλαιον εἰς αὐτά. ταῦτα καὶ λάκκους καλοῦσιν*. Cf. v. *σιρός* (Angl. silo), Demosth. etc.

161. *οὐκ ἂν προβαίην τὸν πόδα —*] Cf. Theogn. 283. *ἀστῶν μηδενὶ πιστὸς ἐὼν πόδα τῶνδε πρόβαινε*.

167. *Ἐπίγονον — ἐκεινονί*] Absque articulo. Cf. Ach. 708. *ἐκεῖνος — Θουκυδίδης*. Nub. 534. *Ἠλέκτραν κατ' ἐκείνην*.

173. *ἐμοὶ — τῆς χώρας μέτα*] Cf. ad Ran. 1163. *ὅτῳ μετῇ πάτρας*.

176. Cf. Pl. 920. *νὴ Δία πονηρὸν τἄρα προστάτην ἔχει*. Eq. 1128. Theodect. 15, 2. *εὐγένειαν — τὴν προστάταισι χρωμένην ἀναξίοις*. Aesch. c. Ctes. 154. *ὅτ' εὐνομεῖτο μᾶλλον ἡ πόλις καὶ βελτίοσι προστάταις ἐχρῆτο*.

185. *χρωμένων*] Sub. *ἡμῶν αὐταῖς*. Cf. ad Eq. 29.

186. *ὑπερεπήνεσεν*] Cf. Eq 680. Ran. 706. *ὑπερεμάνησαν*.

189. Cf. Av. 171. *νὴ τὸν Διόνυσον εὖ γε μωμᾷ ταυταγί*. 1614.

192. *ἐθίζου*] I. q. *ἔθιζε σαυτήν*. Sic Plut. Mor. 511 F. *σαυτὸν ἔθιζε σιωπᾶν*. Vit. Cat. min. 6. *ἐθίζων ἑαυτὸν ἐπὶ τοῖς αἰσχροῖς αἰσχύνεσθαι μόνοις*.

194. *γένοιτ'*] Exspectabam *γενήσοιτ'*.

195. *ὅτε δὴ δ' ἐγένετ'*] Cf. Ach. 10. *ὅτε δὴ 'κεχήνη* etc.

197. *ναῦς — καθέλκειν*] Cf. Ach. 544. Eq. 1315.

202. *παρέκυψε*] Peeped forth. Vesp. 178. Pac. 982. 985. Th. 797. *ὡράζεται*] *ὡράζεσθαι* formatum ut *ματάζειν* a *μάταιος*.

206 sq. Cf. Vesp. 1082. *ἐμαχόμεσθ' αὐτοῖσι — στὰς ἀνὴρ παρ' ἄνδρ'* etc. Pl. 785.

208. Cf. Vesp. 492. *ὥστε καὶ δὴ τοὔνομ' αὐτῆς ἐν ἀγορᾷ κυλίνδεται*. Apollod. Car. 5, 8. *ἡμᾶς κυλίνδουσ' ὅντιν' ἂν τύχῃ τρόπον*.

221. Cf. Phryn. 37. ἐβουλόμην ἂν ἧμιν ὥσπερ καὶ πρὸ τοῦ.
224. πέττουσι] Cf. Herod. I. 160. 6. οὔτε πέμματα ἐπέσσετο.
225. μοιχοὺς ἔχουσιν] Cf. Th. 332. τὰς μοιχοτρόπους (μοιχοτρόφους recte, ni fallor, Palmer.).
230. Cf. Teleclid. com. II. 372. Εὐριπίδης δ' ὁ τὰς τραγῳδίας ποιῶν | τὰς περιλαλούσας οὗτός ἐστι τὰς σοφάς. Ran. 839. ἔχοντ' — ἀθύρωτον στόμα | ἀπεριλάλητον.
236. Cf. Eq. 759. Vesp. 1112. Aesch. Prom. 59. δεινὸς γὰρ εὑρεῖν κἀξ ἀμηχάνων πόρους. Eur. Fr. 433, 2. ἐν τοῖς ἀμηχάνοισιν εὐπορώτατον | Ἔρωτα. Append. Prov. II. 70. οὗτος εὐμήχανος ὁδοὺς ἐφευρίσκειν etc.
246. αὐτόθεν] Cf. Pher. 84.
248. σοι λοιδορῆται] Dicebant aeque λοιδορεῖσθαί τινι et λοιδορεῖν τινα (254).
252. "Malum Praxagora Cephalum dicit figulum, pejorem politicum." (Herw.)
253. κεραμεύειν] Cf. Av. 1538. ἥπερ κεραμεύει τὸν κεραυνὸν τοῦ Διός, etc. εὖ καὶ καλῶς] Cf. Th. 301. κάλλιστα καὶ ἄριστα. Alex. III. 443. μάστιξον εὖ τε καὶ καλῶς. Aelian. V. H. III. 25. ὑπὲρ τῆς Ἑλλάδος εὖ καὶ καλῶς ἀγωνισάμενοι.
255. Cf. Eur. Suppl. 1213. σοὶ μὲν τάδ' εἶπον, παισὶ δ' Ἀργείων λέγω. 1171. πᾶσίν θ' ὑπεῖπον τούσδε τοὺς αὐτοὺς λόγους. Or. 643. οὐ χρήματ' εἶπον. 1606. Phoen. 778. σοὶ μὲν τάδ' εἶπον, προσπόλοις δ' ἐμοῖς λέγω. 936. Med. 272. Eur. Fr. 235. σοὶ δ' εἶπον, ὦ παῖ, τὰς τύχας ἐκ τῶν πόνων | θηρᾶν. Eur. Fr. 812, 1. δμωσὶν δ' ἐμοῖσιν εἶπον —. Sic etiam ᾐσθόμην Alc. 715. ἐς κυνὸς πυγὴν ὁρᾶν] Proverbia erant Πυγὴ γέροντος, Πυγὴ γυναικός, Πυγὴ Κρόνου. V. Paroemiographos.
256. ὑποκρούωσιν] Cf. 558. 596. et alio sensu 618.
257. κρουμάτων] Sensu obscoeno. Cf. Bekk. Anecd. p. 101. s. v. κρούειν. et ad Eupol. Fr. 184.
258. ἤν σ' οἱ τοξόται ἕλκωσιν] Cf. Eq. 665. κᾆθ' εἷλκον αὐτὸν οἱ πρυτάνεις χοἱ τοξόται.
260. μέση — ληφθήσομαι] Cf. Ach. 274. μέσην λαβόντ' (αὐτήν). Aesch. Eum. 157. μεσολαβεῖ κέντρῳ (ἔτυψέ με).
265. Cf. Av. 1254. τῆς διακόνου | πρώτης ἀνατείνας τὼ σκέλη etc.
267. ἐξωμισάσαις] Ab ἐξωμίς (tunica non manuleata). Cf. Lys. 662. ἀλλὰ τὴν ἐξωμίδ' ἀποδυώμεθ', ὡς etc. 1021. Fr. 114. Eubul. III. 229.
274. περιηρμοσμέναι] Cf. Plat. Ax. 366 A. τὸ δὲ σκῆνος τουτὶ πρὸς κακοῦ περιήρμοσεν ἡ φύσις.
277. ἐπερειδόμεναι] Cf. 150. Ran. 1102. Alciphr. III. 55. 2. στελέχει πρινίνῳ ἐπερειδόμενος. Eur. Hec. 114.
283. τοῖς μὴ παροῦσιν ὀρθρίοις ἐς τὴν πύκνα] Cf. 281. ἐς τὴν πύκν' ἥξειν. et ad Eq. 751. παρεῖν' ἐς τὴν πύκνα.

284. *ὑπαποτρέχειν*] Confer *ὑπαποκινεῖν*, Av. 1011. *ὑπαποκίνει τῆς ὁδοῦ*. Th. 924. *ὑπαποκινητέον*. *μηδὲ πάτταλον*] Cf. nescio-cujus illud *οὐδὲ πάτταλον δίδωσι*.

286. *ἐξολίσθῃ ἡμᾶς*] Cf. Eq. 491. *ἵν' ἐξολισθάνειν δύνῃ τὰς διαβολάς*. Sed sic potius interpungendum est, *ἐξολίσθῃ*, | *ἡμᾶς*.

291. *κεκονιμένος*] Cf. 1176. *κόνισαι* (*κόνισον*?). Hom. Il. 13, 820. *κονίοντες πεδίοιο*. 14, 145. *εὐρὺ κονίσουσιν πεδίον* (l. *πεδίου*). Theocr. I. 30. *κισσὸς ἑλιχρύσῳ κεκονιμένος*. Aesch. Pers. 168. *κονίσας οὖδας* (i. e. *σπουδάσας*). Blomf. Gl. Sept. 60. Prom. 998.

292. *στέργων σκοροδάλμῃ*] Cf. Trag. adesp. 546, 6. *στέργειν δ' ὑδρηλοῖς ὥστε θῆρ ἀεὶ ποτοῖς*. Eur. Suppl. 257. *στέργειν ἀνάγκη τοῖσι σοῖς*. Herc. 711. *τὸ τριώβολον*] Mercedem concionalem. Cf. 308. 380. 392. Pl. 329.

293. *Σμίκυθε*] Nomen *Μίκυθος* legitur Herod. VII. 170. *Δράκης*] Idem nomen est Lys. 254.

294. *ἕπου*] Quamquam plura nomina antecesserunt. *κατεπείγων*] Cf. Alciphr. III. 51. *Ἀθήναζε κατεπείγομαι*.

295. *παραχορδιεῖς*] Cf. Com. adesp. 1103. *παρακεχόρδικεν*. Cf. *παραπαίειν*, *παρακρούειν*.

296. *τὸ σύμβολον*] Anglice, the voucher, ticket (to certify attendance). *Σύμβολον* etiam *οἱ δικασταὶ* ad tribunalis introitum accipiebant. Hinc patet non modo judices sed etiam *τοὺς ἐκκλησιάζοντας* symbolum accipere solitos esse. Cf. Bekk. Anecd. p. 300, 33. *εἰδικῶς δὲ τὸ σύμβολον δηλοῖ γραμματεῖόν τι ὃ ἐλάμβανε τῶν δικαστῶν ἕκαστος εἰσιὼν εἰς τὸ δικαστήριον, ὅ ἐστι πινάκιον*.

300. *ὅρα δ' ὅπως ὠθήσομεν* —] Cf. Thuc. V. 27. 2. *ὡς χρὴ — δρᾶν τοὺς Ἀργείους ὅπως σωθήσεται ἡ Πελοπόννησος*.

302. *ὀβολὸν*] Cf. Nub. 863. *ὃν πρῶτον ὀβολὸν ἔλαβον ἡλιαστικόν*. *λαλοῦντες ἐν τοῖς στεφανώμασιν*] Cf. Pher. II. 253. *ἐν τοῖς στεφανώμασιν λαλεῖτε*. Pher. 2, 2. *ἐν τῷ μύρῳ λαλεῖτε*.

303. Myronides Lacedaemoniorum ad Oenophyta victor fuit (Ol. 83, 3.). V. Thuc. I. 105. 108. IV. 95. Diod. Sic. XI. 79. 81. 82. Plut. Per. 16.

307 sq. Cf. Eupol. II. 526. *ἐπιφαγεῖν μηδὲν ἄλλ' ἢ κρόμμυον* | *λέποντα καὶ τρεῖς ἁλμάδας*. Philemon. IV. 29. *εἷς ἄρτος, ὄψον ἰσχάς, ἐπιπιεῖν ὕδωρ*. Sic allia secum in concionem portaverat Dicaeopolis Ach. 164.

308. *νυνὶ δὲ*] Cf. 986. et ad 523. *τριώβολον*] Quae merces hoc tempore comitialis erat. Cf. 188. 293. 380. Pl. 329.

309. *πράττωσί τι κοινὸν*] Cf. Demosth. alicubi.

315. *ὅτε δὴ δ'*] Cf. Lys. 523. *ὅτε δὴ δ' ὑμῶν* etc.

317. *ἐπεῖχε κρούων*] I. q. *ἐπέχων ἔκρουε*. Cf. Thuc. II. 101. *ὁ δὲ τήν τε Χαλκιδικὴν — ἐπέχων ἔφθειρεν*. Act. Apost. XII. 16. *ὁ δὲ Πέτρος ἐπέμενε κρούων* (sc. *τὴν θύραν*). Similiter Alciphron

III. 70. ὁ δὲ λιμὸς τὴν γαστέρα ἐθυροκόπει. κρούων] Cf. Plat. Prot. p. 310 B. Praeferendum dicitur κόπτειν. V. Lob. Phryn. p. 177. ὁ κοπρεαῖος] Suspecta forma. Cf. 360 sq. Vesp. 1184. τῷ κοπρολόγῳ. Pac. 9. ἄνδρες κοπρολόγοι.

318. ἡμιδιπλοίδιον] Cf. verbum διπλοίζειν Aesch. Ag. 808.

319. Περσικὰς ὑφέλκομαι] Cf. Eubul. III. 220. ὑπεδυσάμην ἅπαντα δρῶν τὰς ἐμβάδας.

320. ἐν καθαρῷ] Cf. Hom. Il. 8, 491. ἐν καθαρῷ, ὅθι δὴ νεκύων διεφαίνετο χῶρος. 10, 199. 23, 61. κεῖτο βαρὺ στενάχων — ἐν καθαρῷ. Soph. O. C. 1575. ἐν καθαρῷ βῆναι — τῷ ξένῳ. Pind. Ol. 10, 60. Liv. 24, 14. 'campus purus ac patens.' Plat. Legg. X. 910 A. ἐν καθαροῖς. Theocr. XXVI. 5. ἐν καθαρῷ λειμῶνι κάμον δυοκαίδεκα βωμώς. Menand. IV. 294. εἰς (γὰρ) τὰ καθαρὰ λιμὸς εἰσοικίζεται.

321. Cf. Theocr. XV. 73. θάρσει, γύναι· ἐν καλῷ εἰμές.

326. ἔστιν ἀποπατητέον] Parodia loci tragici, in quo ἔστι καρτερητέον scriptum fuisse suspicatur Nauck. p. 658. (849.).

327. Cf. Ach. 122. Av. 269. Ran. 526.

329. πυρρόν] Cf. 1061. Eq. 900. et ad Ran. 308.

330. κατατετίληκεν] Confer v. προστιλᾶν (Com. anon. IV. 639.). De re cf. Av. 1054. Vesp. 394. Ran. 366.

332. κροκωτίδιον] Cf. Lys. 48.

335. φράσαι] Indicare.

338. Cf. Eur. Phoen. 155. ὃ καὶ δέδοικα μὴ σκοπῶσ' ὀρθῶς θεοί.

339. Cf. Eur. Iph. T. 657. Πυλάδη, πέπονθας ταὐτὸ πρὸς θεῶν ἐμοί.

343. οὔκουν λαβεῖν γ'] Saltem non etc. Cf. 95. 350. et ad Vesp. 823. Ran. 1065. Pl. 342.

346. τὼ πόδ' ἐνθείς] Cf. Vesp. 1161. ἔνθες πόδ', ὦ τᾶν. Ephipp. III. 332. εὖ δ' ἐν πεδίλῳ πόδα τιθεὶς ὑποξύλῳ,

347. φανή] Cf. Ach. 845. χλαῖναν δ' ἔχων φανὴν δίει.

349. γνώμην γ' ἐμήν] Cf. 153. Vesp. 983. Pac. 232.

350. οὔκουν πονηρά γ' —] Qu. οὔκουν πονηρά γ' ἔσθ' ὅσα γε κἄμ' εἰδέναι, aut — ὅσον γ' ἔμ' εἰδέναι. Cf. 95. 343. 926. et ad Vesp. 823. ad Th. 34. Plat. Theaet. 145 A. οὐχ ὅσον γ' ἐμὲ εἰδέναι.

351. Cf. Alex. III. 465. οὐχ ἱμονιάν, οὐ λάκκον εἶδον, οὐ φρέαρ. δ'] In fine trimetri ut in Av. 1716. Similiter μ' Ran. 298.

353. θοἰμάτιον] Cf. 527. 544.

354. κἄγωγ'] Sub. βαδιοῦμαι.

360 sq. Cf. 317. Eq. 899.

361. Cf. Av. 1159. ἅπαντ' ἐκεῖνα πεπύλωται πύλαις | καὶ βεβαλάνωται.

362. ἀχραδούσιος] Pro ὁ Ἀχερδούσιος. Com. anon. IV. 621. τὴν γνώμην ἀχερδούσιος. Sic Κομπασεὺς pro Κονθυλεὺς Av. 1126.

364. Cf. Anaxipp. 1, 25. *ζητοῦντα τὰ κατὰ τὴν τέχνην.* *καταπρώκτων*] I. q. *καταπυγόνων.*

366 sq. Cf. 806 sq.

367. *ἕνεκά γε στεναγμάτων*] Cf. Isocr. XV. 174. *ἀσφαλῶς ἂν ἔζων ἕνεκά γε συκοφαντῶν.*

369. *Εἰλείθυια*] Cf. Lys. 742. Theop. II. 815. Men. IV. 82. Cf. 1054. Arist. Pac. 10. *εἰ μή με βούλεσθ' ἀποπνιγέντα περιιδεῖν.*

371. Cf. Pac. 148. *τήρει μὴ τραγῳδία γένῃ.* *σκωραμὶς*] Formatum ut *πυραμίς.*

374. Cf. Fr. 530. *ἐνδὺς τὸ γυναικεῖον τοδὶ χιτώνιον.*

377. *ὄρθριον*] Cf. 526. Pac. 800. *ἠρίνα.* Av. 1099. *ἠρινά.* Theocr. VII. 21. *μεσαμέριον* (adv.). XXI. 39. *δειλινὸν* (adv.). Herod. III. 104. *ἑωθινόν* (adv.). Epich. Fr. 11. *πόλτον* (*πολφὸν*? coll. Arist. Fr. 548.) *ἕψειν ὄρθριον.* Aristid. I. 280. *ὄρθριον ἥκων.* Theocr. XXIV. 11. *μεσονύκτιον* (adv.)

378. *ἡ μίλτος*] Cf. Diocl. 9. *ἡ μίλτος, οἶμαι, καὶ τὸ τιγγάβαρι.* 10.

379. *ἣν προσέρραινον κύκλῳ*] Scilicet *τὸ μεμιλτωμένον σχοινίον* huc illuc jactitando.

381. *ὕστερος — ἦλθον*] Cf. Lys. 69. *μῶν ὕστεραι πάρεσμεν —;*

382. Cf. Fr. 259. *οὐδεὶς βεβαλάνωκε τὴν θύραν.* ubi v. Dind. Diph. 12. *λάγυνον ἔχω κενόν, ὦ γραῦ, θύλακον δὲ μεστόν.*

385. *σκυτοτόμοις*] Cf. Pl. 162. *ὁ μὲν γὰρ αὐτῶν σκυτοτομεῖ καθήμενος.* 514. et proverbium *οὐδὲν λευκῶν ἀνδρῶν ἔργον εἰ μὴ σκυτοτομεῖν* (schol. Pac. 1310.).

386. *ὑφερφυῶς ὡς —*] Cf. Plat. Phaed. 66 A. *ὑπερφυῶς — ὡς ἀληθῶς λέγεις.* 99 D. *ὑπερφυῶς ὡς χαίρω.* Theaet. 155. *ὑπερφυῶς ὡς θαυμάζω.* Clit. 407 E. *θαυμαστῶς ὡς ἐπαινῶ.* Phaed. 92 A. *θαυμαστῶς ὡς ἐπείσθην ὑπ' αὐτοῦ.* 95 A. 96 A. 102 A. Parm. 135 A. Conv. 200 A. Pol. I. 331 A. Ep. VII. 330 A. XII. 359 C. et ad Pl. 750.

387. Cf. Eur. Bacch. 457. *λευκὴν δὲ χροιὰν — ἔχεις | οὐχ ἡλίου βολαῖσιν ἀλλ' ὑπὸ σκιᾶς.* *λευκοπληθὴς*] Cf. Dion. Chrys. LXII. p. 323. *ὑπὸ δὲ ἀργίας καὶ σκιᾶς λευκός.* Plat. Pol. VIII. 556 D. *πλουσίῳ ἐσκιατροφημένῳ.*

389. *πόθεν;*] Minime. Cf. 976. Ran. 1455. Vesp. 1145. Fr. 723.

390. *τὸ δεύτερον ἀλεκτρυὼν ἐφθέγγετ'*] Cf. 31.

393. *τἀμὰ γὰρ διοίχεται*] Etiam haec Aeschyli esse vidit Gataker.

395. *ἐν ὥρᾳ*] Tempestive. Cf. Vesp. 242. 689. Nub. 1117. Pac. 122.

396. Cf. Ran. 1435. *ἀλλ' ἔτι μίαν γνώμην ἑκάτερος εἴπατον | περὶ τῆς πόλεως ἥντιν' ἔχετον σωτηρίαν* (*σωτηρίας* frustra Wecklein).

397. Cf. Dem. p. 858. *τοῦτον γὰρ τὸν λόγον καθῆκεν.* Vesp. 174. Thuc. VI. 14. *γνώμας προτίθει — Ἀθηναίοις.*

399. ἀναβοᾷ] Cf. Ran. 779. ὁ δῆμος ἀνεβόα κρίσιν ποιεῖν. πόσον δοκεῖς] Cf. Eubul. Fr. 82. ἠφάνικε πηλίκον τινὰ | οἴεσθε μέγεθος.

404. Cf. Pl. 718.

405. Cf. Cratin. 325, 1. αὐτομάτη δὲ φέρει τιθύμαλλον καὶ σφάκον etc.

406 sq. Sic cibaria secum in concionem affert Dicaeopolis in Ach. v. 164.

413 sq. Euripidis locum ridere videtur, Her. 11. σώζω τάδ' αὐτὸς δεόμενος σωτηρίας.

413. ἐρῶ ὡς — σώσετε] Cf. Lys. 183. πάρφαινε μὰν τὸν ὅρκον ὡς ὀμοόμεθα.

416. ἐπειδὰν πρῶτον —] Cf. Aesch. Ag. 1286. ἐπεὶ τὸ πρῶτον εἶδον Ἰλίου πόλιν.

418. κλίνη —] Cf. Diodor. com. III. 544. καλῶς ἐστρωμένην κλίνην. ibid. κλίνας ἐστρωμένας.

419. ἰέναι —] Ire jubeo. Subaudire licet κελεύω aut simile quid. Cf. Ach. 172. τοὺς Θρᾷκας ἀπιέναι, παρεῖναι δ' εἰς ἔνην.

420. ἐν τῶν σκυλοδεψῶν] Cf. Lys. 407. ἐν τῶν δημιουργῶν. Plat. com. II. 674. ἐν τοῦ καπήλου (τῷ καπήλῳ vulg.) νοῦς ἐνεῖναί μοι δοκεῖ. σκυλοδεψῶν] I. q. βυρσοδεψῶν. Δεψεῖν legitur Hom. Od. 12, 48. κηρὸν δεψήσας μελιηδέα. ἦν δ' ἀποκλήῃ] Sub. τις αὐτῶν. Cf. ad Vesp. 775. Dem. p. 778. κεκλειμένης σοι τῆς παρρησίας οὐ κιγκλίσιν οὐδὲ θύραις. Herod. I. 31. ἐκκληϊόμενοι τῇ ὥρῃ (tempore exclusi). Hor. Sat. I. 2. 67. exclusus fore.

424. τρεῖς χοίνικας] Cf. Pac. 1217. Fr. 79.

427 sq. Similis narratio ficta legitur Ephipp. 14.

431. Cf. Xen. An. V. 1. 3. ταῦτα ἀκούσαντες οἱ στρατιῶται ἀνεθορύβησαν ὡς εὖ λέγοι.

433. νοῦν γὰρ εἶχον νὴ Δία] Cf. Ran. 917.

434. κατεῖχε τῇ βοῇ] Sc. αὐτούς. Cf. Nub. 571. ὃς — ἀκτῖσιν κατέχει γῆς πέδον.

440. τωνδί] Sc. spectatorum.

441. Cf. Lys. 677. ἱππικώτατον γάρ ἐστι χρῆμα κἄποχον γυνή. Plat. com. II. 648. γυνὴ γὰρ — ὕβριστον χρῆμα κἀκόλαστον. Amph. 17, 1. εἶτ' οὐχὶ χρυσοῦν ἐστι πρᾶγμ' ἐρημία; Monost. 734. ὑπερήφανον πρᾶγμ' ἐστὶν ὡραία γυνή. Theocr. XV. 83. σοφόν τοι χρῆμ' ὤνθρωπος. 145. Dem. p. 383, 2. ὡς ὁ μὲν δῆμός ἐστιν ἀσταθμητότατον πρᾶγμα. Xen. Cyr. VI. 1. 36. ἄμαχον πρᾶγμα. Ovid. Ep. Pont. II. 7. 37. 'Res timida.'

442. Cf. Ran. 362. ἢ τἀπόρρητ' ἀποπέμπει. Eq. 282.

443. ἐκ Θεσμοφόροιν] Cf. Th. 83. ἐν Θεσμοφόροιν. Exspectabas ἐκ τοῖν Θεσμοφόροιν.

446. Cf. Eur. Fr. 759, 4. τοῖς μὴ δικαίοις δ' οὐδὲ συμβάλλειν

χρεών. Herod. VII. 29. *αὐτεπάγγελτος ἐς τὸν πόλεμον ἐμοὶ ἠθέλησε συμβαλέσθαι χρήματα.*

449. *ἀποφέρειν*] Anglice, bring back.

453. *πολλὰ κἀγαθά*] Sub. *δρᾶν* (450). Cf. Pac. 538. *ἄλλων τε πολλῶν κἀγαθῶν*. Av. 918. *κύκλιά τε πολλὰ καὶ καλά*. Th. 351. Trag. adesp. 18. *τούτῳ δέ, τέκνον, πολλὰ κἀγάθ' οἱ θεοὶ — δοῖεν*. Antiph. III. 89. *τούτῳ — πολλὰ κἀγάθ' οἱ θεοὶ — δοῖεν*. Xen. An. V. 6. 4. *πολλά μοι κἀγαθὰ γένοιτο.*

454. *εὐλόγει*] Cf. Aesch. Ag. 589. *εὐλογεῖν πόλιν*. Suppl. 480. 260.

462. *πρᾶγμ'*] Opus. Cf. 670. *τί γὰρ αὐτῷ πρᾶγμα μάχεσθαι;* Pac. 244. *τουτὶ μέν, ἄνδρες, οὐδὲν ἡμῖν πρᾶγμά πω*. Eur. Med. 451. *κἀμοὶ μὲν οὐδὲν πρᾶγμα*. Herod. I. 207. 2. *οὐδὲν ἂν εἴη πρῆγμα γνώμας ἐμέ σοι ἀποφαίνεσθαι*. III. 11. *ὡς ἀπαλλάσσεσθαι πρῆγμα εἴη μηδὲ — κινδυνεύειν.* *στένειν τὸν ὄρθρον*] Cf. Alciphr. I. 39. 4. *ἠρέμα δ' οἷον ἐνεργοῦσά τι ἐρωτικὸν ὑπεστέναξεν*. Men. IV. 149. *ᾤμην — τοὺς πλουσίους — οὐ στένειν τὰς νύκτας*. Lys. 966. *καὶ μὴ βινῶν τοὺς ὄρθρους*. Ach. 256.

465. Cf. Xen. Hell. 3. 25. *ἡμεῖς δὲ γνόντες τοῖς οἵοις ἡμῖν τε καὶ ὑμῖν χαλεπὴν εἶναι πολιτείαν δημοκρατίαν* etc.

466. *παραλαβοῦσαι τῆς πόλεως τὰς ἡνίας*] Cf. Eq. 1109. *τούτῳ παραδώσω τῆς πυκνὸς τὰς ἡνίας*. Plat. Polit. 266 E. *παραδοῦναι τὰς τῆς πόλεως ἡνίας*. Plut. Per. 11. *τῷ δήμῳ τὰς ἡνίας ἀνείς*. Alciphr. III. 61. *Δωσιάδης δ', ὦ θεοί, τὴν πύκνα καταλαμβάνει δημηγορῶν — καὶ τὰς ἡνίας ἔχει τοῦ δήμου.*

471. *εἰ τῇ πόλει τοῦτο ξυνοίσει*] Cf. Nub. 594. *ἐπὶ τὸ βέλτιον τὸ πρᾶγμα τῇ πόλει ξυνοίσεται*. Pac. 688.

477. *σὺ δ' ὑγίαινε*] Cf. Ran. 165. Achae. trag. 42. *σὺ δ' ὑγίαινέ μοι.*

478. *ἔμβα*] Procede. Cf. Lys. 1303. Ran. 377.

485. *τὸ πρᾶγμ' ἐλεγχθὲν*] Cf. Aesch. Ag. 1351. *καὶ πρᾶγμ' ἐλέγχειν σὺν νεορρύτῳ ξίφει* (*δοκεῖ*).

486. *συστέλλου σεαυτὴν*] Cf. Eur. Iph. T. 295. *ἡμεῖς δὲ συσταλέντες ὡς θανούμενοι | σιγῇ καθήμεθ'*. Plat. Lys. 210 E. Legg. III. 691 E.

487. Cf. Th. 666. *καὶ τὰ τῇδε καὶ τὰ δεῦρο πάντ' ἀνασκόπει καλῶς*. Plat. Theaet. 155 E. *ἄθρει δὴ περισκοπῶν, μή τις τῶν ἀνοήτων ἐπακούῃ.*

490. De collocatione verborum cf. 515.

491. *ἡ στρατηγὸς*] Sic *τῆς γραμματέως* Th. 432. *τὴν ῥήτορα* Fr. 673.

494. Cf. Iophont. trag. Fr. 1. *πολλῶν σοφιστῶν ὄχλον ἐξηρτημένος*. Aeschin. p. 77. *ἐξηρτημένος ἐπιστολάς*. Sic *πήραν ἐξηρτημένος*. et similia.

496. *ἐπὶ σκιᾶς*] Cf. Schol. Av. 1553. *ὡς ἐπὶ σκιᾶς βαδίζοντας.*

498. *θατέρῳ*] Cf. Vesp. 497. Soph. Tr. 272.

502. *μίσει — ἔχουσα*] Rarior constructio. Aliter Eupolis II. 547. *μισῶ λακωνίζειν.* *σάκον*] Cf. Lys. 824. *τὸν σάκανδρον ἐκφανεῖς.*

507. *ῥιπτεῖτε χλαίνας*] Cf. 850. *ἐμβὰς δὲ κεῖται καὶ τρίβων ἐρριμμένος.* Vesp. 408. Eupol. II. 560. *οὐ πάνυ ταχὺ | ῥίψας ἐμοὶ τοῦτ' ἀναβαλεῖ τὸ Κρητικόν;* Lys. III. 35. *τὸ μειράκιον — ῥίψας θοἰμάτιον φεῦγον ᾤχετο.* Plat. Resp. v. 474 A. *ῥίψαντας τὰ ἱμάτια γυμνοὺς — θεῖν.* Theophr. Char. 27. *ῥίψας τὸ ἱμάτιον τὸν βοῦν αἰρεῖσθαι* (l. *αἴρεσθαι*). *ῥιπτεῖτε*] Ionica forma est *ῥιπτεῖν* ut *βυνεῖν.* V. Herod. IV. 94. 188. VIII. 53. VII. 50. Theogn. 176. *ῥιπτεῖν.* Eur. Fr. 1055, 2. *ῥίπτειν* (*ῥιπτεῖν* al.). Cf. ad Vesp. 59.

ἐμβὰς] Sc. *Λακωνική.* Cf. 74. *Λακωνικὰς γὰρ ἔχετε καὶ βακτηρίας | καὶ θαἰμάτια τἀνδρεῖα* (hic *χλαίνας*) *καθάπερ εἴπομεν.*

508. Cf. Men. 109, 2. *ὑποδούμενος τὸν ἱμάντα γὰρ τῆς δεξιᾶς | ἐμβάδος ἀπέρρηξ'.*

512. *καταθέσθαι θοἰμάτιον*] Cf. Nub. 497. *κατάθου θοἰμάτιον.* Eccl. 512.

515. Connecte *σοι* cum *ὑπακούειν.*

520. *τί δ' — σοὶ τοῦθ';*] Cf. ad Eq. 1198. Lys. 514. Th. 498.

522. *παρὰ τοῦ μοιχοῦ*] Cf. Pl. 360. *κεκλοφὼς — παρὰ τοῦ θεοῦ.* et ad Ach. 415.

523. *τουτί γε*] I. q. *τουτογί.* Sic *νυνὶ δὲ* (i. q. *νυνδὶ*) infra 986.

524. Cf. Pac. 529. *τοῦ μὲν γὰρ ὄζει κρομμυοξυρεγμίας,* etc. et ad Vesp. 1058.

526. *ὄρθριον*] Cf. 377.

527. *θοἰμάτιον*] Cf. 544.

530. *τῆς λεχοῦς δ' οὐ φροντίσαι*] Cf. Ach. 127. *τούσδε ξενίζειν.* Soph. Aj. 410. *ὦ δυστάλαινα, τοιάδ' ἄνδρα χρήσιμον | φωνεῖν* etc. *λεχοῦς*] Eupol. II. 529. *λεχὼ στρατιῶτις.* Eur. El. 652. 654. 1108.

533. Cf. Xen. Hell. IV. p. 511. *κατεκλίθη οὖν καὶ αὐτὸς ὥσπερ εἶχε χαμαί.*

534. *μεθῆκέ μ'*] Cf. Eq. 937. *πρὶν φαγεῖν ἀνὴρ μεθήκοι* (*σε*) etc.

537. *ὡσπερεὶ προκείμενον*] Cf. Nub. 1360. *ὡσπερεὶ τέττιγας ἑστιῶντα.* Av. 52. *ὡσπερεὶ δεικνύς τί μοι.*

538. Cf. Fr. 488, 6 K. *οὐδὲ γὰρ ἂν ἀποθανόντες ἐστεφανωμένοι | προυκείμεθ' οὐδὲ βακκάρει κεχριμένοι, | εἰ μὴ καταβάντας εὐθέως πίνειν ἔδει.* Fr. 417. *ἀλλὰ στεφάνωσαι· καὶ γὰρ ἡλικίαν ἔχεις | ἀποχρῶσαν ἤδη.* *λήκυθον*] Ampullam unguentum continentem. Cf. Fr. 8. *τῆς μυρηρᾶς ληκύθου.* 14.

540. Cf. Men. 832. *ἤδη δ' ἀλεαίνει πρὸς τὸ πῦρ καθημένη.*

543. *ἥκεις δὲ κατὰ τί;*] Cf. Av. 916. Pac. 192. Nub. 239.

549. *ἄρρεν — παιδίον*] Cf. Lys. 748. Th. 564. *τῆς δούλης τεκούσης ἄρρεν.*

550. *ἐγᾠχόμην*] Eadem crasis atque in Hom. Il. 18, 458. *υἱεῖ ἐμῷ ὠκυμόρῳ δόμεν ἀσπίδα καὶ τρυφάλειαν.*

559. *κατὰ τί;*] Quamobrem? Cf. 604. *κατὰ δὴ τί;* Ran. 1162. *δίδαξον γάρ με καθ' ὅ τι δὴ λέγεις.*

561. Cf. ad Th. 1162. Fr. 662.

565. *μὴ λωποδυτῆσαι —*] Notanda particulae negativae mutatio *μὴ* pro *οὐ*, quasi praecessisset *ἀπειρημένον ἔσται.*

567. *'νεχυραζόμενον*] Medio sensu.

569 sq. Cf. Nicostr. 8, 2. *οὕτω διαθήσω τὰ μετὰ ταῦθ' ὥστ', οἴομαι, | μηδ' αὐτὸν ἡμῖν τοῦτον* (*Μῶμον* sagaciter Kock.) *ἀντερεῖν ἔτι.*

571. Cf. Aesch. Suppl. 406. *δεῖ τοι βαθείας φροντίδος σωτηρίου* etc. *πυκνὴν φρένα*] Cf. Ach. 445. *πυκνῇ γὰρ λεπτὰ μηχανᾷ φρενί.* Av. 430. Critias Fr. 1, 12. *πυκνός τις καὶ σοφὸς γνώμην ἀνήρ. νῦν δὴ —*] Cf. Eq. 756. Vesp. 526.

574. *πολίτην δῆμον*] Cf. Eq. 42. *πυκνίτην δῆμον.* Ach. 161. *ὁ θρανίτης λεώς.*

575. *ἐπαγλαϊοῦσα*] Cf. Fr. 548. *ἐπαγλαΐσῃ.* Cratin. II. 177. *ὧδ' ἐπηγλαϊσμέναι | μείρακες.* Antiph. III. 148. *ἐπηγλαϊσμέναι — τράπεζαι.*

581. *ἅπτεσθαι — ταῖς διανοίαις*] Qu. — *τῆς διανοίας* (aut *τῶν διανοιῶν*). Cf. Vesp. 1019. *μιμησάμενος τὴν Εὐρυκλέους μαντείαν καὶ διάνοιαν.* Ran. 894. *ὀρθῶς μ' ἐλέγχειν ὧν ἂν ἅπτωμαι λόγων.* Aut *ἐπιθέσθαι — ταῖς διανοίαις.* Soloeca est vulgata.

582. Cf. Men. IV. 278. *ὦ νύξ, σὺ γὰρ δὴ πλεῖστον Ἀφροδίτης θεῶν | μετέχεις* (sc. *μέρος*). Thuc. I. 84. *αἰδὼς σωφροσύνης πλεῖστον μετέχει.* Cobet. N. L. p. 109.

584. *τοῖς ἤθάσι*] I. q. *τοῖς εἰωθόσι* (Ran. 1.).

588. *ὑποκρούσῃ*] Cf. 596. Ach. 38.

592. Cf. Pl. 556. *εἰ φεισάμενος — καταλείψει μηδὲ ταφῆναι.* Vesp. 926. *ἐμοὶ δέ γ' οὐκ ἔστ' οὐδὲ τὴν ὑδρίαν πλάσαι.*

596. *ἔφθης μ' ὑποκρούσας*] Cf. Pl. 685. *μὴ φθάσειέ με | ἐπὶ τὴν χύτραν ἐλθών. ὑποκρούσας*] Cf. 256. *τί δ', ἢν ὑποκρούωσίν σε;* 588. 618. Ach. 38. Alex. 32. Henioch. 5, 4. *τάχ' ἄν τις ὑποκρούσειεν ὅ τι ποτ' ἐνθάδε | νῦν εἰσὶ κἀνέροιτο.*

602. Cf. Xen. Oecon. 7, 13. *σύ τε ὅσα ἠνέγκω πάντα εἰς τὸ κοινὸν κατέθηκας.* Herod. VII. 164. *ἐς μέσον Κώοισι καταθεὶς τὴν ἀρχήν.* III. 142.

603. *διὰ τουτί*] Cf. 741. *διὰ τὸν ὄρθριον νόμον.*

604. *κατὰ δὴ τί;*] Quamobrem? Cf. 559.

607. *σὺ γὰρ ἐξευρὼν ἀπόδειξον*] Cf. Nub. 1062. *φράσον καί μ' ἐξέλεγξον εἰπών* (*εὑρών* Mein.).

611. *σκαλαθῦραι*] Cf. ad Pac. 440. *ἔχονθ' ἑταίραν καὶ σκαλεύοντ' ἄνθρακας.* Eq. 1286. Hinc *σκαλαθυρμάτια* Nub. 630.

612. *τῶν ἐκ κοινοῦ δὲ*] Cf. 625. *ἐπὶ τοὺς δὲ καλοὺς βαδιοῦνται.*

616. *ἐρείδειν*] Cf. Th. 488. Fr. 577.

618. Cf. Philippid. 28. *αἰσχρὰν γυναῖκ' ἔγημας ἀλλὰ πλουσίαν.* *ταύτης*] Sc. *τῆς ὡραιοτάτης* (616).

620. Cf. Vesp. 1445. *κλητῆρες ἐπιλείψουσι τοὺς καλουμένους.*

621. Cf. Pl. 1076. *ἐγὼ περὶ ταύτης οὐ μαχοῦμαί σοι. ΧΡ. τὸ τί* (f. *τιή* = quare); | *ΝΕ. αἰσχυνόμενος* etc.

623. *τὸ μὲν ὑμέτερον*] Cf. Lys. 592. *καὶ θἠμέτερον μὲν ἐᾶτε.* Eur. Med. 313. *καὶ νῦν τὸ μὲν σὸν οὐ φθονῶ καλῶς ἔχειν.* Herod. VIII. 140. *ἢν μὴ τὸ ὑμέτερον ἀντίον γένηται.*

624. *τρύπημα*] I. q. *τρύμη* Nub. 448. Cf. Pac. 1234. Sotadem apud Apostol. VI. 53. et Plut. Mor. 11 A. *εἰς οὐχ ὁσίην τρυμαλιὴν τὸ κέντρον ὠθεῖς.* Cf. 906. Eupol. II. 562. *οὐδὲν κενὸν τρύπημ' ἂν ἐν ταῖς οἰκίαις ἂν εὕροις.* Hesych. *Τρυμαλῖτις· Ἀφροδίτη.*

627. *ἀπὸ τοῦ δείπνου*] Usitatius foret *ἀπὸ δείπνου*, ut in 694. Vesp. 1401. Pac. 839. Sic *πρὸ δείπνου* Ach. 1112. *ἐπὶ δεῖπνον* Ach. 1085. etc. Sed *ἐπὶ τὸ δεῖπνον* est Ach. 988.

629. *χαρίσωνται*] Cf. 705. *τοῖς γὰρ σιμοῖς καὶ τοῖς αἰσχροῖς* | *ἐψήφισται προτέροις βινεῖν.* 940. Eq. 517.

631. *καταχήνῃ*] I. e. *κατάγελως.* Cf. Vesp. 575. *τοῦ πλούτου καταχήνη.*

633. *παραχώρει*] Concede viam. Cf. Ran. 767. Lys. 1216. *ἐπιτήρει ὅταν*] Cf. Ran. 1002. *καὶ φυλάξεις ἡνίκ' ἂν τὸ πνεῦμα λεῖον — λάβῃς.*

634. *δευτεριάζειν*] Cf. v. *δευτερεύειν*, et *δευτερίας* (*οἶνος*).

638. *εὖ καὶ χρηστῶς*] Cf. Alex. III. 443. *τῷ σιλφίῳ μάστιξον εὖ τε καὶ καλῶς.* Sic *ἀγαθὸς καὶ χρηστὸς* non raro conjunguntur.

640. *ἀγνὼς*] Cf. Aesch. Ag. 1051. *χελιδόνος δίκην* | *ἀγνῶτα φωνὴν βάρβαρον κεκτημένη.*

642. *ἢν πληγέντος ἀκούσῃ*] Sc. *αὐτοῦ.* Cf. ad Ran. 815. Xen. Mem. I. 1. 12. *οὐδεὶς δὲ πώποτε Σωκράτους οὐδὲν ἀσεβὲς — λέγοντος ἤκουσεν.*

643. *αὐτὸν ἐκεῖνον*] Cf. Ran. 552. *ἐκεῖνος αὐτὸς δῆτα.* Pl. 704. *αὐτὸς δ' ἐκεῖνος;* Cratin. 255. *ἐκεῖνος αὐτός* (*ἐστιν*) *ἐκμεμαγμένος.* Themist. XXI. 262 C. *ὅτι, οἶμαι, αὐτὸς ἐκεῖνος ὑπάρχεις.*

645. *Λευκολόφας*] Cf. Eur. Phoen. 119. *τίς οὗτος ὁ λευκολόφας —;* et *γοργολόφας* Ach. 567. *πάππαν με καλοῖ*] Cf. Pac. 120. *ἡνίκ' ἂν αἰτίζητ' ἄρτον πάππαν με καλοῦσαι.* *τοῦτ' ἤδη δεινὸν ἀκοῦσαι*] Cf. Ach. 315. *τοῦτο τοὔπος δεινὸν ἤδη* etc. Vesp. 426. *τοῦτο μέντοι δεινὸν ἤδη νὴ Δί', εἰ μαχούμεθα.*

648. *καλαμίνθης*] Cum allusione ad voc. *μίνθος*, unde *μινθοῦν.* Qu. *καλαμίνθου.* V. Theophr. Hist. Plant. I. 7. 1. Anglice catmint.

650. *δεινὸν μέντἂν ἐπεπόνθη*] Cf. Lys. 1098. *δεινὰ τἂν ἐπεπόνθεμες.*

651. *ἔσθ'*] I. e. *ἔσται.*

652. Cf. Fr. 564. *ἑπτάπους· γοῦν ἡ σκιά 'στὶν ἦπὶ τὸ δεῖπνον* (?)· *ὡς ἤδη καλεῖ μ' ὁ χορὸς ὁ φιλοτήσιος.* Poll. VI. 44. *τῇ σκιᾷ δ' ἐτεκμαίροντο τὸν καιρὸν τῆς ἐπὶ δεῖπνον ὁδοῦ, ἣν καὶ στοιχεῖον ἐκάλουν· καὶ ἔδει σπεύδειν, εἰ δεκάπουν τὸ στοιχεῖον εἴη.* *λιπαρῶς*] Lege *λιπαρῷ.* Cf. Eq. 536. *θεᾶσθαι λιπαρόν.* Pl. 616. *λιπαρὸς χωρῶν ἐν βαλανείου.* Nub. 1002.

655. Cf. Av. 1457. *ὅπως ἂν ὠφλήκῃ δίκην.* Nub. 34.

658. Cf. Herod. I. 120. *ταύτῃ πλεῖστος γνώμην εἰμί.* Thuc. VI. 50. *προσέθετο καὶ αὐτὸς τῇ Λαμάχου γνώμῃ.* *τάλαν*] Correpta posteriori ut in 1005. Notanda articuli omissio ante *γνώμην,* quod in senario non liceret.

662. De personae permutatione cf. Pl. 375. 932. Lys. 486.

663. *τὰς αἰκίας*] Anglice actions for assault. Cf. Dem. p. 1153. *ἔλαχον αὐτῷ δίκην αἰκίας.* Lys. Fr. 27. Athen. XIII. 586 B. *Ὑπερείδης ἐν τῷ κατὰ Μαντιθέου αἰκίας — τάδε λέγει,* etc. Gravius crimen erat *ὕβρεως γραφή.* Dem. p. 525, 14. *ἦν ὁ τῆς βλάβης ὑμῖν νόμος πάλαι, ἦν ὁ τῆς ὕβρεως.* Malim *τὰς αἰκείας* (sic).

665. Cf. Pl. 1128. *οἴμοι δὲ κωλῆς ἧς ἐγὼ κατήσθιον.* 1130.

666. *φαύλως οὕτως*] Angl. So easily. Cf. ad Ach. 215.

668. Cf. Av. 492. *οἱ δὲ βαδίζουσ' ἀποδύσοντες νύκτωρ.* 497 sq. 1490 sq. 712. Ran. 715. Antiph. 1, 2, 5. *ἔστι δὲ εἰκὸς ἀωρὶ τῶν νυκτῶν πλανώμενον ἐπὶ τοῖς ἱματίοις διαφθαρῆναι.* Alex. com. III. 414. *τῆς νυκτὸς οὗτος τοὺς ἀπαντῶντας ποιεῖ | γυμνοὺς ἅπαντας.*

669. *οὐδ' ἦν —*] Sub. *ἐξέλθῃς.*

670. *τί γὰρ αὐτῷ πρᾶγμα μάχεσθαι;*] Cf. ad Vesp. 715. 462. *οὐδὲ στένειν τὸν ὄρθρον ἔτι πρᾶγμ' ἆρά μοι;*

673 sq. Et hic et in Pl. 314. rideri Platonem censet Bergkius ad Arist. Fr. II. 1162.

676. Notandum *πάντα* a nomine suo sejunctum. Usitatius fuisset *πάσας.* Tribunalia prope omnia, ut porticus, aut in foro aut prope forum sita fuisse credibile est.

678. *τὸ — βῆμα*] Schol. *ὁ λίθος ἐν τῷ δικαστηρίῳ.* Cf. Pl. 382.

681. *ποῖ τρέψεις*] Anglice, to what use will you turn? *κληρωτήρια*] Cf. Fr. 194. Eubul. III. 241. *κληρωτήρια — κλεψύδραι, νόμοι, γραφαί.* Cf. v. *πωλητήριον.* Schol. *τὰς κληρωτὰς ἀρχάς* (*τὰ κληρωτικὰ ἀγγεῖα* T. Halbertsma).

682. *στήσασα παρ' Ἁρμοδίῳ*] Cf. Lys. 635. Eq. 536. *θεᾶσθαι — παρὰ τῷ Διονύσῳ.*

683. Cf. Pl. 277. Aristot. Resp. Athen. c. 63. *ἐπέθηκε φέρων ὁ ὑπηρέτης ἐφ' ἕκαστον δικαστήριον τὸ γράμμα τὸ λαχόν.*

684. *τοὺς ἐκ τοῦ βῆτ'*] Sc. *γράμματος.* Cf. Pl. 277. *ἐν τῇ σορῷ νυνὶ λαχὸν τὸ γράμμα σου δικάζειν,* etc. 1185. *στοιάν*] Forma epica ut *χροιά, ῥοιά,* etc. Cf. Dem. p. 776. *ἐν τῇ βασιλείῳ στοᾷ καθεζομένη* (*ἡ ἐξ Ἀρείου πάγου βουλή*). Paus. I. 14. 6. *ὑπὲρ δὲ τὸν*

Κεραμεικὸν καὶ στοὰν τὴν καλουμένην βασίλειον ναός ἐστιν Ἡφαίστου. Poll. VIII. 86. *πρὸς τῇ βασιλείῳ στοᾷ.*

685. Cf. Ach. 11. *ὁ δ' ἀνεῖπεν* (sc. *ὁ κῆρυξ*).

686. *τοὺς δ' ἐκ τοῦ κάππ'*] *Κάππα* est littera numerum decem indicans. Erant autem Athenis decem tribunalia. V. Paus. I. 28. 8 sq. Quod vel ex hoc loco colligi potest.

687. *ὅτῳ — μὴ 'ξελκυσθῇ*] Cf. ad Ran. 1163. *ὅτῳ μετῇ πάτρας.*

691. *στεφάνῳ — τὴν δᾷδα*] Cf. ad Pl. 1041. *στέφανόν γέ τοι καὶ δᾷδ' ἔχων πορεύεται.* Antiphan. III. 114. *δᾷδα καὶ στεφάνους λαβόντες.* Eur. Alc. 353.

693. *κατὰ τὰς διόδους*] Cf. Vesp. 361. Th. 658.

705. Cf. 629. *πρὶν ἂν τοῖς αἰσχροῖς καὶ τοῖς σιμοῖς χαρίσωνται.* *τοῖς — σιμοῖς*] Inter se opponuntur *σιμός* et *γρυπός*. Cf. Plat. Resp. 474 E. *ὁ μὲν ὅτι σιμὸς ἐπίχαρις κληθεὶς ἐπαινεθήσεται ὑφ' ὑμῶν, τὸ δὲ γρυπὸν βασιλικόν φατε εἶναι.* Xen. Cyr. VIII. 4. 21. *σιμὴ (γυνὴ) ἄν σοι ἰσχυρῶς συμφέροι. Πρὸς τί δὴ αὖ τοῦτο; Ὅτι, ἔφη, σὺ γρυπὸς εἶ. πρὸς οὖν τὴν σιμότητα σάφ' ἴσθι ὅτι ἡ γρυπότης ἄριστ' ἂν προσαρμόσειε.*

708. *διφόρου συκῆς*] Biferae ficus. Cf. Antiph. 198. *τὴν δίφορον συκῆν.* Theophr. de C. Pl. V. 1. 6. *ὥσπερ καὶ ὁ τῶν διφόρων συκῶν λεγομένων καρπός.* H. Pl. I. 14. 1. *μηλέαι τῶν διφόρων.* Pher. 97. *σῦκα τῶν διφέρων.*

711. *βαδιστέον τἄρ' ἐστὶν εἰς ἀγορὰν ἐμοί*] Cf. Ran. 656.

713. *κηρύκαιναν*] Sic *μαγείραινα* Pher. 64, 4.

719. *ἵνα τί;*] Cf. Plat. Apol. 26 C. *ἵνα τί ταῦτα λέγεις;*

720. *αὗται*] Choreutae.

724. *κατωνάκας*] Cf. Lys. 1151. 1155. Herod. II. 42. *τὸ νάκος τοῦ κριοῦ.* *τὸν χοῖρον*] Cf. Ach. 773. *ἀποτετιλμένας*] Cf. Lys. 151. *δέλτα παρατετιλμένας.* Pher. II. 299. *ἠβυλλιῶσαι καὶ τὰ ῥόδα κεκαρμέναι.*

726. *ἀποβλέπωμαι*] Cf. Men. 402, 5. *ἵν' ἀποβλέπωσι πάντες εἰς τὸ Κρωβύλης | πρόσωπον.* Theophr. Char. II. *εἰς ἐκεῖνον ἀποβλέπων τοῖς ἄλλοις λαλεῖν.*

730 sq. Similis locus est Cratetis 14, 5 sq. *παρατίθου, τράπεζα — μάττε, θυλακίσκε, | ἔγχει, κύαθε.* Cf. Theopomp. 32, 1. *χώρει σὺ δεῦρο, Θηρικλέους πιστὸν τέκνον.* Men. 303 M. *ἐπίθες τὸ πῦρ ἡ ζάκορος.* Aesch. Fr. 225. *σὺ δ' ὁ σταθμοῦχος εὖ κατιλλώψας ἄθρει.* Cf. Ach. 253. *ὅπως τὸ κανοῦν καλὴ καλῶς οἴσεις.* Pac. 1330.

732. *ἐντετριμμένη κανηφορεῖν*] Cf. Av. 1551. Hermipp. 26. *ὥσπερ αἱ κανηφόροι | λευκοῖσιν ἀλφίτοισιν ἐντετριμμένος.*

733. Connecte *πολλοὺς δή.* *κάτω — στρέψασ'*] Cf. Soph. Ant. 716. *κάτω | στρέψας (τὴν ναῦν) τὸ λοιπὸν σέλμασιν ναυτίλλεται.* Eur. Herc. 1307. *ἄνδρ' — ἄνω κάτω στρέψασα.*

734. *ἡ χύτρα δεῦρ' ἔξιθι*] Cf. Eq. 1389. *δεῦρ' ἴθ' αἱ σπονδαὶ*

ταχύ. Men. IV. 160. ἐπίθες τὸ πῦρ ἡ ζάκορος. Clearch. 4, 2. ἡ παῖς, ἐπιτίθει — τρὰγήματα. Plat. Symp. 218. οἱ δὲ οἰκέται — πύλας — ἐπίθεσθε.

737. κομμώτρια] Cf. Fr. 309, 8. κομμώτριον (κομμώτριαν?). Plat. Resp. 373 C. Masculinum κομμωτής est Lucian. Merc. cond. 32. Plut. II. 348 E. ἡ κομμωτική Plat. Gorg. 463 B. 465 B. κόμμωσις Athen. 568 A. Etym. M. p. 228, 52. Κομμοῦσθαι: καλλωπίζεσθαι. Εὔπολις. Naevii comoedia fuit 'Commotria'. Cognata vox fortasse est nostra to comb.

739. ἡ κιθαρῳδός] I. e., ni fallor, ἡ μύλη.

741. ἀωρὶ νύκτωρ] Cf. Antiph. 1, 2, 5. ἀωρὶ τῶν νυκτῶν πλανώμενον. Theocr. 24, 38. οὐ νοέεις ὅτι νυκτὸς ἀωρί που —; διὰ τὸν ὄρθριον νόμον] Cf. 603. κἀκτήσατο γὰρ διὰ τουτί. Lys. 488. 936. Pac. 323.

743. κόμιζε] Puerum alloquitur. Cf. 833.

745. τὸν ὄχλον] Cf. Aesch. Prom. 827. Thuc. VII. 78. τοὺς δὲ σκευοφόρους καὶ τὸν πλεῖστον ὄχλον ἐντὸς εἶχον οἱ ὁπλῖται.

746. κακοδαίμων ἄρα —] Sub. ἐὰν καταθῶ αὐτά. Cf. 977. καὶ τὴν θύραν γ' ἤραττες. ΝΕ. ἀποθάνοιμ' ἄρα. Lys. 531.

751. οὐδὲν πρὸς ἔπος] Anglice, on no account. Cf. Soph. O. C. 443. ἔπους σμικροῦ χάριν.

755. ἐνέχυρα θήσων] Ut pignora depositurus, oppigneraturus. Cf. Plat. Legg. 820 E. ἐνέχυρα — τοὺς θέντας. Ἐνέχυρα θέσθαι de iis dicitur qui pignora accipiunt (Angl. the mortgagees). Soph. O. C. 858.

758. ἀποφέρειν] Ferre, pendere, solvere. Cf. Herod. IV. 35. V. 84.

761. πῶς;] Pro ὅπως; Cf. ad Ran. 1424. Av. 1234. Antiph. Com. III. 9. κρέα δὲ τίνος ἂν ἥδιστ' ἂν ἐσθίοις; Β. τίνος;

770. φυλάξομαι] Anglice, I will be upon my guard. πρὶν ἄν γ' ἴδω] Cf. Ach. 176.

775. Cf. Pl. 390. ἀπολεῖς. ΒΛ. σὺ μὲν οὖν σεαυτόν. Ran. 1245.

776. ὁ Ζεύς σέ γ' ἐπιτρίψειεν] Cf. Pl. 119. Av. 95.

778. οὐ γὰρ πάτριον τοῦτ' ἐστὶν] Cf. Tyrt. Fr. 15, 6. οὐ γὰρ πάτριον τᾷ Σπάρτᾳ (φείδεσθαι τᾶς ζωᾶς).

781. τἀγαθά] Cf. Ran. 1462. ἐνθένδ' ἀνίει τἀγαθά. Th. 311.

784. τῶν προύργου τι δρᾶν] Cf. Pl. 623. μὴ — ἐλθὼν διακωλύσῃ τι τῶν προύργου ποιεῖν.

785. ποῦ μοῦσθ' ἱμάς;] Cf. Vesp. 902. ποῦ μοὐ (i. e. μοι ὁ) διώκων —; Pac. 1295. ποῦ μοι τὸ τοῦ Κλεωνύμου 'στὶ παιδίον; Canticum Athen. XIV. 629 E. ποῦ μοι τὰ ῥόδα —; ἱμάς] Cf. Fr. 472. καὶ τὸν ἱμάντα μου | ἔχουσα καὶ τἀνάφορον.

786. καὶ δὴ] Iam. Idem fere quod ἤδη. Cf. Vesp. 1324. Soph. O. C. 31. καὶ δὴ μὲν οὖν παρόντα.

787. *τῆς μωρίας τὸ μηδὲ* —] Hem stultitiam. Cf. Nub. 818. *τῆς μωρίας,* | *τὸ Δία νομίζειν* etc. 268. Pl. 593. *τὸ γὰρ ἀντιλέγειν τολμᾶν ὑμᾶς ὡς οὐ* etc. Ran. 530. 741. Eur. Med. 1051. Alc. 832. Xen. Cyr. II. 2. 3. *τῆς τύχης, τὸ ἐμὲ νῦν κληθέντα δεῦρο τυχεῖν.*

789. *τηνικαῦτ' ἤδη*] Ut alibi *τότ' ἤδη.*

790. Cf. 493. Lys. 74. Nub. 804. 843. Herod. VIII. 141. *ἐπανέμειναν διατρίβοντες.*

791. Cf. Plat. Phaed. p. 60 E. *ἀφοσιούμενος, εἰ ἄρα πολλάκις ταύτην τὴν μουσικήν μοι ἐπιτάττοι ποιεῖν.* Lach. p. 179 B. p. 194 A. Phaedr. p. 238 C.

792. *διᾴξειεν γαλῆ*] Cf. Theophr. Char. 16. *καὶ τὴν ὁδὸν ἐὰν παραδράμῃ γαλῆ, μὴ πρότερον πορευθῆναι ἕως ἂν διεξέλθῃ τις,* etc.

793. *ὠμβρόντητε*] Cf. Antiph. com. III. 149. *ἐγένετ' ἐμβρόντητος.* Ophelion. com. III. 381. *βιβλίον Πλάτωνος ἐμβρόντητον.* Philem. IV. 14. *οὐκ οἶδας, ἐμβρόντητε* (*ὠμβρ.*?) *σύ;* Menand. IV. 97. *ἐμβεβρόντησαι;* Dem. 308, 5. *ἐμβρόντητε, τί νῦν λέξεις;* Xen. Anab. III. 4. 12. Eur. Tro. 1204. *ἔμπληκτος ὡς ἄνθρωπος.*

794. Cf. Eupol. 224. *ἐμοὶ γὰρ οὐκ ἔστ' οὐδὲ λάσαν' ὅπου χέσω.* Dem. 413, 11. *οὐκ ἔχειν ὅποι τὰ ἑαυτοῦ ῥίπτῃ.* Marc. Anton. 5, 12. *τὸ τὸν κεκτημένον αὐτὰ ὑπὸ τῆς εὐπορίας οὐκ ἔχειν ὅπου χέσῃ.* Eupol. 224. [Diog.] Epist. 38 f. *ὅποι πτύσαιμι τόπον οὐκ εἶχον.* Eur. Herc. 1245. *γέμω κακῶν δή, κοὐκέτ' ἔσθ' ὅπου* (al. *ὅποι, ὅπῃ*) *τεθῇ.* Soph. O. C. 227. *ἃ δ' ὑπέσχεο ποῖ καταθήσεις;*

795. Cf. Thuc. III. 57. *δείδιμεν μὴ οὐ βέβαιοι ἦτε.*

796. *τιή;*] Cf. 1086. Eq. 126. 731. Pac. 927.

797. Cf. Eupol. II. 485. *οἶδα δ' Ἀκέστορ' αὐτὸ — παθόντα.*

806 sq. Cf. 366 sq.

806. *πάνυ γ'*] Ironice, ut videtur. Cf. Eq. 344. Ran. 1261. *πάνυ γε μέλη θαυμαστά.* Eur. Med. 504. *καλῶς γ' ἂν οὖν* (l. *γὰρ ἂν*) | *δέξαιντό μ' οἴκοις ὧν πατέρα κατέκτανον.* 588.

807. *ἐμμελέστερον*] Magis congruum (sive scitum). Cf. Plat. Theaet. p. 174 A. *Θρᾷττά τις ἐμμελὴς καὶ χαρίεσσα θεραπαινίς.*

808. *χέσαι* —] Cf. Ach. 82.

811. Cf. Soph. O. R. 1160. *ἀνὴρ ὅδ', ὡς ἔοικεν, ἐς τριβὰς ἐλᾷ.*

818. Cf. Fr. 400. *ἔχουσα γαστέρα* (*ἔχων τὴν γαστέρα*?) | *μεστὴν βοάκων ἀπεβάδιζον οἴκαδε.* Fr. 111. Theophr. Char. VI. *καὶ τοὺς κόκους* (*χαλκοῦς*?) [*ἀπὸ τοῦ ἐμπολήματος*] *εἰς τὴν γνάθον ἐκλέγειν.*
ἀπῆρα] Cf. Lys. 539. Av. 1288. *κατῆρον.*

819. *ἐχώρουν*] Cf. Av. 496.

820. *ὑπέχοντος*] Cf. Pac. 431. *ὕπεχε τὴν φιάλην.*

821. Itaque vacuum saccum domum reportavit. Cf. Av. 503.

822. *τὸ λοιπὸν*] Posthac. Cf. Av. 562.

825. *τῆς τεττ.*] I. e. *ἐκ τῆς τεττ.*, ut videtur. Anglice, from the tax of one fortieth. Nisi legendum *τὴν τετταρακοστήν.*

826. *κατεχρύσου*] Cf. Diph. IV. 402. *ὁ κατάχρυσος — Εὐριπίδης.* Sic *καταχαλκοῦν* Herod. VI. 50. *καταβυρσοῦν* Thuc. VII. 65. Et inaurare aliquem' Cic. Fam. VII. 13. 1.

829. *κατεπίττου*] Cf. Cratin. II. 127. *ὄψει — αὐτὴν — καταπιττουμένην.*

833. *τἀνάφορον*] Cf. Fr. 472. *καὶ τὸν ἱμάντα μου | ἔχουσα καὶ τἀνάφορον.*

834. *ὦ πάντες ἀστοί*] Cf. Lys. 638. Soph. Ant. 1183.

835. *στρατηγίδος*] Cf. 870. Pher. 235. Cum *στρατηγίς* cf. *στρατιῶτις* Eupol. 256, 2.

841. *ἐγκιρνᾶσιν*] Cf. Com. adesp. 1203, 3. *ἐν δ' ἐκίρνατο | οἶνος.* Alcaeum Fr. 45. *ἐν δὲ κίρνατε τῷ μελιάδεος — κρατῆρα.* Fr. 34. *ἐν δὲ κίρναις οἶνον.* Pindar. N. IX. 120. *ἐγκιρνάτω τίς μοι* (*κρητῆρα*). Isth. VI. 1. Hom. Od. 6, 182. *μελίφρονα οἶνον ἐκίρνα* 14, 78. *κίρνη μελιηδέα οἶνον* 16, 14. *κιρνὰς αἴθοπα οἶνον.* Herod. IV. 66. *κιρνᾷ κρητῆρα οἴνου.* Simplex *κιρνάντες* est Fr. 555. (683).

842. *τὰ τεμάχη ῥιπίζεται*] Sc. *ὀπτώμενα.* Cf. Antiph. III. 130. *τέμαχος — ὀπτήσεις.* Pher. II. 299. *τεμάχη — ἐξωπτημένα.* Ran. 360. *ἀνεγείρει καὶ ῥιπίζει* (*στάσιν*).

843. *λαγῷ' ἀναπηγνύασι*] Cf. Ach. 1007. *φέρε τοὺς ὀβελίσκους, ἵν' ἀναπήξω* (*ἀναπείρω* vulg.) *τὰς κίχλας.*

844. *φρύγεται τραγήματα*] Cf. Ran. 510. *τραγήματα | ἔφρυγε.* Herod. II. 94. *τοῦτον* (*τὸν καρπὸν*) *φρύξαντες ἀπέψουσι.*

845. Cf. Fr. 408 K. *ἥψησ' ἔτνος.* Epich. Fr. 17. *χύτρα δὲ φακέας ἥψετο.* *χύτρας ἔτνους*] Cf. Ran. 505. Av. 78.

846. *ἱππικὴν στολήν*] Cf. Herod. I. 80. *ἄνδρας ἐπὶ τὰς καμήλους ἀνέβησε ἱππάδα στολὴν ἐνεσταλμένους.*

847. *διακαθαίρει*] Pro *διαλείχει.* Cf. Vesp. 1283. et Eupol. 233, 4. *κἀξῆν ὅλην τὴν ἡμέραν τὸν κύσθον ἐκκορίζειν.*

848. Cf. Poll. VII. 86. *οἱ δὲ κονίποδες λεπτὸν ὑπόδημα πρεσβυτικόν.*

849. *καχάζων*] Cf. Eubul. III. 216. *καχάζετε | ἐπὶ τοῖς καταρρέουσιν.* Plat. Resp. I. 413 G. *ἀκούσας ἀνεκάγχασε μάλα σαρδόνιον.* Plut. Anton. 20, 2. *γεγηθὼς καὶ ἀνακαγχάζων ὑπὸ χαρᾶς.*

850. Cf. 507. *ῥιπτεῖτε χλαίνας, ἐμβὰς ἐκποδὼν ἴτω.*

857. *πρὶν ἂν γ' ἀπενέγκῃς*] Cf. ad 770.

860. *τί γὰρ πάθω;*] Cf. Lys. 884. *καταβατέον· τί γὰρ πάθω;* Nub. 798. Av. 1432.

867. *ὦ Σίκων καὶ Παρμένων*] De structura cf. Av. 656. *ἄγε δή, Ξανθία καὶ Μανόδωρε, λαμβάνετε τὰ στρώματα.* Pl. 788. *ὦ φίλτατ' ἀνδρῶν, καὶ σὺ καὶ σὺ χαίρετε.* Vesp. 433. 452. Eq. 243. Ran. 670.

868. *παμπησίαν*] Cf. Aesch. Fr. 156, 2. *παμπήδην.* Pac. 565. *πανδαισία.*

873. ὅπως — μεθέξω] Anglice, So that I shall participate.

875 sq. Cf. Nub. 1478—1485. et praecipue 1483. ὀρθῶς παραινεῖς οὐκ ἐῶν δικορραφεῖν, etc.

878. Cf. 1072. Lys. 93, 4. ἔδοξέ μοι τὸ πρόσωπον ἐψιμυθιῶσθαι. Alex. III. 423. συμβέβηκ' εἶναι μέλαιναν; κατέπλασε ψιμυθίῳ. Eubul. III. 250. μὰ Δί' οὐχὶ περιπεπλασμέναι (κατα.?) ψιμυθίοις (ψιμυθίῳ?). Philippid. IV. 473. τοῖς συκαμίνοις δ' ἀντὶ τοῦ φύκους ὅλον | τὸ πρόσωπον (suppleas ἐστιν ἥδε καταπεπλασμένη). In voce ψιμύθιον latet fortasse v. bismuth.

879. ἕστηκα — ἀργός] Cf. S. Matth. Ev. 20, 3. κροκωτὸν ἠμφιεσμένη] Cf. Eupol. 277. ἡ τροφαλὶς ἐκεινηὶ | ἐφ' ὕδωρ βαδίζει σκῖρον ἠμφιεσμένη. Alex. Fr. 110, 1. ὄστρεια — φυκί' ἠμφιεσμένα. III. 478. λάρκον ἠμφιεσμένον | τῶν ἀνθρακηρῶν.

880. Cf. 931. ᾄδω πρὸς ἐμαυτήν. Aesch. Agam. 16. ὅταν δ' ἀείδειν ἢ μινύρεσθαι δοκῇ. Max. Tyr. VII. p. 71. μινυρίζει πρὸς αὐτόν (τὸ μέλος).

881. Cf. Herod. VIII. 16. ἐκυκλέοντο ὡς περιλάβοιεν αὐτούς. V. 23. ἐπεὰν αὐτὸν περιλάβῃς. VIII. 106. ὡς δὲ πανοικίῃ μιν περιέλαβε. V. 87. πέριξ τὸν ἄνθρωπον τοῦτον λαβούσας.

883. μελύδριον — τῶν Ἰωνικῶν] Cf. ad Pac. 1154. Ἰωνικῶν] Cf. 918. Plat. com. 69, 14. ᾖδεν — μέλος Ἰωνικόν τι. Athen. VII. 293 A. Pratinam apud Athen. XIV. 624 F. μήτε σύντονον δίωκε μήτε τὰν ἀνειμέναν Ἰαστὶ μοῦσαν.

884. ὦ σαπρά] Cf. 926. Lys. 378. Philem. IV. 58. σαπρὰν γυναῖκα δ' ὁ τρόπος εὔμορφον ποιεῖ.

887. ἀντᾴσομαι] Cf. Vesp. 1231.

890. τούτῳ] Podicem intellige, quem anus puellae ex adverso habitanti obvertit.

891. τοὺς αὐλοὺς] Cf. ad Av. 673. Theocr. Epigr. V. 1. διδύμοις αὐλοῖσιν ἀεῖσαι.

892. προσαύλησον μέλος] Cf. Nicoph. II. 853. προσαύλησον σὺ νῷν πτισμόν τινα. Theocr. X. 16. ἅ πρὰν ἀμώντεσσι παρ' Ἱπποκόωνι ποταύλει. Av. 858. ξυναυλείτω δὲ Χαῖρις ᾠδάν.

896. πεπείροις] Quidni πεπείραις? Cf. Soph. Tr. 728. ὀργὴ πέπειρα. Eupol. 33. πεπείρους (πεπείρας?) ἀχράδας. Sed euphoniae fortasse ratio habenda erat.

898. ᾧπερ ξυνείην] Eadem constructio est Ran. 97. γόνιμον δὲ ποιητὴν ἂν οὐχ εὕροις — ὅστις ῥῆμα γενναῖον λάκοι.

901. τὸ τρυφερὸν] Cf. Vesp. 1455. τὸ τρυφερὸν (τρυφῶν Dind.) καὶ μαλακόν. 551. 1169. τὸ τρυφερὸν — τοῖς μήλοις ἐπανθεῖ] Cf. Nub. 978. τοῖς αἰδοίοισι δρόσος καὶ χνοῦς ὥσπερ μήλοισιν ἐπήνθει. 1024. ὡς ἡδύ σου τοῖσι λόγοις σῶφρον ἔπεστιν ἄνθος. Vesp. 1065. αἵδ' ἐπανθοῦσι τρίχες. Lys. 155. Lucian. Epist. Saturn. p. 413. τὸν χρυσὸν ὃς (τὴν χάριν ἢ G. A. Hirschig.) ἐπανθεῖ τῇ τέχνῃ. Eust. p. 584, 28. αἷς οὔτε κάλλος ἐπανθεῖ οὔτε σύμμετρον

μέγεθος. Theocr. 27, 48. *μᾶλα τεὰ πρώτιστα τάδε χνοάοντα διδάξω* (l. *πιαξῶ*). *τοῖς μήλοις*] I. e. *τοῖς τιτθίοις*.

904. Cf. Lys. 827. *ἀλλ' ὅμως ἂν οὐκ ἴδοις καίπερ οὔσης γραὸς ὄντ' αὐτὸν* (*τὸν σάκανδρον*) *κομήτην ἀλλ' ἀπεψιλωμένον τῷ λύχνῳ*. *παραλέλεξαι*] Cf. Menand. IV. 178. *καὶ βάψομαι καὶ παρατιλοῦμαι*.

905. Cf. 975. Sapph. Fr. 126. *τὸ μέλημα τοὐμόν*. Pind. P. X. 92. *νέαισίν τε παρθένοισι μέλημα*. Pind. Fr. 71. *σεμνᾶν Χαρίτων μέλημα τερπνόν*. Anacreont. alicubi, *ῥόδον ἔαρος μέλημα*. Aesch. Cho. 235. *μέλημα δώμασιν πατρός*. Eur. Andr. 851. *ἵνα θανοῦσα νερτέροισι μέλω;*

906. Cf. Lys. 410. *ὀρχουμένης μου τῆς γυναικὸς ἑσπέρας* | *ἡ βάλανος ἐκπέπτωκεν ἐκ τοῦ τρήματος*. *τὸ τρῆμα*] Cf. 624.

907. *τὸ — ἐπίκλιντρον*] Cf. Fr. 145. *ὑπὸ τῷπικλίντρῳ*.

908. *σποδεῖσθαι*] Cf. 113. 939. 942. 1016. Th. 492. Lucian. Catapl. 12. *τὴν παλλακίδα μου — ἐσπόδει*.

909. *ὄφιν*] Cf. Theogn. 602. *ψυχρὸν* (*ψυχρῷ* vulg.) *ὃς ἐν κόλπῳ ποικίλον εἶχες ὄφιν*. Theocr. XV. 58. *ἵππον καὶ τὸν ψυχρὸν ὄφιν τὰ μάλιστα δεδοίκω*.

910. Cf. Theogn. 372. *εἰς φιλότητα λίην, Κύρνε, προσελκόμενος* (*με*).

912. *μοὐταῖρος*] I. e. *μου ὁ ἑταῖρος* (*οὑταῖρος*), ut videtur. Cf. ad Vesp. 902.

914. *τἄλλ' —*] Cf. 239. *τὰ δ' ἄλλ' ἐάσω*.

916. *Ὀρθαγόραν*] Confer nomen dei fictum *Ὀρθάνης*. Plat. com. II. 674. *βολβῶν — Ὀρθάνῃ τρί' ἡμιεκτέα*. Orthagorae nomine *τὰ μεμιμημένα* illa (Lys. 108. 109. 159.) significari censet Velsen.

919. *κνησιᾷς*] Cf. Plat. Gorg. 494 E. *ψωρῶντα καὶ κνησιῶντα*. Anaxil. com. III. 344. *δεινὸν μὲν γὰρ ἔχονθ' ὑὸς* | *ῥύγχος, ὦ φίλε, κνησιᾶν*. Xen. Symp. IV. 28. *κνῆσμα*. Cf. *κλαυσιᾶν* Pl. 1099. *φθισιᾶν, μυσιᾶν, πλουσιᾶν, κυσιᾶν* (Com. anon. IV. 642.).

920. *κἂν λάβδα*] Sub. *λεῖξαι*. Cf. Vesp. 1346. *μέλλουσαν ἤδη Λεσβιεῖν* (l. *Λεσβιᾶν*) *τοὺς ξυμπότας*. Ran. 1308.

922. *τἀμὰ παίγνια*] Delicias meas. Cf. Pl. 1055. *βούλει διὰ χρόνου πρός με παῖσαι;*

925. Cf. Pl. 242. *ἢν δ' ὡς παραπλῆγ' ἄνθρωπον εἰσελθὼν τύχω*. Xen. Symp. 9, 2. *εἴσεισι πρὸς αὐτήν*.

926. *οὔκουν — γε*] Saltem non. Cf. 95. 350. et ad Vesp. 823. *ἐπ' ἐκφοράν*] Cf. Pl. 1007.

927. Cf. Pl. 252. *τί γὰρ ἄν τις οὐχὶ πρὸς σὲ τἀληθῆ λέγοι;* Eur. Iph. A. 1424. *τί γὰρ τἀληθὲς οὐκ εἴποι τις ἄν;*

929. *τὸ σὸν ψιμύθιον*] Cf. Aesch. Fr. 12. *τὰς σὰς βακκάρεις*. Amips. II. 702. *δυοῖν ὀβολοῖν ἔγχουσα καὶ ψιμύθιον*.

930. Cf. Pac. 77. Diph. 84. *διακύψας ὁρῶ* | *διὰ τῆς ὀπαίας κεραμίδος καλὴν σφόδρα*.

931. ᾄδω πρὸς ἐμαυτὴν] Cf. 880. μινυρομένη τι πρὸς ἐμαυτὴν μέλος. Ran. 53. Ἐπιγένη] Comicus poeta fuit sic appellatus.

932. Γέρης] Nomen non aliunde cognitum. Corrigendum forsan Χάρητα. Sed obstat Ach. 605. Γερητοθεοδώρους.

933. δείξει γε καὶ σοί] Qu. δείξω δ' ἐγώ σοι, ut in Eur. Andr. 707. δείξω δ' ἐγώ σοι —. Sed cf. Soph. Aj. 66. δείξω δὲ καὶ σοὶ —. ὡς ἐμέ] Cf. 1005. 1013. 1028. 1088. I. q. εἰς ἐμοῦ.

934. ὁδὶ γὰρ αὐτός ἐστιν] Cf. Ach. 1189. Av. 1718. ὤλεθρε] Cf. Th. 860. Eup. II. 570. ἄνεμος καὶ ὄλεθρος ἄνθρωπος.

935. ὦ φθίνυλλα σύ] I. q. ὦ φθόρε, ὦ ὄλεθρε. Cf. Com. anon. IV. 657. ὦ προδότι — καὶ μύραινα σύ. Cum allusione ad nomen femininum Φίλιννα et similia. φθίνυλλα] Anglice old hag. Formatum ut Ξένυλλα, Ξάνθυλλα, Κρίτυλλα, Ἄνθυλλα, etc.

941. Cf. Lys. 477. οὐ γὰρ ἀνεκτὰ τάδε γ'.

942. οἰμώζων ἄρα νὴ Δία σποδήσεις] Cf. Fr. 86. Ach. 840. σποδήσεις] Cf. ad 103. Apoll. Car. 5, 13. ἐξὸν — αὐλουμένους σποδεῖν. Philetaer. 18. καλόν γ' ἔστ' ἀποθανεῖν αὐλούμενον.

943. Cf. Cratin. II. 98. οὐκ ἴδι' ἄττα τάδ' οὐκέτ' ὄνθ' οἷα τἀπὶ Χαριξένης. Theopomp. II. 811. αὐλεῖ γὰρ σαπρὰ | αὕτη γε κρούμαθ' οἷα τἀπὶ Χαριξένης. Etym. M. p. 367, 21. et Hesych. s. v. Ἐπὶ Χαριξένης. Cf. etiam Eriph. III. 559. τάδ' οὐ Κόρινθος οὐδὲ Λαΐς, ὦ Σύρε, etc. Telecl. II. 375. τάδ' οὐ παρὰ Κενταύροισιν. Thuc. VI. 77. βουλόμεθα δεῖξαι αὐτοῖς ὅτι οὐκ Ἴωνες τάδε ἐστὶν (delendum?) οὐδὲ Ἑλλησπόντιοι etc. Eur. Andr. 168. Cycl. 63. 203. Tro. 100.

946. Cf. Nub. 1344. καὶ μὴν ὅ τι καὶ λέξεις ἀκοῦσαι βούλομαι. et ad Eq. 342.

951. οὗ 'μεμνήμεθα] Cujus mentionem faciebam, quem memorabam. Cf. Nub. 926. οἴμοι σοφίας — ἧς ἐμνήσθης.

956. Cf. Eur. Fr. 813, 9. οὕτως ἔρως βροτοῖσιν ἔγκειται βίου.

957. Cf. Ran. 59. τοιοῦτος ἵμερός με διαλυμαίνεται. 66. τοιούτοισί τοι νῦν με δαρδάπτει πόθος.

965. ἐκμαίνεις] Cf. Theogn. 1350. ἐξεμάνην (ἐξεδάμην vulg.) καλοῦ παιδὸς ἔρωτι δαμείς. Theocr. V. 90. κἠμὲ γὰρ ὁ Κρατίδας τὸν ποιμένα λεῖος ὑπάναν | ἐκμαίνει. Soph. Tr. 1142. τὸν σὸν ἐκμῆναι πόθον. Anth. Pal. VII. 99. 6. ἐμὸν ἐκμήνας θυμὸν ἔρωτι. V. 56. 1. ἐκμαίνει χείλη με ῥοδόχροα. VII. 221. 6. σὴν Κύπρις ἔμηνε φρένα. Aelian. V. Hist. IX. 39. ἐκμανεὶς καὶ οἰστρηθεὶς ὑπὸ τοῦ πόθου. Xen. Ephes. I. 11. 5.

969. Cf. Ach. 390. σκοτοδασυπυκνότριχα. Nub. 332. σφραγιδονυχαργοκομήτας. Vesp. 1357. κυμινοπριστοκαρδαμογλύφον.

972. Κύπριδος ἔρνος] Huc fortasse respicit Johannes Eugenicus in Boisson. Anecd. Nov. p. 343. σύ μοι — ἔρνος Χαρίτων, etc.

973. ἐμὸν μέλημα] Cf. Sapph. Fr. 63. ἵνα σε, τοὐμὸν μέλημα,

περιπτύξωμαι. Anacreont. 45, 7. ῥόδον ἔαρος μέλημα. Virg. Ecl. X. 22. 'Tua cura Lycoris.'

974. Χαρίτων θρέμμα] Cf. Theocr. XXVIII. 7. Νικίαν Χαρίτων ἱμεροφώνων ἱερὸν φυτόν.

977. ἀποθάνοιμ' ἄρα] Sub. εἰ ἤραξα. Cf. Ran. 177. ἀναβιοίην νυν πάλιν. Lys. 531. μή νυν ζῴην. Nub. 1255. ἢ μηκέτι ζῴην ἐγώ.

979 sq. Ἀναφλύστιον] Cf. Ran. 427. κἀκεκράγει Σεβῖνον, ὅστις ἐστὶν ἀναφλύστιος.

981. ἥν τε —] Cf. 1097. νὴ τὴν Ἑκάτην, ἐάν τε βούλῃ γ' ἥν τε μή. Lys. 939.

983 sq. εἰσάγομεν] Cf. Nub. 782. οὐδεὶς κατ' ἐμοῦ τεθνεῶτος εἰσάξει δίκην. Vesp. 826. 840 sq. ἀναβεβλήμεθα] Forma passiva medio sensu.

985. γλύκων] Deminutivum, ut γλύκων, γλίσχρων, κάνθων, πόσθων, σάθων, μαλακίων, δειλακρίων, Ἀττικίων, etc.

986. νυνὶ δὲ] I. q. νυνδί. Cf. 308. Sic τουτί γε (i. q. τουτογὶ) supra 523.

987. ἐν πεττοῖς] Cf. Herod. I. 94. ἡ τῶν πεσσῶν παιγνίη.

988. ἀλλ' οὐδὲ —] Cf. Lys. 927.

989. οὐκ οἶδ' ὅ τι λέγεις] Cf. Antiph. III. 109. οὐκ οἶδ' ὅ τι λέγεις· | οὐδὲν λέγεις γάρ. τηνδεδὶ] Cf. Av. 18. et ad Eq. 1357.

991. Cf. Ach. 1213. ἀλλ' οὐχὶ νυνὶ τήμερον Παιώνια.

996 sq. Cf. Pac. 431 sq. et ad Ran. 1121.

996. ζωγραφεῖ] Ad vivum pingit. Cf. Herod. IV. 58. ζωαγραψάμενος (leg. ζωογρ.) πᾶσαν τὴν ζεῦξιν etc. Plene Theocritus XV. 81. ποῖοι ζωογράφοι τἀκριβέα γράμματ' ἔγραψαν;

998. νὴ Δία καὶ γὰρ ἐγώ] Cf. 1201. νὴ τὸν Ποσειδῶ καὶ σὺ γὰρ τοὺς ἐκ Πύλου. Lys. 1182 sq. 1092.

999. Cf. Trag. adesp. 14. ὦ δαῖμον ὅς μ' εἴληχας, ὡς πονηρὸς εἶ. Theocr. IV. 40. αἰαῖ τῶ σκληρῶ μάλα δαίμονος ὅς με λελόγχει (l. λέλογχε). VII. 103. Πὰν, Ὁμόλας ἐρατὸν πέδον ὅστε λέλογχας.

1000. Cf. Av. 195. Ran. 508.

1003. καθέντα] Cf. Archestr. ap. Athen. VII. 306 B. ἕψειν εἰς ἅλμην καθαρὰν βαιὰ (f. τρία) φύλλα καθέντα.

1005. Cf. Nub. 1267. μὴ σκῶπτέ μ', ὦ τᾶν, ἀλλὰ etc.

1007. κατέθηκας] Cf. Pac. 1214. Sic μισθὸν κατατιθέναι Nub. 246.

1014. καὶ δὴ] Anglice dicas, Well then, see.

1016. σποδεῖν] Cf. ad 113.

1020. ἕλκειν — λαβομένας τοῦ παττάλου] Cf. Eq. 772. καὶ τῇ κρεάγρᾳ τῶν ὀρχιπέδων ἑλκοίμην ἐς Κεραμεικόν. Pl. 995. ἀλλ' ὁ βαλανεὺς ἕλξει θύραζ' αὐτὸν λαβὼν | τῶν ὀρχιπέδων.

1022. πειστέον] I. e. πείθεσθαι δεῖ. Cf. Pac. 218. Ran. 498. Sic ἀρκτέον (i. e. ἄρχεσθαι δεῖ) Soph. O. R. 628.

1026. στροφῶν] Cf. Pl. 1154. ἀλλ' οὐκ ἔργον ἔστ' οὐδὲν στροφῶν. Ran. 775. Theophr. Char. VI. ἱκανὸς δὲ καὶ δίκας τὰς μὲν φεύγειν, τὰς δὲ διώκειν, τὰς μὲν ἐξόμνυσθαι, ταῖς δὲ παρεῖναι.

1027. ἔμπορος εἶναι σκήψομαι] Iidem numeri sunt Av. 1022.

1029. Διομήδεια feminina forma nominis Διομήδης. Sic Ἰφιγένεια a masculino ἰφιγενής, Τριτογένεια a τριτογενής, σχοινοτένεια a σχοινοτενής (prolixa, ἀοιδά), θεσπιεπὴς et θεσπιέπεια (Soph.).

1031. τὰ κλήμαθ' ὑπόθου] Cf. Telecl. II. 371. Σωκράτης τὰ φρύγαν' ὑποτίθησιν. Pac. 1026. τὸ φρύγανον τίθεσθαι (τὰ φρύγαν' ὑποτίθεσθαι?). τέτταρα] Eodem sensu nos diceremus, two or three. Cf. ad Ach. 3.

1032. ταινίωσαι] Cf. Alex. 143, 2.

1034. ἦ μὴν ἔτ' ὠνήσει —] Cf. Pl. 608. ἦ μὴν ὑμεῖς ἔτι μ' ἐνταυθὶ | μεταπέμψεσθε. Aesch. Prom. 167. ἦ μὴν ἔτ' ἐμοῦ — χρείαν ἕξει μακάρων πρύτανις. 909. στεφάνην] Cf. Eq. 968.

1047. εἰς ἑσπέραν] Cf. Pac. 966. Pl. 988. 1201. Fr. 6. Isae. VIII. 33. εἰς ἕω. Cf. Th. 1230. τὼ Θεσμοφόρω δ' ἡμῖν ἀγαθὴν | τούτων χάριν ἀνταποδοίτην. Pac. 761.

1048. Cf. Pac. 927. 1349. Ach. 787. Lys. 23. Nub. 539.

1050 sq. Cf. Fr. 123.

1053. Cf. 1070. Pl. 443. Com. adesp. 1240. οὗτος δ' ἐκείνου φθόγγος ἐξωλέστερος.

1054. Cf. 369. ὦ πότνι' Εἰλείθυια, μή με περιίδῃς | διαρραγέντα. Pac. 10. εἰ μή με βούλεσθ' ἀποπνιγέντα περιιδεῖν.

1057. Cf. Vesp. 1172. Eupol. II. 538. τροφαλὶς σκῖρον ἠμφιεσμένη. II. 561. γυνὴ δέρριν ἠμφιεσμένη. Alex. III. 429. ὄστρεια φῦκος ἠμφιεσμένα. III. 478. Ἀριστογείτονα λάρκον ἠμφιεσμένον. Anaxil. III. 354. καὶ πῶς γυνὴ — νῆσον ἀμφιέννυται; Com. anon. IV. 693. ὑποβολιμαίαν σύνεσιν ἠμφιεσμένος. ἐξ αἵματος φλύκταιναν] Connecte ἐξ αἵματος cum φλύκταιναν. Cf. Ach. 146. ἀλλᾶντας ἐξ Ἀπατουρίων. 724. ἱμᾶντας ἐκ Λεπρῶν (λεπρῶν). φλύκταιναν] Cf. Vesp. 1119. Ran. 237.

1058. μαλακίων] Cf. δειλακρίων Pac. 193. Ἀττικίων Pac. 214.

1059. ἄφοδον] Cf. Antiph. 40, 5. εἰς ἄφοδον ἐλθών. Hinc ἀφοδεῦσαι (i. e. ἀποπατῆσαι) Plat. com. 5.

1061. αὐτοῦ τι δρῶντα πυρρὸν ὄψει μ' αὐτίκα] Cf. Nub. 1390. αὐτοῦ 'ποίησα κακκᾶν. Ran. 479. Av. 68.

1067. ἀτὰρ ἥτις εἶ γε] Saepe occurrunt particulae ἀτὰρ — γε.

1070. Cf. Trag. adesp. 345. 1071 sq. Cf. Av. 1203.

1071. ἀντιβολῶ] Sine pronomine addito, ut apud Plat. com. II. 629. λέξον, ἀντιβολῶ. Sic ἱκετεύω Eubul. III. 260. Philetaer. III. 295.

1072. Cf. Trag. adesp. 262. πάσης μὲν ὠμότητος ἀνάπλεων φόνον. Herod. IV. 31. Σκύθαι λέγουσι πτερῶν ἀνάπλεων (ἀνάπλεον?) εἶναι τὸν ἠέρα.

1082. Cf. Pac. 711. Plat. com. II. 615. *ἡ μὲν ἐλαυνομένη λαθρίοις ἐρετμοῖς ὁ δ' ἐλαύνων*. Philipp. Thess. Anal. II. 219. *ὥς ποτ' ἐπὶ γαίης κἂν βυθῷ μ' ἐρέσσετε*. Sosipat. ibid. I. 504. *τῆς μὲν ἐρεσσομένης, τοῦ δὲ σαλευομένου*.

1086. *ἧστε*] Legitur etiam Pac. 821. *τιή;*] Cf. 796. Eq. 126. 731. Pac. 927.

1087. *ἕλκοντε*] Cf. Pl. 512. *τούτοιν ἀφανισθέντοιν*. *ἀπεκναίετε*] Cf. Vesp. 680. Menand. IV. 172. *σύ μ' ἀποκναίεις περιπατῶν*. Dem. p. 564. *ἀποκναίει — ταῦτα λέγων*. Theophr. Char. V. *καὶ ὅταν γε τοὺς καθ' ἕνα ἀποκναίσῃ*, etc.

1090. *διαλελημμένον*] Cf. Eur. Ion. 1113. Aesch. Ag. 876. *λελημμένης*. Soph. Fr. 684. *λέλημμαι*. Eupol. Fr. Inc. 76. *λελάβηκα*.

1091. *δικωπεῖν*] Cf. Lucian. Cont. 1. *τὴν δικωπίαν ἕλκων ἐρέττω μόνος*.

1092. *βολβῶν χύτραν*] Cf. Anaxand. 41, 27. *κέρχνων* (*βολβῶν* Dobr.) *τε χυτραν* | *βολβῶν* (*κέρχνων*) *τε σιρόν*.

1094. *οὐδὲν ἔσται σοι πλέον*] Cf. Pl. 531.

1096. *ἐνὶ γὰρ ξυνέχεσθαι —*] Sc. *κακῷ*. Cf. Isocr. V. 8. *συνέχεσθαι τοῖς κακοῖς*. Plat. Gorg. 512 A. *ἀνιάτοις νοσήμασι συνεχόμενος*. Legg. IX. 863 C. *ἀγνοίᾳ ξυνεχόμενος*. Soph. 250 D. *πάσῃ συνεχόμεθα ἀπορίᾳ*. Thuc. II. 49. *τῇ δίψῃ ἀπαύστῳ ξυνεχόμενοι*. Trag. adesp. 220. *οἴμοι, τί δράσω; δυσὶ κακοῖς μερίζομαι* (*πιέζομαι*?).

1097. Cf. 981. *νὴ τὴν Ἀφροδίτην, ἤν τε βούλῃ γ' ἤν τε μή*.

1101. Cf. Timocl. III. 608. *Φρύνη, Πυθιονίκη, Μυρρίνη*. *Φρύνη* memoratur Athen. 590 F. et alibi.

1105—1107. Cf. similum locum Vesp. 385 sq. *καί, μανθάνετ'; ἤν τι πάθω 'γώ,* | *ἀνελόντες — θεῖναί μ' ὑπὸ τοῖσι δρυφάκτοις*.

1105. *ἐάν τι — πάθω*] Cf. Pac. 169. *ἤν τι πεσὼν* | *ἐνθένδε πάθω*. Hermipp. 44, 1. *ἢν ἐγὼ πάθω τι τήνδε τὴν λεπαστὴν ἐκπιών*. Alex. 201, 8. *ἂν γὰρ πάθῃς τι, πῶς ἐγὼ βιώσομαι;* Herod. VIII. 102. *Μαρδονίου δέ, ἤν τι πάθῃ, λόγος οὐδεὶς γίνεται*. Eur. Iph. T. 755. *ἤν τι ναῦς πάθῃ*. *πολλὰ πολλάκις*] Ut persaepe fit. Cf. Th. 287. De voce *πολλάκις* v. Lex. Plat. h. v. *Πολλὰ πολλάκις*, ut *αὖθις αὖ* et alia, copulari posse negat Kock.

1106. Cf. Fr. 402 D. *τὴν* (*καὶ*?) *πόρδαλιν καλοῦσι τὴν κασαλβάδα*. Hinc *κασαλβάζειν* Eq. 354. Herm. II. 98.

1107. *θάψαι μ' —*] Cf. Cratin. II. 126. *Ὑπέρβολον δ' ἀποσβέσας ἐν τοῖς λύχνοισι θάψον* (*γράφον* vulg.).

1110. *μολυβδοχοήσαντας*] *μολυβδοχοεῖν* formatum ut *χρυσοχοεῖν* Pl. 164.

1111. Cf. Eur. Iph. T. 702. *τύμβον τε χῶσον κἀπίθες μνημεῖά μοι*. *πρόφασιν*] I. q. *πρόσχημα*. Anglice, a pretence for. Cf. ad Nub. 55. Eq. 466.

1114. Cf. Eubul. 15, 1. *τί, ὦ πόνηρ', ἕστηκας ἐν πύλαις ἔτι,* | *ἀλλ' οὐ βαδίζεις;*

1118. Sic *ὑπερφέρειν τινός*, Eq. 592. Herod. VIII. 138. *ῥόδα ὀδμῇ ὑπερφέροντα τῶν ἄλλων*.

1119. *τὰ Θάσι' ἀμφορείδια*] Cf. Lys. 196. *Θάσιον οἴνου σταμνίον*. Eubul. III. 265. *Κνίδια κεράμια*. Formatum *ἀμφορειδιον* (*ἀμφορε-ίδιον*) ut *Ἑρμείδιον* Pac. 382. 924.

1121. Cf. Plat. Symp. 196 A. *ἀπηνθηκὸς σῶμα*. Alex. III. 405.

1123. Cf. Apolloph. com. 6. *καὶ λεπαστάμ' ἀδύοινος* (l. *ἀδύοσμος*) *εὐφρανεῖ δι' ἁμέρας*.

1124. Cf. Diodor. 2, 29. *ἐκλεξαμενη τοὺς ἐκ δύ' ἀστῶν γεγονότας*. 34.

1125. Cf. 1171. *τίς ἂν φράσειέ μοι Χρεμύλον ποῦ 'στὶν σαφῶς;* Lys. 1086. *τίς ἂν φράσειε ποῦ 'στὶν ἡ Λυσιστράτη;* Fr. 187. *τίς ἂν φράσειε ποῦ 'στὶ τὸ Διονύσιον;* Ran. 431. *ἔχοιτ' ἂν οὖν φράσαι νῷν | Πλούτων' ὅπου 'νθαδ' οἰκοῖ*. Pl. 1171. *τίς ἂν φράσειε ποῦ 'στι Χρεμύλος* (*Χρεμύλον*?) *μοι σαφῶς;*

1126. Cf. Pl. 4. Soph. Fr. 700, 2. *σαίνοντες οὐραίοισι τὴν κεκτημένην*.

1128. *ἐπὶ τὸ δεῖπνον*] Ut in v. 1135. Vulgo *ἐπὶ δεῖπνον* dicebant.

1129. Cf. Vesp. 1512. *ὦ Καρκίν', ὦ μακάριε τῆς εὐπαιδίας*.

1130. Cf. Pl. 901. *σὺ φιλόπολις καὶ χρηστός, ΣΥ. ὡς οὐδείς γ' ἀνήρ*.

1132. Similis hyperbole est Vesp. 706. *εἰσίν γε πόλεις χίλιαι αἳ νῦν τὸν φόρον ἡμῖν ἀπάγουσι*. De numero civium Atticorum cf. ad Vesp. 708.

1136. Cf. Eur. Hel. 437. *τίς πρὸς πύλαισιν; οὐκ ἀπαλλάξει δόμων | καὶ μὴ πρὸς αὐλείοισιν ἑστηκὼς πύλαις | ὄχλον παρέξεις δεσπόταις;*

1138. *τασδὶ* —] Chorum intellige.

1139. Cf. Fr. 208. *περίλοιπα*.

1141. *εὔνους τυγχάνει*] Sub. *ὤν*.

1144. Cf. Ran. 202. Eur. Hipp. 498. *οὐχὶ συγκλήσεις στόμα | καὶ μὴ μεθήσεις αὖθις αἰσχίστους λόγους;*

1146. Cf. Th. 157. *ὅταν σατύρους τοίνον ποιῇς, καλεῖν ἐμέ*. Fr. 559.

1149. Notatur choreutarum gulositas voce comice ficta *φαρυγίνδην* (Adesp. 1185.).

1150. *καλῶς*] Opportune.

1151. *διατρίβεις ἔχων*] Cf. Nub. 131. *τί ταῦτ' ἔχων στραγγεύομαι, | ἀλλ' οὐχὶ κόπτω τὴν θύραν;*

1152. *τασδὶ*] Cf. Ach. 609. *καταβαίνεις*] Ex proscenio. Cf. Vesp. 1514. *καταβατέον*.

1153. *ἐπᾴσομαι*] Cf. Vesp. 885. *ξυνευχόμεσθα ταῦτά σοι κἀπᾴδομεν*. *μελλοδειπνικόν*] Cf. v. *μελλονικιᾶν* Av. 639.

1154 sq. Cf. Pher. 96. *τοῖς δὲ κριταῖς | τοῖς νυνὶ κρίνουσι λέγω | μὴ 'πιορκεῖν μηδ' ἀδίκως | κρίνειν, ἢ νὴ τὸν φίλιον* etc.

1155. Cf. Eq. 1311. *καθῆσθαί μοι δοκεῖ | ἐς τὸ Θησεῖον πλεούσας.* Vesp. 270. Lys. 179. Ran. 1473. *ἔκρινα νικᾶν Αἰσχύλον.* Herod. V. 5. *ἣ δ' ἂν κριθῇ καὶ τιμηθῇ.* Andoc. IV. 21. *τῶν κριτῶν οἱ μὲν φοβούμενοι, οἱ δὲ χαριζόμενοι νικᾶν ἔκριναν αὐτόν.*

1158. *αἴτιοα*] Anglice, prejudicial.

1160. Cf. S. Paul. Epist. Ran. XIV. 5. *ὃς μὲν κρίνει ἡμέραν παρ' ἡμέραν, ὃς δὲ κρίνει πασᾶν ἡμέραν.*

1161. *προσεικέναι*] Cf. ad Vesp. 1142. Plat. Phaed. 74 E. Polit. 261 D. Cobet. Collect. Crit. p. 207. Eur. Fr. 167. *εἰκέναι.*

1164. *τὸ χρῆμα δρᾶν*] Cf. 148. *τὸ χρῆμ' ἐργάζεται.*

1165. *Κρητικῶς*] Cf. Cratin. II. 144. *ἔγειρε, Μοῦσα, Κρητικὸν μέλος.*

1166. *τοῦτο δρῶ*] Cf. Ach. 815. *ταῦτα δή* (sub. *δρῶ* aut *δράσω*).

1167. Verbum *λαγαρίζεσθαι* occurrit Vesp. 674.

1168. *ῥυθμὸν*] Cf. Fr. 191. *λορδοῦ τὸν κιγκλοβάταν ῥυθμόν.* *ἔπεισι*] Sequetur. Cf. Soph. El. 1467. *εἰ δ' ἔπεστι νέμεσις, οὐ λέγω.* Diph. IV. 406. *ἐπεχόρευσε σαπέρδης μέγας.* 394. *ἄριστον ἐπεχόρευσεν.*

1169. *λεπαδο* —] Cf. Vesp. 505. *ὀρθροφοιτο συκοφαντοδικοταλαιπώρων τρόπων.* Ach. 3. *ψαμμακοσιογάργαρα.* 390. *σκοτοδασυπυκνότριχα — κυνῆν.* Nub. 1004. *γλισχραντιλογεξεπιτρίπτου.* Vesp. 1357. *κυμινοπριστοκαρδαμόγλυφον.* Ran. 839. *κομποφακελορρήμονα.* 841. *στωμυλιοσυλλεκτάδη.* 842. *ῥακιοσυρραπτάδη.* 966. *σαλπιγγολογχυπηνάδαι* et *σαρκασμοπιτυοκάμπται.* 963. *κωδωνοφαλαροπώλους.* Lys. 457. *σπερμαγοραιολεκιθολαχανοπώλιδες.* 458. *σκοροδοπανδοκευτριαρτοπώλιδες.* Fr. 620. *ἰξορυποκόνδυλοι.* Cratin. II. 133. *Διονυσιοκουροπυρώνων.* Cf. Pher. II. 315. *λειριοπολφανεμώναις.* Eupol. II. 569. *ἀμφιπτολεμοπηδησίστρατος.* Pratinas Athen. XIV. 617 C. *φλέγε τὸν — λαλοβαρυπαραμελορυθμοβάταν.* Philoxemus Athen. XIV. 643 B. *πυροβρομολευκερεβινθοακανθουμικριτοαδυβρωματοπανταναμικτον.* *γαλεο.*] Cf. Ephipp. III. 329. *θύννου τεμάχη, γλάνιδος, γαλεοῦ*, etc.

1170. *δριμυποτριμματο — κιχλ.* —] Cf. Av. 533. *ἀλλ' ἐπικνῶσιν τυρὸν, ἔλαιον, | σίλφιον, ὄξος, καὶ τρίψαντες | καταχυσμάτιον γλυκὺ καὶ λιπαρὸν, | κἄπειτα κατεσκέδασαν θερμὸν | τοῦτο καθ' ὑμῶν* etc.

1174. *σιραιο.*] Cf. Alex. com. III. 471. *σιραίῳ χρωματίσας καὶ σιλφίῳ | πυκνῷ πατάξας.* 1175. *σὺ δὲ* —] Quam alloquitur?

1178. *ἐπιδειπνῆς*] Cf. v. *θυμβρεπίδειπνος* Nub. 421.

1179. *αἴρεσθ' ἄνω*] Cf. Lys. 1292. *αἴρεσθ' ἄνω.* Av. 759. *αἶρε πλῆκτρον, εἰ μαχεῖ.* *ἀείρεσθ'*] Qu. *ἀναίρεσθ'*. Sed cf. Soph. Tr. 216. *ἀείρομαι.*

1179 sq. Lactantis exclamatio. Lys. 1292. *αἴρεσθ' ἄνω, ἰαί, | ὡς ἐπὶ νίκῃ, ἰαί. | εὐοῖ εὐοῖ, εὐαὶ εὐαί.*

EQUITES.

Praef. Certa inter hanc fabulam et Eupolidis *Μαρικᾶν* intercedit similitudo, qualis tamen fuerit non liquet.

Pers. *Παφλαγών*] Cf. Lucian. Fug. 27. *ὄντως ἀνδράποδον Παφλαγονικὸν — τραχύφωνον λοίδορον.*

Argum. Etiam Antiphanis fabula fuit *Ἱππεῖς* appellata.

1. *ἰατταταιάξ — ἰατταταῖ*] Cf. Pac. 248. *βαβαὶ βαβαιάξ.* Vesp. 235. *ἀππαπαῖ παπαιάξ.*

2. Cf. Soph. Fr. 697, 1. *κακὴ κακῶς σὺ πρὸς θεῶν ὀλουμένη.* Strab. VII. 304. *Τίβιον δὲ τὸν Παφλαγόνα (οἰκέτην προσηγόρευον).*

5. Cf. Plut. Mor. p. 186 E. *ἐντρίψας αὐτῷ κόνδυλον παρῆλθεν.* Hesych. I. 269. *ἦν ἀραῖος —. οἷον ἀρὰν προσετρίβετο καὶ κατευχήν.* Suid. *προσετρίψατο· ἐπέβαλε, κατέχεε. "Τῷ βίῳ τῶν ἀνθρώπων κηλῖδα προσετρίψατο."*

9. Cf. Antiph. 47, 1. *ποίαν — ᾖδε τὴν (ᾐδέτην?) συναυλίαν;* Aesch. Sept. 839. *ξυναυλία δορός.* Aristid. I. 426 D. *ποῖαι συναυλίαι καὶ συνῳδίαι χορῶν πάντων — ἀρκέσουσιν ἀνοιμῶξαι πόλιν;* Hesych. *συναυλία· συμφωνία.* Cf. v. *συγχορδία* Soph. Fr. 361.

Οὐλύμπου] *ὀλύμπου* in anapaestis legitur Soph. Fr. 492, 3. Pollux IV. 78. 9. *νόμον δὲ Ὀλύμπου καὶ Μαρσύου — καὶ νόμος δ' ἦν Ἱέρακος,* etc.

17. *οὐκ ἔνι μοι τὸ θρέττε*] Haec ad Niciae ignaviam, ni fallor, spectant, qui in concione ducis munere se abdicaverat. Plut. Nic. 8. *τὸ θρέττε*] Cf. Vesp. 909. *τὸ ῥυππαπαῖ.*

18. *κομψευριπικῶς*] Pro *κομψευριπιδικῶς*. Confer nostra idolatry (pro idololatry) et to dilate (pro dilatate).

19. *διασκανδικίσῃς*] Cf. Telecl. 38, 2. *ξυγγενέσθαι — δρυπεπέσι — καὶ διασκανδικίσαι.*

20. *ἀπόκινον*] Cf. Fr. 275 K. Cratin. 120. Cephisod. 2. Athen. XIV. 629 C.

21. *λέγε — συνεχὲς*] Cf. Nicostr. III. 288. *τὸ συνεχῶς καὶ πολλὰ καὶ ταχέως λαλεῖν.*

25. *ἐπάγων πυκνόν*] Cf. Nub. 390. Sosipat. com. 1, 50. *πότε δεῖ πυκνότερον ἐπαγαγεῖν καὶ πότε βάδην.* Xen. Conv. II. 22. *θάττονα ῥυθμὸν ἐπάγειν.*

30. Cf. Aesch. Ag. 1053. Prom. 216. Suppl. 959. Soph. O. R. 1066. Ant. 1160. Plat. Symp. 193 C.

31. *βρέτας*] Rarum in comoedia. Lys. 262. Anaxand. 11. Eur. Fr. 330, 3. *θεῶν συλᾶν βρέτη.*

34. *θεοῖσιν ἐχθρός*] Contra *θεοῖσι φίλος Θεότιμος,* Theogn. 881. *οὐκ εἰκότως;*] Cf. Pac. 1230. *οὐ δεξιῶς;* Vesp. 1496. *οὐκ εὖ;*

35. *προσβιβάζεις*] Cf. Av. 426. Xen. Mem. I. 2. 17. *δεικνύντας τε τοῖς μανθάνουσι καὶ τῷ λόγῳ προσβιβάζοντας* Lucian. Anach. 12.

οὐ γὰρ οὕτω λέγων ἄν τις προσβιβάσειέ σε. Plut. Per. 15. προσβιβάζων τῷ συμφέροντι. Plut. Cat. min. 36. τοῖς ὠνουμένοις διαλεγόμενος καὶ προσβιβάζων ἕκαστον. Lucian. Philops. 33. τάχα γὰρ ἂν — προσβιβασθείης πρὸς τὴν ἀλήθειαν τοῦ διηγήματος.

37. Cf. Clearch. 4, 2. λάβ', ὦγάθ'· οὐδὲν χεῖρον. Schol. Nub. 96. οὐδὲν δὲ χεῖρον ἐπιμνησθῆναι etc. Jambl. Vit. Pyth. 23. οὐ χεῖρον δὲ ὀλίγων μνημονεῦσαι etc.

41. Cf. Herod. II. 37. κυάμους οὔτε τρώγουσι etc. Schol. R. τρεφόμενος ἀπὸ τῶν κυάμων· πρὸ γὰρ τῆς εὑρέσεως τῶν ψήφων κυάμοις ἐχρῶντο ἐν ταῖς ἐκκλησίαις. Schol. Lys. 690. οἱ δὲ δικασταὶ τρώγουσι κυάμους, ἵνα μὴ κοιμηθῶσιν. Schol. Lys. 537. κυάμους τρώγων: ἢ δικάζων, ἵνα μὴ κοιμηθῇς· γέρων γὰρ εἶ. Revera autem κυαμοτρῶγες erant et ecclesiastae et judices, i. e. fabas (tostas, opinor), famis et taedii expellendi causa esitabant. Sic lentem (φακῆν) inter judicandum sorbet Philocleon (906. 918. 982. 984.). Fabis, ut videtur, quas in concionem manducandi gratia secum portabant pro calculis in suffragiis ferendis olim utebantur. ἀκράχολος] Non ἀκρόχολος. Cf. Fr. 535, 1. Pher. 164. ἢ τῆς ἀχέρδου τῆς ἀκραχολωτάτης. Epinic. 1, 7. μελίσσης τῆς ἀκραχόλου. Cf. ἀκρομανής (Herod. V. 42.).

42. πυκνίτης] Sic Ταρταρίτης Com. adesp. 1160., Κρονίτης (a Κρόνος, i. e. Croni aequalis), Com. adesp. 1044.

47. ὑποπεσὼν τὸν δεσπότην | ᾔκαλλ'] Cf. Fr. 523. κᾆτ' ἀντιβολεῖτον αὐτὸν ὑποπεπτωκότε.

50. ἐκδικάσας μίαν] Sub. δίκην. Cf. Vesp. 595. Dem. p. 1297, 5. μίαν δίκην δικάζοντες νομοθετεῖτε.

51. ῥόφησον] Cf. 905. Vesp. 812. 814. 906. 982. Pac. 716. ἔντραγ'] Cf. Vesp. 611. φάγε τουτί, | ἔντραγε τουτί. τριώβολον] Mercedem intellige judicialem, quod ostendit praecedens ἐκδικάσας.

54. Cf. Strab. VII. 304. Τίβιον τὸν Παφλαγόνα προσηγόρευον.

56. Schol. πανούργως Headlam.

57. Cf. Metag. 6, 2. μάζας μεγίστας αὐτομάτους μεμαγμένας.

59. Cf. Men. 503, 2. Πέρσαι δ' ἔχοντες μυιοσόβας εἱστήκεσαν. Schol. τῷ β. Headlam.

60. Cf. Theophr. Char. 25. καὶ τοῦτον θεραπεύειν καὶ τὰς μυίας ἀποσοβεῖν.

61. Cf. Thuc. 2, 21, 3. χρησμολόγοι τε ᾖδον χρησμοὺς παντοίους.

62. μεμακκοηκότα] Cf. 395. Lucian. Lex. 19. Com. adesp. 1210. ἢ (εἰ) μακκοᾶν μέλλοιεν ἢ ληρεῖν ὅλως, | ὅπερ γερόντων ἐστίν.

63. τέχνην πεποίηται] Anglice makes a business of it. Cf. Lucian. 33, 9. τοῖς αὐτοῖς ἐγγεγυμνασμένους, τέχνην τὸ πρᾶγμα πεποιημένους. 68, 18. καὶ μάλιστα τέχνην τινὰ τὸ λοιδορεῖσθαι πεποιημένον. De merc. cond. 30. ἀνδράσι τέχνην τὸ πρᾶγμα πεποιημένοις.

75. Cf. Eupol. Fr. 290. ὦ καλλίστη πόλι πασῶν ὅσας Κλέων ἐφορᾷ.

78. αὐτόχρημ'] Cf. Com. adesp. 26. αὐτόχρημα Χαιρεφῶν. 1525. Lucian. Dem. encom. 13. κλύδωνα — αὐτόχρημα θαλάττιον. Carcin. 9, 3. λυπεῖ γὰρ αὐτόχρημα τοὺς κεκτημένους (φθόνος). πρωκτὸς — ἐν Χάοσι] Cf. ad Ach. 104. Vesp. 1493. Eupol. 226. καὶ Χαόνων καὶ Παιόνων καὶ Μαρδόνων (Μακεδόνων?). Similiter in oppidi Γαληψός nomine lusit Eupolis 404, cum allusione ad verbum λαμβάνειν.

79. Proverbium erat νοῦς οὐκ ἔνι Κενταύροις (Phot. 613, 1.).

84. Cf. Aesch. Fr. 395. ζωῆς πονηρᾶς θάνατος αἱρετώτερος.

85. ἀγαθοῦ δαίμονος] I. e. τοῦ Διονύσου, τοῦ οἶνον εὑρόντος. Athen. XV. 675 B. καὶ διὰ τοῦθ' οἱ Ἕλληνες τῷ μὲν παρὰ δεῖπνον ἀκράτῳ προσδιδομένῳ ποτηρίῳ Δία σωτῆρα ἐπιλέγουσι, τῆς ἐκ τοῦ μίγματος ἀλύπου κράσεως τὸν καὶ τῶν ὄμβρων ἀρχηγὸν αἴτιον ὑπολαβόντες. Cf. 106. Pac. 300. νῦν γὰρ ἡμῖν ἁρπάσαι πάρεστιν ἀγαθοῦ δαίμονος. Vesp. 525. Xenarch. Fr. 2, 2. ἡ τἀγαθοῦ — δαίμονος — φιάλη. Theopomp. 40. λεπαστὴ πάνυ πυκνή, | ἣν ἐκπιοῦσ' ἄκρατον ἀγαθοῦ δαίμονος | τέττιξ κελαδεῖ. 76. ἀγαθοῦ δαίμονος ἐπιρροφεῖν. Nicostr. 20, 1. ἀλλ' ἐγχέασα θᾶττον ἀγαθοῦ δαίμονος etc.

87. Cf. Isocr. XXI. 15. ὥστε μὴ περὶ τούτο (τούτου recte Coraeo) εἶναι Νικίᾳ, ὅπως — λήψοιτο. Lys. c. Erat. p. 127, 5. Similis ellipsis est in v. 240. ἔσται Λάχητι νυνί.

89. ἄληθες, οὗτος;] Cf. Eq. 89. Av. 1049. Vesp. 1412.

90 sq. Cf. Theopomp. 62, 4. ἡ τρὺξ ἄριστόν ἐστιν εἰς εὐβουλίαν. Alciphr. I. 33. εἰς τὸ φῦκός με καὶ τὸν παιδέρωτα ἔσκωπτεν. Plut. Mor. 833 C. κεκωμῴδηται δὲ εἰς φιλαργυρίαν.

97. τῷ σῷ ποτῷ] Cf. Vesp. 1393. διὰ τὸν σὸν οἶνον.

99. Cf. 176. Pac. 1306. φλᾶν ταῦτα πάντα καὶ σποδεῖν. Av. 423. σὰ γὰρ ταῦτα πάντα. Cratin. 186, 5. ἅπαντα ταῦτα κατακλύσει ποιήμασιν. Plat. com. 24, 2. ταῦτα πάντα συντριαινῶν ἀπολέσω (leg. κατακλύσω) | βουλευματίων (leg. βουλευματίοις) etc. Eur. Fr. 781, 50. ἅπαντα ταῦτ' αἴθρη τ' ἀκάπνωτοί θ' ὁδοί.

103. ἐπίπαστα] Cf. 1089. Pher. 130, 3. αὐτόματοι — ποταμοὶ λιπαροῖς ἐπιπάστοις — ῥεύσονται. δημιόπραθ'] Cf. Vesp. 659. Com. adesp. 972.

105. ἐγκάναξον] Cf. Aelian. Epist. IV. τρεῖς ἁδρὰς ἐξεκάναξα (ἐν.?) κύλικας. Eupol. 272. ἐκκανάξει (ἐγκαν.?).

107. Cf. Telecl. 24, 3. οἶνον ἕλκειν — τυρίον ἐπεσθίοντα. Eubul. 56, 7. ἐπικαλούμενοι | εἷλκον Διὸς σωτῆρος. Stratt. 22, 1.

111. ταῦτ'] Cf. Pac. 275. Vesp. 142. Ach. 815. ταῦτα δή. Eq. 495. ταῦτα δρῶ.

127. Cf. 199. 976. 1019. Eupol. 182. ἄκουέ νυν Πείσανδρος ὡς ἀπόλλυται.

128. ὁ χρησμὸς ἄντικρυς λέγει] Anglice distinctly. Cf. Av. 962. ὡς ἔστι Βάκιδος χρησμὸς ἄντικρυς λέγων etc. Th. 442.

129. Cf. Men. 834. στυππεῖον, ἐλέφαντ', οἶνον, αὐλαίον, μύρον.

131. πώλης] Cf. 133. 140. Simile est πρατίας eodem sensu Com. adesp. 1122. Longus venditorum (πωλῶν) catalogus est Nicoph. com. 19. μεμβραδοπώλαις, etc. Usitata forma est πωλητήρ (Hermipp. 93.). Cf. v. φόντης, et φιλο (Vesp. 77.).

134. ἕως — γένοιτο] Cf. Plat. Phaed. 59 D. 101 D. Pol. VI. 501 C. X. 600 E. et ad Soph. Tr. 687.

137. κεκράκτης] Cf. βαβάκτης Cratin. 321, 1. et ψέκτης.

139. οἴμοι δείλαιος] Cf. Eubul. 117, 13.

144. Cf. Av. 61. Ἄπολλον ἀποτροπαῖε, τοῦ χασμήματος. Vesp. 161. Ach. 64.

159. Ἀθηνῶν — τῶν εὐδαιμόνων] Cf. Soph. O. C. 282. τὰς εὐδαίμονας — Ἀθήνας. ταγὲ] Cf. Aesch. Prom. 96. Pers. 23. 480. Soph. Ant. 1051.

160. κοιλίας] Anglice, the small-guts, entrails. Cf. 162. 302. 356. 488. Pl. 1169.

163. Cf. Aesch. Pers. 1018. ὁρᾷς —; ΧΟ. ὁρῶ —.

166. βουλὴν πατήσεις] Cf. Aesch. Ag. 885. εἴ τε δημόθρους ἀναρχία | βουλὴν καταρρίψειεν. Tacit. Hist. I. 40. 'Proculcato senatu.' Ann. I. 42. 'Projecta senatus auctoritas.'

170. Cf. Eupol. 290, 1. ὦ καλλίστη πόλι πασῶν ὅσας Κλέων ἐφορᾷ.

173 sq. Cf. Ovid. Fast. I. 283. 'Dixit et attollens oculos diversa tuentes | Aspexit toto quicquid in orbe fuit.'

173. τὸν ὀφθαλμὸν παράβαλ'] Cf. Lucian. Amor. 29. ἠρέμα τὼ ὀφθαλμὼ παραβαλών.

176. ταῦτα πάντα] Cf. Eur. Fr. 781, 50. ἅπαντα ταῦτ' —

179. ἀνὴρ] Cf. Soph. O. C. 393. ὅτ' οὐκέτ' εἰμί, τηνικαῦτ' ἄρ' εἴμ' ἀνήρ;

182. Cf. Plut. Nic. 2. ἴσχυε μὲν γὰρ ὁ Κλέων μέγα.

183. οὐ φῂς ἄξιον] Sub. εἶναι.

186. Cf. Vesp. 1292. 1512. Pac. 715. Av. 1423.

188. Cf. Cratin. 122, 1. ἀλλὰ μὰ Δί' οὐκ οἶδ' ἔγωγε γράμματ' οὐδ' ἐπίσταμαι. Quintil. I. 10. 18. 'Maricas, qui est Hyperbolus, nihil se musicae scire nisi litteras confitetur.'

197. ἀλλ' ὁπόταν —] Cf. Hesiod. Op. 569. ἀλλ' ὁπόταν φερέοικος ἀπὸ χθονὸς ἂμ φυτὰ βαίνῃ. et Bacidis oraculum fictum apud Lucian. 68, 30. ἀλλ' ὁπόταν Κυνικὸς πολυώνυμος ἐς φλόγα πολλὴν | πηδήσῃ —.

202. πῶς οὖν πρὸς ἐμὲ ταῦτ' ἐστίν;] Cf. Apollod. Car. 4, 3. πρὸς ἐμὲ γάρ ἐστι τοῦτ' —. Dem. p. 232, 7. οὐδέν ἐστι τούτων δήπου πρὸς ἐμέ. 245, 9. οὐδὲν γὰρ ἡγοῦμαι τούτων εἶναι πρὸς ἐμέ.

204. *αὐτό που λέγει*] Cf. Dem. p. 377. *ταῦτ' οὐχὶ βοᾷ καὶ λέγει ὅτι χρήματα εἴληφεν Αἰσχίνης;* p. 366. *ἡ γὰρ ἀλήθεια καὶ τὰ πεπραγμένα αὐτὰ βοᾷ.* et ad Vesp. 921.

207. Cf. Th. 775. *ξύλον γε τοὐστὶ ταῦτα, κἀκεῖν' ἦν ξύλον.*

213. Cf. Vesp. 767. *πρᾶτθ' ἅπερ ἐκεῖ πράττεται.*

216. *ὑπογλυκαίνων*] Cf. v. *καταγλυκαίνειν* (Chionid. Fr. 1, 2.).

217. Cf. Nicol. com. 1, 41. *πάντα γὰρ πρόσεστί μοι | ὅσαπερ ἔχειν τἀλλότρια τὸν δειπνοῦντα δεῖ.*

218. Cf. Men. 533, 11. *ὃς ἂν εὖ γεγονὼς ᾖ τῇ φύσει πρὸς τἀγαθά.* Trag. adesp. 545, 1. *τοὺς εὖ γεγονότας καὶ τεθραμμένους καλῶς.* Herod. III. 69. 2. *γεγονυῖαν εὖ.* III. 142. 6. *γεγονώς τε κακῶς καὶ ἐὼν ὄλεθρος.* Isocr. Aresp. 37. *τοῖς καλῶς γεγονόσι.*

220. *συμβαίνουσι*] Congruunt. Cf. Ag. 210. Trach. 1164.

222. *ταῦθ' ἅπερ ποιεῖς ποίει*] Qu. *ταῦθ' ἅπερ* —. Cf. ad Vesp. 621.

224. *αὐτὸν — βδύλλει*] Cf. Lys. 354. *τί βδύλλεθ' ἡμᾶς;* Vesp. 626. Similiter Vesp. 626. *κἀγκεχόδασίν μ' οἱ πλουτοῦντες.*

229. Cf. Eur. Fr. 435, 2. Aesch. Pers. 742. Men. IV. 249.

230. Cf. Aesch. Ag. 1244. *κλύοντ' ἀληθῆ κοὐδὲν ἐξῃκασμένα.*

232. *σκευοποιῶν*] I. q. *προσωποποιὸς* novae comoediae.

238. In Vespis v. 35. Cleon cum *πανδοκευτρίᾳ* comparatur.

245. *προσκειμένων*] Cf. Herod. III. 78. 3. *ἐόντων τε ἀγχοῦ τῶν πολεμίων καὶ προσκειμένων.*

247. *ταραξιππόστρατον*] Cf. *ταραξικάρδιος* Ach. 315. *χαραξίποντος* (*ταρ.*?) Simonid. 82 B. *ἁρπάξανδρος* Aesch. Sept. 776. *ἀμφιπτολεμοπηδησίστρατος* Eupol. 393.

248. Cf. Anaxil. 22, 18. *ἡ δὲ Φρύνη τὴν Χάρυβδιν οὐχὶ πόρρω που ποιεῖ;* Pher. II. 294. *λεπαστὴν — μεστὴν ἐκχαρυβδίσαι.* Moschion. Fr. 7, 6. *δυσηλίους | φάραγγας ἐνναίοντες.* Confer *γαστροχάρυβδις* (Cratin. 397.), *μεθυσοχάρυβδις* (Com. anon. IV. 666.), *ποντοχάρυβδις.*

249. Cf. Eur. Andr. 943. *ἀλλ' οὔποτ' οὔποτ', οὐ γὰρ εἰσάπαξ ἐρῶ, | χρὴ* etc.

254. *εὐθὺ τῶν κυρηβίων*] Cf. Schol. ad 129. Fr. 696. Plat. Lys. 203. *ἐπορευόμην μὲν ἐξ Ἀκαδημίας εὐθὺ Λυκείου.*

255. *ὦ γέροντες ἡλιασταί*] Scilicet plerique judices pauperes et senes erant. Cf. Vesp. 195. *γέροντος ἡλιαστικοῦ.* 550. *δικαστοῦ — γέροντος.* Ach. 375. Schol. *ἡλιαία γὰρ* (*τὸ* Suid. v. *ἡλιαστής,* qu. *γὰρ τὸ*) *μέγιστον δικαστήριον.*

256. Cf. Nub. 99. *λέγοντα νικᾶν καὶ δίκαια κἀγαθά.*

259. *ἀποσυκάζεις*] I. e. *τρυγᾷς.* Cf. Amips. 33. *ἀποσεσύκασται* (i. e. *τετρύγηται*).

262. *διαλαβεῖν*] Cf. Plut. Anton. 33. *ἠγκύρισας*] Cf. Eupol. 262. *ἀγκυρίσας ἔρρηξεν.* Plat. com. 124, 1. *χαίρεις — αὐτὸν διακλιμακίσας.* Soph. Tr. 520. *ἀμφίπλεκτοι κλίμακες.*

267. ἐν πόλει] Acropolin intellige. Cf. Nub. 69. Av. 832. Eupol. 183.

269. Cf. Nub. 448. Cratin. 283. ἔχων τὸ πρόσωπον καρίδος μασθλητίνης. ὑπέρχεται] Cf. Soph. O. R. 386. λάθρα μ' ὑπελθὼν ἐκβαλεῖν ἱμείρεται. Lucian. Dial. mer. I. 1. ἀπέσπασεν ἀπ' ἐμοῦ ὑπελθοῦσα. Dion. Chrys. IV. 146 R. ὁ δὲ οὐδένα ἀνθρώπων ὑπῄει θωπεύων.

271. ταύτῃ] Cf. Vesp. 635. ἐγὼ ταύτῃ κράτιστός εἰμι.

272. Cf. Cratin. 462. κυρηβάσασθαι (i. e. διαμαχέσασθαι).

274. Cf. Dem. p. 255, 24. πάντα καταστρεψάμενος τἀκεῖ.

276. Cf. Ach. 1227. Vesp. 596. Av. 1764.

279. ζωμεύματα] Cf. Fr. 591, 2 K. κρεάδια — ἐζωμευμένα.

282. ἐξάγων — τἀπόρρηθ'] Cf. Theophr. Char. 22. διδομένης αὐτῷ ἐξαγωγῆς ξύλων ἀτελοῦς.

283. Περικλέης] Cf. Av. 1295. Φιλοκλέει. 567. Ἡρακλέει (in anap.). Cratin. 15, 1. Σοφοκλέει. Eupol. 100. Περίκλεες. 212. Τερόκλεες. Leucon. 1. Μεγάκλεες. Alex. 25, 12. Περικλέης.

285. κεκράξομαι] Cf. Eupol. 1, 3. κεκράξεται.

286. Cf. 1020. σφε κατακρώζουσι κολοιοί. Plut. Nic. 8. πρῶτος ἐν τῷ δημηγορεῖν ἀνακραγὼν καὶ περισπάσας τὸ ἱμάτιον καὶ τὸν μηρὸν πατάξας καὶ δρόμῳ μετὰ τοῦ λέγειν ἅμα χρησάμενος.

291. ὑποτεμοῦμαι —] Cf. Cratin. 289. τούτου δ' ἁπάσας ἀποτεμῶ (ὑποτεμῶ Cobet.) τὰς μηχανάς. Xen. Cyr. I. 4. 19. ὑποτεμοῦνται ἡμᾶς. Aesch. III. 166. ὑποτέτμηται τὰ νεῦρα τῶν πραγμάτων.

292. ἀσκαρδάμυκτος] Cf. Lucian. Cat. 26. τοῦτον ἀσκαρδαμυκτὶ προσέβλεψεν. Verbum σκαρδαμύσσειν legitur Eur. Cycl. 622.

298. Cf. Lys. XIV. 25. πολλῶν ὁρώντων ἔπινε.

301. Cf. Alex. 200, 4. μόνον οὐχὶ δεκατεύουσι γὰρ | τὰς οὐσίας.

304. Cf. Eur. Hipp. 692. πλήσει πᾶσαν γαῖαν αἰσχίστων λόγων.

306. τέλη] Anglice tolls, dues. Cf. Vesp. 658.

307. γραφαὶ] Tabellaria publica intellige: non enim de causis publicis cogitandum. Sic τέλη pro τελωνεῖα.

309. βορβοροτάραξι] Cf. v. ὠτοκάταξις Arist. Fr. 72.

318. Cf. Cratin. 350. οὗτοι δ' ἀφεστήκασι πλεῖν ἢ δύο δοχμά. De accentu vocis δόχμη cf. Eust. 1291, 45., qui ἐν τοῖς ἀκριβεστέροις ἀντιγράφοις in prima syllaba acui ut λόχμη monet.

322. Cf. Vesp. 463. ἆρα δῆτ' οὐκ αὐτὰ δῆλα —;

330. Cf. Av. 1407. καταγελᾷς μου, δῆλος εἶ. Lys. 919.

337. Cf. Ran. 1050. γενναίας καὶ γενναίων ἀνδρῶν ἀλόχους.

340. πάρες — αὐτῷ διαρραγῆναι] Cf. Eur. Alc. 615. σὺ δ' ἐκποδὼν στὰς καὶ παρεὶς ἄλλῳ θανεῖν etc.

342. ἐμοῦ λέγειν ἔναντα] Cf. Eur. Or. 1478. ἔναντα δ' ἦλθε.

352. Numenius Euseb. Pr. Ev. XIV. 6. 14. τὰ μὲν περικρούων (l. παρακρούων), τὰ δ' ὑποτέμνων, ἄλλα δὲ ὑποσκελίζων κατεγλωτ-

τίζετο αὐτοὺς καὶ πιθανὸς ἦν. Eunap. Liban. p. 99. ἐν τοῖς λόγοις λέξεσι κατεγλωττισμέναις ἐντυγχάνοντα.

354. ἐπιπιὼν —] Cf. 357. Philem. 85, 3. εἷς ἄρτος, ὄψον ἰσχάς, ἐπιπιεῖν ὕδωρ. Theophil. 8, 5. ἐπέπιες δὲ πόσον;

355. κασαλβάσω] Cf. Hermipp. 71, 2. καὶ κασαλβάζουσαν εἶδον (αὐτήν) καὶ σεσαλακωνισμένην. Nomen κασαλβὰς est Eccl. 1106. τοὺς ἐν Πύλῳ στρατηγούς] Cf. Thuc. IV. 29. τῶν ἐν Πύλῳ στρατηγῶν.

357. καταβροχθίσας] Cf. Antiph. 189, 6. καταβροχθίζειν — τεμάχη. ἐπιπιὼν] Cf. ad 354.

359. ἓν δ' οὐ προσίεταί με] Cf. Herod. I. 48. τῶν μὲν οὐδὲν προσίετό μιν. Eur. Fr. 893, 4. τὸ δ' ἄκαιρον ἅπαν — μὴ προσείμαν. Thuc. IV. 38. δηλοῦντες προσίεσθαι τὰ κεκηρυγμένα.

360. ἐκροφήσει] Cf. Plat. com. 149. τὸ γὰρ ἕψημά σου | γενόμενος ἔλαθον ἐκροφήσας.

361. λάβρακα] Hoc de pisce v. Athen. 310 E. F.

362. Schol. τὰ πλευρικὰ (add. κρέα?) τῶν βοῶν.

370. δερῶ σε θύλακον —] Cf. Solon. 33, 7. ἤθελον — τυραννεύσας Ἀθηνῶν μοῦνον ἡμέραν μίαν | ἀσκὸς ὕστερον δεδάρθαι κἀπιτετρῖφθαι γένος. Soph. Fr. 432. Σκυθιστὶ χειρόμακτρον ἐκδεδαρμένος.

372. περικόμματ'] Cf. Metag. 6, 7. ἀλλᾶσι καὶ περικόμμασι. Infra 770. ἑψοίμην ἐν περικομματίοις. Dionys. 3, 14. περικόμματος δὲ τάξιν ἢ θέσιν φέρει.

373. παρατιλῶ] Cf. Lys. 89. 151. Ach. 31. Pl. 168. Plat. II. 674. Men. IV. 178. Hinc παρατίλτρια Cratin. II. 163.

378. ἐξείραντες] Cf. Herod. III. 87. ἐξείραντα τὴν χεῖρα. Xen. Cyr. VIII. 3. 10. διειρκότες τὰς χεῖρας διὰ τῶν κανδύων. Aesch. Fr. 280, 3. παρείρας.

379. εὖ κἀνδρικῶς] Cf. Vesp. 153. 450. Th. 656. Eccl. 638.

381. χαλαζᾷ] Cf. τομᾶν, καπρᾶν (Pl. 1024.), χολᾶν (Nub. 833.), μελαγχολᾶν, κορυζᾶν, ψωρᾶν, λεπρᾶν, κραιπαλᾶν, λιθᾶν, βραγχᾶν, λημᾶν, θανατᾶν (Alex. III. 480.), φονᾶν, σκυζᾶν, σκοπᾶν (Fr. 679.), ἑτερεγκεφαλᾶν (Fr. 611.), ὑοσκυαμᾶν (Pherecr. II. 71.).

382. πυρός] Cf. Eur. Fr. 429. ἀντὶ πυρὸς γὰρ ἄλλο πῦρ μεῖζον ἐβλάστομεν γυναῖκες πολὺ δυσμαχώτερον. Monost. 231. θάλασσα καὶ πῦρ καὶ γυνὴ τρίτον κακόν.

386. ἔπιθι καὶ στρόβει] Cf. Nub. 700. πάντα τρόπον τε σαυτὸν στρόβει.

390. τοὺς τρόπους] Angl. his ways. Cf. 46. 398.

392. εἶτ' ἀνὴρ ἔδοξεν εἶναι] Cf. Eur. Alc. 963. πέφευγεν ᾅδην, εἶτ' ἀνὴρ εἶναι δοκεῖ. Bacch. 1316. Fr. 419, 4. Aesch. Ag. 1655. Pers. 821. Fr. 738, 1. πολλοὶ γεγῶτες ἄνδρες οὐκ ἔχουσ' ὅπως etc.

393 sq. Cf. Thuc. IV. 41. κομισθέντων δὲ τῶν ἀνδρῶν οἱ Ἀθηναῖοι ἐβούλευσαν δεσμοῖς μὲν αὐτοὺς φυλάσσειν μέχρι οὗ τι

ξυμβῶσιν· ἢν δ' οἱ Πελοποννήσιοι πρὸ τούτου ἐς τὴν γῆν ἐσβάλλωσιν, ἐξαγαγόντες ἀποκτεῖναι.

397. Cf. ad Vesp. 748. 1451.

398. Cf. Pl. 365. *ὡς πολὺ μεθέστηχ' ὧν πρότερον εἶχεν τρόπων.* 994. Vesp. 1451. *μετέστη ξηρῶν τρόπων.*

400. Cf. Eupol. 7. *ἐν Φαίακος.* Eur. Alc. 765. *ἐν Ἀδμήτου.*

404. Cf. Antiph. III. 116. *τὴν ἔνθεσιν — κατεσπακώς.*

407. Animalcula est *ἴουλος.* *πυρροπίτην*] Qu. *πυροπίπην* aut *παιδοπίπην.* Cf. Anaxand. 34, 9. *θεατροποιός* (*θεατροπίπης* Kock).

408. *ἰηπαιωνίσαι*] Nonne *ἰηπαιανίσαι*? Cf. Soph. O. R. 154. *ἰήϊε — Παιάν.* Vesp. 874. *ἰήϊε Παιάν.* 890. Apoll. Rhod. II. 704. *καλὸν ἰηπαιήονα Φοῖβον.*

409. Cf. Eur. Fr. 276, 2. *τὰ δ' οὐκ ἂν ἡμῶν θράσος ὑπερβάλοιτό τις.*

411 sq. Cf. 1236 sq. Eupol. 180. *καὶ πόλλ' ἔμαθον ἐν τοῖσι κουρείοις ἐγὼ | ἀτόπως καθίζων κοὐδὲ γιγνώσκειν δοκῶν.* Ubi loquitur Hyperbolus.

412. *ἐκ παιδίου*] Cf. 417. 426. Xen. Cyr. II. 3. 10. Plat. Theaet. 172 C. *ἐν δικαστηρίοις — ἐκ νέων κυλινδούμενοι.*

414. *τοσοῦτος ἐκτραφείην*] Cf. Eur. Bacch. 183. *δεῖ γάρ νιν — αὔξεσθαι μέγαν.* Plat. Resp. VIII. 565 C. *αὔξειν μέγαν.* *ἐκτραφείην*] *ἐκτραφεὶς ἦν* (i. q. *ἐξετράφην*) H. Richards. Verissima correctia, nisi quod *ᾖ* potius scribendum est. Sic Eq. 854. *εἷς ἕν ἐστι συγκεκυφός.* Pl. 867. *ἐστὶν ἐξολωλεκώς.* Soph. O. R. 126. *δοκοῦντα ταῦτ' ἦν.* Phil. 1218. *στείχων ἂν ᾖ.* Antiph. III. 67. *ἦν ὁ γρῖφος ἐνταῦθα ῥέπων.* Alex. III. 427. *ἆρ' ἦν πρόσωπ' ἔχοντα χρυσᾶ παρθένων; Ἐκτραφείην* posuit, ni fallor, librarius aliquis qui usitatiorem formam restituere volebat de sententia parum sollicitus. Nescio tamen an potius corrigendum sit *ἐξεθρέφθην.* Forma rarior *ἐθρέφθην* legitur Eur. Hec. 351. *θρεφθῆναι.* 600.

417. Cf. 787. Ran. 563. Vesp. 1433. *ὅμοιά σου καὶ ταῦτα —.* Pher. II. 347. *ὕβριστον ἔργον καὶ κόβαλον εἰργάσω.* Dem. p. 1267. *ταῦτα τὰ λαμπρὰ καὶ νεανικά ἐστιν αὐτῶν.*

418. *ἐπιλέγων*] Cf. Athen. VI. 271 A. *δεῖ οὖν κἀμὲ κατὰ τὸν κωμικὸν Μεταγένην ἐπειπόντα 'εἷς οἰωνὸς ἄριστος —' τετλάναι.*

424. *τὼ κοχώνα*] Cf. ad 484. Fr. 406. *τὰς κοχώνας.* Eupol. Fr. 77, 3. *ταῖς κοχώναις.* Lysipp. 9. Stratt. 53. Sed *ἐν τοῖν σφυροῖν* est Eupol. 100. Schol. *προχῶναι* (cf. Poll. II. 183.).

430. *ἔξειμι*] Cf. Ran. 848. Diph. 408. *ὡς ῥαγδαῖος ἐξελήλυθεν.* Eur. Fr. 946, 1. *ἐκβαίνει πικρός.* *λαμπρὸς*] Cf. 760. Aesch. Ag. 1180. *λαμπρὸς — πνέων ἐσάξειν.* Soph. El. 685. *εἰσῆλθε λαμπρός.* Alex. III. 403. *εἰ πνεύσειε βορρᾶς — λαμπρός.* Athen. VIII. 338 D. *εἰ πνεύσειε βορρᾶς ἐν τῇ θαλάττῃ λαμπρός.* *μέγας*] Cf. Thuc. VII. 104. *ὃς ἐκπνεῖ ταύτῃ μέγας κατὰ βορέαν ἑστηκώς.* *καθιεὶς*] Cf. Thuc. II. 84. 3. *τὸ πνεῦμα κατῄει.*

432. *συστείλας*] Cf. Eccl. 486. *πρὸς ταῦτα συστέλλου σεαυτήν.* 93. *ξυστειλάμεναι θαἰμάτια.* Vesp. 423.

435. *οὔτοι μὰ τὴν Δήμητρα καταπροίξει τάλαντα πολλὰ | κλέψας Ἀθηναίων*] Cf. Th. 516. *οὔτοι μὰ τὼ θεὼ σὺ καταπροίξει λέγουσα ταυτί.* Nub. 1239. Vesp. 1366. 1396.

436. Cf. Trag. adesp. 341. *μικρὸν δὲ ποδὸς χαλάσαι* etc.

437. Adde chelidonias (*χελιδονίας*) Plin. N. H. II. 47. *ὀρνιθίας* ibid. *Ὀλυμπίας, ἀπαρκτίας, Ἑλλησποντίας* ibid. 46. *ἐκνεφίας* (Alex. 46, 5. Arist. Meteor. II. 6. 23.).

442. Cf. Athen. XIII. 589 E. *φευγούσης ποτὲ αὐτῆς γραφὴν ἀσεβείας.*

443. *ἀστρατείας*] Cf. Pac. 526. Plat. Legg. XII. 943 D. *λιποταξίου τούτων εἶναι γραφὰς ἐν τοῖς αὐτοῖς οἷσπερ τῆς ἀστρατείας.*

445. Cf. Antiph. p. 127, 2. *ὑμῖν τὸ μήνιμα τῶν ἀλιτηρίων προστρίψομαι.* Aesch. c. Ctes. 131. *ὦ τῆς Ἑλλάδος ἀλιτήριε.* 157. *τὸν τῆς Ἑλλάδος ἀλιτήριον.* Andoc. I. 51. *ἀναγραφέντας ἐν στήλαις ὡς ὄντας ἀλιτηρίους τῶν θεῶν.* Latine homo piacularis.

463. *γομφούμεν'*] Cf. Aesch. Suppl. 440. *γεγόμφωται σκάφος.*

464. *ἐξ ἁμαξ.*] Redde, from the workshop of a wainwright. Cf. Eur. Fr. 978. *τέκτων γὰρ ὢν ἔπρασσες οὐ ξυλουργικά.*

479. *συντυρούμενα*] Cf. Demosth. 19, 295. *ὁ μὲν ἧκει ἄγων τοὺς ξένους, ὁ δ' ἔνδον ἐτύρευε.* Com. adesp. 998. *ἐνετύρευσεν.* Hinc *τύρευμα* (Bekk. Anecd. 60, 28.).

480. Cf. Com. adesp. 114, 1. *πῶς εἰσιν οἱ πυροὶ (παρ' ὑμῖν ὤνιοι);*

485. *θεύσει γὰρ ᾄξας*] Cf. Av. 205. *θεύσονται δρόμῳ.*

491. *ἐξολισθάνειν — τὰς διαβολὰς*] I. e. *ἐκφεύγειν* —. Qu. — *τῶν διαβολῶν* (v. Arist. H. A. VIII. 2. 18.). Cf. ad Eccl. 286.

495. *σπεῦδε ταχέως*] Cf. Soph. Aj. 1164. *ταχύνας σπεῦσον.*

503. *πρόσσχετε*] Cf. Nub. 575. Vesp. 1015. Av. 688.

516. *κωμῳδοδιδασκαλίαν*] Cf. Pac. 737. *κωμῳδοδιδάσκαλος.* Similiter *τραγῳδοδιδάσκαλος* Th. 88.

521. *ἔστησε τροπαῖα*] Cf. Thuc. VI. 103. *τροπαῖον ἔστησαν.*

522. 523. Harum Magnetis fabularum nulla fragmenta exstant.

522. Cf. Vesp. 562. *πάσας φωνὰς ἱέντων εἰς ἀπόφυξιν.* Eur. Hec. 338. *πάσας — φθογγὰς ἱεῖσα μὴ στερηθῆναι βίου.*

523. Phot. *λυδιάζων* (l. *λυδίζων*)· *Λυδοὶ Μάγνητος τοῦ κωμικοῦ διεσκευάσθησαν.* Hesych. *λυδίζων· χορεύων. διὰ τοὺς Λυδούς, οἳ σώζονται μέν, διεσκευασμένοι δέ εἰσιν.* *βατραχείοις*] Tribunal *βατραχιοῦν* appellatum erat Athenis.

524. *τελευτῶν*] Postremo. Cf. Eur. Fr. 745, 3. *τολμᾶν δὲ χρεών· ὁ γὰρ ἐν καιρῷ | μόχθος πολλὴν εὐδαιμονίαν | τίκτει θνητοῖσι τελευτῶν.* Thuc. VI. 53. *τὴν Πεισιστράτου — τυραννίδα χαλεπὴν τελευτῶσαν γενομένην.*

526. *πολλῷ ῥεύσας ποτ' ἐπαίνῳ*] Cf. Telecl. 1, 4. *οἴνῳ γὰρ ἅπασ' ἔρρει χαράδρα*. Similiter praeter exspectationem *αἴθωνι Κλέωνι* (pro *σιδήρῳ*) dixit Hermippus 46, 7. In his omnium consensu vitiosum est *ῥεύσας*, quod alii aliter emendare conati sunt. Mihi hodie maxime probabiles correctiones hae videntur esse: — *ὃς πολλῷ πρώην ποτ' ἐπαίνῳ* —, et — *ὃς πολλῷ πολλοῦ ποτ' ἐπαίνῳ* (valde multa laude: cf. ad Ran. 1046. *ἀλλ' ἐπὶ σοί τοι καὶ τοῖς σοῖσιν πολλὴ πολλοῦ 'πεκάθητο*) —.

527. *παρασύρων*] Cf. Soph. Fr. 700. *ἴκτινος ὣς ἔκλαγξε παρασύρας* (*παρασύρων*?) *κρέας*. Aesch. Prom. 1098. *οὐ γὰρ δή που τοῦτό γε τλητὸν παρέσυρας ἔπος*. Longin. 32, 4. *τῷ ῥοθίῳ τῆς φορᾶς ταυτὶ πέφυκεν — παρασύρειν* etc. Hesychius *ἀποσύρει* per *ἀποσπᾷ* explicat. *καὶ τῆς στάσεως*] Qu. *κἀκ* —.

528. Schol. *λέγοντα* (l. *κλέπτοντα*).

529. *Δωροῖ*] Similiter in oppidi nomine *Γαληψὸς* lusit Eupolis cum allusione ad v. *λαμβάνειν*. *συκοπέδιλε*] Apud Hesiodum Theog. 454. *Ἥρη χρυσοπέδιλος*.

530. Cf. Cratin. 70. *τέκτονες εὐπαλάμων ὕμνων*. Pind. N. III. 4. *μελιγαρύων τέκτονες ὕμνων*. P. III. 113. *τέκτονες οἷα* (*ἔπη*) *σοφοὶ ἅρμοσαν*. Eur. Andr. 476. *τεκτόνοιν θ' ὕμνου συνεργάταιν | δυοῖν ἔριν Μοῦσαι φιλοῦσι κραίνειν*. Soph. Fr. 162. *τεκτόναρχος* (*τεκτονοῦργος* conj. Nauck.) *Μοῦσα*. *εὐπαλάμων*] Cf. Aesch. Ag. 1531. *εὐπαλάμων μεριμνᾶν*.

531. Schol. *ἐν οἷς* (*ἐν ᾗ* Kirchhoff) *κακῶς λέγει* etc.

533. *ἁρμονιῶν*] Cf. Epicrat. 2, 19. *τὰς ἁρμονίας τε διαχαλᾷ τοῦ σώματος* (*Λαΐς*). Pro *ἁρμῶν*. Tim. Locr. 102 B. *λυομένων τῶν ἁρμῶν τᾶς συστάσιος*. Hermesian. ap. Stob. Fl. 120, 7. *τῶν ἁρμῶν τοῦ σώματος*. *περιέρρει*] Cf. Pher. 90. *ζητῶ περιέρρων αὐτὸν ἐξ ἑωθινοῦ*.

534. *Κοννᾶς*] Nonne *Κόννος*? Cf. Eupol. 68, 2. *ἀναρίστητος ὢν | κοὐδὲν βεβρωκὼς* (*πεπωκὼς* conj. Kock.), *ἀλλὰ γὰρ στέφανον ἔχων*. Ubi dicitur Connus. Connus Metrobii filius, citharoedus celeberrimus, Socratis in arte musica magister fuit. Cf. Cratin. 317. Phrynichi et Amipsiae fabularum titulus fuii *Κόννος*.

536. In conspicuo theatri loco sedes Dionysi sacerdoti assignabatur. Cf. Ran. 297. *ἱερεῦ, διαφύλαξόν μ', ἵν' ὦ σοι ξυμπότης*. Ubi Dionysus sacerdotem suum compellat.

538. *ἀπὸ σμικρᾶς δαπάνης*] Cf. Com. adesp. 166. *ἀπ' ὀλίγου νομίσματος*. Dem. XXV. 23. *τὸ τὴν βουλὴν — ἀπὸ τῆς ἀσθενοῦς τοιαυτησὶ κιγκλίδος τῶν ἀπορρήτων κυρίαν εἶναι* etc. Xen. Athen. III. 3. *ἐγὼ δὲ τούτοις ὁμολογήσαιμ' ἂν ἀπὸ χρημάτων πολλὰ διαπράττεσθαι 'Αθήνησι*. Athen. XIII. 595 B. *ἀπὸ πλειόνων δὲ ταλάντων ἢ διακοσίων δύο μνήματα κατεσκεύασεν αὐτῆς*. *ἀριστίζων ἀπέπεμπεν*] Cf. Com. adesp. 53. *εὐφράνας ὑμᾶς ἀπέπεμπε*.

539. *κραμβοτάτου* —] Cf. Theocr. VII. 37. *Μοισᾶν καπυρὸν στόμα.* *ἀστειοτάτας ἐπινοίας*] Cf. 1322. *θαυμαστὰς — ἐπινοίας.* Ran. 1530. *μεγάλων ἀγαθῶν ἀγαθὰς ἐπινοίας.* Vesp. 346. 1044.

540. *ἀντήρκει*] Anglice held out. Cf. Plat. Epist. 317 C. *ἀνταρκέσαι τοῖς διαβάλλουσιν ἡμᾶς.*

543. *διαθρῆσαι*] Cf. Nub. 700. Com. adesp. 1209, 2. *ὄψει διαθρῶν οὐδὲν ὂν πάντῃ καλὸν | οὐδ' αἰσχρόν.*

546. *αἴρεσθ' αὐτῷ*] Lege *αἴρετέ τ'* (aut *ἄρατέ τ'*) *αὐτῷ.* *παραπέμψατ' ἐφ' ἕνδεκα κώπαις* mss. Lege *παραπέμψατέ θ'* —. *παραπέμψατε — θόρυβον*] Cf. Soph. Phil. 1459. *παρέπεμψεν — στόνον ἀντίτυπον.* 846. *βαιάν μοι — πέμπε λόγων φάμαν.* *πολύ τὸ ῥόθιον*] Qu. *πολύ τι ῥόθιον.* *ἕνδεκα κώπαις*] Cf. Telecl. 44. *κεφαλῆς ἑνδεκακλίνου.*

551 sq. Cf. Hom. H. 21. 4. *διχθά τοι, Ἐννοσίγαιε, θεοὶ τιμὴν ἐδάσαντο, | ἵππων τε δμητῆρ' ἔμεναι σωτῆρά τε νηῶν.* Aesch. Sept. 130. *ὅ θ' ἵππιος ποντομέδων ἄναξ.* Vesp. 1531. *ὁ ποντομέδων ἄναξ.*

554. *κυανέμβολοι* —] Cf. Ran. 1318. *κυανέμβολοι πρῷραι.*

560. Cf. 585. 763. Eur. Fr. 912, 2. *σοὶ τῷ πάντων μεδέοντι.*

561. Oppidum Euboeae erat Geraestus, in quo Neptuni situm erat templum teste Stephano Byzantino.

562. De Phormione cf. Pac. 347. Lys. 804. Thuc. I. 117. II. 29. 58. 68 sq. 80—92. 102 sq. III. 7. 17. Paus. I. 23. 10. I. 29. 3. X. 10. 6.

565. Cf. Aesch. Ag. 580. *τοιαῦτα χρὴ κλύοντας εὐλογεῖν πόλιν.*

567. *ναυφάρκτῳ στρατῷ*] Cf. Thuc. IV. 85. *νηΐτῃ στρατῷ.*

578. *πρὸς*] Insuper, praeterea. Cf. Vesp. 1420. Pac. 19. Lys. 628. Ran. 415. 611. Pl. 1001.

597. *ξυνδιήνεγκαν*] Cf. Eurip. Fr. 136, 3. *μοχθοῦσι μόχθους (εὐμενὴς) συνεκπόνει.* Eur. Fr. 340. *πατέρα τε παισὶν ἡδέως συνεκφέρειν | φίλους (δεῖ τοὺς?) ἔρωτας.* Herod. V. 79. *ἡμῖν — συνδιαφέρουσι τὸν πόλεμον.* I. 18. *οἱ Μιλήσιοι τοῖσι Χίοισι τὸν πρὸς Ἐρυθραίους πόλεμον συνδιήνεικαν.* V. 99.

599. *ἱππαγωγοὺς*] Cf. *γλευκαγωγός* (*βύρσα,* Pher. 16.), *οἰναγωγός, ὁπλιταγωγός, σιταγωγός, λαρκαγωγός* (Eur. Fr. 285.).

600. *κώθωνας*] Cf. Pac. 1094. Henioch. 1, 2. *λαβὼν βραχύωτον κυκλοτερῆ παχύστομον | κώθωνα.* Alex. 176. *τετρακότυλον — κώθωνα.* Crit. ap. Athen. XI. 483 B. *κώθων Λακωνικὸς ἔκπωμα ἐπιτηδειότατον εἰς στρατείαν καὶ εὐφορώτατον ἐν γυλίῳ.*

606. *ποίας*] Cf. Epicrat. 11, 26. *ποίαν* (in anap.). Archipp. 44. *ποαστρίαις.* *Ποάστριαι* Magnetis et Phrynichi fabularum titulus fuit.

609. *ἐν βυθῷ*] Cf. Aesch. Cho. 507. *τὸν ἐκ βυθοῦ κλωστῆρα σώζοντες λίνου.*

610. *μήτε γῇ μήτ' ἐν θαλάττῃ*] Cf. Soph. O. R. 733. *σχιστὴ δ' ὁδὸς | ἐς ταὐτὸ Δελφῶν κἀπὸ Δαυλίας ἄγει.* Ant. 367.

616. *ἄξιόν γε πᾶσίν ἐστιν ἐπολολύξαι*] Qu. *ἄξιον πολίταις* —. Parum hic convenit particula *γε*. *ἐπολολύξαι*] Cf. Aesch. Sept. 825. *ἐπολολύξω*. Ag. 587.

618. *εἶθ' ἐπέλθοις ἅπαντά μοι σαφῶς*] Cf. Ran. 1118. *πάντ' ἐπέξιτον*. et ad Vesp. 635.

627. *ἀναρρηγνὺς ἔπη*] Cf. Pind. Fr. 68. *μὴ πρὸς ἅπαντας ἀναρρῆξαι τὸν ἀχρεῖον λόγον*.

628. Cf. Vesp. 483. *ὅταν ξυνήγορος — ξυνωμότην καλῇ (σε)*.

630. *ψευδατραφάξυος*] Cf. Pher. 75. *ἀτράφαξυν ἕψουσ'*.

631. *τὰ μέτωπ' ἀνέσπασαν*] Contra Vesp. 655. *χάλασας — τὸ μέτωπον*.

634. *Σκίταλοι*] Ejusdem originis videtur esse nomen *σκίτων* Pher. 232. Nomen proprium est *Σκίτων* Herod. III. 130. Demosth. 21, 182. *ἦν δ' ἐγώ*] Cf. Vesp. 795. Lys. 514. Fr. 107.

635. Cf. Pher. 162. *ὕβριστον ἔργον καὶ κόβαλον εἰργάσω*.

641. *μέγα ἀνέκραγον*] Cf. Vesp. 1288. *μέγα κεκραγότα θεώμενοι*.

645. Cf. Vesp. 491. *νῦν δὲ πολλῷ τοῦ ταρίχους ἐστὶν ἀξιωτέρα*. Pher. II. 279. *ὅδ' ἔστ' ἐφ' οὗ ποτ' ἦν ὁ πυρὸς ἄξιος*.

646. *διεγαλήνισαν*] Cf. Eur. Fr. 1079, 4. *μέθη ταράσσει (μαλάσσει?) καὶ γαληνίζει φρένα*. Alex. 178, 5. *τὰ Σαμοθρᾴκι' εὔχεται | λῆξαι πνέοντα καὶ γαληνίσαι ποτέ*. Soph. Aj. 268. Eur. Fr. 534, 8. *ἐλαφρίζειν* (intransitivum). *πελαγίζειν* (intrans.) Herod. II. 92. 4.

647. *στεφανοῦν εὐαγγέλια* ut *θύειν ἐπινίκια, ἑστιᾶν νικητήρια* Plut. Phoc. 20. *θύειν τὰ νικητήρια* Himer.

648. *ἀπόρρητον ποιησάμενος*] Cf. Herod. IX. 45. 1. *παραθήκην ὑμῖν τὰ ἔπεα τάδε τίθεμαι, ἀπόρρητα ποιεύμενος πρὸς μηδένα λέγειν ὑμέας ἄλλον ἤ* etc.

650. *ξυλλαβεῖν*] Coemere. I. q. *συνωνηθῆναι*, Clem. Alex. Paed. II. 1. 3. *ὄρνεις — συνωνοῦνται τοὺς ἀπὸ Φάσιδος*.

651. *οἱ δ' ἀνεκρότησαν*] Sc. *τὼ χεῖρε*. Cf. Vesp. 1314. *οἱ δ' ἀνεκρότησαν* etc. Pl. 739.

656. Cf. Dem. p. 855. *εὐθὺς οὖν ἔθυον εὐαγγέλια*.

658. *βολίτοις*] Cf. Ach. 1026. *ἐν πᾶσι βολίτοις*.

662. *τριχίδες*] Pisces vilissimi. Fr. 52. Eupol. 5. 154. Pher. 56.

676. *ὑπεκδραμών*] Anglice having stealthily slipped out. Cf. 742. *ὑποδραμών*. 1161. *ὑποθεῖν*.

678. *ταῖς ἀφύαις ἡδύσματα*] Cf. Vesp. 496. 679.

680. *ὑπερεπήνουν*] Cf. Eccl. 186. *ὑπερεπήνεσεν*.

682. Cf. Vesp. 1391. *ἄρτους δέκ' ὀβολῶν*. Aristom. 7. *βεμβράδας φέρων ὀβολοῦ*. Arched. 3, 1. *δραχμῶν τριῶν γλαυκίσκον*. 4. *δραχμῆς τραχήλους*. Antiph. 206, 2. *λιβανωτὸν ὀβολοῦ τοῖς θεοῖς καὶ ταῖς θεαῖς*. Stratt. 4. *ἀκροκώλιον | δραχμῆς ὕειον*. Amips. 3. *δυοῖν ὀβολοῖν ἔγχουσα καὶ ψιμύθιον*. Alex. 189, 1. *τριωβόλου κρεῖσκον*. Philem. 64, 3. *χαλκοῦ θερμὸν ἦν (ποτόν)*. *ἀναλαβὼν*] Cf. Pher. 145, 18. *εἴ γάρ τι κἀξήμαρτεν, αὖθις ἀνέλαβεν*.

687. *ῥήμασίν θ' αἱμύλοις*] Cf. Hom. Od. 1, 56. *αἰεὶ δὲ μαλακοῖσι καὶ αἱμυλίοισι λόγοισι | θέλγει.*

697. *ἀπεπυδάρισα μόθωνα*] Schol. Hom. Il. 22, 391. *ἡ δὲ ἁπαλὴ ὄρχησις μόθων καὶ βαυκισμὸς — τοῖς μαλακοῖς δέδοται.* Cf. v. *διαπυδαρίζειν* (Hesych.).

707. *ἐπὶ τῷ φάγοις —;*] Cf. Eupol. 255. *ἐπιφαγεῖν μηδὲν ἄλλ' ἢ κρόμμυον | λέποντα καὶ τρεῖς ἁλμάδας.*

718. *κατέσπακας*] Perfectum consuetudinis. Cf. Antiph. 204, 3. *πλεῖστον ἡμάρτηκεν.* 7. 8. Anaxand. 34. Alex. 257. Theophil. 4.

727. *περιυβρίζομαι*] Cf. Herod. IV. 159. *περιυβριζόμενοι ὑπὸ τῶν Κυρηναίων.* Vesp. 1319. Th. 535.

750. *καθιζοίμην*] Lege *καθεζοίμην.*

751. *εἰς τὸ πρόσθε*] Cf. Lucian. 52, 36. *οὐκέτι γὰρ εἰς τὸ ἀρχαῖον οἷόν τέ μοι ἄγειν αὐτό.* Lucian. Somn. 19. *ἐγυναικίζου ἐς τὸ ἑταιρικόν.*

756. *νῦν δὴ —*] Cf. Vesp. 526. Eccl. 571.

757. Cf. Alex. III. 423. *τὸ στόμ' ὡς κομψὸν φορεῖ.* Aesch. Fr. 258, 1. *οὐ χρὴ ποδώκη τὸν τρόπον λίαν φορεῖν.* Trag. adesp. 182. *μί' εὐγένεια τὸν τρόπον χρηστὸν φορεῖν.* Soph. Fr. 669, 2. *σιγᾶν ἀνάγκη, κἂν* (scr. *κῆν*) *καλὸν φέρῃ* (l. *φορῇ*) *στόμα.*

760. *πολὺς*] Cf. Dem. de Cor. 136. *θρασυνομένῳ καὶ πολλῷ ῥέοντι καθ' ὑμῶν οὐκ εἶξα οὐδ' ὑπεχώρησα.* Aesch. Sept. 80. *ῥεῖ πολὺς ὧδε λεώς.* Hor. Sat. I. 7. 28. 'salso multoque fluenti.'

764. Cf. 831. 873. Lys. c. Agor. 2. *ἄνδρας ὄντας ἀγαθοὺς περὶ τὸ πλῆθος τὸ ὑμέτερον.* Dem. p. 742. *ἄνδρα χρηστὸν καὶ δημοτικὸν καὶ περὶ τὸ πλῆθος τὸ ὑμέτερον πολλὰ σπουδάσαντα.*

765. Nomen *Σαλαβακχὼ* derivatum forsan ex *σαλάβη* (i. e. *ὀπή*). Confer v. *βορβορόπη* (i. e. meretrix).

768. Cf. Orac. Sibyll. 8, 14. *ὀψὲ θεῶν ἀλέουσι μύλαι, ἀλέουσι δὲ λεπτά.* *λέπαδνα*] Cf. Aesch. Ag. 218. *ἐπεὶ δ' ἀνάγκας ἔδυ λέπαδνον.* 771. *κατακνησθείην*] Cf. Vesp. 965. 966.

772. Cf. Lucian. Herm. 73. *εἷλκεν ὑμᾶς τῆς ῥινός.*

780. *οὐχὶ φιλεῖ σ' — ἀλλ' ἢ*] Cf. Philem. 2, 4. *οὐδὲ μικρὸν* (*διαφέρει*) *ἀλλ' ἢ σχήματι.*

783. *σκληρῶς — καθήμενον*] Cf. Cratin. 269. Hermipp. 54, 2. Contra *μαλακῶς καθῆσθαι* Ach. 70. Eq. 785.

784. *οὐχ ὥσπερ ἐγὼ —*] Cf. Eubul. 42, 1. *ὡς δ' ἐδείπνει κοσμίως, | οὐχ ὥσπερ ἄλλαι — ἔσαττον τὰς γνάθους* etc. *τουτὶ*] Sc. *τὸ ὑπηρέσιον.* Cf. Hermipp. 54. Cratinus (269) *ἰδίως προσκεφάλαιον* id appellavit.

785. *τὴν ἐν Σαλαμῖνι*] Sub. *ἐλάσασαν, ναυμαχήσασαν,* aut *νικήσασαν.* Cf. Isocr. 59 B. *ζηλοῦν τὴν πόλιν τῆς ἐν Σαλαμῖνι μάχης.*

791. *περὶ τῆς κεφαλῆς περιδόσθαι*] Cf. Nub. 644. Diph. 130.

792. *πιθάκναισι*] Cf. Ion. trag. 10, 1. *ἐκ ζαθέων πιθακνῶν ἀφύσαντες ὄλπαις | οἶνον —.*

798. *πεντώβολον*] Lege *πεντωβόλου*. In Phrynichi loco legerim *τριώβολόν γ', ὅσουπερ ἡλιάζομαι*, coll. h. l.

804. Cf. 1118. Lucian. Pisc. 34. *πρὸς τὸ ἀργύριον κεχήνασιν*.

806. *στεμφύλῳ εἰς λόγον ἔλθῃ*] Cf. 1300. Vesp. 473. Nub. 252. Fr. 108 K. Eupol. 38. *καὶ ξυνεγιγνόμην ἀεὶ τοῖς ἀγαθοῖς φάγροισιν*. Telecl. 38. *ξυγγενέσθαι — δρυπεπέσι μάζαις*.

807. *τῇ μισθοφορᾷ*] Sc. concionali. Cf. Vesp. 601. *σκέψαι δ' ἀφ' ὅσων ἀγαθῶν οἵων τ' ἀποκλείεις καὶ κατερύκεις*.

808. *δριμὺς*] Cf. Pac. 349. *δικαστὴν δριμὺν — δύσκολον*. Vesp. 377. Aesch. Ag. 1501. *ὁ παλαιὸς δριμὺς ἀλάστωρ Ἀτρέως*.

809. *ὀνειροπολεῖς*] Cf. Plat. Resp. VII. 534 C. Legg. X. 904 D. Tim. 52 B. etiam Nub. 16. 27.

813. *κλύεθ' οἷα λέγει;*] Eadem verba occurrunt Plut. 601. Eur. Med. 168. et iisdem in Telepho usum esse Euripidem jure suspicatur Elmsleius. Cf. Eur. Fr. 71, 2. *εἰς Ἄργους πόλιν*. *ἀντιφερίζεις*] Eodem sensu *ἰσοφαρίζειν*, Hom. Il. 21, 194. 9, 390. 6, 101. Simonides Fr. 149. *μνήμῃ δ' οὔτινά φημι Σιμωνίδῃ ἰσοφαρίζειν* etc.

814. *ὃς ἐποίησεν τὴν πόλιν ἡμῶν μεστὴν εὑρὼν ἐπιχειλῆ*] Paleius vertit, 'who made our city brim-full, having found it full only up to the rim.' Tentabam olim — *κενεὰν εὑρὼν ἐπιχειλῆ* (*κενεὰν* epica forma pro *κενὴν*, ut *πείκειν* pro *πέκειν* in Av. 714., in anapaestis jure locum habens), glossema *μεστὴν* ad *ἐπιχειλῆ* adscriptum in alienum locum invectum esse opinatus. Sed attenta consideratione digna est egregia Arturi Palmer conjectura — *μεστὴν πυρῶν ἐπιχειλῆ* (ipse malim *ἐπὶ χεῖλος*). Tenendum enim est Atheniensium olim victum praecipuum fuisse frumentum et pisces (815). Praeterea post *μεστὴν* genitivum aliquem exspectes. Utique vix ambo epitheta *μεστὴν* et *ἐπιχειλῆ* requiruntur. Itaque vix dubitari potest quin pro *εὑρὼν* reponendum sit *πυρῶν*. Cf. Av. 506. *τοὺς πυροὺς ἂν καὶ τὰς κριθὰς — ἐθέριζον*. 622. *κριθὰς, πυρούς*. Philem. IV. 8. *ὁλκεῖον — πυρῶν τι μεστόν*. *ἐπιχειλῆ*] Cf. v. *αὐτοχειλής*. Qu. *ἐπὶ χεῖλος*. Cf. Soph. Fr. 926 a. *ὡς μήτε κρούσῃς μήθ' ὑπὲρ χεῖλος βάλῃς*.

822. *ἐγκρυφιάζων*] I. q. *κρυπτὸς ἐγκαθήμενος* (Th. 600.).

824. *χασμᾷ*] Cf. Alex. 257, 7. *τῆς θύρας χασμωμένης*.

825. *ἐκκαυλίζων*] Schol. Ran. 621. *τῷ ἐκκαυλήματι τοῦ πράσου* etc. 826. *ἀμφοῖν χειροῖν*] Cf. Av. 35. *ἀμφοῖν ποδοῖν*.

830. *ταύτῃ*] Cf. Aesch. Prom. 511. Eur. Med. 366. Hipp. 41.

837. *ἐποίσεις*] Anglice lay on. Cf. Av. 344. *ἐπίφερε — ὁρμάν*.

838. *καθέξεις τὰν τῇ πόλει*] Cf. Thuc. IV. 2. *νομίζοντες ῥᾳδίως κατασχήσειν τὰ πράγματα*.

840. *σείων*] Cf. Pac. 640. Fr. 20 D. Telecl. 2, 1. *ἀλλ', ὦ πάντων ἀστῶν λῷστοι σεῖσαι καὶ προσκαλέσασθαι, | παύσασθε δικῶν ἀλληλοφάγων*.

841. λαβὴν δέδωκεν] Cf. 847. Nub. 551. Lys. 671. Nicochar. in Lex. Sabbait. 3, 10. ἀλλ' εἰλήμμεθα | λαβὴν ἄφυκτον.

842. πλευρὰς —] Cf. Nicol. com. 1, 27. Quintilian. XII. 11. 2. 'neque scientia modo constat orator sed voce, latere, etc. Cic. Verr. IV. 30.

855. ὀστρακίνδα] Cf. Com. adesp. 1185. φαρυγίνδην (cum allusione ad choreutarum gulositatem), πλειστοβολίνδα, etc.

864. Cf. Vesp. 703. βούλονται γάρ σε πένητ' εἶναι — ἵνα γιγνώσκῃς τὸν τιθασευτήν, etc.

868. σκύτῃ] Cognata est vox Latina cutis, cujus tamen prior brevis est.

873. Cf. Nub. 1050. Eur. Fr. 894, 2. κρίνω φίλον (αὐτόν).

877. Cf. 879. Cratin. II. 63. ὅτι τοὺς κόρακας τὰξ Αἰγύπτου χρυσία κλέπτοντας ἔπαυσεν. et Eupol. 100, 2. μειράκια βινούμενα. Eccl. 112. Com. adesp. 13. οὐδεὶς κομήτης ὅστις οὐ βινητιᾷ.

888. πίνων ἀνὴρ] Miror neminem vidisse corrigendum esse πίων ἀνήρ (obesus homo). Cf. Ran. 1092. λευκός, πίων, —. Teleclid. II. 362. οἱ δ' ἄνθρωποι πίονες ἦσαν τότε. Alex. III. 396. ἀρνὸς — πίονος. Antiph. III. 100. τάριχος — πῖον. Herm. II. 384.

889. Cf. Eur. Or. 769. οὐχὶ Μενέλεω τρόποισι χρώμεθ'.

890. ἰαιβοῖ] Vesp. 1338. ἰαιβοῖ αἰβοῖ. Th. 223. ἀτταταῖ ἰατταταῖ.

894. καυλὸν] Cf. Hermipp. 63, 4. ἐκ μὲν Κυρήνης καυλὸν καὶ δέρμα βόειον. Antiph. 88, 3. σιλφίῳ, συνωρίσιν, | καυλῷ, κέλησι. Strab. XVII. 838. Plin. N. H. V. 33.

897. Ἡλιαίᾳ] Cognata vox est Dorica ἁλία (concio).

905. μισθοῦ τρύβλιον ῥοφῆσαι] Cf. Ach. 278. ἕωθεν εἰρήνης ῥοφήσει τρύβλιον. Ludere Comicum in verbis τρύβλιον et τριώβολον censet Richterus p. 160. Non assentior.

907. ἑλκύδρια] Cf. μελύδριον, ξιφύδριον.

923. δώσεις ἐμοὶ καλὴν δίκην] Cf. Vesp. 453. ἧμιν δώσετον καλὴν δίκην. 924. ἰπούμενος] Cf. Cratin. 91. ἰποῦμεν.

930. σίζον] Angl. hissing hot. Cognatae voces. Cf. Ach. 1158. Magnet. 1, 1. ταγηνίας — σίζοντας.

940. ἐπαποπνιγείης] Cf. Alex. 266, 4. ἀλλ' οὐκ ἀπεπνίγη καταφαγών. Lucian. 68, 37. ἀποπνιγεὶς ἐπ' αὐτοῖς.

941. Schol. πολλὰ (τοιαῦτα addit Mein.).

945. Cf. Eupol. 185. τῶν γὰρ (γὰρ μὴ?) πονηρῶν μικρόν ἐστι τοὐβολοῦ. Antiph. 135, 2. τῆς δὲ πλείστης τοὐβολοῦ | μάζης etc.

955. οὐ τοῦτό γ' ἐστιν] Lege οὐ τοῦτ' ἔπεστιν. Cf. Soph. Tr. 615. ὃ (σῆμα) — σφραγῖδος ἕρκει τῶνδ' ἐπὸν μαθήσεται. Aesch. Sept. 591. σῆμα δ' οὐκ ἐπῆν κύκλῳ.

967. Cf. Chamaeleont. Athen. IX. 374 A. καὶ ἐφόρει ἀλουργίδα καὶ κράσπεδα χρυσᾶ.

969. Σμικύθην] Cf. Vesp. 401. Eccl. 46. 294.

982. ἤστην] Cf. Plat. Euthyd. 294. ἤστην (?). Theocr. VIII. 3.

984. *τορύνη*] *θεατροτορύνη* dicitur *Μέλισσα* Athen. IV. 157 A.

1017. *καρχαρόδοντα*] Cf. Vesp. 1031. Pac. 754. Theocr. XXIV. 86. *καρχαρόδων* (sic) — *λύκος*.

1020. *σφε κατακρώζουσι*] Sic *καταβοᾶν τινα* 286.

1030. Etiam Plato comicus (216) *Κέρβερον* Cleonem dixit.

1034. *τὰς λοπάδας — διαλείχων*] Cf. Eupol. II. 440. *πολλῶν — λοπάδων τοὺς ἄμβωνας περιλείξας*.

1036. Cf. Vesp. 49. *ἄνθρωπος ὢν εἶτ' ἐγένετ' ἐξαίφνης κόραξ*. Ach. 498. *εἰ πτωχὸς ὢν ἔπειτ' ἐν Ἀθηναίοις λέγειν | μέλλω*. Soph. O. R. 543. *ἴσ' ἀντάκουσον, κᾆτα κρῖν' αὐτὸς μαθών*.

1037. Cf. oraculum Herod. V. 92. *Λάβδα κύει, τέξει* etc.

1039. Cf. Cratin. jun. 8, 1. *Κόρυδον τὸν χαλκοτύπον πεφύλαξο*.

1049. 'He bids you put him in the five-holed plank.' (Walsh.)

1050. Cf. Vesp. 799. Eur. Phoen. 1703. *νῦν χρησμὸς, ὦ παῖ, Λοξίου περαίνεται*.

1056. Cf. Soph. O. R. 936. Aesch. Ag. 1049. 1394.

1068. Cf. Trag. adesp. 182. *λαιθάργῳ* (*ληθ.*?) *ποδί*.

1076. *ἀλωπεκίοισι — ᾔκασεν*] Cf. Eccl. 385. *σκυτοτόμοις ᾐκάζομεν | ὁρῶντες αὐτούς*. Vesp. 1358.

1079. Cf. Pac. 716. *ὅσον ῥοφήσει ζωμὸν ἡμερῶν τριῶν*. Ach. 197. *σιτί' ἡμερῶν τριῶν*.

1085. *Διοπείθους*] Cf. Av. 988. Phryn. 9. Amips. 10. Schol. *τοὺς* (l. *τοὺς τὴν*) *χεῖρα πεπηρωμένους*.

1086. Cf. Herod. IX. 42. *ἀλλὰ γάρ ἐστι λόγιον* etc.

1094. *ἀρυβάλλῳ*] Cf. Fr. 383 D. *βαλανεὺς δ' ὠθεῖ ταῖς ἀρυταίναις*. Confer *ἀρύβαλλος* Eq. 1094. *ἀρύστιχος* Vesp. 855. *ἀρυστήρ* (*τρυγός*) Simonid. Amorg. 25.

1092. *νὴ Δία καὶ γὰρ ἐγώ*] Anglice, Yes, and by Jove so did I. Cf. Aesch. Ag. 1255. *καὶ μὴν ἄγαν γ' Ἕλλην' ἐπίσταμαι φάτιν. ΧΟ. καὶ γὰρ τὰ πυθόκραντα, δυσμαθῆ δ' ὅμως*.

1099. Cf. Com. adesp. 11. *γεροντα γωγῶν κἀναμισθαρνεῖν διδούς*. Soph. Fr. 633. *γέρων γέροντα παιδαγωγήσω σ' ἐγώ*.

1102. Cf. Vesp. 1337. *οὐδ' ἀκούων ἀνέχομαι δικῶν*. 513. *ἐὰν σιγῶν ἀνάσχῃ*. Dem. p. 1459. *τούτους οὐδ' ὁρῶντες ἀνέξεσθε*.

1118. *πρὸς — κέχηνας*] Cf. Vesp. 695. *χάσκεις πρὸς τὸν —*.

1120. *παρὼν ἀποδημεῖ*] Cf. Eur. Fr. 519, 2. *ἄπεισι, κἂν* (l. *κἢν*) *παρῶσ' ὅμως*. Adesp. 517.

1130. *ἄρας*] Subaudiendum *τὴν χεῖρα*. Cf. Av. 1258. *πρώην ἄρας ἐπάταξα*. Com. anon. 798. Eur. Cycl. 418. *ἐπῄνεσ' ἄρας χεῖρα*.

1135 sq. Cf. Philem. 155. *στρατιῶτα κοὐκ ἄνθρωπε καὶ σιτούμενε | ὥσπερ ἱερεῖον, ἵν' ὅταν ᾖ καιρὸς τυθῇς*. Aesch. Eum. 304. *ἐμοὶ τραφείς τε καὶ καθιερωμένος*.

1139. *παχὺς*] Cf. Pac. 639. *τῶν δὲ συμμάχων ἔσειον τοὺς παχεῖς καὶ πλουσίους*. Vesp. 288. Herod. V. 30.

1140. ἐπιδειπνεῖς] Anglice, you sup off him. Cf. Alex. 242, 2. οὐδὲ τῶν πράσων | ἑκάστοτ' ἐπεδείπνει. Eccl. 1178.

1148. ἐξεμεῖν] Evomere. Cf. Plaut. Curc. V. 3. 10. 'argentum propere propera vomere (evomere?)'.

1150. Cf. Phryn. 62. ἔμει καταμηλῶν· φλέγματος γὰρ εἶ πλέως. Aesch. Fr. 124. καὶ τούσδε κημοὺς στόματος (i. e. δεσμούς). Schol. εἰς τὸ αὐτὴν μόνην τὴν ψῆφον καθίεσθαι (ὥστ' αὐτὴν μόνην καθίεσθαι τὴν ψῆφον?). Arist. Resp. Athen. col. 36. τῷ δὲ χαλκῷ ἐπῆν ἐπίθημα μιᾷ ψήφῳ χώραν ἔχον Poll. VIII. 123.).

1151. ἄπαγ' ἐς μακαρίαν] Cf. Antiph. 245, 1. ἐς μακαρίαν τὸ λουτρόν. Plat. Hipp. 293 A. βάλλ' ἐς μακαρίαν. Theophr. Char. 25. ἄπαγ' ἐς κόρακας.

1153. τρίπαλαι κάθημαι] Cf. Philonid. 8. κατάκειμαι δ' (καίτοι κατάκειμαί γ' bene Hanovius), ὡς ὁρᾶτε, δεκάπαλαι. τρίπαλαι] Cf. τριπέρυσι (Poll. 6, 165).

1155. πρόπαλαι] Confer προπέρυσι.

1158. Cf. Pac. 1061. Alex. 133, 2. Nicomach. 1, 7.

1161. ὑποθεῖν] Cf. Pind. P. 2, 83. ποτὶ δ' ἐχθρὸν ἅτ' ἐχθρὸς ἐὼν λύκοιο δίκαν ὑποθεύσομαι. οὐκ ἐῶ] Veto. Cf. Trag. adesp. 309. Φοίβου ποτ' οὐκ ἐῶντος ἔσπειρεν τέκνα.

1165. προτεραίτερος] Cf. κυντερώτερος (Pher. 106.), ἀμεινότερος (Mimnerm.), χειρότερος (Hom.).

1171. ἔτνος — πίσινον] ἔτνος erat, teste gramm. Bekkeri p. 10., κυάμων ἢ πίσων ἢ ἁπλῶς κατερεικτῶν τινων, ἀθάρη vero πυρῶν ἡψημένων καὶ διακεχυμένων. Confer ἔτνος κυάμινον, Henioch. III. 562.

1179. ἠνύστρου — τόμος] Cf. Mnesim. 4, 14. τόμος ἠνύστρου.

1188. τὰ τρία φέρων καλῶς] Cf. Cratin. 183, 3. οἴμ' ὡς ἁπαλὸς καὶ λευκός. ἆρ' οἴσει τρία; Pherecr. 70.

1205. οὐ γὰρ ἀλλὰ —] Cf. Eupol. 73, 1. τοῦ παραθέντος ἡ χάρις] Phot. τῶν γὰρ ὑστάτων χάρις.

1206. ὑπεραναιδευθήσομαι] Verbum ὑπεραισχύνεσθαι legitur Dromon. com. 1, 1. Cf. v. εὐγενίζειν Philem. 180, 2.

1211. κίστην] Cf. 1216. Ach. 1098. 1137. Vesp. 529. Pac. 666. Th. 284. Pher. 122, 1. κίσταις ἐν ἐμαῖσιν ἀπόκειθ' ἃ μέλλομεν ἀριστήσειν. Eupol. 76.

1219. ἀπέθετο] Anglice, he has put aside for himself. Cf. Machon. Athen. XIII. 580 B. τοὔψον ἀποτιθείσης πᾶν σχεδὸν | τῆς Δεξιθέας. Ach. 156. Lys. 83. Ran. 1278. Av. 826. Nub. 2.

1236. ἐν ταῖσιν εὔστραις κονδύλοις ἡρμοττόμην] Cf. 411. 254. εἰ — κονδύλοις νουθετήσεθ' ἡμᾶς. Lys. 366. Soph. O. C. 908. τούτοισι κοὐκ ἄλλοισιν (νόμοις) ἁρμοσθήσεται.

1242. καί τι καὶ βινεσκόμην] Cf. Antiph. 207, 3. καί τι καὶ μελίσκιον. Soph. Fr. 305. καὶ δή τι καὶ παρεῖκα τῶν ἀρτυμάτων. Thuc. IV. 28. τοῖς δὲ Ἀθηναίοις ἐνέπεσε μέν τι καὶ γέλωτος etc.

Arrian. Anab. VI. 13. 5. *καί τι καὶ ἰαμβεῖον ἐπειπεῖν*. Plut. Cic. 2. *καί τι καὶ ποιημάτιον — αὐτοῦ διασώζεται*.

1243. *οὐκέτ' οὐδέν εἰμ' ἐγώ*] Cf. Ach. 1184. Eur. Alc. 387.

1244. Cf. Aesch. Ag. 505. *πολλῶν ῥαγεισῶν ἐλπίδων μιᾶς τυχών*. Eur. Hel. 277. *ἄγκυρα δή μου τὰς τύχας ὀχεῖ μόνη* (l. *μία*), | *πόσιν ποθ' ἥξειν*. Socrat. ap. Stob. I. 86. *οὔτε ναῦν ἐξ ἑνὸς ἀγκυρίου οὔτε βίον ἐκ μιᾶς ἐλπίδος ὁρμιστέον*. Epist. Hebr. VI. 18. Versus tragici coloris.

1247. *τάριχος*] Vilia erant Athenis salsamenta. Cf. Vesp. 491. *νῦν δὲ πολλῷ τοῦ ταρίχους ἐστὶν ἀξιωτέρα* (*ἡ τυραννίς*).

1253. *νικητήριον*] Sub. *ἆθλον* praemium. Cf. Eur. Fr. 323, 3. *εἰ γὰρ δόλοισιν ἦν τὸ νικητήριον*. Trag. adesp. 459, 2. *ἡσσημένῳ δὲ δόξα νικητήριος*. Versus tragoediam spirans.

1255. Cf. Ach. 77. *οἱ βάρβαροι γὰρ ἄνδρας ἡγοῦνται μόνους* etc.

1262. *Κεχηναίων*] Cf. Eq. 1118. *εὐπαράγωγος εἶ — πρὸς τόν τε λέγοντ' ἀεὶ κέχηνας*. Ran. 990. *τέως δ' ἀβελτερώτατοι κεχηνότες — καθῆντο*. Ideo Athenienses *κεστρεῖς* audiebant (Hesych. h. v.).

1263. *τί κάλλιον —;*] Similiter initium loci Euripidei (Fr. 462.) expressit noster Fr. 109, 1. *Εἰρήνη βαθύπλουτε* etc.

1266. *ἵππων ἐλατῆρας*] Cf. Aesch. Pers. 32. *ἵππων — ἐλατήρ*.

1268. Cf. Hermipp. 35. *θύουσιν ἤδη βοίδια* | *Λεωτροφίδου* (Av. 1406.) *λεπτότερα καὶ Θουμάντιδος*.

1271. Cf. Eur. Fr. 781, 68. *πατρὸς ἴθι πρόσπεσε γόνυ λιταῖς σφαγὰς — ἀρκέσαι σᾶς δειρᾶς*. Achae. Fr. 2. *νῦν οὖν ἡμεῖς ἱκέται θαλλοὺς — τίθεμεν πρὸ ποδῶν τῶν σῶν λῆξαι τῆς — θυσίας*.

1276 sq. Cf. Telecl. II. 371. *ὧν δ' ἕκατι τοῦτ' ἔδωκε καίπερ εὖ εἰδὼς ἐγὼ* | *οὐκ ἐρῶ· φίλος γὰρ ἀνήρ*, etc.

1278. Cf. Hom. Od. 6, 300. *ῥεῖα δ' ἀρίγνωτ' ἐστὶ* etc.

1281. Cf. Eur. Fr. 429, 2. *οὐδὲν φρονεῖ δίκαιον οὐδὲ βούλεται*.

1282. *οὐ γὰρ οὐδ' ἂν ᾐσθόμην*] Cf. Eur. Hipp. 1416. *οὐ γὰρ οὐδὲ γῆς ὑπὸ ζόφῳ —*.

1285. *κασωρίοισι*] Cf. Antiph. 320. *κασωρῖτις* (i. e. *πόρνη*). Nonne *κασωρείοισι* (aut *κασαυρείοισι*) scribendum?

1287. *Οἰωνίχῳ*] Cf. Cratin. 305. Com. adesp. 25. *Οἰωνίχου μουσεῖον*.

1290. Cf. Trag. adesp. 72, 1. *πολλάκι μοι πραπίδων διῆλθε φροντὶς* | *εἴτε τύχα* etc. Schol. Nub. 554.

1293. *φαύλως ἐσθίει*] Cf. Pac. 25. *φαύλως ἐρείδει*. Gallice il mange sans façon.

1295. Cf. Plat. com. 173, 10. *τὸ γὰρ δέμας ἀνέρος ὀρθοῖ* (hexam.). Eur. Fr. 27, 4. *ἀνέρος* (mel.).

1296. *σιπύης*] Cf. Pl. 806. Pher. 142. *ἄρ' ἀράχνι' ὥσπερ ταῖς σιπύαισι ταῖς κεναῖς;*

1304. *ἄνδρα μοχθηρὸν πολίτην*] Cf. Pac. 909. *ἦ χρηστὸς ἀνὴρ πολίτης ἐστὶν* etc. Eupol. II. 467. *ἀνὴρ — ἀγαθὸς — καὶ χρήσιμος*

πολίτης. 471. *ἀνὴρ πολίτης*. 577. Thuc. VIII. 73. 2. *Ὑπέρβολόν τέ τινα τῶν Ἀθηναίων, μοχθηρὸν ἄνθρωπον, ὠστρακισμένον — διὰ πονηρίαν καὶ αἰσχύνην τῆς πόλεως, ἀποκτείνουσι.* *ὀξίνην*] Cf. Vesp. 1082. Hermipp. 92. Philonid. 12. Theophr. H. Pl. IX. 15. 3. IX. 11. 1. Bekk. Anecd. 110, 17.

1305. *δεινὸν — κοὐκ ἀνασχετόν*] Cf. Xenarch. III. 617. *δεινὰ δεινὰ κοὐκ ἀνασχετά*.

1309. *Ναυφάντης τῆς Ναύσωνος*] Cf. Cratin. 349. *Ναύσων Ναυκράτη* (*ἐπὶ τῶν ὁμοίως ἀποδιδόντων ἀλλήλοις*, Suid.).

1310. *ἐκ πεύκης ἐπηγνύμην*] Cf. Eur. Andr. 864. *πευκᾶεν σκάφος*. Confer etiam oppidi nomen *Ναύπακτος*.

1311. *καθῆσθαί μοι δοκεῖ — πλεούσας*] Lege *καθῆσθ' ἡμῖν δοκεῖ — πλεούσας*. Cf. 1313. Vesp. 270. *ἀλλά μοι δοκεῖ στάντας ἐνθάδ' — αὐτὸν ἐκκαλεῖν*.

1312. *ἐπὶ τῶν σεμνῶν | θεῶν*] Cf. Pausan. Ach. 35. *καταφεύγουσιν — ἐπὶ τῶν θεῶν αἳ σεμναὶ καλοῦνται τοὺς βωμούς*.

1313. *ἐγχανεῖται τῇ πόλει*] Cf. Vesp. 1007. *κοὐκ ἐγχανεῖταί σ' ἐξαπατῶν* (*σοὐξ.*?) *Ὑπέρβολος*. 1349.

1316. *εὐφημεῖν δεῖ καὶ στόμα κλείειν*] Cf. Soph. O. C. 131. *ἀφώνως ἀλόγως τὸ τᾶς εὐφάμου στόμα φροντίδος ἱέντες* (f. *κλῄοντες*).

1320. *φήμην ἀγαθὴν*] Cf. Vesp. 865. Av. 1233. *ἀγυιάς*] Cf. Eupol. 390. *ἀγυιᾶς* (*ἀγυιὰς* al.). Est autem Apollo *ἀγυιεὺς ὁ ἐφόδιος*.

1327. *ὀλολύξατε*] Cf. Theocr. XVII. 64. *Κόως δ' ὀλόλυξεν ἰδοῖσα* (prae gaudio)

1329. *λιπαραὶ — Ἀθῆναι*] Cf. Ach. 639. Nub. 300. Av. 826. Pind. Ol. 13, 155. *λιπαρὰ Μαραθών*.

1334. Cf. Herod. VI. 136. *τῆς μάχης τῆς ἐν Μαραθῶνι γενομένης*. VII. 1. 1. *τῆς μάχης τῆς ἐν Μαραθῶνι γενομένης*.

1340. *ὁπότ' εἴποι*] Cf. 1343. Eupol. 94, 2. *ὁπότε παρέλθοι δ'*, etc.

1344. *ἐγώ;*] Cf. Vesp. 1140.

1349. Cf. Soph. O. C. 931. Ant. 281. O. R. 402.

1352. *καταμισθοφορῆσαι*] Cf. *καταφροντίζειν τι* Nub. 857. *κατασικελίζειν* Vesp. 911. *καταμωραίνειν* Antiph. Fr. 239, 2. *καταληρεῖν* Eubul. Fr. 54, 3. *καταριστᾶν* Antiphont. Fr. 79. *καταραθυμεῖν*, etc.

1354. *οὐχὶ κατὰ χώραν μενεῖς;*] Cf. Thuc. VII. 49. 4. *κατὰ χώραν ἔμενον*.

1362. Cf. Alex. 155, 1. *καὶ τοὺς ἁλιέας εἰς τὸ βάραθρον ἐμβαλῶ*.

1367. *τὸν μισθὸν ἀποδώσω 'ντελῆ*] Cf. Thuc. VIII. 83. 2. *ἀνελογίζοντο — ὡς οὔτε μισθὸν ἐντελῆ λάβοιεν —*.

1368. *λισπόπυγοι* Athenienses a comicis appellabantur *διὰ τὸ ἐνδεῶς πυγῶν ἔχειν* (Poll. II. 184.), nempe ob assiduam remigationem.

1373. Lege *οὐδ' ἀγοράσει γ' ἀγένειος*. Cf. Cratin. 239, 2.

μῆλον (ἕκαστος) ἔχων σκίπωνά τ' ἠγόραζον. Com. anon. IV. 620. *ἀγοράζει κλεῖδ' ἔχων.*

1374. De Clisthene cf. Pher. 135. *ἀλλ', ὦ περιστέριον ὅμοιον Κλεισθένει, | πέτου κόμισόν τέ μ' εἰς Κύθηρα καὶ Κύπρον.*

1377. *Φαίαξ*] Cf. Eupol. 7. *ἅπαξ ποτ' ἐν Φαίακος ἔφαγον καρίδας.*

1378. Cf. Lucian. Nigr. 8. *τὰ μὲν ἀτάκτως συνείρων.* "Die Vorliebe für diese Adjectiva auf *-ικός* (Wo. 1172) scheint Phäax und noch mehr die ihn bewundernden Jüngelchen übertrieben zu haben. In geringerem Maasse findet sie sich z. B. auch Xen. Oek. 12, 19. (*ἐπιμελητικός, ἐφορευτικός, ἐξεταστικός*), Denkwürdigk. I. 1. 7. und I. 2. 5. (*τεκτονικός, χαλκευτικός, γεωργικός, ἀρχικός, λογιστικός, οἰκονομικός, στρατηγικός, θρυπτικός, ἀλαζονικός*). Bei Hippocr. über Wohlanständ. p. 68. (Kühn) finden sich eng bei einander *ὁμιλητικοί, σιγητικοί, ἐνθυμηματικοί, καρτερικοί, ληματικοί, ὑπομονητικοί.*" (Kock) Legendum *συνερτικός* (a *συνείρειν*).

1381. Valet autem *καταδακτυλίζειν τὸ ἅπτεσθαι τῆς πυγῆς δακτύλῳ.* Bekk. Anecd. 48, 23. Eodem fere sensu *σκιμαλίζειν* et *σιφνιάζειν* (Hesych. h. v.).

1384. *ὀκλαδίαν*] Cf. Soph. O. C. 196. *βραχὺς ὀκλάσας.* Pher. 75. *ὀκλὰξ καθημένη.*

1385. Cf. Av. 569. Lys. 661. Herod. VI. 32. *ἐνόρχιας.*

1390. Cf. Menand. IV. 175. *ὦ Ζεῦ πολυτίμηθ', οἷόν ἐστ' ἐλπὶς κακόν.* Av. 667. Fr. 303, 1.

1392. *πῶς ἔλαβες αὐτὰς —;*] Cf. Pac. 84. *οὐ γὰρ —;*] Cf. Vesp. 836. Soph. Aj. 318.

1399. *κύνεια*] Sc. *κρέα.* Cf. Pher. 45, 3. *ἄρνειον κρέας.* 82, 2. *βόεια — κρέα.* Sic *ἐγχέλεια, ἐρίφεια, ὀρνίθεια, χήνεια, ἐμβρύεια, ἄρνεια, ὕεια, δελφάκεια, βόεια, μόσχεια, νεβρεια, μήλεια, αἴγεια, λαγῷα (λαγώεια)*, etc.

1405. *φαρμακός*] Cf. Ran. 733. Pl. 454. Fr. 634 K. Eupol. 117, 8. *νυνὶ δ' ὅποι τύχοιμεν | στρατευόμεσθ' αἱρούμενοι καθάρματα στρατηγούς.*

1407. *ὡς ἐπὶ τὴν τέχνην*] Cf. Soph. Phil. 58. *πλεῖν δ' ὡς πρὸς οἶκον.* Thuc. IV. 38. *τἄλλα διεσκευάζοντο ὡς ἐς πλοῦν.*

LYSISTRATA.

Arg. *εἰσῆκται δὲ διὰ Καλλιστράτου*] Fort. *εἰσήχθη* —. Cf. schol. ad 173. *Καλλίου ἄρχοντος, ἐφ' οὗ εἰσήχθη τὸ δρᾶμα.* Sed schol. Ran. 53. *ἡ γὰρ Ἀνδρομέδα ὀγδόῳ ἔτει προεισῆκται.*

Pers. Nomen proprium *Μυρρίνη* legitur Timocl. com. III. 608.

1. *ἐς Βακχεῖον*] Ad Bacchi templum. Cf. *Ἰακχεῖον* (Plut. Arist. 27.), *Ἡρακλεῖον, Ἡφαιστεῖον, Θησεῖον, Ποσειδεῖον*, etc. Nisi

significat potius Bacchi festum. *Βακχεῖον* significat orgia Bacchica Eur. Phoen. 21. Pluralis est Ran. 357. *γλώττης βακχεῖα.* et Plut. comp. Dem. et Anton. 2. *κοιμίζων τοὺς θιάσους καὶ τὰ βακχεῖα καταπαύων* (*Δημήτριος*). Cf. Theophr. Char. 27. *κἂν που κληθῇ εἰς Ἡρακλεῖον, — τὸν βοῦν αἱρεῖσθαι* (l. *αἴρεσθαι*), *ἵνα τραχηλίσῃ.*

2. *Κωλιάδος*] Cf. Nub. 52. [Lucian.] Amor. 42. *Κωλιάδας — καὶ Γενετυλλίδας ἢ τὴν Φρυγίαν δαίμονα.* Herod. VIII. 96. *ἐπὶ τὴν ἠϊόνα τὴν καλεομένην Κωλιάδα.* Sic *περὶ Σηπιάδα* (sc. *ἄκρην*) Herod. VII. 190. Cf. etiam *Σκιρὰς*, Athenae cognomen (Phot.). Schol. (*φασι* G. Pors.) ibid. (*δεῖν* Suid.).

8. *τοξοποιεῖν* —] I. e. *συνάγειν*, Nub. 582. Pl. 756. Anglice, to arch. Cf. Alciphr. III. 19. *δριμὺ βλέπει καὶ τοξοποιεῖ τὰς ὀφρῦς.*

9. *κάομαι* —] Cf. Pind. P. IV. 389. *καίεσθαί τινος*, Hermesianact. 5, 37.

13. Cf. Thuc. VII. 18. *εἰρημένον ἐν ταῖς πρότερον ξυνθήκαις ὅπλα μὴ ἐπιφέρειν — οὐχ ὑπήκουον.* Infra 422. *δέον.* Vesp. 1288. *μέλον.* Pl. 910. *προσῆκον.* Thuc. I. 125. *δεδογμένον.* V. 30. *εἰρημένον.*

14. *βουλευομένοισιν*] Accusativus est Thuc. VI. 67. *οἷς εἴρητο — ἐφορῶντας παραγίγνεσθαι.*

16. *γυναικῶν ἔξοδος*] Cf. Dem. p. 1182. *ἐξόδους λαμπρὰς ἐξιοῦσαν* (*ἑταίραν*). Lucian. Amor. 42. Theophr. Char. 22. Epich. Fr. 139, 4. *αἳ δέ κα φιλέξοδόν τε καὶ λάλον καὶ δαψιλῆ* (*λάβῃς γυναῖκα*), etc. Aesch. Suppl. 764. *οὔτοι ταχεῖα ναυστόλου στολὴ στρατοῦ.*

17. *περὶ τὸν ἄνδρ' ἐκύπτασεν*] Cf. ad Nub. 509. *κυπτάζεις — περὶ τὴν θύραν.* Pac. 731. *περὶ τὰς σκηνὰς — κυπτάζειν.* Plat. Pol. 469 D. *ὅταν περὶ τὸν τεθνεῶτα κυπτάζωσι.*

19. *ἐψώμισεν*] Cf. Eq. 715. *ἐπίσταμαι γὰρ αὐτὸν οἷς ψωμίζεται.* Th. 692.

20. *προυργιαίτερα*] Cf. Eccl. 784. *ἔα με τῶν προύργου τι δρᾶν.* Pl. 623. Plat. Gorg. 458. *προυργιαίτερόν ἐστι.* Thuc. III. 109. *προυργιαίτερον ποιεῖσθαί τι.* Dinarch. p. 104, 44. *προυργιαιτέρα χάρις.*

22. *ἐφ' ὅ τι*] Cf. 481. 1101.

23. Cf. Eccl. 1048. *εἰς ἑσπέραν | μεγάλην ἀποδώσω καὶ παχεῖάν σοι χάριν.* Pac. 1348. Ach. 787.

24. *καὶ νὴ Δία παχύ*] Ultima in *Δία* est in ictu, ut in Nub. 817. *μὰ τὸν Δία τὸν Ὀλύμπιον.* Cf. 52. 102. Eq. 1159. Nub. 884. (Th. 1049.). *κᾆτα πῶς —;*] Cf. Fr. 345, 1 K. *κἄπειτα πῶς | φῴδας τοσαύτας εἶχε —;*

26 sq. Cf. ad Eq. 1290. Ran. 931. Nub. 75.

31. Cf. Fr. 198, 11. *ὡς σφόδρ' ἐπὶ λεπτῶν ἐλπίδων ὠχεῖσθ' ἄρα.* Trag. adesp. 55. *λεπτή τις ἐλπίς ἐστ' ἐφ' ἧς ὀχούμεθα.* Aesch. 99, 22. *λεπτὴ γὰρ ἐλπὶς ἥδε.* Herod. VII. 188. *ὥρμεον — ἐπ' ἀγκυρέων.* Thuc. V. 103. *ἀσθενεῖς τε καὶ ἐπὶ ῥοπῆς μιᾶς* (l. *μικρᾶς*) *ὄντες.* Plat. Legg. III. 699 B. *ἐπὶ δὲ τῆς ἐλπίδος ὀχούμενοι ταύτης.* Dem. de Cor. 281. *οὐκ ἐπὶ τῆς αὐτῆς ὁρμεῖ τοῖς ἄλλοις.*

32 sq. Cf. Eur. Iph. T. 1057. *καὶ τἄμ' ἐν ὑμῖν ἢ καλῶς ἔχειν ἢ μηδὲν εἶναι καὶ στερηθῆναι πάτρας.* Herod. VI. 109. *ἐν σοὶ νῦν ἐστι ἢ καταδουλῶσαι 'Αθάνας ἢ* etc. Lys. p. 178, 4. *ὁπόταν ἐν χρήμασιν ᾖ καὶ σωθῆναι τῇ πόλει καὶ μή.* Lucian. Pisc. 23. *ἐν σοὶ τὰ πάντα ἡμῶν νῦν κινδυνεύεται ἢ σεμνότατα δόξαι ἢ τοιαῦτα πιστευθῆναι οἷα οὗτος ἀπέφηνε.* Heliod. I. 2. *ἐν σοὶ τὰ ἐμὰ — σώζεσθαί τε καὶ μή.* VII. 21.

32. *ὡς*] Cf. 499. Nub. 209. 326. et ad Ach. 335. 499. *τῆς πόλεως τὰ πράγματα*] Cf. Pl. 919. *πράγματα τὰ τῆς πόλεως.* Eq. 130. *ὃς πρῶτος ἕξει τῆς πόλεως τὰ πράγματα.*

36. *ἄφελε τὰς ἐγχέλεις*] Cf. Pac. 454. *ἄφελε τὸ παιών, ἀλλ' ἰὴ μόνον λέγε.*

37. *οὐκ ἐπιγλωττήσομαι*] I. e. *οὐ βλασφημήσω* (Phot.). Cf. Aesch. Prom. 928. *σὺ θὴν ἃ χρήζεις, ταῦτ' ἐπιγλωσσᾷ Διός* (*Διί*?). Cho. 1046. *μηδ' ἐπιγλωσσῶ κακά.*

38. *ὑπονόησον*] Cf. 1234. Pl. 361. Alex. 267, 6. *οὐ δείξας σαφῶς | ποίας, ἐάσας δ' ὑπονοεῖν εἰς* (l. *ὑπονοῆσαι*) *τοὔνομα.* Eur. Iph. A. 1132. *ὑπονοεῖς ἃ μή σε χρή.*

42. Cf. 830. *πόλλ' ἂν αἱ γυναῖκες ἡμεῖς ἐν δίκῃ μεμψαίμεθ' ἄν.* Ach. 753. *τί δ' ἄλλο πράττεθ' οἱ Μεγαρῆς νῦν;* 1184. *ὅπως ἂν αἱ γυναῖκες ὑμᾶς — ξενίσωμεν* etc. Av. 1581. *τὸν ἄνδρα χαίρειν οἱ θεοὶ κελεύομεν.* Eupol. 221. *οὐδέν ἐσμεν οἱ σαπροί.* Alex. 116, 13. *εἶθ' οἱ μὲν εὐποροῦμεν, οἱ δ' ἀλύομεν.* Apollod. 7, 3. *ἀλλὰ μέγα τοῦθ' οἱ πατέρες ἠλαττώμεθα.* Apollod. Car. 10. *οἱ γὰρ ἀτυχοῦντες τὸν χρόνον κερδαίνομεν* etc. Posidipp. 28, 3. *οἱ δ' Ἕλληνες ἑλληνίζομεν.* Eur. Fr. 21, 6. *ἃ δ' οἱ πλουτοῦντες οὐ κεκτήμεθα,* etc. Eur. Med. 231. *γυναῖκές ἐσμεν ἀθλιώτατον φυτόν* (l. *φῦλον ἀθλ.*). Eur. Fr. 25, 2. *γέροντες οὐδέν ἐσμεν ἄλλο πλὴν ὄχλος.* Fr. 432. *ἐβλάστομεν γυναῖκες πολὺ δυσμαχώτερον* (*πυρός*). Patrocl. trag. 1, 3. *τί δῆτα θνητοὶ πόλλ' ἀπειλοῦμεν μάτην —;* Simonid. Amorg. Fr. 1, 3. *ἐφήμεροι | ἃ δὴ βότ' αἰεὶ ζῶμεν.* Stratt. 47, 1. *ξυνίετ' οὐδὲν πᾶσα Θηβαίων πόλις.*

43. *ἐξηνθισμέναι*] Fucatae. Anglice, painted, got up.

45. *ὀρθοστάδια*] Tunicae rectae talares. Cf. Dion. Chrys. 63, 17. Subaudiendum *φοροῦσαι.* Nisi quidem legendum *τί — καὶ περιβαρίδας; περιβαρίδας*] Cf. 48. 53. Poll. VII. 92. *περιβαρίς· θεραπαινίδων μᾶλλον τὸ ὑπόδημα.*

46. Cf. 888. Nub. 1499. *τοῦτ' αὐτὸ γὰρ καὶ βούλομαι.* Th. 81. Ran. 73. Eq. 180. 1281. Xen Mem. III. 5. 19. *τοῦτο γάρ τοι, ἔφη, καὶ θαυμαστόν ἐστι, τὸ* etc. 47. *κροκωτίδια*] Cf. Eccl. 332.

48. *διαφανῆ χιτώνια*] Cf. Nub. 767. Philem. 81. *ἱμάτια διαφαίνοντα.* Men. 727, 1. *διαφανὲς | χιτωνάριον ἔχουσα.* Com. adesp. 338, 1. *χλανίσι δὲ διαφανέσι* (*τε*) *περιπεπεμμένοι — ὄζοντες μύρον* (47). Athen. p. 198 C. *κροκωτὸν διαφανῆ.* Clem. Alex. III. 3. *χλανίσι διαφανέσι.* Etym. M. p. 746, 15. *Ταραντινόν: λεπτὸν καὶ*

διαφανὲς ἱμάτιον. Poll. VII. 54. *ἐκαλεῖτο δὲ καὶ ὁ τῶν παρθένων οὕτω χιτωνίσκος, οὓ παραλύσασαι ἄχρι τινὸς τὰς πτέρυγας* (cf. Fr. 312.) *ἐκ τῆς κάτω πέξης παρέφαινον τοὺς μηρούς.* Unde nomen *φαινομηρίς.* *χιτώνια*] Vestimentum muliebre erat *τὸ χιτώνιον* teste Polluce VII. 54. Cf. 150. Ran. 411. Eccl. 268. 374. Pl. 984.

50. *αἴρεσθαι δόρυ*] Cf. Soph. O. C. 424. *κἀπαναίρονται δόρυ.* Eur. Her. 314. *εἰς (ἐπὶ?) γῆν ἐχθρὸν αἴρεσθαι δόρυ.*

52. *ἀσπίδα λαβεῖν*] Cf. Pac. 438. De caesura cf. Nub. 884. *ὃς τἄδικα λέγων ἀνατρέπει τὸν κρείττονα.* Fr. 309 D.

53. Cf. Av. 598. *κτῶμαι γαῦλον καὶ ναυκληρῶ.*

55. *πετομένας*] Cf. 321. Fr. 13 D. *ταχύ νυν πέτου.* Epicr. 2, 21. *ἐξέρχεται δὲ πανταχόσ' ἤδη πετομένη.*

59. *οἶδ' ὅτι*] Cf. 764. *ἀργαλέας γ' εὖ οἶδ' ὅτι | ἄγουσι νύκτας.*

60. *κελήτων*] Cf. Ephipp. com. III. 323. *πέντε κέλητας πεντεσκάλμους.* Plat. com. II. 675. *ἧρῳ Κέλητι δέρμα.* *διαβεβήκασ'*] Cf. Arist. H. A. V. 2. *ὀχεύεται ἡ θήλεια — διαβαίνουσα.* *ὄρθριαι*] Cf. Theogn. 863. *ἑσπερίη τ' ἔξειμι καὶ ὀρθρίη αὖτις ἔσειμι.* Soph. Fr. 445. *ἑωθινὸς — εἶδον* etc.

61. Cf. Aesch. c. Ctes. 78. *οὐδέ γε ὁ ἰδίᾳ πονηρὸς οὐκ ἄν ποτε γένοιτο δημοσίᾳ χρηστός.*

63. *ἡ — Θεογένους*] Scilicet Acharnensis fuit Theogenes, ut docet schol. Vesp. 1178.

64. *θοὐκάτειον*] Eadem crasis est in *θοὔρμαιον* Soph. Ant. 397. similis in *θοὔδατος* infra 370. *θοὐμόφυλον* Eur. Iph. T. 346. et *θᾀδώλια* Cycl. 238. *Ἑκάτειον*] Cf. Vesp. 804. Ran. 366.

65. Cf. 77. Av. 1414. *ὅδ' αὖ μινυρίζων δεῦρό τις προσέρχεται.* Eq. 1196. *ἐκεινοὶ γὰρ ὡς ἔμ' ἔρχονταί τινες | πρέσβεις* etc. Euphron. 10, 15. *οὑτοσὶ | προσέρχεθ' ὁ γέρων.*

67. *Ἀναγυρουντόθεν*] Legitur etiam Archipp. com. II. 719. *Ἀνάγυρος* (*Ἀναγυροῦς?*) pagus fuit Atticus, cujus incolae *Ἀναγυράσιοι* (Plat. com. II. 668.), ita vocatus ab herba *ἀνάγυρος.* Confer *Μυρρινοῦς, Ῥαμνοῦς, Ἐρεικοῦσσα, Πιτυοῦσσα,* etc. V. schol. Plut. 586.

69. Cf. Herod. IX. 77. *ὕστεροι ἧκουσι τῆς συμβολῆς.*

70. *τί φῄς; τί σιγᾷς;*] Cf. Th. 144. Soph. Phil. 805. 951. Eur. Fr. 1008. *οὐκ ἐπαινῶ Μυρρίνην*] Cf. Th. 1213. *οὐκ ἐπαινῶ γράδιο.* Nomen *Μυρρίνη* legitur Timocl. 25, 3. *Φρύνη, Πυθιονίκη, Μυρρίνη.* *Μυρρίνη* Hippiae uxoris nomen fuit. V. Thuc. VI. 55. Myrrhinae meretrices memorantur Athen. XIII. 567 F. 590 C. 593 A.

72. *ζώνιον*] Neque *ζώνιον* neque *ζώνη* alibi apud comicos reperitur. Eortasse aliud quid latet.

73. *εἴ τι πάνυ δεῖ*] Si omnino res urget. Cf. 1219. *εἰ δὲ πάνυ δεῖ τοῦτο δρᾶν.*

77. Cf. Vesp. 1324. *ὁδὶ γὰρ καὶ δὴ σφαλλόμενος προσέρχεται.* *Λαμπιτὼ* meretrix Samia memoratur Athen. XIII. 593 E. Eadem *Λαμπετὼ* dicitur Diog. L. V. 76. et Hesych. Miles. p. 16. Orell.

78. *Λάκαινα*] Cf. 140. 1298. Fr. 3, 3. Theogn. 1002. *Λάκαινα κόρη*.

80. *εὐχροεῖς*] Cf. Telecl. 26. *εὐχροεῖν, ὀρνιθοθηρᾶν, σωφρονεῖν*. Xen. Cyr. VIII. 1. 41. *καὶ ἐντρίβεσθαι ὡς εὐχροώτεροι ὁρῷντο ἢ πεφύκασιν*. *σφριγᾷ*] Cf. Aesch. Prom. 380. Eur. Suppl. 478. Com. anon. IV, 654. Achae. trag. 4, 2. *φαιδίμους βραχίονας | ἥβῃ σφριγῶντας*.

81. *οἰῶ*] Cf. 156. 998. 1256. Epilyc. com. 3, 1. *ποττὰν κοπίδ', οἰῶ, σῶμαι*.

82. Cf. Olympiod. in Plat. Alc. I. 166. *ἀλλὰ καὶ φιλογυμναστίαν ἤσκουν παρὰ τὸν Εὐρώταν κοινῶς ἄνδρες (καὶ γυναῖκες) γυμναζόμενοι*. Eur. Andr. 595.

83. *καλὸν τὸ χρῆμ' ἔχεις τῶν τιτθίων*] Cf. 1085. *ἀσκητικὸν τὸ χρῆμα τοῦ νοσήματος*. Av. 826. *λιπαρὸν τὸ χρῆμα τῆς πόλεως*. Fr. 57. *ὦ Ζεῦ, τὸ χρῆμα τῆς νεολαίας ὡς καλόν*. Vesp. 933. et ad Ach. 150. Ran. 1278. Eq. 1219. Nub. 2.

86. *πρέσβειρα*] Cf. *σώτειρα, πίειρα*. Ach. 883. Eur. Iph. T. 963.

89. Cf. Pher. II. 299. *ἡβυλλιῶσαι καὶ τὰ ῥόδα κεκαρμέναι*.

90. *χαΐα*] I. e. *ἀγαθή*, ut explicat Hesychius. Theocr. VII. 4. *αἴ τι περ ἐσθλὸν | χαῶν (χάων?) τῶν ἐπάνωθεν*.

93. *ξυναλίαξε*] Cf. Hesiod. Op. 493. *ἐπ' ἀλέα λέσχην*. Eur. Herc. 412. *ἀγορὰν ἁλίσας φίλων*. Cf. v. *συναλίζειν* eodem sensu, Herod. I. 176. II. 111. V. 15. 102. VII. 13.

94. *ἤδ' ἐγώ*] Cf. Ach. 911. *ἐγὼ τοίνυν ὁδὶ* etc. 313. Pl. 868. *μύσιδδέ τοι*] Lege *μύσιδδέ νυν*. Cf. 1076. Theocr. X. 58. *πρέπει λιμηρὸν ἔρωτα | μυθίσδεν τᾷ ματρὶ* etc.

100. *ἐπὶ στρατιᾶς*] Cf. Vesp. 557.

102. *ὁ γοῦν ἐμὸς*] Cf. Nub. 885. *τὸν γοῦν ἄδικον*. *τάλαν*] Ad feminam. Cf. Eccl. 124. Ran. 559, Machon. ap. Athen. XIII. 578 E.

103. *Εὐκράτη*] Nec Eucratem Melitensem nec Niciae fratrem hic dici censet Bergkius (Mein. Fr. Com. II. 1003.), sed tertium aliquem, qui Antiochidis fuit tribus illoque ipso tempore in Thracia obiit, huc referens titulum apud Boeckh. C. J. I. 171. (quem ad hunc ipsum Calliae annum pertinere contendit) ubi inter milites qui ex tribu Antiochide mortui sunt commemoratur *ἐπὶ Θρᾴκης Εὐκρατης*.

105. *ταγᾶς*] Hinc *ταγοῦχος* (ᾰ) Aesch. Eum. 296.

107. *φεψάλυξ*] Cf. Archil. Fr. 61. *πυρὸς δὲ ἦν αὐτῷ φεψάλυξ*.

109. *ὄλισβον*] Cf. 309, 13. Cratin. 316. *μισηταὶ δὲ γυναῖκες ὀλίσβοισιν χρήσονται*. *ὀκτωδάκτυλον*] I. e. *δοχμὰ δύο μακρόν*. Erat enim *δοχμὴ τὸ τετραδάκτυλον* (Eust. 1291, 45.). Eur. Fr. 913. *τριδάκτυλον — ξύλον πεύκινον*.

110. *σκυτίνη 'πικουρία*] Longe alio sensu Strattis 54. *Σαννυρίωνος σκυτίνην ἐπικουρίαν*. Cf. Liban. Epist. 613. *συκίνην — ζητοῦντες ἐπικουρίαν*.

113. Cf. Thuc. VIII. 81. *ὑπεδέξατο — μὴ ἀπορήσειν αὐτοὺς τροφῆς, οὐδ' ἢν δέῃ τελευτῶντα τὴν ἑαυτοῦ στρωμνὴν ἐξαργυρίσαι.*

114. *ἐκπιεῖν*] Joco inexspectato pro *ἐξαργυρίσαι* videtur dictum.

115. *ὥσπερεὶ ψῆτταν*] Cf. Nub. 1358. *ὥσπερεὶ κάχρυς γυναῖκ' ἀλοῦσαν. Ψῆτται Ἀττικαὶ* memorantur Clem. Alex. Paed. II. 1. 3. et *ψῆτται ἐξ Ἐλευσῖνος* Poll. VI. 63.

116. *θἤμισυ*] Cf. Th. 452. *παρταμοῦσα*] Cf. 132. Alex. III. 462. *τυροῦ Κυθνίου τροφαλίδα χλωρὰν παρατεμών.* Cf. vv. *παρατρώγειν, παρεσθίειν, παρασχίζειν* (Herod. II. 86. Epich. Athen. 309 E. Alex. 133, 4.).

117. *καί κα — ἔλσοιμ'*] Cf. Ach. 798. *καί κ' ἄνις γα τῶ πατρός. Ταΰγετον*] Cf. 1297. Theogn. 879. *κορυφῆς ὕπο Τηυγέτοιο.* Herod. IV. 146. *ἐς τὸ Τηΰγετον.*

118. *ὅπα*] Dorice pro *ὅπως*, ut in v. 1080.

123. Cf. Pl. 216. *ἐγὼ γὰρ —, κἢν δῇ μ' ἀποθανεῖν, | αὐτὸς διαπράξω ταῦτα.*

124. Cf. Xen. Mem. II. 6. 2. *οὐκοῦν ἀφεκτέον καὶ τούτου;*

125. Cf. Trag. adesp. 99. *ποῖ μεταστρέφεσθ' —;*

128. *ἢ τί μέλλετε;*] Sub. *δρᾶν.* Nisi sententia potius est, aut cur cunctamini? Cf. Aesch. Sept. 183. *ἤκουσας ἢ οὐκ ἤκουσας; ἢ κωφῇ λέγω;* Ag. 1194 sq.

129. Cf. Eq. 673. *νυνὶ περὶ σπονδῶν; — οὐ δεόμεθα σπονδῶν· ὁ πόλεμος ἑρπέτω.*

130. Cf. Pl. 99.

131. *ὦ ψῆττα*] Cf. Nub. 1298. *ὦ σαμφόρα.* Plat. com. 106, 2. *καὶ Γλαυκέτης ἡ ψῆττα.*

133. *κἤν με χρῇ, —*] Cf. Eq. 1307. *ἀλλ', ἐάν με χρῇ, | — ἐνταῦθα καταγηράσομαι. διὰ τοῦ πυρὸς*] Cf. Posidipp. 1, 10. *ὧν εἷς οὑτοσὶ | διὰ τῶν μαχαιρῶν τοῦ πυρός τ' ἐλήλυθεν.* Eupol. 162. Apostol. VI. 2. Ovid. Met. VIII. 76. 'Ire per ignes, per gladios ausim.' Eur. Andr. 489. *διὰ γὰρ πυρὸς ἦλθ' ἑτέρῳ λέχει.* Xen. Symp. 4, 16. *ἐγὼ γοῦν μετὰ Κλεινίου κἂν διὰ πυρὸς ἰοίην.* Oecon. 21, 7.

134. *μᾶλλον τοῦ πέους*] Potius quam propositum tuum de pene (i. e. de abstinendo ab eo). Cf. ad Av. 987. *καὶ φείδου μηδὲν μηδ' αἰετοῦ ἐν νεφέλῃσι.* Similiter ludit in voce *κύων* in Eq. 1029.

135. Cf. ad Av. 966. Xen. Mem. III. 4. 3. *μὰ Δί', ἔφη, ἀλλ' οὐδὲν ὅμοιόν ἐστι* etc. Schol. *ἀντὶ τοῦ κωλῦον* (*κάλλιον* T. Halbertsma).

136. *τί δαὶ σύ;*] Cf. Av. 136. Ach. 803. Ran. 1454.

137. *παγκατάπυγον*] Cf. *παγκατάρατος* 588. et *λακαταπύγων* Ach. 664. Qu. *λακατα —. θἠμέτερον*] Eadem crasis est infra 592.

139. Cf. Ran. 227. *οὐδὲν γάρ ἐστ' ἀλλ' ἢ κοάξ. σκάφη*] Navigia. A *σκάφος.* "Sophocleum drama respici verissime intellexerunt grammatici, ipsum locum Sophoclis ignorabant: quem for-

tasse servavit Stobaeus Flor. 98, 1. ὡς οὐδέν ἐσμεν πλὴν σκιαῖς ἐοικότες (Fr. 860.)." Nauck. ad Soph. Fr. 591. Schol. καθεῖσαν (l. ἐκθεῖσαν) τὰ τέκνα. Ibid. εἰς σκάφῃ (εἰς σκάφην Bergl. ἐν σκάφῃ recte Nauck.).

142. χαλεπὰ] Sic ἄφατα in Laconis sermone 1080. Cf. Thuc. VII. 44. χαλεπὰ ἦν ὑπὸ τῆς βοῆς διαγνῶναι. V. 14. 3. ἀδύνατα εἶναι ἐφαίνετο — πολεμεῖν. VII. 43. 2. ἀδύνατα ἐδόκει εἶναι λαθεῖν. Herod. I. 91. τὴν πεπρωμένην μοίρην ἀδύνατά ἐστι ἀποφυγέειν καὶ θεῷ. VI. 106. Sed ἀδύνατον IX. 106.

143. ψωλᾶς] Cf. 979. 963. Av. 560. μόνας] Solas, conjungendum cum ὑπνῶν.

144. ὅμως γα μὰν] Cf. Nub. 631. ὅμως γε μὴν | αὐτὸν καλῶ θύραζε. 822. ὅμως γε μὴν πρόσελθ'.

148. πολύ] Cf. ad Nub. 1335.

149. ἐντετριμμέναι] Cf. Eccl. 732. ὅπως ἂν ἐντετριμμένη κανηφορῇ. Lucian. 17, 33. φῦκος ἐντετριμμένον. Clem. Alex. Paed. III. 2. 7. ψιμυθίῳ τὰς παρειὰς ἐντριβόμεναι. III. 2. 9. τὰ ἐντρίμματα καὶ αἱ βαφαὶ νοσοῦσαν ἐν βάθει τὴν ψυχὴν αἰνίττονται. Xen. Oecon. 10, 2. ἐντετριμμένη ψιμυθίῳ. Lucian. Hist. conscr. 8. ἐντετριμμένη ψιμύθιον τῷ προσώπῳ (ψιμυθίῳ τὸ πρόσωπον?). Dial. Deor. 20, 10. ἐντετριμμένη χρῶμα. Alex. III. 423. παιδέρωτ' ἐντρίβεται. Xen. Cyr. VIII. 8. 20. ὑποχρίουσί τε καὶ ἐντρίβουσιν. VIII. 1. 41. καὶ ὑποχρίεσθαι δὲ τοὺς ὀφθαλμοὺς προσίετο ὡς εὐοφθαλμότεροι φαίνοιντο ἢ εἰσί, καὶ ἐντρίβεσθαι, ὡς εὐχροώτεροι ὁρῷντο ἢ πεφύκασιν.

150. ἀμοργίνοις] Cf. 735. 737. Eupol. 241. Antiph. 153. χιτὼν ἀμόργινος. Aeschin. 14, 3. τὰ ἀμόργινα (ἱμάτια). Clearch. apud Athen. 255 E. ἀμόργινον κάλυμμα. Hesychius, Ἀμόργινα: λεπτοϋφῆ ἐνδύματα. οὔρια θεῖτε] I. e. οὐριοδρομεῖτε.

151. δέλτα] Angl. in delta fashion. Cf. ad Av. 806. Th. 838. Eccl. 724. κατωνάκην τὸν χοῖρον ἀποτετιλμένας. Recte additur articulus supra 89. κομψότατα τὴν βληχώ γε παρατετιλμένη.

154. εὖ οἶδ' ὅτι] Cf. 100. 764. Ran. 600. ταῦτ' ἀφαιρεῖσθαι πάλιν πειράσεταί μ' εὖ οἶδ' ὅτι.

156. Cf. Ran. 409. καὶ γὰρ παραβλέψας τι etc. 815. οἰῶ] Cf. 998. ἄρχεν, οἰῶ, Λαμπιτώ. ἐξέβαλ' — τὸ ξίφος] Anglice let fall his sword. Cf. Theocr. XXII. 198. ὁ δὲ πλαγεὶς ξίφος ἔκβαλεν. Th. 401. ἢν ἐκβάλῃ | σκεῦός τι. Vesp. 1289.

158. κύνα δέρειν —] I. e. ὀλίσβοις χρῆσθαι. δεδαρμένην] Cf. Plat. com. II. 675. ἤρῳ κέλητι δέρμα καὶ θυλήματα. et ad Fr. 336. Corrupte Hesych. Δορυαλλός: τὸ τῶν γυναικῶν μόριον, ἀπὸ τοῦ δέρειν etc. Diogenian. VI. 85. Κύνα δέρειν δεδαρμένην: ἐπὶ τῶν μάτην τι ποιούντων. Schol. ἐπὶ τῶν ἄλλως (ἄλλα Bergler. qu. κακὰ) πασχόντων.

159. *φλυαρία —*] Cf. 860. Plat. Gorg. 486 C. *εἴτε ληρήματα — εἴτε φλυαρίας.* Aristid. T. II. p. 174. *πάντα δ' εἶναι φλυαρίαν πρὸς ἐκεῖνον. Δεδαρμένος* a *δείρω*, ut *πεπαρμένος* a *πείρω, κεκαρμένος* a *κείρω.* *φλυαρία*] Cf. Nub. 365. *τἄλλα δὲ πάντ' ἐστὶ φλύαρος.* *τὰ μεμιμημένα*] Cf. Herod. II. 78. *νεκρὸν — ξύλινον μεμιμημένον ἐς τὰ μάλιστα καὶ γραφῇ καὶ ἔργῳ.* 86.

160. *δωμάτιον*] Cubiculum. Cf. Eccl. 8. Fr. 84. Aristaen. II. 14. Theophr. Char. 13. *ἡ μήτηρ ἤδη καθεύδει ἐν τῷ δωματίῳ.*

161. *ἀντέχου σὺ τῶν θυρῶν*] Cf. Ach. 1121. Men. IV. 232. *ἀντέχου τῶν σχοινίων.*

162. *παρέχειν*] Cf. 362. *στᾶσ' ἐγὼ παρέξω.*

166. *τῇ γυναικὶ συμφέρῃ*] Cf. Soph. El. 1465. *νοῦν ἔσχον ὥστε συμφέρειν τοῖς κρείσσοσιν.* Eur. Med. 13. *πάντα ξυμφέρουσ' Ἰάσονι.*

167. Cf. Av. 811. *ταῦτα κἀμοὶ ξυνδοκεῖ.* 1630. Plat. Symp. 177. *εἰ οὖν ξυνδοκεῖ καὶ ὑμῖν* etc. Lucian. Jup. Trag. 5. *κἀμοὶ ταῦτα ξυνδοκεῖ ἅπερ καὶ τούτῳ.*

169. Cf. ad Av. 632. Thuc. V. 18. *ἐμμενῶ ταῖς ξυνθήκαις ταῖσδε δικαίως καὶ ἀδόλως.* 23. *ταῦτα δ' εἶναι δικαίως καὶ προθύμως καὶ ἀδόλως.* 47. *ἐμμενῶ τῇ ξυμμαχίᾳ δικαίως καὶ ἀβλαβῶς καὶ ἀδόλως.* 18. *ἔτη δὲ εἶναι πὰς σπονδὰς πεντήκοντα ἀδόλους καὶ ἀβλαβεῖς.*

170. *τὸν — ῥυάχετον*] Cf. Vesp. 666. *τὸν Ἀθηναίων κολοσυρτόν.*

172. *τά γε παρ' ἡμῖν πείσομες*] Cf. 243. *τὰ παρ' ὑμῶν εὖ τίθει.*

173. Cf. Epich. Fr. 10. *ἅς κά μ' ἄκρατος οἶνος ἀμφέπῃ φρένας.*

179. *δοκούσαις*] Cf. 14. Eq. 1312. et ad Eccl. 1155. Vesp. 270. Herod. V. 71. *καταλαβεῖν τὴν ἀκρόπολιν ἐπειρήθη.*

180. *λέγεις καλῶς*] Cf. 184. *καλῶς λέγεις.*

181. Cf. Vesp. 213. Fr. 77. *τί οὐκ ἐκέλευσας παραφέρειν τὰ ποτήρια;*

183. *πάρφαινε*] Subindica. *ὡς ὀμούμεθα*] Anglice, how we are to swear. Cf. 1077. *ὀρῆν γὰρ ἔξεσθ' ὡς ἔχοντες ἵκομες.* Eccl. 413. *ἀλλ' ὅμως ἐρῶ | ὡς τὴν πόλιν καὶ τοὺς πολίτας σώσετε.*

184. *ἡ Σκύθαινα*] Cf. Alex. 331. *Σκυθαίνας.* Formatum ut *Λάκαινα* (78. 140.), et *κηρύκαινα* (Eccl. 713.). Sed Aesch. c. Ctes. 172. *γυναῖκα — Σκύθιν τὸ γένος.*

185. Cf. Ach. 583. *παράθες νυν ὑπτίαν αὐτὴν* (sc. *τὴν ἀσπίδα*) *ἐμοί.* *εἰς τὸ πρόσθεν*] Cf. Th. 645. *αὖθις εἰς τὸ πρόσθεν οἴχεται.*

189. Cf. Aesch. Sept. 43. *ταυροσφαγοῦντες* (*μηλοσφαγοῦντες* Herw.) etc. Xen. Anab. II. 2. 9. *ταῦτα δ' ὤμοσαν σφάξαντες ταῦρον καὶ λύκον καὶ κάπρον καὶ κριὸν εἰς ἀσπίδα, οἱ μὲν Ἕλληνες βάπτοντες ξίφος, οἱ δὲ βάρβαροι λόγχην.*

191. *τίς ἂν οὖν γένοιτ' —;*] Cf. Eq. 13. *τίς ἂν οὖν γένοιτ' ἄν;* 16. *πῶς ἂν οὖν ποτε | εἴποιμ' ἂν αὐτὸ —;* 17. Vesp. 348. Eccl. 363. Th. 22. 707. Pl. 335. *πῶς ἂν οὖν.* *λευκὸν — ἵππον*] Cf. Herod.

VII. 113. *ἐς τὸν (ποταμὸν) οἱ Μάγοι ἐκαλλιερέοντο σφάζοντες ἵππους λευκούς*. Proverbium erat *Μῦς λευκός*. V. Diogenian. VI. 45. etc.

193. *ποῖ;*] Cf. 383. et ad Pl. 1055.

196. Cf. Fr. 448. *οἴνου τε Χίου στάμνον*. Eccl. 1119. *τὰ Θάσι' ἀμφορείδια*. Vesp. 838. *τροφαλίδα τυροῦ Σικελικήν*. Hermipp. II. 403. *Χία δὲ κύλιξ*. etc. Ephipp. III. 340. *σταμνάρια — οἴνου μικρὰ τοῦ φοινικίνου*. Dem. p. 934. *οἴνου Κῷα κεράμια*.

197. *μὴ 'πιχεῖν ὕδωρ*] Cf. Stratt. com. II. 780. *ὅταν φακῆν ἕψητε, μὴ 'πιχεῖν μύρον*. Futurum hic videtur esse *ἐπιχεῖν*. Cf. ad Pac. 169. *καὶ μύρον ἐπιχεῖς* (fut.).

198. *φεῦ δᾶ*] Cf. Aesch. Prom. 568. *ἄλευε, δᾶ*. Eum. 831. *δᾶ φεῦ*. Eur. Phoen. 1304. *φεῦ δᾶ*. Theocr. VII. 39. *ἐγὼ δέ τις οὐ ταχυπειθὴς | οὐ Δᾶν*. *ἄφατον ὡς ἐπαινέω*] Cf. 1080. 1148. Av. 427. Herod. VII. 190. *χρυσέα ἄφατα χρήματα* (Angl. untold). Plat. Clit. 407 E. *θαυμαστῶς ὡς ἐπαινῶ*.

203. *δέσποινα Πειθοῖ*] Cf. 317. *δέσποινα Νίκη*. *κύλιξ φιλοτησία*] Cf. 985. Alex. III. 515. *φιλοτησίαν — κύλικα προπίομαι*.

205. *ἀποπυτίζει*] Cf. Archedic. 3, 12. *διαπυτιοῦσ'* (*ἀπο*. Nauck.) *οἶνον δὲ τοιοῦτον χαμαί;*

206. *ποτόδδει — ἀδὺ*] Cf. Fr. 246. *προσόζειν γάρ κακοῦ τού μοι δοκεῖ*. Philem. 41, 4. *κοὐχὶ λοπάδος προσῶζεν οὐδ' ἡδυσμάτων*. Theocr. 1, 28. *κισσύβιον νεοτευχὲς ἔτι γλυφάνοιο ποτόσδον*. 7, 16. *νέας ταμίσοιο ποτόσδον* (*δέρμα*). *ναὶ τὸν Κάστορα*] Cf. 988.

210. Cf. Fr. 479. *ἐγὼ δ' ὑπερῶ τὸν ὅρκον*.

212. *ἀνὴρ*] Vir, maritus.

217. *ἀταυρώτη*] *ἀταύρωτος* recte Herwerden. Cf. Aesch. Ag. 244. *ἀταύρωτος* (sic).

219. Redde, si Pylum retineamus, vel quamdiu Pylum retinebimus. Cf. Thuc. V. 35. 3. *τά τε ἄλλα χωρία εἶχον μένοντες ἕως σφίσι κἀκεῖνοι ποιήσειαν τὰ εἰρημένα*. "Pylum Demosthenes anno 425 ceperat. Pace anno 422 composita constitutum quidem est ut castellum Spartiatis redderetur; sed, cum neque in Chalcidice neque in Boeotia quae Atheniensibus promiserant Lacedaemonii perficere possent, Athenienses Pylum retinuerunt (V. 35. 5.), plus semel illis et a. 421 et a. 420. reposcentibus (V. 36. 3. V. 39. 1 sq. V. 45. 2.); nec solum proximis post pacem annis, sed etiam expeditione in Siciliam suscepta (VI. 1052. VII. 18. 4. VII. 26. 2. VII. 57. 7.) Pylus in Atheniensium potestate erat." (Kock) Qui hoc sensu *ἕως ἂν ἔχωμεν Πύλον* potius dicendum fuisse absque causa contendit.

221. *ἐπιτυφῇ — μοι*] Cf. Aelian. Epist. 1. *ἐγὼ δὲ παλαιὸν δή τι ἐπιτεθυμημένος* (*ἐπιτεθυμμένος* recte Cobet.) *αὐτῆς* (l. *αὐτῇ*) *διενόουν δρᾶσαί τι θερμόν*. Menand. IV. 220. *νὴ τὸν Δία τὸν μέγιστον ἐκτυφήσομαι*. Sic *ἐπιτεθυμμένος* pro *ἐκκεκαυμένος* dicebant. Simplex *τύφειν* legitur Dem. p. 977, 5. et alibi.

226. Cf. Hom. Il. 7, 197. οὐ γάρ τίς με βίῃ γε ἑκὼν ἀέκοντα δίηται. Theogn. 371. μή μ' ἀέκοντα βίῃ κεντῶν ὑφ' ἅμαξαν ἐλαύνῃ. Eur. Iph. A. 1149. ἔγημας ἄκουσάν με κἄλαβες βίᾳ.

227. προσκινήσομαι] Cf. Eccl. 256. Pac. 902. Xenarch. 4, 23. ἃς πῶς ποτ' — βινεῖν δύνανται τῶν Δρακοντείων νόμων | ὑπόταν ἀναμνησθῶσι προσκινούμενοι; Theocr. V. 117. εὖ ποτεκιγκλίσδεν.

229. Cf. 799. Av. 623. ἀνατείνοντες τὼ χεῖρ'. 1254. Pac. 854. Eccl. 265. Eupol. 77, 4. κἀνατείνεις τὼ σκέλη. 47. σκέλη δὲ καὶ κωλῆνες εὐθὺ τοὐρόφου.

231. οὐ στήσομαι λέαιν' —] Cf. Aesch. Fr. 225, 2. λεοντοβάμων ποῦ σκάφη χαλκήλατος; Eur. Fr. 544. οὐρὰν δ' ὑπίλασ' ὑπὸ λεοντόπουν βάσιν | καθέζετο.

235. Cf. Fr. 161. εἰ δ' ἐγκιλικίσαιμ', ἐξολοίμην φαθὶ λέγων. Pac. 1072. ἐξώλης ἀπόλοι', εἰ μὴ παύσαιο βακίζων. Av. 447. εἰ δὲ παραβαίην, ἑνὶ κριτῇ νικᾶν μόνον. Th. 358. ὁπόσαι δ' ἐξαπατῶσιν παραβαίνουσί τε τοὺς ὅρκους etc. Eur. Fr. 286, 7. ὅρκους τε παραβαίνοντας ἐκπορθεῖν πόλεις. Thuc. I. 78. σπονδὰς μὴ λύειν μηδὲ παραβαίνειν τοὺς ὅρκους. Andoc. in Alc. p. 121. ἐὰν δέ τις παραβῇ, μεγάλην ζημίαν ἐπὶ τούτοις ἔθεμεν. Similiter, bibacitatem mulierum ridens, Xenarch. Athen. p. 441 E. ὅρκους ἐγὼ γυναικὸς εἰς οἶνον (pro εἰς ὕδωρ, monost. 25.) γράφω. ὕδατος —] Cf. Antiph. 5, 24. εἰ δὲ μή, μηδέποθ' ὕδωρ πίοιμι | ἐλευθέριον. ἐμπλῆθ' Cf. Ach. 236. ἐμπλήμην. Hom. Il. 24, 74. 5. μεμνήμην.

238. καθαγίσω] Cf. Av. 566. Damox. 2, 5. καθήγισα. Menand. IV. 161. Paus. Arcad. 237. πέμματα δὲ ἐπιχώρια ἐπὶ τοῦ βωμοῦ καθήγνισαν (l. καθήγισαν). Passim apud Platonem. Simplex ἁγίζειν est Pl. 681.

240. ὠλολυγά] I. e. ἁ ὀλολυγά. Cf. Av. 222. Herod. IV. 189. ἡ ὀλολυγὴ ἐν ἱροῖσι.

243. τὰ παρ' ὑμῶν —] Cf. 172. τά γα παρ' ἡμῖν (f. ἡμῶν) πείσομες. τίθει] Cf. Alex. III. 520. Aesch. Ag. 922. Ach. 532. ἐτίθει. Ran. 1284. προστίθει.

253. ἄμαχοι —] Cf. Pac. 321. Th. 830. Eur. Fr. 429. ἀντὶ γὰρ πυρὸς | πῦρ ἄλλο μεῖζον ἠδὲ δυσμαχώτερον | ἔβλαστον αἱ γυναῖκες.

254. Δράκης] Idem nomen est Eccl. 293.

255. κορμοῦ] Formatum a κείρω. Cf. Soph. Aj. 55. ὕλην τῆς βαθυρρίζου δρυὸς | κείραντα. Eur. Hec. 575. οἱ δὲ πληροῦσιν πυρὰν | κορμοὺς φέροντες πευκίνους. Eur. Fr. 990. κορμοῖσι πεύκης. Moschion. trag. 1. ἐν νάπαις βραχεῖ | πολὺς σιδήρῳ κείρεται πεύκης κλάδος. Ab eadem stirpe veniunt κόρση et ἀποκορσοῦσθαι (Aesch.).

256. Cf. Eur. Fr. 761. ἄελπτον οὐδὲν, πάντα δ' ἐλπίζειν χρεών.

261. κατ' οἶκον] Cf. Hom. Od. 4, 717. πολλῶν κατὰ οἶκον ἐόντων. ἐμφανὲς κακόν] Cf. Ach. 737. φανερὰν ζαμίαν.

262. *κατὰ μὲν — κατὰ δὲ —*] Cf. Herod. VIII. 89. *ἀπὸ μὲν ἔθανε ὁ στρατηγὸς — ἀπὸ δὲ ἄλλοι πολλοί.* IX. 5. *κατὰ μὲν ἔλευσαν αὐτοῦ τὴν γυναῖκα, κατὰ δὲ τὰ τέκνα.*

264. *μοχλοῖς δὲ καὶ κλήθροισιν τὰ προπύλαια πακτοῦν*] Cf. Eur. Andr. 932. *εὖ φυλάσσετε | κλήθροισι καὶ μοχλοῖσι δωμάτων πύλας.* Iph. T. 99. *ἢ χαλκότευκτα κλῇθρα λύσαντες μοχλοῖς.*

265. *τὰ προπύλαια πακτοῦν*] I. e. *κλείειν.* Cf. Herod. 2, 96. Arist. Fr. 608. *ἐπιπακτοῦν τὰς θύρας.* Vesp. 128. Herod. II. 96. *ἔσωθεν τὰς ἁρμονίας ἐπάκτωσαν τῇ βύβλῳ.* V. 16. *θύρης καταπακτῆς.* *Πάκτωσις* est Poll. I. 84. Schol. (*καὶ πάλιν, κἀπιπακτοῦν* — Bergk. ad Fr. II. 1210.).

267. *πρέμνα*] Photius, *πρέμνα: τὰ παχέα ξύλα.* Av. 321. *πρέμνον πράγματος πελωρίου.*

268. *ἐνεστήσαντο*] Cf. Eccl. 288. *ἣν ἁλῶμεν | ἐνδυόμεναι (ἐνιστάμεναι?) — τόλμημα τηλικοῦτον.* Sic *ἐνίστασθαί τι* Isocr. p. 240. 288.

269. Cf. Thuc. II. 52. *ἐπὶ πυρὰς — νήσαντες — ἐπιθέντες τὸν ἑαυτῶν νεκρὸν ὑφῆπτον.* Forma Ionica et epica est *νηέειν.* Hom. Od. 19, 64. *ἐπ' αὐτῶν νήησαν ξύλα πολλά.* Il. 23, 139. *μενοεικέα νήεον ὕλην.* 169. *περὶ δὲ δρατὰ σώματα νήει.* Od. 15, 322. *πῦρ τ' εὖ νηῆσαι.* Il. 24, 276. 9, 137. 279. 358. Herod. I. 50.

273. *ἐπεὶ οὐ*] Eadem crasis est Soph. O. C. 1436.

275. *ἀψάλακτος*] Cf. Soph. Fr. 505 N.

276. *Λακωνικὸν πνέων*] Cf. Av. 1121. *Ἀλφειὸν πνέων.*

277. *θὦπλα*] Cf. Av. 449.

279. *ἀπαράτιλτος*] Cf. Eccl. 904. *σὺ δ', ὦ γραῦ, παραλέλεξαι κἀντέτριψαι.* Pher. 195. *ἄσμηκτος, ἀπαράλεκτος.*

282. Cf. Fr. 47. *ἵστασθ' ἐφεξῆς πάντες ἐπὶ τρεῖς ἀσπίδας.* Thuc. II. 90. 1. *ἐπὶ τεσσάρων ταξάμενοι τὰς ναῦς.* VII. 79. *στρατιὰν παρατεταγμένην οὐκ ἐπ' ὀλίγων ἀσπίδων.*

283. Cf. Eubul. com. III. 244. *ὁ θεοῖσιν ἐχθρὸς Μυρτίλος.*

284. Cf. 380. 425.

285. *μή νυν ἔτ' —*] Cf. 531. *μή νυν ζῴην.* *Τετράφυλοι* Athenienses erant. Herod. V. 66. Una ex duodecim antiquis rebuspublicis Ionicis Attica fuisse traditur *Τετράπολις* aut etiam quattuor. Regio Tetrapolis appellata prope Marathonem erat. Cf. [Strab.] VIII. p. 375. *καὶ μιᾷ (Οἰνώνῃ) τῶν ἐκ τῆς τετραπόλεως τῆς περὶ Μαραθῶνα.* Similis precatio est Vesp. 758. *μή νυν ἐγὼ 'ν τοῖσι δικασταῖς | κλέπτοντα Κλέωνα λάβοιμι.*

288. *τὸ σιμὸν*] Cf. Plat. com. II. 643. *τουτὶ προσαναβῆναι τὸ σιμὸν ἀεί (ἔτι σε δεῖ?).* Dionys. com. 4, 4. *πρὸς τὸ σιμὸν ἀνατρέχειν.*
οἷ σπουδὴν ἔχω] I. q. *οἷ σπεύδω* (266). Cf. 302. Schol. *ἀεί (ἔτι σε δεῖ?).* *πλατὺ* (*Πλάτων* Elmsl. ad Ach. 385. Dind.).

290. *κανθηλίου*] Cf. Plat. Symp. 221. *ὄνους γὰρ καὶ κανθηλίους λέγει* etc.

291. *ἐξιπώκατον*] Cf. Eq. 924. *δώσεις ἐμοὶ καλὴν δίκην* | *ἰπούμενος ταῖς εἰσφοραῖς*.

293. *τὸ πῦρ φυσητέον*] Cf. Pher. II. 279. *ἀνέπλησα τὠφθαλμὼ πάλης φυσῶν τὸ πῦρ*. Anaxipp. IV. 459. *πῦρ — φυσώμενον*.

306. *θεῶν ἕκατι*] Deorum favore. Cf. Telecl. II. 371. Pind. Isth. III. 19. *ἔστι μοι θεῶν ἕκατι μυρία παντᾶ κέλευθος*. Pind. Isth. IV. 1. *ἔστι μοι θεῶν ἕκατι μυρία κέλευθος*. Archil. 58. *θεῶν — ἕκητι*. Eur. Ion. 1357. Herc. 277. Aesch. Cho. 214. *ἐπεὶ τί νῦν ἕκατι δαιμόνων κυρῶ;* Ag. 214. *ἕκατι δαιμόνων*. 436. Eum. 759. *Παλλάδος — ἕκατι*. Vesp. 62. *τῆς τύχης χάριν*. Pind. P. III. 168. *Διὸς — χάριν*.

308. *τὸν φανὸν*] Cf. ad Fr. 666 D. Alex. III. 418. *ποῖος γάρ ἐστι φανὸς, ὦ πρὸς τῶν θεῶν,* | *τοιοῦτος οἷος ὁ γλυκύτατος ἥλιος;* Anaxand. III. 193. *οὔκουν λαβὼν τὸν φανὸν ἅψεις μοι λύχνον;* Anth. P. XII. 116. *Πανὸς* est Aesch. Ag. 280. Eur. Ion. 195. Eur. Fr. 91 N. *πεύκης πανόν*. Trag. adesp. 132. *πανοῦχον ἅψαντες φλόγα;* Xen. Lac. 5, 7. *ὑπὸ φανοῦ πορεύεσθαι*. Athen. p. 1561. ed. Dind. *ὅτι δὲ λυχνοῦχοι οἱ νῦν καλούμενοι φανοὶ ὠνομάζοντο* etc. Si fides Ammonio habenda est, *πανὸς* tragicorum, *φανὸς* comicorum erat. Photius recentioribus *φανὸς* tribuit. Phryn. Bekk. p. 50, 23. *Φανὸς δὲ φάκελός τινων συνδεδεμένος καὶ ἡμμένος*. Utique recentior forma est *φανός*. V. schol. Ach. 937. Poll. X. 116. Pl. 640. Men. IV. 87. Diph. IV. 377. Schol. (*ἀμπελίδων* Both. *κληματίδων* aut *ἀμπελ. κλημ.?*).

310. *καλούντων*] Sub. *αὐτῶν*. Cf. 60. 298. 678. Eccl. 185. Vesp. 882. 1375. Ran. 1111.

311. *τῷ καπνῷ πιέζειν*] Cf. Pac. 1031. *ἡ σχίζα γοῦν ἐνημμένη τὸν Στιλβίδην πιέζει*.

312. *φεῦ τοῦ καπνοῦ*] Cf. Th. 245. *φεῦ ἰοὺ τῆς ἀσβόλου*. Av. 1724, Lucian. Dem. enc. 50. *βαβαὶ τῆς ἀηττήτου ψυχῆς*.

313. *ξυλλάβοιτ' ἂν τοῦ ξύλου*] Cf. Vesp. 734. *σοὶ δὲ νῦν τις θεῶν — ξυλλαμβάνει τοῦ πράγματος*. Pac. 417. 437. Eur. Cycl. 472. *μέγας γὰρ δαλὸς, ὃν* (l. *οὗ*) *ξυλληπτέον*.

314. *τὴν ῥάχιν θλίβοντά μου*] Cf. Ran. 5. *τὸν ὦμον θλίβομαι*. Fr. 307. *οὐ δύναμαι φέρειν* | *σκεύη τοσαῦτα καὶ τὸν ὦμον θλίβομαι*.

315. *σὸν ἔργον*] Cf. 381. Nub. 1494. *σὸν ἔργον ὦ δᾲς, ἱέναι πολλὴν φλόγα*. Th. 1172.

317 sq. Cf. Th. 286. *δέσποινα πολυτίμητε — πολλὰ πολλάκις μέ σοι* | *θύειν ἔχουσαν* etc. Eur. El. 800. *νύμφαι πετραῖαι, πολλάκις με βουθυτεῖν*.

318. *τοῦ νῦν παρεστῶτος θράσους*] Cf. Soph. O. C. 1030. *τόλμης τῆς παρεστώσης τὰ νῦν*.

319. Cf. Eur. Fr. 781, 42. *καπνοῦ μέλαινα λιγνύς*.

321. *πέτου*] Cf. Fr. 13. *τάχυ νυν πέτου καὶ μὴ τροπίαν οἶνον φέρε*. Alex. 201, 4. *πέτεται γὰρ, οὐχ οἷον βαδίζει τὰς ὁδούς*.

325. *γερόντων ὀλέθρων*] Cf. Th. 860. Eccl. 934. Eupol. II. 570. *ἄνεμος καὶ ὄλεθρος ἄνθρωπος*. Dem. de Cor. 39. *περίτριμμα ἀγορᾶς, ὄλεθρος γραμματεύς*. Phil. III. 7. *ὀλέθρου Μακεδόνος*. Herod. III. 142. *γεγονώς τε κακῶς καὶ ἐὼν ὄλεθρος*.

326. *ὑστερόπους*] Cf. Anth. Pal. XII. 229. *ὑστερόπους Νέμεσις*.

327. *ἐμπλησαμένη*] Cf. Vesp. 380. *κνεφαία*] Cf. Vesp. 124. *ὁ δ' ἀνεφάνη κνεφαῖος* etc. Ran. 1350. *ὅπως κνεφαῖος εἰς ἀγορὰν φέρουσ' ἀποδοίμαν*.

329. *πατάγου χυτρείου*] Cf. Fr. 399. *λήκυθον — τὴν χυτρέαν* (*χυτραίαν* Dind.), *τὴν καλήν*. *Τὰ χύτρεια* (earthenware) est apud Hesych.

330. *δούλαισιν ὠστιζομένη*] Cf. Ach. 24. 844.

331. *στιγματίαις*] Cf. Vesp. 1296. *στιζόμενος βακτηρίᾳ*.

335. *τυφογέροντας —*] Cf. Nub. 908. *τυφογέρων εἶ κἀνάρμοστος*.

336. *στελέχη*] Stipites. Cf. Lysipp. com. II. 746. *εἰ μὴ τεθέασαι τὰς Ἀθήνας, στέλεχος εἶ*.

338. *ὡς τριτάλαντον —*] Cf. Av. 1136. *ὡς τρισμύριαι γέρανοι*. Fr. 264. *δεκατάλαντος λίθος*. Eur. Cycl. 388. *κρατῆρα — ὡς δεκάμφορον*. Stesich. 17, 1. *σκυφίον* (?) *δὲ λαβὼν δέπας ἔμμετρον ὡς τριλάγυνον* etc. Herod. V. 83. *στάδια — ὡς* (*ἐς* al.) *εἴκοσι*.

344. *ὦ χρυσολόφα*] Cf. Ach. 566. Eq. 1181. *ἡ Γοργολόφα* (l. *Γοργολόφας*).

347. *ὦ Τριτογένεια*] Cf. Hesiod. Th. 895. *κούρην γλαυκώπιδα Τριτογένειαν*. et ad Nub. 989. Eur. Ph. 119. *λευκολόφας*.

348. *ἐκείνας ὑποπίμπρησιν*] Cf. Herod. IV. 69. *ὑποπρήσαντες τὰ φρύγανα*.

350. *ἔασον ὦ*] Cf. Aesch. Ag. 1089. *κατολολύξατ' ὦ* (ita Mein.).

353. *ἔσμας —*] Cf. Max. Tyr. VI. 7. *κολάκων ἑσμοί*. *αὖ*] I. e. praeter mulieres in arce congregatas.

354. *βδύλλεθ' ἡμᾶς*] Cf. Eq. 224. *οἵ τε πλούσιοι | δεδίασιν αὐτὸν ὅ τε πένης βδύλλει λεώς*. Lucian. Lex. 10. *ἐν δεσμοῖς ὧν ὑπέβδυλλεν ὑπὸ τοῦ δέους*.

357. *περικατᾶξαι τὸ ξύλον*] Cf. Athen. I. 17 C. *ὡς καὶ τὰς ἀμίδας ἀλλήλοις περικαταγνύναι*.

358. *κάλπιδας*] Cf. 370. 400. 539. Ran. 1339. Pind. Ol. VI. 40. *κάλπιδά τ' ἀργυρέαν*.

360. *ἢ δὶς ἢ τρὶς*] Cf. 1052. *μνᾶς ἢ δύ' ἢ τρεῖς*. Ran. 50. *ναῦς | τῶν πολεμίων ἢ δώδεκ' ἢ τρισκαίδεκα*.

363. *κοὐ μή ποτ' ἄλλη — λάβηται*] Cf. ad Ach. 662. *κοὐ μή ποθ' ἁλῶ —*. Vesp. 394. *κοὐ μή ποτε — ἀποπάρδω*. *κύων*] Cf. Vesp. 1402. *τῶν ὄρχεων λάβηται*] Cf. Hom. Od. 16, 276. *ἤνπερ καὶ διὰ δῶμα ποδῶν ἕλκωσι θύραζε*.

364. *ἐκκοκκιῶ*] Cf. 448. Pac. 63. Ach. 1179. Nicom. 3, 2.

365. Cf. 439. Plat. com. II. 659. ἅψαι μόνον μου κἂν (οὐκ ἂν vulg.) ἄκρῳ τῷ Μορσίμῳ (f. τῷ δακτύλῳ).

367. τἄντερ' ἐξαμήσω] Cf. Ran. 473. Eur. Cycl. 238. τὰ σπλάγχ' ἔφασκον ἐξαμήσεσθαι βίᾳ.

368. ἔστ' ἀνὴρ Εὐριπίδου σοφώτερος ποιητής] Cf. Nub. 1377. ὅστις οὐκ Εὐριπίδην ἐπαινεῖς | σοφώτατον. 545. τοιοῦτος ἀνὴρ ὢν ποιητής. 1219. ἀνδρὶ δημότῃ. Ran. 820. φρενοτέκτονος ἀνδρός. 858. ἄνδρας ποιητάς· 1008. ἄνδρα ποιητήν. 1030. ἄνδρας — ποιητάς. 1041. ἄνδρα πολίτην. 1369. ἀνδρῶν ποιητῶν. Av. 317. ἄνδρε — σοφιστά. Eq. 1114. ἄνδρα τύραννον. Vesp. 360. ἄνδρες ὁπλῖται. Lys. 1083. παλαιστὰς ἄνδρας. Th. 149. ποιητὴν ἄνδρα. Fr. 510. ἀνδρὸς χαλκέως. Timocl. 8, 5. ἀνὴρ παράσιτος. Nicostr. com. III. 280. ἀνδρὸς — ταριχοπώλου. Pind. P. I. 91. ὥσπερ κυβερνάτας ἀνήρ. Isth. V. 72. ἀνδράσιν ἀθληταῖσιν. V. 75. ἅτε μάντις ἀνήρ. Theocr. 25, 247. ἁρματοπηγὸς ἀνήρ.

370. Ῥοδίππῃ] Κακεμφάτως, cum allusione ad v. ῥόδον et ἱππεύειν. Nomen Ῥοδόπη legitur apud Herodotum.

372. ὦ τύμβ'] Cf. Bekk. Anecd. 66, 13. τυμβογέρων: ὁ τύμβου χρείαν ἔχων. Poll. II. 16. Phot. τυμβογέροντες. ἐμπυρεύσων] Cf. Pac. 1137.

375. Cf. Cratin. II. 114. αὐτὸ δείξει. Soph. Fr. 356. ταχὺ δ' αὐτὸ δείξει τοὔργον. Ran. 1261. δείξει δὴ τάχα. Eur. Andr. 265. τὸ δ' ἔργον αὐτὸ σημανεῖ τάχα. Plat. Hipp. maj. 288. αὐτὸ δείξει. Aesch. c. Ctes. 62. ὡς αὐτὸ ἔδειξε τὸ ἔργον. Terent. Eun. IV. 3. 16. 'Res ipsa indicat.'

376. ὡς ἔχω] Cf. 610. Eq. 488. ὡς ἔχω. Pl. 1089. Pher. 108, 21. παρὸν κολυμβᾶν ὡς ἔχετ' εἰς τὸν Τάρταρον. Antiph. III. 114. ἴωμεν ὥσπερ ἔχομεν. III. 144. συνακρατίσασθαι δ' ὡς ἔχεις μετ' ἐμοῦ σε δεῖ. Philem. jun. 1, 1. ἐάσαθ' οὕτως ὡς ἔχει. Thuc. II. 5. ἐβουλεύοντο εἴτε κατακαύσωσιν ὥσπερ ἔχουσιν εἴτε —. Xen. Cyr. VII. 1. 5. ὥσπερ εἶχεν ἑστηκὼς — ἠρίστα. Soph. Ant. 1108. ὡς ἔχω. 1235. ὥσπερ εἶχε.

377. ῥύμμα] Cf. Athen. 351 E. τοῦ δὲ βαλανέως ἐν Καρδίᾳ ῥύμμα μοχθηρὰν γῆν καὶ ὕδωρ ἁλμυρὸν παρέχοντος, etc. Clem. Alex. p. 254. τῇ περιεργίᾳ τῶν ῥυμμάτων τὸ οἰκεῖον μαραίνουσαι ἄνθος. Philon. p. 156. τὰ μὲν σώματα λουτροῖς καὶ καθαρσίοις ἀπορρύπτονται.

380. σχήσω σ' ἐγὼ τῆς νῦν βοῆς] Cf. 284. 425. Soph. El. 375. ὃ ταύτην τῶν μακρῶν σχήσει γόων. ἠλιάζει] Cf. Eq. 799. Vesp. 772. Ἡλιάζεσθαι est in Lysiae fragmento apud Harpocrat.

381. Cf. 315. σὸν δ' ἐστὶν ἔργον, ὦ χύτρα, τὸν ἄνθρακ' ἐξεγείρειν. Nub. 1494. σὸν ἔργον, ὦ δᾴς, ἱέναι πολλὴν φλόγα. Av. 862. ἱερεῦ, σὸν ἔργον. ὠχελῷε] Cf. Achae trag. 9, 1. μῶν ἀχελῷος ἦν κεκραμένος πολύς; Eur. Fr. 753. Ἀχελῴου ῥόον (δρόσον vel ῥοὰς Elmsl.).

383. *ποῖ θερμόν;*] Similiter usurpatur *πόθεν;* ut in Plat. Lys. 208 B. *ἀλλὰ — ἐῷεν ἄν; B. πόθεν ἐῷεν;*

386. *χλιανεῖς*] Producitur prima. Cf. Alex. III. 452.

387. *ἐξέλαμψε — τρυφῇ*] Cf. Men. IV. 207. *ἥ τε κατὰ πόλιν | αὕτη τρυφὴ λάμπει μέν, ἐς δ' ὀλίγον χρόνον.* Trag. adesp. 419. *Δίκας δ' ἐξέλαμψε θεῖον φάος.* 158. *ἐπεὶ δ' ὁ λαμπρὸς ἐξέλαμψεν ἥλιος.* Aelian. V. H. XII. 1. *ἔτι μᾶλλον τὰ τῆς ὥρας αὐτῇ πρὸς τὸν ἐραστὴν ἐξέλαμψεν.* Plut. Mor. p. 633 F. *ἐκλάμψας δὲ καὶ διαφανεὶς (ἔρως)* etc.

388. Cf. Vesp. 9 sq.

389. Adonia, festum ex Asia in Graeciam translatum, cum mollibus caeremoniis celebrabantur. Plut. Alcib. 18. Nic. 13.

391. *ἔλεγεν — πλεῖν*] Cf. Th. 374. *εἶπε Σωστράτη | ἐκκλησίαν ποιεῖν ἕωθεν. ὁ μὴ ὥρασι*] Cf. Theocr. XV. 74. *κεἰς ὥρας κἤπειτα, φίλ' ἀνδρῶν, ἐν καλῷ εἴης.* Hiatus ut in Apollod. Car. 5, 22. *πρὸ ἡμέρας.* Alex. 266, 1. *μὴ ὥρασι μὲν | τὰ τῶν κακῶν* (?) *ἴκοιθ' ὁ τοὺς θέρμους φαγών.* Similiter hiatum in locutione colloquiali 'si me amas' admisit Horatius Sat. I. 9. 38. *Δημόστρατος*] V. Plut. Nic. 12.

394. *ἔλεγεν ὁπλίτας καταλέγειν*] Cf. 391. Eq. 1350.

395. *ὑποπεπωκυῖ'*] Cf. Pac. 874. *ὑποπεπωκότες.* Av. 494. Apollod. IV. 442. *ὑποπεπωκότας, | αὐλουμένους. ἡ γυνὴ 'πὶ τοῦ τέγους*] Cf. Ach. 262. *σὺ δ', ὦ γύναι, θεῶ μ' ἀπὸ τοῦ τέγους.* Vesp. 1293. *τοῦ 'πὶ ταῖς πλευραῖς τέγους.*

396. *κόπτεσθ' Ἄδωνιν*] Cf. Ran. 425. *κᾀκόπτετ' ἐγκεκυφὼς κἄκλαε κᾀκεκράγει Σεβῖνον.*

397. Cf. Vesp. 418. *ὦ πόλις καὶ Θεώρου θεοισεχθρία.* Eubul. III. 244. *ὁ θεοῖσιν ἐχθρὸς Μυρτίλος. Χολοζύγης*] Cf. ad Eupol. 408 K. Cognomen erat Demostrati *Βουζύγης,* i. e. e Buzygarum gente oriundus. Praecipuus ille expeditionis Siciliensis suasor fuit. Ut orator mediocris et loquax memoratur Eupol. 96. 97. *Βουζυγία* familia Athenis fuit sacerdotium quoddam exercens, sic dicta ab heroe *Βουζύγῃ* appellato (Bekk. Anecd. p. 221, 8.). Similiter *Δαμασικόνδυλον* pro *Δαμασίστρατον* jocans posuit Eupolis 408.

398. *ἀκολαστάσματα*] Ab *ἀκολασταίνω.* Similiter *μίασμα* a *μιαίνω, ὕφασμα* ab *ὑφαίνω, φάσμα* a *φαίνω, ξάσμα* a *ξαίνω.* Cf. Anaxand. 73. Plut. Crass. 32. *τῶν Μιλησιακῶν ἀκολὰστημάτων* (*ἀκολαστασμάτων* recte Cobet.). Clem. Paed. II. p. 194 D. *οὐ μὴν οὐδ' ὡς ἐν σκότῳ νύκτωρ ἀκολαστητέον* (*ἀκολαστευτέον* al. *ἀκολαστταστέον* Cobet.). *Ἀκολασταίνειν* est Av. 1227. Mnesimach. com. III. 569., quocum confer *ἀνοηταίνειν* (Henioch. 5, 3.). Cf. Plat. II. 648. *ὑβριστόν ἐστι χρῆμα κᾀκόλαστον.*

399. Cf. Nub. 154. *τί δῆτ' ἄν, ἕτερον εἰ πύθοιο Σωκράτους | φρόντισμα;* 769. Ach. 1011. Pac. 859. 863. 916.

402. ἐνεουρηκότας] Cf. Eupol. II. 444. ἆρα σφόδρ' ἐνεούρησεν οὐξώλης γέρων; Hermipp. II. 410. ἐνουροῦσιν — στρώμασιν ἐν μαλακοῖς. Herod. II. 172. Hinc morbus qui ἐνούρησις dicitur. Confer ἐγχέζειν (Ran. 479. ἐγκέχοδα).

403. Cf. Ach. 501. Nub. 1462. Eur. El. 1051. ἁλυκὸν] Cf. Fr. 65. ἁλυκόν (i. q. ἁλμυρόν).

406. Cf. Aesch. Sept. 594. ἀφ' ἧς τὰ κεδνὰ βλαστάνει βουλεύματα.

407. ἐν τῶν δημιουργῶν] Cf. Eccl. 420. ἐς τῶν σκυλοδεψῶν. Th. 795. ἐν ἀλλοτρίων. Eq. 400. ἐν Κρατίνου. Plat. com. II. 674. ἐν τῷ καπήλῳ (imo ἐν τοῦ καπήλου).

408. τὸν ὅρμον ὃν ἐπεσκεύασας] Cf. Soph. O. C. 1150. λόγον δ' ὃς ἐμπέπτωκεν ἀρτίως ἐμοὶ | στείχοντι δεῦρο, etc. ἐπεσκεύασας] Cf. Dem. p. 36, 17. καὶ τὰς ὁδοὺς ἃς ἐπισκευάζομεν. Lysias Athen. V. p. 209 F. ἐπισκευάσαι αὐτὴν βουλόμενος.

410. ἡ βάλανος] Cf. 413. ἐκπέπτωκεν] Cf. Eccl. 906. ἐκπέσοι σου τὸ τρῆμα. Eq. 532. ἐκπιπτουσῶν τῶν ἠλέκτρων.

411. πλευστέα] Cf. Thuc. VI. 25. πλευστέα εἶναι. et ad Ach. 394.

412. πρὸς ἑσπέραν] Ut πρὸς ὄρθρον, πρὸς ἕω, etc. Cf. Eccl. 1047. εἰς ἑσπέραν | μεγάλην ἀποδώσω καὶ παχεῖάν σοι χάριν. Pl. 998. 1201. Pac. 966.

415. παιδικόν] Cf. Anaxipp. 6, 2. τυρόκνηστιν παιδικήν.

417. τὸ ζυγόν] Anglice, the cross-strap.

418. τῆς μεσημβρίας] Cf. Vesp. 500. Pac. 209. Fr. 76, 2.

419. εὐρυτέρως] Cf. Anaxand. III. 180. λεπτοτέρως. Thuc. II. 50. χαλεπωτέρως. VIII. 40. χαλεπωτέρως. VIII. 50. μαλακωτέρως.

420. ἀπήντηκ'] Cf. Aelian. V. H. XIII. 2. οὐκ ἀπήντησε ταῦτα ταύτῃ.

421. Lege ὅτ' ὢν γ' ἐγὼ —. Cf. Pac. 1251. ὅτ' ἀντέδωκά γ' —. Nub. 1217. ὅτε τῶν ἐμαυτοῦ γ' ἕνεκα etc. Ran. 22. εἶτ' οὐχ ὕβρις ταῦτ' ἐστὶ — ὅτ' ἐγὼ μὲν ὢν Διόνυσος — πονῶ —; πρόβουλος] Cf. 468. Ach. 755. Herod. VI. 7. προβούλους σφέων αὐτῶν ἔπεμπον.

423. ἀποκέκλημαι] Cf. Av. 1262.

424. Cf. 614. οὐκ ἔτ' ἔργον ἐγκαθεύδειν. Av. 1308.

425. Cf. 284.

427. ἀλλ' ἢ —] I. q. εἰ μὴ —. Cf. ad Eq. 780. Ran. 227. Plat. Resp. 330 C. οὐδὲν ἐθέλοντες ποιεῖν ἀλλ' (ἀλλ'?) ἢ τὸν πλοῦτον. καπηλεῖον σκοπῶν] Cf. Ach. 96. ἢ περὶ ἄκραν κάμπτων νεώσοικον σκοπεῖς; 432. νοῦ καὶ φρενῶν] Cf. Th. 291.

435. Cf. Eur. Iph. A. 950. οὐχ ἅψεται σῆς θυγατρὸς Ἀγαμέμνων ἄναξ | οὐδ' ὥστ' ἄκραν τὴν χεῖρα προσβαλεῖν πέπλοις (ita enim legerim). Aelian. V. H. XII. 1. ἄκρᾳ γὴρ τῇ χειρὶ μόνον τοῦ Κύρου προσαψαμένου ἐξεβόησέ τε etc.

436. δημόσιος ὢν] Sc. ὑπηρέτης. Cf. 627. καὶ λαλεῖν γυναῖκας οὔσας etc. Ach. 578. οὗτος σύ, τολμᾷς πτωχὸς ὢν λέγειν τάδε;

579. Nub. 929. οὐχὶ διδάξεις τοῦτον Κρόνος ὤν. Av. 1031. μαρτύρομαι τυπτόμενος ὢν ἐπίσκοπος. Th. 628. ἵνα μὴ 'πακούσῃς ὢν ἀνήρ.

440. τὴν χεῖρ' ἐπιβαλεῖς] Cf. Nub. 933. κλαύσει, τὴν χεῖρ' ἢν ἐπιβάλλῃς. Cratin. II. 231. τὴν χεῖρα μὴ 'πίβαλλε, μὴ κλάων κάθῃ. Aesch. Cho. 395. Alex. III. 503. ἐπεβάλομεν τὰς χεῖρας. ἐπιχεσεῖ πατούμενος] Cf. Th. 570. τὸν σησαμοῦνθ' — χεσεῖν (l. χέσαι) ποιήσω (σε). Eq. 70. πατούμενοι (l. πεκτούμενοι) | ὑπὸ τοῦ γέροντος ὀκταπλάσια χέζομεν. 166. Nub. 1359. Av. 68. 'Επικεχοδώς.

443. τὴν φωσφόρον] Cf. 738. Th. 858. Fr. 535. Nausicrat. com. IV. 575. αἷς καὶ θεὰν τιμῶσι φωσφόρον Κόρην.

444. κύαθον] Cf. Eur. Fr. 374. ἢ κύαθον ἢ χαλκήλατον | ἠθμὸν προσίσχων τοῖσδε τοῖς ὑπωπίοις.

445. ποῦ τοξότης;] Cf. ad Av. 1021. ποῦ πρόξενοι; Vesp. 995. ποῦ 'σθ' ὕδωρ; Pac. 1059. ποῦ τράπεζα;

446. Cf. Nub. 1491. κἀγώ τιν' αὐτῶν τήμερον δοῦναι δίκην | ἐμοὶ ποιήσω, κεἰ σφόδρ' εἴσ' ἀλαζόνες. Vesp. 1327.

448. στενοκωκύτους] Mire formatum epithetum. Fort. στονοκωκύτους aut πολυκωκύτους. Cf. 1222. κωκύσεσθε τὰς τρίχας μακρά.

450. ἡττητέα] Cf. Soph. Ant. 678. ἡσσητέα.

451. Cf. Eccl. 863. Aelian. H. A. 5, 30. χωρεῖν ὁμόσε δεινός. Thuc. IV. 10. ὁμόσε χωρῆσαι τοῖς ἐναντίοις. Plut. Mor. p. 85 A. ὁμόσε χωρῶμεν αὐτῇ (τῇ ἀρετῇ). Et ὁμόσε τινὶ φέρεσθαι, Xen. Cyn. X. 21.

460. Schol. R. ὡς ἤδη κειμένων αὐτῶν (τῶν Σκυθῶν). Haec at v. 461. spectare monuit Enger.

462. τὸ τοξικόν] Ut τὸ ἱππικὸν Xen. An. VI. 6. 30. et τὸ πελταστικόν, Xen. Hell. IV. 5. 13. Sic Ξανθίδιον a primitivo ξανθός, non a nomine proprio Ξανθίας.

467. πόλλ' ἀναλώσας ἔπη] Cf. Eur. Suppl. 547. σκαιόν γε τἀνάλωμα τῆς γλώσσης τόδε etc. πρόβουλε] Cf. Ach. 755. Aesch. Sept. 1006. δήμου προβούλοις τῆσδε Καδμείας πόλεως.

468. τοῖσδε σαυτὸν εἰς λόγον τοῖς θηρίοις συνάπτεις] Cf. Eur. Phoen. 714. ὡς εἰς λόγους ξυνῆψα Πολυνείκει μολών.

470. ἱματιδίοις] Cf. Pl. 985. Sic ψυκτηρίδιον (ῐ) Alex. III. 383. ποτηρίδιον (ῐ) Men. IV. 74. κονίας] Cf. Ach. 18. Ran. 712.

472. κυλοιδιᾶν] Cf. Theocr. I. 38. οἱ δ' ὑπ' ἔρωτος | δηθὰ κυλοιδιόωντες ἐτώσια μοχθίζοντι.

475. Cf. Vesp. 224. 229. 404. Eq. 794. Soph. Fr. 856. ἢ σφηκιὰν βλίττουσιν εὑρόντες τινά. Philostr. τοὺς δὲ τοιούτους ἀποβλίττουσιν οἱ συκοφάνται. Plat. Resp. 464 E. πλεῖστον δή, οἶμαι, τοῖς κηφῆσι μέλι καὶ εὐπορώτατον ἐντεῦθεν βλίττεται.

476. κνωδάλοις] Cf. Cratin. II. 152. τρία κνώδαλ' ἀναιδῆ, Πεισίαν, 'Οσφύωνα, Διτρέφην.

477. οὐ γὰρ ἔτ' ἀνεκτὰ τάδε γ'] Cf. Eccl. 941. οὐ γὰρ ἀνασχετὸν τοῦτό γ' ἐλευθέρῳ. Aesch. Ag. 1364. ἀλλ' οὐκ ἀνεκτόν.

480. τὴν Κραναὰν] Sub. πόλιν.

481. ἐφ' ὅ τι] Cf. 22. 1101. Nub. 256. ἐπὶ τί στέφανον; Av. 340. ἐπὶ τί γάρ μ' ἐκεῖθεν ἦγες; Eur. Or. 150. λόγον ἀπόδος ἐφ' ὅ τι χρέος ἐμόλετέ ποτε.

485. ἀκωδώνιστον] Cf. Ran. 79. οὔ πρίν γ' ἂν Ἰοφῶντ' — ὅ τι ποιεῖ κωδωνίσω. 723.

486. De personae mutatione cf. ad 932. Pl. 375. Eccl. 662.

488. δι' αὐτό] Cf. 936. Pac. 323. μηδαμῶς — πρᾶγμα κάλλιστον διαφθείρητε διὰ τὰ σχήματα. Eccl. 740.

489. πολεμοῦμεν γάρ;] Cf. Ran. 800. πλινθεύσουσι γάρ;

490. ταῖς ἀρχαῖς] Cf. Thuc. VIII. 89. τῶν ἐν τῇ ὀλιγαρχίᾳ καὶ ἐν ἀρχαῖς ὄντων. ἐπέχοντες] Cf. Theogn. 1149. αἰὲν ἐπ' ἀλλοτρίοις κτεάνοις ἐπέχουσι νόημα. Plat. Theaet. 173 D. σπουδαὶ ἑταιρειῶν ἐπ' ἀρχάς.

491. κορκορυγὴν] Cf. Pac. 991. λῦσον δὲ μάχας καὶ κορκορυγάς. Aesch. Sept. 345. κορκορυγαὶ δ' ἀν' ἄστυ.

491. οἱ δ' οὖν — δρώντων ὅ τι βούλονται] Cf. Ach. 185. οἱ δ' οὖν βοώντων. Nub. 455. δρώντων ἀτεχνῶς ὅ τι χρῄζουσιν.

495. πάντως] Cf. Vesp. 770. Av. 495. Th. 851. 914. 1012.

496. ἀλλ' οὐ ταὐτόν] Cf. Nub. 1432. οὐ ταὐτὸν, ὦ τᾶν, ἐστίν. Ran. 1160. 1154.

497. πρῶτον] I. q. ἀρχήν. Anglice, to begin with.

498. Cf. Eur. Iph. A. 831. μεῖνον· τί φεύγεις; δεξιὰν ἐμῇ χερὶ | σύναψον —. ΑΧ. τί φής; ἐγώ σοι δεξιάν;

499. δεινόν γε λέγεις] Cf. 529.

505. κλαύσει] Cf. Nub. 933. κλαύσει, τὴν χεῖρ' ἢν ἐπιβάλλῃς.

506. σὺ δέ μοι λέγε] I. e. λέγε δὲ σύ μοι.

507 sq. ἠνειχόμεθ' ὑμῶν — ἅττ' ἐποιεῖτε] Similiter Eq. 803. ἵνα — ὑπὸ τοῦ πολέμου καὶ τῆς ὁμίχλης ἃ πανουργεῖς μὴ καθορᾷ 'τι. 876. ἐμοῦ δὲ μὴ μνείαν ἔχειν ὅσων πέπονθας. ἠνειχόμεθ' ὑμῶν] Cf. Demosth. ap. schol. Vesp. 191. οὐδὲ τῆς φωνῆς ἀνέχεσθε.

508. ἅττ' ἐποιεῖτε] Cf. Ran. 936. ποῖ' ἅττ' ἐστὶν ἅττ' ἐποίεις;

512. Cf. Plat. Phaedr. 279. ὦ — θεοί, δοίητέ μοι καλῷ γενέσθαι τἄνδοθεν. Eur. Or. 1514. δειλίᾳ γλώσσῃ χαρίζει τἄνδον οὐχ οὕτω φρονῶν. 1122. ὥστ' ἐκδακρῦσαί γ' ἔνδοθεν κεχαρμένην. Andr. 331. ἔξωθέν εἰσι — | λαμπροί, τὰ δ' ἔνδον πᾶσιν ἀνθρώποις ἴσοι. Men. 669. ἔξωθέν εἰσιν — λαμπροί, τὰ δ' ἔνδον πᾶσιν ἀνθρώποις ἴσοι. Men. 902. ἔνδοθεν δὲ πρίεται. ἐπανηρόμεθ' ἂν γελάσασαι] Cf. Machon. apud Athen. XIII. 582 E. ἡ δ' εἶπε γελάσασ' etc. Herod. III. 35. εἰπεῖν — γελάσαντα etc. Plat. Prot. 310 D. καὶ ὃς γελάσας — ἔφη etc. Conv. 202 B. καὶ ἡ γελάσασα — ἔφη etc.

514. ἐν τῷ δήμῳ] I. e. in concione. Cf. Nub. 432. Vesp. 594.

Eccl. 95. *τί δὲ σοὶ ταῦτ';*] Cf. Eq. 1198. *τί δὲ σοὶ τοῦτ';* Eccl. 520. *τί δ', ὦ μέλε, σοὶ τοῦθ'; ΒΛ. ὅ τι μοι τοῦτ' ἐστίν; ὡς εὐηθικῶς.* Th. 498. *εἰ δὲ Φαίδραν λοιδορεῖ, ἡμῖν τί τοῦτ';* et ad Eq. l. l.

ἦ δ' ὅς] Cf. Vesp. 795. *ἦ δ' ὃς γελῶν.* Cratin. 192. *ὡς λεπτός, ἦ δ' ὅς, ἔσθ' ὁ τῆς χορδῆς τόμος.* Eq. 634. *ἦν δ' ἐγώ.* Fr. 107.

517. *βούλευμα*] Cf. Eccl. 17. 137. Eupol. 73, 2. *βούλευμα βαστάζουσι τῆς πόλεως μέγα.* *ἐπεπύσμεθ' ἄν*] Imperfecti vim hic habet plusquamperfectum. Cf. ad Nub. 976.

519 sq. Cf. Menand. Mon. 260. *ἱστοὶ γυναικῶν ἔργα κοὐκ ἐκκλησίαι.* *ἔφασκε*] Cf. Av. 472. *ὃς ἔφασκε λέγων* etc. *ὑποβλέψας*] Cf. Th. 396. *ὑποβλέπουσ' ἡμᾶς.* Pher. Fr. 153, 2. *ἀχθόμεθ', ἣν ἔλθῃ, καὶ ὑποβλέπομεν παρεόντα.* Callim. H. Cer. 51. *ὑποβλέπει ἄνδρα λέαινα.* Lucian. Dial. mer. 12, 2. *τί με ὑποβλέπεις καὶ πρίῃ (πρίεις?) τοὺς ὀδόντας;* *στήμονα*] Cf. Plat. II. 693. *ἀκλώστους στήμονας.* Men. IV. 298. *κρόκην δὲ νήσεις καὶ στήμονα.* Hermipp. II. 382. *νήσω*] Cf. Eupol. II. 556. *τῇ χειρὶ νῆσαι μαλθακωτάτην κρόκα.*

520. Cf. 538. Vesp. 584. et ad Eq. 433. Cratin. jun. 4, 2. *πίνειν μένοντα τὸν καλῶς εὐδαίμονα | κρεῖττον· μάχαι (μάχης?) δ' ἄλλοισι κκὶ πόνοι (πόνου* aut *πολέμου?) μέλοι.* Eur. Bacch. 536. *ἔτι σοι τοῦ Βρομίου μελήσει.* Rhes. 623. *σοὶ χρὴ πώλων μέλειν.* Eur. Fr. 323, 1. *ἦν γάρ τις αἶνος ὡς γυναιξὶ μὲν τέχναι | μέλουσι, λόγχῃ δ' ἄνδρες εὐστοχώτεροι.* Fr. 526. *εἰ κερκίδων μὲν ἀνδράσιν μέλοι πόνος, | γυναιξὶ δ' ὅπλων ἐμπέσοιεν ἡδοναί.*

521. *ὀρθῶς γε λέγων*] Sc. *ἔφασκε* (519). Cf. Av. 472. *ὃς ἔφασκε λέγων* etc.

523. *ὅτε δὴ δ'*] I. q. *ἐπειδὴ δέ.* Cf. Eccl. 315. *ὑμῶν*] Sub. *λεγόντων.*

524 sq. Similiter Crates 14, 9. *ἰχθύ, βάδιζ'· ἀλλ' οὐδέπω 'πὶ θάτερ' ὀπτός εἰμι. | οὔκουν μεταστρέψας σεαυτὸν —;*

524. *ἕτερός τις*] Cf. 517. *ἕτερόν τι.* Eccl. 697. *ἑτέρα φήσει τις.* Loquitur alia mulier. Cf. Eq. 1309. Lys. 528. Av. 728. Pac. 363. 350.

526. *ποῖ γὰρ καὶ χρῆν ἀναμεῖναι;*] Cf. Soph. El. 958. *ποῖ γὰρ μενεῖς ῥᾴθυμος;*

529. *ὑμεῖς ἡμᾶς;*] Concise positum. Cf. 379. *λουτρόν γ' ἐγὼ παρέξω. | — ἐμοὶ σὺ λουτρὸν —;* Ach. 963. 1228. Eq. 415. Eccl. 764. Nub. 256. *τουτονὶ τοίνυν λαβὲ | τὸν στέφανον. ΣΤ. ἐπὶ τί στέφανον;* 1064. Pl. 128. *ἐγὼ γὰρ ἀποδείξω σε τοῦ Διὸς πολὺ | μεῖζον δυνάμενον. ΠΛ. ἐμὲ σύ;* 391. *οὐ δῆτ', ἐπεὶ τὸν Πλοῦτον, ὦ μοχθηρὲ σύ, | ἔχω. ΒΛ. σὺ Πλοῦτον;* 1546. *ποίου χρόνου* (pro *ποίου πολλοῦ χρόνου);* Ran. 1201. *ἀπὸ ληκυθίου σὺ τοὺς ἐμοὺς* (sub. *προλόγους διαφθερεῖς); ΑΙ. ἑνὸς μόνου.* Vesp. 474. *σοὺς λόγους;* Anaxand. III. 161. *τίνα δὴ παρεσκευασμένοι | πίνειν τρόπον νῦν ἐστε; λέγετε. Β. τίνα τρόπον | ἡμεῖς; τοιοῦτον οἷον.* (Sic recte Cobet.). Plat. Lys. 208 B. *κἂν εἰ βούλοιο τύπτειν ἐῷεν ἄν; Β.*

πόθεν ἐῷεν; Philodem. de vit. col. XVII. *κἂν μέμφηταί τις, ἐπιμειδιῶν (λέγειν) "Ἐμὲ σύ;"*

530. *σοί γ' — σιωπῶ 'γώ;*] Cf. Ran. 1134. Lucian. 66, 19. *κἀγὼ σιωπήσομαί σοι.*

531. *μή νυν ζῴην*] Cf. Ran. 177. *ἀναβιοίην νυν πάλιν.* Nub. 1255. Eccl. 977. Eur. Suppl. 454. *μὴ ζῴην ἔτι, | εἰ τἀμὰ τέκνα πρὸς βίαν νυμφεύσεται.* Eur. Or. 1152. *μὴ γὰρ οὖν ζῴην ἔτι, | εἰ μὴ —.* Hom. Od. 24, 439. *ἐμπόδιόν σοι*] Cf. Herod. I. 153. *ἡ Βαβυλών οἱ ἦν ἐμπόδιος.* II. 158. V. 90. cum genitivo Thuc. I. 139. Plat. Legg. 832 A.

535. *καλαθίσκον*] Cf. 579. Th. 822. Eupol. 227. *ἄνευ καλαθίσκων καὶ πόρων* (l. *κἀρίων*) *καὶ πηνίων.*

536. *ξυζωσάμενος*] Cf. Th. 656. *ξυζωσαμένας.*

537. *κνάμους τρώγων*] Cf. 690. *ἵνα μή ποτε φάγῃ — κνάμους μέλανας.* Eq. 41. *ἄγροικος ὀργήν, κυαμοτρὼξ, ἀκράχολος.* et nescio cujus versum, *κρινεῖ δὲ τούτους οὐ κυαμοτρὼξ Ἀττικός.*

539. *ἀπαίρετ'*] Cf. Eccl. 818. *ἀπῆρα.*

540. *ἐν τῷ μέρει*] Cf. Ran. 32. 494. Eur. Suppl. 407. Rhes. 473.

541. Cf. Eur. Bacch. 187. *οὐ κάμοιμ' ἂν θύρσῳ κροτῶν γῆν.* Or. 1590. *οὐκ ἂν κάμοιμι τὰς κακὰς κτείνων.*

542. Cf. Hom. Od. 1, 194. *εὖτ' ἄν μιν κάματος κατὰ γυῖα λάβῃσιν.*

545. *φύσις*] Ingenium.

546. Cf. Eccl. 895. *οὐ γὰρ ἐν νέαις τὸ σοφὸν ἔνεστιν.*

550. *ἔτι — νῦν*] Cf. Ran. 1098. *ἔτι νυνί.* Th. 1202. *Ἑρμῆ δόλιε, ταυτὶ μὲν ἔτι καλῶς ποιεῖς.* Aesch. Ag. 105. *ἔτι γὰρ θεόθεν καταπνεῖ μοι πειθὼ μολπάν.* *οὔρια θεῖτε*] Cf. Com. adesp. 770, 1. *οὐδὲν οὔτ' ἐξ οὐρίων θέουσίν ἐστ' ἀπώμοτον* etc. Eur. Herc. 95. *οὔριος δρόμος.* Schol. (*ἀντὶ τοῦ μὴ μαλάττεσθε* Ruhnk. ad Tim. v. *τέγγεσθαι*).

551. Cf. Anth. Pal. XII. 95. 1. *εἴ σε Πόθοι στέργουσι, Φιλόκλεες, ἥ τε μυρόπνους | Πειθὼ καὶ κάλλευς ἀνθολόγοι Χάριτες.* *Κυπρογένει' Ἀφροδίτη*] Cf. Theogn. 1386. *Κυπρογενὲς Κυθέρεια δολοπλόκε.* *Κυπρογένεια* formatum ut *Τριτογένεια* 347. Eq. 1189. etc.

552. *ἵμερον*] Cf. Hom. Il. 3, 139. *ὣς εἰποῦσα θεὰ γλυκὺν ἵμερον ἔμβαλε θυμῷ | ἀνδρός τε προτέροιο* etc. *Κύπρις* et *Ἵμερος* consociantur Soph. Fr. 710. *καταπνεύσῃ*] Cf. Pac. 525. Aesch. Ag. 105. *ἔτι γὰρ θεόθεν καταπνείει πειθὼ μολπάν.*

553. *ἐντέξῃ*] Cf. Eur. Hipp. 642. *τὸ γὰρ κακοῦργον μᾶλλον ἐντίκτει Κύπρις | ἐν ταῖς σοφαῖσιν.* [Alciphr. I. 13. *ἔρως ἐνέσκηψε καὶ ἐντακεὶς ἀνίησιν.*] *τέτανον*] Tentiginem. Cf. 846. Hor. Sat. I. 2. 118. 'malis tentigine rumpi?' *ῥοπαλισμοὺς*] Cf. v. *στυφελισμὸς* Eq. 537.

554. *λυσιμάχας*] Sic *οἱ οἰκέται λυσίπονοι* dicuntur Pind. P. IV. 71.

560. *Γοργόνα*] Cf. Ach. 1181. *καὶ Γοργόν' ἐξήγειρεν ἐκ τῆς ἀσπίδος.* 1124. *γοργόνωτονἀσπίδος κύκλον.* 574.

562. *πῖλον*] Galeam, cassem. Cf. Antiph. 109. *ὁ δὲ καλὸς πῖλος κάδος.*

563. Cf. Xen. Mem. III. 9. 2. *δῆλον μὲν γὰρ ὅτι Σκύθαι καὶ Θρᾷκες οὐκ ἂν τολμήσειαν ἀσπίδας καὶ δόρατα λαβόντες Λακεδαιμονίοις διαμάχεσθαι· φανερὸν δὲ ὅτι καὶ Λακεδαιμόνιοι οὔτ' ἂν Θρᾳξὶν ἐν πέλταις καὶ ἀκοντίοις οὔτε Σκύθαις ἐν τόξοις ἐθέλοιεν ἂν διαγωνίζεσθαι.* et ad Ach. 160.

564. *ἐδεδίσκετο*] Cf. Theocr. XXV. 74. *τοὺς μὲν ὅγε λάεσσιν — φευγέμεν ἂψ ὀπίσω δειδίσσετο. ἰσχαδόπωλις*] Formatum ut *ἀρτόπωλις.* Cf. Pher. II. 254. *ἰσχαδοπώλης.* eund. *ἰσχαδώνης. δρυπεπεῖς*] Sc. *ἰσχάδες.* Cf. Callim. II. 740. Etiam *ἐλάα,* Chionid. II. 8. *μᾶζαι* Cratin. II. 108. Telecl. II. 374.

565. *δυναταὶ*] Cf. 598. *ἀλλ' ὅστις ἔτι στῦσαι δυνατός.* Vesp. 649. *μύλην — ἥτις δυνατὴ τὸν ἐμὸν θυμὸν κατερεῖξαι.* Eur. Fr. 393, 2. *δρᾶσαι δὲ χειρὶ δυνατὸς.* Thuc. I. 141. 5. *μάχῃ μὲν γὰρ μιᾷ πρὸς ἅπαντας Ἕλληνας δυνατοὶ Πελοποννήσιοι — ἀντισχεῖν* etc.

566. *ἐν ταῖς χώραις*] In regionibus. Angl. in the different countries. *φαύλως*] I. q. *ῥᾳδίως.* Cf. ad Ach. 214.

567. *ὥσπὲρ κλωστῆρ' —*] Sub. *διαλύομεν* ex seqq. *κλωστῆρ'*] Confer nostrum clew. Cf. Ran. 1349. *λίνου μεστὸν ἄτρακτον εἱλίσσουσα χεροῖν, κλωστῆρα ποιοῦσ'.* Eur. Fr. 989. *λίνου κλωστῆρα περιφέρει λαβών.*

572. *ὦ ἀνόητοι*] Idem hiatus est in *ὦ ἀπονοία* (anap.) alicubi.

573. *ἐκ τῶν ἐρίων —*] Anglice, taking a lesson from our wool (mode of working wool). Cf. ad Eq. 464. *οἴμοι, σὺ δ' οὐδὲν ἐξ ἁμαξουργοῦ λέγεις;*

576. *ἐκραβδίζειν*] Virgis expellere. *τριβόλους*] Cf. Virg. G. I. 153. 'Lappaeque tribulique.' III. 385. 'Si tibi lanitium curae, primum aspera silva | Lappaeque tribulique absint.' *ἀπολέξαι*] Cf. Vesp. 580. *ἐκ τῆς Νιόβης — ῥῆσιν τὴν καλλίστην ἀπολέξας.*

577. *πιλοῦντας*] Anglice pressing, crowding. Cf. Fr. 235. *πουλύπου πιλουμένου.* Eubul. III. 268. Arist. Meteor. II. 8. 11. *διὰ τὸ πολὺ εἰς ὀλίγον πιληθῆναι τόπον.* Apoll. Rhod. IV. 678. Anth. Plan. 333. Hinc *πίλωσις* Theophr. *πιλωτὸς* Strab. Dion. Hal. *πίλησις* Plat. Legg. 849 C. Tim. 58 B. 76 C. *πιλητὸς* Tim. 74 B. *πιλητικὸς* Plat. Polit. 280 C.

578. *διαξῆναι*] Cf. Plat. 245. *καταξῆναι.*

579 sq. Cf. Pac. 996.

579. *καλαθίσκον*] Cf. 535.

580. Constructio fortasse est *εἶτα ξαίνειν ἅπαντας ἐς κοινὴν εὔνοιαν* (*ὥσπερ ἐς καλαθίσκον*). Cf. Pac. 297. *καὶ μέτοικοι καὶ ξένοι καὶ νησιῶται.*

581. *ἐγκαταμῖξαι*] Cf. Isocr. p. 312. *πολλὰ — ἐγκαταμεμιγμένα.*

583. *ταῦθ'*] Per attractionem ad *τὰ κατάγματα* positum pro *αὗται*. Eadem constructio est Av. 179. *οὐχ οὗτος οὖν δήπου 'στὶν ὀρνίθων πόλος;* Ran. 181. Cf. ad Nub. 201. *κατάγματα*] Cf. Philyll. 22. *τὸ κάταγμα κροκυδίζουσαν αὐτὴν κατέλαβον.* Pher. 46. *ταχὺ τῶν ἐρίων καὶ τῶν ἀνθῶν τῶν παντοδαπῶν κατάγωμεν.* Lucian. Somn. 19. *ἔρια ἔξαινες καὶ κρόκην κατῆγες.* Lucian. 67. 1. *νῦν μὲν ὑφαίνουσα, νῦν δὲ κρόκην κατάγουσα ἢ στήμονα κλώθουσα ἐπορίζόμην τὰ σιτία μόλις.* Hesychius *κατάγματα* per *μηρύματα ἐρίου* explicat.

586. *τολύπην*] *τολύπη* est *ἐρίων σφαῖρα* (lanae glomus). Cf. Eubul. 42, 3. *τῶν πράσων ποιούμεναι | τολύπας.* Soph. Fr. 920. *ὁλοστήμονας τολύπας.* *τῷ δήμῳ χλαῖναν ὑφῆναι*] Cf. 1156. *τὸν δῆμον ὑμῶν χλαῖναν ἠμπέσχον πάλιν.* Av. 712. *εἶτα δ' Ὀρέστῃ χλαῖναν ὑφαίνειν.*

587. *ταντὶ — ῥαβδίζειν καὶ τολυπεύειν*] In hunc modum de carminatione (576) et glomeribus (586) loqui. *τολυπεύειν*] Cf. Eur. Rhes. 745. *φανερὸν Θρῃξὶν πένθος τολυπεύσας.* Ovid. Met. VI. 19. 'rudem lanam glomerabat in orbes.'

588. *παγκατάρατε*] Cf. *παγκαταπύγων* 137.

592. *μονοκοιτοῦμεν*] Cf. *αἰθριοκοιτεῖν* (Theocr.). *Μονόκοιτος* est ap. Hesych. *στρατιάς*] Cf. Eq. 587. *ἐν στρατιαῖς.* *θἠμέτερον*] Cf. Eccl. 623. *τὸ μὲν ὑμέτερον γνώμην τιν' ἔχει.*

594. *χἄνδρες*] Cf. Eur. Fr. 546, 2. *χἀρετή* (*καὶ ἡ ἀρετή*). *μὰ Δί' ἀλλ' —*] Cf. Xen. Cyr. VIII. 3. 45. *μὰ Δί', ἔφη ὁ Σάκας, ἀλλ' οὐκ ἐγὼ τούτων εἰμί.* Similiter 609. *νὴ τὸν Δί' ἀλλὰ —.*

595. *ἥκων*] Redux, reversus. Cf. Pl. 1179. Aesch. Ag. 774. *καὶ τὸν μὲν ἥκειν, τὸν δ' ἐπεισφέρειν* etc. *παῖδα κόρην*] Cf. Theophil. 12, 6. *ἐρῶν | παιδὸς κόρης.*

596. *τῆς δὲ γυναικὸς μικρὸς ὁ καιρός*] Cf. Eur. Fr. 24, 3. *θήλεια δ' ἥβη θᾶσσον ἐκλείπει δέμας.* Theogn. 985. *αἶψα γὰρ ὥστε νόημα παρέρχεται ἀγλαὸς ἥβη.* Theocr. 27, 8. *μὴ καυχῶ· τάχα γάρ σε παρέρχεται* (*τάχα γὰρ παρελεύσεται?*) *ὡς ὄναρ ἥβα.*

597. Cf. Th. 411. *ὥστ' οὐδεὶς γέρων | γαμεῖν θέλει γυναῖκα διὰ τοὔπος τοδί.* *ὀττευομένη*] Omina captans de amatore.

598. *στῦσαι*] Erigere (sc. penem). Notanda activa forma. Media est Ach. 1220. Av. 1256. Hinc v. *στῦλος.*

599. *τί δὴ μαθὼν*] Cf. Ach. 821. *τί δὴ* (*δαὶ?*) *μαθὼν φαίνεις ἄνευ θρυαλλίδος;* Qu. *τί δαὶ μαθών;*

600. *σορὸν —*] Cf. Fr. 2. *ἀλλ' εἶ σορέλλη* (*σορός τε?*) *καὶ μύρον καὶ ταινίαι.*

602. *στεφάνωσαι*] Cf. Ach. 1145. *στεφανωσαμένῳ.* Fr. 417. *ἀλλὰ στεφάνωσαι· καὶ γὰρ ἡλικίαν ἔχεις | ἀποχρῶσαν ἤδη.* Fr. 445, 6. *οὐδ' ἂν ποθ' οὕτως ἐστεφανωμένοι νεκροὶ | προυκείμεθ'.* Eccl. 538.

603. *ταυτασί*] Sub. *τὰς ταινίας*. Cf. Plat. Symp. p. 214 D. *ἐστεφανωμένον κιττοῦ τέ τινι στεφάνῳ δασεῖ καὶ ἴων καὶ ταινίας ἔχοντα ἐπὶ τῆς κεφαλῆς πάνυ πολλάς*.

605. *τοῦ δεῖ;*] Qua re opus est tibi? Cf. 734. *ἢν τούτου δέῃ*. Av. 1420. *πτερῶν πτερῶν δεῖ*. Pac. 870. *τοῦ πέους δὲ δεῖ* etc. Cave ne *δεῖ* ex *δέει* (sec. pers.) contractum esse existimes, quod legitur Ach. 1026. *εἶτα νυνὶ τοῦ δέει;* Pl. 1135. *εἴ του δέει γ' ὢν δυνατός εἰμί σ' ὠφελεῖν* etc. Th. 264. Ran. 161.

607. *σὺ δὲ κωλύεις ἀνάγεσθαι*] Cf. Theophr. Char. 20. *καὶ ἀνάγεσθαι ἤδη μέλλοντας κωλύειν*.

609. Cf. 594. *μὰ Δί' ἀλλ' οὐκ εἶπας ὅμοιον*.

610. *ὡς ἔχω*] Cave pro *ὥσπερ ἔχω* hoc positum esse censeas. Connecte cum *ἐπιδείξω*, et redde quomodo habeam, Angl. the plight I am in. Sic Eq. 153. *τὸν χρησμὸν ἀναδίδαξον αὐτὸν ὡς ἔχει*. Cf. ad 183. 376. Eq. 488.

612. *ἐς τρίτην — ἡμέραν*] Postridie. Cf. Anaxand. III. 162.

613. *τὰ τρίτα*] Cf. Isae. 2, 46. Thuc. II. 34. *πρότριτα*.

615. *ἐπαποδυώμεθ'*] Cf. Eq. 940. *ἐσθίων ἐπαποπνιγείην*. et proverbium *Σικυώνιος ἐπαπέδυ* (Macar. VII. 62. et Suid.).

616. Cf. Fr. 246. *ἀλλ' εἴσιθ', ὡς τὸ πρᾶγμ' ἐλέγξαι βούλομαι | τουτί· προσόζειν γάρ κακοῦ τού μοι δοκεῖ*. Nub. 398. 1007. Ach. 190 sq. Pac. 530 sq. Aesch. Ag. 1310. *τόδ' ὄζει θυμάτων ἐφεστίων*. Philem. IV. 13. *κοὐχὶ λοπάδος προσῶζεν οὐδ' ἡδυσμάτων*. Fr. 246. Ad rem ipsam cf. Vesp. 502. *ἤρετ' εἰ τὴν Ἱππίου καθίσταμαι τυραννίδα*.

622. *ἐξεπαίρωσιν*] Cf. Eur. Fr. 170. *μηδ' εὐτύχημα μηδὲν ὧδ' ἔστω μέγα | ὅ σ' ἐξεπαίρῃ (ὥς σ' ἐξεπαίρειν?) μεῖζον ἢ χρεὼν φρονεῖν*.

625. *ἔνθεν*] Cf. Av. 748. Ran. 826.

628. Cf. Vesp. 1421. *αὐτῷ διαλλαχθήσομαι*.

629. Cf. Ach. 308. Herod. VIII. 142. *ὡς βαρβάροισί ἐστι οὔτε πιστὸν οὔτε ἀληθὲς οὐδέν*. Eur. Fr. 426. *πολλοὶ παρῆσαν, ἀλλ' ἄπιστα* (i. e. *οὐ πιστὰ*) *Θεσσαλοῖς* (*Θεσσαλῶν* male Hemst Dind. etc. Fr. 463, 3. *πιστὸν γὰρ οὐδέν ἐστιν* (*αὐταῖς*). Fr. 566, 1. *ὡς οὐδὲν ἀνδρὶ πιστὸν ἄλλο πλὴν τέκνων*. Soph. Fr. 583, 3. *βροτῷ δὲ πιστὸν οὐδέν*. Pindar. Fr. 257. *πιστὸν δ' ἀπίστοις οὐδέν*. Hom. Od. 11, 445. *ἐπεὶ οὐκέτι πιστὰ γυναιξί*. *λύκῳ κεχηνότι*] Cf. Fr. 319 D. *λύκος ἔχανεν*. Euphron. IV. 487. *τοῦ γὰρ μὴ χανεῖν | λύκον διακενῆς σὺ μόνος εὕρηκας τέχνην*.

630. *ὕφηναν*] Cf. Hom. Il. 7, 324. *τοῖς ὁ γέρων πάμπρωτος ὑφαίνειν ἤρχετο μῆτιν*. 3, 212. *ἀλλ' ὅτε δὴ μύθους καὶ μήδεα πᾶσιν ὕφαινον*. Od. 5, 356. *μή τίς μοι ὑφαίνῃσιν δόλον αὖτε | ἀθανάτων*. *ἐπὶ τυραννίδι*] Cf. Vesp. 495. 498.

631. Cf. Soph. Fr. 650. *τοιοῦτος ὢν ἄρξεις σὺ τοῦδε τοῦ κρέως;* (Ita enim legerim.) Eur. Herc. 258. *ἀλλ' οὐκ ἐμοῦ σὺ δεσπόσεις χαίρων ποτέ*.

632. *κλαδὶ*] Anomala forma ut *κλάδεσι* Av. 239. Confer Scolion celeberrimum, *ἐν μύρτου κλαδὶ τὸ ξίφος φορήσω.*

634. *ἑστήξω*] Forma haec Attica legitur etiam Iph. A. 675. Thuc. III. 37. 102. Xen. An. II. 4. 5. Plat. Conv. p. 220 D. Resp. IX. p. 738 E. Dem. adv. Lept. p. 468. Recentior forma est *ἑστήξομαι.* V. Elmsl. ad Ach. 590. Cf. Eccles. 682. *κᾆτα στήσασα παρ' Ἁρμοδίῳ (τὰ κληρωτήρια) κληρώσω πάντας.* Alex. III. 407. *χαλκῆν Καλλιμέδοντος εἰκόνα | στῆσαι — ἐν τοῖς ἰχθύσιν.* Herod. VIII. 121. 3. *ἕστηκε δὲ οὗτος τῇπερ ὁ Μακεδὼν Ἀλέξανδρος ὁ χρύσεος.* Thuc. III. 37. *καθεστήξει.* 102. Dinarch. I. 104. *περιεῖδες αὐτὸν ἐν τῇ ἀγορᾷ χαλκοῦν σταθέντα.* Plat. Symp. 220 D. *ἑστήξοι.* Lucian. II. 500. *οἶσθα τὸν χαλκοῦν ἑστῶτα ἐν τῇ ἀγορᾷ.* Athen. XIII. 586 C. *ἐν Ῥωσσῷ δὲ καὶ εἰκόνα χαλκῆν αὐτῆς ἱστάναι τολμῆσαι παρὰ τὴν ἑαυτοῦ.* XIII. 591 B. *ἕστηκε δὲ καὶ ἡ εἰκὼν αὕτη μέση τῆς* etc. Tyrannicidarum statuae in foro prope ascensum ad Propylaea sitae erant. V. Arist. Rhet. I. 9.

635. *πατάξαι*] Cf. 657. Menand. IV. 299. *πρώην ἄρας ἐπάταξα.*

636. *εἰσιόντα σ'*] Cf. Th. 495. *ἀπὸ τείχους εἰσιών.* Ran. 981. *ἅπας τις εἰσιὼν κέκραγε* etc. Pl. 762. *οὐδεὶς γὰρ ὑμῖν εἰσιοῦσιν ἀγγελεῖ* etc. Theogn. 863. *ἑσπερίη τ' ἔξειμι καὶ ὀρθρίη αὖτις ἔσειμι.* Eur. Iph. A. 1160. *ὥστε σ' εἰσιόντα τε | χαίρειν θύραζέ τ' ἐξιόντ' εὐδαιμονεῖν.*

638. *ὦ πάντες ἀστοὶ*] Cf. 777. *ὦ πάντες θεοί.* Av. 1275. Pac. 298. *ὦ πάντες λεῴ.* Soph. Tr. 1135. *δεινοῦ λόγου κατῆρξας.* O. C. 1019. *ὁδοῦ κατάρχειν τῆς ἐκεῖσε.*

640. *εἰκότως*] Cf. Eccl. 7. *σοὶ γὰρ μόνῳ δηλοῦμεν εἰκότως, ἐπεὶ* etc. Ran. 228. Av. 273.

642. *ἠρρηφόρουν*] Cf. Etym. M. 149, 18. *ἀρρηφορεῖν: τέσσαρες παῖδες ἐχειροτονοῦντο κατ' εὐγένειαν ἀρρηφόροι ἀπὸ ἐτῶν ἑπτὰ μέχρις ἕνδεκα — λευκὴν δὲ ἐσθῆτα ἐφόρουν καὶ χρυσία —.*

644. *τἀρχηγέτι*] Cf. Herod. II. 123. 1. *ἀρχηγετεύειν* (*-τέειν*?) *τῶν κάτω λέγουσι Δήμητραν καὶ Διόνυσον.*

645. *ἄρκτος*] Hinc *ἀρκτεύειν.* Fr. 337. *ἀρκτεῦσαι.* Harpocrat. p. 34, 17. *ὅτι δὲ αἱ ἀρκτευόμεναι παρθένοι ἄρκτοι καλοῦνται Εὐριπίδης Ὑψιπύλῃ, Ἀριστοφάνης Λημνίαις καὶ Λυσιστράτῃ.* Anecd. Bekk. p. 449, 32. Suid. v. *ἀρκτεῦσαι.*

646. *ἐκανηφόρουν*] Cf. Theocr. 2, 66. ibique schol. Harpocr. v. *κανηφόρος.* Thuc. VI. 56.

647. *ἰσχάδων ὁρμαθόν*] Cf. Eq. 755. Ran. 914. *ὁρμαθοὺς — μελῶν.* Pl. 765.

648. *ἆρα*] Nonne. Cf. Av. 797. Antiph. III. 152. *ἆρ' ἐστὶ λῆρος πάντα* (*τἄλλα*?) *πρὸς τὸ χρυσίον;* Monost. 37. *ἆρ' ἐστὶ θυμοῦ φάρμακον χρηστὸς λόγος;* Eur. Alc. 229. *ἆρ' ἄξια καὶ σφαγᾶς τάδε —;*

649. Cf. Ach. 496. *μή μοι φθονήσητ', ἄνδρες Ἑλλήνων ἄκροι, | εἰ πτωχὸς ὢν* etc.

650. ἥν γε] Cf. 696. Eccl. 856. Eur. Hel. 1192. ἥν γε συλληφθῇ μόνον.

651. Cf. 653. Philem. 213, 13. ἀλλ' ἑταῖροι καὶ φίλοι σοι καὶ συνήθεις νὴ Δία | ἔρανον εἰσοίσουσιν· εὔχου μὴ πεῖραν λαβεῖν φίλων. Alex. 280, 1. ὦ παῖ, μέγιστος ἐρανός ἐστί μοι τὸ σὲ | θρέψαι κατὰ τρόπον. Dicaeog. 4. αὐτὸς τραφεὶς δὲ τῶν φυτευσάντων ὕπο | καλῶς τὸν αὐτὸν ἔρανον αὐτοῖσιν νέμεις. Lycurg. Leocr. 143.

655. διαλυθῆναι] Perire.

656. γρυκτόν] Cf. Pher. Fr. 157. ἄγρυκτα κἄλεκτ'.

657. Cf. 635. τῆς θεοῖς ἐχθρᾶς πατάξαι τῆσδε γραὸς τὴν γνάθον. Av. 497. παίει ῥοπάλῳ με τὸ νωτόν.

658. ταῦτ' —;] Cf. Pl. 886. Ran. 21. Nub. 1299. Soph. O. C. 883. οὖν οὐχ] Qu. οὐ δῆθ'.

661. ἐνόρχης] Cf. Plat. com. II. 674. πλακοῦς ἐνόρχης. Com. adesp. ἐνόρχην λαόν (λεών? i. e. τὸν ἐπὶ ἥβης, Hesych.).

662. ἐξωμίδ'] Cf. 1021. Fr. 114, 3 D. Hinc ἐξωμίζειν (τὸν βραχίονα) Eccl. 267. Est autem ἐξωμὶς χιτὼν ἀχειρίδωτος tunica non manuleata. Xen. Mem. II. 7. 6. Μεγαρέων οἱ πλεῖστοι ἀπὸ ἐξωμιδοποιίας διατρέφονται. Apollod. Car. 4. τὴν ἐπωμίδα | πτύξας διπλῆν ἄνωθεν ἐνεκομβωσάμην. Mulierum erat ἐπωμὶς (Poll. VII. 49.), servorum ἐξωμὶς (Poll. IV. 118. VII. 47.). Quae si vera sunt, legendum hic erit ἐπωμίδ'.

663. ἀνδρὸς ὄζειν] Cf. 687.

664. ἐντεθριῶσθαι] Anglice, to muffle up. Hesych. ἐνεθρίωσαν· θρῖον ἐποίησαν, ὅπερ ἐστὶ βρῶμα. Cf. Sotad. III. 586. θρίοισι ταύτην — ἐσπαργάνωσα περιπάσας ὀρίγανον.

666. Λειψύδριον] Similis formae nomen est Μεθύδριον Arcadiae locus Thuc. V. 58.

669. Cf. Ran. 590 sq.

669. Cf. Theogn. 1009. οὐ γὰρ ἀνηβᾶν | δὶς πέλεται (δέδοται?) πρὸς θεῶν.

670. κἀποσείσασθαι τὸ γῆρας] Cf. Pac. 336. τὸ γῆρας ἐκδύς. Ran. 345 sq.

671 sq. Nescio an in his lateat aliud quid nequam.

671. κἂν σμικρὰν λαβὴν] Cf. Ach. 1021. μέτρησον εἰρήνης τί μοι, κἂν πέντ' ἔτη. Soph. El. 1482. ἀλλά μοι πάρες | κἂν σμικρὸν εἰπεῖν.

672. οὐδὲν] Angl. in no respect. Genitivus χειρουργίας pendet ab ἐλλείψουσιν. Cf. Aesch. Prom. 341. προθυμίας — οὐδὲν ἐλλείπεις. Plat. Resp. 571 D. Lys. 129, 27. οὐδὲν τῆς προθυμίας ἐλλέλειπται. λιπαροῦς] Anglice persevering. Verbum λιπαρεῖν legitur Ach. 452.

675. Ἀρτεμισία] Producta antepenultima, ut in Ἀφροδίσιον (ῑ).

676. διαγράφω] Circumscribo, expungo. Plat. Resp. 387 B. Eur. El. 1073. διάγραφ' ὡς οὖσαν κακήν (αὐτήν). et ad Nub. 774.

677. Cf. Vesp. 500 sq. Eccl. 441. *γυναῖκα δ' εἶναι πρᾶγμ'* (*χρημ'*?) *ἔφη νουβυστικόν*. Fr. 621. Strab. XIII. p. 617. *ἡ Σαπφὼ θαυμαστόν τι χρῆμα*. Achill. Tat. VI. 3. 4. *κόρην — χρῆμά τι κάλλους ἄπιστον*. Charit. I. 1. 1. *θαυμαστόν τι χρῆμα παρθένου*. *ἱππικώτατον*] Cf. v. *Ἱπποκλείδης* Fr. 621. *ἔποχον*] Cf. Himer. Orat. XIII. 7. *κύκνοις ἔποχον εἰς Ἑλικῶνα πέμπουσιν* (*αὐτόν*).

678. *τρέχοντος*] Sub. *αὐτοῦ*. Cf. ad 310.

680. *τετρημένον ξύλον*] I. q. *πεντεσύριγγον ξύλον* Eq. 1049.

681. Cf. Cratin. II. 84. *ἐν τῷ κύφωνι τὸν αὐχέν' ἔχων*. Eur. Hec. 376. *φέρει μέν, ἀλγεῖ δ' αὐχέν' ἐντιθεὶς ξύλῳ*. Anacr. Fr. 21, 9. *πολλὰ μὲν ἐν δουρὶ δεθεὶς αὐχένα, πολλὰ δ' ἐν τροχῷ*.

682. Cf. Men. IV. 90. *ὦ τρισκατάρατε, ζωπύρει τοὺς ἄνθρακας*.

683. *λύσω τὴν ἐμαυτῆς ἶν'*] Meam vim. I. q. *ἰσχύν*. Anglice, I will put forth my strength. Cf. Pac. 85. *πρὶν ἂν ἰδίῃς* (*ἰδίσῃς*?) *καὶ διαλύσῃς | ἄρθρων ἶνας*. Th. 47. *θηρῶν δ' ἀγρίων πόδες ὑλοδρόμων | μὴ λυέσθων*. Hom. Od. 11, 219. *οὐ γὰρ ἔτι σάρκες τε καὶ ὀστέα ἶνες ἔχουσι*. Il. 7, 269. *ἐπέρεισε δὲ ἶν' ἀπέλεθρον*. 5, 245. *ὗν*] Leg. *ἶν'*. Cf. Lucian. de Salt. 4. *ὡς κάρχαρόν τινα ἔλυσας ἐφ' ἡμᾶς τὸν σαυτοῦ κύνα*.

685. *πεκτούμενον*] Cf. supra 440.

687. *ὄζωμεν*] Cf. 663. *αὐτοδάξ*] Cf. Pac. 607. *τὸν αὐτοδὰξ τρόπον*. Alciphr. III. 58. *δακὼν τὸ χεῖλος*.

688. Cf. Pl. 928.

690. *ἵνα μή ποτε φάγῃ σκόροδα*] Cf. 798. *κρομμύων τἄρ' οὐκ ἔδει*.

691. *κυάμους μελάνας*] Cf. Hom. Il. 13, 589. *κύαμοι μελανόχροες*. Diph. IV. 416. *ῥαφανῖδας, θερμοκυάμους*.

693. *ὑπερχολῶ*] Cf. Antiph. 309. *ὑπέρχολος γενόμενος*. Hesych. *ὑπέρχολος· ὑπερβαλλόντως ὀργιζόμενος*. Antiph. 89, 4. *ὃ δὲ χολᾶν ποιεῖ*, etc.

697. Cf. Ephipp. III. 334. *ἐγχελύδια | Θήβηθεν ἐνίοτ' ἔρχεται*.

700. *παιγνίαν*] Festum. I. q. *ἑορτήν*. Cf. Herod. I. 94. *ἡ τῶν πεσσῶν παιγνίη*. II. 173. Simile est *παιδιά*.

701. Cf. Nicostrat. com. III. 286. *ὁ κάπηλος οὐκ τῶν γειτόνων*.

702. *παῖδα*] Cf. Th. 761. *τίς τὴν ἀγαπητὴν παῖδά σου 'ξηρήσατο;* Eubul. III. 236. *τεῦτλ' ἀμπεχομένης παρθένου Βοιωτίας | Κωπᾴδος*. *ἔγχελυν*] Eadem forma est Ach. 889.

704. *οὐχὶ μὴ παύσησθε*] Cf. ad Soph. O. C. 177. Ant. 1043. El. 1052. Plat. Crit. p. 44 C. Xen. Hell. I. 6. 32. Madvig. Adv. Crit. p. 240. *παύσησθε τῶν ψηφισμάτων*] Cf. Eq. 1383. *παυσαμένους ψηφισμάτων*.

705. Etiam haec Euripidea esse conjicit Valck.

707. *τί μοι —*] Et haec Euripidea esse jure suspicatur Nauck. ad Eur. Fr. 704. *σκυθρωπὸς*] A *σκυθρός*, hoc vero a *σκύζεσθαι* (irasci), Hom. Il. 4, 23. etc. Menand. IV. 72. *ἄγροικος, ἐργάτης,*

σκυθρὸς, πικρός. Hinc *σκυθρᾴζειν* Eur. El. 830. et *σκυθρωπάζειν* supra. *δόμων*] Vox tragica. Cf. Ach. 450. *ἀπωθοῦμαι δόμων.* 456. Eccl. 11.

709. *ἄνω κάτω*] Cf. Meuand. IV. 70. *εἰ δὲ μή γ', ἄνω κάτω* | *ἡμῶν ὁ βίος λήσει μεταστραφεὶς ὅλος.*

712. Cf. Pl. 631. *τί δ' ἐστὶν, ὦ βέλτιστε; τοῖς σαυτοῦ φράσον* (sc. *φίλοις*, ita enim legendum videtur, coll. 1134.). 1134. *ἆρ' ὠφελήσαις ἄν τι τὸν σαυτοῦ φίλον;*

715. *βινητιῶμεν*] Cf. Menand. 462, 11. *ὑποβινητιῶντα βρώματα.* Machon. Athen. XIII. 583 C. *περίμενε — ἕως ἂν οὗ* | *βινητιάσω, καὶ τοσοῦτον λήψομαι.* Confer *χεζητιᾶν, οὐρητιᾶν* (Vesp. 807.), *ὠνητιᾶν, πασχητιᾶν, τρυφητιᾶν* (Clem. Alex.), *μελλητιᾶν, κομητιᾶν, φρενητιᾶν, κελητιᾶν, κυμβητιᾶν.*

717. *τί Ζῆν' ἀϋτεῖς;*] Tragicum sermonem imitatur. Cf. Eur. Cycl. 669. *τί χρῆμ' ἀϋτεῖς;* Hec. 1092. *βοὰν ἀϋτῶ.* Phoen. 1551. *παρὰ — ἀϋτεῖν.*

719. *οἷα τ'*] Sub. *εἰμί.* Cf. Th. 178. Eq. 343.

721. *Πανὸς — ταὐλίον*] Cf. 911. Id. antrum in acropoli paullum infra Pelasgicon situm erat. V. Lucian. Bis accus. c. 9.

723. *ἐπὶ στρούθου*] Quasi *ἐφ' ἵππου.* Cf. Vesp. 207. *στροῦθος ἀνὴρ γίγνεται.* Com. anon. IV. 647. *ἀλλ' ἢ τρίορχος* (Av. 1206.) *ἢ πτερῶν ἢ στρουθίας.* Hesych. *στροῦθος· ὁ καταφερὴς καὶ λάγνος* (*ὄρνις*).

725. Nomen *Ὀρσίλοχος* legitur jam apud Homerum Il. 5, 546. *τῶν τριχῶν κατέσπασα*] Cf. Antiph. 86, 3. *τοὺς γλιχομένους δὲ ζῆν κατασπᾷ τοῦ σκέλους* | *ἄκοντας ὁ Χάρων.* Aesch. Suppl. 909. *ἕλξειν ἔοιχ' ὑμᾶς ἀποσπάσας* (l. *ἐπισπάσας*) *κόμης.* Eur. Andr. 711. *ἐπισπάσας κόμης.* Hel. 115. Tro. 882. Cratin. II. 217. *ἄκρας τῆς κόμης καθέλκων.*

726. *προφάσεις — ἕλκουσιν*] Cf. Herod. VI. 86. 1. *οἱ Ἀθηναῖοι προφάσιας εἷλκον.* Lat. moras trahere, tergiversari.

727. *ἕλκουσιν*] Qu. *πλέκουσιν* (nectunt). Cf. Vesp. 644. *παντοίας πλέκειν εἰς ἀπόφευξιν παλάμας.* Eur. Andr. 66.

728. *αὕτη σὺ, ποῖ θεῖς;*] Cf. Av. 1199.

729. *ἔρια — Μιλήσια*] Cf. Eubul. 90, 2. *κάτω μὲν ὑποβαλεῖτε τῶν Μιλησίων* | *ἐρίων —;*

730. *σέων*] Cf. Hermipp. 94. *σέων.* Thom. Mag. p. 790. *σέας.* Men. IV. 235. *τὸ δ' ἱμάτιον οἱ σῆτες.* Hinc *σητόκοπος* Anth. P. XI. 78. *σητόβρωτος* (Hellen.). Recentior forma est *σητῶν.*

731. Cf. Th. 219. *χρῆσόν τί νυν ἡμῖν ξυρόν. B. αὐτὸς λάμβανε.* et ad Av. 1023.

732. Cf. Nub. 343. *εἴξασιν δ' οὖν ἐρίοισιν πεπταμένοισι* (*ἐρίοις ἀναπεπταμένοισι?*). Vesp. 1288. *ὅσον δὲ μόνον εἰδέναι.* Plat. Prot. 334 C. *ὅσον μόνον τὴν δυσχέρειαν κατασβέσαι.*

733. *μηδαμῇ*] Cf. *οὐδαμῇ* Telecl. II. 367. Soph. Ant. 874.

735. Cf. Pl. 1044. *τάλαιν' ἐγὼ τῆς ὕβρεος ἧς ὑβρίζομαι.* Ach. 1210. *τάλαιν' ἐγὼ ξυμβολῆς βαρείας.* Alex. III. 422. *ὦ τάλαιν' ἐγὼ κακῶν.* *ἀμόργιδος*] Ab *ἀμέργειν* (Com. anon. V. 122. *ἀμέργων τὰς ἐλάας*).

736. *ἄλοπον*] Angl. not hackled. Cf. v. *ἀλόπιστος* (Theophr. H. Pl. V. 1. 2.).

737. *ἄμοργιν*] I. e. byssum. V. Poll. V. 74. Scribendum *ἀμοργίν*. V. Herodian. I. 87. 18. Lentz. Cf. Poll. VII. 74. *τὰ δὲ ἀμόργινα γίνεσθαι μὲν τὰ ἄριστα ἐν τῇ Ἀμοργῷ, λίνου δ' οὖν καὶ ταύτας (ταῦτα?) εἶναι λέγουσιν. ὁ δὲ ἀμόργινος χιτὼν καὶ ἀμοργὶς ἐκαλεῖτο.* Aliud est *ἄμοργις* (sic), i. e. *ἡ ὑποστάθμη*, amurca.

739. *ἀποδείρασ'*] Cf. 740. 953.

742. *ἐπίσχες τοῦ τόκου*] Cf. Eccl. 369. Av. 1200. *ἐπίσχες τοῦ δρόμου.* Theocr. 16, 82. *πότνι' Ἀθάνα.* 27, 29. *ὠδίνειν τρομέω· χαλεπὸν βέλος Εἰλειθυίας.* Eur. Fr. 696, 2. *ἔνθα μητέρ' ὠδίνων ἐμὴν | ἔλυσεν Εἰλείθυια.*

743. Cf. Ran. 1080. Thuc. III. 114. *μήτε ἐναποθνήσκειν ἐν τῇ νήσῳ μήτε ἐντίκτειν* (in insula Delo vetitum est). Clemens Alex. Strom. VII. p. 841. *εὖ δὲ καὶ ἡ Αὔγη δικαιολογουμένη πρὸς τὴν Ἀθηνᾶν ἐπὶ τῷ χαλεπαίνειν αὐτῇ τετοκυίᾳ ἐν τῷ ἱερῷ λέγει* etc. *ὅσιον*] Cf. Dem. p. 1315. *μήδ' ἱερῶν μήθ' ὁσίων.*

744. *τέξομαι*] Futurum *τέξω* est Eq. 1037. Th. 509.

748. *ἄρρεν παιδίον*] Cf. Eccl. 549. *ἄρρεν γὰρ ἔτεκε παιδίον.* Th. 564.

749. Cf. Eupol. II. 529. *ὅστις πύελον ἥκεις ἔχων καὶ χαλκίον | ὥσπερ λεχὼ στρατιῶτις ἐξ Ἰωνίας.*

750. *εἴσομαι δ' ἐγώ*] Cf. Vesp. 1224. *ἐγὼ (τάχ'?) εἴσομαι· καὶ δὴ γάρ εἰμ' ἐγὼ Κλέων.*

751. *ὦ καταγέλαστ'*] Cf. 907. Ran. 480.

753. *ἵνα μ' εἰ καταλάβοι —*] Sic Av. 1550. *ἵνα μ' ἐὰν ὁ Ζεὺς ἴδῃ | ἄνωθεν, ἀκολουθεῖν δοκῶ κανηφόρῳ.*

759. *τὸν ὄφιν — οἰκουρόν*] Cf. Soph. Phil. 1360.

760. Cf. Com. anon. IV. 669. *ὅταν δὲ νυστάζοντά μ' ἡ λύπη λάβῃ, | ἀπόλλυμ' ὑπὸ τῶν ἐνυπνίων.*

761. *ἀγρυπνίαισι*] Cf. ad 27. Herod. III. 129. *ἑπτὰ νύκτας — ἀγρυπνίῃσι ἔχετο.* *κακκαβιζουσῶν*] Cf. Arist. H. A. 4. 9, 19. *τῶν περδίκων οἱ μὲν κακκαβίζουσιν, οἱ δὲ τρίζουσιν.*

763 sq. Cf. Aesch. Ag. 545. *ποθεῖν ποθοῦντα (ποθοῦσαν?) τήνδε γῆν στρατὸν λέγεις;* Similiter fere Ach. 555. *ταῦτ' οἶδ' ὅτι ἂν ἔδρατε· τὸν δὲ Τήλεφον | οὐκ οἰόμεσθα;* Nub. 1415.

766. *προσταλαιπωρήσατ' ἔτ' ὀλίγον χρόνον*] Cf. ad Eq. 667.

768. Cf. Av. 1029. *ἄπιθι λαβών· ἔστιν δ' ὁ μισθὸς οὑτοσί.*

771. *φαλήτων*] I. q. *φαλλῶν.*

772. *τὰ δ' ὑπέρτερα νέρτερα θήσει*] Cf. Theogn. 843. *ἀλλ' ὁπόταν καθύπερθεν ἐὼν* (*ἐόνθ'*?) *ὑπένερθε γένηται*, | *τουτάκις οἴκαδ' ἴμεν παυσάμενοι πόσιος*. 679. *κακοὶ δ' ἀγαθῶν καθύπερθεν*. Herod. VII. 233. *ὡς εἶδον κατυπέρτερα τῶν Περσέων γινόμενα τὰ πρήγματα, χεῖράς τε προέτεινον* etc.

776. *καταπυγωνέστερον*] Pro *καταπυγονέστερον* propter metrum. Sic *ἀλαζονέστατος* Plat. Phil. 65 C. Phryn. Ecl. 195. *οἱ δὲ ἀρχαῖοι ἐπὶ τοῦ καταπύγωνος* (sic). Cf. Ach. 79. *καταπύγονας*.

781 sq. *μῦθον βούλομαι λέξαι τιν' ὑμῖν*] Cf. 806. Pher. 96, 5. *μῦθον εἰς ὑμᾶς ἕτερον* | *Φερεκράτης λέξει* etc.

784. *οὕτως*] Cf. Vesp. 279. *κάτω κύπτων ἂν οὕτω "Λίθον ἕψεις" ἔλεγεν*. 1182.

785. *Μελανίων*] Cf. 797. 808. Paus. III. 12. 7. Fabula Antiphanis comici *Μειλανίων* (sic) memoratur Athen. X. 423 D. ("Fortasse rectius scribitur *Μελανίων*", Mein.). Est autem *Μειλανίων* epica forma nominis *Μελανίων*, ut *μείλανι πόντῳ* pro *μέλανι πόντῳ* Hom. Il. 24, 79.

790. *ἄρκυς*] Contractum ex *ἄρκυας*. Sic *βότρυς* Fr. 476, 1.

793. *ὑπὸ μίσους*] Sc. *τῶν γυναικῶν*, ut mox explicatur.

798. Cf. 690. *ἵνα μηκέτι φάγῃ σκόροδα μηδὲ κυάμους μελάνας. κρομμύων*] Cf. Pac. 1129.

799. *ἀνατείνας* —] Sc. *τὼ σκέλη*. Cf. ad Av. 1254. Eq. 1129. Vesp. 1161. Lucian. II. 556. 800.

802. *μελάμπυγός τε τοῖς ἐχθροῖς*] Quasi *δεινὸς* (aut *φοβερὸς*) —: *μελάμπυγος* enim valet *ἀνδρεῖος*. Contra *λευκόπυγος* (Alex.) et *λευκόπρωκτος* (Callias II. 738.) et *πύγαργος*, i. e. *ἄνανδρος, δειλός* (Soph. Fr. 931.). Cf. Cratin. II. 184. *δασὺν ἔχων τὸν πρωκτὸν* etc. *Δασυπύγων* est Thesm. 33. Eubul. 61, 3. *ἐγὼ δέ γ' εἰμὶ τῶν μελαμπύγων ἔτι*. Sic Hercules *μελάμπυγος* dicebatur (V. Preller. Myth. Gr. II. 231.).

804. *ὡς δὲ καὶ Φορμίων*] Cf. Herod. III. 13. *ὡς δὲ καὶ Βαρκαῖοι* etc. V. 30. *ὡς δὲ καὶ τοὺς ἄλλους νησιώτας*. IX. 35. 1. *ὡς δὲ καὶ Σπαρτιῆται* etc. Cf. Soph. O. C. 1244. *ὡς καὶ τόνδε — ἆται κλονέουσιν*. Schol. (*'Ασωπίου* Dind. ad Fr. 73.).

806. *τῷ Μελανίωνι*] I. e. *τῷ μύθῳ περὶ Μελανίωνος*. Cf. 571.

809. De forma *ἄϊδρυτος* (*ἀνίδρ.*) v. Lob. Phryn. 730.

810. *σκώλοισι*] *σκῶλος πυρίκαυστος* est Hom. Il. 13, 564. Hesychius *σκῶλος* per *σκόλοψ* — *ἢ ἀπωξυμμένος πάσσαλος*, — *ἢ ἀκάνθης εἶδος* explicat. *περιειργμένος*] Anglice fenced round.

811. Similiter Theocritus X. 7. *πέτρας ἀπόκομμ' ἀτεράμνου*.

812. *ἀπορρώξ*] Cf. Hom. Il. 2, 755. *Στυγὸς ὕδατός ἐστιν ἀπορρώξ*. Od. 9, 359. *ἀμβροσίης καὶ νέκταρός ἐστιν ἀπορρώξ*. Athen. p. 99 D. *Δημάδης ἔλεγε τὴν Σάμωον ἀπορρῶγα τῆς πόλεως*.

815. *καταρασάμενος — πονηροῖς*] Cf. Nub. 871. *καταρᾷ σὺ τῷ διδασκάλῳ;* Ran. 746.

817. *ἀντεμίσει*] Cf. Eq. 733. *ἀντεραστὴς τουτουί.*

821. *θένω*] Subjunctivus. Cf. Ran. 416. *βούλεσθε δῆτα κοινῇ σκώψωμεν Ἀρχέδημον;*

824. *τὸν σάκανδρον*] Cf. Eccl. 502. *σάκον.* Hesych. *σάκον: τὸ τῆς γυναικός* (*αἰδοῖον*). Id. *Σακκινόσοκοι* (l. *σακκινόκυσοι*)· *δασύπρωκτοι.* Simile est *σάκτας* (*τὸ γυναικεῖον αἰδοῖον*). Phot. v. *Σάραβον.*

825. *ὅμως*] Raro ante *καίπερ* ponitur ut hic.

827. *ἀπεψιλωμένον τῷ λύχνῳ*] Cf. Eccl. 13. 904. *σὺ δ', ὦ γραῦ, παραλέλεξαι κἀντέτριψαι.*

831. *παραπεπληγμένον*] Cf. Eccl. 139. Pl. 242. *παραπλῆγ' ἄνθρωπον.*

832. *τοῖς τῆς Ἀφροδίτης ὀργίοις*] Cf. Th. 948. 1151. Ran. 356.

833. *ὦ πότνια —*] Cf. Eq. 560. Pind. Fr. 71. *ὦ Πὰν, Ἀρκαδίας μεδέων.* Xenarch. III. 617. *ὦ δέσποινα ποντία Κύπρι.* Theogn. 1386. *Κυπρογενὲς Κυθέρεια.*

834. *ἴθ' ὀρθὴν ἥνπερ ἔρχει τὴν ὁδόν*] Cf. Ran. 301. *ἴθ' ᾗπερ ἔρχει.* Ach. 1144. *ὡς ἀνομοίαν ἔρχεσθον ὁδόν.* Antiphan. III. 62. *οὐ ῥᾳδίως ἔξειμι τὴν αὐτὴν ὁδόν.* Theogn. 945. *εἶμι παρὰ στάθμην ὀρθὴν ὁδόν.* 331. *μέσσην ὁδὸν ἔρχεο ποσσίν.*

835. *παρὰ τὸ τῆς Χλόης*] Sacrarium ejus in arce erat. Eupol. 183. *ἀλλ' εὐθὺ πόλεως* (acropolin intellige) *εἶμι· θῦσαι γάρ με δεῖ | κριὸν Χλόῃ Δήμητρι.* Cf. 911. *ὅπου τὸ τοῦ Πανὸς καλόν.*

836. *ὦ νὴ Δί'*] Cf. Eccl. 160. *ὦ νὴ τὸν Ἀπόλλω.* *τίς κἀστίν ποτε;*] Cf. Eccl. 1014. *λέγ' αὐτὸ τί ποτε κἀστί.* et ad Eq. 342.

839. *σὸν ἔργον ἤδη —*] Cf. Pac. 1305. Soph. Aj. 15. *ἀλλ' ἔργον ἤδη σὸν τὰ λοῖφ' ὑπηρετεῖν.* Phil. 15. *ὀπτᾶν*] Torrere. Cf. Soph. Fr. 433, 3. *ἣ θάλπεται μὲν αὐτὸς, ἐξοπτᾷ δ' ἐμέ.* Sapph. Fr. 115. *ὀπτᾷς ἄμμε.* Theocr. 7, 55. *αἴκεν τὸν Λυκίδαν ὀπτεύμενον ἐξ Ἀφροδίτας | ῥύσηται.* 23, 34. *τὰν κραδίαν ὀπτεύμενος.* V. 102. *αἴθετ' ἔρωτι.* VII. 56. Callim. H. Apoll. 49. Hor. Od. III. 19. 28. 'Me lentus Glycerae torret amor meae.' *τρέπειν*] Cf. Ach. 1005.

840. *ἠπεροπεύειν*] Critias Athen. XIII. 600 D. *συμποσίων ἐρέθισμα, γυναικῶν ἠπερόπευμα* (Anacreontem).

846. *τέτανος*] Tentigo. Cf. 553. *ἐπὶ τροχοῦ —*] Cf. Pl. 875. *ἐπὶ τοῦ τροχοῦ — στρεβλούμενον.* Ran. 620. Eq. 775. Nub. 620. Plut. Nic. 30. *εἰς τὸν τροχὸν καταδεθεὶς ἐστρεβλοῦτο πολὺν χρόνον.* Sic *ἐπὶ κνάφου ἕλκειν* est Herod. I. 92.

852. *Παιονίδης*] *Κακεμφάτως.* Cf. Pac. 898. *παίειν, ὀρύττειν.*

855. *σ' ἔχει διὰ στόμα*] Cf. Aesch. Sept. 51. 579. Eur. Or. 103. Theocr. 12, 20. *ἡ σὴ νῦν φιλότης — πᾶσι διὰ στόματος.* Athen. I. 4 C. *πολλοὶ — διὰ στόματος εἶχον τὰς — μυραίνας,* etc. Plut. Nic. 9.

857. *ὦ πρὸς τῶν θεῶν*] Cf. 836. *ὦ νὴ Δί'.* Eccl. 160. *ὦ νὴ τὸν Ἀπόλλω.*

860. Cf. Arist. Ran. 809. *λῆρόν τε τἄλλ' ἡγεῖτο* etc. Nub. 365. *τἄλλα δὲ πάντ' ἐστὶ φλύαρος.* Alex. III. 422. *πρὸς τὸ κέρδος καὶ τὸ συλᾶν τοὺς πέλας | πάντα τἄλλ' αὐταῖς πάρεργα γίγνεται.* 395. *σποδός τε τἄλλα, Περικλέης, Κόδρος, Κίμων.* 450. *ἡ τῶν γὰρ ἀνδρῶν ἐστι πρὸς ἐκείνην μέλι.* Antiphan. 232, 1. *ἆρ' ἐστὶ λῆρος πάντα (τἄλλα?) πρὸς τὸ χρυσίον;* Amph. III. 317. *ἐξελαύνει γὰρ* (sc. *λύπη*) *σφόδρα | αὐτὴν (μέθην) τάχ' ὥστε τὰς ῥαφάνους λῆρον δοκεῖν.* (Ita enim corrigendus videtur locus mendosus.) Com. adesp. 1270. *μάταια τἄλλα παρὰ* (legendum *πρὸς*) *Κρότωνά γ' ἄστεα.* Xenarch. 7, 1. *οἱ μὲν ποιηταὶ λῆρός εἰσιν.* Soph. Fr. 325, 3. *τοῦ γε κερδαίνειν ὅμως | ἀπρὶξ ἔχονται, κἄστι πρὸς τὰ χρήματα | θνητοῖσι τἄλλα δεύτερ'.* Eur. Fr. 301. *πρὸς τὴν ἀνάγκην πάντα τἄλλ' ἔστ' ἀσθενῆ.* Fr. 96, 1. *ἀλλ' οὐδὲν ηὑγένεια πρὸς τὰ χρήματα.* Xen. Anab. VII. 7. 41. *καίτοι Ἡρακλείδῃ γε λῆρος πάντα (τἄλλα?) δοκεῖ εἶναι πρὸς τὸ ἀργύριον ἔχειν ἐκ παντὸς τρόπου.* Aristid. II. 174 D. *πάντα δ' εἶναι φλυαρίαν πρὸς ἐκεῖνον.*

865. *τῷ βίῳ*] Lege *τοῦ βίου.* Cf. Soph. Fr. 718. *τῶν πολλῶν καλῶν | τίς χάρις, εἰ —;* Av. 156. *οὐκ ἄχαρις* (*βίος*).

868. Cf. Vesp. 1420. *καὶ χάριν πρὸς εἴσομαι* (sc. *σοι*). Plat. Theaet. 155 E. *χάριν μοι εἴσει, ἐὰν* etc. Strab. XIV. p. 658. *πολλήν σοι χάριν οἶδα τῆς πρός με τιμῆς* etc. Lucian. Herm. 86. *σοὶ δ' οὖν οὐ μικρὰν χάριν οἶδα.*

872. Cf. 889. *ὦ γλυκύτατον σὺ* etc. Ach. 475. *Εὐριπίδιον, ὦ γλυκύτατον καὶ φίλτατον.* *Μυρρινίδιον*] *Ὑποκοριστικὸν* ut *Εὐριπίδιον, Σωκρατίδιον, Φειδιππίδιον, Δημίδιον,* etc.

873. *αὐτόσ'*] Cf. Th. 202. *τί δ' ἐστὶν ὅτι δέδοικας ἐλθεῖν αὐτόσε;*

878. *τῷ γοῦν παιδίῳ ὑπάκουσον*] Cf. ad Nub. 360. *οὐ γὰρ ἂν ἄλλῳ γ' ὑπακούσαιμεν* etc. *μαμμία*] Cf. Vesp. 297. *ὦ παππία.* Pac. 128.

881. *ἄθηλον*] Cf. Theocr. 3, 16. *μασδὸν ἐθήλαζε.*

884. Cf. Eur. Fr. 104. *δεινόν τι τέκνων φίλτρον ἔθηκεν | θεὸς ἀνθρώποις.* *τί γὰρ πάθω;*] Cf. Eccl. 860. *βαδιεῖ δὲ δειπνήσων ὅμως; ΑΝ. Β. τί γὰρ πάθω;* Nub. 798. Av. 1432.

886. *ἀγανώτερον βλέπειν*] Cf. Pl. 1022. *βλέμμα — μαλακὸν καὶ καλόν* (l. *κἀγανόν*). Av. 1321. *τό τε τῆς ἀγανόφρονος Ἡσυχίας — πρόσωπον.* (Cf. epithetum *ἀγανοβλέφαρος* (Ibyc. Fr. 4.).

887. *βρενθύεται*] Cf. Pac. 25. *ὑπὸ φρονήματος | βρενθύεται.* Nub. 362. *ὅτι βρενθύει τ' ἐν ταῖσιν ὁδοῖς —.*

889. Cf. 872. *ὦ γλυκύτατον Μυρρινίδιον.* Ach. 475. *Εὐριπίδιον, ὦ γλυκύτατον καὶ φίλτατον.* Eur. Fr. 727. *ἀπέπτυσ' ἐχθροῦ φωτὸς ἔχθιστον πλέκος* (*τέκος*). Lycophr. trag. 1, 1. *παῖδες κρατίστου πατρὸς ἐξωλέστατοι.* Imitatur Aeschylum Fr. 201. *ἐχθροῦ πατρός μοι τοῦτο* (*δεῦρο* aut *κλῦθι?*) *φίλτατον τέκνον.*

896. *τῆς κρόκης*] Cf. Th. 739. *κακὸν δὲ καὶ τοῖς σκευαρίοις*

καὶ τῇ κρόκῃ. Vesp. 1144. Men. IV. 298. *κρόκην δὲ νήσεις | καὶ στήμονα.* Eup. II. 556. *τῇ χειρὶ νῶσαι μαλθακωτάτην κρόκην.*

898. *ἀνοργίαστα*] *ὀργιάζειν* legitur Eur. Bacch. 416.

903. *ἀπομώμοκα*] I. e. jure jurando recusavi. Cf. Av. 706. *πολλοὺς δὲ καλοὺς ἀπομωμοκότας παῖδας — διεμήρισαν ἄνδρες ἐρασταί.* Soph. Ant. 394. *δι' ὅρκων καίπερ ὢν ἀπώμοτος.* Trag. adesp. 472. *νοῦς — πάντα κηλεῖ, κἂν ἀπώμοτός τις ᾖ.*

904. *διὰ χρόνου*] Cf. Pac. 710. Vesp. 1252. Pl. 1055.

906. *τί οὖν οὐ κατεκλίνης —;*] Cf. 1161. *τί δ' οὐ διηλλάγητε;*

915. Cf. Ach. 833.

917. Cf. Hom. Il. 10, 329. *ἴστω Ζεὺς — μὴ — ἐποχήσεται ἄλλος.* 14, 36. *ἴστω νῦν τόδε Γαῖα — μὴ δι' ἐμὴν ἰότητα Ποσειδάων ἐνοσίχθων | πημαίνει Τρῶάς τε καὶ Ἕκτορα, τοῖσι δ' ἀρήγει.*

919. Cf. 909. *τὸ μέν τοι παιδίον.* Aesch. Sept. 369. *ὅ τοι κατόπτης* etc. Eur. Fr. 223, 1. *τήν τοι Δίκην λέγουσι* etc. Chaerem. Fr. 24, 2. *τό τοι κράτιστον* etc. *δήλη 'στιν καλῶς*] Cf. Av. 1407. *καταγελᾷς μου, δῆλος εἶ.* Eq. 330. *ὅς σε παύσει καὶ πάρεισι, δῆλός ἐστιν, αὐτόθεν.* *δήλη 'στὶν καλῶς*] Cf. Soph. O. R. 1008. *ὦ παῖ, καλῶς εἶ δῆλος οὐκ εἰδὼς τί δρᾷς.*

921. *τὸ δεῖνα*] Cf. 926. 1168. Vesp. 524. Av. 648. Fr. 109. *ψιάθος*] Cf. Ran. 567.

923. *ἐπὶ τόνου*] Cf. Eq. 532. Philippid. 12, 3. *ἕτερον δὲ καινὸν ἐμβαλεῖν αὐτῷ τόνον.* Aesch. Fr. 189. *λινᾶ δέ, πίσσα, κώμολίνου μακροὶ τόνοι.* Herod. IX. 118. *τοὺς τόνους ἕψοντες τῶν κλινέων.* *δός μοί νυν κύσαι*] Cf. Ran. 755. *καὶ δὸς κύσαι καὐτὸς κύσον.*

924. *παπαῖ παπαιάξ*] Cf. Vesp. 235.

925. *ἰδοὺ ψίαθος*] Sic Fr. 198 K. *ἰδοὺ σορέλλη.* Eccl. 93. *ἰδού γέ σε ξαίνουσαν.* *καὶ δὴ 'κδύομαι*] Cf. Pac. 327. *καὶ δὴ πέπαυμαι.* Th. 1092.

926. *προσκεφάλαιον*] Dorice *ποτίκρανον* (Theocr. XV. 3.). Cf. Fr. 84. *καὶ νὴ Δί' ἐκ τοῦ δωματίου γε νῷν φέρε | κνέφαλλον ἅμα καὶ προσκεφάλαιον τῶν λινῶν.*

927. *ἀλλ' οὐδὲ δέομ' ἔγωγε*] Cf. Eccl. 657. *ἀλλ' οὐδὲ δίκαι πρῶτον ἔσονται.* Vesp. 1426. *δικῶν γὰρ οὐ δέομ' οὐδὲ πραγμάτων.*

928. *ἀλλ' ᾗ —*] Cf. Th. 97. *ἀλλ' ᾗ τυφλὸς μέν εἰμ'· ἐγὼ γὰρ* (f. *εἰμ' ἔγωγ', ὡς*) *οὐχ ὁρῶ.* Ach. 1111.

929. *ἀνίστασ'*] Surge. Sc. ut *τὸ προσκεφάλαιον* supponam. Cf. 937. *ἤδη πάντ' ἔχω*] Cf. Rhes. 605. *τοῦτον κατακτὰς πάντ' ἔχεις.*

930. *ὦ χρυσίον*] Anglice, my jewel. Cf. Av. 1200. *ὦ χρυσίω.* Vesp. 1353. *ὦ χοιρίον* (*χρυσίον*?). Caecilii Statii fabula fuit Chrysion (*Χρυσίον*). *Χρυσάριον* nomen feminae est Lucian. D. Mer. 1, 2.

931. *τὸ στρόφιον ἤδη λύομαι*] Cf. Th. 638. *χάλα ταχέως τὸ στρόφιον.* Fr. 509. *τὸ στρόφιον λυθέν.* *στρόφιον*] Cf. Th. 146. 258. 262. 645. Fr. 309, 4. Pher. II. 296. *μίτραν ἁλουργῆ, στρόφιον, ὄχθοιβον, κτένα.*

933. Cf. Eubul. III. 260. ὦ Ζεῦ πολυτίμητ', εἶτ' ἐγὼ κακῶς ποτε | ἐρῶ γυναῖκας; νὴ Δί' ἀπολοίμην ἄρα.

936. ἄνθρωπος] Cf. Dem. p. 1387. εἴ τι — βλαφθείησαν αἱ ἄνθρωποι. ἐπιτρίψει με] Cf. Herod. IV. 184. ὁ ἥλιος καίων ἐπιτρίβει τούς τε ἀνθρώπους καὶ τὴν χώρην. διὰ τὰ στρώματα] Cf. 488.

937. τοῦτο] Cf. ad Ach. 1121.

938 sq. Cf. Alcae. 23. μυρίσασα συγκατέκλεισεν ἀνθ' αὑτῆς λάθρα (sc. aliam mulierem). 939. ἤν τε —] Cf. Eccl. 981.

940. ὦ Ζεῦ δέσποτα] Cf. com. adesp. IV. 688. ὦ Βδεῦ δέσποτα.

944. ῥόδινον] Cf. Antiph. III. 56. μύρῳ — ἀμαρακίνῳ. Eubul. III. 257. Alex. III. 410. ἠλειφόμην ὑόμενος ἰρίνῳ μύρῳ. Plat. com. II. 638. μύρον — ἴρινον. Cephisod. 3, 2. μύρον ἴρινον καὶ ῥόδινον. Eubul. 108, 2. ἀμαρακίνοισι μύροις. Menand. IV. 148. μύρον — νάρδινον. De unguento rosaceo cf. Athen. XV. 682 C. 688 C. 689 C. et de oleo rosaceo 688 D.

945. ἀγαθόν γ'] Cf. Eccl. 1117. ἥτις μεμύρισμαι τὴν κεφαλὴν μυρώμασιν | ἀγαθοῖσιν. Archestrat. apud Athen. II. καὶ στακτοῖσι μύροις ἀγαθοῖς χαῖταν θεράπευε. ἔα αὔτ'] Cf. 350. ἔασον ὦ. Ran. 952. τοῦτο μὲν ἔασον, ὦ τᾶν.

947. ἀλάβαστον] Cf. Ach. 1053. 1063 sq. Fr. 463.

948. ὠζυρὰ] Cf. Vesp. 1504. 1514.

953. κἀποδείρασ'] Cf. 739. 740.

959. παρατραγῳδεῖ manifesto Comicus. ἐν δεινῷ] Lege ἢ δεινῷ.

962 sq. Versus tragici coloris.

962. Cf. Pl. 450. ποῖον γὰρ οὐ θώρακα, ποίαν δ' ἀσπίδα | οὐκ ἐνέχυρον τίθησιν ἡ μιαρωτάτη; Epicr. 11, 4. ποία φροντὶς, ποῖος δὲ λόγος | διερευνᾶται παρὰ τοῖσιν (παρ' ἐκείνοις?); Soph. Fr. 105, 4. ποία πόλις ἂν τάδ' ἐνέγκοι; Theophr. Char. VIII. ποίᾳ γὰρ ἐν στοᾷ, ποίῳ δὲ ἐργαστηρίῳ, ποίῳ δὲ μέρει τῆς ἀγορᾶς οὐ διημερεύουσιν —; Cic. Verr. IV. 30. 'Quae vox, quae latera, quae vires hujus — querimoniam possunt sustinere?' νεφρὸς] Hic, uf videtur, i. q. ὄρχις. V. Athen. IX. 384 E.

963. Parodia ex Andromeda Euripidis.

964. ποῖος ἂν ὄρρος] Lege ποῖος δ' ὄρρος.

965. κατατεινόμενος] Cruciatus. Dem. p. 1172, 14. κατατεινόμενος ὑπὸ τῆς βασάνου προσωμολόγησε. Hippocr. Fract. 778. κατατείνει ἡ ὀδύνη. Qu. παρατεινόμενος. Cf. ad Nub. 212.

966. βινῶν τοὺς ὄρθρους] Cf. Eccl. 462. Ach. 256.

967. ὦ Ζεῦ, δεινῶν ἀντισπασμῶν] Cf. Av. 61. Ἄπολλον ἀποτρόπαιε, τοῦ χασμήματος. Plat. Euthyd. 303 A. ὦ Πόσειδον, ἔφη, δεινῶν λόγων.

973. θωμοὺς] Cf. Fr. 19. ψηφισμάτων τε θωμός. 67. Aesch. Ag. 295. γραίας ἐρείκης θωμὸν ἅψαντες πυρί. Schol. οἱ τῶν πυρσῶν (πυρῶν?) σωροί. Hesychius per σωρὸς σταχύων explicat.

974. *μεγάλῳ τυφῷ καὶ πρηστῆρι*] Cf. Eq. 511. *πρὸς τὸν τυφῶ χωρεῖ καὶ τὴν ἐριώλην.* *τυφῷ*] Cf. Aesch. Ag. 656. *τυφῷ.* Av. 1490. *ἥρῳ.*

975. *ξυστρέψας*] Secundum Hesychium *καταιγὶς* est *ἀνέμου συστροφὴ μετὰ ὑετοῦ.*

977. *αὖ πάλιν*] Cf. Soph. Tr. 1088. *δαίνυται γὰρ αὖ πάλιν.* Plat. Polit. 273 E. Crat. 437 C.

979. *τὴν ψωλὴν*] Cf. 143. *περιβαίῃ*] Cruribus divaricatis equitet. Cf. Plut. II. 213 E. et *περιβάδην* (Angl. astride) Plut. Artax. 13.

982. Cf. Vesp. 1509. *τουτὶ τί ἦν τὸ προσέρπον, ὀξὶς ἢ φάλαγξ;* Av. 1203. *Κονίσαλος*] Cf. Plat. com. II. 674. *Κονισάλῳ δὲ καὶ παραστάταιν δυοῖν | μύρτων πινακίσκος χειρὶ παρατετιλμένων.* Strab. XIII. 588. (*Πρίαπος*) *ἔοικε τοῖς Ἀττικοῖς Ὀρθάνῃ καὶ Κονισάλῳ καὶ Τύχωνι καὶ τοῖς τοιούτοις.*

983. *κυρσάνιε*] Cf. v. *σκυρθάλιος* (i. e. *νεανίσκος*) apud Hesych.

987. *προβάλλει* —] Cf. Ran. 201. *οὔκουν προβαλεῖ τὼ χεῖρε κἀκτενεῖς;* Nub. 973. *βουβωνιᾷς*] Cf. Ran. 1280. *ὑπὸ τῶν κόπων γὰρ τὼ νεφρὼ βουβωνιῶ.*

988. Hesychii glossa est *Παλαιόρ: μωρός.* *ναὶ τὸν Κάστορα*] Cf. 206.

991. *σκυτάλα* —] De *σκυτάλῃ* exponitur in Plut. Lys. 19. Thuc. I. 131. *πέμψαντες κήρυκα οἱ ἔφοροι καὶ σκυτάλην εἶπον* etc.

997. Cf. Hom. Od. 14, 375. *κακὸν ἔμπεσεν οἴκῳ.*

998. *οἰῶ*] Cf. 1256. Epilyc. com. II. 887. *ποττὰν κοπίδ', οἰῶ, σῶμαι* etc.

1000. *ὑσπλαγίδος*] Cf. Theocr. VIII. 58. *ὄρνισιν δ' ὕσπλαγξ* (*φοβερὸν κακόν*). *Ἀπὸ ὕσπληγγος θεῖν* Lucian. Catapl. 4. Tim. 20. Heliod. II. 2. Hesych. s. h. v.

1002. *ἂν γὰρ τὰν πόλιν*] Cf. Ach. 796. *ἂν τὸν ὀδελόν.*

1004. *μύρτω*] Cf. Eq. 964. *ψωλὸν γενέσθαι δεῖ σε μέχρι τοῦ μυρρίνου* (*μυρτίου*?). Phot. p. 281, 10. *Μύρτον: τὸ σχῆμα τοῦ γυναικείου μορίου.* Poll. II. 174. Cf. v. *μύρρινον* Eq. 964.

1008. *ἄρτι νυνὶ μανθάνω*] Cf. Eur. Alc. 940. *λυπρὸν διάξω βίοτον· ἄρτι μανθάνω.* Bacch. 1297.

1013. *πωτάομαι*] I. e. *πωτήσομαι.* Cf. 1247. *ὅρμαον* (pro *ὅρμησον*).

1014 sq. Idem metrum est versuum Cratetis Fr. 29. Cf. 253. Eur. Fr. 429, 3. *ἀντὶ πυρὸς γὰρ ἄλλο πῦρ | μεῖζον ἐβλάστομεν πολὺ δυσμαχώτερον.* Fr. 544. *ἄλλων δὲ πάντων δυσμαχώτατον γυνή.* Theogn. 1157. *πλοῦτος καὶ σοφίη θνητοῖς ἀμαχώτατον αἰεί.* Hom. Od. 11, 426. *ὡς οὐκ αἰνότερον καὶ κύντερον ἄλλο γυναικός.* Alex. III. 521. *οὐκ ἔστ' ἀναισχυντότερον οὐδὲν θηρίον | γυναικός.* Men. IV. 214. *πολλῶν κατὰ γῆν καὶ κατὰ* (*τε καί*?) *θάλατταν θηρίων | ὄντων μέγι-*

στόν (l. κάκιστόν) ἐστι θηρίον γυνή. Lucian. Cat. 8. ὑπὸ τοῦ ἀμαχωτάτου τῶν ἀνταγωνιστῶν καταπαλαισθεὶς τοῦ θανάτου.

1015. Cf. Eur. Fr. 432. ἀντὶ πυρὸς γὰρ ἄλλο πῦρ μεῖζον ἐβλάστομεν γυναῖκες πολὺ δυσμαχώτερον. Monost. 231. θάλασσα καὶ πῦρ καὶ γυνὴ τρίτον κακόν.

1017. βέβαιον —] Cf. Eur. El. 941. ἡ γὰρ φύσις βέβαιος, οὐ τὰ χρήματα. Thuc. III. 43. βεβαίου δοκήσεως. III. 56. βέβαιον τὴν χάριν τῆς ἀρετῆς. VIII. 66. βέβαιον τὴν ἀπιστίαν. Moschion. 10, 6. τὴν κτῆσιν οὐ βέβαιον. Theodect. 16. τὸ μὴ βεβαίους τὰς βροτῶν εἶναι τύχας. Plut. Fab. Max. 27. μεγάλην καὶ βέβαιον εὐτυχίαν.

1020. ὁρῶ γὰρ ὡς καταγέλαστος εἶ] Malim ὅρα γὰρ —. καταγέλαστος εἶ] Cf. Nub. 849.

1021. τὴν ἐξωμίδ' ἐνδύσω σε] Cf. com. adesp. IV. 636. ἐξωμίδα ἔνδυθι et περιβαλοῦ.

1026. ἐξεῖλον] Cf. Ran. 657. τὴν ἄκανθαν ἔξελε.

1027. τοὐπιτρῖβον] Cf. Xen. Mem I. 3. 12. οὐκ οἶσθα, ἔφη, ὅτι τὰ φαλάγγια — ὀδύναις ἐπιτρίβει τοὺς ἀνθρώπους —; δακτύλιος οὑτοσί] Cum allusione ad verbum δάκνειν. De articulo omisso ante δακτύλιος cf. ad Ach. 585. τουτὶ πτίλον σοι. 1049. Vesp. 259. ἀλλ' οὑτοσί μοι βόρβορος φαίνεται πατοῦντι. Ran. 549. Πλαθάνη Πλαθάνη, δεῦρ' ἔλθ'· ὁ πανοῦργος οὑτοσί, | ὃς etc.

1028. ἐκσκάλευσον] Cf. Plat. com. II. 666. ὠτογλυφίδα λαβοῦσ' ἀνασκαλεύεται. Pac. 440. σκαλεύειν ἄνθρακας.

1031. Cf. 1085. Vesp. 933. κλέπτον τὸ χρῆμα τἀνδρός. Ach. 837. Telecl. 1, 15. οἱ δ' ἄνθρωποι πίονες ἦσαν τότε καὶ μέγα χρῆμα γιγάντων. Alex. 179, 2. πρᾶγμα δ' ἐστί μοι μέγα | φρέατος ἔνδον. Soph. Fr. 369, 1. συὸς μέγιστον χρῆμ'. Herod. I. 36. ὑὸς χρῆμα μέγιστον.

1032. Τρικορυσία] Cf. Men. 907. Τρικορυσία βασίλιννα. Prope mare videtur fuisse Tricorythus in regione paludosa.

1033. ἐφρεωρύχει] Formatum ut τοιχωρυχεῖν, χρυσωρυχεῖν, γεωρυχεῖν, βολβωρυχεῖν (Bekk. Anecd. 30, 30.).

1034. ἐξηρέθη] Cf. Ran. 657. τὴν ἄκανθαν ἔξελε. Pac. 443. ἐκ τῶν ὀλεκράνων ἀκίδας ἐξαιρούμενον. ῥεῖ τὸ δάκρυον πολύ] Cf. Dem. p. 272, 10. Πύθωνος πολλοῦ ῥέοντος καθ' ὑμῶν. Eur. Hipp. 443. Κύπρις γὰρ οὐ φορητὸς, ἢν πολλὴ ῥυῇ. Hor. Epist. I. 7. 28. 'Tum Praenestinus salso multoque fluenti — regerit convicia.'

1037. μὴ ὥρασ' ἵκοισθ'] Similiter Theocritus 24, 9. ὄλβιοι εὐνάζοισθε καὶ ὄλβιοι ἀῶ ἵκοισθε. Sic ἐς χρόνον (posthac) Herod. IX. 89. 4. πρὸ ἡμέρας Diphil. IV. 385. πρὸ ἡμῶν. Apollodor. IV. 442. Posidipp. 12, 1. ὡς] Quoniam. I. q. ἐπεί.

1038. Cf. Theopomp. com. 69. δὶς παῖδες οἱ γέροντες ὀρθῷ τῷ λόγῳ.

1039. Cf. Susarion. 1, 3. κακὸν γυναῖκες, ἀλλ' ὅμως, ὦ δημόται, οὐκ ἔστιν οἰκεῖν οἰκίαν ἄνευ κακοῦ· | καὶ γὰρ τὸ γῆμαι καὶ

τὸ μὴ γῆμαι κακόν. Aul. Gell. I. 6. 'Si sine uxore, Quirites, possemus esse, omnes ea molestia careremus; sed, quoniam ita natura tradidit ut nec cum illis satis commode nec sine illis ullo modo vivi possit, saluti perpetuae potius quam brevi voluptati consulendum.' et nescio cujus versum istum, 'Nec tecum possum vivere nec sine te.'

1041. δράσω φλαῦρον] Cf. ad Av. 653. Pac. 96. Nub. 1157. Herod. VI. 94. Μαρδόνιον φλαύρως πρήξαντα τῷ στόλῳ παραλύει τῆς στρατηγίας. Eur. Andr. 731. οὔτ' οὖν τι δράσω φλαῦρον οὔτε πείσομαι. Xen. Anab. VI. 1. 2. λέγοντας ὅτι Κορύλας ἕτοιμος εἴη τοὺς Ἕλληνας μήτε ἀδικεῖν μήτε ἀδικεῖσθαι.

1042. κοινῇ —] Cf. Ran. 416.

1043. Cf. [Lucian.] Philop. 17. εὐστόμει καὶ μηδὲν εἴπῃς φλαῦρον θεοῦ δεξιοῦ (θεὸν δεξιόν?).

1044. φλαῦρον εἰπεῖν] Cf. Nub. 834. καὶ μηδὲν εἴπῃς φλαῦρον ἄνδρας δεξιούς. οὐδεέν] Cf. Ran. 927. Pl. 138. 1115. 1182.

1045. τοὔμπαλιν] Cf. Com. adesp. 699. αὐτὸ τοὔμπαλιν λέγεις.

1049. ἐπαγγελλέτω] Praedicet. Cf. Lys. p. 112, 28. ex ms. (Dobr. I. 587.).

1052. ἢ δύ' ἢ τρεῖς] Cf. 360. ἢ δὶς ἢ τρίς. Ran. 50. ναῦς — ἢ δώδεκ' ἢ τρισκαίδεκα.

1058. ξένους — Καρυστίους] Cf. Dem. p. 925. ἐδάνεισα μετὰ ξένου τινὸς ἡμετέρου Καρυστίου.

1060. καὶ δελφάκιον ἦν τί μοι] Cf. Pac. 1150. ἦν δὲ καὶ πυός τις. δελφάκων] Cf. Epicrat. com. III. 369. ἔνθα δελφάκων ἐγὼ κρέα | κάλλιστ' ὄπωπα.

1062. τέθυχ'] Correpta media. Cf. Henioch. com. 2, 2. ὁ δ' ἴσως γαλαθηνὸν τέθυκε τὸν (τινα?) χοῖρον λαβών. Passivum τεθύσθαι est Av. 1035.

1063. ἁπαλὰ] Cf. Fr. 224 K. δελφακίων ἁπαλῶν κωλαῖ. κρέ' — ἁπαλὰ καὶ καλά] Cf. Ach. 1106. καλόν γε καὶ ξανθὸν τὸ τῆς φάττης κρέας. Nausicr. IV. 575. δύο μὲν ἁπαλοὶ καὶ καλοὶ (γλαῦκοι). Com. adesp. IV. 673. ἀγένειος ἁπαλὸς καὶ καλὸς νεανίας. Infra 1148. ὁ πρωκτὸς ἁπαλὸς καὶ καλός.

1065. πρῴ] Cf. Av. 132. Pher. 29. Eupol. 351, 3.

1067. ἐρέσθαι μηδένα] Cf. Eq. 574. ἐρόμενος Κλεαίνετον.

1069. ἄντικρυς] Plane. Anglice, just, exactly. Cf. 609.

1070. ἥκετ' — εἰς ἐμοῦ] Cf. Lys. 1070. χωρεῖν — εἰς ἑαυτῶν.

1071. γεννικῶς] Fortiter. Cf. Antiph. III. 108. τάττειν — γεννικῶς — πλευράν. κεκλήσεται] Clausa erit.

1072. ἕλκοντες ὑπήνας] Cf. Com. adesp. 796. τοὺς τὰς βαθείας ὑπήνας ἕλκοντας. Ephipp. III. 336. σεμνὸς σεμνῶς χλανίδ' ἕλκων. Anaxil. III. 345. χλανίδας θ' ἕλκων, βλαύτας σύρων. ὑπήνας] Anglice moustaches. Cf. Vesp. 475. καὶ ξυνὼν Βρασίδᾳ καὶ

φορῶν κράσπεδα | στεμμάτων τήν θ' ὑπήνην ἄκουρον τρέφων. Eq. 1286.

1074. *μοι χαίρετε*] Cf. Eur. Iph. T. 922. *χαῖρ' ὦ πόσις μοι τῆς ἐμῆς ὁμοσπόρου.* Soph. O. R. 596. *πᾶσι χαίρω.* Dem. p. 703.

1076. *ποθ' ὑμὲ πολλὰ μυσίδδειν*] Cf. 95. *μύσιδδέ νυν | ὅ τι λῇς ποθ'* (*ποχ'*?) *ἁμέ.*

1077. *ὡς ἔχοντες*] Pro *ὅπως* (aut *πῶς*) *ἔχοντες.* Cf. 183.

1078. *νενεύρωται*] Cf. Plut. II. 755 C. *ἡ πόλις ἐκνενεύρισται.*

1080. *ἄφατα*] Sic *χαλεπὰ* in sermone Laconico 142.

1081. *ἁμὶν*] Cf. Ach. 832.

1085. Cf. 83. Vesp. 933. *κλέπτον τὸ χρῆμα τἀνδρός.* Av. 826. *λιπαρὸν τὸ χρῆμα τῆς πόλεως.*

1086. Cf. Pl. 1171. Fr. 187. *τίς ἂν φράσειε ποῦ 'στι τὸ Διονύσιον;*

1087. *οὑτοϊ τοιουτοΐ*] Cf. Av. 801. *ταυτὶ τοιαυτί.*

1088. *χἀτέρα*] I. e. *καὶ ἀτέρα.*

1089. *πρὸς ὄρθρον*] Ut *πρὸς ἕω, ἑσπέραν,* etc. Cf. Eccl. 20.

1090. *ταυτὶ δρῶντες*] I. e. *σπασμὸν ἔχοντες* sive *πάσχοντες.* Cf. ad Pl. 524. Ran. 358.

1092. *Κλεισθένη*] Cf. ad Nub. 355.

1093. *θαἰμάτια λήψεσθ'*] Cf. Th. 568. *λαβὲ θοἰμάτιον.* *ὅπως — μή τις — ὄψεται*] Cf. Aesch. Cho. 268. *σιγᾶθ', ὅπως μὴ πεύσεταί τις* etc.

1094. Cf. Herod. II. 51. *τοῦ δὲ Ἑρμέω τὰ ἀγάλματα ὀρθὰ ἔχειν τὰ αἰδοῖα* etc. *Ἑρμοκοπιδῶν*] Cf. vv. *χρεωκοπίδης, βουλοκοπίδης.*

1096. *ἔσθος*] Cf. Av. 943.

1098. Cf. 1242. Confer nomina *Εὐχαρίδας* (Vesp. 680.) et *Αὐτοχαρίδας* (Thuc. V. 12.). *δεινά τἂν ἐπεπόνθεμες*] Lege *τοί κ'* —. Eccl. 650. *δεινὸν μέντἂν ἐπεπόνθη.* Ran. 253. Ach. 323. Av. 1225.

1099. *ἀμπεφλασμένως*] Sic 1310. *ἀμπάλλονσι* (*ἀμπαδᾶντι*?). 1311. *ἀγκονίωαι.* Ad ipsam rem cf. ad Fr. 99. *ἀναφλᾶν* (*τὸ αἰδοῖον*). Eupol. Fr. 61. *ἀναφλασμόν* (i. e. erectionem). Alibi est *ἀναψαθάλλειν τὸ πέος* (Phryn. Bekk. I. p. 9, 6.).

1101. *ἐπὶ τί*] Cf. 22. *τί δ' ἐστὶν — ἐφ' ὅ τι ποθ' ἡμᾶς — ξυγκαλεῖς;* 481. Av. 340. *ἐπὶ τί γάρ μ' ἐκεῖθεν ἦγες;* Nub. 256.

1104. Cf. Ran. 1366. *ὅσπερ γ' ἐλέγξει τὴν ποίησιν νῷν μόνος.*

1105. *ναὶ τὼ σιὼ*] Cf. Theocr. 27, 51. *ναρκῶ ναὶ τὸν Πᾶνα.* *καλῆτε* —] Cf. Ran. 569. *ἴθι δὴ κάλεσον τὸν προστάτην Κλέωνά μοι.*

1109. *φαύλην, σεμνὴν*] Cf. Eccl. 617. *φαυλότεραι — σεμναί.*

1110. *ἴυγγι*] Cf. Pind. N. IV. 35. *ἴυγγι δ' ἕλκομαι ἦτορ νουμηνίᾳ θιγέμεν.* P. IV. 214. Theocr. II. 17.

1111. *ἐπέτρεψαν*] Cf. ad Ran. 810. *τῷ σῷ δεσπότῃ | ἐπέτρεψαν.* Vesp. 521.

1113. ὀργῶντας] Cf. Av. 462. Thuc. IV. 108. ὅτι τὸ πρῶτον Λακεδαιμονίων ὀργώντων ἔμελλον πειράσεσθαι. VIII. 2. διὰ τὸ ὀργῶντας κρίνειν τὰ πράγματα etc. Herod. IV. 199. ὁ καρπὸς πεπαίνεταί τε καὶ ὀργᾷ. Long. Past. III. 9. πρός τε τὰ φιλήματα ὧργα καὶ πρὸς τὰς περιβολὰς ἐσκύζα.

1114. Cf. Nub. 1144. τάχα δ' εἴσομαι κόψας τὸ φροντιστήριον.

1117. ἡμῶν ἄνδρες] Nostri mariti. Aliud est ἡμῶν ἄνδρες (sic) Ach. 515.

1118. οἰκείως] Cf. Th. 197. ἀλλ' αὐτὸς ὅ γε σόν ἐστιν οἰκείως φέρε. Lys. 1121. Pl. 380. Menand. IV. 164. θανόντ' — ἔθαψε περιέστειλέ τ' οἰκείως. Philem. 113, 2. ὡς σπληνίον πρὸς ἕλκος οἰκείως τεθὲν | τὴν φλεγμονὴν ἔπαυσεν, etc. Damox. IV. 532.

1119. τῆς σάθης ἄγε] An τῆς σάθης λαβέ? Venit ἄγε, ni fallor, ex v. prox. seq. 1120. Vox σάθη legitur Archil. Fr. 95.

1124—1127. Versus tragici coloris, aut ex Euripide sumpti aut ad exemplum ejus poetae compositi. Schol. ad v. 1125. ὁ στίχος (οἱ στίχοι Put.) ἐκ σοφῆς Μελανίππης Εὐριπίδου.

1124. νοῦς δ' ἔνεστί μοι] Cf. Eccl. 856. οὐ δῆτ', ἤν γ' ἐκείναις νοῦς ἐνῇ.

1125. ἐμαυτῆς] I. e. φύσει. Cf. Aesch. Ag. 380. εὖ πραπίδων λαχόντα (ἔχοντα?). Eur. Hipp. 462. κάρτ' ἔχοντας εὖ φρενῶν. Vesp. 357. ἰσχυόν τ' αὐτὸς ἐμαυτοῦ. Plat. com. 177. ὡς καὶ νῦν ἔχομεν παρουσίας. Timocl. 14, 5. ταρίχους εὐπόρως γὰρ τυγχάνει | ἔχουσα. Antiph. III. 4. οὐχ ὅστις αὐτῆς ἐστιν ἐμπείρως ἔχων. Philem. 4, 11. οὐκ εὖ σεαυτοῦ τυγχάνεις ἔχων. Com. adesp. 123, 2. ἀμφιλαφῶς τρυφημάτων | ἔχουσα (Κόρινθος). Her. 379. τὰν εὖ χαρίτων ἔχουσαν. Hel. 857. Eur. Fr. 199, 2. εἰ γὰρ εὖ φρενῶν (φρονεῖν libri) ἔχω. Fr. 183, 3. ἵν' αὐτὸς αὑτοῦ τυγχάνει βέλτιστος ὤν. Dionys. trag. 2, 2. μακαρίως ἔχεις φρενῶν. Herod. I. 102. ἑωυτῶν εὖ ἥκοντες. Plat. Resp. III. 404 D. ἀνδράσι μέλλουσιν εὖ σώματος ἕξειν. Aristaen. Epist. I. 27. μορφῆς οὐκ ἀφυῶς ἔχων. Aelian. V. H. XII. 1. αἱ δὲ λοιπαὶ καπηλικῶς ἔχουσι καὶ τοῦ εἴδους etc. ibid. εἴδωλον χρυσοῦν ἀρκούντως μεγέθους ἔχον. XII. 21. εἰ δὲ ἑτέρως εἶχον τῶν τραυμάτων. II. 44. ᾗ ποδῶν ἔχει. Poll. II. 184. οἱ ἐνδεῶς πυγῶν ἔχοντες. Sic καλῶς ἔχειν τῆς μέθης Herod. V. 20. σπόρου ἀνακῶς ἔχειν VIII. 109. Hesychius εὔπλουτον per εὖ ἔχον πλούτου explicat. Xen. Cyr. VIII. 1. 15. ἀτημελήτως ἔχειν τινός. γνώμης] Cf. Eur. Fr. 840, 2. γνώμην δ' ἔχοντά μ' ἡ φύσις βιάζεται.

1129 sq. Cf. Thuc. III. 59. αἰτούμεθα ὑμᾶς θεοὺς τοὺς ὁμοβωμίους καὶ κοινοὺς τῶν Ἑλλήνων ἐπιβοώμενοι. Athen. IX. 409. χέρνιψ ἐστὶν ὕδωρ εἰς ὃ ἀπέβαπτον δαλὸν ἐκ τοῦ βωμοῦ λαμβάνοντες ἐφ' οὗ τὴν θυσίαν ἐπετέλουν, καὶ τούτῳ περιρραίνοντες τοὺς παρόντας ἥγνιζον. Bekk. Anecd. p. 316. χέρνιψ: ἄγγος ἐλαίου (ὕδατος?) εἰς ὃ ἀνέβαπτον (l. ἀπεβ.) τὰς δᾶδας καὶ περιέρραινον τὸν βωμόν. V. Hesych. in δαλίον et cf. ad Pac. 959.

1131. Ad v. 1135. spectant scholiastae verba, *ὅλος ὁ ἴαμβος λέλεκται ἐξ Ἐρεχθέως*. V. Nauck. ad Eur. Fr. 365. *Πυθοῖ*] Ut *Ἰσθμοῖ, Φρεαττοῖ, Φρεαροῖ.*

1135. Huc spectat scholion ad v. 1131. adscriptum, *ὅλος ὁ ἴαμβος λέλεκται ἐξ Ἐρεχθέως*. Idem versus est Eur. Fr. 365. *δεῦρ' ἀεὶ*] Cf. Aesch. Eum. 596. *καὶ δεῦρό γ' ἀεὶ τὴν τύχην οὐ μέμφομαι.* Eur. Med. 670. Trag. adesp. 148. *οὗτος μὲν οὖν μοι δεῦρ' ἀεὶ τείνει λόγος.* Eur. Her. 799. *εἷς μου λόγος σοι πάντα σημανεῖ τάδε.*

1142. *ὁ θεὸς σείων*] Cf. Ach. 511.

1148. *ἄφατον ὡς καλός*] Cf. Vesp. 1279. *ὑποκριτὴν — ἀργαλέον ὡς σοφόν.* Av. 427. Soph. O. C. 1463. *κτύπος ἄφατος.*

1151. *ἐλθόντες δορί*] Cf. Eur. Iph. A. 80. *ᾄξαντες δορί.* El. 2. *ἄρας ναυσὶ χιλίαις.* Thuc. VIII. 3. *ὁρμηθεὶς στρατῷ.* IV. 133. *ἀνεχώρησαν τῷ ἄλλῳ στρατῷ.*

1154. Cf. Eq. 596. *πολλὰ γὰρ δὴ πράγματα | ξυνδιήνεγκαν μεθ' ἡμῶν, ἐσβολάς τε καὶ μάχας.*

1155. *κἠλευθερώσαν*] Sc. *ὑμᾶς.*

1157. *ὄπωπα*] Rarum est hoc perfectum in comoedia. Cf. 1225. Epicrat. III. 369.

1158. *κύσθον*] Cf. Ach. 782. 789. Ran. 430.

1159. *ὑπηργμένων — ἀγαθῶν*] Cf. Herod. I. 174. *ἀργμένης.* VII. 11. *εἰ χρὴ σταθμώσασθαι τοῖσι ὑπαργμένοισι ἐξ ἐκείνων.* Dem. p. 431, 17. *διὰ τὰς εὐεργεσίας ἃς ὑπῆρξαν εἰς ὑμᾶς. πολλῶν κἀγαθῶν*] Cf. Th. 351. *πολλὰ δοῦναι κἀγαθά.* Eq. 1276. *ὃν δεῖ πόλλ' ἀκοῦσαι καὶ κακά.*

1161. Cf. 906. *τί οὖν οὐ κατεκλίνης;* Fr. 77. *τί οὐκ ἐκέλευσας παραφέρειν τὰ ποτήρια;* Pher. 59. *τί οὐκ ἐπανεχώρησα δεῦρο κἀπέδραν;* Eur. Her. 805. *τί τήνδε γαῖαν οὐκ ἐλάσαμεν;* Plat. Polit. 279 B. *τί δῆτα — οὐ — τοῦτ' ἐδράσαμεν —;* Gorg. 503 B. *τί οὐχὶ — αὐτὸν ἔφρασας τίς ἐστι;*

1163. *τὰν Πύλον*] I. e. illam Pylum quam vos probe nostis. Eam enim hic articuli vim esse monuit Kock. Praeter hunc locum et v. 219. articulus apud nostrum semper omittitur ante *Πύλος*.

1164. *τᾶσπερ*] Cf. 1302. *τοί.* 1306. *τᾷ.*

1165. *δράσετε*] Cf. Pl. 485.

1166. *ἄφετ', ὦγαθ', —*] Cf. Vesp. 975. Ran. 1479. Scholiastae verba *ἀντὶ τοῦ οἰκήσομεν* tenebras augere censet Kock. Ver. p. 261.

1169. *Μηλιᾶ*] Contractum ex *Μηλιέα*. Cf. Aesch. Pers. 486. *Μηλιᾶ τε κόλπον.* Thuc. VIII. 3. *τραπόμενος ἐπὶ τοῦ Μηλιῶς κόλπου Οἰταίων τε* etc. Soph. Phil. 4. *τὸν Μηλιᾶ | Ποίαντος υἱόν.*

1170. Cf. Plut. Cim. 13. *τῶν μακρῶν τειχῶν, ἃ σκέλη καλοῦσι.*

1171. *οὐ τὼ σιὼ —*] Cf. Theocr. V. 14. *οὐ μὰν οὐ τὸν Πᾶνα τὸν ἄκτιον οὔ σέ γε* (*τύ γα*?) *Λάκων | τὰν βαίταν ἀπέδυσ'.* 17. *οὐ*

μὰν οὐ ταύτας τὰς λιμνάδας — νύμφας. De iterata particula negativa cf. Aesch. Ag. 1634. *ὃς οὐκ, ἐπειδὴ τῷδ' ἐβούλευσας μόρον, | δρᾶσαι τόδ' ἔργον οὐκ ἔτλης αὐτοκτόνως. ὦ λυσσάνιε*] Cf. Hesych. *Λισσάνιος: ἀγαθός. Λάκωνες.* Anglice my good fellow.

1173. *ἀποδὺς*] Sc. *τὸ ἱμάτιον.* Cf. ad Ach. 627.

1174. *κοπραγωγῆν*] Cf. Cratet. 13. *ῥιπίδι κοπραγωγῷ.* Plat. com. 222. *κοπραγωγοὺς γαστέρας.*

1177. Cf. Nub. 471. Theogn. 73. *πρῆξιν μηδὲ φίλοισιν ὅλως ἀνακοίνεο πᾶσι* (*ἀνακοίνοε πᾶσαν*?). Eur. Med. 685. *τούτῳ θεοῦ μάντευμα κοινῶσαι θέλω.*

1178. *ποίοισιν, ὦ τᾶν, ξυμμάχοις;*] Cf. ad Eq. 32.

1179. *οὐ ταὐτὰ δόξει τοῖσι συμμάχοισι νῷν*] Cf. Ran. 1299. *ἵνα μὴ τὸν αὐτὸν Φρυνίχῳ | λειμῶνα — ὀφθείην δρέπων.*

1183. *ἐν πόλει*] I. e. in arce.

1184. *εἴχομεν*] Cf. Vesp. 855. *μηδαμῶς· | ἐγὼ γὰρ εἶχον τούσδε τοὺς ἀρυστίχους.* Pac. 142. 522. Aesch. Ag. 331. *τοὺς δ' — πρὸς ἀρίστοισιν ὧν ἔχει πόλις | τάσσει.* Eur. Tro. 1202. *ὧν δ' ἔχω λήψει τάδε.*

1188 sq. Haec portionem tantum carminis 1188 sq. esse monet scholiasta, id quod ostendit particula *δὲ* in v. 1188. Idem obtinet in Av. 1482. 1553. 1694.

1189. *ξυστίδων*] Inter mundum muliebrem memoratur *ξυστὶς* Fr. 309, 7. (Thesm. II.) Cf. Theocr. II. 74. *κἀμφιστειλαμένα τὰν ξυστίδα τὰν Κλεαρίστας.* Photius *ξυστίς* per *γυναικεῖόν τι ἔνδυμά ἐστι πεποικιλμένον* (*παρὰ τὸ ἐξύσθαι*) explicat.

1190. *χρυσίων* —] Cf. Eccl. 446. *ἱμάτια, χρυσί'.* 690. *πᾶσι γὰρ ἄφθονα πάντα παρέξομεν.* Ach. 257. Av. 671.

1193. *ὁπόταν — κανηφορῇ*] Cf. ad Ach. 258.

1196. *τὸ μὴ οὐχὶ* —] Cf. Ran. 68. et ad Ach. 320. Phaedr. 240 D. *τίνας ἡδονὰς διδοὺς ποιήσει — μὴ οὐχὶ ἐπ' ἔσχατον ἐλθεῖν ἀηδίας;* Phaed. 87 A. *οὐκ ἀνατίθεμαι μὴ οὐχὶ πάνυ χαριέντως — ἀποδεδεῖχθαι.* Conv. 197 A. *τίς ἐναντιώσεται μὴ οὐχὶ Ἔρωτος εἶναι τὴν σοφίαν;*

1197 sq. Cf. Eur. Fr. 762. *εὔσημα καὶ σᾶ καὶ κατεσφραγισμένα.* Lucian. 32, 19. *κατασημήνασθαι* (*τὸ βιβλίον*) *κηρῷ ἢ πηλῷ* —.

1198. *εὖ σεσημάνθαι*] Cf. Dem. p. 999. *οἱ σεσημασμένοι ἐχῖνοι.* p. 1180. *καὶ κοινῇ ἐκγραψαμένους ἡμᾶς τὰς συνθήκας πάλιν σημήνασθαι.* Plat. Legg. 954 A. Lys. p. 897, 2. Eur. Fr. 762. *εὔσημα καὶ σᾶ καὶ κατεσφραγισμένα.* Theophr. Char. 18. *καὶ* (*ἐρωτᾶν*) *εἰ σεσήμανται τὸ κυλικεῖον.*

1200. *τοὺς ῥύπους*] Cf. Herod. II. 28. *γῆν σημαντρίδα ἐπιπλάσας. ἀνασπάσαι*] Resignare, aperire. Cf. Ran. 902.

1208. *ὁ δ' ἄρτος ἀπὸ χοίνικος*] Cf. Xen. Anab. VII. 3. 23. *λαβὼν εἰς τὴν χεῖρα τριχοίνικον ἄρτον.*

1212. *κωρύκους*] Cf. Pher. II. 286. *ἔσαττε — κωρύκους*. Antiph. III. 87. Timocl. III. 610. Diminutivum *κωρυκὶς* est Fr. 368.

1213. *ἐμβαλεῖ*] Cf. Av. 1146. *οἱ χῆνες ὑποτύπτοντες — ἐνέβαλλον αὐτοῖς τοῖν ποδοῖν.*

1217. Spectatores alloquitur. Cf. ad Nub. 1201. *ὦ κακοδαίμονες, τί κάθησθ' ἀβέλτεροι —;* Ran. 989.

1218. *χωρίον*] Cf. Henioch. 5, 6. *τὸ χώριον μὲν γὰρ τόδ' ἐστὶ πᾶν κύκλῳ | Ὀλυμπία.* Epich. 164. *βάσσον τὸ χωρίον.*

1222. *τὰς τρίχας*] Sc. *καιομένας*. Schol. *καιομένας* (*καιόμεναι* Richter. ad Vesp 584.). Cf. 448. *ἐκκοκκιῶ σου τὰς στενοκωκύτους τρίχας.* 520. *ὀτοτύξεσθαι μακρὰ τὴν κεφαλήν.* Pl. 612. Vesp. 584.

1226. *χαρίεντες*] Festivi, Angl. witty. Hinc *χαριεντίζεσθαι* Fr. 212. Cf. Theogn. 763. *πίνωμεν χαρίεντα μετ' ἀλλήλοισι λέγοντες.*

1227. *ἐν οἴνῳ*] I. q. *ἐν συμποσίῳ* (Vesp. 1260.). Similiter *παρ' οἶνον.*

1230. *πανταχοῖ*] Cf. Vesp. 1004.

1236. Cf. Fr. 377. *νυνὶ — ἤρεσκεν*] Cf. ad Nub. 786. 825. Dem. de Cor. 22. *ἡλίκην νυνὶ διεξῄεις — ἃ νῦν κατηγόρεις.*

1232. *Κλειταγόρας ᾄδειν*] I. e. *τὸ εἰς Κλειταγόραν μέλος*. V. schol. Vesp. 1245. Laconica erat Clitagora secundum schol., Lesbia sec. schol. Vesp. 1238. Cf. Theopomp. com. II. 816. *ἐπίνομεν μετὰ ταῦτα — κατακείμενοι μαλακώτατ' ἐπὶ τρικλινίῳ, | Τελαμῶνος οἰμώζοντες ἀλλήλοις μέλη.* Antiph. com. III. 46. *μηδὲν τῶν ἀπηρχαιωμένων | τούτων περάνῃς, τὸν Τελαμῶνα —.*

1238. Cf. Xen. Cyr. I. 3. 10. *ᾔδετε δὲ καὶ μάλα γελοίως, οὐκ ἀκροώμενοι δὲ τοῦ ᾄδοντος ὠμνύετε ἄριστα ᾄδειν.*

1242. *φυσατήρια*] Cf. Herod. IV. 2. *φυσητῆρας ὀστεΐνους αὐλοῖσι προσεμφερεστάτους.* Ach. 863. *φυσῆτε τὸν πρωκτὸν κυνός.* Theodoridas apud Poll. X. 50. *φυσσητῆρσι μολγίνοις.* Alibi *φυσατήριον* significat Angl. a pair of bellows, or an air-hole (Lat. spiraculum).

1243. *διποδιάξω*] Cf. Cratin. 162. *ἄρξει γὰρ αὐτοῖς διποδίας* (*καλῇ*) *καλῶς.* Pollux IV. 101. *διποδία ὄρχημα Λακωνικόν. ἀείσω — ἐς τὼς Ἀσαναίως*] Cf. Eq. 1267. *ἀείδειν μηδὲν ἐς Λυσίστρατον.*

1245. *φυσαλλίδας*] Similiter formatum vocabulum *τρωξαλλίδες.* Aliud significat *φυσαλλὶς* sive *φυσαλὶς* Lucian. Cont. 19.

1247. Cf. Ach. 665 sq. Cratin. 222, 1. *ἔγειρε δὴ νῦν, Μοῦσα, Κρητικὸν μέλος. ὅρμαον*] Cf. 1013. *πωτάομαι* (i. e. *πωτήσομαι*).

1248. *τὼς κυρσανίως*] Hesych. *Κυρσάνιοι· τοὺς μειρακίσκους οὕτως ἔλεγον. Μναμοῦνα*] Cf. Pind. Isth. V. 75. *χρυσοπέπλου Μνᾱμοσύνας.*

1251. Produci antepenultimam in *Ἀρταμίτιον* tenendum est. V. Mein. Fr. Com. IV. 428. Confer *Ἀφροδίσιον, Φορμίσιος* (*Φορμιδ-ίσιος*), *χαρίσιος* (*ῑ*).

1252. Cf. Cratin. 1, 2. *σὺν ἀνδρὶ θείῳ — Κίμωνι.* Plat. Menon. 99 D. *καὶ οἱ Λάκωνες, ὅταν τινὰ ἐγκωμιάζωσιν ἀγαθὸν ἄνδρα,*

σεῖος ἀνήρ, φασίν, οὗτος. Aristot. Eth. Nic. VII. 1. Aesch. Ag. 1547. ἀνδρὶ θείῳ. Pers. 80. ἰσόθεος φώς.

1253. Cf. Ion. trag. Fr. 29. ὑπὸ δὲ τῆς βουλιμίας | κατέπινε καὶ τὰ κᾶλα καὶ τοὺς ἄνθρακας. Confer Italicum 'legni' (i. e. naves).

1256. θάγοντας — τὸν ὀδόντα] Cf. ad Ran. 815. θήγοντος ὀδόντα. Hom. Il. 11, 416. 13, 477. Eur. Phoen. 1395. κάπροι δ' ὅπως θήγοντες ἀγρίαν γένυν | ξυνῆψαν ἀφρῷ διάβροχοι γενειάδας.

1258. Cf. Archiloch. Fr. 138. (ap. schol.) πολλὸς δ' ἀφρὸς ἦν περὶ στόμα. Eur. El. 478. κελαινὰ δ' ἀμφὶ νῶθ' ἵετο κόνις.

1265. ὡς συνέχῃς] Hoc uno loco, ni fallor, sed in carmine apud nostrum legitur ὡς cum conjunctivo sine ἂν addito.

1267. ταῖς συνθήκαις] Propter foedus.

1274. ἀπάγεσθε] Cf. Nub. 1105. Lys. 1274.

1275. γυνὴ στήτω παρ' ἄνδρα] Cf. Vesp. 1083. στὰς ἀνὴρ παρ' ἄνδρ'. Pac. 1269. παρ' ἐμὲ στάν.

1276. ἐπ' ἀγαθαῖς συμφοραῖς —] Cf. Eq. 1318. ἐπὶ καιναῖσιν δ' εὐτυχίαισιν παιωνίζειν τὸ θέατρον. Nub. 1205.

1281. ἀγέχορον] Qu. ἀρχέχορον. Cf. Eur. Tro. 151. ποδὸς ἀρχεχόρου. Pind. P. I. 4. ἁγησιχόρων — προοιμίων ἀμβολάς.

1285. πυρὶ φλεγόμενον] Sic Ran. 293. πυρὶ γοῦν λάμπεται. Eur. Iph. T. 1156. σῶμα λάμπεται πυρί. Aesch. Ag. 91. βωμοὶ δώροισι φλέγονται.

1289. Ἡσυχίας — μεγαλόφρονος] Lege — ἀγανόφρονος. Cf. Av. 1321. τῆς ἀγανόφρονος Ἡσυχίας.

1292. ἰαὶ] Laetantis exclamatio, ut in Eccl. 1179. Soph. Fr. 54. ἰαί (βάρβαρον θρήνημα).

1293 sq. Cf. Eccl. 1179 sq.

1298. Μῶα — Λάκαινα] Cf. Ach. 665. δεῦρο Μοῦσ' ἐλθὲ φλεγυρὰ — Ἀχαρνική. πρεπτὸν] Cf. Eum. 914. πρεπτῶν ἀγώνων. ἁμὶν] Qu. ᾠδάν. Alioqui non liquet quorsum spectet πρεπτόν.

1299. Cf. Thuc. V. 23. στήλην δὲ ἑκατέρους στῆσαι, τὴν μὲν ἐν Λακεδαίμονι παρ' Ἀπόλλωνι ἐν Ἀμυκλαίῳ, τὴν δὲ ἐν Ἀθήναις ἐν πόλει παρ' Ἀθηνᾷ. 18. De Apolline Amyclaeo v. Paus. III. 16. 2. III. 18. 8. σιὸν] Cf. Eupol. 444. σιοκόμος.

1300. Schol. Eur. Alc. 1138. τῷ ναῷ τῆς Χαλκιοίκου. Cf. 1321.

1303. ἔμβα] Cf. Eccl. 478. ἔμβα, χώρει. Ran. 377.

1304. ὦ εἶα] Cf. ad Pac. 459. κοῦφα πάλλων] Qu. κῶφα παδῶν. Cf. 1316. et ad 1310. Ararot. 13. κούφως ἀνήλλετ'. Th. 659. χρὴ κοῦφον ἐξορμᾶν πόδα. 954. Autocrat. II. 891. οἷα παίζουσιν — Λυδῶν κόραι κοῦφα πηδῶσαι κόμαν (l. ποδοῖν) etc. Xen. Anab. VI. 1. 5. ἥλλοντο ὑψηλά τε καὶ κούφως. Long. Past. I. 4. ἥλλοντο κοῦφα.

1310 sq. Cf. Nub. 595 sq. et Autocrat. com. II. 891. πυκνὰ] Frequenter. Cf. Men. IV. 131. αἰτοῦσαν πυκνά. Machon. IV. 497. ἕψε καὶ γεύου πυκνά. Theophr. Char. 25. πυκνὰ σημαίνων. 27.

πυκνὰ τὴν ἕδραν στρέφειν. 16. *καὶ πυκνὰ δὲ τὴν οἰκίαν καθᾶραι δεινός.*

1310. *ἀμπάλλοντι*] Qu. *ἀμπαδῶντι.* Cf. ad 1304.

1313. *θυρσαδδοᾶν*] Lege *θυρσαδδωᾶν.* Hesychius *θυρσάζειν* per *ἐνθουσιᾶν, ἐνθουσιάζειν* explicat.

1316. *πάδη*] Cf. Soph. Fr. 46. *παδῇ.* Theocr. V. 108. *ὑπερπαδῆτε.*

1322. *παμμάχον*] Cf. Theocr. 24, 113. *παμμάχοι.* Aesch. Ag. 167. *παμμάχῳ θράσει βρύων.*

NUBES.

7. *ὅτ'*] I. q. *ἐπεί.* Cf. Eq. 1112. *κολάσ' ἔξεστι*] De elisione cf. 523. *ἀναγεῦσ' ὑμᾶς.* 550. *ἐπεμπηδῆσ' αὐτῷ.* Et sic passim.

8. Cf. Alex. III. 456. *ἦδ' ἡ χρηστή.* Menand. 16. *ἐκλελάκικεν | ὁ χρηστὸς ἡμῖν μοιχός.* Soph. Ant. 31. *τὸν ἀγαθὸν Κρέοντα.* Phil. 873. *ἀγαθοὶ στρατηλάται.* Dem. p. 255; 13. *ἣν οὗτοι — τηροῦσιν οἱ χρηστοὶ* etc. p. 235, 22. *οἱ χρηστοὶ πρέσβεις οὗτοι.*

14. *κόμην ἔχων*] Cf. Av. 911. Agath. Fr. 3, 1. *κόμας ἐκειράμεσθα μάρτυρας τρυφῆς.*

16. *ὀνειροπολεῖ*] Cf. 27. Eq. 809. Lucian. Somn. 32. *ἔτι γὰρ σὺ ὀνειροπολεῖς τὸν πλοῦτον.* Plut. Pericl. 20. *ἦν δὲ καὶ Τυρρηνία καὶ Καρχηδὼν ἐνίοις ὄνειρος.* Confer *μαντιπολεῖν* (Aesch. Ag. 979.), *θυηπολεῖν* (Ag. 262.)

22. *τί ἐχρησάμην;*] Cf. Pac. 1240. *τί — τῇδε τῇ σάλπιγγι χρήσομαι —;*

24. *εἴθ' ἐξεκόπην πρότερον τὸν ὀφθαλμὸν λίθῳ*] Qu. *εἴθ' ἐξεκόπη μοι πρότερον οὐφθαλμὸς λίθῳ.* Cf. Dem. p. 247, 12. *τὸν ὀφθαλμὸν ἐκκεκομμένον.* Athen. XIII. 63. *ἐξέκοψεν αὐτοῦ τοὺς ὀφθαλμούς.*

28. Cf. Xen. Cyr. VIII. 26. *τὰ πολεμιστήρια.* VI. 1. VII. 1.

30. *τί χρέος ἔβα με —;*] Cf. Eur. Herc. 530. *τί καινὸν ἦλθε τοῖσδε δώμασιν χρέος;* Hipp. 841. *τύχα σὰν ἔβα καρδίαν.* Pind. Ol. II. 95. *αἶνον ἔβα κόρος.* Aesch. Ag. 85. *τί χρέος; τί νέον;*

36. *στρέφει τὴν νύχθ' ὅλην*] Cf. Amph. 20, 3. *τὴν νύχθ' ὅλην στρέφεται* etc. Men. 281, 1. *ᾤμην ἐγὼ τοὺς πλουσίους — οὐ στένειν τὰς νύκτας οὐδὲ στρεφομένους ἄνω κάτω | 'οἴμοι' λέγειν.*

37. Cf. Pher. 171. *ὑπέλυσε δήμαρχός τις ἐλθὼν εἰς χορόν.*

39. *χρέα*] Debita. Cf. 442. Hesiod. Op. 647. *χρέα προφυγεῖν καὶ ἀτερπέα λιμόν.* Producitur ultima syllaba.

41. Cf. Eur. Hipp. 588. *τὴν κακῶν προμνήστριαν.*

43. Similiter Menand. 10. ἐγὼ δ' ἀγροῖκος, ἐργάτης, σκυθρὸς, πικρὸς, | φειδωλός.

44. εἰκῇ κείμενος] Cf. Pl. 300. εἰκῇ — καταδαρθόντα που. Soph. O. R. 979. εἰκῇ κράτιστον ζῆν ὅπως δύναιτό τις.

45. βρύων μελίτταις, —] Cf. Aesch. Ag. 177. θράσει βρύων. Eur. Fr. 1071. ἕλκεσιν βρύων.

46. Μεγακλέους τοῦ Μεγακλέους] Sic Eupolis 210, 2. τὸν Λευκολοφίδου παῖδα τοῦ Πορθάονος.

48. ἐγκεκοισυρωμένην] Cf. Hesych. ἐγκεχοιριλωμένην: λεπράν.

50. τρασιᾶς] Phot. τρασιά: οὗ τὰ σῦκα ψύχεται (?). Cf. Cratet. 16. ἔχοντες εὐπαθῆ βίον | παρουσίαν (περιουσίαν?) τε χρημάτων. Men. 382, 1. στρατεία δ' οὐ φέρει περιουσίαν | οὐδεμί'. Thuc. VII. 13. ἡμῖν δ' ἐκ πολλῆς ἂν περιουσίας νεῶν μόλις τοῦτο ὑπῆρχε.

52. λαφυγμοῦ] Cf. Eupol. 148. λαφύσσεται λαφυγμὸν ἀνδρεῖον πάνυ. Hom. Il. 11, 176. ἔγκατα πάντα λαφύσσει. 17, 64. ἔγκατα πάντα λαφύσσει. Athen. XI. 485 A. λαφυκταί (helluones).

53. ἐσπάθα] Cf. Philyll. Fr. 12. (ἀλλὰ) σπαθᾶν τὸν ἱστὸν οὐκ ἔσται σπάθῃ. Soph. Fr. 793. ἀσπάθητον χλαῖναν.

55. σπαθᾷς] Cf. Diph. IV. 395. μειράκιον ἐρῶν τὰ πατρῷα βρύκει καὶ σπαθᾷ. Lucian. Gall. 29. οὗτοι διασπαθῶσι τἀμὰ τοῦ κακοδαίμονος (com.). Liban. IV. 143. 8. γυναῖκα — σπαθῶσαν, ὠλεσίοικον.

57 sq. Cf. Plat. com. II. 685. φείδεσθε τοὐλαίου σφόδρ'.

62. δὴ 'νταῦθ'] I. e. ἐνταῦθα δή. Cf. Python. trag. 1, 5. ἐνταῦθα δή. Thuc. VIII. 56. ἐνταῦθα δὴ οὐκέτι etc. Aesch. I. 95. ἐνταῦθα δὴ ἐτράπετο etc. Soph. Tr. 772. ἐνταῦθα δὴ 'βόησε. 37.

65. Cf. Theopomp. 32, 2. ὄνομά σοι τί θώμεθα; Aesch. Fr. 5. τί δῆτ' ἐπ' αὐτοῖς (l. ἐκείνοις) ὄνομα θήσονται βροτοί; Plat. Theag. 122 D. καλόν γε — τῷ υἱεῖ τὸ ὄνομα ἔθου. Schol. Av. 494. ἐν αὐτῇ (τῇ δεκάτῃ) τὰ ὀνόματα ἐτίθεντο τοῖς παισίν.

66. ἐκρινόμεθα] Cf. Eq. 1257.

70. ξυστίδ'] Cf. Eubul. 134. ταῖς ξυστίσιν ταῖς χρυσοπάστοις στρώννυται. Hesych. II. p. 64. ἱππικὸν χλίδος· — οἱ γὰρ ἐποχούμενοι τοῖς ἵπποις ἐχρῶντο κόσμου χάριν πλατέσι χιτῶσιν, ἃς καλασίριδας καὶ ξυστίδας τινὲς λέγουσιν.

71. τοῦ φελλέως] Cf. Cratin. 271. φελλέα. 86. Aelian. Epist. 2. φελλεῖ ἐπέκοψε τὸ σκέλος πάνυ ἰσχυρῶς. Φελλεῖς τὰ πετρώδη καὶ αἰγίβοτα χωρία erant (Harpocr.). Cf. Fr. 271.

81. τὴν χεῖρα δὸς —] Cf. Soph. Fr. 1182. Eur. Her. 308.

83. Cf Men. 533, 1. μὴ λέγ', εἰ φιλεῖς ἐμὲ etc.

84. μή μοί γε τοῦτον —] Sub. λέγε. Cf. 433. μή μοί γε λέγειν γνώμας μεγάλας. Lys. 922. ποία ψίαθος; μή μοί γε. 938. μὰ τὸν 'Απόλλω μή μέ γε. Ran. 625. Vesp. 1179. 1400.

90. καί τι πείσει;] Cf. Hom. Il. 7, 48. ἦ ῥά νύ μοί τι πίθοιο; Soph. O. R. 1434. πιθοῦ τί μοι.

95. *ἐνταυθ' ἐνοικοῦσ'*] Cf. Av. 1107. Th. 29. Eq. 1328. *ἵν' ὁ κλεινὸς Δῆμος ἐνοικεῖ.*

96. V. schol. h. l. et ad 179. Eupol. 361. *δεξάμενος δὲ Σωκράτης τὴν ἐπίδειξιν* (*ἐπιδέξι'* recte Fritzsch.) *ᾄδων* | *Στησιχόρου πρὸς τὴν λύραν — οἰνοχόην ἔκλεψεν.* Schol. *ταῦτα δὲ πρότερος Κράτης* (*Κρατῖνος* Mein., coll. schol. Clementis Alex. Protr. 103. *τοῦ Ἵππωνος καὶ αὐτοῦ ὡς ἀσεβοῦς γενομένου μέμνηται ὁ Κρατῖνος*) etc.

99. *νικᾶν — δίκαια κἄδικα*] Cf. Eq. 93. *νικῶσιν δίκας.* 256. *κεκραγὼς καὶ δίκαια κἄδικα.* Ach. 372. Eq. 256. Pl. 232 sq. Andoc. I. 135. *δεῖ τοῦτον ἐκποδὼν ἡμῖν εἶναι καὶ δικαίως καὶ ἀδίκως.*

103. *ὠχριῶντας*] Confer verba *ἐρυθριᾶν, χλωριᾶν,* al.

104. *Χαιρεφῶν*] Notatur Chaerephon ut parasitus (*κόλαξ*) Eupol. 165. Cf. schol. Vesp. 1408. Eupolis ob colorem *πύξινον* eum vocavit (239).

109. De Leogora cf. Plat. com. 106.

116. *τὸν ἄδικον — λόγον*] Cf. Eur. Phoen. 471. *ὁ δ' ἄδικος λόγος* | *νοσῶν ἐν αὑτῷ φαρμάκων δεῖται σοφῶν.*

117 sq. Cf. Eq. 418 sq.

122. *σαμφόρας*] Littera *σὰν* legitur Achae. trag. 33, 4.

131. *ἰτητέον*] Cf. Thuc. I. 72. 1. *ἔδοξεν αὐτοῖς παριτητέα ἐς τοὺς Λακεδαιμονίους εἶναι.* Lucian. Herm. 73. *εἰσιτητέον.* *τί ταῦτ' ἔχων στραγγεύομαι;*] Cf. Th. 473. *τί ταῦτ' ἔχουσαι 'κεῖνον αἰτιώμεθα;*

132. *παῖ παιδίον*] Cf. Ran. 37. *παιδίον παῖ, ἠμί, παῖ.*

133. *βάλλ' ἐς κόρακας*] Cf. Plat. Hipp. 293 A. *βάλλ' ἐς μακαρίαν.* Eq. 1151. *ἄπαγ' ἐς μακαρίαν.* Epicharm. ap. Athen. II. 63 C. *ἄπαγ' ἐς τὸν φθόρον.* Macar. II. 72. etc.

138. *τηλοῦ — τῶν ἀγρῶν*] Cf. Plat. com. 192, 2. *οὐδεὶς ὁμαίμου συμπαθέστερος φίλος,* | *κἂν ᾖ* (*πεφυκὼς*) *τοῦ γένους μακρὰν* (*πάνυ*). Eur. Fr. 877. 894. Jambl. Vit. Pyth. § 237. *οἱ — προσωτάτω γῆς οἰκοῦντες φίλοι εἰσίν.*

144. Schol. *δυνήσεται* (*βουλήσεται?*).

152. *ὑπολύσας*] Cf. Th. 1183. Aesch. Ag. 944. *ὑπαί τις ἀρβύλας* | *λύοι* (*λῦσον?*) *τάχος.*

156 sq. Cf. Demetr. com. 3. *τῇ πυγῇ λαλοῦσιν αἱ τρυγόνες.*

157. *ὁπότερα τὴν γνώμην ἔχοι*] Cf. Herod. V. 119. 3. *ἐβουλεύοντο περὶ σωτηρίης ὁκότερα — ἤ —.* Thuc. VII. 72. 2. *ὡς — ἀναχώρησοντες — τὴν γνώμην εἶχον.*

166. *διεντερεύματος*] Archipp. 25, 3. *τοὺς λάβρακας ἐντερεύων.*

167. *φεύγων ἂν ἀποφύγοι —*] Cf. Vesp. 579. *κἂν Οἴαγρος εἰσέλθῃ φεύγων, οὐκ ἀποφεύγει πρὶν ἂν ἡμῖν* etc.

174. *ἥσθην*] Cf. Ach. 485. *ἐπῄνεσ'.* *γαλεώτῃ*] Cf. Men. 188. *οὗτός ἐστι γαλεώτης γέρων.*

176. *πρὸς τἄλφιτα*] Ad victum. Cf. Sosith. Trag. Fr. 2, 9. *ἐργάζεται δ' ἐλαφρὰ πρὸς τὰ σιτία.*

178. Cf. Eupol. 283. ἀλλ', ὦ φίλε Ζεῦ, κατάχυτλον τὴν ῥῖν' ἔχεις. Herod. III. 12. 5. σκιητροφέουσι — πίλους τιάρας φορέοντες. Athen. XV. 700 E. τούτῳ δ' ἐχρῶντο λαμπάδι.

179. Cf. Vesp. 239. τῆς ἀρτοπώλιδος λαθόντ' ἐκλέψαμεν τὸν ὅλμον. Eupol. 361. δεξάμενος δὲ Σωκράτης τὴν ἐπιδέξι' (ᾄδων) Στησιχόρου πρὸς τὴν λύραν οἰνοχόην ἔκλεψεν. 218. ἐξ Ἡρακλείας ἀργύριον ὑφείλετο.

183. μαθητιῶ] Cf. στρατηγιᾶν (Pher. 250.), μαστιγιᾶν (Eupol. 429.), σοφιστιᾶν (Eubulid. Fr. 1.).

186. τοῖς ἐκ Πύλου ληφθεῖσι —] Cf. Eq. 1201. Thuc. IV. 40. τῶν ἐκ τῆς νήσου αἰχμαλώτων.

191. ἐγκεκυφότες] Cf. Ran. 425. ἐκρύπτετ' ἐγκεκυφώς.

198. Cf. Eq. 74. ἀλλ' οὐχ οἷόν τε τὸν Παφλαγόν' οὐδὲν λαθεῖν. Eur. Fr. 315, 1. δούλῳ γὰρ οὐχ οἷόν τε τἀληθῆ λέγειν. Trag. adesp. 549. γέροντι δ' οὐχ οἷόν τε μηκύνειν χρόνον. Sic οὐ δυνατὸν Vesp. 384. Eupol. 73, 1. ἀλλ' οὐχὶ δυνατόν ἐστιν. Soph. Aj. 1046. ποῖ γὰρ μολεῖν μοι δυνατὸν —; Plat. Legg. 816 D. τὰ ἐναντία μαθεῖν οὐ δυνατόν.

201. Cf. Vesp. 602. ἣν δουλείαν οὖσαν ἔφασκες etc. 1376. ὁ δ' ὄπισθεν οὐχὶ πρωκτός ἐστιν οὑτοσί; Menand. Fr. Sabbait 26. ἔμβαρος; ἀρχαϊσμὸς οὗτος ῥημάτων. Soph. Aj. 114. σὺ δ' οὖν, ἐπειδὴ τέρψις ἥδε σοι τὸ δρᾶν. Trach. 483. ἥμαρτον, εἴ τι τήνδ' ἁμαρτίαν νέμεις. Eur. Med. 14. Tro. 743. Fr. 59. Herod. IV. 65. 4. ταύτην ἀνδραγαθίην λέγοντες.

206. γῆς περίοδος πάσης] Cf. Herod. IV. 36. ὁρέων γᾶς περιόδους γράψαντας πολλούς. V. 49. ἔχων χάλκεον πινάκα ἐν τῷ γῆς ἁπάσης περίοδος ἐνετέτμητο.

212. Cf. Lys. 965. ποῖος ἂν ὄρρος κατατεινόμενος (l. παρα.); Fr. 421, 1. παρατέταμαι γὰρ τὰ λιπαρὰ κάπτων. Thuc. III. 46. 2. πολιορκίᾳ τε παρατενεῖσθαι ἐς τοὔσχατον. Thuc. 8, 104. παρέτειναν τὸ κέρας. Athen. 536 E. κατατεινόμενον (l. παρατ.) ὑπὸ τῆς ποδάγρας.

214. ποῦ 'στιν; ΜΑ. ὅπου 'στίν;] Qu. — ποῦ 'στι; ΜΑ. ποῦ 'στιν; Cf. Antiph. 20, 1. κρέα δὲ τίνος ἂν ἥδιστ' ἂν ἐσθίοις; Β. τίνος;

218. οὑπὶ τῆς κρεμάθρας] Cf. Plat. Apol. 19 C. ταῦτα γὰρ ἑωρᾶτε καὶ αὐτὸν ἐν τῇ Ἀριστοφάνους κωμῳδίᾳ, Σωκράτη τινὰ ἐκεῖ περιφερόμενον φάσκοντά τε ἀεροβατεῖν (225) καὶ ἄλλην πολλὴν φλυαρίαν φλυαροῦντα. Unde circumlatum in machina pensili fuisse philosophum colligere licet.

219. Σώκρατες] Sic Εὔκρατες Fr. 540. Ἐπίκρατες Plat. com. 122. Πρήξασπες Herod. III. 63. 3.

220. ἀναβόησον — μέγα] Cf. Soph. Phil. 57. μὴ φώνει μέγα.

222. Similiter poeta tragicus Sositheus philosophum coaevum in scena non dubitavit commemorare, et Lycophron Menedemum in fabula cognomine.

225. ἀεροβατῶ] Anglice I am treading the air. Cf. Lucian. 77, 12. ἐς τρίτον οὐρανὸν ἀεροβατήσας.

230. Cf. Sotad. III. 586. τεμὼν — λεπτὴν τῆς χλόης.

232. Cf. Eccl. 386. οὐ γὰρ ἀλλ' ὑπερφυῶς | ὡς λευκοπληθὴς ἦν. Hipponact. Fr. 47. ἀκούσαθ' Ἱππώνακτος· οὐ γὰρ ἀλλ' ἥκω.

233. ἕλκει — τὴν ἰκμάδα] Cf. Alex. 440. ἕλξει δι' αὐτῆς νοτίδα. Aesch. Fr. 230. καὶ τῶν θανόντων ἰοὶν (οἶσιν?) οὐκ ἔνεστ' ἰκμάς.

234. Cf. Eq. 888. ὅπερ πίνων (l. πίων) ἀνὴρ πέπονθ' ὅταν χεσείῃ. Epicrat. 2, 7. πεπονθέναι δὲ ταὐτά μοι δοκεῖ | τοῖς ἀετοῖς.

243. δεινὴ φαγεῖν] Cf. Soph. Phil. 313. τὴν ἀδηφάγον νόσον.

248. Cf. Stratt. 36. ἐν τοῖς βαλανείοις προῖκ' ἐλοῦθ' ὁσημέραι | ἁπαξάπασ' ἂν ἡ στρατιὰ σιδαρέων | (τριῶν τ' ἐδείπνει). Ut locum optime restituit Kock. Malim tamen ipse σιδαρέου, quum nulla numeri mentio fiat. Adde quod in balneis publicis uno fere chalco lavabantur (Athen. VIII. 357 A.), ut monuit Kock. Ita tamen non admitti potest προῖκ'. Quare vide num praestet correctio ἐν τοῖς βαλανείοισιν δ' ἐλοῦθ' —. Cf. Eur. Fr. 542. οὔτοι νόμισμα λευκὸς ἄργυρος μόνον | καὶ χρυσός ἐστιν, ἀλλὰ κἀρετὴ βροτοῖς | νόμισμα κεῖται πᾶσιν, ᾗ χρῆσθαι χρεών.

252. ξυγγενέσθαι — εἰς λόγους] Cf. Eur. Tro. 905. οὐκ εἰς λόγους ἐλήλυθα. Neophr. 1, 4. σοὶ δ' εἰς λόγους μολὼν ἂν ἤλπιζον μαθεῖν. Herod. II. 44. 1. ἐς λόγους δὲ ἐλθὼν τοῖσι ἱρεῦσι etc.

254. Cf. 709. Anaxil. III. 348. τετράπους — σκίμπους ἢ θρόνος.

261. ἔχ' ἀτρέμας] Cf. Th. 230. ἔχ' ἀτρέμας αὐτοῦ. Av. 1200.

265. βροντησικέραυνοι] Formatum ut κυκησίτεφρος Ran. 711.

267. μήπω γε πρὶν ἂν —] Cf. Eq. 960. 1101. Soph. Phil. 1409. Aesch. Prom. 631. Plat. Phaedr. 342 G. μήπω γε πρὶν ἂν τὸ καῦμα παρέλθῃ. et ad Ach. 176.

268. Cf. Vesp. 835. Aesch. Eum. 837. Soph. Aj. 410. Eur. Fr. 442. φεῦ φεῦ, τὸ μὴ τὰ πράγματ' ἀνθρώποις ἔχειν | φωνήν. κυνέην] Forma soluta ut in anapaestis. Usitata forma Attica est κυνῆ, ut παρδαλῆ, λεοντῆ, ἀρκτῆ, μοσχῆ, etc.

271. Ὠκεανοῦ πατρὸς] Cf. Soph. Fr. 256. Ἴναχε γεννᾶτορ, παῖ τοῦ κρηνῶν | πατρὸς Ὠκεανοῦ. Catull. 85, 6. 'Non genitor nympharum abluit Oceanus.' κήποις] Cf. Soph. Fr. 298 a. ἐν Διὸς κήποις ἀροῦσθαι — ὄλβους. χορὸν ἵστατε νύμφαις] I. e. in nympharum honorem. Cf. Aesch. Ag. 23. χορῶν κατάστασιν. Eur. Fr. 781, 34. θεοῖς χορεῦσαι. Lys. 1277. ὀρχησάμενοι θεοῖσιν.

272. Νείλου προχοαῖς] Cf. Solon. 28, 1. Νείλου ἐπὶ προχοῇσι Κανωβίδος ἐγγύθεν (ἐγγύθι?) ἀκτῆς. Aesch. Suppl. 1025. Νεῖλου προχοάς. Aesch. Fr. 192, 8. θερμαῖς ὕδατος μαλακοῦ προχοαῖς. ἀρύτεσθε] Cf. Pher. 130, 5. ποταμοὶ — ῥεύσονται σφῷν ἀρύτεσθαι. Simonid. 44. ἔνθα χερνίβεσσι ἀρύεται τὸ Μοισᾶν καλλικόμων ὑπένερθεν ἁγνὸν ὕδωρ. πρόχουσιν] Qu. πρόχοισιν. Sed τοῖς Χουσὶν

est Ach. 1211. Cf. Anaxand. 41, 27. *Χίου τε πρόχουν*. Eur. Ion. 435. *χρυσέαις προχόοισιν*.

274. *ἐπακούσατε*] Cf. Fr. mel. adesp. 144. ed. Bergk. *εὐχομένων ἐπακούσατε*. *τοῖς ἱεροῖσι χαρεῖσαι*] Cf. Th. 981. Eur. Iph. A. 1525. *θύμασι βροτησίοις χαρεῖσα*.

276. *φύσιν*] Cf. Cratin. 1, 19. *φύσιν θείαν φορῶν*.

278. *βαρυαχέος*] Cf. Pind. P. II. 14. *εὐαχέα ὕμνον*.

281. *τηλεφανεῖς σκοπιὰς ἀφορώμεθα*] Lege *τελεφανοῦς σκοπιᾶς* —. Cf. Men. IV. 158. *ῥῖψαι πέτρας* | *ἀπὸ τηλεφανοῦς*. Soph. Phil. 189. Simonid. 133, 4. *Ὅσσα Κιθαιρῶνός τ' οἰονόμοι σκοπιαί*. Soph. 216. *Θρῆσσαν σκοπιὰν Ζηνὸς Ἀθῴου*.

284. *κελάδοντα*] An *κελαδοῦντα*?

285. *ὄμμα — αἰθέρος*] Cf. Aesch. Sept. 390. *νυκτὸς ὀφθαλμός*. Phoen. 546. *νυκτός τ' ἀφεγγὲς βλέφαρον ἡλίου τε φῶς*. Soph. Ant. 104. *ὦ χρυσέας ἁμέρας βλεφαρίς* (*βλέφαρον*?). *σελαγεῖται*] Cf. 604. Eur. El. 714. *σελαγεῖτο δ' ἀν' ἄστυ πῦρ ἐπιβώμιον*.

289. *ἀθανάτας*] Cf. Th. 1052. *ἀθανάταν φλόγα*. Aesch. Cho. 619. *ἀθανάτας τριχός*. Eur. Phoen. 237. *ἀθανάτας θεοῦ*. Sed Eur. Fr. 902, 5. *ἀθανάτου — φύσεως* (anap.). *ἀθανάτας ἰδέας*] Genitivus, ab immortali forma nostra. Cf. Eupol. 292, 2. *λεπτῷ κακῷ τε τὴν ἰδέαν*.

294. *τέτρεμαίνω*] I. q. *τρέω*. Cf. 374. Vocabulum comica licentia fictum. Aesch. Ag. 549. *καὶ πῶς — ἔτρεις τινάς;* Eur. Fr. 871, 3. *οὐ τρέσας θεούς*. *πεφόβημαι*] Cf. Soph. Aj. 253.

296. Schol. *πρὸς τὸ σκώπτειν* Headlam.

297. *θεῶν — σμῆνος*] Cf. Soph. Fr. 693. *βομβεῖν σοφιστῶν* (pro *μελισσῶν*) *σμῆνος ἄρχεται μέλη*. Cratin. 2. *σμῆνος ἀνεδιφήσατε*.

304. *ἀναδείκνυται*] Anglice, is thrown open. Cf. Soph. El. 1458. *κἀναδεικνύναι* (*κἀμπεταννύναι*?) *πύλας*.

305. *θεοῖς δωρήματα*] Cf. Aesch. Pers. 523. *γῇ — δωρήματα*.

307. *πρόσοδοι μακάρων*] Cf. Xen. Anab. VI. 1. 11. *ᾖσάν τε ἐν ῥυθμῷ πρὸς τὸν ἐνόπλιον ῥυθμὸν καὶ ὠρχήσαντο ὥσπερ ἐν ταῖς πρὸς τοὺς θεοὺς προσόδοις*.

313. *βαρύβρομος*] Cf. Eur. Ion. 42. *βαρὺν αὐλόν*.

318. *τερατείαν*] I. q. *τερθρείαν* Plut. Mor. 42 D. *περίλεξιν*] A *περιλέγειν* (i. e. *περισσὰ λέγειν*), Hermipp. 92.

319. *πεπότηται*] Cf. Vesp. 93. *ὁ νοῦς πέτεται τὴν νύκτα περὶ τὴν κλεψύδραν*. Av. 1445. *ἀνεπτερῶσθαι καὶ πεποτῆσθαι τὰς φρένας*. Theogn. 1053. *τῶν γὰρ μαινομένων πέτεται θυμός τε νόος τε*. Eur. Hipp. 564. *μέλισσα δ' οἷά τις πεπόταται*. Eur. El. 175.

320. *ἡ ψυχή μου — λεπτολογεῖν ἤδη ζητεῖ*] Cf. 1414. Ran. 876. Eur. Fr. 916. *μή μοι* | *λεπτῶν θίγγανε μύθων, ψυχή*. Med. 1081. *πολλάκις ἤδη διὰ λεπτοτέρων* | *μύθων ἔμολον*. Hermipp. 22. *λεπτολογίαν*. Cratin. 307, 2. *ὑπολεπτολόγος, γνωμοδιώκτης, εὐριπιδαριστοφανίζων*. Alex. 220, 7. *πυθαγορισμοὶ καὶ λόγοι* | *λεπτοὶ διεσ-*

μιλευμέναι τε φροντίδες | τρέφουσ' ἐκείνους. Cf. *λεπτουργεῖν* (Eur.), *ἀρχαιολογεῖν* (Thuc. VII. 69. 3.). *καπνοῦ*] Producta prima ut in anapaestis. Sic Calli. com. 21. *ἔτνος* (ε̄), *πυριάτης*, etc.

327. *λημᾷς κολοκύνταις*] Cf. proverbium *λημᾶν χύτραις* Lucian. adv. ind. 23. Diogenian. V. 63. etc.

329. *ᾔδης*] Lege *ᾔδησθ'*.

330. Cf. Eupol. 51. *καπνοὺς ἀποφαίνει καὶ σκιάς*. Menand. 471. *καπνὸς καὶ φλήναφος*. Plat. Resp. IX. 581 D. *ἡδονὴν ἡγεῖται καπνὸν καὶ φλυαρίαν*. Aesch. Fr. 399, 2. *καὶ πιστὸν οὐδὲν μᾶλλον ἢ καπνοῦ σκιά* (*τὸ βρότειον σπέρμα*). Soph. Phil. 497. *καπνοῦ σκιὰν, εἴδωλον ἄλλως*.

332. *θουριομάντεις*] Cf. Av. 521. Eupol. 297. Plut. Per. 6. Mor. 812 D. *σφραγιδ.*] Cf. Antiph. 190, 2. *ἔχων | σανδάλια καὶ σφραγῖδα καὶ μεμυρισμένος*.

333. Cf. 360. Fr. 672 K. Eupol. 1466. *ὅς ἀλαζονεύεται μὲν ἀλιτήριος | περὶ τῶν μετεώρων, τὰ δὲ χαμᾶθεν ἐσθίει*.

334. *οὐδὲν δρῶντας*] Cf. Eq. 905. *ἐγὼ γάρ φημί σοι παρέξειν — μηδὲν δρῶντι μισθοῦ τρύβλιον ῥοφῆσαι*.

336. *ἑκατογκεφάλα*] Cf. *τειχομάχας* Ach. 570. *γοργολόφας* 567. *τεττιγοφόρας* Eq. 1331. Qu. *ἑκατογκεφάλου*. *Τυφῶ*] Eadem genitivi forma est Aesch. Sept. 517. Suppl. 560. Soph. Fr. 951.

339. *ὀρνίθεια*] Sc. *κρέα*. Cf. Pher. 45, 5. *ὀρνίθεια πλήθει πολλά*.

341. *εἴξασι*] Cf. 342. Av. 96. 382. Plat. com. II. 620. 664. Theopomp. 65. Eubul. III. 250. Com. adesp. 676.

343. *πεπταμένοισι*] Cf. Fr. 104. *προπέπταται*.

346. Cf. Amph. 9, 1. *ἤδη ποτ' ἤκουσας βίον | ἀληλεμένον;*

348. *γίγνονται πᾶν ὅ τι βούλονται*] Cf. Metag. 2, 1. *κἄπειτά με πάντ'* (*πᾶν* Cobet.) *ἐπερώτα | ὅ τι ἂν βούλῃ*.

349. *οἷόνπερ τὸν* —] Cf. Lucian. 32, 20. *ἣν δὲ τὸ μηχάνημα τοῦτο ἀνδρὶ μὲν οἵῳ σοὶ — πρόδηλον*.

351. *ἢν — κατίδωσι Σίμωνα*] Cf. Eupol. 159, 7. *ἐπειδὰν κατίδω τιν' ἄνδρα | ἠλίθιον* etc. *Σίμωνα*] De Simone Eupolis apud schol. (219) *ἐξ Ἡρακλείας ἀργύριον ὑφείλετο*.

352. Cf. 504. Plut. Cim. 4. *τῷ πάππῳ Κίμωνι προσεοικὼς τὴν φύσιν* (*Κίμων*). *λύκοι ἐξαίφνης ἐγένοντο*] Cf. Vesp. 49. *ἐγένετ' ἐξαίφνης κόραξ*. 948.

356. *εἴπερ τινὶ κἄλλῳ*] Cf. Eq. 1310. *εἴπερ ἐκ πεύκης γε κἀγὼ* etc. Soph. O. R. 165 sq.

357. Cf. 960. Similiter Soph. Tr. 919. *δακρύων ῥήξασα θερμὰ νάματα*. 852. *ἔρρωγεν παγὰ δακρύων*. Herod. I. 85. *οὐρανομήκη*] Cf. 459. Vesp. 416. 1492. 1530. Ran. 781. 1135. Sic rumpere vocem Virg.

358. *παλαιογενὲς*] Forma epica. Cf. Alex. 119, 2. *νέκταρος παλαιγενοῦς*. Aesch. Ag. 1637. *παλαιγενής*.

359. *λήρων ἱερεῦ*] Cf. Aesch. Agam. 735. *ἱερεύς τις ἄτας*. Eur. Alc. 25. *Θάνατον — ἱερέα θανόντων*. Or. 261. *ἐνέρων ἱερίαι*. Ad rem cf. Ran. 1491 sq.

360. *μετεωροσοφιστῶν*] Cf. 101. 228. 331. 333. Plat. Prot. p. 315 C.

361. *πλὴν ἢ Προδίκῳ*] Cf. 734. *Προδίκῳ*] A quo se didicisse profitetur Socrates Plat. Men. p. 96 D. Docebat praecipue *περὶ ὀνομάτων ὀρθότητος* (Plat. Euthyd. p. 277 E. Crat. p. 384 B.).

362. *τὠφθαλμὼ παραβάλλεις*] Cf. Vesp. 497. *παραβλέψασα — θατέρῳ* (sc. *ὀφθαλμῷ*). Aesch. Fr. 297. *τὸ σκαιὸν ὄμμα παραβαλὼν θύννου δίκην*.

364. *ὦ Γῆ*] Terram invocat ut agricola. Cf. 366.

368. *ἀπόφηναι*] Cf. Herod. I. 207. 3. *οὐδὲν ἂν εἴη πρῆγμα γνώμας ἐμέ σοι ἀποφαίνεσθαι*. Aeschin. c. Tim. § 128. *καὶ πάλιν τὸν Εὐριπίδην ἀποφαινόμενον τὴν θεὸν ταύτην* etc. Aesch. Eum. 309. *μοῦσαν στυγερὰν ἀποφαίνεσθαι*. Diodor. Sic. I. 38. *Ἀναξαγόρας — ἀπεφήνατο τῆς ἀναβάσεως αἰτίαν εἶναι τὴν τηκομένην χιόνα —*. Plut. Dem. 3. *ἀποφαίνεσθαι πότερος ἡδίων — λέγειν*. Plut. Mor. 107 E. *οὐκ ἀμούσως δ' ἔδοξεν ἀποφήνασθαι* etc. Athen. X. 411 A. *ἀποφαίνονται δὲ τοῦτο σχεδὸν πάντες ποιηταὶ καὶ συγγραφεῖς*.

369. *μεγάλοις δέ σ' ἐγὼ σημείοις αὐτὸ διδάξω*] Cf. 385. Eq. 779. Pl. 582. Aeschin. 3, 24. *πειράσομαι ὑμᾶς διδάσκειν ἐκ τῶν δημοσίων γραμμάτων*. 32. *καὶ τοῦθ' ὑμᾶς διδάξω*. 41. *ἐγὼ διδάξω ὑμᾶς προειπὼν κτλ.* 3, 238. *ἐγὼ πειράσομαι μεγάλῳ σημείῳ διδάξαι*.

370. *ὕοντ'*] Cf. Herod. IV. 28. 4. *τὸ δὲ θέρος ὕων οὐκ ἀνίει*. Com. adesp. 118, 2. *τὸν Δία δὲ πῶς ὕοντα; τὸν βορέαν δὲ πῶς;*

ἤδη τεθέασαι;] Cf. Magnet. 1, 1. *ταχηνίας ἤδη τεθέασαι χλιαροὺς | σίζοντας —;* Hermipp. II. 394. *ἤδη τεθέασαι κόκκον ἐν χιόνι ῥοάς;*

372. *τοῦτό γέ τοι τῷ νυνὶ λόγῳ*] Lege *τοῦτό γέ τοι δὴ τῷ νῦν λόγῳ —*. Cf. Plat. Crit. 44 A. *φασί γέ τοι δὴ οἱ τούτων κύριοι*.

374. *τετρεμαίνειν*] Cf. 294.

375. Cf. Soph. Fr. 197, 1. *ὦ πᾶν σὺ τολμήσασα —*.

377. *κατακρημνάμεναι*] Imperativus activae vocis *κρήμνη* est Eupol. 455. et Eur. Fr. 918. *κρήμνη σεαυτήν*.

380. *δῖνος*] Cf. 380. 826. 1474. 1475.

385. *τουτὶ τῷ χρὴ πιστεύειν;*] Cf. Thuc. I. 80. *τίνι χρὴ πιστεύσαντας ἀπαρασκεύους ἐπειχθῆναι;*

390. *ἐπάγει*] Cf. Eq. 25. *κᾆτ' ἐπάγων πυκνόν*. Sosipat. com. IV. 484. *πότε δεῖ πυκνότερον ἐπαγαγεῖν καὶ πότε βάδην*. Xen. Conv. II. 22. *θάττονα ῥυθμὸν ἐπάγειν*.

393. Cf. Eur. Fr. 935. *ὁρᾷς τὸν ὑψοῦ τόνδ' ἄπειρον αἰθέρα | καὶ (τὸν?) γῆν πέριξ ἔχονθ' ὑγραῖς ἐν ἀγκάλαις. | τοῦτον νόμιζε Ζῆνα, τόνδ' ἡγοῦ θεόν*.

396. *τοὺς δὲ —*] Cf. ad Eq. 600. Pherecr. II. 253. *ἐν τοῖς στεφανώμασιν, οἱ δ' ἐν τῷ μύρῳ λαλεῖτε*.

398. *Κρονίων ὄζων* —] Cf. 929. 1070. Philonid. 15. *νυνὶ δὲ Κρόνου καὶ Τιθωνοῦ παππεπίπαππος νενόμισται.*

399. *πρύμνην*] Eadem forma epica ante vocalem occurrit Soph. Phil. 482.

402. *οὐ γὰρ δὴ δρῦς γ'*] Cf. Plat. Alcib. I. 106 E. *οὐ γὰρ δὴ αὐλεῖν γε ἤθελες μαθεῖν.* Soph. El. 1020. *οὐ γὰρ δὴ κενόν γ' ἀφήσομεν.* Thuc. IV. 87. 3. *οὐ γὰρ δὴ εἰκότως γε* —.

404 sq. Cf. Thuc. V. 71. *νομίζειν τὴν πυκνότητα τῆς συγκλήσεως εὐσκεπαστότατον εἶναι.*

407. *αὐτὸς ἑαυτὸν κατακάων*] Cf. Eq. 544. *κυβερνᾶν αὐτὸν ἑαυτῷ.* Eur. Fr. 597. *φοιτᾷ τίκτων | αὐτὸς ἑαυτόν.*

408. Cf. Av. 501. *νὴ τὸν Διόνυσον ἐγὼ γοῦν ἐκυλινδούμην* —.

409. Cf. Plat. com. 127. *ἀπέσχαζε.* Lobeck. ad Phryn. 219. *γαστέρα*] Cf. Eq. 1179. *γαστρὸς τόμον.*

413. *'Αθηναίοις καὶ τοῖς Ἕλλησι*] Sic Aesch. Prom. 826. *'Αθηνῶν Ἑλλάδος τε.* Pl. 1. *ὦ Ζεῦ καὶ θεοί.*

420. Cf. Herod. III. 85. *θάρσεε τούτου εἵνεκεν.* III. 122. 7. *εἵνεκεν τε* (l. *γε*) *χρημάτων ἄρξεις — τῆς Ἑλλάδος.* Soph. Phil. 774. *θάρσει προνοίας εἵνεκ'.* Alex. 110, 7. *θαρρεῖν κελεύσας εἵνεκ' ἐμοῦ ταῦτ'.*

421. *θυμβρεπιδείπνου*] Cf. Eupol. 14, 5. *θύμα, θύμβραν.*

422. *ἐπιχαλκεύειν*] Cf. Aesch. Fr. 307. *σφύρας δέχεσθαι κἀπιχαλκεύειν μύδρους | ὃς ἀστενακτὶ — ἠνέσχετο.*

427. *ὅ τι σοι δρῶμεν*] Cf. Fr. 12. *κἄγωγε ταῖς ἄλλαις πόλεσι δρῶ ταῦτα πλὴν 'Αθηνῶν.* Eupol. Fr. 114. *λέγ' ὅτου 'πιθυμεῖς· οὐδὲν ἀτυχήσεις ἐμοῦ* (f. *ἀτυχήσας ἄπει*).

430. Cf. Ran. 91. Alex. 19, 3. *ἡμέρας δρόμῳ | κρείττων.*

432. Cf. Vesp. 594. *γνώμην — ἐνίκησεν.* 581. *ἢν — δίκην νικᾷ.* Eq. 93. *νικῶσιν δίκας.* Aesch. Eum. 432. *ὅρκοις τὰ μὴ δίκαια μὴ νικᾶν λέγω.* Eur. Fr. 1034, 1. *φεῦ φεῦ, τὸ νικᾶν τἄνδιχ' ὡς καλὸν γέρας.* Aeschin. p. 181. *ὁ τὴν ἐν Μαραθῶνι μάχην τοὺς βαρβάρους νικήσας.* Dem. p. 686. *τὸν τὴν ἐν Σαλαμῖνι ναυμαχίαν νικήσαντα.* Xen. Cyr. VII. 5. 53. *νενικήκαμεν τὴν μεγάλην νίκην.* Sic *νικᾶν 'Ολυμπιάδα* Herod. IX. 33.

433. *γνώμας μεγάλας*] Cf. Eur. El. 372. *γνώμην — μεγάλην.* Fr. 773, 63. *περὶ γὰρ μεγάλων γνώμας δείξει* (*λέξει*?).

446. *ξυγκολλητὴς*] Cf. Vesp. 1041. *ἀντωμοσίας — ξυνεκόλλων.*

447. *εὑρησιεπὴς*] Cf. *αἱρησιτείχης* (Diph.).

448. *κύρβις*] Cf. Achae. Fr. 19, 3. *τὸν Σπαρτιάτην γραπτὸν κύρβιν ἐν διπλῷ ξύλῳ.* *τρύμη*] Alia forma *τόρμος* est Herod. IV. 72.

449. *μάσθλης*] Cf. Soph. Fr. 125, 2. *μάσθλητα δίγονον.* 151. *μάσθλητας.*

451. *ματτυολοιχός*] *ματτύη* legitur Nicostr. 8. 17. Philem. 9. 12. *ματτυάζειν* Alex. 49, 3.

471. Cf. Soph. Fr. 481, 5. βροτοῖς δ' ἂν ἐλθὼν ἐς λόγον δίκην ὄφλοι. Herod. III. 68. 7. οὔτε Ἀτόσσῃ δύναμαι ἐς λόγους ἐλθεῖν. III. 71. 1. ἐδίδοσάν σφίσι — λόγους.

476. προδιδάσκειν] Cf. Pher. 248, 4. σὺ τηνικαῦθ' ἡμᾶς προδιδάσκεις εὖ φρονεῖν.

477. διακίνει τὸν νοῦν —] Cf. Men. 66, 1. ἐὰν δὲ κινήσῃ μόνον τὴν Μυρτίλην | ταύτην — πέρας ποιεῖ | λαλιᾶς. Lucian. Somn. 11. τῶν ὁρώντων ἕκαστος τὸν πλησίον κινήσας δείξει σε τῷ δακτύλῳ.

481. τειχομαχεῖν μοι] Sic δυσμαχεῖν τινι Soph. Tr. 492.

485. ἐπιλήσμων] Cf. 629. Lys. 1290. Cratin. 154. ἐπιλήσμοσι.

490. ὑφαρπάσει] Nonne ξυναρπάσει? Cf. Alex. 36, 9. τὴν τέχνην μὲν οὐ πάνυ | ἐξέμαθε, τὴν δ' ἀρτυσίαν συνήρπασεν.

493. Cf. Eq. 925. εἰς τοὺς πλουσίους | σπεύσω σ' ὅπως ἂν ἐγγραφῇς.

495. μαρτύρομαι] Antestor. Cf. 1222. 1297. Av. 1031. Ran. 528. etc.

503. Cf. Cratin. 108. δεῖ σ' ὅπως εὐσχήμονος | ἀλεκτρυόνος μηδὲν διοίσεις τοὺς τρόπους.

508. εἰς Τροφωνίου] Dicaearchi περὶ τῆς εἰς Τροφωνίου καταβάσεως liber memoratur Athen. XIII. 594 E.

510. ἀλλ' ἴθι χαίρων] Cf. Eq. 498. Pac. 729. Soph. Fr. 278, 1.

513. προήκων] Cf. Eur. Fr. 1094, 8. ἔκρινε Κύπριν — κάλλει προήκειν. Antiphont. apud Stob. Flor. 68, 37. φέρε δὴ προσελθέτω (l. προελθέτω) ὁ βίος εἰς τὸ πρόσθεν καὶ γάμων — ἐπιθυμησάτω. Athen. XIII. 592 D. προβαίνοντα — τῇ ἡλικίᾳ τὸν Ἰσοκράτη etc.

515. πράγμασιν] Studiis. Cf. 1399. Vesp. 1472. σεμνοτέροις — πράγμασι. 743.

519. νὴ τὸν Διόνυσον] Rei scenicae patronum. Cf. Vesp. 1046.

522. ταύτην σοφώτατ' ἔχειν —] Eandem sententiam profert Vesp. 1046. καίτοι — ὄμνυσιν τὸν Διόνυσον | μὴ πώποτ' ἀμείνον' ἔπη τούτων (Nubibus) κωμῳδικὰ μηδέν' ἀκοῦσαι.

523. Hermannus vertit, 'Ita vincam ut hanc comoediam, quiam omnium mearum optimam esse puto, iterum ad vos affero.' Sed de prima hujus fabulae commissione agi ostendunt quae sequuntur εἶτ' ἀνεχώρουν etc.

524. Comicos poetas hic intelligi constat, si conferas Vesparum locum v. 64 sq. ἀλλ' ἔστιν ἡμῖν λογίδιον γνώμην ἔχον, | ὑμῶν μὲν αὐτῶν οὐχὶ δεξιώτερον, | κωμῳδίας δὲ φορτικῆς σοφώτερον.

529. Schol. δάκτυλος Headlam.

530. ἦν] Malim ᾗ Attice.

538. σκύτινον] Cf. 880. ἁμαξίδας — σκυτίνας — Lys. 110. σκυτίνη 'πικουρία. Herod. I. 171. τελαμῶσι σκυτίνοις οἰακίζουσι τὰς ἀσπίδας. Anaxil. 18, 6. ἐν σκυταρίοις ῥαπτοῖσι φορῶν | Ἐφεσήϊα γράμματα καλά (γραπτά?).

539. Cf. Eccl. 152. ἵν' ἐκαθήμην ἥσυχος. Ran. 919. Vesp. 961.

540. κόρδαχ' εἵλκυσεν] Cf. Pac. 328. ἓν μὲν οὖν τουτί μ' ἔασον ἑλκύσαι. Nicoph. 25. κορδακισμός. Demosth. Ol. 2, 18.

541. Schol. ὡς Εὔπολις ἐν τοῖς (del. ἐν τοῖς?) Προσπαλτίοις. Schol. ὅσα ἂν λέγῃ (imo ὅσα λέγει).

542. ἀφανίζων —] Celans (celare studens) insulsos jocos, dum in senem adstantes verberantem intentos oculos habent spectatores. πονηρὰ σκώμματα] Ad haec σκώμματα respicitur in Prospaltiorum fragmento (Eupol. 244.), τὸ δεῖν' ἀκούεις, Ἡράκλεις; τοῦτ' ἐστί σοι | τὸ σκῶμμ' ἀσελγὲς καὶ Μεγαρικὸν καὶ σφόδρα | ψυχρόν. γελῶσιν (γελῶσι δ'?), ὡς ὁρᾷς, τὰ παιδία.

543. εἰσῆξε δᾷδας ἔχουσ'] Primus in scenam faces intulisse dicebatur Philyllius (v. Fr. 29.). Cf. Schol. ad Plut. 1194. Stratt. 87. Tenendum est ultimam partem fabulae, ubi accenditur Socratis φροντιστήριον, serius a Comico additam fuisse teste Argumenti VI. scriptore. Itaque aliter sensisse postea videtur Comicus, nec fabulam ad satis accuratam formam perduxise. Schol. δῆλος (l. δῆλον?).

549. μέγιστον ὄντα] Cf. Vesp. 1030. τοῖσι μεγίστοις ἐπιχειρεῖν (φησί). ἔπαισ' ἐς τὴν γαστέρα] I. q. ἐγάστρισα (Eq. 273. 454.).

550. ἐτόλμησ' —] Cf. Vesp. 327. τόλμησον — χαρίσασθαί μοι. Soph. Trach. 1070. ἐπεμπηδῆσ' —] Cf. Theocr. XXII. 124. πλᾶξεν ὑπὸ σκαιὸν κρόταφον καὶ ἐπέμπεσεν ὤμῳ. Sic apud Ovidium 'insultare jacenti.'

551. παρέδωκεν λαβήν] Cf. Eq. 841. λαβὴν δέδωκεν. 847.

552. Schol. δῆλον δὲ ὅτι πρότερος (l. πρότερον).

553. Docta est fabula Μαρικᾶς mortuo Cleone (Eupol. 196.), Hyperbolo jam apud populum gratia florente, Ol. 89, 3. ut monuit Kock Com. I. 307. Fabulae Μαρικᾶντος supersunt tantum fragmenta 25. παρείλκυσεν] Anglice, dragged forward. Fortius quam παρήγαγε.

554. τοὺς ἡμετέρους Ἱππέας] I. e. fabulam nostram Equites. Sic Ach. 640. ηὕρετο πᾶν ἂν διὰ τὰς λιπαράς (i. e. propter epithetum illud αἱ λιπαραί, sc. Ἀθῆναι). Huic crimini, quod ad posteriores Nubes pertinet, respondit Eupolis in Βάπταις (II. 453.), κἀκείνους τοὺς Ἱππέας | ξυνεποίησα τῷ φαλακρῷ τούτῳ κἀδωρησάμην. Etiam Cratinus in fabula Πυτίνῃ Aristophanem ut τὰ Εὐπόλιδος λέγοντα (l. κλέπτοντα) perstrinxerat, ut docet Schol. Cf. schol. Eq. 1291. In Eupolidis loco (78) metrum est Eupolideum.

555. Similiter ebrios in scenam induxisse comoedum quendam narrat Athenaeus X. 429 A.

556. ἣν — πεποίηχ'] Cf. Schol. Vesp. 506. τὸν Μόρυχον τῶν πολιτῶν πεποίηκε μετέχοντα.

560. Cf. Virg. Ecl. III. 90. 'Qui Bavium non odit amet tua carmina, Maevi.'

575. Cf. Eq. 1064. ᾧ σε δεῖ προσέχειν τὸν νοῦν πάνυ. Pher. 79. ἄνδρες, πρόσχετε (προσέχετε?) τὸν νοῦν | ἐξευρήματι καινῷ.

580. ψακάζομεν] Cf. Polioch. IV. 590. γενομένου ψακαδίου.

582. Cf. Pl. 756. ὀφρῦς ξυνῆγον ἐσκυθρώπαζόν θ' ἅμα. Fr. 579 N. Πραμνίοις σκληροῖσιν οἴνοις συνάγουσι τὰς ὀφρῦς τε καὶ τὴν κοιλίαν. Antiph. III. 128. συναγαγόντα τὰς ὀφρῦς.

583. Allusio videtur esse ad solis defectionem Martii die 21, a. 424. Thuc. IV. 52. 1. τοῦ δ' ἐπιγιγνομένου θέρους εὐθὺς τοῦ τε ἡλίου ἐκλιπές τι ἐγένετο περὶ νουμηνίαν καὶ τοῦ αὐτοῦ μηνὸς ἱσταμένου ἔσεισε.

586. Cf. Philippid. IV. 472. ὁ φανὸς ἡμῖν οὐκ ἔφαινεν οὐδὲ ἕν.

591. δώρων] I. e. δωροδοκίας. Cf. ad Vesp. 1207.

593. Anglice, even if you did commit some error. ἐς τἀρχαῖον] Cf. Lucian. 47, 6. τὸ σῶμα πρὸς τὸν ἥλιον ἐς τὸ Αἰθιοπικὸν ἐπιχράναντες. 66, 30. ὑποκύψας ἐς τὸ Περσικόν.

594. ἐπὶ τὸ βέλτιον — συνοίσεται] Cf. Herod. IV. 156. μετὰ δὲ αὐτῷ — συνεφέρετο παλιγκότως. VII. 8. 3. ἡμῖν πολλὰ ἐπέπονσι συμφέρεται ἐπὶ τὸ ἄμεινον.

595. αὖτε in anapaestis est Cratin. 169, 1.

622. τὸν Μέμνον' ἢ Σαρπηδόνα] Cf. 104. 1418. 1465. Ran. 773.

625. τὸν στέφανον ἀφῃρέθη] Sic περιαιρεῖν τὸν στέφανον Demosth. 26, 5.

627. Cf. Eq. 941. εὖ γε νὴ τὸν Δία καὶ τὸν Ἀπόλλω καὶ τὴν Δήμητρα. Plat. Legg. XI. 936 E. τοὺς τρεῖς θεοὺς Δία καὶ Ἀπόλλωνα καὶ Θέμιν ἀπομόσας etc.

628. ἄγροικον — σκαιὸν] Cf. 655. ἄγροικος εἶ καὶ σκαιός.

630. Cf. 1137. Th. 423. Pher. II. 339. ἀλλ' ἄττα πεντήκοντα. Thuc. I. 113. ἀλλ' ἄττα χωρία.

633. ἀσκάντην] I. q. σκίμποδα.

634. κόρεις] A κείρειν derivatum, ut et κορμός. Cf. 699. 725. Ran. 115. Pl. 441. Diph. IV. 416.

640. Cf. Eq. 807. γνώσεται οἵων ἀγαθῶν αὐτὸν τῇ μισθοφορᾷ παρεκόπτου. 859. Dinarch. I. 67. ἐάν, ὃ μὴ γένοιτο, παρακρουσθῆτε ὑπὸ τῆς τούτου γοητείας.

643. ἡμιεκτέον] Cf. Dem. p. 918. καθ' ἡμίεκτον (ἡμιεκτέον?) μετρούμενοι.

644. περίδου] Cf. Eq. 791. Diph. 130.

647. ταχύ γ' —] Cf. Vesp. 795. ταχὺ γοῦν καθέψεις τἀργύριον. Pl. 1043. πολιὰ γεγένησαι ταχύ γε.

648. πρὸς τἄλφιτα] Cf. Cratin. 21. ὁ βοῦς ἐκεῖνος χὴ μαγὶς καὶ τἄλφιτα. Sosith. 2, 9. ἐργάζεται δ' ἐλαφρὰ πρὸς τὰ σιτία.

649. κομψὸν] Cf. Av. 195. Cratin. 169, 3. κομψῶν ἐπὶ δαῖτα θεατῶν.

650. ἐπαΐονθ'] Cf. Soph. Aj. 1263. τὴν βάρβαρον γὰρ γλῶσσαν οὐκ ἐπαΐω.

653. *ἄλλος ἀντὶ* —] Cf. Eccles. 925. Vesp. 210. Aesch. Prom. 467. Soph. Aj. 444.

654. *οὑτοσί*] Eccum. Cf. Aesch. Agam. 1204. *προτοῦ μὲν αἰδὼς ἦν ἐμοὶ λέγειν τάδε.*

655. *ἀγρεῖος — σκαιὸς*] Nonne *ἄγροικος* —? Cf. 628. 646. Eq. 41. Pl. 705. Ephipp. 23, 1. *ὡς σκαιὸς εἶ κἄγροικος.*

662. Cf. Phryn. Ecl. p. 228. *λέγε δὲ ἀλεκτρυών καὶ ἐπὶ θήλεος καὶ ἐπὶ ἄρρενος, ὡς οἱ παλαιοί.*

669. *καρδόπον*] Cf. Eupol. 228, 1. *καρδόπους* (*δέκα*). *Κάρδοποι* ex saxo factae fuisse videntur. Eupol. 20. *νεόκοπον* (l. *νεόκοπτον*) *κάρδοπον*, coll. Vesp. 648. *νεόκοπτον μύλην.*

679. *ὀρθῶς γὰρ λέγεις*] Cf. Soph. O. R. 731. 1117. Tr. 409. Phil. 756. Eur. Hel. 565. Or. 104.

681. *ἔθ' ἕν τι*] Qu. *ἓν ἔτι τι.* Cf. Vesp. 818. *ἓν ἔτι ποθῶ.* Eccl. 655. *ἓν ἔτι ζητῶ.* Lucian. Dial. M. 10, 9. *ἓν ἔτι τὸ βαρύτατον ὑπὸ μάλης ἔχει.*

684. *Λύσιλλα*] Confer nomina *Πράξιλλα, Τελέσιλλα, Χρύσιλλα* (Athen. X. 436 F.). *Φίλιννα*] Nomen *Φίλιννα* legitur Menand. Fr. Genev. v. 28. *ἔμοιγε, Φίλιννα, χαιρέτω.* Hegemonis comici fabula fuit *Φίλιννα* inscripta. Cf. *Βούριννα* (Theocr. VII. 6.), *Κύννα.*

686. *Φιλόξενος*] Cf. Ran. 934. Eupol. 235. *ἔστι δέ τις θήλεια Φιλόξενος ἐκ Διομείων.*

687. De Amynia v. schol. h. l. et ad Vesp. 74.

688. *οὐδαμῶς γ', ἐπεὶ | πῶς ἂν* —] Cf. Pac. 1260. *μηδαμῶς γ', ἐπεὶ | τούτῳ γ' ἐγὼ* —. Vesp. 79. 1164. 1393.

694. *κατακλινεὶς δευρί*] Cf. Vesp. 1208. *δευρὶ κατακλινείς.*

701. *σαυτὸν στρόβει*] Cf. Eq. 386. *ἀλλ' ἔπιθι καὶ* (*σεαυτὸν*) *στρόβει.* Trag. adesp. 391. *πέλαγος — διαστροβεῖ* (intrans.).

712. *τὴν ψυχὴν ἐκπίνουσιν*] Cf. v. *ψυχορροφεῖν,* Trag. adesp. 503. Timocl. com. III. 612. *τἀργύριον ἐστιν αἷμα καὶ ψυχὴ βροτοῖς.* Aesch. Cho. 578. *ἄκρατον αἷμα πίεται.*

713. Non debebam sollicitare *ἐξέλκουσι,* quod recte se habet.

721. *φρουρᾶς ᾄδων*] Cf. Lucret. V. 1404. 'Et vigilantibus haec aderant solatia somno, | ducere multimodis voces et flectere cantus.' Aesch. Ag. 16. *φρουρᾶς* (on guard, on watch) dictum ut *νυκτὸς, ἡμέρας,* etc.

723. *ἐγώ;*] Cf. Av. 125. Ran. 486. 752. 1472. Eccl. 372. 930.

728. *ἀποστερητικὸς*] Cf. 730. 747. Com. adesp. 109, 1. *ἀποστερητὴν ἔλαθον ἀγοράσας ἀγρόν.*

729. *ἀπαιόλημα*] Cf. Soph. Fr. 915. *ἀπαιόλημα.* Aesch. Cho. 1002. *ξένων ἀπαιόλημα.* Fr. 186. *χρημάτων ἀπαιόλη.* Hesych. *ἀπαιόλη· ἀπάτη, ἀποστέρησις.*

730. *ἀρνακίδων*] Cf. Aristonym. 6.

732. *οὗτος*] Heus tu! Cf. Cratin. 51. Com. adesp. 646. *οὗτος,*

καθεύδεις, ὦ κακόδαιμον;' μὰ τὸν 'Απόλλω 'γὼ μὲν οὔ] Cf. Av. 439. Eq. 14.

734. Cf. Av. 560. Xenarch. 4, 20. *ἐν τῇ χειρὶ τὴν ψυχὴν* (*ψωλὴν* recte Kock.) *ἔχοντα*.

740. *σχάσας τὴν φροντίδα*] Cf. Soph. Fr. 1027, 2. *ὅταν πυρὸς γέμοντα θησαυρὸν σχάσῃ | χρυσωπὸς αἰθήρ*. Aesch. Fr. 418. *ἀσχαδές* (i. e. *ἀκατά σχετον*).

742. *διαιρῶν*] Cf. Plat. Prot. 341 C. *τὰ ὀνόματα ὀρθῶς διαιρεῖν*. Aesch. Eum. 492. *ἥξω διαιρεῖν τοῦτο πρᾶγμ' ἐτητύμως*.

750. Cf. Virg. Ecl. VIII. 69. 'Carmina vel coelo possunt deducere lunam.'

756. Cf. 1287. Metag. 14. 758. *κατ' ἐπεισόδιον μεταβάλλω τὸν λόγον, ὡς ἂν | καιναῖσι παροψίσι καὶ πολλαῖς εὐωχήσω τὸ θέατρον*.

758. *πεντετάλαντος — δίκη*] Cf. ad Ach. 6. Vesp. 171. Non modo *πέντε* sed etiam *ἕξ ὀκτὼ ἑκατόν* servantur in compositis apud Atticos.

760. Cf. Sannyr. 8. *τί οὖν γενόμενος εἰς ὀπὴν γενήσομαι* (*πετήσομαι?*); | *ζητητέον*.

763. *λινόδετον*] Cf. Eur. Iph. T. 1043. *χαλινοῖς λινοδέτοις*. Herod. V. 16. *δέουσι τοῦ ποδὸς σπάρτῳ*.

767. Cf. Epinic. 1, 8. *συγκυρκανήσας ἐν σκύφῳ χυτῆς λίθου*.

780. *πρὶν τὴν ἐμὴν καλεῖσθ'*] Sc. *δίκην*. Cf. Vesp. 824 830. 1441. Soph. Fr. 634. *ἡ πατροκτόνος δίκη | κέκλητ' ἂν αὐτῷ*.

782. *εἰσάξει δίκην*] Cf. Vesp. 826. *τίν' — εἰσαγάγω δίκην;* 840 sq. 847. Eccl. 983 sq. Aesch. Eum. 580. *σὺ δ' εἴσαγε*. 582. *εἰσάγω δὲ τὴν δίκην*.

783. *ἄπερρ'*] Abi in malam rem. Cf. Pac. 1294. Eccl. 169. Eupol. 221. *ὡς μόλις ἀνήρρησ'· οὐδέν ἐσμεν οἱ σαπροί*.

787. *τί μέντον πρῶτον ἦν;*] Cf Eubul. Fr. 117, 13. *ἀλλὰ νὴ Δία | χρηστή τίς ἦν μέντοι, τίς;* Plat. Phaedr. 340 F. *ὄμνυμι γάρ σοι — τίνα μέντοι, τίνα θεῶν;* Phryn. 2. *οὐ τουτονὶ μέντοι σὺ κιθαρίζειν ποτὲ — ἐδίδαξας;*

789. *ἀποφθερεῖ*] Hesych. *ἀποφθάρηθί μου· ἀπαλλάγηθί μου*.

790. *ἐπιλησμότατον*] *ἐπιλήσμη* dixit Alexis, *ἐπιλησμονή* Cratinus 410.

798. Cf. Vesp. 319. *ἀλλ' οὐ γὰρ οἷός τ' εἰμ' ᾄδειν, τί ποιήσω* (*πάθω 'γώ?*);

799. *εὐσωματεῖ*] Cf. *εὐειματεῖν* (Aristot.), *εὐληματεῖν*, *εὐχροεῖν*, etiam *λευκοσώματος*, *λειοσώματος*, *στερροσώματος*, *ἀχρήματος*, *ἀγύναικος*, *ἀνόδοντος*. *σφριγᾷ*] Cf. Eur. Andr. 196. *τῷ νέῳ τε καὶ σφριγῶντι σώματι*.

800. *τῶν Κοισύρας*] Explica.

813. Cf. Men. 94, 5. *τὸ τῆς τύχης γὰρ ῥεῦμα μεταπίπτει ταχύ*.

815. *ἔσθι' —*] Cf. Anaxipp. IV. 460. *τὴν πατρῴαν οὐσίαν*

κατεσθίει. Athen. IV. 166 B. *χρὴ δὲ τοὺς τὰ πατρῷα κατεδηδοκότας — οὕτως κολάζεσθαι.*

817. *τὸν Δία τὸν Ὀλύμπιον*] Cf. Alex. III. 489. *μὰ τὸν Δία τὸν Ὀλύμπιον | καὶ τὴν Ἀθηνᾶν.* Men. IV. 189. 248. Aesch. c. Ctes. 255. *ἀλλὰ μὰ τὸν Δία τὸν Ὀλύμπιον οὐχ ὗς ἀγρίους κυνηγετῶν* etc.

818. Cf. Dem. 21, 12. *εἰς τοσοῦτον ἀφῖχθε φιλανθρωπίας — ὥστε* etc.

821. *φρονεῖς ἀρχαικά*] Cf. Vesp. 507. *φρονῶν τυραννικά.* Antiph. 44, 6. *ἐν τοῖς δ' ἐκείνων ἔθεσιν ἴσθ' ἀρχαϊκός* (*ἀρχαικός* recte Kock). Mnesim. 8, 4. Menand. Fr. Sabbait. 26. *ἀρχαϊσμὸς οὗτος ῥημάτων.*

832. *εἰς τοσοῦτον τῶν μανιῶν*] Lege *εἰς τοσουτονὶ μανιῶν.* Cf. Herod. VII. 9. 9. *οὐκ ἐς τοῦτο θράσεος ἀνήκει τὰ Ἑλλήνων πρήγματα.*

833. *εὐστόμει*] Cf. Soph. Phil. 187. *εὔστομ' ἔχε.* Aesch. Cho. 997. *εὐστομῶν.*

834. Cf. Lys. 1044. Pac. 96. Eur. Fr. 1034, 3. *γλῶσσα φλαύρα.*

835 sq. Cf. Aristophont. III. 363. *φθεῖρας δὲ καὶ τρίβωνα τήν τ' ἀλουσίαν | οὐδεὶς ἂν ὑπομείνειε* etc.

856. Cf. Zenob. IV. 13. *ζητῶν γὰρ ὄψον θοἰμάτιον ἀπώλεσα. ἐπὶ τῶν ἀτυχεστάτως* (l. *ἀτυχούντων*).

857. *καταπεφρόντικα*] Cf. Eubul. III. 229. *κατελήρησα τὴν ἐπωμίδα.*

858. Cf. Anaxand. com. III. 194. *τὸν ἐμὸν μόναυλον ποῖ τέτροφας;* Soph. Phil. 897. *οὐκ οἶδ' ὅποι χρὴ τἄπορον τρέπειν ἔπος;*

862. Cf. 1381. Vesp. 44. Lucret. IV. 1158. 'Balba loqui non quit, *τραυλίζει;* muta pudens fit.'

863. *ὀβολὸν*] Haec olim merces ecclesiastarum erat. Cf. Eccl. 302.

865. *ἦ μὴν —*] Cf. Vesp. 258. Pl. 608. Fr. 198, 1. Pher. 5, 1. Nicom. com. IV. 583.

869. *τρίβων*] Cf. Vesp. 1429. *τρίβων — ἱππικῆς.* Eur. Fr. 476. *λέσχης ἀτρίβωνα.*

871. *καταρᾷ σὺ τῷ διδασκάλῳ;*] *ὅταν καταράσωμαι λάθρα τῷ δεσπότῃ.* Cf. Lys. 815. *πολλὰ καταρασάμενος ἀνδράσι πονηροῖς.* Ran. 746. Theophr. Char. 15. *καὶ προσπταίσας — δεινὸς καταράσασθαι τῷ λίθῳ.*

873. *διερρυηκόσι*] Lucian. D. M. 11, 4. *διερρυηκότες ὑπὸ τρυφῆς.*

874. *ἀπόφευξιν δίκης*] Cf. Vesp. 562. *Ἀποφεύγειν δίκην* est Nub. 167. 1151. Pl. 1181.

878. *παιδάριον ὂν*] Cf. Av. 607. *ἢ παιδάρι' ὄντ' ἀποθνήσκειν δεῖ;* Pac. 1268. *ὦ παιδίον, | αὐτοῦ παρ' ἐμὲ στὰν πρότερον ἀναβαλοῦ 'νθαδί.* 1272. 1275. 1278. Aeschin. I. 75. *τί χρὴ λέγειν ὅταν μειράκιον νέον καταλιπὸν νυκτερεύῃ — διαφέρον — ἀσύμβολον.*

Sed Plat. com. II. 664. εἴξασιν γὰρ τοῖς παιδαρίοις τούτοις οἳ ἑκάστοτε (ἀκάστοτε, i. e. ἃ ἑκάστοτε?) etc.

891. Cf. Ach. 198. Vesp. 1009. Schol. πάντα (ταῦτα Dind.).

901. Cf. Vesp. 1470. τί γὰρ ἐκεῖνος ἀντιλέγων οὐ κρείττων ἦν —;

906. τουτὶ καὶ δὴ χωρεῖ τὸ κακόν] Eadem verba Vesp. 1483.

907. δότε μοι λεκάνην] Cf. Ach. 584 sq. Cratin. 251. μῶν βδελυγμία σ' ἔχει; | πτερὸν ταχέως τις καὶ λεκάνην ἐνεγκάτω.

908. τυφογέρων] Cf. Lys. 335. τυφογέροντας ἄνδρας. Vesp. 1364. τυφεδανέ (decrepite senex).

910 sq. ῥόδα μ' εἴρηκας — κρίνεσι στεφανοῖς] Cf. Cratin. 239, 1. ἢ ῥόδον ἢ κρίνον παρ' οὓς ἐθάκει (ἔκειτο?). et Herod. II. 95. βωμολόχος] Schol. Plat. Resp. X. βωμολοχία ἐστὶ προσεδρεία τις περὶ τοὺς βωμοὺς ὑπὲρ τοῦ τι παρὰ τῶν θυόντων λαβεῖν. μεταφορικῶς δὲ καὶ ἡ παραπλησίως ταύτῃ ὠφελείας ἕνεκά τινος κολακεία. Pherecr. 140. ἵνα μὴ πρὸς τοῖσι βωμοῖς πανταχοῦ | ἀεὶ λοχῶντες βωμολόχοι καλώμεθα.

912. χρυσῷ πάττων] Auro adornans. Cf. 1330. Eubul. III. 271. ξυστίσιν — χρυσοπάστοις. Herod. VIII. 120. τιήρῃ χρυσοπάστῳ.

913. μολύβδῳ] Cf. Cratin. 318. φαίνεσθαι χρυσῆν, κατ' ἀγροὺς δ' αὖθις αὖ μολυβδίνην.

915. θρασὺς εἶ πολλοῦ] Cf. Ran. 1046. ἐπί τοι σοὶ πολλὴ πολλοῦ 'πεκάθητο. Eupol. Fr. 74. ἀνόσια πάσχω ταῦτα. B. πολλοῦ μὲν οὖν δίκαια. ἀρχαῖος] Cf. 1469. 984. Antiph. 273, 3. οὕτω σφόδρ' ἦν ἀρχαῖος.

916. φοιτᾶν] Sc. εἰς διδασκάλου (964). Cf. Eq. 988. οἳ ξυνεφοίτων. Plat. Euthyd. p. 272 C. οἱ παῖδες οἱ συμφοιτηταί.

924. Πανδελετείους] Pandeletum etiam Cratinus Χείρωσιν commemoravit teste schol. Nusquam alibi mentio ejus fit.

925. ὤμοι μανίας] Cf. Vesp. 1485. σχήματος ἀρχή. ΞΑ. μᾶλλον δέ γ' ἴσως μανίας ἀρχή.

928. Cf. Dem. de Cor. 303. πάντα ταῦτα ἅμα ἐλυμαίνετο τοῖς ὅλοις.

929. Cf. Nicoph. 22. νυνὶ δὲ Κρόνου καὶ Τιθωνοῦ (Ach. 688.) παππεπίπαππος νενόμισται. Com. adesp. 914. ὑπερφυὴς Κρόνος.

935 sq. Cf. Eupol. 303. ἄγε δὲ πότερα βούλεσθε τὴν νῦν διάθεσιν | ᾠδῆς ἀκούειν ἢ τὸν ἀρχαῖον τρόπον; | B. ἀμφότερ' ἐρεῖς, ἐγὼ δ' ἀκούσας τοῖν τρόποιν | ὃν ἂν δοκῇ μοι βάστασας αἱρήσομαι.

935. ἐπίδειξαι σύ τε —] Cf. Av. 131. ὅπως παρέσει μοι καὶ σὺ καὶ τὰ παδία. Vesp. 452. Eur. Suppl. 1181. χαῖρ'· ἄξιος γὰρ καὶ σὺ καὶ πόλις σέθεν et ad Soph. Phil. 1411 sq.

947. ὥσπερ —] Cf. Av. 524. ὥσπερ δ' ἤδη τοὺς μαινομένους | βάλλουσ' ὑμᾶς. Plat. Resp. VIII. 533 A. πταίσαντα ὥσπερ πρὸς ἕρματι τῇ πόλει. Plut. Mor. p. 785 A. ὥσπερ ἐκ θεάτρου τοῦ δικαστηρίου προπεμφθῆναι.

949. δείξετον] Ne δείξατον corrigendum suspiceris, cf. Eq. 334.

959. Cf. Vesp. 533. Pac. 276. Ran. 883.

961. *λέξω τοίνυν —*] Cf. Teleclid. 1, 1. *λέξω τοίνυν βίον ἐξ ἀρχῆς ὃν ἐγὼ θνητοῖσι παρεῖχον.*

964. *βαδίζειν — εὐτάκτως*] Cf. Menand. 263, 2. *βαδίζειν ἀρρύθμως ἐν ταῖσιν ὁδοῖς.* *ἐς κιθαριστοῦ*] Cf. Lucian. Amor. 54. *κἂν εἰς μουσικοῦ δέοι φοιτᾶν, εὐμελὴς λύρα.*

966. *προμαθεῖν*] Cf. Theophr. Char. 7. *καὶ εἰς τὰ διδασκαλεῖα — εἰσιὼν κωλύειν τοὺς παῖδας προμανθάνειν.* Eur. Fr. 904, 10. *τὼ μηρὼ μὴ ξυνέχοντας*] Cf. Vesp. 93. *τοὺς τρεῖς ξυνέχων τῶν δακτύλων.*

967. *τηλέπορόν τι βόαμα*] Cf. Aesch. Ag. 920. *μηδὲ — χαμαιπετὲς βόημα προσχάνῃς ἐμοί.* Cho. 34. *ἀμβόαμα.* Thuc. V. 65. 3. *ἐπιβόημα.* Schol. *πολεμαδόκον* (f. *πολεμάδονον*).

969. *ἐντειναμένους*] Cf. Plut. Mor. 657 D. *ἐκέλευσα λαβόντα ποτήριον ὥσπερ λύραν ἐντείνεσθαι τὴν ἐπαινουμένην κρᾶσιν καὶ ἁρμονίαν.* et Latinum 'intendere'. Pers. Sat. VI. 4.

970. *κάμψειέν τινα καμπὴν*] Cf. Simonid. 29, 3. *καμπύλον μέλος διώκων.* Cf. 333. *ᾀσματοκάμπτας.* Eupol. 336. *καὶ μουσικὴ πρᾶγμ' ἐστὶ βαθύ τι καὶ καμπύλον.* Pher. 145, 27. *ὥσπερ τε τὰς ῥαφάνους ὅλην | καμπῶν με κατεμέστωσε.* Lucr. V. 1405. 'ducere multimodis voces et flectere cantus.'

971. Cf. Plut. Per. 20. *οἱ περὶ τὸν Ἀλκιβιάδην ῥήτορες.*

973. *τὸν μηρὸν — προβαλέσθαι*] Cf. Thuc. III. 67. 3. *ἐκ μάχης χεῖρας προϊσχόμενοι.* Xen. Cyr. II. 2. 10. *ἐκ παιδίου εὐθὺς προβάλλεσθαι ἠπιστάμην.* Arrian. Ind. 16, 5. *σκιαδεῖα προβάλλονται τοῦ θέρεος.*

974. *ἀπηνές*] Contrarium est *προσηνής.*

978. *δρόσος καὶ χνοῦς*] I. e. *δροσώδης χνοῦς,* tenera lanugo. *χνοῦς*] Cf. Eur. Fr. 1106. Arist. H. A. VIII. 27. 2. *ἐντίκτει τι χνοῦ ἀνάπλεων.* [Lucian.] Amor. 10. *μέχρι τοῦ πρῶτον ὑπογραφέντος αὐτοῖς χνοῦ.* Similiter fere pronuntiatur nostrum 'down.' Est autem *χνοῦς τὸ λεπτὸν τοῦ ἀχύρου.* Hinc *χνοάζειν.* Confer *γλοῦς* (*ὁ λῃστής*), *μνοῦς* (Ephipp. 13, 5.), et *ῥοῦς.* *ἐπήνθει*] Cf. Eccl. 903. Hom. Il. 2, 219. *ἐπενήνοθε λάχνη.* Soph. O. R. 742. *χνοάζων ἄρτι λευκανθὲς κάρα.*

981. *κεφάλαιον τῆς ῥαφανῖδος*] Offendit articulus. Lege *οὐδ' ἂν κεφαλὴν ῥαφανῖδος.* Cf. Vesp. 679. *οὐδεὶς οὐδὲ σκορόδου κεφαλὴν τοῖς ἑψητοῖσι δίδωσι.*

984. *ἀρχαῖα*] Pher. 205. *ἀρχαῖος* (i. e. *εὐήθης*). Eupol. 139, 2. *τὰ Στησιχόρου — ἀρχαῖον ἀείδειν.* Antiph. 273, 3. *οὕτω σφόδρ' ἦν ἀρχαῖος.* Menandr. Fr. Sabbait. 26. *οὐκ ἔμβαρος εἶ; | B. ἔμβαρος; ἀρχαϊσμὸς οὗτος ῥημάτων.* Eur. Fr. 1088. *ἀρχαῖον εἴρηκας.* Hel. 1056. *παλαιότης γὰρ τῷ λόγῳ γ' ἔνεστί τις.* Diogenian. III. 2. *ἀρχαιότερα τῆς διφθέρας λέγεις Διός.* *διπολιώδη*] Sic *Εὐρωπία* et *Εὐρώπεια* (Soph. Fr. 37.), *Ποσιδείους* pro *Ποσειδείους* in anapaestis Soph. Fr. 465. *Ἐφέσεια* pro *Ἐφέσια* propter metrum Soph.

Fr. 82. *εὐτυχία* et *εὐτύχεια* (Soph. Fr. 882.), *εὐσέβεια* et *εὐσεβία* (Eur. Fr. 449, 6.), *εὐγένεια* et *εὐγενία* (Eur. Fr. 9, 1.), *ἀμέλεια* et *ἀμελία* (Eur. Fr. 187, 2.), *ἐπινύμφιος* et *ἐπινύμφειος, ἐπινίκιος* et *ἐπινίκειος, Ἀνακτόριον* et *Ἀνακτόρειον*, etc. V. Dind. ad Ant. 814. *τεττίγων ἀνάμεστα*] Cf. Eupol. 16. *σφυράδων* — *ἀναμέστη*. Eq. 1307. Thuc. I. 6. *χρυσῶν τεττίγων ἐνέρσει κρωβύλον ἀναδούμενοι τῶν ἐν τῇ κεφαλῇ τριχῶν*. Heraclid. Pont. ap. Athen. 512 C.

988. *ὥστε μ' ἀπάγχεσθ'*] Cf. Theocr. III. 9. *ἀπάγξασθαί με ποιησεῖς*.

992. *φλέγεσθαι*] Erubescere. Cf. Plat. Charm. 155 D. *ἐφλεγόμην καὶ οὐκέτ' ἐν ἐμαυτῷ ἦν*.

994. *καὶ μὴ*] I. q. *μηδέ*. Cf. e. g. Eq. 821. Vesp. 652. etc. *σκαιουργεῖν*] Cf. vv. *αἰσχρουργεῖν* et *ἀνοσιουργεῖν* (Plat.).

995. Cf. Trag. adesp. 117. *ἄγαλμα θεῖον καὶ θεῷ προσεμφερές*. Si vera scriptura est *ἀναπλήσειν* (inquinare, pollucre), cf. 1023. *καταπυγοσύνης σ' ἀναπλήσει*. Ach. 847. *δικῶν σ' ἀναπλήσει*. Eccl. 1072. *πίθηκος ἀνάπλεως ψιμυθίου*. Lucian. 71, 11. *ἐμφορεῖται τῶν ὄψων καὶ ἀναπέπλησται ζωμοῦ τὸ ἱμάτιον*.

996. Cf. Eq. 1238. *ἐν παιδοτρίβου*. Plat. Euthyd. 206 A. *ἐν κιθαριστοῦ*. Isocr. VII. 48. *οὐκ ἐν τοῖς σκιραφείοις οἱ νεώτεροι διέτριβον*. *εἰσάττειν*] Cf. 543. *εἰσῇξε*.

997. Similiter Vesp. 1050. *εἰ παρελαύνων τοὺς ἀντιπάλους τὴν ἐπίνοιαν ξυνέτριψεν*.

998. *Ἰάπετον*] Cf. Plat. Symp. 195 B. *Ἔρως Κρόνου καὶ Ἰαπετοῦ ἀρχαιότερος*.

999. Cf. Arist. Resp. Athen. c. 39. *τῶν δὲ παρεληλυθότων μηδενὶ πρὸς μηδένα μνησικακεῖν ἐξεῖναι πλὴν πρὸς τοὺς τριάκοντα* etc.

1001. *βλιτομάμμαν*] Cf. Plin. N. H. XX. 252. 'Blitum iners videtur ac sine sapore aut acrimonia ulla, unde convicium feminis apud Menandrum faciunt mariti.' Suid. *βλιτάδας οἱ παλαιοὶ τὰς εὐτελεῖς γυναῖκας ἔλεγον*. Hesych. *βλιτάς*: — *καὶ βλίτωνας τοὺς εὐήθεις*. Cf. v. *τηθελλαδοῦς* Com. adesp. 17.

1003. *τριβολεκτράπελ'*] Cf. Pher. 145, 23. *ἐκτραπέλους μυρμηκιάς*. Pind. P. IV. 105. *ἔπος ἐκτράπελον* — *εἰπών*. I. 92. et ad Vesp. 469. Virg. G. I. 153. 'lappaeque tribulique.' III. 385.

1005. *Ἀκαδήμειαν*] Cf. Antiph. 33, 6. Alex. 25, 2. 94. *ἀποθρέξει*] Lege *καταθρέξεις*.

1006 sq. *στεφανωσάμενος* —] Cf. Cratin. 239, 1. *ἁπαλὸν δὲ σισύμβριον ἢ ῥόδον ἢ κρίνον παρ' οὖς ἐθάκει* (*ἔκειτο*?).

1007. *λεύκης*] Cf. Eupol. 14, 4. *κότινον, σχῖνον, μελίαν, λεύκην* (*πεύκην* codd.), *ἀρίαν, δρῦν, κιττὸν, ἐρείκην*. *ἀπραγμοσύνης*] Cf. Apollod. 1, 1. *ἀπραγμόνως ζῆν ἡδύ*. *φυλλοβολούσης*] Qu. *φυλλοφορούσης* aut *φυλλομανούσης*. Cf. Eupol. 14, 3. *σμίλακα τὴν πολύφυλλον*.

1012. *χροιὰν λαμπρὰν*] Cf. Chaeremon. Fr. 1, 4. *ἐρύθημα λαμπρῷ προστιθεῖσα χρώματι.* Herod. IV. 64. 6. *δέρμα ἀνθρώπου καὶ παχὺ καὶ λαμπρόν.*

1013. *πυγὴν μεγάλην*] Cf. Eubul. 11, 2. *οὗτος οὖν | πυγὴν μεγάλην εἶχ'.*

1018. *γλῶτταν μεγάλην*] Cf. Plut. Cic. 27. *λαμπρᾷ δὲ τῇ φωνῇ καὶ μεγάλῃ γράμματα — ἐξαναγνόντος.* Herod. VII. 117. 1. *φωνέοντά τε μέγιστον ἀνθρώπων.*

1023. Lege *καταπυγοσύνης* (*σ'*) *ἀναπλήσει.* Cf. Ach. 846. *δικῶν σ' ἀναπλήσει* (*'Υπέρβολος*). Sic Xenophontis *καταπυγοσύνη* notatur Cratin. 53.

1024. *καλλίπυργον σοφίαν*] Cf. Aesch. Suppl. 95. *ἐλπίδων ἀφ' ὑψιπύργων.* Cratin. 238, 3. *ἀδυλόγῳ σοφίᾳ.*

1026. *σῶφρον — ἄνθος*] I. e. *σωφροσύνης ἄνθος.*

1035. *εἴπερ* —] Cf. 443. *εἴπερ τὰ χρέα διαφευξοῦμαι.* Vesp. 1263. *μαθητέον τἄρ' ἐστὶ πολλοὺς τῶν λόγων, | εἴπερ ἀποτίσω μηδὲν* etc.

1037. *ἅπαντα ταῦτα — συνταράξαι*] Cf. Pac. 319. *εἰσδραμὼν γὰρ πάντα ταυτὶ συνταράξει τοῖν ποδοῖν.*

1039. In Amipsiae fabula *Κόννῳ* Chorus *φροντιστῶν* fuit.

1045. *τὰ θερμὰ λουτρά*] Cf. Hesiod. Op. 751. *μηδὲ γυναικείῳ λουτρῷ χρόα φαιδρύνεσθαι | ἀνέρα.* Alex. III. 412. Com. anon. IV. 661. *θερμολουσίαις ἁπαλοί.*

1055. *ἐν ἀγορᾷ τὴν διατριβὴν*] Cf. Men. IV. 211. *ὄχλος, ἀγορά, διατριβαί.*

1058. *ἄνειμι* —] Cf. Moschion. Fr. 7, 1. *πρῶτον δ' ἄνειμι καὶ διαπτύξω λόγῳ | ἀρχὴν — βίου.* Eur. Herc. 1221. *ἐκεῖσ' ἀνοιστέον.* Fr. 962. *ἀλλ' ἀνοιστέος λόγος.* Hor. Sat. I. 1. 1. 108. 'Illuc unde abii redeo.' I. 7. 9.

1065. *οὐκ τῶν λύχνων*] Sic Av. 13. *οὐκ τῶν ὀρνέων — Φιλοκράτης.* Hermipp. II. 384. *οὑπὶ τῶν ξύλων.* Cf. Eq. 739. 1315. Cratin. 196. *'Υπέρβολον δ' ἀποσβέσας ἐν τοῖς λύχνοισι γράψον* (l. *θάψον*).

1067. Cf. Schol. Apoll. Rhod. IV. 816. *Σοφοκλῆς δὲ ἐν 'Αχιλλέως ἐρασταῖς φησιν ὑπὸ Πηλέως λοιδορηθεῖσαν τὴν Θέτιν καταλιπεῖν αὐτόν.*

1068. *κᾆτ' ἀπολιποῦσά γ'* —] Cf. Vesp. 704. *κᾆθ' ὅταν οὗτός γ' — ἐπισίξῃ.*

1069. *ἡδὺς — παννυχίζειν*] Cf. Chaerem. 37, 4. *ἡδὺς συνοικεῖν.*

1070. *σιναμωρουμένη*] Cf. Herod. I. 152. 4. *μηδεμίαν πόλιν σιναμωρέειν.* V. 92. 26. *ὡς παραπλῆγά τε καὶ τῶν ἑωυτοῦ σινάμωρον.* VIII. 25.

1075. *εἶεν*] Cf. Eq. 1078. Eupol. 351, 5. *εἶεν· τίς εἶπεν 'ἀμίδα, παῖ' πρῶτος μεταξὺ πίνων; τὰς τῆς φύσεως ἀνάγκας*] Cf. Isocr. p. 57 E. *ταῖς τῆς φύσεως ἀνάγκαις.* Amph. 20, 6. *τὴν ἀναγκαίαν φύσιν.* Philem. IV. 4. Aeschin. I. 138. *τῶν ἐκ* (l. *τῆς*) *φύσεως ἀναγ-*

καίων. Com. adesp. 134, 2. *τέκνων ἀνάγκῃ φύσεος ἐπιμελούμενος*. Aesch. Agam. 726. *σαίνοντα γαστρὸς ἀνάγκαις*. Eur. Tro. 886. *Ζεὺς εἴτ' ἀνάγκη φύσεος εἴτε νοῦς βροτῶν*.

1076. *ἐμοίχευσας — ἐλήφθης*] Cf. Schol. Av. 284. *ληφθεὶς μοιχεύων καὶ ἀποτίσας χρήματα*.

1078. *χρῶ τῇ φύσει*] Cf. Theodect. 8, 7. *νῦν δὲ τῆς τιμωρίας | ἄπωθεν οὔσης τῇ φύσει χρῶνται βροτοί*. Herod. VII. 16. *φύσει τῇ ἑωυτῆς χρᾶσθαι*.

1079. *σκίρτα, γέλα*] Cf. Vesp. 1305. *ἀνήλλετ', ἐσκίρτα, 'πεπόρδει, κἀγέλα*.

1080 sq. Cf. Plat. Resp. III. 391 E. *πᾶς γὰρ ἑαυτῷ συγγνώμην ἕξει κακῷ ὄντι πεισθεὶς ὡς ἄρα τοιαῦτα πράττουσι — οἱ θεῶν ἀγχίσποροι* etc. Eur. Iph. T. 390. *εἰς τὸν θεὸν τὸ φαῦλον ἀναφέρειν*.

1081. Cf. Pl. 363. *τοῦ κέρδους — ἥττονες*. Soph. Fr. 843, 2. *ἥσσων μὲν ὀργῆς ἐστι, τοῦ δὲ νοῦ κενός*. Eur. Fr. 327, 1. *κρείσσων — χρημάτων*. Eur. Hipp. 439. *ἐρᾷς; τί τοῦτο θαῦμα; σὺν πολλοῖς βροτῶν*. Xen. Cyr. VIII. 8. 12. *ἥττους τοῦ οἴνου*. Plat. Prot. p. 353 C. *ἥττω τῶν ἡδονῶν*.

1082. Cf. Soph. Fr. 470, 6. *πῶς δῆτ' ἔγωγ' ἂν θνητὸς ὢν θνητῆς τε φὺς | Διὸς γενοίμην εὖ φρονεῖν σοφώτερος;*

1083. Cf. Philonid. com. 7. *ὅρκους δὲ μοιχῶν εἰς τέφραν ἐγὼ γράφω*. Lucian. Peregr. 9. *διέφυγε ῥαφανῖδι τὴν πυγὴν* (*ἕδραν*?) *βεβυσμένος*. Sc. quia apud Athenienses adulteri *ἐρραφανιδοῦντο τέφρᾳ τε ἐτίλλοντο*.

1087. *νικηθῇς ἐμοῦ*] Ut *ἡττᾶσθαί τινος* Vesp. 523. Av. 70. Lys. 450. Cf. Soph. Aj. 1353. *τῶν φίλων νικώμενος*. Eur. Med. 315. *κρεισσόνων νικώμενοι*.

1089. Cf. Plat. com. 186, 5. *κεκολλόπευκας· τοιγαροῦν λήτωρ ἔσει*.

1094. *δημηγοροῦσι — ἐξ εὐρυπρώκτων*] Cf. Soph. Fr. 865. *οἱ γὰρ γύνανδροι καὶ λέγειν ἠσκηκότες*.

1105. *ἀπάγεσθαι*] Cf. Lys. 1274. Soph. O. C. 860. *τόνδ' ἀπάξομαι λαβών*. Eur. Fr. 1082. *ἀπάγου* (i. e. *πρὸς σαυτὸν ἄπαγε*).

1108. *στομώσεις*] Acues. Callias com. 19. *τραυλὴ μέν ἐστιν, ἀλλ' ἀνεστομωμένη*. Soph. O. C. 795. *πολλὴν ἔχον στόμωσιν*.

1109. *ἐπὶ μὲν θάτερα*] Cf. Thuc. VII. 84. 3. *ἐς τὰ ἐπὶ θάτερα τοῦ ποταμοῦ παραστάντες*. Xen. Eq. 1, 9. *σκοπεῖν δὲ χρὴ καὶ εἰ ἀμφότεραι μαλακαὶ αἱ γνάθοι ἢ σκληραὶ ἢ ἡ ἑτέρα*. Soph. Ph. 273. *οἷα φωτὶ δυσμόρῳ ῥάκη*. *οἵαν δικιδίοις*] Lege *οἷον* —. Cf. Thuc. VI. 12. 2. *πρᾶγμα — μὴ οἷον νεωτέρῳ*.

1112. *οἶμαί γε*] Cf. Apollod. Car. 5, 1. *οἶμαί γε*.

1115. Cf. Pher. 96. *τοῖς δὲ κριταῖς | τοῖς νυνὶ κρίνουσι λέγω | μὴ 'πιορκεῖν μηδ' ἀδίκως | κρίνειν, ἢ νὴ τὸν φίλιον* etc.

1117. *νεᾶν*] Cf. Eupol. 13. *ἐπίσταμαι γὰρ αἰπολεῖν, σκάπτειν, νεᾶν, φυτεύειν*. Pratinas apud Athen. XIV. 621 F. *τὰν μέσαν νεῶν ἄρουραν αἰόλιζε τῷ μέλει*.

1120. Cf. Soph. Fr. 470, 4. *οὔτ' ἐξεπομβρῶν (οὔτ' οὖν ἐπ.?) οὔτ' ἐπαυχμήσας φίλος* (sc. *Ζεύς*). Diog. L. IX. 3. *ἐξ ἐπομβρίας αὐχμὸν ποιῆσαι. ἄγαν ἐπομβρίαν*] Cf. Soph. O. C. 1205. *ἥ τ' ἄγαν σιγή*. Ant. 1256. *τῆς ἄγαν — σιγῆς*. 1251. Soph. Fr. 699, 3. *τὴν ἁπλῶς δίκην*. Eur. Fr. 55, 2. *αἵ τ' ἄγαν τρυφαί*. Menand. 587, 1. *ἡ λίαν τρυφή*. Thuc. IV. 29. *τὴν ἀεὶ ἐρημίαν*.

1121. *ἀτιμάσῃ*] Non nisi hoc loco apud comicos usurpari videtur *ἀτιμάζειν*.

1127. *χαλάζαις στρογγύλαις*] Cf. Aesch. Fr. 199, 7. *νιφάδι γογγύλων (στρογγύλων* al.) *πέτρων*.

1129. Similiter Pherecr. 24. *βουλοίμην γὰρ* (l. *ἂν*) *κἂν ἀκαλήφαις τὸν ἴσον χρόνον ἐστεφανῶσθαι*.

1133. *πέφρικα*] Cf. Aesch. Ag. 1241. *ξυνῆκα καὶ πέφρικα καὶ φόβος μ' ἔχει*. Sept. 720. Eur. Hipp. 417. *οὐδὲ σκότον φρίσσουσι τὸν συνεργάτην*.

1136. *πρυτανεῖ'*] Cf. 1180. 1197. 1199. 1255. Vesp. 659.

1144. *τάχα δ' εἴσομαι*] Cf. Ach. 332. *εἴσομαι δ' ὑμῶν τάχ' ὅστις* etc. Lys. 1114. *τάχα δ' εἴσομαι 'γώ*. Aesch. Sept. 659. *τάχ' εἰσόμεσθα. κόψας τὸ φροντιστήριον*] I. e. *τὴν θύραν τοῦ φροντιστηρίου*.

1145. *παῖ, ἠμί, παῖ παῖ*] Cf. Ran. 37. *παιδίον παῖ, ἠμί, παῖ*. 132. *παῖ παιδίον*. Aesch. Cho. 654. *τίς ἔνδον, ὦ παῖ παῖ, μάλ' αὖθις ἐν δόμοις;*

1148. Simile hyperbaton est Eq. 1080 sq.

1150. *ἀπαιόλη*] Cf. Aesch. Cho. 1062. *φηλήτης ἀνήρ, | ξένων ἀπαιόλημα*. Hesychius *ἀπαιόλη* per *ἀπάτη, ἀποστέρησις* interpretatur.

1154. *ὑπέρτονον*] Cf. Aesch. Eum. 539. *σάλπιγξ — ὑπέρτονον γήρυμα φαινέτω στρατῷ*. Schol. Ven. *ἐκ Πηλέως Σοφοκλέους*, omissis quae sequuntur. Cf. Soph. Fr. 442.

1155. *ὠβολοστάται*] Cf. Antiph. 168, 4. *ὀβολοστάτης ὤν*.

1156. Cf. Hesych. *ἀρχαῖα: τῶν δανείων τὰ κεφάλαια*. Menand. 870. *ἀπῄειν τῶν τόκων ἔχων τόκους*.

1160. *ἀμφήκει γλώττῃ*] Cf. Soph. El. 488. *ἀμφήκης γένυς*. Aj. 287. *ἀμφήκες — ἔγχος*. Ag. 1158. *ἀμφήκει δορί*.

1161. *πρόβολος*] Cf. Herod. VII. 76. *προβόλους — Λυκιοεργέας*.

1163. *λυσανίας*] Cf. Soph. Fr. 765, 2. *πανσανίαν*.

1165. *ὦ τέκνον, ὦ παῖ*] Cf. Soph. Tr. 61. *ὦ τέκνον, ὦ παῖ*. Phil. 260. Eur. Hec. 169. Tro. 790.

1167. *ὅδ' ἐκεῖνος ἀνήρ*] Qu. *ὅδ' ἐκεῖνος δρᾶν*. Cf. Eq. 1331. *ὅδ' ἐκεῖνος δρᾶν τεττιγοφόρας*. Soph. O. C. 138. *ὅδ' ἐκεῖνος ἐγώ*.

1168. *ὦ φίλος*] Cf. ad Vesp. 900. Th. 649. Soph. Ant. 1319. *ὦ μέλεος*. O. C. 1700. *ὦ πάτερ, ὦ φίλος*.

1176. Cf. Hyperid. apud Clem. Alex. III. p. 108. *χαρακτὴρ οὐδεὶς ἔπεστιν ἐπὶ τοῦ προσώπου. βλέπος*] I. q. *βλέμμα*. Sic *κλέ-*

πος (Solon.) et *κλέμμα, δέρος* et *δέρμα,* et al. Cf. Theocr. XXIII. 12. *κῶραι δεινὸν βλέπος εἶχον ἀνάγκας.*

1181. *οὐ γὰρ ἔσθ' ὅπως* —] Cf. Pac. 306. *οὐ γὰρ ἔσθ' ὅπως ἀπειπεῖν ἂν δοκῶ μὲν* (*δοκοῖμεν*?) *τήμερον.* Eur. Cycl. 469. *ἔστ' οὖν ὅπως ἂν — κἀγὼ λαβοίμην τοῦ — δαλοῦ;* Eur. Her. 972. *οὐκ ἔστι τοῦτον ὅστις ἂν κατακτάνοι.*

1198. *οἱ προτένθαι*] Cf. Pher. 7. *μὴ θαυμάσῃς· | τῶν γὰρ προτενθῶν ἐσμὲν, ἀλλ' οὐκ οἶσθα σύ.* Cf. v. *λιχνοτένθης* Poll. VI. 122. Simplex *τένθης* est Cratin. 320. De collocatione particulae *γὰρ* cf. ad Av. 1545. Vesp. 814. Pl. 146. 1120.

1202. Cf. Hom. Il. 3, 180. *δαὴρ αὖτ' ἐμὸς ἔσκε κυνώπιδος.* 15, 39. *νωΐτερον λέχος αὐτῶν.* *λίθοι*] Cf. Philem. IV. 39. *προσηγορεύθη διὰ τὸ μὴ φωνεῖν λίθος.* Apollodor. Car. IV. 445. *σύ με παντάπασιν ἡγεῖ — λίθον.*

1203. *ἀριθμὸς*] Eodem sensu *ὄχλος*, Vesp. 540. *πρεσβυτῶν ὄχλος.* Eur. Hel. 39. *ὄχλου βροτῶν.* Eur. Fr. 25, 2. *γέροντες οὐδέν ἐσμεν ἄλλο πλὴν ὄχλος | καὶ σχῆμ'.* Eur. Fr. 362, 27. *μὴ σχήματ' ἄλλως ἐν πόλει πεφυκότα* (*τέκνα*). *πρόβατ'*] Cf. Vesp. 32. 955. Macar. VI. 8. *Μωρότερος προβάτου.* Arist. H. A. IX. 3. *τὸ γὰρ τῶν πρόβατων ἦθος — εὔηθες καὶ ἀνόητον.*

1205. *ἐπ' εὐτυχίαισιν ἀστέον μοὐγκώμιον*] Cf. Eq. 1318. *ἐπὶ καιναῖσιν δ' εὐτυχίασιν παιωνίζειν τὸ θέατρον.* 406.

1206. Cf. Vesp. 1275. *ὦ μακάρι' Αὐτόμενες.* *Στρεψίαδες*] Dicere debebat *Στρεψιάδη*, ut *Μιλτιάδη* legitur Eupol. 100, 1.

1209. Cf. Ran. 1488. *τοῖς ἑαυτοῦ ξυγγενέσι τε καὶ φίλοισι.* Eq. 320.

1213. *νικᾷς — τὰς δίκας*] Cf. Eq. 93. *νικῶσιν δίκας.*

1214. *εἶτ' —;*] Cf. Vesp. 1133. Timocl. 8, 1. Eur. Bacch. 1207. *προϊέναι*] Projicere, effundere. Cf. Herod. I. 24. 4. *τὸν δὲ λίσσεσθαι χρήματα μέν σφι προϊέναι.*

1215. Cf. Vesp. 477. *νὴ Δί' ἦ μοι κρεῖττον ἐκστῆναι — μᾶλλον ἤ* etc. 209. Eccl. 145. *νὴ τὸν Δί' ἦ μοι μὴ γενειᾶν κρεῖττον ἦν.* Menand. 263, 3. *κρεῖττον — μᾶλλον ἤ —.*

1216. *ἀπερυθριᾶσαι*] Cf. Menand. IV. 294. *ἀπερυθριᾷ πᾶς, ἐρυθριᾷ δ' οὐδεὶς ἔτι.* Apollodor. IV. 454. *ἐπιχειρεῖ πάντ' ἀπηρυθριακότως.*

1221. *καλοῦμαι Στρεψιάδην*] Cf. Vesp. 1416. *καλούμενός σε.* 1418. Eccl. 864. *καλούμεθ' αὐτάς.*

1222. *μαρτύρομαι*] Antestor. Cf. 1297. Trag. adesp. 458, 11. *ὦ θεοί, μαρτύρομαι | ἐγὼ τάδ' ὑμᾶς.*

1226. *ὃν* —] Cf. ad Eq. 1275.

1228. "*γὰρ* hic ut 1231. 1366. 1440. Ach. 71. Plut. 535. al. referendum ad sententiam mente retentam vel solo gestu expressam." (Teuf.)

1232. ἀπομόσαι] Cf. Eq. 424. ἀπώμνυν. Lys. 902. ἀπομώμοκα. Av. 705. ἀπομωμοκότας. Plat. Legg. XI. 936 E. ἀπομόσας ἦ μὴν μὴ εἰδέναι. Soph. Phil. 1288. Eur. Cycl. 266. Pind. N. 77.

1233. In ed. mea pro 'Monometrum'. et 'Dimetrum' corr. 'Monometer' et 'Dimeter.'

1234. Cf. Eq. 941. εὖ γε νὴ τὸν Δία καὶ τὸν Ἀπόλλω καὶ τὴν Δήμητρα.

1237. ἁλσὶν διασμηχθεὶς —] Cf. Alex. 187, 5. σμήσας τε λεπτοῖς ἁλσί (τὸ σῶμα).

1239. Cf. Vesp. 1306. οὔτοι μὰ τὼ θεὼ καταπροίξει Μυρτίας.

1240. ἥσθην] I am amused. Cf. Pac. 1066. ἥσθην χαροποῖσι πιθήκοις. Av. 570. ἥσθην σέρφῳ σφαγιαζομένῳ. Eq. 696.

1242. τούτων τῷ χρόνῳ δώσεις δίκην] Cf. Eur. Alc. 731. δίκας τε δώσεις τοῖσι κηδεσταῖς ἔτι. Pl. 608.

1243. εἴτ' ἀποδώσεις — εἴτε μή] Cf. Aesch. Ag. 261. σὺ δ' εἴτε κεδνὸν εἴτε μὴ πεπυσμένη —.

1245. ἀποκρινοῦμαί σοι σαφῶς] Cf. Vesp. 964. ἀπόκριναι σαφῶς. Ach. 401. 1248. Cf. Eq. 1069.

1251. ὅστις καλέσειε] Cf. Vesp. 1431. Ran. 96.

1252. οὐχ ὅσον γέ μ' εἰδέναι] Qu. οὐχ ὅσα γε κἄμ' εἰδέναι. Cf. ad Th. 34. Eccl. 350.

1255. μηκέτι ζῴην ἐγὼ] Cf. Eur. Suppl. 454. μὴ ζῴην ἔτι.

1256. Cf. Alex. 111, 3. τοὺς τρεῖς δ' ἔρωτας προσαποδώσεις ὕστερον. 172, 5. προσκατέδει τοὺς δακτύλους. Men. 235, 9. οὗτοι προσαποτίνουσι τοῦ χρόνου τόκους. Posidipp. 26, 4. προσεκδαρεὶς ἄπει. Pl. 999. ἄμητα προσαπέπεμψεν ἡμῖν τουτονί.

1261. τῶν Καρκίνου τις δαιμόνων] Cf. Thuc. I. 53. ἐς τῶν ἐκείνων τι χωρίων (πλευσεῖσθε). Carcini supersunt fragmenta tantum 12 apud Nauck.

1264. θρανσάντυγες] Cf. Eur. Rhes. 118. θραύσαντες ἀντύγων γνόας. Soph. El. 711. 717. 745. Schol. ἔμπειροι Headlam.

1265. Cf. Eur. Fr. 781, 11. ὦ καλλιφεγγὲς Ἥλι', ὥς μ' ἀπώλεσας.

1273. ὥσπερ ἀπ' ὄνου καταπεσών] Cf. Vesp. 1370. Paullo aliter Eupolis 371. ὥσπερ ἀπ' ὄχθου (ἀπὸ χοὸς Zenob. II. 57.) πεσών. Simili joco Timagenes versum tragicum κακῶν κατάρχεις τῆνδε μοῦσαν εἰσάγων ita protulit ut τήνδ' ἐμοῦσαν dicere videretur (Athen. XIV. 616 C. Plut. Mor. p. 634 F.).

1275. ὑγιαίνεις] Cf. Alex. III. 519. τίς δῆθ' ὑγιαίνων νοῦν τ' ἔχων τολμᾷ ποτε | γαμεῖν —;

1276. τὸν ἐγκέφαλον — σεσεῖσθαι] Cf. Athen. IV. 168 B. διασειόμενοι τοὺς κροτάφους ὑπὸ τοῦ ἀκράτου.

1279. "Ein damals viel besprochenes Problem. Schol. Apoll. Rhod. 4, 269. Διογένης ὁ Ἀπολλωνιάτης ὑπὸ ἡλίου (φησὶν) ἁρπάζεσθαι τὸ ὕδωρ τῆς θαλάσσης, vgl. Sen. Quaest. nat. IV. 2. Demokrit vom Landbau 2, 4. (Mullach), τὰ μὲν οὖν πεδία δι' ὅλης

ἐπέχοντα τῆς ἡμέρας τὸν ἥλιον ἐξαμέλγειν τὸ ὑγρὸν καὶ ἐξατμίζειν. Hippokr. Luft, Wasser S. 537. ὁ ἥλιος ἀνάγει καὶ ἀναρπάζει τοῦ ὕδατος τὸ λεπτότατον καὶ ἀπὸ τῆς θαλάσσης. Luk. Ikarom. 7. ὑδατοποτεῖν τοὺς ἀστέρας τοῦ ἡλίου καθάπερ ἱμονιᾷ τινι τὴν ἰκμάδα ἐκ τῆς θαλάσσης ἀνασπῶντος καὶ ἅπασι διανέμοντος." (Ko.)

1285. σπανίζεις —] Cf. Eur. Fr. 285, 12. βίου σπανίζει.

1288. πλέον πλέον] Anglice, more and more. Cf. Ran. 1001. Alex. 29. 181. Sic μᾶλλον μᾶλλον. Anaxil. 32.

1292. οὐ γὰρ δίκαιον —] Cf. Soph. Fr. 860. οὐ γὰρ θέμις ζῆν πλὴν θεοῖς ἄνευ κακῶν.

1296. Cf. Av. 1020. οὐκ ἀναμετρήσει σαυτὸν ἀπιὼν ἀλλαχῇ;

1297. ταῦτ' ἐγὼ μαρτύρομαι] Cf. Trag. adesp. 382, 11. ὦ θεοί, μαρτύρομαι | ἐγὼ τάδ' ὑμᾶς.

1298. Cf. Eq. 603. Ran. 202. οὐκ — ἀντιβὰς | ἐλᾷς; ὦ σαμφόρα] Cf. Lys. 131. ὦ ψῆττα.

1299. ἐπιαλῶ] Cf. Fr. 461 D. ἐπίηλε. Com. adesp. 941. ἐπιαλεῖς.

1301. ἔμελλόν σ' ἄρα κινήσειν ἐγὼ] Lege ἔμελλον ἄρα σε —. Cf. Ran. 268. ἔμελλον ἄρα παύσειν ποθ' ὑμᾶς τοῦ κοάξ.

1302. Cf. Vesp. 119. αὐτῷ τυμπάνῳ. Ran. 476. αὐτοῖσιν ἐντέροισιν. Pherecr. 108, 5. αὐταῖσι μυστίλαισι. ξυνωρίσιν] Cf. Com. adesp. IV. 629. ἔξιππα (sub. ἅρματα) καὶ τέθριππα καὶ ξυνωρίδας.

1303. Cf. Eur. Fr. 1027, 1. παῖς ὢν φυλάσσου πραγμάτων αἰσχρῶν ἄπο (l. ἐρᾶν).

1315. Cf. 1339. τοῖσιν δικαίοις ἀντιλέγειν.

1322. ὦ — ξυγγενεῖς καὶ δημόται] Cf. Cratin. jun. 9, 2. ξυγγενεῖς | καὶ φράτερας καὶ δημότας εὑρὼν μόλις.

1329. πόλλ' ἀκούων καὶ κακά] Cf. Eq. 1276. πόλλ' ἀκοῦσαι καὶ κακά.

1330. ὦ λακκόπρωκτε] Cf. Cephisod. 3, 4. ὦ λακκόπρωκτε, βάκκαριν τοῖς σοῖς ποσὶν | ἐγὼ πρίωμαι; πάττε —] Cf. Eq. 502. στεφάνοις κατάπαστος. et v. χρυσόπαστος. πολλοῖς τοῖς ῥόδοις] Cf. Eq. 546. αἴρεσθ' αὐτῷ πολὺ τὸ ῥόθιον.

1332. ἐν δίκῃ] Cf. Eq. 258. Vesp. 421. Pac. 628. Th. 830.

1334. σε νικήσω λέγων] Cf. 1211. Com. anon. IV. 608. γλῶτταν — φορεῖν ἀείνων, | ᾗ πάντα νικήσεις λέγων.

1335. τουτὶ σὺ νικήσεις;] Cf. Thuc. I. 100. 1. ἐνίκων — ἀμφότερα. 112. 2. νικήσαντες ἀμφότερα. Soph. Fr. 38. εἰ μικρὸς ὢν τὰ φαῦλα (μεγάλα?) νικήσας ἔχω. VII. 34. 6. πολὺ ἐνίκων καὶ πολὺ ἐκρατοῦντο.

1339. Cf. 1315.

1344. Cf. Eccl. 946. ἀλλ' εἶμι τηρήσουσ' ὅ τι καὶ δράσει ποτέ.

1345. Cf. 1397. 1494. Eur. Phoen. 444. σὸν ἔργον — λέγειν | τοιούσδε μύθους οἷς διαλλάξεις τέκνα.

1347. Cf. 635. Pac. 1182. Sic ἥκειν (i. e. ἐῴκει) Av. 1298.

1349. *ἔσθ' ὅτῳ θρασύνεται*] Lege *ἔστ' ἐφ' ᾧ* —. Cf. Isocr. 87 a. *ᾐσχύνοντο ἐφ' οἷς ἐθρασύνοντο.*

1352. Cf. Eur. Fr. 940. *τί δ' ἐστί; πρὸς χορὸν γὰρ οἰκείων ἐρεῖς.*

1354. *φράσω· 'πειδὴ γὰρ* —] De aphaeresi post interpunctionem cf. Soph. Phil. 591. *λέγω· 'πὶ τοῦτον* —.

1358. *κάχρυς — ἀλοῦσαν*] Cf. Cratin. 274, 2. *Σόλωνος — φρύγουσιν ἤδη τὰς κάχρυς τοῖς κύρβεσιν. κάχρυς*] Cf. Vesp. 1297.

1364. *μυρρίνην λαβόντα*] Cf. Incert. ap. Plut. Mor. p. 1098 C. *ὑμνεῖτο δ' αἰσχρῶς κλῶνα πρὸς καλὸν δάφνης* | *'ὁ Φοῖβος'* (?) *οὐ προσῳδά.*

1367. *ἀξύστατον*] Incompositum. Anglice incoherent, unconnected. Cf. Aesch. Ag. 1467. *ἀξύστατον ἄλγος.* Xenarch. com. III. 614. *ἀσυστάτοισι — κεχρημένος* | *τύχαις. στόμφακα*] Cf. ad Vesp. 721. *στομφάζοντας.*

1368. Cf. Ach. 12. *πῶς τοῦτ' ἔσεισε* (l. *τοῦτο σεῖσαί*) *μου δοκεῖς τὴν καρδίαν;* et Ran. 54.

1373. De crasi in *ἐγὼ οὐ* cf. Ran. 33. *ἐγὼ οὐκ.* Eq. 1021.

1375. *ἔπος πρὸς ἔπος ἠρειδόμεσθ'*] Cf. Aesch. Eum. 586. *ἔπος δ' ἀμείβου πρὸς ἔπος ἐν μέρει τιθείς.*

1376. *ἔφλα με*] Cf. Fr. 116. *πᾶσι κακοῖσιν* (conviciis) *ἡμᾶς* | *φλῶσιν ἑκάστοθ' ἄνδρες.*

1378. *ὦ — τί σ' εἴπω;*] Cf. Philem. 126, 1. *μῦς λευκός, ὅταν αὐτήν τις — ἀλλ' αἰσχύνομαι* | *λέγειν — κέκραγε* etc. Dem. de Cor. 22. *εἶτ', ὦ — τί ἂν εἰπών σέ τις ὀρθῶς προσείποι;*

1382. *βρῦν*] Aliae infantium voces sunt *μαμμᾶν, λολλοῦν* (Hermipp. 89.). Cf. Hom. Il. 22, 80. *κόλπον ἀνιεμένη, ἑτέρηφι δὲ μαζὸν ἀνέσχε — εἴ ποτέ τοι λαθικηδέα μαζὸν ἐπέσχον, τῶν μνῆσαι, φίλε τέκνον.* Poll. III. 10. *μήτηρ — ἡ μαστὸν ἐπισχοῦσα.*

1385. *προυσχόμην σε*] Cf. Thuc. I. 26. 2. *ἣν* (*ξυγγένειαν*) *προϊσχόμενοι ἐδέοντο σφᾶς κατάγειν.*

1386. *βοῶντα καὶ κεκραγόθ'*] Cf. Pl. 722. *κεκραγὼς καὶ βοῶν.*

1391. *οἶμαί γε*] Cf. ad 1112.

1392. Cf. Vesp. 1423. Alex. III. 429. *ἰχθυδίων* | *μικρῶν τρεμόντων τῷ δέει τί πείσεται.* Plat. Ion. 535 C. *ὀρθαὶ ἵστανται αἱ τρίχες ὑπὸ φόβου καὶ ἡ καρδία πηδᾷ.* Conv. 215 E. *ἡ — καρδία πηδᾷ.* Aesch. Cho. 1024. *καρδία φόβῳ* | *ᾄδειν* (*πηδᾶν*?) *ἕτοιμος.* Eur. Bacch. 1289. *λέγ', ὡς τὸ μέλλον καρδίαν πήδημ' ἔχει.* Trag. adesp. 176. *πηδῶν δ' ὁ θυμὸς ἔνδοθεν μαντεύεται.* 390. *πηδῶν ὁ θυμὸς τῶν φρενῶν ἀνωτέρω.* Soph. O. R. 74. *καί μ' ἦμαρ — λυπεῖ τι πράσσει.*

1393 sq. Cum his cf. Aesch. Ag. 1338 sq.

1395. *τὸ δέρμα* —] Cf. Eq. 27. *περὶ τῷ δέρματι* | *δέδοικα τουτονὶ τὸν οἰωνόν. τῶν γεραιτέρων*] A *γέρων.* Cf. v. *πεπαίτερος* (a *πέπων*).

1396. ἀλλ' οὐδ' ἐρεβίνθου] Cf. Pac. 1223. Diph. 61, 8. εὐθέως νοῶ | ὅτι τοῦτό μοι (δή?) τὸ δεῖπνον ἀλλ' οὐδ' αἷμ' ἔχει. Com. adesp. 127, 3. ἀλλ' οὐδὲ μᾶζαν (ἔχων). 178. ἁρμόττει γὰρ ἡ μαγειρικὴ | ἀλλ' οὐδὲ τοῖς τυχοῦσι τῶν ἐλευθέρων.

1397. Cf. Soph. O. R. 354. ἐξεκίνησας — ῥῆμα. El. 567. Tr. 979. 1242. Plat. Phil. 15 E. πάντα κινεῖ λόγον.

1399. Cf. 515. Vesp. 743. 1472.

1400. Cf. Thuc. I. 132. 2. τῶν καθεστώτων νομίμων.

1404. Cf. Vesp. 1460. ξυνόντες γνώμαις ἑτέρων. Ran. 959. Pl. 321. Plat. Resp. X. 607 C. οἱ λεπτῶς μεριμνῶντες.

1411. Cf. Pl. 577. φρονοῦντας ἄριστα | αὐτοῖς.

1417. Cf. Theopomp. 69. δὶς παῖδες οἱ γέροντες ὀρθῷ τῷ λόγῳ.

1420. Cf. Xen. Cyr. VIII. 8. 9. τὸ δ' ἐκπονεῖν οὐδαμοῦ ἐπιτηδεύεται.

1421. ὁ τὸν νόμον θεὶς] Sic ψήφισμα θεῖναι Cratin. 264.

1453. ὑμῖν ἀναθεὶς ἅπαντα —] Cf. Av. 546. Thuc. VIII. 82. 1. τὰ πράγματα πάντα ἀνετίθεσαν (αὐτῷ).

1457. Cf. Pher. 146, 1. εἰκῇ μ' ἐπῆρας ὄντα τηλικουτονὶ | πολλοῖς ἐμαυτὸν ἐγκυλῖσαι πράγμασιν. Soph. O. R. 1328. τίς σ' ἐπῆρε δαιμόνων;

1460. πονηρῶν — πραγμάτων] Cf. 1303. Isocr. p. 97. ἐπονειδίστων ἐπιθυμοίη καὶ πονηρῶν πραγμάτων. Eur. Fr. 1027, 1. παῖς ὢν φυλάσσου πραγμάτων αἰσχρῶν ἄπο (ἐρᾶν scribe cum Cobeto).

1464. Schol. τοῦτο γὰρ ἐπιγράφεται (παρεπιγράφεται, παραγέγραπται, aut παραπιγραφή Headlam, coll. schol. Av. 222. Th. 100. Pac. 424. Pl. 8.).

1468. Versus ex tragoedia expressus fortasse Euripidis.

1470. Cf. Eur. Fr. 288, 1. φησίν τις εἶναι δῆτ' ἐν οὐρανῷ; | οὐκ εἰσίν, οὐκ εἴσ'. Dem. p. 297, 9. ἀλλ' οὐκ ἔστιν, οὐκ ἔστιν, ὅπως ἡμάρτετε.

1476. Cf. Soph. Aj. 367. οἴμοι γέλωτος.

1480. Cf. 1485. Alex. 180. ἢ μετὰ Πλάτωνος ἀδολεσχεῖν κατὰ μόνας. Astydamas Fr. 7. γλώσσης περίπατός ἐστιν ἀδολεσχία.

1481. Cf. Men. 806. δίκας γραφόμενος πρὸς γονεῖς μαίνει, τάλαν.

1483. δικορραφεῖν] Cf. Av. 1435. Formatum ut μηχανορραφεῖν, ἱστιορραφεῖν, etc.

1485. Cf. ἐννομολέσχης (Timon ἐν τοῖς σιλλοῖς apud Diogen. L. II. 5. 4.).

1487. ἐπαναβὰς] Cf. Eq. 169. ἐπανάβηθι.

1491. Cf. Vesp. 1525. ἐκλακτισάτω τις, etc. Aesch. Ag. 576. καί τίς μ' ἐνίπτων εἶπε. Cho. 58. φοβεῖται δέ τις. Achae. 37, 2. προσβαλλέτω τις χεῖρα φασγάνου λαβῇ.

1492. κεἰ σφόδρ' εἴσ' ἀλαζόνες] Cf. Vesp. 1333. κεἰ σφόδρ' εἰ νεανίας. Aesch. Sept. 447. κεἰ στόμαργός ἐστ' ἄγαν.

1494. Cf. Cratin. 108, 1. Λήδα, σὸν ἔργον.

1195. Cf. Av. 25. *τί δ' ἄλλο γ' ἤ —;* Lysipp. 1, 1. *πῶς ἔχομεν (ἔχετον?); B. τί δ' ἄλλο γ' ἤ —;*

1496. *διαλεπτολογοῦμαι*] Cf. *διαμυθολογεῖν* Aesch. Prom. 889.

1499. Lege *ἀπολεῖς μ' ἀπολεῖς.* Cf. Soph. Tr. 1007. et ad Pac. 166. Soph. Tr. 600. *ἀλλ' αὐτὰ δή σοι ταῦτα καὶ πράσσω.*

P A X.

Pac. Arg. *ὑπεκρίνατο Ἀπολλόδωρος*] *ΥΠΕ* (i. e. *ὑπεκρίνατο*) quater in monumento didascalico legitur Ol. 106, 2. in Corp. Inscr. 353. no. 231.

1. *αἶρε*] Affer. Cf. Ach. 1158. Plat. com. 45, 4. *φέρε τὴν θυείαν, αἶρ' ὕδωρ.* Antiph. 1, 2. *πρῶτα μὲν | αἴρω ποθεινὴν μᾶζαν.* Eubul. 112, 3. *ἤρετο τράπεζα.* Men. IV. 147. *τὰς τραπέζας αἴρετε.* Alex. III. 498. *ἀρτέον τράπεζαν.*

7. *τοῖν ποδοῖν*] Revera sex pedes habet scarabaeus. Cf. Nub. 50.

9. *ἄνδρες κοπρολόγοι*] Cf. Eq. 899. *ἀνὴρ κόπρειος.*

10. Cf. Eccl. 369. 1054. Lys. XVIII. 23. *ἀπαιτοῦμεν ὑμᾶς — μὴ περιιδεῖν ἡμᾶς ἀπόρως διατεθέντας.*

11. *ἡταιρηκότος*] Cf. Fr. 569. Bl

17. *ὑπερέχειν*] Intransitivum, ut *ἐξέχειν, ἀνέχειν, εἰσέχειν,* etc. *ἀντλίας*] Cf. Soph. Phil. 482. *εἰς ἀντλίαν, εἰς πρῷραν, εἰς πρύμνην.*

19. *καὶ σαυτόν γε πρός*] Cf. Ran. 415. *κἄγωγε πρός.* Ach. 1229. *καὶ πρός γ' — ἄμυστιν ἐξέλαψα.*

25. *φαύλως ἐρείδει*] Cf. Eq. 1292. *φαύλως ἐσθίει.*

26. Cf. Lucian. D. Mort. X. 8. *ὁ σεμνὸς — καὶ βρενθυόμενος.*

27. *δι' ἡμέρας ὅλης*] Cf. Alex. 247, 3. *δι' ὅλης ἡμέρας.*

28. *γογγύλην*] Cf. Th. 1185.

30. *παροίξας τῆς θύρας*] Cf. 981. *παρακλίνασαι τῆς αὐλείας παρακύπτουσιν.* Eur. Iph. A. 857. *πύλας παροίξας.* Gallice entrouvrir.

32. Cf. Phoenicid. 3, 3. *ἐσθίει | μέχρι ἂν διδῷ τις ἢ λάθῃ διαρραγείς.* Anaxil. III. 351. *διαρραγήτω χἄτερος δειπνῶν τις εὖ. ἕως — λάθοις*] Cf. Theogn. 125. *οὐ γὰρ ἂν εἰδείης ἀνδρὸς νόον οὐδὲ γυναικὸς | πρὶν πειρηθείης ὥσπερ ὑποζυγίου.*

35. *πως ὡδί*] I. e. *ὡδί πως.* Cf. Plat. Alc. II. 142 F. *λέγει δέ πως ὡδί.*

38. *μιαρὸν τὸ χρῆμα*] Cf. Vesp. 933. Av. 826. Lys. 83. 1085. 1031. Eur. Suppl. 963. Andr. 181. 959.

39. *προσβολή*] Implication. Cf. Aesch. Cho. 283. *προσβολὰς Ἐρινύων.* Eum. 600. Plut. Mor. p. 168. *πληγαὶ θεοῦ καὶ προσβολαὶ δαίμονος.*

41. *οὐ μήν γε*] Cf. Vesp. 268.

42. *καταιβάτου*] Cf. Eur. Bacch. 1360. *τὸν καταιβάτην | Ἀχέροντα*. Etym. M. p. 341, 5. *ἃ καὶ ἀνατίθεται Διὶ καταιβάτῃ καὶ λέγεται ἄδυτα καὶ ἄβατα*. Cf. *παραιβάτης*, Eur. Suppl. 677.

44. *δοκησίσοφος*] Confer *δοκησίνους, δοκησιδέξιος*. Pher. II. 152. *εἴποι τις ἂν τῶν πάνυ δοκησιδεξίων*.

47. Cf. Av. 970. *ἠνίξαθ' ὁ Βάκις τοῦτο πρὸς τὸν ἀέρα*. Eq. 1085. Av. 970. Theocr. XVII. 136. *δοκέω δ', ἔπος οὐκ ἀπόβλητον | φθέγξομαι*.

48. Pollux V. 91. *λέγουσι δὲ καὶ τῖλον καὶ πέλεθον καὶ σπατίλην*.

51. *τοῖσιν ἀνδρίοισι*] Cf. Eupol. 316. *μὴ φθονερὸν ἴσθ' ἀνδρίον*. Theocr. V. 40. *ὦ φθονερὸν τὺ καὶ ἀπρεπὲς ἀνδρίον αὔτως*.

53. *τοῖς ὑπερηνορέουσιν*] I. e. iis qui magis viri sunt, contra epicum verbi usum. Cf. Theocr. XXIX. 19. *ἀνδρῶν τῶν ὑπερανορέων δοκέεις πνέειν*. Epithetum Homericum. Cf. vv. *ὑπερήνωρ, ὑπερμενέων, ὑπερμενὴς, ὑπέροπλος, ὑπερφίαλος*. *ἔτι — μάλα*] Cf. Ran. 864. Antiphont. 131, 22. *ἔτι δὲ μάλα*. Cf. 280. *οἴμοι τάλας, οἴμοι γε, κᾆτ' οἴμοι μάλα*. 462. *εἶα ἔτι μάλα*. Plat. Eryx. 404. *ἐκεῖνα καὶ ἔτι μάλα τὰ ἄνω*.

59. *κόρημα*] Cf. Fr. 477. Eupol. 157. *τουτὶ λαβὼν τὸ κόρημα τὴν αὐλὴν κόρει*. Schol. *ὁ Μένανδρός φησι πολλάκις* (om. Suid. *Παλλακῇ* recte Ko.).

63. *ἐκκοκκίσας*] Cf. Ach. 1179. Lys. 364. 448. Nicom. 3, 2.

64. Cf. Nub. 26. 353. 1052.

65. *τῶν μανιῶν*] Cf. Nub. 832. *σὺ δ' εἰς τοσουτονὶ μανιῶν ἐλήλυθας | ὥστ' —;* Lys. 342. *πολέμου καὶ μανιῶν ῥυσαμένας Ἑλλάδα*. Th. 689. *μανίαις φλέγων*. Eur. Her. 904. *ἐγγὺς μανιῶν ἐλαύνει*.

68. *πῶς ἂν ποτ' ἀφικοίμην ἄν;*] Cf. Eq. 17. *πῶς ἂν οὖν ποτε | εἴποιμ' ἂν αὐτὸ —;* Lys. 191.

70. *ἀνερριχᾶτο*] Cf. Aristaen. I. 20. Lucian. Lex. 8. *ἀναρριχησάμενος*. Bekk. Anecd. 398, 20. *ἀνερριχῶντο*. Hinc *ἀράχνης*, aranea. Cognatae voces sunt *ὀρέγεσθαι* et Anglice to reach.

71. Cf. Ach. 1180. Vesp. 1428. Andoc. de myto. p. 29. *ἔπεσον καὶ τὴν κλεῖν συνετρίβην καὶ τὴν κεφαλὴν κατεάγην*. *καταρρυείς*] Cf. 146. Fr. 47 K. *ὅρμου παρόντος τὴν (εἰς?) ἀτραπὸν κατερρύην*. Thuc. IV. 12. 1. *ἡ ἀσπὶς περιερρύη (κατερρύη?) ἐς τὴν*

72. Cf. Anth. XII. 226. 5. *εἰς ἰδίην Ἔφεσον | χθιζὸς ἔβη Θεόδωρος*. *ἐκφθαρείς*] Cf. Av. 916. *κατὰ τί δεῦρ' ἀνεφθάρης;* Eccl. 248. *προσφθαρείς*.

74. *καταψῶν*] Cf. Eur. Hipp. 110. *καταψήχειν χρεὼν | ἵππους*, etc. Herod. VI. 61. *τὴν δὲ καταψῶσαν τοῦ παιδίου τὴν κεφαλήν*.

75. *πωλίον*] Cf. Vesp. 189.

76. *Πηγάσιον — πτερὸν*] Cf. 135. *ἐχρῆν σε Πηγάσου ζεῦξαι πτερόν*. Pind. Isthm. VII. 63. *ὅτε πτερόεις ἔρριψε Πήγασος δεσπόταν ἐθέλοντ' ἐς οὐρανοῦ σταθμοὺς ἐλθεῖν μεθ' ὁμάγυριν Βελλεροφόνταν Ζηνός*. Hom. Od. IV. 11. 26.

78. *διακύψας*] Cf. Diph. IV. 415. *διακύψας ὁρῶ | διὰ τῆς ὀπαίας κεραμίδος καλὴν σφόδρα.*

82—101. Paratragoedia haec videntur esse.

82. *κανθάρου*] Cf. Vesp. 179. et ad Vesp. 1311.

83. Similis locus est Nub. 716. *μή νυν βαρέως ἄλγει λίαν.*

84. *ἰδίῃς*] Cf. ad Ran. 237. Av. 792.

85. *διαλύσῃς ἄρθρων ἶνας*] Cf. Lys. 683. *λύσω τὴν ἐμαυτῆς ὗν* (l. *ἶν'*) *ἐγὼ δὴ* etc. Th. 47. *θηρῶν δ' ἀγρίων πόδες — μὴ λυέσθων.*

86. *ἶνας*] Cf. Hom. Od. 11, 393. *οὐ γάρ οἱ ἔτ' ἦν ἲς ἔμπεδος οὐδέ τι ἰσχύς. ῥύμῃ*] Cf. Av. 1182. Eccl. 4. Nub. 407. Thuc. II. 81. *χωρήσαντες ῥύμῃ.* 76. *ἡ δὲ ῥύμη ἐμπίπτουσα* etc. Dem. p. 547. *τῇ ῥύμῃ τῆς ὀργῆς.* et ad Vesp. 1487.

87. *μὴ πνεῖ μοι κακόν*] Cf. 1077. *ἡ σφονδύλη φεύγουσα πονηρότατον βδεῖ.* Aesch. Fr. 180, 5. *χωρὶς μυρηρῶν τευχέων πνέουσ' ἐμοί.* Soph. Fr. 140, 3. *τεῦχος οὐ μύρου πνέον.* Pher. II. 280. *τοῦ στόματος ὄζει κακόν.* Eq. 892. *βύρσης κάκιστον ὄζων.* Vesp. 38.

92. Schol. *περινοοῦσιν* (*περιφρονοῦσιν*?).

95. Cf. Soph. Aj. 635. *ὁ νοσῶν μάταν* (i. e. insaniens).

96 sq. Cf. Th. 39. *εὔφημος πᾶς ἔστω λεὼς* (*λαὸς*?) | *στόμα συγκλῄσας.* Eq. 1316.

96. *φλαῦρον —*] Cf. Lys. 1041. *οὔτε δράσω φλαῦρον οὐδὲν οὔθ' ὑφ' ὑμῶν πείσομαι.* 1044. Nub. 834. 1157.

97. *ὀλολύζειν*] Cf. Eq. 1327. Aesch. Ag. 28. *ὀλολυγμὸν εὐφημοῦντα.* 604.

99. *ἐνοικοδομεῖν*] Inaedificare. Cf. Thuc. VI. 51. *πυλίδα τινὰ ἐνῳκοδομημένην κακῶς ἔλαθον διελόντες.* Arrian. Exp. VI. 29. 16. *τὴν θυρίδα δὲ ἀφανίσαι τὰ μὲν αὐτῆς λίθῳ ἐνοικοδομήσαντα.*

104. Cf. Lucian. Icar. 33. *ἐς τὸν Τάρταρον ὡς τοὺς Γίγαντας.*

114. Parodia ex Aeolo Euripidis. *ἔτυμος — φάτις*] Cf. Eurip. ap. schol. (Fr. 17.) *ἆρ' ἔτυμον φάτιν ἔγνων, | Αἴολε, σ' εὐνάζειν τέκνα φίλτατα.* Iph. A. 795. *εἰ δὴ φάτις ἔτυμος.* Stesich. 26, 1. *οὐκ ἔστ' ἔτυμος λόγος οὗτος.*

115. *φάτις ἥκει*] Cf. Aesch. Agam. 876. *ὡς πρὸς οἶκον ὠχετεύετο | φάτις.*

116. *μετ' ὀρνίθων —*] Origo fortasse argumenti proxime sequentis fabulae. *προλιπὼν*] Cf. Th. 323. (in chor.). Eur. Fr. 1069.

117. *μεταμώνιος*] Cf. 1175. Theocr. XXII. 181. *εἶπε· τὰ δ' οὐκ ἄρ' ἔμελλε θεὸς μεταμώνια θήσειν.* Xen. Cyr. VI. 4. 1. *ἤνθει φοινικίσι πᾶσα ἡ στρατιά.* Simonid. Fr. 16. *κονία δὲ παρὰ τροχὸν μεταμώνιος ἄρθη.*

119. Et haec Aeoli Euripidis parodia. *ἐτήτυμον*] Hoc vocabulum hoc sensu prosae orationis scriptoribus omnino ignotum est; proprio tamen sensu aliquoties apud Aristotelem occurrit. Schol. *παρὰ* (*πρὸς* libri) *τὸ* etc.

120. *αἰτίζητ' ἄρτον*] Forma epica. Hom. Od. 17, 222. *αἰτίζων ἀκόλους* (frusta). *πάππαν με καλοῦσαι*] Cf. Eccl. 645. *εἰ δὲ προσελθὼν Ἐπίκουρος — πάππαν με καλοῖ.*

123. *κόνδυλον ὄψον ἐπ' αὐτῇ*] Quasi *κάνδυλον*. V. schol. et ad Fr. 624. Anglice dicas, 'a great roll and fist-sauce with it.' Scilicet panem cum obsonio aliquo (*ἐπὶ ὄψῳ*) edere solebant. Cf. Ach. 967. *ἀλλ' ἐπὶ ταρίχει τοὺς λόφους κραδαινέτω.* 835. *παίειν ἐφ' ἅλι τὰν μᾶδδαν.* Eq. 707. Fr. 528.

124—126. Parodia alicujus loci tragici.

124. Schol. *παρῳδῆσαι* (*παρῳδῆσθαι* Mein.).

125. *ναῦς μὲν γὰρ* —] Cf. ad Pl. 422. Av. 1220.

126. Imprimatur diductis litteris.

127. *ὦ παππία*] Cf. Vesp. 296. Machon. Athen. XIII. 583 B. *Πτολεμαῖε, διψῶ, φησί, παππία, σφόδρα.* Eq. 1215. Vesp. 655. *ὦ παππίδιον.*

129. Cf. Av. 651. Herod. I. 141. *ἔλεξέ σφι λόγον* (fabulam).

131. Imitari videtur Aeschylum Suppl. 277. *ἄπιστα μυθεῖσθ'* —.

132. Cf. Herod. V. 106. *οὐδὲ ἐνδέκομαι τὸν λόγον ὅκως* etc. VII. 237. *οὐ γὰρ δὴ κεῖνό γε ἐνδέξομαι ὅκως* etc.

133. *κατ' ἔχθραν*] Cf. Amips. 9, 3. *τουτὶ τὸ κακὸν τῶν σκυτοτόμων κατ' ἐπήρειαν* (in contumeliam) *γεγένηται.* Aesch. Eum. 686. *ὅτ' ἦλθον Θησέως κατὰ φθόνον.* Trag. adesp. 82, 1. *κατ' εὔνοιαν.* Thuc. I. 103. *κατ' ἔχθος — τὸ Λακεδαιμονίων.* III. 96. *κατὰ τὴν Ἀθηναίων ἀεί ποτε φιλίαν.* III. 95. 1. *προθύμως ἐδόκουν κατὰ τὴν Ἀθηναίων — φιλίαν ξυστρατεύειν.* IV. 1. 1. *οἱ δὲ Λοκροὶ κατὰ ἔχθος τὸ Ῥηγίνων* (*ἔπραξαν τοῦτο*). IV. 24. 2. *τῶν Ῥηγίνων κατ' ἔχθραν.* Dem. IX. 12. *κατ' εὔνοιαν.* Hom. Il. 1, 424. *χθιζὸς ἔβη κατὰ δαῖτα.*

135. *Πηγάσου — πτερὸν*] I. e. *πτερωτὸν Πήγασον.* Cf. 76. *ὦ Πηγάσιον — πτερόν.* Pind. Isth. VII. 44. *ὅ τοι πτερόεις ἔρριψε Πάγασος δεσπόταν ἐθέλοντ' ἐς οὐρανοῦ σταθμοὺς ἐλθεῖν μεθ' ὁμάγυριν Βελλεροφόνταν Ζηνός.*

139. Cf. Eubul. III. 205. *παροψίσι | βολβοῖς τ' ἐμαυτὸν χορτάσων ἐλήλυθα.* Amph. III. 312. *χορταζόμεσθα πᾶσιν ἀγαθοῖς.*

140. Versus ex tragoedia sumptus, ut arguunt et particula *ἐς* ante vocalem posita et dictionis forma. Stheneboeae Euripideae eum tribuit Meinekius, Bellerophonti Porsonus ad Hec. 1010.

Schol. *εἰς Κόρινθον* (imo *τὴν Τίρυνθα*, v. Arg. *ΣΘΕΝ.* ed. Nauck. Trag. p. 447.).

142. *πηδάλιον*] Metaphorice, ut apud Theophilum 6, 3. *οὐδὲ μικρὸν πείθεται | ἑνὶ* (l. *τῷ*) *πηδαλίῳ.*

143. *Ναξιουργὴς*] Cf. Menand. 1000. *Ἀττικουργῆ ῥήματα.* Herod. VII. 76. *προβόλους — Λυκιοεργέας.* Dem. 49, 34. *φιάλας Λυκιουργεῖς δύο.* Athen. XI. 486 E. *κλίνη Μιλησιουργής, — κλίνη Χιουργής, καὶ τράπεζα Ῥηνιουργής.* Poll. I. 149. *εὐδοκίμει δὲ θώραξ*

'Αττικουργής, κράνος Βοιωτουργὲς, etc. VII. 93. *Τυρρηνικουργῆ* (*ὑποδήματα*) et *ἔμβαθρα 'Ρηνιουργῆ.* Sic *Κορινθιουργής* (Athen. p. 199 E. Strab. p. 198.), *νεουργὴς Δαιδαλουργὴς* (Zenob. III. 7.), *δευτερουργὴς* (Poll. VII. 77.), *ἁλουργὴς* (Plut.), *εὐεργής* (*νηῦς*, Hom. Od. 12, 165.).

145. *Πειραιεῖ*] Correpta penultima. Cf. Pher. 34. Canthar. 5. Mnesim. 4, 47. Alex. 245, 1. Philisc. 2. Criton. 3, 4. Machon. Athen. XIII. 582 B. *εἰς Πειραιᾶ κατέβαινε πρὸς ξένον τινά.* Polyzel. II. 871. *ἐν τῷ μύρῳ παρ' 'Αθηναίων* (*αἳ*) *μακαρίζεται.*

148. *μὴ — τραγῳδία γένῃ*] Cf. Eccl. 371. *ἵνα μὴ γένωμαι σκωραμὶς κωμῳδική.*

152. Schol. *ὅπως* (aut *ἀλλ' ὡς*) *τι βουκόλημα τῆς λύπης ἔχοι* | *ἀνέθηκε τοίχοις ποικίλας ζῴων γραφὰς* Pal. *ὀσφρήσεται*] Perraro occurrit hoc futurum.

154—156. Et hic *παρατραγῳδεῖν* videtur.

155. *ψαλίων*] Cf. Eur. Phoen. 793. *ἅρμασι καὶ ψαλίοις τετραβάμοσι.* Herc. 381. *ψαλίοις ἐδάμασε πώλους.* Rhes. 27. *ἁρμόσατε ψαλίοις τοὺς ἵππους.* Aesch. Prom. 54. Cho. 962. (met.) Plat. Legg. 692 A. *χρυσοχάλινον*] Lege *χρυσοχαλίνων.*

156. *διακινήσας*] Cf. Ran. 827. *γλῶσσα — φθονεροὺς κινοῦσα χαλινούς.* Eur. Iph. A. 151. *πάλιν ἐξόρμα, σεῖε χαλινούς.* *φαιδροῖς ὠσίν*] Cf. Aesch. Ag. 1229. *ἐκτείνασα φαιδρὸν οὖς* (*φαιδρόνους* mss. et vulg.).

159. *ἴει σαυτὸν*] Cf. Vesp. 355. *ἴεις σαυτόν.*

166. Lege *ἀπολεῖς* (*μ'*) *ἀπολεῖς*, ut in Soph. Tr. 1007.

168. *ἕρπυλλον*] Cf. Virg. Eccl. II. 11. 'Allia serpyllumque herbas contundit olentes.'

169. *μύρον ἐπιχεῖς*] Cf. Stratt. 45, 2. *ὅταν φακῆν φάγητε, μὴ 'πιχεῖν μύρον* (*παραινῶ*). Alex. III. 470. *λευκὸν οἶνον ἐπιχέας.* Isae. 61, 20. *ἐπὶ τὰ μνήματα ἰέναι χεόμενον* (fut.) *καὶ ἐναγιοῦντα.* *ἐπιχεῖς*] Cf. Eur. Fr. 384. *συγχεῶ* (*συγχέω* Nauck.).

171. *Χίων*] Producitur prima. Cf. 835. Ran. 970. Eccl. 1139. Fr. 448.

175. Cf. Damox. com. IV. 531. *στρόφοι* | *καὶ πνευμάτια γιγνόμενα τὸν κεκλημένον* | *ἀσχημονεῖν ποιοῦσι.*

181. *ἱπποκάνθαρος*] Confer *ἱππαλεκτρυὼν* Ran. 932. *ἱππόπορνος* Alciphr. III. 33. *ἱππομύρμηξ* Arist. H. A. VIII. 26. 3.

182. Cf. 362. Ran. 465. *ὦ βδελυρὲ κἀναίσχυντε καὶ τολμηρὲ σύ.* Nub. 1327. Fr. 92. Com. adesp. IV. 657.

189. *ἀποθανεῖ,* | *εἰ μὴ κατερεῖς μοι τοὔνομ' ὅ τι ποτ' ἔστι σοι*] Cf. Eq. 1257.

191. *ἐραστὴς πραγμάτων*] Nub. 1303. *πραγμάτων ἐρᾶν φλαύρων.*

192. *ἥκεις δὲ κατὰ τί;*] Cf. Av. 916. *κατὰ τί δεῦρ' ἀνεφθάρης;* Nub. 239. Eccl. 543.

193. *δειλακρίων*] Formatum ut *'Αττικίων* (214).

195. *ἰὴ ἰή*] Ridentis exclamatio, ut in Vesp. 1335. Ach. 1206.

196. *ὅτ'*] Fort. *ὅτι*, sed cf. Nub. 7. *ὅτ'* (i. e. *ὅτε*) *οὐδὲ κολάσ' ἔξεστί μοι τοὺς οἰκέτας*. Ceterum connectendum videtur *οὐδὲ* cum *ἐγγύς*. Cf. 177. Lucian. 71, 21. *οὐδ' ἐγγὺς ἦν τούτου*.

197. *εἰσιν ἐξῳκισμένοι*] Sensus medio ut *εἰσῳκίσμεθα* 260. *ἐξῳκίσαντο* 203. *ἀνῳκίσαντο* 207.

199. *τοὐρανοῦ*] Cf. Lys. 651. *κύτταρον*] Cf. Vesp. 1111. Th. 516.

202. *ἀμφορείδια*] Cf. Eccl. 1119.

206. Cf. Th. 212. *ἐμοὶ δ' ὅ τι βούλει χρῶ λαβών*. Nub. 439.

207. *ἀνῳκίσαντο*] Cf. 260. *εἰσῳκίσμεθα*. 197. *ἐξῳκισμένοι*. 203. Av. 1351. *ἀνοικισθείς*. Eccl. 754. *μετοικιζόμενος*. Thuc. I. 58. *Περδίκκας πείθει Χαλκιδέας — ἀνοικίσασθαι ἐς Ὄλυνθον*. II. 102. *κατοικίσηται* (-*ήσηται* libri). VIII. 31. *φρονοῦντας ἀνοικίζεσθαι ἐς τὸν Δαφνοῦντα*. Aeschin. Tim. § 124. *ἐὰν δ' ὁ μὲν ἐξοικίσηται, εἰς δὲ τὸ αὐτὸ τοῦτο ἐργαστήριον χαλκεὺς εἰσοικίσηται* (-*ήσηται* utrobique libri vitiose). Alexidis fabulae titulus fuit *Εἰσοικιζόμενος*, Philemonis *Ἐξοικιζόμενος*. *ὅπως ἀνωτάτω*] Cf. Aeschin. Cho. 735. *ὅπως τάχιστα*.

215. *εἰ δ' αὖ τι πράξαιτ' ἀγαθὸν*] Cf. ad Pl. 341. *χρηστόν τι πράττων*. *πράξαιτ'*] Cf. Eq. 898. *ἵν' — βδέοντες ἀλλήλους ἀποκτείνειαν* (*ἀποκτεινείαθ'*?) *οἱ δικασταί*. *ἀττικωνικοὶ*] Formatum *Ἀττικωνικὸς* ab *Ἀττικὸς* fere ut *Σαρδιανικὸς* a *Σαρδιανὸς*, cum allusione ad voc. *Λακωνικός*.

217. Similis locus est Eq. 671.

218. Cf. Men. IV. 152. *οὐκ ἔλαττον, οὔ, | μὰ τὴν Ἀθηνᾶν*. Alex. 231, 1. *μὰ τὸν Δία | τὸν Ὀλύμπιον καὶ τὴν Ἀθηνᾶν*.

220. *χαρακτήρ*] Cf. Soph. Fr. 186, 1. *καὶ γὰρ χαρακτὴρ αὐτὸς ἐν γλώσσῃ* (*ἄλλος ὢν γλώσσης*?) *τί με | παρηγορεῖ Λάκωνος ὀσμᾶσθαι λόγον*. Herod. I. 116. 1. *καί οἱ ὅ τε χαρακτὴρ τοῦ προσώπου προσφέρεσθαι ἐδόκεε ἐς ἑωυτὸν*, etc. I. 142. *χαρακτῆρες γλώσσης τέσσαρες*. Similiter fere Nub. 1176. *ἐπὶ τοῦ προσώπου τ' ἐστὶ τἀττικὸν βλέπος ἡμεδαπός?*] Cf. Ephipp. 5, 2. Plat. Theag. 124 D.

224. Cf. Vesp. 199. *ὤθει σὺ πολλοὺς τῶν λίθων πρὸς τὴν θύραν*. Pl. 1051. 694.

225. *ὅσους — τῶν λίθων*] Cf. 167. *τῆς γῆς πολλήν*. Pl. 1051. *τῶν ῥυτίδων ὅσας ἔχει*. Vesp. 199. *πολλοὺς τῶν λίθων*. *ἐπεφόρησε*] Cf. Herod. IV. 201. *ἐπιπολῆς τῶν ξύλων χοῦν γῆς ἐπεφόρησε*.

230. Cf. 1240.

231. *ἐς θυείαν τρῖβε*] Cf. Chrysipp. ap. Athen. XIV. 647 F. *εἰς θυείαν καθαρὰν τρῖψον*.

232. *γνώμην ἐμήν*] Mea quidem sententia. Cf. Vesp. 983. Eccl. 350.

234. *ὥσπερ ᾐσθόμην —*] Cf. Nub. 1276. Vesp. 395. Th. 234. 869. Plat. Phaedr. 260 E. *ὥσπερ ἀκούειν δοκῶ τινων προσιόντων*

λόγων. Theocr. XXV. 163. *ὡσεί περ σφετέρῃσιν ἐνὶ φρεσὶ βάλλομαι ἄρτι.*

235. *θυείας — πολεμιστηρίας*] Cf. Ach. 1132. *φέρε δεῦρο, παῖ, θώρακα πολεμιστήριον.* 571. *πόθεν βοῆς ἤκουσα πολεμιστηρίας;*

238. Cf. Av. 61. *Ἄπολλον ἀποτρόπαιε, τοῦ χασμήματος.* Cratin. 186, 1. *ἄναξ Ἀπόλλων* (l. *ὦναξ Ἄπολλον*), *τῶν ἐπῶν τοῦ ῥεύματος.*

241. *ὁ δεινὸς, ὁ ταλαύρινος*] Eadem verba Ach. 964. Cf. Hom. Il. V. 289. *ταλαύρινος πολεμιστής* (*Ἄρης*). *ὁ κατὰ τοῖν σκελοῖν*] Cf. Simonid. Epigr. 136. *τὸν κατὰ Μήδων* (*Πᾶνα*). Plat. Gorg. 516 D. *Μιλτιάδην τὸν ἐν Μαραθῶνι.* Eq. 785. *ἵνα μὴ τρίβῃς τὴν ἐν Σαλαμῖνι.* Aelian. Epist. 2. *τὴν οἶν τὴν τὰ μαλακὰ ἔρια.*

242. *Πρασιαὶ*] Cf. Thuc. II. 56. 3. *ἀφίκοντο ἐς Πρασιὰς, τῆς Λακωνικῆς πόλισμα ἐπιθαλάσσιον.* VI. 105. 3. VII. 18. 4.

244. *πρᾶγμο*] Anglice, concern, affair, trouble.

245. *τῆς Λακωνικῆς*] Cf. Vesp. 1162. Sic *ἡ Ἀττική.*

251. *πόλις*] De insula. Cf. Hom. Il. 14, 230. *Λῆμνον, πόλιν θείοιο Θόαντος.* Eur. Fr. 730. *ἅπασα Πελοπόννησος εὐτυχεῖ πόλις.* 659. Ion. 294. Soph. Fr. 374. Pind. N. VII. 9. Isthm. IV. 43. Cratin. 228.

254. Cf. Lycophr. trag. 2. *κυλίκιον | ὑδαρὲς ὁ παῖς περιῆγε τοῦ πεντωβόλου.* Sic *διτάλαντος* (Herod. I. 50.), non *διταλαντιαῖος.* *φείδου —*] Cf. Plat. com. Fr. 190. *φείδεσθε τοὐλαίου σφόδρ'.* *τἀττικοῦ*] Cf. Th. 1192. Men. 708. *ἀψινθίῳ κατέπασας Ἀττικὸν μέλι.*

255. *κλαύσει μακρά*] Cf. Pl. 111. *οἰμώξει μακρά.*

256. *οὑτοσί σοι κόνδυλος*] Cf. Antiph. III. 142. *οὑτοσὶ δέ σοι — ἐλαίου — μετρητής.*

257. *ὡς δριμύς*] Cf. Eq. 706. *ὡς ὀξύθυμος.* Plat. Theaet. 173 A. *οἱ ἔντονοι καὶ δριμεῖς.* *οἴμοι μοι*] Cf. *αἰβοιβοῖ* 1066.

263. *ὦ πονήρ' ἀνθρώπια*] Cf. Dem. p. 307, 23. *τοῦτο δὲ καὶ φύσει κίναδος τἀνθρώπιόν ἐστιν.*

268. Cf. Av. 648. *ἀτὰρ, τὸ δεῖνα, δεῦρ' ἐπανάκρουσαι πάλιν.*

271. Cf. Ach. 1050. *καλῶς γε ποιῶν.* Cf. 763. *τῇ δεσποίνῃ Ἀθηναίᾳ.* Eq. 763. *τῇ δεσποίνῃ μὲν Ἀθηναίᾳ.* Av. 828. 1653. Theocr. XV. 80. *πότνι' Ἀθαναία.*

275. *ταῦτ'*] Cf. Vesp. 142. Eq. 111. Ach. 815. *ταῦτα δή.* Vesp. 1008. Eq. 495. *ταῦτα δρῶ.*

276. *νῦν ἀγὼν μέγας*] Cf. Ran. 884. *νῦν γὰρ ἀγὼν σοφίας ὁ μέγας χωρεῖ πρὸς ἔργον ἤδη.* Vesp. 533.

277. *ἐν Σαμοθράκῃ — μεμνημένος*] Cf. Alex. 178, 5. *τὰ Σαμοθρᾴκι' εὔχεται | λῆξαι πνέοντα καὶ γαληνίσαι ποτέ.*

279. *ἀποστραφῆναι*] Distorqueri. Schol. *διαστραφῆναι.* Cf. ad Eq. 263.

289. Cf. Plat. Euthyd. 296 B. *τοῦτ' ἐκεῖνο, ἔφη, ἥκει τὸ αὐτὸ παράφθεγμα.* Lucian. Philops. 29. *τοῦτ' ἐκεῖνο ἥκειν μοι νομίσας.* Plut. Nic. 21. *καὶ ταῦτ' ἐκεῖνα πάλιν ἥκειν φάσκοντες αὐτοῦ μελ-*

λήματα. *Δάτιδος*] Datidem Carcini filium, non notum Darii ducem, intelligendum esse monuerunt v. Leeuwen et Herwerden.

291. *ἥδομαι καὶ χαίρομαι*] Cf. Herod. VIII. 1. 1. *ταῦτα ἀκούσας ὡς ἐκ κακῶν | ἐχάρη τε καὶ ἥσθη*. Sic *χαίρειν καὶ ἥδεσθαι* Dem. de Falsa Leg. § 140. Plut. Mor. p. 169 D. Lucian. 26, 30. Dion. Chrys. XXIII. 513 R. LXIII. 324. *χαίρειν καὶ γάνυσθαι* Plut. Mor. p. 1098 F. Infra 335. *ἥδομαι γὰρ καὶ γέγηθα* Plut. Mor. p. 372 F. *χαίρει καὶ γέγηθε*. *χαίρομαι*] Similiter barbarus aliquis inducitur barbare loquens Hermipp. 25, 1. *ἐπειθ', ὅταν πεινώμεθ' ἢ διψώμεθα*, etc. et *βαδίζον* pro *βάδιζε* barbare dicens inducitur Datis aliquis Cratin. 391.

293. Cf. Ach. 369. *πραγμάτων τε καὶ μαχῶν — ἀπαλλαγείς*.

294. *τὴν πᾶσιν Εἰρήνην φίλην*] Cf. Fr. 293. Bl. *τῆς πᾶσιν ἀνθρώποισιν Εἰρήνης φίλης* etc.

297. *μέτοικοι καὶ ξένοι*] Cf. ad Eq. 347.

299. *ἄμας*] Cf. 426. Av. 1145. Xen. Cyr. VI. 2. 11. *ἔχων καὶ ἄμην καὶ σμινύην* etc.

300. *ἁρπάσαι*] Qu. *ἑλκύσαι*. *ἀγαθοῦ δαίμονος*] Cf. Eq. 85. *ἄκρατον οἶνον ἀγαθοῦ δαίμονος*. 106. 108. Vesp. 525. *μηδέποτε πίοιμ' ἄκρατον μισθὸν ἀγαθοῦ δαίμονος*.

304. *ἡμέρα — ἐξέλαμψεν*] Cf. Pl. 744. *διέλαμψεν ἡμέρα*.

306. Cf. Nub. 1181. *οὐ γὰρ ἔσθ' ὅπως | μί' ἡμέρα γένοιτ' ἂν ἡμέρα δύο*. Eur. Cycl. 469. *ἔστ' οὖν ὅπως ἂν — κἀγὼ λαβοίμην τοῦ — δαλοῦ; ἀπειπεῖν*] Ab *ἀπαγορεύω* fatisco. Dinarch. III. 14. *αἰσχρὸν γὰρ ἀπειπεῖν τιμωρουμένους* etc. Notanda hic dissociatio particularum *ὅπως* et *ἄν*, ut in Vesp. 212. *κοὐκ ἔσθ' ὅπως διαδὺς ἂν ἡμᾶς ἔτι λάθοι*. *ἂν δοκῶ μὲν*] Lege *ἂν δοκοῖμεν*.

308. *φιλαμπελωτάτην*] Cf. Th. 1147. *εἰρήνην φιλέορτον*. Philem. 71, 8. *τῆς ἐπαφροδίτου καὶ φιλανθρώπου θεοῦ*. Eur. Fr. 896, 1. *Βακχίου φιλαμπέλου* (*φιλανθέου* cod.). Bekk. Anecd. 71, 27. *φιλάμπελος ἄνθρωπος ὁ φιλῶν ἀμπέλων ἐργασίαν*.

309. *περιχαρεῖς τῷ πράγματι*] Cf. Vesp. 1477. *περιχαρὴς τῷ πράγματι*.

312. Cf. Thuc. VII. 43. *παραγγείλας δὲ πένθ' ἡμερῶν σιτία* etc.

314. *παφλάζων*] Cf. Eq. 919. *ἀνὴρ* (Cleon) *παφλάζει*. Hom. Il. 13. 798. Timocl. III. 602. *κόμποις παφλάζων*.

316. Cf. Eur. Her. 976. Alc. 848. Med. 793.

319. Cf. Eq. 99. *πάντα ταυτὶ καταπάσω* etc.

320. *κυκάτω — καὶ ταραττέτω*] Cf. 654. *κύκηθρον καὶ τάρακτρον*. Eq. 692. *ταράττων καὶ κυκῶν*.

326. *παῦε παῦ' ὀρχούμενος*] Cf. Eq. 919. *παῦε παῦ' ὑπερζέων*. Av. 1243. *παῦε τῶν παφλασμάτων*.

327. Cf. Eur. Herc. 867. *ἢν ἰδού, καὶ δὴ τινάσσει κρᾶτα —*.

328. *ἑλκύσαι*] Cf. Nub. 540. *οὐδὲ κόρδαχ' εἵλκυσεν*. *καὶ μηκέτι*] Sub. *ἐάσῃς*. Cf. Th. 648. *ὁ δ' οὐδέπω* (sub. *φαίνεται*).

332. *τὸ σκέλος ῥίψαντες*] Cf. Vesp. 1530. *ῥῖπτε σκέλος οὐράνιον*. 1526. *ῥίπτοντες ἄνω σκέλος*. Eur. Tro. 326. *πάλλε πόδ' αἰθέριον*.

334. *ἔστ' ἀναγκαίως ἔχον*] Cf. Antiph. III. 29. *ὁδὸν, | ἣν πᾶσιν ἐλθεῖν ἔστ' ἀναγκαίως ἔχον*. Aesch. Cho. 233. *προσαυδᾶν δ' ἔστ' ἀναγκαίως ἔχον*. Com. ap. Suid. I. 189. *ἀνδρὶ (γὰρ) | πεινῶντι κλέπτειν ἔστ' ἀναγκαίως ἔχον*. Herod. VIII. 40. *ἀναγκαίως ἔχει μοι ποιέειν ταῦτα*. IX. 27. Eur. Suppl. 527. *τί τούτων ἐστὶν οὐ καλῶς ἔχον;* Aesch. Cho. 696. *Ὀρέστης ἦν γὰρ εὐβόλως ἔχων*. Plat. Phaedr. 245 E. *εἰ δ' ἐστὶ τοῦτο οὕτως ἔχον*. Anth. P. XI. 132. 5. *εἰ δ' ὄντως οὕτως τοῦτ' ἔστ' ἔχον*.

335. *ἥδομαι γὰρ καὶ γέγηθα*] Cf. Diph. IV. 404. *γέγηθά τε καὶ χαίρω τι* (l. *χαίρω τε καὶ γέγηθα*) *καὶ πτερύττομαι*. *πέπορδα καὶ γελῶ*] Cf. Vesp. 305. *ἀνήλλετ', ἐσκίρτα, 'πεπόρδει κἀγέλα*. *πέπορδα*] Praesens ut *γέγηθα*. Imperfectum *ἐπεπόρδει* est Cratin. 26.

336. *τὸ γῆρας ἐκδὺς*] Ut anguis. Cf. Lys. 670. *ἀποσείσασθαι τὸ γηρᾶς τόδε*.

341. *πλεῖν, μένειν, βινεῖν*] Cf. Ach. 1052. *ἵνα μὴ στρατεύοιτ' ἀλλὰ βινοίη μένων* (sc. *οἴκοι*).

343. *κοτταβίζειν*] Cf. Nub. 1073. *κοττάβων, ὄψων, πότων, καχασμῶν*. Schol. *εἰ μὲν μὴ ἐκχυθῇ* (leg. *ἐκχυθείη*).

346. Cf. Eur. Cycl. 437. *ὦ φίλτατ', εἰ γὰρ τήνδ' ἴδοιμεν ἡμέραν*. Herod. III. 142. *τῷ δικαιοτάτῳ ἀνδρῶν βουλομένῳ γενέσθαι οὐκ ἐξεγένετο*. V. 105. *ὦ Ζεῦ, ἐκγενέσθαι μοι Ἀθηναίους τίσασθαι*. Isocr. p. 177. *πολλῶν ἐτῶν οὐδ' ἰδεῖν ἐξεγένετο αὐτοῖς τὴν* —.

347. *Στιβὰς* erat *κοίτη στρατιωτική*, haud dubie dura. Theocr. XIII. 34. *λειμὼν γάρ σφιν ἔκειτο, μέγα στιβάδεσσιν ὄνειαρ*. Hinc *στιβαδοκοιτεῖν* Polyb. II. 17. 10. Schol. *μανθάνων παρὰ τῷ Φορμίωνι* (i. e. apud Phormionem magistrum, fort. *τοῦ Φορμίωνος*) *τοὺς* etc. *Διονύσιος* (*Διόνυσος* Mein. prob. Cobet.). Schol. *ἐν Ταξιάρχοις παρ' Εὐπόλιδι* (*παρ' Εὐπόλιδι ἐν Ταξιάρχοις* Cobet.). *Νεφέλαις* (imo *Λυσιστράτῃ* v. 804.). ibid. *φάγον* V. *φύγον* Suid. ibid. *φύγοιμι* V. et Suid. A.). ibid. schol. V. *Στράττις* (*Ἀταλάντῃ* addit Dind.). *Κρατῖνος Ἀταλάντῃ* (*Ἀτ.* delet Dind., Cratini fabulae nomen excidisse existimans).

348. *ἃς ἔλαχε Φορμίων*] Cf. Aesch. Eum. 715. *ἀλλ' αἱματηρὰ πράγματ' οὐ λαχὼν σέβεις*. Inest allusio ad v. *φορμός*. Cf. v. *φορμοκοιτεῖν* (Bekk. Anecd. 70, 5.), de iis dictum qui in cubili duro jacentes somnum capiunt.

349. *δικαστὴν δριμὺν*] Cf. Vesp. 280. *πολὺ δριμύτατος — ἦν* (*δικαστής*). Eq. 808. *ἥξει γάρ σοι δριμὺς ἄγροικος* etc. Av. 255. *δριμὺς πρέσβυς*. Plat. Theaet. 175 D. *τὸν — δριμὺν καὶ δικανικόν*.

350. *ἀμνοκῶν*] Cf. 935. *ἀμνοὶ τοὺς τρόπους*.

355. *ἀπολλύμεθα — πλανώμενοι*] Cf. Ach. 71. Soph. Phil. 311. 232.

357. *Λύκειον*] Cf. Xen. Hell. I. 1. 33. Schol. *Ἀχαιοῦ* (corr. *Σοφοκλέους*?).

363. *Καλλικῶν*] Cf. nomen *Λαοκῶν*. Schol. *ὅ τι* (l. *διότι* vel *διὰ τί*).

364 sq. Cf. Aesch. Pers. 187. *κλήρῳ λαχοῦσα γαῖαν*. Eur. Fr. 40. Phot. p. 169, 7. *Κλῆρος Ἑρμοῦ· συνήθεια ἀρχαία. ἔβαλλον οἱ κληροῦντες εἰς ὑδρίαν ἐλαίας φύλλον ὃ προσηγόρευον Ἑρμῆν, καὶ πρῶτον ἐξῄρουν τοῦτο, τιμὴν τῷ θεῷ ταύτην ἀπονέμοντες· ἐλάγχανε δὲ ὁ μετὰ τὸν θεόν. Εὐριπίδης ἐν τῷ Αἰόλῳ μνημονεύει τοῦ ἔθους τούτου.*

365. *κλήρῳ ποιήσεις, οἶδ' ὅτι*] Lege *κλήρους παλεῖς, εὖ οἶδ' ὅτι*. Soph. El. 710. *κλήρους ἔπηλαν*.

366. *εἰς τίν' ἡμέραν;*] Cf. Diog. L. II. 5. 16. *εἰς τρίτην ἀποθανοῦμαι*. et ad Nub. 1180.

369. *κᾆτα —;*] Cf. Ran. 647. *καὶ δὴ 'πάταξα. ΔΙ. κᾆτα πῶς οὐκ ἔπταρον;*

371. Cf. Vesp. 586. *ἔδομεν ταύτην ὅστις ἂν ἡμᾶς ἀντιβολήσας ἀναπείσῃ*. Soph. Phil. 957. 373. *εὑρεθῇ*] Qu. *αἱρεθῇ*.

374. *εἰς χοιρίδιον*] Cf. Thugenid. com. IV. 539. *ᾔτησεν εἰς ὀψώνιον τριώβολον*. Theophr. Char. 28. *τῇ γὰρ ἑαυτοῦ γυναικὶ τρεῖς χαλκοὺς εἰς ὄψον δίδωσι*.

376. *ὦ ὦ Ζεῦ κεραυνοβρόντα*] Cf. Vesp. 323. *ὦ Ζεῦ Ζεῦ μεγαβρόντα*.

380. *ἀμαλδυνθήσομαι*] Cf. Theocr. XVI. 59. *χρήματα δὲ ζώοντες ἀμαλδύνουσι θανόντων*.

381. *λακήσομαι*] A *λακεῖν* (ᾰ). Cf. 384. *λακήσεται*. 382. *λακήσῃς* (*λάκῃς σύ* aut potius *λάκῃς, μή*?). Nub. 410. *διαλακήσασα*. Theocr. II. 24. *λακεῖ μέγα καππυρίσασα* (*δάφνα*).

383. *εἰπέ μοι*] Ad plures dictum, ut in 1142. Ach. 319. 328. Vesp. 403. Av. 366. *ἔστατε*] Pro *ἑστήκατε*. Cf. Fr. 493. *ἠρίσταμεν*. Eubul. III. 248. *δεδείπναμεν*, Alex. III. 429.

386. *κεχαρισμένον*] Acceptable. Cf. Xen. Mem. II. 1. 24. *τί ἂν κεχαρισμένον ἢ σιτίον ἢ ποτὸν εὕροι' ἄν;* Theocr. XVI. 68. *δίζημαι δὲ τίνι θνατῶν κεχαρισμένος ἔνθω*. Herod. I. 87. *τὸν Ἀπόλλωνα ἐπικαλεόμενον, εἴ τι κεχαρισμένον ἐξ αὐτοῦ ἐδωρήθη, παραστῆναι*. Plat. Resp. III. 394 A. *εἴ τι πώποτε — κεχαρισμένον δωρήσαιτο*. Criti. 119 D. *τὸ κεχαρισμένον αὐτῷ θῦμα ἑλεῖν*. Ach. 248. *κεχαρισμένως*. Xen. Hipparch. init. *ἀφ' ὧν θεοῖς κεχαρισμενώτατα ἄρξειας ἄν*.

388. *φαῦλον*] Leve. Cf. Av. 1024. 1412.

390. *παλίγκοτος*] Cf. Theocr. XXII. 58. *ἄγριος εἶ, πρὸς πάντα παλίγκοτος ἠ* (*ἠδ'*?) *ὑπερόπτης*.

392. *χάρισ'*] Cf. Menand. 537, 6. *εὖξ' ἅττα βούλει*.

395. Cf. Ach. 675. *ὦ Λάμαχ' ἥρως, τῶν λόφων καὶ τῶν λόχων*. 1074. *Πεισάνδρου*] Cf. Av. 1556. Lys. 490. Eupol. 31.

397. *προσόδοις — μεγάλαισι*] Cf. Av. 853.

399. *ἀγαλοῦμεν*] Cf. Hermipp. II. 383. *φέρε νυν ἀγήλω τοὺς θεοὺς ἰοῦσ' ἐγὼ | καὶ θυμιάσω τοῦ τέκνου σεσωσμένου.* Theopomp. II. 810. Aesch. Suppl. 1019. *ἴτε νυν ἀστυάνακτας μάκαρας θεοὺς ἀγαλοῦντες* (ut locum perite correxit Paleius).

400. *ἐλέησον* —] Cf. Vesp. 572. *παιδὸς φωνὴν ἐλεῆσαι.*

403. *δεινὸν καὶ μέγα*] Cf. Th. 581. Ach. 128.

405. *πείσαις*] Sic *δικάσαις* Vesp. 726. Eur. Med. 319.

409. *ἵνα τί δὲ τοῦτο δρᾶτον;*] Cf. ad Nub. 1192. Plat. Apol. 26 C. *ἵνα τί ταῦτα λέγεις;*

414. Cf. Xen. Anab. IV. 6. 15. *κλέπτοντες τοῦ ὄρους.* Isae. XI. 62. *περὶ τῶν παρακλεπτομένων ὑπὸ τούτων ποιήσομαι τοὺς λόγους.* Plut. de facie etc. c. 18. *ἐν ταῖς ἐκλείψεσιν ὀλοφυρομένους (τὸν Στησίχορον καὶ τὸν Πίνδαρον) τὸν φανερώτατον* (-τα?) *κλεπτόμενον καὶ μέσῳ ἄματι* (*ἅμα τὴν* vulg.) *νύκτα γενομένην* etc.

415. *τοῦ κύκλου παρέτρωγον*] Cf. Ran. 988. *τίς τῆς ἐλάας παρέτραγεν;* Eq. 1026. *ὥσπερ θύρας σοῦ τῶν λογίων παρεσθίει.*

ἁμαρτωλίας] Cf. Eupol. 199. *ἁμαρτωλία.*

416. *ξύλλαβε* —] Cf. Aesch. Cho. 779. *ξυλλάβοι παῖς ὁ Μαίας.*

420. *Ἀδώνια*] Cf. Cratin. II. 27. *διδάσκειν εἰς Ἀδώνια.* Pher. II. 358. *Ἀδώνι' ἄγομεν.* *μυστήρι'*] Cf. Ran. 159. *ὄνος ἄγω μυστήρια.* Diphil. 43, 39 M. *πολυτελῶς Ἀδώνια | ἄγουσ' ἑταίρα.* Mercurii festum solenne *Ἕρμαια* dicebatur. V. Poll. I. 37.

421. Cf. Cratin. II. 211. *πιοῦσα χυλὸν ἀναπαύου κακῶν.*

426. Cf. 1305. Plut. Popl. 6, 2. *ὑμέτερον ἤδη, εἶπε, τὸ λοιπὸν ἔργον.* Th. 1160.

428. *δημιουργικῶς*] I. e. *τεκτονικῶς* (schol. Eq. 650.).

431 sq. Cf. Eccl. 996 sq. et ad Ran. 1121.

431. *ὕπεχε τὴν φιάλην*] Cf. Ach. 1063. *ὕπεχ' ὧδε τοὐξάλειπτρον.* Eccl. 820. *ὑπέχοντος — μου τὸν θύλακον.*

434. *εὐφημεῖτε εὐφημεῖτε*] Cf. Ach. 236. 240.

436. Cf. 605. Pher. 145, 3. *ἐμοὶ γὰρ ἦρξε τῶν κακῶν Μελανιππίδης.* Men. 402, 10. *νύκτα — πολλῶν κακῶν ἀρχηγόν.*

440. Cf. Ach. 1014. *τὸ πῦρ ὑποσκάλευε.* Verbum *σκάλλειν* legitur Herod. II. 14. Pythagorae praeceptum erat *πῦρ σιδήρῳ μὴ σκάλευε.* Hor. Sat. II. 3. 275. 'Ignem gladio scrutare.'

443. *ἀκίδας ἐξαιρούμενον*] Cf. Ran. 657. *τὴν ἄκανθαν ἔξελε.*

ὀλεκράνων] I. q. *ὠλεκράνων.* Hom. Od. 14, 494. *ἀγκῶνος κεφαλήν* (i. e. cubitum). Hinc *ὀλεκρανίζειν* (◡ ◡ - - -) Com. adesp. 1093. Sunt autem *ὀλέκρανα τὰ ἄκρα τῶν ἀγκώνων.*

444. *σίκυον*] Cf. 543. Alibi *σικύα* eodem sensu, Cratet. II. 249. Antiph. III. 120. Eubul. III. 27.

447. Cf. 1213. Forma *δορυξόος* occurrit Plut. Pelop. 12.

449. *κριθὰς μόνας*] Cf. Hipponact. 34, 6. *καὶ κρίθινον κολλίκα, δούλιον χόρτον.*

453. *ἰὴ παιὼν*] Cf. Eq. 408. Av. 1763. Lys. 1291. Th. 311.

454. *ἄφελε τὸ παιὼν*] Cf. Lys. 36. *ἄφελε τὰς ἐγχέλεις.*

473. Schol. *ἀφ' οὗ* (add. *καί*?).

474. *τῆς σῆς μορμόνος*] Cf. Ach. 582.

476. Schol. *ὑπεμφαίνει* Headlam.

477. *διχόθεν μισθοφοροῦντες*] Cf. Dem. p. 614. *δι' ἀπληστίαν δὲ τρόπων διχόθεν καρποῦνται τὴν πόλιν.*

482. Cf. Plat. Resp. VIII. 553 C. *γλίσχρως καὶ κατὰ σμικρὸν φειδόμενος.* 485. *ἀντιληπτέον*] Cf. Eq. 603. *ληπτέον μᾶλλον.*

486. *ὦ εἶα*] Cf. Lys. 1304.

492. *ἀντισπᾶν*] Cf. Aesch. Prom. 335. *ὁρμώμενον δὲ μηδαμῶς μ' ἀντισπάσῃς.*

496. *κακόνοι*] Sic *εὖνοι* Vesp. 887. Dem. p. 195.

500. *οὐκ ἐς κόρακας ἐρρήσετε;*] Cf. Pl. 604. *ἔρρ' ἐς κόρακας.* Pher. II. 282. Amips. II. 711. Alex. III. 421.

508. *αὐτοὶ δὴ μόνοι*] Cf. Ran. 78. *ἀπολαβὼν αὐτὸν μόνον.*

509. *χωρεῖ — τὸ πρᾶγμα*] Qu. *χωρεῖ τὸ χρῆμα.* Cf. Ran. 884. *τὸ χρῆμ' ἄρ' ἔσται;* Eccl. 148. *τὸ χρῆμ' ἐργάζεται.* 1164. *μέλλομεν τὸ χρῆμα δρᾶν.*

513. Cf. Soph. Ant. 1180. *καὶ μὴν ὁρῶ τάλαιναν Εὐρυδίκην ὁμοῦ.*

515. *ἐπεντείνωμεν*] Anglice, let us press on amain. Cf. Theophr. Char. 9, 2. Proprio sensu *ἐπενταθεὶς* (*ἔγχει*). Soph. Ant. 1235.

516. *τοῦτ' ἐκεῖνο*] Cf. ad 289. Ran. 318. *τοῦτ' ἔστ' ἐκεῖν'.*

521. Cf. Fr. 24 K. *πόθεν ἂν λάβοιμι βῦσμα τῷ πρωκτῷ φλέων;*

522. *ὅτῳ προσείπωσ'*] Cf. Eupol. 117, 1. *οὐκ ἔχω τί λέξω.* Alex. 169. *οὐκ ἔχω γὰρ ἄλλ' ὅ τι | εἴπω — ἄξιον.* Aesch. Prom. 468. *οὐκ ἔχω σόφισμ' ὅτῳ τῆς νῦν παρούσης πημονῆς ἀπαλλαγῶ.* Soph. Phil. 938. *οὐ γὰρ ἄλλον οἶδ' ὅτῳ λέγω.* Plat. Gorg. 486 B. *ἰλιγγιῴης ἂν οὐκ ἔχων ὅ τι εἴποις.* *οὐ γὰρ εἶχον οἴκοθεν*] Cf. Eur. Med. 239. *δεῖ μάντιν εἶναι μὴ μαθοῦσαν οἴκοθεν.* Tro. 648. *τὸν δὲ νοῦν διδάσκαλον | οἴκοθεν ἔχουσα χρηστὸν ἐξήρκουν ἐμοί.* Achae. trag. Fr. 4, 4. *ἄδην δ' ἐλαίου* (*ἐλαίῳ*?) *στέρνα — χρίουσιν ὡς ἔχοντες οἴκοθεν τρυφήν.* *εἶχον*] Cf. Vesp. 855. *ἐγὼ γὰρ εἶχον τούσδε τοὺς ἀρυστίχους.* Eriph. III. 557. *κᾆτα τρεῖς μόνας | καὶ τάσδ' ἐκόμισας; A. οὐ γὰρ εἶχον πλείονας.*

525 sq. Cf. Ach. 192.

525. *οἷον δὲ πνεῖς, —*] Cf. 87. *καὶ μὴ πνεῖ μοι κακόν.* Ran. 338. *ὡς ἡδύ μοι προσέπνευσε χοιρείων κρεῶν.* Th. 254. Pl. 1020. Aesch. Fr. 180, 5. *χωρὶς μυρηρῶν τευχέων πνέουσά μοι.* Soph. Fr. 147, 3. *κατάγνυται τὸ τεῦχος οὐ μύρου πνέον.* Anth. Pal. XII. 95. 1. *ἥ τε μυρόπνους Πειθώ.* Anacr. 15, 9. *μύρου πνεούσας.* Act. Apost. IX. 1. *ἐμπνέων ἀπειλῆς καὶ φόνου.*

527. *ὅμοιον καὶ γυλιοῦ*] Cf. Herod. III. 37. *ἔστι δὲ καὶ ταῦτα ὅμοια τοῦ* (*τοῖς τοῦ*?) *Ἡφαίστου.* *γυλιοῦ*] Cf. Ach. 1097. 1137. Alex. com. III. 433. Philem. IV. 12. *καὶ γύλιόν τιν' ἀργυρωμάτων.*

Schol. (*ἐσχημάτισται* Schneidewin). ibid. (*βλέπος* id.). ibid. (*Ἀττικὸν βλέπος* id.).

528. Schol. *ἢ Τληπολέμου* (haec deleri jubet Mein.). Num Telephi sit dubitat Nauck. ad Eur. Fr. 727.

529. *ὄζει κρομμυοξυρεγμίας*] Cf. Vesp. 1058. *ὑμῖν — τῶν ἱματίων ὀζήσει δεξιότητος*. Pl. 1020.

531. *αὐλῶν, τραγῳδῶν*] Cf. Ach. 554. *αὐλῶν, κελευστῶν, νιγλάρων, συριγμάτων*. Schol. (imo *τυχόντες*) ibid. (del. *θείου*, ex vicino *θέασαι* ortum).

532. *ἐπυλλίων Εὐριπίδου*] Cf. Ach. 398. Ran. 942.

534. *ῥηματίων δικανικῶν*] Cf. Pseudo-Plutarch. Vit. decem orat. p. 839 C. *λόγους — δικανικούς τε καὶ συμβουλευτικούς*. Diog. L. II. 7. 4. *συγγράφειν λόγους δικανικοὺς τοῖς ἀδικουμένοις*.

536. Schol. *ὑπὸ κόλπους* (l. *κόλπου*, ut *ὑπὸ μάλης*).

537. *χοός*] Cf. Th. 347. et ad Ach. 1000.

542. *κυάθους*] Cf. Eubul. 79. Eur. Fr. 375. *ἢ κύαθον ἢ χαλκήλατον | ἠθμὸν προσίσχων τοῖσδε τοῖς ὑπωπίοις*. et griphum apud Athen. X. 452 B. *ἄνδρ' εἶδον πυρὶ χαλκὸν ἐπ' ἀνέρι κολλήσαντα | οὕτω συγκόλλως ὥστε σύναιμα ποιεῖν*. Schol. (*πόθεν ἂν κύαθον λάβοιμι τοῖς ὑπωπίοις* Cobet.).

545. *τίλλονθ' ἑαυτὸν*] Cf. Ach. 31. *παρατίλλομαι*.

547. *κατέπαρδεν —*] Cf. Pl. 618. *τῶν χειροτεχνῶν — καταπαρδεῖν*. Vesp. 618. Epicrat. III. 370. *κατέπαρδ' αὐτῶν ὡς ληρούντων*.

549. *δορυξὸν*] Cf. *λαοξόος* (Phot.).

551. *ἄνειπε τοὺς γεωργοὺς ἀπιέναι*] Cf. Av. 448. Eupol. 341. *καὶ τοὺς περιπόλους ἀπιέν' εἰς τὰ φρούρια*.

554. *ἅπαντα — μεστὰ —*] Cf. ad Th. 702. Philyll. com. II. 858. *πάντα γὰρ ἦν μέστ'* (*μετ'* libri) *ἀνδρῶν*. Lucian. Fug. 16. *ἐμπέπλησται πᾶσα ἡ πόλις τῆς τοιαύτης ῥᾳδιουργίας*.

555. *χώρει πρὸς ἔργον*] Cf. Ran. 833. *χωρεῖ πρὸς ἔργον*. Soph. Aj. 116. *χωρῶ πρὸς ἔργον*. *παιωνίσας*] Cf. Xen. An. VI. 5. 29. *παιανίσαντες οὖν εὐθὺς ἐπέκειντο*.

557. *ἀσμενός σ' ἰδὼν*] Cf. Eur. Ion. 1437. *ἀσμενός σ' ἰδὼν* etc. Iph. A. 644. *ἀσμενός σ' ἰδών*. 640. *ἐσεῖδόν σ' ἀσμένη πολλῷ χρόνῳ*. Herc. 524. Bacch. 609. Tro. 21. Xen. Anab. VI. 3. 24. *ἀσμενοί τε εἶδον ἀλλήλους* etc. Lys. I. 12. *προσειπεῖν — τὰς ἀμπέλους*] Cf. 882. 891. Ach. 883. *δός μοι προσειπεῖν — τὰς ἐγχέλεις*. 891. *προσείπατ' αὐτήν*.

559. *πολλοστῷ χρόνῳ*] Post longissimum tempus. Cf. Dem. p. 761, 21. *τὰ τούτων πολλοστῷ χρόνῳ μόλις ἄκοντας — κατατιθέναι*. p. 1304, 9. *ἐσώθη δεῦρο πολλοστῷ χρόνῳ*. Cratin. jun. 9, 1. *πολλοστῷ δ' ἔτει | ἐκ τῶν πολεμίων οἴκαδ' ἥκων* etc. Men. 329. *πολλοστῷ χρόνῳ ὁρῶ σε*. Theocr. XXV. 56. *εἰλήλουθεν — ἤμασι πολλοῖς | κτῆσιν ἐποψόμενος*. Cf. Lys. XIV. 46. *οὐδὲ πολλοστὸν μέρος εἴρηκα τῶν τούτοις ὑπαρχόντων*. Isocr. 95 B. *πολλοστὸς*

ὢν τῶν Συρακοσίων (i. e. unus e multis). Πολλοστημόριος est Thuc. VI. 86. Arist. Pol. V. 8. 10. etc. Qu. πολλῷ τῷ χρόνῳ, aut πολλοῦ διὰ χρόνου. Lucian. 8, 1. οὐδὲ πολλοστημόριον τοῦτο ὢν σε δεῖ παθεῖν. Contra Soph. Ant. 625. πράσσει δ' ὀλιγοστὸν χρόνον ἐκτὸς ἄτας.

562. λιταργιοῦμεν] Cf. Phot. p. 227, 10. Λιταργίζειν: τρέχειν. 12. Λιταργιοῦμεν: ὀξυνοῦμεν.

563. χρηστὸν — ταρίχιον] Contra Ach. 1101. θρῖον ταρίχους — σαπροῦ.

565. πανδαισία] Herod. V. 20. πανδαισίη τελέη. Confer παμπησία, Eccl. 868.

566. Cf. Alex. 119, 4. ὃν (κρατῆρα) — τρίψας, ποιήσας λαμπρὸν, etc. Eubul. 96. Ἑρμῆς ὁ λίθινος (marmoreus), ὃν προσεύγμασιν (?) | ἐν τῷ κυλικείῳ λαμπρὸν ἐκτετριμμένον. Sic Pelybius τὰς πανοπλίας ἐκτρίβειν dixit. Eur. Ion. 80. ὡς πρὸ ναοῦ (προνάου?) λαμπρὰ θῆ πυλώματα. Xen. Lac. 8. καὶ ὅπλα δὲ λαμπρύνεσθαι προαγορεύεται.

568. Cf. Herod. I. 16. ἀπὸ τούτων οὐκ ὡς ἤθελε ἀπήλλαξε. Aesch. III. 158. οὐδεὶς καλῶς ἀπήλλαξε. Dem. XVIII. 65. χεῖρον ἀπηλλάχασιν. Aesch. in Ctes. § 158. οὐδεὶς πώποτε καλῶς ἀπήλλαξε Δημοσθένει συμβούλῳ χρησάμενος. Xen. Mem. I. 7. 3. δῆλον γὰρ ὅτι — αἰσχρῶς τε καὶ κακῶς ἀπαλλάξειεν (ἄν). Aesch. Ag. 1289. οὕτως ἀπαλλάσσουσιν. Plat. Resp. II. § 8. πείθοντες αὐτοὺς ἀζήμιοι ἀπαλλάξομεν. Herod. VIII. 68. ἀπήλλαξαν οὕτω ὡς κείνους ἔπρεπε. μετόρχιον] Cf. Fr. 120 K. Poll. VII. 145.

570. γηδίῳ] Cf. Pac. 570. Fr. 344, 2.

574. παλασίων] Cf. Poll. VI. 81. καὶ παλάσια, ἃ καὶ Κρατῖνος ἰσχάδα κοπτὴν καλεῖ. Lucian. Pisc. 41. παλάθην ἰσχάδων. Παλάθη est σύκων μᾶζα. V. Herod. IV. 23. 5. τῆς τρυγὸς παλάθας συντιθέασι.

582. Cf. Soph. Tr. 18. ἀσμένῃ δέ μοι | ὁ κλεινὸς ἦλθε Ζηνὸς — παῖς. Plut. Lucull. 30. ἦν δ' ἀσμένῳ ταῦτα τῷ Λουκούλλῳ.

589. Cf. Pl. 526. ὀδυνηρότατον τρίψεις βίοτον. Eubul. 68, 2. νῆστιν πονήρου κεστρέως τρίβων βίον. Diocl. com. 14, 4. μηδ' ἀγόμφιόν ποτε | αἰῶνα τρίψει. Eupol. II. 440. ἀσεβῶν βίον — ἔτριβες. Soph. El. 602. δυστυχῆ τρίβει βίον. O. R. 248. Eur. Her. 86.

591. πολλὰ — ἐπάσχομεν — γλυκέα] Cf. 696. Eq. 187. ὅσον πέπονθας ἀγαθὸν ἐς τὰ πράγματα.

595. Cf. Eq. 806. ἢν — χῖδρα φαγὼν ἀναθαρρήσῃ. Fr. 548. χιδρίαν.

600. προσγελάσεται] Cf. Eubul. 109, 1. προσγελῶσά τε | λοπὰς παφλάζει βαρβάρῳ λαλήματι. Diph. 33, 5. ὅμως δὲ τούτων εἴ με προσγελάσειέ τις. Herod. V. 92. 14. τῷ λαβόντι — προσεγέλασε τὸ παιδίον.

603—647. Cum his conferenda est ejusdem argumenti ῥῆσις in Ach. 496—556.

603. Cf. Lucilium apud Serv. ad Aen. X. 104. 'Accipite ergo animis atque haec mea figite dicta.'

605. Cf. Pher. II. 326. ἐμοὶ γὰρ ἦρξε τῶν κακῶν Μελανιππίδης. Hom. Od. 8, 81. τότε γάρ ῥα κυλίνδετο πήματος ἀρχὴ | Τρωσί etc. Il. 5, 62. νῆας ἀρχεκάκους. Aesch. Agam. 1192. πρώταρχον ἄτην. Cho. 1068. παιδόβοροι μὲν πρῶτον ὑπῆρξαν | μόχθοι. Eur. Andr. 274. ἦ μεγάλων ἀχέων ἄρ' ὑπῆρξεν etc. Eur. Fr. 832, 5. τιμωρίαν ἔτισεν ὧν ἦρξεν κακῶν. Soph. Tr. 871. ὡς ἄρ' ἡμὶν οὐ σμικρῶν κακῶν | ἦρξεν τὸ δῶρον —. Eur. Ph. 1581. πολλῶν ὑπῆρξεν Οἰδίπου δόμοις κακῶν | τόδ' ἦμαρ. Eur. Med. 1372. ἦρξε πημονῆς. Valde dubia est correctio ἄτης, quum nusquam in comoedia occurrat id vocabulum. Adjectivi ἀτηρός unum est exemplum, Vesp. 1299. De Phidiae infortunio fere nihil cognitum habemus, et quomodo id ad bellum excitandum contulerit non liquet. Consociatio ejus cum Pericle potuisset profecto id facere, sed illa causa separatim memoratur (εἶτα).

608. Connecte αὐτὸς cum παθεῖν, non cum ἐξέφλεξε.

611. τούς τ' ἐκεῖ] I. e. Peloponnesios, opinor, et praecipue Laconas.

612. ὡς δ' ἅπαξ] Cf. Antiph. 205, 1. ὡς ἅπαξ τις ζεῦγος ἤγαγεν. ἐψόφησεν ἄμπελος] Sc. ἀφθεῖσα. Cf. Ach. 986 sq.

616. ἠκηκόη] Cf. Vesp. 800. Plat. Crat. 384. (ubi vulgo ἀκηκόη). et ad Pl. 744.

618. ἔχουσα — ἐλάνθανες] Cf· Ach. 990.

620. Cf. Theocr. V. 116. καὶ τὺ σεσαρὼς | εὖ ποτεκιγκλίσδευ. Vesp. 896. 622. 623. Cf. Eur. Suppl. 491. 492.

623. Cf. Herod. I. 187. ἄπληστός τε χρημάτων καὶ αἰσχροκερδίας. Theogn. 608. αἰσχρὸν δὴ κέρδος καὶ κακὸν ἀμφότερον. Eur. Andr. 452. Plut. Alex. I. p. 442 A. et p. 1446 E.

627. κράδας] Ficus. Anglice fig-trees. Cf. Av. 40. ἐπὶ τῶν κραδῶν. Eur. Fr. 680. κράδαις ἐριναῖς.

629. ἐξέκοψαν] Cf. Herod. VI. 37. 3. πίτυς — ἐκκοπεῖσα βλαστὸν οὐδένα μετίει ἀλλὰ πανώλεθρος ἐξαπόλλυται Thuc. VI..99. τάς τε ἐλάας ἐκκόπτοντες.

628. κορώνεων] Aliae ficuum species erant φιβάλεως, δαμαρίππεως, χελιδόνεως, κοράκεως.

631. ἐξμέδιμνον] Cf. ἔξπους, ἔξκλινος, ἐξπηχυστὶ (Soph. Fr. 876.), quae Attica esse docet Etym. M. p. 346, 15.

632. οὐργάτης λεὼς] Cf. Ach. 161. ὁ θρανίτης λεώς.

633. πωλούμενος — οὐκ ἐμάνθανον] Cf Ach. 374. κἀνταῦθα λανθάνουσ' ἀπεμπολώμενοι.

634. γιγάρτων] Acinorum. Hinc comice fictum verbum καταγιγαρτίζειν Ach. 275.

637. *δίκροις*] I. e. *ὥσπερ δίκροις*. Cf. Timocl. 9, 6. *τὸν παραμασήτην λαμβάνειν δίκρουν ξύλον*. Plat. Tim. 78 B. *θάτερον — διέπλεξε δίκρουν*. Lucian. Timon. 12. *μόνον οὐχὶ δικράνοις με ἐξεώθει τῆς οἰκίας*. Hor. Epist. I. 10. 24. Forma *δίκρος* est Aesch. Fr. 52. *δίκρα ὄψις*. Apoll. Rh. IV. 1613. Scribendum videtur *δικρός*, ut *δορυξός* (pro *δορυξόος*). V. Lob. Phryn. p. 233. *κεκράγμασι*] *κεκραγμός* est Eur. Iph. A. 1357. Plut. Mor. 654 C.

638 sq. Cf. Thuc. IV. 41. 4. *πολλάκις φοιτώντων αὐτοὺς —*.

639. *ἔσειον*] Cf. Eq. 840. Fr. 20 D. Teleclid. Fr. 4. Antiph. VI. 43. *ἑτέρους τῶν ὑπευθύνων ἔσειε καὶ ἐσυκοφάντει*. *παχεῖς*] Cf. Eq. 1139.

640. *φρονοῖ τὰ Βρασίδα*] Cf. Eq. 1216. *αὕτη μὲν ἡ κίστη τὰ τοῦ δήμου φρονεῖ*. *φρονεῖ*] De uno aliquo nunc agitur. Cf. ad Vesp. 554. Cum *φρονοῖ* cf. *ποιοῖς* Eq. 1131.

641. *τοῦτον — ἐσπαράττετε*] Cf. Ach. 688. *ἄνδρα Τιθωνὸν σπαράττων καὶ ταράττων καὶ κυκῶν*.

642. *ὠχριῶσα*] Sc. prae metu. Cf. Lys. 1140. Ran. 307. Lucian. Anach. 33. *ὠχροὶ ἅπαντες αὐτίκα γένοιντ' ἂν ὑπὸ τοῦ δέους μεταβαφέντες*.

645. Cf. Pl. 379. Cratin. II. 119. *εἰ μὴ γὰρ ἐπιβύσει τις αὐτοῦ τὸ στόμα*, etc. Herod. VI. 125. *τοῦ τὸ στόμα ἐβέβυστο* (*χρυσῷ*). Eq. 435. Forma *διαβυνέειν* legitur Herod. IV. 71. II. 96. *διαβύειν* apud Hippocratem.

654. *κυκήθρον καὶ τάρακτρον*] Cf. *λάληθρον* (Bekk. Anecd. 50, 6. Com. adesp. 1069.), *κίνηθρον* (schol. Odyss.), *λείβηθρον*, *ἐνουρήθρα* (Soph. Fr. 444.), *ἀλινδήθρα*, *κυκήθρα* (*ταραχή*). Phot. p. 184, 17. Ad rem cf. Eq. 257. *τάραττε καὶ κύκα*. 692. *ταράττων καὶ κυκῶν*. Ach. 688. *ταράττων καὶ κυκῶν*. Pac. 320. *κυκάτω — πάντα καὶ ταραττέτω*. Aesch. Prom. 994. *κυκάτω πάντα καὶ ταραττέτω*. Cratin. min. III. 376. Etiam *δοῖδυξ καὶ τορύνη* dicitur Cleon Eq. 984. Similiter sycophanta *κρατὴρ κακῶν*, *τριπτὴρ δικῶν*, et *κύλιξ τὰ πράγματ' ἐγκυκᾶσθαι* dicitur Ach. 936.

658. *ἀλλ' οὐκ ἂν εἴποι πρός γε τοὺς θεωμένους*] Cf. Ran. 794.

659. *ὀργὴν — ἔχει*] Cf. Herod. VIII. 29. *τουτέων δή σφι ἀμφοτέρων ἔχοντες ἔγκοτον*. Dem. p. 682. *τούτων πολὺ μᾶλλον ὀργίζεσθαι προσήκει*. Similiter Vesp. 244. *κολωμένους ὧν ἠδίκησεν*.

660. *ἡ δ' ἀλλὰ —*] Cf. ad Ach. 191. *σὺ δ' ἀλλὰ τασδὶ τὰς δεκέτεις γεῦσαι λαβών*. *σμικρὸν εἰπάτω*] Contra Vesp. 963. *λέξον μέγα* (dic alta voce).

661. Cf. Ach. 446. *Τηλέφῳ δ' ἀγὼ φρονῶ*. Pl. 577. *φρονοῦντας ἄριστα | αὐτοῖς*. Nub. 1411. Soph. El. 334. *οἷ' αὐτοῖς φρονῶ*.

662. Cf. Eq. 1372. *τοῦτ' ἔδακε τὸν πόρπακα τοῦ Κλεωνύμου*.

663. *εἶεν· ἀκούω*] Cf. Eq. 1237. Aesch. Cho. 657.

667. *ἀποχειροτονηθῆναι*] Se repudiatam esse. Cf. Dem. p. 678, 1. *ἀπεχειροτονήσατε καὶ ταύτας πάλιν τὰς συνθήκας*. 676, 10.

668. *ἡμάρτομεν ταῦτ'*] Cf. Vesp. 514. Nub. 589. 593.

669. *ἐν τοῖς σκύτεσιν*] Cf. Vesp. 643. *σκύτη βλέπειν*. Dem. p. 572. *σκῦτος ἔχων ἐπόμπευε*. Eupol. 282. *ἀτεχνῶς μὲν οὖν τὸ λεγόμενον σκύτη βλέπει*. Alex. 277, 4. *ὁ νοῦς γάρ ἐστι τῆς τραπέζης πλησίον*. Schol. *παροιμία ἐστί* Headlam.

671. *κακόνους*] Cf. Dem. XXIII. 169. *οἱ κακόνοι καὶ φενακίζοντες ὑμᾶς*. Cf. *σοφόνους* (Lucian.).

672. *ἔσπευδεν εἶναι μὴ μάχας*] Cf. Soph. O. R. 1417. *ἵν' ἔλθῃς μὴ μάτην*. Phil. 653. *ὡς λίπω μή τῳ λαβεῖν*. 332. Oed. C. 1737. 1365.

675. *πλήν γ' ὅτι*] Cf. Th. 240. *ἐμοὶ μελήσει νὴ Δία πλήν γ' ὅτι κάομαι*. Ran. 1466.

678. *ἀποβολιμαῖος*] Formatum ut *ὑποβολιμαῖος*.

682. *τοῦ λίθου*] Ita *κατ' ἐξοχὴν* dicebatur *τὸ βῆμα* in concione. Cf. Ach. 683. Eccl. 87. Eq. 956. Th. 528.

683. Cf. Soph. O. R. 326. *μὴ — φρονῶν μ' ἀποστραφῇς*.

684. Cf. Xen. Hell. VII. 5. 2. *ἐπεγράφοντο ὡς Θηβαῖοι*. Ach. 1095. Soph. O. R. 411. *ὥστ' οὐ Κρέοντος προστάτου 'πιγράψομαι* (*γεγράψομαι* mss.). Lucian. 68, 11. *αὐτὸν — προστάτην ἐπέγραφον* (l. *ἐπεγράφοντο*). 69, 16. *τῶν — Κράτητα ἐπιγραφομένων*.

692. *βουλεύσομεν*] Pro *βουλευσόμεθα*, ut saepissime apud tragicos, haud raro etiam apud comicos. Cf. Av. 638. Eccl. 505.

697. De Simonidis avaritia agitur Athen. XIV. 656 C.

698. *γέρων ὢν καὶ σαπρός*] Cf. Th. 1025. *γραῖαν — σαπράν*. Eccl. 884. 926. 1098.

699. *κέρδους ἕκατι —*] Vox rara in comoedia. Cf. Lys. 306. *θεῶν ἕκατι*. Telecl. II. 371. Eur. Fr. 401. *θεοῦ θέλοντος κἂν ἐπὶ ῥιπὸς πλέοις*. Men. Fr. 570, 2. *κέρδους δ' ἕκατι καὶ τὸ συγγενὲς νοσεῖ*. Monost. 671. Lucian. T. I. p. 768. *ἐπὶ ῥιπὸς, ὡς ἡ παροιμία φησί, τὸν Αἰγαῖον ἢ τὸν Ἰόνιον διαπλεῦσαι θέλοντας*. "Parodia versus, *θεοῦ θέλοντος κἂν ἐπὶ ῥιπὸς πλέοι*. Quis primus hunc versum scripserit non liquet. Idem fere Euripides fr. 401." (Bakh.)

700. *ἀπέθανεν*] Hoc fortasse non ad litteram accipiendum. Cf. Ach. 15. *τήτες δ' ἀπέθανον καὶ διεστράφην ἰδὼν | ὅτε δὴ* etc.

701. *οἱ Λάκωνες ἐνέβαλον*] Haec non de aliqua Laconum in Atticam irruptione accipienda esse cum Cobeto (Obs. crit. 87 sq.) contendit Kock, sed de Laconibus fabula Platoni vulgo attributa, in qua ebrii et turbulenti convivae inducti sunt et fortasse in proscenium irruerunt. Vide etiam Bergk. Rel. Com. Att. 187.

702. *οὐ γὰρ ἐξηνέσχετο ἰδὼν —*] Cf. Th. 593. Soph. Ph. 411. Epigr. in Anthol. p. 83. ed. Steph. *οἶνός τοι χαρίεντι ταχὺς πέλει ἵππος ἀοιδῷ, | ὕδωρ δὲ πίνων καλὸν ἂν οὐ τέκοις ἔπος. | Ταῦτ' ἔλεγεν, Διόνυσε, καὶ ἔπνεεν οὐχ ἑνὸς ἀσκοῦ | Κρατῖνος, ἀλλὰ παντὸς ὠδωδὼς πίθου*.

704. Cf. Nub. 1368. *πῶς οἴεσθέ μου τὴν καρδίαν ὀρεχθεῖν;*

708. *βότρυς*] Cf. Fr. 309, 10. 476, 1.

709. *δός μοι κύσαι*] Cf. Lys. 923. *δός μοί νυν κύσαι.* Ach. 882. *δός μοι προσειπεῖν.*

711. *τῆς Ὀπώρας κατελάσας*] Cf. Eccl. 1082. Respicit Aelianus Epist. 7. *τῆς Ὀπώρας οὖν καταγελάσας* (*κατελάσας* recte Cobet.) *τί ἀδικῶ;*

712. *κυκεῶνα*] Cf. Hippocrat. Fr. 42. *ὡς ἂν ἀλφίτων ποιήσωμαι | κυκεῶνα.* *ἐπιπίοις*] Cf. Pl. 1133. *ταύτην ἐπιπιὼν ἀποτρέχων οὐκ ἂν φθάνοις.* Eq. 354. Philem. com. IV. 29. *εἷς ἄρτος, ὄψον ἰσχὰς, ἐπιπιεῖν ὕδωρ.* *βληχωνίαν*] Inest ambiguitas.

715. Cf. Eq. 186. Vesp. 1292. 1512. Av. 1423.

716. Cf. Vesp. 243. *ἥκειν ἔχοντας ἡμερῶν ὀργὴν τριῶν πονηράν.*

717. *χόλικας ἑφθὰς καὶ κρέα*] Cf. Eq. 1179. *ἑφθὸν ἐκ ζωμοῦ κρέας | καὶ χόλικας* (*χόλικος* libri) etc. Ran. 576. *τὰς χόλικας.* *κρέα*] Sc. *ἑφθά.* Cf. Eq. 1178. *ἑφθὸν ἐκ ζωμοῦ κρέας.*

722. Cf. Eur. Fr. 70, 2. *ὅθ' ἅρματ' εἰσέβαινεν εἰς Θήβας ἰών.*

724. *Γανυμήδους*] Cf. Eur. Cycl. 586. *ἐγὼ γὰρ ὁ Διός εἰμι Γανυμήδης, Κύκλωψ.* *ἀμβροσίαν σιτήσεται*] Cf. Herod. III. 22. *σιτεόμενοι κόπρον.*

729. *ἀλλ' ἴθι χαίρων*] Cf. Eq. 498. 548. Nub. 510. *τάδε τὰ σκεύη παραδόντες τοῖς ἀκολούθοις*] Cf. Theophr. Char. XXI. *καὶ πομπεύσας δὲ μετὰ τῶν ἱππέων τὰ μὲν ἄλλα πάντα ἀποδοῦναι* (*δοῦναι* Vat. lege *παραδοῦναι*) *τῷ παιδὶ ἀπενεγκεῖν οἴκαδε, ἀναβαλόμενος δὲ θοἰμάτιον εἰς* (*κατὰ* Vat.) *τὴν ἀγορὰν περιπατεῖν.*

731. *περὶ τὰς σκηνὰς — κυπτάζειν*] Cf. Nub. 509. *κυπτάζεις — περὶ τὴν θύραν.* Lys. 17. *περὶ τὸν ἄνδρ' ἐκύπτασεν.*

733. Cf. Ran. 897. *λόγων δαΐαν — ὁδόν.* Notandus inter tetrametros anapaesticos tetrameter trochaicus interpositus. Similiter in Margitae initio senarium iambicum hexametris intermixtum reperimus, *φίλης ἔχων ἐν χερσὶν εὔφθογγον λύρην.* et trimetrum iambicum tetrametris iambicis Nub. 1415. Schol. *ἐν τῇ* (del. *τῇ*) *Πυλαίᾳ.*

734 sq. Nihilominus ipse se laudat Aristophanes in omnium quinque primarum fabularum parabasibus.

735. *αὐτὸν ἐπῄνει πρὸς τὸ θέατρον παραβὰς*] Cf. Th. 785. *ἡμεῖς τοίνυν ἡμᾶς εὖ λέξωμεν παραβᾶσαι.* *πρὸς τὸ θέατρον παραβὰς*] Cf. Ach. 629. Eq. 508. *πρὸς τὸ θέατρον παραβῆναι.*

737. *κωμῳδοδιδάσκαλος*] Cf. Eq. 516. *κωμῳδοδιδασκαλίαν.* Th. 88. *τραγῳδοδιδάσκαλος.*

739 sq. *πρῶτον μὲν γὰρ —*] Haec ad primas ejus comoedias spectant.

740. *εἰς τὰ ῥάκια σκώπτοντας*] Cf. Dem. p. 308. *αὐτὸν εἰς μαλακίαν σκώπτων.* et ad Eq. 90.

746. Construe *εἰσέβαλεν εἰς τὰς πλευράς σοι* (*σου*?).

747. *κἀδενδροτόμησε*] Cf. v. *δενδροκοπεῖν*.

748. *τοιαῦτ' ἀφελὼν* —] Cf. ad Ran. 941. *βάρος ἀφεῖλον*. Aeschin. 3, 101. *ἀφελὼν τὸν κόμπον — καὶ τὴν ἀλαζονείαν*. *κακά*] Convicia. Sub. *ἔπη*. *φόρτον*] Cf. Pl. 796. et ad Nub. 524. *βωμολοχεύματ'*] Cf. Ran. 358. *ἢ βωμολόχοις ἔπεσιν χαίρει μὴ 'ν καιρῷ τοῦτο ποιούντων* (*ποιοῦσιν* libri). *ἀγεννῆ*] Ignobilia. Cf. Herod. I. 134. V. 6. et saepe apud Platonem.

749. Similiter de se gloriatur Aeschylus apud Pher. II. 289. *ὅστις γ' αὐτοῖς παρέδωκα τέχνην μεγάλην ἐξοικοδομήσας*. Cf. Mimnerm. Fr. 2. *πυργοῦντες αὐτούς*.

750. *ἔπεσιν μεγάλοις καὶ διανοίαις*] Cf. Ran. 1059. *μεγάλων γνωμῶν καὶ διανοιῶν*. 1530. *μεγάλων ἀγαθῶν ἀγαθὰς ἐπινοίας* (*διανοίας*?). *σκώμμασιν οὐκ ἀγοραίοις*] Cf. Fr. 397. *χρῶμαι γὰρ αὐτοῦ* (Euripidis) *τοῦ στόματος τῷ στρογγύλῳ*, | *τοὺς νοῦς δ' ἀγοραίους ἧττον ἢ 'κεῖνος ποιῶ*.

751. *ἀνθρωπίσκους*] Homunciones. Eadem forma est Eur. Cycl. 315. Plat. Resp. 495 C. Alia forma *ἀνθρωπάριον* est Pl. 416.

753. *διαβὰς βυρσῶν ὀσμὰς δεινὰς*] Cf. Eq. 892. *βύρσης κάκιστον ὄζων*. Vesp. 38. 1029.

754. *τῷ καρχαρόδοντι*] Cleoni. Cf. Eq. 1017. Vesp. 1031.

756. *οἰμωξομένων*] Cf. Vesp. 1033. Dem. p. 938. *πονηροῦ γὰρ ταῦτ' ἐστὶ σοφιστοῦ καὶ οἰμωξομένου*.

759. *τοιοῦτον ἰδὼν τέρας*] Cf. Vesp. 25. *ἰδόντι τοιοῦτον* (*τοιόνδ'*?) *ἐνύπνιον*.

760. *τῶν ἄλλων νήσων*] Cf. Nub. 417. *τῶν ἄλλων ἀνοήτων*.

764. *πόλλ' εὐφράνας*] Cf. Com. adesp. IV. 650. *εὐφράνας ἡμᾶς ἀπόπεμπ'* (*ὑμᾶς ἀπέπεμπ'* Mein.) *οἴκαδ' ἄλλον ἄλλοσε*. Schol. *ἐξελκομένων* (*ἐξοκελλόντων* recte Headlam).

771. *τῷ φαλακρῷ*] Non ipse Comicus dicitur, sed quilibet homo calvus.

774. *λαμπρὸν — μέτωπον*] Cf. Theocr. XX. 24. *καὶ λευκὸν τὸ μέτωπον ἐπ' ὀφρύσι λάμπε μελαίναις*.

778. *κλείουσα* —] Cf. Eur. Alc. 447. *πολλά σε — κλέοντες ὕμνοις*.

780. *θαλίας μακάρων*] Cf. Nub. 307. *πρόσοδοι μακάρων*. 308. *θεῶν θυσίαι θαλίαι τε*.

788. *οἰκογενεῖς*] Scriptor vitae Euripidis, *εἶχεν οἰκογενὲς μειράκιον ὀνόματι Κηφισοφῶντα*.

790. *ναννοφυεῖς*] *ναννώδης* est Aristot. Part. Anim. IV. 10. 10. *σφυράδων*] Proprie *σφυρὰς αἰγῶν* excrementum est, ut *ἵππων κόπρος, βοῶν βόλιτος, ὄνων ὀνὶς* et *ὄνθος, χοίρων ὑσπέλεθος, προβάτων οἰσπώτη*. V. Poll. V. 91. Eupol. 284. *τί γάρ ἐστ' ἐκεῖνος; ἀποπάτημ' ἀλώπεκος*. Men. 430, 1. *ὁ μυόχοδος γέρων*. *ἀποκνίσματα*] Cf. Sotad. 1, 23. *τούτων ἀποκνίσας τὰ κρανία*.

800. ἠρινὰ] Cf. Eur. Fr. 318, 3. γῆ τ' ἠρινὸν θάλλουσα. Meleag. Anth. P. VII. 188. ὀρθρινὰ παίζων | ἀστραγάλοις.

802. κελαδῇ] Cf. Ran. 683.

804. Μελάνθιος] Cf. 1009. Av. 151. Idem nomen est Hom. Od. 17, 369. etc. Theocr. V. 150. Melanthii tragici poetae unum tantum exstat fragmentum apud Plut. Mor. p. 453 F.

805. γηρύσαντος] Non alibi apud comicos legitur γηρύειν. Γῆρυς est Av. 234. (in mel.) et Γηρυτάδης comoediae Aristophaneae titulus est.

807. τραγῳδῶν — χορὸν] Cf. Av. 787.

808. Schol. προείρηται καὶ (προείρηται. καὶ Mein.) —.

810. ὀψοφάγοι] ὀψοφαγεῖν est Nub. 983. βατιδοσκόποι] Cf. Eupol. 161. παρὰ τῷδε πολλὴ θυμηδία, | ἵνα πάρα μὲν κάραβοι καὶ βατίδες καὶ λαγῴ. Ubi loquuntur parasiti.

813. τραγομάσχαλοι] Cf. Ach. 852. ὄζων κακὸν τῶν μασχαλῶν, πατρὸς Τραγασαίου.

814. ἰχθυολῦμαι] Cf. v. δικολύμης (Com. adesp. 859. δικολύμης ἄνθρωπος), et παιδολύμης.

815. καταχρεμψαμένη — πλατὺ] Cf. Lucian. Catapl. 12. πλατὺ χρεμψάμενος καὶ καταπτύσας μου.

817. ξύμπαιζε τὴν ἑορτήν] Cf. Ran. 411. συμπαιστρίας.

821. ᾖστε] Legitur haec forma etiam Eccl. 1086.

823. πολύ τι] Cf. Vesp. 1280.

824. ὡς ἐγὼ 'πυθόμην τινός] Cf. Aesch. Ag. 599. ἄνακτος αὐτοῦ πάντα πεύσομαι λόγον. Isae. VI. 48. ἑτέρων πυθόμεναι.

831. Cf. Av. 1389. ἀέριά τινα καὶ σκότια καὶ κυαναυγέα. 1085. ἀεροδονήτους — ἀναβολάς. Nub. 337. εἶτ' ἀερίας διεράς (νεφέλας). Ibid. γαμψούς (τ') οἰωνοὺς ἀερονηχεῖς. Eur. Ph. 1530. ἀέριον σκότον ὄμμασι σοῖσι βαλών. Lucian. 38, 42. καὶ τῶν Νεφέλης παίδων ἐπὶ τοῦ κριοῦ τὴν διαέριον φυγήν. Lucian. Icar. 1. μετέωρα καὶ διαέρια δοκῶ σοι λέγειν. "Plat. Cratyl. p. 409 C., ubi ridicule fictum σελαενονεοάεια vocatur διθυραμβῶδες ὄνομα." (Kock) Qu. ταναοδιαεριοπερινηχέτους —.

835. Χῖος] Contractum ex Χί-ιος, unde prioris syllabae productio. Cf. ad Ran. 970. Eccl. 1139. Fr. 448.

836. τὸν ἀοῖον] Cf. Eur. Fr. 490, 2. οὔθ' ἕσπερος οὔθ' ἑῷος οὕτω | θαυμαστός. Fr. 999. ἑῷος ἡνίχ' ἱππότης ἐξέλαμψεν ἀστήρ. Theocr. XXV. 139. ὅν ῥα βοτῆρες | ἀστέρι πάντες ἔϊσκον etc.

844. στόρνυ] Herod. VII. 54. μυρσίνῃσι στορνύντες τὴν ὁδόν.

847. Cf. Eq. 1392. πῶς ἔλαβες αὐτὰς ἐτεόν;

848. Cf. 1217. Alex. III. 389. ἔδωκα ταύτης δύ' ὀβολούς (ὀβολώ?). Theocr. I. 58. τῷ μὲν ἐγὼ πορθμεῖ Καλυδωνίῳ αἶγά τ' ἔδωκα etc.

849. Occupatio inhonesta Athenis habebatur πορνοβοσκεῖν. V. Theophr. Char. 6.

850. Cf. Theogn. 1155. *ἀλλά μοι εἴη | ζῆν ἀπὸ τῶν ὀλίγων μηδὲν ἔχοντι κακόν.* Herod. I. 216. 5. *ἀπὸ κτηνέων ζώουσι καὶ ἰχθύων.* II. 36. *ζώουσι ἀπὸ πυρέων.* I. 203. *ἀπ' ὕλης ἀγρίης ζώοντα.* II. 92. 10. *ζῶσι ἀπὸ τῶν ἰχθύων μούνων.* IV. 22. 2. *ἀπὸ θήρης ζώοντες.* IV. 23. 2. *ζῶντες ἀπὸ δενδρέων.* IV. 46. 5. *ζώοντες μὴ ἀπ' ἀρότου,* etc. IV. 103. 4. *ζώουσι δὲ ἀπὸ ληΐης τε καὶ πολέμου.* V. 6. *ζῆν ἀπὸ πολέμου καὶ ληϊστύος.*

851. *δῶ καταφαγεῖν ταύτῃ τι;*] Cf. Eq. 706. *φέρε τί σοι δῶ καταφαγεῖν;*

856. *εὐδαιμονικῶς — πράττει*] Cf. Pl. 802. *πράττειν — εὐδαιμόνως.*

859. Cf. 916. 863. Ach. 1011. Nub. 154. 769. Lys. 399.

862. *μύρῳ κατάλειπτος*] Cf. Eq. 1382. *σμύρνῃ κατάλειπτος.*

864. *στροβίλων*] Cf. ad Vesp. 1529.

868. Cf. Phryn. com. 9. *ἀνὴρ χορεύει καὶ τὰ τοῦ θεοῦ καλά.* Men. IV. 162. *τὰ τῆς θεοῦ γὰρ πανταχῶς ἔχειν καλά.* Eur. Iph. T. 467. *τὰ τῆς θεοῦ μὲν πρῶτον ὡς ἕξει καλῶς | φροντιστέον μοι.*

872. *ἀνύσαντε — τι*] Cf. Vesp. 1158. *τασδὶ δ' ἀνύσας ὑποδοῦ τι —.*

874. *Βραυρῶνάδ'*] Cf. Diphil. IV. 388. *ὦ τόνδ' ἐποπτεύουσα καὶ κεκτημένη | Βραυρῶνος ἱεροῦ θεοφιλέστατον τόπον | Λητοῦς Διός τε τοξόδαμνε παρθένε.* Festum *Βραυρώνια* memoratur Lys. 645. Herod. VI. 138., *πεντετηρὶς Βραυρωνία* Arist. Resp. Athen. c. 54. *ὑποπεπωκότες*] Cf. Av. 494. Lys. 395. Fr. 493 Bl. Apollod. IV. 442. *ἱλαρούς, παίζοντας, ὑποπεπωκότας, αὐλουμένους.*

876. Cf. Herod. VI. 111. *θυσίας καὶ πανηγύριας τὰς ἐν τῇσι πεντετηρίσι γινομένας.*

879. *τί περιγράφεις;*] Cf. Eupol. 250, 1. *οὔκουν περιγράψεις ὅσον ἐναριστᾶν κύκλον; | ΔΙ. τί δ' ἐστίν; εἰς ὥμιλλαν ἀριστήσομεν;* Herod. VIII. 137. *περιγράφει τῇ μαχαίρῃ ἐς τὸ ἔδαφος τοῦ οἴκου τὸν ἥλιον.* *τὸ δεῖν'*] Cf. Vesp. 524. *εἰπέ μοι, τί δ', ἢν τὸ δεῖνα, τῇ διαίτῃ μὴ 'μμένῃς;*

880. *σκηνὴν —*] Cf. Eccl. 22. 86. Comici fabula fuit *Σκηνὰς καταλαμβάνουσαι.* Schol. *πρόπαλαι* (*πρῳ πάνυ*?).

883. Schol. *λείκτης* (*ὡς λείκτης*?).

885. Cf. Ach. 1229. *καὶ πρός γ' ἄκρατον ἐγχέας ἄμυστιν ἐξέλαψας.* Plut. com. II. 657. *κυάθους ὅσους ἐκλέπτεθ'* (*ἐκλάπτεθ'* recte Cobet.) *ἑκάστοτε.* Antiph. 44, 4. *ἀπόλαπτε τοῦ ζωμοῦ.*

886. Cf. Eq. 155.

890. *ἀνάρρυσιν*] Cf. Eupol. 395. *ἀναρρύει* (i. e. *θύει καὶ σφάττει*).

893. Cf. Eupol. 224. *ἐμοὶ γὰρ οὐκ ἔστ' οὐδὲ λάσαν' ὅπου χέσω.*

896. Cf. Lucian. D. D. M. VII. 2. *τετραποδιστὶ βαδίζει.*

897. *πλαγίαν καταβάλλειν*] Angl. to throw by a side thrust? *κῦβδ' ἑστάναι*] Cf. Th. 489. *ἠρειδόμην — κῦβδ' ἐχομένη τῆς δάφνης.* *νεανικῶς παίειν*] Cf. Vesp. 1307. *κἄτυπτεν ἐμὲ νεανικῶς.*

898. ὀρύττειν] Cf. Av. 442. πὺξ] Confer γνύξ.

900. κέλης] V. Eust. 1539, 35. Hinc κελητίζειν Vesp. 501. Th. 153. Eupol. Fr. 152. ἵππον κέλητ' ἀσκοῦντα θές. παρακελητιεῖ] I. e. παραδραμεῖται.

908. Cf. Men. Fr. 309. ὅστις ὑπέχει χρυσίῳ | τὴν χεῖρα, κἂν μὴ φῇ, πονηρὰ βούλεται. Similiter ὑποτείνειν μισθοὺς Ach. 657.

909. Cf. Ach. 595. πολίτης χρηστός. Eq. 944. ἀγαθὸς πολίτης. 1304. ἄνδρα μοχθηρὸν πολίτην. Ran. 1041. ἄνδρα πολίτην. Eupol. 101. ἀνὴρ πολίτης πουλύπους ἐς (l. τις) τοὺς τρόπους. 118, 2. ἀνὴρ δ' ὅταν τις ἀγαθὸς ᾖ καὶ χρήσιμος πολίτης. Timocl. 34, 2. πολίτης ἀγαθὸς ἔσται. Plat. Prot. 319 A. ἄνδρας ἀγαθοὺς πολίτας.

913. εἴσεσθε πολλῷ μᾶλλον] Cf. Plat. Lys. 218 E. ἐγὼ μᾶλλον εἴσομαι.

916. Cf. 1351. Eq. 1388. λεπαστήν] I. e. κύλικα λεπαστήν. Cf. Theopomp. 30, 4. κώθωνα — λεπαστήν.

918 sq. Cf. Ach. 406. Δικαιόπολις καλεῖ (al. καλῶ) σε Χολλείδης ἐγώ. πολλῶν γὰρ ὑμῖν ἄξιος —] Cf. Ach. 633. φησὶν δ' εἶναι πολλῶν ἀγαθῶν ἄξιος ὑμῖν ὁ ποιητὴς | παύσας ὑμᾶς ξενικοῖσι λόγοις μὴ λίαν ἐξαπατᾶσθαι. Pl. 877. πολλοῦ — ἄξιος ἅπασι τοῖς Ἕλλησιν. Trag. adesp. 338 b. πολλοῦ σε θνητοῖς ἄξιον τίκτει πατήρ.

921. Ὑπέρβολόν τε παύσας] Cf. Eq. 330. ὅς σε παύσας. Pl. 505.

922. Schol. (ἀπήρχοντο τούτων Mein.). Ibid. (ἱδρύθη Mein.). Ibid. οὗτος (αὐτὸς Bergk. ὁ αὐτὸς?).

923. Cf. Pl. 1153. παρὰ τὴν θύραν στροφαῖον ἱδρύσασθέ με. 1191. 1197. Fr. 245. μαρτύρομαι δὲ Ζηνὸς Ἑρκείου χύτρας, | μεθ' ὧν ὁ βωμὸς οὗτος ἱδρύθη ποτέ.

924. Ἑρμείδιον] Alia forma Ἑρμάριον memoratur in Etym. M.

926. Cf. Ach. 573. ποῖ χρὴ βοηθεῖν;

928. ὑηνία] Cf. Pher. 237. Calli. 31. Alia forma est συηνία.

929. ὀΐ] Contractum Ionice ex ὀΐΐ, ut Ἶσι ex Ἰσιϊ Herod II. 59. etc. Homini Attico οἰΐ dicendum fuisset. Apud Herodotum est ὀΐων et ὄϊς (accus.) II. 42. ὄϊν et ὄϊας apud Lucianum de dea Syria c. 49. 54. 55.

935. ἀμνοὶ τοὺς τρόπους] Cf. Eq. 264. ἀμνοκῶν. Com. adesp. 1210. βίος δ' ἀπράγμων τοῖς γέρουσι συμφέρει, | μάλιστα δ' εἰ τύχοιεν ἁπλοῖ (ἀμνοὶ Kock) τοὺς τρόπους.

942. αὐτόδηλα] Anglice self-evident. Cf. ad Arist. Vesp. 463. Aesch. Sept. 948. θύρασι καὶ δή] Cf. Soph. O. C. 173. ψαύω καὶ δή. In cantilena Locrensi Athen. p. 697 C. ἡμέρα καὶ δή (καὶ ἤδη vulg.).

944. σοβαρὰ] Vehemens, concitata. Cf. Ach. 673. σοβαρὸν — μέλος.

945. Cf. Th. 723. τάχα δὲ μεταβαλοῦσ' ἐπὶ κακὸν ἑτερότροπος ἐπάγει τις τύχη. Euripidis locum παρῳδεῖν videtur Comicus, El. 1147. μετάτροποι πνέουσιν αὖραι δόμων. Cf. Aesch. Pers. 941.

946. *δαίμων φανερῶς* — *μεταβιβάζει*] Cf. Vesp. 733. *σοὶ δὲ νῦν τις θεῶν παρὼν ἐμφανῶς* (*ἐμφανὴς* vulg.) | *ξυλλαμβάνει* etc.

948. *ὀλὰς*] Cf. Hom. Il. 1, 458. *αὐτὰρ ἐπεί ῥ' εὔξαντο καὶ οὐλοχύτας προβάλοντο*, etc. Soph. Fr. 464, 3. *ἐνῆν δὲ παγκάρπεια συμμιγὴς ὀλαῖς*. Theophr. Char. 10. *μήτε οὐλὰς μήτε στέμματα μήτε θυλήματα*.

949. *καὶ πῦρ γε τουτί*] Eadem verba sunt Vesp. 811.

961. *ταύτην*] Sc. *τὴν χέρνιβα*?

962. *ῥίπτε τῶν κριθῶν*] Sic Ach. 184. *ἐς τοὺς τρίβωνας ξυνελέγοντο τῶν λίθων*. Supra 225. *ὅσους ἄνωθεν ἐπεφόρησε τῶν λίθων*.

965. *κριθὴν*] Cf. *ἀμφίκαυστις* sive *ἀμφίκαυτις* (i. e. *τὸ αἰδοῖον*).

966. *εἰς ἑσπέραν*] Cf. 366. Eccl. 1047. Pl. 998. 1201. Fr. 6.

981. Cf. 30. *τηδὶ παροίξας τῆς θύρας, ἵνα μή μ' ἴδῃ*. 554. Herod. III. 156. *ὀλίγον τι παρακλίναντες τὴν ἑτέρην πύλην*. Eur. Iph. A. 857. *πύλας παροίξας*.

982. *παρακύπτουσιν*] Cf. Ach. 16. Vesp. 178. Pac. 982. 985. Eccl. 202. 884. 924. Th. 797. *τῆς αὐλείας*[Cf. Herod. VI. 69. *παρὰ τῇσι θύρῃσι τῇσι αὐλείῃσι*.

991. *κορκορυγὰς*] Nomen *κορκορυγὴ* legitur Nub. 387. Lys. 491. Aesch. Sepr. 345. Versus tragici coloris.

992. *Λυσιμάχην*] Cf. Lys. 554. Sic apud nostrum *Εὐβούλη* Th. 808. *Νικόβουλος* Eq. 615. *Ἀμυνίας* Eq. 570. Cf. v. *λυσίπονος*. *νικομάχας* (*νικόμαχος*?) Soph. Fr. 765.

994. *περικόμψους*] Cf. v. *περίσεμνος* Vesp. 604.

996. Cf. Vesp. 878. *ἀντὶ σιραίου μέλιτος μικρὸν* — *παραμίξας*. *πάλιν ἐξ ἀρχῆς*] Cf. Ran. 591. Plat. Parm. 142 B.

997. *φιλίας χυλῷ*] Sic *χυλὸς στωμυλμάτων*, Ran. 943.

1001. *μήλων, ῥοιῶν*] Cf. Epilyc. 2. *μῆλα καὶ ῥόας*. Herod. VII. 41. 4. *εἶχον δὲ χρυσέας ῥοιὰς* — *καὶ μῆλα*.

1002. *δούλοισι* —] Cf. Ach. 170. *τοῖς Θραξὶ περὶ μισθοῦ*. *χλανισκιδίων*] Cf. ad Ach. 519. *Μεγαρέων τὰ χλανίσκια*. Alia similis forma *χλανιδίσκιον* est Aristaen. I. 11.

1004. *νήττας, φάττας*] Cf. Pl. 1011. *νηττάριον ὑπεκορίζετ' ἂν καὶ φάττιον*. Antiph. III. 145 *φάτται, νῆτται, χῆνες*. Anaxandr. III. 185. *νηττῶν, φαττῶν· χῆνες, στρουθοί*. Mnesim. III. 570. *νήττης, κίττης* (*φάττης*?).

1005. *Κωπᾴδων*] Sc. *ἐγχέλεων*. Cf. Ach. 962. *Κωπᾷδ' ἐγχέλυν*. 880. 883.

1007. Cf. 42. Pl. 330. *ὠστιζόμεσθ' ἑκάστοτ' ἐν τἠκκλησίᾳ*. *τυρβάζεσθαι*] Activa forma est Vesp. 257. *τὸν πηλὸν* — *τυρβάσεις βαδίζων*.

1008. *Γλαυκέτῃ*] De Glanceta cf. Th. 1033. Plat. com. 106.

1009. *τένθαις*] Cf. 1120. Av. 1691. *τενθείαν*. Nub. 1198. *προτένθαι*.

1011. Cf. Th. 1081. Com. adesp. IV. 629. Ἑκάβην ὀτοτύζουσαν.

1013. Haec Melanthio tribuerit Nauck (Ind. trag. lect. p. XXVII.), spuria habens verba εἶτα μονῳδεῖν ἐκ Μηδείας.

1018. τιὴ τί δή;] Cf. Vesp. 1155. Nub. 755. Th. 84.

1021. Cf. Ach. 1119. ἀφελὼν δεῦρο τὴν χορδὴν φέρε.

1024. Cf. 1032. Hom. Il. 1, 462. καῖε δ' ἐπὶ σχίζης (μηρούς). Od. 14, 425. κόψε δ' (ὗν) ἀνασχόμενος σχίζῃ δρυός, ἣν λίπε καίων. Theocr. XXIV. 90. καῖε δὲ τώδ' ἀγρίαισιν ἐπὶ σχίζῃσι δράκοντε.

1026. τὸ φρύγανον τίθεσθαι] Lege τὰ φρύγαν' ὑποτίθεσθαι. Cf. Telecl. II. 37. Σωκράτης τὰ φρύγαν' ὑποτίθησιν.

1029. χρεών ἐστιν] Cf. Eq. 138. ἦν ἄρ' — χρεών.

1030. Cf. Ran. 1429. καὶ πόριμον αὑτῷ, τῇ πόλει δ' ἀμήχανον. Plat. Symp. 203 D. θηρευτὴς δεινὸς καὶ πόριμος (Ἔρως).

1031. Στιλβίδην] Cf. nomen Στιλβωνίδης Av. 139.

1040. θυλήματα] Cf. Pher. 23, 6. Telecl. 33. ὦ δέσποθ' Ἑρμῆ, κάπτε τῶν θυλημάτων. Plat. II. 674. ἥρῳ Κέλητι δέρμα καὶ θυλήματα. Amips. 7. Theophr. Char. 10. μήτε οὐλὰς μήτε στέμματα μήτε θυλήματα. Bekk. Anecd. 42, 26. θυλήματα: — ἄλφιτα οἴνῳ καὶ ἐλαίῳ μεμαγμένα.

1044. Cf. Soph. O. R. 83. πολυστεφὴς — δάφνης.

1047. Oppidum Ὠρεὸς memoratur Thuc. VIII. 95. 4. Archipp. 27, 5. Βάτραχον τὸν πάρεδρον τὸν ἐξ Ὠρεοῦ. Incolae ejus oppidi Ὠρεῖται erant, Demosth. IX. 12.

1051. μή νυν δρᾶν δοκῶμεν αὐτὸν] Cf. Eq. 1142. οὐδὲ δοκῶν δρᾶν. Eur. Med. 67. ἤκουσά του λέγοντος οὐ δοκῶν κλύειν.

1053. κᾆπαγ' —] Qu. κᾆπεχ' —. Cf. Aesch. Ag. 1023. ἄπεχε τῆς βοός.

1054. ἡ κέρκος] Cf. Ach. 785. κέρκον οὐκ ἔχει (τὸ χοιρίδιον).

1058. πολλὰ πράττεις, ὅστις εἶ] Cf. Vesp. 1406. προσκαλοῦμαί σ', ὅστις εἶ.

1059. ποῦ τράπεζα;] Cf. Lys. 445. ποῦ τοξότης;

1060. Cf. Av. 704. Pl. 1110. Hom. Od. 3, 332. ἀλλ' ἄγε τάμνετε μὲν γλώσσας, κεράασθε δὲ οἶνον. 341. Soph. Aj. 238.

1061. Cf. Eq. 1158. οἶσθ' οὖν ὃ δρᾶσον; ΔΗ. εἰ δὲ μή, φράσεις γε σύ. Nicomach. Fr. 1, 7. Alex. Fr. 130. Plat. Resp. III. 408 D. ἀλλ' οἶσθ' οὓς ἡγοῦμαι τοιούτους; — Ἂν εἴπῃς, ἔφη.

1063. Cf. Ach. 307 sq.

1064. ἀΐοντες] Cf. Nub. 1166.

1065. χαροποῖσι πιθήκοις] Cf. Theocr. XII. 35. τὸν χάροπον Γανυμήδεα. XIX. 25. ὄμματά μοι γλαυκᾶς χαροπώτερα πολλὸν Ἀθάνας. XXV. 142. χαροποῖο λέοντος. 225. χαροπόν τε πρόσωπον.

1066. αἰβοιβοῖ] Cf. οἰμοιμοῖ (Pac. 257.) et οἰοιοῖ.

1067. τρήρωνες] Cf. Av. 575. τρήρωνι πελείῃ.

1070. Cf. Theogn. 540. εἰ μὴ ἐμὴν γνώμην ἐξαπατῶσι θεοί.

1072. *ἐξώλης ἀπόλοι', εἰ μὴ παύσαιο βακίζων*] Cf. Men. IV. 114. *ἐξώλης ἀπόλοιθ' ὅστις ποτὲ* —. etiam Lucian. de Salt. 5. *μὴ ὥραισιν ἄρα ἱκοίμην, εἴ τι τοιοῦτον ἀνασχοίμην ποτέ.* Lys. 235. Fr. 161. *εἰ δ' ἐγκιλικίσαιμ', ἐξολοίμην, φαθὶ λέγων.*

1074. Cf. Aristom. II. 733. *ἄλιπαστα ταῦτα παρατίθημί σοι κρέα.*

1076. Cf. Hom. Il. 22, 263. *οὐδὲ λύκοι τε καὶ ἄρνες ὁμόφρονα θυμὸν ἔχουσιν.* Plat. Phaedr. p. 241 D. *ὡς λύκοι ἄρνα φιλοῦσ', ὥς* etc. Hor. Od. I. 33. 7. 'Sed prius Appulis | Jungentur capreae lupis.' *οἶν*] Cf. 1112. Eur. El. 467. *ὑμεναιοῖ*] Cf. Theocr. XXII. 179. *ὑμεναιώσουσι δὲ κούρας | τάσδ'.* Men. IV. 271. *ὅταν γέρων γέροντι γνώμην διδοῖ.* Plat. Phaed. 85 A. *ὅταν πεινῇ ἢ ῥιγοῖ.*

1077. *πονηρότατον βδεῖ*] I. e. *κάκιστον.* Cf. 87. *καὶ μὴ βδεῖ μοι κακὸν, ἀντιβολῶ σ'.* Pl. 693. *ὑπὸ τοῦ δέους βδέουσα δριμύτερον γαλῆς.* 703. *οὐ λιβανωτὸν γὰρ βδέω.* Ach. 256.

1078. *ἡ σφονδύλη*] Cf. Aelian. N. A. VIII. 13. *σφονδύλας καὶ τίφας καὶ πᾶν ἑρπετόν.* *τυφλὰ τίκτει*] Sc. *κυνίδια.*

1079. *τουτάκις*] Cf. Theogn. 843. *ἀλλ' ὁπόταν* —, *τουτάκις οἴκαδ' ἴμεν* etc. Cf. v. *πανράκι* (Theogn. 859.) et *δηθάκις.*

1081. *διακαννιάσαι*] Cf. Cratin. ap. schol. (194.) *ἀπὸ πότερον (κάδου) τὸν καῦνον ἀριθμήσεις;*

1082. *τῆς Ἑλλάδος ἄρχειν*] Cf. Vesp. 577.

1083. Similiter Theognis 437. *ἀλλὰ διδάσκων | οὔποτε ποιήσεις τὸν κακὸν ἄνδρ' ἀγαθόν.* 535. *οὔποτε δουλείη κεφαλὴ ἰθεῖα πέφυκεν, | ἀλλ' αἰεὶ σκολιὴ, καὐχένα λοξὸν ἔχει.* Men. IV. 270. *μηδέποτε πειρῶ στρεβλὸν ὀρθῶσαι κλάδον.* Com. adesp. 182. *οὔτε στρεβλὸν ὀρθοῦται ξύλον.* Diogenian. VI. 92. *ξύλον ἀγκύλον οὐδέποτ' ὀρθόν.* Aeschin. p. 177 B. *τοὺς μὲν γὰρ πονηροὺς οὐ μή ποτε βελτίους ποιήσητε.* *ὀρθὰ βαδίζειν*] Ut *κοῦφα πηδᾶν,* etc. Uno vocabulo *ὀρθοβατεῖν* (Anth. IX. 11. 4.).

1087. *φενακίζων*] Cf. Dem. p. 1336. *ἆρ' οὐ περιφανῶς οὗτοι φενακίζουσιν ὑμᾶς —;*

1094. *κώθωνα*] Cf. Eq. 600. Xen. Cyr. I. 2. 8. *πιεῖν δὲ — κώθωνα (φέρονται), ὡς ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ ἀρύσασθαι.*

1099. *φράζεο δὴ,* —] Cf. Herod. VIII. 20. 2. *φράζεο, βαρβαρόφωνος ὅταν ζυγὸν εἰς ἅλα βάλλῃ | βύβλινον, Εὐβοίης ἀπέχειν πολυμηκάδας αἶγας.* et oraculi initium (ed. Hendess, 1877.), *φράζεο δή μοι μῦθον, Ἀγήνορος ἔκγονε Κάδμε.*

1102. *σπονδὴν — τῶν σπλάγχνων*] Cf. Hipponact. 39. *σπονδῇ τε καὶ σπλάγχνοισιν ἀγρίης χοίρου.*

1103. *βαλανεύσω*] Cf. Pher. 130, 6. Timocl. 2.

1104 sq. Cf. Menand. 292, 1. *σπονδή. δίδου σὺ σπλάγχ', ἀκόλουθε, ποῖ βλέπεις; | σπονδή· φέρ', ὦ παῖ Σωσία. σπονδή· καλῶς.*

1111. *προσδώσει*] Cf. Eur. Cycl. 528. *οὐ χρή μ' ἀδελφοῖς τοῦδε προσδοῦναι ποτοῦ;* Xen. Mem. I. 2. 29. *δεόμενον προσδοῦναι, καὶ ταῦτα μηδενὸς ἀγαθοῦ.*

1115. Simplex σπλαγχνεύειν legitur Av. 984.

1119. μαρτύρομαι] Antestor. Cf. Ach. 926. Av. 1031. Alibi ταῦτ' ἐγὼ μαρτύρομαι, Nub. 1297. Vesp. 1436. Ran. 528. Pl. 932.

1121. παῖ' αὐτὸν ἐπέχων] Cf. Thuc. II. 101. τήν τε Χαλκιδικὴν — ἐπέχων ἔφθειρεν.

1123. ἐκβολβιῶ] V. Hesych. s. v. ἐκβεβόλβισται. et ἐκβολβίσαι (ἐκ ῥιζῶν ἀνασπάσαι).

1124. Cf. Ach. 165. οὐ καταβαλεῖτε τὰ σκόροδ';

1125. ὁ κόραξ] I. e. fur. Cf. Cratin. 73. ὅτι τοὺς κόρακας τὰξ Αἰγύπτου χρυσία κλέπτοντας ἔπαυσεν. 'Ωρεοῦ] Cf. Av. 149. τί οὖν τὸν 'Ηλεῖον Λέπρεον οἰκίζετον;

1130. φιληδῶ μάχαις] Cf. Antiph. III. 68. φιληδεῖ ταῖς ὑσίν. Athen. III. 100 D. διὰ τὸ φιληδεῖν τῷ βρώματι Κάραβος ἐκλήθη. Schol. Vesp. 278. φιληδοῦντα τῇ ἡμῶν διατριβῇ.

1131. πρὸς πῦρ διέλκων] Cf. Ach. 751. Plat. Resp. IV. 420 E. πρὸς τὸ πῦρ διαπίνοντάς τε καὶ εὐωχουμένους. Resp. II. 427 E. πρὸς τὸ πῦρ μετρίως ὑποπίνοντες. Cratin. II. 164. ἕλκων τῆς τρυγός. Theocr. VII. 65. καὶ Πτελεατικὸν οἶνον ἀπὸ κρητῆρος ἀφυξῶ | πὰρ πυρὶ κεκλιμένος. ἐκκέας] Cf. Eur. Rhes. 97. Aesch. Agam. 849. Soph. El. 757.

1135. ἐκπεπρεμνισμένα] Cf. v. ἐκθαμνίζειν Aesch. Sept. 72.

1137. φηγὸν ἐμπυρεύων] Cf. Theocr. IX. 20. ἐν πυρὶ δ' αὖαι | φαγοὶ | χειμαίνοντος. Plat. Resp. II. 372 C. φηγοὺς σποδιοῦσι πρὸς τὸ πῦρ. 1138. χᾶμα] Cf. Ran. 1525.

1141 sq. Cf. Hor. Serm. II. 2. 118. 'Ac mihi seu longum post tempus venerat hospes, | sive operum vacuo gratus conviva per imbrem | vicinus, etc.'

1144. ἄφευε] Cf. Eq. 394. φασήλων] Cf. Virg. G. I. 227. 'vilemque phaselum.' Demetr. com. 5.

1145. ἔξελε] Angl. take (pick) out. Cf. 1021. Th. 284.

1146. Cf. Straton. VII. 304 C. Μάνην ἢ Μίδαν τὸν Φρύγα, Τίβιον δὲ τὸν Παφλαγόνα.

1147. οἰναρίζειν] οἴναρα sunt vitis folia sive pampini (τὰ τῆς ἀμπέλου φύλλα, Phot. p. 320, 16.). Cf. ἐλαΐζειν, ῥαγίζειν.

1148. τυντλάζειν] τύντλος valet i. q. πηλός (Men. 1078.). Schol. (παρδακὸν διὰ πεδίον Welcker. παρδακὸν δὲ δάπεδον Schneidewin). Simonid. Amorg. 21. σὺν πορδακοῖσιν ἐκπεσόντες εἵμασιν.

1149. τὴν κίχλην καὶ τὼ σπίνω] Cf. Ephipp. III. 325. τίλλειν φάττας καὶ κίχλας ὁμοῦ σπίνοις.

1152. ἐκυδοιδόπα] Cf. Nub. 616.

1154 sq. Cf. Nicostr. com. III. 285.

1154. Cf. Fr. 84. προσκεφάλαιον τῶν λινῶν. Pher. 68, 1. ἰσχάδας — τῶν πεφωγμένων. ibid. ἰσχάδας — τῶν μελαινῶν. Plat. 86. ἄρτους — τῶν καθαρύλλων. Alex. III. 478. λάρκον — τῶν ἀνθρακηρῶν. Antiph. 272, 1. στεφάνους — τῶν χρηστῶν δύο. Stratt. 24.

ὑποδήματα — τῶν ἁπλῶν. Eubul. 19, 4. *θύμον τῶν Ὑμηττίων*. Eubul. III. 259. *καρῖδας — τῶν κυφῶν*. Cephisodor. 4, 1. *σανδάλιά τε τῶν λεπτοσχιδῶν*. Hipparch. 1, 4. *δαπίδιον — τῶν Περσικῶν*. Polioch. 2, 6. *λάχανα τῶν αὐτοχθόνων*. Diphil. IV. 419. *ὀξὶς — τῶν Κλεωναίων*. Philoxen. apud Athen. p. 642 A. *ἀμυγδαλίδες — τῶν μαλακοφλοίων*. Soph. Fr. 165. *κάνθαρος τῶν Αἰτναίων*. Lucian. Catapl. 19. *κέλευσμάτι τῶν ναυτικῶν*. Rhet. praec. 16. *σισύρα τῶν παχειῶν*. Jup. trag. 10. *νεφέλην τῶν παχειῶν περιβεβλημένος*. Fugit. 20. *ἐσθῆτας τῶν μαλακῶν ἐπρίαντο*. *καρπίμων*] Cf. Alex. 119, 5. *καρπίμοις κισσοῦ κλάδοις*. Vesp. 264. Aesch. Pr. 455. *καρπίμου θέρους*.

1155. *τῆς αὐτῆς ὁδοῦ*] Eodem itinere (Cic. Cat. III. 2. 4.). Cf. Nicostr. 21. *ἔπειτα τῆς αὐτῆς ὁδοῦ | πρὸς Ἀερόπην ἐλθοῦσα πέμψαι στρώματα αὐτὴν κέλευε, φησὶ, καὶ παρ' Ὤκιμον* (l. *Ὠκίμου*) | *χαλκώματα* (sc. *κόμισαι*). Cratin. 98, 8. Anaxand. 40. Cratin. min. 14. Antiph. 1, 16. Theophr. Char. 10. *τῆς αὐτῆς ὁδοῦ παριὼν κομίσασθαι* (*δανείσασθαι?*) *παρ' Ἀρχίου τοὺς* (*τοῦ?*) *ταρίχους*. Similiter *ταὐτοῦ χρόνου*, Aesch. Fr. 116, 2. *λευκοῖς τε γὰρ μόροισι καὶ μελαγχίμοις — βρίθεται ταὐτοῦ χρόνου*. *βωσάτω*] Cf. Cratin. 396. *βῶσον* (*βόησον*). Theocr. XII. 35. *ἐπιβῶνται*. XVII. 60. *ἐβώσατο*. Hom. Od. 1, 378. Sic *νένωται* (pro *νενόηται*).

1158. *τἀρώματα*] I. e. *τὰ ἐσπαρμένα* (sata). V. Suid. h. v. Cf. Eupol. 304. *περιήλθομεν τὰ σκόροδα — κεὐθὺ τῶν ἀρωμάτων*.

1159. *ἡνίκ' ἂν δ' —*] Cf. 1179. Eccl. 273. Pl. 107. Eur. El. 1136. Iph. T. 1184. Nub. 1154. *ἡνίκ' ἂν γὰρ —*. Theocr. XVI. 94. *ἁνίκα τέττιξ — ἀχεῖ ἐν ἀκρεμόνεσσιν*. Eur. El. 151. *κύκνος ἀχέτας*.

1163. *πεπαίνουσιν*] Cf. Xen. Anab. VI. 2. 22. *ὁ φοῖνιξ — ἐν τῇ Ἑλλάδι οὐδὲ πεπαίνει* (*πεπαίνεται?*). Ion. Fr. 57. *μέλας γὰρ αὐταῖς οὐ πεπαίνεται βότρυς*. Herod. IV. 199. *ὁ καρπὸς πεπαίνεταί τε καὶ ὀργᾷ*. *Πεπαίνειν* transitivum est Eur. Fr. 896, 2.

1164. *τὸ — φῖτυ*] Ex hac fabula per errorem citatur ab Eustathio p. 1291 versus incerti alicujus comici, *πόθεν τὸ φῖτυ; τί τὸ γένος; τίς ἡ σπορά;* Schol. *σπέρμα* (del. Bergk.).

1165. *φήληχ' — οἰδάνοντα*] De voce *φήληξ* v. Anecd. Bekk. 71, 4. et 315, 11. Poll. VI. 81. *τὰ δὲ οὔπω πέπειρα τῶν σύκων οἴδακες* (unde *οἰδάνοντ'* h. l.) *καλοῦνται παρὰ Λάκωσι καὶ φήληκες παρ' Ἀθηναίοις*.

1167. *κἀπέχω*] Exspectabam *κἀπέχομαι*. Cf. Plat. Phaed. p. 117 C. *ἐπισχόμενος καὶ μάλα εὐχερῶς καὶ εὐκόλως ἐξέπιε*.

1173. *ὀξεῖαν*] Cf. Hom. Il. 17, 372. *πέπτατο δ' αὐγὴ | ἠελίου ὀξεῖα*. 14, 346. *οὗ τε καὶ ὀξύτατον πέλεται φάος εἰσοράασθαι*. Pind. P. I. 39. *χιόνος ὀξείας*. Archil. Fr. 63. *Σείριος — ὀξὺς ἐλλάμπων*. Chaeremon. Fr. 8. *ῥόδ' ὀξυφεγγῆ κρίνεσιν ἀργεννοῖς ὁμοῦ*. Schol. *γίνονται δὲ ἐν αὐτῇ πορφύραι διάφοροι καὶ ὀξύταται*.

1176. *βάμμα Κυζ.*] I. e. colorem aureum sive fulvum.

1177. Schol. πολλάκις (ἐν Μυρμιδόσι Nauck.).

1178. λινοπτώμενος] Verbum λινοπτάζειν (a λινόπτης) memoratur Hesychio.

1180 sq. τοὺς μὲν —] Cf. Eq. 1369 sq.

1180. ἐγγράφοντες] Sc. εἰς τὸν κατάλογον. Cf. ad Eq. 1370.

1181. Cf. Apollod. Car. 26. καλῶ δ' Ἄρη Νίκην τ' ἐπ' ἐξόδοις ἐμαῖς.

1183. προσστὰς πρὸς τὸν ἀνδριάντα τὸν Πανδίονος] Cf. Ach. 683. τῷ λίθῳ προσέσταμεν. Plat. Π. 681. προσίσταταί μοι πρὸς τὸ βῆμα Μαντίλη (Μαρψίας?). Aesch. Pers. 203. βωμὸν προσέστην.

1184. Cf. Pl. 719.

1189 Cf. Macar. IV. 18. λέων ὅπου χρή, καὶ πίθηκος ἐν μέρει.

1190. Cf. Plat. Tim. p. 70 A. διοικοδομοῦσι τοῦ θώρακος αὖ τὸ κύτος.

1192. Cf. Ach. 150. ὅσον τὸ χρῆμα παρνόπων προσέρχεται. Vesp. 1573.

1194. Cf. Vesp. 956. τί οὖν ὄφελος, τὸν τυρὸν εἰ κατεσθίει; Pl. 1152. Theogn. 700. τῶν δ' ἄλλων οὐδὲν ἄρ' ἦν ὄφελος.

1197. ἀναβράττω κίχλας] Cf. Ach. 1005 sq. Ran. 509. Pherecr. II. 316. κίχλαις ἀναβράστοις.

1198. Cf. Nub. 816. ὦ δαιμόνιε, τί χρῆμα πάσχεις, ὦ πάτερ; Eur. Cycl. 266. ὦ κάλλιστον, ὦ Κυκλώπιον. Eq. 726. ὦ Δημίδιον, ὦ φίλτατον. ὅσ' ἡμᾶς τἀγαθὰ δέδρακας] Cf. Eq. 1215. οἴμοι, τῶν ἀγαθῶν ὅσων πλέα.

1202. Cf. Theocr. XV. 19. ἑπταδράχμως κυνάδας.

1207. οἰμώξει μακρά] Cf. 111. 1207. Antiph. Fr. 218, 6. τὸν μὲν γελᾶν, τὸν δ' ἕτερον οἰμώζειν μακρά.

1214. καταθῶ] Cf. Eccl. 1007.

1216. σφήκωμ'] Anglice the setting. Cf. Soph. Fr. 314 a. φρίξας εὐλόφῳ σφηκώματι. Phryn. trag. 13. σφηκῶσαι (i. e. δῆσαι, Phot. p. 560, 14. etc.). Heliod. X. 31. τό τε ὅλον σῶμα σφηκώσας (toto corpore contracto) εἱστήκει. Anacreont. Athen. p. 533 E. καλύμματ' ἐσφηκωμένα. Phot. p. 22, 15. Ἐσφηκωμένον: ἐσφιγμένον.

1217. Cf. Alex. 15, 8. ἔδωκα ταύτης δύ' ὀβολούς (ὀβολώ?). Xen. Anab. III. 3. 18. καὶ τούτῳ μὲν δῶμεν αὐτῶν ἀργύριον.

1221. ἀπόφερ' ἀπόφερε κόρακας ἀπὸ τῆς οἰκίας] Cf. Nub. 123.

1222. τριχορρυεῖτον] Cf. Aesch. Fr. 270. παλαιὸν δέρμα καὶ τριχορρυές. Theocr. II. 89. ἔρρουν δ' ἐκ κεφαλᾶς πᾶσαι τρίχες.

1223. οὐκ ἂν πριαίμην οὐδ' ἂν ἰσχάδος μιᾶς] Cf. Ach. 691. οὗ μ' ἐχρῆν σορὸν πρίασθαι. Nub. 1396. τὸ δέρμα τῶν γεραιτέρων λάβοιμεν ἂν ἀλλ' οὐδ' ἐρεβίνθου. Soph. Aj. 477. Ant. 1170. Plaut. Mil. Glor. 316. 'Non ego tuam empsim vitam vitiosa nuce.'

1224. θώρακος κύτει] Cf. Eur. Suppl. 1202. τρίποδος ἐν κοίλῳ κύτει. Cycl. 398. λέβητος — κύτος χαλκήλατον. Alcman. Fr. 25, 1. τρίποδος κύτος.

1226. *ποιήσῃ ζημίαν*] Cf. Pl. 1124. *ἐποίεις ζημίαν.*

1227. *ἰσωνίας*] Anglice, at cost-price. Pollux VII. 15. *τῆς δὲ ἰσωνίας Λυσίας εἴρηκεν ἐν τῷ περὶ τοῦ ἀσπιδοποιοῦ.*

1232. Cf. Alex. 188, 3. *τὸ τρῖμμ'* (*ὑπότριμμ'*?) — *διειμένον* | *ὄξει.* Sotad. 1, 27. *ταύτην ἅλις ἐλαδίῳ διείς.*

1237. *χιλιῶν δραχμῶν*] Cf. Ach. 1055. Epich. Fr. 120. *τῶν πόνων πωλοῦντι πάντα τἀγάθ' ἁμὶν τοι θεοί.*

1240. Cf. 230. Eq. 1183. *καὶ τί τούτοις χρήσομαι;* Theogn. 772. *τί σφιν χρήσηται μοῦνος ἐπιστάμενος;* Herod. II. 106. *τούτῳ μὲν τάδε ἐχρήσατο.* 95. *τάδε αὐτῷ χρᾶται.* Plat. Symp. 216. *οὐκ ἔχω ὅ τι χρήσομαι* (l. *χρήσωμαι*) *τούτῳ τῷ ἀνθρώπῳ.* Dionys. Hal. I. 39. 3. *ἀμηχανῶν ὅ τι χρήσεται* (l. *χρήσηται*) *τῷ πράγματι.* I. 67. 2. *ἀπορεῖν ὅ τι χρήσονται* (l. *χρήσωνται*) *τοῖς πράγμασιν.* II. 38. 1. *οὐκ ἔχων ὅ τι χρήσεται* (l. *χρήσηται*) *τῇ τριβῇ τοῦ χρόνου.* Alexand. com. 1. *τούτῳ τί χρῇ;* Xen. Anab. III. 1. 40. *οὐκ οἶδα ὅ τι ἄν τις χρήσαιτο αὐτοῖς.* *τί δ' ἄρα —;*] Cf. Vesp. 893. *τίς ἄρ' ὁ φεύγων;* Soph. Aj. 905. Soph. Fr. 710. *ὦ θεοί, τίς ἄρα Κύπρις ἢ τίς ἵμερος* | *τοῦδ' ἥψατ';* Eur. Fr. 407, 1. *τίς ἄρα μήτηρ ἢ πατὴρ — ἔφυσε* etc. Trag. adesp. 232. *τίς ἄρ' ἐμοῦ γένοιτ' ἂν ἀθλιώτερος;*

1242. Schol. *ἐν Στρατιώταις* (l. *Μοίραις*). Ibid. *κυμβείων* (l. *κυμβίων*).

1243. *ῥάβδον*] Cf. Hermipp. 47, 5. *ῥάβδον δ' ὄψει τὴν κοτταβικὴν* | *ἐν τοῖς ἀχύροισι κυλινδομένην.* *ὑπόμακρον*] Cf. Alex. III. 526. *ὑπόμακρον.*

1244. Cf. Athen. XV. 666 E. *ἐκάλουν δὲ καὶ κατακτούς τινας κοττάβους. ἔστι δὲ λυχνία* (l. *λυχνεῖα*) *ἀναγόμενα πάλιν τε συμπίπτοντα.* *κατάκτων*] I. e. pensilium. Cf. Pher. II. 280. *κατάκτου κοττάβου.* Schol. *ἐνέβαλον* (corr. *ἐνέβαλλον*).

1245. In schol. lege *ὀξυβάφων ἣν ἐπιπλέον* (*ἔτι πλέον*?) *τὸ πλῆθος.*

1248. *πλάστιγγα*] Cf. Antiph. Fr. 55, 6. et seq. Hesych. *πλάστιγξ — τὸ πρὸς τοὺς κοττάβους πινάκιον.* Eq. 572. 1353. Pl. 502. Hermipp. 47, 8. *τὴν δὲ τάλαιναν πλάστιγγ' ἂν ἴδοις — ἐν τοῖσι κορήμασιν οὖσαν.* Antiph. III. 29. *τὸν κότταβον* | *ἀφεὶς ἐπὶ τὴν πλάστιγγα.* Critias apud Athen. XIII. 600 E. *πλάστιγξ θ' ἡ χαλκοῦ θυγάτηρ ἐπ' ἄκραισι καθίζῃ* | *κοττάβου ὑψηλαῖς κορυφαῖς Βρομίου ψακάδεσσιν.* Pollux VI. 109. *τὸ μὲν κοτταβεῖον ἐκρέματο ἀπὸ τοῦ ὀρόφου ὕπτιον — καὶ μακρά τις ῥάβδος, ἣν καὶ ῥάβδον κοτταβικὴν ὠνόμαζον,* etc.

1250. Cf. Eur. Fr. 781, 11. *ὦ καλλιφεγγὲς Ἥλι', ὥς μ' ἀπώλεσας.* Soph. Ant. 1284. *δυσκάθαρτε.*

1251. *ὅτ' ἀντέδωκά γ'*] Cf. Nub. 1217. *ὅτε τῶν ἐμαυτοῦ γ' —.*

1254. *συρμαίαν*] Cf. Fr. 252. *συρμαιοπῶλαι.*

1255. Cf. Eur. Fr. 165. *οἱ κακῶς πεπραγότες.* Achae. trag. 42.

ἥκω πεπραγὼς δεινά. Trag. adesp. 85, 1. ὦ δυστυχεῖν φὺς καὶ κακῶς πεπραγέναι. 285. τὸν κακῶς πεπραγότα.

1257. τί — ὅ τι τις χρήσεται;] Cf. Plat. Symp. 216. οὐκ ἔχω ὅ τι χρήσομαι (χρήσωμαι? cf. ad 1240.) τούτῳ τῷ ἀνθρώπῳ.

1260. ὦ παιδίον, — στὰν] Cf. Vesp. 79. οὐδαμῶς γ', ἐπεὶ | αὕτη γε χρηστῶν etc. 1164. 1393.

1261. τούτῳ — ὠνήσομαι] Cf. Ach. 815. ὠνήσομαί σοι. Ran. 1229. Soph. Ant. 1171.

1266. τῶν ἐπικλήτων] V. Plut. II. 707 A. D.

1268. Cf. Nub. 878. παιδάριον ὂν τυννουτονὶ | ἔπλαττεν ἔνδον οἰκίας.

1269. παρ' ἐμὲ στὰν —] Cf. Vesp. 1083. Lys. 1275. γυνὴ στήτω παρ' ἄνδρα. ἀναβαλοῦ] Cf. Theocr. VI. 20. τῷ δ' ἔτι Δαμοίτας ἀνεβάλλετο καλὸν ἀείδειν. X. 22. καί τι κόρας φιλικὸν μέλος ἀμβαλεῦ.

1270. νῦν δ' αὖθ'] Cf. Vesp. 1015. νῦν αὖτε, λεῴ, πρόσσχετε τὸν νοῦν. Metagen. II. 751. νῦν δ' αὖθ' ὑμῖν ἀγορεύω etc. Cratin. II. 111. οἱ δ' αὖθ' ἡμεῖς etc. Hermipp. 63, 6.

1274. Cf. Hom. Il. 4, 447. σύν ῥ' ἔβαλον ῥινούς, σὺν δ' ἔγχεα καὶ μένε' ἀνδρῶν | χαλκεοθωρήκων· ἀτὰρ ἀσπίδες ὀμφαλόεσσαι | ἔπληντ' ἀλλήλῃσι, πολὺς δ' ὀρυμαγδὸς ὀρώρει.

1284. εἶεν· ἐκόρεσθεν] Producitur posterior in εἶεν. Cf. ad 663.

1285. κεκορημένοι] Cf. Herod. III. 80. ὕβρι κεκορημένος.

1286. Cf. Theogn. 413. πίνων δ' οὐχ οὕτως θωρήξομαι. 508. δέδοικα δὲ μή τι μάταιον | ἔρξω θωρηχθείς. 470. μήθ' εὕδοντ' ἐπέγειρε, Σιμωνίδη, ὅντιν' ἂν ἡμῶν (ἤδη?) | θωρηχθέντ' οἴνῳ μαλθακὸς ὕπνος ἕλῃ. 841. οἶνος ἐμοὶ τὰ μὲν ἄλλα χαρίζεται, ἓν δ' ἀχάριστον, | εὖτ' ἂν θωρήξας μ' ἄνδρα πρὸς ἐχθρὸν ἄγῃ. 884. θωρηχθεὶς δ' ἔσεαι πολλὸν ἐλαφρότερος.

1288. Cf. Av. 1257. διαρραγείης, ὦ μέλ', αὐτοῖς ῥήμασιν.

1292. θαύμαζον — εἰ σὺ μὴ εἴης] Cf. Xen. Mem. I. 1. 13. ἐθαύμαζε δ' εἰ μὴ φανερὸν αὐτοῖς ἐστιν ὅτι etc. I. 1. 17. III. 7. 8. III. 9. 8.

1293. κλαυσιμάχου] Confer compositum κλαυσίγελως (Xen. Hell. VII. 2. 9.), et nomen Κλαυσαμενός (Κλαυσομενὸς conj. Kock.) Cratin. 104.

1299. ἣν — κάλλιπον] Cf. Hor. Od. II. 7. 9. 'Tecum Philippos et celerem fugam | Sensi relicta non bene parmula.'

1300. πόσθων] Cf. Men. 480. πόσθων. Lucian. Lexiph. 12. Confer σάθων Telecl. 65. ἀνδροσάθων com. ap. Bekk. Anecd. 394, 5. et Latina pusio et salapusius.

1302. εὖ γὰρ οἶδ' ἐγὼ σαφῶς] Cf. Aesch. Pers. 784. εὖ γὰρ σαφῶς τόδ' ἴστε. Men. IV. 249.

1305. ὑμῶν τὸ λοιπὸν ἔργον —] Cf. 426. Plut. Popl. 6, 2. ὑμέτερον ἤδη, εἶπε, τὸ λοιπὸν ἔργον.

1306. *φλᾶν*] Cf. Pl. 694. *τῆς ἀθάρης πολλὴν ἔφλων.* Men. 607, 2. *κύψας καθ' ἑαυτὸν τῶν τραγημάτων ἔφλα.* *σποδεῖν*] Cf. Pher. II. 274. *ὀβελίαν σποδεῖν.* et v. *παίειν* (Ach. 835.). *παρέλκειν*] Cf. Herod. III. 102. *σειρηφόρον — ἑκατέρωθεν παρέλκειν.* Antiph. 237, 3. *ἕλκουσι γνάθοις | ὁλκοῖς ἀπαύστοις* (*ὁλκοὺς ἀπαύστους*?). Thuc. IV 14. *καί τινας καὶ ἀναδούμενοι κενὰς εἷλκον.* Simile nonnihil est illud Theocriti XV. 95. *μή μοι κενεὰν ἀπομάξῃς.*

1307. *ἀνδρικῶς ἐμβάλλετον*] Cf. ad Eq. 1295. Ephipp. III. 328. *ἐμασώμεθ' οὕτως ἀνδρικῶς ὅσ' εἴχομεν.* et ad Eq. 1295.

1310. *ἔργον*] Qu. *ὄφελος.* Cf. proverbium *οὐδὲν λευκῶν ἀνδρῶν ὄφελος* (Phot. Eust. etc.) et Pl. 1154. Schol. *ἔργον* (*ὄφελος*? ut apud Phot. Eust. 455, 37. Append. prov. IV. 35.).

1315. *βρύκετ'*] Cf. Av. 26. Lys. 367. Eubul. III. 227. *τῶν κρεῶν | ἀπέβρυκον αἰσχρῶς.* Hipponact. 35, 1. *οὐκ ἀτταγᾶς τε καὶ λαγὼς καταβρύκων.*

1316. *πλακοῦσιν — ἐντυχεῖν πλανωμένοις*] Cf. Telecl. II. 362. *τῶν — πλακούντων ὠστιζομένων περὶ τὴν γνάθον ἦν ἀλαλητός.*

1322. *ποιεῖν*] Producere. Cf. Aristom. 11. *ὁ Χῖος οὐκ οἶσθ' ὡς ἀμαμηλίδας ποιεῖ;*

1328. *αἴθωνα σίδηρον*] Cf. Hermipp. 46, 7. Alex. 2, 2. *αἴθων ἀνήρ.* Eur. Fr. 462, 10. *θηκτῷ τερπομέναν σιδάρῳ.*

1330. *χὤπως μετ' ἐμοῦ καλὴ | καλῶς κατακείσει*] Cf. Eccl. 730, Ach. 253.

1339. *τρυγήσομεν αὐτὴν*] *τὰ σῦκα ταῖς σφενδόναις τρυγᾶσθαι* in Seripho insula tradit Plutarchus de Exil. p. 602 B.

1349. *μέγα καὶ παχὺ*] Cf. Eccl. 1047. *εἰς ἑσπέραν | μεγάλην ἀποδώσω καὶ παχεῖάν σοι χάριν.*

1350. *φήσεις γ', ὅταν —*] Cf. 916. Eq. 1388. Plat. com. 255. Menand. 1071.

PLUTUS.

Arg. Etiam Archippi fabula fuit *Πλοῦτος* inscripta, cujus argumentum quodammodo simile fuisse videtur. Aristomenis fabulae *'Αδμήτου* nulla supersunt fragmenta.

Arg. II. *'Αλκαίου Πασιφάῃ*] Qu. *'Αλκαίου δὲ Πασιφάῃ.* Notandum est in hac una *ὑποθέσει* memorari quinque poetas qui contenderint, non ut alibi semper tres.

1. Cf. Nub. 413. *ἐν 'Αθηναίοις καὶ τοῖς Ἕλλησι.* 1239. *μὰ τὸν Δία — καὶ τοὺς θεούς.* Eq. 220. *χρησμοί τε συμβαίνουσι καὶ τὸ Πυθικόν.* Alex. 245, 14. *μὰ τὴν 'Αθηνᾶν καὶ θεούς.* Nicostr. 4, 3. *ὦ γῆ καὶ θεοί.* Eur. Fr. 991, 2. *Ζεὺς καὶ θεοί.* Aesch. Pers. 826.

Ἀθηνῶν Ἑλλάδος τε. Aristaen. Epist. II. 20. ὦ γῆ καὶ θεοί. Schol. ἔργον (ἔργον Headlam).

4. τῷ κεκτημένῳ] Hero. Cf. Soph. Fr. 700, 2. σαίνοντες — τὴν κεκτημένην. Etiam ὁ κεκτημένος (i. e. ὁ δεσπότης) dixit Phrynichus II. 598. (48.)

8. καὶ ταῦτα μὲν δὴ ταῦτα] Qu. — μὲν τοιαῦτα. Cf. Plat. com. 173, 11. καὶ τάδε μὲν δὴ ταῦτα. Posidipp. 2, 1. ταυτὶ μὲν οὖν τοιαῦτα.

11. ἰατρὸς — καὶ μάντις] Cf. Trag. adesp. 333. οὐ γάρ με Νὺξ ἔτικτε δεσπότην λύρας, | οὐ μάντιν οὐδ' ἰατρόν.

17. τὸ παράπαν] Cf. Pher. II. 311. φωνὴν οὐκ ἔχειν | ἰχθὺν γέ φασι τὸ παράπαν. Anaxandr. 52, 10. οὐδ' εἴσοδος τὸ παράπαν εἰς τὴν οἰκίαν. Herod. III. 10. οὐ — ὕεται τὰ ἄνω τῆς Αἰγύπτου τὸ παράπαν. Polyb. XVI. 12. 3. οὔτε νίφεται τὸ παράπαν οὔτε βρέχεται. Isae. VIII. § 27. οὐκ ἐτόλμησαν γρύξαι (ἐρύξαι codd. γρῦξαι Cobet.) τὸ παράπαν. Similiter τὸ σύνολον (Philem. 2, 2. Plat.). Monost. 97. 215. 630. 642. et τὸ πάμπαν Eur. Fr. 196, 2.

οὐδὲ γρῦ] Cf. Menand. IV. 179. διαφέρει Χαιρεφῶντος οὐδὲ γρῦ. 224. μηδὲ γρῦ λέγε. Aristaen. Epist. I. 17. οὐδὲ χρῦ τῆς ἐμῆς συμβουλῆς ἐπαΐειν δοκεῖ. Ran. 913. γρύζοντας οὐδὲ τουτί. Confer οὐδὲ ξύ, οὐδὲ κνὺ, οὐδ' ἔγκαφος (i. e. τὸ ἐλάχιστον, Eupol. 330.), οὐδὲ τάγυρι. V. Mein. Fr. Com. IV. 719.

20. τυπτήσεις] Sic καθευδήσω (Men.)

22. ἀφελὼν τὸν στέφανον] Cf. ad Nub. 625.

27. κλεπτίστατον] Confer γαστρίστερος (Plat. 195.), πολυφαγίστατος, λαγνίστατος, ἁρπαγίστατος (Plat. 57.), ὀψοφαγίστατος, βλακίστατος, φώρτατος, αὐτότατος, λαγνίστερος, κακηγορίστερος (κακηγορίστατος), πτωχίστερος, προδοτίστερος (Phot. p. 451, 20.), καιρότερος (Achae. trag. 48.)

31. πείθομαι] Cf. 251. Nub. 1090.

37. μηδὲ ἕν] Cf. 138. 1115. 1182. Ran. 927. Nusquam alibi apud Aristophanem occurrit hic hiatus.

38. Cf. Eur. Fr. 695. φεῦ· | οὐδὲν δίκαιόν ἐστιν ἐν τῷ νῦν βίῳ.

39. ἔλακεν] Cf. Aesch. Cho. 35. 38. Soph. Trach. 824. Ant. 1094. Soph. Fr. 18. τί δῆθ' ὁ Φοῖβος ἔλακεν; (s. Cobet.). Eur. Iph. T. 976. ἐντεῦθεν αὐδὴν τρίποδος ἐκ χρυσοῦ λακὼν | Φοῖβός μ' ἔπεμψε δεῦρο. Orest. 330. φάτιν ἂν ὁ Φοῖβος ἔλακε. 162. 239.

41. ὅτῳ ξυναντήσαιμι] Cf. ad Ran. 196. οἴμοι κακοδαίμων, τῷ ξυνέτυχον ἐξιών; Eur. Ion. 800.

47. ἀσκεῖν τὸν υἱὸν τὸν ἐπιχώριον τρόπον] Cf. Soph. Fr. 851. νόμοις ἕπεσθαι τοῖσιν ἐγχωρίοις (ἐγχώροις Grot. legendum forsan ἐγχώρων) καλόν.

48. τῷ τοῦτο κρίνεις;] Cf. Nub. 385. φέρε τουτὶ τῷ χρὴ πιστεύειν; δῆλον — καὶ τυφλῷ] Cf. Menand. 111. καὶ τυφλῷ δῆλον.

49. *συμφέρον*] Cf. Thuc. III. 44. 1. *οὐ — ἀποκτεῖναι κελεύσω, εἰ μὴ ξυμφέρον.*

51. *ὁ χρησμὸς εἰς τοῦτο ῥέπει*] Cf. Aristid. Or. Plat. I. p. 186. *τὸν χρησμὸν εἰς τοῦτο φέρειν* (l. *ῥέπειν*).

57. *τἀπὶ τούτοις δρῶ;*] Cf. Xen. Hell. II. 3. 55. *ὑμεῖς δὲ λαβόντες καὶ ἀπαγαγόντες (αὐτὸν) — οὗ* (l. *οἷ*) *δεῖ τὰ ἐκ τούτων πράσσετε.* Aesch. Ag. 255. *τἀπὶ τούτοισιν.*

62. *κλάειν — σοι λέγω*] Cf. Av. 692. *ἵνα — Προδίκῳ κλάειν εἴπητε τὸ λοιπόν.* et ad Vesp. 584.

63. Cf. Ran. 589. *δέχομαι τὸν ὄρκον.* Herod. IX. 91. 2. *εἶπε, δέκομαι, τὸν οἰωνὸν, τὸν Ἡγησίστρατον, ὦ ξεῖνε Σάμιε.*

65. *ἀπό σ' ὀλῶ κακὸν κακῶς*] Cf. infra 418. *ἐγὼ γὰρ ὑμᾶς ἐξολῶ κακοὺς κακῶς.* 879. *τοὺς συκοφάντας ἐξολεῖ κακοὺς κακῶς.* Nub. 792. *ἀπὸ γὰρ ὀλοῦμαι.* Aristophont. III. 359. *κακὸς κακῶς ἀπόλοιθ' ὁ γήμας δεύτερος θνητῶν* (*βροτῶν?*) Soph. Aj. 839. *καί σφας κακοὺς κάκιστα καὶ πανωλέθρους | ξυναρπάσειαν.* Aj. 1390. *τοιγάρ σφ' — κακοὺς κακῶς φθείρειαν.* Eur. Med. 1386. *σὺ δ', ὥσπερ εἰκὸς, κατθανεῖ κακὸς κακῶς.* Dem. p. 87. *προσήκει αὐτοὺς ὑφ' ὑμῶν κακοὺς κακῶς ἀπολωλέναι.* Dem. de Cor. 267. *κακὸν κακῶς σε — ἀπολέσειαν.*

66. *ὦ τᾶν* cum duali hic jungitur, cum plurali Timocl. 18. Cratin. 360. *ἆρά γε, | ὦ τᾶν, ἐθελήσετε;* Cf. ad Plat. Gorg. 447 B. *πώμαλα*] Cf. Fr. 346 K. Pher. 9.

83. Cf. Eccl. 328. *νὴ τὸν Δί' αὐτὸς δῆτ' ἐκεῖνος.* Ran. 552.

90. *βαδιοίμην*] Cf. Eq. 776. *χαριοίμην.* O. R. 538. *γνωρίοιμι* (*γνωρίσοιμι* libri). *τυφλὸν*] Cf. Amph. 23, 1. *τυφλὸς ὁ Πλοῦτός εἶναί μοι δοκεῖ, | ὅστις γε παρὰ ταύτην μὲν οὐκ εἰσέρχεται,* etc. Men. 83. *τυφλὸν ὁ πλοῦτος καὶ τυφλοὺς | τοὺς ἐμβλέποντας εἰς ἑαυτὸν δεικνύει.*

95. *ἀναβλέψειας*] Cf. 117. 126. 866. Herod. II. 111.

98. *πολλοῦ γὰρ αὐτοὺς οὐχ ἑόρακά πω χρόνου*] Cf. Plat. Gorg. p. 448 A. *οὐδείς μέ πω ἠρώτηκε καινὸν οὐδὲν πολλῶν ἐτῶν.* Thuc. I. 138. *μέγας καὶ ὅσος οὐδείς πω Ἑλλήνων.* Apud Platonem in codd. mss. semper legitur *ἑώρακα, ἑωρακὼς,* etc.

99. *οὐδ' ἐγὼ γὰρ —*] Cf. Lys. 130.

106. *ἄλλος*] Corrigendum, ni fallor, *ἀγαθός.*

109. *ὑπερβάλλουσι τῇ μοχθηρίᾳ*] Cf. Eur. Fr. 814, 2. *ἀνδρὶ γάρ τοι, κἂν ὑπερβάλλῃ κακοῖς,* etc. Lycurg. § 136. *τοσοῦτον ὑπερβέβληκε δειλίᾳ ὥστε* etc.

111. *οἰμώξει μακρά*] Cf. Pac. 255. *κλαύσει μακρά.* Av. 1207. Eupol. 305. *οἰμώξει μακρά.* Diph. IV. 395. *οἰμώξει μακρά.*

114. Cf. infra 348. *ἔνι γάρ τις ἔνι κίνδυνος.* Soph. El. 459. *οἶμαι μὲν οὖν οἶμαί τι* etc. Phil. 1241. *ἔστιν τις ἔστιν.* Fr. 1021. *ἔσται γὰρ ἔσται.* Eur. Or. 971. *βέβακε γὰρ βέβακε.* 257. *αὗται γὰρ αὗται.* Alc. 398. *ἴδε γὰρ ἴδε.* 1093. *αἰνῶ μὲν αἰνῶ.* 1017. *μέμφο-*

μαι μὲν μέμφομαι. Andr. 980. ἤλγουν μὲν ἤλγουν, συμφορὰς δ' ἠνειχόμην. Fr. 287. ἀλγεῖ μὲν ἀλγεῖ, παγκάλως δ' ἀλγύνεται. Ion. 425. ἔσται τάδ' ἔσται. Alc. 238. Bacch. 732. ἕπεσθέ μοι | ἕπεσθε. Aesch. Prom. 338. αὐχῶ γὰρ αὐχῶ τήνδε δωρεὰν ἐμοῦ | δώσειν Δία. 274. πίθεσθέ μοι πίθεσθε. Dem. p. 1024. πολὺς γὰρ πολύς.

σὺν θεῷ δ' εἰρήσεται] Cf. Soph. Fr. 438, 1. σὺν θεῷ | εἰπεῖν. Eur. Rhes. 468. σὺν δ' Ἀθραστείᾳ λέγω. Xen. Anab. VII. 2. 34. εἰ δέ μοι ὑμεῖς παραγένοισθε, οἶμαι ἂν σὺν τοῖς θεοῖς ῥᾳδίως ἀπολαβεῖν τὴν ἀρχήν.

119. Cf. Soph. El. 470. ὡς, εἰ τάδ' ἡ τεκοῦσα πεύσεται, πικρὰν | δοκῶ με πεῖραν τήνδε τολμήσειν ἔτι.

121. Cf. Alex. III. 520. περινοστεῖν σχολὴν | ἄγοντα.

127. ὦ] Cf. Eur. Hel. 445. ὦ· μὴ πρόσιλλε χεῖρα etc.

136. ὁτιὴ τί δή;] Cf. ad Nub. 755.

138. ψαιστὸν] Cf. 1115. Antiph. 206, 3. Porphyr. de abstin. II. 129. καὶ τιμᾶν (τοὺς θεοὺς) λιβανωτοῖς καὶ ψαιστοῖς καὶ ποπάνοις. Hesych. ψαιστά· ἄλφιτα ἐλαίῳ δεδευμένα.

144. ἀνθρώποισι] Cf. Nub. 841. ὅσαπέρ ἐστιν ἀνθρώποις σοφά.

146. Cf. Aesch. Pers. 234. βασιλέως ὑπήκοος. Eur. Her. 287. Ἀργείων πόλιν | ὑπήκοον. Herod. VII. 111. Xen. Cyr. IV. 2. 1. Anab. V. 5. 1. De collocatione particulae γὰρ cf. ad Av. 1545. Vesp. 814. Pl. 146. 1120. Nub. 1198.

152. Cf. Pl. 964. μὴ δῆτ'· ἐγὼ γὰρ αὐτὸς ἐξελήλυθα. Lepide haec illustrat Machonis locus apud Athen. XIII. 579 A. αἰτουμένην λέγουσι τὴν πυγήν (τὴν πόρνην?) ποτε | ὑπὸ τοῦ βασιλέως Μανίαν Δημητρίου | ἀνταξιῶσαι δωρεὰν καὐτόν (δοῦναι?) τινα· | δόντος δ' ἐπιστρέψασα μετὰ μικρὸν λέγει, | Ἀγαμέμνονος παῖ, νῦν ἐκεῖν' ἔξεστί σοι.

153. Schol. ἔτυχον διὰ βίου (διαβολῆς Headlam, coll. Lys. 171, 30.). Ibid. ὑποχλωρόν idem.

155. πόρνος] Cf. Xen. Mem. I. 6. 13.

159. περιπέττουσι] Cf. Vesp. 668. τούτοις τοῖς ῥηματίοις περιπεφθείς. Fr. 321, 2 K. ὅσοις τε περιπέττουσιν αὐτὰς προσθέτοις. Men. IV. 260. Men. 652. τότε τὰς γυναῖκας δεδιέναι μάλιστα δεῖ | ὅταν τι περιπέττωσι χρηστοῖσιν λόγοις (ita enim corrigo). Plat. Legg. X. 886 E. λόγοισι καὶ ταῦτα εὖ πως εἰς τὸ πιθανὸν περιπεπεμμένα. Xen. Oecon. I. 20. λῦπαι ἄρα ἦσαν ἡδοναῖς περιπεπεμμέναι. Lucian. Anach. 19. περιπέττειν τὸ πρᾶγμα τοῖς λόγοις. Baton. 7, 6. πεπλασμένως | τὸ πρᾶγμα περιπέττουσι κοὐκ ἀληθινῶς.

163—168. Haec inter personas *XP.* et *KA.* distribuenda sunt.

165. λωποδυτεῖ] λῶπος est apud Theocritum.

170. μέγας δὲ βασιλεὺς] Cf. Ach. 65. ὡς βασιλέα τὸν μέγαν. Aristag. 4. βασιλεύς (sine ὁ). Herod. I. 188. στρατεύεται βασιλεὺς ὁ μέγας etc. κομᾷ] Cf. Aelian. V. H. XIV. 13. οὕτως ἐκόμα ἐπὶ τούτοις.

173. *τὸ ξενικὸν*] Sic *τὸ ἐπικουρικὸν* (Thuc.), *τὸ ἑταιρικὸν* (Thuc.). *τὸ ὁπλιτικὸν, τὸ ἑταιρικὸν, τὸ ἱππικὸν, τὸ ναυτικὸν, τὸ τοξικὸν, τὸ μισθοφορικὸν, τὸ πελταστικὸν, τὸ πολιτικὸν* (*στράτευμα*), *τὸ Ἑλληνικόν* (Herod. VII. 139. 145. VIII. 144.).

174. *κλαύσεται*] Cf. 425. Vesp. 1318. Lys. 437. Th. 923. Ran. 1209. *τουτὶ τί ἦν τὸ ληκύθιον; οὐ κλαύσεται;* Eupol. 209, 1. *χάμυνίας ἐκεῖνος ἀμέλει κλαύσεται* | *ὅτι* etc. Ran. 178. *οὐκ οἰμώξεται;*

177. Schol. *τερατώδης* (l. *ὡς τερ.*) *δὲ* —. Ibid. *ὡς ὁ* (del. *ὁ*?) *Πλάτων ὁ κωμικός*.

179. Cf. Philetaer. 9, 7. *περὶ δὲ Ναΐδος σιωπῶ· γομφίους γὰρ οὐκ ἔχει.* Schol. *ὡς εὔπορος* (l. *ἀπαίδευτος* ex schol. ad 303. aut *ἄγροικος*).

182. *μονώτατος*] Cf. Eq. 352. Lycurg. § 90. *μονώτατοι ἐπώνυμοι τῆς χώρας εἰσί.* ibid. *μονώτατος δ' ἂν — ἐξορισθείη τῆς χώρας*. Theocr. XV. 137. *ἡμιθέων, ὡς φαντί, μονώτατος*.

188. Cf. Herod. VII. 49. 2. *εὐπρηξίης οὐκ ἔστι ἀνθρώποισι οὐδεμία πληθώρη*. Theogn. 227 sq. 1151 sq. Aesch. Ag. 1331. *τὸ μὲν εὖ πράττειν ἀκόρεστον ἔφυ* | *πᾶσι βροτοῖς*.

196. Cf. Theocr. V. 144. *ἀνυσάμαν τὰν ἀμνόν*.

202. *νὴ τὸν Δί' ἀλλὰ* —] Cf. Th. 260. *νὴ Δί' ἀλλ' ἄριστ' ἔχει*.

203. Cf. Eur. Phoen. 597. *δειλὸν δ' ὁ πλοῦτος καὶ φιλόψυχον κακόν*. Eur. Fr. 237. *πλουτεῖς· ὁ πλοῦτος δ' ἀμαθία δειλόν θ' ἅμα*.

204. Cf. Apollodor. com. IV. 453. *εἰς οἰκίαν ὅταν τις εἰσίῃ φίλου*. Menand. IV. 250. *τὰ μετὰ γυναικὸς δ' εἰσιόντ' εἰς οἰκίαν* | *οὔτ' ἀσφαλῆ τὴν κτῆσιν οὔθ' ἱλαρὰν ἔχει*. Eur. Fr. 364, 12. *τὰ γὰρ κακῶς* | *οἴκους ἐσελθόντ' οὐκ ἔχει σωτηρίαν*. In schol. (nonne *τί ποτ' ἐστὶν ὠχρὸν*?).

216. In editione mea pro "Philetaer. III. 3." corr. "Philetaer. III. 292."

227. *τουτοδὶ*] Cf. ad Eq. 1357. Alex. 84, 2. *κρεάδι'* (ᾱ), *ἐντερίδια*, etc. *κρείδιον*] Cf. Men. 518, 13. *κρεάδι' ὀπτᾷ καὶ κίχλας τραγήματα*. De mensura secundae in hac voce constat ex Cephisodori loco Fr. 8. *κρεάδιόν τι φαῦλον ἢ ταρίχιον*.

228. *τῶν ἔνδοθεν τις*] Cf. 964. Soph. El. 1323. *ὡς ἐπ' ἐξόδῳ κλύω* | *τῶν ἔνδοθεν χωροῦντος*.

233. *μεστὴν ποιῆσαι*] Cf. Eq. 814. *ὃς ἐποίησεν τὴν πόλιν ἡμῶν μεστὴν εὑρὼν ἐπιχειλῆ* (*πυρῶν ἐπὶ χεῖλος*?).

234. Cf. Eur. Fr. 364, 12. *τὰ γὰρ κακῶς* | *οἴκους ἐσελθόντ'* (*χρήματα*) *οὐκ ἔχει σωτηρίαν*.

241. *ἔξαρνός ἐστι μηδ' ἰδεῖν με πώποτε*] Cf. Eq. 572. Dem. p. 818. *μὴ λαβεῖν ἐξαρνούμενος*. Herod. III. 66. *ἔξαρνος ἦν μή μιν ἀποκτεῖναι Σμέρδιν*.

244. *ἐν ἀκαρεῖ χρόνῳ*] Lege *ἐν ἀκαρεῖ χρόνου*. Cf. Alciphr. Epist. III. 56. 2. *ἐν ἀκαρεῖ χρόνῳ* (*χρόνου* Cobet.). Similiter I. Cor. XV. 52. *ἐν ἀτόμῳ* (sc. *χρόνῳ* aut *χρόνου*), *ἐν ῥιπῇ ὀφθαλμοῦ*.

245. *μετρίου — ἐπέτυχες*] Cf. Philem. 28, 7. *εἶτ' ἐκ τοῦ κακοῦ | σωτηρίας ἐπέτυχον.* Diph. 115. *γυναικὸς ἐσθλῆς ἐπιτυχεῖν οὐ ῥάδιον.*

253. *θύμον*] Cf. Aristophont. III. 361. *ἀπολαῦσαι θύμων | λαχάνων τε κάμπη.*

255. *ἴτ', ἐγκονεῖτε, σπεύδεθ'*] Cf. Eur. Hec. 507. *σπεύδωμεν, ἐγκονῶμεν.* Soph. Aj. 811. *χωρῶμεν, ἐγκονῶμεν.*

259. *ἴσως — θεῖν*] Cf. Men. 824. *παρ' αὐτὸν ἴσα βαίνουσ' ἑταίρα πολυτελής.* Dem. p. 1127, 2. *ἴσα βαίνων ἐβάδιζεν ὑποπεπτωκὼς ἐκείνῳ. πρὶν ταῦτα καὶ φράσαι*] Cf. Soph. Tr. 396. *ᾄσσεις πρὶν ἡμᾶς καὶ νεώσασθαι λόγους.*

266. *ῥυσὸν*] Cf. Theopomp. 75. *δεσπότου πενέστου ῥυσὰ βουλευτήρια.* Eur. El. 490. *ῥυσῷ γέροντι.* Tro. 495. *ῥυσοῖσι νώτοις.* Suppl. 50. *ῥυσὰ δὲ σαρκῶν πολιῶν καταδρύμματα χειρῶν.* Plut. Mor. p. 1057 F. *γέγονεν ἐκ ῥυσοῦ καὶ ὠχροῦ — εὐπρεπὴς* etc.

269. Cf. 804. Diph. 100. *ἔργον συναγαγεῖν σωρὸν* (sc. *χρυσοῦ*) *ἐν πολλῷ χρόνῳ, | ἐν ἡμέρᾳ δὲ διαφορῆσαι ῥάδιον.*

273. Cf. Aesch. Prom. 736. *ἐς τὰ πάνθ' ὁμῶς | βίαιος.* Eur. Hipp. 80. *τὸ σωφρονεῖν εἴληχεν ἐς τὰ πάνθ' ὁμῶς.*

275. *ὡς σεμνὸς —*] Cf. Ran. 178. *ὡς σεμνὸς ὁ κατάρατος.*

276. *ποθοῦσαι*] Cf. Vesp. 1365. Lys. 605.

277. Cf. Eccl. 683. Aristot. Resp. Ath. c. 63. *ἐπέθηκε φέρων ὁ ὑπηρέτης ἐφ' ἕκαστον δικαστήριον τὸ γράμμα τὸ λαχόν.* Schol. III. *ἔρχεται ἕκαστος εἰς τὸ* (l. *εἰς τὸ δικαστήριον* cum Schoemanno) *πινάκιον ἔχων.* Exciderat *δικαστήριον* propter homoeoteleuton *πινάκιον.*

278. Schol. *τοῖς γὰρ δικαστηρίοις χρῶμα* (*χρώματα* est Arist. Resp. Athen. Col. 32., et statim sequitur *ἐπιγέγραπται ἐφ' ἑκάστῳ*) *κτλ.*

279. *μόθων εἶ καὶ — κόβαλος*] Cf. Eq. 634. *ἄγε δὴ φένακες — Βερέσχεθοί τε καὶ Κόβαλοι καὶ Μόθων.*

292. *τέκεα — ἐπαναβοῶντες*] Similiter Vesp. 408. *βαλόντες — παιδία.*

295. *ἀκρατιεῖσθε*] Cf. Fr. 739. *ἀκρατιοῦμαι.* 793. *ἠκρατίσω.* Cum *ἀκρατίζειν* cf. *ἀριστίζειν, σιτίζειν, δειπνίζειν.*

301. *σφηκίσκον*] I. q. *σκόλοπα.* Vox occurrit Arist. Resp. Athen. col. 32. (ap. schol. Pl. 278.). Polyb. V. 89. 6.

302. *φάρμακ' ἀνακυκῶσαν*] Cf. Ach. 671. *Θασίαν ἀνακυκῶσι λιπαράμπυκα.*

314. *Ἀρίστυλλος*] I. e. *ὡς Ἀρίστυλλος.* Cf. Vesp. 19. Theogn. 1361. *ναῦς πέτρῃ προσέκυρσας ἐμῆς φιλότητος ἁμαρτών.*

316. Cf. Aesch. Ag. 1650. *εἶα δή, φίλοι λοχῖται, τοὔργον οὐχ ἑκὰς τόδε.* 1651. *εἶα δὴ ξίφος πρόκωπον πᾶς τις εὐτρεπιζέτω.*

317. *εἶδος*] Cf. Lucian. Salt. 34. *τὸ Φρύγιον τῆς ὀρχήσεως εἶδος.*

322. *χαίρειν — προσαγορεύειν*] Cf. Nub. 608. *ἐπέστειλεν φράσαι — χαίρειν Ἀθηναίοισι* etc. Eupol. 308. *πρῶτος γὰρ ἡμᾶς, ὦ Κλέων, |*

χαίρειν προσεῖπας πολλὰ λυπῶν τὴν πόλιν. Eur. Cycl. 101. *χαίρειν προσεῖπα* (l. *προσεῖπον*) *πρῶτα τὸν γεραίτατον.* Primus Cleon publice hac salutatione usus est. V. Lucian. pro lapsu 3.

323. *ἀρχαῖον*] Angl. old-fashioned. Cf. 1357. Eupol. Fr. 139. *τὰ Στησιχόρου — ἀρχαῖον ἀείδειν.*

324. *ἀσπάζομαι*] Cf. Nub. 1145. *Στρεψιάδην ἀσπάζομαι.*

325. *κατεβλακευμένως*] Sic *ἔγνωκα, ἐξεγλυμμένος* (Eupol.), *διέγλυμμαι, κατεγλώττισμαι, ἀπεγλυκασμένος, ἀπεγλαυκωμένος.* Cf. Aesch. Suppl. 724. *σεσωφρονισμένως.* Herod. III. 104. 1. *λελογισμένως. ἀπηκριβωμένως* (Alex. III. 480.). *κατεγγυπωμένως* (Men. IV. 309.).

326. *ὅπως δέ μοι — συμπαραστάται | ἔσεσθε καὶ σωτῆρες*] Cf. Ran. 385. *συμπαραστάτει καὶ σῶζε —.* Eccl. 15.

328. *ἄντικρυς*] Lucian. de M. c. 26. *ὕβρις ἄντικρυς καὶ ἀτιμία.*

329 sq. Notanda modorum diversorum conjunctio, ut in Vesp. 283 sq. 1095 sq.

329. *τριωβόλου*] Quae merces judicialis erat. Cf. Eccl. 188. 293. 308. 380. Schol. *οὐχ ἵστατο τοῦ δικαστικοῦ* (l. *τῶν δικαστῶν*, coll. schol. R. Nub. 862. aut *ὁ δικαστικὸς μισθός*, coll. schol. Ran. 140. *πρὸς τὸν δικαστικὸν μισθόν*).

330. Cf. Theocr. XV. 72. *ἀθρόος ὄχλος· | ὠθεῦνθ' ὥσπερ ὕες.* Schol. *τῶν ξ'* (*ξέ* cod. Dübneri. lege *τῶν λ'*) *ἐνιαυτῶν.*

334. Sic Nub. 382. *περὶ τοῦ πατάγου καὶ τῆς βροντῆς.*

341. *χρηστόν τι πράττων*] Bonam fortunam expertus. Cf. Ran. 599.

344. Schol. *κρεῖττον ἢ παρὸ* Headlam.

348. *ἔνι γάρ τις ἔνι —*] Cf. Eur. Fr. 67, 5. *τῷ μὲν γὰρ ἔνι κίνδυνος,* etc. Fr. 627. *εἰσὶν γὰρ εἰσὶ διφθέραι μελαγγραφεῖς.* [Eur.] Fr. 1131, 3. *ἔστιν γὰρ ἔστιν* (*θεός*).

350. *κατορθώσωμεν — σφαλῶμεν*] Cf. Ran. 735. Thuc. III. 39. *ἢ κατορθωσάντι — σφαλέντι.*

355. *οὐδὲν ὑγιές —*] Cf. Eur. Fr. 496, 5. *οὐδὲν δοκοῦσιν ὑγιὲς ἀνδράσιν φρονεῖν.*

358. *παρὰ τοῦ θεοῦ*] Cf. Eccl. 522. *οὔ τοι παρὰ τοῦ μοιχοῦ γε φήσεις.*

361. *ὑπονόει*] Cf. Lys. 1234. *ἃ δ' οὐ λέγουσι, ταῦθ' ὑπονενοήκαμεν.* 38. Pac. 933. *παῦσον δ' ἡμῶν τὰς ὑπονοίας.*

362. *φεῦ* extra versum, ut in Ach. 457.

364. Cf. Ran. 42. *οὔ τοι μὰ τὴν Δήμητρα δύναμαι μὴ γελᾶν.* 668. *ὑγιαίνειν*] Anglice, to be of sound mind. Cf. 507. 1060. 1066. Nub. 1275. *οὐκ ἔσθ' ὅπως σύ γ' αὐτὸς ὑγιαίνειν δοκεῖς.* Pac. 95. Av. 1214. Alex. Fr. 262, 1. *ὑγιαίνων νοῦν τ' ἔχων.*

365. *μεθέστηχ'*] Cf. 995. Eq. 397. Vesp. 1451. Eur. Her. 796. *νέος μεθέστηκ' ἐκ γέροντος αὖθις αὖ.* Med. 911. *ἀλλ' εἰς τὸ λῷον σὸν μεθέστηκεν κέαρ.*

367. *κατὰ χώραν ἔχει*] Cf. Ran. 793. *ἕξειν κατὰ χώραν*. Philem. 151. *ἐπὰν ὁ νοῦς ᾖ μὴ καθεστηκὼς τινι*. Herod. VI. 42. *κατὰ χώρην διατελέουσι ἔχοντες*. Alibi *κατὰ χώραν μένειν*, ut apud Herod. IV. 201. *μένειν τὸ ὅρκιον κατὰ χώρην*.

368. Cf. Eur. Fr. 691. (*τὸ βλέμμα*) *σου κατηγορεῖ* | *σιγῶντος ὡς* —. *ἐπίδηλον*] Cf. Eq. 661. *κλέπτων δήπου 'στ' ἐπίδηλος*.

369. Lege *σὲ μὲν οἶδ'* —. Cf. Soph. Fr. 152. *ἐγᾦδ' ὃ φεύγεις*.

372 sq. Cf. Myrtil. II. 419. *ὡς ὁ μὲν κλέπτης, ὁ δ' ἅρπαξ*. Philem. IV. 67. *ἅρπαζ' ἀπελθών, κλέπτ', ἀποστέρει, κύκα*. Aesch. Ag. 517. *ὀφλὼν γὰρ ἁρπαγῆς τε καὶ κλοπῆς δίκην* etc.

373. *ἀπεστέρηκας*] Cf. Nub. 1305. *ἀποστερῆσαι βούλεται* | *τὰ χρήμαθ' ἁδανείσατο*. Plat. Resp. V. 344 B. *ἀποστερηταὶ καὶ κλέπται*.

377. *ἀπὸ σμικροῦ*] Cf. ad Eq. 538. *ἀπὸ σμικρᾶς δαπάνης*. 788. Dem. 25, 23. *τὸ τὴν βουλὴν — ἀπὸ τῆς ἀσθενοῦς τοιαυτησὶ κιγκλίδος τῶν ἀπορρήτων κυρίαν εἶναι*.

378. *διαπρᾶξαι*] Schol. Eq. 84. *ὅτι οὐχ οἷός τε ἦν διαπράξασθαι τῷ βασιλεῖ ἅπερ ἐπηγγείλατο*.

379. Cf. Cratin. 186, 4. *εἰ μὴ γὰρ ἐπιβύσει τις αὐτοῦ τὸ στόμα*, | *ἅπαντα ταῦτα κατακλύσει ποιήμασιν*. Herod. VI. 125. *τοῦ τὸ στόμα ἐπέβυστο* (l. *ἐπεβέβυστο*, sc. *χρυσῷ*). Lucian. Tim. 9. *ἐπιβύειν τὰ ὦτα*.

381. *ἀναλώσας λογίσασθαι*] Cf. Dem. p. 27. *ἀνάλωμα λογισθῆναι*. Vesp. 654. *λόγισαι μὴ ψήφοις ἀλλ' ἀπὸ χειρός*.

382. *καθεδούμενον*] Cf. Dem. p. 1176. *Ὀλυμπιόδωρος ἠγωνίζετο — κἀγὼ σιωπῇ ἐκαθήμην ἐπὶ τοῦ ἑτέρου βήματος*. Dicitur *τὸ βῆμα τοῦ δικαστηρίου*, ut in Eccl. 678. Cf. etiam Ach. 1129.

388. *ἀπαρτὶ*] Cf. Pher. 71. 93. Plat. 58.

389. *οὕτω πάνυ πολλὰ*] Cf. Eq. 1134. *πυκνότης — οὕτω* (*τούτῳ* libri) *πάνυ πολλή*.

390. *ὥς γ' ἐμοὶ δοκεῖς*] Cf. ad 1035. *κατασέσηπας, ὥς γ' ἐμοὶ δοκεῖς*.

394. *οὐκ ἐς κόρακας;*] Cf. Theogn. 833. *πάντα τάδ' ἐν κοράκεσσι καὶ ἐν φθόρῳ*.

399. *οὐκ ἐστί πω τὰ πράγματ' ἐν τούτῳ*] Cf. Eq. 843. *οὐκ — ταῦτ' ἐστί πω ταύτῃ*. Eur. Med. 365. *ἀλλ' οὔτι ταύτῃ ταῦτα, μὴ δοκεῖτέ, πω*. Plat. Prot. 310 C. *εἰ γὰρ ἐν τούτῳ εἴη*. Soph. Ant. 39.). *εἰ τάδ' ἐν τούτοις* (*ἐν τούτῳ 'στ'* aut *ἔσθ' οὕτως*?).

402. *ἑνί γε τῳ τρόπῳ*] I. q. *ἀμῶς γέ πως*. Cf. Ran. 645. *ἤδη 'πάταξά σ'. ΞΑ. οὐ μὰ Δί'. ΑΙ. οὐδ' ἐμοὶ δοκεῖ*. Dem. p. 785. *τούτων ἕκαστος ἕν γέ τι πράττων κατὰ τὴν ἀγορὰν περιέρχεται*.

404. *οὐκ ἐτὸς*] Cf. 1166. Ach. 411. 413. Av. 915. Th. 921. Eccl. 245. Fr. 116.

411. Cf. 621. 662. 743. Vesp. 123. Herod. VIII. 134.

415. *θερμὸν ἔργον*] Cf. Soph. Tr. 1046. *ὦ πολλὰ δὴ καὶ θερμὰ — μοχθήσας ἐγώ*. Aelian. Epist. 1. *διενόουν δρᾶσαί τι θερμόν*.

422. Cf. Ach. 412. *ἀτὰρ τί τὰ ῥάκι' ἐκ τραγῳδίας ἔχεις;*

424. Cf. Plat. Charm. 155 D. ἐνέβλεψέ τέ μοι — ἀμήχανόν τι οἷον. Lucian. Amor. 29. δεινόν τι καὶ θηριῶδες — ὑποβλέπων. Lucian. Cat. 22. φοβερόν τι — προσβλέπων. Alciphr. III. 21. βλέπων φονῶδές τι καὶ αἱμοβόρον.

428. ἐνέκραγες —] Cf. Thuc. VIII. 84. 2. ὥρμησαν ἐγκραγόντες ἐπὶ τὸν Ἀστύοχον ὥστε βάλλειν.

429. Cf. 856. οὐ γὰρ σχέτλια πέπονθα νυνὶ πράγματα —;

435. ἧκ τῶν γειτόνων] Cf. Lys. 701. ἐκ τῶν γειτόνων. 432. Nicostr. III. 286. ὁ κάπηλος γὰρ οὐκ τῶν γειτόνων etc.

441. Cf. 663. Aelian. V. H. IX. 24. σχολῇ γ' ἂν οὗτος ἐπὶ χαμεύνης κατεκλίθη | ἢ στιβάδος (com.).

442. ἧς —] Cf. Monost. 450. πενίας βαρύτερον οὐδέν ἐστι φορτίον. Menand. 982. Adesp. 183.

443. Cf. Eccl. 1053. τοῦτο γὰρ ἐκείνου τὸ κακὸν ἐξωλέστερον. 1070. Antiph. III. 86. τούτου γὰρ οὐδέν ἐστιν ἐξωλέστερον. Diph. IV. 415. οὐκ ἔστιν οὐδὲν τεχνίον ἐξωλέστερον.

445. Cf. Thuc. III. 36. παρὰ πολὺ ἐν τῷ τότε πιθανώτατος. Semper fere πολὺ cum superlativo, perraro παρὰ πολὺ (Anaxandr. III. 181.), usurpant comici. V. Lex. com. VI. 855—866.

464. Cf. Eur. Suppl. 1120. τί γὰρ ἂν μεῖζον τοῦδ' ἔτι θνητοῖς | πάθος ἐξεύροις ἢ τέκνα θανόντ' ἐσιδέσθαι;

476. κύφωνες] Cf. 606. Cratin. 175. ἐν τῷ κύφωνι τὸν αὐχέν ἔχων. Zenob. IV. 7. ἐκ παντὸς ξύλου | κύφων γένοιτ' ἄν. De accentu v. Herodian. I. 37. 9.

480. τίμημ'] Mulctam. Cf. Vesp. 897. τίμημα κλῳὸς σύκινος. 847. τιμᾶν βλέπω. Aesch. 3, 15. τίμημα ἐπιγράφεσθαι. 30, 4. τίμημα ἐπέθηκαν (sc. τῇ γραφῇ) ἑκατὸν τάλαντα. Dem. p. 797, 25. τοσοῦτον ἐπιθεῖναι τίμημα χρημάτων. p. 1252. ἐν τιμήσει βουλομένων τῶν δικαστῶν θανάτου τιμῆσαι αὐτῷ (sc. τίμημα).

482. ἀποχρήσουσιν] Sufficient. Cf. Av. 1603. ἐμοὶ μὲν ἀπόχρη ταῦτα. Aesch. Ag. 1574. βαιὸν ἐχούσῃ πᾶν ἀπόχρη μοι.

483. Cf. Aristophont. 9, 10. κἂν μὴ κατεσθίωσι καὶ τοὺς δακτύλους, | ἐθέλω κρέμασθαι δεκάκις. Plat. Legg. X. 908 E. οὐχ ἑνὸς οὐδὲ δυοῖν ἄξια θανάτοιν ἁμαρτάνων.

485. ἢ τί γ' ἂν —] Cf. Eq. 413. ἢ μάτην γ' ἂν etc. Nub. 689.

488. μαλακὸν — ἐνδώσετε] Cf. Plut. Tib. Gracch. 2. ὁπηνίκα τραχυνόμενον αἴσθοιτο τῇ φωνῇ — ἐνεδίδου τόνον μαλακόν, ᾧ — ἐπραΰνετο etc. Eur. Hec. 1239. χρηστῶν ἀφορμὰς ἐνδίδωσ' ἀεὶ λέγων.

493. χρήσιμον εἰς ἅπαν ἔργον] Cf. Paul. Epist. ad Tim. II. 2. 21.

494. Cf. Men. IV. 93. τυφλὸν ὁ πλοῦτος. Amph. III. 310. τυφλὸς ὁ Πλοῦτος εἶναί μοι δοκεῖ.

503. αὐτὰ] Cf. Ran. 1025. ἀλλ' ὑμῖν αὔτ' ἐξῆν ἀσκεῖν (sc. τὰ πολεμικά, quod subaudiendum ex praec. ἐκ τοῦ πολέμου). Lucian. Var. V. H. II. 37. τὰ πλοῖα δ' ἔχουσι μεγάλα κολοκύνθινα —. ἐπειδὰν γὰρ ξηρανθῶσι (sc. αἱ κολοκύνθαι), κοιλάναντες αὐτὴν ἐμπλέουσιν.

508. *ξυνθιασῶτα τοῦ ληρεῖν*] Cf. Eq. 255. *φράτερες τριωβόλου.* Vesp. 728. Av. 678. *ξύννομε τῶν ἐμῶν ὕμνων.*

512. *τούτοιν ἀφανισθέντοιν*] Feminina, ut *ἕλκοντε.* Eccl. 1087.

515. *καρπὸν Δηοῦς*] Cf. Ran. 382. *τὴν καρποφόρον βασίλειαν.* Antiph. 1, 2. *αἴρω ποθεινὴν μᾶζαν, ἥν φερέσβιος | Δηὼ* (ita Casaub. *Δημήτηρ* libri) *βροτοῖσι χάρμα δωρεῖται φίλον.* 52, 9. Xenarch. 1, 5. *θεᾶς Δηοῦς σύνοικος.* Theocr. X. 42. *Δάματερ πολύκαρπε, πολύσταχυ,* etc. Herod. I. 193. 3. *ἀρίστη* (*χώρη*) — *Δήμητρος καρπὸν ἐκφέρειν.* II. 14. *οὔτε ἀρότρῳ ἀναρρηγνύντες αὔλακας.* In schol. *τὸ ἔπος τοῦτο* significat hic versus.

521. Cf. Hermipp. 63, 19. *αἱ Παγασαὶ* (in Thessalia) *δούλους καὶ στιγματίας παρέχουσιν.* Schol. *οἱ Θετταλοί* (imo *Θεσσαλοί*).

524. *τοῦτο ποιῆσαι*] Sc. *ἀνδραποδίσασθαι.* Cf. ad Ran. 358. *ἢ βωμολόχοις ἔπεσιν χαίρει μὴ 'ν καιρῷ τοῦτο ποιοῦσιν* (*ποιούντων*?).

ἐς κεφαλὴν σοί] Cf. Plat. Euth. 283 E. *σοὶ ἐς κεφαλήν.* Sophron. Fr. 9. *ἃ δὲ ξύσμα ἐκ ποδῶν εἰς κεφαλὰν ἱππάζεται.*

526. *τρίψεις βίοτον*] Cf. Pac. 590. *βίον ἐτρίβομεν γεωργικόν.* 651.

529. *μύροισιν μυρίσαι στακτοῖς*] Cf. Ephipp. 26, 2. *μύροις | λούομαι ψακαστοῖς* (l. *ἀλείφομαι στακτοῖσι*).

530. *δαπάναις*] Cf. Vesp. 1146. *πολλαῖς δαπάναις.* Eur. Fr. 641. *δαπάνας ὅταν θανοῦσι* (*θεοῖσι*?) *πέμπωσιν κενάς.*

531. Cf. Eccl. 1094. *ἀλλ' οὐδὲν ἔσται σοι πλέον.* Cratet. 14, 4. *τί δῆτα τοῦτ' αὐτοῖς πλέον;* Eurip. Fr. 84, 1. *ἢ τί πλέον εἶναι παῖδας ἀνθρώποις, πάτερ, —;* Moschion. Fr. 8, 2. *τί τὴν ἄναυδον γαῖαν ὑβρίζειν πλέον;*

535. *φῴδων*] Cf. Cratin. 213. *πολυτρήτοις φῳσί.* Fr. 345, 2. Poll. VII. 10. *φῷδες δὲ αἱ ἀπὸ τῆς φλογὸς φλύκταιναι* (vesiculae). Bekk. Anecd. 70, 27. Hipponact. 59. *πρὸς τὴν μαρίλην τοὺς πόδας τε θερμαίνων | φῷδάς τ' ἔχων οὐ παύεται* (ita conj. Bergk.).

536. *κολοσυρτόν*] Cf. ad Vesp. 666. *τὸν 'Αθηναίων κολοσυρτόν.*

537. Cf. Aristophont. 12, 9. *φθεῖρας δὲ καὶ τρίβωνα τήν τ' ἀλουσίαν | οὐδεὶς ἂν ὑπομείνειε τῶν νεωτέρων.*

539. *ἐπεγείρουσαι*] Cf. Nub. 79. Av. 83. 84. Pher. II. 335. *μήδ' εὕδοντ' ἐπέγειρε.*

541. *στιβάδα*] Cf. Eur. Tr. 507. *στιβάδα πρὸς χαμαιπετῆ.*

ἣ τοὺς εὕδοντας ἐγείρει] Cf. 663. Fr. II. 1123. Eupol. II. 437. Soph. Fr. 804. *ἐπεγειρομένων κερκίδος ὕμνοις, ἣ τοὺς εὕδοντας ἐγείρει.*

542. *φορμὸν*] Cf. Th. 813. Fr. 172.

544. Cf. Plat. com. 171. *φυλλεῖον ἢ ῥαφανίδιον.* Anaxil. 16. *πῶς ἔχεις; ὡς ἰσχνὸς εἶ.* Hom. Od. 19, 233. *κρομύοιο — ἰσχαλέοιο.*

545. *κατεαγότος*] Cf. Liban. ap. Phot. Bibl. 266. *ἐχρήσατο μέλεσι κατεάγοσι.* *μάκτρας*] Cf. Hermipp. 57. *νικᾷ δ' ᾠὰ λιθίνην μάκτραν.* Ran. 1159.

546. *ἐρρωγυῖαν καὶ ταύτην*] Cf. Pac. 1278. *οἰμωγὰς ᾄδον, καὶ ταύτας ὀμφαλοέσσας.* Thuc. IV. 55. *ξυνεστῶτες ναυτικῷ ἀγῶνι, καὶ τούτῳ πρὸς Ἀθηναίους.* Lucian. 70, 35. *ἐπὶ κατεαγότι καὶ ταῦτα ἀμφορεῖ.* Plat. Apol. 18 B. *καίπερ ὄντας καὶ τούτους δεινούς.* Hipp. maj. 292 D. *παρεκάθησο λίθος, καὶ οὗτος μυλίας.* Legg. X. 886 E. *λόγοισι καὶ ταῦτα εὖ πως εἰς τὸ πιθανὸν περιπεπεμμένα.* Pausan. VI. init. *Ἀρχίδαμος — καταβαλὼν καὶ οὗτος παλαιστὰς παῖδας.* Passivo sensu usurpatur medium perfectum *ἔρρωγα* ut *ἔαγα.*

πιθάκνης] Cf. Ion. trag. 10. *ἐκ ζαθέων πιθακνῶν ἀφύσαντες — οἶνον.*

550. Idem, ut videtur, Thrasybulus cujus mentio fit Eccl. 203.

551. *ἀλλ' οὐχ — οὐ μὰ Δί' —*] Cf. 704. ad Nub. 1066. 1470. Ran. 1043.

553. *τοῖς ἔργοις προσέχοντα*] Cf. Ran. 1346. *προσέχουσ' ἔτυχον ἐμαυτῆς ἔργοισι* (Eur.).

554. *μὴ μέντοι μηδ'*] Similiter *οὐ μέντοι οὐδὲ* Herod. II. 142. 4.

555. *ὦ Δάματερ*] Admirantis exclamatio. Cf. 872. Theopomp. 23. Sic *Ζάν* Av. 570. *καθήγισεν*] Cf. ad Soph. Ant. 1081.

556. Cf. Eccl. 592. *τῷ δ' εἶναι* (*γῆς*) *μηδὲ ταφῆναι.* Vesp. 926.

558. Cf. Soph. Ant. 75. *πλείων χρόνος | ὃν δεῖ μ' ἀρέσκειν τοῖς κάτω τῶν ἐνθάδε* (i. e. *ἢ τοῖς ἐνθάδε*).

561. *ἰσχνοὶ*] Ut enim proverbium dicit Macar. VII. 16. *πεινῶντος ἀνδρὸς ἰσχνὰ τἀντικνήμια.* *τοῖς ἐχθροῖς ἀνιαροί*] Cf. Nub. 1161. *τοῖς ἐχθροῖς βλάβη* (*ἀνιαρὸς* al.).

567. *περὶ τὸν δῆμον —*] Cf. Ach. 696. *ἄνδρ' ἀγαθὸν ὄντα Μαραθῶνι περὶ τὴν πόλιν.* Eq. 764.

570. *ἐπιβουλεύουσί τε τῷ πλήθει*] Cf. Lys. c. Agor. 180. *ἐπιβουλεύων τῷ πλήθει τῷ ὑμετέρῳ.*

573. *ἀναπείσειν*] Lege *ἀναπείθειν.* Cf. Eccl. 188. Nub. 546. Av. 465.

576. Notanda collocatio particulae *τε.*

577. De re cf. Nub. 1410.

578. *χαλεπὸν διαγιγνώσκειν*] Cf. Ran. 1100. *χαλεπὸν οὖν ἔργον διαιρεῖν.* Vesp. 985. *χαλεπὸν εἰδέναι.* Theophr. Char. 25. *καὶ λέγειν ὡς ἔργον διαγνῶναί ἐστι πότεροί εἰσιν οἱ πολέμιοι.* Dem. p. 1032. *οὐδ' ὡς χαλεπόν ἐστι γνῶναι περὶ αὐτῶν.*

581. *Κρονικαῖς λήμαις*] Cf. Alex. 62, 2. *πρᾶγμα — Κρονικόν.* Phot. p. 180, 14. *Κρονικώτερα: ἀρχαιότερα, μωρότερα.*

582. *τοῦτ' ἤδη φανερῶς σε διδάξω*] Cf. Nub. 369. 385. Eq. 779. *τοῦτ' αὐτό σε πρῶτα διδάξω.*

584. *δι' ἔτους πέμπτου*] Cf. Alex. III. 483. *δι' ἡμέρας — πέμπτης.* Herod. II. 4. *Ἕλληνες διὰ τρίτου ἔτεος ἐμβόλιμον* (*μῆνα*) *ἐπεμβάλλουσι.* Ovid. Pont. IV. 6. 5. 'quinquennis Olympias.'

589. *ἀναδῶν*] Sic *συνδοῦντες* Antiph. III. 57. *ὑποδῶν* (s. Cobet.) Plat. Prot. p. 321 A.

590. *περιάψας*] Cf. Ach. 640. *ἀφύων τιμὴν περιάψας*. Athenion. com. IV. 557. *καὶ τουτονὶ περιῆψεν ὃν νυνὶ βίον* | *ζῶμεν*. Menand. IV. 239. *εὐθὺς προσάπτει τῇ τύχῃ τὴν αἰτίαν*. [Dem.] 61, 1. *αἰσχύνην μᾶλλον ἢ τιμὴν περιάπτοντα τούτοις*. c. Lept. 10. *δόξαν ἀντὶ καλῆς αἰσχρὰν τῇ πόλει περιάπται*. Lys. XXI. 24. *σωθεὶς αἰσχρῶς ὀνείδη καὶ ἐμαυτῷ καὶ ἐκείνοις περιάψω*. Xen. Cyr. VII. 5. 60. VIII. 4. 32.

593. *τὸ γὰρ ἀντιλέγειν* —] Cf. Nub. 268. Av. 52. Ran. 741.

596. *κατὰ μῆν'*] Cf. Nub. 757. 1287. Pl. 596. Sic *κατὰ σελήνην* Nub. 626.

597. *πρὶν καταθεῖναι*] Cf. Eq. 318. *πρὶν — φορῆσαι*. Ran. 166. *πρὶν καταθέσθαι*..

600. *οὐ γὰρ πείσεις, οὐδ' ἢν πείσῃς*] Cf. ad Aesch. Agam. 1049. 1394.

601. Cf. Eur. Suppl. 808. *ὦ πόλις Ἀργεία, τὸν ἐμὸν πότμον οὐκ ἐσορᾶτε;* 998. *πόλις Ἄργους*. *κλύεθ' οἷα λέγει*] Eadem verba Eq. 813. et Eur. Med. 168.

606. *ἀνύειν*] Cf. Ran. 606. 649.

608. *ἦ μὴν ὑμεῖς γ' ἔτι* —] Lege aut *ἦ μὴν ὑμεῖς*. Cf. Nub. 1242. *ἦ μὴν σὺ τούτων τῷ χρόνῳ δώσεις δίκην*. Eccl. 1034. *ἦ μὴν ἔτ' ὠνήσει σὺ καὶ στεφάνην ἐμοί*. Aesch. Prom. 167. *ἦ μὴν ἔτ' ἐμοῦ — χρείαν ἕξει*. Schol. *ὄντως δέ* (*δή* Headlam).

612. *κλάειν μακρὰ τὴν κεφαλήν*] Cf. Vesp. 584. Lys. 520· *ὀτοτύξεσθαι μακρὰ τὴν κεφαλήν*. 1222. *κωκύσεσθε τὰς τρίχας μακρά·* Eupol. Fr. 305. *οἰμώξει μακρά*.

616. *λιπαρὸς*] Nitidus. Cf. Nub. 1002. *ἀλλ' οὖν λιπαρός γε καὶ εὐανθὴς ἐν γυμνασίοις διατρίψεις*.

618. Cf. Vesp. 618. *τοῦ σοῦ δίνου — κατέπαρδεν*. Pac. 547. *κατέπαρδεν — ἐκεινουί*. Epicrat. III. 370. *κατέπαρδ' αὐτῶν*.

621. *ἐγκατακλινοῦντ' — εἰς Ἀσκληπιοῦ*] Cf. Com. adesp. 104, 9. *ὥσπερ εἰς Ἀσκληπιοῦ* | *ἐγκατακλιθείς*.

628. *ὀλιγίστοις*] Cf. Ran. 115. *ὅπου* | *κόρεις ὀλίγιστοι*.

629. Cf. Alciphr. III. 46. 1. *ὡς εὐτυχῶς, ὡς μακαρίως πεπράγαμεν* (com.).

630. *ὅσοις μέτεστι τοῦ χρηστοῦ τρόπου*] Cf. Ran. 442. *χωρεῖτε — παίζοντες οἷς μετουσία θεοφιλοῦς ἑορτῆς*.

631. Cf. Vesp. 233. *βέλτιστε συνδικαστῶν*. Amips. II. 703. *Σώκρατες, ἀνδρῶν βέλτιστ' ὀλίγων, πολλῶν δὲ ματαιόταθ', ἥκεις —;* Ach. 949. *ὦ ξένων βέλτιστε*. 929. *ὦ βέλτιστε*. Pl. 1170.

635. Cf. Eur. Fr. 541. 545. *ἡμεῖς δὲ Πολύβου παῖδ' ἐρείσαντες πέδῳ* | *ἐξομματοῦμεν καὶ διόλλυμεν κόρας* (oculis privamus).

λελάμπρυνται κόρας] Cf. Aesch. Eum. 104. *εὕδουσα γὰρ φρὴν ὄμμασιν λαμπρύνεται*.

636. Schol. V. *εὐμενεστάτου* (*εὐμενῆ εὑρὼν* aut *λαβών*?).

648. *πέραινε τοίνυν ὅ τι λέγεις ἀνύσας ποτέ*] Cf. Ran. 1170. Eur. Med. 699. *πέραινέ μοι λόγον*. Ion. 1348. *πέραινε σοὺς λόγους*. Andr. 333. Or. 1118. et Vesp. 1168. *ἄνυσόν ποθ' ὑποδησάμενος*. Pher. II. 271. *ἄνυσόν ποτ' ἐξελθών*.

652. Schol. *ἐπὶ κακῷ* (*ἐπὶ κακῶν*?).

655. Cf. Soph. Aj. 488. *εἴπερ τινὸς σθένοντος ἐν πόλει Φρυγῶν*.

656. *μακάριον κεὐδαίμονα*] Cf. Vesp. 550. *εὔδαιμον καὶ μακαριστόν*.

657. *νὴ Δί' εὐδαίμων ἄρ' ἦν* —] Cf. Ran. 1195.

660 sq. Cf. Eur. Iph. A. 1601. *ἐπεὶ δ' ἅπαν | κατηνθρακώθη θῦμ' ἐν Ἡφαίστου φλογὶ* —. De v. *πέλανος* adi Blomf. Gl. ad Pers. 821.

663. Cf. Plut. Mar. 7. *κατακείμενος ἐπὶ στιβάδος εὐτελοῦς*.

666. *ὑπερηκόντικεν*] Cf. Eq. 659. Av. 363. 825. Diph. IV. 407.

670. Cf. Nub. 436. *ἀλλὰ σεαυτὸν θαρρῶν παράδος τοῖς ἡμετέροις προπόλοισι*.

673. *ἀθάρη*] Attice ut *κόρη*. Cf. Pherecr. II. 299. *ποταμοὶ — ἀθάρης πλέῳ ἔρρεον*. *ἐξέπληττε*] Anglice, struck me.

677. Cf. Eupol. 373. *φθοῖσι προπεπωκώς*. De hujus placentae confectione adi Athen. XIV. 647 D. Cum *φθοῖς* confer *οἷς*.

685. *φθάσειέ με — ἐλθὼν*] Cf. Eccl. 596. *ἔφθης μ' ὑποκρούσας*.

687. *προυδιδάξατο*] Cf. Soph. Trach. 680.

690. *παρείας — ὄψις*] Cf. Cratin. 225. *παρεῖαι ὄφεις*.

692. *ἐντυλίξασ'*] Cf. Nub. 987. *ἐντετυλίχθαι*. Athen. 300 B. *ἤσθιον τὰς ἐγχέλεις καὶ μετὰ τεύτλων ἐντυλίξαντες*.

694. *τότ' ἤδη*] Cf. Aesch. Prom. 911. *ἔφλων*] Cf. Pac. 1306. Eodem sensu *σποδεῖν*.

696. *προσήειν*] Cf. Plat. Criti. 114 D. *προσήειν* (sic cod. opt.) *κατῳκήκειν* ibid. 112 B. et ad Nub. 1347.

697. Cf. Ran. 6. *τί δαί; τὸ πάνυ γέλοιον εἴπω*.

701. Schol. *ἰάμβῳ τῶν τριμέτρων* (*τῶν τριμέτρων ἰάμβων*?).

715. Cf. Ach. 435. *ὦ Ζεῦ διόπτα καὶ κατόπτα πανταχῇ*.

718. *σκορόδων — κεφαλὰς*] Cf. Vesp. 679. *σοὶ δ' — οὐδὲ σκορόδου κεφαλὴν — δίδωσι*. Fr. 251. Lucian. Dial. mer. XIV. 3. *οὐδὲ κεφαλίδα μίαν σκορόδου*. *σκορόδων — Τηνίων*] Similiter *ὀρίγανον — Τενέδιον* memoratur Eubul. III. 214.

721. *ἐκστρέψας*] Cf. ad Nub. 88.

722. *κεκραγὼς καὶ βοῶν*] Cf. Nub. 1386. *βοῶντα καὶ κεκραγόθ' ὅτι* etc. Dem. XVIII. 132. 199. Dem. de Cor. 132. *βοῶν ὁ βάσκανος οὗτος καὶ κεκραγώς*.

723. Cf. Lys. 512. *ἐπανηρόμεθ' ἂν γελάσασαι*. Vesp. 795. Machon. Athen. XIII. 582 E. *ἡ δ' εἶπε γελάσασ', εὖ γ'* etc.

725. 'That I may stop your excusing yourself on oath from the Assembly.' (Hickie) Cf. Dem. p. 1150. *οὐ παραγραφομένου ἐμοῦ οὐδ' ὑπομνυμένου*. p. 1153. *παρεγράφετο καὶ ὑπώμνυτο*.

727. Schol. ἐκάλεσεν (ἐκάλουν?). Ibid. δ' (ἤδ' Porson.) ἐπείσοδος.

732. ἐπόππυσεν] Cf. Timocl. 21, 7. ἐπόππυσ', εἶτ' ἐκέλευσε πέμπειν σαργάνας.

739. τὼ χεῖρ' ἀνεκρότησ'] Cf. Eq. 651. οἱ δ' ἀνεκρότησαν etc. Ran. 1029. Plut. Mar. 44. ἀκούσας οὖν ἐκεῖνος — λέγεται — ταῖς χερσὶν ὑφ' ἡδονῆς ἀνακροτῆσαι.

755. οὐκ ἐκ δικαίου] Lege μὴ 'κ τοῦ δικαίου. Cf. Av. 1435. ἐκ τοῦ δικαίου (ζῆν). μᾶλλον ἢ δικορραφεῖν.

756. ὀφρῦς συνῆγον] Cf. Nub. 582. τὰς ὀφρῦς ξυνήγομεν. Fr. 563. σκληροῖσιν οἴνοις συνάγουσι τὰς ὀφρῦς τε καὶ τὴν κοιλίαν. Antiph. III. 128. συναγαγόντα τὰς ὀφρῦς. Aristaen. Epist. I. 17. μὴ σκυθρώπαζε καλή γε οὖσα μηδὲ τὰς ὀφρῦς σύναγε. Sic τοξοποκεῖν τὰς ὀφρῦς Lys. 9. Exspectabam τὰς ante ὀφρῦς. Quare paratragoediam haec esse suspicari licet.

763. ἄλφιτ' οὐκ ἔνεστιν ἐν τῷ θυλάκῳ] Cf. Herod. III. 46. 2. θύλακον ἀλφίτων.

764. Cf. Eq. 647. εἶτ' ἐστεφάνουν μ' εὐαγγέλια. 656. Thuc. IV. 121. τὸν Βρασίδαν — χρυσῷ στεφάνῳ ἀνέδησαν. Plat. Conv. 212 E. ἄνδρες, ἥκω ἐπὶ τῇ κεφαλῇ ἔχων τὰς ταινίας, ἵνα τὴν τοῦ σοφωτάτου καὶ καλλίστου (Agathonis) κεφαλὴν ἀναδήσω. Plut. Per. 28. αἱ γυναῖκες στεφάνοις ἀνέδουν (αὐτὸν) καὶ ταινίαις ὥσπερ ἀθλητὴν νικηφόρον.

765. κριβανιτῶν] Cf. Ach. 87. 1123. Sic ζυμίτης, σποδίτης et κρησερίτης (Diph. IV. 387.), τηγανίτης (Hippon.), αὐτοπυρίτης (Phryn. 38.), ἀλειφατίτης (sc. ἄρτος, Epich. p. 37.), ὀρυζίτης (πλακοῦς), ὁμομίτης (Hesych.), ὀστρακίτης et ἀττανίτης (i. q. τηγανίτης, Athen. XIV. 647 E.).

769. Cf. Timocl. 7, 2. οὗτος δ' ἔοικε τοῖς νεωνήτοις Σύροις.

772. Cf. Nub. 300. λιπαρὰν χθόνα Παλλάδος.

773. ἐδέξατο] ἐγείνατο dixisse tragicum poetam suspicatur Nauck.

782. βάλλ' ἐς κόρακας] Cf. Nub. 133. Th. 1079. Vesp. 835. Pl. 782. Fr. 80.

785. Cf. Cratin. 239, 2. μετὰ χερσὶ δὲ μῆλον (ἕκαστος) ἔχων σκίπωνά τ' ἠγόραζον. Eupol. 42. οἰκοῦσι δ' ἐνθάδ' — οἴκημ' ἔχων ἕκαστος. Herod. I. 169. 1. ἄνδρες ἐγένοντο ἀγαθοί, περὶ τῆς ἑωυτοῦ ἕκαστος μαχομένοι (l. μαχόμενος). II. 166. 2. τὰ ἐς πόλεμον ἐπασκέουσι μοῦνα παῖς παρὰ πατρὸς ἐκδεκόμενος. VIII. 123. πᾶς τις αὐτῶν ἑωυτῷ ἐτίθετο τὴν ψῆφον, αὐτὸς ἕκαστος δοκέων ἄριστος γενέσθαι. Xen. Anab. VII. 3. 47. οἱ ἱππεῖς οἴχονται ἄλλος ἀλλαχῇ διώκων. II. 1. 15. οὗτοι ἄλλος ἄλλα λέγει. ἐνδεικνύμενος] Cf. Aelian. V. H. II. 27. ἐβουλήθη Πλάτωνι ἐνδείξασθαι τὴν τέχνην.

787. περιεστεφάνωσεν] Lege περιεστεφάνωσέ μ'.

791. Cf. Diodor. com. 2, 7. *οὗτος γὰρ εἰς τὰς οἰκίας εἰσέρχεται | οὐχὶ διακρίνας τὴν πενιχρὰν ἢ πλουσίαν.* Menand. 582, 2. *τὰ μετὰ γυναικὸς δ' εἰσιόντ' εἰς οἰκίαν | οὔτ' ἀσφαλῆ τὴν κτῆσιν οὔθ' ἱλαρὰν ἔχει.*

797. Schol. *οἳ διὰ τὸν αὐτῶν βόλον ἐπειρῶντο τὸν δῆμον πρὸς ἑαυτοὺς ἐπάγειν* (qu. *οἳ διὰ τῶν γελοίων — ὑπάγειν*). Ibid. *οἳ διὰ τῶν ὀβελῶν* (*διὰ τῶν γελοίων*) *ἐπειρῶντο* etc.

804. Cf. Philem. 169, 2. *μεγάλων κακῶν θησαυρὸς ἐξορύσσεται.*

805. *ἐπεισπέπαικεν*] Cf. Xenarch. 1, 3. *ἀλάστωρ τ' εἰσπέπαικε Πελοπιδῶν.* Soph. O. R. 1252. *βοῶν γὰρ εἰσέπαισεν.* Hippoloch. Athen. IV. 129 A. *ἐπεισβάλλουσιν αὐλητρίδες — γυμναί.* Cf. v. *ἐπεισπηδᾶν* Eq. 363. Sic etiam *ἐπικωμάζειν τινί.* V. ad Ach. 982.

807. *οἱ δ' ἀμφορῆς οἴνου μέλανος ἀνθοσμίου*] Cf. Pher. II. 300. *πλήρεις κύλικας οἴνου μέλανος ἀνθοσμίου.* Ran. 1150. Fr. 563. *ἀνθοσμίᾳ καὶ πέπονι* (*μέλανι?*) *νεκταροσταγεῖ.* 301.

811. *μύρου γέμουσι*] Cf. Plat. Phaedr. 275. *πολλῆς ἂν εὐηθείας γέμοι.*

814. *ἰχθυηροὺς*] Sic *ἀλφιτηρὸς, σιτηρὸς, γαρηρὸς, ἐλαιηρὸς, μαζηρὸς, μελιτηρὸς, ἀνθρακηρὸς, ὀξηρὸς, ὑδατηρὸς, ταριχηρὸς, μυρηρὸς, οἰνηρός.* Cf. Fr. 8. *τῆς μυρηρᾶς λυκύθου.* Cratin. 187, 6. *ὀξύβαφον οἰνηρόν.* Aesch. Fr. 96, 2. *κρωσσοὺς μήτ' οἰνηροὺς μήθ' ὑδατηρούς.* Aesch. Fr. 179, 5. *μυρηρῶν τευχέων.* Soph. Fr. 285. *ὀξηρὸν ἄγγος.* Herod. III. 6. 1. *κεράμιον οἰνηρόν.* Eur. Ion. 1179. *οἰνηρὰ σκεύη.*

815. *ἰπνὸς* est furnus in quo panes coquuntur. Antiph. III. 96. Herod. V. 92. 7.

816. *στατῆρσι — ἀρτιάζομεν*] Cf. Plat. Lys. 107 E. *οἱ δέ τινες — ἠρτίαζον ἀστραγάλοις.*

818. Cf. Machon. Athen. XIII. 578 E. *εἰ δὲ λίθον εἶχες; — ὑπολαβοῦσ' ἡ Μανία, | ἔδωκ' ἄν, ἵν' ἔχῃς, φήσ', ἀποψᾶσθαι, τάλαν.*

827. *ἔπειτα τοῦ δέει;*] Cf. Ach. 1026. *εἶτα νυνὶ τοῦ δέει;*

832. Cf. Eubul. III. 261. *ταχέως γέ μ' αἱ χρησταὶ γυναῖκες ἐπέλιπον.* Philippid. IV. 473, 2. *ὅλην λέγοντά μ' ἐπιλίποι τὴν ἡμέραν.*

837. Cf. Anaxil. 22, 28. *οὐδ' ἰδεῖν δόξας ἐκείνην.* Pher. 163. *ἀτόπως καθίζων κοὐδὲ γιγνώσκειν δοκῶν.* Theogn. 857. *τῶν δὲ φίλων εἰ μέν τις ὁρᾷ μέ τι δειλὸν ἔχοντα, | αὐχέν' ἀποστρέψας οὐδ' ἐσορᾶν ἐθέλει.* Plut. Alc. 32. *τοὺς μὲν ἄλλους — οὐδ' ὁρᾶν ἐδόκουν.* Lucian. Tim. 5. *πόρρωθεν ἰδόντες ἑτέραν ἐκτρέπονται.*

842 sq. Cf. 935 sq. Isae. p. 94. *ὀνειδίζει καὶ ἐγκαλεῖ αὐτῷ ὅτι ἐμβάδια καὶ τριβώνια* (paupertatis signa) *φορεῖ.* Cf. ad Vesp. 1157.

843. *τουτί*] Ad *τὸ τριβώνιον* referendum. Itaque deleatur virgula in fine versus 842 vulgo posita.

845. *μῶν ἐνεμνήθης*] Qu. *μῶν οὖν ἐμνήθης.* Cf. Plat. Soph. 250 D. *μῶν οὖν ἐν ἐλάττονί τινι νῦν ἐσμὲν ἀπορίᾳ περὶ τὸ ὄν;* Polit. 292 E. Phil. 23 D. Legg. I. 624 A.

846. *ἐνερρίγωσ'*] Cf. Fr. com. adesp. in Lex. Sabbait. 21, 11. *καὶ τριβώνιον πονηρὸν οἷον ἐνριγισκάνειν*. Corrigendum, ni fallor, *ἐνερρίγησα*.

850. Cf. Nub. 1504. *οἴμοι τάλας, δείλαιος ἀποπνιγήσομαι.*

853. *πολυφόρῳ*] I. e. forti. Cf. Cratin. 180, 1. *ἆρ' οἴσει τρία; συγκέκραμμαι δαίμονι*] Cf. Soph. Ant. 1311. *συγκέκραμαι δύᾳ.* Aj. 895. *οἴκτῳ (οἴτῳ?) τῷδε συγκεκραμένην.* Pind. Ol. X. 123. *ὥρᾳ κεκραμένον.* P. V. 2. *ἀρετᾷ κεκραμένον καθαρᾷ.* X. 65. *νόσοι δ' οὐδὲ γῆρας οὐλομένον κέκραται ἱερᾷ γέννᾳ.* Diphil. IV. 424 *πενία δὲ συγκραθεῖσα δυσσεβεῖ τρόπῳ* etc.

862. *ἔοικε δ' εἶναι τοῦ πονηροῦ κόμματος*] Cf. Ran. 726. *τῷ κακίστῳ κόμματι.*

868. *ἐμὲ τουτονί*] Cf. Eq. 1098. *καὶ νῦν ἐμαυτὸν ἐπιτρέπω σοι τουτονί.* Nub. 141.

870. Cf. Eur. Bacch. 262. *οὐχ ὑγιὲς οὐδὲν ἔτι λέγω τῶν ὀργίων.*

877. *πολλοῦ γ' ἄξιος —*] Cf. Pac. 918. *πολλῶν γὰρ ὑμῖν ἄξιος — ἐγὼ | δεινῶν ἀπαλλάξας πόνων — τὸν γεωργικὸν λεών.* [Dem.] p. 1372, 9. *ἡ βουλὴ — πολλοῦ ἀξία ἐστὶ τῇ πόλει.* Lucian. Bis accus. 17. *ἄνδρα — πολλοῦ ἄξιον τοῖς Ἕλλησιν.*

883. *οὐδὲν προτιμῶ σου*] Cf. Pher. 55. *εἴωθεν ὀβελίαν σποδεῖν, ἄρτου δὲ μὴ προτιμᾶν.* [Dem.] p. 80. *ὧν οὐδὲν προτιμᾷ.* Aesch. Ag. 1672. *μὴ προτιμήσῃς ματαίων τῶνδ' ὑλαγμάτων.* Alciphr. III. 58. *οὐδὲν προτιμῶ.*

Schol. *καὶ* (*ὡς καὶ* Kock. qu. *ὡς*) *Ἀμειψίας.*

884. *Εὐδήμου*] Cf. Cratin. 299. Fr. 250. Eupol. 87. Amips. 27. Antiph. 177, 5. Theophr. H. Pl. IX. 17. 2. *Εὔδημος ὁ φαρμακοπώλης εὐδοκιμῶν σφόδρα κατὰ τὴν τέχνην.*

885. *οὐκ ἔνεστι συκοφάντου δήγματος*] Sub. *φάρμακον.* Cf. Plin. VIII. 41. 'Contra serpentium ictus medentur.'

886. *ἆρ' οὐχ ὕβρις ταῦτ' ἐστὶ πολλή;*] Cf. Lys. 659. *ταῦτ' οὖν οὐχ ὕβρις — ἐστὶ πολλή;* Ran. 21.

888. Cf. Eq. 1226. *ἐγὼ δ' ἔκλεπτον ἐπ' ἀγαθῷ γε τῇ πόλει.* Ran. 1487. *ἐπ' ἀγαθῷ μὲν τοῖς πολίταις, | ἐπ' ἀγαθῷ δὲ τοῖς ἑαυτοῦ | ξυγγενέσι* etc.

891. *ἐπ' ἀληθείᾳ*] Cf. Aesch. Suppl. 628. *ἐπ' ἀληθείᾳ.* Theocr. VII. 44. *πᾶν ἐπ' ἀλαθείᾳ τὸ κεκασμένον ἐκ Διὸς ἔρνος.*

896. *τοῦ ψύχους*] Cf. Eccl. 539. Hermipp. 97. Herod. IV. 28. Plat. Symp. 220 D.

898. Cf. Soph. Phil. 986. *ὦ Λημνία χθὼν, — ταῦτα δῆτ' ἀνασχετά;* Herod. VII. 163. *ὕβριν οὐκ ἀνασχετὸν φαίνων.*

901. Cf. Ran. 749. *τί δέ; πολλὰ πράττων; ΑΙ. ὡς μὰ Δί' οὐδὲν οἶδ' ἐγώ* (*ἄλλο γε*?). Phryn. II. 600. *σὺ δὲ τιμιοπώλης* (?), *Β. ὡς Ἀχιλλεύς γ' οὐδὲ εἷς.*

906. *πόθεν — διέζης*] Sic *διατρέφεσθαι ἀπό τινος* Xen. Mem. II. 7. 6.

912. *καθ' ὅσον ἂν σθένω*] Praeter hanc formulam verbum *σθένειν* non videtur comicis in usu fuisse.

914. Cf. Lysiam apud Athen. p. 551 F. *βαρέως φέρετε ὅτι Κινησίας ἐστὶν ὁ τοῖς νόμοισ βοηθῶν.*

917. *ἄρχειν*] Cf. ad Vesp. 587., ubi judicandi munus *ἀρχὴ* dicitur.

920. Cf. Eccl. 176. *ὁρῶ γὰρ αὐτὴν προστάταισι χρωμένην | ἀεὶ πονηροῖς.* Eq. 1128.

922. Cf. Alex. 220, 11. *δεσμωτηρίου | λέγεις δίαιταν.* Trag. adesp. 373. *λαγὼ βίον [νῦν] ζῇς ὁ πρὶν ἄτρομος λέων.* Similiter fere Eur. Alc. 495. *θηρῶν ὀρείων χόρτον, οὐχ ἵππων, λέγεις.* Sic *λαγὼ βίον ζῆν* Demosth. de Cor. § 267. Lucian. Somn. 9.

924. *οὐδ' ἂν εἰ δοίης γέ μοι —*] Cf. Ach. 966. Vesp. 298. *οὐκ ἂν μὰ Δί' εἰ κρέμαισθέ γ' ὑμεῖς.* Pl. 924. Nub. 108.

926. *κατάθου ταχέως θοἰμάτων*] Cf. Eq. 1227. *κατάθου ταχέως τὸν στέφανον.*

935. *δός σύ μοι τὸ τριβώνιον*] Cf. Eq. 120.

946. *σύκινον*] Cf. Antiph. 122, 4. *σοφιστῶν — λεπτῶν ἀσίτων συκίνων.* Theocr. X. 45. *σύκινοι ἄνδρες.* Horat. Serm. I. 8. 1.

955. *ἕλξει —*] Cf. Eq. 365. 772.

958. *νὼ δ' εἰσίωμεν*] Cf. Av. 661. *νὼ θεασώμεσθα.*

963. *μειρακίσκη*] Cf. Ran. 411. *μειρακίσκης.* Alex. III. 400. *μειρακίσκος.* 467.

966. *ὅ τι — ἐλήλυθας*] Cf. Soph. O. C. 1291. *ἃ δ' ἦλθον ἤδη σοι θέλω λέξαι, πάτερ.* O. R. 1005. Tr. 190. Ph. 552.

969. Cf. Philem. IV. 36. *ἀβίωτον ζῶμεν βίον.* 34. *ἀβίωτος ὁ βίος.* Lucian. Rhet. praec. 1. *ἀβίωτα γὰρ εἶναί σοι φῄς, εἰ μὴ* etc.

972. *οὐ λαχοῦσ' ἔπινες*] Cf. Pac. 348. Aesch. Eum. 715. *ἀλλ' αἱματηρὰ πράγματ' οὐ λαχὼν σέβεις.*

973. *δειλάκρα*] Confer *σαννάκρα* Philem. IV. 30.

974. *κνισμὸν*] A *κνίζω*, quod *ἐρωτικὸν* vocabulum erat. Theocr. IV. 59. *τήναν — ἐρωτίδα, τᾶς ποκ' ἐκνίσθη.* Machon. Athen. XIII. 577 F. *ἧς σφόδρ' ἡδέως | σχεῖν φασι κνισθῆναί τε τὸν Δημήτριον.* Xen. Conv. IV. 28. *ἐν τῇ καρδίᾳ ὥσπερ κνῆσμά τι ἐδόκουν ἔχειν.* Soph. Fr. 494. *τάδ' ἐστὶ κνισμὸς καὶ φιλημάτων ψόφος.*

976. *πενιχρὸν μέν, ἄλλως δ' —*] Anglice, but in other respects. Cf. Av. 1476. *χρήσιμον μέν, ἄλλως δὲ δειλὸν καὶ μέγα.* Th. 290. *πλουτοῦντος, ἄλλως δ' ἠλιθίου κἀβελτέρου.* *εὐπρόσωπον καὶ καλόν*] Cf. Anaxand. 9, 5. *μαλ' εὐπρόσωπος καὶ καλή.*

983. Cf. Thugenid. IV. 593. *ᾔτησεν εἰς ὀψώνιον τριώβολον.* Thuc. VIII. 29. 2. *ἐς γὰρ πέντε ναῦς — τρίακοντα τάλαντα ἐδίδου τοῦ μηνός.* IV. 13. *ἐπὶ ξύλα ἐς μηχανὰς παρέπεμψαν τῶν νεῶν τινας ἐς Ἀσίνην.* Lys. 32, 30. *εἰς ὄψον — πέντε ὀβολοὺς τῆς ἡμέρας ἐλογίζετο.*

992. ἐρῶντ' — ἐκνομιώτατα] Cf. Eur. Hipp. 32. ἐρῶσ' ἔρωτ' ἔκδημον.

1000. ἐφ' ᾧτε] Cf. 1141. Cratin. 279.

1002. πάλαι ποτ'] Cf. 1075. Vesp. 1060. ὦ πάλαι ποτ' ὄντες ἡμεῖς ἄλκιμοι — ἐν μάχαις. Aristophont. 9, 1. τοὺς παλαί ποτέ. Eur. Her. 1. πάλαι ποτ' ἐστὶ τοῦτό μοι δεδογμένον. Plat. Pol. 273 B. τὸ τῆς πάλαι ποτὲ φύσεως ξύντροφον. Sic πρώην ποτὲ Aesch. c. Ctes. 252.

1008. Cf. Aesch. Cho. 9. οὐδ' ἐξέτεινα χεῖρ' ἐπ' ἐκφορᾷ νεκροῦ.

1011. νηττάριον] Anglice ducky. Cf. Menand. 1041.

1016. οὕτω σφόδρα] Cf. Eupol. II. 466. οὕτω σφόδρ' ἀλγῶ. Antiph. III. 144. οὕτω σφόδρ' ἦν ἀρχαῖος. Eubul. Fr. 39. οὕτω σφόδρ' ἐστὶ τοὺς τρόπους Βοιώτιος. Nub. 135. οὑτωσὶ σφόδρα.

1020. Cf. Pher. 25. ὥσπερ τῶν αἰγιδίων ὄζειν ἐκ τοῦ στόματος μελικήρας. Cratin. jun. III. 374. τῆς γῆς ὡς γλυκὺ ὄζει. Alex. 4, 2. τοῦ χρωτὸς ἥδιστον ἀπέπνει. Anth. P. App. 306, 8. εὐόδμου χρωτός. Eur. Tro. 758. ὦ χρωτὸς ἡδὺ πνεῦμα. Plut. Mor. p. 493 F. ἡδείᾳ μὲν ὀσμῇ χρωτός. p. 623 E. λέγεται δὲ καὶ τοῦ χρωτὸς ἥδιστον ἀποπνεῖν.

1022. μαλακὸν] Cf. Aesch. Agam. 742. μαλθακὸν ὀμμάτων βέλος. Philetaer. III. 232. ὡς τακερὸν (f. ἀγανὸν), ὦ Ζεῦ, καὶ μαλακὸν τὸ βλέμμ' ἔχει. καὶ καλὸν] Lege κἀγανόν. Cf. Lys. 886. ἀγανώτερον βλέπειν.

1024. καπρώσης] Cf. Men. 917. καπρᾷς, κακόδαιμον. Confer τραγᾶν (de vitibus luxuriantibus usurpatum), ταυρᾶν, τομᾶν, θανατᾶν, φαρμακᾶν, λογᾶν, κορυζᾶν, κυνᾶν.

1041. Cf. Antiph. III. 114. ἐπὶ κῶμον — ἴωμεν ὥσπερ ἔχομεν. Β. οὐκοῦν δᾷδα καὶ στεφάνους λαβόντες (?) etc.

1042. Cf. Nub. 1145. Στρεψιάδην ἀσπάζομαι. Av. 1378. ἀσπαζόμεσθα φιλύρινον Κινησίαν. Alex. 65, 4. φιλῶ | αἰσθητικὴν γραῦν. Theopomp. 32, 5. γραῦ Θεολύτη, γραῦ. Β. τί με καλεῖς; Α. σέ, φιλτάτη, | ἵν' ἀσπάσωμαι. Men. 13, 1. χαῖρ', ὦ φίλη γῆ, διὰ χρόνου πολλοῦ σ' ἰδὼν | ἀσπάζομαι.

1044. Cf. Lys. 735. τάλαιν' ἐγὼ τάλαινα τῆς ἀμοργίδος, etc. Ach. 1210. ὕβρεος] Cf. Theopomp. 32, 3. φύσεος. Eubul. 67, 9. 94, 7. 119, 8. et in melicis Vesp. 1282. 1458. Th. 465. Eubul. 120, 8. πόλεος.

1045. Athenienses ἑορακέναι dicebant, ut ἑαλωκέναι, secunda correpta, quae producitur in ἑάλων (ut in ἑώρων) et in ἑαλώκειν. Monuit Cobet.

1048. Cf. Nub. 1249. 860. Av. 911.

1051. Cf. Pac. 225. ὅσους — ἐπεφόρησε τῶν λίθων. Vesp. 199. πολλοὺς τῶν λίθων.

1053. Cf. Ach. 923. κεἴπερ λάβοιτο τῶν νεῶν τὸ πῦρ ἅπαξ, | σελαγοῖντ' ἂν εὐθύς.

1054. Cf. Eq. 725. Eupol. 119, 1. *ἀναθῶμεν νῦν χἡμεῖς τούτοις τασδὶ τὰς εἰρεσιώνας | καὶ προσαγήλωμεν ἐπελθόντες* (*παριόντες*?).

1055. *πρός με παῖσαι*] Cf. Ach. 625. *πωλεῖν πρὸς ἐμὲ* etc. Schol. *ἀκολασίας* (*ἀκολασίαν*?).

1059. Cf. Lucian. 51, 24. *τέτταρας ἔτι λοιποὺς ὀδόντας ἐχούσης, χρυσίῳ καὶ τούτους ἐνδεδεμένους.*

1061. Cf. ad Ach. 381. Dem. p. 997. fin. Bekk. Anecd. 58, 27. *πλύνον πλύνεσθαι.*

1062. Cf. Nub. 1237. *ἁλσὶν διασμηχθεὶς ὄναιτ' ἂν οὑτοσί.* Alex. 187, 5. *σμήσας τε λεπτοῖς ἁλσί.*

1067. *πειρᾷ — σε*] Cf. Theopomp. 32, 8. *Σπινθὴρ τάλας, πειρᾷς με;*

1071. *μείρακα*] Cf. 1079. Eccl. 611. 696. 1138. Th. 410.

1076. *τὸ τί;*] Qu. *τιή;*

1078. Cf. Lys. 351. *οὐ γάρ ποτ' ἂν χρηστοί γ' ἔδρων οὐδ' εὐσεβεῖς τάδ' ἄνδρες.* Ran. 488.

1079. Cf. Nub. 1169. *ἄπιθι τὸν υἱὸν ξυλλαβών.*

1085. Cf. Pher. 249. *ἐκποτέον καὶ τὴν τρύγα.* Hor. Sat. II. 4. 55. 'Surrentina vafer qui miscet faece Faterna | vina'.

1086. *τρὺξ παλαιὰ καὶ σαπρά*] Cf. 323. *ἀρχαῖον — καὶ σαπρόν.* Pac. 698. *γέρων ὢν καὶ σαπρός.* Macar. VII. 58. *σαπρότερος τρυγός.*

1093. *ὑπεπίττουν*] Cf. Vesp. 1375. *ἡ πίττα — ἐξέρχεται.*

1096. Cf. Vesp. 105. *ὥσπερ λεπὰς προσίσχεται τῷ κίονι.* Eur. Fr. 375, 2. *προσίσχων.*

1097. Cf. Ran. 38. *τίς τὴν θύραν ἐπάταξεν; — τουτὶ τί ἦν;*

1099. *φθεγγόμενον*] De re *ἀψύχῳ.* Cf. Xen. Cyr. VII. 1. 3. *βροντὴ δεξιὰ ἐφθέγξατο.* *σέ τοι λέγω*] Cf. Av. 406. 274. Soph. O. C. 1577. Aj. 1228. Ant. 441. Eur. Iph. A. 855. *ὦ σέ τοι λέγω* etc. Aesch. Fr. 169. *τῆς σῆς λέγω τοι μητρὸς, ἥ σ' ἐγείνατο.* Philocl. trag. 1. *σὲ τὸν ἁπάντων* (?) *δεσπότην λέγω.*

1126. *οἴμοι πλακοῦντας* —] Cf. 1128. 1132. Eq. 1218. *οἴμοι τῶν ἀγάθων ὅσων πλέα.* *τετράδι*] Cf. Plat. com. II. 689. *τετράδι γέγονας.* Men. IV. 162. *ἵνα τῇ τετράδι δειπνῇ παρ' ἑτέροις.*

1127. Versus ex tragoedia derivatus, ut monuit Hemst. Schol. *ὃς καὶ* (*καὶ ὃς* conj. Nauck.).

1133. *ἐπιπιὼν*] Cf. Pac. 712. *οὐκ, εἰ κυκεῶνά γ' ἐπιπίοις βληχωνίαν.* Eq. 354.

1137. Cf. Alex. 188, 2. *λοπάδα νεανικήν.*

1138. Cf. Theopomp. 70. *εἴσω δραμὼν αἴτησον. B. ἀλλ' οὐκ ἐκφορά.* 28. Eupol. 281. Hesych. *Ἑστίᾳ θύομεν. ἦσάν τινες θυσίαι ἀφ' ὧν οὐχ οἷόν τε ἦν μεταδοῦναι ἢ ἐξενεγκεῖν.*

1139. Cf. Aesch. c. Ctes. 94. *τὰ δέκα τάλαντα — ἔλαθον ὑμῶν ὑφελόμενοι.*

1141. Cf. Ach. 722. *ἐφ' ᾧ τε πωλεῖν.* Men. IV. 227. *ἐφ' ᾧ*

τε διατελεῖν. Aesch. c. Ctes. § 114. *ἐφ' ᾧ τε βοηθήσειν* (*βοηθήσει* Cobet. qu. *βοηθῆσαι*) *τοῖς Ἀμφισσεῦσιν*.

1144. *τὰς ἴσας πληγὰς*] Cf. Ran. 636. Schol. *ἀντὶ τοῦ ἴσων* Headlam.

1145. *Στρεψιάδην ἀσπάζομαι*] Cf. 1042. Nub. 1145. Alex. com. III. 460. *ἀσπάζομαι γραῦν σφίγγα*. Av. 1377.

1151. Cf. Men. mon. 716. Trag. adesp. 258. Macar. VI. 45. Eust. Opusc. p. 200, 20. Zenob. V. 74. Trag. adesp. 318. *τῷ γὰρ καλῶς πράσσοντι πᾶσα γῆ πατρίς*. 323. *ἅπας μοι πύργος Ἑλλήνων πατρίς*. Eur. Fr. 774. *ὡς πανταχοῦ γε* (*'στι*) *πατρὶς ἡ βόσκουσα γῆ*. Publ. Syr. Sent. 543. Cicer. Tuscul. V. 37. 108. 'Patria est ubicunque est bene.' Similia sunt quae Aristophani tribuuntur in Stobaei Florilegii excerptis Bruxellensibus, *πατρὶς δὲ πᾶσα τῷ πένητι προσφιλὴς | ἀφ' ἧς τροφήν τε καὶ τὸ μὴ πεινῆν ἔχει*. Quae Antiphanis potius esse merito judicat Herworden. Similiter fere Eur. Ion. 315. *ἅπαν θεοῦ* (l. *ἁπανταχοῦ*) *μοι δῶμ' ἵν' ἂν λάβῃ μ' ὕπνος*.

1154. *οὐκ ἔργον ἔστ'* —] Non opus est —. Cf. 1158. Bacchyl. 23. *οὐχ ἕδρας ἔργον οὐδ' ἀμβολᾶς*. Eur. Hipp. 911. *σιγᾷς; σιωπῆς δ' οὐδὲν ἔργον ἐν κακοῖς*. *στροφῶν*] Cf. Eccl. 1025. *οὐ γὰρ δεῖ στροφῆς* (*στροφῶν*?). Simonid. Amoıg. Fr. 7, 78. *δήνεα δὲ πάντα καὶ στροφὰς* (ita Herw. *τρόπους* vulg.) *ἐπίσταται*.

1161. *ἐναγώνιος*] Cf. Aesch. Fr. 387. *ἐναγώνιε Μαίας καὶ Διὸς Ἑρμᾶ*.

1163. *ἀγῶνας — γυμνικούς*] Cf. Herod. IX. 33. *γυμνικοὺς ἀγῶνας*. Dem. p. 500. *τοὺς γυμνικοὺς — ἀγῶνας τοὺς στεφανίτας*.

1166. Schol. L. B. *τῷ* (l. *τῷ τοῦ*) *Ἀτεοπάγου δικαστηρίῳ*. Ibid. *ὄπισθεν* (sc. ad v. 277.).

1167. Schol. Ven. *ἐν ἄλλῳ δικαστηρίῳ ἀναστρέφεσθαι* (*ἀναγράφεσθαι* Ald. *ἐγγράφεσθαι* jure malit Richter).

1168. *ἐπὶ τούτοις*] Cf. Eq. 1384. Pae. 706. *πλῦνε — τὰς κοιλίας*] Cf. Eq. 160. *τί μ', ὦγάθ', οὐ πλύνειν ἐᾷς τὰς κοιλίας* —;

1171. Cf. Eccl. 1125. *ἀλλ', ὦ γυναῖκες, φράσατέ μοι τὸν δεσπότην, | τὸν ἄνδρ', ὅπου 'στί*.

1174 sq. Similis jocus est Timocl. 2.

1175. Cf. Soph. Fr. 392 N. *Διὸς σωτηρίου σπονδὴ τρίτου κρατῆρος*. In conviviis tria pocula erant, primum Jovis Olympii deorumque Olympiorum, secundum heroum, tertium (etiam *τέλειος κρατὴρ* appellatus) *σωτῆρος*. V. schol. Plat. p. 43.

1177. *θύειν ἔτ' οὐδεὶς ἀξιοῖ*] Cf. Soph. O. R. 24. *ἀνακουφίσαι κάρα | βυθῶν ἔτ' οὐχ οἵα τε* (*πόλις*). Trach. 161. *νῦν δ' ὡς ἔτ' οὐκ ὢν εἶπε*.

1180. Cf. Stratt. 59, 1. *ὁ δέ τις κύαθον — κλέψας* etc. Athen. 694 C. *τῶν δειπνοσοφιστῶν ὁ μέν τις ἔλεγε τῶν σκολίων τόδε, ὁ δέ τις τόδε*.

1182. *ἐκάλει τὸν ἱερέα*] Cf. Theophr. Char. XVI. *καὶ ἱερείας καλέσας σκίλλῃ — κελεῦσαι αὐτὸν περικαθᾶραι.*

1184. *ἐναποπατησόμενοι*] Cf. Eccl. 359. Polyzel. II. 868. *ἐναποπατήσεις* (l. — *ει*). Theophr. Ch. 20. *δεῖσθαι ἐπισχεῖν ἕως ἂν ἀποπατήσῃ.*

1187. Sic *ἐνθένδ' αὐτόθεν* Ach. 116.

1192. Schol. *τὸ ἐξιδρυσόμεθα* (*τὸ ἑξῆς ἱδρυσόμεθα* recte Headlam) *τὸν Πλοῦτον.*

1194. Schol. *δᾷδας ἡτηκέναι* (*παρῃτηκέναι*?).

1198. *μαρτύρομαι δὲ Ζηνὸς ἑρκείου*] Parodia tragica videtur. *Σέβας* pro *χύτρας* dixisse tragicum putat Nauck. Trag. p. 853. Aequo jure dicere poterat *βρέτας.*

1199. Cf. Eubul. 55. *ἀφελοῦ — ταχὺ τὰ ποικίλα.* Theocr. XV. 78. *τὰ ποικίλα πρᾶτον ἄθρησον,* | *λεπτὰ καὶ ὡς χαρίεντα.* Aesch. Ag. 936. *ἐν ποικίλοις ἂν κάρτα μοι βῆναι δοκεῖ.* Plat. Resp. VIII. 557 C. Athen. II. 48 B. *ἡ τῶν ποικίλων ὑφή.* Hesych. *ποικίλον ἱμάτιον ζωγραφητόν.*

1205. Cf. Eur. Fr. 68, 5. *τῷ μὲν γὰρ ἔνι κίνδυνος.*

1206. *ἡ χραῦς*] Cf. Fr. 446. (ex Pluto I.) *γραΐζειν.* Unde in priore Pluto huic similem locum fuisse apparet. Athen. XIII. 585 C. *Μενάνδρῳ — Γλυκέρα προσενέγκασα γάλα παρεκάλει ῥοφῆσαι· ὁ δὲ "Οὐ θέλω", εἶπεν. ἦν γὰρ ἐφεστηκυῖα γραῦς αὐτῷ. ἡ δὲ "Ἀπόφυσα καὶ τῷ κάτω χρῶ."* Simile est *λάπη*, i. e. *ὁ παχὺς ἀφρὸς ὁ ἐπιπολάζων τῷ οἴνῳ πηλώσης* (Hesych.).

1209. Similiter in Vesparum fine Carcinitas saltantes sequuntur choreutae et ipsi saltantes.

RANAE.

Arg. Similiter atque Aristophanes Dionysum muliebriter ornatum induxisse videntur Alexander comicus et Aeschylus in Edonis.

Pers. *Ξανθίας*] Etiam Alexis servum *Ξανθίαν* induxit. V. Athen. VIII. 336 D. Cf. nomen servile *Πυρρίας*, et hoc a colore capillorum ductum (Ran. 730. Pher. 145, 21.). *Ξανθίας σιδηρεὺς* memoratur Poll. VII. 106.).

1. *τῶν εἰωθότων*] Cf. Eupol. 362. *εἰωθὸς τὸ κομμάτιον τοῦτο.* Cf. Eur. Hec. 358. *θανεῖν ἐρᾶν τίθησιν, οὐκ εἰωθὸς ὄν.* Herc. 1108. *σαφῶς οὐδὲν οἶδα τῶν εἰωθότων.* Thuc. III. 38. *δοῦλοι ὄντες τῶν ἀεὶ ἀτόπων, ὑπερόπται δὲ τῶν εἰωθότων.* Xen. Mem. IV. 4. 41. *οὐδὲν ἠθέλησε τῶν εἰωθότων — ποιῆσαι.*

4. Cf. Baton. Fr. 773. *μάλιστ' ἐμοὶ δήπουθε κινοῦσιν χολὴν* | *οἱ* etc.

5. *θλίβομαι*] Sc. *τὸν ὦμον.* Cf. Lys. 314. *ταυτὶ μὲν ἤδη τὴν ῥάχιν θλίβοντά μου πέπαυται.*

11. *μὴ δῆθ', ἱκετεύω*] Cf. Nub. 696. *ἱκετεύω*] Sine *σε.* Cf. 745. *χαίρεις, ἱκετεύω;* Eubul. 115. Philetaer. 7, 4.

21. Cf. Nub. 1299. Pl. 886. Lys. 658. Soph. O. C. 883. *ἆρ' οὐχ ὕβρις τάδ';*

24. Cf. Aesch. Pers. 450. *ἐνταῦθα πέμπει τούσδ', ὅπως — κτείνειαν.*

25. Cf. Aesch. Prom. 430. *οὐράνιόν τε πόλον νώτοις ὀχῶν στενάζει.*

27. *φέρων γε ταυτί*] Sub. *ὀχοῦμαι.*

33. *ἐγὼ οὐκ*] Eadem crasis Eq. 1021. Nub. 1373. Vesp. 490.

34. Cf. Pl. 612. *σὲ δ' ἐᾶν κλάειν μακρὰ τὴν κεφαλήν.* Lys. 520. *ὁ δέ μ' — ἔφασκ' — ὀτοτύξεσθαι μακρὰ τὴν κεφαλήν.* Vesp. 584.

35. *κατάβα*] Cf. Vesp. 979. Alex. 14. *μετάβα.*

36. Cf. Men. 902. *ἔνδοθεν δὲ πρίεται.*

37. *παῖ. ἠμί, παῖ*] Cf. 1145. *παῖ, ἠμί, παῖ παῖ.* Nub. 132. *παῖ, παιδίον.* Ach. 404. *Εὐριπίδη, Εὐριπίδιον.* Hermipp. 1. *ὁ Ζεὺς "δίδωμι Παλλάς, ἠσί, τοὔνομα."* Sapph. 97. *δώσομεν, ἠσὶ πατήρ.* Alcman. Fr. 138. *ἠτί.* Aesch. Cho. 654. *τίς ἔνδον, ὦ παῖ παῖ μάλ' αὖθις, ἐν δόμοις;*

43. Cf. Nub. 1369. Vesp. 1083. Lys. 689. Soph. Tr. 976. *ἴσχε δακὼν στόμα σόν.* Aesch. Fr. 397. *πρὸ τῶν τοιούτων χρὴ λόγων δάκνειν στόμα.*

45. Cf. Eubul. 56, 6. *κισσῷ κάρα βρύουσαν.*

46. *λεοντῆν*] Cf. Herod. VII. 69. *Αἰθίοπες λεοντέας ἐναμμένοι.* *κροκωτῷ*] Sc. *ἱματίῳ.* Sic *ποικίλον* (*ἱμάτιον*).

47. Cf. Th. 135 sq. Com. adesp. 486. *τί γὰρ ἀσπίδι ξύνθημα καὶ βακτηρίᾳ;*

48. *ἐπεβάτευον Κλεισθένει*] Cf. Xen. Hell. V. 1. 13. *οὐδὲ γὰρ τῷ Ἐτεονίκῳ ἤθελον οἱ ναῦται — ἐμβαίνειν.* *Ἐπιβάται* dicebantur ii qui non remiges sed *πρὸς τὸ μάχεσθαι ἐπιτήδειοι* erant. Schol. *ἐπὶ τοῦ* (*τῷ* Headlam) *πασχητιᾶν.*

51. Cf. Com. adesp. 470. *ὄναρ λέγεις ἢ γρῖφον.* Eur. Cycl. 8. *τοῦτ' ἰδὼν ὄναρ λέγω;*

53. *πρὸς ἐμαυτὸν*] Cf. Eccl. 880. *μινυρομένη τι πρὸς ἐμαυτὴν μέλος.* Alex. 186, 1. *λογίσασθαι πρὸς ἐμαυτὸν βούλομαι — τὴν ὀψωνίαν.* Henioch. 4, 1. *πρὸς ἐμαυτὸν ἐνθυμούμενος.* Diodor. com. 1, 4. *ταῦτα σκόπει | πρὸς σαυτόν.* Men. 536, 3. *ζητῶν πρὸς ἐμαυτόν τί ταχέως ἀπολλύει.* Schol. *τῶν καλλίστων Εὐριπίδου δραμάτων ἡ Ἀνδρομέδα.* Fabulae Andromedae supersunt fragmenta 43 apud Nauck.

54. Cf. Pac. 704. Lucian. Menipp. 14. *καὶ ταῦτα πῶς οἴει βαρεῖς ὄντες.* et ad Nub. 881.

55. *Μόλων*] Schol. Ran. 55. *Δίδυμός φησιν ὅτι δύο Μόλωνές εἰσιν, ὁ ὑποκριτὴς καὶ ὁ λωποδύτης.* Eust. 882, 24. *Μόλωνες οἱ παρὰ τῷ κωμικῷ, ὅ τε ἥρως καὶ ὁ σκωπτόμενος (ὑποκρινόμενος).* Molon histrio memoratur Demosth. 19, 246.

56. Cf. Lucian. Amor. 1. *εἴ τις ἄρρην ἢ καὶ νὴ Δία θῆλυς ἐφεῖταί σοι πόθος.*

59. Cf. Soph. O. C. 1725. *ἵμερος ἔχει με — ἑστίαν ἰδεῖν.*

64. Verba *ἄρ' ἐκδιδάσκω τὸ σαφές;* (non *ἢ 'τέρᾳ φράσω;*) Euripidis esse arbitratur Both. *ἢ 'τέρᾳ*] Cf. Ach. 828. *εἰ μὴ 'τέρωσε συκοφαντήσεις τρέχων.* Eq. 35. Nub. 713. Pac. 1245. Damox. 3, 2. *ἐτῶν ἴσως ἑκκαίδεκ' ἢ 'πτακαίδεκα.*

73. Iophontis supersunt tria tantum fragmenta.

76. Cf. Vesp. 209. *νὴ Δί' ἤ μοι κρεῖττον ἦν | τηρεῖν Σκιώνην ἀντὶ τούτου τοῦ πατρὸς.* Aesch. Ag. 1268. *ἄλλην τιν' ἄτης ἀντ' ἐμοῦ πλουτίζετε.*

77. Cf. Nub. 227. *εἴπερ γε χρή.*

79. *κωδωνίσω*] Cf. Anaxand. 15, 5. *βούλομαι | κωδωνίσας πέμψαι σ' —.* Dem. p. 393, 17. Dem. de f. leg. § 167. *διεκωδώνισε.*

82. *ἐνθάδ' — ἐκεῖ*] Cf. 1461. *ἐκεῖ φράσαιμ' ἄν, ἐνθαδὶ δ' οὐ βούλομαι.* Alex. 152, 3. *τὸ δ' ἡδὺ πάντως ἡδύ, κἀκεῖ κἀνθάδε.*

83. Agathonis tragici supersunt fragmenta 29.

87. Cf. Eur. Fr. 95. *τῶν γὰρ δυναστῶν πλεῖστος ἐν πόλει λόγος.* Herod. VII. 223. 7. *ἦν δὲ λόγος οὐδεὶς τοῦ ἀπολλυμένου.*

88. Cf. Plat. Eryx. 396. *οὑτωσὶ σφόδρα.*

89. *μειρακύλλια*] Cf. Epicrat. III. 368. Anaxand. III. 175. Eubul. III. 242. Com. anon. IV. 651.

91. Cf. Nub. 430. *λέγειν ἑκατὸν σταδίοισιν ἄριστον.* Alex. 19, 3. *ἡμέρας δρόμῳ | κρείττον.* Alex. III. 338. *κρείττων ἐκεῖνός ἐστιν ἡμέρας δρόμῳ.*

93. Cf. Com. adesp. 22. *Μουσῶν εὐκόλων (εὐστόμων?) ἀνθρήνιον.* 25. *Οἰωνίχου μουσεῖον.* Soph. Fr. 1019, 2. *χωρῶμεν ἤδη, παῖδες, εἰς τὰ τῶν σοφῶν | διδασκαλεῖα, μουσικῆς παιδεύματα.* Diogenian. II. 48. *ἀηδόνες λέσχαισιν ἐγκαθήμεναι.*

95. Similiter de Comoedia tanquam de puella formosa loquitur Eq. 517.

96. *γόνιμον*] Feracem. Cf. Fr. mel. adesp. 143. *γόνιμοι — βρίθοντες γύαι.* Com. adesp. 462. *χαρᾶς γὰρ οὕτω γόνιμον οὐδὲν ὡς χάρις.* 675. *τοκάδα τὴν κεφαλὴν ἔχει.*

97. *ὅστις — λάκοι*] Cf. Nub. 1251. *οὐκ ἂν ἀποδοίην οὐδ' ἂν ὀβολὸν οὐδενὶ | ὅστις καλέσειε κάρδοπον τὴν καρδόπην.* Eccl. 898. *οὐδέ τις στέργειν ἂν ἐθέλοι μᾶλλον ἢ 'γὼ τὸν φίλον ᾧπερ ξυνείην (ξυνείη?).* Men. 126. *οὐ Μεγάβυζος ἦν | ὅστις γένοιτο ζάκορος.*

99. *παρακεκινδυνευμένον*] Anglice hazardous innovation. Cf. Eq. 1054. *τοῦτό γέ τοι Παφλαγὼν παρεκινδύνευσε μεθυσθείς.*

100. Schol. ed. Ald. ἐκ Μελανίππης Σοφοκλέους (om. Εὐριπίδου. Cod. Mediol. εἰς τὴν Μελανίππην Σοφοκλῆς). ἐκ Μελανίππης σοφῆς probabiliter Bergler. Cf. schol. ad Thesm. 272. Hoc versu leviter mutato utitur Thesm. 272. ὄμνυμι τοίνυν αἰθέρ' οἴκησιν Διός, ubi schol. ἐκ τῆς Μελανίππης Εὐριπίδου.

101. ὀμόσαι καθ' ἱερῶν] Cf. ad Eq. 660.

104. κόβαλα] Sc. ἔργα. Cf. Eq. 417. καὶ νὴ Δί' ἄλλα γ' ἐστί μου κόβαλα etc. Pherecr. II. 347. ὕβριστον ἔργον καὶ κόβαλον εἰργάσω.

105. Parodia ex Andromeda Euripidis. Cf. Eur. Iph. A. 331. τὸν ἐμὸν οἰκεῖν οἶκον οὐκ ἐάσομαι; Phoen. 489. οἰκεῖν τὸν ἐμὸν οἶκον ἀνὰ μέρος λαβών. Schol. Ἀνδρομάχῃ (Ἀνδρομέδᾳ Matth.).

109. κατὰ σὴν μίμησιν] Pro κατὰ τὴν σὴν μίμησιν positum, ut σὴν χάριν Ach. 1232.

112 sq. Similes loci sunt Pl. 190 sq. Antiph. 88, 3.

113. Cf. 185. 195. Eur. Fr. 904, 13. εὑρεῖν μόχθων ἀνάπαυλαν. Soph. El. 873. ἀνάπαυλαν — κακῶν. Phil. 878.

115. ὀλίγιστοι] Cf. Pl. 628. ἐπ' ὀλιγίστοις ἀλφίτοις.

117. τῶν ὁδῶν] Cf. Philem. (?) 246, 6. καὶ γὰρ καθ' ᾅδην δύο τρίβους νομίζομεν, | μίαν δικαίων χἀτέραν ἀσεβῶν ὁδόν. Aesch. Fr. 236. ἁπλῆ γὰρ οἶμος εἰς Ἅιδου φέρει. Eur. Fr. 964, 4. θανάτους τ' ἀώρους καὶ κακῶν ἄλλας ὁδούς. Plat. Phaed. 108 A. ἁπλῆν οἶμόν φησιν εἰς Ἅιδου φέρειν. Tibull. I. 3. 50. 'nunc lethi multa reperta via est.'

120. φέρε δὴ τίν' αὐτῶν σοι φράσω πρώτην; τίνα;] Cf. 460. ἄγε δὴ τίνα τρόπον τὴν θύραν κόψω; τίνα; Th. 772. πόθεν οὖν γένοιντ' ἂν ἀθλίῳ πλάται; πόθεν;

121. Cf. Anecd. Bekk. p. 447, 7. ἀρτάνη — ἡ (ἡ ἀπὸ?) τῶν καλωδίων ἀγχόνη.

123. Cf. Poll. III. 29. ὀνόματι οὐ πάνυ τετριμμένῳ.

128. Notanda est pronominis σου omissio, ut in Nub. 1383. μαμμᾶν δ' ἂν αἰτήσαντος ἧκόν σοι φέρων ἂν ἄρτον.

131. ἀφιεμένην] Anglice started. τὴν λαμπάδ'] I. e. τὴν λαμπαδηδρομίαν. Cf. Vesp. 1203. Plut. Solon. 1, 79. οἱ τὴν ἱερὰν λαμπάδα διαθέοντες. Plat. Resp. 328 A. λαμπὰς ἔσται πρὸς ἑσπέραν ἀφ' ἵππων τῇ θεῷ.

140. Schol. ὅτι τοῖς νεκροῖς ἐπὶ τοῦ στόματος (l. ἐν τοῖς στόμασιν, coll. Etym. M. v. δανάκης, aut ἐν τῷ στόματι). Ibid. ἦν δὲ καὶ τριώβολον τοῦτο, τῶν στρατηγῶν (δημαγωγῶν?) — προστιθέντων.

148. Cf. Epicrat. 2, 25. τἀργύριον ἐκ τῆς χειρὸς ἤδη λαμβάνει

151. Cf. Av. 983. Dem. p. 1180. ἐκγραψαμένους — τὰς συνθήκας πάλιν σημήνασθαι.

157. Cf. Ephipp. 18. ὄνων ἵππων στάσεις.

160. Cf. Thuc. IV. 117. *ἐς τὸν πλείω χρόνον*. Aesch. Ag. 621. *ἐς τὸν πολὺν — χρόνον*. Eum. 572. *ἐς τὸν αἰανῆ χρόνον*. Prom. 94. *τὸν μυριετῆ χρόνον*.

165. *ὑγίαινε*] Cf. Eccl. 477. *ἀλλ' εἶμι· σὺ δ' ὑγίαινε*. Achae. trag. 42. *σὺ δ' ὑγίαινέ μοι*.

167. *μὴ δῆθ', ἱκετεύω σ', ἀλλὰ* —] Eadem verba Th. 751.

170. *τιν' — τουτονί*] Cf. ad Eq. 1196.

173. *πόσ' ἄττα*] Cf. Pac. 704. *πόσ' ἄττ'*.

174. *ὑπάγεθ' — τῆς ὁδοῦ*] Cf. Eupol. 79. *σὺ δ' ὕπαγ' εἰς τοὔμπροσθεν*. Antiph. 182, 4. *εἶτ' οὐκ ἂν εἴποις; ὕπαγε*. Phot. p. 619, 24. *ὑπακτέον: πορευτέον*.

175. *ἐὰν ξυμβῶ τί σοι*] Cf. Vesp. 399. *παῖε (αὐτὸν), | ἤν πως πρύμνην ἀνακρούσηται*. 1409. *ἄκουσον, ἤν τί σοι δόξω λέγειν*. Eccl. 123. Timocl. 6, 1. *ὦ 'τάν, ἄκουσον, ἤν τί σοι δοκῶ λέγειν*. Soph. O. C. 1769. *Θήβας δ' ἡμᾶς | τὰς ὠγυγίους πέμψον, ἐάν πως | διακωλύσωμεν ἰόντα φόνον* etc. Plat. Resp. II. 358 B. *ἄκουσον καὶ ἐμοῦ, ἐάν σοι ταὐτὰ δοκῇ*. IV. 434 A. *ἰδὲ δή, ἐάν σοι ὅπερ ἐμοὶ ξυνδοκῇ*. *ξυμβῶ*] Cf. Nub. 67. *κοινῇ ξυνέβημεν*. Trag. adesp. 121. *σοί, Φοῖβε, Μούσαις τε συμβῶμεν*.

185. Cf. Eur. Fr. 912, 13. *εὑρεῖν μόχθων ἀνάπαυλαν*.

187. Cf. Eur. Herc. 24. *Ταινάρου διὰ στόμα | βέβηκ' ἐς Ἅιδου*.

191. Cf. Vesp. 375. *τὸν περὶ ψυχῆς δρόμον δραμεῖν*.

192. Cf. Nub. 1228. *μὰ τὸν Δί' οὐ γάρ πω τότ' ἐξηπίστατο* etc.

194. Cf. Menand. 896. *ἀνάμεινόν με (ἀναμενῶ σε al.) πρὸς τοὔλαιον*. *τὸν Αὐαίνου λίθον*] *Κοδδίνου* (?) *πέτρα* memoratur Paus. III. 22. 4.

195. *μανθάνεις;*] Cf. Nub. 355. Av. 1003. Pher. 68, 2. Alex. 124, 15. 152, 2. Antiph. III. 25. Eubul. 103. Anaxipp. 8, 2.

197. *κάθιζ' ἐπὶ κώπην*] Anglice, sit to your oar, take an oar. Cf. Nub. 254. *κάθιζε τοίνυν ἐπὶ τὸν ἱερὸν σκίμποδα*. Aesch. Ag. 1617. *προσήμενος κώπῃ*.

201. *προβαλεῖ τὼ χεῖρε*] Cf. Nub. 973. *καθίζοντας τὸν μηρὸν ἔδει προβαλέσθαι*. Lys. 987. *τί δὴ προβάλλει τὴν χλαμύδ';* Xen. Cyr. II. 3. 10. *τὼ χεῖρε προέχων ἐνεπόδιζον*.

202. *ἀντιβὰς*] Confer *διαβὰς* Vesp. 688.

206. *ἐμβάλῃς*] Cf. Pac. 1307. *ἀλλ' ἀνδρικῶς ἐμβάλλετε*. Eq. 602. Xen. Hell. V. 1. 13. *οὐδὲ γὰρ — ἤθελον οἱ ναῦται — ἐμβάλλειν, ἐπεὶ μισθὸν οὐκ ἐδίδου*.

212. *ξύναυλον ὕμνων βοὰν*] Cf. Eur. El. 879. *ἴτω ξύναυλος βοὰ χαρᾷ*. *ξύναυλον* —] Cf. Eq. 9. *ξυναυλίαν κλαύσωμεν Οὐλύμπου νόμον*.

215. *ἀμφὶ — Διώνυσον*] De Dionyso. Cf. ad Nub. 595. *ἀμφί μοι αὖτε* —. Hom. H. VI. 1. *ἀμφὶ Διώνυσον, Σεμέλης ἐρικυδέος υἱόν, | μνήσομαι*. XVIII. 1. XXI. 1.

216. *ἀχήσαμεν*] Cf. Vesp. 1489. *σφόνδυλος ἀχεῖ.* Ion. trag. 39. *αὐλὸς ἀλέκτωρ Λύδιον ὕμνον ἀχέων.* Eur. Fr. 631, 2. *πολὺς δὲ κοσσάβων ἀραγμὸς — ἀχεῖ μέλος ἐν δόμοισιν.* Fr. 775, 32. *μελιβόας κύκνος ἀχεῖ.* Eur. Alc. 918. *πολυαχήτους.* Trag. adesp. 187. *μέγ' ἀχήσεται.*

219. Cf. Eur. Fr. 781, 30. *θεᾶς προσελθεῖν τέμενος.*

227. *οὐδὲν γάρ ἐστ' ἀλλ' ἢ κοάξ*] Cf. Lys. 427. *οὐδὲν ποιῶν ἀλλ' ἢ καπηλεῖον σκοπῶν.* Plat. Resp. 330 C. *οὐδὲν ἐθέλοντες ποιεῖν ἀλλ' ἢ τὸν πλοῦτον.*

228. Cf. Plat. Phaed. p. 116 E. *εἰκότως γ', ὦ Κρίτων, — ταῦτα ποιοῦσιν* etc.

229. *εὔλυροί τε Μοῦσαι*] Cf. Eur. Fr. 480. *Ἄπολλον εὔλυρε.*

231. *καλαμόφθογγα*] Cf. Soph. Fr. 33. *ὑφηρέθη σοι* (*σου* Poll., quod praeferendum) *κάλαμος ὡσπερεὶ λύρας.*

232. Cf. Hom. H. Merc. 47. *πῆξε δ' ἄρ' ἐν μέτροισι ταμὼν δόνακος καλάμοιο, | πειρήνας διὰ νῶτα λιθαρρίνοιο χελώνης — καὶ πήχεις ἐνέθηκ', ἐπὶ δὲ ζυγὸν ἤραρεν ἀμφοῖν, | ἑπτὰ δὲ συμφώνους οἴων ἐτανύσσατο χορδάς.*

243. *κυπείρου*] Cf. Pherecr. 109, 2. *κύπειρόν τε δροσώδη.*

244. *φλέω*] Cf. Pher. 727. *ὑφάπτειν τοῦ φλέω.*

246. *Διὸς — ὄμβρον*] Cf. Th. 856. *δίας ψακάδος.* Hom. Il. 11, 493. *ὀπαζόμενος Διὸς ὄμβρῳ* (*ποταμὸς χειμάρρους*). Pind. Isthm. I. 5. *ὁ πολυφθόρος Διὸς ὄμβρος.* Theocr. XVII. 78. *Διὸς ὄμβρῳ.* Aesch. Ag. 1391. *διοσδότῳ γάνει. Ζεὺς ὄμβρων ἀρχηγὸς* dicitur Athen. XV. 675 C.

248. *χορείαν αἰόλαν*] Cf. incert. ap. Athen. XIV. 622 C. *ἁπλοῦν ῥυθμὸν χέοντες αἰόλῳ μέλει.*

249. *πομφολυγοπαφλάσμασιν*] Cf. Pind. P. IV. 121. *ἐκ δ' ἄρ' αὐτοῦ πομφόλυξαν δάκρυα γηραλέων βλεφαρῶν.*

251. Cf Nub. 459. *ταῦτα μαθὼν παρ' ἐμοῦ* etc. Vesp. 1281. *μαθόντα παρὰ μηδενός.* Aesch. Cho. 171. *πῶς οὖν παλαιὰ παρὰ νεωτέρας μάθω;* Plat. Eryx. 398 C. *ἑτέραν τινὰ ἐπιστήμην λαβεῖν, ἣν ἀνάγκη μαθόντα παρ' ἑτέρου ἢ αὐτὸν ἐξευρόντα κτήσασθαι.*

260. *δι' ἡμέρας*] Cf. Nub. 1053. *τῶν νεανίσκων ἀεὶ δι' ἡμέρας λαλούντων.* Fr. 476. *δι' ἐνιαυτοῦ.* Pherecr. II. 276. *ἵν' ἐλάλει δι' ἡμέρας.* Hermipp. II. 380. *οὐ παύσεται δι' ἡμέρας — τροχάζων.* Amph. 43. *πίνουσ' ἑκάστης ἡμέρας δι' ἡμέρας.* Teleclid. 28.

270. Schol. *καὶ ἡ ναῦλος* (l. *καὶ ναῦλος ἡμῖν,* ut in R.?).

271. *ἤ —*] Qu. *ἤ —.* Cf. Nub. 105. *ἤ ἤ, σιώπα.* Cum *Ξανθίας* confer nomina *Πυρρίας, ὠχρίας, αἰολίας,* etc.

274. *πατραλοίας*] Cf. 773. Nub. 911. 1327. Apud Homerum *χερσὶν ἀλοιᾶν* Il. 9, 568.

277. *προϊέναι βέλτιστα νῷν*] Cf. Lys. 34.

282. *γαῦρον*] Cf. Eur. Suppl. 217. *τὸ γαῦρον δ' ἐν φρεσὶν κεκτημένοι | δοκοῦμεν εἶναι δαιμόνων σοφώτεροι.* 862. *ἥκιστα δ' ὄλβῳ*

γαῦρος ἦν. Alciphr. III. 48, 1. *γαῦρος ἦν καὶ κιττοστεφὴς ἦγε συμπόσιον*. Cognatum videtur nostrum gay.

285. Hyperbaton ut in Nub. 652. 1228. Lys. 609. 927. Th. 259. 260. Av. 954. Vesp. 912. Pl. 202.

286. Cf. Ach. 259. 868. Eq. 22. Philem. 124, 1. *γυναικὸς ἐξόπισθ' — ἀκολουθεῖν*. Trag. adesp. 374, 1. *τραύματ' ἐξόπισθ' ἔχων*.

289. *παντοδαπὸν*] Sc. *θηρίον*. Cf. Plat. Resp. IX. 588 E. *τὸ παντοδαπὸν θηρίον*.

290. Cf. Aesch. Fr. 464, 3. *ποτὲ μὲν ὡς πῦρ φαίνεται | ἄπλατος ὁρμῇ, ποτὲ δ' ὕδωρ, ποτὲ δὲ γνόφος*.

293. *πυρὶ — λάμπεται*] Cf. Lys. 1285. *πυρὶ φλεγόμενον*. Eur. Iph. T. 1156. *σῶμα λάμπεται πυρί*.

301. *ἴθ' ᾗπερ ἔρχει*] Cf. Aesch. Fr. 195, 1. *εὐθεῖαν ἕρπε τήνδε*.

302. Cf. Trag. adesp. 85, 1. *κακῶς πεπραγέναι*.

303. Cf. Stratt. 1. *καὶ τῶν μὲν ἄλλων οὐκ ἐμέλησέ σοι μελῶν* (*ἔμελέ σοι δραμάτων*?), | *Εὐριπίδου δὲ δρᾶμα δεξιώτατον | διέκναισ' Ὀρέστην, Ἡγέλοχον τὸν Κυννάρου | μισθωσάμενος τὰ πρῶτα τῶν ἐπῶν λέγειν* (i. e. primas partes agere). 60. *ὥσπερ Ἡγέλοχος*] Sub. *εἶπε*. Cf. Eur. Fr. 657, 4. *τὴν δ' ὥσπερ αὕτη λῆμ' ἔχουσαν εὐγενές*.

304. Simile proverbium fuit *λύκον εἶδες*, Theocr. XIV. 22. "*οὐ φθεγξῇ; λύκον εἶδες*"; *ἔπαιξέ τις*. et Fr. 319 D. *λύκος ἔχανεν*.

308. Cf. Eq. 900. 901. Sic Cratinus (336) *Σκυθικὸν* (i. q. *θάψινον*, flavum) Hipponicum dixit *διὰ τὸ πυρρὸν εἶναι*. Schol. *νομίζεσθαι αἰγίπυρον εἶναι* (*ὀνομάζει αἰγίπυρον* Hemst.) *ἀντὶ τοῦ πυρρόν*. Dionysus *οἰνὼψ* dicitur Soph. O. R. 211. et *οἰνωπὸς* Eur. Bacch. 236. Eidem *γενὺς οἰνωπὸς* tribuitur ibid. 438.

310. Cf. Eur. Fr. 256, 2. *τὸ ῥᾷστον εἶπας, αἰτιάσασθαι θεούς*.

319. Cf. Metag. 10, 1. *ἐνταῦθά που*. Eur. Fr. 508, 7. *ἡ Δίκη | ἐνταῦθά πού 'στιν ἐγγύς, εἰ βούλεσθ' ὁρᾶν*.

320. Schol. *ἀντὶ τοῦ χλευάζοντος, ἐξορχουμένου* (?).

329. Cf. Aesch. Fr. 281, 6. *στόμα — μαντικῇ βρύον τέχνῃ*.

339. *οὔκουν ἀτρέμ' ἕξεις —;*] Cf. Av. 1571. *ἕξεις ἀτρέμας;*

340. *φλογέας λαμπάδας*] Cf. Eur. Hec. 1104. *ἔνθα πυρὸς φλογέας ἀφίησιν ὄσσων αὐγάς*.

346. Cf. Pac. 336. Lys. 670.

347. Cf. Eur. Hel. 112. *ἑπτὰ — ἐτῶν κύκλους*. Lucian. Dem. encom. 22. *παλαιαῖς ἐτῶν περιόδοις*.

351. *ἔξαγ'*] Cf. Vesp. 1535. *ἐξάγετ' — ἡμᾶς ταχύ*.

355. *καθαρεύει*] I. e. *καθαρός ἐστι*. Phryn. 70. *ἃ δ' ἀνάγκη 'σθ' ἱερεῦσιν καθαρεύειν φράσομεν*.

357. Cf. ad Soph. Fr. 594. *Διονύσου τοῦ ταυροφάγου*. Fr. 782, 2. *βούκερως Ἴακχος*. Etym. M. p. 747, 49. *ταυροφάγον: τὸν Διόνυσον. Σοφοκλῆς ἐν Τυροῖ* (Fr. 594.), *ὅτι* etc. Phot. p. 571, 13.

Suid. in *ταυροφάγον*. Dionysus *ὠμηστὴς* memoratur Plut. Themist. p. 129.

361. *πόλεως χειμαζομένης*] Cf. Eur. Suppl. 280. *πόλις — ἔπτηξε χειμασθεῖσα*. Soph. O. R. 101. Cratini fabula fuit *Χειμαζόμενοι*, in qua probabile est poetam Athenienses ut gravi calamitate laborantes repraesentasse. *καταδωροδοκεῖται*] Sic *καταβοᾶσθαι, κατατοξεύεσθαι, καταβάλλεσθαι*, etc. Nunquam tamen *δωροδοκεῖσθαι* sed pluries *δωροδοκεῖν* (et cum accusativo conjunctum Eq. 834. Vesp. 669. Av. 510. 513. (*ὅ τι*), ponit Aristophanes. Ita etiam Plat. Resp. IX. 590 A. *χρυσὸν δωροδοκεῖ.*

362. *τἀπόρρητ' ἀποπέμπει*] Cf. Pher. II. 321. *τὰ γὰρ ἀπόρρητ' ἐξάγουσιν.*

363. *εἰκοστολόγος*] Cf. *πεντηκοστολόγος* (Dem.?) et *δεκατηλόγος*.

366. Cf. 874. Lucian. de Salt. 30. *πάλαι μὲν γὰρ αὐτοὶ* (*οἱ αὐτοὶ*?) *καὶ ᾖδον καὶ ὠρχοῦντο, εἶτ' — ἄμεινον ἔδοξεν ἄλλους αὐτοῖς ὑπᾴδειν*. Ad rem cf. Vesp. 394. Av. 1054. Eccl. 330.

367. *ἀποτρώγει*] Cf. Eupol. 14, 2. *πρίνου κομάρου τε πτόρθους ἁπαλοὺς ἀποτρώγουσαι*. Men. 303. *τί λέγων ἀποτρώγειν ἀξιώσει νῦν ἐμοῦ* (*μου τόδε* aut *τοῦτό μου*?) | *τὸ μισθάριον;* Hyperid. Eux. p. 311, 26. *ἐάν τις — ῥήτωρ ὢν μὴ λέγῃ τὰ ἄριστα τῷ Ἀθηναίων δήμῳ*. Archinus et Agyrrhius praecipue indicari videntur. V. Schol. h. l.

370. Cf. Soph. Ph. 1053. Aj. 672. Lysi. VIII. 19.

374. *ἐγκρούων*] Cf. Eur. El. 180. *εἱλικτὸν κρούσω πόδ' ἐμόν.*

377. *ἔμβα*] Incede, progredere. Anglice step forward. I. q. *χώρει* 372. 440. Cf. Eccl. 478. Lys. 1303. Trag. adesp. 433. *ἔμβα*. Photius *σκαιεμβατεῖν* per *τὸ σκαιῶς καὶ ἀρρύθμως ἐμβαίνειν ὀρχούμενον* exponit. Confer *πρόβα, κατάβα, ἐπίβα* (Theogn.).

395. Cf. Dem. XXI. 52. *ἱστάναι ὡραίων* (l. *ὡραίῳ*) *Βρομίῳ χάριν ἄμμιγα πάντας.*

397. *μέλος ἑορτῆς*] Qu. *τέλος ἑορτῆς*. Cf. Aesch. Fr. 384. *ἔφριξ'· ἐρῶ δὲ τοῦδε μυστικοῦ τέλους.*

404. *ἐπὶ γέλωτι* —] Cf. Soph. Ph. 143. *ἐπὶ δυσκλείᾳ*. El. 108. *ἐπὶ κωκυτῷ*. Herod. II. 101. 26. *ἐπὶ λύμῃ*. VI. 67. *ἐπὶ γέλωτί τε καὶ λάσθῃ*. Lys. XXII. 13. *ἐπ' εὐνοίᾳ τῆς πόλεως*. Aesch. Ag. 1024. *ἐπ' εὐλαβείᾳ*. Athen. II. 55 D. *ὃ* (*δρᾶμα*) *ἐπὶ καταμωκήσει ἔγραφεν* (*ἔγραψεν*?) *εἰς Μενέδημον*. VI. 242 D. *ἃ* (*ἐπίθετα*) *ἐπὶ χλεύῃ Ἀθηναῖοι παίζοντες ἔλεγον*. Plut. Alc. 8. *Ἱππονίκῳ ἐνέτριψε κόνδυλον — ἐπὶ γέλωτι*. Schol. Eq. 634. *ἐπὶ χλεύῃ.*

407. Cf. Pl. 272. Philem. 94, 5. *ἔχειν δυνάμενος καὶ κρατεῖν ἀζημίως*. 410. Cf. Av. 923. *τοὔνομ' — νῦν δὴ 'θέμην.*

411. *χιτωνίου*] Vestimentum muliebre teste Polluce VII. 54 Cf. Lys. 48. 150. Eccl. 268. 374. Pl. 984. *συμπαίστρια*] Cf. Av 1098. *νύμφαις οὐρείαις ξυμπαίζων.*

412. Cf. Chaerem. 14, 9. *ἡ δὲ ῥαγέντων χλανιδίων ὑπὸ πτυχαῖς | ἔφαινε μηρόν*. Plut. Lyc. et Num. comp. 3. *τοῦ παρθενικοῦ χιτῶνος αἱ πτέρυγες οὐκ ἦσαν συνερραμμέναι κάτωθεν, ἀλλ' ἀνεπτύσσοντο καὶ συνανεγύμνουν ὅλον ἐν τῷ βαδίζειν τὸν μηρόν*. Xen. Cyr. I. 6. 15. *ἱματίων ῥαγέντων*. *παραρραγέντος*] Cf. Soph. Phil. 824. *παρέρρωγεν*. Thuc. IV. 96. V. 73. VI. 70. Theophr. Char. 6. *φιλακόλουθος*] Cf. Aristom. 15.

414. *ἀεί πως —*] Cf. Pl. 246. *ἐγὼ δὲ τούτου τοῦ τρόπου πώς εἰμ' ἀεί*. Alex. 172, 14. *τὸ τοιοῦτον γὰρ ἀεί πως μέρος | ἐπιπαίζεται*.

421. *τὰ πρῶτα τῆς ἐκεῖ μοχθηρίας*. Cf. Men. 1090. *ὃς δ' οὔτ' ἐρυθριᾶν οἶδεν οὔτε δεδιέναι | τὰ πρῶτα πάσης* (*πάντα*?) *τῆς ἀναιδείας ἔχει*. Aesch. Eum. 483. *κρίνασ' ἀπ' ἀστῶν τῶν ἐμῶν τὰ βέλτατα*. Eur. Fr. 1020, 2. *τὸ σκαιὸν εἶναι πρῶτ' ἀμουσίας ἔχει*.

422 sq. Cf. Fr. 231. et Kock. ad Cratin. 151.

430. *λεοντῆν — ἐνημμένον*] Cf. Eccl. 80. *διφθέραν ἐνημμένος*. Fr. 720. *ἰτέαν ἐνημμένος*. Av. 1250. Nub. 72.

431. *ἔχοιτ' ἂν οὖν —;*] Lege *ἔχοι τις ἂν —;*

432. *ὅπου 'νθάδ' οἰκεῖ*] Cf. Soph. O. R. 16. *ὅπου 'στ' ἐνταῦθα*. Eur. Fr. 508, 8. *ἐνταῦθά πού 'στιν ἐγγύς*.

437. Archedemum hunc eundem esse atque eum qui a Xenophonte memoratur contendit T. Halbertsma.

439. Cf. Antiph. Fr. 236, 2. *ἐκ Κορίνθου στρώματα*.

442. Cf. Diphil. Fr. 30, 2. *Βραυρῶνος ἱεροῦ θεοφιλέστατον τόπον*.

453. *ὃν ὄλβιαι Μοῖραι ξυνάγουσι*] Cf. Av. 1731 sq.

454 sq. Cf. Soph. Fr. 719. *ὡς τρὶς ὄλβιοι | κεῖνοι βροτῶν οἳ ταῦτα δερχθέντες τέλη | μόλωσ' ἐς Ἅιδου· τοῖσδε γὰρ μόνοις ἐκεῖ* (*μόνοισι δή*?) | *ζῆν ἔστι, τοῖς δ' ἄλλοισι πάντ' ἐκεῖ κακά*.

463. *τὸ σχῆμα καὶ τὸ λῆμ' ἔχων*] I. e. ut *τὸ σχῆμα* etiam *τὸ λῆμα ἔχων*. Cf. Eur. Fr. 689, 2. *πρόσχημα* (*τὸ σχῆμα* Herw.) *σεμνός*.

468. *ἀπῇξας*] Cf. Nub. 543. *εἰσῇξε*.

470. Cf. Neophr. Fr. 3, 3. *τοία σε μοῖρα σῶν κακῶν ἔργων μένει*.

471. *αἱματοσταγὴς*] Cf. Eur. Fr. 863. *αἱματοσταγῆ*.

473. *ἐχιδνά θ' — μύραινα*] Cf. Aesch. Cho. 994. *τί σοι δοκεῖ; μύραιν' ἄν, εἴτ' ἔχιδν' ἔφυ, | σήπειν θιγοῦσα —;* *τὰ σπλάγχνα — αὐτοῖσιν ἐντέροισιν*] Cf. Aesch. Ag. 1221. *σὺν ἐντέροις τε σπλάγχν'*. Cf. Lys. 367. *τἄντερ' ἐξαμήσω*. Eq. 708. *ἐξαρπάσομαί σου τοῖς ὄνυξι τἄντερα*. Eur. Cycl. 236. *τὰ σπλάγχν' ἔφασκον ἐξαμήσεσθαι βίᾳ*.

474. *πλευμόνων ἀνθάψεται*] Cf. Soph. Fr. 678, 7.

475. *μύραινα*] Cf. Com. anon. IV. 657. *ὦ προδότι — καὶ μύραινα σύ*. Confer *σκυλάκαινα*.

476. *ἡματωμένω*] Cf. Pac. 1020. Eriph. 5. *ἡματῶσθαι*.

478. *δρομαῖον ὁρμήσω πέδα*] Cf. Soph. Tr. 927. *δρομαία βᾶσα*.

479. Cf. Eur. Fr. 432, 1. *αὐτός τι νῦν δρῶν εἶτα δαίμονας κάλει.* Trag. adesp. 113. *τὴν χεῖρα προσφέροντα τὸν θεὸν καλεῖν.*

480. *ὦ καταγέλαστ'*] Cf. Lys. 751. 907. Eccl. 125. *καταγέλαστον τὸ πρᾶγμα.*

482. Cf. Vesp. 995 sq. *σφογγιάν*] Cf. Com. adesp. 125, 3. *σπογγιᾶς μαλακώτερον | τὸ πρόσωπον.*

483. *ὦ χρυσοῖ θεοί*] Cf. ad Eq. 900. Eccl. 329. 1061. Ran. 483. Ach. 82.

491. *ἀνδρεῖά γ', ὦ Πόσειδον*] Cf. Eq. 609. *δεινά γ', ὦ Πόσειδον.*

493. Cf. Pl. 704. *οὐ μὰ Δί' οὐδ' ἐφρόντισεν.*

495. *τὸ ῥόπαλον — λαβὼν καὶ τὴν λεοντῆν*] Cf. Diodor. XVI. 44. *τῇ γὰρ τοῦ σώματος ῥώμῃ διαφέρων ἐμιμεῖτο τὸν Ἡρακλέα κατὰ τὰς στρατείας καὶ λεοντῆν ἐφόρει καὶ ῥόπαλον ἐν ταῖς μάχαις.*

497. Cf. Lucian. Conv. 19. *παίων καὶ παιόμενος ἐν τῷ μέρει.*

498. *πειστέον*] I. e. *πείθεσθαι δεῖ.* Cf. Soph. Phil. 994. *πειστέον τάδε.* O. R. 1516. *πειστέον, κεἰ μηδὲν* (l. *μή 'στιν*) *ἡδύ.*

499. *Ἡρακλειοξανθίας*] Confer composita *κομηταμυνίας* (Vesp. 466.), *Αἰολοσίκων, Δημοτυνδάρεως, Διονυσαλέξανδρος* (Cratin.), *Ὀρεσταυτοκλείδης* (Timocl.), *Σφιγγοκαρίων* (Eubul.), *Ἀσκληπιοκλείδης* (Alex.), *Ἰκαρομένιππος* (Lucian.), *Ἐξηκεστιδαλκίδαι* (Hesych.).

505. *κατερικτῶν*] A *κατερείκειν* (Vesp. 649.). Cf. *στιπτὸς* a *στείβω.* Scribendum forsan *κατερεικτῶν.*

508. Cf. Theopomp. 32, 7. *οὑτωσὶ καλῶς.* Clearch. 4, 1. *λάβ' ὕδωρ κατὰ χειρός. B. μηδαμῶς· καλῶς ἔχει.* Antiph. 165, 1. *βούλει καὶ σύ, φιλτάτη, πιεῖν; | B. καλῶς ἔχει μοι.* Menand. 564. *κάλλιστ' ἔχει* (sub. *μοι*). Plut. Mor. p. 22 F. *ἐν τῇ συνηθείᾳ καλῶς φαμὲν ἔχειν — ὅταν μὴ δεχώμεθα μηδὲ λαμβάνωμεν.* *οὐ μή σ' ἐγὼ*] Legendum, ni fallor, *οὔτοι σ' ἐγὼ —.* Cf. ad Soph. El. 1052.

513 sq. Cf. Xen. Symp. 2. init. *ὡς δ' ἀφῃρέθησαν αἱ τράπεζαι καὶ ἔσπεισαν καὶ ἐπαιάνισαν, ἔρχεται — τις ἄνθρωπος ἔχων αὐλητρίδα τε ἀγαθὴν καὶ ὀρχηστρίδα.*

514. Cf. Metag. 4, 1. *ὀρχηστρίδας — ἑταίρας | ὡραίας.*

518. Cf. Eur. Fr. 407, 6. *τομαῖς ἀφαιρεῖν ἢ ποτοῖσι φαρμάκοις* (*νόσον*).

519. *εἰσῄρετο*] I. q. *εἰσεφέρετο.* Cf. ad Vesp. 1216. *τὰς τραπέζας εἰσφέρειν.*

520. Cf. Theocr. 24, 50. *ἄνστατε δή, δμῶες ταλασίφρονες· αὐτὸς ἀϋτεῖ.* Arist. Fr. 261. *ἀνοιγέτω τις δώματ'· αὐτὸς ἔρχεται.*

522. Cf. Nub. 1260. *οὔ τί που — ἐφθέγξατο.* Eur. Hel. 541. *ἔα, τίς οὗτος; οὔ τί που κρυπτεύομαι.*

527. *οὐ τάχ' ἀλλ' ἤδη ποιῶ*] Cf. Eur. Suppl. 551. *οἱ μὲν τάχ', οἱ δ' εἰσαῦθις, οἱ δ' ἤδη βροτῶν.*

529. Cf. Ach. 61. *οἱ πρέσβεις οἱ παρὰ βασιλέως. | ΔΙ. ποῖον βασιλέως;* 108. *ἀχάνας ὅδε γε χρυσίου λέγει. | ΔΙ. ποίας ἀχάνας;*

534. Cf. Soph. Fr. 100. κακὸν τὸ κεύθειν κοὐ πρὸς ἀνδρὸς εὐγενοῦς. Eur. Hel. 950. λέγουσιν ὡς πρὸς ἀνδρὸς εὐγενοῦς etc.

535. νοῦν ἔχοντος καὶ φρένας] Cf. ad Th. 291.

537. πρὸς τὸν εὖ πράττοντα τοῖχον] Hinc διατοιχεῖν sive ἀνατοιχεῖν τὸ εἰς τὸν ἕτερον τοῖχον τῆς νεὼς διαβαίνειν (Phryn. Appar. 34.).

538. εἶκον'] Cf. Hor. Epist. II. 2. 83. 'statua taciturnius'

539. πρὸς τὸ μαλθακώτερον] Cf. Eur. Or. 617. πέμπουσι μύθους ἐπὶ τὸ δυσμενέστερον. Eur. Suppl. 884. τραπέσθαι πρὸς τὸ μαλθακὸν βίου. Eur. Fr. 493. πρὸς τὸ χρησιμώτερον. Trag. adesp. 496, 1. μὴ μουσοποίει (μηδὲν σὺ ποίει recte al.) πρὸς τὸ νηπιώτερον. Schol. Nub. 971. πρῶτος τὴν ἁρμονίαν ἔκλασεν ἐπὶ τὸ μαλθακώτερον.

540. Cf. Vesp. 1014. Th. 177. Pl. 355.

541. φύσει Θηραμένης] Cf. ad 546.

545. τοὐρεβίνθου] Cf. Sophil. 8. ὁ πατὴρ ὁ ταύτης πολὺ μέγιστός ἐστι (δὴ) | κριὸς ἐρέβινθος (cicer aries).

546. ἅτ' ὢν —] Cf. Pac. 628. ἅτ' ὄντες αἰσχροκερδεῖς. ὢν αὐτὸς πανοῦργος] Corrigendum, ni fallor, ὢν φύσει —. Cf. 541. Pl. 279. ὡς μόθων εἶ καὶ φύσει κόβαλος. Dem. p. 307, 23. φύσει κίναδος — ἐστίν.

547. πὺξ πατάξας] Cf. Pac. 899. παίειν — πύξ. Dem. 1150, 24. μου παίει πὺξ — τὸ στόμα.

548. Cf. Ion. Fr. 30. ἔχον δ' ὀδόντων ἀρραγεστάτην θέσιν | τρίστοιχον. τοὺς χοροὺς] Lege τοῦ χοροῦ. Cognata videntur esse χορός et nostrum row.

552. ἐκεῖνος αὐτός] Cf. Eccl. 643. τινί] Cf. 554. Anaxand. 32, 3. Εὐριπίδης τις τήμερον γενήσεται. Soph. Aj. 1138. Ant. 751. Eur. Rhes. 730. εἰς βόλον τις ἔρχεται.

553. κρέα — ἀνάβραστ'] Cf. Aristom. 8. ἀναβράστων κρεῶν. Verbum ἀναβράττειν legitur Ach. 1005. Pac. 1197.

554. Cf. Timocl. 18, 3. τῶν ἀν' ἀκτὼ τοὐβολοῦ. Xen. Hell. VI. 4. 35. ἡμιωβολίου τὴν μνᾶν κρεῶν ὤνιον παρέξειν.

555. Cf. Soph. El. 564. τὰ πολλὰ πνεύματ'. 931. τοῦ γὰρ — ἦν | τὰ πολλὰ — κτερίσματα;

560. Cf. Eq. 849. ταύτας ἐᾶν αὐτοῖσι τοῖς πόρπαξιν ἀνατεθῆναι.

561. τἀργύριον ἐπραττόμην] Cf. Nub. 246. μισθὸν — ὅντιν' ἂν | πράττῃ μ'.

562. Cf. Plat. Resp. VII. 519 A. δριμὺ — βλέπει. Alciphr. III. 19. δριμὺ βλέπει καὶ τοξοποιεῖ τὰς ὀφρῦς.

565. δεισάσα] δείσασαι al. Adi Dindorf. Lexicon Soph. p. 320. Cf. Soph. Ant. 3. νῷν ἔτι ζώσαιν. El. 985. ζώσαιν θανούσαιν τε. O. C. 445. οὖσαιν. 1111. παρεστώσαιν. Plat. Tim. 79 D. οὖσαιν (Soph. 265 E. Legg. VI. 757 B. XII. 955 D.) Politic. 311 B. περιγενομέναιν. 265 A. τεταμένα. Legg. III. 692 D. διεφθαρμένα. VI. 771 C. ἀπονεμηθείσαιν.

576. *χολάδες* sunt *τὰ ἔντερα, χόλικες αἱ κοιλίαι* sec. Ammon. p. 148.

578. *ἐκπηνιεῖται*] Sc. ex ore ejus. *Πηνίον* est i. q. *μίτος*. Cf. Philyll. Fr. 33. *πηνίσασθαι* (*πανίσδεσθαι*?) est Theocr. XVIII. 32.

582. *Ξανθίδιον*] A primitivo *ξανθὸς* derivatum. Si a *Ξανθίας* deductum esset *Ξανθίδιον*, longa foret antepenultima, ut in *Βοιωτίδιον* Ach. 872.

585. Cf. Plat. Lys. 208 B. *κἂν εἰ βούλοιο τύπτειν, ἐῷεν ἄν;*

589. *δέχομαι τὸν ὅρκον*] Cf. Aesch. Eum. 429. *ἀλλ' ὅρκον οὐ δέξαιτ' ἂν οὐ* (*ἢ*?) *δοῦναι θέλοι*. Alio sensu *διδόναι* et *δέχεσθαι ὅρκον* apud Dem. p. 896, 20. *δίδωσιν ὁ Παρμένων ὅρκον τούτῳ περί τινων ἐγκλημάτων, καὶ οὗτος ἐδέξατο*. p. 995, 22. Isae. IX. 29.

592. Cf. Mnesim. 4, 24. *αὐτίκ' ἐρῶ σοι πάλιν ἐξ ἀρχῆς*. Men. 223, 2. *ἐπὰν ἀποθάνῃς, αὖθις ἐξ ἀρχῆς ἔσει*. Eur. Fr. 35, 2. *τὸ δ' αὖ πέφηνεν εὐθὺς* (*αὖθις*?) *ἐξ ἀρχῆς νέον*. *ἀνανεάζειν*] Cf. Men. 749. *ὡς ἡδὺ πρᾶος καὶ νεάζων τῷ τρόπῳ | πατήρ*. Hesych. *ἀναθύειν* (l. *ἀναθυᾶν*)· *ἀνασκιρτᾶν καὶ αὖθις ἐξ ἀρχῆς ἀνανέαζειν*.

593. Cf. Pher. II. 327. *εἰ γάρ τι κἀξήμαρτεν, αὖθις ἀνέλαβεν*.

595. Similiter *ἐκρίπτειν ἔπη* Aesch. Prom. 986.

599. *ἦν χρηστὸν ἤ τι*] Cf. Pl. 341. *χρηστόν τι πράττων*.

606. *ἀνύετον*] Cf. 649. Pl. 606. *τῳ*] Cf. Aesch. Ag. 1223. Cho. 59. Suppl. 902.

607. *οὐκ ἐς κόρακας;*] Cf. Eq. 892. *οὐκ εἰς ὄλεθρον —;* Soph. O. R. 430. 1146. Phil. 394.

608. Producitur prima in *Διτύλας* ut in *Δίφιλος, Διπόλεια, δῖος*, etc.

621. Cf. Alex. III. 422. *πρὸς τὸ κέρδος καὶ τὸ συλᾶν τοὺς πέλας | πάντα τἄλλ' αὐταῖς πάρεργα γίγνεται*. Com. adesp. 197. *φύλλῳ πράσου | τὸ τῶν ἐρώντων συνδέδεται βαλλάντιον*. Append. Prov. IV. 60. *Πράσου φύλλῳ τὸ τῶν ἐρώντων δέδεται βαλλάντιον*.

626. Cf. Eur. El. 910. *ἅ γ' εἰπεῖν ἤθελον κατ' ὄμμα σόν*. Rhes. 421. Eur. Fr. 414, 3. *τὰ δ' αἰσχρὰ μισήσει κατ' ὀφθαλμοὺς λέγειν*.

628. *χὤπως ἐρεῖς —*] Cf. Eq. 222. *χὤπως ἀμυνεῖ τὸν ἄνδρα*. 456. 497.

629. *εἰ δὲ μή*] Cf. Nub. 1433.

630. Cf. Eubul. 14, 1. *μὴ μὴ παρατίθει μοι θριδακίνας — ἢ σεαυτὴν αἰτιῶ*. Nicochar. 16. *εἰ πεύσομαι —, αὐτὸς αὑτὸν αἰτιῶ*. Trag. adesp. 89, 3. *αὐτὴ δ' ἑαυτὴν ἆθλα τῶν πόνων ἔχει*.

643. Cf. Athen. XIII. 593 F. *τὴν δὲ Νέαιραν εἶχον ἡμέραν παρ' ἡμέραν*.

644. *σκόπει νυν ἤν μ' ὑποκινήσαντ' ἴδῃς*] Anglice, look then whether you observe me moving. Cf. Xen. Cyn. VI. 23. *ὅπως ἂν μὴ ὑποκινῇ εἰς τὸ πρόσθεν*.

649. *ἀνύσεις*] Cf. 606. Pl. 606.

651. *Διομείοις*] Cf. Eupol. 235. *ἔστι δέ τις θήλεια Φιλόξενος ἐκ Διομείων.* Ach. 605. *Διομειαλαζόνας.* Athen. XIV. 614 D. *ἐν τῷ Διομέων Ἡρακλείῳ.*

655. Cf. Plat. Gorg. 474 B. *ἐπεὶ σὺ δέξαι' ἂν μᾶλλον ἀδικεῖσθαι ἢ ἀδικεῖν;* Aesch. Agam. 214. *ἐπεὶ — κυρῶ;*

662. *σπόδει*] Cf. Nub. 1376. *κᾆπειτ' ἔφλα με κἀσπόδει κἄπνιγε κἀπέτριβεν.*

665. Cf. Soph. O. C. 610. *φθίνει μὲν ἰσχὺς γῆς, φθίνει δὲ σώματος.*

675. *χορῶν — ἐπίβηθ'*] Cf. Mimnerm. 12, 11. *ἔνθ' ἐπέβη ἑτέρων ὀχέων Ὑπερίονος υἱός.* Soph. Ph. 1463. *δόξης οὔ ποτε τῆσδ' ἐπιβάντες.* *ἐπίβηθ.*] Nonne *ἐπίβαθ'*?

682. *ἐπὶ βάρβαρον ἑζομένη πέταλον*] Cf. Alciphr. Fr. 6, 9. *ἐαρινοῖς ἐφιζάνουσαι πετάλοις ἡδὺ καὶ κωτίλον ἀηδόνες ἐψιθύριζον.* Eubul. Fr. 112. *λοπὰς παφλάζει βάρβαρῳ λαλήματι.*

687. *χρηστὰ τῇ πόλει ξυμπαραινεῖν*] Cf. Av. 852. Soph. Fr. 964. *καλῶς κακῶς πράσσοντι συμπαραινέσαι.* Av. 852. *συμπαραινέσας ἔχω* (Soph. Fr. 435.).

689 sq. Cf. Pher. 145, 18. *εἰ γάρ τι κἀξήμαρτεν, αὖθις ἀνέλαβεν.* "Phrynichus was soon after assassinated. Antiphon was condemned and executed. Theramenes, who thought it his interest or his duty for the time to take a more moderate part, was afterwards one of the Thirty, and was impeached and put to death by Critias for refusing to carry out the proscription, though he had consented to the murder of many of the citizens on the first establishment of that government (p. 374.). Critias himself was killed in an attack on the forces of the Thirty by Thrasybulus Alcibiades was murdered by a band of assassins in Phrygia. Cleophon was condemned to death through the influence of Critias shortly before the rule of the Thirty. Thus in the short space of a year after the acting of the Frogs so many of the principal persons mentioned in it met with a violent death." (Paley)

691. Cf. Soph. Phil. 1224. *λύσων ὅσ' ἐξήμαρτον ἐν τῷ πρὶν χρόνῳ.* Dem. p. 1469. *ἣν* (*ἁμαρτίαν*) *τῷ μεταγνῶναι λύσετε.*

696. *νοῦν ἔχοντ'*] Cf. 1396. *κοῦφόν ἐστι καὶ νοῦν οὐκ ἔχον.* 1439. *νοῦν δ' ἔχει τίνα;* Nub. 835. *ἄνδρας δεξιοὺς | καὶ νοῦν ἔχοντας.* Vesp. 64. *λογίδιον γνώμην ἔχον.*

699. Cf. Aesch. Cho. 783. *νῦν παραιτουμένᾳ μοι — δὸς* etc.

700. Cf. Vesp. 727. Av. 383.

701 sq. Cf. Nub. 1135. *πᾶς γάρ τις ὀμνὺς οἷς ὀφείλων τυγχάνω*, etc.

702. *πάντας — ὅστις ἂν ξυνναυμαχῇ*] Cf. Eur. Ion. 233. *πάντα θεᾶσθ' ὅ τι καὶ θέμις ὄμμασι.* Xen. Hell. II. 16. *ἔμελλον ἅπαντα ὅ τι τις λέγοι ὁμολογήσειν.*

703. ὀγκωσόμεσθα] Cf. Vesp. 1024. οὐδ' ὀγκῶσαι τὸ φρόνημα· Eur. Fr. 822. ἦ δῶμα πλούτῳ δυσσεβῶς ὠγκωμένον. Fr. 1021, 4. μὴ καλῶς ὠγκωμένοις. Athen. IX. 403 E. τοιάδε ὠγκώσατο.

704. καὶ ταῦτ'] Cf. Diodor. com. 3, 5. τὴν ἐσομένην καὶ ταῦτα μέτοχον τοῦ βίου. κυμάτων ἐν ἀγκάλαις] Cf. Nausicrat. 1, 3. πελαγίοις ἐν ἀγκάλαις. Aesch. Cho. 586. πόντιαί τ' ἀγκάλαι. Prom. 1019. πετραία δ' ἀγκάλη σε βαστάσει. Eur. Hel. 1062. πελαγίας (πελαγίους?) ἐς ἀγκάλας. 1452. Rhes. 247.

705. Cf. Nub. 562. ἐς τὰς ὥρας τὰς ἑτέρας εὖ φρονεῖν δοκήσετε.

706. Cf. Eur. Fr. 27, 1. ἦ βραχύ τι σθένος ἀνέρος.

708. Κλειγένης ὁ μικρός] Cf. Alex. 246. 2. Ἐπιχαρίδης ὁ μικρός. Xen. Mem. I. 4. 2. Ἀριστόδημος ὁ μικρός. Plat. Symp. 173 B.

710 sq. Solebant balneatores in ipsis balneis omnia quae ad lavandum necessaria essent venum dare, ut monuit Kock. ad Adesp. 1525.

711. κυκησιτέφρου] Cf. βροντησικέραυνος (Nub. 265.), λυπησίλογος (Cratin. II. 190.). ἁρπάξανδρας (Aesch. Sept. 776.), ῥίψοπλος (Sept. 319.), ἐρειψίτοιχος (Aesch. Sept. 880.). Aliter formatum est ποντοκύκη (γυνή) Phryn. 61, 1.

712. Κιμωλίας γῆς] Cf. Antiph. 39, 3. κἀπονίψει — τὰς χεῖρας εὐώδη λαβὼν τὴν γῆν.

726. κόμματι] Cf. 890. Pl. 862. 957. Com. adesp. 732. τοῦ κατ' ἐμὲ κόμματος.

730. πυρρίαις] I. e. servis. Pher. 145, 21. Μιλήσιός τις πυρρίας. Confer servi nomen Ξανθίας.

731. Cf. Eur. Andr. 590. ὦ κάκιστε κἀκ κακῶν. Eur. Fr. 1068, 2. ὥστ' ἐκ πονηρῶν μὴ οὐ κακοὺς πεφυκέναι. Soph. O. R. 1397. νῦν γὰρ κακός τ' ὢν κἀκ κακῶν εὑρίσκομαι.

733. φαρμακοῖσιν] Cf. Fr. 532. πόθεν δ' ἐγώ σοι συγγενής, ὦ φαρμακέ; Eq. 1405.

734. μεταβαλόντες τοὺς τρόπους] Cf. Nub. 579. 587. Eq. 573. Av. 1084. Lys. 651. Th. 839. Eupol. 357, 7. ἀλλ' ἐμοὶ πείθεσθε πάντως· μεταβαλόντες τοὺς τρόπους | μὴ φθονεῖθ' etc.

737. Cf. Aesch. Pr. 386. δοκήσει. Sept. 1036. δοκησάτω. Nub. 562. Ran. 1532.

742. In editione mea pro "τάδε χνοάοντα" corr. τάδε χνοιάζοντα.". Ibid. pro "φιλάσω" corr. "φιλασῶ."

745. ἀντιβολῶ] Absolute positum. Cf. Eccl. 1071. Plat. com. 191. Philetaer. 7, 1. Sic ἱκετεύω Eubul. 115, 1.

746. ὅταν καταράσωμαι λάθρα τῷ δεσπότῃ] Cf. Lys. 815. πολλὰ καταρασάμενος ἀνδράσι πονηροῖς. Vesp. 614. καταρασάμενος καὶ τονθορύσας. Nub. 871. καταρᾷ σὺ τῷ διδασκάλῳ;

748. τοῦθ' ἥδομαι] Cf. Nub. 820. τοῦτ' ἐγέλασας.

750. Cf. Eur. Andr. 922. ὁμόγνιος Ζεύς. Arist. de mundo p. 401, 21. Ζεὺς γενέθλιός τε καὶ ἕρκειος καὶ ὁμόγνιος. Plat. Legg.

V. 729 C. *ὁμογνίων θεῶν κοινωνίαν ἅπασαν.* 881 D. *Διὸς ὁμογνίου.* Soph. O. C. 1333. *θεῶν ὁμογνίων.* Ant. 659. *Ζεὺς ξύναιμος.* *παρακούων*] Cf. Herod. III. 129. 4. *παρακούσας — τὴν τέχνην.* Strab. XIV. 644. *τὸν πολυπράγμονα καὶ κατακούειν* (l. *παρ.*) *ἐπιχειροῦντα τῶν λάθρα — διαλεγομένων.* Themist. XXI. 262 C. *πολλὰ οὔτ' αὐτὸς ἀκούσας οὔτε παρακούσας.*

751. Cf. Soph. El. 1153. *μαίνεται δ' ὑφ' ἡδονῆς.* Eur. Cycl. 465.

754. *ἔμβαλέ μοι τὴν δεξιάν*] Cf. Vesp. 554. *ἐμβάλλει μοι τὴν χεῖρα —.*

755. *δὸς κύσαι*] Cf. Lys. 923. *δός μοί νυν κύσαι.*

756. *ὁμομαστιγίας*] Cf. v. *ὁμόδουλας* Euthycl. com. 4. *ὁμότεχνος, ὁμολεχής,* etc.

758. *λοιδορησμὸς*] Cf. *κροτησμός, μελλησμός, ὀρχησμός, νουθετησμός, σκαριφησμός, πατησμός* (Aesch.).

759. *πρᾶγμαι μέγα*] Magni momenti res. Cf. Vesp. 590. *ὅταν κρῖναι μέγα πρᾶγμ' ἀπορήσῃ.* Th. 581. *πρᾶγμα δεινὸν καὶ μέγα.*

763. *συντέχνων*] I. q. *ὁμοτέχνων.* Alex. 173, 7. *τοῦθ' ἕτερος οὐδεὶς τῶν ὁμοτέχνων μου ποιεῖ.* Xenarch. 7, 15. *τῶν ὁμοτέχνων τις.* Posidipp. 23, 4. Anaxipp. 1, 2. *ἐγένονθ' ἑαυτῶν συμμαθηταὶ τῆς τέχνης.* Lucian. Anach. 36. *καὶ δείκνυσθαι τῷ δακτύλῳ ἄριστον εἶναι τῶν καθ' ἑαυτὸν δοκοῦντα.*

767. *παραχωρεῖν*] Concedere viam. Cf. Eccl. 663. Lys. 1216. Athen. III. 73 F. *οὐδενὶ γὰρ τῶν περὶ σύκων λόγων* (add. *ἂν*?) *παραχωρήσαιμι* (*παραχωρήσω τι*?), *κἂν ἀπὸ κράδης κρέμασθαι δέῃ.*

772. *λωποδύταις*] Cf. Diph. 32, 14. *ἢ λωποδυτεῖν τὰς νύκτας ἢ τοιχωρυχεῖν.* Cf. vv. *ἀπολωπίσαι* (Soph.) et *περιλωπίσαι* (Hyperid. aut Eurip.). *Λώπη δίπλαξ* est Theocr. XXV. 254.

773. *πατραλοίαισι*] Cf. Nub. 911. 1327. Ab *ἀλοιᾶν.* Babr. Fab. 98, 16. *τὸν δ' ἕκαστος ἠλοία ῥοπάλῳ τις ἢ λίθῳ.*

775. *λυγισμῶν*] Cf. Eupol. 339. *λυγίζεταί τε καὶ στρέφει τὸν αὐχένα.* Eur. Cycl. 225. *στρεπταῖς λύγοισι.* Philostr. Vit. Apoll. IV. 7. *λυγισμοὺς ὀρχοῦνται.* IV. 39. *ᾠδὰς ἔκαμπτεν ὁπόσας ὁ Νέρων ἐλύγιζέ τε καὶ ἔστρεφε.* *στροφῶν*] Cf. Antiph. 207, 4. *στροφὴ λόγων.* Clem. Alex. Strom. 6, 8, 70. *ἐπίσταται στροφὰς λόγων.*

778. *καθῆστο*] Legitur etiam Eur. Bacch. 1102. *κατῆστο.* Herod. I. 46.

779. Cf. 785. 1467. Eur. Fr. 1023, 2. *φράζε· σὴ γὰρ ἡ κρίσις.*

781. *ἀνεβόησεν οὐράνιον ὅσον*] Cf. 1135. Aesch. Pers. 573. *ἀμβόασον οὐράνι' ἄχη.* Com. adesp. IV. 662.

783. Cf. Eriph. 2, 8. *ὀλίγον τὸ καλόν ἐστι πανταχοῦ.* Antiph. 58, 8. *ὀλίγον ἐστὶ τὸ καλὸν πανταχοῦ | καὶ τίμιον.* Thuc. VI. 35. 1. *ὀλίγον δ' ἦν τὸ πιστεῦον —.*

792. *ἔφεδρος*] Cf. Men. 663. *υἱῷ προθύμως τἀξιούμενον ποιῶν | κηδεμόν' ἀληθῶς οὐκ ἔφεδρον ἕξεις βίον.* Schol. *ὁ μὴ πλανώμενος. ὁ ἐφεδρεύων* — Blomf. Gloss. Cho. 853.

794. πρός γ' —] Cf. Aesch. Cho. 419. πρός γε τῶν τεκομένων.
796. ὀρθὸς ἰδεῖν] Vix sanum. Qu. οἷος ἰδεῖν.
803. ἦ που] Cf. 814. ἦ που δεινὸν ἐριβρεμέτας χόλον ἔνδοθεν ἕξει. Eur. Suppl. 762. ἦ που πικρῶς νιν θέραπες ἦγον ἐκ φόνου. Achae. Fr. 11. ἦ που σφόδρα θυμοῖ.
809. τἄλλ'] I. e. τοὺς ἄλλους. Cf. Antiph. 232, 1. ἆρ' ἐστὶ λῆρος πάντα (τἄλλα?) πρὸς τὸ χρυσίον; Soph. Fr. 325, 3. κἄστι πρὸς τὰ χρήματα | θνητοῖσι τἄλλα δεύτερα.
811. ἐπέτρεψαν] Cf. [Dem.] 59, 45. οἱ ἐπιτήδειοι ἔπεισαν δίαιταν ἐπιτρέψαι αὐτοῖς. Plat. Erast. 138 E. ἐὰν οἱ φίλοι αὐτῷ διαίτας ἐπιτρέπωσιν. Ran. 529. Lys. 1111. Vesp. 521.
814. ἦ που] Cf. 803. Vesp. 725. ἦ που σοφὸς ἦν ὅς etc.
ἐριβρεμέτας] Confer βαρυβρεμέτης, ὑψιβρεμέτης, πυριβρεμέτης. Soph. Ant. 1117. βαρυβρεμέτα Διὸς γένος (Διόνυσος).
816. ἀντιτέχνου] Cf. Alciphr. III. 48. 1. ὡς γὰρ ἐνίκα τοὺς ἀντιτέχνους etc.
817. Cf. Aesch. Cho. 203. ἐν χειμῶσι — στροβούμεθα. 1050. τίνες σε δόξαι — στροβοῦσιν; Ag. 1216. πόνος στροβεῖ (με).
818. ὑψιλόφων] Cf. Pind. Ol. 13, 159. Αἴτνας ὑψιλόφου.
819. Cf. Pac. 786. σφυράδων ἀποκνίσματα.
821. ἱπποβάμονα] Cf. λεοντοβάμων, κολοσσοβάμων (Lyc. 615.); σκηπτροβάμων (Soph.), τριτοβάμων (Eur.), πεδοβάμων (Aesch. Cho. 591.), ταχυβάμων, χορταιοβάμων.
822. αὐτοκόμου λοφιᾶς] Cf. com. anon. IV. 683. αὐτόποκον ἱμάτιον. λασιαύχενα] Cf. φριξαύχην (Trag. adesp. 383. κάπρον φριξαύχεν') et δολιχαύχην (Eur. Iph. A. 794. κύκνου δολιχαύχενος).
824. γομφοπαγῆ] Cf. v. γομφόδετος (Aesch. Suppl. 846.) et δερριδόγομφος (Hesych. ex com.).
825. γηγενεῖ] I. e. ἰσχυρῷ, λάβρῳ. Sic γίγας ζέφυρος Aesch. Ag. 692. Soph. Tr. 1058. ὁ γηγενὴς | στρατὸς γιγάντων.
828. δαιομένη] Dividens. καταλεπτολογήσει] Simplex λεπτολογεῖν occurrit Nub. 320.
833. ἐτερατεύετο] Cf. Nub. 318. Fr. 1. Lys. 762. Eq. 627.
835. ὦ δαιμόνι' ἀνδρῶν] Cf. 1227. Av. 1638. δαιμόνι' ἀνθρώπων Πόσειδον. Hom. Od. 14. 443. ἔσθιε, δαιμόνιε ξείνων, etc. Theocr. XXIV. 40. φίλ' ἀνδρῶν. 22, 288. μὴ μέγα εἰπεῖν. et ad Ant. 1350. μεγάλοι — λόγοι.
838. ἀχάλινον — στόμα] Cf. Phryn. 82. ἀθύρωτον στόμα.
ἀκρατὲς —] Cf. Phryn. 85. ἀκρατὴς γάμων. Aesch. Prom. 884. γλώσσης ἀκρατής. Eur. Fr. 495, 3. οἵτινες σοφῶν πέρι | ἀχάλιν' ἔχουσι στόματα.
839. ἀπεριλάλητον] Cf. *Teleclid. II. 372. Εὐριπίδης δ' ὁ τὰς τραγῳδίας ποιῶν | τὰς περιλαλούσας οὗτός ἐστι, τὰς σοφάς. Eur. Cycl. 242. μέγαν φάκελον ξύλων. Herod. IV. 62. 2. φρυγάνων φάκελοι. Nisi ἀκαταλάλητον corrigendum.

841. *στωμυλιοσυλλεκτάδη*] Cf. Athen. IV. 157 A. *ἄνδρες γενειοσυλλεκτάδαι.*

843. Cf. Herod. III. 36. *ἀλλ' οὔ τι χαίρων, ἐπεί τοι καὶ* etc.

847. *ἄρνα μέλαιναν*] Qu. *ἄρνα μέλανα.* Cf. Eq. 660. Xen. Hell. IV. 2. 20. *σφαγιασάμενοι τῇ Ἀγροτέρᾳ ὥσπερ νομίζεται τὴν χίμαιραν.* Achae. Fr. 14. *ἀλλ' ὡς τάχιστα μέλανα δεῦρ' ἀμνὸν φέρειν* (*χρή*).

854. *κεφαλαίῳ — ῥήματι*] Cf. Plat. com. 74. *ὅταν δέωμαι γωνιαίου ῥήματος.* Com. adesp. 835. *ἁμαξιαῖα χρήματα.* 836. *ἁμαξιαῖα ῥήματα.* Diph. 38, 67.

859. Cf. Vesp. 436. *ὡς ἐγὼ πολλῶν ἀκούσας οἶδα θρίων* (*πρίνων*?) *τὸν ψόφον.* Ach. 666. Ovid. Fast. I. 344. 'et non exiguo laurus adusta sono.' IV. 742. 'et crepat in mediis laurus adusta focis.'

860. *ἀναδύομαι*] Qu. *ἀναίνομαι.*

863. Aeoli fabulae supersunt fragmenta 29. apud Nauck.

864. Meleagri supersunt fragmenta 25 apud Nauck.

867. *οὐκ ἐξ ἴσου γὰρ —*] Cf. Eur. Iph. A. 804. *οὐκ ἐξ ἴσου γὰρ μένομεν Εὐρίπου πέλας.*

868. *συντέθνηκε*] Cf. Eur. Fr. 734, 2. *κακοῖσι δὲ | ἅπαντα φροῦδα συνθανόνθ' ὑπὸ χθονός.* Andr. 775.

871. Cf. Vesp. 860. *ἀλλ' ὡς τάχιστα πῦρ τις ἐξενεγκάτω | καὶ μυρρίνας καὶ τὸν* (l. *τε καὶ*) *λιβανωτὸν ἔνδοθεν.*

877. *ἀνδρῶν γνωμοτύπων*] Cf. Nub. 950. *γνωμοτύποις μερίμναις.* Eq. 1379. *γνωμοτυπικός.* Th. 55. *γνωμοτυπεῖ.*

880. *πορίσασθαι*] Cf. Straton. com. 1, 4. *καινὰ ῥήματα | πεπορισμένος πάρεστιν.* Euphron. Fr. 6. *καινοὺς πορίζου — θεούς.* Thuc. II. 38. *πόνων — ἀναπαύλας — ἐπορισάμεθα.* Liban. IV. 168. 18. *ἐν γὰρ ἀλλοτρίοις κακοῖς οὐ χαλεπὸν πορίσασθαι λόγους εὐπρεπεῖς.*

882. Cf. Nub. 955. *νῦν γὰρ ἅπας ἐνθάδε κίνδυνος ἀνεῖται σοφίας, | ἧς πέρι τοῖς ἐμοῖς φίλοις ἔστιν ἀγὼν μέγιστος.*

884. Cf. Pac. 509.

888. *ἐπίθες — λιβανωτόν*] Cf. Nub. 426. Vesp. 96. *ὥσπερ λιβανωτὸν ἐπιτιθεὶς νουμηνίᾳ.* Plat. II. 638. Antiph. III. 90.

889. Cf. Cratin. 274. *πρὸς τοῦ* (*τῶν*?) *Σόλωνος καὶ Δράκοντος, οἷσι νῦν | φρύγουσιν ἤδη τὰς κάχρυς, τοῖς κύρβεσιν.*

892. *αἰθὴρ, ἐμὸν βόσκημα*] Cf. Nub. 424. *τὸ χάος τουτὶ καὶ τὰς νεφέλας καὶ τὴν γλῶτταν, τρία ταυτί.* (Ubi Socraticorum dii enumerantur.) Eur. Fr. 911. *κορυφὴ δὲ θεῶν ὁ πέριξ χθόν' ἔχων | φαεννὸς* (?) *αἰθήρ.* *γλώττης στρόφιγξ*] Cf. v. *γλωττοστροφεῖν,* Nub. 797.

901. Cf. Aesch. Suppl. 747. *θάλπει βραχίον' εὖ κατερρινημένους.* Eur. Fr. 625. *πριστοῖσι λόγχης θέλγεται ῥινήμασιν.* Arist. Resp. Athen. p. 168. *διερρινημένον ἐπίθημα.* Alex. 220, 8. *λόγοι | λεπτοὶ διεσμιλευμέναι τε φροντίδες | τρέφουσ' ἐκείνους.* Alciphr.

III. 33. *αὐτὴν ἐκρινῆσαι τὴν καρδίαν.* [Lucian.] Philopatr. 22. *πάντα ἐξερρίνησαι, ἵν' εἴπω τι κωμικευσάμενος.*

902. *ἀνασπῶντ'*] Cf. Men. 429. *πόθεν — τούτους ἀνεσπάκασιν οὗτοι τοὺς λόγους;* Thugenid. 5. Com. adesp. 838. *ἀνασπᾶν γνωμίδιον.* Soph. Aj. 302. ed. Lob. Herod. III. 159. 1. *τὰς πύλας πάσας ἀπέσπασε* (*ἀνέσπασε* recte cod. c.). *αὐτοπρέμνοις*] Cf. Aesch. Eum. 401. *αὐτόπρεμνον.*

903. *αὐτοπρέμνοις*] Cf. Soph. Ant. 714. *αὐτόπρεμν' ἀπόλλυται.*

904. *συσκεδᾶν*] Cf. Vesp. 229. *πολλῶν δικαστῶν σφηκιὰν διασκεδῶ.* *ἀλινδήθρας*] Confer *ἐνουρήθρα* (Soph. Fr.), *στωμολήθρα, περπερήθρα, ἀνακλήθρα, σκανδάληθρον* (Ach.).

905. *οὕτω δ' ὅπως*] Cf. Ach. 931. Soph. El. 1296. Ant. 220. O. C. 1279.

911. Cf. Eq. 1301. *καὶ μίαν λέξαι τιν' αὐτῶν.* Antiph. 251, 1. *ἐγὼ γυναικὶ δ' ἕν τι πιστεύω μόνον.* Xenarch. 7, 8. *εἷς τις θεοῖσιν ἐχθρός.* Eur. Fr. 581, 2. *σοφὸς δ' ἂν εἷς τις ἢ δύ' ἐν μακρῷ χρόνῳ* (*γένοιτο*). Plat. Resp. VIII. 565 C. *ἕνα τινὰ ἀεὶ ὁ δῆμος εἴωθε — προϊστασθαι ἑαυτοῦ.* Schol. *μέχρι τριῶν ἡμερῶν* (*μερῶν* Dind.).

913. *γρύζοντας οὐδὲ τουτί*] Cf. Alex. 178, 3. *δειπνεῖ δ' ἄφωνος Τήλεφος, νεύων μόνον | πρὸς τοὺς ἐπερωτῶντάς τι.*

921. *ὦ παμπόνηρος*] Cf. Th. 649. Vesp. 900.

922. *σκορδινᾷ*] Pandicularis. Cf. Ach. 30. Vesp. 642.

923. *ταῦτα ληρήσειε*] Cf. Vesp. 1370. *τί ταῦτα ληρεῖς;*

924. *βόεια*] I. e. *μεγάλα.* Cf. *βούλιμος* (*μέγας λιμός*), *βουκόρυζα* et *βουκορυζᾶν, βοῶπις, βούπαις* (Eup. 402.).

925. Cf. Alex. 116. *ὀφρῦς ἔχον* (*γένος*).

927. Cf. Soph. Fr. 777. (811.) *δάφνην φαγὼν ὀδόντι πρῖε τὸ στόμα.* Oppian. Cyn. 4, 138. *θυμὸν ὀδὰξ πρίοντες.* Theodect. Fr. 9. *καρτέρει δάκνων | ὀργῆς χαλινόν.* Soph. Tr. 974. Apoll. Rhod. 3, 1170.

930. *ξυμβαλεῖν*] Cf. Eq. 427. *εὖ γε ξυνέβαλεν αὔτ'.* Vesp. 50. *ἐναργὲς — συμβαλεῖν.* *οὐ ῥᾴδιον*] Cf. Th. 68. *κατακάμπτειν τὰς στροφὰς οὐ ῥᾴδιον.*

931. Cf. Eq. 1290 sq. Lys. 26 sq.

932. Cf. *ἱππογνώμων* (i. e. *μεγαλογνώμων*), *ἱππόπορνος.* De anapaesto in quarto pede tetrametri iambici cf. 937. Nub. 1427. Fr. 476. Schol. *ἐπὶ ὁ' αἰετὸς* (*ἀπὸ δ' αὖτε* schol. Pac. 1177. *ἐπάνδετος* Headlam. qu. *ἐπῆν δ' αὖτε*).

934. Schol. *ἢ* (l. *καὶ*) *ὡς ἀηδής.*

936. *ποῖ' ἄττ'*] Cf. 173. *πόσ' ἄττα.* Pac. 704. Hom. Od. 19, 218. *ὁπποῖ' ἄσσα.* Plat. Phaedr. 267 D. *τοιαῦτ' ἄττα.*

937. *ἱππαλεκτρυόνας*] Similia sunt *μυγαλῆ, κυναλώπηξ, χηναλώπηξ, λαγαλώπηξ, ὀνέλαφος, τραγέλαφος, καμηλοπάρδαλις.*

941. *ἴσχνανα*] Cf. Philem. 98, 6. *δέδοικα μὴ λίαν ἀπισχναίνων* (*κατ.?*) *με ποιήσῃ νεκρόν.* Aesch. Eum. 267. *καὶ ζῶντά σ' ἰσχνά-*

νασ' ἀπάξομαι κάτω. Plat. Gorg. 54 E. κάων καὶ ἰσχναίνων. Polit. 293 B. καθαίροντες εἴτε ἄλλως ἰσχναίνοντες. ἀφεῖλον] Cf. Aesch. Eum. 444. τῶν σῶν ἐπῶν μέλημ' ἀφαιρῄσιν μέγα. Eurip. Med. 456. κἀγὼ μὲν ἀεὶ βασιλέων θυμουμένων | ὀργὰς ἀφῄρουν. 1147. ὀργάς τ' ἀφῄρει καὶ χόλον νεάνιδος. Iph. A. 1609. λύπης δ' ἀφαίρει. Suppl. 459. ὅταν τις — τόλμας ἀφαιρῇ κἀπολωτίζῃ νέους. Eur. Fr. 284, 27. μάχας τ' ἀφαιρῶν καὶ στάσεις. Fr. 403, 6. τομαῖς ἀφαιρεῖν (νόσον). Aeschin. III. 238. ἀφελὼν τὴν ἀλαζονείαν καὶ τὸν κόμπον etc. Plut. Fab. Max. 20. τῶν ζῴων τὸ θυμούμενον καὶ τὸ δυσκολαῖνον ἐξαιρεῖν.

943. ἀπηθῶν] Cf. Fr. 387 K. τρυγός τε φωνὴν εἰς λεκάνην ἠθουμένης.

945. ἔφυρον] Cf. Eur. Hec. 958. Aesch. Prom. 450. ἔφυρον εἰκῇ πάντα. Plat. Phaed. 97 B. αὐτὸς εἰκῇ φύρω. Trag. adesp. 472. βίον διῴκησ' ὄντα πρὶν πεφυρμένον.

954. τουτουσὶ] Cf. Nub. 897.

956. εἰσβολὰς] Cf. 1104. Eur. Ion. 676. πενθίμους στεναγμῶν εἰσβολάς.

958. κερινοεῖν] Cf. Thuc. III. 43. μόνην τε πόλιν διὰ τὰς περινοίας εὖ ποιῆσαι — ἀδύνατον. Plat. Ax. 370 A.

959. οἰκεῖα πράγματ' εἰσάγων, οἷς χρώμεθ', οἷς ξύνεσμεν] Cf. 980 sq. 1330 sq.

963. κωδων.] Cf. Soph. Fr. 738. Eur. Rhes. 383.

964. Cf. Com. adesp. 121, 3. σύγκρινον, ὦ 'τᾶν, Ἀσπασίαν καὶ Σωκράτην· | τῆς μὲν γὰρ ὄψει Περικλέα, Κριτίαν δὲ τοῦ | ἑτέρου μαθητήν. Aesch. Prom. 409. στένουσι τὰν σὰν ξυνομαιμόνων τε τιμάν. Eum. 713. χρησμοὺς τοὺς ἐμούς τε καὶ Διός. Ag. 1313. ἐμὴν Ἀγαμέμνονός τε μοῖραν. Soph. Tr. 485. κείνου τε καὶ σὴν ἐξ ἴσου κοινὴν χάριν. Eur. Hec. 892. σὸν οὐκ ἔλασσον ἢ κείνης χρέος. Phoen. 474. τοὐμόν τε καὶ τοῦδ'. Tro. 432. τἀμὰ καὶ Φρυγῶν κακά. Pind. P. VII. 13. νῖκαι — ὑμαί τε καὶ προγόνων. Plat. Symp. 117 A. οὐκ ἐμὸς ὁ μῦθος ἀλλὰ Φαίδρου τοῦδε.

965. τουτουμενὶ] I. e. τουτουὶ μέν. Cf. Metagen. Fr. 6, 5. ἐνμεντευθενί. et ad Eq. 1357.

966. — πιτυοκάμπται] Cf. Cratin. 296. ὃς τὴν πίτυν | ἔκαμπτεν ἑστὼς χαμᾶθεν ἄκρας τῆς κόμης | κἀθέλκων. Ovid. Met. VII. 440.

968. Cf. Nub. 1378.

969. Cf. Antiphont. 204, 4. ἢ δίκῃ τις περιπεσὼν ἀπώλετο. Menand. 500, 3. ὅταν τις ὢν ἀνὴρ | δίκαιος ἀδίκοις περιπέσῃ συμπτώμασιν. 1083, 3. ὅταν δὲ λύπαις περιπέσῃ καὶ πράγμασιν, etc. Eur. Fr. 463, 1. λύπῃ μὲν ἄτῃ περιπεσεῖν αἰσχρᾷ τινι. Eur. Hec. 498. αἰσχρᾷ περιπεσεῖν τύχῃ. Or. 367. λουτροῖσιν ἀλόχου περιπεσὼν πανυστάτοις.

984. ἀπεδήδοκεν] Cf. Herm. II. 338. ἀπέδομαι. 405. ἀπεσθίεις. Plat. II. 662. ἀπηδέσθη.

987. *σκόροδον τὸ χθιζινόν*] Cf. ad Vesp. 281. *διὰ τὸν χθιζινὸν ἄνθρωπον.*

988. *τῆς ἐλάας παρέτραγεν*] Cf. Pac. 415. *τοῦ κύκλου παρέτρωγον.* Eq. 1025. *ὥσπερ θύρας σου τῶν λογίων παρεσθίει.*

989. *ἀβελτερώτατοι — καθῆντο*] Cf. Nub. 1201. *ὦ κακοδαίμονες, τί κάθησθ' ἀβέλτεροι;* Herod. VII. 140. *ὦ μέλεοι, τί κάθησθε;*

991. *Μελητίδαι*] Cf. Com. adesp. 657. *γελοιότερος Μελιττίδου* (sic). Lucian. Amor. 53. *Μελιτίδην ἢ Κόροιβον οἴει με —;*

995. *ἐκτὸς οἴσει τῶν ἐλαῶν*] Cf. Plat. Crat. 414 B. *ὥσπερ ἐκτὸς δρόμου φερόμενον.* Aesch. Pr. 883. *ἔξω δὲ δρόμου φέρομαι —.* Eur. Bacch. 853. Soph. Ant. 800. *θεσμῶν ἔξω φέρομαι.*

999. *συστείλας*] Cf. Eq. 432. *ἐγὼ δὲ συστείλας γε τοὺς ἀλλᾶντας εἶτ' ἀφήσω | κατὰ κῦμ' ἐμαυτὸν οὔριον.*

1001. *μᾶλλον μᾶλλον*] Cf. Alex. 29. *πῶς ἐπινέφει τὸ πρῶτον ὁ Ζεὺς ἡσυχῆ, | ἔπειτα μᾶλλον μᾶλλον;* 181. Anaxil. 32. *μᾶλλον μᾶλλον.* Similiter Nub. 1288. *πλέον πλέον.* Antiph. 10. *μεῖζον μεῖζον* et *μικρὸν μικρόν.* Menand. 973. Catull. 64, 274. 'Post vento crescente magis magis increbrescunt (undae)'.

1003. Cf. Plut. Syll. 30. *ἀτρέπτῳ καὶ καθεστηκότι τῷ προσώπῳ.*

1004 sq. *πυργώσας ῥήματα σεμνὰ —*] Sic Miltonus noster 'to build the lofty rhyme.' Antipater Epigr. *ὁ τραγικὸν φώνημα καὶ ὀφρυόεσσαν ἀοιδὴν | πυργώσας στιβαρῇ πρῶτος ἐν εὐεπίῃ.*

1005. *τραγικὸν λῆρον*] Cf. Cratin. II. 174. *ποιητῶν λῆρον.* Alex. III. 394. *λήρους σοφιστῶν.* *τὸν κρουνὸν ἀφίει*] Cf. Cratin. II. 119. *δωδεκάκρουνον τὸ στόμα.* *ἀφίει*] Cf. Vesp. 428. Sic *ἀνίει* Ran. 1462. *παρίει* Eq. 436. *καθίει* Vesp. 387. Av. 387.

1014. *τετραπήχεις*] Cf. Athen. 418. *ἔπη τριπήχη.* Ach. 635. *χαυνοπολίτας.*

1015. *κοβάλους — πανούργους*] Conjunguntur haec epitheta etiam Eq. 450.

1017. Lege *ῥινούς.* Cf. Soph. Fr. 458. *μηκάδος βοὸς ῥινόν.*

1018. *καὶ δὴ χωρεῖ τουτὶ τὸ κακόν*] Nonne *τουτὶ καὶ δὴ χωρεῖ τὸ κακόν*? Cf. Nub. 906. *τουτὶ καὶ δὴ χωρεῖ τὸ κακόν.* Vesp. 1483. *τουτὶ καὶ δὴ χωρεῖ τὸ κακόν.*

1019. *γενναίους*] *ἀνδρείους* al. Cf. Thuc. V. 9. 9. *ἀκολουθήσατε ἀνδρείως* (*γενναίως, γρ. ἀνδρείως* cod. Par.).

1020. Cf. Athen. XIII. p. 600 A. *ὁ σεμνότατος Αἰσχύλος.*

1021. Etiam Amphidis fabula fuit *Ἑπτὰ ἐπὶ Θήβας.*

1022. *ἂν — ἠράσθη*] Angl. would desire. Sic Nub. 977. *ἠλείψατο δ' ἂν* etc.

1028. *ἐχάρην —*] Cf. Herod. VIII. 109. *ταῦτα ἀκούσας — ὡς ἐκ κακῶν ἐχάρη τε καὶ ἥσθη.*

1029. *τὼ χεῖρ' — συγκρούσας*] Schol. Vesp. 976. *τὸ βρέφος ἀνεγέλασε — καὶ συνεκρότει τὼ χεῖρε.* *ἰαυοῖ*] Vix sanu. Qu. *ἰαὶ αἶ.* Hesych. II. p. 8. *καὶ ἐν Τρωΐλῳ βάρβαρον θρήνημα τὸ ἰαί.*

1032. Cf. Antiph. III. 66. *ὅστις τέχνην κατέδειξε πρῶτος τῶν θεῶν.* Diodor. com. 2, 4. *τὰς δ' ἄλλας τέχνας | οὐδεὶς θεῶν κατέδειξεν, ἀλλ' ἄνδρες σοφοί.* Com. adesp. 106, 1. *ὁ Μνησίθεος δ' ἔφη τὸν οἶνον τοὺς θεοὺς | θνητοῖς καταδεῖξαι.* Jamb. Vit. Pyth. XVI. 69. *ἀοινίαν καὶ ὀλιγοσιτίαν καὶ ὀλιγοϋπνίαν κατέδειξε τοῖς ἑταίροις.*

1036. Cf. Eupol. 296. *Πανταχλῆς (ὁ) σκαιός.* Num idem fuerit hic Pantacles atque ille qui ab Antiphonte (*περὶ χορ.* p. 768. *ἔλαχον Πανταχλέα διδάσκαλον*) memoratur incertum est. Poetam eum fuisse vel ex eo colligas quod Dionysus ejus meminit. Idem diserte testatur Harpocration s. v. *διδάσκαλος. ὅτι γὰρ ὁ Πανταχλῆς ποιητὴς (ποιητὴς ἦν?) δεδήλωκεν Ἀριστοτέλης ἐν ταῖς διδασκαλίαις.*

1040. *ὅθεν ἡμὴ φρὴν* —] Aeschylum Homeri imitatorem fuisse constat. Cf. Athen. VIII. 347 E. *τὰ τοῦ καλοῦ καὶ λαμπροῦ Αἰσχύλου, ὃς τὰς αὑτοῦ τραγῳδίας τεμάχη εἶναι ἔλεγε τῶν Ὁμήρου μεγάλων δείπνων.* Diog. L. II. 7. 3. *οἱ δ' οὖν τῶν Αἰσχίνου τὸ Σωκρατικὸν ἦθος ἀπομεμαγμένοι εἰσὶν ἑπτά.*

1041 sq. Respicit fortasse Comicus ad Aeschyli Salaminias.

1041. *ἄνδρα πολίτην*] Cf. Pac. 909. *χρηστὸς ἀνὴρ πολίτης.* Eq. 1304. *ἄνδρα μοχθηρὸν πολίτην.* Eupol. II. 471. *ἀνὴρ πολίτης πουλύπους* etc. Plat. Prot. 319 A. *ἄνδρας ἀγαθοὺς πολίτας.*

1042. *θυμολεόντων*] Anglice, lion-hearted.

1043. *ἀλλ' οὐ μὰ Δί' οὐ* —] Cf. ad Nub. 1066. *Φαίδρας*] Cf. Eubul. 116, 12. *ἀλλ' ἴσως | Φαίδραν ἐρεῖ κακῶς τις.* Sic Th. 547. *Μελανίππας.* Eq. 786. *τῶν Ἁρμοδίων τις ἐκείνων.* *Σθενεβοίας*] Dramatis Euripidei *Σθενεβοίας* supersunt fragmenta 14.

1045. *οὐδὲ γὰρ ἦν* —] Lege *οὐ γὰρ ἐπῆν* —. Cf. Alex. 222, 6. *καὶ τοῖς μὲν ἀγενείοις ἴσως ἔπεστί τις | χάρις.* Aesch. Ag. 547. *πόθεν τὸ δύσφρον τοῦτ' ἐπῆν στύγος στρατῷ;* Plat. Symp. 183 B. *τῷ ἐρῶντι — χάρις ἔπεστιν.* Hyperid. apud Clem. Alex. III. p. 108. *χαρακτὴρ οὐδεὶς ἔπεστιν ἐπὶ τοῦ προσώπου.*

1046. *πολλὴ πολλοῦ*] Cf. Eupol. II. 451. *ἀνόσια πάσχω ταῦτα* —. | *B. πολλοῦ μὲν οὖν δίκαια.* Nub. 915. *θρασὺς εἶ πολλοῦ.*

1047. *κατ' οὖν ἔβαλεν*] Cf. Ach. 295. *κατά σε χώσομεν τοῖς λίθοις.* Nub. 792. *ἀπὸ γὰρ ὀλοῦμαι* etc. Vesp. 784. *ἀνά τοί με πείθεις.* Av. 1456. *κατ' αὖ πέτωμαι.*

1049. *ὦ σχέτλι' ἀνδρῶν*] Cf. Vesp. 397. *ὦ μιάρ' ἀνδρῶν.* 835. Soph. Tr. 307. Eur. Hec. 567. 716.

1050. Cf. 731. *καὶ πονηροῖς κἀκ πονηρῶν εἰς ἅπαντα χρώμεθα.* Soph. Phil. 874. *εὐγενὴς — κἀξ εὐγενῶν.*

1051. *κώνεια*] Pro *κώνειον* posuit metri necessitate coactus ut *θύμα* pro *θύμον* in Eupol. II. 426. Cf. Polyzel. II. 867. *πιεῖν κώνειον.* Menandri fabula fuit *Κωνειαζόμεναι.*

1052. *ξυνέθηκα*] Cf. Eur. Bacch. 297. *συνθέντες λόγον.* Prom. 686. *συνθέτους λόγους.*

1055. *διδάσκαλος*] I. e. poeta. Cf. Ach. 628. *ὁ διδάσκαλος ἡμῶν*. Pac. 738. et ibid. 737. *κωμῳδοδιδάσκαλος*. Eq. 516. *κωμῳδοδιδασκαλίαν*. (Ran. 1031. 1053. 1056. Vesp. 1029. Ach. 656. 659. Herod. VI. 21. I. 20. Plat. Prot. 327. Antiph. *περὶ χορ*. p. 768.). Scilicet et *διδάσκειν δρᾶμα* (fabulam docere, i. e. edere, committere) et *διδάσκειν τοὺς θεατὰς* (spectatores docere, i. e. instruere) dicebantur poetae.

1056. *πάνυ δὴ δεῖ χρηστὰ λέγειν ἡμᾶς*] Cf. Vesp. 526. *νῦν δὴ τὸν ἐκ θἠμετέρου γυμνασίου λέγειν τι δεῖ καινόν*. Herod. I. 179. *δεῖ δή με φράσαι* etc. et ad Eq. 756.

1058. *ἀνθρωπείως*] I. q. *ἀνθρωπίνως*, Men. IV. 293. *ἀνθρωπίνως τὰς τύχας φέρειν*. Straton. 1, 46. *ἀνθρωπίνως λαλεῖν*.

1059. *μεγάλων γνωμῶν καὶ διανοιῶν*] Cf. 1004. *ῥήματα σεμνά*. Pac. 750. *ἔπεσιν μεγάλοις καὶ διανοίαις*.

1062. *ἁμοῦ*] Similis crasis est in *ἀγίγνωσκον* Th. 542. et in *ἂν* (*ἃ ἐν*) Plat. com. II. 620.

1063. Cf. Vesp. 1153. *εἴπερ γ' ἀνάγκη, κρίβανόν μ' ἀμπίσχετε*.

1070. *ἣ 'ξεκένωσεν τάς τε παλαίστρας*] Cf. Aesch. Pers. 763. *ἐξεκείνωσεν*. Lege *ἣ τάς τε παλαίστρας ἐκένωτεν*.

1075 sq. Transitio a plurali ad singularem qualis fit Nub. 975. 989. Vesp. 553 sq. 565 sq. Lys. 358 sq. 1119.

1075. *μινθῶσαι*] Cf. Damox. 2, 15. *διόπερ μάγειρον ὅταν ἴδῃς ἀγράμματον — μινθώσας ἄφες*. *ἐκβάς*] Cf. Vesp. 565.

1080. *τικτούσας ἐν τοῖς ἱεροῖς*] Fabulae Auges supersunt fragmenta 17. apud Nauck. Cf. Clem. Alex. Strom. VII. 841. *εὖ δὲ καὶ ἡ Αὔγη δικαιολογουμένη πρὸς τὴν Ἀθηνᾶν ἐπὶ τῷ χαλεπαίνειν αὐτῇ τετοκυίᾳ ἐν τῷ ἱερῷ λέγει κτλ*.

1084. Cf. Lys. in Nicom. p. 186. *ἀνθρώπους ὑπογραμματέας*.

1085. *δημοπιθήκους*] Eodem sensu *δημοκαλλίας* (Com. adesp. 69.).

1087 sq. Simile *ἀγυμνασίας* exemplum vituperatur Nub. 989.

1087. *οἷός τε*] Cf. Lys. 718. Th. 178. Eq. 343. Eur. Bacch. 1255. et ad Lys. 566.

1092. *πίων*] Obesus, pinguis.

1096. De pluribus participiis conjunctis cf. Eq. 262. *καταγαγὼν ἐκ Χερρονήσου διαλαβὼν ἀγκυρίσας | εἶτ' ἀποστρέψας τὸν ὦμον αὐτὸν ἐνεκολήβασας*. Nub. 937 sq. 996 sq. 1136 sq. 1393 sq. Ran. 393. 717. 902. 1096 sq. 1240 sq. *ταῖσι πλατείαις*] Cf. Fr. 442 K. Pher. 224. *πλατειάσαι* (i. e. *τὸ πλατείᾳ τῇ χειρὶ παῖσαι*).

1099. *μέγα τὸ πρᾶγμα*] Cf. Vesp. 590. *ὅταν κρῖναι μέγα πρᾶγμ' ἀπορήσῃ*. *ἁδρὸς ὁ πόλεμος*] Cf. Epigen. III. 537. *ἁδρὸς πινακίσκος*. 538. *κανθάρους ἁδρούς*. Alex. III. 433. Alciphr. III. 36.

1102. *ἐπαναστρέφειν*] Cf. Xen. Hell. VI. 2. 21. *οἱ μὲν πολέμιοι ὡς φεύγουσιν ἐπέθεντο, οἱ δ' οὐκέτι ἐπανέστρεψαν*.

1103. Cf. Thuc. V. 7. 1. *ἐν τῷ αὐτῷ καθημένους*.

1104. εἰσβολαὶ] Cf. 956. Menand. 201, 3. εἰσβολήν τ' ἔδειξεν εὐπορίας τινός.

1113. ἐστρατευμένοι] Cf. Xen. Anab. V. 6. 12. ἔμπειρος τῆς χώρας διὰ τὸ ἐστρατεῦσθαι ἐν αὐτῇ. Demosth. p. 545. ἐστρατευμένος ἁπάσας τὰς ἐν ἡλικίᾳ στρατείας.

1118. πάντ' ἐπέξιτον] Cf. Eq. 618. εἶθ' ἐπέλθοις ἅπαντά μοι σαφῶς. Vesp. 636. ὡς δ' ἐπὶ πάντ' ἐλήλυθεν κοὐδὲν παρῆλθεν. θεατῶν — σοφῶν] Spectatores δεξιοὺς et σοφοὺς dicit Nub. 521. ὡς ὑμᾶς ἡγούμενος εἶναι θεατὰς δεξιοὺς etc. 525. ταῦτ' οὖν ὑμῖν μέμφομαι | τοῖς σοφοῖς.

1122. τῶν πραγμάτων] I. e. argumentorum. Cf. Cratin. 85. ἐὰν μὴ συστρέφῃ (circumscribat) τὰ πράγματα.

1124. Ὀρεστείας] Sic Τηλεγόνεια (Eust. Od. p. 1796, 49.), Οἰδιπόδεια Meleti, Λυκούργεια, Δευκαλιώνεια Hellanici (Athen. X. p. 416 B.). Πανδιονὶς tetralogia Philoclis erat. Schol. τῶν σατυρικῶν (τοῦ σατυρικοῦ Nauck. Trag. p. 55.).

1126. Ἑρμῆ χθόνιε] Cf. Aesch. Ag. 89. θεῶν — χθονίων. ἐποπτεύων] Cf. Diph. 30, 1. ὦ τόνδ' ἐποπτεύουσα — τόπον etc. Aesch. Cho. 1489. ὦ γαῖ', ἄνες μοι πατέρ' ἐποπτεῦσαι μάχην.

1130. ἀλλ' ἢ τρία] Cf. Eq. 780. ὡς δ' οὐχὶ φιλεῖ σ' — ἀλλ' ἢ διὰ τοῦτ' etc.

1134. Cf. Pl. 1197. ἐγὼ δὲ τί ποιῶ; Liban. IV. 140. 12. διὰ τί σοι σιωπῶ; μὴ (μῶν?) γὰρ ἐξ ἀτίμων γέγονα;

1135. οὐράνιόν γ' ὅσον] Cf. 781. Melius aberit particula.

1144. ἐριούνιον] Vox ἐριούνιος (Il. 24, 360. 440. 457. 679.) occurrit praeterea tantum uno loco Il. 20, 72. Λητοῖ δ' ἀντέστη σῶκος ἐριούνιος Ἑρμῆς, et forma cognata ἐριούνιος tantum 20, 34. et Od. 8, 322.

1146. πατρῷον] Cf. Soph. O. C. 297. πατρῷον ἄστυ γῆς ἔχει.

1148. πατρῷον] Pro πατρόθεν posuit.

1151. βλάβος] Cf. Eur. Her. 256. Ion. 998. Herc. 824. Herod. I. 9.

1159. μάκτραν] Vas ligneum in quo τὰς μάζας ἀναδεύουσιν (Phot.). Cf. Pher. II. 323. πρόσαιρε τὸ κανοῦν, εἰ δὲ βούλει, πρόσφερε. Similiter fere Antiphanes III. 99. κάκκαβον λέγω· | σὺ δ' ἴσως ἂν εἴποις λοπάδ'.

1160. οὐ δῆτα τοῦτό γ' — ταῦτ' ἔστ'] Qu. οὐ δῆτα ταὐτὸν — τοῦτ' ἔστ'. Cf. 1174. ταὐτὸν ἄν.

1161. ἄριστ' ἐπῶν ἔχον] Cf. Th. 260. ἄριστ' ἔχει. τοῦτ' ἔστ'] Qu. ταύτῃ 'στ'.

1162. Cf. Nub. 1442. πῶς δή; δίδαξον γὰρ τί μ' ἐκ τούτων ἐπωφελήσεις. καθ' ὅ τι] Cf. Eccl. 559. κατὰ τί;

1163. ὅτῳ μετῇ πάτρας] Cf. Eccl. 687. ὅτῳ — μὴ 'ξελκυσθῇ. Aesch. Sept. 257. ὥσπερ ἄνδρας ὧν ἁλῷ πολις. Aesch. Fr. 339, 2. ἥτις ἀνδρὸς ᾖ γεγευμένη. Soph. Fr. 598, 2. ἥτις — θερισθῇ. 719, 2. ὄλβιοι — οἳ ταῦτα δερχθέντες μόλωσ' ἐς Ἅιδου. 721. ὅτῳ δ' ἔρωτος

δῆγμα παιδικοῦ προσῇ etc. Fr. 965. ὅ τι γὰρ φύσις ἀνέρι δῷ etc. 757. ὅτῳ — παρῇ. Eur. Fr. 285, 4. ὅτῳ — προσῇ. Fr. 287, 4. πλούτου τε χὤτῳ σπέρμα γενναῖον προσῇ. Fr. 299, 2. ὅστις — κακὸς γένηται. Trag. adesp. 286. ὅτῳ | τόξον μερίμνης — πέσῃ.

1170. Cf. Antiph. com. III. 3. τί λέγεις; Α. τραγῳδίαν περαίνω Σοφοκλέους. III. 46. μηδὲν τῶν ἀπηρχαιωμένων | τούτων περάνῃς, τὸν Τελαμῶνα, etc. Philostr. Vit. Apoll. VII. 3. ῥήσεις περαίνειν. VII. 4. ὁ μὲν ὑποκριτὴς ἐπέραινεν ἤδη τὰ ἰαμβεῖα ἐν οἷς etc. Semus Athen. XIV. 622 B. Cf. 1284.

1173. κλύειν, ἀκοῦσαι] Sic Diph. 122. ἄκουσμα κἀκρόαμα. Eodem sensu τοῖς ἀκούουσιν et τοῖς κλύουσιν usurpatur Trag. adesp. 92.

1174. ταὐτὸν ὂν] Cf. 1161. οὐ δῆτα τοῦτό γ' ἔστ' — ταὔτ' ἔστ' etc.

1181. τῆς ὀρθότητος τῶν ἐπῶν] Cf. Arist. Rhet. III. 5. Πρόδικος ὀρθοέπειάν τε καὶ ὀρθορρημοσύνην μισθοῦ ἐκδιδάσκων τοὺς νέους.

1185. πρὶν καὶ γεγονέναι] Cf. Av. 1035. πρὶν καὶ τεθύσθαι. Antiph. 191, 4. πρίν καί τιν' εἰπεῖν. Com. adesp. 461. τουτὶ μὲν ἤδη πρὶν Θέογνιν γεγονέναι.

1194. τὴν ἑαυτοῦ μητέρα] Sc. ἔγημε. Similis aposiopesis est Vesp. 1178. 118. Av. 442. Th. 559. 846. Theocr. I. 105. III. 8. Soph. O. R. 1289. Hor. Epod. 12, 15. 'Inachiam ter nocte potes.'

1198. ἔπος] Schol. Nub. 544. ὅτι καὶ τὰ μέτρα ἔπη καλοῦσι.

1206. "Qui locus (schol.) docet versus supra scriptos neque in Archelao neque in alia fabula ab Aristarcho inventos fuisse. Aut igitur diversi extiterunt ejusdem dramatis prologi, aut errarunt qui Archelai initium proferri ab Aristophane dixerunt." (Nauck.) Archelai fragmenta supersunt 38 apud Nauck. ἔσπαρται λόγος] Cf. Theodect. Fr. 16, 1. πολυσπερὴς — καθ' Ἑλλάδα | φήμη πλανᾶται. Soph. Fr. 585. μὴ σπεῖρε πολλοῖς (leg. σπεῖρ' ἐς ἄλλους) τὸν παρόντα δαίμονα.

1217. Cf. Nicostr. 28. Eur. Fr. 46. 662.

1221. πνευσεῖται πολύ] Cf. Av. 488. μέγας ἦν — καὶ πολύς. Rhes. 323. Ἄρης — μέγας πνέων. Bacch. 640. κἂν πνέων ἔλθῃ μέγα (μέγας?). Andr. 189. οἱ γὰρ πνέοντες μεγάλα —.

1225. Pars posterior alterius versus fuit ἦλθε Θηβαίαν χθόνα.

1227. ὦ δαιμόνι' ἀνδρῶν] Cf. 835. Eccl. 564. 784. Av. 1638. ὦ δαιμόνι' ἀνθρώπων. Eupol. II. 554. Sic 1049. ὦ σχέτλι' ἀνδρῶν.

1228. διακναίσῃ] Cf. Aesch. Ag. 65. διακναιομένης — κάμακος.

1229. ἐγὼ πρίωμαι τῷδ' —;] Cf. Phryn. 51. περιστέριον δ' αὐτῷ λαβὲ τριωβόλου. (Ubi αὐτῷ fortasse significare potest ab eo.) Incert. apud Poll. IX. 78. πρίω μοι τριῶν σιδαρέων.

1236. λήψει] Confer Latinum emere (unde demo, adimo, eximo, redimo) eodem sensu usurpatum. Cf. Antiph. 172, 3. τέτ-

ταρα λήψει κρέα μίκρ' ὀβολοῦ. πάνυ καλήν τε κἀγαθήν] Cf. Fr. 399. λήκυθον | — τὴν χυτρεᾶν, τὴν ἀγκύλην (l. παγκάλην). Eupol. 109, 1. γυναῖκ' ἔχοντα μάλα (f. πάνυ) καλήν τε κἀγαθήν. Nicostr. 4, 4. ἀλλ' ἐπριάμην — πάνυ καλόν τε κἀγαθὸν | τιλτὸν μέγιστον. Plat. Hipp. maj. 288 D. χύραι — πάγκαλαι.

1242. μεταξὺ θύων] Cf. Eupol. 351, 5. εἶεν· τίς εἶπεν 'ἀμίδα, παῖ' πρῶτος μεταξὺ πίνων; Theophr. Char. 7. καὶ μεταξὺ δὲ ἀποκρινομένῳ ὑποβάλλειν etc.

1244. Idem versus est Eurip. Fr. 594, 4. ubi ἐμῇ γὰρ ἦλθε μητρὶ κεδνὸν εἰς λέχος | Ζεύς, ὡς λέλεκται —.

1259. βακχεῖον] Cf. Plat. Legg. VII. 815 C. βακχεία τ' ἐστὶ (ὄρχησις) etc.

1261. δείξει δὴ τάχα] Cf. Dem. p. 24. δοκεῖ δ' ἔμοιγε — δείξειν οὐκ εἰς μακράν.

1264. Φθιώτην Ἀχιλλέα in fabula Κινησίᾳ frequenter Cinesiam appellabat Strattis formam ejus irridens, teste Athenaeo XII. 551 D. ἀνδροδάϊκτον — κόπον] Cf. Aesch. Pers. 105. πολέμους πυργοδαΐκτους.

1265. πελάθεις] Cf. Eur. Rhes. 556. τί ποτ' οὐ πελάθει σκοπὸς —;

1276. Ibi schol. δυνατός εἰμι εἰπεῖν τὸ συμβὰν αὐτοῖς σημεῖον (ἐν ὁδῷ addit F.) ἐξιοῦσιν (ἀγαθόν add. F.). ὅδιον —] Cf. Trag. adesp. 242. ὅδιος οἰωνός. αἴσιον] I. e. ἀγαθόν, faustum.

1278. κόπον] Cf. Theophr. Char. 29. εἰς κόπους ἐμβάλλειν.

1279. Cf. Lucian. Bis accus. 10. ἐγὼ δὲ ἐπὶ τὴν ἀκρόπολιν.

1280. βουβωνιῶ] Cf. Vesp. 277. Lys. 987.

1283. In scholio ante οἱ διανέμοντες Hermanno excidisse videtur ὥσπερ πολισσονόμοι, Dindorfio etiam interpretatio vocabuli μελισσονόμοι.

1287. δυσαμερίαν] Cf. Pher. 213. εὐημερίαν. Soph. Fr. 532, 4. βόσκει δὲ τοὺς μὲν μοῖρα δυσαμερίας. Eur. Fr. 773, 47. δμωσὶν γὰρ ἀνάκτων εὐαμερίαι προσιοῦσαι etc.

1291. κυσὶν ἀεροφοίτοις] I. e. aquilis. Cf. Aesch. Prom. 1020. et Ag. 139.

1292. ἰταμαῖς] Cf. Alex. Fr. 105, 3. οὕτως ἰταμῶς ἅπαντα κατεμασήσατο.

1294. τὸ συγκλινές τ' ἐπ' Αἴαντι (ξίφος) supplet Hermann. Cf. schol. ad Soph. Aj. 833. φησὶν δὲ περὶ αὐτοῦ Αἰσχύλος ὅτι καὶ τὸ ξίφος ἐκάμπτετο οὐδαμοῦ ἐνδιδόντος τοῦ χρωτὸς τῇ σφαγῇ. τὸ συγκλινές] I. q. τὸ συνεστηκός. Thuc. VIII. 68. δρῶν πολὺ τὸ ξυνεστηκός.

1295. Schol. ad 1275. et Suidas v. ἰή. ὡς ἐφυμνίῳ δὲ κέχρηται τῷ "ἰήκοπον οὐ πελάθεις ἐπ' ἀρωγάν."

1301. Cf. Av. 750. ἔνθεν ὡσπερεὶ μέλιττα Φρύνιχος ἀμβροσίων μελέων ἀπεβόσκετο καρπὸν ἀεὶ φέρων γλυκεῖαν ᾠδάν.

1302. *Μελήτου*] Cf. Epicrat. 4. *τἀρωτίκ' ἐκμεμάθηκα ταῦτα παντελῶς | Σαπφοῦς, Μελήτου, Κλεομένους, Λαμυνθίου.*

1305. Cf. Eur. Fr. 769. *τῆς κροταλισάσης.* Quod de Hypsipyle dixit Euripides. Phot. p. 180, 12. *κροταλίζειν: οὐ διὰ τῶν χειρῶν κροτεῖν ἀλλὰ διὰ κροτάλου. τῆς κροταλισάσης, ὡς Εὐριπίδης φησὶν ὁ κωμικὸς (τραγικὸς?) περὶ τῆς Ὑψιπύλης λέγων.* Quid scripserit Euripides ex Photii loco non liquet. *ἐπὶ τοῦτον*] Contra hunc. Cf. Nub. 1034. *δεινῶν δέ σοι βουλευμάτων ἔοικε δεῖν πρὸς αὐτόν.*

1309 sq. Parodia cantici Euripidei ut videtur, qualis est Strattidis comici poetae 66. Ex Hypsipyla hos versus sumptos esse ex loci nexu probabiliter conjicit Bakhuyzen.

1313 sq. Cf. Eur. Fr. 370, 1. *κείσθω δόρυ μοι μίτον ἀμφιπλέκειν ἀράχναις.*

1314. *φάλαγγες*] Cf. Xen. Mem. III. 11. 6. *αἱ φάλαγγες — ἀράχνια — λεπτὰ ὑφηνάμεναι.*

1315. *ἱστότονα πηνίσματα*] Cf. Eupol. 227. *ἄνευ καλαθίσκων καὶ πόρων* (l. *κάρίων*) *καὶ πηνίων.*

1316. *ἀοιδοῦ*] Cf. Hom. H. Merc. 25. *χέλυν τεκτήνατ' ἀοιδόν.*

1318. *πρώραις κυανεμβόλοις*] Cf. Eq. 554. *κυανέμβολοι θοαὶ τριήρεις.*

1320. Parodia loci Euripidei (Fr. 765.), quem sic corrigit Bergkius, *οἶνα θ' ἃ φέρει* (*τρέφει* R. V.) *τὸν ἱερὸν βότρυν.* Recte, opinor. *οἰνάνθας*] Cf. Av. 588. *οἴνη* est vitis, *ἡ ἄμπελος,* sec. Hesych. s. h. v. Cf. Eur. Fr. 135, 3. *ἀμπέλων* (*ἀμπέλου?*) *γάνος.*

1323. *ὁρᾷς τὸν πόδα τόνδ'; ΔΙ. ὁρῶ*] Cf. Eq. 163. *τὰς στίχας ὁρᾷς τὰς τῶνδε τῶν λαῶν. ΑΛ. ὁρῶ.* Aesch. Pers. 1017. *ὁρᾷς τὸ λοιπὸν τόδε —; ΧΟ. ὁρῶ ὁρῶ.* Bacch. 550.

1327. *κυσὶν ἀεροφοίτοις*] Cf. 1287. *κύνας ἀεροφοίτους.* Versus fortasse ex Sphinge sumptus ut v. 1287.

1328. Parodia loci Euripidei, in quo *ἄντρον* (ut legitur in gloss. Θ.) probat Welcker., speluncam ubi latuerit draco intelligens.

1331. *κελαινοφαὴς ὄρφνα*] Cf. Eur. Hel. 518. *μελαμφαὲς ἔρεβος.* Carcin. 5, 3. *δῦναί τε γαίας εἰς μελαμφαεῖς μυχούς.*

1334. *ψυχὰν ἄψυχον ἔχοντα*] Cf. Eur. Tro. 623. *δῶρον ἀψύχῳ νεκρῷ.* Com. adesp. 1283. Trag. adesp. 337 N². Parodia loci Euripidei. *ἐξ ἀφανοῦς*] Post haec deest, ni fallor, aliquid.

1340. *θεῖον ὄνειρον*] Cf. Herod. VIII. 94. *θεῖον τὸ πρῆγμα.*

1341. *ἤγγειλας ὡς τεθνηκότα*] Cf. 955. Soph. El. 1452. *ἢ καὶ θανόντ' ἤγγειλαν ὡς ἐτητύμως.*

1344. Schol. *διαθέντων* (*διαθέτον* cod. Θ. *διασωθέντων αὐτογράφων* Dobr. *διασωθέντων* Dind.).

1345. *Μανία*] Cf. Th. 728. 739. 754. Menand. 943.

1349. *λίνου — κλωστῆρα*] Cf. Eur. Fr. 989. *λίνου κλωστῆρα περιφέρει λαβών.* Lys. 567.

1350. εἰς ἀγορὰν] Cf. Menand. 962. εἰς ἀγορὰν ὑφαίνειν. Pac. 563. εἰς ἀγρόν.

1352 sq. ἀνέπτατ' ἀνέπτατ'] Sic Eur. Or. 1426. παρὰ βόστρυχῦραν αὖραν | Ἑλένας Ἑλένας etc. Eur. El. init. ἔμολέ τις ἀνὴρ etc. Cf. Aesch. Prom. 125. ἐλαφραῖς πτερύγων ῥιπαῖς. Eur. Fr. 597, 4. ταῖς ὠκυπλάνοις πτερύγων ῥιπαῖς.

1362. ὀξυτάταιν χεροῖν] Cf. Aesch. Ch. 23. ὀξύχειρι σὺν κτύπῳ.

1368. Cf. Eq. 1106. μηδὲν ἄλλ' εἰ μὴ 'σθιε. Aesch. Pers. 209. ὁ δ' οὐδὲν ἄλλο γ' ἢ πτήξας δέμας | παρεῖχε. Trag. adesp. Fr. 240. τοῦτ' αὐτὸ πρῶτον, ἐξαφαιρεῖται φρενῶν | τὸν νοῦν τὸν ἐσθλόν. Thuc. III. 39. τί ἄλλο οὗτοι ἢ ἐπεβούλευσαν;

1369. τυροπωλῆσαι τέχνην] Lege τυροπωλεῖν τὴν τέχνην. Requiritur articulus, et non hic convenit aoristus. τυροπολεῖν] Cf. Eq. 854. τυροπῶλαι.

1370. ἐπίπονοι] Laboriosi. Cf. Isocr. XII. 179. ἐπιπόνως ἐργαζομένους.

1374. μὰ τὸν] Cf. Men. 369. οὐ μάτην (οὐ μὰ τὴν Bentl.).

1376. τῶν ἐπιτυχόντων] I. q. τῶν ἐπιόντων.

1378. τὼ πλάστιγγ'] Cf. Trag. adesp. 179. ἀνώμαλοι πλάστιγγες ἀστάτου τύχης. Plut. Mor. 485 F. ἀδελφῷ δὲ χρὴ μὴ καθάπερ πλάστιγγα ῥέπειν ἐπὶ τοὐναντίον.

1385. Aeschyli verba ita constituit Dindorfius, ὀρεσσιγόνοισι | Νύμφαις κρηνιάσιν κυδραῖσι θεαῖσιν ἀγείρω, | Ἰνάχου Ἀργείου ποταμοῦ παισὶν βιοδώροις. Schol. Ἀργείου ὑπὸ (del. ὑπὸ) ποταμοῦ. Cf. Plat. Resp. II. 381 D.).

1390. ἣν] En, ecce. Cf. Pac. 327. ἣν ἰδού.

1391. οὐκ ἔστι Πειθοῦς ἱερὸν —] Cf. Eur. Fr. 250, 1. οὐκ ἔστι πενίας ἱερὸν ἐχθίστης θεοῦ. λόγος] Cf. ad Nub. 893.

1392. Simile est illud Aeschyli Fr. 156. μόνου δὲ (sc. θανάτου) Πειθὼ δαιμόνων ἀποστατεῖ.

1393. ῥέπει] Cf. Hom. Il. 22, 212. ἕλκε δὲ μεσσὰ λαβών. ῥέπε δ' Ἕκτορος αἴσιμον ἦμαρ. 8, 372.

1396. νοῦν οὐκ ἔχον] Cf. Eur. Bacch. 254. τὸ γῆρας ὑμῶν εἰσορῶν νοῦν οὐκ ἔχον.

1400. βέβληκε] Cf. ad Aesch. Ag. 33. τρὶς ἓξ βαλούσης τῆσδέ μοι φρυκτωρίας. Eust. ad Il. p. 1084, 2. 'βέβληκ' — τέτταρα', ἤγουν δύο μονάδας καὶ τέτταρα, ὃν στίχον Εὐριπίδης ἐν Τηλέφῳ θείς, ὅπου κυβεύοντας ἥρωας εἰσήγαγε, καὶ μαθὼν ἐπ' αὐτῷ χλευασθῆναι ὡς εὐτελεῖ, καθὰ σκώπτει καὶ ὁ κωμικός, αἰδεσθεὶς περιεῖλεν ὅλον τὸ ἐπεισόδιον. Similiter ad Od. p. 1397, 19. et Zenob. II. 85. Versus haud dubie in Telepho legebatur, ut tradunt Aristarchus et Aristoxenus. Schol. προφέρεσθαι (περιφέρεσθαι Schneidewin. Nauck.). Ibid. Αὐλίδι (v. 196.). Ibid. τοῦτο εἰδώς (Εἵλωσιν bene Kock. Com. I. 348.).

1416. *ὁπότερον ἂν κρίνῃς*] Cf. Av. 1102. 1114. Eccl. 1155 sq. Diph. 74, 6. *μετὰ τὸν κιθαρῳδὸν ὁ παράσιτος κρίνεται.*

1420. *ὁπότερος οὖν ἂν* —] Metro coactus posuit pro *ὁπότερος ἂν οὖν* —.

1421. Cf. Eq. 86. *ἴσως γὰρ ἂν χρηστόν τι βουλευσαίμεθα.* Nub. 739. *τοῦτον ἄξειν μοι δοκῶ*] Cf. Vesp. 177. *ἀλλ' εἰσιών μοι τὸν ὄνον ἐξάξειν δοκῶ.* 250.

1425. Helenae ad Ulyssem verba teste schol. *ἐχθαίρει*] Cf. Cratin. 317. Antiph. 94, 3.

1427. Cf. Eur. Fr. 897. *μισῶ σοφιστὴν ὅστις οὐχ αὑτῷ σοφός.*

1428. *βραδὺς φανεῖται*] Qu. *βραδὺς φανῇ τις. μεγάλα — βλάπτειν*] Cf. Aesch. Ag. 1301. *σμικρὰ κερδανῶ φυγῇ.* Eur. Fr. 746. *αἰδὼς γὰρ ὀργῆς πλεῖον'* (*πλεῖον* libri) *ὠφελεῖ βροτούς.* Thuc. VIII. 60. 1. *μεγάλα βλάπτειν — Ἐρέτριαν.* III. 40. *πόλις βραχέα ἡσθεῖσα μεγάλα ζημιώσεται.* IV. 41. *πλεῖστα ἔβλαπτον* (*τὴν Λακωνικήν*). Dem. de Cor. 107. *μικρὰ βοηθῆσαι.* Plut. Nic. 9. *τὴν πόλιν ἔβλαψεν οὐ μικρά.* Schol. ad Eq. 49. *βλάπτουσι δὲ τὰ μέγιστα.*

1429. *πόριμον*] Cf. Plat. Symp. 203 D. *θηρευτὴς δεινὸς — καὶ πόριμος.* Pac. 1030. Th. 777. Aesch. Prom. 59. *δεινὸς γὰρ εὑρεῖν κἀξ ἀμηχάνων πόρους. πόριμον αὑτῷ*] Cf. Eur. Fr. 886, 3. *μισῶ πολίτην — πόριμον αὑτῷ, τῇ πόλει δ' ἀμήχανον.*

1431. *λέοντος*] Cf. Eq. 1037.

1433. *δυσκρίτως*] Cf. Aesch. Ag. 980. *δυσκρίτων ὀνειράτων.* 1561. *δύσμαχα* (*δύσκριτα*?) *δ' ἐστὶ κρῖναι.* Suppl. 395. *οὐκ εὔκριτον τὸ κρῖμα. δυσκρίτως — ἔχω*] Cf. Eur. Fr. 367, 1. *αἰδοῦς δὲ καὐτὸς δυσκρίτως ἔχω πέρι.* Fr. 576, 5. *ἀλλὰ ταῦτα γὰρ λέγειν | ἐπιστάμεσθα, δρᾶν δ' ἀμηχάνως ἔχει.* Fr. 683, 1. *ἡ παῖς νοσεῖ σου κἀπικινδύνως ἔχει.* Fr. 757, 5. *ἀναγκαίως δ' ἔχει* etc. Soph. Fr. 501, 4. *ταῦτ' ἀνηνύτως ἔχει.*

1435. Cf. Aesch. Ag. 1348. *ἐγὼ μὲν ὑμῖν τὴν ἐμὴν γνώμην λέγω.* Thuc. IV. 58. *ἄλλαι πολλαὶ γνῶμαι ἐλέγοντο.* III. 49. VIII. 67.

1455. *πόθεν* —;] Minume. Cf. Eccl. 389. 976. Vesp. 1145.

1460. *εἴπερ ἀναδύσει*] Cf. Vesp. 1262. *μαθητέον τἄρ' ἐστὶ πολλοὺς τῶν λόγων, | εἴπερ ἀποτίσω μηδὲν, ἤν τι δρῶ κακόν.*

1461. *ἐκεῖ — ἐνθαδί*] Cf. 82. *ὁ δ' εὔκολος μὲν ἐνθάδ', εὔκολος δ' ἐκεῖ.*

1462. *ἀνίει τἀγαθά*] Cf. Cratin. 160. *αὐτόματα δ' αὐτοῖς θεὸς ἀνίει τἀγαθά.* Alex. 265, 3. *ὁ γὰρ θεὸς δεδωκὼς τἀγαθὰ* etc. Agath. Fr. 23. *ὄλοιθ' ὁ τοῖς ἔχουσι τἀγαθὰ φθονῶν.* Eur. Fr. 336, 2. *δοκεῖς τὸν Ἅιδην — παῖδ' ἀνήσειν τὸν σόν —. ἀνίει*] Cf. Eur. El. 593. *ἵει* (imper.) Eur. Fr. 779. *ἵει* (imper.).

1466. *πλήν γε*] Anglice, only. Cf. Eq. 27. Pl. 199. *πλὴν ἓν μόνον δέδοικα.*

1467. *αὕτη σοφῶν κρίσις γενήσεται*] Cf. 181. Vesp. 858. *ἡδὶ δὲ δὴ τίς ἐστιν; οὐχὶ κλεψύδρα;* Nub. 201. Lys. 583.

1472. *ὦ μιαρώτατ' —*] Cf. Dem. p. 779. *ἄνθρωπος μιαρός.*

1473. Cf. Herod. III. 32. 1. *σκύμνον λέοντος.*

1474. Etiam hunc versum Euripideum esse conjicit Fritzsch.

1477. Cf. 1082. Eur. Fr. 583. *τίς δ' οἶδεν εἰ ζῆν τοῦθ' ὃ κέκληται θανεῖν, | τὸ ζῆν δὲ θνήσκειν ἐστί;*

1479. Cf. Archipp. 2. *τίς ἐκέρασε σφῷν, ὦ κακόδαιμον* (*κακοδαίμον'* Schw.), *ἴσον ἴσῳ;* Plat. Prot. 311 D. Soph. O. C. 1102. *ὦ τέκνον, ἦ πάρεστον;* 1112. *ἐρείσατ', ὦ παῖ, πλευρὸν ἀμφιδέξιον.*

1484. *πολλοῖσιν*] Sc. *τεκμηρίοις*, multis argumentis. Cf. Av. 704. *ὡς δ' ἐσμὲν Ἔρωτος | πολλοῖς δῆλον.*

1487. *ἐπ' ἀγαθῷ μὲν τοῖς πολίταις*] Cf. Eq. 1226. *ἔκλεπτον ἐπ' ἀγαθῷ γε τῇ πόλει.* Pl. 888. *οὐκ ἐπ' ἀγαθῷ γὰρ ἐνθάδ' ἐστὸν οὐδενί.* Xen. Hell. VI. 5. 33.

1491 sq. Cf. Nub. 359. *ὦ λεπτοτάτων λήρων ἱερεῦ.*

1491. *χάριεν*] Cf. Nicostr. 6, 6. *χάριεν γάρ.* Henioch. 4, 8. *χάριεν οἷς γιγνώσκεται | τὸ πρᾶγμα* etc. Sophil. 4, 2. *τὸ πρᾶγμα χάριεν.*

1497. *σκαριφησμοῖσι*] Cf. Athen. XI. 507 C. *δοκεῖν γὰρ ἔφη — κορώνην — τὸ φαλακρόν μου κατασκαριφᾶν.* Cum *σκαριφησμός* cf. *νουθετησμός, κροτησμός, ὀρχησμός, μελλησμός, λοιδορησμός* (758), etc. *λήρων*] Socrates *λεπτοτάτων λήρων ἱερεὺς* dicitur Nub. 359.

1508. *ἥκειν — καὶ μὴ μέλλειν*] Cf. Mnesim. 4, 25. *ἥκειν ἤδη καὶ μὴ μέλλειν.*

1511. *στίξας*] Cf. Vesp. 1287. *στιζόμενος.* Eupol. 259. *ἐγὼ δέ γε στίξω σε βελόναισιν τρισίν.* Hinc *στιγματίας.*

1512. *συμποδίσας*] Cf. Plat. Euth. 4 C. *ὁ πατὴρ συνδήσας τοὺς πόδας καὶ τὰς χεῖρας αὐτοῦ.*

1513. *Λευκολόφου* pro *Λευκολοφίδου* posuit metri necessitate coactus. *Λευκολοφίδης* pater vocatur Eupol. 210, 2. *οὐκ ἀργαλέον δῆτ' ἐστὶ πάσχειν ταῦτ' ἐμέ, | τὸν Λευκολοφίδου παῖδα τοῦ Πορθάονος;* Plat. Prot. 315 E. Xen. Hell. I. 4. 21.

1521. *τέκνων δ' ἀφοῦ*] Cf. Arist. Av. 628. *οὐκ ἔστιν ὅπως ἂν — τῆς σῆς γνώμης ἔτ' ἀφείμην.*

1523. *ἐγκαθεδεῖται*] Cf. Th. 184. Eccl. 98.

1524 sq. Cf. Aesch. Eum. 1022. *πέμψω τε* (*ὑμᾶς*) *φέγγει λαμπάδων σελασφόρων.*

1528. *εὐοδίαν — δότε*] Wish good voyage. Ut *κρότον δοῦναι.* Schol. *χέομεν* (*χεόμεσθα*?).

1530. *μεγάλων ἀγαθῶν ἀγαθὰς ἐπινοίας*] Cf. Pac. 750. *ἔπεσιν μεγάλοις καὶ διανοίαις.*

1531 sq. Cf. Philem. 28, 6. *εἶτ' ἐκ τοῦ κακοῦ | σωτηρίας ἐπέτυχον.* Soph. El. 231. *οὐδέ ποτ' ἐκ κάματων ἀποπαύσομαι.* Eur. Fr. 105, 2. *ἐκ τρόχων πεπαυμένον.* El. 1108. *νεογνῶν ἐκ τόκων πεπαυμένη.* Pind. P. III. 168. *ἐκ προτέρων μεταμειψάμενοι καμά-*

των ἔστασαν ὀρθὰν καρδίαν. Sed Pac. 421. πεπαυμέναι κακῶν. 29. πέπαυται τῆς ἐδωδῆς. Soph. Aj. 787. πεπαυμένην | κακῶν ἀτρύτων. Eur. Fr. 452, 3. τὸν δ' αὖ θανόντα καὶ πόνων πεπαυμένον etc.

πάγχυ] Vox epica, frequens apud Homerum, non alibi legitur apud poetas scenicos praeter Aesch. Sept. 641. μεγάλων ἀχέων] Cf. Eur. Andr. 274. ἢ μεγάλων ἀχέων ἄρ' ὑπῆρξεν.

THESMOPHORIAZUSAE.

Arg. Palmerii conjectura nunc confirmatur testimoniis scholiastarum ad 190. et 840. Cf. etiam 1060. et 804. et Dindorfii Argumentum.

Arg. τρισὶν πρὸ τούτου ἔτεσιν] πέντε (ε΄ pro γ΄) πρὸ τούτων ἔτεσιν Clinton. Fast. Hell. II. XXXIV. ed. tert. Quem sequitur Dind. Agathonem archonte Euphemo (Ol. 90, 4.) victoriam reportasse tradit Athenaeus V. p. 217.

1. Cf. Fr. 499. πυθοῦ χελιδὼν πηνίκ' ἄττα φαίνεται. Av. 1417. δεῖσθαι δ' ἔοικεν οὐκ ὀλίγων χελιδόνων.

2. ἀλοῶν] Non ἀλοιῶν. Cf. Ran. 149. ἠλόησεν. Eubul. 15, 5. κατηλόηται. Et διαλοᾶν (Aelian. H. A. I. 9.). ἐξ ἑωθινοῦ] Cf. Menand. IV. 158. μένω γὰρ ἐξ ἐχθιζινοῦ. 297.

7 sq. Cf. Philem. IV. 54. ἐπὰν ὁ νοῦς ᾖ μὴ καθεστηκώς τινι, | οὐκ ἔστ' ἀκούειν οὐδὲν αὐτὸν οὐδ' ὁρᾶν. Critiam Fr. 1, 18. νόῳ τ' ἀκούων καὶ βλέπων φρονῶν τε καὶ etc.

8. οὐδ' ἆρ' ὁρᾶν δεῖ μ';] Cf. Eccl. 672. οὐδὲ κυβεύσουσ' ἆρ' ἄνθρωποι; 462. Av. 91. οὐκ ἆρ' ἀφῆκας; et ad Nub. 1252.

10. οὔτ' ἀκούειν οὔθ' ὁρᾶν] Cf. Antiph. 196, 12. κάθηται — ὁ δῆμος οὐδὲν οὔθ' ἀκούων οὔθ' ὁρῶν. Philem. 151. ἐπὰν ὁ νοῦς ᾖ μὴ καθεστηκώς τινι, | οὐκ ἔστ' ἀκούειν οὐδὲν αὐτὸν οὐδ' ὁρᾶν.

11. χωρὶς —] Cf. Ach. 714. ψηφίσασθαι χωρὶς εἶναι τὰς γραφάς.

18. Cf. Pher. 108, 31. ἤντλουν διὰ χώνης τοῖσι βουλομένοις πιεῖν. διετετρήνατο] Cf. Soph. O. R. 1366. εἰ τῆς ἀκουούσης ἔτ' ἦν πηγῆς δι' αὐτῶν φραγμός. Soph. Fr. 737. βραδεῖα μὲν γὰρ ἐν λόγοισι προσβολὴ | μόλις δι' ὠτὸς ἔρχεται τρυπωμένου (τετρημένου?). Herod. III. 12. διατετρανέεις. II. 11. συντετραίνειν τοὺς μυχούς.

19. Subjunctivos esse ἀκούω et ὁρῶ tenendum est. Cf. Ran. 5.

21. οἷόν τι] Sic οἷ' ἄττα Cratin. 6, 1. Cf. Eupol. II. 554. οἷόν γέ (τί?) πού 'στι γλῶσσα (l. γλῶττα) κἀνθρώπου λόγος. Schol. ὑπονοοῦσί et τινες (τινας?). (l. ἐκ Σοφοκλέους Αἴαντος τοῦ Λ.).

30 sq. Cf. Timocl. com. III. 598. καὶ πρῶτα μέν σοι παύσεται Δημοσθένης | ὀργιζόμενος. Α. ὁ ποῖος; Β. [ὁ θρασὺς], ὁ Βριάρεως, |

ὁ τοὺς καταπέλτας τάς τε λόγχας ἐσθίων. Pher. 145, 20. ποῖος οὑτοσὶ | ὁ Τιμόθεος; Μ. Μιλήσιός τις πυρρίας. Similiter Eupolis 182. ἄκουε νῦν Πείσανδρος ὡς ἀπόλλυται. | Β. ὁ στρεβλός; Α. οὐκ, ἀλλ' ὁ μέγας, οὑνοκίνδιος.

31. ὁ μέλας] Cf. Plat. Resp. V. 474 E. μέλανας δὲ ἀνδρικοὺς ἰδεῖν (φατὲ εἶναι).

33. δασυπώγων] Cf. δασύπρωκτος, Plat. com. II. 615. ὦ Κινύρα, βασιλεῦ Κυπρίων ἀνδρῶν δασυπρώκτων.

34. Lege μὰ τὸν Δί' οὐκ ἔγωγ' ὅσα γε κἄμ' εἰδέναι. Cf. Lucian. adv. indoct. 19. ὅσα γε κἀμὲ Σύρον ὄντα εἰδέναι. Nub. 1252. οὐχ ὅσον γέ μ' εἰδέναι (οὐχ ὅσα γε κἄμ' εἰδέναι?). Eccl. 350. οὔκουν πονηρά γ' ἐστὶν ὅ τι (ἔσθ' ὅσα γε?) κἄμ' εἰδέναι.

35. Cf. Fr. 445, 1. καὶ μὴν πόθεν Πλούτων γ' ἂν ὠνομάζετο;

36 sq. Cf. Ach. 240. ἐκποδών· θύσων γὰρ ἁνήρ, ὡς ἔοικ', ἐξέρχεται. Ran. 315. ἀλλ' ἠρεμεὶ πτήξαντες ἀκροασώμεθα.

37. Cf. Vesp. 860. ἀλλ' ὡς τάχιστα πῦρ τις ἐξενεγκάτω | καὶ μυρρίνας καὶ τὸν λιβανωτὸν ἔνδοθεν, | ὅπως ἂν εὐξώμεσθα πρῶτα τοῖς θεοῖς. Av. 43. κανοῦν δ' ἔχοντε καὶ χύτραν (i. e. πῦρ) καὶ μυρρίνας | πλανώμεθα etc. Ran. 871. ἴθι νυν λιβανωτὸν δεῦρό τις καὶ πῦρ δότω, | ὅπως ἂν εὔξωμαι πρὸ τῶν σοφισμάτων, etc. Pac. 948.

38. προθυσόμενος] Cf. Plat. com. II. 674. πρῶτα μὲν ἐμοὶ γὰρ κουροτρόφῳ προθύεται | πλακοῦς ἐνόρχης, etc. Notandum futurum medium προθυσόμενος, nam activum θύσων est Ach. 240. Cf. etiam Pl. 1117. Nub. 257. Pac. 938. Av. 620. 1057. 1060.

39—62. Multa in his tragoediam redolent.

39. εὔφημος πᾶς ἔστω λεώς] Cf. Eur. Hec. 532. σῖγα πᾶς ἔστω λεώς. Fr. 773, 75. σῖγ' ἔστω λεώς. λεώς] Lege λαός.

42. μελοποιῶν] Participium. Cf. 67.

43 sq. Cf. Pind. alicubi, εὐφημείτω πᾶς αἰθήρ· | οὔρεα τέμπεα σιγάτω· γῆ καὶ πόντος καὶ πνοιαί, | ἦχοι φθόγγοι τ' ὀρνίθων. | μέλλει δὲ πρὸς ἡμᾶς βαίνειν | Φοῖβος ἀκερσεκόμας ἀχέτας.

43. νήνεμος αἰθήρ] Cf. Av. 778. κύματά τ' ἔσβεσε νήνεμος αἰθήρ.

45. βόμβαξ] Cf. πύππαξ et παπαιάξ.

48. βομβαλοβόμβαξ] Cf. Timon. ap. Diog. L. II. 126. ὀφρυωμένος, ἀφροσιβόμβαξ.

49. καλλιεπής] Cf. Eur. Fr. 205, 2. ἐπῶν τε κάλλεσιν νικῷεν ἂν | τἀληθὲς (εὖ λελεγμένοι λόγοι ψευδεῖς). Thuc. VI. 83. 2. οὐ καλλιεπούμεθα. Plat. Apol. 17 B. κεκαλλιεπημένοι λόγοι. Hesych. καλλιέπεια. Liban. II. 84. 18. λόγοις κεκαλλιεπημένοις | ἄγουσιν ὑμᾶς ὥσπερ (ὡσπερεὶ?) βοσκήματα.

50. πρόμος] Cf. Cratin. 1, 3. τῶν Πανελλήνων πρώτῳ (πρόμῳ recte Muretus) | Κίμωνι.

52. δρυόχους] Cf. Hom. Od. 14, 574.

53. κάμπτει] Cf. Nub. 333. κυκλίων τε χορῶν ᾀσματοκάμπτας.

54. *τορνεύει*] A *τόρνος* (Eur. Bacch. 1067.). Cf. Eur. Cycl. 657. *τὸν Αἴτνας μηλονόμον τόρνευε.* Plat. Phaedr. p. 234 E. *ὅτι σαφῆ καὶ στρογγύλα καὶ ἀκριβῶς ἕκαστα τῶν ὀνομάτων ἀποτετόρνευται.* Hor. A. P. 441. 'Et male tornatos versus.' *κολλομελεῖ*] Vox ἀνωμάλως formata ut *σεμνοπροσωπεῖν, φαινοπροσωπεῖν* (Cic.), et al.

55. *γνωμοτυπεῖ*] Cf. Eq. 1379. *γνωμοτυπικός.* Nub. 950. Ran. 877. *ἀνδρῶν γνωμοτύπων.* Aesch. Ag. 1153. *τὰ δ' ἐπίφοβα δυσφάτῳ κλαγγᾷ μελοτυπεῖ.* Cf. *ἐγγλωττοτυπεῖν.*

56. *κηροχυτεῖ*] Cf. Trag. adesp. 136. *νεόχυτα μέλεα.*

57. *λαικάζει*] Cf. ad Eq. 167.

58. *ἀγροιώτας*] Vox Homerica. Cf. Sapph. Fr. 70. *τίς δ' ἀγροιῶτίς τοι θέλγει νόον —;* Sophron. Fr. 3. *ὡλιεὺς τὸν ἀγροιώταν.* Theocr. 13, 44. *δειναὶ θεαὶ ἀγροιώταις.* 25, 23. *σταθμοὶ περιμήκεες ἀγροιώταις | δέδμηνθ'.* 168. *κακὸν τέρας ἀγροιώταις.*

61. *συστρέψας*] Cf. Menand. IV. 231. *στρόβιλος; ἐν ὅσῳ συστρέφεται προσέρχεται.*

63. Cf. Ran. 814. *ἦ που δεινὸν — χόλον ἔνδοθεν ἕξει,* etc. *ὑβριστὴς*] Cf. Nub. 1068. Xen. Mem. I. 2. 19. *οὐδὲ ὁ σώφρων ὑβριστὴς (ἂν γένοιτο).*

65 sq. Cf. Pl. 964. *φέρε νυν ἐγὼ τῶν ἔνδοθεν καλέσω τινα. | ΧΡ. μὴ δῆτ', ἐγὼ γὰρ αὐτὸς ἐξελήλυθα.*

71. *ὦ Ζεῦ, τί δρᾶσαι διανοεῖ με τήμερον;*] Cf. Soph. O. R. 738. *ὦ Ζεῦ, τί μου δρᾶσαι βεβούλευσαι πέρι;*

75. *προπεφυραμένον*] Cf. Av. 462. *προπεφύραταὶ λόγος εἷς (εὖ?) μοι.* Nub. 979. *μαλακὴν φυρασάμενος τὴν φωνήν.* Eq. 539. *μάττων ἀστειοτάτας ἐπινοίας.*

76. *θἠμέρᾳ*] Eadem crasis est Av. 1072.

78 sq. Hinc et ex Eccl. 687 sq. colligi potest non certos fuisse judiciorum dies, neque omnes qui judicatum venissent omnibus diebus judicandi munus exercuisse.

81. Cf. Eq. 180. 1281. Nub. 1499. Ran. 73. Lys. 46. 888.

83. *ἐν Θεσμοφόροιν*] Cf. 89. *ἐς Θεσμοφόροιν.* Eccl. 443. *τἀπόρρητ' — ἐκ Θεσμοφόροιν — ἐκφέρειν.* Eq. 1312. *ἦ 'πὶ τῶν σεμνῶν θεῶν.*

84. *τιὴ τί δή;*] Cf. Pac. 1018. Ran. 1155. et ad Nub. 755.

87. *ἐκ τούτων*] In hoc statu rerum. Cf. Vesp. 346.

88. *τραγ.*] Cf. *κωμῳδοδιδάσκαλος* Pac. 737. et *κωμῳδοδιδασκαλία* Eq. 516.

93. *σφόδρ' ἐκ τοῦ σοῦ τρόπου*] Cf. Vesp. 1002. Eupol. 103, 2. *βληχητὰ τέκνα (τέκεα?) κοὐδαμῶς τοὐμοῦ τρόπου.*

94. *τοῦ — τεχνάζειν*] Cf. Ach. 387. *τί ταῦτα στρέφεις τεχνάζεις τε —; πυραμοῦς*] Cf. ad Eq. 277. Callipp. IV. 561. *ὁ διαγρυπνήσας πυραμοῦντα λήψεται | τὰ κοττάβια.*

97. *ἀλλ' ἦ τυφλὸς μέν εἰμ'· ἐγὼ γὰρ οὐχ ὁρῶ*] Cf. ad Eq. 954. *ἀλλ' ἦ οὐ καθορῶ.* 780. Qu. — *εἰμ' ἔγωγ', ὡς οὐχ ὁρῶ.*

100. *διαμινύρεται*] Cf. Eccl. 880. *μινυρομένη τι πρὸς ἐμαυτὴν μέλος.* Vesp. 219. Av. 1414. Callim. L. P. 119. *διαμινύρομαι.*

101—129. Tragici coloris et haec sunt.

105. *εὐπίστως δὲ τοὐμὸν — ἔχει*] I. q. *εὐπίστως δὲ ἔχω.* Cf. Ran. 1433. *δυσκρίτως ἔχω.* *εὐπίστως*] Qu. *εὐπείστως.* Cf. Men. 380. *εὔπιστον* (*εὔπειστον* recte Mein.) *ἀτυχῶν ἐστιν ἄνθρωπος φύσει.* Monost. 183.

109. *ἱδρύσατο*] Producta prima ob augmentum, ut in *ἱδρύθη* Fr. 245. 113. *προφέρων*] Promovens. I. q. *αὔξων.*

116. *ἀγροτέραν*] Cf. Eq. 660. Lys. 1262. Scolion Athen. 694 C. *ἐλαφβόλον τ' ἀγροτέραν Ἄρτεμιν.*

117. Cf. Eur. Fr. 28 N. *σοφοῦ πρὸς ἀνδρὸς ὅστις ἐν βραχεῖ | πολλοὺς λόγους οἷός τε συντέμνειν καλῶς.*

120. *κρούματα*] Cf. Theopomp. com. II. 811. *αὐλεῖ γὰρ σαπρὰ | αὕτη γε κρούμαθ' οἷα τἀπὶ Χαριξένης.* *Ἀσιάδος*] Cf. Eur. Cycl. 442. *Ἀσιάδος κιθάρας ψόφον.* Etym. M. p. 153, 31. *Ἀσιᾶτις: Ἀσιάδος κρούματα τῆς κιθάρας. Οὕτως Ἀριστοφάνης εἶπε παρῳδῶν τὸ ἐξ Ἐρεχθέως Εὐριπίδου. ἡ τρίχορδος κιθάρα οὕτω καλεῖται.*

124. *ματέρ' ὕμνων*] Cf. Pind. Nem. V. 6. *ματέρ' οἰνάνθας ὀπώραν.*

125. *ἄρσενι βοᾷ*] Cf. Pers. Sat. VI. 4. 'atque marem strepitum fidis intendisse Latinae.'

127. *αἰφνιδίου*] Cf. Thuc. II. 61. *τὸ αἰφνίδιον καὶ ἀπροσδόκητον.*

128. *ἄγαλλε*] Cf. Theopomp. com. II. 810. *καί σε τῇ νουμηνίᾳ | ἀγαλματίοις ἀγαλοῦμεν ἀεὶ καὶ δάφνῃ.*

131. *κατεγλωττισμένον*] Cf. Nub. 51. *καταγλωττισμάτων.* Alio sensu *καταγλωττίζειν* Ach. 380. Eq. 352.

132. *μανδαλωτὸν*] I. e. lascivum, libidinosum. A *μάνδαλον* (obex). Cf. Ach. 1201.

133. *τὴν ἕδραν*] Cf. ad Nub. 1507. Theophr. Char. 27. *παλαίων — πυκνὰ τὴν ἕδραν στρέφειν.* Herod. II. 87. Hippocr. aer. et aq. S. 527. *αἱμορροΐδες ἐν τῇ ἕδρῃ.* Hinc *ἑδροστρόφοι* luctatores Theocr. 24, 109.

134. *κατ' Αἰσχύλον*] Cf. Plut. Per. 15. *κατὰ Πλάτωνα.*

136 sq. Cf. Ran. 45—47.

136. *γύννις*] Cf. Theocr. XXII. 69. *οὐ γύννις ἐὼν* (*ἀνὴρ*?) *κεκλήσεθ' ὁ πύκτης.* Hesych. *Γύννις· δειλός, ἄνανδρος, γυναικώδης. Ἀριστ.* Idem, *Γύννιδας· μαλακούς.* Vox cognata est *γυνή.*

137 sq. Cf. Herod. V. 33. 5. *σοὶ δὲ καὶ τούτοισι τοῖσι πρήγμασι τί ἐστι;*

137. *βάρβιτος*] Cf. Anaxil. 16, 1. *βαρβίτους τριχόρδους.* Theocr. XVI. 45. *βάρβιτον ἐς πολύχορδον.*

138. *κεκρυφάλῳ*] Cf. 257. Antiph. III. 63. *πορφυροῦς κεκρυφάλους.* 103. *κάτοπτρα* (140), *κρωβύλους, κεκρυφάλους.* Hom. Il. 22, 469. *ἄμπυκα κεκρύφαλόν τ' ἠδὲ πλεκτὴν ἀναδέσμην.*

139. *στρόφιον*] Cf. 251. 255. 638. Lys. 931. Fr. 309, 4. Pher. II. 296. *μίτραν ἁλουργῆ, στρόφιον*, etc.

140. Cf. Eq. 1022. Ran. 47. Nicom. 1, 24. *ἔστω· γεωμετρικῇ δὲ καὶ σοὶ πρᾶγμα τι;* Herod. V. 33. *σοὶ δὲ καὶ τούτοισι τοῖσι πρήγμασι τί ἐστι;* *κοτόπτρον*] Cf. Alexandr. com. IV. 553. *ἰδοὺ κάτοπτρον. εἰπέ μοι, τούτῳ τί χρῇ;* (E fabula *Διονύσῳ*.) Antiph. III. 103. *στίμιν, κάτοπτρα, κρωβύλους, κεκρυφάλους.*

141. *ὡς ἀνὴρ τρέφει*] Cf. Av. 335. *πολέμιος ἐπ' ἐμοὶ ἐτράφη.*

142. Cf. Eur. Phoen. 548. *καὶ τῷδ' ἀπονεμεῖς; κᾆτα ποῦ 'στιν ἡ δίκη;* Long. Past. III. 4. *λύκος με ἐδίωκε· καὶ ποῦ τὰ ἴχνη τοῦ λύκου;* *Λακωνικαί*] Cf. Aristophont. 7, 4.

143. *ἀλλ' ὡς γυνὴ δῆθ';*] Cf. Pl. 1098. *ἀλλὰ δῆτα τὸ θύριον | φθεγγόμενον ἄλλως κλαυσιᾷ;* *τὰ τιτθία*] Cf. Cratet. II. 248. *ὡρικώτατα — τιτθία.*

147. *ἄλγησιν*] Cf. Soph. Phil. 792. Vox rarior. Cf. Eur. El. 363. *οὔτοι τό γ' ἦθος δυσγενὲς παρέξομαι.*

148 sq. Sic Euripides, quo melius mendicos describere possit in fabulis, ipse pannos indutus inducitur Ach. 412.

148. *ἅμα γνώμῃ*] Anglice, in accordance with my meaning (design).

149. Cf. Schol. Pl. 631. *εἰκὸς γάρ σε — πρὸς τοὺς τρόπους καὶ τὰς ἀγγελίας ποιεῖσθαι.* *ποιητὴν ἄνδρα*] Cf. ad Lys. 368.

151. *αὐτίκα*] Exempli gratia. Cf. Av. 166. 378. 483. 574. 786. 1000. Pl. 130.

153. *κελητίζεις*] Cf. Hom. Il. 15, 679. *ὡς δ' ὅτ' ἀνὴρ ἵπποισι κελητίζειν εὖ εἰδὼς* etc. *Φαίδρας ποιῇς*] Cf. 547. 157. Ran. 1043. *Φαίδρας ἐποίουν.*

156. *συνθηρεύεται*] Cf. Nub. 358. *ὦ — θηρατὰ λόγων φιλομούσων.* Eur. Fr. 971, 3. *ἃ δ' Ἑλλὰς Ἀσία τ' ἐκτρέφει κάλλιστα, γῆν | δέλεαρ ἔχοντες τήνδε συνθηρεύομεν.* Fr. 1052, 9. *τὸ διαβιῶναι μόνον ἀεὶ θηρωμένη.*

157. *καλεῖν ἐμὲ*] Cf. Nub. 850. Eccl. 1146. et ad Fr. 559 D. *ὅταν θύῃς τι καλεῖν με.*

158. *συμποιῶ —*] Cf. Fr. 231 b. *Κηφισοφῶν — σὺ δὴ συνέζης ἐς τὰ πόλλ' Εὐριπίδῃ | καὶ συνεποίεις, ὥς φασι, τὴν μελῳδίαν.* Eupol. II. 453. *κἀκείνους τοὺς Ἱππέας | συνεποίησα τῷ φαλακρῷ τούτῳ.* Diog. L. II. 5. 18. *ἐδόκει δὲ (Σωκράτης) συμποιεῖν Εὐριπίδῃ.* Lucian. Pseudol. 2. *σοὔπισθεν*] I. e. *σοι ὄπισθεν.* Cf. Aesch. Cho. 914. *σοὐρίζει* (*σοι ὁρίζει*). Eq. 1177. *σοὔδωκεν* (*σοι ἔδωκεν*). 1237. *μοὐ* (*μου ὁ*) *χρησμός.* Vesp. 902. *ποῦ μου* (*μοι ὁ*) *διώκων;* Eccl. 912. *μοὐταῖρος* (*μοι ὁ ἑτ.*).

163. *διεκλῶντ' Ἰωνικῶς*] Cf. Antiph. com. III. 50. *Ἰώνων | τρυφεραμπεχόνων ἁβρὸς ἡδυπαθὴς | ὄχλος.* Calliam II. 736. *ἡ τρυφερὰ καὶ καλλιτράπεζος Ἰωνία.* Pratinam apud Athen. XIV. 624 F. *τὰν ἀνειμέναν Ἰαστὶ μοῦσαν.* Lucian. Demon. 18. *θηλυδρίας καὶ*

διακεκλασμένος. Dion. Hal. jud. Thuc. 43. *διακλώμενοι ῥυθμοί.* Epigr. Automedontis apud Br. II. 207. *τὴν ἀπὸ τῆς Ἀσίης ὀρχηστρίδα, τὴν κακοτέχνοις | σχήμασιν ἐξ ἁπαλῶν κινυμένην ὀνύχων.* Hor. Carm. III. 6. 22. 'motus doceri gaudet Ionicos | matura virgo etc.'

164. *γὰρ οὖν*] Cf. Aesch. Fr. 291, 5. *δύο γὰρ οὖν μορφὰς φανεῖ.* Eur. El. 290.

170. Cf. Eupol. 244, 3. *τὸ σκῶμμ' ἀσελγὲς καὶ — ψυχρόν.* Alex. 179, 2. *πρᾶγμα δ' ἔστι μοι μέγα | φρέατος ἔνδον ψυχρότερον Ἀραρότος.* Simile est Machonis illud Athen. XIII. 580 A. *ψυχρόν γ', ἔφη, | Γνάθαιν', ἔχεις τὸν λάκκον ὁμολογουμένως. | ἡ δ' εἶπε, Τῶν σῶν δραμάτων γὰρ ἐπιμελῶς | εἰς αὐτὸν ἀεὶ τοὺς προλόγους ἐμβάλλομεν.*

173. *βαΰζων*] Cf. 895. *βάϋζε.* Aesch. Pers. 13. Cratin. 6, 1. *εἶδες τὴν Θασίαν ἅλμην οἷ' ἄττα βαΰζει.* Com. anon. IV. 652. *βαῦ βαῦ* (*βαΰζων*) *καὶ κυνὸς φωνὴν ἱείς.* Theocr. VI. 10. *ἁ δὲ* (*ἁ κύων*) *βαΰσδει* (Angl. bays) etc. Hesychius *βαΰζειν* per *ὑλακτεῖν* explicat.

καὶ γὰρ ἐγὼ —] I. e. *καὶ ἐγὼ γάρ,* etenim et ego. Cf. Eccl. 998. Eq. 1072.

175. *ζηλῶ σε τῆς παιδεύσεως*] Cf. Eq. 837. *ζηλῶ σε τῆς εὐγλωττίας.* Vesp. 1450. *ζηλῶ γε τῆς εὐτυχιάς | τὸν πρέσβυν* etc. Ach. 1008.

176. *ἔα*] Monosyllabum ut in 64. Av. 1495.

177. *σοφοῦ πρὸς ἀνδρὸς ὅστις —*] Cf. Eq. 1275. Eur. Fr. 28, 1. *παῖδες, σοφοῦ πρὸς ἀνδρὸς* etc. Bacch. 641. *πρὸς σοφοῦ γὰρ ἀνδρὸς* etc. Soph. Aj. 1071. Fr. 296. 836. etc. Eur. Fr. 1042. *συμφορὰ δ' ὃς ἂν τύχῃ | κακῆς γυναικός.* Trag. adesp. 286. *τόδ' ἐστὶ τὸ ζηλωτὸν ἀνθρώποις, ὅτῳ | τόξον μερίμνης εἰς ὃ βούλεται πέσῃ.* Panyasis Fr. 16, 1. *ἀρετή νύ τίς ἐστι καὶ αὕτη, | ὅς κ' ἀνδρῶν πολὺ πλεῖστον ἐν εἰλαπίνῃ μέθυ πίνῃ.* Thuc. II. 44. *τὸ δ' εὐτυχὲς οἳ ἂν τῆς εὐπρεπεστάτης λάχωσιν* (leg. *τύχωσιν*) etc. III. 45. *ἀδύνατον καὶ πολλῆς εὐηθείας, ὅστις οἴεται* etc. IV. 18. *σωφρόνων δὲ ἀνδρῶν οἵτινες τἀγαθὰ ἐς ἀμφίβολον ἀσφαλῶς ἔθεντο.* Euripides (Fr. 28, 1.) dixerat, *παῖδες, σοφοῦ πρὸς ἀνδρὸς* etc.

178. *πολλοὺς καλῶς οἷός τε συντέμνειν λόγους*] Cf. Ran. 1197. *οἷός τε*] Sub. *ἐστί.* Eadem ellipsis est Eq. 343. *λέγειν οἷός τε κἀγώ.* Lys. 719. *ἀποσχεῖν οὐκέτι | οἷα τ'* etc. *συντέμνειν λόγους*] Cf. Soph. Ant. 446. *σὺ δ' εἰπέ μοι — σύντομα.* O. C. 1578. *συντομώτατος λέγειν.* Eur. Hec. 1154. Eur. Fr. 364, 5. *βραχεῖ δὲ μύθῳ πολλὰ συλλαβὼν* (*συντεμὼν*?) *ἐρῶ.* *συντέμνειν*] Concidere. Hinc *σύντομος* concisus.

179. *καινῇ ξυμφορᾷ πεπληγμένος*] Cf. Eur. Alc. 856. *καίπερ βαρείᾳ ξυμφορᾷ πεπληγμένος.*

184. *ἐγκαθεζόμενος λάθρα*] Cf. Eccl. 23. *κἀγκαθεζομένας λαθεῖν.* Ran. 1523. Thuc. IV. 2. 1. *ἐγκαθεζόμενοι ἐδῄουν τὴν πόλιν.*

186. *ὑπεραποκρίνῃ μου*] I. e. *ὑπεραπολογῇ μου*. Cf. Vesp. 957. *ὑπεραποκρίνεσθαι κυνός*. Ach. 632. *ἀποκρίνεσθαι*. Eupol. II. 510.

188. *ἀπολογεῖ παρών*] Cf. Vesp. 840. *σὺ δὲ κατηγόρει παρών*.

191. *λευκὸς — ἁπαλὸς*] Cf. Cratin. II. 117. *οἴμ' ὡς ἁπαλὸς καὶ λευκός*.

202. *αὐτόσε*] Exspectabas *ἐκεῖσε*. Cf. Lys. 873.

204. *ἔργα νυκτερήσια*] Cf. Virgil. alicubi, 'non in Venerem — nocturnaque proelia.'

205. Cf. Eccl. 722. *τὴν τῶν ἐλευθέρων ὑφαρπάζειν κύπριν*. Eur. Tro. 368. *οἳ διὰ μίαν γυναῖκα καὶ μίαν κύπριν — μυρίους ἀπώλεσαν*. El. 365. Eur. Fr. 945. *ἠπίως τὴν τῶν τέκνων | οἴσουσι κύπριν* etc.

206 sq. Cf. Ran. 305 sq.

211. *μὴ σαυτὸν προδῷς*] Cf. Neophron. 2, 9. *οὐ μὴ προδώσεις, θυμέ, σαυτὸν ἐν κακοῖς;*

212. *μακρὰ κλάειν κέλευ'*] Cf. Ran. 34. *ἦ τἄν σε κωκύειν ἂν ἐκέλευον μακρά*. Pl. 612. Vesp. 584. Hor. Sat. I. 10. 91. 'Jubeo plorare.'

214. *ἀπόδυθι — θοἰμάτιον*] Cf. 730. *τὸ Κρητικὸν | ἀπόδυθι*. Av. 934. 947.

215. *δρᾶν μ'*] Cf. 545. *ὃς ἡμᾶς πολλὰ κακὰ δέδρακεν*. *ἀποξυρεῖν*] Cf. 1043. Herod. V. 35. Lucian. Sacrif. 15.

216. *τὰ κάτω*] Sub. *μέρη*. Cf. Fr. 359 D. ad 409 K. *ἀφεύειν*] Cf. 236. 590. Aesch. Fr. 321, 4. *καλῶς ἠφευμένος | ὁ χοῖρος*. Eccl. 13. *ἀφεύων τὴν ἐπανθοῦσαν τρίχα*. Simplex *εὕειν* est Hesiod. Op. 705. *εὕει ἄτερ δαλοῦ*.

217. *'πιδιδόν'*] Cf. Pl. 781. *ἄκων ἐμαυτὸν τοῖς πονηροῖς ἐπεδίδουν*. Athen. XIII. 602 C. *ἑκὼν αὑτὸν ἐπέδωκεν ὑπὲρ τῆς θρεψαμένης*. Lege *ἢ μὴ 'πιδιδόν' ἐμαυτὸν —*.

219. *ξυρόν. ΑΓ. αὐτὸς λάμβανε*] De numeris cf. Lys. 731. *οὐκ εἶ πάλιν; Β. ἀλλ' ἥξω*. et ad Av. 1023.

220. *ξυροδόκης*] Confer *ἱστοδόκη, καπνοδόκη, οὐροδόκη*.

221. *φύσα τὴν γνάθον*] Cf. Dem. p. 442, 16. *τὰς γνάθους φυσῶν*. Ranae nomen *Φυσίγναθος* est in Batrochomyomachia.

222. *ἐμβαλῶ σοι πάτταλον*] Cf. Eq. 375. *καὶ νὴ Δί' ἐμβαλόντες αὐτῷ πάτταλον μαγειρικῶς ἐς τὸ στόμ' — σκεψόμεσθ' — εἰ χαλαζᾷ*.

223. *ἀτταταῖ ἰατταταῖ*] Cf. 1005. Vesp. 1338. *ἰαιβοῖ αἰβοῖ*.

224. *εἰς τὸ τῶν σεμνῶν θεῶν*] Cf. Eq. 1312. *εἰς τὸ Θησεῖον πλεούσας ἢ 'πὶ* (*ἢ 'ς τὸ*?) *τῶν σεμνῶν θεῶν*.

225. *μὰ τὴν Δήμητρά γ' —*] Lege *μὰ τὴν Δήμητρ' ἔτ' —*. Cf. Nub. 814. *οὔτοι μὰ τὴν Ὁμίχλην ἔτ' ἐνταυθὶ μενεῖς*. Vesp. 1442. Av. 1443. Pl. 64.

227. *ἡμίκραιραν*] Cf. Amips. II. 705. *ἡμίκραιρ' ἀριστερά*. Crobyl.

IV. 568. *εἰσῆλθεν ἡμίκραιρα τακερὰ δέλφακος.* Eodem sensu Hermippus Fr. 14. *οἴμοι, τί δράσω σύμβολον κεκαρμένος;*

230. *ἔχ' ἀτρέμα σαυτὸν*] Qu. *ἔχ' ἀτρέμας αὑτοῦ.* Cf. Nub. 261. *ἀλλ' ἔχ' ἀτρεμεί.* Av. 1200. *ἔχ' ἀτρέμας αὐτοῦ, στῆθ'.*

231. *μύζεις*] Cf. Menand. IV. 92. *ἔμυξεν* (i. e. *ἐστέναξεν*). Lys. 1273. *τἄλλα πεποίηται καλῶς.*

234. *φέρε*] Sc. *κάτοπτρον.*

239. *ἐπίκυπτε*] Cf. Anaxandr. III. 180. *οὐκ ἐπικεκυφὼς ὀρθὸς, ὦ βέλτιστ', ἔσει.* *τὴν κέρκον*] Cf. ad Pac. 1054. *ἡ κέρκος ποιεῖ | καλῶς.* ibique schol. Herod. II. 40. *τὴν ὀσφὺν ἄκρην.* Aesch. Prom. 496. *καὶ μακρὰν* (l. *κᾆτ' ἄκραν*) | *ὀσφὺν πυρώσας.*

240. *πλήν γ' ὅτι κάομαι*] Cf. Pac. 675. *ψυχὴν ἄριστος πλήν γ' ὅτι —.* Eq. 27. Ran. 1466.

243. *καταπεπυρπολημένος*] Cf. 727. *καὶ καταίθειν τὸν πανοῦργον πυρπολεῖν θ' ὅσον τάχος.* Aesch. Pers. 1055. *καί μοι γενείου πέρθε λευκήρη τρίχα.*

245. *φεῦ, ἰοὺ τῆς ἀσβόλου*] Cf. Lys. 312. *φεῦ τοῦ καπνοῦ.* Av. 162. 1724. Aesch. Eum. 811. *φεῦ, ἰοὺ ἰού.*

246. *τὰ περὶ τὴν τράμιν*] Cf. Lucian. 34, 2. *τὰ ἀμφὶ τὴν τράμιν μαλακίζομαι.* Arist. H. An. IX. 36. *ποικίλα τὰ περὶ τὸν αὐχένα ἔχει.* V. 9. 15. *τὰ περὶ τὸν τράχηλον.* Athen. 387 F. *κατάγραφος τὰ περὶ τὸν νῶτον.* *τράμιν*] Cf. Hipponact. Fr. 84. *ἐκτίλλοι τις αὐτοῦ τὴν τράμιν ὑποργάσας.* Cf. v. *τερπότραμις* (?) Telecl. II. 378.

248. *οἰμώξετἄρ'*] Cf. 916. Nub. 217. *οἰμώξεσθ' ἄρα.* Pl. 876. *οἰμώξἄρα σύ.* Pac. 532. *κλαύσἄρα σύ.* Ran. 509. *περιόψομἀπελθόντ'.* Lucian. Dial. D. V. 5. *μὴ δέδιθι· οἰμώξεται γάρ, ἤν τίς σε λυπεῖν ἐθέλῃ.*

254. Cf. Theophr. Char. XIV. fin. *ἡδύ γε τῶν ἄστρων ὄζει, ὅ τι δὴ καὶ οἱ ἄλλοι λέγουσι τῆς γῆς.* Philem. IV. 26. *νὴ τὴν Ἀφροδίτην ἡδύ γ' ἔστ' εὐημερεῖν | ἐν ἅπασιν.* *ποσθίου*] Cf. 515.

255. *ξύζωσον*] Cf. Lys. 536. *κᾆτα ξαίνειν συζωσάμενος* (*ξαῖνε ξυζ.*?). *αἶρε*] Affer. Cf. Pac. 1. 1227. *στρόφιον*] Cf. Pherecr. II. 296. *μίτραν* (257) *ἁλουργῆ, στρόφιον, ὄχθοιβον, κτένα.*

257. *μίτρας*] Cf. 941. Pher. II. 296. *μίτραν ἁλουργῆ, στρόφιον, ὄχθοιβον, κτένα.* Herod. I. 195. *τὰς κεφαλὰς μίτρῃσι ἀναδέονται.* Theocr. XXVII. 55 *φεῦ φεῦ, καὶ τὰν μίτραν* (*τὰν μίτραν μευ*?) *ἀπέσχισας· ἐς τί δ' ἔλυσας;* Callim. Ep. 38. *τὴν μίτρην ᾗ μαστούς σφιν ἔδησε.*

258. *περίθετος*] *περιθέτη* (sc. *κόμη*) dixerunt Amphis et Menander teste Poll. X. 170. Cf. Fr. 224. *Ἀριστοφάνης ἐν Γηρυτάδῃ περίθετον.* (In ea fabula inductus est Agatho.) Aristom. 5, 2. *καὶ περίθετον πρόσωπον.*

260. *νὴ Δί' ἀλλ' ἄριστ' ἔχει*] Cf. Lys. 927. *νὴ Δί' ἀλλ' ἐγὼ* (sc. *δέομαι*). Pl. 202. *νὴ τὸν Δί' ἀλλὰ καὶ λέγουσι πάντες ὡς* etc.

ἄριστ' ἔχει] Cf. Ran. 1161. ἄριστ' ἐπῶν ἔχον. 1395. Nub. 522. σοφώτατ' ἔχειν. Theocrit. XV. 3. ἔχει κάλλιστα.

261. ἔγκυκλον] Cf. Fr. 309, 8.

263. χαλαρὰ] Cf. Lys. 419. Pherecr. II. 326. χαλαρωτέραν τ' ἐποίησε (με) χορδαῖς δώδεκα. Et χαλαρὸν vestimentum est Plut. II. 304 B.

264. Cf. Pl. 425. ἀλλ' οὐκ ἔχει γὰρ δᾷδας. ὧν δέει] Quae requiris. Δέει dicebant secunda persona, non δεῖ. Cf. Lys. 605.

265. Cf. ad Eq. 1249. κυλίνδετ' εἴσω τόνδε τὸν δυσδαίμονα.

268. Cf. 863. γυναικίσεως. Diocles. 4. γυναικίζειν et γυναικηρόν (γυναικισμόν recte Mein.).

271. ἤν μοί τι περιπίπτῃ κακόν] Usitatior constructio est περιπίπτειν κακῷ. V. Ran. 969. ἢν κακοῖς που περιπέσῃ. περιπίπτῃ] Corrigendum, opinor, περιπέσῃ.

272. Ex Euripidis Melanippe σοφῇ. Cf. ad Ran. 100. αἰθέρα Διὸς δωμάτιον.

273. ξυνοικίαν] Quasi ὑηνίαν. Cf. Aesch. Eum. 916. Παλλάδος ξυνοικίαν. et ad Eq. 1001. ὑπερῷον καὶ ξυνοικία δύο.

274. ἄρδην] Formatum ut σύρδην, φύρδην, βύζην (βύσδην), χύδην, φοράδην. Cf. Diph. (?) IV. 424. ἄρδην ἀνεῖλε — βίον. Eur. Phoen. 1146. τί μέλλετ' ἄρδην πάντες ἐμπίπτειν πύλαις —;

277. ἔκσπευδε ταχέως] Cf. Eq. 495. σπεῦδε ταχέως. Soph. Aj. 1164. ταχύνας σπεῦσον.

278. τὸ — σημεῖον] Cf. Vesp. 690. ὕστερος ἔλθῃ τοῦ σημείου. Magistratus annuus et mercenarius erat.

280. τῶν λαμπάδων | ὅσον τὸ χρῆμ' ἀνέρχεται] Cf. Ach. 150. ὅσον τὸ χρῆμα παρνόπων προσέρχεται (εἰσέρχεται τῶν παρνόπων?). Pac. 1192. ὅσον τὸ χρῆμ' ἐπὶ δεῖπνον ἦλθ' ἐς τοὺς γάμους. Eq. 1219. ὅσον τὸ χρῆμα τοῦ πλακοῦντος ἀπέθετο. Si χρῆμα hic valeret χρῆμα ὄχλου, sequi oporteret, non praecedere, καομένων τῶν λαμπάδων. λιγνύος] Cf. Lys. 319. λιγνὺν δοκῶ μοι καθορᾶν καὶ καπνὸν — ὥσπερ πυρὸς καομένου. Av. 1241. Aesch. Sept. 494. λιγνὺν μέλαιναν, αἰόλην πυρὸς κάσιν.

281. ἀνέρχεθ'] Cf. Lucian. Bis accus. 2. πόθεν ἡ κνῖσα καὶ ὁ καπνὸς ἀνέρχεται;

282. θεσμοφόρω] Cf. 1156. 1230. Herod. VI. 134. θεσμοφόρος Δημήτηρ.

286. Cf. Vesp. 869. ὦ Φοῖβ' Ἄπολλον — τὸ πρᾶγμ' ὃ μηχανᾶται — ἅπασιν ἡμῖν ἁρμόσαι. Ach. 247. Aesch. Sept. 253. θεοὶ πολῖται, μή με δουλείας τυχεῖν. Eur. El. 805. νύμφαι πετραῖαι, πολλάκις με βουθυτεῖν.

287. ὦ Φερρέφαττα] Cf. Ran. 671. Epicr. 9, 3. τὰν Φερρέφατταν. πολλὰ πολλάκις] Persaepe. Cf. ad Eccl. 1105. Fr. 237. πολλαὶ τῶν ἀλεκτρυόνων — τίκτουσιν ᾠὰ πολλάκις. Lucian.

73, 38. τῇ παραδόξῳ ῥοπῇ τῆς τύχης τῇ πολλὰ πολλάκις ἡμῖν συγκατειργασμένῃ. Nisi πολλὰ potius ab ἔχουσαν pendet.

290. ἄλλως τ'] Lege ἄλλως δ'. Cf. Av. 1476. Pl. 976. πενιχρὸν μὲν, ἄλλως δ' εὐπρόσωπον καὶ καλόν. ἠλιθίου κἀβελτέρου] Cf. Ran. 989. τέως δ' ἀβελτερώτατοι κεχηνότες — καθῆντο. Eccl. 768. Eupol. II. 484. ἐπειδὰν κατίδω τιν' ἄνδρα ἠλίθιον πλουτοῦντα δ', εὐθὺς περὶ τοῦτόν εἰμι. Eur. Fr. 1054. σκαιὸν τὸ πλουτεῖν κἄλλο μηδὲν εἰδέναι. Diog. L. VI. 47. τὸν πλούσιον ἀμαθῆ πρόβατον εἶπε χρυσόμαλλον.

291. ποσθαλίσκον] Cf. παιδίσκος (Eccl. 1146.), μειρακίσκος, κωραλίσκος. νοῦν ἔχειν — καὶ φρένας] Cf. Ran. 534. ἀνδρὸς — νοῦν ἔχοντος καὶ φρένας. Lys. 432. οὐ γὰρ μοχλῶν δεῖ μᾶλλον ἢ νοῦ καὶ φρενῶν. Nub. 834. ἄνδρας δεξιοὺς | καὶ νοῦν ἔχοντας. Th. 462. φρένας ἔχουσα καὶ πολύπλοκον νόημ'. Cratin. II. 56. ἥβης τ' ἐκείνης νοῦ τ' ἐκείνου καὶ φρενῶν. Men. 60, 1. εὐδαιμονία τοῦτ' ἐστὶν, υἱὸς νοῦν ἔχων· | ἀλλὰ θυγάτηρ κτῆμ' ἐστὶν ἐργῶδες πατρί. Archil. Fr. 103. νόον τε καὶ φρένας. Theogn. 87. μή μ' ἔπεσιν μὲν στέργε, νόον δ' ἔχε καὶ φρένας ἄλλῃ. Soph. Ant. 1090. τὸν νοῦν τ' ἀμείνω τῶν φρενῶν (l. τὰς φρένας τ') ἢ νῦν φέρει.

297. τῇ κουροτρόφῳ Γῇ] Cf. Plat. com. II. 674. ἐμοὶ γὰρ Κουροτρόφῳ | προθύεται | πλακοῦς ἐνόρχης. Theocr. 13, 50. Λατὼ κουροτρόφος. Vit. Hom. c. 29. ἐγχρίμπτεται γυναιξὶ Κουροτρόφῳ θυούσαις ἐν τῇ τριόδῳ, ἡ δὲ ἱέρεια εἶπε πρὸς αὐτὸν δυσχεράνασα τῇ ὄψι, Ἄνερ, ἀπὸ τῶν ἱερῶν. Paus. I. 21. 3. ἔστι δὲ καὶ Γῆς κουροτρόφου καὶ Δήμητρος ἱερὸν Χλόης.

299. Schol. ἑτέραις (δευτέραις?).

300. ἐκκλησίαν — ποιῆσαι] Cf. Ach. 169. Eq. 746.

301. κάλλιστα καὶ ἄριστα] Cf. Xen. Anab. III. 1. 6. ἐπήρετο τὸν Ἀπόλλω τίνι ἂν θεῶν θύων καὶ εὐχόμενος κάλλιστα καὶ ἄριστα ἔλθοι τὴν ὁδὸν ἣν ἐπινοεῖ etc. Plat. Legg. IX. 858 E. Sic εὖ καὶ καλῶς Eccl. 253. Hyperid. Euxen. p. 311, 26. ἐάν τις — ῥήτωρ ὢν μὴ λέγῃ τὰ ἄριστα τῷ δήμῳ τῷ Ἀθηναίων χρήματα λαμβάνων. Aesch. c. Ctes. 101. ὅν φησι — διατελεῖν λέγοντα καὶ πράττοντα τὰ ἄριστα τῷ δήμῳ τῶν (l. τῷ) Ἀθηναίων.

305. τυχηρῶς] Cf. Ach. 250. ἀγαγεῖν τυχηρῶς τὰ — Διονύσια. Aesch. Ag. 462. τυχηρὸν ὄντα.

310. ταῦτ' εὔχεσθε καὶ ὑμῖν αὐταῖς τἀγαθά] Cf. Eccl. 781. ὅταν γὰρ εὐχώμεσθα διδόναι τἀγαθά. Dem. p. 800. ἐξὸν εὐφημεῖν καὶ ἅπαντας ἅπασι πάντα τἀγαθὰ εὔχεσθαι.

312. Cf. Eupol. II. 468. χαίρετε πάντες. B. δεχόμεσθα. Av. 645.

315. χρυσολύρα] Sc. Ἄπολλον.

317. παγκρατὴς κόρα] Cf. 368. ὦ παγκρατὲς Ζεῦ.

319. περιμάχητον] Cf. Av. 1404.

320. θηροφόνη] Cf. Eur. Fr. 775, 30. κυναγοὶ — θηροφόνοι. Lycophronid. Athen. 670 E. θηροφόνον λογχίδ'. Eur. Ion. 1478.

ἴστω Γοργοφόνα. Cf. nomen *Περσεφόνη* (*Φερσ.*), et v. *παιδοφίλη* (Cereris epithetum Orph. H. 39, 13.).

321. *Λατοῦς — ἔρνος*] Cf. Eccl. 973. *Κύπριδος ἔρνος.*

323. *πόντιε — Πόσειδον*] Cf. Eur. Hel. 1585. *πόντιε Πόσειδον.* Rhes. 188. *Ποσειδῶν — πόντιος.* Pl. 1050. *ποντοπόσειδον. ἁλιμέδον*] Cf. *ποντομέδων* Vesp. 1532. Aesch. Sept. 121. Eur. Hipp. 744. *προλιπὼν μυχὸν*] Cf. Pac. 116. *προλιπὼν ἐμέ.* Eur. Fr. 1069.

324. *οἰστροδόνητον*] Cf. *πτεροδόνητος* Av. 1390. 1402. *ἀεροδόνητος* Av. 1385.

326. *νύμφαι ὀρείπλαγκτοι*] Cf. Av. 1098. *νύμφαις οὐρείαις.* Ran. 1344. *νύμφαι ὀρεσσίγονοι.*

328. *ἀχήσειεν*] Cf. Ran. 217. *ἂν* (*βοὰν*) — *ἀχήσαμεν.*

331 sq. Cf. Av. 867. Menand. 287. Dem. 18, 1. *τοῖς θεοῖς εὔχομαι πᾶσι καὶ πάσαις.*

331 sq. Cf. Menand. 287. *θεοῖς Ὀλυμπίοις εὐχώμεθα Ὀλυμπίαισι πᾶσι πάσαις.*

335. *τῷ δήμῳ — τῷ τῶν γυναικῶν*] Cf. 1145. *δῆμός τοί σε καλεῖ γυναικῶν.*

337. Cf. Lys. 283. *τὰς Εὐριπίδῃ θεοῖς τε πᾶσιν ἐχθράς.*

Μήδοις] Cf. Theogn. 763. *πίνωμεν — μηδὲν τὸν Μήδων δειδιότες πόλεμον. ἐπὶ βλάβῃ*] Cf. 360. 366. Xen. Men. IV. c. 19. *τῶν — τοὺς φίλους ἐξαπατώντων ἐπὶ βλάβῃ.*

340. *ὑποβαλλομένης*] Cf. 407. Plat. Menex. p. 237 E. *ᾧ καὶ γυνὴ δήλη τεκοῦσά τε ἀληθῶς καὶ μὴ ἀλλ' ὑποβαλλομένη.*

347. *χοὸς*] Cf. Pac. 537. et ad Ach. 1000. Anaxandr. III. 183. *χοῖ.* Plat. Theaet. p. 127 D. *χόες.*

349. *κᾠκίαν*] Eadem crasis est in *κᾦνον* Ran. 511. *κᾠσπώτην* Cratin. II. 41. *κᾠκτίρμων* (*κοἰκτ.* vulg.). Theocr. XV. 75. Sed *χοἰ* (*καὶ οἱ*) Lys. 385.

351. *πολλὰ — κἀγαθά*] Cf. Lys. 1159. *πολλῶν κἀγαθῶν.* Eq. 1276. *πολλ' ἀκοῦσαι καὶ κακά.* Trag. adesp. 32. *τούτῳ δέ, τέκνον, πολλὰ κἀγάθ' οἱ θεοὶ | δοῖεν.*

355. Ad *ὅσαις* subaudi *ψήφοις.*

360. *κερδῶν εἵνεκ'*] Cf. Ran. 360. *ἀλλ' ἀνεγείρει* (*στάσιν*) — *κερδῶν ἰδίων ἐπιθυμῶν.*

368. *ὦ παγκρατὲς Ζεῦ*] Cf. Aesch. Sept. 255. *ὦ παγκρατὲς Ζεῦ, τρέψον εἰς ἐχθροὺς βέλος.*

374. *Λύσιλλ'*] Idem nomen est Nub. 684. Confer *Χρύσιλλα, Πράξιλλα, Τελέσιλλα. εἶπε — ποιεῖν*] Cf. Lys. 391. 394. *Σωστράτη*] Idem nomen est Vesp. 1397. Eccl. 41.

379. Cf. Eccl. 131. *τίς ἀγορεύειν βούλεται; | — ἐγώ. — περίθου δὴ τὸν στέφανον.*

380. *περίθου*] Cf. Ach. 740. *περίθεσθε τάσδε τὰς ὁπλάς.*

τόνδε] Sc. *τὸν στέφανον.* Cf. Eccl. 131. 148. 163. 171. Eadem

ellipsis est Eccl. 171. *πρῶτον πρὶν λαβεῖν*] Cf. Ach. 383. *νῦν οὖν με πρῶτον πρὶν λέγειν.*

381. *σίγα, σιώπα*] Fort. *ἄκουε, σίγα.* Fortasse glossema *σιώπα* in textum irrepsit et *ἄκουε* expulit. Cf. Cratin. 284. *ἄκουε, σίγα, πρόσεχε τὸν νοῦν, δεῦρ' ὅρα.* Plaut. Poenul. prot. 3. 'Sileteque et tacete atque animum advortite.' *χρέμπτεται*] Cf. Pac. 815. *ὧν καταχρεμψαμένη* etc. Lucian. Rhet. 19. *ἐπιχρέμπτου τοῖς λεγομένοις.* Eur. Cycl. 626. *οὐδὲ χρέμπτεσθαί τινα (ἐῶ).*

383. *οὐδεμιᾷ μὰ τὼ θεὼ*] Recte ponitur *μὰ* post negativum. Cf. Pl. 715. *ὀπὰς γὰρ εἶχεν οὐκ ὀλίγας μὰ τὸν Δία.* 383.

387. *τοῦ τῆς λαχανοπωλητρίας*] Cf. Ran. 840. Ach. 478.

388. Cf. Eq. 1276. *ὃν δεῖ πόλλ' ἀκοῦσαι καὶ κακά.* Nub. 1329.

389. *ἐπισμῇ*] I. e. *ἐπιτρίβει.* Cf. Cratin. II. 71.

390. *ἔμβραχυ*] Cf. Cratin. II. 167. *ἔδει παρασχεῖν ὅ τι τις εὔξαιτ' ἔμβραχυ.*

391. *τραγῳδοὶ καὶ χοροὶ*] Qu. *τραγῳδικοὶ χοροί.* Cf. Av. 787. *τοῖς χοροῖσι τῶν τραγῳδῶν.*

392. *μοιχοτρόπου*] Cf. Fr. 236 D. *πάσαις γυναιξὶν ἐξ ἑνός γέ του τρόπου | ὥσπερ παροψὶς μοιχὸς ἐσκευασμένος.* Calliam II. 735. *ἕλκε μοιχὸν εἰς μυχόν.* *ἀνδρεραστρίας*] Cf. v. *φιλάνωρ* Aesch. Ag. 411. 856. Pers. 136. Pind. Fr. 260. Soph. Fr. 356. *φίλανδρος* (Atalante). Contra *γυναικοφίλης* Theocr. VIII. 60. Simplex *ἐράστριαι* occurrit Eupol. Fr. 414.

393. *τὰς οἰνοπότιδας*] Cf. Phryn. II. 607. *πότις γυνή.* Epicr. III. 365. *αὕτη δὲ Λαῒς ἀργός ἐστι καὶ πότις.*

394. *τὰς οὐδὲν ὑγιὲς*] Sc. *οὔσας.* Cf. Dem. 1034, 29. *τὸν μηδὲν ὑγιὲς ὄντα.*

395. Cf. Cratin. 323, 3. *εὐδαίμον' ἔτικτέ σε μήτηρ ἰκρίων ψόφησις (κροτησμός?).* Sedes theatri intelligendae sunt.

396. *ὑποβλέπουσ' ἡμᾶς*] Cf. Lys. 519. *ὁ δέ μ' εὐθὺς ὑποβλέψας ἂν ἔφασκ',* etc. Pher. II. 335. *ἀχθόμεθ', ἣν ἔλθῃ, καὶ ὑποβλέπομεν παρεόντα.* Callim. H. Cer. 51. *ὑποβλέπει ἄνδρα λέαινα.*

400. *πλέκῃ — στέφανον*] Cf. 458. Eccl. 844.

401. *ἐκβάλῃ*] Angl. let fall. Cf. Theophr. Char. 11. *καὶ εὐχομένων καὶ σπενδόντων ἐκβαλεῖν τὸ ποτήριον, καὶ γελάσαι ὡς τεράστιόν τι πεποιηκώς.* Diog. L. VI. 6. 37. *ἐξέβαλε δὲ καὶ τὸ τρύβλιον.*

403 sq. Cf. ad Eur. Fr. 667 D. Arist. Fr. 291.

403. *τῷ κατέαγεν ἡ χύτρα;*] Cf. Theophr. Char. 10. *καὶ οἰκέτου χύτραν ἢ λοπάδα κατάξαντος εἰσπρᾶξαι ἀπὸ τῶν ἐπιτηδείων.*

404. *τῷ Κορινθίῳ ξένῳ*] Angl. for that Corinthian stranger. Cf. Ach. 415. Xen. Hell. II. 3. 56. *ἔφασαν ἀποκοτταβίσαντα εἰπεῖν αὐτόν, Κριτίᾳ τοῦτ' ἔστω (τοῦτ' ἔστω* delet Cobet.) *τῷ καλῷ.* Ridet Euripidem (Eur. Fr. 667. *ἀλλ' εὐθὺς αὐδᾷ, Τῷ Κορινθίῳ ξένῳ.*), sicut Cratinus II. 179. 273, 4. *ἵησι λάταγας τῷ Κορινθίῳ πέει.* Adde Soph. O. R. 1119. *σὲ πρῶτ' ἐρωτῶ τὸν Κορίνθιον ξένον.*

415. *σφραγῖδας ἐπιβάλλουσιν*] Cf. Av. 559. *μοχλοὺς*] Cf. Lys. 246.

417. *μορμολυκεῖα*] Terriculamenta. Cf. Fr. 97. 187.

419. *προαιρούσαις*] Cf. Pher. 68, 1. *ἀλλ' ἰσχάδας μοι πρόελε τῶν πεφωγμένων.* Thuc. VIII. 90. *τὸν σῖτον ἠνάγκαζον πάντας — ἐξαιρεῖσθαι καὶ ἐντεῦθεν προαιροῦντας πωλεῖν.* Theophr. Char. IV. *καὶ προαιρῶν δέ τι ἐκ τοῦ ταμείου (ταμιείου?) δεινὸς φαγεῖν.* Numenius Euseb. P. E. XIV. 7. *αὐτὸς μὲν ἀνοιγνὺς τὸ ταμιεῖον, αὐτὸς δ' ἀποκλείων. καὶ προῃρεῖτο δὲ ὧν ἐδεῖτο.* Confer Latinum promere, i. e. proemere, quocum cf. adimere, eximere, redimere, et simplex emere (i. q. *λαμβάνειν*).

421 sq. *κλείδια — κακοηθέστατα*] Cf. Plat. com. 77. *σημεῖα παρασημεῖα (παράσημ' ἄττα?), κλεῖν παρακλείδιον.*

422. *κλείδια — κακοηθέστατα*] Claves adulterinas intellige. Cf. Fr. 120. Plat. com. II. 643. *κλεῖν παρακλείδιον.* Menand. IV. 172. *Λακωνικὴ | κλείς ἐστιν, ὥς ἔοικέ, μοι περιοιστέα.* Eur. Andr. 552.

424. *ὑποῖξαι*] Cf. Eccl. 15. *στοάς — ὑποιγνύουσι.*

425. *ποιησαμέναισι —*] Cf. Eq. 1351. *ποιεῖσθαι ναῦς μακράς.* Pac. 288. *δοίδυκ' εἰσιὼν ποιήσομαι.* Av. 1114. *χαλκεύεσθε μηνίσκους φορεῖν.* Lys. 790. *πλέξαμενος ἄρκυς.*

426. *ᾠκότριψ*] Cf. Dem. p. 173, 17. *φθόρος ἄνθρωπος οἰκότριψ.* Soph. O. R. 1123. *ἦ δοῦλος οὐκ ὠνητὸς ἀλλ' οἴκοι τραφείς* (i. e. *οἰκογενής*). Formatum ut *ἀστύτριψ, χοιρόθλιψ* (Vesp. 1365.), *θησειότριψ, πεδότριψ, φαρμακότριψ, παιδότριψ, ἀλότριψ, ἀχυρότριψ, πορνότριψ* (Synes.), *ἄτριψ, πελεθόβαψ* (Hesych.), *δρὰψ, βοῦκλεψ.*

427. *θριπήδεστ'*] Cf. Polyb. VI. 10. *καθάπερ γὰρ σιδήρῳ μὲν ἰός, ξύλοις δὲ θρῖπες καὶ τερηδόνες συμφυεῖς εἰσι λῦμαι — καὶ τῶν πολιτειῶν κατὰ φύσιν ἑκάστῃ καὶ παρέπεταί τις κακία.* Men. IV. 235. *τὸ δ' ἱμάτιον οἱ σῆτες (λυμαίνονται), ὁ δὲ θρὶψ τὸ ξύλον.* Theophr. H. Pl. V. 1. 1. Lucian. Lexiph. 13. etc. *Κῶπαι* et *κεραῖαι θριπήδεστοι* in inscriptionibus apud Boeckh. Confer *σητόκοπος, σητόβρωτος,* et *δερμηστής* (sc. *σής*, Soph. Fr. 411.). *Θρὶψ* a *τρίβω* aut *τείρω* derivatum videtur: sic *θρὶξ τριχός.* Etiam *σκνὶψ θηρίδιον ξυλοφάγον* est (Zenob. V. 35.) et *τερηδών.*

429. *κυρκανᾶν*] Cf. 852. Epinic. 1, 8. *συγκυρκανήσας ἐν σκύφῳ χυτῆς λίθου.*

430. Cf. Eur. Ion. 845. *ἢ γὰρ ξίφος λαβοῦσαν ἢ δόλῳ τινὶ | ἢ (καὶ?) φαρμάκοισι σὸν κατακτεῖναι πόσιν (σε δεῖ).* Eur. Fr. 467. *γαμεῖτέ νυν γαμεῖτε, κᾆτα θνήσκετε | ἢ φαρμάκοισιν ἐκ γυναικὸς ἢ δόλοις.* Aesch. Ag. 1636. *τὸ γὰρ δολῶσαι πρὸς γυναικὸς ἦν σαφῶς.*

μιᾷ γέ τῳ τέχνῃ] Cf. Thuc. VI. 77. 1. *δεσπότην ἢ Μῆδον ἢ ἕνα γέ τινα ἀεὶ μεταβάλλοντες δουλοῦνται.*

431. *ὅπως ἀπολεῖται*] Cf. ad Nub. 1398. et 739. Vesp. 528. *ὅπως φανήσει.*

432. *τοῦ γραμματέως*] Similiter *ῥήτωρ* de femina dixit noster Fr. 673. *στρατηγὸς* Eccl. 491. 500. et *μηνυτὴς* Cratinus 428.

435. *πολυπλοκωτέρας*] Cf. 463. Plat. Phaedr. 230 A. *θηρίον Τυφῶνος πολυπλοκώτερον.* Theogn. 215. *πουλύπου ὀργὴν ἴσχε πολυπλόκου*, etc.

438. *πάντα — ἐβάστασεν*] Cf. Eupol. 303, 4. *τὸν τρόπον ὃν ἂν δοκῇ μοι βαστάσας αἱρήσομαι.*

441. *ἐγῷμαι*] Eadem crasis quae in *ἐγᾦδα.*

442. *ἄντικρυς μηδὲν λέγειν*] Cf. Eq. 128. *ὁ χρησμὸς ἄντικρυς λέγει | ὡς* etc. Av. 962.

443. *παρῆλθεν*] Cf. Herod. VIII. 81. *ταῦτα ἔλεγε παρελθὼν ὁ Ἀριστείδης.* Lys. 172, 26. Thuc. alicubi, *παρελθὼν εἶπε.* Dem. p. 285, 6. *παρῄει οὐδείς.* Plat. Alc. I. 106 C. Aesch. 76, 18.

448. *στεφανηπλοκοῦσ'*] Cf. Eccl. 844. *στέφανοι πλέκονται.* Sapph. Fr. 73. *στεφανηπλόκευν.* Long. Past. III. 13. *στεφανίσκον ἴων πλέκουσα.* Athen. XV. 678 D. *στεφάνων πλοκῆς γένος* (*ὑπογλωττίς*). Plaut. Bacch. I. 1. 37. 'corona plectilis.'

449. *τέως μὲν οὖν —*] Cf. ad Nub. 66. Plat. Theag. 122 A. *τέως μὲν οὖν αὐτὸν κατεῖχον παραμυθούμενος, ἐπειδὴ δὲ οὐκέτι οἷός τέ εἰμι*, etc. Herod. VI. 83. *τέως μὲν — ἐκ τούτου δὲ* etc. Antiph. 18, 2. *τέως μὲν ἐπεκράτει τῆς συμφορᾶς — εἶτα —.* 98, 1. *λύπη γὰρ ἀνθρώποισι καὶ τὸ ζῆν κακῶς.* Philetaer. 13, 2. *θνητῶν δ' ὅσοι | ζῶσιν κακῶς ἔχοντες ἄφθονον βίον* etc. *ἡμικάκως*] Cf. Alex. 10. *ἡμίκακον.* Euthycl. 3. *ἡμίκακον.* Philem. 227, 2. *ζῆν ταπεινῶς καὶ κακῶς.* Soph. Fr. 885. *ἡμίκακον.* Simonid. Amorg. Fr. 3. *ζῶμεν δ' ἀριθμῷ παῦρα* (*καὶ*) *κακῶς ἔτεα.* Hor. Serm. I. 4. 109. 'Nonne vides Albi ut male vivat filius?' Soph. El. 354. *οὐ ζῶ; κακῶς μέν, οἶδ', ἐπαρκούντως* (l. *ἀπαρκ.*) *δέ μοι.* O. C. 798. *οὐ γὰρ ἂν κακῶς — ζῷμεν, εἰ τερποίμεθα.*

451. *τοὺς ἄνδρας ἀναπέπεικεν οὐκ εἶναι θεούς*] Cf. Nub. 96.

452. *θῆμιον*] Cf. Lys. 116.

455. *ἄγρια — κακὰ*] Respicit fortusse ad Eur. Fr. 805. *γυνή τε πάντων ἀγριώτατον κακόν* (l. *κακῶν*).

456. Cf. Pl. 298. *πήραν ἔχοντα λάχανά τ' ἄγρια.*

458. *συνθηματιαίους*] Anglice, bespoken, made to order, (proprie agreed upon). Cf. Athen. p. 680 C. Formatum ut *ὀβολιαῖος, δραχμιαῖος, φρεατιαῖος, ναματιαῖος, ἡπατιαῖος*, etc.

461. *ἐστωμύλατο*] Cf. 1073. Pac. 995. Eq. 1376. Ran. 1071. Ran. 1160. *ὦ κατεστωμυλμένε.* Activa forma est Nub. 1003. Ran. 1310.

462. *φρένας ἔχουσα καὶ — νόημ'*] Cf. 291.

466 sq. Cf. Fr. 116. *οὐκ ἐτὸς, ὦ γυναῖκες, πᾶσι κακοῖσιν ἡμᾶς | φλῶσιν ἑκάστοθ' ἄνδρες· | δεινὰ γὰρ ἔργα δρῶσαι | λαμβανόμεσθ' ὑπ' αὐτῶν.*

467. *ἀκουούσας*] Sc. *ὑπ' αὐτοῦ.*

468. *ἐπιζεῖν τὴν χολήν*] Cf. ad Ach. 321. Aesch. Prom. 370. *ἐξαναζέσει χόλον*. 378. *ὀργῆς ζεούσης εἰσὶν ἰατροὶ λόγοι*. Herod. VII. 13. *ἀκούσαντί μοι — παραυτίκα μὲν ἡ νεότης ἐπέζεσε*.

469. Cf. Nub. 520. Lucian. Philops. 27. *οὕτως ὀναίμην τούτων (τῶν υἱέων) ὡς ἀληθῆ πρός σε ἐρῶ*. Hor. Od. I. 3. init.

470. *ἐς τὰ ῥάκια*] De producta syllaba brevi ante *ῥ* cf. ad Ach. 412. Ran. 406. 1066.

472. *αὗται γάρ ἐσμεν*] Cf. Fr. 214. *αὐτοὶ θύομεν*. *οὐδεμί' ἐκφορὰ λόγου*] Cf. Euphron. 1, 20. *οὐκ ἦν ἐκφορὰ | Λύκῳ κρεῶν τότ'*. Posidipp. 2, 3. *οὐχ ἁλώσομ' ἐκφέρων κρέας*. Herod. VIII. 132. *ἐξενείκαντος τὴν ἐπιχείρησιν ἑνὸς τῶν μετεχόντων*. III. 74. Gregor. Naz. Or. 40. p. 678. *ἔχεις τῶν μυστηρίων τὰ ἔκφορα, τὰ δ' ἄλλα εἴσω μαθήσει*.

473. *τί ταῦτ' ἔχουσαι —;*] Cf. Ach. 515. *τί ταῦτα τοὺς Λάκωνας αἰτιώμεθα;* Nub. 131. *τί ταῦτ' ἔχων στραγγεύομαι;* Fr. 116. *οὐκ ἐτός, ὦ γυναῖκες, | πᾶσι κακοῖσιν ἡμᾶς | φλῶσιν ἑκάστοθ' ἄνδρες· | δεινὰ γὰρ ἔργα δρῶσαι | λαμβανόμεσθ' ὑπ' αὐτῶν*. *ταῦτ'*] Sic.

474. *βαρέως φέρομεν*] Cf. Ran. 803.

477. Cf. Eq. 184. *ξυνειδέναι τί μοι δοκεῖς σαυτῷ καλόν*. Vesp. 999. Fr. 21, 2. *πλύνων ἅπασιν ὅσα σύνοιδ' αὑτῷ κακά*. Antiph. 241, 2. *ᾧ μὴ σύνοιδε πρότερον ἐπιωρκηκότι*. III. 149. *τὸ μὴ συνειδέναι γὰρ αὑτοῦ τῷ βίῳ | ἀδίκημα μηδὲν ἡδονὴν πολλὴν ἔχει*. Philem. 229, 2. *συνειδόθ' αὑτῷ φαῦλα διαπεπραγμένῳ*. Xen. Mem. II. 9. 6. *συνειδὼς αὑτῷ πολλὰ καὶ πονηρά*. Lys. III. 1. *πολλὰ καὶ δεινὰ συνειδὼς Σίμωνι*.

480. *διεκόρευσεν*] Cf. v. *διαπαρθενεύειν* (Herod. IV. 168.). *ἑπτέτιν*] Cf. com. anon. IV. 627. *τὸ γνῶμα γοῦν βέβληκεν ὡς οὖσ' ἑπτέτις* (*ἑπτέτης* vulg.). Lys. 644. *δεκέτις*. Theocr. XIV. 33. *παρθένος ἑξαέτις*.

481. *'κυεν*] *κνύειν* valet *ξύειν, κνήθειν*. Cf. Men. 1021. Hinc *κνῦμα* Eccl. 36.

484. Cf. ad Pac. 175. Antiph. III. 97. *ἐὰν δ' ἄρα | στρέφῃ με περὶ τὴν γαστέρ' ἢ τὸν ὀμφαλόν*. Damox. com. IV. 531. *στρόφοι | καὶ πνευμάτια γιγνόμενα τὸν κεκλημένον | ἀσχημονεῖν ποιοῦσι*.

485. *κοπρῶν'*] Latrinam. Cf. Pac. 99. Eubul. 53, 2. *κοπρῶν' ἔχει | ἐπὶ ταῖς θύραις ἕκαστος*.

486. *κεδρίδας*] Juniperi baccas. Sic *μυρτίδες* myrti baccae. Cf. Com. anon. IV. 601. *ἀλλὰ θῦε τὰς κέδρους*. Arbor est *κέδρος*, fructus ejus *κέδρον*. *ἄννηθον*] Cf. Eubul. 36, 3. *ἄνηθα* (*ἄννηθα*?) *καὶ σέλινα καὶ φλυαρίας*. Alex. 127, 7. Sed Alex. 127, 5. *μάραθρον, ἄνηθον* (sic). *σφάκον*] Salviam. Cf. Eupol. 14, 3. *βοσκόμεθ' ἀποτρώγουσαι σφάκον εὐώδη* etc.

487. *τοῦ στροφέως*] Cf. Fr. 251 D. *πρὸς τὸν στροφέα τῆς αὐλείας*. Hermipp. II. 398. *παρὰ τὸν στροφέα τῆς κηπαίας*

488. *ἠρειδόμην*] Cf. Eccl. 616. Fr. 116, 8. *τὴν νύχθ' ὅλην τὴν δέσποιναν ἐρείδεις.*

489. *τὸν Ἀγυιᾶ*] Cf. ad Vesp. 874. *ὦ δέσποτ' ἄναξ γεῖτον Ἀγυιεῦ.* *κῦβδ' ἐχομένη τῆς δάφνης*] Cf. Theocr. V. 117. *ἦ οὐ μέμνασ' ὅτ' ἐγών τυ κατήλασα, καὶ τὺ σεσαρὼς | εὖ ποτεκιγκλίσδευ καὶ τᾶς δρυὸς εἴχεο τήνας;* *κῦβδ'*] Cf. Pac. 897. *τῆς δάφνης*] Quae prope erat ut Apollini *Ἀγυιεῖ* sacra. Cf. Pl. 1114. Menand. IV. 97. Ovid. Fast. I. 344. IV. 742.

492. *σποδούμεθ'*] Cf. Eccl. 113. 908. 939. 942. 1016.

493. *ληκώμεθα*] Verbum est *ληκεῖν*. V. Poll. V. 93. A *ληκὼ*, i. e. partes muliebres.

494. Cf. Eq. 946. *σὺ δ' — φάσκων φιλεῖν μ' ἐσκορόδισας.* Apolloph. 5, 3. *ἃς (μυρρίνας) διαμασῶμ' ὅταν τι βουλεύειν δέῃ.* Alex. 242. *διὰ ταῦθ' ὁ πόρνος οὗτος οὐδὲ τῶν* (l. *οὐδέποτε*) *πράσων | ἑκάστοτ' ἐπεδείπνει μεθ' ἡμῶν· τοῦτο δ' ἦν | ἵνα μή τι λυπήσειε τὸν ἐραστὴν φιλῶν.* Arist. H. A. IX. 6. 2. *τὰ ξύλα διαμασῶνται.* 5. *τῆς ἁλμυριζούσης γῆς διαμασησάμενος.* Xen. Conv. IV. 8. *κρομμύων ὄζων ἐπιθυμεῖ οἴκαδε ἐλθεῖν, ἵν' ἡ γυνὴ αὐτοῦ πιστεύῃ μηδὲ διανοηθῆναι μηδένα ἂν φιλῆσαι αὐτόν.* Confer *καταμασᾶσθαι*, Alex. III. 427.

495. *ἀπὸ τείχους*] Sic *εἰς ἀγορὰν, δι' ἀγορᾶς, ἐξ ἀγορᾶς, εἰς Ἀκαδήμειαν* (Nub. 1005.), *ἐς Πειραιᾶ* (Plat. Resp.), *ἐς Λύκειον* (Pac. 356.), *ἐκ Λυκείου* (ibid.), *ἐς Κεραμεικὸν* (Eq. 772. Ran. 129.), *ἐν πυκνὶ* (Eccl. 243.), *κατ' οἰκίαν* (Vesp. 1180.), *ἐν οἰκίᾳ, εἰς οἰκίαν, ἐν ἄστει, ἐν Πειραιεῖ, ἐν ἀγρῷ, ἐπὶ Ληναίῳ, ἀπὸ Ληναίου, ἔξω τείχους* (Plat. Phaedr. p. 227.).

496. *κακὸν δρᾶν ὑποτοπῆται*] Cf. Ran. 958. *κἄχ' ὑποτοπεῖσθαι.*

497. *ἡμῖν τί τοῦτ' ἐστίν;*] Cf. ad Eq. 1198.

498. *τί δὲ σοὶ τοῦτ';*] Cf. Lys. 514. *τί δὲ σοὶ τοῦτ';* Eq. 1198. Eccl. 520. *τί δ', ὦ μέλε, σοὶ τοῦτ';* *οὐδ' ἐκεῖν' εἴρηκέ πω*] Cf. 501. 552. Ran. 558. *τί δαί; τὸ πολὺ τάριχος οὐκ εἴρηκα πώ.*

500. Lege *ὑπ' ὄρθρον*, cum *δεικνῦσα* connectendum. Sic *πρὸς ὄρθρον, κατ' ὄρθρον.* Trag. adesp. 455. *καὶ πρὸς μὲν αὐγὰς ἡλίου χρυσωπὸν ἦν | νώτισμα θηρός*, etc. Hom. Od. 2, 181. *ὄρνιθες δέ τε πολλοὶ ὑπ' αὐγὰς ἠελίοιο | φοιτῶσ'.* *ἐγκεκαλυμμένον —*] Cf. Xenarch. 4, 12. *μηδ' ἐν ἀχύροισιν εἰσενεχθῆναι τέχνῃ.*

502. *γυνὴ*] Per appositionem ad praecedens *ἥ* positum pro *γυναῖκα*. Cf. Ran. 889.

505. *ἐν χύτρᾳ*] Cf. Ran. 1190. *αὐτὸν γενόμενον | χειμῶνος ὄντος ἐξέθεσαν ἐν ὀστράκῳ.* Aesch. Cho. 649. *τέκνον δ' ἐπεισφέρει δώμασιν* etc.

506. *κηρίῳ βεβυσμένον*] Cf. Ach. 463. *χυτρίδιον σφογγίῳ βεβυσμένον.* Pac. 645. Vesp. 128. Herod. VI. 125. *τοῦ τὸ στόμα ἐβέβυστο* (sc. *χρυσῷ*). Hom. Od. 4, 134. *νήματος ἀσκητοῖο βεβυσμένον.*

509. ἦτρον] Cf. Plat. Phaed. 118 A. ἤδη οὖν σχεδόν τι αὐτοῦ ἦν τὰ περὶ τὸ ἦτρον ψυχόμενα. Hinc ὑπήτριον Theopomp. 51. Est autem ἦτρον τὸ ὑπογάστριον.

514. αὐτέκμαγμα σὸν] Expressa tui imago. Anglice, your express (very) image. Cf. ad Ran. 1040. Cratin. 255. ἐκεῖνος αὐτός (ἐστιν) ἐκμεμαγμένος. Plat. Theaet. 191 C. θὲς ἐν ταῖς ψυχαῖς ἡμῶν ἐνὸν κήρινον ἐκμαγεῖον. Dem. de Cor. 242. αὐτοτραγικὸς πίθηκος. Eur. El. 535. γαίας ποδῶν ἔκμακτρον (an impression). Theocr. XVII. 63. ὁ δὲ πατρὶ ἐοικὼς | παῖς ἀγαπατὸς ἔγεντο. Theophr. Char. 17. καὶ πρὸς τὸν εὐαγγελιζόμενον ὅτι "Υἱός σοι γέγονεν" εἰπεῖν ὅτι etc. Plat. Menex. p. 245 D. αὐτοὶ Ἕλληνες (αὐτοέλληνες Cobet.). αὐτέκμαγμα] Cf. αὐτομήτωρ (Simonid.), αὐτανέψιος (Eur. Her. 211.), αὐτόπαις (Soph. Tr. 826. Fr. 921 N.), αὐτόθαϊς (Lucian. Rhet. p. 12.), αὐτομέλιννα, αὐτοσκαπανεύς (Alciphr. III. 70.), αὐτοΐβηρος (Cratin. 101.), αὐτοάνθρωπος, αὐτόκακον (i. e. ἄκρως καὶ καθ' ὑπερβολήν, Pryn. Bekk. p. 8, 27.) etc.

516. στρεβλὸν] Cf. Ran. 878. στρεβλοῖσι παλαίσμασιν. Men. IV. 270. στρεβλὸν ὀρθῶσαι κλάδον. κύτταρον] Cf. Vesp. 1111. Pac. 199.

519. οὐδὲν παθοῦσαι μᾶλλον ἢ δεδράκαμεν] Cf. Eur. Fr. 712, 2. Soph. O. C. 267. πεπονθότ' ἐστὶ μᾶλλον ἢ δεδρακότα.

525. τοιαῦτα περιυβρίζειν] Cf. Eq. 727. ἔξελθ', ἵν' εἰδῇς οἷα περιυβρίζομαι. κατὰ τὸ φανερὸν] Cf. Alex. 2, 4. Com. adesp. 365. ἐς τὸ φανερὸν μὲν οὐχὶ τολμῶσιν λέγειν, etc.

526. Cf. Eq. 407. τὸν Ἰουλίου τ' ἂν οἴομοι — ἰηπαιωνίσαι etc. Eur. Herc. 1355. οὐδ' ἂν ᾠόμην ποτε | εἰς τοῦθ' ἱκέσθαι. Herod. III. 35. οὐδ' ἂν αὐτὸν ἔγωγε δοκέω τὸν θεὸν οὕτω ἂν (del.?) καλῶς βαλέειν. Thuc. II. 83. 2. οὐκ ἂν οἰόμενοι — τολμῆσαι τοὺς Ἀθηναίους etc. IV. 28. οὐκ ἂν οἰόμενός οἱ αὐτὸν τολμῆσαι ὑποχωρῆσαι. VIII. 103. οὐκ ἂν οἰόμενοι σφᾶς λαθεῖν etc. Dem. p. 361. τίν' ἂν οὖν οἴεσθε — τοὺς προγόνους ὑμῶν — γνώμην θέσθαι etc. p. 584. ὃν οὐδ' ἂν εἷς ἐλθεῖν ᾤετο δεῦρο τολμῆσαι. Xen. Mem. I. 5. 1. πῶς ἂν οἰηθείημεν τὸν τοιοῦτον ἢ ἡμᾶς σῶσαι ἢ —; I. 3. 11. καὶ τί ἂν οἴει παθεῖν καλὸν φιλήσας; III. 13. 6. πῶς ἂν οἴει διατεθῆναι.

528. ὑπὸ λίθῳ —] Proverbium fuit Πάντα λίθον κίνει, ut et Πάντα κινήσω πέτρον et Πάντα κάλων σεῖε (κινεῖν). Vide paroemiographos. Incert. apud Preller. de Ptolem. p. 151. ἕνα λίθον ἄρας, πένθ' ὑπῆσαν σκορπίοι. λίθῳ] Sc. in concione. Cf. Ach. 683. Pac. 682. Eccl. 87.

529 sq. Cf. Com. anon. 790 K.

530. μὴ δάκῃ ῥήτωρ] Cf. Pl. 885. συκοφάντου δήγματος. Ach. 377. Eupol. II. 508. Τῆνος αὕτη | πολλοὺς ἔχουσα σκορπίους ἔχεις τε συκοφάντας.

531. Cf. Men. 656. *οὐκ ἔστιν οὐδὲν ἀθλιώτερον πατρὸς* | *πλὴν ἕτερος, ἂν ᾖ πλειόνων παίδων πατήρ.* IV. 220. *οὐκ ἂν γένοιτ' ἐρῶντος ἀθλιώτερον* | *οὐδὲν γέροντος πλὴν ἕτερος γέρων ἐρῶν.* Eur. Fr. 1045. *δεινὴ μὲν ἀλκὴ κυμάτων θαλασσίων,* | *δειναὶ δὲ ποταμῶν καὶ πυρὸς θερμοῦ πνοαί,* | *δεινὸν δὲ πενία, δεινὰ δ' ἄλλα μυρία,* | *ἀλλ' οὐδὲν οὕτω δεινὸν ὡς γυνὴ κακόν.*

532. Lege *πλὴν ἄρ' εἰ γυναῖκες*] Lege *πλὴν ἄρ' εἰ γυνή τις.* Cf. Eur. Fr. 327. *κρείσσων γὰρ οὔτις χρημάτων πέφυκ' ἀνὴρ* | *πλὴν εἴ τις* (*εἷς τις* Porson.)· *ὅστις δ' οὗτός ἐστιν οὐχ ὁρῶ.* Nub. 361. *οὐ γὰρ ἂν ἄλλῳ γ' ὑπακούσαιμεν — πλὴν ἢ* (*εἰ* Mein. Kock.) *Προδίκῳ.* Metagen. com. II. 758. *τίς πολίτης δ' ἐστὶ νῦν* | *πλὴν ἄρ' εἰ Σάκας —;* Strab. VII. 301. 2. *αὐτοὺς δ' ἀποκρίνασθαι ὅτι οὐδὲν* (*φοβοῖντο*) *πλὴν εἰ ἄρα μὴ ὁ οὐρανὸς αὐτοῖς ἐπιπέσοι.*

535. *τὴν φθόρον*] Cf. Eq. 1151. *ὦ φθόρε.* [Dem.] XIII. 24. *νῦν δὲ φθόρους* (i. q. *ὀλέθρους*) *ἀνθρώπους ποιεῖσθε πολίτας.* Plat. Euthyd. 285 B. *ἐμαθέτην φθόρον τινὰ καὶ ὄλεθρον τοιοῦτον.*

536 sq. *εἰ μὲν οὖν —*] Cf. ad Pl. 468 sq. Plat. com. II. 674. *εἰ μὲν οὖν τάδε* | *προσοίσετ', εἰσέλθοιτ' ἄν· εἰ δὲ μή, μάτην* | *ἔξεστιν ὑμῖν διὰ κενῆς βινητιᾶν.* Men. 718. *εἰ μὲν οὖν τινα* | (*ἄλλον*) *πόρον ἔχεις· εἰ δὲ μή, νενόηκ' ἐγώ·* | *μισῶμεν ἀλλήλους.* Soph. Fr. 402. *εἰ μέν τις οὖν ἔξεισιν· εἰ δὲ μή, λέγε.* Thuc. III. 3. *καὶ ἢν μὲν ξυμβῇ ἡ πεῖρα· εἰ δὲ μή,* etc. I. 131. *εἶπον τοῦ κήρυκος μὴ λείπεσθαι· εἰ δὲ μή,* etc. Herod. VIII. 62. 1. *σὺ εἰ μενέεις αὐτοῦ καὶ μένων ἔσεαι ἀνὴρ ἀγαθός· εἰ δὲ μή, ἀνατρέψεις τὴν Ἑλλάδα.* Xen. Anab. VII. 7. 15. *εἰ μὲν σύ τι ἔχεις — πρὸς ἡμᾶς λέγειν· εἰ δὲ μή, ἡμεῖς πρὸς σὲ ἔχομεν.*

538. Cf. Eccl. 724. *κατωνάκην τὸν χοῖρον ἀποτετιλμένας.*

542. *δίκαια*] Angl. pleas. Cf. Nub. 888. Av. 1599. Pl. 486.

547. *Μελανίππας*] Cf. Ran. 1043. *Φαίδρας — Σθενεβοίας.*

550. *Πηνελόπην*] Cf. Eubul. III. 260. *εἰ δ' ἐγένετο* | *κακὴ γυνὴ Μήδεια, Πηνελόπειά γε* | *μέγα πρᾶγμ'.*

552. *καὶ νὴ Δί' οὐδέπω γε —*] Cf. 640. *καὶ νὴ Δία* (*νηδὶ*) *τιτθία γ' ὥσπερ ἡμεῖς οὐκ ἔχει.*

554. *ἐξέχεας ἅπαντα*] Cf. Aesch. Ag. 1028. *προφθάσασα καρδίαν γλῶσσα πάντ' ἂν ἐξέχει.* Soph. Aj. 989. Fr. 668, 3.

555. *οὐδέπω τὴν μυριοστὴν μοῖραν — εἴρηχ'*] Cf. Lys. XIV. 46. *οὐδὲ πολλοστὸν μέρος εἴρηκα τῶν τούτοις ὑπαρχόντων.*

556 sq. De re cf. Eccl. 14.

557. *ἐπιτριβείης*] Cf. Av. 1530. *ἐντεῦθεν ἄρα τοὐπιτριβείης ἐγένετο;*

560. Cf. Aesch. Cho. 889. *δοίη τις ἀνδροκμῆτα πέλεκυν —.* (Ubi loquitur Clytaemnestra.) Hor. Sat. I. 1. 99. 'At hunc liberta securi | Divisit medium fortissima Tyndaridarum.'

561. *τὸν ἄνδρ' ἔμηνεν*] Cf. Fr. 523. *ἐκμαίνετον τὸν πατέρα τοῖς ὀρχήμασι.*

563. Cf. Lys. 477. οὐ γὰρ ἔτ' ἀνεκτὰ τάδε γ'.

564. Cf. Eccl. 549. ἄρρεν γὰρ ἔτεκε παιδίον. Lys. 748. ἄρρεν παιδίον. Pac. 1078. τυφλὰ τίκτει. Herod. III. 108. ἡ δὲ δὴ λέαινα — τίκτει ἕν.

565. τὸ σὸν — θυγάτριον] Cf. Men. 428. τοὐμὸν θυγάτριον.

566. οὔτοι μὰ τὼ θεὼ σὺ καταπροίξει λέγουσα ταυτὶ] Cf. Eq. 435. οὔτοι μὰ τὴν Δήμητρα καταπροίξει τάλαντα πολλὰ κλέψας.

567. ποκάδας] Cf. Theocr. V. 26. τίς τρίχας ἀντ' ἐρίων ἐποκίξατο; Cf. κυνάδες (Theocr. XV. 19.), σφυράδες (Pac. 790.).

568. λαβὲ θοἰμάτιον] Cf. Lys. 1093. θαἰμάτια λήψεσθ'. Φιλίστη] Cf. Theocr. II. 145. Φιλίστας — τᾶς ἁμᾶς αὐλητρίδος. Nomen Φίλιστος legitur Poll. X. 116.

569. Abrumpitur sermo, ut in Vesp. 1443 sq.

570. χεσεῖν] Contra λείψας pro usitato λιπὼν dixit Antiphanes comicus III. 16. Sed, ni fallor, reponendum χέσαι.

572. ἐσπουδακυῖα] Cf. Ran. 813. ἐσπουδάκωσι. Vesp. 694. ἐσπουδάκατον. Men. IV. 245. ἐγὼ μὲν δεικνύω | ἐσπουδακὼς etc. ὁμοῦ] Prope. Cf. Xen. An. IV. 6. 24. πρὶν δὲ ὁμοῦ εἶναι τοὺς πολλοὺς ἀλλήλων etc.

574. ξυγγενεῖς τοὐμοῦ τρόπου] Cf. Eq. 255. φράτερες τριωβόλου. Plat. Phaed. p. 195. τοῦ θνητοῦ ξυγγενῆ.

575. ὅτι μὲν φίλος εἴμ' ὑμῖν vulg. Lege ὅτι μὲν φίλος ὑμῖν εἴμ' —. Cf. Eq. 1257. ἐμοί δέ γ' ὅ τι σοι τοὔνομ' εἴπ' (sub. ἐστί). Nub. 1096. ὁπότεροι πλείους σκόπει. Philem. 10, 1. νῦν δ' οἶδ' ἀκριβῶς τὴν τύχην ὡς οὐ μία. Aesch. Ag. 445. στένουσι δ' εὖ λέγοντες ἄνδρα τὸν μὲν ὡς μάχης ἴδρις (sub. ἐστὶ), τὸν δ' —. 490. τάχ' εἰσόμεσθ' — εἴτ' οὖν ἀληθεῖς (sc. εἰσὶ) etc. 496. μαρτυρεῖ δέ μοι — ὡς οὔτ' ἄναυδος (sc. ἔσται) etc. 1399. θαυμάζομέν σου γλῶσσαν ὡς θρασύστομος (sc. ἐστί). 1464. μηδ' εἰς Ἑλένην κότον ἐκτρέψῃς | ὡς ἀνδρολέτειρ'. Sept. 175. δείξαθ' ὡς φιλοπόλεις. Soph. O. C. 1096. τὸν σκοπὸν μὲν οὐκ ἐρεῖς ὡς ψευδόμαντις. Aj. 118. ὁρᾷς, Ὀδυσσεῦ, τὴν θεῶν ἰσχὺν ὅση (sc. ἐστί). Eur. Fr. 890, 1. τὴν Ἀφροδίτην οὐχ ὁρᾷς ὅση θεός; Theocr. XII. 37. χρυσὸν — πεύθονται μὴ φαῦλος (sc. ἐστὶν) ἐτήτυμον ἀργυραμοιβοί. Verbum substantivum additur Arist. Fr. 203. ὡς μὲν γάρ εἰσι νήστιδες γιγνώσκετε. et alibi. εἴμ' ἐπίδηλος —] Cf. Eq. 661. κλέπτων δήπου 'στ' ἐπίδηλος.

578. ὀλίγῳ τι πρότερον] Ut aliquoties apud Herodotum.

581. ἀφράκτοις] Cf. Eur. Hipp. 657. εἰ μὴ γὰρ ὅρκοις θεῶν ἄφρακτος ᾑρέθην. Soph. Aj. 910. ἄφρακτος φίλων. Per ἀφύλακτος explicat Hesychius. πρᾶγμα δεινὸν καὶ μέγα] Cf. Pac. 403.

582. Cf. Vesp. 1297. τί δ' ἐστὶν, ὦ παῖ; παῖδα γὰρ, κἂν ᾖ γέρων, | καλεῖν δίκαιον ὅστις ἂν πληγὰς λάβῃ. Euripidem his versibus rideri cognoverunt Fritzsch. et Nauck. De ipsis verbis Euripidis non liquet.

590. ἄφευσεν] Scribendum ἄφηυσεν.

593. Cf. Pac. 703. Soph. Ph. 411.

596. *εἰ μὴ ʼπεπύσμην ταῦτα τῶν σάφ' εἰδότων*] Cf. Pac. 824. *ὡς ἐγὼ ʼπυθόμην τινός*. Soph. O. R. 333. Herod. I. 111.

597. *εἰσαγγέλλεται*] Cf. Eq. 655. *συμφοραῖς — εἰσηγγελμέναις*.

600. Schol. *ἀρχή τις κρύπτεται* (*κρυπτεῖαι* Fritzsch. *κρυπτευταὶ* Bernhardy) *παρ' Εὐριπίδῃ καὶ* (*παρ' Ἀριστοτέλει* Nauck. ad Eur. Fr. 1111.).

603. *ποῖ τις τρέψεται;*] Cf. Soph. Aj. 404. *ποῖ τις οὖν φύγῃ;* O. C. 170. *ποῖ τις φροντίδος ἔλθῃ;*

610. *αὕτη σύ, ποῖ στρέφει; μέν' αὐτοῦ*] Cf. Av. 1199. *αὕτη σύ, ποῖ ποῖ ποῖ πέτει; μέν' ἥσυχος*. Ach. 564. Soph. O. R. 532.

611. *ἀναίσχυντος*] Cf. Alex. III. 521. *οὐκ ἔστ' ἀναισχυντότερον οὐδὲν θηρίον | γυναικός*.

619. *τίς ἐστ' ἀνήρ σοι;*] Cf. 1200. Av. 1203. *ὄνομα δέ σοι τί ἐστι;* Theocr. 27, 44. *πατὴρ δέ σοί ἐστι Μενάλκας*.

620. *τὸν δεῖνα —*] Cf. Straton. com. IV. 546. *ἥξει Φιλῖνος, Μοσχίων, Νικήρατος, | ὁ δεῖν', ὁ δεῖνα. ἐκ Κοθωκιδῶν*] Cf. Eq. 79. *ἐν Κλωπιδῶν*. Fr. 665. *τὸν ἐκ Κοθωκιδῶν*.

624. *δσέτη*] Cf. *δσημέραι* Pl. 1006. *συσκηνήτρια*] Cf. *συνθεάτρια* (Fr. 399.), *συγχορεύτρια* (Fr. ibid.), *συμπαίστρια*. Schol. *πρὸς τὸ ἱερὸν* (*πρὸς τῷ ἱερῷ*?).

627. *ἀπόστηθι*] Cf. Soph. Tr. 434. *ἄνθρωπος — ἀποστήτω*.

628. *ἐπακούσῃς*] Cf. Nub. 274.

629. Cf. Vesp. 831. *ὃ πρῶτον ἡμῖν τῶν ἱερῶν ἐφαίνετο*. Eur. Phoen. 886. *ἐκεῖνο μὲν γὰρ πρῶτον ἦν, τῶν Οἰδίπου | μηδένα πολίτην μηδ' ἄνακτ' εἶναι χθονός*.

630. *τί μέντοι πρῶτον ἦν;*] Cf. Plat. Phaedr. p. 236 D. *ὄμνυμι γάρ σοι — τίνα μέντοι, τίνα θεῶν* (*τῶν θεῶν*?);

633. *σκάφιον*] Matulam. Cf. Eupol. II. 441. *τί δῆτ' ἄν, εἰ μὴ τὸ σκάφιον αὐτῇ παρῆν;* Martial. XI. 12. 6. 'Qui Mentora frangis in scaphium moechae tuae.' Ulp. 'Ventris causa habita scaphia.' Feminarum erat *σκάφιον* teste Polluce X. 45. Similiter fere Hipponax Fr. 37. *ἐκ πελλίδος πίνοντες· οὐ γὰρ ἦν αὐτῇ | κύλιξ*. *σκάφιον — ᾔτησ'*] Cf. Ran. 543. *ᾔτησεν ἀμίδ'*. *Ξένυλλ'*] Nomen *Ξένυλλος* est in titulo Boeckh. C. J. I. 165.

634. *οὐδὲν λέγεις*] Nugaris. Cf. Nub. 781. Av. 986.

636. Cf. Eur. Cycl. 259. *ἀλλ' οὗτος ὑγιὲς οὐδὲν ὧν φησιν λέγει*. Eur. Fr. 496, 4. *τὰ δ' εἰς γάμους | οὐδὲν δοκοῦσιν ὑγιὲς ἀνδράσιν φρονεῖν*.

639. *ὡς καὶ στιβαρά τις φαίνεται καὶ καρτερά*] Cf. Pl. 726. *ὡς φιλόπολίς τις —*. *στιβαρά*] Anglice, stout, sturdy. Apud Homerum *ὦμος, αὐχήν, βραχίονες*, Il. 5, 400. 18, 415. Od. 18, 68. *ἔγχος, σάκος*, Il. 5, 746. 3, 335. etc. Hanc vocem in Atticorum scriptis frustra quaesiveris, ut monuit Naber.

640. Lege *καὶ νὴ Δία (νηδί) τιτθία γ' —*. Requiruntur enim et *τιτθία* (non *τιτθούς*) et *γε*. Cf. 552. *καὶ νὴ Δί' οὐδέπω γε | εἴρηχ'* etc. Diph. IV. 38. 9. *πέρδικα δ' ἢ κίχλην γε νὴ Δί' οὐκ ἔτι | ἔστιν δι' ὑμᾶς οὐδὲ πετομένην ἰδεῖν*. Antiphan. III. 86. *μεῖζον κακὸν | οὐκ ἔστιν οὐδὲν — νὴ Δία*. Philetaer. III. 293. *ἀλλ' οὐ τυράννου νὴ Δία*.

641. *στερίφη*] Cf. Thuc. VII. 36. *στερίφοις καὶ παχέσι πρὸς κοῖλα καὶ ἀσθενῆ παρέχοντες (προσβάλλοντες?) τοῖς ἐμβόλοις*. Arist. Fr. 190. *τὰς ὑποπαρθένους ἁλμάδας ὡς ἐλάας στιφράς*.

644. *καὶ μάλ' εὔχρων*] Cf. Ran. 410. *μειρακίσκης — καὶ μάλ' εὐπροσώπου*. Aesch. Cho. 877. Soph. El. 1455. Hermipp. I. 97.

645. *ἐς τὸ πρόσθεν οἴχεται*] Cf. Xen. Anab. I. 10. 5. *ἤκουσε — ὅτι οἱ Ἕλληνες — εἰς τὸ πρόσθεν οἴχοιντο διώκοντες*.

646. *ἐνγεταυθί*] Cf. ad Eq. 1357. Fr. 422, 5. *ἐνμεντευθενί*.

647. *ἰσθμόν*] Cf. ad Pac. 879. Herod. VII. 24. *τὸν Ἰσθμὸν τὰς νέας διειρύσαι*.

648. *ὁ δ' οὐδέπω*] Sub. *παύεται*. Cf. Pac. 328. *καὶ μηκέτι*.

649. *ὦ μιαρὸς οὗτος*] Cf. Vesp. 900. *ὦ μιαρὸς οὗτος*. 187. *ὦ μιαρώτατος*. Ran. 921. *ὦ παμπόνηρος*.

651. Cf. 767. Vesp. 1475. *ἄπορά γ' ἡμῖν πράγματα | δαίμων τις εἰσκεκύκληκεν (εἰσκεκύλικεν?) ἐς τὴν οἰκίαν*. 699. Pher. II. 338. *εἰκῇ μ' ἐπῆρας ὄντα τηλικουτονὶ | πολλοῖς ἐμαυτὸν ἐγκυλῖσαι πράγμασιν (εἰς πόλλ' — πράγματα?)*. Men. IV 88. *εἰς πέλαγος αὑτὸν ἐμβαλεῖς — πραγμάτων*. Sed Callim. Del. 33. *εἰσεκύλισε θαλάσσῃ (νήσους)*.

656. *ξυζωσαμένας*] Cf. Lys. 536. *εἶτα ξαίνειν ξυζωσάμενος*. *εὖ κἀνδρείως*] Cf. Eccl. 638. Plat. Charm. 118. *εἰπὲ εὖ καὶ ἀνδρείως*. Crat. 122. *σκοπεῖσθαι — ἀνδρείως τε καὶ εὖ*. Vesp. 153. *εὖ κἀνδρικῶς*. 450. Eq. 379. *τῶν θ' ἱματίων ἀποδύσας*] Anglice, slipping out off (from) our cloaks. I. e. *τά θ' ἱμάτια ἀποδυσάσας*. Vulgo dicitur *τὸ ἱμάτιον ἀποδῦναι*, ut in Th. 214. *ἀπόδυθι τοίνυν θοἰμάτιον*. 730. *σὺ δὲ τὸ Κρητικὸν | ἀπόδυθι*. Av. 934. 947. Archipp. II. 726. *ἀθρόος ἀποδὺς θοἰμάτιον ἀπέρχεται*. Com. anon. IV. 609. *ἀπόδυθι ταχέως*. et ad Vesp. 408.

658. *τὴν πύκνα —*] Hinc colligere licet prope pnycem situm fuisse Thesmophorium. *τὰς σκηνὰς*] Anglice, the stalls, booths. Cf. Pac. 730. *ὡς εἰώθασι μάλιστα | περὶ τὰς σκηνὰς πλεῖστοι κλέπται κυπτάζειν καὶ κακοποιεῖν*. Schol. h. l. Theocr. XV. 16. *νίτρον καὶ φῦκος ἀπὸ σκανᾶς ἀγοράζων*. et schol. ad 624. *σκηνὰς γὰρ ἑαυταῖς ἐποίουν πρὸς τὸ ἱερόν (τῷ ἱερῷ?)*. *τὰς διόδους*] Cf. Vesp. 361. Eccl. 693. Schol. *πρὸς τῇ σκηνῇ πυκναὶ ἦσαν* (l. *πρὸς τῇ πυκνὶ σκηναὶ ἦσαν*). Ibid. *μέμνηται τούτου* (l. *μέμνηταί που*).

659. *κοῦφον ἐξορμᾶν πόδα*] Cf. Ran. 478. *ἐφ' ἃς ἐγὼ δρομαῖον ὁρμήσω πόδα*. Eur. El. 112. *σύντεινε ποδὸς ὁρμάν*.

660. *διασκοπεῖν — πανταχῇ —*] Cf. 246. *πάντῃ διασκοπῶμεν*.

661. Cf. Pl. 255. *σπεύδεθ', ὡς ὁ καιρὸς οὐχὶ μέλλειν.* Aesch. Ag. 1353. *ψηφίζομαί τι δρᾶν, τὸ μὴ μέλλειν δ' ἀκμή.* Pers. 407. Soph. O. R. 1050. *σημήναθ', ὡς ὁ καιρὸς ηὑρῆσθαι τάδε.* El. 1337. Eur. El. 684. Hec. 1042.

662. *τὴν πρώτην*] V. Kühner. ad Xen. Mem. III. 6. 10.

664. *ἐν τόποις*] Suspectum. Sed cf. Soph. Tr. 955. *γένοιτ' — αὔρα ἥτις μ' ἀποικίσειεν ἐκ τόπων* (*ἐκτόπιον*?).

665. *πανταχῇ διάριψον ὄμμα*] Lege *πανταχῇ δὲ* —. Cf. 660. 959. Eur. Iph. T. 68. *ὁρῶ, σκοποῦμαι δ' ὄμμα πανταχοῦ στρέφων.* Or. 1265. *ἑλίσσετέ νυν βλέφαρον, κόρας διάδοτε — πανταχῇ.* Theocr. 25, 214. *πάντῃ δ' ὄσσε φέρων ὀλοὸν τέρας ἐσκοπίαζον.*

666. Cf. Av. 423. *σὰ ταῦτα γὰρ δὴ πάντα, καὶ τὸ τῇδε καὶ τὸ κεῖσε καὶ τὸ δεῦρο* —. Eur. Or. 1261. *δόχμιά νυν κόρας διάφερ' ὀμμάτων | ἐκεῖθεν ἐνθάδ'* (*ἐκεῖσε κἀνθάδ'*?).

670. *παράδειγμ'*] Cf. Lucret. VI. 391. 'documen mortalibus acre.' Thuc. V. 90. *σφαλέντες ἂν τοῖς ἄλλοις παράδειγμα γένοισθε.*

673. *δείξει — πᾶσιν — σεβίζειν δαίμονας*] Cf. Eur. Tro. 1056. *κακὴ* (*κακῶς*?) *θανεῖται καὶ γυναιξὶ σωφρονεῖν | πάσαισι θήσει* (*δείξει*?).

676. *ὅσια καὶ νόμιμα*] Mox opponitur *τὰ παράνομα τά τ' ἀνόσια* v. 684. Saepissime conjungi *ὅσιος καὶ δίκαιος* et *ὅσιος καὶ νόμιμος*, praesertim apud Platonem et oratores, monuit Cobetus V. L. p. 357.

683. *γυναιξὶ καὶ βροτοῖς*] I. e. et reliquis mortalibus. Sic *ὦ Ζεῦ καὶ θεοὶ* Pl 1.

685 sq. Cf. Vesp. 1048. Cratin. 6, 2. *ὡς εὖ καὶ ταχέως ἀπετίσατο καὶ παραχρῆμα.*

687. *διεσκέφθαι*] Medio sensu usurpatur *διέσκεμμαι* Ran. 836.

688. *ἐγκαθήμενον*] Cf. 600. Vesp. 1114. Ach. 343.

689. Cf. 610. *αὕτη σὺ, ποῖ στρέφει; μέν' αὐτοῦ.* Av. 1199. *οὗτος σὺ ποῖ ποῖ ποῖ πέτει; μέν' ἥσυχος.*

692. *κέκραχθι*] Cf. Ach. 335. Vesp. 198. *ψωμιεῖς*] Cf. Lys. 19. *ἡ δὲ τὸ παιδίον κατέκλινεν, ἡ δ' ἔλουσεν, ἡ δ' ἐψώμισεν.*

695. *καθαιματώσει βωμόν*] Cf. Eur. Andr. 260. *σφάζ', αἱμάτου θεᾶς βωμόν.* Iph. T. 225. Aesch. Sept. 275.

696. *οὐ πολλὴν βοὴν στήσεσθε —;*] Cf. Soph. O. C. 1478. *ἀμφίσταται διαπρύσιος ὄτοβος.* Eur. Or. 1529. *τοῦ δὲ μὴ στῆσαί σε κραυγὴν εἵνεκ' ἐξῆλθον δόμων.* Theocr. 17, 99. *βοὰν ἐστάσατο.* Arg. Nub. I. *πληγὸς λαβὼν ὑπὸ τοῦ παιδὸς βοὴν ἵστησι* (Anglico sets up, raises).

697. *στήσεσθε — τροπαῖον*] Cf. Pl. 453. Eur. Andr. 763. *τροπαῖον αὐτοῦ στήσομαι πρέσβυς περ ὤν.*

701. *τί δὴ δέρκομαι νεοχμὸν αὖ τέρας;*] Cf. Ran. 1371. *τόδε γὰρ ἕτερον αὖ τέρας νεοχμόν.*

702. Cf. Pac. 554. *ὡς ἅπαντ' ἤδη 'στὶ μεστὰ τἀνθάδ' εἰρήνης σαπρᾶς.* Vesp. 488. *ὡς ἅπανθ' ὑμῖν τυραννίς ἐστι καὶ ξυνωμόται.*

Act. Apost. V. 28. πεπληρώκατε τὴν Ἰερουσαλὴμ τῆς διδαχῆς ὑμῶν. Philyll. 5. πάντα γὰρ ἦν μέστ' ἀνδρῶν καὶ μειρακίων πινόντων. Aesch. Pers. 603. ἐμοὶ γὰρ πάντα μὲν φόβου πλέα, etc. Plat. Conv. 223 B. θορύβου μεστὰ πάντα εἶναι. Xen. Mem. IV. 4. 5. φασὶ δέ τινες — πάντα μεστὰ εἶναι τῶν διδαξόντων.

704. τῆς ἄγαν — σιγῆς] Eadem verba Soph. Ant. 1256. Cf. Nub. 1120. Cratin. II. 122. τοῦ λίαν πότου. Men. IV. 251. ἡ λίαν τρυφή. 275. τὰ λίαν ἀγαθά. Trag. adesp. 444. τὸ λίαν συνετόν.

705. Cf. Vesp. 417. καὶ περαιτέρω] Cf. Av. 416. ἄπιστα καὶ πέρα κλύειν. Soph. Fr. 195. ὦ πᾶν σὺ τολμήσασα καὶ πέρα, γύναι. Dem. 45, 73. δεινόν, ὦ γῆ καὶ θεοί, καὶ πέρα δεινοῦ.

706. ὅστις γ'] Cf. 883.

707. Cf. Pl. 1161. καὶ τί ἔτ' ἐρεῖς; Ach. 702.

709. Cf. Eq. 1350. καὶ νὴ Δί' εἴ γε δύο λεγοίτην ῥήτορε etc.

710. Qu. ἀλλ' οὖν ἥκεις γ' ὅθεν οὐχ ἕξεις | φαύλως ἀποδρὰς _ _ ⏑ λέγειν κτλ. Cf. Antiph. 120. εἰσδυόμενος εἰς πόρκον, ὅθεν ἔξω πάλιν | οὐ ῥᾳδίως ἔξειμι τὴν αὐτὴν ὁδόν.

718. τάχ' — ἴσως] Cf. Thuc. VI. 34. τάχ' ἂν ἴσως —. VI. 10. 78.

723 sq. Cf. Pac. 945. μετάτροπος αὔρα. Nub. 812. φιλεῖ γάρ πως τὰ τοιαῦθ' ἑτέρᾳ τρέπεσθαι. Aesch. Pers. 941. δαίμων γὰρ ὅδ' αὖ μετάτροπος ἐπ' ἐμοί. Eur. El. 1147. μετάτροποι πνέουσιν αὖραι δόμων.

725. ἐπέχει] Lege ἐπάγει.

728. κληματίδας] Cf. 739. Thuc. VII. 53. 4. ὁλκάδα παλαιὰν κληματίδων καὶ δᾳδὸς γεμίσαντες. Theogn. 1360. ὥσπερ κληματίνῳ χεῖρα πυρὶ προσάγειν. ὦ Μανία] Ancillae nomen. Cf. 739. 754. Ran. 1345. Menand. 943.

729. θυμάλωπα] Cf. Ach. 321. Stratt. II. 786. θυμαλώπων — μεστὴν ἐσχάραν.

730. τὸ Κρητικὸν] Cf. Eupol. II. 560. οὐ πάνυ ταχὺ — ἀναβαλεῖ τὸ Κρητικόν;

735. ὦ θερμόταται — ὑμεῖς] Cf. Nub. 397. ὦ μῶρε σὺ καὶ Κρονίων ὄζων. Ran. 465. ὦ βδελυρὲ κἀναίσχυντε καὶ τολμηρὲ σύ. Pac. 182. Fr. 92. Com. anon. IV. 657. θερμόταται] Cf. Vesp. 918. θερμὸς γὰρ ἀνὴρ etc. Aesch. Sept. 603. ναύταισι θερμοῖς. Eum. 560. ἀνδρὶ θερμῷ. ποτίσταται] A πότης. Cf. κλεπτίστατος (a κλέπτης). Pl. 27. πλεονεκτίστατος (a πλεονέκτης) Xen. Mem. I. 1. 12.

737. καπήλοις ἀγαθὸν] Cf. Lys. 466.

739. τῇ κρόκῃ] Cf. Lys. 896. ὀλίγον μέλει σοι τῆς κρόκης φορουμένης —;

742. Lege καὶ δέκα μῆνάς (γ') αὔτ' ἐγὼ | ἤνεγκον. Cf. Menand. 413. γυνὴ κυεῖ δέκα μῆνας. Theocr. 24, 1. Ἡρακλέα δεκάμηνον ἐόντα ποχ' — Ἀλκμήνα — χαλκείαν κατέθηκεν ἐς ἀσπίδα.

743. *ἤνεγκον*] Cf. Lys. 944. Ran. 1299. Soph. O. C. 521. Fr. 608. Fr. 81. *ἐνέγκοι*. Eur. Fr. 70, 2. *ἐνεγκών*. Mosch. 8, 3. *ἐνεγκεῖν*. Soph. El. 13. *ὅθεν σε — ἤνεγκα κἀξέσωσα* (*ἤνεγκον, ἐξέσωσα*?) *κἀξεθρεψάμην*. Scilicet *ἤνεγκον* et *ἤνεγκας* dicebant Attici, ut *εἶπον* et *εἶπας*.

743. *τρικότυλον*] Cf. Fr. 399. *λήκυθον τὴν ἑπτακότυλον*. Sotad. 1, 33. *δικότυλος λήκυθος*. Theophil. 2, 1. *τετρακότυλον — κύλικα*. Alex. 64. *τρικότυλον ψυγέα*. Nicostr. 11. *τρίχους λάγυνος*.

744. *ὠναίσχυντέ, μου*] Cf. Eq. 910. *ὦ Δῆμέ, μου*.

747. *ἐκ Διονυσίων*] Cf. Theophr. Char. III. *καὶ* (*λέγειν*) *τὴν θάλατταν ἐκ Διονυσίων πλώϊμον εἶναι*.

748. *μὰ τὸν Ἀπόλλω τουτονί*] Cf. Nub. 83. *νὴ τὸν Ποσειδῶ τουτονὶ* —. Men. 740. *μαρτύρομαι ναὶ μὰ τὸν Ἀπόλλω τουτονί*.

750. *ἀποσφαγήσεται μάλ' αὐτίκα*] *ἀποσφαγήσεταί γ' αὐτίκα μάλα* Kock. Com. I. 635. Possis etiam *ἀποσφαγήσετ' αὐτίκα δὴ μάλα* (ut in Pl. 942.), sed nulla, opinor, mutatione opus est.

751. *μὴ δῆθ', ἱκετεύω σ', ἀλλὰ* —] Eadem verba Ran. 167.

752. *φιλότεκνός τις*] Cf. Pl. 726. *ὡς φιλόπολίς τίς ἐσθ' ὁ δαίμων καὶ σοφός*. Aesch. Sept. 989. *ἦ μεγασθενής τις εἶ. φιλότεκνος*] Eur. Fr. Inc. 184.

758. Cf. Av. 1644. *σοῦ γὰρ ἅπαντα γίγνεται* | *τὰ χρήμαθ'* etc.
τὸ δέρμα] Cf. Plat. com. II. 675. *ἤρω Κέλητι δέρμα καὶ θυλήματα*. Paus. I. 34. 4. *κριὸν θύσαντες καὶ τὸ δέρμα ὑποστρωσάμενοι καθεύδουσιν* etc.

761. Cf. Lys. 702. *παῖδα χρηστὴν κἀγαπητήν*. Antiph. com. III. 152. *υἱῷ γὰρ ἀγαπητῷ τι πράττων πρὸς χάριν* etc. Hipparch. 1, 3. *ἀλλ' ἢ δαπίδιον ἓν ἀγαπητὸν ποικίλον*.

764. *τοῖσιν πρυτάνεσιν* —] Cf. Eq. 300.

765. *μηχανὴ σωτηρίας*] Cf. Eur. Phoen. 890.

767. *κἄμ' εἰσκυλίσας εἰς τοιαυτὶ πράγματα*] Cf. 651. et ad Vesp. 696.

768. Cf. Pl. 1185. *οὐκοῦν τὰ νομιζόμενα σὺ τούτων λαμβάνεις;* Ubi sacerdos compellatur.

770. *ὡς ἐκεῖνος*] Sc. Oeax, Palamedis frater. V. schol. Fabulae Euripideae Palamedis supersunt fragmenta 11.

771. Schol. *ἐπιγράψαι εἰς τὰς ναῦς* (l. *πλάτας*) —.

773. *τί δῆτ' ἄν, εἰ* —;] Cf. Nub. 154. *τί δῆτ' ἄν, ἕτερον εἰ πύθοιο Σωκράτους* | *φρόντισμα;* 769. 1445. Lys. 399. *τί δῆτ' ἄν, εἰ πύθοιο καὶ τὴν τῶνδ' ὕβριν;*

774. *βέλτιον πολύ*] Cf. ad Eq. 37. Herod. I. 187. *οὐ γὰρ ἄμεινον*. III. 71. et 82.

775. *ξύλον γέ τοι καὶ ταῦτα* —] Cf. Eq. 207. *ὁ δράκων γάρ ἐστι μακρὸν, ὅ τ' ἀλλᾶς αὖ μακρόν*.

776—784. Paratragoedia haec sunt alicujus loci.

777. ἔργῳ πορίμῳ] Anglice, some efficacious contrivance.

778. Verba κήρυκας ἐμῶν μόχθων ex Euripideo dramate sumpta esse suspicor.

781 sq. Qu. τουτὶ τὸ ῥῶ (ῥῶ ὡς?) μοχθηρόν· | χώρει χώρει. ποίαν αὔλακα; (vel οἵαν — αὔλακα!).

782. αὔλακα] Cf. Av. 1400. ἁλίμενον αἰθέρος αὔλακα τέμνων.

783. βάσκετ'] Forma epica. Cf. Hom. Il. 15, 158. ἐπείγετ'] Cf. Eubul. 15, 11. ἔπειγ' ἔπειγε.

784. κείνῃ, ταύτῃ] Cf. Trag. adesp. 115. ποίαν δῆθ' ὁρμάσω; ταύταν ἢ κείναν; κείναν ἢ ταύταν; Eur. Hec. 165.

786. Cf. Men. IV. 229. ἀνάγκη γὰρ γυναῖκ' εἶναι κακόν, | ἀλλ' εὐτυχὴς ἐσθ' ὁ μετριώτατον λαβών.

787. ὡς πᾶν ἐσμεν κακὸν ἀνθρώποις] Cf. Ach. 909. Av. 430. παιπάλημ' ὅλον (pro ὅλος). Soph. Phil. 927. ὦ πῦρ σὺ καὶ πᾶν δεῖμα. Eur. Fr. 463, 3. εἰ δέ τις κυρεῖ | γυναικὸς ἐσθλῆς, εὐτυχεῖ κακὸν λαβών. Fr. 1059, 4. ἀλλ' οὐδὲν οὕτω δεινὸν ὡς γυνὴ κακόν.

788. στάσις ἀργαλέα] Cf. Ran. 1532. ἀργαλέων τ' ἐν ὅπλοις ξυνόδων. Solon. El. 4, 38. παύει δ' ἀργαλέης ἔριδος χόλον.

790. ἐκκύψασαν] Sc. τινὰ ἡμῶν. Cf. 798.

792. γύναιον] Cf. Vesp. 610. Men. IV. 189. Philippid. IV. 468.

795. ἐν ἀλλοτρίων] Cf. Lys. 407. ἐν τῶν δημιουργῶν. καταδάρθωμεν] Non necessario de nocturno somno hoc verbum accipiendum esse monet Kock. Scilicet mulieres laboribus domesticis aut ludendo defessae somno diurno indulgebant. κοπιῶσαι] Defatigatae. Cf. Fr. 302, 8. γυναιξὶ κοπιώσαισιν ἐπικουρήσατε. 499. ὁπηνίκ' ἄτθ' ὑμεῖς κοπιᾶτ' ὀρχούμενοι. Av. 734. κοπιᾶν. Alex. III. 451. κοπιῶ τὼ σκέλη.

797. θυρίδος] Cf. Vesp. 379.

799. παρακῦψαν] Cf. Theocr. III. 6. ὦ χαρίεσσ' Ἀμαρυλλὶ, τί μ' οὐκέτι τοῦτο κατ' ἄντρον | παρκύπτοισα καλεῖς τὸν ἐρωτύλον; ἦ ῥά με μισεῖς;

800. βάσανος δὲ πάρεστιν ἰδέσθαι] Cf. Ephipp. III. 334. κἂν κάραβός τις ᾖ λαβεῖν. Aesch. Pers. 419. θάλασσα δ' οὐκέτ' ἦν ἰδεῖν. Dobr. ad Pl. 48. βάσανός τε — vulg. Lege βάσανος δὲ —.

801. φαμεν ὑμᾶς] Sub. εἶναι χείρους.

802. Cf. Ran. 964. γνώσει δὲ τοὺς τούτου τε κἀμοὺς ἑκατέρου μαθητάς Xen. Mem. III. 4. 7. ἐξετάσωμεν τὰ ἔργα ἑκατέρου αὐτῶν.

804. Ναυσιμάχης] Cf. Philem. IV. 20. τὰς Ἱππονίκας τάσδε καὶ Ναυσιστράτας. (Λυσ. Suid.). Similia nomina sunt Ναυσικράτης, Ναυσίνικος (Alex. 116, 1.), Ναυσικάα.

805. καὶ μὲν δὴ καὶ —] Cf. Eq. 765. Soph. Fr. 165. ἀλλ' οὐδὲ μὲν δή. Thuc. III. 113. καὶ μὲν δὴ τούτοις γε — ἐμαχόμεθα. Schol. Vesp. 1436. καὶ μὲν δὴ ἡ γαστὴρ τοῦ βοός (ἐχῖνος).

806. Ἀριστομάχην] Quasi ἀρίστην μάχην. Ἀριστομάχη Dionis uxor memoratur Aelian. V. H. XII. 47. Similiter Trag. adesp. 70.

λαβὼν ἀριστόνικον ἐν μάχῃ κράτος. Sic *Ἀνδρομάχη* (*ὡς ἀνδρὶ μαχομένη*) Eur. Fr. 1079. *τὴν Μαραθῶνι*] Sub. *μάχην*. Cf. Eupol. II. 457. *μὰ τὴν Μαραθῶνι τὴν ἐμὴν μάχην.* Plat. Gorg. 516 E. *Μιλτιάδην δὲ τὸν ἐν Μαραθῶνι εἰς τὸ βάραθρον ἐμβαλεῖν ἐψηφίσαντο.* Menex. 241 A. *τοὺς Μαραθῶνι.* Cf. Eq. 785. *ἵνα μὴ τρίβῃς τὴν ἐν Σαλαμῖνι.*

808. *τῶν πέρυσιν* —] Cf. Cratin. II. 64. *τὴν πέρυσι βουλήν.*

811. *κατὰ πεντήκοντα τάλαντα*] Eadem verba sunt Vesp. 669. Cf. Eq. 435. *τάλαντα πολλὰ κλέψας Ἀθηναίων.*

813. *φορμὸν πυρῶν*] Cf. Pl. 442. Alex. III. 525. *φορμὶς ἰσχάδων.* Herod. VIII. 71. *φορμοὶ ψάμμου πλήρεες.*

814. *τούτων*] Sc. *τῶν ἀνδρῶν.* Cf. 824.

822. *τἀντίον, ὁ κανὼν*] Sic Ephipp. III. 330. *κωβιός* (*κωβιοί*?), *ἀφύαι, βελόναι, κεστρεῖς.* et ad Ran. 1525.

825. *Σαλαβακχοῦς*] Cf. Eq. 765. *Κύνναν καὶ Σαλαβακχώ.*

830 sq. *ἐν δίκῃ — δικαίως*] Cf. Nub. 1379 sq. De duplici *ἂν* cum optativo cf. Pac. 321. Lys. 253.

831. *ἓν δ' ὑπερφυέστατον*] Cf. Ran. 611. Lys. p. 178, 40. *τὸ δὲ πάντων ὑπερφυέστατον.*

834. *Σκίροις*] Cf. Eccl. 18. 59. Pher. 231.

835. *σκάφιον ἀποκεκ.*] Cf. v. *σκαφιόκουρος* (Phot. p. 517, 15.).

838. *σκάφιον ἀποκεκαρμένην*] Cf. Av. 868. Lys. 151. Nicostr. com. III. 289. *μειράκιον — ὑποσκαφιόκαρτον.* Soph. Fr. 420. *Σκυθιστὶ χειρόμακτρον ἐκκεκαρμένος* (l. *ἀποκ.*).

839. *τῷ γὰρ εἰκὸς —;*] Cf. ad Ach. 703.

840. *ἠμφιεσμένην λευκὰ*] Cf. Ach. 1024. *λευκὸν ἀμπέχει* (sc. *ἱμάτιον*).

841. Cf. Eccl. 99. *τὸν πώγωνά τε | ὅταν καθῶμεν.* Cratet. Fr. 27, 2. *μέχρι τῶν κοχωνῶν* (*ἐπὶ κοχ.* vulg.) *τὰς τρίχας καθειμέναι.* Plut. Phoc. 10. *πώγωνά τε καθειμένος ὑπερφυῆ μεγέθει καὶ τρίβωνα φορῶν* etc. Nymphodor. apud schol. Soph. O. C. 337. *τὰς δὲ γυναῖκας ἀνιέναι* (*καθιέναι*?) *τὰς τρίχας προσέταξε.* Ach. 1069. *τὰς ὀφρῦς ἀνεσπακώς.* Ephipp. 14, 7. *εὖ δ' ὑποκαθιεὶς ἄτομα πώγωνος βάθη.* Philetaer. III. 300. *ἀμφὶ δὲ τοῖς* (?) | *στέρνοισι* (*σφυροῖσι*?) *φᾶρος οὐ καθήσεις, ὦ τάλαν, —;* Eur. Bacch. 695. *καθεῖσαν εἰς ὤμους κόμας.* Iph. T. 51. *ἐκ δ' ἐπικράνων κόμας | ξανθὰς καθεῖναι.* Theocr. 15, 85. *πρᾶτον ἴουλον ἀπὸ κροτάφων καταβάλλων.* 16, 134. *λύσασαι δὲ κόμαν καὶ ἐπὶ σφυρὰ κόλπον ἀνεῖσαι.* Dem. 19, 314. *θοἰμάτιον καθεὶς ἄχρι τῶν σφυρῶν.* Plat. Lys. 1. *πώγωνα καθει μένου γενναῖον.* Lucian. D. D. V. 2. *ὁ πώγωνα τηλικοῦτον καθειμένος.* Dion. Cass. 62, 2. *τήν τε κόμην — μέχρι τῶν γλουτῶν καθεῖτο.* Musonius Stob. 6, 62. *τὰ μέν τινα μέρη πλέκουσι τῶν τριχῶν, τὰ δὲ καθιᾶσι.* Schol. Ran. 965. *δασὺς δὲ ἦν καὶ καθίει τὸν πώγωνα.*

844. *τὰ χρήματ'*] Sc. *τὰ ἀρχαῖα.*

846. ἰλλὸς] I. e. στρεβλὸς, στραβὸς, διεστραμμένος (Etym. M. 342, 38.). Cf. Sophron. Fr. 22 b. ἰλλοτέρα τῶν κορωνᾶν. Plat. Mem. V. 3. 6. ὁ δ' οὐδέπω] Sub. φαίνεται.

848. τὸν Παλαμήδην — αἰσχύνεται] Cf. ad Pl. 436. Fr. 487. τὴν γυναῖκα δὲ | αἰσχύνομαι τώ τ' οὐ φρονοῦντε παιδίω.

850. τὴν καινὴν Ἑλένην] I. e. recenter doctam fabulam Helenam.

851. ὑπάρχει] Cf. 1013. 984. Vesp. 770. Av. 935. Lys. 495. Eccl. 114. Xen. Symp. VIII. 40. τὰ μέγιστα γάρ σοι ὑπάρχει· εὐπατρίδης εἶ, ἱερεὺς θεῶν etc. Thuc. V. 83. ὑπῆρχε δέ τι αὐτοῖς καὶ ἐκ τοῦ Ἄργους αὐτόθεν πρασσόμενον. Dem. p. 32, 10. τοῦτ' οὖν δεῖ προσεῖναι· τὰ δ' ἄλλα ὑπάρχει.

852. τί αὖ σὺ —;] Cf. ad Vesp. 942. οὐκ αὖ σὺ —; κοικύλλεις] Cf. v. μοιμύλλω.

853. πικρὰν —] Cf. Av. 1468. πικρὰν τάχ' ὄψει στρεψοδικοπανουργίαν. 1045. Fr. 491. Eubul. 120, 6. πικρὰν στρατείαν εἶδον.

855. καλλιπάρθενοι ῥοαὶ] Cf. Nub. 1025. καλλίπυργον σοφίαν.

856. δίας ψακάδος] Cf. Ran. 246. Διὸς — ὄμβρον. Αἰγύπτου πέδον — νοτίζει] Cf. Theocr. XVII. 79. ἀλλ' οὔτις τόσα φύει ὅσα χθαμαλὰ Αἴγυπτος | Νεῖλος ἀναβλύζων διερὰν ὅτε βώλακα θρύπτει. Aesch. Prom. 852. ὅσην πλατύρρους Νεῖλος ἀρδεύει χθόνα. Pers. 486. Μηλιᾶ τε κόλπον, οὗ | Σπερχειὸς ἄρδει πεδίον εὐμενεῖ ποτῷ.

857. λευκῆς] Nonne λευρᾶς (planae, late patentis)? νοτίζει] Cf. Plat. Tim. 74 C. νοτιζομένην (νοτίδα).

858. Cf. Lys. 443. 738. Fr. 657. Bl. φωσφόρος Ἑκάτη. Antiph. 58, 6. νὴ τὴν φωσφόρον. Eur. Fr. 968. Ἑκάτης ἄγαλμα φωσφόρου.

860. ὤλεθρε] Cf. Eccl. 934. Lys. 325. ὄλεθροι γέροντες. Dem. de Cor. 39. ὄλεθρος γραμματεύς. Philipp. III. 7. ὀλέθρου Μακεδόνος.

863. γυναικίσεως] γυναίκισις formatum ut βάδισις Vesp. 1171.

868. Cf. Eur. Hel. 293. τί δῆτ' ἔτι ζῶ; τίν' ὑπολείπομαι τύχην; 56. τί δῆτ' ἔτι ζῶ; θεοῦ τόδ' εἰσήκουσ' ἔπος. τῶν κοράκων πονηρίᾳ] Cf. Hor. Epist. I. 16. 49. 'Non pasces in cruce corvos'. et Anthol. Append. 129. ἔγκειμαι μέγα δεῖπνον ἀμετροβίοις κοράκεσσιν.

869. Ex tragoedia haec sumpta esse probabile facit ἐμὴν sine articulo positum. ὥσπερ] Anglice, as it were. Cf. Nub. 1276. Vesp. 395. Pac. 234. Plat. Phaedr. 260 E. ὥσπερ ἀκούειν δοκῶ τινῶν προσιόντων λόγων. αἰκάλλει] Cf. ad Eq. 211. καρδίαν ἐμήν] Notanda est articuli omissio ante ἐμήν. Cf. Ach. 1232. σὴν χάριν. Fortasse παρατραγῳδεῖ.

870. Cf. Eur. Hec. 225. Hel. 315. 1233. Iph. A. 725. Ion. 1029. Cycl. 131. Fr. 647. μὴ ψεῦσον] Cf. Soph. apud schol. (Fr. 453 N.) μὴ ψεῦσον (ψεῦδέ μ'?), ὦ Ζεῦ, μή μ' ἕλῃς ἄνευ δορός. Schol. οἶσθ' ὃ (l. ὅ τι, cf. schol. Hec. 229.) ποίησον.

872. ὅστις ξένους δέξαιτο] Qui hospites excipiat. Anglice, to entertain etc. ποντίῳ σάλῳ κάμνοντας] Lege — καμόντας. Cf. Aesch. Sept. 210. νεὼς καμούσης ποντίῳ πρὸς κύματι (ποντίων

πρὸς κύματων?). Verba *ποντίῳ — ναυαγίαις* Euripidis esse suspicatur Nauck.

876. *Πρωτέας*] Ludit in nominibus similibus *Πρωτεὺς* et *Πρωτέας*. Dux Atheniensium *Πρωτέας* memoratur Thuc. II. 23. Cum *Πρωτέας* confer nomen *Ἀριστέας*.

877. *ἀλλ' — γοῦν*] Cf. Lys. 877.

878. *ὦ δύστηνος οἳ πεπλεύκαμεν*] Cf. Vesp. 187.

880. *ληροῦντι λῆρον*] Cf. Pl. 517. *λῆρον ληρεῖς*.

885. *ἐτυμβεύθη τάφῳ*] Cf. Soph. Aj. 1063. *σῶμα τυμβεῦσαι τάφῳ*. Eur. Hel. 1245.

887. *κἀξολεῖ γ' ἔτι*] Anglice, And, what is more, you will perish. Cf. Nub. 1236. *ἀπόλοιο τοίνυν ἕνεκ' ἀναιδείας ἔτι*. Soph. Phil. 1035. *κακῶς ὄλοισθ', ὀλεῖσθε δ' ἠδικηκότες*. El. 471. Eur. Hel. 57. Aesch. Prom. 518.

889—891. Tragoediam haec spirant.

889. Cf. Eur. Herc. 1214. *τὸν θάσσοντα δυστήνους ἕδρας*. "Dubitari potest utrum ex tragoedia haec repetita sint an ad similitudinem tragoediae ab Aristophane ficta." (Nauck. p. 660.).

891. *συμμῖξαι*] Cf. Dem. p. 675. *ἡμῶν — εἰς Πέρινθον ὁρμισαμένων — ὅπως συμμίξαιμεν αὐτῷ*.

895. Cf. Eur. El. 902. *μή μέ τις ψόγῳ βάλῃ*. Soph. Aj. 1244. *κακοῖς βαλεῖτε*. Tr. 940. *ὥς νιν ματαίως αἰτίᾳ βάλοι κακῇ*. Etiam hic versus tragici coloris est, aut Euripidis aut ad imitationem ejus compositus.

897. Cf. Eccl. 46. *τὴν Σμικυθίωνος — Μελιστίχην*.

898. *εἰ μὴ — γ'*] Cf. Eq. 186. Av. 1681. Th. 898. Lys. 942. *Γαργηττόθεν*] *Γαργηττοῖ* est Strab. VIII. p. 377.

900—902. 904. 913—915. Tragoediam etiam haec redolent.

904. Cf. Eur. Herc. 515. *οὐκ οἶδα, θύγατερ· ἀφασία δὲ κἄμ' ἔχει*.

910. Cf. Eupol. II. 466. *οὐκ ἔχω τί λέξω*. Com. adesp. 470. *ὄναρ λέγεις ἢ γρῖφον ἢ οὐκ ἔχω τί φῶ*.

912. *ὦ χρόνιος ἐλθὼν σῆς δάμαρτος ἐς χέρας*] Cf. Pac. 317. Cratin. 222. *χρονία μὲν ἥκεις, ὅμως δ' ἦλθες* etc. Alex. com. III. 518. *ὦ δέσποθ', ὑγίαιν', ὡς χρόνιος ἐλήλυθας*. Theocr. XIV. 2. *ὡς χρόνιος*.

915. *φέρε σε κύσω*] Qu. *φέρ' ἐγὼ κύσω σ'*. Cf. Soph. O. R. 1340.

920. *οἴμ' ὡς —*] Cf. Ach. 1117. Nub. 1238. *πανοῦργος καὐτὸς*] Cf. Ran. 546. *ἅτ' ὢν αὐτὸς πανοῦργος*.

921. *τοῦδε — ξύμβουλος*] Cf. ad Av. 209.

922. *ἠγυπτιάζετ'*] Cf. Cratin. 378. *αἰγυπτιάζειν*. Clem. Alex. Paed. III. 2. 5. *αἰγυπτιάζουσι ὡς ἀληθῶς ἐπισπᾶσθαι τοὺς δεισιδαίμονας ἐραστάς*. Theocr. 15, 47. *οὐδεὶς κακοεργὸς | δαλεῖται τὸν ἰόντα παρέρπων Αἰγυπτιστί*. Propert. IV. 10. 33. 'Noxia Alexandria, dolis aptissima tellus.' Alio sensu verbum *αἰγυπτιοῦν* legitur

Trag. adesp. 133. ὅδε μὲν] Hic quidem (saltem). Sed legendum forsan ὅδε μοι.

924. ὑπαποκινητέον] Cf. Av. 1011. ὑπαποκίνει τῆς ὁδοῦ. Xen. Ven. 8, 4. ὑποκινεῖν εἰς τὸ πρόσθεν. Confer ὑπαποτρέχειν Eccl. 284.

928. Cf. Vesp. 175. Eur. El. 582. ἣν ἐκσπάσωμαί γ' ὃν μετέρχομαι βόλον. Thugenid. 5. ἀνέσπακεν (i. e. ἀνεύρηκεν, εἴληφεν, Suid.). μήρινθος] A μηρύεσθαι (Theocr. I. 29. etc.).

930. δῆσον αὐτὸν — ἐν τῇ σανίδι] Cf. 940. 1165. Herod. VII. 33. ζῶντα πρὸς σανίδα προσδιεπασσάλευσαν. IX. 120. Aesch. Prom. 15. δῆσαι — φάραγγι πρὸς δυσχειμέρῳ.

931. Cf. 940. Hom. Od. 14, 174. σανίδας δ' ἐκδῆσαι ὄπισθεν.

935. ἱστιορράφος] I. e. δι' ἱστίων δόλον ῥάπτων. Similiter τρυγοδαίμων (quasi τρυγῳδὸς κακοδαίμων) Nub. 296. Cf. μηχανορράφος (Soph. O. R. 387. μηχανορράφος κακῶν Eur. Andr. 447. 1116.), νευρορράφος (Eq. 739.), κακορράφος. Alex. 98, 2. ῥάπτουσι δὲ | πᾶσιν ἐπιβουλάς. Sic ῥάπτειν κακὰ (Hom. Od. 3, 118.), φόνον (Eur. Andr. 839. 911.), μόρον (Iph. T. 681.), δόλους (Phocyl. 4.). Cf. etiam verba δικορραφεῖν et μηχανορραφεῖν. Vela ab Aegyptiis emere solitos esse Graecos monuit Velsen.

936. Cf. Eq. 1083. τὴν τούτου χεῖρ' ἐποίησεν | Κυλλήνην ὀρθῶς ὁτιή φησ', Ἔμβαλε κυλλῇ.

939. τί σοι χαρίσωμαι;] Cf. Demosth. III. 22. τί ὑμῖν χαρίσωμαι;

941. Cf. Av. 1379. τί δεῦρο πόδα σὺ κυλλὸν ἀνὰ κύκλον κυκλεῖς; Schol. Αὐτολύκῳ θατέρῳ (leg. δευτέρῳ).

951. ἐς τὰς ὥρας] Cf. Ran. 380. ἐς τὰς ὥρας. Nub. 562. ἐς τὰς ὥρας τὰς ἑτέρας. Theocr. XV. 74. κεἰς ὥρας κἤπειτα, φίλ' ἀνδρῶν, ἐν καλῷ εἴης.

954. Cf. Anacr. Fr. 75. κοῦφά τε σκιρτῶσα παίζεις.

958. κυκλοῦσαν ὄμμα] Cf. Eur. Phoen. 367. δι' ἄστεως | κυκλῶν πρόσωπον ἦλθον. χοροῦ κατάστασιν] Cf. Aesch. Ag. 23. χορῶν κατάστασιν. et ad Nub. 271.

961. γέραιρε] Cf. Xen. Oecon. IV. 8. καὶ ἕδραις ἐντίμοις γεραίρει.

968 sq. Cf. Eur. Tro. 332. χόρευε, μᾶτερ, ἄναγε, πόδα σὸν ἕλισσε τᾷδ' ἐκεῖσε μετ' ἐμέθεν ποδῶν | φέρουσα φιλτάταν βάσιν.

968. εὐκύκλου χορείας] Cf. Ran. 441. χωρεῖτε νῦν ἱερὸν ἀνὰ κύκλον θεᾶς — παίζοντες.

969. τὸν εὐλύραν] Cf. Eur. Alc. 570. ὁ Πύθιος εὐλύρας Ἀπόλλων.

972. ὄπαζε] Cf. Eq. 200. μέγα κῦδος ὀπάζει (orac.).

975. ἐμπαίζει] ἐμπαίζειν, sed alio sensu (καταγελᾶν), est Fr. 108 c.

977. Cf. 312. θεῶν γένος λιτόμεσθα ταῖσδ' ἐπ' εὐχαῖς φανέντας ἐπιχαρῆναι (χαρέντας ἐπιφανῆναι?).

985. εὐρύθμῳ ποδί] Cf. Pl. 759.

988. *κισσοφόρε* —] Cf. Ran. 1249. *τὸν Βακχεῖον ἄνακτα.* Pratinam apud Athen. p. 617 F. *θριαμβοδιθύραμβε κισσοχαῖτ' ἄναξ.*

991. *Σεμέλας παῖ*] Cf. Alcaeum Fr. 41. *οἶνον γὰρ Σεμέλας καὶ Διὸς υἱὸς — ἀνθρώποισιν ἔδωκε.*

995. *κτυπεῖται*] Cf. Pl. 758. *ἐκτυπεῖτο δὲ | ἐμβὰς γερόντων εὐρύθμοις προβήμασιν.*

996. *Κιθαιρώνιος ἠχὼ*] Cf. Suid. v. *τελενεικίσαι: — καὶ λέγεταί τις Τελενίκειος (Τελενίκιος?) ἠχώ.*

997. *μελάμφυλλά τ' ὄρη*] Cf. Soph. O. C. 482. *γῆ μελάμφυλλος.* Pind. P. 1, 28. *Αἴτνας ἐν μελαμφύλλοις — κορυφαῖς.*

1001. Cf. Pl. 1129. *ἀσκωλίαζ' ἐνταῦθα πρὸς τὴν αἰθρίαν.* 724. *ἐνταῦθα νῦν κάθησο καταπεπλασμένος.*

1006. *σῖγα*] Cf. Ach. 238. *σῖγα πᾶς.* Eur. Hec. 530. *σῖγα πᾶς ἔστω λεώς.*

1013. *δῆλον οὖν* —] Cf. Pac. 1048. *δῆλός ἐσθ' οὗτός γ' ὅτι | ἐναντιώσεται* etc. Pl. 333.

1015. "Schol. *τὰ δὲ ἐπιφερόμενα πρὸς τὸ αὐτὸ χρήσιμον (χρήσιμα?).* Itaque etiam verbis *πῶς ἂν ἐπέλθοιμι* Euripidea subesse videntur; quid mutaverit Aristophanes nescimus." (Nauck. Trag. p. 314.).

1018. *προσαυδῶ σὲ* —] Cf. Eur. Suppl. 804. *προσαυδῶ σὲ τὸν θανόντα.*

1019. *ἀπόπαυσον, ἔασον, Ἀχοῖ, με σὺν φίλαισιν* uno versu Nauck., quibus responderint verba *συνάλγησον, ὡς ὁ κάμνων | δακρύων μεταδοὺς ἔχει κουφότητα μόχθων* (Eur. Fr. 119.).

1024. *γραῖαν — σαπράν*] Cf. Eccl. 884. 926. 1098. Lys. 378. Pac. 698. *γέρων ὢν καὶ σαπρός.* Pl. 1086. Philem. IV. 58. *σαπρὰν γυναῖκα — ὁ τρόπος εὔμορφον ποιεῖ.* *τὴν γραῖαν*] Cf. Theocr. VI. 40. *ἃ γραία* (sic). II. 91. *γραίας.*

1028. *κόραξι δεῖπνον*] Cf. Aesch. Suppl. 809. *ὄρνισι δεῖπνον οὐκ ἀναίνομαι πέλειν.* Plaut. Rud. II. 6. 29. 'Piscibus in alto, credo, praebent prandium.'

1029—1041. et mox 1047—1055. Hoc canticum maximam partem ex Euripideo dramate expressum videtur. V. schol. ad 1030. 1034. 1040. Quid tamen mutaverit Comicus definire non audemus.

1033. *κήτει βορὰ — πρόκειμαι*] Cf. Av. 348. *καὶ δοῦναι ῥύγχει φορβάν.* Eur. Fr. 121. *ἐκθεῖναι κήτει φορβάν.* Plat. com. 56. *σὲ γάρ, γραῦ, συγκατῴκισεν σαπρὰν | ὀρφῷσι — βοράν.*

1038. Si ex Andromeda haec sumpta sunt, *τάλαιν' ἐγὼ τάλαινα* scriptum fuisse suspicatur Nauck. Trag. p. 316. Sed quid mutaverit Comicus definire periculosum est. Si hic versus Andromedae Euripideae verba refert, *τάλαιν' ἐγὼ τάλαινα* exspectes, et v. 1051. *τὰν δύσμορον ἐξολέσειεν,* ut monuit Nauck.

1041. πολυδάκρυτον — γόον] Cf. Aesch. Cho. 449. πολύδακρυν γόον. γόον φλέγουσαν] Cf. Soph. Aj. 196. ἄταν οὐρανίαν φλέγων. Eur. Ph. 248. αἷμα δάϊον φλέγει.

1043. ἀπεξύρησε] Cf. Herod. V. 35. ἀποξυρήσας τὴν κεφαλήν.

1044. κροκόεντ'] κροκωτὸν intellige. Cf. Pind. Nem. I. 38. κροκωτὸν σπάργανον. Pyth. IV. 232. κρόκεον (κροκόεν?) εἷμα. Sic ποικίλα Pl. 1199.

1047. ἄτεγκτε δαίμων] Lege ἄτεγκτε δαῖμον.

1048. ὦ κατάρατος ἐγώ] Cf. Eur. Androm. 838. ἃ κατάρατος ἐγώ. ἐπόψεται πάθος] Cf. Aesch. Fr. 191, 3. δεσμοῦ τε πάθος τόδ' ἐποψόμενοι.

1049. πάθος ἀμέγαρτον] Cf. Eur. Hec. 193. ἀμέγαρτα κακῶν. Aesch. Prom. 401.

1052. ἀθανάταν φλόγα] Cf. ad Nub. 289. ἀθανάτας ἰδέας.

1054. λαιμότμητ' ἄχη δαιμονῶν] Qu. — δαιμόνι'. Cf. Aesch. Pers. 581. δαιμόνι' ἄχη. Eur. Iph. A. 776. λαιμοτόμους κεφαλὰς σπάσας. Mnesim. 4, 16. διαλαιμοτομεῖθ' ὑπὸ τῶν ἔνδον.

1058. Versus ex Andromeda Euripidis sumptus, ut 1110. 1101. Cf. ad 1110.

1059. ἐπικοκκάστρια] Cf. Eq. 697. περιεκόκκασα. Eust. οἷον καὶ τὸ ἐπικοκκάζειν ὕβρει. Ἠχὼ λόγων ἀντῳδὸς] Ex Euripide, ni fallor, depromptum. Cf. Hor. Od. I. 12. 3. 'Cujus recinet jocosa nomen imago (sc. echo).'

1063. ἐπικλάειν] Hinc ἐπίκλαυτος Ran. 683.

1067. νῶτα διφρεύουσ' αἰθέρος ἱερᾶς] Cf. Soph. Aj. 845. σὺ δ', ὦ τὸν αἰπὺν οὐρανὸν διφρηλατῶν | Ἥλιε.

1070. περίαλλα] Cf. Hom. H. Pan. 46. περίαλλα δ' ὁ βάκχειος Διόνυσος (ἐτέρφθη). Theocr. XII. 28. Soph. Fr. 224, 3. οὓς Θαμύρας περίαλλα μουσοποιεῖ.

1071. ἐξέλαχον] Lege ἐξέλαχεν.

1072. Euripides scripserat θανάτου τλήμων | μέλλουσα τυχεῖν. V. schol. 1072. Schol. λείπει "μέλλουσα τυχεῖν."

1073. Cf. Eccl. 775. Agath. Fr. 13, 1. ἀπολεῖς μ' ἐρωτῶν.

1075. εἰσήρρηκας] Cf. Eq. 4. ἐξ οὗ γὰρ εἰσήρρησεν εἰς τὴν οἰκίαν, etc.

1079. βάλλ' ἐς κόρακας] Cf. Vesp. 835. Pl. 782. Fr. 462, 2.

1080. 1085. Cf. 610. τί τὸ κακόν; Pac. 322. Av. 1213. Fr. 505.

1086. Cf. 51. τίς ὁ φωνήσας;

1092. καὶ δὴ φεύγει] Cf. Pac. 327. καὶ δὴ πέπαυμαι. Lys. 925. καὶ δὴ 'κδύομαι. φεύγει] Qu. πεύγει, et mox πεύγεις.

1097. λάλο] Cf. Epigr. apud Brunck. II. 95. παντοίων στομάτων λάλον εἰκόνα, ποιμέσιν ἡδὺ | παίγνιον (sc. ἠχώ).

1100. τέμνων κέλευθον] Sic αἰθέρος αὔλακα τέμνειν Av. 1400. πόδα τίθημ' ὑπόπτερον] Cf. Eur. Iph. T. 32. Θόαν, ὃς ὠκὺν πόδα τιθεὶς ἴσον πτεροῖς (ὑπόπτερον?).

1101. Versus ex Andromeda Euripidis sumptus, ut et 1058.
1110. Cf. ad 1110. *τὸ Γοργοῦς κάρα*] Cf. Eur. Or. 1521. *τὸ Γοργοῦς — κάρα*. Herod. II. 91 8. *τὴν Γοργοῦς κεφαλήν*.

1105. Verba *παρθένον — ὡρμισμένην* ex Andromeda derivata esse non crediderit Nauck. Trag. p. 316.

1106. *ναῦν ὅπως*] Cf. Soph. Fr. 382. *σπίζ' ὅπως*. Soph. Fr. 286, 1. *πουλύπους ὅπως*. Anacreont. 32. *βασιλεὺς ὅπως ἀείδεις*. *ὡρμισμένην*] Cf. Eur. Herc. 1094. *ναῦς ὅπως ὡρμισμένος*.

1107. Ad Adromedam jure haec refert Matthiae.

1108. *λῦσόν με δεσμῶν*] Lege *λῦσόν τε δεσμῶν*.

1109. Cf. 1097. Eccl. 949. *ἐξηπάτηκα τὸ κατάρατον γρᾴδιον*.

1110. Versus haud dubie ex Andromeda Euripidis sumptus, ut et 1058. 1101. Post h. v. adjungit Nauckius v. 1058. *σὺ δ' εἶ τίς ὅστις τοὐμὸν ᾤκτειρας πάθος;* et v. 1101. *Περσεὺς πρὸς Ἄργος ναυστολῶν* (exclusis ut huic loco minime aptis verbis *τὸ Γοργόνος | κάρα κομίζων*). Versus 1110. et 1058. jam Barnesius conjunxerat.

1114. *μή τι —;*] Cf. Aesch. Prom. 959. *μή τί σοι δοκῶ | ταρβεῖν —;*

1119. *περιεστραμμένον*] Lege *περιεστραμμέν' ἦν*.

1120. Lege *οὐκ ἐπτόνησ' ἄν σ' αὐτὸ πυγίζειν ἐγώ*. Locutio *πυγίζειν τινὰ* legitur Theocr. V. 41. Athen. X. 451 B.

1122. Cf. Eur. Med. 1338. *εὐνῆς ἕκατι καὶ λέχους σφ' ἀπώλεσας*. Soph. Tr. 920. *ὦ λέχη τε καὶ νυμφεῖ' ἐμά*. Eur. Tro. 745. *ὦ λέκτρα τἀμὰ δυστυχῆ τε καὶ γάμοι*. Ion. 1092. *πεσεῖν ἐς εὐνὴν —*] Versus Euripideus, ex Andromeda fortasse sumptus.

1128. Versus tragoediam spirans ut et v. 1215.

1129. *ἐνδέξαιτο*] Sub. *λόγους*. Cf. Moschion. 5, 1. *μόνον σὺ θυμοῦ χωρὶς ἔνδεξαι λόγους | οὓς σοι κομίζω*.

1130. *καινὰ προσφέρων σοφὰ*] Cf. Soph. Fr. 702. Eur. Med. 298. Iph. T. 112. *πάσας προσφέροντε μηχανάς*.

1132. *μηχανὴν προσοιστέον*] Cf. Nub. 479.

1133. *ἐπιτήκιζε*] Cf. Vesp. 1290.

1136 sq. Cf. Nub. 563 sq. Eq. 559. Fr. 334.

1139. *ἄζυγα κούρην*] Cf. Theocr. XXVII. 7. *ἄζυγα κώραν*.

1140. *ἣ πόλιν ἡμετέραν ἔχει*] Cf. Nub. 601. *ἥ τ' ἐπιχώριος ἡμετέρα θεὸς — πολιοῦχος Ἀθάνα*. 569. Eq. 581. Av. 827. Ran. 1501. *καὶ σῷζε πόλιν τὴν ἡμετέραν*.

1143 sq. Versus bacchiaci sive bacchei (*βακχεῖοι*) glyconeis interpositi, ut in Eur. Suppl. 993. Ion. 190.

1145. *δῆμός τοί σε καλεῖ*] Cf. Av. 406. *ἰὼ ἔποψ, σέ τοι καλῶ*. *δῆμος — γυναικῶν*] Cf. 335.

1150. *οὗ δὴ*] Cf. Aesch. Prom. 814. Soph. O. R. 1263. Soph. Fr. 778, 2. *οὗ δὴ μόνον τίκτουσιν αἱ θνηταὶ θεούς*. Eur. Iph. A. 57. Sic *ἵνα δὴ* Pac. 900. *ἔνθα δὴ* Eur. Med. 68. *ὅθι δὴ* Iph. A. 548.

1157. Cf. Eq. 591. *δεῖ γὰρ — πορίσαι σε νίκην εἴπερ ποτὲ καὶ νῦν.* Aesch. Ag. 520. *εἴ που πάλαι φαιδροῖσι τοισίδ' ὄμμασι | δέξασθε κόσμῳ* (l. *καὶ νῦν*) *βασιλέα πολλῷ χρόνῳ.* Thuc. VII. 70. *καὶ περὶ τῆς ἐς τὴν πατρίδα σωτηρίας νῦν εἴ ποτε καὶ αὖθις προθύμως ἀντιλαβέσθαι* (*ἐπιβοῶντες*). Dem. p. 716. *ἄξιον δὲ, εἴπερ περί του καὶ ἄλλου, καὶ περὶ τοῦδε — διελθεῖν.* Aelian. V. H. II. 13. *τοῦτο συνέβη εἴποτε ἄλλοτε καὶ τότε τῷ θεάτρῳ.*

1162. Saepius apud Herodotum occurrunt *οὐδαμὰ* (al. *οὐδαμᾶ*) et *μηδαμά* (al. *μηδαμᾶ*).

1163. *ἐπικηρυκεύομαι*] Cf. Thuc. VIII. 80. *τὸ Βυζάντιον ἐπεκηρυκεύετο αὐτοῖς ἀποστῆναι* (l. *ἀποστῆσαι*).

1174. *δίελθε*] Cf. ad Vesp. 688. *κἀνακόλπασον*] Et in sinus collige (vestimentum tuum). Anglice, and gird yourself up.

1175. *ὦ Τερηδών*] Sic Eq. 125. *ὦ μιαρὲ Παφλαγών* (non *Παφλαγόν*). *ἐπαναφύσα —*] Cf. Ach. 261. *ᾄσομαι τὸ φαλλικόν.* Theophr. Char. 25. *τοῦ σαλπιστοῦ δὲ τὸ πολεμικὸν σημήναντος* etc. Aelian. V. H. II. 44. *προσέταξεν αὐτῷ τὸ παρορμητικὸν ἐμπνεῦσαι μέλος.* Long. Past. IV. 9. *καὶ συρίσαι τὸ αἰπολικὸν ἠξίωσε.* *Περσικόν*] Sub. *ὄρχημα.* V. schol. Angl. a Persian dance-tune. Erat autem haec saltatio lasciva quae *κνισμὸς* et *ὄκλασμα* appellabatur teste Poll. IV. 100. Cf. Fr. 321. Qu. *ὦ Τερηδόν.* Schol. (*Περσικὸν ὄρχημα ὄκλασμα καλεῖται?*) Schol. *ἰατρικῆς* (*θεατρικῆς* Dind. ad Fr. 321.). *τὸ Μύσιον*] Cf. Aesch. Pers. 1054. *κἄπιβῶ τὸ Μύσιον.*

1180. *ὡς ἐλαπρὸς*] Cf. Xen. An. VI. 1. 13. *ἡ δὲ ὠρχήσατο πυρρίχην ἐλαφρῶς.*

1184. *κάτησο κάτησο*] Sic Ran. 1393. *μέθεσθε μέθεσθε.*

1186. *αὔλει σὺ θᾶττον*] Cf. Xen. Conv. II. 22. *κελεύσας τὴν αὐλητρίδα θάττονα ῥυθμὸν ἐπάγειν.*

1187. *κλαύσετ', ἢν —*] Qu. *κλαῦσ', ἐὰν μὴ 'νδον μένῃς.* Cf. Nub. 933. *κλαύσει, τὴν χεῖρ' ἢν ἐπιβάλλῃς.*

1191. *παπαπαπαῖ*] Cf. Nub. 390. *παπαπαππάξ.* Eur. Cycl. 503. *παπαπαῖ, πλέως μὲν οἴνου.* *ἀππαπαῖ*] Cf. Ran. 57.

1192. *'Αττικὸς μέλις*] Cf. Pac. 252. *μέλι — 'Αττικόν.*

1202. *Ἑρμῆ δόλιε*] Cf. Pl. 1157. *ἔτι*] Adhuc. Cf. Lys. 550. *ἔτι γὰρ νῦν οὔρια θεῖτε.*

1205. Cf. Pl. 653. *ὡς γὰρ τάχιστ' ἀφικόμεθα πρὸς τὸν θεόν.* Hegesipp. IV. 479. *ἐπὰν τάχιστ' ἔλθωσιν ἐκ τῆς ἐκφορᾶς.* Herod. I. 114. 4. *ἐπεί τε μετείθη τάχιστα.* IV. 134. *ἐπὴν τάχιστα νὺξ ἐπέλθῃ.* *τενεῖς*] Cf. Hor. Od. 3, 3. 70. 'quo, Musa, tendis?'

1209. *ἐγὼ δὴ τοῦτο δρῶ*] Cf. Eccl. 1166. *τοῦτο δρῶ.* Eq. 111.

1213. *οὐκ ἐπαινῶ, γράδιο* vulg. Qu. *οὐκ* (aut *οὔ σ'*) *ἐπαῖν', ὦ γράδιο,* aut potius *οὐκ ἐπαῖνο γράδιο* (sic, cf. ad Lys. 70.).

1215. *ὀρτῶς δὲ συβίνη 'στί· καταβινῆσι γάρ*] Lege *ὀρτῶς δὲ σὺ συβίνη· καταβεβινῆσι γάρ.* Cf. Aesch. Sept. 405. *γένοιτ' ἂν ὀρθῶς*

ἐνδίκως τ' ἐπώνυμον. Soph. Fr. 877 N. ὀρθῶς δ' Ὀδυσσεύς εἰμ' ἐπώνυμος κακοῖς (κακῶν?), | πολλοὶ γὰρ ὠδύσαντο δυσμενεῖς ἐμοί. Eupol. 351, 2. πολλάς δ' — οἶμαι νῦν βεβινῆσθαι.

1217. πηκτίδας] Cf. Anaxil. 15, 1. ἐγὼ δὲ βαρβίτους, τριχόρδους, πηκτίδας, | κιθάρας, λύρας, σκινδαψὸν ἐξηρτυόμην. Diogen. trag. Fr. 1, 9. ψαλμοῖς τριγώνων πηκτίδων τ' ἀντιζύγοις. Soph. 217, 1. πηκταὶ δὲ λύραι etc. Fr. 220, 1. ᾤχωκε γὰρ κροτητὰ πηκτίδων μέλη. Fr. 378, 2. Λυδῆς — πηκτίδος. Plat. Resp. III. 399 C. τριγώνων καὶ πηκτίδων καὶ πάντων ὀργάνων ὅσα πολύχορδα καὶ παναρμόνια. Herod. I. 17. ἐστρατεύετο δὲ ὑπὸ συρίγγων τε καὶ πηκτίδων καὶ αὐλοῦ. Idem autem sunt πηκτὶς et μάγαδις. V. Athen. p. 635 E.

1223. ὀρθὴν] Cf. Lys. 834.

1226. κατὰ τοὺς κόρακας] Sic Eq. 433. κατὰ κῦμα. Soph. Tr. 468. κατ' οὖρον. Cf. Nub. 133. βάλλ' ἐς κόρακας. Pl. 782. Eq. 1314. πλείτω — ἐς κόρακας, εἰ βούλεται. ἐπουρίσας] Secundo vento usus. Cf. Epicrat. III. 372. τὴν νέαν τ' ἐπουρίσας | πλήρωσον. Aesch. Eum. 137. οὐδ' αἱματηρὸν πνεῦμ' ἐπουρίσασα τῷ | ἀτμῷ etc. Theocr. VII. 62. Ἀγεάνακτι πλόον διζημένῳ ἐς Μιτυλάναν | ὥρια (i. e. οὔρια) πάντα γένοιτο καὶ εὔπλοον ὅρμον ἵκοιτο.

1227 sq. Cf. Nub. 1510. ἡγεῖσθ' ἔξω· κεχόρευται γὰρ μετρίως τό γε τήμερον ἡμῖν. Plat. Phaedr. 278 B. οὐκοῦν ἤδη πεπαίσθω μετρίως ἡμῖν τὰ περὶ λόγων. p. 279 C. ἐμοὶ μετρίως ηὔκται.

1228. ὥρα δῆτ' ἐστὶ] Qu. ὥρα νῦν δὴ 'στι —. Cf. Av. 638. οὐχὶ νυστάζειν — ὥρα 'στὶν ἡμῖν οὐδὲ μελλονικιᾶν. Philyll. 3, 1. ἀλλ' ἀφαιρεῖν | ὥρα 'στὶν ἤδη τὰς τραπέζας.

1230. ἀγαθὴν — χάριν ἀνταποδοίτην] Lege μεγάλην —. Cf. Eccl. 1047. ὥστ' ἀντὶ τούτων τῶν ἀγαθῶν εἰς ἑσπέραν | μεγάλην ἀποδώσω καὶ παχεῖάν σοι χάριν. Pac. 761.

1231. ἀνταποδοίτην] Cf. Thuc. III. 67. 4. ἡμῖν — ἀνταπόδοτε χάριν δικαίαν ὧν πρόθυμοι γεγενήμεθα. Plat. Phaedr. p. 236 C. ἵνα μὴ τὸ τῶν κωμῳδῶν φορτικὸν πρᾶγμα ἀναγκαζώμεθα ποιεῖν ἀνταποδιδόντες ἀλλήλοις.

VESPAE.

Praef. Μητιόχου τέμενος memoratur Bekk. Anecd. 309, 17.

3. προυφείλεις] Eadem crasis est in προυμόσας Aesch. Ag. 1196.

4. ἆρ' οἶσθά γ' οἷον] Cf. Alex. 116, 14. ἆρά γε διδάσκω —; 270, 4. ἆρά γ' ἕνδεκα —; Qu. ἆρ' οἶσθ' ὁποῖον.

7. ὕπνου τι — καταχεῖται γλυκύ] Cf. 713. Com. adesp. 336, 9. τοιοῦτο τῶν ξένων τι καταχεῖται σκότος. Aesch. Agam. 178. στάζει δ' ἀνθ' ὕπνου — πόνος (φόβος) etc.

12. νυστακτὴς ὕπνος] Cf. Av. 638. νυστάζειν. Alex. 286, 2. κατανύστασον. Alciphr. III. 46. 1. πάντας ὕπνος κατειλήφει νυστακτής.

18. *ἀνεκὰς*] Cf. Eupol. II. 443. *ἀνεκάς τ' ἐπήρω τὸ σκέλος.*

21. *προσερεῖ*] *προβαλεῖ*, ni fallor, corrigendum. Cf. Athen. X. 451 E. *τὸν προβληθέντα γρῖφον.* Ibid. *καὶ αὐτὸν προβαλεῖν ἑτέροις ἐπιδεξίως.*

23. *Λάβης*] Similiter *Δάκης* comice finxit Teleclides. V. schol. et *Δωρὼ Δεξὼ* in comoedia.

25. *ἰδόντι τοιοῦτον ἐνύπνιον*] *ἰδόντι τοῦτο τοὐνύπνιον* A. Palmer. Fortasse recte. Qu. *ἰδόντι τοιόνδ' ἐνύπνιον.* Cf. Men. 534, 10. *ἂν ἴδῃ τις ἐνύπνιον.* Herod. IV. 184. 6. *ἐνύπνια ὁρᾶν.*

38. *σαπρᾶς*] Veteris. Cf. 1343. 1380. Eq. 918. Pl. 323. 542. Lys. 378. Eccl. 884. 926. 1098. Pl. 813. 1086. Th. 1025. Pac. 554. 698. Ach. 1101.

45. *ὁλᾷς; —*] Similiter *ἰάζων* aliquis inducitur in Eupolidis Fr. 170. Et nescioquis dixit *φακός σε δαίμων καὶ φακὴ τύχη λάβοι* (pro *κακός* et *κακή*), et *Ζεῦ, μὴ λάθοι σε τῶνδ' ὃς αἴτιος φακῶν* (pro *κακῶν*). V. Athen. IV. 156 F.

49. *ἐγένετ' ἐξαίφνης κόραξ*] Cf. Nub. 352. *λύκοι ἐξαίφνης ἐγένοντο.*

54. *λόγος*] Argumentum. Cf. Antiph. 191, 2.

57. *Μεγαρόθεν*] Cf. Susarion. 2, 3. Stratt. II. 774. *ἥκουσιν Μεγαρόθεν.* Eupol. II. 521. *τουτὶ τὸ σκῶμμ' ἀσελγὲς καὶ Μεγαρικὸν καὶ σφόδρα | ψυχρόν.* Ecphant. II. 12. *Μεγαρικῆς κωμῳδίας ᾆσμ'.*

63. Sic 'farctum facere ex hostibus' Plaut. Mil. Glor. I. 1. 8.

67. *ἐκεινοσί*] Cf. 1500. Pac. 883. Av. 298. Polyzel. II. 871. *ὁ μαινόμενος ἐκεινοσὶ Διονύσιος.*

71. *τοπάζετε*] Cf. Aesch. Ag. 1368. Soph. Trach. 425.

74. De Amynia v. schol. h. l. et ad Nub. 687.

93. *ὁ νοῦς πέτεται*] Cf. Pind. Fr. 87. *πτάμεναι νόημα.*

95. *ξυνέχων*] Cf. Nub. 966. *τὼ μηρὼ μὴ ξυνέχοντας.*

98. Cf. Eupol. 213. *καὶ τῷ Πυριλάμπους ἆρα Δήμῳ κυψέλη | ἔνεστιν;* Plat. Gorg. 481 E. 513 B. Lys. 19, 25.

100. Cf. Alciphr. I. 39. 3. *πότος εἰς ἀλεκτρυόνων ᾠδάς.*

103. *ἀπὸ δορπηστοῦ*] Sic Herod. I. 133. *ἀπὸ δείπνου* (post coenam). Men. 264. *ᾄδοντα λιτυέρσην ἀπ' ἀρίστου τέως.* Thuc. VII. 43. *αὐτὸς μὲν ἀπὸ πρώτου ὕπνου καὶ Εὐρυμέδων καὶ Μένανδρος ἀναλαβὼν — ἐχώρει* etc. Theocr. I. 16. *ἀπ' ἄγρας | τανίκα κεκμακὼς ἀμπαύεται.* Porphyr. de Abst. IV. 7. *ἀπελούοντο ψυχρῷ ἀπό τε κοίτης* etc. *κέκραγεν ἐμβάδας*] Cf. Eur. Phoen. 1155. *βοᾷ | πῦρ καὶ δικέλλας.*

106. *τιμῶν τὴν μακρὰν*] Cf. Poll. VIII. 16. *ἐγκεντρίς, ᾗ εἷλκον τὴν γραφήν· μακρὰ δὲ ἐκαλεῖτο ἣν καταδικάζοντες εἷλκον.*

111. *ταῦτ' ἀλύεις*] Cf. Neophr. 2, 5. *καὶ πρὸς τί ταῦτα δύρομαι —;* Eur. Fr. 282, 22. *ταῦτα μωραίνει. ἀλύεις*] Cf. Alex. III. 433. *εἶθ' οἱ μὲν εὐποροῦμεν, οἱ δ' ἀλύομεν.*

118. *οὐ μάλα*] Cf. Aesch. Pers. 384. *κοὐ μάλ' —.*

124. Cf. Fr. 18. *ὁ δ' ἡλιαστὴς εἶρπε πρὸς τὴν κιγκλίδα.*

125. Cf. Com. adesp. 489. *εἴσφρες μ' ὡς τὸ μειρακύλλιον.* Eur. Fr. 781, 46. *ἐπεισφρείς.* Xen. Hell. VI. 5. 43. *ἐπεισφρέσθαι.*

135. Cf. Men. 402, 13. *φρύαγμα — ἀνυπόστατον.* *ἔχων*] Ad *Βδελυκλέων* assimilatum potius quam ad *τῷδ' υἱεῖ*, propter metrum.

145. *ξύλον — συκίνου*] Cf. Lucian. Alex. 47. *ἐπὶ ξύλων συκίνων* (comburuntur Epicuri libri). Peregr. 24.

146. *δριμύτατος καπνῶν*] Acerrimus hic fumus est secundum Aristotelem, Theophrastum, et Plutarchum in Symp. Cf. Hor. Sat. I. 5. 80. 'lacrimoso non sine fumo.'

151. *καπνίας*] Cf. Pher. 130, 6. Cratin. 334. Plat. com. 244. Anaxandr. 71. Theophr. H. Pl. II. 3. 2. *τὴν κάπνειον ἄμπελον καλουμένην.* Similiter *δικαπνίας* (*ὁ δύο τροπὰς ὑπομείνας οἶνος*, Hesych.), *δευτερίας* (*οἶνος εὐτελής*, Nicophont. 20. Callipp. 2.), *σακκίας*, *ἀμφίας*, *σαπρίας*, *ἀνθοσμίας*, et *ὀπίας* (*τυρὸς*, Eur. Cycl. 136.).

156. *ἐκφρήσετ'*] Cf. 162. Cratin. 78. *ἀπέφρησαν.* Eur. Fr. 781, 46. *ἐπεισφρείς.* Xen. Hell. VI. 5. 43. *ἐπεισφρέσθαι.*

160. Cf. Herod. I. 53. 3. *γνῶμαι — προλέγουσαι Κροίσῳ — μεγάλην ἀρχήν μιν καταλῦσαι* (*καταλύσειν* male al.). IX. 42. 4. *ἔστι λόγιον ὡς χρεόν ἐστι Πέρσας — διαρπάσαι* etc.

164. *ὀδάξ*] Mordicus. Cf. 943. Lys. 301. Pl. 690.

179. *κάνθων*] Cf. Pac. 82. Anth. P. XI. 383, 1. *ἦν ἄρα καὶ κάνθωσι τύχη χαλεπή τε καὶ ἐσθλή.*

180. Ex tardo asini incessu et gemitu Sosias suspicatur senem, alterum Ulixen, sub ventrem ejus se insinuasse.

183. *φέρ' ἴδωμαι*] Qu. *φέρ' ἴδω 'γώ.* *Φέρ' ἴδω* vicies legitur in Aristophanis fabulis. *ἴδωμαι*] Cf. Nub. 289. *ἐπιδέσθαι.* Cratin. 138. *νέφος οὐράνιον τόδ' ὁρῶμαι* (anap.). Herod. III. 12. 4. *ἴδοιτο.* Thuc. III. 40. *τὸν κίνδυνον ὑφορώμενοι.*

191. *ὄνου σκιᾶς*] Cf. Soph. Fr. 308. *τἄλλα πάντ' ὄνου σκιά.*

194. *ἀλλ' ἴσως*] Sub. *εἴσει.*

198. *κέκραχθι*] Cf. *ἄνωχθι* Eur. Fr. 781, 33.

201. *ὅλμον*] Cf. Vesp. 238. Herod. I. 200. *ἐσβάλλουσι ἐς ὅλμον, καὶ λεήναντες ὑπέροισι —.*

209. Cf. Soph. O. R. 1368. *κρείσσων γὰρ ἦσθα μηκέτ' ὢν ἢ ζῶν τυφλός.*

213. *ἀπεκοιμήθημεν*] Cf. Herod. VIII. 76. *ταύτης τῆς νυκτὸς οὐδὲν ἀποκοιμηθέντες παραρτέοντο.* Hesych. *κοιμηθέντι· κατακλιθέντι, οὐ πάντως ὑπνώσαντι.* *ὅσον ὅσον στίλην*] Lege *ὅσον στίλην μόνον.* Cf. Diph. IV. 394. *οὐδὲν ἡδέως | ποιεῖ γὰρ οὗτος ἀλλ' ὅσον νόμου χάριν.* Philem. 98, 3. *οἴνου θ' ὅσον | ὀσμήν.* *στίλην*] Eodem sensu *στιγμὴ* (i. e. *τὸ ἐλάχιστον*) Men. 1067.

216. *ὄρθρος βαθύς*] Cf. Plat. Crit. 43 A. *ὄρθρος βαθύς.* Prot 310 A. *ἔτι βαθέος ὄρθρου.* Legg. VII. 808 C.

220. Cf. 269. ἡγεῖτ' ἂν ᾄδων Φρυνίχου. Phrynichus tragicus μέλιττα dicitur Av. 750. Schol. δι' ὀνόματος (l. διὰ στόματος) ἦν καθόλου etc. Ibid. λιποῦσα (λιποῦσαι Pors.)? Ibid. προλιπόντα ναόν (προλιποῦσαι ἄστυ?).

221. οἷς ἐκκαλοῦνται τοῦτον] Cf. Eccl. 34. Eupol. 139, 3. ὅς νυκτερίν' ηὗρε μοιχοῖς ἀείσματ' ἐκκαλεῖσθαι | γυναῖκας etc.

226. κεκραγότες πηδῶσι —] Cf. Av. 307. οἷα — τρέχουσι διακεκραγότες.

227. πηδῶσι — ὥσπερ φέψαλοι] Cf. Men. 298. φέψαλος ἀνήλατο.

230. πρόβαιν' ἐρρωμένως] Eadem verba 1161.

242. κηδεμὼν] Cf. 731. ἐφεῖτ'] Cf. Soph. Ph. 619. 770. El. 1111. Tr. 286. Aj. 116. 991. Aesch. Pr. 4.

249. κάρφος] Cf. Lys. 474. Av. 643. Aesch. Fr. 24. κάρφει (σκάρφει al.) παλαιῷ κἀπιβωμίῳ ψόλῳ.

257. τυρβάσεις] Cf. Pac. 1007. ὀψωνοῦντας τυρβάζεσθαι. Alex. 25, 6. τύρβαζε.

260. Cf. Nicostr. 4, 6. ὃν οὐκ ἂν καταφάγοιμεν ἡμερῶν | τριῶν.

261. Cf. Eur. Hec. 900. οὐ γὰρ ἵησ' οὐρίας πνοὰς θεός. Herod. III. 117. 6. τὸν μὲν γὰρ χειμῶνα ὕει σφι ὁ θεός. Hinc Διὸς ὄμβρος Ran. 246. Hom. Il. 11, 493. Apoll. Rhod. II. 1123. τὸ δὲ μυρίον ἐκ Διὸς ὕδωρ | λῆξεν ἅμ' ἠελίῳ.

264. καρπίμων] Sub. φυτῶν. Cf. Eur. Fr. 415, 3. καρπίμοις τε γῆς φυτοῖς. Pac. 1154. Eq. 326. Aesch. Pr. 456. καρπίμου θέρους (frugiferae messis).

268. ἐφολκὸς ἦν] Anglice a laggard. Cf. Herod. IV. 203. 6. τοὺς ὑπολειπομένους αὐτῶν καὶ ἐπελκομένους ἐφόνευον.

269. ᾄδων Φρυνίχου] Sub. μέλη. Cf. 220.

275 sq. Cf. Aelian. Epist. 2. φελλεῖ ἐπέκοψε τὸ σκέλος πάνυ ἰσχυρῶς, καὶ θέρμη (θέρμα?) ἐπέλαβεν αὐτὸ καὶ βουβὼν ἐπήρθη. Theophr. Char. 15. καὶ προσπταίσας ἐν τῇ ὁδῷ δεινὸς καταράσασθαι τῷ λίθῳ. Com. adesp. 391, 1. μὴ πρὸς τὸν αὐτὸν πολλάκις πταίειν λίθον.

276. τὸν δάκτυλον] Sc. τοῦ ποδός.

277 sq. Cf. Men. 98. βουβὼν ἐπήρθη τῷ γέροντι, θέρμα τε | ἐπέλαβεν αὐτόν.

282. φιλαθήναιος] De correpta diphthongo cf. Pher. 34. Ἀθηναίαις (αἴ) αὐταῖς τε καὶ ταῖς ξυμμάχοις. Eupol. 35. Ἀθηναίων (αἴ) εἰ βούλεταί τις ἐγγράφειν. Polyzel. 11, 3. παρ' Ἀθηναίων (αἴ) μακαρίζεται.

287. σεαυτὸν ἔσθιε] Cf. Alcae. com. 36. ἔσθω δ' ἐμαυτὸν ὥσπερ πουλύπους.

289. Schol. ἀποκτεῖναι (τὸ ἐκτιθέναι recte H. Weil.).

291 sq. δεηθῶ (χαρίσασθαι); ΧΟ. πάνυ γ' — τί βούλει [με πρίασθαι] καλόν; Leeuw. Quam conjecturam perpulchram et propemodum certam habet Herwerden.

295. *ἀστραγάλους*] Cf. Plut. Mor. 458 A. *ἀστραγάλους — ὡς παιδαρίῳ νοῦν οὐκ ἔχοντι προσέπεμψεν.*

309. *ἀπαπαῖ φεῦ*] Cf. Soph. Phil. 785. *παπαῖ φεῦ.* 792. *φεῦ παπαῖ.* Eur. Alc. 226. *παπαῖ φεῦ, παπαῖ φεῦ.*

319. *τί ποιήσω;*] Qu. *τί πάθω 'γώ.*

323. *ὦ Ζεῦ Ζεῦ μέγα βροντήσας*] Qu. *ὦ Ζεῦ, νῦν —.* Cf. Pac. 376. *ὦ Ζεῦ κεραυνοβρόντα.*

330. *ἀνελών*] Cf. 386.

349. *τῶν σανίδων*] Hesych. *Σανίς· θύρα. λεύκωμα ἐν ᾧ αἱ γραφαὶ Ἀθήνησιν ἐγράφοντο.*

352. *πλὴν εἰ σέρφῳ —*] Cf. Metag. 13. *τίς πολίτης δ' ἔστ' ἔτι | πλὴν ἄρ' εἰ Σάκας ὁ Μυσὸς —;*

354. *μέμνησαι δῆθ' ὅτ' —;*] Cf. Av. 1054. *μέμνησαι δῆθ' ὅτ' ἐπὶ στρατιᾶς —;*

355. *ἴεις σαυτὸν*] Cf. Pac. 159. *ἴει σαυτόν.*

357. *ἰσχυόν τ' αὐτὸς ἐμαυτοῦ*] Cf. ad Lys. 1125. *ἐγὼ δ' ἐμαυτῆς οὐ κακῶς γνώμης ἔχω.* Soph. Fr. 787, 7. *ὅταν περ αὐτῆς εὐπρεπεστάτη φανῇ.* Plutarch. Mor. p. 807 E. *αὐτὸς αὑτοῦ γιγνόμενος ἀσθενέστατος καὶ ταπεινότατος.*

361. *σκοπιωροῦνται*] Hoc verbo usi sunt Hermippus 95. et Xenophon Cyn. IX. 2. Cf. v. *ἀρκυωρεῖν* Eupol. 313.

367. *ὦ μελίττιον*] *ὦ μέλημ' ἐμὸν* conj. Herwerden, coll. Eccl. 972.

380. *ἐμπλησάμενος*] Cf. Lys. 327. Plat. Crat. 396 C. *κινδυνεύει — τὰ ὦτά μου ἐμπλῆσαι τῆς δαιμονίας σοφίας.* Aspasia apud Athen. V. 219 D. *στέλλου πλησάμενος θυμὸν Μούσης κατόχοιο.*

382. *ἀνάσπαστον*] Cf. Herod. III. 93. *τοὺς ἀνασπάστους καλεομένους.* V. 106. *ἐμὲ ἀπὸ τῆς θαλάσσης ἀνάσπαστον ποιήσας.*

386. *καὶ κατακλαύσαντες*] Lege *κᾆτ' ἀπολούσαντες.* Cf. Eur. Fr. 786. *φίλος δέ μοι | ἄλουτος ἐν φάραγξι σήπεται νέκυς.*

407. *ἐν — τῶν δημιουργῶν*] Cf. Lys. 408. *ἐν τῶν δημουργῶν.* Eccl. 420. *εἰς τῶν σκυλοδεψῶν.*

425. *σμῆνος*] Cf. Lys. 353. *ἑσμὸς γυναικῶν.* Cratin. 2. *οἷον σοφιστῶν σμῆνος ἀνεδιφήσατε* (*ἀνεκινήσατε*?).

426. *τοῦτο μέντοι δεινὸν ἤδη —*] Cf. Ach. 315. *τοῦτο τοὔπος* (f. *μέντοι*) *δεινὸν ἤδη —.* Xen. Mem. II. 1. 14. *τοῦτο μέντοι ἤδη λέγεις δεινὸν πάλαισμα.*

427. *ἐγκεντρίδας*] Cf. 1073. Alio sensu (calcar) vocem usurparunt Pherecrates 48. et Plato 40. V. Poll. X. 54.

433. *ὦ Μίδα*] Cf. Strab. VII. 304. *προσηγόρευον* (*τοὺς οἰκέτας*) *Μάνην ἢ Μίδαν τὸν Φρύγα, Τίβιον δὲ τὸν Παφλαγόνα.*

437. *ἔν τί σοι παγήσεται*] Cf. Hom. Il. 22, 283. *οὐ μέν μοι φεύγοντι μεταφρένῳ ἐν δόρυ πήξεις.*

438. V. Ovid. Met. II. 555. Plin. H. N. V. 56. Hygin. et alios.

443. *πρὸς βίαν χειροῦσιν*] Cf. Aesch. Fr. 353. *πρὸς βίαν χειρούμενον.*

447. *οὐδ' ἐν ὀφθαλμοῖσιν αἰδὼς* —] Cf. Eur. Fr. 457. *αἰδὼς ἐν ὀφθαλμοῖσι γίγνεται, τέκνον.* *ἐμβάδων*] Lepide positum pro *εὐεργεσιῶν*.

453. *ἡμῖν δώσετον καλὴν δίκην*] Cf. Eq. 923. *δώσεις ἐμοὶ καλὴν δίκην.*

455. *ὀξυθύμων καὶ δικαίων*] Cf. Aesch. Eum. 705. *τοῦτο βουλευτήριον | αἰδοῖον, ὀξύθυμον.*

458. *σοῦσθ'*] Cf. Aesch. Sept. 31. *σοῦσθε.* Pers. 25. Suppl. 836. 842. Soph. Aj. 1414. Tr. 645.

459. *ἔντυφε*] Cf. Men. IV. 122. *ἐξετύφην — κλαίουσα.* 220. *ἐκτυφήσομαι* (*ἐκτυφώσομαι* al.).

461. *οὐ ῥᾳδίως οὕτως* —] Cf. Lucian. Luc. 25. *μὴ οὕτω ῥᾳδίως ἀποθνησκέτω.*

463. *αὐτὰ δῆλα*] Lege *αὐτόδηλα*. Anglice self-evident. De Philocle cf. Th. 168. Av. 281. 1295. Cognomen ei ob amaras ejus tragoedias *χολὴ* fuit sec. schol.

471. Cf. Ran. 1531. *ἐκ μεγάλων ἀχέων παυσαίμεθ' ἂν οὕτως.* Plat. com. 131. *ἀναβιῶν' ἐκ τῆς νόσου.* Com. adesp. 115, 2. *ἐκ μὲν γὰρ κόπου | γλυκεῖ' ἀνάπαυσις, ἐξ ἀλουσίας δ' ὕδωρ.* Aesch. Cho. 535. *ἡ δ' ἐξ ὕπνου κέκραγεν ἐπτοημένη.* Pers. 296. *καὶ λευκὸν ἦμαρ νυκτὸς ἐκ μελαγχίμου.* Ag. 330. *νυκτίπλαγκτος ἐκ μάχης πόνος.* Eur. Bacch. 689. *ἐξ ὕπνου κινεῖν δέμας.* Lycophr. trag. 3, 1. *ὡς* (*εἶτ'*?) *ἐκ βραχείας δαιτὸς ἡ βαιὰ κύλιξ | αὐτοῖς κυκλεῖται.* Thuc. I. 120. *ἐκ πολέμου — ξυμβῆναι.* Herod. I. 87. *ἐκ δὲ αἰθρίης καὶ νηνεμίης συνδραμέειν ἐξαπίνης νέφεα.* Sic *ἐξ εἰρήνης πολεμεῖν* et similia.

478. *ἤ μοι κρεῖττον ἑστῆναι* —] Cf. Lucian. Pseud. 32. *ἄμεινον ἦν σοι — μὴ καταγελᾶν τῆς ἀποφράδος.*

479. *ναυμαχεῖν*] *δυσμαχεῖν* requirit Herwerden. Recte, opinor.

480. *ἐν σελίνῳ* —] Cf. Diph. 57. *εἶτ'* (l. *ἔτ'*) *ἐν χάρακι μὲν ταῦτα* (l. *ταῦτ' ἐστὶ*) *καὶ παρεμβολῇ.* Theophil. 9.

481. *παρεμβαλοῦμεν*] Hinc *παρεμβολὴ* (insertio, parenthesis, interpolatio). *τριχοινικῶν ἐπῶν*] Cf. Cratet. II. 241. *ἔπη τριπήχη.*

483. *ταὐτά σου καταντλῇ*] Cf. Eur. Fr. 899, 4. *σοφοὺς ἐπαντλῶν ἀνδρὶ μὴ σοφῷ λόγους.*

487. *ἐστάλης*] Angl. art bent upon.

492. *κυλίνδεται*] Cf. Eccl. 208. *τὸ δὲ κοινὸν ὥσπερ Αἴσιμος κυλίνδεται.* Apollod. Car. 5, 8. *ἡμᾶς κυλίνδουσ'* (*τύχη*) *ὅντιν' ἂν τύχῃ τρόπον.*

493. *μεμβράδας*] Pisciculos viles. Alex. 195, 3.

497. *θατέρῳ*] Cf. Aelian. N. A. IX. 42. *τῷ ἑτέρῳ τῶν ὀφθαλμῶν ὁρῶσιν.* Alex. 16, 10. "*ὀκτὼ λάβοις ἄν;*" "*εἴπερ ὠνεῖ τὸν ἕτερον;*" Similiter *ἑνὶ σκάζειν* (sc. *ποδὶ*) Com. adesp. 610. Lucian. Philops. 18. *ἠρέμα ὀκλάζοντα τῷ ἑτέρῳ* (sc. *κώλῳ*).

506. Schol. (τὸν τοὺς — ποιήσαντα, ὅτι — μετέχοντα πεποίηκε — ἀγνοήσας Mein.).
507. φρονῶν τυραννικά] Cf. Nub. 821. φρονεῖς ἀρχαικά.
511. δικίδιον σμικρὸν] Cf. Antiph. 45, 2. ῥίζιον — μικρόν.
522 sq. Cf. Ach. 355.
525. ἀγαθοῦ δαίμονος] Cf. Eq. 85. 106. 108. Pac. 300.
537. ὅσ' ἂν λέξῃ — ἁπλῶς] Cf. Ach. 873. ὅσ' ἐστὶν ἀγαθὰ Βοιωτοῖς ἁπλῶς.
541. οὐδ' ἀκαρῆ] Cf. Lucian. Herm. 6. ἀκαριαῖον ὁπόσον ἱκανόν.
544. θαλλοφόροι] Cf. Xen. Symp. IV. 17. θαλλοφόρους γὰρ τῇ Ἀθηνᾷ τοὺς καλοὺς γέροντας ἐκλέγονται.
545. κελύφη] Confer nostrum shell, quod ab eadem radice, ni fallor, venit. Κέλυφος καρκίνων memoratur Arist. H. A. V. 15.
553. τετραπήχεις] Cf. Ran. 1014. γενναίους καὶ τετραπήχεις. Menand. 1099. κἂν μυρίων γῆς πήχεων ᾖς κύριος, | θανὼν γενήσει τάχα τριῶν ἢ τεττάρων.
555. Cf. Posidipp. 12, 6. καὶ τῶν δικαστῶν καθ' ἕνα δεξιουμένη | μετὰ δακρύων ἔσωσε τὴν ψυχὴν μόλις. οἰκτροχοοῦντες] Analogia requirere videtur οἰκτοχοοῦντες. Sic οἰνοχοεῖν, χρυσοχοεῖν, μολυβδοχοεῖν, al. Qu. οἰκτρὰ (adv.) χέοντας.
558. Cf. Menand. Fr. Genev. v. 12. δυσφεύκτῳ κακῷ.
562. Cf. Ach. 747. ὅπως — ἠσεῖτε φωνὰν χοιρίων μυστηρικῶν. Eq. 522. πάσας δ' ὑμῖν φωνὰς ἱεὶς —. Scribendum videtur ἀπόφευξιν. Sic φευκτέον Av. 392.
565. ἕως ἀνιῶν ἂν ἰσώσῃ] Lege ἕως ἀριθμῶν ἂν ἰσώσῃ —.
567. τὸν θυμὸν κατάθωμαι] Cf. ad Av. 401. Theogn. 983. φίλον καταθώμεθα θυμόν.
568. τὰ παιδάρι' — ἀνέλκει] Cf. Ach. 687. ἀνελκύσας.
570. συγκύπτονθ'] Cf. Com. adesp. 365, 2. ὑποτονθορύζουσιν δὲ συγκεκυφότες.
571. ὥσπερ θεὸν —] Cf. 621 sq.
572. ἐλεήσαις] Lege ἐλεῆσαι.
573. με πιθέσθαι] Lege πεπιθέσθαι. Cf. Pind. Isth. 4, 72. γνώμᾳ πεπιθὼν πολυβούλῳ.
574. ἀνεῖμεν] Cf. Eur. Or. 1131. μεθεῖμεν. Iph. A. 423. καθεῖμεν. Iph. T. 1148. καθεῖσαν. Ion. 1170. ἀνεῖσαν. Soph. O. R. 1405. ἀνεῖτε. τὸν κόλλοπ' ἀνεῖμεν] Cf. Lucian. Jup. trag. 10. ὄψει κἀκεῖνον — τοὺς κόλλοπας τῆς κιθάρας περισεσυλημένον.
575. τοῦ πλούτου καταχήνη] Cf. Eccl. 631. Athen. VI. 269 E. πάντες γὰρ τῆς καταχήνης αὐτοῦ πλήρεις ἐστέ.
582. ἐν φορβειᾷ] Cf. Plut. Mor. p. 456 B. ὁ Μαρσύας, ὡς ἔοικε, φορβειᾷ τινι καὶ περιστομίοις βίᾳ τοῦ πνεύματος (τῶν αὐλῶν) τὸ ῥαγδαῖον ἐγκαθεῖρξε.
584. κλάειν — εἰπόντες τῇ διαθήκῃ] Cf. Av. 692. Herod. IV. 127. κλαίειν λέγω (σοι).

592. Cf. Hermipp. 9. 1. *Πείσανδρος μέγας οὗτος*. Eupol. II. 501. *Πείσανδρος — ὁ μέγας*. Sic *Ἀνδροκολωνοκλῆς* pro *Ἀνδροκλῆς* comice positum Cratin. 263. *τὸν Ἱπποβίνου* pro *τὸν Ἱππονίκου* Ran. 429. *Κολέαρχος* pro *Κλέαρχος*, ut videtur, Hesych. s. h. v. Lex Attica fuit *τὸν τὰ ὅπλα ἀποβεβληκότα ἄτιμον εἶναι*. V. Petit L. A. VIII. 3. 63.

599. Nomen *Εὐφαμίδας* legitur Thuc. IV. 119. 1.

601. *ἀπὸ τῶν ἀγαθῶν οἵων —*] Lege *ἀφ' ὅσων ἀγαθῶν οἵων τ' —*.

603. *ἔμπλησο λέγων*] Cf. Ach. 236. *βάλλων ἐκεῖνον οὐκ ἂν ἐμπλήμην λίθοις*. *πάντως γάρ τοι παύσει*] Cf. Ach. 347. *ἐμέλλετ' ἄρα πάντως ἀνήσειν τῆς βοῆς*.

604. *πρωκτὸς λουτροῦ περιγιγνόμενος*] Cf. ad Cratin. 52. Cephisod. 1. *σκώπτεις μ', ἐγὼ δὲ τοῖς λόγοις ὄνος ὕομαι*. Philem. IV. 61. *ὄνος βαδίζεις εἰς ἄχυρα τραγημάτων*. Aesch. Ag. 394. *ἐπεὶ διώκει παῖς ποτανὸν ὄρνιν*.

609. *παππάζουσ'*] Cf. *πατερίζειν, ἀδελφίζειν, θυγατερίζειν*. *Παππάζουσι* est Hom. Il. 5, 408.

615. *πρόβλημα κακῶν*] Cf. Aesch. Sept. 676. *κνημῖδας αἰχμὴν* (*αἰχμῆς* aut *αἰχμῶν?*) *καὶ πετρῶν προβλήματα*. Eur. Suppl. 208. *χείματος προβλήματα*. Eur. Fr. 530, 2. *πρόβλημα θηρός*.

617. *κλίνας*] Inclinans, sc. propter magnitudinem vasis.

634. Conzius affine proverbium confert *γλυκεῖ' ὀπώρα φύλακος ἐκλελοιπότος*.

635. *καλῶς*] *κακῶς* imperite correxerit Herwerden, ut ostendit praecedens *ἐρήμας*.

636. *ἐπὶ πάντ' ἐλήλυθεν*] Cf. Eq. 618. *εἶθ' ἐπέλθοις ἅπαντά μοι σαφῶς*. Ran. 1118.

642. *κἄστιν οὐκ ἐν αὑτοῦ*] Lege *κἄστιν οὐκ ἐν αὑτῷ*. Cf. Soph. Ph. 950. *ἐν σαυτῷ γενοῦ*. Xen. Anab. I. fin. *ἀκούσας ταῦτα — ἐν ἑαυτῷ ἐγένετο*. Plat. Charm. 155 D. *οὐκέτ' ἐν ἐμαυτῷ ἦν*. Qu. *οὐκέθ' αὑτοῦ*.

644. *παντοίας πλέκειν — παλάμας*] Cf. Lys. 727. *πάσας τε προφάσεις ὥστ' ἀπελθεῖν οἴκαδε | πλέκουσιν*.

646. *πεπᾶναι*] Cf. Eur. Fr. 896, 2. *Αἴθοπα πεπαίνοντ' ὀρχάτους ὀπωρινούς*. Ion. Fr. 57. *μέλας γὰρ αὐταῖς οὐ πεπαίνεται βότρυς*. Trag. adesp. 396. *ἥ τ' ἄγνος ἀνθεῖ χὠ βότρυς πεπαίνεται*. Herod. I. 193. 8. *ἵνα πεπαίνῃ — ὁ ψὴν τὴν βάλανον*.

647. *πρὸς ἐμοῦ λέγοντι*] Cf. Eur. Alc. 58. *πρὸς τῶν ἐχόντων, Φοῖβε, τὸν νόμον τίθης*.

648. *νεόκοπτον μύλην*] Cf. Eupol. 20. *νεόκοπον* (l. *νεόκοπτον*) *κάρδοπον*.

649. *κατερείκειν*] Cf. Ran. 505. *κατερικτῶν χύτραι*.

651. *ἐντετακυῖαν*] Cf. Eupol. 435. *πεπαγοίην* (ᾰ). Plut. Mor. p. 274 C. *τὰς παλαίστρας, πολὺν ἅλυν καὶ σχολὴν ἐντεκούσας ταῖς*

πόλεσι καὶ κακοσχολίαν. Eust. p. 1822, 15. *ὡς δὲ κύων καὶ τῇ κωμῳδίᾳ ἐνέτηξε σκῶμμα γυναικεῖον* etc.

655. *χαλάσας — τὸ μέτωπον*] Cf. Eq. 631. *τὰ μέτωπ' ἀνέσπασαν.* Eur. Hipp. 290. *ἡδίων γενοῦ | στυγνὴν ὀφρὺν λύσασα.* Soph. Fr. 768. *ὡς ἂν Διὸς μέτωπον ἐκταθῇ χαρᾷ.* Similiter Latini 'laxare (solvere) frontem'.

656. *λόγισαι*] Cf. Pl. 377. *τρεῖς μνᾶς ἀναλώσας λογίσασθαι δώδεκα.* Dem. p. 27. *ἀνάλωμα λογισθῆναι.* Ephipp. 19, 3. *οὐ γιγνώσκων ψήφων ἀριθμούς.* *ἀπὸ χειρὸς*] Anglice off-hand. Cf. Philem. 48. *ἀπὸ στόματος ἅπαντ', ἐὰν βούλησθ', ἐρῶ.* Aesch. Ag. 813. *ἀπὸ γλώσσης.*

661. *κατάθες*] I. q. *θές.* Pone, i. e. computa. Cf. Eupol. 149. *δεῖπνον θὲς ἑκατὸν δραχμάς. B. ἰδού. A. οἶνον θὲς ἑτέραν μνᾶν.* Xen. Oecon. 9, 8. *δίχα τὰ εἰς ἐνιαυτὸν ἀπολελογισμένα κατέθεμεν.*

662. *κατένασθεν*] Cf. Aesch. Eum. 929. *μεγάλας — δαίμονας αὐτοῦ καταναssαμένη.*

666. *τοὺς Οὐχὶ προδώσω —*] Cf. Alex. 206. *οὐ τῶν μετρίων (ἔστ'), ἀλλὰ τῶν βαβαὶ βαβαί.*

673. *τὸν μὲν σύρφακα —*] His nihil est quod respondeat in seqq. Unde nonnulla post 674 excidisse suspicari licet. Platonis comici fabula inscripta fuit *Σύρφαξ.* Similis vox est *συρφετός* (Euphron. 10, 6).

674. *κηθαρίου*] Cf. Hermipp. 27. *καὶ πρὸς κύβους ἕστηκ' ἔχων τὸ κήθιον.*

678. *ἐφ' ὑγρᾷ*] Cf. Antiph. 30, 3. *ἐξ ὑγρᾶς ἁλός.*

679. *σκορόδου κεφαλὴν*] Cf. Nub. 981. *οὐδ' ἂν κεφαλὴν ῥαφανῖδος.*

687. *Χαιρέου*] Chaereas ut peregrinus notatus est ab Eupolide teste schol. Aliunde non notus.

688. *διακινηθεὶς*] *διακλασθεὶς* Herwerden, coll. Thesm. 163. *διεκλῶντ' Ἰωνικῶς.* Lucian. Demon. 18. *θηλυδρίας καὶ διακεκλασμένος.* Dion. Hal. jud. Thuc. 43. *διακλώμενοι ῥυθμοί.*

693. *ξυνθέντε τὸ πρᾶγμα*] Cf. Dem. p. 778. *ψευδεῖς αἰτίας συντιθείς.* Thuc. 8, 68. *ὁ — ἅπαν τὸ πρᾶγμα ξυνθείς.*

694. *ἐσπουδάκατον*] Cf. Ran. 813. Th. 572. Antiph. 184, 2. *ἐσπούδακα.*

695. *κωλαγρέτου*] Cf. *μαζαγρέτης.* Simplex *ἀγρέτης* (sc. *στρατοῦ,* dux) legitur Pers. 1002.

696. *τὸν θῖνα*] Cf. Hom. Od. 12, 45. *πολὺς — θίς.* Il. 23, 693. *θίν' ἐν φυκιόεντι.* Arist. H. A. 8, 13. *ὁ θὶς ὁ μέλας.* *ὥς μου τὸν θῖνα ταράττει*] I. e. *θολοῖ.* Cf. Antiph. 26, 2. *ἅπαντα τεθολώκασιν (αἱ σηπίαι).* Eur. Alc. 1067. *θολοῖ δὲ καρδίαν.*

699. *δημιζόντων*] Cf. *ἀδελφίζειν, θυγατερίζειν, παππίζειν, πατερίζειν, καρδαμίζειν,* etc.

707. τὸν φόρον ἡμῖν ἀπάγουσιν] Cf. Ach. 643. τὸν φόρον ὑμῖν ἀπάγοντες.

710. πύῳ καὶ πυριάτῃ] Cf. Cratin. 142, 2. πυὸν δαινύμενοι κἀμπιμπλάμενοι πυριάτῃ (πυριάτης?). Eubul. 74, 5. Pollux I. 248. πυριάτη τὸ ὑπὸ τῶν πολλῶν λεγόμενον πυρίεφθον. Eust. 1626, 4.

713. ὥσπερ νάρκη —] Cf. Theocr. 27, 51. ναρκῶ ναὶ τὸν Πᾶνα.

721. στομφάζοντας] Hesych. ἐστόμφασα· ἠλαζονευσάμην, στόμφος γὰρ ἡ ἀλαζονεία. Phot. ἐστόμφασεν: ἠλαζονεύσατο. Nub. 1367. στόμφαξ.

726. δεδόκησαι] Cf. Herod. VII. 16. 11. οὕτω δεδόκηται γενέσθαι. Aesch. Eum. 309. δεδόκηκεν.

727. τὴν ὀργὴν χαλάσας] Lege τῆς ὀργῆς —. Cf. ad Av. 383. τῆς ὀργῆς χαλᾶν.

730. ἀτενὴς] Cf. Diph. IV. 404. Plat. Resp. VII. 547 E. Ruhnk. Tim. 53.

738. πρεσβύτῃ ξύμφορα] Qu. — πρόσφορα. Cf. 809. σοφόν γε τουτὶ καὶ γέροντι πρόσφορον. Soph. O. C. 1774. Sed cf. Eccl. 515.

763. Schol. ὁ Ἀτρεὺς (Κατρεὺς I. van Leeuwen).

765. ἐνθάδε | αὐτοῦ] Cf. Soph. O. C. 78. τοῖς ἐνθάδ' αὐτοῦ — δημόταις.

768. σηκὶς] Sic dicebantur ancillae οἰκογενεῖς (Poll. III. 76.).

771. εὐλόγως] Consentanea ratione. Anglice with good reason, rightly. Cf. Aesch. Sept. 508. Ἑρμῆς δ' εὐλόγως ξυνήγαγεν (αὐτόν). Suppl. 46. ἐπωνυμίᾳ — εὐλόγως. 252. 591. Fr. 5 D. Plat. Crat. 416 A. Lucian. II. 482. περὶ ἧς ἄν τις εὐλόγως τὸ Ὁμηρικὸν ἐκεῖνο εἴποι. ἐξέχῃ —] Cf. Fr. 389. ἔξεχ', ὦ φίλ' ἥλιε.

774. ὕοντος] Sub. Διός. Cf. Nub. 370. Sic χειμαίνοντος Theocr. IX. 19. μεσημβρινὸς] Cf. Lys. 60. ὄρθριαι.

789. ἐν τοῖς ἰχθύσιν] Cf. Eq. 857. Ran. 1068. Eupol. 304. Cratin. II. 126. ἐν τοῖς λύχνοις. Xenarch. III. 621. Antiph. 83. περιπατεῖ | ἐν τοῖς στεφάνοις. Alex. 46, 8. ἐν τοῖς λαχάνοις. 56, 3. ἐν τοῖς ἰχθύσιν. Diph. 32, 22. συνῆχας ἡμῶν εἰς τὰ λάχανα τὴν πόλιν. 43, 29. ἐνέβαλεν εἰς τὸν κέραμον. Men. IV. 305. πρὸς τοὔλαιον. διεκερματίζετ'] Cf. Nicom. Harm. II. 35. ed. Meib. τῶν — τὴν μουσικὴν κατακεκερματικότων.

795. Schol. ἐπὶ μέλλοντος (παρελθόντος Kock. Com. I. 225.).

797. οὐ πάνυ τι μικρόν] Cf. Men. IV. 209. οὐ πάνυ τι γηράσκουσιν αἱ τέχναι καλῶς, | ἂν μὴ etc.

801. ἐπὶ ταῖς οἰκίαισι] Anglice, at their houses (homes).

803. δικαστηρίδιον μικρὸν] Cf. Ephipp. 24, 2. σκευάριά τ' οἴνου μικρά. Anaxand. 34, 3. μικρὸν — ἀνθρώπιον. Lync. com. IV. 433. ἀντακαίου μικρόν. Xen. Cyr. VIII. 3. 8. μικρὸν γήδιον.

807. οὐρητιῶ] Cf. Arist. Probl. 4, 20. Formatum ut χεζητιῶ, βινητιῶ, μαθητιῶ. et al.

811. *φακῇ, ῥοφεῖν* —] Cf. Diph. 64, 2. *φακῆς κατ' ἄνδρα τρύβλιον μεστὸν μέγα.*

814. *φακῆν*] Sub. *πτισάνην*. Contractum ex *φακέαν*. Cf. Fr. 87. *ὅστις φακῆν, ἥδιστον ὄψων, λοιδορεῖς.* Antiph. 187, 5. *ῥοφεῖν φακῆν ἔσθ' ἡδὺ μὴ δεδοικότα.*

823. *οὔκουν ἔχει γ'* —] Cf. Aesch. Prom. 518. *οὔκουν ἂν ἐκφύγοι γε τὴν πεπρωμένην.* Soph. O. R. 565. *οὔκουν — γε.*

827. *ἐν οἰκίᾳ*] Cf. Ach. 974. Antiph. 28, 1.

828. *προσκαύσασα*] Cf. Alex. 124, 3. *προσκέκαυκε* (*τὸ ὄψον*).

834. *δεινὸν ἡ φιλοχωρία*] Cf. Eccl. 114. *δεινὸν ἡ μὴ 'μπειρία.* Aesch. Prom. 39. *τὸ συγγενές τοι δεινὸν ἥ θ' ὁμιλία.* Suppl. 1031. *δεινὸν τὸ κοινὸν σπλάγχνον.* Soph. Fr. 781. *δεινὸν τὸ τᾶς Πειθοῦς πρόσωπον.*

838. *τροφαλίδα τυροῦ Σικελικὴν*] Cf. Hermipp. 63, 9. *αἱ δὲ Συράκουσαι σῦς καὶ τυρὸν παρέχουσιν.*

844. *χοιροκομεῖον*] Cf. *χοιροτροφεῖον* Eupol. 453. et *νεοσσοτροφεῖον* (Colum. VIII. 15.).

846. *ἀφ' Ἑστίας ἀρχόμενος*] Cf. Cratet. 52.

847. *τιμᾶν βλέπω*] Cf. Ach. 376. *βλέπουσιν — ψήφῳ δακεῖν.* Alex. III. 425. *ὀρχεῖσθαι μόνον | βλέποντες, ἄλλο δ' οὐδέν.* Epicrat. III. 365. *τὸ καθ' ἡμέραν ὁρῶσα πίνειν κἀσθίειν | μόνον.*

848. *φέρε νυν ἐνέγκω* —] Cf. Eur. Ion. 544. *φέρε λόγων ἀψώμεθ' ἄλλων.*

853. *δύο καδίσκους*] Cf. Aesch. Ag. 815 sq.

855. *ἀρυστίχους*] Cf. Phryn. 40. *κύλικ' ἀρύστιχον.* Aliae formae sunt *ἀρύταινα, ἀρύβαλλος, ἀρυστήρ* et *ἄρυστις* (Soph. Fr. 703.).

858. *ἡδὶ δὲ δὴ τίς ἐστιν;*] Non matulam sed veretrum (schol. *τὸ αἰδοῖον*) dicere senem monet Herwerden. *ἡδὶ δὲ*] Cf. Ran. 308. *ὁδὶ δέ.*

866. *ἐκ τοῦ πολέμου — ξυνέβητον*] Cf. Thuc. I. 120. *ἐκ πολέμου πάλιν ξυμβῆναι.*

874. *Ἰήϊε παιάν*] Cf. Aesch. Ag. 151. *ἰήϊον — παιᾶνα.*

875. *ἀγυιεῦ*] Cf. Eur. Phoen. 634. *καὶ σύ, Φοῖβ' ἄναξ ἀγυιεῦ.* Soph. Fr. 340. *λάμπει δ' ἀγυιεὺς βωμὸς ἀτμίζων πυρί.* Poll. IV. 19. *ἐπὶ δὲ τῆς σκηνῆς καὶ ἀγυιεὺς ἔκειτο βωμὸς πρὸ τῶν θυρῶν.* Hesych. *ἀγυιεύς: ὁ πρὸ τῶν θυρῶν ἑστὼς βωμὸς ἐν σχήματι κίονος.* Formatum ab *ἀγυιά.* Menand. 748. *καθεδοῦμαι δ' ἐνθαδὶ τὸν Λοξίαν | αὐτὸν καταλαβών.* 45. 740. Phot. *Λοξίας: εἰώθασι τὸν πρὸ τῶν θυρῶν ἱδρυμένον βωμὸν τοῦ Ἀπόλλωνος Λοξίαν καὶ Ἀπόλλω προσαγορεύειν καὶ Ἀγυιᾶ.* Cf. Soph. Fr. 607. *πύλης ἄναξ θυρωρέ.* Ion. Fr. 37. *ἀλλ', ὦ θυρέτρων τῶνδε κωμῆται θεοί.* *προθύρου*] Frequentius est plurale *πρόθυρα.* Sic Aesch. Cho. 965. *πρόθυρα δωμάτων.*

877. *μέλιτος μικρὸν — παραμίξας*] Cf. Alex. 84, 3. *στεατίου | μικρὸν παραμίξας.* Lync. IV. 433. *ἀντακαίου μικρόν.* Eubul. 42, 4.

ἑκάστου μικρόν. Athen. IV. 152 C. ἐνίοτε δὲ καὶ ὀλίγον ὕδωρ παραμίγνυται.

878. σιραίου] Cf. Antiph. 142, 1. ἀσταφίδος, ἁλῶν, σιραίου, σιλφίου, τυροῦ, θύμου. Hinc, ni fallor, nostrum syrup, Gall. sirop.

879. ἤπιον] Mitem. Contrarium est ὠμός (immitis). Aesch. Ag. 1045. ὠμοί τε δούλοις.

887. εὖνοι] Cf. Thuc. IV. 87, 1. εὖνοι ὄντες. Philemon (222) οἱ εὔνους dixit.

897 sq. Cf. Pl. 480. τί δῆτά σοι τίμημ' ἐπιγράψω τῇ δίκῃ, | ἐὰν ἁλῷς; κλῳὸς] Hinc κλῳομάστιξ (Bekk. Anecd. 49, 5), i. e. ὁ κλοιῷ δεδεμένος καὶ μαστιγούμενος.

901. σεσηρὼς] Cf. Pac. 620. σεσηρότας. Theocr. VII. 19. σεσαρώς.

902. ποῦ μοὐ διώκων;] I. e. ποῦ μοι ὁ διώκων; Cf. Eccl. 785. ποῦ μοὔσθ' ἱμάς; Pac. 1295. ποῦ μοι τὸ — παιδίον;

903. αὖ αὖ] Sic ἃ ἃ, ὗ ὗ, βῆ βῆ, αἶ αἶ, etc.

904. Cf. Antiph. 80, 9. ὀργὴν ἐνεγκεῖν ἀγαθός. Eubul. 66, 2. ἀνδρῶν ἀρίστων ἐσθίειν ὁι' ἡμέρας etc. Eur. Rhes. 176. κακαὶ γεωργεῖν χεῖρες εὖ τεθραμμέναι. Chaerem. 39. γέρων γὰρ ὀργῇ πᾶς ὑπηρετεῖν κακός. Thuc. III. 38. 4 ἀπατᾶσθαι ἄριστοι.

908. δεινότατα —] Cujusmodi ea fraus fuerit ostendunt vv. 836 sq.

909. τὸ ῥυππαπαῖ] Cf. Eq. 17. τὸ θρέττε.

911. κατεσικέλιζε] Cf. 838. Poll. VI. 63. τυρὸς Κύθνιος καὶ Σικελικός.

917. κοινῷ] I. e. κοινωνῷ. Cf. Soph. O. R. 240. μήτ' ἐν θεῶν εὐχαῖσι — κοινὸν ποιεῖσθαι (i. q. κοινωνόν). Aesch. Ag. 1037.

921. Cf. Com. adesp. 808. αὐτοβοᾷς (l. αὐτὸς βοᾷς) ὅμοιος ὢν τῷδε. Dem. de F. L. 119. ταῦτ' οὐ φανερὰ —; ταῦτ' οὐχὶ βοᾷ καὶ λέγει ὅτι χρήματ' εἴληφεν Αἰσχίνης —; Cic. pro Mil. 20, 54. 'Res loquitur ipsa'.

923. μονοφαγίστατον] Sic ὀψοφαγίστατος Antiph. 190, 5. Cf. Amips. 24. μονοφάγε καὶ τοιχωρύχε. Plat. 207. Verbum μονοφαγεῖν legitur Antiph. 298.

925. τὸ σκῖρον] Cf. Cratin. 444. σκίρον. Eupol. 277.

929. κεκλάγγω] Cf. κεκλήγω (Hom.).

933. κλέπτον τὸ χρῆμα τἀνδρός] Cf. Av. 826. Lys. 83. 1085.

938. δοίδυκα, τυρόκνηστιν] Cf. Fr. 112 D. δοῖδυξ, θυεία, τυρόκνηστις, ἐσχάρα.

948. ἀπόπληκτος] Anglice seized. Cf. Plat. 130, 2. ἀλλ' ὥσπερ ἀπόπληκτοι στάδην ἑστῶτες ὠρύονται.

949. πάρεχ'] Anglice make way. Cf. Av. 1720.

953. Cf. Nub. 1112. ὠχρὸν μὲν οὖν, οἶμαί γε, καὶ κακοδαίμονα.

955. προβατίοις ἐφεστάναι] Cf. Soph. O. R. 1028. ποιμνίοις ἐπεστάτουν.

956. Cf. Pl. 1152. Sext. Empir. p. 557, 22. *οὔτε ἡδονῆς οὔτε πλούτου ὄφελός τί ἐστιν* etc. Eur. Fr. 552. *ποῦ 'στὶ τῆς εὐμορφίας | ὄφελος, ὅταν —;* Demosth. XIX. 283. *οὐδέν ἐστ' ὄφελος πόλεως ἥτις μὴ νεῦρα — ἔχει.*

961. Cf. Eur. Fr. 439. *φεῦ φεῦ, τὸ μὴ τὰ πράγματ' ἀνθρώποις ἔχειν | φωνήν, ἵν' ἦσαν μηδὲν οἱ δεινοὶ λέγειν.*

967. Qu. *ὦ δαιμόνι', ἐλεεῖτε τοὺς δυσδαίμονας.* Cf. 962. et 975 sq. Aut *ὦ δαιμόνι' ἐλεῖ* (pro *ἐλέει*) *τοὺς ταλαιπωρουμένους.* (Sic *ἐλεεινὸς* et *ἐλεινός* Ach. 413. Ran. 1063. Th. 1063.) Cf. 880. *τοὺς φεύγοντάς τ' ἐλεεῖν μᾶλλον.*

968. *τραχήλι' ἐσθίει*] Cf. Pherecr. ap. schol. (54.) *ὅστις παρέθηκε κρανί' ἢ τραχήλια.*

979. *κατάβα*] Cf. Ran. 35. Sic *ἀνάβα, πρόβα, ἔμβα, διάβα, ἀπόστα.*

984. *οὐδέν ποτ' ἀλλ' ἢ —*] Cf. Theopomp. 32, 3. *ἆρ' εἶ κάτοπτρον φύσεος, ἣν πλῆρες δοθῇς; | οὐδέν ποτ' ἄλλο.* Aesch. Ag. 1139. *οὐδέν ποτ' εἰ μὴ ξυνθανουμένην· τί γάρ;*

986. *ὦ πατρίδιον*] Cf. Xenarch. 4, 14. *τοὺς μὲν γέροντας ὄντας ἐπικαλούμεναι | πατρίδια.* Theophil. 4, 3. *πατρίδιον.*

994. *ἐκπέφευγας*] Cf. Ach. 207. *ἐκπέφευγε.* Aesch. Eum. 752. *ἀνὴρ ὅδ' ἐκπέφευγεν αἵματος δίκην.*

1002. *οὐ τοὐμοῦ τρόπου*] Cf. Th. 93. Eupol. 103, 2. *βληχητὰ τέκνα κοὐδαμῶς τοὐμοῦ τρόπου.*

1015. *νῦν αὖτε*] *αὖτε* in versibus heroicis et anapaestis locum habet, non in senariis. Cf. Pac. 1270. Metag. II. 751. Cratin. 169, 1. *οἱ δ' αὖθ' ἡμεῖς* (*δεῖ δ' αὖθ' ὑμᾶς* bene Kock.), *ὡς ὁ παλαιὸς | λόγος,* etc. *πρόσσχετε —*] Scribendum, ni fallor, plene *προσέχετε.* Cf. Eq. 503. Nub. 575. Av. 688.

1024. *ὀγκῶσαι*] *ὀγκώσας* Herwerden.

1025. Quum fabula Autolycus docta sit Ol. 89, 4. neque in Pace (Ol. 89, 3.) neque in Vespis eam respicere potuit Aristophanes, ut monuit Kock. Com. I. 271.

1033. *ἐλιχμῶντο*] Cf. Theocr. 24, 20. *λιχμώμενοι* (*δράκοντες*). 25, 226. *γλώσσῃ δὲ περιλιχμᾶτο γένειον.*

1035. *Λαμίας*] *χιμάρου* requirit Herwerden. "Expectatur enim, inquit, juxta phocam et camelum tertia bestia immunda". Fort. *Λαμίου* et hic et in Pac. 758., quod nomen proprium legitur Eccl. 77.

1036. *καταδωροδοκῆσαι*] Cf. Ran. 361. *καταδωροδοκεῖται* (*καταδωροδοκεῖ τι*?).

1041. *συνεκόλλων*] Cf. Nub. 446. *ψευδῶν συγκολλητής.*

1060 sq. Prorsus similis Chori lamentatio est Aesch. Ag. 72—82.

1060. *πάλαι ποτ' ὄντες — ἄλκιμοι*] Cf. Pl. 1002. *πάλαι ποτ' ἦσαν ἄλκιμοι Μιλήσιοι.* 1075.

1063. *πρίν ποτ' ἦν*] Cf. Eur. Tro. 583. *πρίν ποτ' ἦμεν.*

1069. *κικίννους νεανιῶν*] Cf. Fr. 25. Alciphr. III. 55. 3. *οὐκ ἀτημέλητος τοὺς κικίννους.* Eur. Fr. 1039, 1. *νεανίας — κόμη μόνον καὶ σάρκες.*

1080. *μενοινῶν*] Cf. Soph. Aj. 341. *μενοινᾷ.* Eur. Cycl. 448. *σφάξαι νιν μενοινᾷς.* Theogn. 461.

1081. *σὺν δόρει σὺν ἀσπίδι*] Cf. Pac. 357. Aesch. Fr. 127 d. *σὺν δόρει στρατόν.*

1082. *ἐμαχόμεσθ' — στὰς ἀνὴρ παρ' ἄνδρ'*] Cf. Soph. Ant. 411 sq.

1088. *ἄπειρος*] Vitiosum. Fort. *ἄμοιρος.*

1098. *τοιγαροῦν*] Cf. Eup. II. 456. Plat. com. 186, 5. *τοιγαροῦν ῥήτωρ ἔσει.* Aristophont. 14, 1. Ephipp. 2, 3. Antiph. 194, 13. Damox. IV. 531. Soph. O. R. 1519. Aj. 490. Phil. 341. El. 1257. Menand. 986. *αἰτιώτατος.*

1109. *τοῖς τειχίοις*] Cf. Eupol. 207, 2. *ἐπὶ τῶν τειχίων.* Eccl. 451. *ἐλθοῦσα πρὸς τὸ τειχίον.*

1111. *κυττάροις*] *κύτταροι* sunt *αἱ τρῆμαι τῶν κηρίων* (Hesych.). Cf. Pac. 199. Th. 516. Achae. trag. 49. *κύτταροι* (i. e. *αἱ τρῆμαι τῶν κηρίων*). Schol. Pac. 199. *τὸ κύτταρον — ἐν ᾧ αἱ φηγοὶ ἐγκάθηνται.*

1114. *ἀλλὰ γὰρ κηφῆνες*] Cf. Eupol. 68, 2. *κοὐδὲν βεβρωκώς, ἀλλὰ γὰρ στέφανον ἔχων.* Aelian. N. A. I. 9. *ὁ κηφὴν — νύκτωρ — λυμαίνεται τοῖς σίμβλοις.* Qu. *ἀλλὰ κηφῆνες γὰρ —.* Sed cf. Soph. Ant. 148. *ἀλλὰ γὰρ ἁ μεγαλώνυμος ἦλθε Νίκα.*

1117. *ἀστράτευτος*] Ab *α* et *στρατεύεσθαι* (militari). Fabulae Eupolideae titulus fuit *Ἀστράτευτοι.*

1119. *φλύκταιναν λαβών*] Cf. 1167. *οὐδὲ χίμετλον λήψομαι.*

1124. *ὁ βορέας ὁ μέγας*] I. e. Aquilo ille qui Persarum naves ad Artemisium demersit, ut docet schol.

1127 sq. Sensus est, "Si lacerna mea usus essem, non maculata ea esset, neque fulloni eam purgandam deferre coactus essem. Cf. Pl. 842. 882. 887. 935. Eccl. 850. Ach. 184. 343." (Richter. p. 146.).

1128. *ἀπέδωκ' ὀφείλων*] Lege *ἐκδοὺς ὀφείλω.* Cf. Plat. Legg. 921 A. *τὴν τιμὴν τῶν ἔργων ὀφειλέτω ὧν ἂν τὸν ἐκδόντα ψεύσηται.* Librarius *ἐκδοὺς ὀφείλω* in *ἐξέδωκ' ὀφείλων* mutavit, deinde metri gratia *ἐξέδωκ'* in *ἀπέδωκ'*, quod hic non convenit, mutavit.

1133. *ἔπειτα —;*] Cf. Nub. 1214. Timocl. 8, 1. Eur. Bacch. 1207. Eur. Fr. 900, 2. *ἔπειτα παῖδας σὺν πικραῖς ἀλγηδόσι | τίκτω;*

1137. *καυνάκην*] Cf. Menand. 972. *καυνάκας πορφυροῦς.* Poll. VII. 59. *καυνάκης Περσῶν.* 60. *Βαβυλωνίων ἐστὶν ὁ καυνάκης.* Hesych. Phot.

1139. *κοὐ θαῦμά γ'*] Cf. Pl. 99. *καὶ* (l. *κοὐ*) *θαῦμά γ' οὐδέν.* Eur. Iph. A. 823. *οὐ θαῦμά σ' ἡμᾶς ἀγνοεῖν.*

1144. *κρόκης χόλιξ*] Cf. Eup. II. 556. *μαλθακωτάτην κρόκην.*
1145. *πόθεν;*] Cf. Ran. 1455. Eccl. 389. 976. Fr. 723.
1148. *ἐριώλην*] Cf. Dionys. trag. 12.
1159. *ἐγὼ γὰρ ἂν τλαίην —;*] Cf. Theopomp. 54, 1. *ἐγὼ γὰρ ἂν — πίοιμι —;* Av. 815.
1161. *κἀπόβαιν'*] Lege *καὶ πρόβαιν'*. Cf. 230. *χώρει, πρόβαιν' ἐρρωμένως.*
1163. Cf. Xen. Cyr. 3, 3. 22. *ἐνέβαλεν εἰς τὴν πολεμίαν.*
1167. *χίμετλον — λήψομαι*] Cf. 1119. *φλύκταιναν λαβών.*
1168. *πλουσίως —*] Cf. Eupol. II. 450. *κοίτας — πλουσίως σεσαγμένας.* et ad Soph. O. R. 1070.
1169. *διασαλακώνισον*] Cf. 1073. *σαυλοπρωκτιᾶν.* Lucian. Rhet. praec. 11. *πάγκαλον ἄνδρα, διασεσαλευμένον τὸ βάδισμα, ἐπικεκλασμένον τὸν αὐχένα.* Lucian. 17, 33. *διασεσαλευμένον τὸ βλέμμα.* Confer v. *διασαυλοῦσθαι* Fr. 522 D.
1172. *δοθιῆνι*] Cf. Telecl. 43. *ὅδ' ἀπ' Αἰγίνης νήσου χωρεῖ δοθιῆνος ἔχων τὸ πρόσωπον.* Hermipp. 30. *ὥσπερ πέπονος δοθιῆνος.*
1173. *σαυλοπρωκτιᾶν*] Simonid. Iamb. 16. *σαῦλα βαίνων.* Photius *σαῦλον* per *ἁβρὸν, τρυφερὸν,* et *σαυλοῦσθαι* per *θρύπτεσθαι ἁβρύνεσθαι* explicat. Cf. *ἐπιδεικτιᾶν* (Hesych.).
1177. *Λάμια ἑταίρα* memoratur Aelian. V. H. XII. 17. Euripidis fabulae titulus fuit *Λάμια.*
1178. *Καρδοπίων*] Cf. nomina *Ἐργασίων* (1201), *Αἰσχρίων, Καρίων, Ἀγκυλίων, Κηδαλίων, Βουταλίων* al.
1187. *Ἀνδροκλῆς*] De eo cf. Ecphant. 4. Cratin. 208. 263.
1193. *πλευρὰν βαθυτάτην καὶ χέρας λαγόνας τε καὶ —*] Ineptum hic esse *καὶ χέρας* bene monuit Starkie. Corrigendum *πλευρὰν βαθυτάτην, καρτερὰς λαγόνας τε* (aut *καρτερά τε λαγόνε*) *καὶ —*. *πλευρὰν — λαγόνας*] Cf. Ran. 662. 1095. *γαστέρα, πλευράς, λαγόνας, πυγήν.* Xen. Cyn. 5, 3. *λαγόνας ὑγράς.*
1201. *Ἐργασίωνος — ὑφειλόμην*] Cf. Anaxand. 34, 10. *ὑφείλετ' ἄρνα ποιμένος παίζων.* Eq. 745.
1204. *νεανικώτατον*] Cf. Dem. p. 1267. *ταῦτα τὰ λαμπρὰ καὶ νεανικά ἐστιν αὐτῶν.*
1207. *εἷλον διώκων*] Cf. Dem. p. 378. *αἱρεῖς διώκων.* Nub. 845. *παρανοίας ἕλω.*
1213. Hesychius *χύτλασον* per *ὕγρανον* explicat.
1215. Cf. Diph. 61, 2. *οὐ κατανοῶ τὰ τρίγλυφ' οὐδὲ τὰς στέγας.*
1222. *δέξει*] Cf. Antiph. 47, 5. *αὐλῶν πέραινε· δέξεται δὲ τἄλλα σοι.*
1223. *οἱ ὑπεράκριοι, οἱ πάραλοι,* et *οἱ ἐκ τοῦ πεδίου* distinguuntur Herodoto VI. 20 f.
1224. *ἐγὼ εἴσομαι*] Eadem crasis est in Soph. Ph. 585. *ἐγώ εἰμι.*
1239. *Ἀδμήτου λόγον*] Cf. Cratin. apud schol. (236.). *Κλειταγόρας ᾄδειν, ὅταν Ἀδμήτου μέλος αὐλῇ.*

1241. ἀλωπεκίζειν] Cf. Bekk. Anecd. 10, 15. ἀλωπεκίσαι (διαλωπ. Kock.): ἐξαπατήσαντα διαδρᾶναι. Zenob. I. 70. ἀλωπεκίζειν πρὸς ἑτέραν ἀλώπεκα. Cf. πιθηκίζειν.

1245. Κλειταγόρας μέλος] I. e. canticum in Clitagoram, ut Ἀδμήτου in Admetum.

1248. Cf. Lucian. Somn. 12. τὸν δὲ πλοῦτον ἐκεῖνον διασκέδασας.

1267. οὐκ τῶν κρωβύλων] Cf. Antiph. III. 103. στίμμιν, κάτοπτρα, κρωβύλους.

1279. ἀργαλέον ὡς σοφόν] Cf. Av. 427. ἄφατον ὡς φρόνιμος. Lys. 198. 1148.

1280. πολύ τι] Cf. Pac. 823.

1282. φύσεος] Cf. 1458. Th. 465. et ad Pl. 1044.

1283. γλώττοποιεῖν] Vitiosum. Reponendum, ni fallor, γλωττοδεψεῖν (v. Etym. M. cf. βυρσοδεψεῖν Pl. 167.). Confer γλωττοστροφεῖν (Nub. 792.), γλωσσοτομεῖν, γλωσσοχαριτεῖν (LXX.).

1287. μέγα κεκραγότα] Cf. Eq. 641. μέγα | ἀνέκραγον.

1288. ὅσον δὲ μόνον εἰδέναι] Cf. Plat. Prot. 334 C. ὅσον μόνον τὴν δυσχέρειαν κατασβέσαι.

1289. ἐκβαλῶ] Anglice let fall, utter. Cf. Th. 401.

1290. ὑπό τι μικρὸν] Cf. Xenarch. 2, 1. ὡς ὑπό τι νυστάζειν γε καὐτὸς ἄρχομαι. Plat. Phaedr. 242 D. εὐήθη καὶ ὑπό τι ἀσεβῆ. Gorg. 493 C. ὑπό τι ἄτοπα. Phryn. 61. ἢ μαζίον τι μικρὸν ἢ κολοκυντίου. ἐπιθήκισα] Cf. διαπιθηκίζειν Bekk. Anecd. 238, 13.

1294. ὡς εὖ] Cf. Fr. 73. Eur. Phoen. 991. Iph. T. 559. νουβυστικῶς] Cf. Cratin. jun. 7, 5. νουβυστικῶς. Eccl. 441.

1299. ἀτηρότατον — κακὸν] Cf. Eur. Andr. 353. ἀτηρὸν κακόν. Hipp. 630. ἀτηρὸν — κακόν.

1300. παροινικώτατος] Cf. Ach. 981. παροινικὸς (παροίνιος male vulg.) ἀνὴρ ἔφυ.

1301. Λύκων] Antolyci pater, postea Socratis accusator extitit.

1303. ὑβριστότατος] Cf. Pher. 162. ὕβριστον ἔργον καὶ κόβαλον εἰργάσω. Plat. com. 98, 3. ὑβριστόν ἐστι χρῆμα κἀκόλαστον (γυνή).

1306. καχρύων] Cf. Nub. 1358. Cratin. 274. φρύγουσιν ἤδη τὰς κάχρυς τοῖς κύρβεσιν. Cf. Theophr. Char. 8. δοκῶ μοί σε εὐωχήσειν καινῶν λόγων.

1307. ἔτυπτεν ἐμὲ νεανικῶς] Cf. Pac. 897. νεανικῶς παίειν. παῖ παῖ καλῶν] Cf. Cho. 654. τίς ἔνδον, ὦ παῖ παῖ μάλ' αὖθις, ἐν δόμοις;

1309. νεοπλούτῳ] Cratin. 208, 2. ἀνδρῶν νεοπλουτοπονήρων.

1310. Cf. Hermipp. 47, 6. ῥάβδον δ' ὄψει τὴν κοτταβικὴν | ἐν τοῖς ἀχύροισι κυλινδομένην.

1314. οἱ δ' ἀνεκρότησαν] Eadem verba Eq. 651. Ph. 739.

1315. διεμύλλαινεν] Cf. Bekk. Anecd. 36, 9. Etym. M. 268 f.

Suid. Hesych. *ἀναμυλλᾶναι*: *ἀνανεῦσαι, ἀρνήσασθαι*. Cf. vv. *μοιμύλλειν, μοιμυλλᾶν* (Poll. II. 90.).

1317. *ἐπὶ τῷ κομᾷς —;*] Cf. Aelian. N. A. V. 21. *ἐπ' αὐτῷ* (*τῷ κάλλει*) *κομᾷ* (*ὁ ταῶς*).

1324. *ὁδὶ δὲ δὴ καὶ* —] Lege *ὁδὶ δὲ καὶ δὴ* —. Cf. Eur. Hipp. 1447. *ὄλωλα· καὶ δὴ νερτέρων ὁρῶ πύλας*.

1326. *ἄνεχε*] Qu. *ἄναγε*. Cf. ad Av. 1720. Cf. 949. *πάρεχ' ἐκποδών*. Eur. Tro. 308. *ἄνεχε, πάρεχε φῶς*.

1338. *ἰαιβοῖ αἰβοῖ*] Sic Th. 223. *ἀτταταῖ ἰατταταῖ*.

1340. *οὐκ ἄπει σὺ* (*καὶ σύ*)*;* A. Palmer coll. Pl. 788. Av. 435.

1341. Schol. *προσκοριζόμενος* (*ὑποκοριζόμενος* recte Headlam).

1348. *οὐδὲ φιαλεῖς, οἶδ' ὅτι*] Latet vitium. Correxi *οὐδὲ φνεὶ εὖ οἶδ' ὅτι*. Cf. Lucian. Lex. 19. *οὐδ' ὅσον τοῦ γρῦ καὶ τοῦ φνεὶ φροντιοῦμεν αὐτοῦ*. Arist. Pl. 17. *ἀποκρινομένῳ — οὐδὲ γρῦ*.

1353. *λυσάμενος*] Cf. Antiph. 239, 2. *οὐδ' ἐλύσατο* | *πορνίδιον*. *ὦ χοιρίον*] Qu. *ὦ χρυσίον*. Cf. Lys 930. *ὦ χρυσίον*. Av. 1200. *ὦ χρυσίω*.

1354. *οὐ κρατῶ πω*] Cf. Aesch. Eum. 590. *οὐ κειμένῳ πω τόνδε κομπάζεις λόγον*.

1357. *κυμινοπριστο* —] Cf. Alex. 251. Posidipp. 26, 12. *κυμινοπρίστας πάντας ἢ λιμοὺς καλῶν*. Men. 1025. Anecd. Bekk. p. 233. *Κύμινον*: *ἐπὶ μικρολόγου Μένανδρος*. Cf. v. *κυμινοκίμβιξ* (i. e. *ὁ φειδωλὸς καὶ γλίσχρος*) et v. *τοκογλύφος*.

1364. *τυφεδανὲ*] Cf. Nub. 908. *τυφογέρων*. Lys. 335. *ὦ οὗτος*] Cf. Soph. O. C. 1627. *ὦ οὗτος οὗτος Οἰδίπους*. Aj. 89. *ὦ οὗτος Αἴας*.

1381. *οὐδὲν δύνασθαι δρᾶν*] Cf. Pherecr. 248. *ὦ γῆρας, ὡς ἐπαχθὲς ἀνθρώποισιν εἶ* — | *ἐν ᾧ γὰρ οὐδὲν δυνάμεθ' οὐδ' ἰσχύομεν*, etc.

1382. *'Ολυμπίασιν*] Cf. Lys. 1131. *Πλαταιᾶσι*. Dem. p. 1378.

1393. *διὰ τὸν σὸν οἶνον*] Cf. Eq. 97. *τῷ σῷ ποτῷ*.

1396. *Μυρτίας*] An *Μυρτίου*?

1402. *ὑλάκτει*] Cf. Aesch. Ag. 1672. *μὴ προτιμήσῃς ματαίων τῶνδ' ὑλαγμάτων*. *κύων*] Cf. Ag. 1227. *γλῶσσα μισητῆς κυνός* (Clytaemnestrae).

1405. *σωφρονεῖν ἄν μοι δοκεῖς*] Cf. Aesch. Ag. 935. *τί δ' ἂν δοκεῖ σοι Πρίαμος, εἰ τάδ' ἤνυσεν;* | *ΑΓ. ἐν ποικίλοις ἂν κάρτα μοι βῆναι δοκεῖ*.

1406. Cf. 1417. 1334. Ran. 578. Telecl. 2, 1. *ἀλλ', ὦ πάντων ἀστῶν λῷστοι σεῖσαι καὶ προσκαλέσασθαι,* | *παύσασθε δικῶν ἀλληλοφάγων*.

1409. *ἄκουσον, ἤν τί σοι δόξω λέγειν*] Cf. Ran. 175. *ἐὰν ξυμβῶ τί σοι*. Soph. O. C. 1769.

1410. Post h. v. hujus modi versum excidisse putat A. Palmer, *νικᾶν δ' ἔκριναν οἱ κριταὶ Σιμωνίδην*. Probabilis conjectura. Causa

omissionis ejus fuerit homoeotelanton. Locus, ut nunc stat, omnino insulsus est.

1413. *θαψίνη*] Similiter Cratinus (336) *Σκυθικὸν* Hipponicum dixit *διὰ τὸ πυρρὸν εἶναι* (Hesych. v. *Σκυθικός*). Idem autem sunt *Σκυθικὸν ξύλον* et *θάψος* (schol. Theocr. II. 88.).

1420. *χάριν — προσείσομαι*] Cf. Soph. Fr. 709, 2. *ὃς οὔτε τοὐπιεικὲς οὔτε τὴν χάριν | οἶδεν.* Scribendum *προσείσομαι.* Alioqui dicendum, ni fallor, fuisset *καὶ πρὸς χάριν εἴσομαι.* Cf. Plat. Apol. 20 A. *καὶ χάριν προσειδέναι.*

1431. Cf. Eur. Fr. 93, 2. *κἀφ' ὅτῳ τεταγμένος | εἴη τις ἀνδάνοντα δεσπόταις ποιεῖν.* Soph. Fr. 535, 4. *ζῴη τις ἀνθρώπων τὸ κατ' ἆμαρ ὅπως ἥδιστα πορσύνων.* Aesch. Ag. 944. *ὑπαί τις ἀρβύλας — λύοι τάχος.* Cho. 887. *δοίη τις — πέλεκυν ὡς τάχος.* Suppl. 963. Eum. 292. 297. Phocyl. 211. *δούλῳ τακτὰ νέμοις.* Thuc. IV. 54 f. *ἐναυλιζόμενοι τῶν χωρίων οὗ καιρὸς εἴη.* Theogn. 256. *πρῆγμα δὲ τερπνότατον τοῦ τις ἔραιτο τυχεῖν.* "Proverbium ex Ionico aliquo iambographo sumptum esse docet sermonis ratio." (Herwerden)

1432. *εἰς τὰ Πιττάλου*] Cf. Ach. 1222. *θύραζέ μ' ἐξενέγκατε εἰς τὰ Πιττάλου.* Theocr. IV. 23. *ἔς τε τὰ Φύσκω* (*ἐλαύνεται*).
παράτρεχ'] Qu. *ταχὺ τρέχ'.*

1436. Cf. Aesch. Eum. 642. *ὑμᾶς δ' ἀκούειν ταῦτ' ἐγὼ μαρτύρομαι.* Philem. 45. *ἐχῖνον*] Cf. Erotian. 73, 11 Kl. *ἔστιν ἐχῖνος χύτρας εἶδος μεγαλοστόμου καὶ μεγάλης.*

1438. *ναὶ τὰν Κόραν*] Cf. Epicrat. 9, 1. *τελέως μ' ὑπῆλθεν ἡ κατάρατος μαστροπὸς | ἐπομνύουσα τὰν Κόραν, τὰν Ἄρτεμιν,* etc.

1443. *ἀράμενος ἐγώ σε —*] Qu. *ἀράμενος οἴσω σε —.* Cf. Antiph. 195, 5. *φέρειν τιν' ἄρας ἄνεμος.* *τί ποιεῖς; ΦΙ. ὅ τι ποιῶ;*] Tentabam *τί ποιήσεις; ΒΔ. ὅ τι ποιῶ; | εἴσω φέρω σ' —,* sed non quid facturus sit, sed quid faciat filius suus, rogat senex.

1451. *μετέστη ξηρῶν τρόπων —*] Cf. Aesch. Eum. 818. *μεθίσταμαι κότου.* Eur. Her. 796. *νέος μεθέστηκ' ἐκ γέροντος αὖθις αὖ.* Soph. Ant. 718. *ἀλλ' εἶκε θυμοῦ καὶ μετάστασιν δίδου.*

1453. *ἀντιμαθὼν*] Cf. Pl. 924. *οὐδ' ἂν μεταμάθοις;* Herod. I. 57. *τὴν γλῶσσαν μετέμαθε.* Aesch. c. Ctes. p. 544. *πρεσβύτας — ὀψὲ μεταμανθάνοντας τὴν ἐλευθερίαν.*

1454. *ἦ μέγα πείσεται 'πὶ τὸ τρυφερὸν —· τάχα δ' ἂν ἴσως οὐκ ἐθέλοι*] Cf. Aesch. Ag. 1049. *πείθοι' ἄν, εἰ πείθοι', ἀπειθοίης δ' ἴσως.*

1455. *τὸ τρυφερὸν*] Cf. 551. 1169. Eccl. 903. *τὸ τρυφερὸν — τοῖς μήλοις ἐπανθεῖ.*

1458. *φύσεος*] Cf. ad 1282.

1473. *πράγμασι*] Studiis. Cf. Nub. 615.

1475. *εἰσκεκύκληκειν*] Lege *εἰσκεκύλικεν.*

1477. *περιχαρὴς τῷ πράγματι*] Cf. Pac. 309. *περιχαρεῖς τῷ πράγματι*. Herod. I. 31. *ἡ δὲ μήτηρ περιχαρὴς ἐοῦσα τῷ τε ἔργῳ* etc.

1483. *τουτὶ καὶ δὴ χωρεῖ τὸ κακόν*] Cf. Nub. 906. Ran. 1018.

1489. *πῖθι*] Cf. Amips. 18. Alex. 232, 5. *πῖθι θαρρῶν*. Men. 212. *ἔκπιθι*. Ion. Fr. 27. Altera forma *πίε* est Men. 151. Cf. Calliam com. 28. *ἐλλεβοριᾶν* (i. e. *ἐλλεβόρου δεῖσθαι*).

1491. *βαλλήσει*] Cf. Av. 524. *ὥσπερ δ' ἤδη τοὺς μαινομένους* | *βάλλουσ' ὑμᾶς*.

1492. *ἐκλακτίζων*] Cf. Men. 16. *ἐκλελάκτικεν*. Verbo *ἐκλακτίζειν* usus est etiam Eupolis. V. schol. Schol. *αὐτὸς* (l. *αὐτό*).

1493. *πρωκτὸς χάσκει*] Cf. Ach. 104. *χαυνόπρωκτε*.

1496. *μανικὰ πράγματα*] Cf. Aesch. Eum. 715. *αἱματηρὰ πράγματα*.

1500. *ὁ μέσατος*] Cf. Theocr. XXI. 19. *οὔπω τὸν μέσατον δρόμον ἄννεν ἅρμα σελάνας*.

1507. *καρκίνους*] Similiter Chaerephili duo filii pusilli *σκόμβροι* appellantur Timocl. 17.

1510. *πιννοτήρης*] Cf. Posidipp. 14, 3. *πίνας* (sic recte A. *πίννας* al.), *τραχήλους, μῦς*. Antiph. 194, 15. *πίννη καὶ τρίγλη*. Nominativus est *πίνη* aut *πῖνα*. De accentu v. Herodian. I. 256. 6. II. 455. 5. II. 570. 1. Cf. *δεμνιοτήρης* Aesch. Ag. 53. et (*κνισοτηρητής* (Bekk. Anecd. 49, 13.). Schol. *χοροῦ* (*χορὸς* recte Mein.).

1521. *θῖν' ἁλὸς ἀτρυγέτου*] Cf. Aesch. Fr. 321. *θινὸς ἐμβολὰς ἁλός*. Soph. Fr. 435, 2. *ὑπὲρ* (*αἰθέρος*) *ἀτρυγέτου*. Bacchyl. 47. *νωμᾶται δ' ἐν ἀτρυγέτῳ χάει*. Sic *ἀμιάντου* (sc. *θαλάσσης*) Aesch. Pers. 578.

1526. *ὄζωσιν*] Cf. Aesch. Eum. 124.

1529 sq. Idem metrum est Cratin. 57, 2. 58, 2. et 323.

1529. *στρόβει*] Cf. Trag. adesp. 322. *θύννος βολαῖος πέλαγος ὣς διαστροβεῖ*.

1530. *ῥῖπτε σκέλος*] Cf. Pac. 332. *τὸ σκέλος ῥίπτειν* —. Pratinam Fr. 1, 19. *καὶ ποδὸς διαρριφά*.

1531. *ὁ ποντομέδων ἄναξ*] Cf. Aesch. Sept. 130. *ὅ θ' ἵππιος ποντομέδων ἄναξ*. Eq. 551. *ἵππι' ἄναξ Πόσειδον*.

1536. Cf. Arist.. Ach. 736. *τίς δ' οὕτως ἄνους* | *ὃς ὑμέ κα πρίαιτο —;* Soph. Ant. 220. *οὐκ ἔστιν οὕτω μῶρος ὃς θανεῖν ἐρᾷ* (*ὥστ' ἐρᾶν θανεῖν*?). Eur. Ph. 603. *τίς ὧδ' ἄνους ὅστις —;* Alc. 192. Aesch. Prom. 159. *τίς ὧδε τλησικάρδιος θεῶν ὅτῳ —;* Trag. adesp. 118. *τίς ὧδε μῶρος — ὅστις ἐλπίζει —;* Herod. I. 87. *οὐδεὶς οὕτω ἀνόητός ἐστι ὅστις πόλεμον πρὸ εἰρήνης αἱρέεται*. In hujusmodo locis multo frequentius est *ὅστις* quum *ὅς*.

COMICORUM FRAGMENTA.

Alcaeus.

(I. 756. ed. Kock.)

36. *ἔδω δ' ἐμαυτὸν* —] Cf. Pher. 13, 4. *ὡσπερεὶ τοὺς πουλύποδας | νύκτωρ περιτρώγειν αὑτῶν τοὺς δακτύλους.*

Alexis.

(II. 297. ed. Kock.)

68. *πᾶν τὸ Σάρδεων γένος*] Qu. *πᾶν τὸ Σύρον ἐστὶν γένος.*

84, 3. *στεατίου μικρὸν παραμίξας*] Cf. Arist. Vesp. 877. *μέλιτος μικρὸν παραμίξας.*

98, 21. *τὸ στόμ' ὡς κομψὸν φορεῖ*] Cf. Soph. Fr. 844, 2. *σιγᾶν ἀνάγκη κἂν* (l. *κῆν*) *καλὸν φορῇ στόμα.*

107, 6. Lege *μὴ* (*οὐ*) *φύσας πτερά.*

119, 6. *ἔστεψα*] Sc. *τὸν κρατῆρα.* Cf. Arist. Il. 1105. *μηδὲ στέψω κοτυλίσκον.*

150, 1. *τύχαις ὑπηρετήσω*] Cf. Eur. Fr. 284, 7. *ἐξυπηρετεῖν τύχαις.*

173, 12. *παράγετε*] Anglice step aside. Cf. Arist. Av. 1720.

188, 3. *τὸ τρῖμμ'*] Qu. *ὑπότριμμ'.*

245, 4. *συντομώτατον*] Lege *συντομώτερον* ut in C. et Eust.

267, 6. *ὑπονοεῖν εἰς τοὔνομαι*] Lege *ὑπονοῆσαι τοὔνομαι.* Cf. Arist. Lys. 38. 1234. Pl. 361.

III. 389. *ἔδωκα ταύτης*] Cf. Arist. Pac. 848. 1217. Theocr. 1, 58. *τῷ μὲν ἐγὼ — αἶγά τ' ἔδωκα* etc.

Amphis.

(II. 236. ed. Kock.)

14, 8. Qu. *ὅτι ταῦτα πάντα συντριαινώσει κρότος.*

Anaxandrides.

(II. 135. ed. Kock.)

37, 2. *τὸ σῶμα καμπύλη*] Lege *τὸ σῶμ' ἢ καμπύλη.*

40, 7. *στρώμαθ' ἁλουργῆ*] Cf. Com. adesp. 457. *στρώμνας ἁλουργούς* (l. *ἁλουργεῖς*).

41, 34. τί γὰρ ἐκλείπει] τί γὰρ ἐλλείπει Mein. Qu. τοῦ δ' ἐλλείπει. Cf. ad Soph. El. 21.

Anaxilas.

(II. 264. ed. Kock.)

III. 534. βλάπτεσθαι] Lege βλάψεσθαι.
18, 6. καλά] Qu. γραπτά.

Antiphanes.

(II. 12. ed. Kock.)

47, 1. ποίαν — ἥδε τὴν (l. ἡδέτην) συναυλίαν.
88, 1. ἐκεῖσε δ' ἐκπλέω] Qu. ἐκεῖσε δ' αὖ πλέω.
186. τάριχος — πῖον] Cf. Herm. 11. τάριχος πίονα (barb.).
232, 1. πάντα] Qu. τἄλλα. Cf. Arist. Ran. 809.
246, 3. διάμεστον] Qu. ἀνάμεστον.
302, 2. φάτται, νῆτται, χῆνες] Cf. Anaxand. III. 185. νηττῶν, φαττῶν. χῆνες, στρουθοὶ —.

Apollodorus Carystius.

(III. 280. ed. Kock.)

5, 13. ωδει] Sic A. σποδεῖν Kock. Qu. ὁρᾶν aut θ' ὁρᾶν.

Archippus.

(I. 679. ed. Kock.)

45. κλασαυχενεύετα] Cf. Lucian. 51, 11. πάγκαλον ἄνδρα, διασεσαλευμένον τὸ βάδισμα, ἐπικεκλασμένον τὸν αὐχένα. 58, 23. τράχηλος ἐπικεκλασμένος.

Aristomenes.

(I. 690. ed. Kock.)

12. ἀλίπαστα — κρέα] Cf. Eubul. 7, 10. ἀλίπαστα δελφάκεια (sc. κρέα).

Aristophanes.

(I. 392. ed. Kock.)

7. δοῖδυξ, — τυρόκνηστις] Conjunguntur etiam Vesp. 938. δοίδυκα, τυρόκνηστιν.
36. ἀναφλᾶν] Cf. Eupol. II. 446. ἀναφλασμοί. Lys. 1099. ἀμπεφλασμένως.
47. τὴν ἀτραπὸν κατερρύην] Lege εἰς ἀτραπὸν —.
72. ὠτοκάταξις] Cf. βορβοροτάραξις Eq. 309.
104. προπέπταται] Cf. Arist. Nub. 343. πεπταμένοισι.
109. ἄρτον λιπαρὸν] Quid sit ἄρτος λιπαρὸς nescio. Tentabam olim ἄρτον τε μόνον aut ἄρτου τι μέρος. Sed corrigendum

proculdubio *ἄρτον καθαρόν*. Cf. Alex. III. 483. *ἄρτος καθαρὸς εἷς ἑκατέρῳ*. Crobyl. IV. 565. *τῶν ἐσχαριτῶν τῶν καθαρῶν*. Anon. IV. 699. *ἐκ καθαρῶν ἀχύρων*. 1. *ζευγάριον βοεικόν*] Lege — *βόειον*. Cf. Vesp. 40. *βόειον δημόν*. Eq. 954. *δημοῦ βοείου*. Ran. 924. *ῥήματα — βόεια*. *Βόειος* formatum ut *ἵππειος*, *ὄνειος*, *κύνειος*, al. Monstrosa forma est *βοεικός*.

126. *ἀρχηγέτας*] I. q. *ἀρχηγούς*. Isocr. III. § 28. *Τεῦκρος ὁ τοῦ γένους ἡμῶν ἀρχηγός*. Plat. Tim. 21 E. Soph. O. C. 60.

130, 1. *βολβὸς, τεύτλιον*] Qu. *βολβοὶ, τεύτλια*.

151. *λεπτοὺς ἅλας*] Cf. Lucian. de Merc. cond. 19. *τοῦ θύμου καὶ τῶν λευκῶν* (l. *λεπτῶν*) *ἁλῶν ἥδιον*.

198, 1. *σορέλλη*] Mirum vocabulum. Qu. *σορός τε*.

246, 2. *προσόζειν* —] Cf. Lys. 206. Philem. 41, 4. *προσῶζεν — ἡδυσμάτων*.

254. *οὕτως αὐτοῖς ἀταλαιπώρως ἡ ποίησις διέκειτο*] Cf. Thuc. I. 20. 4. *οὕτως ἀταλαίπωρος τοῖς πολλοῖς ἡ ζήτησις τῆς ἀληθείας*.

255. *στροφέα*] Anglice socket, hinge. I. q. *πυθμένα* Soph. O. R. 261. Cf. Lucian. Dial. Mer. XII. 3. *παραγαγὼν τὸν στροφέα παρῆλθον ἀψόφητος*.

268. *ἀνοιγέτω* —] Cf. Theocr. 24, 50. *ἄνστατε δὴ, δμῶες ταλασίφρονες· αὐτὸς ἀΰτεῖ*.

295, 2. *ἐπίθημα*] Operculum. Cf. Arist. Resp. Athen. col. 36. *τῷ δὲ χαλκῷ ἐπῆν ἐπίθημα μιᾷ ψήφῳ χώραν ἔχον*.

309, 4. Retinendum *στρόφιον*. Cf. Fr. 509. 309, 4. Lys. 931. Th. 146. 258. 262. 608. 645. Pher. II. 296. Caesurae durities in diversarum rerum enumeratione excusanda est.

317, 2. *Πεπαρήθιον*] Cf. Soph. Ph. 548. *τὴν εὔβοτρυν Πεπάρηθον*. Dem. p. 35. Plin. N. H. 4, 72. 14, 76.

320, 5. *φῦκος*] Cf. Lucian. 17, 33. *φῦκος ἐντετριμμένον*.
ὑπογράμματα] Cf. Lucian. 17, 33. *ὑπογεγραμμένον τοὺς ὀφθαλμούς*. 6. *ἐλλέβορον*] Lege *ἐλλόβιον*. Lucian. 74, 7. *ὅρμος ἢ ψέλλιον ἢ ἐλλόβιον*. 7. *τρύφημα* —] Cf. Polyzel. II. 871. *χρυσοῦν ἔχων χλίδωνα καὶ τρυφήματα*. Cf. Eur. Or. 910. *αὐτουργὸς, οἵπερ καὶ* (*δὴ*?) *μόνοι σώζουσι γῆν*.

350. *στέψω κοτυλίσκον*] Cf. Alex. III. 435. *καρπίμοις κισσοῦ κλάδοις* | *ἔστεψα* (*τὸν κρατῆρα*).

409. Cf. Vesp. 438. *τὰ πρὸς ποδῶν Δρακοντίδη*.

410. Cf. Lucian. Fug. 28. *ἀπέκειρε — ὁπόσον περιττὸν τοῖς ἱματίοις τῶν κροκύδων ἐπανθεῖ* (l. *ἐπήνθει*).

472, 2. *τὴν ἀγκύλην*] Lege *τὴν πάνυ καλήν*, aut *τὴν χυτρείαν, τὴν καλήν*. Cf. Ran. 1236. *λήψει γὰρ ὀβολοῦ πάνυ καλήν τε κἀγαθήν*. Plat. Hipp. Maj. 288 C. *χύτρα — καλή*. 290 D. *τὴν χύτραν — τὴν καλήν*. 288 D. *τῶν καλῶν χυτρῶν*. 289 A. *χυτρῶν ἡ καλλίστη*.

475. *ἔχουσα γαστέρα*] Qu. *ἔχων τὴν γαστέρα.*

478. *τὴν πόρδαλιν*] Fort. *καὶ πόρδαλιν.*

491. *χλανίδ' — λευκὴν*] Cf. Av. 1116. *χλανίδα λευκήν.*

567. *πρᾶσιν εὕρωμεν*] Cf. Eupol. 225. *κακὰ τοιάδε πάσχουσιν οὐδὲ πρᾶσιν αἰτοῦσιν.*

569, 8. *εἶπες* supplet Porson. Lege *εἶπας*. Et sic Cobet. *καίτοι μέγιστον* — frustra Kock.

579. *ἀνθοσμίᾳ καὶ πέπονι*] Nonne *ἀνθοσμίᾳ καὶ μέλανι*? Cf. Pl. 807. *οἱ δ' ἀμφορῆς οἴνου μέλανος ἀνθοσμίου* (*γέμουσι*). Pher. II. 300. *πλήρεις κύλικες οἴνου μέλανος ἀνθοσμίου.* Ran. 1150. *οἶνον — οὐκ ἀνθοσμίαν.*

614. *φάρυγα*] A *φάρυγξ*. Non tamen *λάρυγα* (a *λάρυγξ*) dicebant, sed *λάρυγγα.*

622. Cf. Antiph. III. 137. *οὕτω στερεόν* (*τι*) *πρᾶγμα θερμόν ἐσθ' ὕδωρ.*

675, 2. *ἠπὶ τὸ δεῖπνον*] Lege *ἠπὶ δεῖπνον*. Cf. Eccl. 652. *λιπαρῶ χωρεῖν ἐπὶ δεῖπνον.*

693. *οὐκ ἔσθω κενέβρειον ὅταν θύσῃς*] Lege *οὐκ ἔσθω κενέβρει'· ὁπόταν θύῃς τι καλεῖν με.* Cf. Th. 157. *ὅταν σατύρους τοίνυν θύῃς καλεῖν ἐμέ.*

723. *κεράμιον ὀξηρὸν*] Cf. Alex. III. 409. *οἴνου κεράμιον.* Men. IV. 133. *τὸ κεράμιον ἀνέῳχας.* Eubul. III. 265. *Κνίδια κεράμια.* Demosth. p. 934. *οἴνου Κῴα κεράμια.*

882. *φαυλουργοί*] Cf. Soph. Ph. 35. *φλαυρουργοῦ τινος | τεχνήματ' ἀνδρός.*

Autocrates.

(I. 806. ed. Kock.)

1, 3. *κοῦφα πηδῶσαι κόμαν*] Lege — *ποδοῖν*. Cf. Arist. Lys. 1316. *ποδοῖν τε πάδη.*

Callias.

(I. 693. ed. Kock.)

21. *ἔτνος — ἐλατῆρες*] Cf. Arist. Ach. 246. *ἵν' ἔτνος καταχέω τοὐλατῆρος τουτουί.*

Crates.

(I. 130. ed. Kock.)

16. *παρουσίαν τε χρημάτων*] Qu. *περιουσίαν* —. Cf. Arist. Nub. 50.

19. *ἔπη τριπήχη*] Cf. Arist. Vesp. 481. *τῶν τριχοινικῶν ἐπῶν.* Av. 465. *μέγα — ἔπος.*

Cratinus.

(I. 11. ed. Kock.)

2. *ἀνεδιφήσατε*] Qu. *ἀνεκινήσατε* (Angl. have stirred up).

58, 1. *ἐρυγγάνει*] Cf. Eup. II. 58. Diph. IV. 305. Eur. Cycl. 521. *ἐρυγγάνω γοῦν αὐτὸν ἡδέως ἐγώ.*

108, 1. ἄρ' οἴσει τρία;] Cf. Arist. Pl. 853. οὕτω πολυφόρῳ (i. e. forti) συγκέκραμαι δαίμονι.

115. Cf. Anacr. Fr. 21, 9. πολλὰ μὲν ἐν δουρὶ δεθεὶς αὐχένα, πολλὰ δ' ἐν τροχῷ.

142, 2. κάμπιμπλάμενοι πυριάτῃ] Lege — πυριάτης.

186, 1. τῶν ἐπῶν τῶν ῥευμάτων] Lege τῶν ἐπῶν τοῦ ῥεύματος.

196. γράψον] Qu. θάψον.

239, 1. ἐθάκει] Qu. ἔκειτο.

255. αὐτὸς ἐκμεμαγμένος] Anglice his express image. Cf. Arist. Th. 544. αὐτέκμαγμα σόν (σου?).

301, 1. ὧδ' ἐπηγλαϊσμέναι] Qu. ὥσπερ ἠγλαϊσμέναι.

314. ταυτὶ καὶ —] Qu. ταῦθ' ἡμᾶς —.

353. στημονίας] Forma στημόνιος (στημονίας?) est Theophr. H. Pl. III. 18. 11.

Diphilus.

(II. 541. ed. Kock.)

57. εἶτ'] Lege ἔτ'. μὲν ταῦτα] Qu. ταῦτ' ἐστί.

61, 8. ὅτι τοῦτό μοι (δή?) τὸ δεῖπνον —.

64, 1. δειπνάριον — γλαφυρὸν] Cf. Astyd. trag. 4. δείπνου γλαφυροῦ. Cum δειπνάριον cf. οἰνάριον et μελύδριον.

88, 2. στρέβλας] Suspectum. Qu. κλοπάς.

Eubulus.

(II. 164. ed. Kock.)

7, 10. ἀλίπαστα δελφάκεια] Cf. Aristom. 12. ἀλίπαστα — κρέα.

9, 1. θεοῖσι συμπεπλεγμένοι] Qu. θυννείοισι —. Cf. Ar. Ach. 704.

16, 1. τοῦ σκέλους κάτωθέ μοι (l. μου).

35. καλυπτῇ] Nonne καλυπτός?

36, 3. ἄνηθα καὶ σέλινα] Cf. Arist. Nub. 982. ἄννηθον — σέλινον.

98, 1. περιπεπλασμέναι ψιμυθίοις] Lege καταπεπλασμέναι —.

116, 1. Πηνελόπεια δὲ] Qu. Πηνελόπειά γε.

Eupolis.

(I. 258. ed. Kock.)

16. σφυράδων — ἀναμέστῃ] Cf. Arist. Nub. 984. τεττίγων ἀνάμεστα.

20. νεόκοπον κάρδοπον] Lege νεόκοπτον. Cf. Arist. Vesp. 648. νεόκυπτον μέλην.

26, 2. λούομαι ψακαστοῖς] Lege ἀλείφομαι στακτοῖσι.

33. πεπείρους ἀχράδας] Nonne πεπείρας —? Cf. Soph. Tr. 728. ὀργὴ πέπειρα. Arist. Eccl. 896. πεπείροις (πεπείραις?).

45. ἐνεούρησεν] Lege ἐνεούρηκεν. Cf. Ar. Lys. 402. ἐνεουρηκότας. ἐξώλης γέρων] Lege οὐξώλης γέρων.

52, 2. *λοπάδων τοὺς ἄμβωνας περιλείξας*] Cf. Arist. Eq. 1034. *τὰς λοπάδας — διαλείχων.*

61. *ἀναφλασμός*] Cf. Arist. Lys. 1099. *ἀμπεφλασμένως.* et Fr. 99 D. *ἀναφλᾶν* (i. q. *ἀνακνᾶν*).

101. *πουλύπους ἐς τοὺς τρόπους*] Lege *πουλύπους τις* —. Cf. Pac. 935. *ἀμνοὶ τοὺς τρόπους.* Eq. 192. *ἀνδρὸς — χρηστοῦ τοὺς τρόπους.* 1280. Vesp. 1102. Pac. 350. 935. Eccl. 214. Pl. 1003. 1049. Alcae. II. 824. *νοῦν — πουλύποδος ἔχειν.*

103, 2. *τοὐμοῦ*] Fort. *τοὐμοῦ 'κ τρόπου.* Cf. Th. 93. *σφόδρ' ἐκ τοῦ σοῦ τρόπου.* Sed Vesp. 1002. *ἄκων γὰρ αὔτ' ἔδρασα κοὐ τοὐμοῦ τρόπου.*

104. *ἡ κλεινὴ πόλις*] Qu. *αὐτὸν ἡ πόλις.*

108. *τῶν γὰρ πονηρῶν*] Lege *τῶν μὴ πονηρῶν.*

114. *οὐδὲν ἀτυχήσεις ἐμοῦ*] Qu. *οὐδὲν ἀτυχήσας ἄπει.*

117, 8. *ὅπως τύχοιμεν*] Sic Soph. O. R. 979. *εἰκῇ κράτιστον ζῆν ὅπως δύναιτό τις.*

119, 2. *ἐπελθόντες*] Qu. *παριόντες.*

139. *ἀρχαῖον*] Anglice old-fashioned. Cf. Arist. Nub. 915. 1469. 821. Pl. 323. 1357. Fr. 96 D.

199. *ἁμαρτωλία*] Cf. ad Arist. Pac. 415. *ὑφ' ἁρματωλίας.*

225. *πρᾶσιν αἰτοῦσιν*] Cf. Arist. II. 1172. *ἕως ἂν πρᾶσιν εὕρωμεν.*

227. *καὶ πόρων καὶ πηνίων*] Lege *κᾀρίων* (*καὶ ἐρίων*) —.

245. *τί κατακροᾶσθε*] Qu. *τί τάδ' ἀκροᾶσθε.*

272. *ἐκκανάξει*] Lege *ἐγκανάξει.* Cf. Eq. 105.

282. *σκύτη βλέπει*] Cf. Arist. Vesp. 643. *σκύτη βλέπειν.*

286. Qu. *ἀριθμεῖν θεατὰς ψαμμακοσίους* (*ἤρξατο*).

304, 1. *περιῆλθον εἰς τὰ σκόροδα*] Qu. *περιήλθομον τὰ σκόροδα.*

317. *ἀντιβολίαν*] Cf. Thuc. 7, 75. *πρὸς ἀντιβολίαν — τραπόμενοι.*

323. *ῥήματα*] Lege *ῥάμματα* (suturas).

Heniochus.

(II. 431. ed. Kock.)

2, 2. *τέθυκε τὸν χοῖρον*] Lege *τέθυκέ τινα* —.

Hermippus.

(I. 224. ed. Kock.)

11. *τάριχος πίονα*] Barbare dictum. Cf. Antiph. III. 100. *τάριχος — πῖον.*

27. *τὸ κήθιον*] Cf. Arist. Vesp. 674. *κηθαρίου.*

39. Cf. Theophr. C. Plant. II. 6. 3. *φρεατιαῖον* (*ὕδωρ*) *ναματιαίῳ* (*μιγνύναι*).

78. *ψάθαλλε*] Cf. Plat. II. 635. *ἐψάθαλλε λεῖος ὤν.*

Leuco.

(I. 703. ed. Kock.)

1, 2. τἀκπώματα κατεδήδοκε] Quidni κατεδήδοκεν τἀκπώματα?

Menander.

(III. 3. ed. Kock.)

65, 6. Lege εἰς πέλαγος ἐμβαλεῖς σεαυτὸν (pro αὐτὸν ἐμβαλεῖς γὰρ) πραγμάτων.

88. μεθέντι — λόγον] Cf. Soph. O. R. 784. τῷ μεθέντι τὸν λόγον. μεθέντα] Nonne μεθέντι?

94, 1. εὐκαταφρόνητον] Qu. εὐκαταφρόνητος.

98. βουβὼν ἐπήρθη] Cf. Arist. Vesp. 277. Aelian. Epist. 2. φελλεῖ ἐπέκοψε (προσέκοψε?) τὸ σκέλος — καὶ βουβὼν ἐπήρθη. θέρμα — ἐπέλαβεν αὐτόν] Cf. Thuc. II. 49. θέρμαι ἰσχυραὶ — καὶ φλόγωσις ἐλάμβανε (leg. ἐπελάμβανε). Hippocr. II. p. 217.

100, 2. ποιουμένους περιορᾷς γάμους σεαυτῷ] Cf. Fr. Genev. v. 7. γιγνομένους ἤδη γάμους | καταλαμβάνω μοι.

290, 1. οὐδὲν γένους γένος —] Malim οὐδὲν γένος γένους —.

292, 3. Ὀλυμπίαισι] Lege Ὀλυμπίαις τε.

303. νῦν ἐμοῦ] Qu. μου τόδε aut τοῦτό μου.

427, 1. ἀξία] Leg. αἰτία. Solennis est haec confusio.

488. καὶ κατὰ θάλατταν] Lege τε καὶ θάλατταν. Ibid. μέγιστόν ἐστι] Lege κάκιστόν ἐστι.

623, 2. πᾶσιν κακῶς] Lege πεινῆν κακῶς.

652. Lege ὅταν τι περιπέττωσι χρηστοῖσιν λόγοις.

672. παίοντα] Lege πάσχοντα.

718. Lege εἰ μὲν οὖν τινα | (ἄλλον) πόρον ἔχεις.

836. ἐπιστροφὴν] Curam. Anglice regard for. Cf. Soph. O. R. 134. ἀξίως — τήνδ' ἔθεσθ' ἐπιστροφήν.

887. ἐξάραντες] Sc. τὼ χεῖρε. Qu. εἶτ' ἄραντες.

1090, 2. τὰ πρῶτα πάσης (πάντα?) τῆς ἀναιδείας ἔχει.

Alicubi, μὴ λαμπρὸς ὢν (leg. ὡς) ταῖς χλαμύσιν ὡς (leg. ὢν) τῇ καρδίᾳ.

ΓΕΩΡΓΟΣ.

Fragmentum Genevense.

V. 4. ὁ μειρακίσκος] Cleaeneti, opinor, filius.

V. 7. γιγνομένους — γάμους — μοι] Cf. Fr. 100, 2. μάτην ποιουμένους | περιορᾷς γάμους σεαυτῷ.

V. 10. [αὐτὸς ὁ] πατήρ] Qu. [αὐτὴν ὁ] πατήρ.

V. 11. [ὑπὸ τῆς] ⟨νυνὶ⟩ —] Qu. [ὑπὸ τῆς] νυνὶ γυναικὸς τρεφομένη, aut [ὑπὸ τῆς] τὰ νῦν αὐτοῦ γυναικὸς τρεφομένη, aut [ὑπὸ τῆς] πατρὸς νυνὶ γυναικὸς —.

V. 12. Qu. [ἐμὴ δ' ἀ]δελφή. δυσφεύκτῳ κακῷ] Qu. δυσφεύκτου κακοῦ.

V. 15. Qu. [οὐδενί]· λιπὼν δὲ —.

V. 16. [—] αν —] Qu. [μητρυι]ὰν —. οὐ γὰρ εὐσεβῶς] Leg. οὐ γὰρ εὐσεβές.

V. 23. λέγω] Leg. ἐρῶ.

V. 24. [ἐν] οἷς δ' ἐγὼ —] Leg. [ἐν] οἷς τ' ἐγὼ —, aut [ἐν] οἷς ἐγὼ —.

V. 26. τὸν [ἀλα]ζόν'] Gorgiae filium intellige.

V. 29. Interpunge sic: οἰμωζέτω μὲν οὖν. τοιοῦτος ὢν γαμεῖν — τὴν κόρην!

V. 31. [λόγους] τοσούτους] Qu. [λόγους] τοιούτους. κατατ[ίθου]] Qu. κατὰ τί (quare) φής;

V. 33. Scrib. τί δ' ἡμῖν, εἰπέ μοι, ⟨τούτου⟩ μέλει;

V. 35. εὐσε[βέστερον οὐδ' ἕνα] Scripserat poeta, ni fallor, οὐδέν' εὐσεβέστερον.

V. 37. ἄνθη τοσαῦτα] Lege ἄνθη τε πλεῖστα. Cf. Lucian. Somn. 23. ἤν ποτε κοῦφος πυρετὸς ἐπιλάβηται (ἐπιλάβῃ αὐτόν?). Men. 98. θέρμα — ἐπέλαβεν αὐτόν.

Mnesimachus.

(II. 436. ed. Kock.)

3, 4. πῶς ἔτι | μετριώτερ', ὦ δαιμόνιε; Α. πῶς; (ὦ δαιμόνι'; Α. ὅπως; G. A. Hirschig.).

4, 49. κίττης] Lege φάττης. Cf. Arist. Pl. 1011. νηττάριον — καὶ φάττιον. Pac. 1004. νήττας, φάττας. Anaxandr. III. 185. νηττῶν, φαττῶν. Antiph. III. 145. φάτται, νῆτται.

Monosticha.

(ed. Mein. om. ed. Kock.)

167. σιγηρὸς τρόπος] Lege σιγηλὸς —. Cf. Nicoph. II. 855.
407. Cf. Soph. O. C. 309. τίς γὰρ ἔσθ' ὃς οὐχ αὑτῷ φίλος;
489. τὰ θνητὰ — μεταβολὰς πολλὰς ἔχει] Lege τὰ θνητῶν —.
604. συντόνῳ θράσει] Lege συντόνῳ κράτει.
712. μικρὰ τύχη] μικρὰ ῥοπὴ F. W. Schmidt.

Nicochares.

(I. 770. ed. Kock.)

5. χιτῶνα — ἐπενδύτην] Anglice an over-coat. Cf. Antiph. II. 115. χιτῶνας — ἐνδεδυκότες.

Nicolaus.

(III. 383. ed. Kock.).

1, 23. τὸν βίον | ἅπαντα κατατρίψαντες (l. διατρίψαντες).

Nicostratus.

21. παρ' Ὤκιμον] Lege παρ' Ὠκίμου.

Pherecrates.

(I. 145. ed. Kock.).

13, 4. ὥσπερ πουλύποδας —] Cf. Alcae. 36. ἔδω δ' ἐμαυτὸν ὥσπερ πουλύπους.

24, 2. βουλοίμην γὰρ —] Lege βουλοίμην ἂν —.

106, 5. ναστῶν τρύφη] Cf. Lucian. Fug. 31. θέρμους ἴσως ἢ ἄρτου τρύφος.

108, 30. οἴνου μέλανος ἀνθοσμίου] Eadem verba Arist. Pl. 807. Arist. Fr. 579. ἀνθοσμίᾳ καὶ πέπονι (μέλανι?).

137. πρόσαιρε —] Cf. Arist. Ran. 1159. χρῆσον σὺ μάκτραν, εἰ δὲ βούλει, κάρδοπον.

145, 2. θυμὸς] Vitiosum videtur. μῦθον Kock. Qu. τοιάδ' aut πλεῖστον.

146, 2. πολλοῖς ἐμαυτὸν ἐγκυλῖσαι πράγμασιν] Lege εἰς πόλλ' — πράγματα.

148, 1. μιμαίκυλα καὶ μύρτα] Cf. Theopomp. II. 817. τρώγουσι μύρτα καὶ πέπονα μιμαίκυλα.

151, 2. ἄλλ' ἄττα] Cf. Thuc. I. 113. ἄλλ' ἄττα χωρία.

157. ἄγρυκτα] Cf. Arist. Lys. 656. γρυκτόν.

195. ἀπαράλεκτος] Cf. Arist. Eccl. 904. παραλέλεξαι. Qu. ἀπαράτιλτος (Ar. Lys. 279.).

232. σκίτων] Nomen proprium est Σκίτων Herod. III. 130.

Philemon.

(II. 478. ed. Kock.)

44, 3. ἐμβρόντητε] Lege ὦμβρόντητε. Cf. Ar. Eccl. 793.

98, 6. ἀπισχναίνων] Lege κατισχναίνων.

192. χρόνος τὰ πάντα κρυπτὰ εἰς φάος ἄγει] Lege — πρὸς τὸ φῶς ἄγει. Cf. Mon. 11. ἄγει δὲ πρὸς φῶς τὴν ἀλήθειαν χρόνος. 459. πάντ' ἀνακαλύπτων ὁ χρόνος εἰς τὸ φῶς ἄγει.

213, 4. μὴ οὐ τέχνην μαθὼν] Lege μὴ τέχνην μαθών.

Philetaerus.

5, 1. ὡς τακερὸν — τὸ βλέμμ' ἔχει] Qu. ὡς ἀγανὸν —. Cf. Arist. Lys. 886. ἀγανώτερον βλέπει.

19, 1. στέρνοισι] Qu. σφυροῖσι.

Philippides.

9, 5. δυοῖν ὀβολῶν] Lege δυοῖν ὀβολοῖν.

ADDENDA.

Acharnenses.

3. *ψαμμακόσιος* formatum ut *ἑξακόσιος, ἑπτακόσιος*, etc.

12. *τοῦτ' ἔσεισε*] Lege *τοῦτο σεῖσαι*. Cf. Nub. 1368. Ran. 54.

14. Nomen *Δεξιθέα* legitur Machon. Athen. 580 B. Cf. nomen *Δεξίνικος* Pl. 800.

43. Cf. Thuc. VII. 43. 5. *ἐχώρουν ἐς τὸ πρόσθεν*.

59. Cf. Soph. Fr. 819. *ἄκουε σῖγα* (*ἄκουε, σίγα*?).

64. *βαβαιάξ*] Exclamatio admirationis ut *βαβαί*. Cf. 1141. Pac. 248. Lys. 312. Ran. 63. Sic *παπαῖ* et *παπαιάξ, ἰατταταῖ* et *ἰατταταιάξ*.

95. Cf. 566. *ὦ βλέπων ἀστραπάς*. Av. 1671. *αἰκίαν βλέπων*.

111. *πρὸς τουτονί*] Coram hoc homine. Cf. Soph. El. 1204. *πρὸς πιστὰς ἐρεῖς*.

145. Cf. [Dem.] XIII. 24. *φθόρους ἀνθρώπους ποιεῖσθε πολίταις*.

154. Cf. Soph. El. 1115. *ἤδη σαφὲς* | *πρόχειρον ἄχθος*.

162. *ὁ θρανίτης λεώς*] Cf. Pac. 632. *οὑργάτης λεώς*.

171. *διοσημία*] Cf. Plut. Mor. 419 F. *σύγχυσιν μεγάλην περὶ τὸν ἀέρα καὶ διοσημίας γενέσθαι*.

185. Cf. Lys. 491. *οἱ δ' οὖν — δρώντων ὅ τι βούλονται*.

194. *τριᾶκοντούτιδες*] Cf. 252. Eq. 1388. Thuc. II. 2. *αἱ τριακοντούτεις σπονδαί*.

236. *βάλλων — οὐκ ἂν ἐμπλήμην*] Cf. Vesp. 603. *ἔμπλησο λέγων*. Eur. Ion. 925. *οὔτοι σὸν βλέπων* | *ἐμπίμπλαμαι πρόσωπον*.

242. *προΐτω*] Lege *παρίτω*. Cf. 43. *πάριτ' ἐς τὸ πρόσθεν*. 44. Eccl. 129. *πάριθ' ἐς τὸ πρόσθεν*.

246. *ἴν' ἔτνος* —] Cf. Calliam com. 21. *ἔτνος — ἐλατῆρες*.

273. *ἐκ τοῦ φελλέως*] Eadem verba Nub. 71. Aelian. Epist. 2. *φελλεῖ ἐπέκοψε* (*προσέκοψε*?) *τὸ σκέλος*. Cognatum est nostrum fell.

274. *μέσην λαβόντ'*] Cf. Eccl. 260. *μέση γὰρ οὐδέποτε ληφθήσομαι*.

277. *ἐκ κραιπάλης*] Cf. Vesp. 1255.

315. *τοῦτο τοὖπος δεινὸν ἤδη*] Qu. *τοῦτο μέντοι* —, coll. Vesp. 426. *τοῦτ' ἤδη δεινὸν ἀκοῦσαι*. Eccl. 645. Xen. Mem. II. 1. 14. *τοῦτο μέντοι ἤδη λέγεις δεινὸν πάλαισμα*.

318. Cf. Eq. 791. *ἐθέλω περὶ τῆς κεφαλῆς περιδόσθαι*.

333. *ὡς ἀπωλόμεσθ'*] Cf. Av. 338. *ὡς ἀπωλύμεσθ' ἄρα.*

339. *τὸν Λακεδαιμόνιον αὐτὸν ὅτι τῷ τρόπῳ σουστὶ φίλος*] Lege *τόν τε Λακεδαιμόνιον αἴνεσον ὅτῳ τρόπῳ σοὐστὶ φίλον.*

347. Cf. Vesp. 603. *πάντως γάρ τοι παύσει —.*

376. Cf. Vesp. 847. Alex. III. 425. *ὀρχεῖσθαι μόνον | βλέποντες, ἄλλο δ' οὐδέν.* Epicrat. III. 365.

385. *στρέφει*] Lege *στρέφεις.* Cf. Ran. 957. Hinc *στροφαί,* Ran. 775. Pl. 1154.

435. 436. Versus, ni fallor, spurii.

454. *χρέος*] Lege *ἔρως.* Cf. Eur. Ph. 625. *κἀμὲ τοῦδ' ἔρως ἔχει.* Soph. Fr. 868. *συνθανεῖν ἔρως μ' ἔχει.*

455. *χρέος μὲν οὐδὲν*] Lege *ἔρως μὲν οὐδείς.*

567. *ὦ γοργολόφα*] Cf. Eq. 1181. *ἡ γοργολόφας* (*γοργολόφα* vulg.). Eur. Ph. 119. *ὁ λευκολόφας.* Lys. 344. *ὦ χρυσολόφα.*

605. *Γερητο —*] Qu. *Χαρητο —.* Sed nomen *Γέρης* (*Χάρης*?) legitur Eccl. 932. *Διομει.*] Cf. Ran. 651. *ὁπόθ' Ἡράκλεια τἀν Διομείοις γίγνεται.*

633. *πολλῶν ἀγαθῶν ἄξιος ὑμῖν*] Cf. Pac. 918. *πολλῶν* (*πολλοῦ*?) *γὰρ ὑμῖν ἄξιος Τρυγαῖος.* Pl. 877. *πολλοῦ — ἄξιος ἅπασι τοῖς Ἕλλησιν.* Trag. adesp. 338 b. *πολλοῦ σε θνητοῖς ἄξιον τίκτει πατήρ.*

639. *λιπαρὰς*] Cf. Nub. 300. Eq. 1329. Av. 826. Pind. Ol. 13, 155. *λιπαρὰ Μαραθών.*

640. *ἀφύων τιμὴν περιάψας*] Cf. Soph. El. 357. *τῷ τεθνηκότι | τιμὰς προσάπτειν.*

643. *τοιγάρτοι*] Semel hoc apud nostrum legitur, ut *τοιγαροῦν* Vesp. 1098.

664. *λακαταπύγων*] Cf. *παγκαταπύγων* Lys. 137. et *λακατάρατος.*

675. *τῶν λόφων —*] Genitivus admirationis. Cf. 1074. *τοὺς λόχους καὶ τοὺς λόφους.*

688. *ἄνδρα Τιθωνὸν*] Cf. Av. 1009. *ἄνθρωπος Θαλῆς.* *σπαράττων*] Lacerans, dilanians. Cf. Pac. 641. *τοῦτον — ἐσπαράττετε.*

696. *περὶ τὸν δῆμον —*] Cf. Eq. 764. Pl. 567.

700. *κᾆτα πρὸς ἁλισκόμεθα*] Lege *καὶ προσέθ' ἁλισκόμεθα.* Cf. ad Vesp. 1420. *καὶ χάριν προσείσομαι.* De *καὶ προσέτι* cf. Eq. 984. Vesp. 1320. Th. 416. 737. Cf. Lys. 261. *ἐμφανὲς κακόν.*

775. Lege *εἴμεναι.* Brevis tamen forma legitur 741. 771.

798. *καί κ'*] Dorice pro *κἄν.* Cf. Lys. 117. *καί — κα ἔλσοιμι*

821. Qu. *τί δαὶ* (pro *δὴ*) *μαθὼν —;* Cf. ad Lys. 599.

845. *φανὴν*] Cf. Eccl. 347. *φανὴ γὰρ ἦν* (*ἡ σισύρα*).

852. *ὄζων —*] Cf. Pac. 813. *τραγομάσχαλοι.*

846. Lege *κοὐ ξυντύχων Ὑπέρβολος | δικῶν σ' ἀναπλήσει.* Cf. Nub. 1023. *καταπυγοσύνης σ' ἀναπλήσει.*

863. Cf. Herod. IV. 2. *ἐπεὰν φυσητῆρας λάβωσι ὀστεΐνους αὐλοῖσι προσεμφερεστάτους, τούτους ἐσθέντες ἐς τῶν θηλέων ἵππων τὰ ἄρθρα φυσῶσι τοῖσι στόμασι.*

867. Qu. νεὶ τὸν Ἰόλαν ἐπιχαρίτως σύ γ', ὦ ξένε.

872. Cf. Aesch. Suppl. 602. ὦ χαῖρε πρέσβυ. Aesch. Ag. 22. ὦ χαῖρε λαμπτὴρ νυκτός.

873. ὅσ' ἐστὶν — ἁπλῶς] Cf. Vesp. 537. ὅσ' ἂν λέξῃ — ἁπλῶς.

883. πρέσβειρα] Cf. Lys. 86. Eur. Iph. T. 963.

925. σελαγοῖντ'] Cf. Nub. 285. ὄμμα γὰρ αἰθέρος — σελαγεῖται. 604. σελαγεῖ.

994. Lege τρία δοκῶ μ' (pro γ') ἂν ἔτι προσβαλεῖν. τρία — προσβαλεῖν] Cf. Hor. Epod. 12, 15. 'Inachiam ter nocte potes.'

997. ἡμερίδος] Sub. ἀμπέλου. I. e. vitis cultae, cui opponitur ἀγριάς Hom. Od. 5, 69.

1007. ἀναπείρω] Qu. ἀναπήξω. Cf. Eccl. 843. λαγῷ' ἀναπηγνύασι.

1021. κἂν πέντ' ἔτη] Cf. Lys. 671. κἂν σμικρὰν λαβήν. Soph. El. 1482. ἀλλά μοι πάρες | κἂν σμικρὸν εἰπεῖν.

1024. λευκὸν ἀμπέχει] Sub. ἱμάτιον. Cf. Th. 840. ἡμφιεσμένην λευκά.

1026. εἶτα νυνὶ τοῦ δέει;] Cf. Pl. 827. ἔπειτα τοῦ δέει;

1041. σηπίας — στάθευε] Cf. Eccl. 126. σηπίαις — ἐσταθευμέναις.

1046. λάσκων] Cf. Aesch. Ag. 865.

1052. βινοίη μένων] Sc. οἴκοι. Cf. Pac. 341. πλεῖν, μένειν, βινεῖν.

1146. Adde Eq. 546. αἴρεσθ' αὐτῷ πολὺ τὸ ῥόθιον, —. Pac. 740. εἰς τὰ ῥάκια σκώπτοντας ἀεὶ —. Eur. Fr. 401. θεοῦ θέλοντος κἂν ἐπὶ ῥιπὸς πλέοις. Chaerem. 14, 9. ἡ δὲ ῥαγέντων χλανιδίων ὑπὸ πτυχαῖς. Arist. Fr. II. 1147. ὅταν — ἱστᾷς — τὸ ῥέπον κάτω βαδίζει.

1151. ἁπλῷ λόγῳ] Angl. in plain language. Cf. Eccl. 231. ἁπλῷ τρόπῳ (Angl. simply, without much ado).

1185. λείπω φάος γε τοὐμὸν] λείπω φάος τοὐράνιον A. Palmer, coll. Soph. Ant. 944. οὐράνιον φῶς.

1189. ὁδὶ δὲ καὐτός] Cf. Av. 1718. ὁδὶ δὲ καὐτός ἐστι. Eccl. 934.

1210. Cf. Pl. 1044. τάλαιν' ἐγὼ τῆς ὕβρεος —. Lys. 735. Alex. III. 422. ὦ τάλαιν' ἐγὼ κακῶν.

1229. ἐξέλαψας] Cf. Plat. II. 657. κυάθους ὅσους ἐκλάπτεθ' ἑκάστοτε.

Aves.

16. ἐκ τῶν ὀρνέων] ἐκ τοῦ Τηρέως A. Palmer, qui ἐκ τῶν ὀρνέων a v. 13. venisse putat.

32. ὢν οὐκ ἀστὸς] οὐκ ὢν ἀστὸς Cobet. ὢν ἐπακτὸς A. Palmer, coll. Eur. Ion. 290. οὐκ ἀστὸς ἀλλ' ἐπακτὸς ἐξ ἄλλης χθονός.

35. Cf. Alex. III. 408. ἀμφοῖν τοῖν ῥυθμοῖν.

61. Cf. Lys. 967. ὦ Ζεῦ, δεινῶν ἀντισπασμῶν.

168. τίς οὗτος ὄρνις] Lege τίς οὗτος οὖρνις.

169. Cf. Dem. p. 383, 2. *ὡς ὁ μὲν δῆμός ἐστιν ἀσταθμητότατον πρᾶγμα.*

180. Lege *ὥσπερ εἰ λέγοις τόπος.* Cf. Ran. 1158. *ὥσπερ — εἴ τις εἴποι.* Eccl. 126. *ὥσπερ εἴ τις — περιδήσειεν.*

205. *θεύσονται δρόμῳ*] Cf. Eq. 485. *θεύσει γὰρ ᾄξας.*

209. Cf. Arist. Th. 921. *τοῦδε — ξύμβουλος.*

238. *ἐπὶ κισσοῦ κλάδεσι*] Fort. *ὑπὸ* —. Cf. 615. *ὑπὸ θάμνοις — οἰκήσουσιν.*

239. *κλάδεσι*] Sic *κλαδὶ'* Lys. 632.

307. *τρέχουσι διακεκραγότες*] Cf. Vesp. 226. *κεκραγότες πηδῶσι.*

338. *ὡς ἀπωλόμεσθ'*] Eadem verba sunt Ach. 333.

382. *μάθοι γὰρ ἄν τι* —] Lege *μάθοις γὰρ ἄν τι* —. Cf. Nub. 840. *τί δ' ἂν παρ' ἐκείνων ἂν μάθοι τις ἄν;*

383. *τῆς ὀργῆς χαλᾶν*] Cf. Vesp. 727. *τὴν ὀργὴν* (l. *τῆς ὀργῆς*, sub. *κόλλοπα*) *χαλάσας.*

401. *τὸν θυμὸν κατάθου*] Cf. Vesp. 567. *τὸν θυμὸν κατάθωμαι.* Theogn. 983. *φίλον καταθώμεθα θυμόν.*

406. *σέ τοι καλῶ*] Cf. Th. 1145. *δῆμός τοί σε καλεῖ.*

463. *οὐ κωλύει*] Pro *οὐδὲν κωλύει* (Eq. 723. 972.)? Corrigendum forsan *οὐ κωλύω.* Qu. *ὃν μάττειν οὐδὲν κωλύει.* Sed *διαμεμαγμένας* (*μαζίσκας*) legitur Eq. 1105. *καταχεῖσθαι*] Lege *κατακεῖσθαι.*

488. *μέγας*] Cf. Eur. Rhes. 323. *Ἄρης — μέγας πνέων.*

494. *ὑπέπινον*] Cf. Plat. Resp. II. 427 E. *πρὸς τὸ πῦρ μετρίως ὑποπίνοντες.*

575. *τρήρωνι*] Cf. Pac. 1067. *τρήρωνες.*

598. *κτῶμαι*] Pro *κτήσομαι.* Cf. 53. *κτήσομαι περιβαρίδας.*

678. Cf. Pl. 508. *ξυνθιασώτα τοῦ λῃρεῖν.* Vesp. 728. *ὦ τῆς ἡλικίας ἡμῖν τῆς αὐτῆς συνθιασῶτα.*

694. Cf. Pind. P. 10, 65. *νόσοι δ' οὐδὲ γῆρας — κέκραται ἱερᾷ γέννᾳ.*

704. *πολλοῖς δῆλον*] Sc. *τεκμηρίοις.*

759. *μαχεῖ* Reisig. Cobet. Bl. *μάχει* tuetur A. Palmer, coll. Ran. 197. *εἴ τις ἔτι πλεῖ, σπευδέτω.* Fortasse recte.

800. *μεγάλα πράττει*] Cf. Eccl. 104. *πράττει τὰ μέγιστα.*

801. *ταυτὶ τοιαυτί*] Cf. Lys. 1087. *οὑτοιὶ τοιουτοιί.*

806. Cf. Hermipp. 14. *οἴμοι, τί δράσω σύμβολον κεκαρμένος;*

815. Cf. Vesp. 1159. Theopomp. com. 54, 1. *ἐγὼ γὰρ ἂν — πίοιμι* —;

826. Cf. Vesp. 933. *κλέπτον τὸ χρῆμα τἀνδρός.*

843. Cf. Soph. Ant. 561. *τὼ παῖδε φημι τώδε τὴν μὲν ἀρτίως | ἄνουν πεφάνθαι, τὴν δ' ἀφ' οὗ τὰ πρῶτ' ἔφυ.*

898. *μέλος χέρνιβι ἐπιβοᾶν*] Cf. Aesch. Pers. 1054. *κἀπιβῶ.*

943. *ἔσθος*] Cf. Lys. 1096.

961. *φέρε*] *λέγε* A. Palmer. Cf. ad 962. Recte, opinor.

962. *λέγων*] *φέρων* recte A. Palmer. Cf. ad 961.

982. Cf. Dem. p. 1180. *ἐκγραψαμένους — τὰς συνθήκας.*

1009. *ἄνθρωπος Θαλῆς*] Cf. Ach. 688. *ἄνδρα Τιθωνόν.*

1011. *ὑπαποκίνει*] Confer *ὑπαποτρέχειν* Eccl. 284.

1029. Cf. Lys. 768.

1138. *κρέκες*] Confer Anglicum crake.

1182. *ῥοίζημα*] Cf. ad Nub. 407. Soph. Ant. 1004. 1021. Hom. Il. 16, 361. *ὀϊστῶν τε ῥοῖζον —.* 10, 502. *ῥοίζησεν δ' ἄρα* (sc. *ὁ ὀϊστός*). Hesiod. Th. 835. *ἄλλοτε δ' αὖ ῥοίζεσχ' —.*

1192. *περινέφελον*] Confer v. *ἐπινέφελος* Plat. com. 65.

1199. Cf. Th. 610. *αὕτη σύ, ποῖ στρέφει; μέν' αὐτοῦ.* 689.

1200. Qu. *ἔχ' ἀτρέμας αὐτοῦ, στῆθ'* (sic). Cf. Th. 230. *ἔχ' ἀτρέμα σαυτόν* (l. *ἀτρέμας αὐτοῦ*).

1354. *ταῖς — κύρβεσιν*] Lege *τοῖς — κύρβεσιν.* Et sic V. Cf. ad Cratin. 274.

1407. *καταγελᾷς μου, δῆλος εἶ*] Cf. Eq. 330. *ὅς σε παύσει καὶ πάρεισι, δῆλός ἐστιν, αὐτόθεν.* Lys. 919. *ἥ τοι γυνὴ φιλεῖ με, δήλη 'στιν καλῶς.*

1435. *ἢ δικορραφεῖν*] Notandum hoc pro *ἢ ἐκ τοῦ δικορραφεῖν* aut *δικορραφοῦντα*, cujus constructionis aliud exemplum desidero. Cf. Pl. 755. *οὐκ ἐκ δικαίου* (l. *μὴ 'κ τοῦ δικαίου*).

1445. *πεποτῆσθαι —*] Cf. Vesp. 93. *ὁ νοῦς πέτεται τὴν νύκτα —.*

1476. *χρήσιμον μὲν οὐδέν, ἄλλως δὲ —*] Cf. Pl. 976. *πενιχρὸν μέν, ἄλλως δ' —.* Th. 290. *ἀνδρὸς — πλουτοῦντος, ἄλλως δ' ἠλιθίου κἀβελτέρου.*

1603. *ἐμοὶ μὲν ἀπόχρη ταῦτα*] Cf. Aesch. Ag. 1574. *βαιὸν ἐχούσῃ πᾶν ἀπόχρη μοι.*

1610. *ὄρνις*] Cf. 1250. Qu. *ὄρνεις.*

1614. *ταῦτά γέ τοι*] Qu. *ταυταγί.*

1718. *ὁδὶ δὲ καὐτός ἐστι*] Cf. Ach. 1189. *ὁδὶ δὲ καὐτός.* Eccl. 934.

1720. *πάραγε*] Cf. Alex. 173, 12. *παράγετε.*

1731 sq. Cf. Arist. Ran. 453. *ὃν ὄλβιαι Μοῖραι ξυνάγουσι.*

Ecclesiazusae.

13. *τὴν ἐπανθοῦσαν τρίχα*] Cf. Vesp. 1065. Nub. 978.

48. Versum interpolatum habet A. Palmer, pleno puncto posito post *κἀμοὶ δοκεῖ*, et coll. Av. 1615. Ran. 321. *κατὰ σχολήν*] Qu. *οὐκ ἐν σχολῇ.*

126. *σηπίαις — ἐσταθευμέναις*] Cf. Ach. 1041. *σηπίας — στάθευε.*

145. *νὴ τὸν Δί' ἤ μοι —*] Cf. Nub. 1215. Vesp. 477. 209.

160. *ὦ νὴ τὸν Ἀπόλλω*] Cf. Lys. 836. *ὦ νὴ Δί'.*

220. *περιειργάζετο*] Cf. 230. *μὴ περιλαλῶμεν.*

227. *τὸν οἶνον εὔζωρον φιλοῦσ' ὥσπερ πρὸ τοῦ*] Lege *οἶνον φιλοῦσ' εὔζωρον ὥσπερ καὶ πρὸ τοῦ.*

230. *περιλαλῶμεν*] Cf. *Telecl. II. 372. *ὁ τὰς τραγῳδίας ποιῶν* | *τὰς περιλαλούσας.* et v. *περιεργάζεσθαι* in 220.

231. *ἁπλῷ τρόπῳ*] Simpliciter. Anglice simply. Cf. Ach. 1151. *ὡς — ἁπλῷ λόγῳ* (Angl. in plain words).

235. *ἐπιπέμψειεν*] Qu. *εἰσπέμψειεν* aut *ἂν πέμψειεν.*

288. *ἐνδυόμεναι*] Qu. *ἐνιστάμεναι.* Cf. Isocr. p. 240. 288.

350. *ὅ τι κἄμ' εἰδέναι*] Qu. *ὅσα —.* Cf. Soph. O. C. 53. *ὅσ' οἶδα κἀγώ.*

420. *ἐν τῶν σκυλοδεψῶν*] Cf. Lys. 407. *ἐν τῶν δημιουργῶν.* Eq. 400. *ἐν Κρατίνου.*

441. *πρᾶγμ'*] Qu. *χρῆμ'.* Cf. ad Lys. 677. *νουβυστικὸν*] Cf. Vesp. 1294. *νουβυστικῶς.* Cratin. jun. 7, 5.

451. *τὸ τειχίον*] Cf. Vesp. 1109. *τοῖς τειχίοις.* Eupol. 207, 2.

455. *ἐπιτρέπειν γε τὴν πόλιν*] *ἐπιτρέπειν τὴν πόλιν ὅλην* A. Palmer. Recte, opinor. Displicet hic particula *γε.*

502. *μίσει*] *παῦσαι* A. Palmer. Nescio an recte.

559. *κατὰ τί;*] Cf. Ran. 1162. *καθ' ὅ τι.*

574. *πολίτην δῆμον*] Cf. Eq. 42. *πυκνίτην δῆμον.*

617. *φαυλότεραι — σεμναὶ*] Cf. Lys. 1109. *φαύλην, σεμνήν.*

623. *τὸ μὲν ὑμέτερον γνώμην τιν' ἔχει*] Cf. Lys. 592. *θἠμέτερον.*

625. *ἐπὶ τοὺς δὲ καλοὺς —*] Cf. Lys. 592. *περὶ τῶν δὲ κορῶν —.*

645. *πάππαν με καλοῖ*] Cf. Pac. 120. *πάππαν με καλοῦσαι.*

672. *ποιήσει*] Lege *ποιήσῃ.*

722. *τὴν τῶν ἐλευθέρων ὑφαρπάζειν κύπριν*] Cf. Th. 205. *κλέπτειν ὑφαρπάζειν τε θήλειαν κύπριν.*

785. *ποῦ μοὖσθ' ἱμάς;*] Cf. Pac. 1295. *ποῦ μοι τὸ — παιδίον;* Vesp. 902. *ποῦ μοὐ (μοι ὁ) διώκων;*

795. Sensui bene conveniret *μὴ σὺ μὴ οὐ λάβῃς φοβοῦ.* Facile in *ὅποι* aut *ὅπου* transire poterat *φοβοῦ.*

806. *πάνυ γ' ἂν οὖν —*] Cf. Eq. 344. *καλῶς γ' ἂν οὖν —.*

807. *αὔτ'*] Sc. *τὰ χρήματα.* Cf. 802.

810. *τί*] Malim *τι.*

812. *δεινά γε λέγεις*] Lege *δεινὸν λέγεις.*

899. *ᾧπερ ξυνείην*] Nonne *ᾧπερ ξυνείη?*

906. *ἐκπέσοι σου τὸ τρῆμα*] Cf. Lys. 419. *ἡ βάλανος ἐκπέπτωκεν ἐκ τοῦ τρήματος.* Aut *ἐκπέσοι* aut *τρῆμα* vitiosum videtur, nisi de prolapsu uteri agitur.

964. *πληκτίζεσθαι*] Cf. Hom. Il. 21, 499. *ἀργαλέον δὲ* | *πληκτίζεσθ' ἀλόχοισι Διός.*

998. *νὴ Δία καὶ γὰρ ἐγὼ*] Cf. Lys. 1181. *καὶ γὰρ ναὶ μὰ Δία Καρυστίοις.*

1025. *στροφῆς*] Lege *στροφῶν.* Cf. Pl. 1154. *οὐκ ἔργον ἔστ' οὐδὲν στροφῶν.* Ran. 775. *τῶν — λυγισμῶν καὶ στροφῶν.*

1169. Adde Vesp. 220. *ἀρχαιομελησιδωνοφρυνιχήρατα.* Nub. 332. *σφραγιδονυχαργοκομήτας.*

1176. *κόνισαι*] Cf. 291. *κεκονιμένος*. Qu. *κόνισον*. Cf. Hom. Il. 13, 820. *κονίοντες πεδίοιο*. 14, 145. *κονίσουσιν πεδίον* (l. *πεδίου*).

1178. *ἵν' ἐπιδειπνῇς*] Anglice, that you may sup on (off) it. Cf. ad Ach. 835.

Equites.

1. *ἰατταταιὰξ*] Cf. Th. 945. Similiter *βαβαί* et *βαβαιάξ*, *παπαῖ* et *παπαιάξ*.

4. *εἰσήρρησεν*] Cf. Th. 1075. *εἰσήρρηκας*.

17. *τὸ θρέττε*] Anglice the necessary pluck. Simile est *τὸ ῥυππαπαῖ* Vesp. 909.

25. Cf. Xen. Conv. II. 22. *κελεύσας τὴν αὐλητρίδα θᾶττονα ῥυθμὸν ἐπάγειν*.

27. *περὶ τῷ δέρματι δέδοικα* —] Cf. Nub. 1395.

42. *πυκνίτην δῆμον*] Cf. Eccl. 574. *πολίτην δῆμον*.

70. *πατούμενοι*] Qu. *πεκτούμενει*. Sed cf. Eq. 166. *βουλὴν πατήσεις*.

79. *ἐν Κλωπιδῶν*] Cf. Th. 620. *ἐκ Κοθωκιδῶν*. 795. *ἐν ἀλλοτρίων*. Lys. 407. *ἐν τῶν δημιουργῶν*.

84. Cf. Aesch. Fr. 401. *ζωῆς πονηρᾶς θάνατος αἱρετώτερος*.

97. *τῷ σῷ ποτῷ*] Cf. Eq. 1393. *διὰ τὸν σὸν οἶνον*.

137. *κεκράκτης*] Formatum ut *κέκραγμα* (Pac. 637.) a *κέκραγα*. Cf. 304. *κατακεκρᾶκτα*. Simile fere est *βαβάκτης*.

138. *ἦν — χρεών*] Cf. Pac. 1029. *χρεὼν ἐστιν*.

153. *ὡς ἔχει*] I. q. *πῶς ἔχει*. Cf. Lys. 610.

160. *πλύνειν — τὰς κοιλίας*] Cf. Pl. 1168. *πλῦνε — τὰς κοιλίας*.

207. Cf. Th. 775. *ξύλον γέ τοι καὶ ταῦτα κἀκεῖν' ἦν ξύλον*.

222. *χὤπως ἀμυνεῖ*] Cf. Ran. 628. *χὤπως ἐρεῖς* —.

255. *φράτερες τριωβόλου*] Cf. Pl. 508. *ξυνθιασῶτα τοῦ ληρεῖν*. Av. 678. *ξύννομε τῶν ἐμῶν ὕμνων*. Th. 921. *τοῦδε — ξύμβουλος*. Vesp. 728.

284. *αὐτίκα μάλα*] Cf. 475.

286. *καταβοήσομαι — σε*] Cf. 1020. *σφε κατακρώζουσι κολοιοί*.

292. *ἀσκαρδάμυκτος*] Qu. *ἀσκαρδαμυκτί*.

304. *κατακεκρᾶκτα*] Simplex *κεκράκτης* legitur 137.

330. *σε παύσας*] Cf. Pac. 921. Pl. 505. Interpunge sic, *ὅς σε παύσει —, δῆλός ἐστιν, αὐτόθεν*. Cf. Av. 1407. *καταγελᾷς μου, δῆλος εἶ*. Lys. 919. *ἦ τοι γυνὴ φιλεῖ με, δήλη 'στὶν καλῶς*.

344. *καλῶς γ' ἂν οὖν* —] Cf. Eccl. 806. *πάνυ γ' ἂν οὖν — αὔτ' εἰσενέγκοι*. Qu. *καλῶς γὰρ ἂν* —.

400. *ἐν Κρατίνου*] Cf. Eupol. 7. *ἐν Φαίακος*.

403. *ἐπ' ἄνθεσιν ἵζων*] Cf. Plat. Conv. 195. *οὗ δ' ἂν εὐανθής — τόπος ᾖ, ἐνταῦθα καὶ ἵζει καὶ μένει Ἔρως*.

413. *ἦ μάτην γ' ἂν* —] Cf. Pl. 485. *ἦ τί γ' ἂν —;* et ad Nub. 688.

415. *ἐκτραφείην*] Corrigendum proculdubio *ἐξεθρέφθην* (enutritus fuissem). *Ἐθρέφθην* legitur Eur. Hec. 351. *θρεφθῆναι* ibid. 600. *ἐκτραφεὶς* Ach. 782. *Ἐκτραφείην* significaret enutrirer.

417. *κόβαλα*] Cf. Ran. 104. Pher. II. 347. *ὕβριστον ἔργον καὶ κόβαλον εἰργάσω.*

424. Legendum aut *τὼ κοχώνα* aut *τὰς κοχώνας*. Cf. ad 484.

456. *κολᾷ*] Cf. Vesp. 244. *κολώμενοι*. Alibi futurum est *κολάσομαι*.

484. Legendum aut *τὼ κοχώνα* aut *τὰς κοχώνας*. Cf. ad 424.

485. *θεύσει γὰρ ᾄξας*] Cf. Av. 205. *θεύσονται δρόμῳ.*

490. *ἄλειψον*] Nonne *ἄλειψαι*?

511. *τὸν τυφῶ — καὶ τὴν ἐριώλην*] Cf. Lys. 974. *μεγάλῳ τυφῷ καὶ πρηστῆρι.*

524. *τελευτῶν*] Cf. Thuc. 8, 81. *οὐδ' ἢν δέῃ τελευτῶντα τὴν ἑαυτοῦ στρωμνὴν ἐξαργυρίσαι.*

528. Schol. *ὡς τὰ Εὐπόλιδος λέγοντα* (l. *κλέπτοντα*). Cf. ad Nub. 554.

534. *στέφανον μὲν ἔχων αὖον, δίψῃ δ' ἀπολωλώς*] Lege *στέφανον μὲν ἔχων, αὖος δίψῃ δ' ἀπολωλώς.*

536. *θεᾶσθαι λιπαρὸν*] Cf. Eccl. 652. *λιπαρῷ χωρεῖν ἐπὶ δεῖπνον*. Pl. 616. Nub. 1002.

546. *πολὺ τὸ ῥόθιον*] Sic Nub. 1330. *πάττε πολλοῖς τοῖς ῥόδοις.*

574. *ἐρόμενος Κλεαίνετον*] Cf. Lys. 1067. *ἐρέσθαι μηδένα.*

600. Qu. *οἱ δέ γε* (pro *καὶ*) *σκόροδα*. Cf. Pl. 167. *ὁ δὲ βυρσοδεψεῖ γ', ὁ δέ γε πωλεῖ κρόμμυα.*

609. *δεινά γ', ὦ Πόσειδον*] Cf. Ran. 491. *ἀνδρεῖά γ', ὦ Πόσειδον.*

641. *μέγα | ἀνέκραγον*] Cf. Vesp. 1288. *μέγα κεκραγότα.*

646. *τὰ πρόσωπα διεγαλήνισαν*] Propter metrum pro *τὸ πρόσωπον*. Cf. 631. *τὰ μέτωπ' ἀνέσπασε*. Soph. El. 1277. *τῶν σῶν προσώπων ἁδονὰν μεθέσθαι.*

660. *κατὰ χιλίων —*] Cf. Ran. 101. *ὀμόσαι καθ' ἱερῶν.*

665. *εἷλκον αὐτὸν — οἱ τοξόται*] Cf. Eccl. 258. *ἢν σ' οἱ τοξόται | ἕλκωσιν.*

682. Cf. Philipp. IV. 469. *τάριχον δυοῖν ὀβολοῖν ἔσθοντας.*

696. *ἐγέλασα ψολοκομπίαις*] Cf. Eur. Iph. T. 276. *ἐγέλασεν εὐχαῖς*. Soph. Aj. 1042.

733. *ἀντεραστὴς*] Cf. Lys. 817. *ἀντεμίσει.*

760. *πολὺς καὶ λαμπρὸς*] Ut ventus vehemens. Cf. Av. 488. *οὕτω — μέγας ἦν — καὶ πολὺς* etc.

780. *ἀλλ' ἢ —*] Cf. Ran. 1130. *ἀλλ' ἢ τρία.*

785. *τὴν ἐν Σαλαμῖνι*] Cf. Th. 806. *τὴν Μαραθῶνι.*

803. *καθορᾷ σου*] Lege *καθορᾶται*. Cf. Vesp. 183. *ἴδωμαι.*

808. *τὴν ψῆφον*] *τε ψῆφον* recte A. Palmer. Cf. Av. 225. *ἥκει γάρ τις δριμὺς πρεσβὺς καινὸς γνώμην* (f. *καινογνώμων*) *καινῶν τ' ἔργων ἐγχειρητής.*

853. *προσόδια μεγάλα*] Cf. Nub. 307. Pac. 397. *προσόδοις — μεγάλαισι.*

892. *οὐκ ἐς κόρακας ἀποφθερεῖ;*] Eadem verba sunt Nub. 789. *βύρσης* —] Cf. Vesp. 38. 1029. Pac. 753.

919. *παῦε παῦ' ὑπερζέων*] Cf. Pac. 326. *παῦε παῦ' ὀρχούμενος.* Av. 1243. *παῦε τῶν παφλασμάτων.*

954. *δημοῦ βοείου*] Cf. Vesp. 40. *βόειον δημόν.*

1026. *τῶν λογίων παρεσθίει*] Cf. Pac. 415. *τοῦ κύκλου παρέτρωγον.* Ran. 988. *τῆς ἐλάας παρέτραγεν.*

1054. *παρεκινδύνευσε*] Cf. Ran. 99. *παρακεκινδυνευμένον.*

1078. *τούτοις*] Qu. *τούτοις δ'.*

1128. *προστάτην*] Cf. Eur. Fr. 194, 4. *προστάτην χθονός.*

1130. *ἄρας*] Sub. *τὴν χεῖρα.* Similis ellipsis est Lys. 799. *ἀνατείνας* (sub. *τὼ σκέλη*).

1134. *τούτῳ πάνυ πολλή*] Lege *οὕτω πάνυ πολλή.* Cf. Pl. 389. *οὕτω πάνυ πολλὰ κέκλοφας;*

1181. *ἡ γοργολόφα*] Lege *ἡ γοργολόφας.* Sic *ὁ λευκολόφας* Eur. Ph. 119. *Γοργολόφα* vocativus est. Sic Ach. 567. *ὦ γοργολόφα.*

1226. *ἐπ' ἀγαθῷ — τῇ πόλει*] Cf. Ran. 1487. *ἐπ' ἀγαθῷ μὲν τοῖς πολίταις, ἐπ' ἀγαθῷ δὲ τοῖς ἑαυτοῦ ξυγγενέσι* —. Pl. 888.

1285. *κασαυρίοισι*] Cf. fabulae Plautinae nomen 'Casina.'

1292. *φαύλως ἐσθίει*] Cf., Pac. 25. *φαύλως ἐρείδει.*

1312. Lege *ἤ εἰς τὸ τῶν σεμνῶν θεῶν.* Cf. Th. 224. *εἰς τὸ τῶν σεμνῶν θεῶν* (*φεύγω*).

1314. Cf. Timocreont. 1, 8. *ἔβα πλέων εἰς ὄλεθρον.*

1318. Cf. Nub. 1205. *ἐπ' εὐτυχίαισιν ᾀστέον μοὐγκώμιον.*

1328. *ἵν' — ἐνοικεῖ*] Cf. Nub. 95. *ἐνταῦθ' ἐνοικοῦσ'.*

1372. *τοῦ Κλεωνύμου*] Qu. *τὸν Κλεωνύμου.*

1382. *σμύρνῃ κατάλειπτος*] Cf. Pac. 862. *μύρῳ κατάλειπτος.*

1383. *παυσαμένους ψηφισμάτων*] Cf. Lys. 704. *οὐχὶ μὴ παύσησθε τῶν ψηφισμάτων.*

1399. *κύνεια*] Adde *ὕεια, δελφάκεια, ἵππεια.* Similis ellipsis est in Latino 'ferina' (sub. 'caro', Virg.).

Lysistrata.

70. Lege *οὐκ ἐπαῖνο Μυρρίνην* —. Cf. ad Th. 1213.

94. *μύσιδδέ τοι*] Lege *μύσιδδέ νυν.*

95. *ὅ τι λῇς ποθ' ἁμέ*] Qu. *ὅ τι λῇς ποχ' ἁμέ.*

131. *ὦ ψῆττα*] Similiter Nub. 1298. *ὦ σαμφόρα.*

144. Qu. *ὅμως γε μὰν δεῖ, τᾶς γὰρ εἰράνας μέλει,* aut — *δεῖ τᾶς γα Ϝειράνας μάλ' αὖ.*

157. *ἀφίωσιν* mss. *ἀφίωσ'* Kuster. Dind. Scribendum *ἀφιῶσ'.*

180. Qu. *πάντ' εὖ κ' ἔχοι, καὶ τᾷδε γὰρ καλῶς ἔχει.* Sed verum esse *παντᾶ* ostendere videtur *καὶ τᾷδε.*

206. *ποτόδδει* —] Cf. Aristoph. II. 1049. *προσόζειν γὰρ κακοῦ τού μοι δοκεῖ.* Philem. IV. 13. *προσῶζεν — ἡδυσμάτων.*

329. *πατάγου χυτρείου*] Malim — *χυτραίου.* Cf. ad Fr. 472, 2 K.

342. *καὶ μανιῶν ῥυσαμένας*] Qu. *κἀκ μανιῶν* —.

344. *ὦ χρυσολόφα*] Cf. Ach. 567. *ὦ γοργολόφα.* Nominativus est *χρυσολόφας.* Sic *λευκολόφας* Eur. Ph. 119.

348. *ὑποπίμπρῃσιν*] Epica forma subjunctivi. Sic Hom. Od. 1, 194. *λάβῃσιν.* 5, 356. *ὑφαίνῃσιν.*

376. *ὡς ἔχω*] Cf. Soph. Ant. 1108. *ὡς ἔχω.*

378. *ὦ σαπρά*] Cf. Eccl. 884. 926. 1098. Vesp. 1380.

395. *ἡ γυνὴ 'πὶ τοῦ τέγους*] Qu. *ἡπὶ τοῦ τέγους γυνή.* Cf. 389. *οὑπὶ τοῦ τέγους.*

407. *ἐν τῶν δημιουργῶν*] Cf. Th. 795. *ἐν ἀλλοτρίων.* Eq. 79. *ἐκ Κλωπιδῶν.* Eccl. 420. *ἐν τῶν σκυλοδεψῶν.* Eq. 400. *ἐν Κρατίνου.*

410. *ἡ βάλανος ἐκπέπτωκεν ἐκ τοῦ τρήματος*] Cf. Eccl. 906. *ἐκπέσοι σου τὸ τρῆμα.*

445. *ποῦ τοξότης;*] Cf. Pac. 1059. *ποῦ τράπεζα;*

536. *ξυζωσάμενος*] Cf. Th. 656. *ξυζωσαμένας.* 255.

541. *οὔποτε κάμοιμ' ἂν ὀρχουμένη*] Cf. Eur. Bacch. 187. *οὐ κάμοιμ' ἂν θύρσῳ κροτῶν γῆν.* Or. 1590.

562. *πῖλον*] Galeam, cassem. Cf. Antiph. 19. *ὁ δὲ καλὸς πῖλος κάδος.*

593. *περὶ τῶν δὲ κορῶν*] Cf. Eccl. 625. *ἐπὶ τοὺς δὲ καλοὺς βαδιοῦνται.*

596. Cf. Eur. Fr. 24, 3. *θήλεια δ' ἥβη θᾶσσον ἐκλείπει δέμας.*

673. *οὐδὲν ἐλλείψουσιν αὗται λιπαροῦς χειρουργίας*] Cf. Plat. Tim. 20 C. *οὔτε ἐλλείψομεν προθυμίας οὐδὲν* —. 17 B. *κατὰ δύναμίν γε οὐδὲν ἐλλείψομεν.* Aesch. Pr. 341. *προθυμίας γὰρ οὐδὲν ἐλλείπεις.*

727. *πάσας — προφάσεις πλέκουσιν*] Cf. Vesp. 644. *παντοίας πλέκειν — παλάμας.*

776. *καταπυγωνέστερον*] Metri necessitate pro *καταπυγονέστερον* positum.

798. *κρόμμυον τἄρ' οὐκ ἔδει*] Lege *κρομμύων* —.

799. *λακτίσαι*] Lege *πληκτίσαι.*

815. *καταρασάμενος ἀνδράσι πονηροῖς*] Cf. Nub. 871. *καταρᾷ σὺ τῷ διδασκάλῳ;*

817. *ἀντεμίσει*] Cf. *ἀντεραστὴς* Eq. 733.

855. *σ' ἔχει διὰ στόμα*] Qu. *διὰ στόματός σ' ἔχει.* Sed cf. Aesch. Sept. 51. *οἶκτος δ' οὔτις ἦν διὰ στόμα.* 579. *λέγει δὲ τοῦτ' ἔπος διὰ στόμα.* 493.

919. *ἥ τοι γυνὴ φιλεῖ με, δήλη 'στὶν καλῶς*] Cf. Av. 1407. *καταγελᾷς μου, δῆλος εἶ.* Soph. O. R. 1008. *καλῶς εἶ δῆλος οὐκ εἰδὼς τί δρᾷς.*

1067. *ἐρέσθαι μηδένα*] Cf. Eq. 574. *ἐρόμενος Κλεαίνετον.*
1072. *ἕλκοντες ὑπήνας*] Cf. com. adesp. 796. *ὑπήνας ἕλκοντας*
1099. *αἴ κ' εἶδον*] Lege *αἰ εἶδον* (*Ϝεῖδον*). *ἀναπεφλασμένως* Cf. Eupol. 61. *ἀναφλασμοί.*
1105. Lege — *καλῆτε τὰν Λυσιστράταν.* Cf. 1103. Soph. El. 1473. *εἴ που κατ' οἶκόν, μοι Κλυταιμνήστραν κάλει.*
1109. *φαύλην, σεμνὴν*] Cf. Eccl. 617. *φαυλότεραι — σεμναί.*
1216. *παραχωρεῖν*] Concedere viam. Cf. Ran. 767. Eccl. 633.
1219. *εἰ δὲ πάνυ δεῖ τοῦτο δρᾶν*] Cf. 73. *εἴ τι πάνυ δεῖ.*
1277. *ὀρχησάμενοι θεοῖσιν*] Cf. Nub. 271. *χορὸν ἵστατε νύμφαις.* Eur. Fr. 781, 34. *θεοῖς χορεῦσαι.*
1313. *παιδδωᾶν*] Qu. *παδωᾶν* (*πηδωσῶν*). Cf. 1317. *χερὶ ποδοῖν τε πάδη.* Ran. 1213. *πηδᾷ χορεύων.*

Nubes.

71. *ἐκ τοῦ φελλέως*] Cf. Aelian. Epist. 2. *φελλεῖ ἐπέκοψε τὸ* (*προσέκοψε?*) *σκέλος* —. Eadem verba sunt Ach. 273.
95. *ἐνταῦθ' ἐνοικοῦσ'*] Cf. Eq. 1328. *ἵν' — ἐνοικεῖ.*
131. *ἰτητέον*] Forma *ἰτέος* est Thuc. 8, 2. Plat. Resp. 394.
183. *μαθητιῶ*] Cf. *οὐρητιᾶν, βινητιᾶν, ναυτιᾶν* (Plat.).
201. Cf. Vesp. 858. *ἡδὶ δὲ δὴ τίς ἐστιν; οὐχὶ κλεψύδρα;*
254. *κάθιζε — ἐπὶ τὸν — σκίμποδα*] Cf. Ran. 197. *κάθιζ' ἐπὶ κώπην.*
271. *χορὸν ἵστατε νύμφαις*] I. e. *χορεύετε* (*ὀρχεῖσθε*) —. Cf. Lys. 1277. *ὀρχησάμενοι θεοῖσιν.* Eur. Fr. 781, 34. *θεοῖς χορεῦσαι.*
289. *ἀθανάτας ἰδέας*] Cf. Th. 1052. *ἀθανάταν φλόγα.*
307. *πρόσοδοι μακάρων*] Cf. 309. *θεῶν θυσίαι θαλίαι τε.* Pac. 397. *προσόδοις — μεγάλαισι.* 780. *θαλίας μακάρων.* Eq. 853. *προσόδια μεγάλα.*
390. *παπαπαππάξ*] Simile est *παπαπαπαῖ* et *ἰατταταιάξ* Eq. 1. Th. 945.
407. *τοῦ ῥοίβδου*] Cf. Av. 1182. et ad Soph. Ant. 1004. *πτερῶν γὰρ ῥοῖβδος οὐκ ἄσημος ἦν.*
417. *τῶν ἄλλων ἀνοήτων*] Cf. Pac. 760. *τῶν ἄλλων νήσων.*
446. *συγκολλητής*] Cf. Vesp. 1041. *συνεκόλλων.*
543. *εἰσῇξε*] Cf. 996. *εἰσᾴττειν.*
681. *ἔθ' ἕν τι*] Qu. *ἓν ἔτι τι* —. Cf. Vesp. 818. *ἓν ἔτι ποθῶ.* Eccl. 655. *ἓν ἔτι ζητῶ.*
688. *οὐδαμῶς γ', ἐπεὶ πῶς ἂν καλέσειας —;*] Lege *οὐδαμῶς, ἐπεὶ | πῶς γ' ἂν καλέσειας —;* Cf. Eq. 413. *ἦ μάτην γ' ἂν* —. Pl. 485. *ἦ τί γ' ἂν —;*
789. *οὐκ ἐς κόρακας ἀποφθερεῖ;*] Eadem verba sunt Eq. 892.
821. *φρονεῖς ἀρχαϊκά*] Cf. Vesp. 507. *φρονῶν τυραννικά.*
840. Cf. Av. 382. *μάθοις γὰρ ἄν τι κἀπὸ τῶν ἐχθρῶν σοφόν.*

915. *ἀρχαῖος*] Anglice old-fashioned. Cf. 984. 1469. Vesp. 1357. Pl. 323. Vesp. 1336. Fr. 30. *οἶδα μὲν ἀρχαῖόν τι δρῶν*. Nub. 821. *φρονεῖς ἀρχαικά*.

966. *ξυνέχοντας*] Cf. Vesp. 95. *τοὺς τρεῖς ξυνέχων τῶν δακτύλων*.

970. *κάμψειέν τινα καμπτὴν*] Cf. Philostr. V. Apoll. IV. 39. *ᾠδὰς ἔκαμπτεν ὁπόσας* —.

982. *ἄννηθον — σέλινον*] Cf. Eubul. 36, 3. *ἄνηθα καὶ σέλινα*.

984. *διπολιώδη*] Pro *διπολειώδη* propter metrum. Sic *Ποσιδήϊον* metri necessitate positum pro *Ποσειδήϊον* Hom. Od. 6, 267.

1047. *ἄφυκτον*] Cf. Eq. 757. *λόγους ἀφύκτους*.

1105. *ἀπάγεσθαι*] Cf. Lys. 1274. *ἀπάγεσθε ταύτας*. Aesch. Eum. 267. *ζῶντά σ' — ἀπάξομαι κάτω*.

1130. *κἂν ἐν Αἰγύπτῳ*] Even though it be in Egypt. Cf. Aj. 1077. *ἄνδρα χρὴ — δοκεῖν πεσεῖν ἂν κἂν ἀπὸ σμικροῦ κακοῦ*.

1201. *τί κάθησθ' ἀβέλτεροι;*] Cf. Ran. 989. *ἀβελτερώτατοι — καθῆντο*.

1256. Lege *προσαποβαλεῖς* (deleto *καί*). Cf. Av. 25. *προσμάθοιμι*. Ran. 232. *προσεπιτέρπεται*. Vesp. 1420. *καὶ χάριν προσείσομαι*. Soph. O. R. 232. *χἠ χάρις προσκείσεται*.

1298. *ὦ σαμφόρα*] Cf. Lys. 131. *ὦ ψῆττα*.

1299. Cf. Hom. Od. 6, 320. *νώτῳ δ' ἐπέβαλλεν ἱμάσθλην*.

1330. *πολλοῖς τοῖς ῥόδοις*] Cf. Eq. 546. *πολὺ τὸ ῥόθιον;*

1357. *ἀρχαῖον*] Angl. old-fashioned. Cf. Eupol. 139. *τὰ Στησιχόρου — ἀρχαῖον ἀείδειν*.

1392. *πηδᾶν*] Cf. Plat. Conv. 215 E. *ἡ — καρδία πηδᾷ*. Tim. 70 C. *τῇ πηδήσει τῆς καρδίας*. Legg. VII. 791 A. *γαλήνην — τῆς περὶ τὰ τῆς καρδίας — πηδήσεως*.

1485. *τῶν ἀδολεσχῶν*] Cf. Fr. 416, 2 D. Plat. Crat. 401 B. *μετεωρολόγοι καὶ ἀδολέσχαι τινές*.

1510. Cf. Vesp. 1227 sq. Plat. Phaedr. p. 278 B. *οὔκουν ἤδη πεπαίσθω μετρίως*.

Pax.

25. *φαύλως ἐρείδει*] Cf. Eq. 1292. *φαύλως ἐσθίει*.

30. *παροίξας τῆς θύρας*] Cf. ad 981. Eur. Iph. A. 857. *πύλας παροίξας*.

120. *πάππαν με καλοῦσαι*] Cf. Eccl. 645. *πάππαν με καλοῖ*.

159. *ἴει σαυτὸν*] Cf. Vesp. 355. *ἵεις σαυτόν*.

319. Cf. Nub. 1037. *ἅπαντα ταῦτα — συνταράξαι*.

320. Cf. Aesch. Pr. 994. *κυκάτω πάντα καὶ ταραττέτω*.

326. Cf. Eq. 919. *παῦε παῦ' ὑπερζέων*. Av. 1243.

376. *ὦ Ζεῦ κεραυνοβρόντα*] Cf. Vesp. 323. *ὦ Ζεῦ Ζεῦ μεγαβρόντα*.

382. *μή νυν λακήσῃς*] Vitiosum hoc est. Lege *μή νυν λάκῃς, μή*. In *λακήσῃς* prima producitur. Sic *διαλακήσασα* Nub. 410. Ionica ejus verbi forma est *ληκεῖν* (Hom. Od. 8, 390. Hesiod. Op. 207.).

529. *κρομμυοξυρεγμίας*] Lege *κρομμυοξερυγμίας*. Compositum ex *κρόμμυον, ὀξύς*, et *ἐρεύγω*, ut *κρομμύων ὀξεῖα ἐρυγμία* significetur. Quod si in . *οξ*. latet *ὄξος*, intelligenda erit *κρομμύων* (*ὀξωτῶν*, Fr. 130, 1.) *ἐρυγμία*. Cf. v. *βδελυγμία*.

620. *σεσηρότας*] Cf. Vesp. 901. Theocr. 7, 19. *σεσαρώς*.

642. *ἐσπαράττετε*] Cf. Ach. 688. *ἄνδρα Τιθωνὸν σπαράττων*.

704. *πόσ' ἄττ'*] Cf. Ran. 173. Similiter *ποῖ' ἄττα* Ran. 936.

760. *τῶν ἄλλων νήσων*] Cf. Nub. 417. *τῶν ἄλλων ἀνοήτων*.

862. *μύρῳ κατάλειπτος*] Cf. Eq. 1382. *σμύρνῃ κατάλειπτος*.

918. *πολλῶν — ἄξιος*] Lege *πολλοῦ — ἄξιος*. Cf. Pl. 877. *πολλοῦ — ἄξιός ἅπασι τοῖς Ἕλλησιν*. Trag. adesp. 338 b. *πολλοῦ σε θνητοῖς ἄξιον τίκτει πατήρ*. Paullo aliter Ach. 633. *φησὶν δ' εἶναι πολλῶν ἀγαθῶν ἄξιος ὑμῖν ὁ ποιητής*.

935. *ἀμνοὶ τοὺς τρόπους*] Cf. 350. *ἀμνοκῶν*.

945. *μετάτροπος αὔρα*] Cf. Th. 723. Nub. 812. Eur. El. 1147. *μετάτροποι πνέουσιν αὖραι δόμων*. Aesch. Pers. 941.

981. Cf. Herod. 3, 156. *παρακλίναντες τὴν ἑτέρην πύλην*.

997. *φιλίας χυλῷ*] Cf. Ran. 943. *χυλὸς στωμυλμάτων*.

1029. *χρεὼν ἐστιν*] Cf. Eq. 138. *ἦν — χρεών*.

1053. *κἄπαγ' ἀπὸ τῆς ὀσφύος*] Qu. *κἄπεχ'* (*καὶ ἄπεχε*) —. Cf. Aesch. Ag. 1023. *ἄπεχε τῆς βοός*.

1059. *ποῦ τράπεζα;*] Cf. Lys. 445. *ποῦ τοξότης;*

1154. Cf. Alex. III. 435. *καρπίμοις κισσοῦ κλάδοις*.

1156. Cf. Lys. 1060. *καὶ δελφάκιον ἦν τί μοι*.

1177. *ἱππαλεκτρυὼν*] Cf. Av. 800. Ran. 932. 937.

1226. *ποιήσῃ ζημίαν*] Cf. Pl. 1124. *ἐποίεις ζημίαν*.

Plutus.

8. *καὶ ταῦτα μὲν δὴ ταῦτα*] Lege *τοιαῦτα* —. Cf. Posidipp. com. 2, 1. *ταυτὶ μὲν οὖν τοιαῦτα*. Plat. com. 173, 11. *καὶ τάδε* (*τοιάδε*?) *μὲν δὴ ταῦτα*.

99. *καὶ θαῦμά γ' οὐδέν*] Cf. Soph. O. R. 1319. Eur. Hec. 976. Soph. O. R. 1132. *κοὐδέν γε θαῦμα*. Vesp. 1139. *κοὐ θαῦμά γ'*.

114. *οἶμαι γάρ, οἶμαι,* —] Cf. Aesch. Pr. 338. *αὐχῶ γὰρ αὐχῶ* —.

164. *χρυσοχοεῖ*] Confer *οἰνοχοεῖν, μολυβδοχοεῖν*. *Χρυσοχόος* (ut *οἰνοχόος*) legitur Lys. 408. Paullo aliter *κηροχυτεῖν* (*κηροχοεῖν*?) Th. 56.

205. *οὐκ εἶχεν εἰς τὴν οἰκίαν οὐδὲν λαβεῖν*] Lege *εἰς οἰκίαν οὐκ εἶχεν οὐδεὲν λαβεῖν*. Causa corruptelae fuit *οὐδὲν* in *οὐδεὲν* mutatum. Cf. 234 sq.

298. *κραιπαλῶντα*] Cf. Plat. Symp. 316 G. *κραιπαλῶντα ἔτι ἐκ τῆς προτεραίας.*

343. *οὐδὲν ἀποκρύψας ἐρῶ νὴ τοὺς θεούς*] Fort. — *μὰ τοὺς θεούς.* Cf. Pl. 383. 715. *ὁπὰς γὰρ εἶχεν οὐκ ὀλίγας μὰ τὸν Δία.*

389. *οὕτω πάνυ πολλὰ κέκλοφας;*] Cf. Eq. 1134. *οὕτω πάνυ πολλή* (*πυκνότης*).

402. *ἑνί γέ τῳ τρόπῳ*] Cf. Plat. Men. 72 C. *ἕν γέ τι εἶδος ταὐτὸν ἅπασαι ἔχουσι.*

485. *ἦ τί γ' ἂν* —] Cf. Eq. 413. *ἦ μάτην γ' ἂν* —. Nub. 688.

554. *ἐπιλείπειν*] Cf. Eccl. 620. Plat. Resp. IX. 573 E. *ὅταν — πάντ' ἐπιλίπῃ.* VIII. 568 E. *ὅταν — ταῦτα ἐπιλίπῃ.*

802. *πράττειν — εὐδαιμόνως*] Cf. Pac. 856. *εὐδαιμονικῶς — πράττει.*

888. *οὐκ ἐπ' ἀγαθῷ — οὐδενί*] Cf. Eq. 1226. *ἐγὼ δ' ἔκλεπτον ἐπ' ἀγαθῷ γε τῇ πόλει.* Ran. 1487.

976. *ἄλλως δ'*] Cf. Av. 1476. Th. 290.

1035. *ὥς γ' ἐμοὶ δοκεῖς*] Cf. 390.

1124. *ἐποίεις ζημίαν*] Cf. Pac. 1226. *ποιήσῃ ζημίαν.*

1199. Cf. Th. 840. *ἠμφιεσμένην λευκά.* 1044. *κροκόεντα.*

Ranae.

99. *παρακεκινδυνευμένον*] Cf. Eq. 1054. *παρεκινδύνευσε.*

120. Similis versus est 460. Th. 772.

240. *κοινὸν*] I. q. *κοινωνόν* (participem). Cf. Vesp. 917. Aesch. Ag. 1037.

358. *βωμολόχοις — ποιοῦσιν*] Qu. *βωμολόχων — ποιούντων.*

361. *καταδωροδοκεῖται*] Lege *καταδωροδοκεῖ τι.* Cf. Vesp. 1036. *καταδωροδοκῆσαι.*

380. *ἐς τὰς ὥρας*] Cf. Th. 951. Nub. 562. *ἐς τὰς ὥρας τὰς ἑτέρας.* Theocr. 15, 74. *κεἰς ὥρας κἤπειτα — ἐν καλῷ εἴης.*

382. *ὕμνων ἰδέαν*] I. q. *ὕμνων εἶδος.* Cf. Av. 993. *τίς ἰδέα βουλεύματος;*

410. *καὶ μάλ' εὐπροσώπου*] Cf. Th. 644. *τοδὶ — καὶ μάλ' εὔχρων.* Aesch. Cho. 877. Soph. El. 1455.

465. *ὦ βδελυρὲ — σὺ*] Cf. Th. 735. *ὦ θερμόταται — ὑμεῖς.* Pac. 182. *ὦ βδελυρὲ καὶ τολμηρὲ — σύ.* Fr. 26. *ὦ μιαρὲ — καὶ πονηρέ σύ.*

517. *λόγοισιν εἴτ' ἔργοισιν*] Cf. Soph. El. 136. *πατρῴας εἴτε βαρβάρου* (*γῆς*).

525. Cf. El. 1276. *τί μὴ ποιήσω;* Aj. 77. *τί μὴ γένηται;*

545. *μανθάνειν — σοῦ*] Cf. O. C. 593. El. 889.

580. *πάντ' ἐμοῦ κομίζεται*] Cf. O. C. 1411. *ὁ νῦν ἔπαινος ὃν κομίζετον* (pro *κομίζεσθον*) | *τοῦδ' ἀνδρός.*

583. Cf. Dem. Or. 45. 67. *λόγον δ' ἐμαυτῷ διδοὺς εὑρίσκω κτλ.*

588. *τύραννα δρᾶν*] Cf. Ant. 1169. *τύραννον σχῆμ' ἔχων*. Aesch. Pr. 761. *τύραννα σκῆπτρα*.

591. *πολλὰ κἂν ἄκων ἔδρων*] I. e. *πολλὰ καὶ ἄκων ἂν ἔδρων*. Cf. 615. *πολλὰ*] Sc. *τύραννα* (588).

592. *τύραννα θρᾶν*] Cf. 591.

595. *καὶ βαλεῖς*] Lege *κἀκβαλεῖς*. Cf. Vesp. 1289. *σκωμμάτιον ἐκβαλῶ*. Hom. Il. 18, 324. Od. 4, 503. Pind. P. 2, 81. Aesch. Ag. 1663. Cho. 47. Herod. 6, 69. Anglice utter.

597. *σέθεν*] Epica forma, quae legitur etiam 1221. O. C. 250. 1363. El. 524. 579. 1209. 1411. Tr. 414. 1138. 1207. Ph. 1435.

628. *χὤπως ἐρεῖς*] Cf. Eq. 222. *χὤπως ἀμυνεῖ* —.

633. Cf. El. 1434. Thuc. I. 25. 1. *ἐν ἀπόρῳ ἔχοντο θέσθαι τὸ παρόν*.

644. *ὑποκινήσαντ'*] Cf. Xen. Cyn. 6, 23. *ὅπως ἂν ὑποκινῇ εἰς τὸ πρόσθεν*. *ὀναίμην*] Absolute positum ut in O. C. 1042. *ὄναιο, Θησῶ, τοῦ τε γενναίου χάριν* —. Eur. Or. 1677.

649. *πιθοῦ θελήσας*] Cf. O. C. 757. *κρύψον θελήσας*. Ph. 1343. *συγχώρει θέλων*.

651. *θέλεις — εἰκάθω;*] Cf. El. 80. *θέλεις | μείνωμεν αὐτοῦ —;* Ph. 762. *βούλει λάβωμαι δῆτα καὶ θίγω τί σου;*

653. *τὸν — ἐν ὅρκῳ μέγαν*] Cf. ad 872. *μέγας ἐν τούτοις θεὸς οὐδὲ γηράσκει*.

660. *θεὸν — ἅλιον*] Cf. Tr. 145. *θάλπος θεοῦ* (solis).

677. *ἀγνῶτος*] I. q. *ἀγνώμονος*. *Ἀγνώς* valet ignarus 1133. 681. ignotus Ant. 1001. Ph. 1008.

726. *τῷ κακίστῳ κόμματι*] Cf. Pl. 862. *ἔοικε δ' εἶναι τοῦ πονηροῦ κόμματος*.

749. *ὡς μὰ Δί' οὐδὲν οἶδ' ἐγώ*] Suspectum. Qu. *ὡς μὰ Δί' οὐδὲν ἄλλο γε*.

781. *οὐράνιόν γ' ὅσον*] Cf. 1135. *ἡμάρτηκεν οὐράνιον ὅσον*.

836. *διέσκεμμαι*] Cf. Th. 687. *διεσκέφθαι* (pass.).

913. *οὐδὲ τουτί*] Anglice not that.

939. *τὸ πρῶτον* om. R. *θανόντος* substituerit A. Palmer, coll. Herod. II. 1. *τελευτήσαντος δὲ Κύρου παρέλαβε τὴν βασιληΐην*. II. 120. Aeschylum enim a. 456. mortuum esse, Euripidem autem primam suam fabulam docuisse a. 455. Nescio an recte.

943. *χυλὸς στωμυλμάτων*] Cf. Pac. 997. *φιλίας χυλῷ*.

957. *ἐρᾶν*] Mendosum hoc est. Quid scripserit Comicus nondum repertum est. *στροφὰς στρέφειν* A. Palmer, coll. Plat. Tim. 43 D.

988. Cf. Eq. 1026. *τῶν λογίων παρεσθίει*.

1008. *καλῶς εἶ δῆλος* —] Cf. Arist. Lys. 919. *ἦ τοι γυνὴ φιλεῖ με δήλη 'στὶν καλῶς*.

1017. *θυμοὺς*] Cf. Eur. Rhes. 786. *θυμὸν πνέουσαι*. Sed corrigendum, ni fallor, *θυρεούς*.

1028. Cf. Vesp. 955. *προβατίοις ἐφεστάναι*.

1050. *ὁ καιρὸς*] Cf. Th. 661. Pl. 255.

1371. Cf. Th. 701. *τί δὴ δέρκομαι νεοχμὸν αὖ τέρας;*

1393. *μέθεσθε μέθεσθε*] Sic Th. 1184. *κάτησο κάτησο.*

1477. Cf. Eur. Fr. 833, 1. *τίς δ' οἶδεν εἰ ζῆν τοῦθ'* (*ἐσθ'*?) *ὃ κέκληται θανεῖν, | τὸ ζῆν δὲ θνήσκειν ἐστί;*

1478. *κώδιον*] Ineptum hoc videtur. Nonne reponendum *κατθανεῖν*?

1530. *ἐπινοίας*] Qu. *διανοίας*. Cf. 750. *ἔπεσιν μεγάλοις καὶ διανοίαις*. 1059.

1532. *ἀργαλέων — ξυνόδων*] Cf. Th. 788. *στάσις ἀργαλέα.* Solon. Eleg. 4, 38. *ἀργαλέης ἔριδος.*

Thesmophoriazusae.

12. Sensus, ni fallor, requirit *τοῦ τ' ἐξακούειν τοῦ θ' ὁρᾶν.*

23. *ἐξεύροις*] Lege *ἐξεύροιμ'*.

24. *προσμάθοιμι* —] Lege *προσμάθοιμ' ἂν* —.

56. *κηροχυτεῖ*] Qu. *κηροχοεῖ*, ut *χρυσοχοεῖν, μολυβδοχοεῖν, οἰνοχοεῖν.*

59 sq. Latet in his nequitia.

97. Qu. — *εἶμ' ἔγωγ', ὡς οὐχ ὁρῶ.*

157. Similis versus est Fr. 693. *οὐκ ἔσθω κενέβρει'· ὁπόταν θύῃς τι καλεῖν με.* 168. Philoclis tetralogia *Πανδιονὶς* fuit.

205. Cf. Eccl. 722. *τὴν τῶν ἐλευθέρων ὑφαρπάζειν κύπριν.*

230. Qu. *ἔχ' ἀτρέμας αὐτοῦ.* Av. 1200. *ἔχ' ἀτρέμας αὐτοῦ, στῆθ'.*

246. *πάντῃ διασκοπῶμεν*] Cf. 660. *διασκοπεῖν πανταχῇ.*

258. *κεφαλὴ περίθετος*] *καλὴ περίθετος* (sc. *κόμη*) palmaria est Palmeri emendatio, qui confert Eccl. 70. *νὴ τὴν Ἑκάτην καλόν γ' ἔγωγε τουτονί* (*πώγωνα*). De *περίθετος* cf. ad Fr. 181 K.

260. *ἄριστ' ἔχει*] Cf. Ran. 1161. *ἄριστ' ἐπῶν ἔχον.*

277. *ἔκοπευδε*] *ἄ· σπεῦδε* A. Palmer.

290. *ἄλλως δ'* —] Cf. Av. 1476. Pl. 976.

294. *τῶν λόγων*] *τῶν λιτῶν* A. Palmer.

332. *μοιχοτρόφους* A. Palmer, coll. Eccl. 225. *μοιχοὺς ἔχουσιν* (f. *τρέφουσιν*) *ἔνδον ὥσπερ καὶ πρὸ τοῦ.* Aut hoc verum videtur aut *μυχοτρόπους* (saepe enim in mss. confunduntur *οι* et *υ*).

463. *πολύπλοκον*] Cf. 435. *πολυπλοκωτέρας γυναικός.*

489. *κῦβδ' ἐχομένη*] Cf. Pac. 897. *κῦβδ' ἑστάναι.*

566. *οὔ τοι — καταπροίξει* —] Cf. Eq. 435. *οὔτοι μὰ τὴν Δήμητρα καταπροίξει τάλαντα πολλὰ κλέψας.* Nub. 1239. Vesp. 1366. 1396.

742. *ἤνεγκον — ἤνεγκας*] Sic *εἶπον* et *εἶπας* (non *εἶπες*).

872. *σάλῳ*] Cf. Soph. Phil. 271. *ἐκ πολλοῦ σάλου | εὕδοντ' ἐπ' ἀκτῆς.*

895. *τοὐμὸν σῶμα βάλλουσα ψόγῳ*] Cf. Eur. El. 902. *μή μέ τις ψόγῳ βάλῃ.* Soph. Aj. 1244. *κακοῖς βαλεῖτε.* Tr. 940. *ὥς νιν ματαίως αἰτίᾳ βάλοι κακῇ.*

924. *ὑπαποκινητέον*] Cf. Av. 1011. *ὑπαποκίνει.*
1103. *κεπαλῇ*] Cf. 1126. Sic *παίνεται* pro *φαίνεται* 1114.
1191. *παπαπαπαῖ*] Simile est *παπαπαππάξ* Nub. 390.

Vespae.

7. Cf. 713. *νάρκη μου — καταχεῖται.*
25. *ἰδόντι τοιοῦτον ἐνύπνιον*] Cf. Pac. 759. *τοιοῦτον ἰδὼν τέρας —*. Sed corrigendum, ni fallor, *ἰδόντι τοιόνδ' —*.
40. *βόειον δημὸν*] Cf. Eq. 954. *δημοῦ βοείου.*
187. Cf. Th. 878. *ὦ δύστηνος οἷ πεπλώκαμεν.*
220. *ἀρχαιομελη —*] Vix sanum. Qu. *ἀρχαιομελι —*.
235. *παπαιάξ*] Cf. Lys. 924. Similiter *βαβαιάξ* et *ἰατταταιάξ.*
408. *βαλόντες — παιδία*] Similiter Pl. 292. *τέκνα — ἐπαναβοῶντες.*
416. *τόνδ'*] Lege *τοῦδ'*. Cf. Pl. 42. *ἐκέλευσε τούτου μὴ μεθίεσθαί μ' ἔτι.* 75. *μέθεσθέ νύν μου πρῶτον.* Eur. Hec. 480. *ὡς τῆσδ' ἑκοῦσα παιδὸς οὐ μεθήσομαι.*
436. *θρίων*] Nonne *πρίνων*? Cf. Ran. 859. *σὺ δ' εὐθὺς ὥσπερ πρῖνος ἐμπρησθεὶς βοᾷς.*
481. *τριχοινικῶν ἐπῶν*] Cf. Cratet. com. 16. *ἔπη τριπηχῆ.*
558. *ἀπόφυξιν*] Cf. 562. 645. et ad Nub. 874. Scribendum, ni fallor, *ἀπόφευξιν.*
604. *περισέμνου*] Cf. *περίκομψος* Pac. 994.
713. *νάρκη μου — καταχεῖται*] Cf. 7. *ἐμοῦ — ὕπνου τι καταχεῖται γλυκύ.*
728. *τῆς ἡλικίας — συνθιασῶτα*] Cf. Pl. 508. *ξυνθιασώτα τοῦ λήρειν.*
733. *ἐμφανὴς*] Lege *ἐμφανῶς*. Cf. Pac. 946. *δαίμων — φανερῶς μεταβιβάζει.*
858. *ἡδὶ*] Matulam (*τὴν ἀμίδα*) dicit. Cf. Nub. 201. *ἀστρονομία*) *μὲν αὑτηί.*
861. *καὶ τὸν λιβανωτὸν*] Lege *τόν τε —*.
918. *θερμὸς*] Cf. Th. 735. *ὦ θερμόταται γυναῖκες.* Aesch. Sept. 603. Eum. 560. *ἀνδρὶ θερμῷ.*
942. *οὐκ αὖ σὺ —;*] Cf. Th. 852. *τί αὖ σὺ —;*
1002. *οὐ τοὐμοῦ τρόπου*] Cf. Eupol. 103, 2. *βληχητὰ τέκνα κοὐδαμῶς τοὐμοῦ τρόπου.* Fort. *οὐ τοὐμοῦ 'κ τρόπου.* Cf. Th. 93. *κομψὸν τὸ πρᾶγμα καὶ σφόδρ' ἐκ τοῦ σοῦ τρόπου.*
1015. *νῦν αὖτε*] Cf. Pac. 1270. Cratin. II. 111. Metag. II. 751. Hermipp. 63, 6.
1023. *οὐκ ἐκτελέσαι*] *οὐχὶ τρυφῆσαι* suggerit A. Palmer.
1178. *τὴν μητέρα —*] Similis ellipsis est Hor. Epod. 12, 15. Inachiam ter nocte potes.' 1255. *ἐκ κραιπάλης*] Cf. Ach. 277.

HALIS, TYPIS ORPHANOTROPHEI.